॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ज्योतिष ज्ञान प्रचारार्थ आर्य संस्कृति पोषके

श्री आर्यभट्ट पंचांगम् विद्वद् वृन्द समर्पिते

ॐ ह्रीं महासरस्वत्यै नमः

ॐ श्री सरस्वत्यैमया दृष्ट्वा वीणापुस्तक धारिणी।
हंसयुक्त विमानूढ़ा विद्या दान ददातु मे॥

श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा, ज्योतिष वाचस्पति

भारतीय ज्योतिष विद्या केन्द्र के प्रधानाचार्य

श्री आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र दिल्ली
द्वारा प्रणीत तथा सम्मानित

श्री आर्यभट्ट-पञ्चांगम्

श्री विक्रम सम्वत्-2079 शकः-1944 सन्-2022-2023 भारतीय गणराज्य सम्वत् 73-74

प्रधान सम्पादक : पं. लक्ष्मी नारायण शर्मा ज्योतिष वाचस्पति बी.ए. प्रभाकर साहित्यरत्न प्रधानाचार्य
सम्पादक : धर्मपाल अग्रवाल, 2/45-ए, वैस्ट ऐवन्यू मार्ग, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026

धर्मसन प्रकाशन नई सड़क दिल्ली-110006

मूल्य: 125.00

वर्ष 37

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

श्री आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र दिल्ली
द्वारा प्रणीत तथा सम्मानित

श्री आर्यभट्ट-पञ्चांगम्

श्री विक्रम सम्वत्-2079 • शाके :-1944

सन्-2022-2023 ई. • भारतीय गणराज्य संवत् 73-74

प्रधान सम्पादक
पं. लक्ष्मी नारायण शर्मा ज्योतिष वाचस्पति
बी.ए. प्रभाकर साहित्यरत्न, प्रधानाचार्य
भारतीय ज्योतिष विद्या केन्द्र, नई दिल्ली

सम्पादकः
धर्मपाल अग्रवाल
आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र, 2/45-ए,
वैस्ट ऐवन्यू मार्ग, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26

प्रकाशकः
धर्मसन प्रकाशन
2596, नई सड़क, दिल्ली-110006 ❖ दूरभाष : 9811282884, 7290900095

विषय सूची-2079

आर्यभट्ट पंचांग देखने की विधि

1. हमारे "आर्यभट्ट पंचांग" का निर्माण ग्रीनविच (ब्रिटेन) से उत्तर अक्षांश 28"।38 एवं पूर्व रेखांश 77"।12 के आधार पर किया गया है। अतएव इस पंचांग में निर्णीत सूर्योदयास्त भी पूर्वोक्त अक्षांशादि वाले स्थान अर्थात् दिल्ली शहर के हैं।
2. **आर्यभट्ट पंचांग** के गणित में प्राचीन ज्योतिर्विदों द्वारा प्रमाणित तथा भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सूक्ष्म दृक्‌गणित एवं चित्रा पक्षीय **निरयण पद्धति** को ही अपनाया गया है।
3. पक्षवाले सभी पृष्ठों पर दैनिक सूर्योदय और सूर्यास्त भारतीय समयानुसार दिल्ली शहर के हैं। सूर्योदयास्त में किरण-वक्री-भवन संस्कार के कारण वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अंतर आना स्वाभाविक है। अत: प्रत्यक्ष देखने के लिए सूर्योदय में 2 मिनट ऋण (-) तथा सूर्यास्त में 2 मिनट योग (+) करने की आवश्यकता है।
4. इस पंचांग में करण सूर्योदय कालीन दिये गये हैं। अग्रिम करण उससे आगे वर्तमान तिथि के अर्धभाग तक जानें।
5. सूर्य, चन्द्रादि ग्रहों का राश्यादि संचार एवं भद्रा-पंचक, ग्रहों के उदयास्त, वक्र-मार्ग आदि भा.स्टैं.टा. में हैं। जो भारत में सर्वत्र उसी टाइम में होंगे। यह इस पंचांग की विशेषता है।
6. महीनों में अष्टमी, पूर्णिमा एवं अमावस्या के ग्रह स्पष्टों के राश्यादि स्टैं.टा. प्रात: 5 घं. 30 मि. के हैं। नीचे उस दिन की गति और वक्री-मार्गी, उदयास्त व ग्रहों के नक्षत्र चरण दिये हैं। ग्रह स्पष्टों के साथ कुण्डली भी उपरोक्त समय की है।
7. लस्टर में A, B, C, D आदि चिन्ह दिये गये हैं, उनका मतलब यह है कि मैटर उस लाईन में नहीं आ सका, जो चिन्ह यहा लगाया वैसा ही चिन्ह कहीं दूसरी लाईन में लगाकर शेष मैटर लिखा है। नीचे लिखी संकेतावली को पंचांग देखने में काम लेने से सम्पूर्ण विषय समझ में आजावेंगे।
8. वार, तिथि, नक्षत्र, योग तथा करणों के साथ सामने दिये गये घटी-पल, उनका समाप्ति काल दर्शाते हैं जोकि स्थानीय सूर्योदय के उपरांत से माना जाये। उन घटी-पलों के घंटा-मिनट बनाकर उसमें पंचांग के स्थानीय सूर्योदय के घंटा-मिनट जोड़ देने से तिथि, नक्षत्र, योगादि का समाप्ति काल भा.स्टैं.टा. में ज्ञात हो जायेगा।
9. पाठकों की सुविधा के लिए तिथि, नक्षत्रादि के घटी-पलों के समाप्ति काल (सूर्योदय संस्कार करके) घंटा-मिनट में भी दे दिये गये हैं। जिससे तिथि, नक्षत्रादि के समाप्ति काल को घंटा-मिनट में जानने के लिए कोई परेशानी नहीं हो रही है। सीधे ही तिथ्यादि का समाप्ति काल घंटे-मिनट में पढ़ा जा सकता है। जहां 24 लिखा हो वह रात्रि के ठीक 12 बजे समझे जायें। जहां 27।18 लिखा हो वहां 27 में से 24 घटाकर रात्रि के 3 बजकर 18 मि. समझे जायें। यह समय भारतीय ज्योतिष परम्परानुसार सूर्योदय से पहले तक पूर्व तिथि में ही माना जायेगा।
10. पक्ष वाले पृष्ठों पर शुक्ल पक्ष में तिथि के कॉलम में 15 को पूर्णमासी तथा कृष्ण पक्ष में 30 को अमावस समझा जाये। शुक्ल पक्ष को सुदी, कृष्ण पक्ष को वदी भी कहते हैं।
11. रा. मि. पहले कॉलम में दी गई हैं। दिनमान घटी-पलों में दिया गया है। करणों के कॉलम के पश्चात् दि.मा. घ.प. में दिये गये हैं। उसके पश्चात् सूर्योदयास्त, प्रविष्टा, मु. तारीखें फिर अंग्रेजी तारीखें लिखी हैं।
12. दैनिक ग्रह स्पष्ट भा.स्टैं.टा. प्रात: 5।30 बजे (दिल्ली) के दिये गये हैं और लग्न का समाप्ति काल लिखा गया है। अपने अभीष्ट समय पर उनको ग्रह की दैनिक गति का संस्कार त्रैराशिक विधि से करके मार्गी ग्रह में युक्त करने, वक्री ग्रह में से घटाने से इष्ट समय के ग्रह स्पष्ट हो जाते हैं।
13. तिथि के क्षय के आगे (पक्ष वाले पृष्ठों में) शून्य (0) चिन्ह लगाया गया है। तिथि, नक्षत्रादि के आगे 60।00 घटी लिखा है। उस तिथि नक्षत्रादि की वृद्धि समझें।

पंचांग में लिखे शब्दों की संकेतावली (अकारादि क्रम से)

अ-अश्विनी (नक्षत्र), अतिगंड (योग), अग्नि (पंचक), अगस्त-अप्रैल-अक्टूबर (मास)
अनु.-अनुराधा (नक्षत्र)
आ.-आर्द्रा न., आयुष्मान् यो., आषा., आश्विन
अं.-अंश, अंग्रेजी (मास तारीख)
उ.-उदय, उपरात
उ.फा.-उत्तरा फाल्गुनी (नक्षत्र)
उ.षा.-उत्तराषाढ़ा (नक्षत्र)
उ.भा.-उत्तरा भाद्रपद (नक्षत्र)
ऐं-ऐन्द्र (योग)
क.-कर्क-कन्या (राशि), कला
का.-कार्तिक मास
क्रांति सा.-साम्य (महापात)
कृ.-कृतिका नक्षत्र, कृष्ण पक्ष
कु.-कुंभ राशि
गु.-गुरु (वार), गुरु ग्रह
गु.दा.-गुरु दान से
गो.-गोधूलि (लग्न)
गं.-गंड (योग)
घ.-घटी
घं.-घंटा
चि.-चित्रा (लग्न)
चै.-चैत्र (मास)
चौ.-चौर (पंचक)
चं.-चन्द्र (सोमवार), चन्द्र ग्रह
ज.-जयंती, जनवरी (मास)
जू.-जून (मास)
जु.-जुलाई (मास)
ज्ये.-ज्येष्ठ (मास), ज्येष्ठा (नक्षत्र)
ता.-तारीख
तु.-तुला राशि
दि. ल.-दिन में लग्न
ध.-धनु (राशि), धनिष्ठा (नक्षत्र)
धूलिमु.-धूलिमुख (अन्यगोधूली) लग्न
ध्रु.-ध्रुव (योग)
धृ.-धृति (योग)
नि.-निम्बार्क (सम्प्रदाय)
नृ.-नृप (पंचक)
प.-परिघ (योग), पल
प्र.-प्रवेश
प्रा.-प्रारंभ
प्री.-प्रीति (योग)
पु.-पुष्य (नक्षत्र)
पुन.-पुनर्वसु (नक्षत्र)
पू.फा.-पूर्वा फाल्गुनी (नक्षत्र)
पू.षा.-पूर्वाषाढ़ा (नक्षत्र)
पू.भा.-पूर्वाभाद्रपदा (नक्षत्र)
फाल्गु.-फाल्गुन (मास)
ब्र.-ब्रह्म योग
वृ.-वृद्धि योग
बु.-बुध (वार), बुध ग्रह
भ.-भरणी (नक्षत्र), भद्रा
भाद्र.-भाद्रपद (मास)
म.-मघा (नक्षत्र), मकर (राशि), मई (मास)
मा.-मार्गशीर्ष, माघ, मार्च (मास)
मि.-मिनट, मिथुन राशि (लग्न), मिति
मी.-मीन राशि
मु.-मुहूर्त
मू.-मूल (नक्षत्र)
मे.-मेष (राशि) लग्न
मृ.-मृगशिर (नक्षत्र), मृत्यु (पंचक)
र.-रवि (वार), रवि (ग्रह)
रा.-राहु (ग्रह), राष्ट्रीय, राशि
रे.-रेवती (नक्षत्र)
रो.-रोहणी (नक्षत्र), रोग (पंचक)
ल.-लग्न
व.-वज्र, वरियान् यो., वणिज क., वक्र गति
व्र.-व्रत
व्य.-व्यतिपात (योग)
वृ.-वृद्धि (योग), वृष, वृश्चिक (राशि)
व्या.-व्याघात (योग)
वि.-विशाखा (नक्षत्र), विष्कुंभ (योग), विकला
वि.मु.-विवाह मुहूर्त
वै.-वैष्णव सम्प्रदाय, वैधृत योग, वैशाख मास
श.-शनिवार, शनिग्रह, शतभिषा नक्षत्र
शि.-शिव योग
शु.-शुक्रवार, शुक्रग्रह, शुभ, शुक्लयोग, शुक्ल पक्ष
श्रा.-श्रावण (मास)
सा.-साध्य (योग)
स्वा.-स्वाती (नक्षत्र)
स्मा.-स्मार्त (सम्प्रदाय)
सि.-सिद्धि (योग), सितंबर मास
सिं.-सिंह (राशि)
सु.-सुकर्मा (योग)
सौ.-सौभाग्य (योग)
ह.-हस्त (नक्षत्र), हर्षल (योग)
हि.-हिन्दी (मास तारीख)

वक्तव्य

श्री आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र की स्थापना सन् 1983 में हुई और भारत सरकार से इसका पंजीकरण भी यथाविधि हो चुका है। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन विद्याओं, ज्योतिष गणित, सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान, अंक ज्योतिष, रमल ज्योतिष, यंत्र-मंत्र-तंत्र शास्त्र, स्वरोदय, राजयोगादि का प्रचार-प्रसार करना है। पहले इन विद्याओं को राज्याश्रय प्राप्त था और हिन्दू राजाओं के राज्यकाल में इनकी बहुत उन्नति हुई। परन्तु इस्लामी तथा ईसाई धर्मावलम्बी शासन में हमारी प्राचीन संस्कृति का उत्थान तो क्या उत्तरी भारत में प्राचीन ग्रन्थों तथा इनके आश्रय स्थलों का बलात् संहार किया गया। इसके ज्ञाता विद्वानों की संख्या में दिनोदिन कमी होती गई और विदेशी प्रभाव के फलस्वरूप देशी लोगों का इन विद्याओं पर विश्वास कम होता गया। इसमें स्वार्थी, ठग व अज्ञानी ज्योतिषियों के व्यवहार ने भी जनता के मानस में इन विद्याओं के प्रति अविश्वास तथा अरुचि की ही वृद्धि की।

स्वाधीनता प्राप्ति के बाद धर्म निरपेक्ष संविधान के अंतर्गत अन्य धर्मों तथा संस्कृतियों के समान हमको अपने प्राचीन लुप्त गौरव संस्कृति तथा महान् विद्याओं को फिर से उजागर करने की स्वतंत्रता प्राप्त हुई। विशेष रूप से जब विदेशी विद्वानों ने हमारे वेद, पुराण, शास्त्रों, उपनिषदों आदि के अध्ययन के पश्चात् हमारी विद्याओं, कलाओं और दर्शन आदि को प्रकाशित तथा प्रशंसित किया, तब हमारे देशवासियों को भी अपने यथार्थ का ज्ञान हुआ और हम भी इनकी खोज, अनुसंधान, प्रचार-प्रसार की ओर अधिक आकर्षित हुये। इस युग के महापुरुष श्री रामकृष्ण परमहंस देव के जीवन दर्शन को मैक्समूलर तथा रोमारोलां जैसे प्रख्यात विदेशी विद्वानों ने विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया। परमहंस देव के योग्य शिष्य स्वनाम धन्य स्वामी विवेकानन्द जी ने संयुक्त राज्य अमेरिका के शिकागो नगर में विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म की विजय पताका फहराई। स्वामी विवेकानंद जी ने अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप आदि देशों में घूम-घूमकर हिन्दू धर्म का यथाशक्ति प्रचार किया। तदोपरांत स्वामी रामतीर्थ जी ने भी विदेशों में यथाशक्ति प्रचार-प्रसार किया। इन महापुरुषों द्वारा स्थापित प्रचार केन्द्र देश-विदेश में आज तक अपना कार्य कर रहे हैं और इनके बताये मार्ग पर चलते हुए प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उसके बाद तो अनेकों संत-महापुरुषों तथा योगियों ने इसी मार्ग का अवलंबन किया। इन सब प्रयासों के फलस्वरूप देश-विदेश में जन-मानस में अपनी प्राचीन विद्याओं के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हुई।

इस समय अपने देश में बहुत सी संस्थाएं हैं जो देश के प्राचीन गौरव, संस्कृति, कला-कौशल तथा लुप्त विद्याओं के पुनरुत्थान तथा प्रचार-प्रसार में लगी हुई हैं। ज्योतिष विद्या हमारी प्राचीन विद्याओं में एक मुख्य विद्या है। वैदिक काल से यह चली आ रही है। यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि न तो इसे राज्य से कोई संरक्षण या प्रोत्साहन प्राप्त है और न देश के सम्पन्न वर्ग का सहयोग ही। फिर भी कुछ उत्साही जन अपने सीमित साधनों से इसको अपना उचित स्थान दिलाने के प्रयास में लगे हुए हैं। उत्तर भारत पर विदेशी बर्बर जातियों के लगातार आक्रमणों के फलस्वरूप हमारे बहुत से मठ, मन्दिरों, पूजा स्थलों के साथ-साथ बहुत से अमूल्य हस्तलिखित ग्रन्थ नष्ट हो गये। विदेशी प्रभाव से धर्म परिवर्तन से बचें। लोगों के मानस पर अपने धर्म ग्रन्थों तथा प्राचीन विद्याओं की ओर रुचि नहीं रही। इस कारण उत्तर भारत में इस विद्या का सबसे अधिक ह्रास हुआ। जबकि दक्षिण भारत में धर्म साहित्य तथा प्राचीन विद्याओं का ज्ञान भंडार अभी भी बहुत अंशों में सुरक्षित है। उस भू-भाग के कतिपय विद्वान् प्राचीन ग्रन्थों को अंग्रेजी भाषा के माध्यम से प्रचारित व प्रसारित करने के प्रयत्नों में लगे हुए हैं। उत्तर भारत में विशेष रूप से हिन्दी भाषी जनता को इन विद्याओं का ज्ञान कराने की बहुत आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए देश के केन्द्र राजधानी दिल्ली में कुछ उत्साही जिज्ञासुओं ने आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र को पंजीकृत कराया है। इस केन्द्र ने ज्योतिष प्रेमी सज्जनों के लिए अत्यंत उपयोगी ग्रन्थ "शतक मार्त्तण्ड" का सम्पादन व प्रकाशन करवाया है।

ज्योतिष शास्त्र आज जिस स्थान पर है, उसको इस स्तर तक पहुंचने में सैकड़ों वर्ष लगे हैं। समय-समय पर जिन विद्वानों ने नई खोजों, आविष्कारों तथा गणित के नियमों द्वारा इसकी प्रगति में सहयोग किया है, उनका नाम ज्योतिष इतिहास में सदा अमर रहेगा। ऐसे ही एक महापुरुष ज्योतिष शास्त्र के परम ज्ञाता श्री **आर्यभट्ट** थे, जिनका जन्म 476 ई. में हुआ था। उन्होंने ज्योतिष का प्रसिद्ध ग्रन्थ "आर्य भटीय" कुसुमपुर (पटना) में लिखा। इसमें सूर्य और तारागणों के स्थिर होने और पृथ्वी के घूमने के कारण दिन और रात होने का वर्णन है। सूर्य और चन्द्रग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या है। स्वर और व्यंजनों की सहायता से बड़ी-बड़ी संख्याओं की गणना करने की रीति बनाई है। वर्ग, वर्गमूल, घन, घनमूल आदि गणित विद्याओं का वर्णन सर्वप्रथम इसी ग्रन्थ में मिलता है। इन्हीं महापुरुष के नाम पर आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र का नाम रखा गया है। आशा है इनके नाम से प्रोत्साहन पाकर अर्वाचीन विद्वान् नये-नये प्रयोग व आविष्कार करने में सफल होंगे।

शतक मार्त्तण्ड जैसे उपयोगी ग्रन्थ का प्रकाशन करने के बाद एक ऐसे पंचांग के प्रकाशन का निर्णय लिया गया जिसमें ज्योतिषियों के लिए उपयोगी अधिक से अधिक विषय सरल सुलभ भाषा में समाविष्ट किये जा सकें। अतः हमने श्री आर्यभट्ट पंचांग ज्योतिषियों के लाभार्थ सम्पादन तथा प्रकाशन आरंभ किया। ज्योतिष प्रेमी सज्जनों तथा विद्वानों से हमारा विनम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों के लिए क्षमा प्रदान करते हुए अपने सुझाव तथा परामर्शों द्वारा प्रोत्साहन प्रदान करेंगे ताकि अगले अंक में अधिक से अधिक परम उपयोगी विषयों का समावेश किया जा सके।

—सम्पादक

महर्षि आर्यभट्ट

वराहमिहिर और आर्यभट्ट हमारे प्राचीनतम आचार्यों में से हैं। वराहमिहिर ने प्रसिद्ध ज्योतिष ग्रन्थ **वृहत् जातक** की रचना की और आर्यभट्ट प्रथम ने **आर्यभटीय** ग्रन्थ लिखा। ज्योतिष का क्रमबद्ध इतिहास आर्यभट्ट के समय से ही मिलता है। यद्यपि वेदों के समय से ज्योतिष का ज्ञान आरंभ हो गया था और ज्योतिष वेद के प्रमुख अंगों में से एक है। तब से आर्यभट्ट के समय तक सूर्यादि ग्रह, काल बोध, ग्रह-नक्षत्र, धूमकेतु, ग्रहण, ग्रह-नक्षत्रों की गति स्थिति का ज्ञान, सिद्धांत, होरा, प्रश्न, शकुन, ज्योतिष आदि का आविष्कार हो गया था। नक्षत्रों की आकृति, स्वरूप, गुण, प्रभाव आदि की परिभाषा, ऋतु, अयन, दिनमान लग्नादि के शुभाशुभ फलों का ज्ञान, राशियों और ग्रहों के स्वरूप, रंग, दिशा, तत्व, धातु आदि का विवेचन, ब्राह्मण और आरण्यक ग्रन्थों की रचना काल तक पूर्णरूप से ज्ञात हो गये थे। ग्रहों की गति, स्थिति, अयनांश, मुहूर्त, शुभाशुभ समय का निर्णय, यथा ज्योतिष के पांचों अंगों-होरा सिद्धांत, गणित संहिता, मुहूर्त, फलित प्रश्न तथा शकुन शास्त्र की निरंतर उन्नति होती गई थी।

अन्य शास्त्रों के समान ज्योतिष के आविष्कर्त्ता भी भारतीय ही हैं। योगाभ्यास द्वारा प्राचीन ऋषियों ने अपनी सूक्ष्म प्रज्ञा से शरीर के अंदर ही समस्त सौर मण्डल के दर्शन किये और आत्म-निरीक्षण से आकाशीय सौर मण्डल की व्याख्या की। अंक विद्या ही इस शास्त्र का आधार है और इसका श्री गणेश भारत में ही हुआ था। प्राचीन भारत में तक्षशिला, नालन्दा आदि स्थानों पर विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षण संस्थाएं थीं, जहां पर दूर-दूर देशों के विद्यार्थी विद्या अध्ययन करने के लिए आते थे और अपने देशों में जाकर इसका प्रचार करते थे। ऋग्वेद तथा शतपथ ब्राह्मण के अध्ययन से पता चलता है कि कम से कम 28000 वर्ष पहले भी भारतीयों ने खगोल तथा ज्योतिष शास्त्र का पूर्ण रूप से मन्थन कर लिया था।

आर्यभट्ट नाम के दो विद्वान् ज्योतिषी हुए हैं। आर्यभट्ट प्रथम का जन्म ईस्वी सन् 476 में हुआ था। अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ **आर्यभटीय** में इन्होंने सूर्य एवं तारागण के स्थिर होने तथा पृथ्वी के घूमने के कारण दिन और रात होने का वर्णन किया है। इन्होंने पृथ्वी की परिधि 4967 योजन बताई है। सूर्य और चन्द्रग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या की है। काल-क्रिया पाद में युग के दो समान भाग करके पूर्व भाग को उत्सर्पिणी तथा उत्तर भाग को अवसर्पिणी संज्ञा दी है तथा प्रत्येक के छः-छः भेद बताये हैं। ग्रहों को स्पष्ट करने की विधि बतलाई है। बुध और शुक्र को विलक्षण संस्कार से स्पष्ट करना बताया है। सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य इन्होंने यह किया कि अंक (संख्या) के द्योतक क, ख, ग, आदि वर्णों की कल्पना की और अ, आ, इ, ई आदि स्वर वर्ण तथा क, ख, ग आदि व्यंजन वर्णों को एक-एक संख्या वाचक अर्थ देकर बड़ी-बड़ी संख्याओं को लिखने की विधि का आविष्कार किया। इसी विधि को बाद में रोमनों ने अंग्रेजी अक्षरों में भी लिया-जैसे पांच के लिए V, दस के लिए X आदि-आदि।

महर्षि आर्यभट्ट ने क=1, ख=2, ग=3, घ=4, ङ=5, च=6, छ=7, ज=8, इसी प्रकार क्रम से म=25, य=30, र=40, ल=50, व=60, श=70, ष=80, स=90, ह=100; क=एक, कि=सौ, कु=दस हजार, कृ=दस लाख, क्लृ=दस करोड़, के=दस अरब, कै=दस खरब, को=दस नील, कौ=दस शंख, इसी प्रकार ख=दो, खि=दो सौ, खु=बीस हजार आदि-आदि। इसी प्रकार वर्णों द्वारा संख्यायें लिखने की विधि विस्तार से समझायी है। आर्यभट्ट ने अपने विख्यात ग्रन्थ **आर्यभटीय** की रचना प्राचीन कुसुमपुर (जो आज का पटना नगर है) में रहकर की थी। इस ग्रन्थ के गणित पाद (प्रकरण) में वर्ग, वर्गमूल, घन, घनमूल एवं अन्य व्यवहार श्रेणियों का विशद् विवेचन किया है।

आर्यभट्ट द्वितीय ब्रह्मगुप्त के बाद, यानि 598 ई. के बाद और भास्कराचार्य, जिनका काल 1114 ई. के पहले का है, इन दोनों के मध्य कभी हुए थे। इनका रचित ग्रन्थ **महा आर्यभटीय** है। इसमें 18 अध्याय हैं। जिनमें पाटी गणित, क्षेत्र व्यवहार तथा बीजगणित भी सम्मिलित है। प्रथम आर्यभट्ट के सिद्धांतों में इन्होंने कई संशोधन किये। इस ग्रन्थ की परम्परा को बाद के अनेक ज्योतिषियों ने अपनाया। इसी कारण इनका ग्रन्थ **महा आर्यभटीय** भी बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इनके जीवन के विषय में विशेष कुछ ज्ञात नहीं है परन्तु इनकी अपूर्व विद्वता तथा महान पाण्डित्य इनके अनुपम ग्रन्थ से ही ज्ञात हो जाता है। दोनों ही आर्यभट्ट ज्योतिष के महान विद्वान् थे और इसी कारण भारत ने अपने उपग्रह का नाम इनके नाम पर रखा। ये दोनों विद्वान् महान गणितज्ञ थे और आधुनिक वैज्ञानिक उपग्रह प्रणाली आदि उन्हीं के द्वारा बनाये गणित को और आगे बढ़ाते हुए आज की उच्च अवस्था तक पहुंची है।

हमने अपनी अनुसंधान संस्था का नामकरण इन्हीं विभूतियों के नाम पर किया है और आशा करते हैं कि इनके आशीर्वाद से हम ज्योतिष विद्या में नई-नई बातों का शोध तथा आविष्कार करने में सफलता प्राप्त करेंगे और इनके नाम के अनुसार प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। हम ज्योतिष प्रेमियों से पूर्ण सहयोग की आशा करते हैं और अनुरोध करते है कि आप अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

— लक्ष्मी नारायण शर्मा
बी.ए. प्रभाकर, साहित्यरत्न
ज्योतिष वाचस्पति

प्रमुख व्रतोत्सव, अवकाश दिन तथा वर्गीकृत व्रत पर्वादि सं. 2079 वि.

भारत सरकार द्वारा मान्य अवकाश दिन (ता. 2 अप्रैल 2022 से 21 मार्च 2023 ई. तक)

अवकाश	ता.	मास
श्री राम नवमी	10	अप्रै.
वैशाखी, डॉ. अम्बेडकर ज.	14	"
श्री महावीर जयन्ती	14	"
गुड फ्राइडे	15	"
मई दिवस	01	मई
ईद-उल-फित्र	03	"
बुद्ध पूर्णिमा	16	"
गंगा दशहरा	09	जून
ईद-उल-जुहा (बकरीद)	10	जुला.
मुहर्रम ताजिया	09	अग.
रक्षा बंधन	11	"
भा. स्वतंत्रता दिवस 76वां वर्ष	15	"
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	18	"
श्री गणेश जन्म चतुर्थी	31	"
अनन्त चतुर्दशी	09	सितं.
चैहल्लुम मु. (ऐ.)	18	"
श्री अग्रसेन जयंती	26	"
महात्मा गांधी व शास्त्री ज.	02	अक्टू.
विजया दशमी	05	"
ईद-ए-मिलाद (ऐ.)	09	अक्टू.
श्री वाल्मीकि जयंती	09	"
ईद-ए-मौलाद (ऐ.)	14	"
दीपावली	24	"
महावीर निर्वाण दिवस	25	"
भैया दूज	27	"
गुरु नानक देव जयंती	08	नवं.
गुरु तेग बहादुर बलिदान दि.	28	"
क्रिसमस डे	25	दिसं.
गुरु गोविन्द सिंह जयंती	29	"
अंग्रेजी नववर्ष 2023 प्रा. (ऐ.)	01	जन.
लोहड़ी उत्सव (पं.-हरि.-हि.प्र.)	13	"
मकर संक्रांति (ऐ.)	14	"
भा. गणतंत्र दिवस 74वां वर्ष	26	"
वसंत पंचमी	26	"
श्री महाशिवरात्री व्रत	18	फर.
शब-ए-मिराज (ऐ.)	19	"
होलिका दहन	06	मार्च
शब-ए-बारात (ऐ.)	08	"

प्रमुख व्रत पर्वोत्सवादि

व्रत पर्व	ता.	मास
नववर्ष प्रारंभ, गुडी पड़वा	02	अप्रै.
गौतम ज., घट स्थापना, चेटीचण्ड	02	"
झूलेलाल ज., सिंधारा (राज.)	02	"
मत्स्य जयंती	04	"
गणगौरी 3, गौरी 3, मनोरथ 3	04	"
विनायक 4, श्री पंचमी, हय व्रत	05	"
स्कंद षष्ठी व्रत, यमुना जयंती	07	"
श्री दुर्गाष्टमी (भवान्युत्पत्ति)	09	"
महाष्टमी, अशोकाष्टमी	09	"
श्री रामनवमी, नवरात्र पूर्ण	10	"
कामदा एकादशी व्रत	12	"
हरिदमनोत्सव	13	"
वैशाखी पर्व, अनंग त्रयोदशी	14	"
दमनक चतुर्दशी	15	"
चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नान प्रा.	16	अप्रै.
श्री हनुमान जयंती	16	"
अनुसुइया जयंती	20	"
शीतला पूजन, बूढ़ा बासोड़ा	23	"
बाबू कुंबरसिंह जयंती	23	"
शुकदेव मुनि जन्म	30	"
विश्व मजदूर दिवस	01	मई
देव दामोदर पुण्य तिथि (असम)	01	"
अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती	03	"
स्वामी वासुदेवाचार्यजी ज. (बिहार)	05	"
श्री रामानुजाचार्य जयंती	07	"
श्री गंगा सप्तमी (गंगोत्पत्ति)	08	"
श्री सीता नवमी (जानकी ज.)	10	"
रुक्मिणी द्वादशी	13	"
अशोक त्रिरात्री व्रत	14	"
श्री नृसिंह जयंती	14	"
कूर्म जयंती	15	मई
वैशाख स्नान स., छिन्नमस्ता ज.	16	"
बुद्ध पूर्णिमा, पीपल पूजन	16	"
देवर्षि नारद जयंती	17	"
श्री दादूदयाल पुण्य तिथि	23	"
मधुसूदन द्वादशी	27	"
भावुका अमावस्या, शनैश्चर जयंती	30	"
वट सावित्री व्रत-पूजन	30	"
करवीर व्रत	31	"
दशाश्वमेध घाट स्नानारंभ:	31	"
रम्भा तृतीया व्रत	02	जून
श्रुति पंचमी	04	"
विश्व पर्यावरण दिवस	05	"
जामित्र षष्ठी (बंगाल)	05	"
विन्ध्यवासिनी ज.	05	"
धूमावती जयंती	08	"
श्री गंगा दशहरा, महेश नवमी	09	"
चम्पक द्वादशी	11	"
वट सावित्री व्रत प्रा.	12	"
कोजागरी व्रत, ज्येष्ठी पूर्णिमा	14	"
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21	"
गुप्त नवरात्रा प्रा.	30	"
मनोरथ द्वितीया (बंगाल)	01	जुला.
जगदीश रथ यात्रा (पुरी)	01	"
कुमार षष्ठी व्रत	05	"
वैवस्वत सप्तमी (सूर्य पूजन)	06	"
भड्डली नवमी, शूद्रादि 9	08	"
गुप्त नवरात्रा स.	08	"
आशा दशमी व्रत	09	"
यमनियमादि चातुर्मास्य प्रा.	10	"
जैन चातुर्मास्य प्रा.	12	"
आषाढ़ी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत	13	"
गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा	13	"
अशून्य शयन व्रत प्रा. (बंगाल)	14	"
नाग पंचमी (मरुस्थले)	18	"
मंगला गौरी पूजा	19	"
शीतला सप्तमी (उड़ीसा)	19	"
केर पूजा (त्रिपुरा), तिलक जयंती	23	"
हरियाली-मन्वादि-चितलगी 30	28	जुला.
सिंधारा (राजस्थान)	30	"
हरियाली 3, मधुश्रवा (छोटी) तीज	31	"
लोकमान्य तिलक पुण्य दिवस	01	अग.
वरद चतुर्थी, बहुला चतुर्थी	01	"
नाग पंचमी देशाचारे	02	"
शीतला सप्तमी (सिंध), भानु 7	04	"
पवित्रार्पण द्वादशी	09	"
ऋग्वेदी उपाकर्म, हयग्रीव जयंती	11	"
रक्षाबंधन, अमरनाथ दर्शन (कश्मीर)	11	"
श्रावणी पूर्णिमा, गायत्री जयंती	12	"
अशून्य शयन व्रत पूर्ण (बंगाल)	13	"
कज्जली (बड़ी) तीज, सातुड़ी तीज	14	"
भा. स्वतंत्रता दिवस 76वां वर्ष	15	"
संकट चतुर्थी, बहुला चतुर्थी	15	"
रक्षा पंचमी (उड़ीसा)	16	"
चन्दन षष्ठी व्रत, हल षष्ठी	17	"
ऊभी षष्ठी, ललही षष्ठी	17	"
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत	18	"
मां आद्यकाली जयंती	19	"
गोगा नवमी, नंदोत्सव (गोकुल)	20	"
गोवत्स द्वादशी	24	"
अघोरा 14, कैलाश यात्रा	26	"
कुशोत्पाटिनी पिठोरी अमावस्या	27	"
मन्वादि 30, लोहार्गल यात्रा (क.)	27	"
हरितालिका 3, गौरी 3	30	"
विनायक 4, कलंकी 4, पत्थर 4	31	"
संवत्सरी जैन, ऋषि पंचमी व्रत	01	सितं.
सूर्य षष्ठी व्रत, ललिता 6 (गुज.)	02	"
बलदेव षष्ठी	02	"
मुक्ताभरण 7, संतान सप्तमी	03	"
श्री राधा जयंती	03	"
श्री चन्द 9, अदु:ख 9, दधीची ज.	04	"
शिक्षक दिवस	05	"
वामन जयंती, भुवनेश्वरी जयंती	07	"
अनन्त चतुर्दशी व्रत	09	"
प्रोष्ठपदी पूर्णिमा व्रत, महालयारंभ	10	"
जीवित्पुत्रिकाष्टमी व्रत	18	"

नोट-अवकाश (ऐ.) को ऐच्छिक अर्थात् वैकल्पिक समझें। मुस्लिम त्यौहार चांद से होते हैं। स्थान भेद आदि कारणों से कभी-कभी एक दिन का फर्क आ जाता है। अवकाशों का सरकारी गजट से मिला लेना आवश्यक है।

दमनक चतुर्दशी	15 "	श्री नृसिंह जयंती	14 "	कर पूजा (त्रिपुरा), तिलक जयंती	23 "	जीवत्पुत्रिकाष्टमी व्रत	18 "

नोट-अवकाश (ऐ.) को ऐच्छिक अर्थात् वैकल्पिक समझें। मुस्लिम त्यौहार चांद से होते हैं। स्थान भेद आदि कारणों से कभी-कभी एक दिन का फर्क आ जाता है। अवकाशों को सरकारी गजट से मिला लेना आवश्यक है।

सौभाग्यवती स्त्रीणां श्राद्ध	19 सितं.
शारदीय नवरात्र प्रा., घटस्थापन	26 "
उपांग ललिता पंचमी व्रत	30 "
महात्मा गांधी व शास्त्री जयंती	02 अक्टू.
सरस्वती आवाहनम्, भद्रकाल्यावतार	02 "
सरस्वती पूजनं, महाष्टमी, दुर्गाष्टमी	03 "
महानवमी, नवरात्र पूर्ण	04 "
सरस्वती विसर्जन	04 "
विजया दशमी (रावण दाह)	05 "
अपराजिता व शमी पूजन	05 "
भरत मिलाप	06 "
कोजागर व्रत, कार्तिक स्नान प्रा.	09 "
शरत्पूर्णिमा, रास पूर्णिमा (वृंदावन)	09 "
करवा चौथ, कर्क 4, दशरथ 4	13 "
अहोई अष्टमी	17 "
गोवत्स द्वादशी (गोवत्स पूजन)	22 "
धनतेरस, धन्वंतरी जयंती	23 "
यमाय दीपदानम्	23 "
नरकहारिणी रूप चतुर्दशी	24 "
दीपावली, महालक्ष्मी पूजन	24 "
महावीर निर्वाण दिवस	25 "
विश्वकर्मा जयंती	25 "
गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, बली पूजा	26 "
भैया दूज, यम द्वितीया, यमुना स्नान	27 "
चित्रगुप्त पूजन	27 "
सूर्य षष्ठी व्रतारंभ (बिहार)	28 "
सौभाग्य पंचमी, पाण्डव ज्ञान 5	29 "
सूर्य षष्ठी (डाला छठ) पूजा (बिहार)	30 "
इन्दिरा गांधी पुण्य दि., स. पटेल ज.	31 "
गोपाष्टमी	01 नवं.
अक्षय नवमी, कूष्माण्ड 9	02 "
आंवला 9, कृतयुगादि 9	02 "
आशा दशमी	03 "
प्रबोधिनी 11 व्रत, तुलसी विवाह	04 "
भीष्म पंचक व्रत प्रा.,	04 "
कालीदास जयंती	05 "
वैकुण्ठ 14 व्रत	06 "
चातुर्मास्य व्रत नियमादि पूर्ण जैन	07 "
गुरु नानकदेव जयंती, देव दीपोत्सव	08 "
कार्तिकी पूर्णिमा, मन्वादि 15	08 "
कार्तिक स्नान पूर्ण, भीष्म पंचक पू.	08 "

पं. जवाहर लाल नेहरू ज.	14 नवं.
बाल दिवस	14 "
श्री काल भैरवाष्टमी	16 "
श्रीमती इंदिरा गांधी जन्म दिवस	19 "
ऋषभदेव मोक्ष	22 "
स्कंद षष्ठी	28 "
विश्व एड्स दिवस	01 दिसं.
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ज. दि.	03 "
श्री दत्तात्रेय जयंती	07 "
भारतीय झण्डा दिवस	07 "
अन्नपूर्णा जयंती	08 "
विश्व मानवाधिकार दिवस	10 "
भगवान बोधायन जयंती	20 "
स्वा. श्रद्धानंद बलिदान दि.	23 "
क्रिसमस डे (बड़ा दिन)	25 "
न्यू ईयर इवनिंग डे	31 "
सन् 2023 ई.	
नववर्ष प्रारंभ	01 जन.
पौषी पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान प्रा.	06 "
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य दिवस	11 "
स्वामी विवेकानन्द जयंती	12 "
लोहड़ी उत्सव	13 "
मकर संक्रांति, पोंगल पर्व	14 "
श्री रामानंदाचार्य ज.	14 "
भारतीय थल सेना दिवस	15 "
श्री शीतलनाथ जन्म-तप (जैन)	19 "
मौनी अमावस्या	21 "
गुप्त नवरात्रा प्रा.	22 "
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती	23 "
गौरी 3 व्रत, गोंतरी (पं.)	24 "
वरद-तिल 4	25 "
वसन्त (श्री) पंचमी	26 "
सरस्वती पूजन	26 "
भारतीय गणतंत्र दिवस 74 वां वर्ष	26 "
तक्षक पूजा, रति कामोत्सव	26 "
दारिद्रय हरण 6, शीतला 6 (बंगाल)	27 "
रथ सप्तमी, आरोग्य 7, अचल 7	28 "
मन्वादि 7, भानु 7, चन्द्रभागा 7	28 "
भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी	28 "
महात्मा गांधी पुण्य दिवस	30 "
गुप्त नवरात्रा समा.	30 "

भीष्म 12 (भीष्म तर्पण), तिल 12	02 फर.
संत रैदास ज., ललिता जयंती	05 "
माघ स्नान पूर्ण	05 "
वैलेंटाइन डे	14 "
समर्थ गुरु रामदास जयंती	15 "
महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती	15 "
श्री महाशिवरात्री व्रत	18 "
वीर शिवाजी जयंती	19 "
शिव खप्पर पूजन	20 "
फुलरिया दूज, रामकृष्ण परमहंस ज.	21 "
पं. लेखराम वीर तृतीया	22
महर्षि याज्ञवल्क जयंती	24 "
गोरूपिणी षष्ठी (बंगाल)	25 "
होलाष्टक प्रारम्भ, दादुदयाल जयंती	27 "
होलिका दहन	06 मार्च
मन्वादि 15	07 "
छारेंडी, होली (धुलैण्डी)	07 "
चैतन्य महाप्रभु ज., होलाष्टक पूर्ति	07 "
वसन्त प्रतिपदा	08 "
गणगौरी पूजनारंभ (राज.)	08 "
रंग पंचमी	12 "
एकनाथ षष्ठी व्रत	13 "
शीतला पूजन	14 "
शीतलाष्टमी	15 "
रंग त्रयोदशी	19 "
मन्वादि 30, चान्द्रसंवत्सर 2079 पूर्ण	21 "

विनायक चौथ व्रत (शुक्ल पक्षीय)

चैत्र	मंगलवार	05 अप्रै.
वैशाख	बुधवार	04 मई
ज्येष्ठ	शुक्रवार	03 जून
आषाढ़	रविवार	03 जुला.
श्रावण	सोमवार	01 अग.
भाद्रपद	बुधवार	31 अग
आश्विन	गुरुवार	29 सितं.
कार्तिक	शुक्रवार	28 अक्टू.
मार्गशीर्ष	रविवार	27 नवं.
पौष	सोमवार	26 दिसं.
	सन् 2023 ई.	
माघ	मंगलवार	24 जन.
फाल्गुन	गुरुवार	23 फर.

चतुर्थी व्रत (कृष्ण पक्षीय)

वैशाख	मंगलवार	19 अप्रै.
ज्येष्ठ	गुरुवार	19 मई
आषाढ़	शुक्रवार	17 जून
श्रावण	शनिवार	16 जुला.
भाद्रपद	सोमवार	15 अग.
आश्विन	मंगलवार	13 सितं.
कार्तिक	गुरुवार	13 अक्टू.
मार्गशीर्ष	शनिवार	12 नवं.
पौष	रविवार	11 दिसं.
	सन् 2023 ई.	
माघ	मंगलवार	10 जन.
फाल्गुन	गुरुवार	09 फर.
चैत्र	शनिवार	11 मार्च

मासिक दुर्गाष्टमी व्रत

चैत्र	शनिवार	9 अप्रै.
वैशाख	सोमवार	9 मई
ज्येष्ठ	बुधवार	8 जून
आषाढ़	गुरुवार	7 जुला.
श्रावण	शुक्रवार	5 अग.
भाद्रपद	रविवार	4 सितं.
आश्विन	सोमवार	3 अक्टू.
कार्तिक	मंगलवार	1 नवं.
मार्गशीर्ष	बुधवार	30 "
पौष	शुक्रवार	30 दिसं.
	सन् 2023 ई.	
माघ	रविवार	29 जन.
फाल्गुन	सोमवार	27 फर.

मासिक कालाष्टमी व्रत

वैशाख	शनिवार	23 अप्रै.
ज्येष्ठ	रविवार	22 मई
आषाढ़	मंगलवार	21 जून
श्रावण	बुधवार	20 जुला.
भाद्रपद	शुक्रवार	19 अग.
आश्विन	शनिवार	17 सितं.
कार्तिक	सोमवार	17 अक्टू.
मार्गशीर्ष	बुधवार	16 नवं.
पौष	शुक्रवार	16 दिसं.

सन् 2023 ई.

माघ	रविवार	15 जन.
फाल्गुन	सोमवार	13 फर.
चैत्र	बुधवार	15 मार्च

एकादशी व्रत

चैत्र	शुक्ल	कामदा	12 अप्रै.
वैशाख	कृष्ण	वरूथिनी	26 "
"	शुक्ल	मोहिनी	12 मई
ज्येष्ठ	कृष्ण	अपरा	26 "
"	शुक्ल	निर्जला	10 जून
आषाढ़	कृष्ण	योगिनी	24 "
"	शुक्ल	देवशयनी	10 जुला.
श्रावण	कृष्ण	कामदा	24 "
"	शुक्ल	पुत्रदा	08 अग.
भाद्रपद	कृष्ण	अजा	23 "
"	शुक्ल	पद्मा (जलझूलनी)	06 सितं.
आश्विन	कृष्ण	इन्दिरा	21 "
"	शुक्ल	पापांकुशा	06 अक्टू.
कार्तिक	कृष्ण	रमा	21 "
"	शुक्ल	देवप्रबोधिनी	04 नवं.
मार्गशीर्ष	कृष्ण	उत्पत्ति	20 "
"	शुक्ल	मोक्षदा	03 दिसं.
पौष	कृष्ण	सफला	19 "

सन् 2023 ई.

पौष	शुक्ल	पुत्रदा	02 जन.
माघ	कृष्ण	षट्तिला	18 "
"	शुक्ल	जया	01 फर.
फाल्गुन	कृष्ण	विजया	16 "
"	शुक्ल	आमलकी	03 मार्च
चैत्र	कृष्ण	पापमोचनी	18 "

प्रदोष व्रत

चैत्र	शुक्ल	गुरुवार	14 अप्रै.
वैशाख	कृष्ण	गुरुवार	28 "
"	शुक्ल	शुक्रवार	13 मई
ज्येष्ठ	कृष्ण	शुक्रवार	27 "
"	शुक्ल	रविवार	12 जून
आषाढ़	कृष्ण	रविवार	26 "
"	शुक्ल	सोमवार	11 जुला.
श्रावण	कृष्ण	सोमवार	25 जुला.
"	शुक्ल	मंगलवार	09 अग.
भाद्रपद	कृष्ण	बुधवार	24 "
"	शुक्ल	गुरुवार	08 सितं.
आश्विन	कृष्ण	शुक्रवार	23 "
"	शुक्ल	शुक्रवार	07 अक्टू.
कार्तिक	कृष्ण	रविवार	23 "
"	शुक्ल	शनिवार	05 नवं.
मार्गशीर्ष	कृष्ण	सोमवार	21 "
"	शुक्ल	सोमवार	05 दिसं.
पौष	कृष्ण	बुधवार	21 "

सन् 2023 ई.

पौष	शुक्ल	बुधवार	04 जन.
माघ	कृष्ण	गुरुवार	19 "
"	शुक्ल	शुक्रवार	03 फर.
फाल्गुन	कृष्ण	शनिवार	18 "
"	शुक्ल	शनिवार	04 मार्च
चैत्र	कृष्ण	रविवार	19 "

मासिक शिवरात्रि व्रत

वैशाख	शुक्रवार	29 अप्रै.
ज्येष्ठ	शनिवार	28 मई
आषाढ़	सोमवार	27 जून
श्रावण	मंगलवार	26 जुला.
भाद्रपद	गुरुवार	25 अग.
आश्विन	शनिवार	24 सितं.
कार्तिक	रविवार	23 अक्टू.
मार्गशीर्ष	मंगलवार	22 नवं.
पौष	बुधवार	21 दिसं.

सन् 2023 ई.

माघ	शुक्रवार	20 जन.
फाल्गुन	शनिवार	18 फर.
चैत्र	सोमवार	20 मार्च

पूर्णिमा व्रत

चन्द्रोदय व्यापिनी	मास	सूर्योदय व्यापिनी
16 अप्रै.	चैत्र	16 अप्रै.
15 मई	वैशाख	16 मई
13 जून	ज्येष्ठ	14 जून
13 जुला.	आषाढ़	13 जुला.
11 अग.	श्रावण	12 अग.
09 सितं.	भाद्रपद	10 सितं.
09 अक्टू.	आश्विन	09 अक्टू.
07 नवं.	कार्तिक	08 नवं.
07 दिसं.	मार्गशीर्ष	08 दिसं.
	सन् 2023 ई.	
06 जन.	पौष	06 जन.
05 फर.	माघ	05 फर.
06 मार्च	फाल्गुन	07 मार्च

अमावस्याएं

पितृकार्या तर्पणादि निमित्त	मास	देवकार्या स्नान दानार्थ
30 अप्रै.	वैशाख	30 अप्रै.
30 मई	ज्येष्ठ	30 मई
28 जून	आषाढ़	29 जून
28 जुला.	श्रावण	28 जुला.
27 अग.	भाद्रपद	27 अग.
25 सितं.	आश्विन	25 सितं.
25 अक्टू.	कार्तिक	25 अक्टू.
23 नवं.	मार्गशीर्ष	23 नवं.
23 दिसं.	पौष	23 दिसं.
	सन् 2023 ई.	
21 जन.	माघ	21 जन.
20 फर.	फाल्गुन	20 फर.
21 मार्च	चैत्र	21 मार्च

श्री सत्यनारायण व्रत

चैत्र	शनिवार	16 अप्रै.
वैशाख	रविवार	15 मई
ज्येष्ठ	सोमवार	13 जून
आषाढ़	बुधवार	13 जुला.
श्रावण	गुरुवार	11 अग.
भाद्रपद	शुक्रवार	09 सितं.
आश्विन	रविवार	09 अक्टू.
कार्तिक	सोमवार	07 नवं.
मार्गशीर्ष	बुधवार	07 दिसं.

सन् 2023 ई.

पौष	शुक्रवार	06 जन.
माघ	रविवार	05 फर
फाल्गुन	सोमवार	06 मार्च

सायन संक्रांतियां

वृष	बुधवार	20 अप्रै.
मिथुन	शनिवार	21 मई
कर्क	मंगलवार	21 जून
सिंह	शनिवार	23 जुला.
कन्या	मंगलवार	23 अग.
तुला	शुक्रवार	23 सितं.
वृश्चिक	रविवार	23 अक्टू.
धनु	मंगलवार	22 नवं.
मकर	गुरुवार	22 दिसं.

सन् 2023 ई.

कुम्भ	शुक्रवार	20 जन.
मीन	रविवार	19 फर.
मेष	मंगलवार	21 मार्च

निरयण संक्रांतियां (पुण्यकाल)

मेष	गुरुवार	14 अप्रै.
वृष	रविवार	14 मई
मिथुन	बुधवार	15 जून
कर्क	शनिवार	16 जुला.
सिंह	बुधवार	17 अग.
कन्या	शनिवार	17 सितं.
तुला	सोमवार	17 अक्टू.
वृश्चिक	बुधवार	16 नवं.
धनु	शुक्रवार	16 दिसं.

सन् 2023 ई.

मकर	शनिवार	14 जन.
कुम्भ	सोमवार	13 फर.
मीन	बुधवार	14 मार्च

षडऋतु, गोल एवं अयनारंभ

तारीख	ऋतु	अयन	गोल
20 अप्रै.	ग्रीष्म	उत्तर	उत्तर
21 जून	वर्षा	उत्तर	दक्षिण
23 अग.	शरद	-	-
23 सितं.	-	दक्षिण	दक्षिण
23 अक्टू.	हेमन्त	-	-
22 दिसं.	शिशिर	दक्षिण	उत्तर
19 फर.	वसन्त	-	-
21 मार्च	-	उत्तर	उत्तर

आषाढ़	कृष्ण	रविवार	26 "	13 ...		19 फर.	वसन्त	-	-
"	शुक्ल	सोमवार	11 जुला.	13 जुला.	आषाढ़ 13 जुला.	फाल्गुन सोमवार 06 मार्च	21 मार्च	- उत्तर	उत्तर

आश्विन कृ. पक्ष के श्राद्ध (महालय)

पूर्णिमा श्राद्ध	10 सितं.
प्रतिपदा श्राद्ध	10 "
द्वितीया श्राद्ध	11 "
तृतीया श्राद्ध	12 "
चतुर्थी श्राद्ध	13 "
पंचमी श्राद्ध	14 "
षष्ठी श्राद्ध	15 "
सप्तमी श्राद्ध	16 "
अष्टमी श्राद्ध	18 "
नवमी श्राद्ध (सौभाग्यवती श्राद्ध)	19 "
दशमी श्राद्ध	20 "
एकादशी श्राद्ध	21 "
द्वादशी श्राद्ध	22 "
त्रयोदशी श्राद्ध	23 "
चतुर्दशी श्राद्ध (दुर्मरण श्राद्ध)	24 "
अमावस्या श्राद्ध (सर्वपितृ श्राद्ध)	25 "
मातामह श्राद्ध	25 "

दशावतार जयन्तियां

श्री मत्स्य जयंती	04 अप्रै.
श्री राम जयंती	10 "
श्री परशुराम जयंती	03 मई
श्री नृसिंह जयंती	14 "
श्री कूर्म जयंती	15 "
श्री बुद्ध जयंती	16 "
श्री कल्की जयंती	03 अग.
श्री कृष्ण जयंती	18 "
श्री वराह जयंती	30 "
श्री वामन जयंती	07 सितं.

दसमहाविद्या जयंतियां

श्री महातारा जयंती	10 अप्रै.
श्री मातंगी जयंती	03 मई
श्री बगलामुखी जयंती	09 "
श्री छिन्नमस्ता जयंती	16 "
श्री धूमावती जयंती	08 जून
आद्या मां श्रीकाली जयंती	19 अग.
श्री भुवनेश्वरी जयंती	07 सितं.
श्री कमला जयंती	24 अक्टू.
श्री त्रिपुर भैरवी जयंती	08 दिसं.
श्री विद्या मां ललिता जयंती	05 फर.

जैन व्रत, पर्वोत्सव

रोहिणी व्रत, दशलक्षण व्रत प्रा.	06 अप्रै.
श्री अजित नाथ जी मोक्ष	06 "
श्री संभवनाथ जी मोक्ष	07 "
आयंबिल ओली प्रा.	08 "
आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण	10 "
श्री सुमतिनाथ जन्म-ज्ञान-मोक्ष	12 "
श्री महावीर जयंती	14 "
दशलक्षण व्रत पूर्ण	15 "
आयंबिल ओली पूर्ण	16 "
श्री कुन्थुनाथ जन्म-तप-मोक्ष	17 "
श्रीमुनि सुव्रतनाथ जन्म-तप	25 "
रोहिणी व्रत	03 मई
अभिनन्दननाथ जी मोक्ष	07 "
श्री महावीर स्वामी कैवल्य ज्ञान	11 "
ज्येष्ठ जिनवर व्रत प्रा.	16 "
श्री अनन्त नाथ जन्म-तप	27 "
श्री शांति नाथ जन्म-तप-मोक्ष	29 "
रोहिणी व्रत	30 "
धर्मनाथ जी मोक्ष	03 जून
श्रुति पंचमी	04 "
श्री सुपार्श्वनाथ जन्म-तप	11 "
ज्येष्ठ जिनवर व्रत पूर्ण	14 "
विमलनाथ जी मोक्ष	21 "
श्री नमीनाथ जन्म-तप	23 "
रोहिणी व्रत	27 "
नेमीनाथजी मोक्ष, अष्टान्हिका पर्व प्रा.	06 जुला.
चौमासी 14, जैन चातुर्मासव्रत नि.प्रा.	12 "
अष्टान्हिका पर्व पूर्ण	13 "
तेरापंथ स्थापना दिवस	13 "
रोहिणी व्रत	24 "
श्री नेमीनाथ जन्म-तप	03 अग.
श्री पार्श्वनाथ मोक्ष	04 "
श्रेयांशनाथ जी मोक्ष	11 "
रोहिणी व्रत	20 "
पर्युषण पर्व प्रा.	25 "
कल्पसूत्र पाठ, संवत्सरी महापर्व	28 "
तेलाधर तप	28 "
पर्युषण पर्व पूर्ण, मेरू स्थापन	31 "
दशलक्षण व्रत प्रा.	01 सितं
क्षमावणी पर्व, ऋषि पंचमी	01 "
श्री कालू निर्वाण दिवस	02 "
सुगन्ध दशमी	05 "
रत्नत्रय प्रा.	08 "
आचार्य भिक्षु निर्वाण दि.	09 "
दसलक्षण व्रत पू., वासुपूज्य जी मोक्ष	09 "
रत्नत्रय समाप्त	10 "
रोहिणी व्रत	17 "
आयंबिल ओली प्रा.	01 अक्टू.
शीतलनाथ जी मोक्ष	03 "
आयंबिल ओली पूर्ण	09 "
रोहिणी व्रत	14 "
श्री पद्मप्रभु जन्म-तप	23 "
श्री महावीर निर्वाण दिवस	25 "
जैन संवत् 2549 प्रारंभ	26 "
ज्ञान पंचमी	29 "
अष्टान्हिका पर्व प्रा.	01 नवं.
चातुर्मास्य व्रत नियमादि पूर्ण	07 "
श्रीसंभवनाथ जन्म, अष्टान्हिका पर्व पू.	08 "
रोहिणी व्रत	10 "
श्री महावीर स्वामी दीक्षा दिवस	19 "
श्री महावीर स्वामी तप	19 "
श्री ऋषभदेव मोक्ष	22 "
श्री पुष्पदंत नाथ जन्म-तप	24 "
दशलक्षण व्रत प्रा.	28 "
श्री अजितनाथ जन्म-तप,	02 दिसं.
मौनी 11, श्री मल्लिनाथ जन्म-तप	03 "
श्री अरहनाथ जन्म, दशलक्षण व्रत पू.	06 "
रोहिणी व्रत	08 "
आचार्य श्री तुलसी दीक्षा दिवस	12 "
श्री पार्श्वनाथ जन्म-तप	19 "
श्री चन्द्रप्रभु जन्म-तप	19 "

सन् 2023 ई.

जिनानंदजी पुण्य दिवस	02 जन.
रोहिणी व्रत	04 "
श्री शीतल नाथ जन्म-तप	19 "
मेरु त्रयोदशी	20 "
श्री विमल नाथ जन्म-तप	25 "
दशलक्षणव्रत प्रा., श्री 5, मेरूस्थापनं	26 "
रोहिणी व्रत	31 "
श्री धर्मनाथ ज.-तप, रत्नत्रय व्रत प्रा.	03 फर.
श्री जिनेन्द्र रथयात्रा, दशलक्षण व्रत पू.	04 फर
रत्नत्रय व्रत पूर्ण	05 "
श्री पद्मप्रभु मोक्ष	09 "
श्री श्रेयांश नाथ जन्म-तप	16 "
रोहिणी व्रत, अष्टान्हिका पर्व प्रा.	27 "
अष्टान्हिका पर्व पूर्ण	07 मार्च
श्री ऋषभदेव जन्म-तप	16 "
श्री अनंतनाथ जी मोक्ष	21 "
श्री अरहनाथ जी मोक्ष	21 "

इस्लामी त्यौहार

पाक रोजे शुरू	03 अप्रै.
सहादत-ए-हजरत अली	23 "
जमात-ए-अलविदा	29 "
ईद-उल-फितर (मीठी ईद)	03 मई
ईद-उल-जुहा (बकरीद)	10 जुला.
मोहर्रम हिजरी सन् 1444 प्रा.	31 "
मुहर्रम ताजिया	09 अग.
चेहल्लम शहीद करबला	18 सितं
आखरी चाहर शम्बा	21 "
सहादत-ए-इमाम हसन	26 "
ईद-ए-मिलाद (बारावफात)	09 अक्टू.
ईद-ए-मौलाद	14 "
फातिहा यजदहूम	07 नवं.
हजरत अली जन्म (2023)	05 फर.
शब्बे मिराज	19 "
शब-ए-बारात (मु.)	08 मार्च

क्रिश्चियन पर्व

पाम सण्डे	10 अप्रै.
गुड फ्राइड	15 "
ईस्टर सण्ड	17 अप्रै.
क्रिसमस डे (बड़ा दिन), ईसा ज.	25 दिसं.
न्यू ईयर ईवनिंग डे	31 "
न्यू ईयर सन् 2023 प्रा.	01 जन.
वेलेण्टाईन डे	14 फर.

महापुरुष जयन्तियां

श्री गौतम जयन्ती	02 अप्रै.
श्री झूलेलाल जयंती	03 "
डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती	14 "

श्री महावीर जयंती	14 अप्रै.
श्री बाबू कुंवरसिंह जयंती (बिहार)	23 "
श्री वल्लभाचार्य जयंती	26 "
श्री शुकदेव मुनि जयंती	30 "
परशुराम जयंती	03 मई
सार्वभौम स्वामी वासुदेवाचार्य जयंती	05 "
श्री शंकराचार्य जयंती, श्री सूरदास ज.	06 "
कवि श्री रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती	07 "
श्री रामानुजाचार्य जयंती	07 "
बगलामुखी जयंती	09 "
श्री नरसिंह जयंती	14 "
छिन्नमस्ता ज., भगवान बुद्ध जयंती	16 "
श्री नारद जयंती	17 "
श्री शनि जयंती	30 "
श्री महाराणा प्रताप जयंती	02 जून
गायत्री जयंती	11 "
संत कबीर जयंती	14 "
लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जयंती	23 जुला.
कल्की जयंती	03 अग.
गोस्वामी तुलसीदास जयंती	04 "
हयग्रीव जयंती	11 "
संत ज्ञानेश्वर जयंती	19 "
संत सुथरेशाह जयंती	27 "
वराह जयंती	30 "
ऋषि दधीचि ज., स्वामी हरिदास ज.	04 सितं.
डॉ. सर्वपल्ली श्री राधाकृष्णन जयंती	05 "
पंडित गोविन्द वल्लभ पंत जयंती	09 "
महाराजा अग्रसेन जयंती	26 "
महात्मा गांधी व शास्त्री जयंती	02 अक्टू.
महर्षि वाल्मीकि जयंती	09 "
सरदार पटेल जयंती	31 "
कालीदास जयंती, खाटूश्याम जयंती	05 नवं.
वीर वैरागी जयंती (नकोदर)	06 "
गुरुनानकदेव ज., श्री निम्बार्काचार्य ज.	08 "
साईं बाबा जयंती, श्री बालाजी ज.	23 "
भक्त नरसी मेहता जयंती	30 "
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जन्म दिवस	03 दिसं.
श्री दत्तात्रेय जयंती	07 "
भगवान बोधायन जयंती	20 "
ईसा मसीह जयंती (क्रिश्चियन)	25 "
पं. मदनमोहन मालवीय जयंती	25 "
गुरु गोविन्द सिंह जयंती	29 "

सन् 2023 ई.

स्वामी विवेकानन्द जयंती	12 जन.
श्री रामानन्दाचार्य जयंती	14 "
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती	23 "
लाला लाजपत राय जयंती	28 "
योगीराज बाबा लाल दयाल जयंती	02 फर.
श्री रामचरण स्नेही जयंती	04 "
गुरु रविदास ज.	05 "
समर्थ गुरु रामदास जयंती	15 "
महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती	15 "
श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती	21 "
पं. लेखराम वीर जयंती	22 "
महर्षि याज्ञवल्क जयंती	24 "
संत श्री दादूदयाल जयंती	27 "
श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती	07 मार्च
संत तुकाराम जयंती	09 "

सिक्ख गुरु पर्व (प्रा. मत से)

प्रकाश दिवस

खालसा पंथ साजना (2022)	14 अप्रै.
गुरु तेगबहादुर जी	21 "
गुरु अर्जुनदेव जी	23 "
गुरु अंगददेव जी	01 मई
गुरु अमरदास जी	15 "
गुरु हरगोविन्द जी	15 जून
गुरु हरकिशन जी	22 जुला.
गुरुग्रंथ साहिब जी (2022)	28 अग.
गुरु रामदास जी	11 अक्टू.
गुरु ग्रंथ साहिब जी गद्दी	27 "
गुरु नानकदेव जी	08 नवं
गुरु गोविन्द सिंह जी	29 दिसं.
गुरु हरराय जी (2023)	03 फर.

गुरुयाई मिली (प्रा. मत से)

गुरु नानकदेव जी	अवतार दिन से
गुरु अमरदास जी	02 अप्रै.
गुरु तेगबहादुर जी	14 "
गुरु हरगोविन्द जी	23 मई
गुरु अर्जुनदेव जी	29 अग.
गुरु रामदास जी	08 सितं
गुरु अंगददेव जी	15 "
गुरु हरकिशन जी	19 अक्टू.
गुरुग्रंथ साहिब जी (2022)	27 "
गुरु गोविन्द सिंह जी	26 नवं.
गुरु हरराय जी (2023)	19 मार्च

ज्योति जोत समाए (प्रा. मत से)

गुरु अंगददेव जी	05 अप्रै.
गुरु हरगोविन्द जी	06 "
गुरु हरकिशन जी	15 "
गुरु अर्जुनदेव जी	03 जून
गुरु रामदास जी	30 अग.
गुरु अमरदास जी	10 सितं.
गुरु नानकदेव जी	20 "
गुरु हरराय जी	19 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	29 "
गुरु तेगबहादुर जी	28 नवं.

प्रकाश दिवस

(नानकशाही कैलेण्डर से)
(शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अनुसार)

खालसा पंथ साजना	14 अप्रै.
गुरु अंगददेव जी	18 "
गुरु तेगबहादुर जी	18 "
गुरु अर्जुनदेव जी	02 मई
गुरु अमरदास जी	23 "
गुरु हरगोविन्द जी	05 जुला.
गुरु हरकिशन जी	23 "
गुरु ग्रंथ साहिब जी	01 सितं.
गुरु रामदास जी	09 अक्टू.
गुरु ग्रंथ साहिब जी गद्दी	20 "
गुरु नानकदेव जी	08 नवं.
गुरु गोविन्द सिंह जी (2023)	05 जन.
गुरु हरराय जी	31 "

गुरुयाई मिली

गुरु नानकदेव जी	अवतार दिन से
गुरु हरराय जी	14 मार्च
गुरु तेगबहादुर जी	16 अप्रै.
गुरु अमरदास जी	16 "
गुरु हरगोविन्द जी	11 जून
गुरु रामदास जी	16 सितं.
गुरु अर्जुनदेव जी	16 "
गुरु अंगददेव जी	18 "
गुरु हरकिशन जी	20 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	24 नव.

ज्योति जोत समाए

गुरु अंगददेव जी	16 अप्रै.
गुरु हरकिशन जी	16 "
गुरु अर्जुनदेव जी	16 जून
गुरु अमरदास जी	16 सितं.
गुरु रामदास जी	16 "
गुरु नानकदेव जी	22 "
गुरु हरराय जी	20 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	21 "
गुरु तेगबहादुर जी	24 नवं.
गुरु हरगोविन्द जी (2023)	19 मार्च

मेले एवम् उत्सवादि

मेला चीमा नानकसर (पंजाब)	02 अप्रै.
मेला गणगौर (जयपुर)	04 "
मेला माई सरखाना (पंजाब)	07 "
मेला बाहुफोर्ट (जम्मू-कश्मीर)	09 "
मेला ज्वालामुखी (हरचोवाल, गुरदासपुर)	09 "
मेला नैना देवी (हि.प्र.)	09 "
मेला श्री राम जन्मोत्सव (अयोध्या)	10 "
मेला वैशाखी उत्सव (पं.हरि.हि.)	14 "
मेला माता कांसा देवी (कांसल रोपड)प्र.	14 "
मेला देवी हथीहरा (कुरुक्षेत्र)	15 "
मेला बालासुन्दरी देवबंद (उ.प्र.)	15 "
मेला कशाधा नहयाणी सह (कुल्लू)	16 "
मेला मानकपुर शरीफ (पंजाब)	16 "
मेला हनुमान जयंती सालासर (राज.)	16 "
मेला पीपल जातर (कुल्लू)	29 "
मेला पिंजौर (हरियाणा)	30 "
मे. श्रीबांकेबिहारीजी चरणदर्शन (वृन्दा.)	03 मई
मेला आनी आउटर सिराज (कुल्लू)	07 "
मेला डूंगरी जातर (मनाली) प्रा.	14 "
मेला बंजार 4 दिन का प्रा. (कुल्लू)	14 "
मेला साढ़ी जातरनगर प्रा. (हि.प्र.)	18 "
मेला क्षीर भवानी (कश्मीर)	08 जून

पं. मदनमोहन मालवीय जयंती	25 "
गुरु गोविन्द सिंह जयंती	29 "
गुरु अंगददेव जी	15 "
गुरु हरगोविन्द जी	11 जून
मेला साढ़ी जातरनगर प्रा. (हि.प्र.)	18 "
मेला क्षीर भवानी (कश्मीर)	08 जून

आयभट्ट पचागम्

मेला गंगा दशहरा (हरिद्वार)	09 जून
मेला सपोर यात्रा धारलदा (ऊधमपुर)	10 "
मेला बरहं भटिण्डा (पंजाब)	10 "
मेला पीपलू (ऊना) हि.प्र.	10 "
मेला भून्तर (कुल्लू) प्रा. 3 दिन का	15 "
मेला पाण्डवों की बाड़ी का (सोलन)	15 "
मेला श्री जगन्नाथ रथयात्रा (पुरी)	01 जुला.
मेला शरीफ भवानी (कश्मीर)	08 "
मेला संतोष सिंह जी नानकसर चीमा प्रा.	09 "
मेला परिक्रमा नैमिषारण्य	13 "
मेला गुरु पूर्णिमा (कुराली)	13 "
मेला नैना देवी व चिंतपूर्णी (हि.प्र.)	05 अग.
मेला बाबा प्यारासिंह जी चमकौर प्रा.	05 "
मेला अमरनाथ दर्शन (कश्मीर)	12 "
मेला द्रौण दनकौर प्रा. (उ.प्र.)	18 "
मेला श्री कृष्ण जन्मोत्सव	19 "
मेला नंदोत्सव नन्दगांव, बरसाना	20 "
मेला कैलाश यात्रा (कश्मीर)	25
मेला सुथरेशाह (दिल्ली)	27 "
मेला राणीसती (झुंझुनू) राज.	27 "
मेला गुसाईं आंणा कुराली (पंजाब)	29 "
मेला गणेश जन्मोत्सव (मण्डी) हि.प्र.	31 "
मेला गणेश जन्मोत्सव (महा.)	31 "
मेला पट्टा प्रा. (कश्मीर)	01 सितं.
मेला देवछटी व्रजमण्डल व गौतम	02 "
मेला श्रीराधाजन्मोत्सव बरसाना (उ.प्र.)	03 "
मेला गरुड़ गोविन्द छटीकरा (उ.प्र.)	04 "
मेला बाबारामदेवजी पूर्ण रुणीचा व तारानगर	05 "
मेला चारभुजानाथ मेवाड़ (राज.)	06 "
मेला वामन द्वादशी अंबाला	07 "
मेला बाबासोढल व छपार (जालंधर)	09 "
मेला गोइंद वाल साहिब (तरनतारन)	10 "
मेला आशापति यात्रा (कश्मीर)	24
मेला फल्गु, पिहोवा (हरि.)	25 "
मेला ज्वालामुखी, तारादेवी (हि.प्र.)	03 अक्टू.
मेला हरचोवाल, गुरदासपुर (पं.)	03 "
मेला दशहरा (रावणदाह) सर्वत्र	05 "
मेला शाकंभरी देवी (उ.प्र.)	08 "
मेला देवि हथींहरा (कुरुक्षेत्र)	08 "
मेला महारासोत्सव (व्रजमण्डल)	09 "
मेला राधाकुण्ड स्नान गोवर्धन (उ.प्र.)	18 "
मेला दीपावली (अमृतसर)	24 "
मेला अन्नकूट गोवर्धन (उ.प्र.)	26 अक्टू.
मेला यमुना स्नान मथुरा (उ.प्र.)	27
मेला छठ पर्व (बिहार)	30 "
मेला जुगल जोड़ी परिक्रमा (वृंदावन)	02 नवं.
मेला रेणुका (नाहन) हि.प्र.	04 "
मेला बाबा रुद्रानंदनारी (ऊना)	04 "
मेला वीर वैरागी नकोदर (पंजाब)	06 "
मेला रामतीर्थ (अमृतसर)	08 "
मेला पुष्कर (राज.), गढ़गंगा (उ.प्र.)	08 "
मेला हरिहर क्षेत्र सोनपुर (बिहार)	08 "
मेला कपालमोचन (हरि.)	08 "
मेला पुरमण्डल देविका स्नान (जम्मू)	22 "
मेला श्रीबांके बिहारी जी प्रादु. (वृंदा.)	28 "
मेला श्री घालदास ज. रामधाम खेड़ापा	03 दिसं.
मेला दुदेहर साहिब (अमृतसर)	05 "
मेला कपर्दीश्वरयात्रा दर्शन (काशी)	07 "
मेला बांधायनसर 2 दिन प्रा. (बिहार)	19 "
मेला हतापन नाशन स्नान (चेन्नई)	23 "
मेला जोड़ फतेहगढ़ साहेब (पं.)	26 "
मेला संगीत (बाबा हरवल्लभ) प्रा. (जाल.)	28 "

सन् 2023 ई.

मेला लोहरी उत्सव (पं. हरि. हि.प्र.)	13 जन.
मेला माघी मुक्तसर (पंजाब)	14 "
मेला मकर संक्रांति (सर्वत्र)	14 "
मेला पौंगल पर्व (द.भा.)	14 "
मेला मौनी अमावस्या (प्रयाग व हरिद्वार)	21
मेला वसन्त पंचमी (सर्वत्र)	26 "
मेला वेणेश्वर (मुख्य) बांसवाड़ा	01 फर.
मेला पंचखण्डपीठ विराटनगर (राज.)	03 "
मेला माघी पूर्णिमा (उ.प्र.)	05 "
मेला नीलकण्ठ महादेव (उत्तरांचल)	18
मेला होलियां, होलाष्टक प्रा.	27 "
मेला फूलडोलोत्सव शाहपुरा (मेवाड़)	02 मार्च
मेला श्यामजी खाटू (राज.)	02 "
मेला पंखा झज्जर (हरि.)	08 "
मेला होला श्रीआनंदपुर साहिब (पं.)	08 "
मेला गुरु रामसहाय (देहरादून)	12 "
मेला बीरमदास बधौछी (पटियाला)	14 "
मेला केशरिया (मेवाड़)	15 "
मेला कैलादेवी 15 दिन का प्रा. (करौली)	15 "
मेला शीतला माता कुराली (पंजाब)	16 "
मेला पृथूदक् पिहोवा (हरि.)	20 "

पंचक सं. 2079 वि.

प्रारंभ			समाप्त		
तारीख		घं. मि.	तारीख		घं. मि.
28	मार्च	23।54	02	अप्रै.	11।21
24	अप्रै.	29।29	29	"	18।42
22	मई	11।12	26	मई	24।38
18	जून	18।43	23	जून	06।14
15	जुला.	28।17	20	जुला.	12।50
12	अग.	14।49	16	अग.	21।06
08	सितं.	24।39	13	सितं.	06।36
06	अक्टू.	08।28	10	अक्टू.	16।02
02	नवं.	14।16	06	नवं.	24।04
29		19।51	04	दिसं.	06।16
26	दिसं.	27।30	31	"	11।47
23	जन.23	13।51	27	जन.23	18।36
19	फर.	25।14	23	फर.	27।44
19	मार्च	11।17	23	मार्च	14।08

पचंक–धनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण से रेवती के अन्तिम चरण तक का समय अर्थात् कुंभ एवं मीन राशि से चन्द्रमा के गोचर के समय को पंचक कहा जाता है। मुहूर्त ग्रंथों एवं शास्त्रों के अनुसार पंचकों में नये भवन का निर्माण, घास की खरीद, अग्नि दाह, शैयादान, पंचकों में शवदाह, दक्षिण की यात्रा करना, खाट बुनना, घर के ऊपर छप्पर-शेड लगाना वर्जित है। साथ ही काष्ठ, घास एकत्रित करना भी वर्जित है परन्तु तम्बू लगाया जा सकता है।

गण्ड मूलादि नक्षत्र सं. 2079 वि.

प्रारंभ			समाप्त		
तारीख		घं. मि.	तारीख		घं. मि.
01	अप्रै.	10।40	03	अप्रै.	12।37
11	"	06।51	13	"	09।36
19	"	25।39	21		21।51
28		17।40	30	"	20।13
08	मई	14।57	10	मई	18।40
17	"	10।46	19	"	05।37
25	मई	23।19	27		26।26
04	जून	21।55	06	जून	26।25
13	"	21।24	15	"	15।33
21		29।03	24		08।04
01	जुला.	27।56	04	जुला.	08।43
11	"	07।50	12	"	26।21
19	जुला.	12।12	21	जुला.	14।17
29	"	09।47	31	"	14।20
07	अग.	16।30	09	अग.	12।18
15	"	21।07	17	"	21।57
25	"	16।16	27	"	20।26
03	सितं.	22।57	05	सितं.	20।05
12	"	06।59	14	"	06।57
21	"	23।47	23	"	27।50
30		28।18	02	अक्टू.	25।52
09	अक्टू.	16।20	11	"	16।17
19	"	08।02	21	"	12।28
28	"	10।42	30	"	07।25
05	नवं.	23।56	07	नवं.	24।37
15	"	16।12	17	"	21।20
24	"	19।37	26	"	14।58
02	दिसं.	29।45	05	दिसं.	07।15
12	"	23।36	14	"	29।16
21	"	30।33	23	"	25।13
30	"	11।24	01	जन.23	12।48
08	जन.23	30।05	11	"	11।50
18	"	17।22	20	"	12।40
26	"	18।56	28	"	19।06
05	फर.	12।13	07	फर.	17।45
14	"	26।01	16	"	22।53
22	"	28।50	24	"	27।26
04	मार्च	18।41	06	मार्च	24।05
14	"	08।13	16	"	06।24

गंड मूल–गंडान्त काल अशुभ काल फल दायक होता है। तिथि गंडान्त, नक्षत्र गंडान्त, लग्न गंडान्त में बालक का जन्म हो तो जीवित नहीं रहता, परन्तु यदि जीवित रह जाये तो धनी होता है। गंडान्त काल में विवाह आदि शुभ कार्य नहीं किये जाते। इसमें विशेषता यह है कि अभिजित संज्ञक मुहूर्त में शुभ कार्य करने से गंडान्त दोष नहीं होता। किसी आचार्य के मत से दिन में उत्पन्न कन्या को एवं रात्रि में उत्पन्न पुत्र को गंडान्त दोष नहीं होता। गंडान्त मूल में ज्येष्ठा, रेवती तथा आश्लेषा नक्षत्र के अन्तिम दो दंड तथा मूल, अश्विनी तथा मघा के प्रारम्भ के दो दंड वर्जित हैं।

ग्रहण विवरण संवत् 2079 विक्रमी वर्ष 2022-23 ई.

विक्रम संवत् 2079 (02 अप्रैल 2022 ई. से 21 मार्च 2023 मध्ये) में पृथ्वी पर सूर्य व चन्द्र के कुल 4 ग्रहण होंगे। जिनमें दो सूर्यग्रहण एवं दो चन्द्रग्रहण हैं। भारतीय भू-भाग पर चन्द्र का एक और सूर्य का एक ग्रहण दिखाई देंगे। भारतीय भू-भाग पर जो ग्रहण अदृश्य होगा, उसका धार्मिक महत्व-स्नान, दान, सूतकादि का विचार नहीं होगा।

1. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (भारते अदृश्य) शनिवार ता. 30 अप्रैल 2022 ई.।
2. खग्रास चन्द्रग्रहण (भारते अदृश्य) सोमवार ता. 16 मई 2022 ई.।
3. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (भारते दृश्य) मंगलवार ता. 25 अक्टूबर 2022 ई.।
4. खग्रास चन्द्रग्रहण (भारते दृश्य) मंगलवार ता. 08 नवंबर 2022 ई.।

भारत में दिखाई न देने वाले ग्रहणों का विवरण

1. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (ता. 30 अप्रैल 2022 ई.)

वैशाख अमावस, शनिवार दिनांक 30 अप्रैल 2022 को रात्रि भा.स्टै.टा. 24|15 से ग्रहण प्रारम्भ होकर रविवार दिनांक 1 मई 2022 को भा.स्टै.टा. 04|08 तक चलेगा। इस ग्रहण को अंटार्कटिका, दक्षिणी प्रशांत महासागर, दक्षिणी एटलांटिक महासागर, फाकलैण्ड, अर्जेन्टीना, प्रागवे, चिली, उरुग्वे, बोलीविया में देखा जा सकेगा। भारत में दृश्य नहीं होने के कारण इसका सूतक-पातक दोष मान्य नहीं होगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण आरंभ	24|15	1 मई
ग्रहण मध्य	26|11	1 "
ग्रहण मोक्ष	28|08	1 "

ग्रहण की अवधि-3 घंटा 53 मिनट
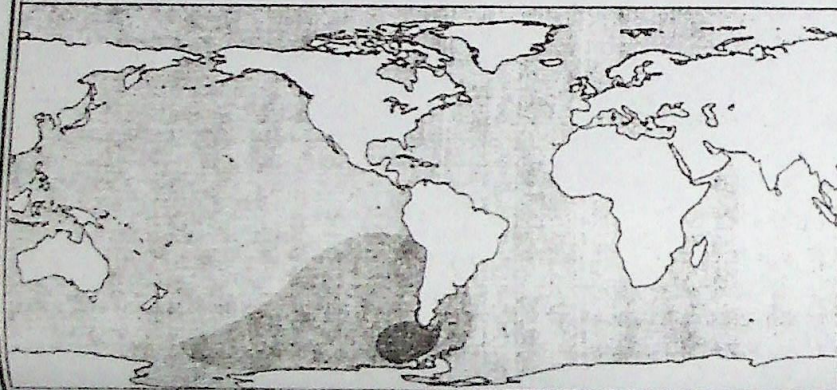
2. खग्रास चन्द्रग्रहण (ता. 16 मई 2022 ई.)

वैशाख पूर्णिमा, सोमवार दिनांक 16 मई 2022 को प्रातः भा.स्टै.टा. 07|58 से ग्रहण प्रारम्भ होकर 12|21 तक चलेगा। यह चन्द्रग्रहण इटली, बेल्जियम, यू.के., अमेरिका, ग्वेटामाला, ब्राजील, फ्रांस, क्यूबा, मेक्सिको, अफ्रीका, नाईजीरिया, स्पेन, चिली, अर्जेन्टीना तथा पुर्तगाल में आशिंक रूप से तथा टर्की, इजिप्ट, होनोलूलू, ऐथेंस तथा हंगरी में देखा जा सकेगा। भारत में ग्रहण क्षितिज से नीचे होने से दृश्य नहीं होगा। भारत में दृश्य नहीं होने के कारण इसका सूतक-पातक दोष मान्य नहीं होगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण आरंभ	07|58	16 मई
खग्रास प्रारंभ	08|59	16 "
ग्रहण मध्य	09|41	16 "
ग्रहण मोक्ष	12|21	16 "
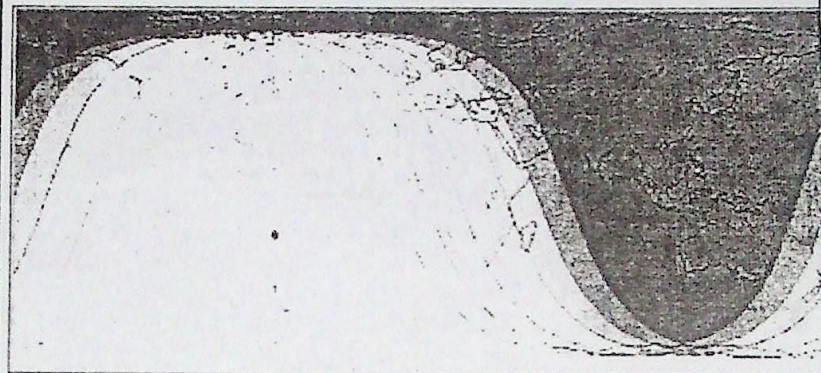
भारत में दिखाई देने वाले ग्रहण का विवरण

1. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (ता. 25 अक्टूबर 2022 ई.)

कार्तिक अमावस, स्वाती नक्षत्र, तुला राशि, मंगलवार दिनांक 25 अक्टूबर 2022 को दोपहर भा.स्टै.टा. 14|28 (दिल्ली) पर प्रारम्भ होकर शाम भा.स्टै.टा. 18|32 (दिल्ली) तक चलेगा। यह सूर्यग्रहण सम्पूर्ण भारत के अलावा इस्लामाबाद (पाकिस्तान), काबुल, तजाकिस्तान, नूरसुल्तान तथा बिसकेक (कजाकिस्तान), ताशकंद, तेहरान, बगदाद, स्कॉटहोम, स्वीडन, हेलसिन्की (फिनलेन्ड), मास्को, टबलिसी (जोर्जिया), येरेवान (अरमानिया) में दिखाई पड़ेगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

स्वीडन, हेलसिंकी (फिनलैण्ड), ... टबलिसी (जोर्जिया), येरेवान (अरमानिया) में दिखाई पड़ेगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	14।28	25 अक्टूबर
ग्रहण मध्य	16।30	25 "
ग्रहण समाप्त	18।32	25 "
ग्रहण की अवधि	4 घंटा 04 मिनट	

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 25 अक्टूबर 2022 प्रात: 04।28 से शुरू हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में बालक, वृद्ध और रोगी जनों को छोड़कर सूतक के समय भोजन, शयन, मूर्ति पूजा इत्यादि करना निषेध है। ग्रहण की अवधि में अन्न, वस्त्र, धन, स्वर्ण का दान विशेषफल दायक होता है तथा स्नान होम, देवपूजन, श्राद्ध, तर्पण, मन्त्रनुष्ठान का विशेष महत्व होता है। अत: ग्रहण से पीड़ित व्यक्ति ग्रहण समय में यथाशक्ति उक्त वस्तुओं का दान करें। ग्रहण की अवधि में सभी जल गंगा के समान पवित्र कहे गये हैं तथापि गर्म जल की अपेक्षा ठंडे पानी से स्नान अधिक पुण्यकारक माना गया है। अन्य व्यक्तियों द्वारा प्रदत्त जल की अपेक्षा स्वयं पानी लेकर स्नान करना श्रेष्ठ है। नदी, तालाब, सरोवर, समुद्र का जल पुण्यप्रद है। यदि इनमें से किसी स्थान पर जाकर स्नान करना सम्भव न हो तो स्नान के जल में सरसों, कूठ, हल्दी, दारु हल्दी, लोध्र, लाजा, सफली तथा मुरामांसी-इन औषधियों को जल में डालकर स्नान करने से ग्रहण के अनिष्ट फलों का नाश होता है तथा सूर्यादि सम्पूर्ण ग्रह शुभ फलदायक हो जाते हैं। गर्भवती स्त्री को शांत भाव से ईश्वर व जगत् जननी मां दुर्गा जी का कीर्तन व भजन करना चाहिए।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-दम्पति वियोग	वृष-रोग	मिथुन-अपमान	कर्क-सिद्धि
सिंह-लाभ	कन्या-हानि	तुला-घात	वृश्चिक-हानि
धनु-धन प्राप्ति	मकर-विध्वंश	कुंभ-चिन्ता	मीन-सौख्य
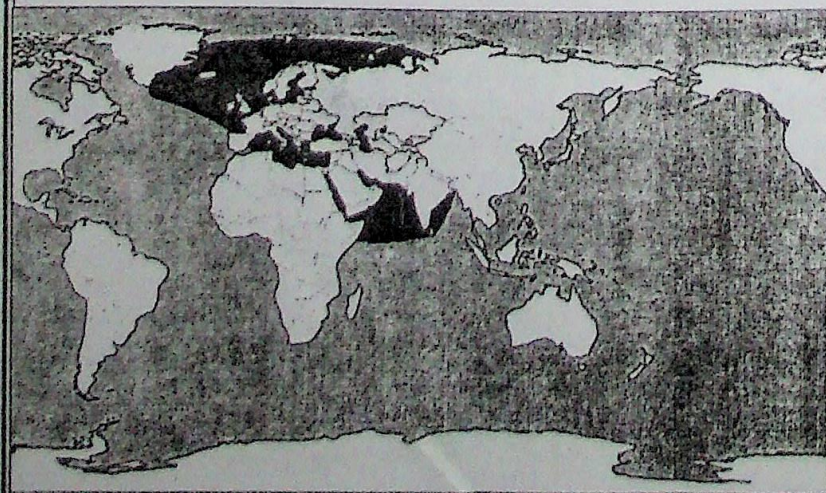
2. खग्रास चन्द्रग्रहण (ता. 8 नवंबर 2022 ई.)

कार्तिक पूर्णिमा, भरणी नक्षत्र, मेष राशि, मंगलवार दोपहर दिनांक 8 नवंबर 2022 को भा.स्टै.टा. 14।39 (दिल्ली) पर प्रारम्भ होने वाला खग्रास चन्द्रग्रहण सायं 18।19 तक चलेगा। दिल्ली में ग्रहण क्षितिज से नीचे होने के कारण पूर्णतया दृष्ट नहीं होगा। मात्र छाया मोक्ष समय में सायं 18।19 से 19।26 तक दिखाई पड़ेगा। भारत के अतिरिक्त यह ग्रहण डेट्रायट मिसिगन, मनीला, सेन फ्रान्सिसको, शिकागो, इलियन्स, ग्वाटेमाला, टोक्यो, वाशिंगटन डी.सी., होनोलूलू, न्यूयार्क, हवाना, लॉस ऐन्जिल्स, मेलबोर्न, मेक्सिको, बेंकाक, जकार्ता, यंगून, सियोल, कोलकाता, सिडनी, साओ पालो, ब्यूनस आयर्स, सेन्टिगो में दिखाई पड़ेगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	14।39	8 नवंबर
खग्रास प्रारंभ	15।47	8 "
ग्रहण मध्य	16।29	8 "
खग्रास समाप्त	17।12	8 "
ग्रहण समाप्त	18।19	8 "
छाया ग्रहण समाप्त	19।26	8 "

खग्रास ग्रहण अवधि-1 घंटा 25 मिनट, छाया ग्रहण अवधि-2 घंटा 15 मिनट

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 08 नवंबर 2022 ई., मंगलवार को प्रात: 08।29 से प्रारंभ हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में बालक, वृद्ध और रोगी जनों को छोड़कर सूतक के समय भोजन, शयन, मूर्ति पूजा करना निषेध है। ग्रहण अवधि में दान-पूजन विशेष फलदायक होता है। गर्भवती स्त्री को शांत भाव से ईश्वर व जगत् जननी मां दुर्गा जी का कीर्तन व भजन करना चाहिए। ग्रहण मोक्ष के समय श्राद्ध और अन्न, वस्त्र, धन आदि का दान करें। पश्चात् स्नान अवश्य करें।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-घात	वृष-हानि	मिथुन-धन प्राप्ति	कर्क-विध्वंश
सिंह-चिन्ता	कन्या-सौख्य	तुला-दम्पति वियोग	वृश्चिक-रोग
धनु-अपमान	मकर-सिद्धि	कुंभ-लाभ	मीन-हानि
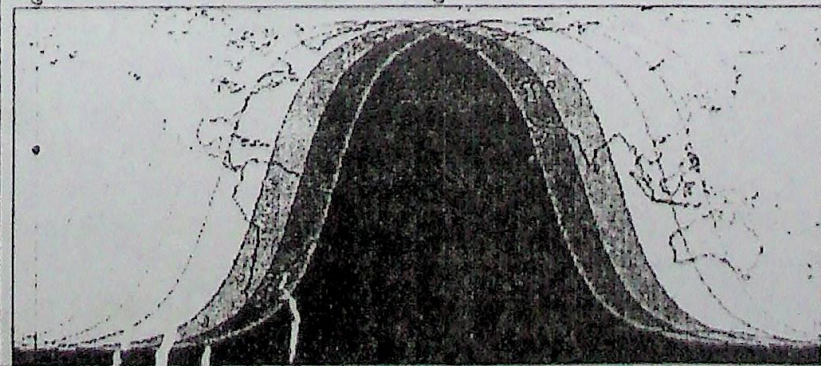
दैवज्ञ की दृष्टि में संसार चक्र संवत् 2079 वि.

आकाशीय परिषद् की गणना एवं विविध लग्नों तथा वर्ष प्रवेश, वर्षेश प्रवेश, आर्द्रा प्रवेश, लग्नानुसार मेदनीय ज्योतिष गणना से वि.सं. 2079 शाके 1944 का सारांश सूत्र के भविष्य संसार चक्र इस प्रकार रहेगा:

- ❑ नल नामक संवत्सर होने से अन्न तथा जल मध्यम होता है। तस्करी, चोरी, डकैती, लूटमार जैसी घटनाओं से प्रजा में सदैव भय बना रहता है।
- ❑ वर्ष का राजा शनि एवं मंत्री गुरु होने से राजनेताओं का परस्पर विरोध चरम पर रहेगा। अघोषित युद्ध जैसी परिस्थितियां सृजित होंगी। प्राकृतिक आपदा का योग बनता है।
- ❑ केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के वर्चस्व में पहले की अपेक्षा थोड़ी न्यूनता रहेगी, परन्तु राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ही सत्तारूढ़ होगी। केन्द्र व राज्य सरकारों में महिलाओं की सहभागिता बढेगी।
- ❑ पर्वतीय क्षेत्रों में भू-स्खलन, धरती फटना, बादल फटना जैसी प्राकृतिक आपदाओं का ताण्डव देखने को मिलेगा। आवागमन वाधित होने से सामान्य जन-जीवन पर असर पड़ेगा।
- ❑ संसद में किसान बिल पर पक्ष-विपक्ष का आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। जनसंख्या नियंत्रण एवं नियोजन, समान नागरिक सँहिता जैसे नये बिल भी प्रस्तावित होंगे।
- ❑ सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार कोरोना महामारी के बीच प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था को संभालते हुए विकास और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।
- ❑ संवत् 2079 में मौसम की प्रतिकूलता से आम जन-जीवन परेशान रहेगा। अत्यधिक सर्दी एवं अत्यधिक गर्मी का प्रकोप बनेगा।
- ❑ देश में आपसी लड़ाई-झगड़े, साम्प्रदायिक दंगे, चोरी, डकैती, लूटपाट, बलात्कार, अग्निकांड जैसी उपद्रवी घटनाओं की अधिकता रहेगी।
- ❑ निजीकरण के मामला में हड़तालों, प्रदर्शनों से देश को कमजोरी जैसा वातावरण बनेगा। रोग, व्याधियों से जनता परेशान रहेगी।
- ❑ प्राकृतिक आपदाएं आंधी, तूफान, चक्रवात, बवंडर, हिमपात, भूस्खलन, अतिवृष्टि, अनावृष्टि से पैदावार में गिरावट आयेगी।
- ❑ समुद्रतटीय प्रदेशों में तेज आंधी-तूफान, चक्रवात, सुनामी का प्रभाव बनेगा। जिससे जान-माल की अभूतपूर्व हानि का योग बनेगा।
- ❑ चरित्र हनन् जैसी घटनाएं ज्यादा घटेंगी। हवाई यात्राओं का भी अपहरण-दुर्घटनाओं का दौर अधिक चलेगा।
- ❑ कोरोना महामारी एवं अन्य महामारी से विश्व अभी भी संतप्त रहेगा। वैक्सिन के बावजूद भी जन-हानि का अभूतपूर्व योग बनता है।
- ❑ कोरोना महामारी से प्रभावित विश्व की विषम अर्थव्यवस्था से देश उबरने में भरसक प्रयासरत रहेंगे।
- ❑ शीर्षस्थ नेताओं के प्रभाव में कमी के कारण कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व दिन-प्रतिदिन घटता जायेगा। एक-दूसरे पर दोषारोपण का दौर चलता रहेगा।
- ❑ भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा नये-नये अनुसंधान से स्वास्थ्य, रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष आदि क्षेत्रों में भारत का मान बढ़ेगा।
- ❑ दिन-प्रतिदिन महत्वपूर्ण जीवन उपयोगी वस्तुओं के मूल्य अपने चरम शिखर पर होंगे। अत्यधिक महंगाई से जनता में नेतृत्व के प्रति आवेश, आक्रोश एवं उग्रता की भावना परिलक्षित होगी। महंगाई निवारण का भरोसा एक वक्तव्य बनकर रह जायेगा।
- ❑ दिन-प्रतिदिन विभिन्न राष्ट्रों में नये विध्वंशक अस्त्र-शस्त्र हासिल करने की होड़ सी लगी होगी। अपने बजट का ज्यादा भाग अस्त्र-शस्त्र पर खर्च करेंगे।
- ❑ सत्तारूढ़ एवं विपक्षी नेताओं में परस्पर आरोप-प्रत्यारोप, द्वेष, टकराव का दौर अनवरत चलता रहेगा।

...अस्त्र-शस्त्र हासिल करने की होड़ सी लगी होगी। अपने बजट का ज्यादा भाग अस्त्र-शस्त्र पर खर्च करेंगे।

- सत्तारूढ़ एवं विपक्षी नेताओं में परस्पर आरोप-प्रत्यारोप, द्वेष, टकराव का दौर अनवरत चलता रहेगा।

वि. सं. 2079 शाके 1944 का वर्ष-वर्षेश-आर्द्रा एवं जगत लग्न प्रवेश

विगत दो दशक से "श्री आर्यभट्ट पंचांग" द्वारा ज्योतिष शास्त्र का अध्ययन अनुशीलन करके विश्व व भारत के संबंध में जो भविष्यवाणियां की गई उससे सभी पाठक परिचित हैं। निराश्रित ज्योतिष विज्ञान ने आज गणित के विभाग में शत-प्रतिशत सत्यता सिद्ध कर दी है एवं गणित द्वारा वर्षों पूर्व सूर्य-चन्द्र ग्रहणों का प्रारंभ व समाप्ति काल का समय निर्धारित किया है। उसमें एक मिनट का भी अंतर नहीं होता है। परन्तु फलित के विभाग में अभी पूर्ण शोध चल रहा है। वैसे फलित ज्योतिष को इष्ट साधन व दैव विद्या कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। अत: संसार, राष्ट्र व राज्य के अलावा व्यक्ति के संबंध में भविष्य बताने वाले को दैवज्ञ माना गया है। साधना, तपस्या व अनुभव से प्राप्त दैव विद्या पर शोध करने वाला व्यक्ति आज के युग में साधनाहीन है। ग्रहों की गति व इष्ट संकेतों को समझने में भूल हो सकती है। अत: समस्त की गयी भविष्यवाणियां सदा सत्य ही हों की कसौटी पर उतारना उचित नहीं होगा। ज्योतिष ज्ञान द्वारा अनन्त आकाश में जो ग्रह, नक्षत्र, तारागण अपनी-अपनी वक्र-मार्गी गति से विचरण करते हुए आकर्षण-विकर्षण के द्वारा भूमण्डल पर होने वाले परिवर्तन एवं प्रभाव को जाना जाता है। अनन्त आकाश में कोई भी ग्रह कितनी ही दूरी पर क्यों न हो जब वह अपनी स्थिति बदलता है तो विश्व की परिस्थिति को अवश्य प्रभावित करता है। प्रतिवर्ष आकाशी परिषद् को गति प्रदान करने के लिए ग्रह परिषद् की नव नियुक्ति होती है। इस ग्रह परिषद् के बलाबल और वर्षलग्न, जगत् लग्न में उनका स्थान होने से प्राचीन ग्रन्थ वराह मिहिराचार्य कृत "वाराही संहिता" के आधार पर "दैवज्ञ" वर्ष के शुभाशुभ फल जानने में सक्षम होते हैं। ग्रहों के उदयास्त, वक्र-मार्ग, परस्पर अंशयोग, सम-सप्तम योग (प्रतियोग) से संसार में कहां-कहां अशांति या शांति उत्पन्न होगी। इसके लिए संघट्ट चक्र, सर्वतोभद्र चक्र, कूर्मचक्र आदि को आधार मानकर हम अपनी स्वल्प बुद्धि से जो कुछ लिखते आ रहे हैं वे सभी अभी तक 70-80 प्रतिशत सत्य साबित हुई हैं।
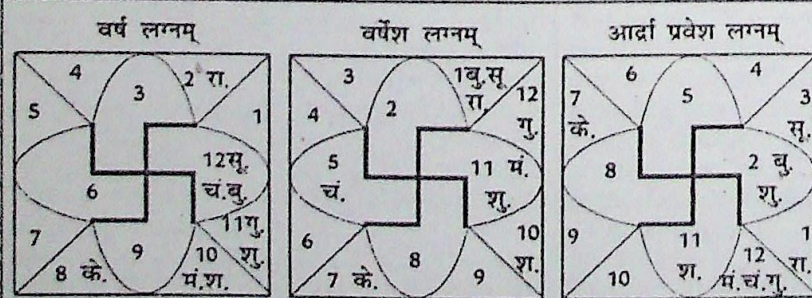
दिनांक : 1 अप्रैल 2022	दिनांक : 14 अप्रैल 2022	दिनांक : 22 जून 2022
प्रात: 11।54 बजे	प्रात: : 08।42 बजे	प्रात: 11।42 बजे

वर्ष लग्न विचार–संवत् 2079 का प्रारंभ 1 अप्रैल 2022 की दोपहर 11।54 पर रेवती नक्षत्र, मिथुन में हुआ है। जिससे भारत सहित समग्र विश्व में आश्चर्यजनक घटनाएं, गृहयुद्ध, आतंकवाद, विस्फोट जैसी घटनाएं घटित होंगी। वर्ष कुंडली के लग्न भाव में मिथुन राशि के प्रभाव से युद्ध जैसी परिस्थितियां बनेंगी। पूर्व दिशा के राज्यों में धान्यों के विक्रय से लाभ होगा। उत्तर तथा तथा दक्षिण दिशा के प्रदेशों में अधिक वर्षा होगी। जनजीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। धान्यों का संग्रह लाभ देगा। पश्चिमी राज्यों तथा प्रदेशों में वर्षा में कमी रहेगी। राजकीय विग्रह-विवाद होंगे। सत्ता परिवर्तन होगा। देश के पूर्वी भागों में युद्धजनक स्थिति बनेगी। भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, तुर्की, फ्रांस आदि देशों में देशद्रोह-राजद्रोह तथा आतंकवाद का वर्चस्व बना रहेगा। भारत का पड़ोसी देशों के साथ तनाव बना रहेगा। सीमा पर सैनिक झड़पें एवं आतंकी घुसपैठ से हमेशा युद्ध की आशंका बनी रहेगी। मध्य प्रदेश में पशुओं के रोग का प्रकोप होगा। सोमवारी दीपावली होने से वर्ष में 100 दिन वर्षा होगी। शिक्षण, लेखन, प्रकाशन, चिकित्सा तथा सैन्य सैक्टर्स की प्रगति तथा उन्नति के लिये कार्य किये जायेंगें। नई-नई योजनायें बनेंगी। व्यापारिक उन्नति से देश की जी.डी.पी. में सुधार होगा।

वर्षेश लग्न विचार–दिनांक 14 अप्रैल 2022 गुरुवार की प्रात: 08।42 पर वृष लग्न में जगत का प्रवेश हुआ है। अत: भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांगलादेश, पंजाब आदि में राजनीतिक उथल-पुथल, आंदोलन, अशांति एवं आतंकवादी घटनाओं का वातावरण बना रहेगा। शनिवारी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से धान्यों, रसकस तथा जल की कमी से प्रजा कष्ट में रहेगी। नहरों तथा नदियों पर बांध का काम होगा। प्रशासनिक सहायता बढ़ेगी। कई वस्तुओं की सब्सिडी तथा टैक्स स्ट्रक्चर में परिवर्तन होगा। सूर्य राहु से पीड़ित होने से चैरीटेबल अस्पतालों तथा कारागारों की स्थिति बिगड़ेगी। माईनिंग तथा मेटल सैक्टर एवं आयुध निर्माणी संस्थाओं की प्रगति होगी। विदेश व्यापार बढ़ेगा। विदेशी गुप्तचरी के प्रति अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता रहेगी। जाली डोक्यूमेन्ट्स के आधार पर धोखाधड़ी देखने में आयेगी। टैक्स चोरी की घटनायें अधिक होंगी। किन्हीं कला क्षेत्र से जुड़े किन्ही प्रतिष्ठित कलाकारों को राजकीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। धार्मिक गतिविधियां बढ़ेंगी। विरोधी पक्ष प्रबल होगा। किन्हीं स्थानों पर सत्तारूढ़ पार्टी की चुनावी हार होगी।

आर्द्रा प्रवेश फल–कृष्ण पक्ष की नवमी का आर्द्रा प्रवेश भयोत्पादक होने से जन-समुदाय आशंका ग्रस्त रहेगा। कृषि में टिड्डी आदि कीटों का प्रकोप होगा। बुधवारी आर्द्रा प्रवेश से बुद्धिजीवी वर्ग के लिये कल्याणकारी कार्य होंगे। सुभिक्ष रहेगा। आर्द्रा प्रवेश के समय चन्द्रमा रेवती नक्षत्र शासकवर्ग के लिये कष्ट तथा अमंगलकारी रहेगा। जलराशि का चन्द्रमा अष्टम भाव में रेवती नक्षत्र स्थित मंगल तथा उ.भाद्रपद गत गुरु से युत होने से वर्षा असमान होगी। कुछ स्थानों पर वर्षा में कमी रहेगी तथा कुछ स्थानों पर अधिक वर्षा होगी। आर्द्रा प्रवेश समय के शोभन योग से प्रशासन तथा प्रजा दोनों ही शुभ कार्यों में प्रवृत होंगे। मध्यान्ह समय के प्रवेश से वर्षा में कमी आकर कृषि की हानि होगी। चारा तथा अन्य पशु आहारों की उपलब्धता में कमी आयेगी। अनाज तथा चारा महंगे होंगे। आर्द्रा प्रवेश के दिन की वर्षा से अगले डेढ़मास तक वर्षा का अभाव रहेगा। आकाश निर्मल तथा स्वच्छ रहने पर अच्छी वर्षा होगी तथा कृषि को लाभ होगा। उमस बढ़ेगी। तेज हवायें चलेंगी, अल्प वर्षा योग है। यदि वर्षा होते समय सूर्य का प्रवेश आर्द्रा में हुआ तो जल तथा अन्न की हानि होगी।

विशिष्ट राजनेताओं का भविष्य फल

महामहिम राष्ट्रपति महोदय श्री रामनाथ कोविंद जी– वि. सं. 2079 आपके जीवन में मिश्रित फलकारक रहेगा। उत्तम वाक् शैली से आपका प्रभाव तथा सम्मान बढ़ेगा। मार्च और अप्रैल में न चाहते हुए भी यात्रा पर जाने का योग बनता है। मई और जून में भी पर्यटन के योग हैं। जुलाई-अगस्त मानसिक समस्या का निराकरण स्वतः संभव है। वर्षान्त में खुशियां ज्यादा रहेंगी। अपने कार्य कौशल से प्रतिद्वंदियों पर विजय का योग बनता है। पारिवारिक जीवन भी सुखद और बेहतर रहेगा। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास जी मोदी–इस वर्ष 2079 में आपकी कीर्ति का योग विशेष बनेगा। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भी इनका मान-सम्मान बढ़ेगा। वैश्विक स्तर पर कुछ मामलों में अहम् भूमिका निभायेंगे। कुण्डली में मंगल की उपस्थिति से विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। आने वाले 4-5 साल इनके जीवन के लिए बहुत बेहतरीन एवं सम्मान दायक रहेगा। वर्ष में कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं घोषित हो सकती हैं। महंगाई, बेरोजगारी, किसान बिल जैसे मुद्दों पर जनता का विरोध का सामना भी करना पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, कनाडा और यू.के. से संबंध मजबूत होंगे। मंगल कुंडली के सप्तम भाव से इनकी आक्रामक रणनीति की ओर संकेत करता है तथा वर्ष के मध्य कोई बड़ा फैसला का योग भी बनता है। कुंडली में उपस्थित शनि-गुरु ग्रह इन्हें अपने लिए हुए निर्णयों पर पुनर्विचार के लिए बाध्य करेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अनुकुल नहीं रहेगा। विदेश यात्रा का योग सदैव बना रहेगा। शुक्र पर्वत सशक्त होने के कारण इन्हें लोकप्रिय व शक्तिशाली नेता बनाता है।

श्री लालकृष्ण आडवाणी जी–यह वर्ष शनि ग्रह की महादशा और इसी ग्रह की अंतर्दशा से स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। बीमारी का योग बनता रहेगा। हृदय रोग योग, मस्तिष्क पीड़ा सहित जीवन में बाधाएं चलेंगी। आपकी कुंडली में शनि एवं शुक्र ग्रह की चाल परिवर्तन से आनेवाले वर्षो में देश के सर्वोच्च पर आसीन कर सकता है। मंगल की स्थिति से आप प्रबल पराक्रमी होते हुए भी दुःखी एवं चिन्तित रहेंगे। वर्चस्व में कमी आयेगी। शुक्र ग्रह के कारण आप अपने बयानों के कारण विवादों में रहेंगे। गुण व कीर्ति का ह्रास होगा। अपने पार्टी के ही खास लोगों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

श्री अमित शाह जी (गृहमंत्री, भारत सरकार)–संवत् 2079 आपके लिए शुभ फल दायक रहेगा। कुंडली में उपस्थित गजकेसरी योग से आपको हर क्षेत्र में जबर्दस्त सफलता कारक सिद्ध होगा। ग्रहों की स्थिति से आप गृहमंत्री के रूप में मील का पत्थर साबित होंगे। सूर्य की राशि में शुक्र पंचम भाव में होने से आप राजनीति के महार्पंडित साबित हुए। आपका पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा। शत्रु नष्ट होंगे। वर्षारंभ में नागरिकता रजिस्टर, नागरिकता संशोधन कानून और समान नागरिक संहिता जैसे कानूनों पर संसद में बजट सत्र के दौरान प्रस्तावित रहेगा। राहु में मंगल की दशा से आप कुछ चौंकाने वाले निर्णय लेंगे। केन्द्रीय मंत्रीमण्डल में आपका वर्चस्व दिनोंदिन बढ़ता रहेगा। विरोधी आपकी छवि धूमिल करने का भरसक प्रयास भी करेंगे। दुर्घटना चोट, बीमारी तथा विवाद जैसे मामलों का सामना करना पड़ेगा। विदेश यात्राएं भी ज्यादा होंगी।

श्रीमती सोनिया गांधी–संवत् 2079 राजनैतिक दृष्टि से चिन्तादायी रहेगी। कुंडली में शनि और मंगल के योग से स्वास्थ्य चिन्तादायक रहेगा। पार्टी की सशक्तिकरण हेतु शिखर नेतृत्व देने में असमर्थ रहेंगी। अपने पार्टी में ही विरोध का सामना करना पड़ सकता है। शनि के वक्रत्व काल से स्वास्थ्य और राजनैतिक स्थिति अच्छा नहीं रहेगा। वाहन दुर्घटना का योग भी बनता है।

श्री राहुल गांधी–जन्म कुण्डली में दो परस्पर ग्रह आपके आय-व्यय स्थान के स्वामी होने से कार्यक्षेत्र में काफी बदलाव का योग बनाता है। शुक्र दशम भाव में अवस्थित होने से राजनीति में कुछ सफलता कारक सिद्ध हो सकता है। कुछ राज्यों में आपकी पार्टी का प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। वर्षान्त तक कमजोर वर्ष कुण्डली के चलते माता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्ता रहेगी। स्वयं के किसी राजनीतिक मुकदमेबाजी या विवाद में फंसने का योग बनता है। राजनीतिक व्यवहार में भी अपरिपक्वता परिलक्षित होगी। वाहन दुर्घटना का अशुभ योग बनता है। दक्षिण भारत में वर्चस्व बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद भी बनेगा। सामाजिक दायित्वों में वृद्धि होगी।

माननीय केन्द्रीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी–वर्ष 2079 में पार्टी का वर्चस्व बढ़ाने में आपका महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा। देश की सुरक्षा हेतु अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण से सुसज्जित कर सेना का मनोबल बढ़ाने का सतत् प्रयासरत रहेंगे। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य चिन्तादायक रहेगा। पार्टी में महत्वपूर्ण स्थान बना रहेगा। विदेश यात्रा का योग बनेगा।

माननीय श्रीमान् आदित्यनाथ जी योगी (मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार)–वर्ष 2079 आपके लिए शुभफल दायक रहेगा। कुण्डली में चन्द्रमा कुंभ राशि में विराजमान है। केतु बारहवें घर में होकर दशम भाव में बैठे शनि से दृष्ट है तथा राहु छठे घर में स्थित होने से कुछ कड़े और विवादास्पद फैसले लेने के लिए प्रेरित कर सकती है। जिससे विपक्षी दल के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। श्रीराम मंदिर निर्माण एवं उनकी चहुंमुखी विकास हेतु आप सदैव तत्पर रहेंगे। पार्टी में आपका वर्चस्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता रहेगा। विधान सभा चुनाव में आपकी पार्टी का प्रदर्शन सर्वोपरी रहेगा। सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेंगे एवं मुख्यमंत्री पद पर पुनः आसीन होने का योग बनता है। बेहतर शासन व्यवस्था हेतु आप सतत् प्रयत्नशील रहेंगे। अपराधों पर नियंत्रण के लिए सार्थक प्रयास करेंगे। धार्मिक यात्राएं भी होंगी।

श्री अरविन्द केजरीवाल (सी.एम. दिल्ली)–आपके कुंडली में शनि और चन्द्रमा का नवम भाव में बन रहा योग आपको समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके में काफी लोकप्रिय बनायेगा। गुरु-चन्द्र-गुरु की विंशोत्तरी दशा में प्रत्याशित जीत दिलाकर तीसरी बार दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ कर दिया है। राहु का वृष राशि में गोचर से स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक रूप से काफी प्रसन्न रहेंगे। अन्य राज्यों के चुनावों में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा।

श्रीमान् नितीश कुमार जी (मुख्यमंत्री, बिहार)–संवत् 2079 के आरंभ में सरकार की अस्थिरता का योग बन रहा है। नेताओं के दल-बदल से सत्ता परिवर्तन की संभावना प्रबल है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपकी लोकप्रियता में बढ़ोतरी होगी। प्रशासनिक एवं राजकीय पदों से सहयोग मिलता रहेगा। जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी लोगों के हितार्थ बिहार के विकास में उत्तरोत्तर प्रयासरत रहेंगे। बिहार के उत्तरोत्तर विकास हेतु नये-नये योजनाओं का शुभारंभ करेंगे। विपक्ष के विरोध का सामना भी करना पड़ सकता है। वाहन दुर्घटना का योग बनता है।

श्री अशोक जी गहलोत (मुख्यमंत्री, राजस्थान)–वर्ष 2079 आपके लिए काफी उठा-पटक वाला रहेगा। आपकी कुंडली में स्थित केतु और पाप कर्तरी योग अपनी ही पार्टी में परेशानी देगा। आपका स्वास्थ्य काम के बोझ और पार्टी की अंतर्कलह के कारण प्रभावित होगा। कुंडली में स्थित चार राशि द्वारा केदार योग आपको एक शांत और नम्र व्यक्ति बनाता है। वाहन से चोट का योग बनता है।

विवादों में रहेंगे। गुण व कीर्ति का ह्रास होगा। अपने पार... खास लोगों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

में महत्वपूर्ण स्थान बना रहेगा। विदेश यात्रा का योग बनेगा।

...योग आपको एक शांत और नम्र व्यक्ति बनाता है। वाहन से चोट का योग बनता है।

द्वादश राशियों का मासिक भविष्यफल सन् 2022 ई.

नोट:-यह राशिफल गोचर ग्रहों के योग से नाम राशि-जन्म राशि मिश्रित गणना के रूप में लिखा गया है। सुविधा के लिए नामाक्षर, राशि स्वामी एवं नग भी लिखे हैं।

मेष-चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

मेष

स्वामी-मंगल नग-मूंगा शुभ

जनवरी २०२२–धन लाभ होगा। स्वास्थ्य सुख रहेगा। वरिष्ठों एवं सम्मानित तथा सज्जन व्यक्तियों का सानिध्य मिलेगा। प्रतिष्ठित कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। पदोन्नति होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख समृद्धि बढ़ेगी। 15 जनवरी के बाद शारीरिक पीड़ा एवं निर्बलता से थकान बनेगी। कार्यों पर सुचारु रूप से ध्यान नहीं दे पायेंगे। अपमानजनक स्थितियों से कष्ट होगा। आर्थिक स्थिति निर्बल रहेगी। कार्यस्थल/कार्यभार में परिवर्तन होगा। शुभ दिवस-01, 05, 08, 10,12, 20, 22, 27, 31, अशुभ दिवस-03, 15, 17, 24, 29।

फरवरी–आर्थिक हानि होगी। वरिष्ठों से मतभेद होंगे। अपेक्षित प्रशासकीय सहयोग नहीं मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान में कमी अनुभव करेंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य स्थगित होगा। मन में दूषित विचार आयेंगे। रोग ग्रस्त होंगे। 26 फरवरी से मास के अन्त तक स्वास्थ्य निर्बल रहेगा। रोजी रोजगार तथा कार्यस्थल पर कठिन परिस्थितियों का सामना पड़ेगा। कार्यों में असफलता से मन खिन्न रहेगा। धन हानि होगी। अरिष्ट निवारण के लिये अवांछित मार्ग अपनाकर मुसीबत मोल लेंगे। किसी कार्यवश सुदूर स्थान की यात्रा होगी। महिलाओं के कारण कलह एवं कष्ट की स्थिति बनेगी। प्रेम सम्बन्धों में निराशा मिलेगी। अपव्यय होगा। शुभ दिवस-02, 04, 06, 09, 16, 18, 23, 27, अशुभ दिवस-11, 14, 21, 25 हैं।

मार्च–15 मार्च तक पारिवारिक सुख-शांति में कमी रहेगी। रोग ग्रस्त होंगे। सन्तान के विषय में चिन्ता बनेगी। 15 मार्च से 31 मार्च की अवधि में घर-परिवार का सुख रहेगा। यात्राओं में सफलता मिलेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यस्थल पर, रोजी रोजगार में सन्तुष्टि रहेगी। प्रशासन, बन्धु-बान्धवों तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ व्यय से बचेंगे। वार्तालाप के माध्यम से अनेक कार्यों में सफलता मिलेगी। पदोन्नति सम्बन्धी वाद-विवाद समाप्त होंगे। रोग मुक्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी। परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किसी नये स्थान पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। शुभ दिवस-01, 03, 06, 08, 15, 18, 20, 28, 31, अशुभ दिवस-11, 13, 22, 24, 26 हैं।

अप्रैल–14 अप्रैल तक व्यवसाय एवं भूमि-भवन के कार्यों से हानि होगी। अपेक्षित लाभ में कमी रहेगी। आर्थिक स्थिति कठिन बनेगी। पद, प्रतिष्ठा विपरीत रूप से प्रभावित होगी। दाम्पत्य-जीवन में असंतोष रहेगा। महिलायें हानि का कारण बनेंगी। प्रेम-सम्बन्धों में असफलता तथा असन्तोष रहेगा। सहोदरों, मित्रों तथा सहकर्मियों से मतभेद तथा मनमुटाव होगा। 15 अप्रैल से मासान्त तक पारिवारिक सम्बन्धों में सुधार होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आर्थिक उन्नति होगी। नेगोशियेशन्स में सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण अनुबंध होगा। लाभकारी यात्रायें होंगी। दुर्घटनाओं से बचाव होगा। खोई हुई वस्तु प्राप्त होगी। शिक्षा में प्रगति होगी। शुभ दिवस-02, 12, 14, 16, 23, 25, 27, 29, अशुभ दिवस-04, 07, 09, 18, 20 हैं।

मई–रोग मुक्त होंगे। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभान्वित होंगे। आय बढ़ेगी। स्वास्थ्य सुख रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मानसिक तनाव समाप्त होगा। मास के तीसरे सप्ताह में घर-परिवार से दूर रहना होगा। सन्तान के कारण कष्ट होगा। दाम्पत्य जीवन में मतभेद बनेंगे। मान-सम्मान की हानि होगी। व्यय अधिक रहेगा। चतुर्थ सप्ताह से शिक्षा तथा अध्ययन में सफलता मिलेगी। व्यवसायिक उन्नति होगी। अविवाहितों का विवाह का योग बनेगा। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ होगा। शिक्षा तथा अध्ययन में सफलता मिलेगी। विरोधी पराजित होंगे। सुख तथा ऐश्वर्य बढ़ेगा। सौन्दर्य प्रसाधनों के माध्यम से आय होगी। शुभ दिवस-12, 14, 16, 22, 29, अशुभ दिवस-02, 04, 07, 09, 18, 20, 24, 27, 31 हैं।

जून–किसी नये स्थान पर कार्यभार संभालने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विरोधी पराजित होंगे। रोगों से मुक्ति मिलेगी। उच्चाधिकारियों के सम्पर्क में आयेंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। योग्य व्यक्तियों को सन्तान प्राप्ति होगी। प्रशासकीय लाभ मिलेगा। शिक्षा तथा अध्ययन में रुचि रहेगी। बहुमूल्य वस्तुयें प्राप्त होंगी। शल्य क्रिया आपरेशन अथवा चोट लगने का भय दूर होगा। शुभ फलदायक यात्रायें होंगी। विभिन्न उपद्रवों से छुटकारा मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। शुभ दिवस-08, 10, 12 18, 23, 25, अशुभ दिवस-03, 06, 14, 16, 20, 28, 30।

जुलाई–दूसरे सप्ताह के अन्त तक विरोधियों से त्रस्त रहेंगे। पारिवारिक कलह बढ़ेगी। मन भयग्रस्त रहेगा। परिश्रम तथा साहस में कमी रहेगी। व्यय अधिक होगा, आय कम रहेगी। तीसरे सप्ताह से मानसिक व्यथा से छुटकारा मिलेगा। सत्कार्यों में व्यस्त रहेंगे। नौकरी तथा रोजगार में संतोषजनक परिणाम प्राप्त होंगे। व्यवसाय तथा कार्यालय की उलझनें समाप्त होंगी। आर्थिक उन्नति होगी। धनागम बढ़ेगा। विभिन्न माध्यमों से लाभ मिलेगा। भूमि-भवन के कार्यों में सफलता मिलेगी। स्थाई सम्पत्ति बढ़ेगी। प्रेम-सम्बन्धों में प्रगति होगी। हृदय रोग की सम्भावना समाप्त होगी। शुभ दिवस-03, 08, 10, 16, 18, 20, 25, 30, अशुभ दिवस-05, 12, 14, 22, 28 हैं।

अगस्त–मासारंभ में आकस्मिक रूप से किसी झगड़े-झंझट में फसेंगे। मानसिक तथा शारीरिक कष्ट रहेगा। जीवन साथी तथा संतान से मतभेद होंगे। अनबन रहेगी। घर-परिवार से अलग रहना पड़ सकता है। शरीर में शिथिलता आयेगी। योजनाओं के अनुरूप विचारित कार्यों में प्रगति तथा सफलता का अभाव रहेगा। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में असफलता हाथ लगेगी। द्वितीय सप्ताह से मासांत तक दूसरे के विचारों को समाहित करने से लाभ मिलेगा। चोरी अथवा अग्निकांड से हानि होगी। सुख, वैभव में न्यूनता रहेगी। क्रय शक्ति क्षीण होगी। मानसिक तथा शारीरिक दोनों ही प्रकार से थकान अनुभव करेंगे। वाणी में कठोरता आयेगी। शुभ दिवस-01, 04, 12, 14, 16, 19, 21, 26, 31। अशुभ दिवस-06, 08, 10. 24, 29।

सितंबर–सुख समृद्धि में कमी रहेगी। आर्थिक हानि होगी। स्वास्थ्य खराब होगा। कार्यों में प्रगति का अभाव रहेगा। विरोधी मुखर होंगे। मानसिक तनाव बढ़ेगा। 24 सितम्बर में अपेक्षाकृत शुभ फल होंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। सन्तान के कार्यों से प्रसन्नता होगी। वाद-विवाद तथा कोर्ट-कचहरी के मामलों में निर्णय पक्ष में आयेंगे। अन्जानी विपत्ति से छुटकारा मिलेगा। सुख रहेगा। 25 से 30 सितम्बर तक इच्छा के विपरीत, परिस्थितियों के वशीभूत होकर समझोतों के लिये विवश होना पड़ेगा। प्रबल विरोध के चलते हानि उठानी पड़ेगी। यात्राओं में दुर्घटनाओं का भय रहेगा। शुभ दिवस-02, 06, 09, 11, 15, 18, 20, 23, 25, 27, 29 हैं। अशुभ दिवस-04, 13 हैं।

शेष पृष्ठ 194 पर

वि. स. 2079, शाके 1944 मध्ये शुद्ध विवाह मुहूर्त्ताः (अभिजित् मुहूर्त्त सहित)

यहां दिये गये विवाह मुहूर्त **"लत्ता पातो युतिर्वेधो जामित्रं बुध पंचकम्। एकार्गलौपग्रहौ च क्रांति साम्यं तथा परम्॥ दग्धा तिथिश्च विज्ञेया दश दोषा। महाबला॥ एतान्दोषान् परित्यज्य लग्नं संशोधयेद् बुधै॥।"** श्लोक सूत्रगत प्रमुख दश दोष रहित है तथा जिन दोषों के परिहार वाक्य मिले उन्हें भी दिया गया है। इस दश दोष शुद्धि को रेखाओं में प्रदर्शित किया गया है। रेखाओं में जहां (।) ऐसी खड़ी रेखा है वहां उस दोष की पूर्ण शुद्धि समझें तथा जहां (0) ऐसा चिन्ह है उसे परिहार सहित दोष जानें। वैवाहिक नक्षत्र **"रोहिण्युत्तर रेवत्यो स्वाती मूलं मृगो मघा। अनुराधाश्च हस्तश्च विवाहे मंगलप्रद॥।"** किन्तु कात्यायनोक्त **"त्रिषु। त्रिषूत्तरादिषु"** (गृह्य सूत्र) के अनुसार चार विशेष विवाह नक्षत्र भी हैं। इस विषय में धर्म सिंधुकार ने भी लिखा है। **"चित्रा श्रवण धनिष्ठाऽश्विनी यजुर्वेदीनाम्"** अत। यजुर्वेदियों के विवाह इन चार विशेष विवाह नक्षत्रों में भी हो सकते हैं। हम पाठकों की सुविधा हेतु इन चार विशेष विवाह नक्षत्रों के मुहूर्त भी अलग से दे रहे हैं।

नोट।-यहां क्रांतिसाम्य (महापात) दोष स्थूल न लेकर सूक्ष्म गणितागत लिया गया है। लग्नों का समय भा.स्टै.टा. दिल्ली हेतु है। अत। अन्य नगरों के लिये समय परिवर्तित करके संशोधित कर लें। गुरु-शुक्र का उदयास्त सूक्ष्म उन्नतांश पद्धति से लिया गया है। लग्नों के आगे दिया गया समय लग्नारंभ काल है।

समय शुद्धि

- 卐 **संक्रांति दोष**-वि. सं. 2079 के प्रा. से चैत्र शुक्ल 13, गुरुवार ता. 14 अप्रैल 2022 तक-मीन संक्रांति दोष। पुनः पौष कृ.8 गुरुवार ता. 16 दिसं. 2022 से माघ कृ.7 शनिवार ता. 14 जन. 2023 तक धनु संक्रांति (खरमास) दोष तथा चैत्र कृ. 7 मंगलवार ता. 14 मार्च 2023 ई. से वर्षान्त तक-मीन संक्रांति (खरमास) दोष के कारण सर्वत्र वर्ज्य।
- 卐 **चातुर्मास** (चौमासा) दोष-आषाढ़ शुक्ला 11 रविवार दिनांक 10 जुलाई 2022 से कार्तिक शुक्ला 10 गुरुवार दिनांक 03 नवंबर 2022 तक (सर्वत्र वर्ज्य)।
- 卐 **शुक्रास्त** (तारा)-आश्विन शुक्ला 5, ता. 30 सितंबर 2022 शुक्रवार को शुक्र पूर्व में अस्त होगा तथा मार्गशीर्ष शुक्ला एकम्, ता. 24 नवंबर 2022 गुरुवार को शुक्र पश्चिम में उदय होगा। शुक्र अस्त समय में विवाहादि शुभ कार्य सर्वत्र वर्ज्य।
- 卐 **गुरु अस्त** (तारा)-संवत् 2079 वि. में गुरु अस्त नहीं होगा। अतः गुरु अस्त समय में विवाहादि शुभ कार्य सर्वत्र वर्ज्य।
- 卐 **होलाष्टक**-फाल्गुन शुक्ला 8 सोमवार दिनांक 27 फरवरी 2023 से फाल्गुन शुक्ला 15 मंगलवार दिनांक 07 मार्च 2023 ई. तक (रावी, व्यास, सतलुज के किनारे एवं पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश में वर्ज्य)।

विवाहे सूर्य, गुरु व चन्द्र बल विचार

सूर्य।- 3, 6, 10, 11वां शुभ। 1, 2, 5, 7, 9वां पूज्य। 4, 8, 12वां नेष्ट। **गुरुः**- 2, 5, 7, 9, 11वां शुभ। 1, 3, 6, 10वां पूज्य। 4, 8, 12वां नेष्ट।

चन्द्रः- 1, 2, 3, 5, 6, 7, 9, 10, 11वां शुभ। 12वां ग्राह्य (पूज्य)। 4, 8वां नेष्ट।

चैत्र शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
15 अप्रै.	14	शुक्र	उफा.	कन्या	मेष	मीन	10	।।0।।।।।।। 05।56 से 07।55 तक मीन (चं.), मेष (सू.चं.रा.के.), वृष (मं.), 10।31 तक व्याघात योग से वर्जित, पश्चात् भद्रा दोष
16 अप्रै.	15	शनि	चित्रा	कन्या	मेष	मीन	8	।0।।।।।।।0 भद्रा 13।28 तक, 14।21 से 16।16 तक सिंह (मं.गु.शु.)
16 अप्रै.	15	शनि	चित्रा	तुला	मेष	मीन	7	।0।।।0।।।0 20।52 से 25।19 तक वृश्चिक, धनु (शु)
16 अप्रै.	15	शनि	चित्रा	तुला	मेष	मीन	8	।।।।।00।।0 25।19 से 26।44 तक मकर (श.), वज्र की तीन घड़ी वर्जित
16 अप्रै.	15	शनि	चित्रा	तुला	मेष	मीन	8	।।।।।00।।। 27।56 से 28।25 तक कुंभ (मं.श.)
16 अप्रै.	15	शनि	चित्रा	तुला	मेष	मीन	9	।।।।।।0।।। 28।25 से 29।54 तक मीन (चं), मेष (सू.चं.रा.के.)

बैशाख कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
17 अप्रै.	1	रवि	चित्रा	तुला	मेष	मीन	9	।।0।।।।।।। 05।54 से 07।16 तक मेष (सू.चं.रा.के.)
19 अप्रै.	4	मंगल	अनु.	वृश्चि.	मेष	मीन	8	।0।।।।।।।0 भद्रा 16।29 तक, 17।01 से 22।59 तक कन्या (गु.गु.शु.), तुला (सू.बु.रा.के.), वृश्चिक (चं.)

दिनांक तिथि वार नक्षत्र चन्द्र सूर्य गुरु रेखा लतादि दश-दोष लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)

17 अप्रै. 1 रवि चित्रा तुला मेष मीन 9 [illegible] (सू.रा.के.)

19 अप्रै. 4 मंगल अनु. वृश्चि. मेष मीन 8 101111110 भद्रा 16:29 तक, 17:01 से 22:59 तक कन्या (गु.गु.शु.), तुला (सू.बु.रा.के.), वृश्चिक (चं.)

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
19 अप्रै.	4	मंगल	अनु.	वृश्चि.	मेष	मीन	7	1011101110	22:59 से 25:39 तक धनु (शु.), मकर (श.)
20 अप्रै.	4	बुध	मूल	धनु	मेष	मीन	7	1011101110	24:59 से 26:41 तक धनु, मकर (श.), 23:59 तक परिघ योग
20 अप्रै.	4	बुध	मूल	धनु	मेष	मीन	7	1111100110	26:41 से 28:09 तक कुंभ (मं.श.)
20 अप्रै.	4	बुध	मूल	धनु	मेष	मीन	8	1111100111	28:09 से 29:50 तक मीन, मेष (सू.रा.के.)
21 अप्रै.	5	गुरु	मूल	धनु	मेष	मीन	10	1101111111	05:50 से 11:19 तक मेष (सू.रा.के.), वृष (चं.मं.), मिथुन (चं.)
21 अप्रै.	6	गुरु	मूल	धनु	मेष	मीन	10	1101111111	11:19 से 15:57 तक कर्क (चं.मं.शु.श.चं.), सिंह (मं.गु.शु.)
21 अप्रै.	6	गुरु	मूल	धनु	मेष	मीन	9	1101110111	15:57 से 20:33 तक कन्या (बु.गु.शु.), तुला (सू.बु.रा.के.)
21 अप्रै.	6	गुरु	मूल	धनु	मेष	मीन	10	1011111111	20:33 से 22:21 तक वृश्चिक
22 अप्रै.	7	शुक्र	उ.षा.	धनु	मेष	मीन	9	1011111110	**भद्रा 19:33 तक,** 20:14 से 22:47 तक तुला (सू.बु.रा.के.), वृश्चिक
22 अप्रै.	7	शुक्र	उ.षा.	धनु	मेष	मीन	8	1011101110	22:47 से 28:01 तक धनु (चं.शु.), मकर (श.), कुंभ (मं.श.)
22 अप्रै.	7	शुक्र	उ.षा.	मकर	मेष	मीन	7	1111100110	28:01 से 29:26 तक मीन
22 अप्रै.	7	शुक्र	उ.षा.	मकर	मेष	मीन	9	1111100111	29:26 से 29:48 तक मेष (सू.रा.के.)
23 अप्रै.	7	शनि	उ.षा.	मकर	मेष	मीन	10	1101111111	05:48 से 06:27 तक मेष (सू.रा.के.)
23 अप्रै.	8	शनि	उ.षा.	मकर	मेष	मीन	10	1101111111	07:01 से 17:26 तक वृष (मं.), मिथुन (चं.), कर्क (चं.मं.शु.श.), सिंह (चं.मं.गु.शु.), कन्या (बु.गु.शु.)
23 अप्रै.	8	शनि	उ.षा.	मकर	मेष	मीन	8	110110111	18:05 से 18:53 तक तुला (सू.बु.रा.के.)
23 अप्रै.	8	शनि	श्रवण	मकर	मेष	मीन	8	101111110	20:25 से 25:30 तक वृश्चिक, धनु (शु.), मकर (चं.श.)
23 अप्रै.	8	शनि	श्रवण	मकर	मेष	मीन	9	1101110111	26:30 से 28:30 तक कुंभ (मं.श.), मीन
23 अप्रै.	8	शनि	श्रवण	मकर	मेष	मीन	9	1011111110	29:22 से 29:47 तक मेष (सू.रा.के.)
24 अप्रै.	9	रवि	श्रवण	मकर	मेष	मीन	10	1101111111	05:47 से 14:22 तक मेष (सू.रा.के.), वृष (मं.), मिथुन (चं.), कर्क (चं.मं.शु.श.), सिंह (चं.मं.गु.शु.)
27 अप्रै.	12	बुध	उभा	मीन	मेष	मीन	8	110110111	17:05 से 17:36 तक कन्या (चं.गु.शु.)

बैशाख शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण
02 मई	2	सोम	रोहि.	वृष	मेष	मीन	8	110110111	24:33 तक विवाह नक्षत्राभाव, पश्चात् 24:33 से 28:47 तक मकर (शु.), कुंभ (मं.श.), मीन (श.)
02 मई	2	सोम	रोहि.	वृष	मेष	मीन	7	1101100111	28:47 से 29:19 तक मेष (सू.रा.के.)
03 मई	3	मंगल	रोहि.	वृष	मेष	मीन	10	1101111111	05:39 से 06:22 तक मेष (सू.रा.के.), 06:22 से 08:17 तक वृष (चं.मं.), 08:17 से 10:32 तक मिथुन
03 मई	3	मंगल	रोहि.	वृष	मेष	मीन	7	0101011111	10:32 से 16:14 तक कर्क (मं.), सिंह (मं.गु.शु.श.), कन्या (गु.शु.)
03 मई	3	मंगल	रोहि.	वृष	मेष	मीन	9	011111111	18:38 से 20:31 तक तुला (सू.चं.बु.शु.रा.), वृश्चिक (चं.बु.)
09 मई	8	सोम	मघा	सिंह	मेष	मीन	9	011111111	17:56 से 18:33 तक तुला (सू.बु.शु.रा.के.), 19:53 से 25:01 तक क्रांति साम्य
09 मई	9	सोम	मघा	सिंह	मेष	मीन	8	011110111	19:22 से 19:53 तक वृश्चिक (बु.) अल्पावधि लग्न
09 मई	9	सोम	मघा	सिंह	मेष	मीन	9	111110111	25:01 से 29:34 तक कुंभ (चं.मं.श.), मीन (चं.श.), मेष (सू.रा.के.)
10 मई	9	मंगल	मघा	सिंह	मेष	मीन	9	111011111	05:34 से 17:17 तक मेष (सू.रा.के.), वृष (मं.), मिथुन, कर्क (मं.), सिंह (चं.मं.गु.शु.श.), कन्या (गु.शु.), तुला (सू.गु.शु.रा.के.)

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
11 मई	10	बुध	उफा	सिंह	मेष	मीन	9	0111111111	19:28 से 19:32 तक वृश्चिक (बु.)
11 मई	11	बुध	उफा	सिंह	मेष	मीन	8	0111110111	21:32 से 25:19 तक धनु, मकर (चं.शु.)
11 मई	11	बुध	उफा	सिंह	मेष	मीन	7	0111100111	25:19 से 25:32 तक कुंभ (चं.मं.श.)
11 मई	11	बुध	उफा	सिंह	मेष	मीन	9	1111101111	26:46 से 29:33 तक मीन (चं.श.), मेष (सू.चं.रा.के.)
12 मई	11	गुरु	उफा	कन्या	मेष	मीन	9	1101111111	05:33 से 07:18 तक मेष (सू.चं.रा.के.); वृष (मं.), मिथुन, भद्रा 07:18 से 18:52 तक
12 मई	12	गुरु	हस्त	कन्या	मेष	मीन	8	0111110111	19:30 से 21:29 तक वृश्चिक (बु.)
12 मई	12	गुरु	हस्त	कन्या	मेष	मीन	7	0111100111	21:29 से 25:15 तक धनु, मकर (शु.)
12 मई	12	गुरु	हस्त	कन्या	मेष	मीन	9	1111101111	25:15 से 27:44 तक कुंभ (चं.मं.श.), मीन (चं.श.)
15 मई	14	रवि	स्वाति	तुला	वृष	मीन	7	0101011111	09:48 से 12:46 तक कर्क (मं.), सिंह (मं.गु.शु.श.), पश्चात भद्रा
									ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.
17 मई	2	मंगल	अनु.	वृश्चि.	वृष	मीन	8	1111011011	07:17 से 09:37 तक मिथुन (मं.), प्रात: 07:17 तक, मृत्यु बाण दोष
17 मई	2	मंगल	अनु.	वृश्चि.	वृष	मीन	8	1111011011	09:37 से 10:46 तक कर्क (मं.)
18 मई	4	बुध	मूल	धनु	वृष	मीन	8	0111110111	**विष्टि करण के बाद,** 23:37 से 24:51 तक मकर (शु.)
18 मई	4	बुध	मूल	धनु	वृष	मीन	7	0111100111	24:51 से 27:44 तक कुंभ (श.), मीन (मं.श.)
18 मई	4	बुध	मूल	धनु	वृष	मीन	9	1111101111	27:44 से 29:28 तक मेष (रा.के.), वृष (सू.चं.)
19 मई	4	गुरु	मूल	धनु	वृष	मीन	9	1101111111	05:28 से 05:37 तक वृष (सू.चं), अति अल्पावधि, 20:24 तक दग्ध तिथि
19 मई	4	गुरु	मूल	धनु	वृष	मीन	6	0101100111	27:17 से 29:28 तक मीन (मं.श.), मेष (रा.के.), वृष (सू.चं.)
20 मई	5	शुक्र	उ.षा.	धनु	वृष	मीन	9	1101111111	05:28 से 09:25 तक वृष (सू.चं.), मिथुन (चं.मं.)
20 मई	5	शुक्र	उ.षा.	मकर	वृष	मीन	7	0101011111	09:25 से 17:29 तक कर्क (चं.), सिंह (चं.मं.गु.शु.श.), कन्या (मं.गु.शं.), तुला (बु.शु.रा.के.)
20 मई	6	शुक्र	उ.षा.	मकर	वृष	मीन	9	0111111111	18:39 से 23:01 तक वृश्चिक (सू.बु.), धनु
20 मई	6	शुक्र	उ.षा.	मकर	वृष	मीन	8	0111110111	23:01 से 26:11 तक मकर (चं.शु.), कुंभ (श.)
20 मई	6	शुक्र	श्रवण	मकर	वृष	मीन	7	0111100111	26:11 से 28:11 तक मीन (मं.श.), मेष (रा.के.)
20 मई	6	शुक्र	श्रवण	मकर	वृष	मीन	7	0111100111	28:11 से 29:28 तक मेष (रा.के.), वृष (सू.)
21 मई	6	शनि	श्रवण	मकर	वृष	मीन	9	1101111111	05:28 से 09:21 तक वृष (सू.), मिथुन (चं.मं.)
21 मई	6	शनि	श्रवण	मकर	वृष	मीन	7	0101011111	09:21 से 14:59 तक कर्क (चं.), सिंह (चं.मं.गु.शु.श.), कन्या (मं.गु.शु.)
26 मई	12	गुरु	रेवती	मीन	वृष	मीन	7	0101011111	15:50 से 20:33 तक तुला (चं.बु.शु.रा.के.), वृश्चिक (सू.बु.शु.)
26 मई	12	गुरु	रेवती	मीन	वृष	मीन	9	0111111111	20:33 से 23:18 तक धनु, मकर, पश्चात् लग्न शुद्धि अभाव
27 मई	13	शुक्र	अश्वि.	मेष	वृष	मीन	7	0101111011	05:25 से 11:48 तक वृष (सू.), मिथुन (मं.), कर्क, सिंह (मं.गु.श.)
									ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.
31 मई	2	मंगल	मृग.	वृष	वृष	मीन	10	01111111111	19:19 से 23:30 तक वृश्चिक (सू.चं.बु.शु.), धनु (चं.), मकर
31 मई	2	मंगल	मृग.	वृष	वृष	मीन	8	0111101111	23:30 से 24:32 तक वृश्चिक (सू.चं.बु.शु.), धनु (चं.), मकर, 24:33 से शूल च गण्ड योग

31 मई	2 मंगल	मृग.	वृष	वृष	मीन	10	01111111111	19।19 से 23।30 तक वृश्चिक (सू.च.बु.शु.), धनु (चं.), मकर
31 मई	2 मंगल	मृग.	वृष	वृष	मीन	8	0111101111	23।30 से 24।33 तक वृश्चिक (सू.चं.बु.शु.), धनु (चं.), मकर, 24।33 से शूल च गण्ड योग

दिनांक	तिथि वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
01 जून	2 बुध	मृग.	मिथुन	वृष	मीन	10	1111111111	05।24 से 08।32 तक वृष (सू.), मिथुन (चं.मं.)
01 जून	2 बुध	मृग.	मिथुन	वृष	मीन	8	1011110111	08।38 से 10।58 तक कर्क, 10।58 से 13।00 तक सिंह (मं.गु.श.)
05 जून	6 रवि	मघा	सिंह	वृष	मीन	8	1111111010	25।13 से 26।33 तक मीन (चं.मं.श.)
05 जून	6 रवि	मघा	सिंह	वृष	मीन	7	1111101010	26।33 से 28।08 तक मेष (रा.के.)
05 जून	6 रवि	मघा	सिंह	वृष	मीन	8	1111101011	28।08 से 29।23 तक वृष (सू.)
06 जून	6 सोम	मघा	सिंह	वृष	मीन	10	1111111111	05।23 से 06।40 तक वृष (सू.), मिथुन (मं.)
06 जून	6 सोम	मघा	सिंह	वृष	मीन	8	1011110111	08।18 से 10।39 तक कर्क, 10।39 से 12।56 तक लग्न शुद्धि नहीं
06 जून	7 सोम	मघा	सिंह	वृष	मीन	9	1011111111	12।56 से 19।22 तक कन्या (मं.गु.शु.), तुला (बु.श.रा.के.), वृश्चिक (सू.बु.शु.)
06 जून	7 सोम	मघा	सिंह	वृष	मीन	8	1011111110	19।50 से 26।25 तक धनु, मकर (चं.), कुंभ (चं.शु.श.), मीन (चं.मं.श.)
07 जून	8 मंगल	उ.फा.	सिंह	वृष	मीन	8	1111111010	**भद्रा 20।18 तक**, 27।49 से 28।00 तक मेष (रा.के.)
07 जून	8 मंगल	उ.फा.	सिंह	वृष	मीन	7	1111101010	28।00 से 28।26 तक वृष (सू.)
07 जून	8 मंगल	उ.फा.	सिंह	वृष	मीन	8	1111101011	28।26 से 29।23 तक वृष (सू.)
08 जून	8 बुध	उ.फा.	सिंह	वृष	मीन	11	11111111111	05।23 से 08।10 तक वृष (सू.), मिथुन (मं.)
08 जून	8 बुध	उ.फा.	सिंह	वृष	मीन	9	10111101111	08।10 से 08।31 तक कर्क
08 जून	9 बुध	उ.फा.	कन्या	वृष	मीन	10	10111111111	10।31 से 17।24 तक सिंह (मं.गु.श.), कन्या (चं.मं.गु.शु.), तुला (बु.शु.रा.के.)
08 जून	9 बुध	उ.फा.	कन्या	वृष	मीन	8	1011111110	17।24 से 20।00 तक वृश्चिक (सू.बु.शु.), धनु
09 जून	10 गुरु	हस्त	कन्या	वृष	मीन	8	1111111010	25।49 से 26।17 तक मीन (चं.मं.श.)
09 जून	10 गुरु	हस्त	कन्या	वृष	मीन	7	1111101010	26।17 से 27।52 तक मेष (चं.रा.के.)
09 जून	10 गुरु	हस्त	कन्या	वृष	मीन	8	1111101011	27।52 से 28।26 तक वृष (सू.)
09 जून	10 गुरु	चित्रा	कन्या	वृष	मीन	8	1111101011	28।26 से 29।23 तक वृष (सू.)
10 जून	10 शुक्र	चित्रा	कन्या	वृष	मीन	10	1111111111	05।23 से 07।26 तक वृष (सू.), मिथुन (मं.)
10 जून	11 शुक्र	चित्रा	कन्या	वृष	मीन	8	1011110111	08।02 से 10।23 तक कर्क
10 जून	11 शुक्र	चित्रा	कन्या	वृष	मीन	9	1011111111	10।23 से 18।42 तक सिंह (मं.गु.श.), कन्या (चं.मं.गु.शु.), तुला (बु.शु.रा.के.), वृश्चि.(सू.बु.शु.), पश्चात् भद्रा
11 जून	12 शनि	स्वाति	तुला	वृष	मीन	9	1011111111	10।10 से 17।12 तक कर्क, सिंह (मं.गु.श.), कन्या (मं.गु.शु.), तुला (चं.बु.शु.रा.के.), 10।10 तक परिघ योग वर्जित
11 जून	12 शनि	स्वाति	तुला	वृष	मीन	8	1011111110	17।12 से 20।46 तक कर्क, सिंह (मं.गु.श.), कन्या (मं.गु.शु.), तुला (चं.बु.शु.रा.के.), वृश्चिक (सू.बु.शु.), धनु, मकर, कुंभ (शु.श.), मीन (चं.मं.श.)
13 जून	14 सोम	अनु.	वृश्चि.	वृष	मीन	10	1111111111	05।23 से 07।51 तक वृष (सू.चं.), मिथुन (चं.मं.)
13 जून	14 सोम	अनु.	वृश्चि.	वृष	मीन	8	1011110111	07।51 से 09।48 तक कर्क

आषाढ़ कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण
17 जून	4 शुक्र	श्रवण	मकर	मिथुन	मीन	9	1011111111	14।21 से 16।48 तक कन्या (मं.गु.शु.), तुला (बु.शु.रा.के.)
17 जून	4 शुक्र	श्रवण	मकर	मिथुन	मीन	8	1011111110	16।48 से 17।17 तक वृश्चिक (बु.शु.)
23 जून	10 गुरु	अश्वि.	मेष	मिथुन	मीन	9	1011111111	07।20 से 09।09 तक कर्क, पश्चात् 08।38 तक अतिगण्ड, भद्रा 09।09 से 21।42 तक

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
23 जून	11	गुरु	अश्वि.	मेष	मिथुन	मीन	8	1011111110	21:42 से 23:57 तक मकर, कुंभ (श.)
23 जून	11	गुरु	अश्वि.	मेष	मिथुन	मीन	8	1111111010	23:57 से 25:22 तक मीन (मं.शु.श.)
23 जून	11	गुरु	अश्वि.	मेष	मिथुन	मीन	7	1111101010	25:22 से 26:57 तक मेष (चं.रा.के.)
23 जून	11	गुरु	अश्वि.	मेष	मिथुन	मीन	8	1111101011	26:57 से 29:25 तक वृष, मिथुन (सू.मं.)
24 जून	11	शुक्र	अश्वि.	मेष	मिथुन	मीन	10	1111111111	05:25 से 08:04 तक मिथुन (सू.मं.), कर्क

आषाढ़ शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
04 जुला.	5	सोम	मघा	सिंह	मिथुन	मीन	9	1111101111	05:28 से 05:53 तक मिथुन (सू.)
04 जुला.	5	सोम	मघा	सिंह	मिथुन	मीन	10	1111111111	06:28 से 08:43 तक मिथुन (सू.), कर्क (मं.)
06 जुला.	7	बुध	उफा.	कन्या	मिथुन	मीन	9	1010111111	11:11 से 11:42 तक कन्या (चं.मं.गु.), लग्न शुद्धि नहीं, भद्रा 19:19 से
07 जुला.	8	गुरु	हस्त	कन्या	मिथुन	मीन	10	1111111111	07:44 से 10:54 तक कर्क (मं.), सिंह (गु.श.)
07 जुला.	8	गुरु	हस्त	कन्या	मिथुन	मीन	8	1010111111	10:54 से 12:19 तक कन्या (चं.मं.गु.)
07 जुला.	8	गुरु	चित्रा	कन्या	मिथुन	मीन	8	1010111111	12:19 से 19:29 तक कन्या (चं.मं.गु.), तुला (मं.शु.रा.के.), वृश्चिक (बु.शु.मं.), धनु
07 जुला.	9	गुरु	चित्रा	कन्या	मिथुन	मीन	8	1010111111	19:52 से 21:37 तक मकर, कुंभ
07 जुला.	9	गुरु	चित्रा	कन्या	मिथुन	मीन	6	0111010011	23:02 से 24:22 तक मीन (चं.शु.श.)
07 जुला.	9	गुरु	चित्रा	तुला	मिथुन	मीन	6	0111010011	24:22 से 29:30 तक मीन (चं.शु.श.), मेष (चं.मं.रा.के.), वृष (चं.), मिथुन (सू.)
08 जुला.	9	शुक्र	चित्रा	तुला	मिथुन	मीन	9	1111101111	05:30 से 06:12 तक मिथुन (सू.)
08 जुला.	9	शुक्र	चित्रा	तुला	मिथुन	मीन	10	1111111111	06:00 से 09:00 तक मिथुन (सू.), कर्क (मं.), सिंह (गु.श.)
08 जुला.	9	शुक्र	चित्रा	तुला	मिथुन	मीन	8	1010111111	10:50 से 12:13 तक कन्या (मं.गु.)
08 जुला.	9	शुक्र	स्वाति	तुला	मिथुन	मीन	8	1010111111	13:06 से 22:58 तक तुला (चं.मं.शु.रा.के.), वृश्चिक (बु.शु.मं.), धनु (सू.बु.शु.), मकर, कुंभ (श.)
08 जुला.	9	शुक्र	स्वाति	तुला	मिथुन	मीन	6	0111010011	22:58 से 29:30 तक मीन, मेष, वृष, मिथुन
09 जुला.	10	शनि	स्वाति	तुला	मिथुन	मीन	9	1111101111	05:30 से 05:38 तक मिथुन (सू.)
09 जुला.	10	शनि	स्वाति	तुला	मिथुन	मीन	10	1111111111	06:08 से 06:48 तक कर्क (मं.)
09 जुला.	10	शनि	स्वाति	तुला	मिथुन	मीन	8	1010111111	08:29 से 11:25 तक सिंह (गु.श.), कन्या (मं.गु.)

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
25 नवं.	2	शुक्र	मूल	धनु	वृश्चि.	मीन	8	1110111011	18:09 से 22:35 तक वृष (सू.चं.मं.बु.शु.), मिथुन (चं.बु.शु.), कर्क (चं.श.चं.)
25 नवं.	3	शुक्र	मूल	धनु	वृश्चि.	मीन	8	1110111011	22:35 से 28:58 तक कर्क (चं.श.चं.), सिंह (मं.गु.), कन्या (गु.शु.), तुला (मं.रा.के.)
26 नवं.	3	शनि	मूल	धनु	वृश्चि.	मीन	7	1011110011	06:58 से 12:16 तक वृश्चिक (सू.मं.), धनु (चं.), मकर (श.)
26 नवं.	3	शनि	मूल	धनु	वृश्चि.	मीन	8	1001111111	12:16 से 14:58 तक कुंभ (श.) मीन, भद्रा 29:56 से,
28 नवं.	5	सोम	श्रवण	मकर	वृश्चि.	मीन	8	1011111011	10:29 से 13:36 तक मकर (चं.श.), कुंभ (श.)
28 नवं.	6	सोम	श्रवण	मकर	वृश्चि.	मीन	8	[illegible]	[illegible] (सू.मं.बु.शु.), मिथुन (चं.बु.शु.)

26 नवं. 3 शनि मूल धनु वृश्चि. मीन 8 1001111111 12:16 से 14:58 तक कुंभ (श.) मीन, भद्रा 28:56 से

28 नवं. 5 सोम श्रवण मकर वृश्चि. मीन 8 1011111011 10:29 से 13:36 तक मकर (चं.श.), कुंभ (श.)
28 नवं. 6 सोम श्रवण मकर वृश्चि. मीन 8 1001111111 13:36 से 20:46 तक मीन, मेष (बु.शु.रा.के.), वृष (सू.मं.बु.शु.), मिथुन (चं.बु.शु.)

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
28 नवं.	6	सोम	श्रवण	मकर	वृश्चि.	मीन	8	1110111011	20:46 से 30:55 तक कर्क (चं.श.), सिंह (चं.मं.गु.), कन्या (गु.शु.), तुला (मं.रा.के.), वृश्चिक (सू.मं.)
29 नवं.	6	मंगल	श्रवण	मकर	वृश्चि.	मीन	7	1011110011	06:55 से 08:38 तक वृश्चिक (सू.मं.), धनु, भद्रा 12:51 तक, 01:15 से 06:35 तक क्रांति साम्य
01 दिसं.	9	गुरु	उ.भा.	मीन	वृश्चि.	मीन	8	1011111101	29:43 से 30:15 तक तुला (चं.मं.रा.के.), वृश्चिक (सू.मं.)
02 दिसं.	10	शुक्र	उ.भा.	मीन	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	06:57 से 14:45 तक वृश्चिक, धनु, मकर (श.), कुंभ (श.), मीन (चं.)
02 दिसं.	10	शुक्र	उ.भा.	मीन	वृश्चि.	मीन	7	1101110011	14:45 से 16:20 तक मेष (बु.शु.रा.के.)
02 दिसं.	10	शुक्र	उ.भा.	मीन	वृश्चि.	मीन	6	1101110010	16:20 से 22:51 तक वृष (सू.मं.बु.शु.), मिथुन (शु.बु.), कर्क (श.)
02 दिसं.	10	शुक्र	उ.भा.	मीन	वृश्चि.	मीन	8	1101111011	22:51 से 25:08 तक सिंह (चं.मं.गु.)
02 दिसं.	10	शुक्र	उ.भा.	मीन	वृश्चि.	मीन	9	1101111111	25:08 से 29:50 तक कन्या (चं.गु.शु.), तुला (चं.मं.रा.के.), वृश्चिक
04 दिसं.	12	रवि	अश्वि.	मेष	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	07:04 से 14:37 तक वृश्चिक (सू.चं.मं.), धनु, मकर (श.), कुंभ (श.), मीन
04 दिसं.	12	रवि	अश्वि.	मेष	वृश्चि.	मीन	7	1101110011	14:37 से 16:12 तक मेष (चं.शु.रा.के.)
04 दिसं.	12	रवि	अश्वि.	मेष	वृश्चि.	मीन	6	1101110010	16:12 से 18:08 तक वृष (सू.मं.बु.शु.)
04 दिसं.	12	रवि	अश्वि.	मेष	वृश्चि.	मीन	7	1101111010	18:08 से 20:23 तक मिथुन (बु.शु.)
04 दिसं.	12	रवि	अश्वि.	मेष	वृश्चि.	मीन	8	1101111011	20:23 से 22:43 तक कर्क (श.)
04 दिसं.	12	रवि	अश्वि.	मेष	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	22:43 से 27:40 तक सिंह (मं.गु.), कन्या (चं.गु.शु.), तुला (चं.मं.रा.के.)
07 दिसं.	15	बुध	रोहि.	वृष	वृश्चि.	मीन	8	1101111011	भद्रा 20:47 तक, 20:47 से 22:31 तक कर्क (शु.श.)
07 दिसं.	15	बुध	रोहि.	वृष	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	22:31 से 27:05 तक सिंह (मं.गु.), कन्या (गु.)
07 दिसं.	15	बुध	रोहि.	वृष	वृश्चि.	मीन	7	1011110011	27:05 से 31:02 तक तुला (चं.मं.शु.रा.के.), वृश्चिक (सू.चं.मं.)
08 दिसं.	15	गुरु	रोहि.	वृष	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	07:02 से 09:38 तक वृश्चिक (सू.चं.मं.), धनु (चं.)

पौष कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
08 दिसं.	1	गुरु	रोहि.	वृष	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	09:38 से 12:33 तक धनु (चं.), मकर (श.), कुंभ (श.)
08 दिसं.	1	गुरु	मृग.	वृष	वृश्चि.	मीन	7	1101110011	12:33 से 14:22 तक कुंभ (श.), मीन
08 दिसं.	1	गुरु	मृग.	वृष	वृश्चि.	मीन	6	1101110010	14:22 से 22:27 तक मेष (रा.के.), वृष (सू.चं.मं.बु.शु.), मिथुन (बु.शु.), कर्क (शु.श.)
08 दिसं.	1	गुरु	मृग.	वृष	वृश्चि.	मीन	8	1011111011	22:27 से 22:34 तक सिंह (मं.गु.)
08 दिसं.	1	गुरु	मृग.	वृष	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	22:34 से 27:01 तक कन्या (गु.)
08 दिसं.	1	गुरु	मृग.	मिथुन	वृश्चि.	मीन	7	1011110011	27:01 से 31:02 तक तुला (मं.शु.रा.के.), वृश्चिक (सू.चं.मं.)
09 दिसं.	1	शुक्र	मृग.	मिथुन	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	07:02 से 11:34 तक वृश्चिक (सू.चं.मं.), धनु (चं.), मकर (चं.श.), कुंभ (श.)
09 दिसं.	2	शुक्र	मृग.	मिथुन	वृश्चि.	मीन	9	1011111111	12:53 से 14:18 तक मीन
09 दिसं.	2	शुक्र	मृग.	मिथुन	वृश्चि.	मीन	7	1011110011	14:18 से 14:59 तक मेष (रा.के.)
14 दिसं.	6	बुध	मघा	सिंह	वृश्चि.	मीन	6	0011010111	08:06 से 10:46 तक धनु मकर (चं.श.), भद्रा 23:42 से 15 दिसं. 12:45 तक

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
माघ कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.									
15 जन.23	8	रवि	चित्रा	तुला	मकर	मीन	10	1111111111	07:15 से 09:00 तक धनु, मकर (सू.श.)
15 जन.	8	रवि	चित्रा	तुला	मकर	मीन	7	1101011011	09:00 से 13:27 तक कुंभ (श.), मीन (चं.), मेष (चं.रा.के.)
15 जन.	8	रवि	चित्रा	तुला	मकर	मीन	8	0011111111	13:27 से 19:11 तक वृष (चं.मं.बु.), मिथुन (बु.शु.), कर्क (सू.शु.श.)
माघ शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.									
22 जन.	2	रवि	श्रवण	मकर	मकर	मीन	8	0011111111	22:28 से 24:00 तक कन्या (गु.शु.)
22 जन.	2	रवि	श्रवण	मकर	मकर	मीन	7	0011111101	24:00 से 26:23 तक तुला (मं.रा.के.)
22 जन.	2	रवि	श्रवण	मकर	मकर	मीन	7	0101111101	26:23 से 27:21 तक वृश्चिक (मं.)
25 जन.	5	बुध	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	7	0011111101	20:05 से 21:36 तक सिंह, प्रातः 08:25 तक वैधृति, पूर्वार्द्ध 20:05 तक विवाह नक्षत्रऽभाव
25 जन.	5	बुध	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	7	0101111101	21:36 से 23:52 तक कन्या (चं.गु.शु.)
25 जन.	5	बुध	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	8	0101111111	23:52 से 26:12 तक तुला (चं.मं.रा.के.)
25 जन.	5	बुध	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	7	0101101111	26:12 से 31:13 तक वृश्चिक (मं.), धनु (शु.), मकर (सू.)
26 जन.	5	गुरु	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	10	1111111111	07:13 से 09:44 तक मकर (सू.), कुंभ (श.)
26 जन.	5	गुरु	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	7	1101011011	09:44 से 10:28 तक मीन (चं.श.)
26 जन.	6	गुरु	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	7	1101011011	11:09 से 16:54 तक मेष (रा.के.), वृष (मं.बु.), मिथुन (बु.)
26 जन.	6	गुरु	उ.भा.	मीन	मकर	मीन	8	0011111111	16:54 से 18:56 तक कर्क (सू.शु.)
26 जन.	6	गुरु	रेवती	मीन	मकर	मीन	8	0011111111	19:15 से 23:48 तक कर्क (सू.शु.), सिंह (चं.मं.गु.शु.श.), कन्या (चं.गु.शु.)
26 जन.	6	गुरु	रेवती	मीन	मकर	मीन	7	0011111101	23:48 से 26:08 तक तुला (चं.मं.रा.के.)
26 जन.	6	गुरु	रेवती	मीन	मकर	मीन	7	0101111101	26:08 से 28:26 तक वृश्चिक (मं.)
26 जन.	6	गुरु	रेवती	मीन	मकर	मीन	8	0101111111	28:26 से 31:12 तक धनु (शु.), मकर (सू.)
27 जन.	6	शुक्र	रेवती	मीन	मकर	मीन	10	1111111111	07:12 से 09:11 तक मकर (सू.), कुंभ (श.)
27 जन.	7	शुक्र	रेवती	मीन	मकर	मीन	7	1101011011	09:40 से 14:36 तक कुंभ (श.), मीन (चं.श.), मेष (रा.के.), वृष (मं.बु.)
27 जन.	7	शुक्र	रेवती	मीन	मकर	मीन	8	0011111111	14:36 से 17:48 तक मिथुन (बु.), कर्क (सू.शु.)
27 जन.	7	शुक्र	अश्वि.	मेष	मकर	मीन	8	0011111111	19:24 से 21:28 तक सिंह (मं.गु.शु.श.सू.)
27 जन.	7	शुक्र	अश्वि.	मेष	मकर	मीन	7	0101111101	21:28 से 23:44 तक कन्या (चं.गु.शु.)
27 जन.	7	शुक्र	अश्वि.	मेष	मकर	मीन	8	0101111111	23:44 से 26:04 तक तुला (चं.मं.रा.के.)
27 जन.	7	शुक्र	अश्वि.	मेष	मकर	मीन	7	0101101111	26:04 से 31:12 तक वृश्चिक (चं.मं.), धनु (शु.), मकर (सू.)
28 जन.	7	शनि	अश्वि.	मेष	मकर	मीन	10	1111111111	07:12 से 08:43 तक मकर (सू.), कुंभ (श.), पश्चात् भद्रा
30 जन.	10	सोम	रोहि.	वृष	मकर	मीन	7	0011111101	22:15 से 23:33 तक कन्या
30 जन.	10	सोम	रोहि.	वृष	मकर	मीन	7	0011111101	23:33 से 28:11 तक तुला (चं.मं.रा.के.), वृश्चिक (चं.मं.)
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	मीन	8	[illegible]	[illegible]

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
31 जन.	10	मंगल	रोहि.	वृष	मकर	मीन	10	1111111111	07।10 से 09।24 तक मकर (सू.), कुंभ (श.)
31 जन.	10	मंगल	रोहि.	वृष	मकर	मीन	7	1101011011	09।24 से 10।58 तक मीन (श.), मेष (रा.के.)
31 जन.	11	मंगल	रोहि.	वृष	मकर	मीन	7	1101011011	12।24 से 14।20 तक वृष (चं.मं.बु.)
31 जन.	11	मंगल	रोहि.	वृष	मकर	मीन	8	0011111111	14।20 से 24।56 तक मिथुन (बु.), कर्क (सू.शु.), सिंह (मं.गु.शु.श.सू.), कन्या (गु.शु.), तुला (चं.मं.रा.के.), पश्चात् भद्रा
फाल्गुन कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.									
06 फर.	1	सोम	मघा	सिंह	मकर	मीन	7	1110001111	19।39 से 23।05 तक सिंह (चं.मं.गु.शु.श.), कन्या (गु.शु.)
06 फर.	1	सोम	मघा	सिंह	मकर	मीन	8	1110101111	23।05 से 25।24 तक तुला (मं.रा.के.)
06 फर.	1	सोम	मघा	सिंह	मकर	मीन	9	1110111111	25।24 से 27।43 तक वृश्चिक (मं.)
06 फर.	2	सोम	मघा	सिंह	मकर	मीन	9	1110111111	27।43 से 31।06 तक धनु (शु.), मकर (सू.चं.)
07 फर.	2	मंगल	मघा	सिंह	मकर	मीन	10	1111111111	07।06 से 07।29 तक मकर (सू.चं.)
07 फर.	2	मंगल	मघा	सिंह	मकर	मीन	9	1111110111	07।29 से 08।57 तक कुंभ (चं.श.)
07 फर.	2	मंगल	मघा	सिंह	मकर	मीन	8	1111110110	08।57 से 11।57 तक मीन (चं.श.), मेष (रा.के.)
07 फर.	2	मंगल	मघा	सिंह	मकर	मीन	6	0010111110	11।57 से 16।02 तक वृष (मं.), मिथुन (बु.)
08 फर.	4	बुध	उ.फा.	कन्या	मकर	मीन	9	1110111111	30।23 से 31।05 तक मकर (सू.), **भद्रा 17।28 से 30।23 तक**
09 फर.	4	गुरु	उ.फा.	कन्या	मकर	मीन	10	1111111111	07।05 से 07।21 तक मकर (सू.)
09 फर.	4	गुरु	उ.फा.	कन्या	मकर	मीन	9	1111110111	07।21 से 10।14 तक कुंभ (चं.शं.), मीन (चं.श.)
09 फर.	4	गुरु	उ.फा.	कन्या	मकर	मीन	8	1111110110	10।14 से 13।45 तक मेष (चं.रा.के.), वृष (मं.)
09 फर.	4	गुरु	उ.फा.	कन्या	मकर	मीन	6	0010111110	13।45 से 22।27 तक मिथुन (बु.), कर्क (सू.बु.शु.), सिंह (मं.गु.शु.श.सू.), कन्या (चं.गु.शु.)
10 फर.	5	शुक्र	हस्त	कन्या	मकर	मीन	9	1111110111	07।59 से 08।45 तक कुंभ (चं.श.)
10 फर.	5	शुक्र	हस्त	कन्या	मकर	मीन	8	1111110110	08।45 से 11।45 तक मीन (चं.श.), मेष (चं.रा.के.)
10 फर.	5	शुक्र	हस्त	कन्या	मकर	मीन	6	0010111110	11।45 से 20।33 तक वृष (मं.), मिथुन (बु.), कर्क (सू.बु.शु.), सिंह (मं.गु.शु.श.सू.)
10 फर.	5	शुक्र	हस्त	कन्या	मकर	मीन	6	0010101111	20।33 से 22।49 तक कन्या (चं.गु.शु.)
10 फर.	5	शुक्र	हस्त	कन्या	मकर	मीन	7	1110001111	22।49 से 24।17 तक तुला (मं.रा.के.)
15 फर.	11	बुध	मूल	धनु	कुंभ	मीन	9	1110111111	**भद्रा 29।33 तक**, 29।33 से 30।54 तक मकर (शु.)
15 फर.	11	बुध	मूल	धनु	कुंभ	मीन	9	1111111011	30।54 से 30।59 तक कुंभ (सू.श.)
16 फर.	11	गुरु	मूल	धनु	कुंभ	मीन	10	1111111111	06।59 से 07।02 तक कुंभ (सू.श.), **08।14 तक वज्र की तीन घड़ी वर्जित**
16 फर.	11	गुरु	मूल	धनु	कुंभ	मीन	9	1111110111	08।14 से 08।21 तक कुंभ (सू.श.)
16 फर.	11	गुरु	मूल	धनु	कुंभ	मीन	8	1111110110	08।21 से 11।22 तक मीन (श.), मेष (रा.के.)
16 फर.	11	गुरु	मूल	धनु	कुंभ	मीन	6	0010111110	11।22 से 20।09 तक वृष (चं.मं.), मिथुन (चं.बु.), कर्क (चं.बु.), सिंह
16 फर.	11	गुरु	मूल	धनु	कुंभ	मीन	6	0010101111	20।09 से 22।53 तक कन्या (गु.शु.), तुला (मं.शु.रा.के.)
17 फर.	12	शुक्र	उ.षा.	धनु	कुंभ	मीन	5	0010101110	20।28 से 23।36 तक कन्या (गु.शु.), तुला (मं.शु.रा.के.)

फाल्गुन शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
21 फर.	3	मंगल	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	9	1110111111	30:38 से 30:54 तक कुंभ (सू.श.), अल्पावधि से त्याज्य
22 फर.	4	बुध	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	10	1111111111	06:54 से 07:58 तक कुंभ (सू.श.)
22 फर.	4	बुध	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	9	1111110111	07:58 से 10:58 तक मीन (चं.श.), मेष (रा.के.)
22 फर.	4	बुध	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	8	1111110110	10:58 से 15:08 तक वृष (मं.), मिथुन (बु.)
22 फर.	4	बुध	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	6	0010111110	15:08 से 22:02 तक कर्क (बु.), सिंह (सू.चं.मं.गु.शु.), कन्या (चं.गु.शु.)
22 फर.	4	बुध	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	5	0010101110	22:02 से 24:18 तक तुला (चं.मं.शु.रा.के.)
22 फर.	4	बुध	उ.भा.	मीन	कुंभ	मीन	6	0010101111	24:18 से 28:44 तक वृश्चिक (मं.), धनु
22 फर.	4	बुध	उभा	मीन	कुंभ	मीन	7	1111000111	28:44 से 30:26 तक मकर (शु.)
22 फर.	4	बुध	रेवती	मीन	कुंभ	मीन	9	1111011111	30:26 से 30:53 तक कुंभ (सू.श.)
23 फर.	4	गुरु	रेवती	मीन	कुंभ	मीन	10	1111111111	06:53 से 07:31 तक कुंभ (सू.श.)

चैत्र कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
08 मार्च	2	बुध	हस्त	कन्या	कुंभ	मीन	8	0111101111	28:20 से 29:31 तक मकर (शु.)
08 मार्च	2	बुध	हस्त	कन्या	कुंभ	मीन	7	0110101111	29:31 से 30:38 तक कुंभ (सू.चं.श.)
09 मार्च	2	गुरु	हस्त	कन्या	कुंभ	मीन	8	0101111111	06:38 से 08:24 तक कुंभ (सू.चं.श.), मीन (चं.श.)
09 मार्च	2	गुरु	हस्त	कन्या	कुंभ	मीन	9	1111111011	08:24 से 16:29 तक मेष (चं.रा.के.), वृष (मं.), मिथुन, कर्क (बु.)
09 मार्च	2	गुरु	हस्त	कन्या	कुंभ	मीन	9	0111111111	16:29 से 21:03 तक सिंह (सू.मं.बु.गु.शु.), कन्या (चं.गु.शु.बु.)
09 मार्च	3	गुरु	हस्त	कन्या	कुंभ	मीन	9	0111111111	21:03 से 29:57 तक तुला (मं.शु.रा.के.), वृश्चिक (मं.), धनु, मकर (शु.), कुंभ (सू.चं.श.)

पंजाब तथा द्विगर्त प्रदेशों के लिये चातुर्मास के विवाह मुहूर्त्ताः

श्रावण कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
20 जुला.	7	बुध	रेवती	मीन	कर्क	मीन	9	1111110111	05:36 से 07:36 तक कर्क (सू.मं.श.)
20 जुला.	8	बुध	रेवती	मीन	कर्क	मीन	10	1111111111	07:46 से 10:49 तक सिंह (चं.गु.), कन्या (चं.मं.गु.)
20 जुला.	8	बुध	अश्वि.	मेष	कर्क	मीन	8	1010111111	13:38 से 19:48 तक तुला (चं.मं.रा.के.), वृश्चिक (चं.शु.मं.), धनु (बु.शु.), मकर (सू.बु.शु.श.)
20 जुला.	8	बुध	अश्वि.	मेष	कर्क	मीन	7	0111011011	20:44 से 29:21 तक कुंभ (श.), मीन, मेष (चं.मं.शु.रा.के.), वृष, मिथुन
20 जुला.	8	बुध	अश्वि.	मेष	कर्क	मीन	9	1110111111	29:21 से 29:36 तक कर्क (सू.मं.श.)
21 जुला.	8	गुरु	अश्वि.	मेष	कर्क	मीन	9	1111110111	05:36 से 07:42 तक कर्क (सू.मं.श.)
21 जुला.	8	गुरु	अश्वि.	मेष	कर्क	मीन	10	1111111111	07:42 से 08:12 तक सिंह (गु.), 09:59 से 12:15 तक कन्या (चं.मं.गु.)
21 जुला.	8	गुरु	अश्वि.	मेष	कर्क	मीन	8	1010[illegible]	12:15 से 12:19 तक तुला (चं.मं.रा.के.), पश्चात् 14:19 तक शूल की तीन घड़ी वर्जित

21 जुला. 8 गुरु अश्वि. मेष कर्क मीन 8 ... शूल की तीन घड़ी वर्जित

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
23 जुला.	11	शनि	रोहि.	वृष	कर्क	मीन	8	1010111111	19:03 से 24:59 तक मकर (सू.बु.शु.श.), कुंभ (श.), मीन, मेष (मं.शु.रा.के.), 01:56 से 07:57 तक क्रांति साम्य
23 जुला.	11	शनि	रोहि.	वृष	कर्क	मीन	7	0111011011	24:59 से 29:38 तक वृष (चं.), मिथुन, कर्क (सू.मं.श.)
24 जुला.	11	रवि	रोहि.	वृष	कर्क	मीन	9	1111110111	05:38 से 07:30 तक कर्क (सू.मं.श.)
24 जुला.	11	रवि	रोहि.	वृष	कर्क	मीन	10	1111111111	07:30 से 13:46 तक सिंह (गु.), कन्या (मं.गु.), तुला (चं.मं.रा.के.)
24 जुला.	12	रवि	रोहि.	वृष	कर्क	मीन	8	1010111111	14:23 से 23:20 तक वृश्चिक (चं.शु.मं.), धनु (चं.बु.शु.), मकर (सू.बु.शु.श.), कुंभ (श.), मीन
24 जुला.	12	रवि	मृग.	वृष	कर्क	मीन	8	1010111111	23:20 से 24:55 तक मेष (मं.शु.रा.के.)
24 जुला.	12	रवि	मृग.	वृष	कर्क	मीन	6	0111010011	24:55 से 29:38 तक वृष (चं.), मिथुन, कर्क (सू.मं.श.)
25 जुला.	12	सोम	मृग.	वृष	कर्क	मीन	9	1111110111	05:38 से 07:26 तक कर्क (सू.मं.श.)
25 जुला.	12	सोम	मृग.	वृष	कर्क	मीन	10	1111111111	07:26 से 12:00 तक सिंह (गु.), कन्या (मं.गु.)
25 जुला.	12	सोम	मृग.	मिथुन	कर्क	मीन	8	1010111111	12:00 से 15:03 तक तुला (मं.रा.के.), वृश्चिक

श्रावण शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण
30 जुला.	2	शनि	मघा	सिंह	कर्क	मीन	8	1010111111	19:00 से 21:32 तक मकर (सू.चं.बु.शु.श.), कुंभ (चं.श.)
30 जुला.	2	शनि	मघा	सिंह	कर्क	मीन	7	0111011011	21:32 से 29:42 तक मीन (चं.), मेष (मं.शु.रा.के.), वृष, मिथुन, कर्क (सू.मं.श.)
31 जुला.	3	रवि	मघा	सिंह	कर्क	मीन	9	1111110111	05:42 से 07:02 कर्क (सू.मं.श.)
31 जुला.	3	रवि	मघा	सिंह	कर्क	मीन	10	1111111111	07:02 से 13:55 तक सिंह (चं.गु.), कन्या (मं.गु.), तुला (मं.रा.के.)
31 जुला.	3	रवि	मघा	सिंह	कर्क	मीन	8	1010111111	13:55 से 14:20 तक वृश्चिक (शु.मं.)
01 अग.	4	सोम	उ.फा.	सिंह	कर्क	मीन	9	1111111011	16:06 से 16:49 तक वृश्चिक (शु.मं.), धनु (शु.)
01 अग.	5	सोम	उ.फा.	कन्या	कर्क	मीन	9	1011111111	29:13 से 29:43 तक कर्क (सू.मं.श.)
03 अग.	6	बुध	हस्त	कन्या	कर्क	मीन	10	1111111111	05:44 से 09:08 तक कर्क (सू.मं.श.), सिंह (गु.), 29:41 तक दग्ध तिथि
03 अग.	6	बुध	हस्त	कन्या	कर्क	मीन	8	1111110011	09:08 से 11:24 तक कन्या (चं.मं.गु.)
03 अग.	6	बुध	हस्त	कन्या	कर्क	मीन	9	1111111011	11:24 से 18:06 तक तुला (मं.रा.के.), वृश्चिक (शु.मं.), धनु (शु.)
03 अग.	6	बुध	हस्त	कन्या	कर्क	मीन	8	1110011111	18:06 से 18:24 तक मकर (सू.बु.शु.श.)
03 अग.	6	बुध	चित्रा	कन्या	कर्क	मीन	8	1110011111	19:49 से 21:16 तक कुंभ (चं.बु.श.)
03 अग.	6	बुध	चित्रा	कन्या	कर्क	मीन	7	1110011110	21:16 से 29:41 तक मीन (चं.), मेष (चं.मं.शु.रा.के.), वृष, मिथुन, कर्क (सू.मं.श.)
04 अग.	7	गुरु	चित्रा	तुला	कर्क	मीन	10	1111111111	05:44 से 06:47 तक कर्क (सू.मं.श.)
04 अग.	7	गुरु	चित्रा	तुला	कर्क	मीन	8	1111110011	06:47 से 11:20 तक सिंह (गु.), कन्या (मं.गु.)
04 अग.	7	गुरु	चित्रा	तुला	कर्क	मीन	9	1111111011	11:20 से 18:02 तक तुला (चं.मं.रा.के.), वृश्चिक (शु.मं.), धनु (शु.)
04 अग.	7	गुरु	चित्रा	तुला	कर्क	मीन	8	1110011111	18:02 से 18:47 तक मकर (सू.बु.शु.श.)
04 अग.	7	गुरु	स्वाति	तुला	कर्क	मीन	8	1110011111	19:45 से 21:12 तक कुंभ (बु.श.)
04 अग.	7	गुरु	स्वाति	तुला	कर्क	मीन	7	1110011110	21:12 से 24:08 तक मीन (चं.), मेष (चं.मं.शु.रा.के.)

शेष पृष्ठ 206 पर

अथ त्रिबल शुद्धि कोष्ठक सम्वत् 2079 वि. (दि.: 2 अप्रैल 2022 से 21 मार्च 2023 तक)

विवाह के लिए श्रेष्ठ समय के ज्ञानार्थ कोष्ठक (वर-कन्या को सूर्य, गुरु व चन्द्र बल विचार सहित)

इस पंचांग में विवाह के लिए तत्काल तारीख ज्ञानार्थ त्रिबल शुद्धि कोष्ठक पाठकों की सुविधा हेतु विगत वर्षो से देते आ रहे हैं। किस-किस महीने की किस-किस तारीख को किन-किन राशि वाले लड़के-लड़कियों के विवाह हो सकते हैं। इन सबकी जानकारी इस त्रिबल शुद्धि कोष्ठक से मिलेगी। जिससे साधारण व्यक्ति भी एक नजर में जान सकता है कि अमुक राशि वाले लड़के व लड़की की शादी इस वर्ष किन-किन तारीखों में हो सकती है। वर के लिए "सूर्य की पूजा" तथा कन्या के लिए "गुरु की पूजा" वाला समय भी लिख दिया गया है। वर व कन्या की राशियों वाले कॉलम में जो तारीखें एक समान मिलें, उन तारीखों में उन राशि वाले लड़के-लड़की का विवाह सम्पन्न हो सकता है। मेषादि राशि वाले लड़कों के लिए 4, 8, 12वें सूर्य व 4, 8वें चन्द्र का परित्याग कर शेष सभी महीनों में मुहूर्त्तों की तारीखें लिखी गयी हैं। वर्तमान समय में लड़कियों का विवाह बड़ी आयु में किया जाता है, अतः 4, 8, 12वें गुरु की शास्त्रानुसार विशेष पूजा करके नेष्टता को दूर किया जा सकता है। तथा चतुर्थ और अष्टम चन्द्रमा को छोड़कर विवाह मुहूर्त्तों की तारीखें लिखी गयी हैं। यहां कात्यायनोक्त चार नक्षत्रों व अशुद्ध विवाह मुहूर्त्तों की तारीखें भी सम्मिलित हैं। अतः स्वप्रथानुसार ग्रहण करें।

वर (लड़का)	वर के लिए पूज्य सूर्य	कन्या (लड़की)	कन्या के लिए पूज्य गुरु
मेष–अप्रै.-15, 16, 17, 20, 21, 22, 23, 24, 27, **मई–**2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 17, 23, 24, **जुला.**-4, 6, 7, 8, 9, 14, **अग.**-19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, 31, **सितं**-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, (2023) **जन.**-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	14 अप्रै. से 14 मई तक विशेष पूज्य, 14 मई से 15 जून पूज्य, 15 जून से 16 जुलाई शुभ, 16 जुला. से 17 अग. अशुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक पूज्य, 17 सितं. से 17 अक्टू. तक शुभ, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक विशेष पूज्य, 16 नवं. से 16 दिसं. तक अशुभ, 16 दिसं. से 14 जन. 23 तक पूज्य, 14 जन. से 13 फर. तक शुभ, 13 फर. से 15 मार्च तक शुभ, 15 मार्च से अशुभ।	**मेष–अप्रै.**-15, 16, 17, 20, 21, 22, 23, 24, 27, **मई**-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 17, 23, 24, **जुला.**-4, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, 31, **सितं**-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, **नवं.**-25, 26, 28, 29, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9, 14, (2023) **जन.**-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, **मार्च**-8, 9।	13 अप्रैल तक गुरु शुभ, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु नेष्ट
वृष–मई-15, 17, 20 (08।45 से), 21, 26, 27, 31, **जून**-1, 8 (10।04 से), 9, 11, 13, 17, 23, 24, **जुला.**-6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, **अग.**-1 (22।29 से), 2, 3, 4, 5, 10 (14।58 से), 11, 14, **सितं.**-26, **नव.**-28, 29, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9 (2023) **जन.**-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-8, 9, 10, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	14 मई से 15 जून विशेष पूज्य, 15 जून से 16 जुला. पूज्य, 16 जुला. से 17 अग. शुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक अशुभ, 17 सितं. से 17 अक्टू. तक पूज्य, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक शुभ, 16 नवं. से 16 दिसं. तक विशेष पूज्य, 16 दिसं. से 14 जन. 23 तक अशुभ, 14 जन. से 13 फर. तक पूज्य, 13 फर. से 15 मार्च तक शुभ, 15 मार्च से शुभ।	**वृष–अप्रै.**-15, 16, 17, 19, 22 (25।52 से), 23, 24, 27, **मई**-2, 3, 11 (25।32 से), 12, 15, 17, 20 (08।45 से), 21, 26, 27, 31, **जून**-1, 8 (10।04 से), 9, 10, 11, 13, 17, 23, 24, **जुला.**-6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, **अग.**-1 (22।29 से), 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10 (14।58 से), 11, 14, 19, 20, 21, 22, 28 (28।15 से), 29, 30, 31, **सितं.**-1, 6, 7, 8, 26, **नवं.**-28, 29, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9, **जन.२३**-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-8, 9, 10, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	13 अप्रैल तक गुरु पूज्य, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु शुभ
मिथुन–अप्रै.-16 (20।01 से), 17, 19, 20, 21, 22 (25।52 तक), 27, **मई**-2, 3, 9, 10, 11 (25।32 तक), **जून**-23, 24 **जुला.**-4, 8, 9, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**-1 (22।29 तक), 4 (06।40 से), 5, 8, 9, 10 (14।58तक), 14, 19, 20, 21, 22, 28 (28।15 तक), 31, **सितं**-1, 4, 5, **नवं.**-25, 26, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9, 14, (2023) **फर.**-15, 16, 17, 21, 22, 23।	14 अप्रैल से 14 मई तक शुभ, 14 मई से 15 जून अशुभ, 15 जून से 16 जुला. विशेष पूज्य, 16 जुला. से 17 अग. पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. तक शुभ, 17 सितं. से 17 अक्टू. तक अशुभ, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक पूज्य, 16 नवं. से 16 दिसं. तक शुभ, 16 दिसं. से 14 जन. 23 तक विशेष पूज्य, 14 जन. से 13 फर. तक अशुभ, 13 फर. से 15 मार्च तक पूज्य, 15 मार्च से शुभ।	**मिथुन–अप्रै.**-16 (20।01 से), 17, 19, 20, 21, 22 (25।52 तक), 27, **मई**-2, 3, 9, 10, 11 (25।32 तक), 15, 17, 18, 19, 20 (08।45 तक), 26, 27, 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8 (10।04 तक), 10 (16।07 से), 11, 13, 23, 24 **जुला.**-4, 6, 8, 9, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**-1 (22।29 तक), 4 (06।40 से), 5, 8, 9, 10 (14।58 तक), 14, 19, 20, 21, 22, 28 (28।15 तक), 31, **सितं.**-1, 4, 5, **नवं.**-25, 26, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9, 14, (2023) **जन.**-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-6, 7, 15, 16, 17, 21, 22, 23।	14 सितं. तक गुरु शुभ, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु पूज्य

1, 2, 4, 7, 8, 9, 14, (2023) फर.-15, 16, 17, 21, 22, 23। | फर. तक अशुभ, 13 फर. से 15 मार्च तक पूज्य, 15 मार्च से शुभ। | 4, 7, 8, 9, 14, (2023) जन.-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31 ... 22, 23।

वर (लड़का)	वर के लिए पूज्य सूर्य	कन्या (लड़की)	कन्या के लिए पूज्य गुरु
कर्क–अप्रै.-15, 16 (20।01 तक), 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, **मई**-2, 3, 9, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10 (16।07 तक), 13, **जुला.**-18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**-1, 2, 3, 4 (06।40 तक), 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, **सितं**-4, 5, 6, 7, 8, 26 , **नवं.**-25, 26, 28, 29, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9, 14, (2023) **जन.**-22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10।	14 अप्रैल से 14 मई तक शुभ, 14 मई से 15 जून शुभ, 15 जून से 16 जुला. अशुभ, 16 जुला. से 17 अग. विशेष पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. तक पूज्य, 17 सितं. से 17 अक्टू. तक शुभ, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक अशुभ, 16 नवं. से 16 दिसं. तक पूज्य, 16 दिसं. से 14 जन. 23 तक शुभ, 14 जन. से 13 फर. तक पूज्य, 13 फर. से 15 मार्च तक अशुभ, 15 मार्च से पूज्य।	**कर्क–अप्रैल**-15, 16 (20।01 तक), 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, **मई**-2, 3, 9, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31, **जून**- 1, 5, 6, 7, 8, 9, 10 (16।07 तक), 13, 17, 23, 24, **जुला.**-4, 6, 7, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**-1, 2, 3, 4 (06।40 तक), 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, **सितं.**-4, 5, 6, 7, 8, 26, **नवं.**-25, 26, 28, 29, **दिसं.**-1, 2, 4, 7, 8, 9, 14, (2023) **जन.**-22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	14 सितं. तक गुरु नेष्ट, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु शुभ
सिंह–अप्रैल-15, 16, 17, 20, 21, 22, 23, 24, **मई**-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20, 21, 26 (24।38 से), 27, 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 17, 23, 24, **जुला.**-4, 6, 7, 8, 9, 14, **अग.**-19, 20, 21, 22, 28, 29, 30; 31, **सितं.**-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, **जनवरी**-15, 22, 27 (18।36 से), 28, 30, 31, **फरवरी**-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, **मार्च**-8, 9।	14 अप्रैल से 14 मई तक पूज्य, 14 मई से 15 जून शुभ, 15 जून से 16 जुला. शुभ, 16 जुला. से 17 अग. अशुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक विशेष पूज्य, 17 सितं. से 17 अक्टू. तक पूज्य, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक शुभ, 16 नवं. से 16 दिसं. तक अशुभ, 16 दिसं. से 14 जन. 23 तक पूज्य, 14 जन. से 13 फर. तक शुभ, 13 फर. से 15 मार्च तक पूज्य, 15 मार्च से अशुभ,	**सिंह–अप्रैल**-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, **मई**-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20, 21, 26 (24।38 से), 27, 31 **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 17, 23, 24, **जुला.** -4, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20 (12।50 से), 21, 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**- 1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, 31, **सितं.**-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, **नवं.** 21, 22, 28, 29, 30, 31, **सितं.**-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं. -25, 26, 28, 29, **दिसंबर**-4, 7, 8, 9, 14, (2023) **जन.** -15, 22, 27 (18।36 से), 28, 30, 31, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, **मार्च**-8, 9।	14 सितं. तक गुरु शुभ, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु नेष्ट
कन्या–मई-15, 17, 20 (08।45 से), 21, 26 (24।38 तक), 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 17, **जुला.**-4, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20 (12।50 तक), 23, 24, 25, 30, 31, **अगस्त**-1, 2, 3, 4, 5, 10 (14।58 से), 11, 14, **सितंबर**-26, **नवंबर**-28, 29, **दिसंबर**-1, 2, 7, 8, 9, 14, (2023) **जनवरी**-15, 22, 25, 26, 27 (18।36 तक), 30, 31, **फरवरी**-6, 7, 8, 9, 10, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	14 अप्रैल से 14 मई तक अशुभ, 14 मई से 15 जून पूज्य, 15 जून से 16 जुला. शुभ, 16 जुला. से 17 अग. शुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक अशुभ, 17 सित. से 17 अक्टू. तक पूज्य, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक पूज्य, 16 नवं. से 16 दिसं. तक शुभ, 16 दिसं. से 14 जन.23 तक अशुभ, 14 जन. से 13 फर. तक पूज्य, 13 फर. से 15 मार्च तक शुभ, 15 मार्च से पूज्य।	**कन्या–अप्रैल**-15, 16, 17, 19, 22 (25।52 से), 23, 24, 27, **मई**-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 17, 20 (08।45 से), 21, 26 (24।38 तक), 31, **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, 17, **जुला.**-4, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20 (12।50 तक), 23, 24, 25, 30, 31, **अग.**-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10 (14।58 से), 11, 14, 19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, 31, **सितं.**-1, 6, 7, 8, 26, **नवं.**-28, 29, **दिसं.**-1, 2, 7, 8, 9, 14, (2023) **जन.**-15, 22, 25, 26, 27 (18।36 तक), 30, 31, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	14 सितं. तक गुरु पूज्य, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु शुभ
तुला–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22 (25।52 तक), 27, **मई**-9, 10, 11, 12, **जून**-23, 24, **जुलाई**-4, 6, 7, 8, 9, 18, 19, 20, 21, 25 (11।32 से), 30, 31, **अगस्त**-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10 (14।58 तक), 14, 21 (18।09 से), 22, 28, 29, 30, 31, **सितंबर**-1, 4, 5, **नवंबर**-25, 26, **दिसंबर**-1, 2, 4, 8 (25।44 से), 9, 14, (2023) **फरवरी**-15, 16, 17, 21, 22, 23, **मार्च**-8, 9।	14 अप्रैल से 14 मई तक विशेष पूज्य, 14 मई से 15 जून अशुभ, 15 जून से 16 जुला. पूज्य, 16 जुला. से 17 अग. शुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक शुभ, 17 सितं. से 17 अक्टू. तक अशुभ, 17 अक्टू. से 16 नवं. तक विशेष पूज्य, 16 नवं. से 16 दिसं. तक पूज्य, 16 दिसं. से 14 जन.23 तक शुभ, 14 जन. से 13 फर. तक अशुभ, 13 फर. से 15 मार्च तक पूज्य, 15 मार्च से शुभ।	**तुला–अप्रैल**-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22 (25।52 तक), 27, **मई**-9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20 (08।45 तक), 26, 27, 31 (23।30 से), **जून**-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, 23, 24, **जुला.**-4, 6, 7, 8, 9, 18, 19, 20, 21, 25 (11।32 से), 30, 31, **अग.**-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10 (14।58 तक), 14, 21 (18।09 से), 22, 28, 29, 30, 31, **सितं.**-1, 4, 5, 26, **नवं.**-25, 26, **दिसं.**-1, 2, 4, 8 (25।44 से), 9, 14, (2023) **जन.**-15, 25, 26, 27, 28, **फर.**-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, **मार्च**-8, 9।	14 सितं. तक गुरु शुभ, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु नेष्ट

वर (लड़का)	वर के लिए पूज्य सूर्य	कन्या (लड़की)	कन्या के लिए पूज्य गुरु
वृश्चिक–अप्रै.-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31 (23।30तक), जून-5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, जुला. -18, 19, 20, 21, 23, 24, 25 (11।32 तक), 30, 31, अग. -1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21 (18।09 तक), 28, 29, 30, 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 4, 7, 8 (25।44 तक), 14, जन. २३-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, फर-6, 7, 8, 9, 10।	14 अप्रै.-14 मई शुभ, 14 मई से 15 जून विशेष पूज्य, 15 जून-16 जुला. अशुभ, 16 जुला.-17 अग. पूज्य, 17 अग.-17 सितं. शुभ, 17 सितं. से 17 अक्टू. शुभ, 17 अक्टू.-16 नवं. अशुभ, 16 नवं.-16 दिसं. विशेष पूज्य, 16 दिसं. से 14 जन. 23 पूज्य, 14 जन.-13 फर शुभ, 13 फर से 15 मार्च अशुभ, 15 मार्च से पूज्य।	वृश्चिक–अप्रै.-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31 (23।30 तक), जून-5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, 17, 23, 24, जुला.-4, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25 (11।32 तक), 30, 31, अग.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21 (18।09 तक), 28, 29, 30, 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 4, 7, 8 (25।44 तक), 14, (2023) जन.-15, 22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, फर.-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, 23, मार्च-8, 9।	14 सितं. तक गुरु नेष्ट, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु शुभ।
धनु–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, मई-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20, 21, 26 (24।38 से), 27, 31, जून-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, 17, 23, 24, जुला.-4, 6, 7, 8, 9, 14, अग.-19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, जन.२३-15, 22, 27 (18।36 से), 28, 30, 31, फर.-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, मार्च-8, 9।	14 अप्रै.-14 मई पूज्य, 14 मई-15 जून शुभ, 15 जून-16 जुला. विशेष पूज्य, 16 जुला.-17 अग. अशुभ, 17 अग. से 17 सितं. पूज्य, 17 सित. से 17 अक्टू. शुभ, 17 अक्टू. से 16 नवं. शुभ, 16 नवं. से 16 दिसं. अशुभ, 16 दिसं.-14 जन. 23 विशेष पूज्य, 14 जन.-13 फर. पूज्य, 13 फर.-15 मार्च शुभ, 15 मार्च से अशुभ।	धनु–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, मई-2, 3, 9, 10, 11, 12, 15, 17, 18, 19, 20, 21, 26 (24।38 से), 27, 31, जून-1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, 17, 23, 24, जुला.-4, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20 (12।50 से), 21, 23, 24, 25, 30, 31, अग.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 22, 28, 29, 30, 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-4, 7, 8, 9, 14, जन.२३-15, 22, 27 (18।36 से), 28, 30, 31, फर.-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, मार्च-8, 9।	14 सितं. तक गुरु पूज्य, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु नेष्ट।
मकर–मई-15, 17, 18, 19, 20, 21, 26 (24।38 तक), 31, जून-1, 8 (10।04 से), 9, 10, 11, 13, 17, जुला.-6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20 (12।50 तक), 23, 24, 25, अग.-1 (22।29 से), 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 14, सितं.-26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 7, 8, 9, जन.२३-15, 22, 25, 26, 27 (18।36 तक), 30, 31, फर. -8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, 23, मार्च-8, 9।	14 मई से 15 जून पूज्य, 15 जून से 16 जुला. शुभ, 16 जुला. से 17 अग. विशेष पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. अशुभ, 17 सित. से 17 अक्टू. पूज्य, 17 अक्टू. से 16 नवं. शुभ, 16 नवं. से 16 दिसं. शुभ, 16 दिसं. -14 जन. 23 अशुभ, 14 जन.-13 फर. पूज्य, 13 फर.-15 मार्च पूज्य, 15 मार्च-शुभ।	मकर–अप्रै.-15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-2, 3, 9, 11 (25।32 से), 12, 15, 18, 19, 20, 21, 26 (24।38 तक), 31, जून-1, 8 (10।04 से), 9, 10, 11, 13, 17, जुला.-6, 7, 8, 9, 14, 18, 19, 20 (12।50 तक), 23, 24, 25, अग.-1 (22।29 से), 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21, 22, 28 (28।15 से), 29, 30, 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 7, 8, 9, जन.-15, 22, 25, 26, 27 (18।36 तक), 30, 31, फर.-8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, 23, मार्च-8, 9।	14 सितं. तक गुरु शुभ, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु पूज्य।
कुंभ–अप्रैल-16 (20।01 से), 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-9, 10, 11 (25।32 तक), जून-17, 23, 24, जुला.-4, 8, 9, 14, 18, 19, 20, 21, 25 (11।32 से), 30, 31, अग.-1 (22।29 तक), 4 (06।40 से), 5, 8, 9, 10, 11, 14, 21 (18।09 से), 22, 28 (28।15 तक), 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 4, 7, 8 (25।44 से), 9, 14, (2023) फर.-15, 16, 17, 21, 22, 23।	14 अप्रै. से 14 मई शुभ, 14 मई से 15 जून अशुभ, 15 जून-16 जुला. पूज्य, 16 जुला.-17 अग. शुभ, 17 अग. से 17 सितं. विशेष पूज्य, 17 सित. से 17 अक्टू. अशुभ, 17 अक्टू. से 16 नवं. पूज्य, 16 नवं. से 16 दिसं. शुभ, 16 दिसं.-14 जन. 23 शुभ, 14 जन. -13 फर. अशुभ, 13 फर.-15 मार्च पूज्य, 15 मार्च से पूज्य।	कुंभ–अप्रैल 16 (20।01 से), 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-9, 10, 11 (25।32 तक), 15, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31 (23।30 से), जून-1, 5, 6, 7, 8 (10।04 तक), 10 (16।07 से), 11, 13, 17, 23, 24, जुला.-4, 8, 9, 14, 18, 19, 20, 21, 25 (11।32 से), 30, 31, अग.-1 (22।29 तक), 4 (06।40से), 5, 8, 9, 10, 11, 14, 21 (18।09 से), 22, 28 (28।15 तक), 31, सितं.-1, 4, 5, 6, 7, 8, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 4, 8 (25।44 से), 9, 14, (2023) जन.-15, 22, 25, 26, 27, 28, फर.-6, 7, 15, 16, 17, 21, 22, 23।	14 सितं. तक गुरु पूज्य, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु शुभ।
मीन–अप्रै.-15, 16 (20।01 तक), 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-2, 3, 9, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31 (23।30 तक), जून-5, 6, 7, 8, 9, 10 (16।07 तक), 13, जुला.-18, 19, 20, 21, 23, 24, 25 (11।32 तक), 30, 31, अग.-1, 2, 3, 4 (06।40 तक), 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21 (18।09 तक), 28, 29, 30, सितं.-4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 4, 7, 8 (5।44 तक), 14, जन.२३-22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, फर.-6, 7, 8, 9, 10।	14 अप्रै. से 14 मई पूज्य, 14 मई से 15 जून शुभ, 15 जून से 16 जुला. अशुभ, 16 जुला.-17 अग. पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. अशुभ, 17 सितं-17 अक्टू. पूज्य, 17 अक्टू. से 16 नवं. अशुभ, 16 नवं. से 16 दिसं. पूज्य, 16 दिसं. से 14 जन. 23 तक शुभ, 14 जन. से 13 फर. शुभ, 13 फर. से 15 मार्च तक पूज्य, 15 मार्च से पूज्य।	मीन–अप्रैल-15, 16 (20।01 तक), 19, 20, 21, 22, 23, 24, 27, मई-2, 3, 9, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 20, 21, 26, 27, 31 (23।30 तक), जून-5, 6, 7, 8, 9, 10 (16।07 तक), 13, 17, 23, 24, जुला. -4, 6, 7, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 24, 25 (11।32 तक), 30, 31, अग.-1, 2, 3, 4 (06।40 तक), 8, 9, 10, 11, 14, 19, 20, 21 (18।09 तक), 28, 29, 30, सितं.-4, 5, 6, 7, 8, 26, नवं.-25, 26, 28, 29, दिसं.-1, 2, 4, 7, 8 (25।44 तक), 14, जन.२३-22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, फर.-6, 7, 8, 9, 10, 15, 16, 17, 21, 22, 23, मार्च-8, 9।	14 सितं. तक गुरु नेष्ट, 13 अप्रैल सायं 16।18 से गुरु पूज्य।

जन.२३-22, 25, 26, 27, 28, 30, 31, फर.-6, 7, 8, ... 16, 17, 21, 22, 23, मार्च-8, 9 ... गुरु पूज्या

आर्यभट्ट पंचागम्

सूर्यादि ग्रहों का नक्षत्र-राशि संचार, वक्री-मार्गी एवं उदयास्तादि सं. 2079 वि.

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
04	अप्रै.	रेवती	2	मीन	28:31
07	"	"	3		13:44
10	"	"	4		23:09
14	"	अश्वि.	1	मेष	08:44
17	"	"	2		18:29
21	"	"	3		28:23
24	"	"	4		14:25
28	"	भर.	1		24:35
01	मई	"	2		10:52
04	"	"	3		21:19
08	"	"	4		07:55
11	"	कृति.	1		18:40
15	"	"	2	वृष	05:34
18	"	"	3		16:35
22	"	"	4		27:43
25	"	रोहि.	1		14:56
29	"	"	2		26:14
01	जून	"	3		13:38
05	"	"	4		25:07
08	"	मृग.	1		12:42
12	"	"	2		24:23
15	"	"	3	मिथु.	12:09
18	"	"	4		23:57
22	"	आर्द्रा	1		11:47
25	"	"	2		23:38
29	"	"	3		11:29
02	जुला.	"	4		23:22
06	"	पुन.	1		11:16
09	"	"	2		23:11
13	"	"	3		11:06
16	"	"	4	कर्क	23:01
20	"	पुष्य	1		10:53
23	"	"	2		22:41
27	"	"	3		10:25

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
30	जुला.	पुष्य	4	कर्क	22:04
03	अग.	आश्ले.	1		09:41
06	"	"	2		21:14
10	"	"	3		08:44
13	"	"	4		20:08
17	"	मघा	1	सिंह	07:27
20	"	"	2		18:37
24	"	"	3		05:40
27	"	"	4		16:34
31	"	पूफा.	1		27:21
03	सितं.	"	2		14:02
07	"	"	3		24:35
10	"	"	4		11:01
13	"	उफा.	1		21:18
17	"	"	2	कन्या	07:26
20	"	"	3		17:23
24	"	"	4		27:10
27	"	हस्त	1		12:47
30	"	"	2		22:15
04	अक्टू.	"	3		07:35
07	"	"	4		16:47
11	"	चित्रा	1		25:50
14	"	"	2		10:43
17	"	"	3	तुला	19:26
21	"	"	4		27:59
24	"	स्वा.	1		12:22
27	"	"	2		20:35
31	"	"	3		28:41
03	नवं.	"	4		12:39
06	"	विशा.	1		20:30
10	"	"	2		28:14
13	"	"	3		11:50
16	"	"	4	वृश्चि.	19:18
20	"	अनु.	1		26:37

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
23	नवं.	अनु.	2	वृश्चि.	09:49
26	"	"	3		16:55
29	"	"	4		23:56
03	दिसं.	ज्ये.	1		06:53
06	"	"	2		13:46
09	"	"	3		20:35
13	"	"	4		27:20
16	"	मूल	1	धनु	10:00
19	"	"	2		16:36
22	"	"	3		23:09
26	"	"	4		05:40
29	"	पूषा.	1		12:10
01	जन.23	"	2		18:40
05	"	"	3		25:11
08	"	"	4		07:43
11	"	उषा.	1		14:15
14	"	"	2	मकर	20:47
18	"	"	3		27:19
21	"	"	4		09:53
24	"	श्रव.	1		16:30
27	"	"	2		23:10
31	"	"	3		05:55
03	फर.	"	4		12:45
06	"	धनि.	1		19:41
10	"	"	2		26:41
13	"	"	3	कुंभ	09:46
16	"	"	4		16:55
20	"	शत.	1		24:11
23	"	"	2		07:32
26	"	"	3		15:01
01	मार्च	"	4		22:39
05	"	पूभा.	1		06:26
08	"	"	2		14:21
11	"	"	3		22:24

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
15	मार्च	पूभा.	4	मीन	06:36
18	"	उभा.	1		14:54
21	"	"	2		23:20

मंगल का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
03	अप्रै.	धनि.	2	मकर	29:20
07	"	"	3	कुंभ	15:15
12	"	"	4		25:08
16	"	शत.	1		10:58
20	"	"	2		20:46
25	"	"	3		06:34
29	"	"	4		16:25
04	मई	पूभा.	1		26:24
08	"	"	2		12:33
12	"	"	3		22:55
17	"	"	4	मीन	09:32
21	"	उभा.	1		20:23
26	"	"	2		07:35
30	"	"	3		19:12
04	जून	"	4		07:18
08	"	रेवती	1		19:59
13	"	"	2		09:19
17	"	"	3		23:18
22	"	"	4		14:03
27	"	अश्वि.	1	मेष	05:41
01	जुला.	"	2		22:21
06	"	"	3		16:13
11	"	"	4		11:23
16	"	भरणी	1		07:58
21	"	"	2		06:10
26	"	"	3		06:14
31	"	"	4		08:30
05	अग.	कृति.	1		13:22
10	"	"	2	वृष	21:12

मंगल का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
16	अग.	कृति.	3	वृष	08:28
21	"	"	4		23:54
27	"	रोहि.	1		20:36
03	सितं.	"	2		24:03
09	"	"	3		12:19
16	"	"	4		12:38
24	"	मृग.	1		07:31
03	अक्टू.	"	2		11:47
16	"	"	3	मिथुन	06:13
13	नवं.	"	2	वृष	21:27
25	"	"	1		19:37
04	दिसं.	रोहि.	4		19:44
13	"	"	3		14:25
23	"	"	2		23:45
03	फर.	"	3		17:45
15	"	"	4		14:51
25	"	मृग.	1		26:33
05	मार्च	"	2		11:34
13	"	"	3	मिथुन	28:59
20	"	"	4		11:53

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
02	अप्रै.	रेवती	1	मीन	24:57
03	"	"	2		16:11
05	"	"	3		07:01
06	"	"	4		21:35
08	"	अश्वि.	1	मेष	12:02
10	"	"	2		26:34
11	"	"	3		17:26
13	"	"	4		08:55
15	"	भरणी	1		25:22
16	"	"	2		19:15
18	"	"	3		15:06
20	"	"	4		13:42

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
22	अप्रै.	कृति.	1	मेष	16:10
25	"	"	2	वृष	24:16
27	"	"	3		17:13
01	मई	"	4		26:37
06	"	रोहि.	1		17:00
14	"	कृति.	4		21:53
21	"	"	3		19:58
28	"	"	2		27:55
09	जून	"	3		17:31
14	"	"	4		22:41
18	"	रोहि.	1		12:43
21	"	"	2		11:28
24	"	"	3		25:21
26	"	"	4		09:11
28	"	मृग.	1		12:36
30	"	"	2		12:34
02	जुला.	"	3	मिथु.	09:48
04	"	"	4		28:52
05	"	आर्द्रा	1		22:10
07	"	"	2		14:06
09	"	"	3		28:57
10	"	"	4		19:01
12	"	पुन.	1		08:34
13	"	"	2		21:48
15	"	"	3		10:57
17	"	"	4	कर्क	24:12
18	"	पुष्य	1		13:44
20	"	"	2		27:41
21	"	"	3		18:13
23	"	"	4		09:26
25	"	आश्ले.	1		25:28
26	"	"	2		18:25
28	"	"	3		12:24
30	"	"	4		07:29

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
01 अग.	मघा	1	सिंह	27।47
03 "	"	2		25।24
05 "	"	3		24।27
07 "	"	4		25।03
09 "	पूफा.	1		27।21
11 "	"	2		07।33
13 "	"	3		13।54
15 "	"	4		22।44
18 "	उफा.	1		10।34
21 "	"	2	कन्या	26।07
23 "	"	3		22।40
27 "	"	4		26।33
30 "	हस्त	1		19।08
04 सितं.	"	2		20।40
15 "	"	1		12।06
19 "	उफा.	4		18।33
22 "	"	3		23।00
26 "	"	2		28।23
08 अक्टू.	"	3		23।20
11 "	"	4		21।28
14 "	हस्त	1		07।41
16 "	"	2		12।37
18 "	"	3		14।46
20 "	"	4		15।21
22 "	चित्रा	1		15।08
24 "	"	2		14।31
26 "	"	3	तुला	13।50
28 "	"	4		13।16
30 "	स्वाती	1		12।56
01 नवं.	"	2		12।57
03 "	"	3		13।20
05 "	"	4		14।08
07 "	विशा.	1		15।20
09 "	"	2		16।58
11 "	"	3		18।59

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
16 नवं.	अनु.	1	वृश्चि.	24।06
18 "	"	2		27।07
20 "	"	3		06।25
22 "	"	4		09।58
24 "	ज्ये.	1		13।43
26 "	"	2		17।41
28 "	"	3		21।50
01 दिसं.	"	4		26।12
03 "	मूल	1	धनु	06।50
05 "	"	2		11।47
07 "	"	3		17।12
09 "	"	4		23।18
12 "	पूषा.	1		06।26
14 "	"	2		15।12
17 "	"	3		26।40
19 "	"	4		19।04
22 "	उषा.	1		22।10
28 "	"	2	मकर	29।05
31 "	"	1	धनु	24।12
04 जन.23	पूषा.	4		16।26
07 "	"	3		08।28
09 "	"	2		20।39
12 "	"	1		20।08
25 "	"	2		14।23
29 "	"	3		12।36
01 फर.	"	4		17।44
04 "	उषा.	1		14।59
07 "	"	2	मकर	07।30
09 "	"	3		20।46
12 "	"	4		07।36
14 "	श्रव.	1		16।28
16 "	"	2		23।42
19 "	"	3		29।30
21 "	"	4		10।02
23 "	धनि.	1		13।23

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
27 फर.	धनि.	3	कुंभ	16।51
01 मार्च	"	4		17।03
03 "	शत.	1		16।17
05 "	"	2		14।36
07 "	"	3		12।00
09 "	"	4		08।33
11 "	पूभा.	1		28।15
12 "	"	2		23।10
14 "	"	3		17।21
16 "	"	4	मीन	10।51
18 "	उभा.	1		27।45
19 "	"	2		20।08
21 "	"	3		12।08

गुरु का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
13 अप्रै.	पूभा.	4	मीन	15।13
28 "	उभा.	1		20।44
15 मई	"	2		12।23
03 जून	"	3		22।25
01 जुला.	"	4		09।35
25 अग.	"	3		15।41
23 सितं	"	2		12।47
19 अक्टू.	"	1		22।12
29 दिसं.	"	2		28।41
21 जन.23	"	3		16।50
08 फर.	"	4		17।32
24 "	रेवती	1		14।26
11 मार्च	"	2		08।38

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
03 अप्रै.	धनि.	4	कुंभ	12।30
06 "	शत.	1		15।25
09 "	"	2		17।34
12 "	"	3		19।02
15 "	"	4		19।54
18 "	पूभा.	1		20।12

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
24 अप्रै.	पूभा.	3	कुंभ	19।22
27 "	"	4	मीन	18।19
30 "	उभा.	1		16।56
03 मई	"	2		15।14
06 "	"	3		13।15
09 "	"	4		11।00
12 "	रेवती	1		08।32
15 "	"	2		05।50
18 "	"	3		26।56
20 "	"	4		23।49
23 "	अश्वि.	1	मेष	20।30
26 "	"	2		17।02
29 "	"	3		13।23
01 जून	"	4		09।37
04 "	भरणी	1		05।42
07 "	"	2		25।40
09 "	"	3		21।30
12 "	"	4		17।14
15 "	कृति.	1		12।51
18 "	"	2	वृष	08।20
21 "	"	3		27।42
23 "	"	4		22।57
26 "	रोहि.	1		18।06
29 "	"	2		13।08
02 जुला.	"	3		08।05
05 "	"	4		26।55
07 "	मृग.	1		21।41
10 "	"	2		16।20
13 "	"	3	मिथुन	10।54
16 "	"	4		29।22
18 "	आर्द्रा	1		23।43
21 "	"	2		17।58
24 "	"	3		12।07
27 "	"	4		06।09
30 "	पुन.	1		24।06

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
04 अग.	पुन.	3	मिथुन	11।43
07 "	"	4	कर्क	29।24
09 "	पुष्य	1		22।59
12 "	"	2		16।29
15 "	"	3		09।53
18 "	"	4		27।11
20 "	आश्ले.	1		20।24
23 "	"	2		13।31
26 "	"	3		06।33
28 "	"	4		23।29
31 "	मघा	1	सिंह	16।22
03 सितं.	"	2		09।09
06 "	"	3		25।53
05 "	"	4		18।33
11 "	पूफा.	1		11।08
14 "	"	2		27।40
16 "	"	3		20।07
19 "	"	4		12।31
22 "	उफा.	1		04।50
24 "	"	2	कन्या	21।06
27 "	"	3		13।19
30 "	"	4		29।30
02 अक्टू.	हस्त	1		21।38
05 "	"	2		13।44
08 "	"	3		05।47
10 "	"	4		21।49
13 "	चित्रा	1		13।49
16 "	"	2		05।47
18 "	"	3	तुला	21।43
21 "	"	4		13।37
24 "	स्वाती	1		29।29
26 "	"	2		21।20
29 "	"	3		13।10
01 नवं.	"	4		28।59
03 "	विशा.	1		20।48

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
09 नवं.	विशा.	3	तुला.	28।25
11 "	"	4	वृश्चि.	20।12
14 "	अनु.	1		11।59
17 "	"	2		27।45
19 "	"	3		19।30
22 "	"	4		11।15
25 "	ज्ये.	1		27।00
27 "	"	2		18।44
30 "	"	3		10।29
03 दिसं.	"	4		26।14
05 "	मूल	1	धनु	17।59
08 "	"	2		09।45
11 "	"	3		25।32
13 "	"	4		17।18
16 "	पूषा.	1		09।05
19 "	"	2		24।52
21 "	"	3		16।39
24 "	"	4		08।27
27 "	उषा.	1		24।16
29 "	"	2	मकर	16।06
01 जन.23	"	3		07।57
03 "	"	4		23।50
06 "	श्रव.	1		15।45
09 "	"	2		07।42
11 "	"	3		23।41
14 "	"	4		15।41
17 "	धनि.	1		07।44
19 "	"	2		23।49
22 "	"	3	कुंभ	15।56
25 "	"	4		08।07
28 "	शत.	1		24।20
30 "	"	2		16।38
02 फर.	"	3		09।00
05 "	"	4		25।27
07 "	पूभा.	1		17।59

आर्यभट्ट पंचांगम्

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
13 फर.	पूभा.	3	कुंभ	27:17
15 "	"	4	मीन	20:05
18 "	उभा.	1		12:57
21 "	"	2		05:56
23 "	"	3		23:02
26 "	"	4		16:14
01 मार्च	रेवती	1		09:35
04 "	"	2		27:05
06 "	"	3		20:44
09 "	"	4		14:32
12 "	अश्वि.	1	मेष	08:30
15 "	"	2		26:38
17 "	"	3		20:56
20 "	"	4		15:25

शनि का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
29 अप्रै.	धनि.	3	कुंभ	14:59
12 जुला.	"	2	मकर	06:07
29 अग.	"	1		25:53
15 दिसं.	"	2		27:06
17 जन.23	"	3	कुंभ	22:09
15 फर.	"	4		29:04
15 मार्च	शत.	1		05:45

राहु का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
12 अप्रै.	भर.	2	मेष	13:40
14 जून	"	1		11:20
16 अग.	अश्वि.	4		09:00
18 अक्टू.	"	3		06:39
20 दिसं.	"	2		04:19
20 फर.	"	1		25:59

केतु का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
12 अप्रै.	स्वा.	4	मेष	13:40
14 जून	"	3		11:20
16 अग.	"	2		09:00
18 अक्टू.	"	1		06:39
20 दिसं.	चित्रा	4		04:19
20 फर.	"	3		25:59

मंगल वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
30 अक्टू.	वक्री	06:48
12 जन.23	मार्गी	14:29

बुध वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
10 मई	वक्री	29:21
03 जून	मार्गी	25:33
09 सितं.	वक्री	21:08
02 अक्टू.	मार्गी	26:40
29 दिसं.	वक्री	26:59
18 जन.23	मार्गी	06:49

गुरु वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
28 जुला.	वक्री	13:31
23 नवं.	मार्गी	16:47

वर्षान्त तक वक्री नहीं होगा।

शुक्र वक्री-मार्गी

सं. 2079 वि. में शुक्र वक्री नहीं होगा।

शनि वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
04 जून	वक्री	14:25
22 अक्टू.	मार्गी	21:39

हर्षल वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
24 अगस्त	वक्री	19:23
23 जन.23	मार्गी	28:28

नेपच्यून वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
28 जून	वक्री	13:24
04 दिसं.	मार्गी	05:45

वर्षान्त तक वक्री नहीं होगा।

प्लूटो वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
30 अप्रै.	वक्री	24:05
09 अक्टू.	मार्गी	27:26

वर्षान्त तक वक्री नहीं होगा।

उदयास्त भौमः

सं. 2079 वि. में मंगल अस्त नहीं होगा।

उदयास्त बुधः

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
12 अप्रै.	उदय	09:32
14 मई	अस्त	06:23
04 जून	उदय	25:03
07 जुला.	अस्त	17:51
28 "	उदय	13:56
10 सितं.	अस्त	27:56
29 "	उदय	13:00
24 अक्टू.	अस्त	22:37
05 दिसं.	उदय	15:10
02 जन.23	अस्त	07:49
12 "	उदय	22:49
21 फर.	अस्त	17:28

उदयास्त गुरुः

सं. 2079 वि. में गुरु अस्त नहीं होगा।

उदयास्त शुक्रः

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
30 सितं.	अस्त	13:15
24 नवं.	उदय	19:39

उदयास्त शनि

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
01 फर.23	अस्त	19:42
12 मार्च	उदय	27:30

उदयास्त हर्षल

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
18 अप्रै.	अस्त	23:51
27 मई	उदय	23:00

उदयास्त नेपच्यून

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
07 अप्रै.	उदय	27:31
28 फर.23	अस्त	15:17

उदयास्त प्लूटो

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
02 जन.23	अस्त	14:54
08 फर.	उदय	21:58

विवाह मुहूर्त्त विवेचन 2022-23

जनवरी 2022-14 जनवरी तक धनाऽर्क दोष, इस अवधि के मध्य 06 से 12 जनवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे। 13 जन. क्रांति साम्य दोष युत है। 14 जन. सूर्य संक्रांति दोष। 15 जन.-पंचश्लाका वेध, 16 से 18 जन.-विवाह नक्षत्राभाव, 19-20 जन.-वृद्धि तिथी, 21 जन.-पंचश्लाका वेध शनि से, पाद्वेध तथा विष्टिकरण, 25 जन.-क्षय तिथि, मृत्युबाण, 26 जन.-पात दोष, 27 जन.-विवाह नक्षत्रऽभाव, 28 तथा 29 जन.-युति दोष, 30 जन. -विवाह नक्षत्राभाव, क्षीण चन्द्रमा, 31 जन.-क्षीण चन्द्रमा।

फरवरी- 01 फर.-क्षीण चन्द्रमा, 02 फर.-क्षीण चन्द्रमा, क्षय तिथि, 03 फर.-विवाह नक्षत्राभाव, 08 फर.-वृद्धि तिथि, विवाह नक्षत्राभाव, केतु से पंचश्लाकावेध, क्रांति साम्य, 11 फर.-मृत्यु बाण च परिघ योगे, 12 फर.-कुंभ संक्रांति, 13 फर.-विवाह नक्षत्राभाव, मंगल से पंचश्लाकावेध 14 फर.-विवाह नक्षत्राभाव मृत्युबाण, 15 फर.-विवाह नक्षत्राभाव, 16 फर.-विवाह नक्षत्राभाव, विष्टिकरण, पंचश्लाकावेध, 17 फर.-शनि से पंचश्लाकावेध, 19 फर.-20 फर.-पात दोष विष्टिकरण, पश्चात् गुरु बाल्यवस्था, 25 फरवरी से 24 मार्च तक गुरु अस्त, 25 मार्च गुरु वृद्ध, 14 मार्च से 14 अप्रैल तक मीनार्क दोष, 20 फर.-पात दोष, विष्टिकरण, गुरु बाल्यवस्था दोष, गुरु अस्त, वार्धक्य दोष।

अप्रैल-18 अप्रैल-विवाह नक्षत्राभाव, 25 अप्रैल-मृत्युबाण च युति दोष, 26 अप्रैल-विवाह नक्षत्राभाव, युति दोष, पात दोष, 28 से 30 अप्रैल क्षीण तिथि।

मई-01 मई- विवाह नक्षत्राभाव, 02 मई- रात्रि 24:33 तक विवाह नक्षत्राभाव, 03 मई-सूर्य ग्रहण दिन के बाद का तीसरा दिन होने से विवाह के लिये त्याज्य, परन्तु ग्रहण भारत में अदृश्य से विवाह मुहूर्त दिया गया है। 05 मई-मृत्यु बाण अपि च विष्टिकरण, 06 से 08 मई-विवाह नक्षत्राभाव, 13 मई-मृत्यु बाण, 14 पंचश्लाकावेध, 15 मई-सूर्य वृष संक्रांति, 16 मई-सूर्य राहु से पंचश्लाकावेध, 22 मई-युति दोष, 23-24 मई-नक्षत्राभाव, 25 मई-मंगल से युतिदोष, 28 मई-क्षीण चन्द्रमा, 29-30 मई-विवाह नक्षत्राभाव।

जून-02, 03 तथा 04 जून-विवाह नक्षत्राभाव, 12 जून-विवाह नक्षत्राभाव, 14 जून-विवाह नक्षत्राभाव, 15 जून -संक्रांति दोष, 16 जून-विवाह नक्षत्राभाव, 18 जून-परिघ तथा युति दोष, 19 जून-युति दोष, 20 जून-विवाह नक्षत्राभाव, 21 जून-अयन प्रवेश, 22 जून-अयन च युति दोष, 25 जून-विवाह नक्षत्राभाव, 26 जून-विवाह नक्षत्राभाव च क्षीण चन्द्रमा, 27-28 जून-क्षीण चन्द्रमा, 29 जून-क्षीण चन्द्रमा च विवाह नक्षत्राभाव, 30 जून-क्षीण चन्द्रमा च विवाह नक्षत्राभाव।

जुलाई-01 तथा 02 जुलाई-विवाह नक्षत्राभाव, 03 जुलाई-विवाह नक्षत्राभाव, विष्टिकरण, नक्षत्र गण्डान्त, पंचश्लाका वेध, 05 जुलाई-विवाह नक्षत्राभाव, व्यतिपात योग मृत्युबाण पंचश्लाकावेध, 10 जुला. से 03 नवं.-देवशयन, विवाह मुहूर्ताभाव।

नवम्बर-शुक्रास्त 21 नवंबर तक, 22 से 24 नवम्बर-क्षीण चन्द्रमा, 27 नवं.-विवाह नक्षत्राभाव, मृत्युबाण, विष्टिकरण पात दोष, 30 नवम्बर-शनि से युति दोष।

दिसम्बर-03 दिसं.-व्यतिपात योग, 05 दिसं. -वैधृति पूर्वार्द्ध 07-15 के बाद विवाह नक्षत्र नहीं, 06 दिसं.-वृद्धि तिथि, 07 दिसं.- भद्रा. 20:47 तक, 10 से 13 दिसं.-विवाह नक्षत्राभाव, 15 दिसं.-विवाह नक्षत्राभाव, 16 दिसं.-धनाऽर्क, 13 जनवरी 2023 तक।

जनवरी 2023-14 जन.-संक्रांति दिन, 16 जन.-मृत्यु बाण च युति दोष, 17 जन.- विवाह नक्षत्राभाव, भद्रा च पात योग, 18 जन.-राहु से पंचश्लाका वेध, 19 जन.-विवाह नक्षत्राभाव, नक्षत्र गण्डात, 20 से 22 जन.-क्षीण चन्द्रमा, 23 जन.-युति दोष, 24 जन.-विवाह नक्षत्राभाव, 29 जन.-नक्षत्राभाव च युति दोष।

फरवरी-01 फरवरी-विष्टिकरण, 02 फरवरी-विवाह नक्षत्राभाव, 03 फर.-मृत्यु बाण च विवाह नक्षत्राभाव, 04 फर.-विवाह नक्षत्राभाव, 05 फर.-विवाह नक्षत्राभाव च विष्टिकरण, 11 फर.-पात दोष, 12 फर.-मृत्युबाण, युति दोष, 13 फर.-सूर्य संक्रांति विवाह नक्षत्राभाव, 14 फर.-पंचश्लाका वेध, 18 से 21 फर.-क्षीण चन्द्रमा, 24 फर.-मृत्यु बाण, युति दोष,, 25 तथा 26 फर.-विवाह नक्षत्राभाव, 27 फर से 7 मार्च-होलाष्टक, 10 तथा 11 मार्च-पंचश्लाका वेध, 12 मार्च-युति दोष, 13 मार्च-मृत्युबाण, विवाह नक्षत्राभाव, 14 मार्च विष्टिकरण, 15 मार्च से मीनार्क दोष।

वि.सं. 2079 के सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, रवि पुष्य, गुरु पुष्य व द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, रवि आदि योगों का विवरण

निम्नांकित शुभ योगों में किये गये शुभ कार्य सिद्धि प्रद होते हैं किन्तु द्विपुष्कर व त्रिपुष्कर योगों में घटित होने वाले शुभ व अशुभ दोनों ही प्रकार के कार्य द्विगुण व त्रिगुण फलप्रद होते हैं। अतः इन में यदि मृत्यु हो तो विधिवत् शांति करवानी आवश्यक होती है। यहां सभी योगों का प्रारंभ व समाप्ति काल अंग्रेजी तारीख अनुसार भा.स्टै.टा. में दिया गया है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
03 अप्रै.	06:09	03 अप्रै.	12:37
05 "	06:07	05 "	16:51
06 "	06:06	07 "	06:05
08 "	25:43	09 "	06:03
10 "	06:02	11 "	06:00
11 "	06:00	11 "	06:51
12 "	05:59	12 "	08:35
18 "	27:38	19 "	05:52
23 "	18:53	24 "	05:47
28 "	17:40	29 "	05:43
29 "	05:43	30 "	05:42
02 मई	24:33	03 मई	05:39
04 "	05:38	05 "	05:38
06 "	09:20	07 "	05:36
08 "	05:35	08 "	14:57
14 "	17:27	15 "	05:31
16 "	13:18	16 "	29:30
20 "	25:18	20 "	29:28
21 "	05:28	21 "	23:46
24 "	22:33	24 "	29:26
26 "	05:26	26 "	29:25
27 "	05:25	27 "	26:26
30 "	07:12	30 "	29:24
01 जून	05:24	01 जून	13:00
02 "	16:04	[illegible] "	29:23
03 "	05:23	03 "	19:05
08 "	28:30	08 "	29:23
11 "	05:23	11 "	26:05
13 "	05:23	13 "	21:24
17 "	09:56	17 "	29:23
21 जून	05:24	21 जून	29:03
23 "	05:24	23 "	29:25
24 "	05:25	24 "	08:04
27 "	05:25	27 "	29:26
30 "	05:26	30 "	29:27
06 जुला.	11:44	06 जुला.	29:29
09 "	05:30	09 "	11:25
11 "	05:31	11 "	07:50
15 "	05:33	15 "	17:31
19 "	05:35	19 "	12:12
21 "	05:36	21 "	14:17
23 "	19:03	23 "	29:38
25 "	05:38	25 "	25:05
28 "	05:40	29 "	05:41
03 अग.	05:44	03 अग.	18:24
14 "	21:56	15 "	05:50
16 "	21:06	17 "	05:51
20 "	05:53	20 "	28:39
22 "	05:54	22 "	07:41
25 "	05:56	25 "	16:16
28 "	21:56	29 "	05:58
02 सितं.	23:47	03 सितं.	06:00
04 "	21:43	05 "	06:01
11 "	08:02	12 "	06:05
13 "	06:36	14 "	06:06
17 "	06:07	17 "	12:21
25 "	06:11	26 "	06:11
29 "	29:13	30 "	06:14
30 "	06:14	30 "	28:18
02 अक्टू.	06:15	02 अक्टू.	25:52
09 "	06:18	09 "	16:20
11 "	06:20	11 "	16:17
17 अक्टू.	29:12	18 अक्टू.	06:24
23 "	06:27	24 "	06:28
27 "	12:10	28 "	06:30
28 "	06:30	28 "	10:42
30 "	06:32	30 "	07:25
30 "	29:47	31 "	06:33
31 "	28:15	01 नवं.	06:33
06 नव.	24:04	07 "	06:38
08 "	25:38	09 "	06:39
09 "	06:39	10 "	06:40
14 "	13:15	15 "	06:44
15 "	16:12	16 "	06:45
20 "	06:48	20 "	24:36
23 "	21:37	24 "	06:51
24 "	06:51	24 "	19:37
27 "	12:38	28 "	06:54
28 "	10:29	29 "	06:55
02 दिसं.	29:45	03 दिसं.	06:58
04 "	06:59	05 "	07:00
06 "	08:38	07 "	07:01
07 "	07:01	08 "	07:02
11 "	20:36	12 "	07:05
12 "	07:05	12 "	23:36
13 "	07:05	13 "	26:32
18 "	07:08	18 "	10:18
21 "	08:33	22 "	06:33
25 "	07:12	25 "	19:21
26 "	07:12	26 "	16:41
30 "	11:24	31 "	07:14
01 जन.23	07:14	01 जन.23	12:48
03 "	07:15	03 "	16:26
04 "	07:15	05 "	07:15
08 जन.23	07:15	09 जन.23	06:05
10 "	07:15	10 "	09:01
18 "	07:15	18 "	17:22
22 "	06:29	22 "	07:14
26 "	18:56	27 "	07:12
27 "	07:12	28 "	07:12
30 "	22:15	31 "	07:10
01 फर.	07:10	01 फर.	27:23
03 "	06:18	03 "	07:09
03 "	07:09	04 "	07:08
05 "	07:07	05 "	12:13
11 "	25:40	12 "	07:02
13 "	26:35	14 "	07:01
18 "	17:42	19 "	06:57
22 "	06:38	22 "	06:54
23 "	06:53	24 "	06:52
24 "	06:52	24 "	27:26
27 "	06:49	28 "	06:48
01 मार्च	06:47	01 मार्च	09:51
02 "	12:43	03 "	06:45
03 "	06:45	03 "	15:43
08 "	28:20	09 "	06:38
11 "	07:11	12 "	06:35
13 "	08:21	14 "	06:33
17 "	26:46	18 "	06:28
18 "	06:28	18 "	24:29
21 "	17:25	22 "	06:24
25 जुला.	05:38	25 जुला.	25:05
28 "	07:05	29 "	05:41
16 अग.	21:06	17 अग.	05:51
20 "	05:53	20 "	28:39
22 "	05:54	22 "	07:41
25 "	05:56	25 "	16:16
13 सितं.	06:36	14 सितं.	06:06
17 "	06:07	17 "	12:21
25 "	29:55	26 "	06:11
11 अक्टू.	06:20	11 अक्टू.	16:17
23 "	14:34	24 "	06:28
20 नवं.	06:48	20 नवं.	24:36
23 "	21:37	24 "	06:51
03 दिसं.	05:45	03 दिसं.	06:58
18 "	07:08	18 "	10:18
21 "	08:33	22 "	06:33
30 "	11:24	31 "	07:14
18 जन.23	07:15	18 जन.23	17:22
27 "	07:12	27 "	18:36
27 मार्च	15:27	28 मार्च	06:17

अमृत सिद्धि योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
29 अप्रै.	05:43	29 अप्रै.	18:42
27 जून	16:02	27 जून	29:26
30 "	25:07	30 "	29:27

द्विपुष्कर योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
22 मई	05:27	22 मई	13:00
31 "	19:19	31 "	29:24
24 जुला.	22:00	25 जुला.	05:38
17 सितं.	12:21	17 सितं.	14:15
27 "	06:16	27 "	26:29
20 नवं.	24:36	21 नवं.	06:49
29 "	11:05	30 "	06:56
14 जन.23	18:14	14 जन.23	19:23
22 "	27:21	23 "	07:14
18 मार्च	24:29	19 मार्च	06:27

त्रिपुष्कर योग

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
18 अप्रै.	05:33	18 अप्रै.	05:53
23 "	05:48	23 "	06:27
26 "	24:48	27 "	05:44
01 मई	27:26	02 मई	05:40
11 जून	26:05	11 जून	27:24
19 "	28:53	19 "	29:24
25 "	10:23	25 "	25:10
05 जुला.	19:29	05 जुला.	29:29
13 अग.	23:28	13 अग.	24:54
23 "	10:44	24 "	05:55
28 "	21:56	29 "	05:58
06 सितं.	27:05	07 सितं.	06:02
16 अक्टू.	26:14	17 अक्टू.	06:23
22 "	13:50	22 "	18:03
31 "	05:47	31 "	06:33
20 दिसं.	09:54	20 दिसं.	24:46
24 "	22:15	25 "	07:12
25 "	07:12	25 "	08:25
03 जन.23	07:15	03 जन.23	16:26
12 फर.	26:27	13 फर	07:02
21 "	09:05	22 "	05:58
25 "	27:59	26 "	06:50
26 "	06:50	26 "	24:59

गुरु पुष्य योग

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
30 जून	25:07	30 जून	29:27
28 जुला.	07:05	29 जुला.	05:41
25 अग.	05:56	25 अग.	16:16

रवि पुष्य योग

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
10 अप्रै.	06:02	11 अप्रै.	06:00
08 मई	05:35	08 मई	14:57
11 दिसं.	20:36	12 दिसं.	07:05
08 जन.23	07:15	09 जन.23	06:05
05 फर.	07:07	05 फर.	12:13

इसके बाद सितम्बर 2023 तक रवि पुष्य योग नहीं बनेगा

रवि योग

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
04 अप्रै.	14:28	05 अप्रै	06:07
05 "	06:07	05 "	16:51
06 "	19:39	07 "	06:05
07 "	06:05	07 "	22:41
09 "	28:30	10 "	06:02
10 "	06:02	11 "	06:00
11 "	06:00	12 "	05:59
12 "	05:59	12 "	08:35
15 "	09:35	16 "	05:55
16 "	05:55	16 "	08:39
21 "	21:51	22 "	05:49
22 "	05:49	22 "	20:14
03 मई	27:18	04 मई	05:38
04 "	05:38	05 "	05:38
05 "	05:38	05 "	06:16
06 "	09:20	07 "	05:36
07 "	05:36	07 "	12:18
09 "	17:08	10 "	05:34
10 "	05:34	11 "	05:33
11 "	05:33	11 "	18:36
11 "	19:28	12 "	05:33
12 "	05:33	12 "	19:30
14 "	17:27	15 "	05:31
15 "	05:31	15 "	15:34
20 "	25:18	20 "	29:28
21 "	05:28	21 "	23:46
02 जून	16:04	02 जून	29:23
03 "	05:23	03 "	19:05
04 "	21:55	04 "	29:23
05 "	05:23	05 "	24:25
07 "	27:49	07 ".	29:23
08 "	05:23	08 "	12:37
08 "	28:30	08 "	29:23
09 "	05:23	09 "	29:23
10 "	05:23	10 "	27:36
12 "	23:58	12 "	29:23
13 "	05:23	13 "	21:24

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
19 जून	05:56	19 जून	28:53
01 जुला.	27:56	01 जुला.	29:27
02 "	05:27	02 "	29:28
03 "	05:28	03 "	06:30
04 "	08:43	04 "	29:28
05 "	05:28	05 "	10:30
06 "	11:11	06 "	11:44
08 "	12:13	08 "	29:30
09 "	05:30	10 "	05:31
10 "	05:31	10 "	09:55
11 "	29:15	12 "	05:32
12 "	05:32	12 "	26:21
18 "	12:24	19 "	05:35
19 "	05:35	19 "	12:12
20 "	10:49	20 "	12:50
31 "	14:20	01 अग.	05:42
01 अग.	05:42	01 "	16:06
02 "	17:29	03 "	05:44
03 "	05:44	03 "	09:37
03 "	18:24	04 "	05:44
04 "	05:44	04 "	18:47
06 "	17:51	07 "	05:46
07 "	05:46	08 "	05:46
08 "	05:46	08 "	14:37
10 "	09:39	11 "	05:48
11 "	05:48	11 "	06:53
16 "	21:06	17 "	05:51
17 "	05:51	17 "	07:23
17 "	21:57	18 "	05:52
18 "	05:52	18 "	23:35
29 "	23:04	30 "	05:58
30 "	05:58	30 "	23:49
30 "	27:18	31 "	05:59
31 "	05:59	31 "	24:12
01 सितं.	24:12	02 सितं.	06:00
02 "	06:00	02 "	23:47
04 "	21:43	05 "	06:01
05 "	06:01	06 "	06:02
06 "	06:02	06 "	18:09

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
08 सितं.	13:46	09 सितं.	06:03
09 "	06:03	09 "	11:35
16 "	09:55	17 "	06:07
17 "	06:07	17 "	12:21
29 "	05:52	29 "	06:13
29 "	06:13	29 "	29:13
30 "	28:18	01 अक्टू.	06:14
01 अक्टू.	06:14	01 "	27:11
03 "	24:25	04 "	06:16
04 "	06:16	05 "	06:16
05 "	06:16	05 "	21:15
07 "	18:17	08 "	06:18
08 "	06:18	08 "	17:08
15 "	23:22	16 "	06:23
16 "	06:23	16 "	26:14
28 "	10:42	29 "	06:31
29 "	06:31	29 "	09:05
30 "	07:25	31 "	05:47
01 नवं.	26:53	02 नवं.	06:34
02 "	06:34	03 "	06:35
03 "	06:35	03 "	24:48
05 "	23:56	06 "	06:37
06 "	06:37	06 "	20:27
06 "	24:04	07 "	06:38
07 "	06:38	07 "	24:37
14 "	13:15	15 "	06:44
15 "	06:44	15 "	16:12
26 "	14:58	27 "	06:53
27 "	06:53	27 "	12:38
28 "	10:29	29 "	06:55
29 "	06:55	29 "	08:38
01 दिसं.	06:12	01 दिसं.	06:57
01 "	06:57	02 "	06:57
02 "	06:57	03 "	05:45
03 "	06:51	03 "	06:58
03 "	06:58	04 "	06:16
06 "	08:38	07 "	07:01
07 "	07:01	07 "	10:25
13 "	26:32	14 "	07:06

ता. मास	घं. मि.	ता. मास	घं. मि.
14 दिसं.	07:06	14 दिसं.	29:16
25 "	19:21	26 "	07:12
26 "	07:12	26 "	16:41
27 "	14:27	28 "	07:13
28 "	07:13	28 "	12:46
31 "	11:47	01 जन.23	07:14
01 जन.23	07:14	02 "	07:14
02 "	07:14	02 "	14:23
04 "	18:48	05 "	07:15
05 "	07:15	05 "	21:26
13 "	16:35	14 "	07:15
14 "	07:15	14 "	18:14
23 "	24:26	24 "	07:13
24 "	07:13	24 "	16:28
24 "	21:58	25 "	07:13
25 "	07:13	25 "	20:05
26 "	18:56	27 "	07:12
27 "	07:12	27 "	18:36
29 "	20:21	30 "	07:11
30 "	07:11	31 "	07:10
31 "	07:10	31 "	24:39
03 फर.	06:18	03 फर.	07:09
03 "	07:09	04 "	07:08
04 "	07:08	04 "	09:16
11 "	25:40	12 "	07:02
12 "	07:02	12 "	26:27
22 "	28:50	23 "	06:53
23 "	06:53	23 "	27:44
24 "	27:26	25 "	06:51
25 "	06:51	25 "	27:59
28 "	07:19	29 "	06:47
01 मार्च	06:47	02 मार्च	06:46
02 "	06:46	02 "	12:43
04 "	18:41	05 "	06:25
05 "	21:30	06 "	06:42
06 "	06:42	06 "	24:05
13 "	08:21	14 "	06:33
14 "	06:33	14 "	08:13
24 "	13:22	25 "	06:20

वि. सं. 2079 मध्ये शनि की साढ़ेसाती व ढैया विचार

वर्ष 2022 में शनिदेव 29 अप्रैल प्रातः तक मकर राशि में गोचर करेंगे। पश्चात् 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में गोचर करने के बाद पुनः मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर राशिगत शनि में जन्में जातक 'नरपतेरिव गौरवतां व्रजेद्रविसुते मृगराशिगते नरः। अगुरुणा कुसुमैर्मृगजातया विमलया मलयाचलजैः सुखम॥' गुणी तो होंगे ही साथ ही विद्वान्, कार्यकुशल तथा साहसी भी होंगे। तकनीकी रूप से श्रेष्ठ होकर अपने क्षेत्र में प्रख्यात होंगे। वस्त्राभूषण तथा नवीन वस्तुओं में रुचि रहेगी। मान तथा आदर प्राप्त करेंगे। प्रवास अधिक करेंगे तथा जन्म स्थान से दूर, प्रायः ही विदेश में निवास करेंगे। कुंभ राशि गत शनि में जन्में जातक 'मन्दे नरो धनैः पूर्णो महाशूरः कुलन्धरः।' धनी, शूर तथा कुलापोषक होंगे। तथापि जन्म समय पर अन्य ग्रहों की स्थिति से जन्म समय के फलों में न्यूनाधिक परिवर्तन होना अवशयम्भावी है।

17 जनवरी 2023 से शनिदेव का गोचर कुंभ राशि से होगा जो आगामी 29 जुलाई से मार्च 2025 तक चलेगा। स्पष्टतया 2022-23 में शनिदेव का पाया तीन बार परिवर्तित होगा।

शनि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
वर्षारम्भ	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह	स्वर्ण
29 अप्रैल	स्वर्ण	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह
12 जुलाई	स्वर्ण	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह
17 जन.23	स्वर्ण	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह

स्वर्ण पाद के शनि में सुख, रजत पाद के शनि से कार्यों में सफलता तथा भाग्योन्नति, ताम्र पाद से मध्यम फल तथा लौह पाद से धन हानि एवं दुख का योग रहेगा।

विभिन्न राशियों पर गोचरीय शनि का प्रभाव

मेष राशि–वर्ष 2022 के प्रारम्भ से 12 अप्रैल तक व्यवसाय, कार्यस्थल तथा सर्विस में विघ्न-बाधायें आयेंगी। नियम विरुद्ध कार्यों से हानि होगी। हृदय रोग की आशंका रहेगी। इसके बाद 29 अप्रैल तक मान-सम्मान, प्रतिष्ठा पर संकट रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक शनि के लौह पाद से प्रवेश में धन हानि होगी। इसका विशेष अनुभव 15 जून से 17 जुलाई के मध्य होगा। 18 जुलाई से वर्ष के अन्त तक नौकरी तथा व्यवसाय में संतोषजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक उन्नति होगी। कष्ट तथा मानसिक व्यथा से छुटकारा मिलेगा। सत्कार्यों में व्यस्त रहेंगे। किसी गम्भीर रोग की सम्भावना समाप्त होगी। मान-प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

वृष राशि–वृष राशि के जातकों के लिये वर्ष 2022-23 में शनिदेव का मकर तथा कुंभ राशि से गोचर कष्ट तथा अवरोधों एवं अड़चनों का संकेत दे रहा है। वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक मकर राशि से शनि का रजत पाद से गोचर यद्यपि सफलता तथा भाग्योन्नति कारक है परन्तु इस अवधि में आय में कमी रहेगी। धनागमन अनिश्चित रहेगा। जीवन साथी तथा सन्तान से कभी सुख तथा कभी असुविधा अनुभव होगी। कार्यों में अवरोध बनेंगे। पिता अथवा भाई के स्वास्थ्य पर गम्भीर संकट रहेगा। यात्राओं में हानि होगी। बन्धन तथा मिथ्या आरोपों से ग्रसित होने का भय रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक शनि का ताम्रपाद से कुंभ राशि में प्रवेश शुभाशुभ के मध्यम [illegible] ... अगस्त से वर्ष के अन्त तक अरिष्ट तथा कष्ट फल। का रजत पाद से प्रवेश यद्यपि कष्टमय रहेगा तथापि 01 अगस्त से 24 सितम्बर के मध्य शुभ फल मिलेंगे। अवरोधों, अड़चनों तथा कष्टों का निवारण होगा।

मिथुन राशि–वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक स्पैकुलेशन तथा इन्वेस्टमेन्ट से आर्थिक हानि होगी। कार्यों में असफलता मिलेगी। व्यसनों तथा दुष्ट व्यक्तियों से मित्रता के कारण परेशानियां बढ़ेंगी। मान-हानि का भय रहेगा। राजकीय अथवा प्रशासनिक कारणों से भय, प्रताड़ना तथा दंड का योग बनेगा। जीवन अव्यवस्थित रहेगा। सन्तान से कष्ट होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक चांदी के पाये से प्रविष्ट शनि के गोचर में कार्यों में सफलता तथा भाग्योन्नति के उपरान्त भी कष्ट रहेगा। रोग तथा शत्रु बढ़ेंगे। धन प्राप्ति कभी-कभी होगी। पारिवारिक सुख में कभी-कभी असुविधा होगी। आर्थिक हानि होगी। कार्यों में बाधा आयेगी। पिता अथवा भाई के जीवन को संकट रहेगा। बन्धन तथा आरोपों का भय रहेगा। 12 जुलाई से 31 अगस्त तक लौह पाद से शनि के प्रवेश से आर्थिक लाभ होगा। जीवन चर्या व्यवस्थित होगी। सन्तान सुख मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रताड़ना तथा दंड के भय से मुक्त होंगे। 31 अगस्त के पश्चात् वर्ष के अन्त तक कष्ट फलों के कारण आर्थिक हानि होगी। कार्यों में अवरोध आयेंगे। व्यर्थ आरोप लगेंगे। पारिवारिक सुख शांति भंग होगी। धार्मिक कार्यों तथा तीर्थ यात्राओं से मन हटेगा।

कर्क राशि–वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक तांबे के पाये से शनि के मकर राशि से गोचर में अपवाद-आरोपों से त्रस्त रहेंगे। विदेश अथवा सुदूरस्थ स्थान की यात्रा करेंगे। मन अन्जाने भय से ग्रसित रहेगा। 29 अप्रैल के बाद 12 जुलाई तक आर्थिक हानि के प्रति सचेत रहें। स्पैकुलेशन तथा शेयर बाजार से दूर रहें। व्यसनों से लगाव तथा कार्यों में उदासीनता से हानि होगी। आर्थिक दंड का योग बनेगा। सन्तान सुख में कमी रहेगी। शरीर रोग ग्रस्त होगा। 12 जुलाई से 07 अगस्त तक तथा 16 अक्टू. से 13 नवं. के बीच आरोपग्रस्त होने का योग रहेगा। पारिवारिक सुख में कमी रहेगी। इसके बाद वर्ष के अन्त तक शुभ फल होंगे। अपवादों से छुटकारा मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। स्थानान्तरण निरस्त होगा। यात्रायें स्थगित होंगी। भय समाप्त होगा। मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह राशि–वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक चांदी का पाये से शनि के गोचर में धन-धान्य तथा सुख-सम्पदा की वृद्धि होगी। परिवार तथा दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। भूमि-भवन का लाभ मिलेगा। 29 अप्रैल से 07 जुलाई के मध्य सुदूरस्थ स्थान की यात्रा होगी। आरोप ग्रस्त होंगे। मानसिक व्यथा बढ़ेगी। 07 जुलाई से 17 सितम्बर तक भूमि-भवन के कार्यों से लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। धन-धान्य वृद्धि होगी। 17 सितम्बर से 19 अक्तूबर तथा 13 से 30 नवम्बर के मध्य तक मानसिक रूप से व्यथित रहेंगे। व्यय बढ़ेगा। आर्थिक हानि होगी। स्थान हानि का योग रहेगा। 30 नवम्बर से वर्ष के अन्त तक उच्च पदस्थ अधिकारियों का सपोर्ट रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय बढ़ेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी।

कन्या राशि–वर्ष के प्रारम्भ से 29 अप्रैल तक कार्यों, व्यवसाय तथा नौकरी में उन्नति होगी। पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। परन्तु आचरण दूषित रहेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा। 08 से 25 मार्च तक लाभ तथा लालच बढ़ेगा। प्रभावशाली लोगों के कोपभाजन बनेंगे। कीर्ति खराब

रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक शनि का ताम्रपाद से [illegible] [illegible] सात्विक कार्यों की ओर अग्रसर होगा। 21 अगस्त से वर्ष के अन्त तक अरिष्ट तथा कष्ट फलों की समाप्ति से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि–वर्षारम्भ से 27 अप्रैल तक शरीर रोगग्रस्त होगा। आर्थिक संकट बढ़ेगा। धन हानि होगी। दाम्पत्य तथा पारिवारिक जीवन में वियोग होगा। विरोधी प्रभावी रहेंगे। स्थान परिवर्तन होगा। 15 मार्च से 14 अप्रैल तथा 27 से 29 अप्रैल तक उक्त के विपरीत शुभ फल मिलने से घर परिवार में सुख शांति रहेगी। व्यवसायिक सुधार होगा। व्यय नियन्त्रित कर पाने में सफल रहेंगे। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक पारिवारिक एवं दाम्पत्य सुख बाधित होगा। कार्यों में असफलता से व्यवसाय तथा नौकरी में अवरोध तथा अड़चनें बनेंगी। स्वास्थ्य खराब होगा। धन हानि होगी। मान-पद प्रतिष्ठा गिरेगी। निराश मन सात्विकता की ओर अग्रसर होगा। 12 जुलाई से वर्ष के अन्त तक व्यवसायिक सुधार होगा। व्यय नियन्त्रित कर पाने में सफल रहेंगे। विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। घर परिवार में सुख शांति आयेगी।

वृश्चिक राशि–वर्षारम्भ से 27 फरवरी तक कार्यों में असफलता से मन खिन्न रहेगा। पद-प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। नौकरी में व्यवधान आयेगा। 29 अप्रैल से 03 दिसम्बर तक कार्यों में सफलता से पद-प्रतिष्ठा मिलेगी। नये व्यवसाय अथवा सर्विस में संलग्न होंगे। विरोधियों का वर्चस्व समाप्त होगा। व्यय पर नियन्त्रण के साथ-साथ आर्थिक सुधार होगा। घर-परिवार तथा दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। 03 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक अरिष्ट तथा कष्ट फल होंगे। स्वजनों से विरोध का योग बनेगा। क्लेश बढ़ेगा। सन्तान के प्रति चिंता बढ़ेगी। स्वास्थ्य निर्बल रहेगा।

धनु राशि–वर्षारम्भ से 12 जुलाई तक सफलता के लिये कठिन परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। स्वजनों से मधुर सम्बन्ध रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। सन्तान सुख रहेगा। नया कार्य-व्यवसाय अथवा सर्विस प्रारम्भ करने का योग बनेगा। आरोग्य उत्तम रहेगा। 12 जुलाई से वर्ष के अन्त तक कार्य व्यवसाय में साधारण सफलता मिलने से व्यर्थ वाद-विवादों में लिप्त रहेंगे। नौकरी में व्यवधान आयेगा। विरोध होगा। पद-प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। होगी। पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। परन्तु आचरण दूषित रहेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा। 08 से 25 [illegible] में 31 मार्च तक लोभ तथा लालच बढ़ेगा। प्रभावशाली लोगों के कोपभाजन बनेंगे। कीर्ति खराब होगी। आत्म विश्वास में कमी आयेगा। आचरण संदेह जनक रहेगा। किसी जिम्मेदारी के पद से हटाये जाने का योग बनता है। 29 अप्रैल से 12 जुलाई के मध्य व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। आर्थिक उन्नति होगी। सन्तान सुख का योग बनेगा। परन्तु कार्यों में अभी भी अपेक्षित सफलता में किंचित न्यूनता रहेगी। धनागमन का योग बनता है। 28 दिसम्बर से वर्ष के अन्तिम दिनों में आचरण के प्रति सावधान रहें।

कुंभ राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक घर-परिवार का सुख मिलेगा। मानसिक तनाव समाप्त होगा। कार्यकारी स्थितियां बनेंगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। यात्रायें निरस्त होंगी। 12 अप्रैल से 17 मई के मध्य कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। पद-प्रतिष्ठा में कमी आयेगी। अवनति का भय रहेगा। 17 मई से 12 जुलाई तक शनि के गोचर पुनः शुभ फल होंगे। 12 जुलाई से 11 नवम्बर तक दूरस्थ स्थानों की यात्रा का योग बनता है। कार्य करने में परेशानी आयेगी। व्यय की अधिकता रहेगी। तनाव ग्रस्त रहेंगे। 11 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक अधूरे कार्य सम्पन्न होंगे। कार्य-व्यवसाय में सफलता का योग बनता है। मानसिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। 16 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक थकावट अनुभव होगी। किसी रोग से पीडित होंगे। वाद-विवादों से धन हानि होगी। मानसिक अशांति रहेगी।

मीन राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक तथा 27 से 29 अप्रैल उच्चाधिकारियों के सम्पर्क में आयेंगे। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में सुख रहेगा सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। शेष 15 दिनों में उक्त के विपरीत कष्ट फल होंगे। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक कार्य-व्यवसाय में अवरोध आयेंगे। दूरस्थ स्थानों की यात्रा होगी। परिवार सुख में न्यूनता रहेगी। व्यय नियन्त्रण से बाहर रहेगा। 12 जुलाई से 10 अगस्त तक आर्थिक लाभ का योग रहेगा। सन्तान सुख मिलेगा। प्रशासकीय सहयोग मिलेगा। 10 अगस्त से 16 अक्तूबर तक तथा 13 नवम्बर से वर्ष के अन्त तक शरीर निर्बल रहेगा। किसी उच्च पदाधिकारी अथवा अधिकार सम्पन्न व्यक्तियों से वैचारिक भिन्नता रहेगी।

गुरु-राहु-केतु का शुभाशुभ गोचर फल संवत् 2079 वि.

मीन राशिस्थ गुरु का गोचर फल

गुरु गोचर–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल 2022 तक देवगुरु बृहस्पति का गोचर शनिदेव की मूल त्रिकोण राशि कुंभ राशि से होगा। इसके पश्चात् विक्रमी संवत 2079 के अन्त तक गुरु अपनी मीन राशि से गोचर करेंगे। विभिन्न राशियों के जातकों पर मीन राशिगत गुरु का गोचर फल का प्रभाव निम्न प्रकार होगा।

मेष राशि–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल तक पद, मान-प्रतिष्ठा, अधिकार क्षेत्र में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। प्रायः ही सभी कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। विरोधी पक्ष पराजित होगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। सट्टे शेयर्स के लिये समय अनुकूल है, आर्थिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को विद्याभ्यास में यश मिलेगा। 13 अप्रैल से 12 जुलाई तक गुरु के शनि से वेध में सुख एवं धन की प्राप्ति में बाधा आयेगी। विरोधी मुखर होंगे। विवाह में विलम्ब होगा। सन्तान सुख में कमी रहेगी। शिक्षा तथा अध्ययन में अपेक्षित सफलता का अभाव रहेगा। व्यापार में अवनति होगी।

वृष राशि–स्वभाव में निरुद्यमता रहेगी। कार्यों में मन नहीं लगेगा। असफलता से हताशा आयेगी। व्यर्थ के वाद-विवादों में समय व्यतीत करेंगे। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद बढ़ेंगे। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। अधिकारों में कमी आयेगी। सन्तान के विषय में चिन्तित रहेंगे। स्थान परिवर्तन होगा। आर्थिक हानि से मन खिन्न रहेगा।

मिथुन राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक पारिवारिक मतभेद समाप्त होंगे। रोजी रोजगार में प्रगति होगी। स्थान लाभ होगा। कष्टों एवं रोगों से छुटकारा मिलेगा। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। 13 अप्रैल से 11 नवम्बर तक व्यवसायिक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। आर्थिक हानि होगी। रोगों से परेशान रहेंगे। कष्टदायक अथवा अप्रिय स्थान पर स्थानान्तर होगा। भाग्योदय में अड़चन आयेगी। परीक्षाओं में अपेक्षित सफलता का अभाव रहेगा। 11 नवम्बर से 15 दिसं. तक गुरु गोचर शुभ रहेगा। इस के बाद 16 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक अशुभ फल मिलेंगे।

कर्क राशि–13 अप्रैल तक राजकीय भय रहेगा। पद-प्रतिष्ठा, दांव की हानि की आशंका बलवती होगी। थका देने वाली यात्राओं में कष्ट रहेगा। स्वभाव में क्रोध बढ़ेगा। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। अग्निकांड के प्रति सचेत रहें। 13 अप्रैल से 05 दिसम्बर तक दाम्पत्य एवं

वि. सं. 2079 मध्ये शनि की साढ़ेसाती व ढैया विचार

वर्ष 2022 में शनिदेव 29 अप्रैल प्रातः तक मकर राशि में गोचर करेंगे। पश्चात् 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में गोचर करने के बाद पुनः मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर राशिगत शनि में जन्में जातक 'नरपतेरिव गौरवतां व्रजेद्रविसुते मृगराशिगते नरः। अगुरुणा कुसुमैर्मृगजातया विमलया मलयाचलजैः सुखम्।।' गुणी तो होंगे ही साथ ही विद्वान्, कार्यकुशल तथा साहसी भी होंगे। तकनीकी रूप से श्रेष्ठ होकर अपने क्षेत्र में प्रख्यात होंगे। वस्त्राभूषण तथा नवीन वस्तुओं में रुचि रहेगी। मान तथा आदर प्राप्त करेंगे। प्रवास अधिक करेंगे तथा जन्म स्थान से दूर, प्रायः ही विदेश में निवास करेंगे। कुंभ राशि गत शनि में जन्में जातक 'मन्दे नरो धनैः पूर्णो महाशूरः कुलन्धरः।' धनी, शूर तथा कुलपोषक होंगे। तथापि जन्म समय पर अन्य ग्रहों की स्थिति से जन्म समय के फलों में न्यूनाधिक परिवर्तन होना अवशयम्भावी है।

17 जनवरी 2023 से शनिदेव का गोचर कुंभ राशि से होगा जो आगामी 29 जुलाई से मार्च 2025 तक चलेगा। स्पष्टतया 2022-23 में शनिदेव का पाया तीन बार परिवर्तित होगा।

शनि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
वर्षारम्भ	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह	स्वर्ण
29 अप्रैल	स्वर्ण	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह
12 जुलाई	स्वर्ण	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह
17 जन.23	स्वर्ण	ताम्र	रजत	लौह	ताम्र	स्वर्ण	रजत	लौह	ताम्र	रजत	स्वर्ण	लौह

स्वर्ण पाद के शनि में सुख, रजत पाद के शनि से कार्यों में सफलता तथा भाग्योन्नति, ताम्र पाद से मध्यम फल तथा लौह पाद से धन हानि एवं दुख का योग रहेगा।

विभिन्न राशियों पर गोचरीय शनि का प्रभाव

मेष राशि–वर्ष 2022 के प्रारम्भ से 12 अप्रैल तक व्यवसाय, कार्यस्थल तथा सर्विस में विघ्न-बाधायें आयेंगी। नियम विरुद्ध कार्यों से हानि होगी। हृदय रोग की आशंका रहेगी। इसके बाद 29 अप्रैल तक मान-सम्मान, प्रतिष्ठा पर संकट रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक शनि के लौह पाद से प्रवेश में धन हानि होगी। इसका विशेष अनुभव 15 जून से 17 जुलाई के मध्य होगा। 18 जुलाई से वर्ष के अन्त तक नौकरी तथा व्यवसाय में संतोषजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक उन्नति होगी। कष्ट तथा मानसिक व्यथा से छुटकारा मिलेगा। सत्कार्यों में व्यस्त रहेंगे। किसी गम्भीर रोग की सम्भावना समाप्त होगी। मान-प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

वृष राशि–वृष राशि के जातकों के लिये वर्ष 2022-23 में शनिदेव का मकर तथा कुंभ राशि से गोचर कष्ट तथा अवरोधों एवं अड़चनों का संकेत दे रहा है। वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक मकर राशि से शनि का रजत पाद से गोचर यद्यपि सफलता तथा भाग्योन्नति कारक है परन्तु इस अवधि में आय में कमी रहेगी। धनागमन अनिश्चित रहेगा। जीवन साथी तथा सन्तान से कभी सुख तथा कभी असुविधा अनुभव होगी। कार्यों में अवरोध बनेंगे। पिता अथवा भाई के स्वास्थ्य पर गम्भीर संकट रहेगा। यात्राओं में हानि होगी। बन्धन तथा मिथ्या आरोपों से ग्रसित होने का भय रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक शनि का ताम्रपाद से कुंभ राशि में प्रवेश शुभाशुभ के मध्यम फल करेगा। कष्ट तथा मानसिक व्यथा से छुटकारा मिलेगा। [illegible]

का रजत पाद से प्रवेश यद्यपि कष्टमय रहेगा तथापि 01 अगस्त से 24 सितम्बर के मध्य शुभ फल मिलेंगे। अवरोधों, अड़चनों तथा कष्टों का निवारण होगा।

मिथुन राशि–वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक स्पैकुलेशन तथा इन्वेस्टमेन्ट से आर्थिक हानि होगी। कार्यों में असफलता मिलेगी। व्यसनों तथा दुष्ट व्यक्तियों से मित्रता के कारण परेशानियां बढ़ेंगी। मान-हानि का भय रहेगा। राजकीय अथवा प्रशासनिक कारणों से भय, प्रताड़ना तथा दंड का योग बनेगा। जीवन अव्यवस्थित रहेगा। सन्तान से कष्ट होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक चांदी के पाये से प्रविष्ट शनि के गोचर में कार्यों में सफलता तथा भाग्योन्नति के उपरान्त भी कष्ट रहेगा। रोग तथा शत्रु बढ़ेंगे। धन प्राप्ति कभी-कभी होगी। पारिवारिक सुख में कभी-कभी असुविधा होगी। आर्थिक हानि होगी। कार्यों में बाधा आयेगी। पिता अथवा भाई के जीवन को संकट रहेगा। बन्धन तथा आरोपों का भय रहेगा। 12 जुलाई से 31 अगस्त तक लौह पाद से शनि के प्रवेश से आर्थिक लाभ होगा। जीवन चर्या व्यवस्थित होगी। सन्तान सुख मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रताड़ना तथा दंड के भय से मुक्त होंगे। 31 अगस्त के पश्चात् वर्ष के अन्त तक कष्ट फलों के कारण आर्थिक हानि होगी। कार्यों में अवरोध आयेंगे। व्यर्थ आरोप लगेंगे। पारिवारिक सुख शांति भंग होगी। धार्मिक कार्यों तथा तीर्थ यात्राओं से मन हटेगा।

कर्क राशि–वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक तांबे के पाये से शनि के मकर राशि से गोचर में अपवाद-आरोपों से त्रस्त रहेंगे। विदेश अथवा सुदूरस्थ स्थान की यात्रा करेंगे। मन अन्जाने भय से ग्रसित रहेगा। 29 अप्रैल के बाद 12 जुलाई तक आर्थिक हानि के प्रति सचेत रहें। स्पैकुलेशन तथा शेयर बाजार से दूर रहें। व्यसनों से लगाव तथा कार्यों में उदासीनता से हानि होगी। आर्थिक दंड का योग बनेगा। सन्तान सुख में कमी रहेगी। शरीर रोग ग्रस्त होगा। 12 जुलाई से 07 अगस्त तक तथा 16 अक्टू. से 13 नवं. के बीच आरोपग्रस्त होने का योग रहेगा। पारिवारिक सुख में कमी रहेगी। इसके बाद वर्ष के अन्त तक शुभ फल होंगे। अपवादों से छुटकारा मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। स्थानान्तरण निरस्त होगा। यात्रायें स्थगित होंगी। भय समाप्त होगा। मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह राशि–वर्षारम्भ से 29 अप्रैल तक चांदी का पाये से शनि के गोचर में धन-धान्य तथा सुख-सम्पदा की वृद्धि होगी। परिवार तथा दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। भूमि-भवन का लाभ मिलेगा। 29 अप्रैल से 07 जुलाई के मध्य सुदूरस्थ स्थान की यात्रा होगी। आरोप ग्रस्त होंगे। मानसिक व्यथा बढ़ेगी। 07 जुलाई से 17 सितम्बर तक भूमि-भवन के कार्यों से लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। धन-धान्य वृद्धि होगी। 17 सितम्बर से 19 अक्तूबर तथा 13 से 30 नवम्बर के मध्य तक मानसिक रूप से व्यथित रहेंगे। व्यय बढ़ेगा। आर्थिक हानि होगी। स्थान हानि का योग रहेगा। 30 नवम्बर से वर्ष के अन्त तक उच्च पदस्थ अधिकारियों का सपोर्ट रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय बढ़ेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी।

कन्या राशि--वर्ष के प्रारम्भ से 29 अप्रैल तक कार्यों, व्यवसाय तथा नौकरी में उन्नति होगी। पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। परन्तु आचरण दूषित रहेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा। 08 से 25 [illegible] जुलाई तक के मध्य परिवार तथा दाम्पत्य जीवन में सुख [illegible] लोभ तथा लालच बढ़ेगा। प्रभावशाली लोगों के कोपभाजन बनेंगे। कीर्ति खराब

रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक शनि का ताम्रपाद से [illegible] राशि में प्रवेश शुभाशुभ के मध्यम फल करेगा। कष्ट तथा मानसिक व्यथा से छुटकारा मिलेगा। सत्कार्यों में रुचि रहेगी। सन्तोषजनक [illegible] से व्यवसाय तथा नौकरी में अवनति होगी। स्वास्थ्य गिरेगा। [illegible] सात्विक कार्यों की ओर अग्रसर होगा। 21 अगस्त से वर्ष के अन्त तक अरिष्ट तथा कष्ट फलों की समाप्ति से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि–वर्षारम्भ से 27 अप्रैल तक शरीर रोगग्रस्त होगा। आर्थिक संकट बढ़ेगा। धन हानि होगी। दाम्पत्य तथा पारिवारिक जीवन में वियोग होगा। विरोधी प्रभावी रहेंगे। स्थान परिवर्तन होगा। 15 मार्च से 14 अप्रैल तथा 27 से 29 अप्रैल तक उक्त के विपरीत शुभ फल मिलने से घर परिवार में सुख शांति रहेगी। व्यवसायिक सुधार होगा। व्यय नियन्त्रित कर पानें में सफल रहेंगे। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक पारिवारिक एवं दाम्पत्य सुख बाधित होगा। कार्यों में असफलता से व्यवसाय तथा नौकरी में अवरोध तथा अड़चनें बनेंगी। स्वास्थ्य खराब होगा। धन हानि होगी। मान-पद प्रतिष्ठा गिरेगी। निराश मन सात्विकता की ओर अग्रसर होगा। 12 जुलाई से वर्ष के अन्त तक व्यवसायिक सुधार होगा। व्यय नियन्त्रित कर पानें में सफल रहेंगे। विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। घर परिवार में सुख शांति आयेगी।

वृश्चिक राशि–वर्षारम्भ से 27 फरवरी तक कार्यों में असफलता से मन खिन्न रहेगा। पद-प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। नौकरी में व्यवधान आयेगा। 29 अप्रैल से 03 दिसम्बर तक कार्यों में सफलता से पद-प्रतिष्ठा मिलेगी। नये व्यवसाय अथवा सर्विस में संलग्न होंगे। विरोधियों का वर्चस्व समाप्त होगा। व्यय पर नियन्त्रण के साथ-साथ आर्थिक सुधार होगा। घर-परिवार तथा दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। 03 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक अरिष्ट तथा कष्ट फल होंगे। स्वजनों से विरोध का योग बनेगा। क्लेश बढ़ेगा। सन्तान के प्रति चिंता बढ़ेगी। स्वास्थ्य निर्बल रहेगा।

धनु राशि–वर्षारम्भ से 12 जुलाई तक सफलता के लिये कठिन परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। स्वजनों से मधुर सम्बन्ध रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। सन्तान सुख रहेगा। नया कार्य-व्यवसाय अथवा सर्विस प्रारम्भ करने का योग बनेगा। आरोग्य उत्तम रहेगा। 12 जुलाई से वर्ष के अन्त तक कार्य व्यवसाय में साधारण सफलता मिलने से व्यर्थ वाद-विवादों में लिप्त रहेंगे। नौकरी में व्यवधान आयेगा। विरोध होगा। पद-प्रतिष्ठा प्रभावित होगी।

होगी। पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। परन्तु आचरण [illegible] परिवार तथा दाम्पत्य जीवन में सुख सामञ्जस्य [illegible] में 31 मार्च तक लोभ तथा लालच बढ़ेगा। प्रभावशाली लोगों के कोपभाजन बनेंगे। कीर्ति खराब होगी। आत्म विश्वास में कमी आयेगा। आचरण संदेह जनक रहेगा। किसी जिम्मेदारी के पद से हटाये जाने का योग बनता है। 29 अप्रैल से 12 जुलाई के मध्य व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। आर्थिक उन्नति होगी। सन्तान सुख का योग बनेगा। परन्तु कार्यों में अभी भी अपेक्षित सफलता में किंचित न्यूनता रहेगी। धनागमन का योग बनता है। 28 दिसम्बर से वर्ष के अन्तिम दिनों में आचरण के प्रति सावधान रहें।

कुंभ राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक घर-परिवार का सुख मिलेगा। मानसिक तनाव समाप्त होगा। कार्यकारी स्थितियां बनेंगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। यात्रायें निरस्त होंगी। 12 अप्रैल से 17 मई के मध्य कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। पद-प्रतिष्ठा में कमी आयेगी। अवनति का भय रहेगा। 17 मई से 12 जुलाई तक शनि के गोचर पुनः शुभ फल होंगे। 12 जुलाई से 11 नवम्बर तक दूरस्थ स्थानों की यात्रा का योग बनता है। कार्य करने में परेशानी आयेगी। व्यय की अधिकता रहेगी। तनाव ग्रस्त रहेंगे। 11 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक अधूरे कार्य सम्पन्न होंगे। कार्य-व्यवसाय में सफलता का योग बनता है। मानसिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। 16 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक थकावट अनुभव होगी। किसी रोग से पीड़ित होंगे। वाद-विवादों से धन हानि होगी। मानसिक अशांति रहेगी।

मीन राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक तथा 27 से 29 अप्रैल उच्चाधिकारियों के सम्पर्क में आयेंगे। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में सुख रहेगा सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। शेष 15 दिनों में उक्त के विपरीत कष्ट फल होंगे। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक कार्य-व्यवसाय में अवरोध आयेंगे। दूरस्थ स्थानों की यात्रा होगी। परिवार सुख में न्यूनता रहेगी। व्यय नियन्त्रण से बाहर रहेगा। 12 जुलाई से 10 अगस्त तक आर्थिक लाभ का योग रहेगा। सन्तान सुख मिलेगा। प्रशासकीय सहयोग मिलेगा। 10 अगस्त से 16 अक्तूबर तक तथा 13 नवम्बर से वर्ष के अन्त तक शरीर निर्बल रहेगा। किसी उच्च पदाधिकारी अथवा अधिकार सम्पन्न व्यक्तियों से वैचारिक भिन्नता रहेगी।

गुरु-राहु-केतु का शुभाशुभ गोचर फल संवत् 2079 वि.

मीन राशिस्थ गुरु का गोचर फल

गुरु गोचर–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल 2022 तक देवगुरु बृहस्पति का गोचर शनिदेव की मूल त्रिकोण राशि कुंभ राशि से होगा। इसके पश्चात् विक्रमी संवत 2079 के अन्त तक गुरु अपनी मीन राशि से गोचर करेंगे। विभिन्न राशियों के जातकों पर मीन राशिगत गुरु का गोचर फल का प्रभाव निम्न प्रकार होगा।

मेष राशि–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल तक पद, मान-प्रतिष्ठा, अधिकार क्षेत्र में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। प्रायः ही सभी कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। विरोधी पक्ष पराजित होगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। सट्टे शेयर्स के लिये समय अनुकूल है, आर्थिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को विद्याभ्यास में यश मिलेगा। 13 अप्रैल से 12 जुलाई तक गुरु के शनि से वेध में सुख एवं धन की प्राप्ति में बाधा आयेगी। विरोधी मुखर होंगे। विवाह में विलम्ब होगा। सन्तान सुख में कमी रहेगी। शिक्षा तथा अध्ययन में अपेक्षित सफलता का अभाव रहेगा। व्यापार में अवनति होगी।

वृष राशि–स्वभाव में निरुद्यमता रहेगी। कार्यों में मन नहीं लगेगा। असफलता से हताशा आयेगी। व्यर्थ के वाद-विवादों में समय व्यतीत करेंगे। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद बढ़ेंगे। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। अधिकारों में कमी आयेगी। सन्तान के विषय में चिन्तित रहेंगे। स्थान परिवर्तन होगा। आर्थिक हानि से मन खिन्न रहेगा।

मिथुन राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक पारिवारिक मतभेद समाप्त होंगे। रोजी रोजगार में प्रगति होगी। स्थान लाभ होगा। कष्टों एवं रोगों से छुटकारा मिलेगा। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। 13 अप्रैल से 11 नवम्बर तक व्यवसायिक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। आर्थिक हानि होगी। रोगों से परेशान रहेंगे। कष्टदायक अथवा अप्रिय स्थान पर स्थानान्तर होगा। भाग्योदय में अड़चन आयेगी। परीक्षाओं में अपेक्षित सफलता का अभाव रहेगा। 11 नवम्बर से 15 दिसं. तक गुरु गोचर शुभ रहेगा। इस के बाद 16 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक अशुभ फल मिलेंगे।

कर्क राशि–13 अप्रैल तक राजकीय भय रहेगा। पद-प्रतिष्ठा, दांव की हानि की आशंका बलवती होगी। थका देने वाली यात्राओं में कष्ट रहेगा। स्वभाव में क्रोध बढ़ेगा। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। अग्निकांड के प्रति सचेत रहें। 13 अप्रैल से 05 दिसम्बर तक दाम्पत्य एवं

पारिवारिक जीवन का सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। पद-प्रतिष्ठा मिलेगी। नया भूमि-भवन का योग बनेगा। लेखकों, प्रकाशकों, प्राध्यापकों तथा वकीलों के लिये समय उत्तम रहेगा। विद्याभ्यास में प्रगति होगी। अविवाहितों के विवाह का योग बनता है। 05 दिसम्बर से उक्त के विपरीत फल मिलेंगे।

सिंह राशि–वर्षारम्भ से 20 अगस्त तक प्रतिष्ठित व्यक्तियों से परिचय होगा। राजकर्मियों से अनबन के उपरान्त भी शासकीय मान-सम्मान मिलेगा। विवाह आदि उत्सव सम्पन्न होंगे। पारिवारिक जीवन का सुख रहेगा। शेयर, सट्टा अथवा गेम्बलिंग से हानि होगी। कैश फ्लो गड़बड़ायेगा। साझेदारी के कामों तथा दीवानी मुकदमों के लिये समय अनुकूल है। 21 अगस्त से वर्ष के अन्त तक कोर्ट-कचहरी के कामों में विपरीत परिणाम मिलेंगे। शार्ट सर्किट अथवा अग्निकांड से नुकसान होगा। रोग ग्रस्त होंगे। बात-बात पर क्रोधित होने की प्रवृति बनेगी। आत्मीय जनों से विरोध होगा। चोरी अथवा हानि से मन चिन्तित रहेगा।

कन्या राशि–वर्ष 2022 के प्रारम्भ से घरेलू वातावरण में एक अजीब प्रकार की उदासीनता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद होंगे। विरोध बढ़ेगा। विग्रह-विवादों की स्थिति बनेगी। मन शोक ग्रस्त रहेगा। पेट के रोग से पीड़ित होंगे। 13 से 25 अप्रैल तक बुद्धि-चातुर्य से कार्यों में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर स्वीकार्यता बढ़ेगी। शेयर मार्केट से हानि होगी। प्रेम सम्बन्ध में अनुकूलता रहेगी। अविवाहितों के विवाह का योग। प्रतिष्ठित व्यक्तियों के माध्यम से लाभान्वित होंगे। 25 अप्रैल से 13 जुला. तक, 10 अग. से 16 अक्टू. तक, 14 नवं. से वर्ष के अन्त तक गुरु गोचर में अशुभ फल होंगे। कैश फ्लो बिगड़ेगा। सन्तान तथा सम्बन्धियों से मनमुटाव होगा।

तुला राशि–वर्ष पर्यन्त अरिष्ट तथा कष्ट फल अधिक होंगे। मन अनेक कारणों से शोक ग्रस्त रहेगा। लिक्विड कैश की कमी अनुभव होगी। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। सुख-साधनों का अभाव रहेगा। कार्यों में असफलता हाथ लगेगी। जीवन साथी, सन्तान तथा पारिवारिक सदस्यों से वैचारिक मतभेद होंगे। पेट के रोगों अथवा किसी अन्य रोग से कष्ट होगा। शार्ट सर्किट तथा अग्निकांडों के प्रति सचेत रहें। 01 से 21 अगस्त तक तथा 31 अगस्त से 24 सितम्बर तक उक्त कष्ट फलों के विपरीत शुभ फल मिलेंगे।

वृश्चिक राशि–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल तक किसी अति निकट तथा विश्वासी सहयोगी से धोखा मिलेगा। व्यवसाय में आर्थिक हानि रहेगी। मन अशांत रहेगा। विरोधी पक्ष प्रबल तथा आक्रामक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग भी नहीं मिलने से परिस्थितियां विकट बनेंगी। स्थाई सम्पत्ति से सम्बन्धित विवाद होंगे। स्थान परिवर्तन होगा। 13 अप्रैल के बाद सभी प्रकार से उन्नति का योग बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पद-प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। सन्तान सुख रहेगा। 15 जून से 07 अगस्त तक, 16 से 30 अक्टू. के मध्य गुरु गोचर में कष्ट फल होंगे। इसके पश्चात् वर्ष के अन्त तक विचार शीलता गुण बनेगी। साक्षात्कारों में सफलता मिलेगी। कोई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिलेगा।

धनु राशि–वर्षारम्भ से 15 मार्च तक परिवार में मतभेद, झगड़े-झंझट होंगे। रोजी-रोजगार में रुकावट आयेगी। शारीरिक कष्ट से परिस्थितियां बिगड़ेंगी। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में असफल होंगे। 15 मार्च से 13 अप्रैल तक की अवधि उक्त के विपरीत शुभ फल होकर भाग्योदय का योग बनेगा। 13 अप्रैल 15 जुलाई तक व्यवसायिक हानि होगी। विश्वासपात्रों से धोखा मिलेगा। अकस्मात् का भय रहेगा। अप्रिय तथा शोक प्रसंगों में शामिल होना पड़ेगा। अधिकारों में कमी आयेगी। कोर्ट-कचहरी का सामना करना पड़ेगा। मन उचाट रहेगा। 16 जुलाई से 31 अगस्त तक आर्थिक लाभ मिलेगा। पदोन्नति होगी। अधिकार क्षेत्र बढ़ेगा। 01 सितम्बर के बाद वर्ष के अन्त तक नौकरी, व्यवसाय में में व्यवधान आयेगा। अप्रिय स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

मकर राशि–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल 15।49 तक [illegible] आयेगी। उन्नति के अवसर हाथ से निकलेंगे। कर्ज के कारण स्थाई सम्पत्ति को गिरवी रखने का योग बनेगा। नौकरी धन्धे में अपयश मिलेगा। पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। 13 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक रोजी रोजगार में प्रगति होगी। स्थान लाभ होगा। पारिवारिक मतभेद समाप्त होंगे। झगड़े, झंझटों से छुटकारा मिलेगा। पिता अथवा पिता तुल्य व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सफलतायें अर्जित करेंगे।

कुंभ राशि–वर्षारम्भ से 13 फर. तक चिन्ताग्रस्त रहेंगे। प्रपंचिक परेशानी में पड़ेंगे। कष्टपूर्ण प्रवास होगा। पारिवारिक झगड़े होंगे। स्वास्थ्य निर्बल रहेगा। स्थान परिवर्तन होगा। मन में अशुभ विचार आयेंगे। वरिष्ठों से वाद-विवाद होंगे। 13 फर. से 24 मार्च 22 तक एवं 07 से 13 अप्रैल तक व्यापार व्यवसाय में लाभ मिलेगा। ऋण मुक्त होंगे। पूर्वार्जित भूमि-भवन का विस्तार होगा। सन्तान लाभ होगा। परीक्षाओं में यश प्राप्त होगा। वरिष्ठों के कृपा पात्र बनेंगे।

13 अप्रैल 15।49 से मीन राशि में गोचर कर रहे गुरु के गोचर में धनागम उत्तम रहेगा। सुख की प्राप्ति होगी। पद-प्रतिष्ठा तथा ख्याति में वृद्धि होगी। समाज में प्रभाव बढ़ेगा। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। विरोध समाप्त होगा तथा विरोधी नष्ट होंगे। दान-धर्म में रुचि रहेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मान-सम्मान तथा पद-वैभव की वृद्धि होगी। द्रव्य लाभ, वाक् सिद्धि तथा पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी। मानसिक शांति रहेगी। 14 अप्रैल से 18 जून के मध्य तथा 25 जून के बाद से समाज में प्रभाव कम होगा। पद-प्रतिष्ठा तथा ख्याति प्रभावित होगी। व्यय अधिक होने से आर्थिक सन्तुलन बिगड़ेगा। उन्नति के अवसर कम होंगे। विरोध तथा विरोधी प्रभावी होंगे। दानधर्म से अरुचि रहेगी।

मीन राशि–वर्षारम्भ से 13 अप्रैल तक व्यय पर नियन्त्रण होगा। आर्थिक उन्नति होगी। धन लाभ होगा। विश्वासपात्रों का सहयोग मिलेगा। स्थान लाभ होगा। नवीन आवास प्राप्त होगा। परिवार के साथ रहने का सुयोग बनेगा। मिथ्या अपवादों, कोर्ट-कचहरी के चक्करों तथा मुकद्दमेबाजी से छुटकारा मिलेगा। 27 अप्रैल से 27 जून तक, 15 फरवरी 23 से 12 मार्च 23 तक, 16 मार्च 2023 से वर्ष के अन्त तक मीन राशि से गुरु के गोचर में मन अन्जाने भय से ग्रसित रहेगा। मानसिक व्यथा बढ़ेगी। प्रशासनिक हानि होगी। कार्यस्थल पर व्यर्थ विवाद तथा झगड़ें होंगे। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। स्थान परिवर्तन होगा।

मेष राशिस्थ राहु का गोचर फल

12 अप्रैल 2022 दोपहर 14।47 से राहु वर्ष पर्यन्त मेष राशि से गोचर करेंगे। सर्वार्थ चिन्तामणिकार के मत से मेष राशि को राहु की मूल त्रिकोण है। विभिन्न राशियों पर गोचर के राहु का प्रभाव निम्नवत् रहेगा।

मेष राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक मन में बड़ी-बड़ी कल्पनायें आयेंगी। अपनी सामर्थ्य से बाहर कार्य करने का प्रयास रहेगा। यश-प्रतिष्ठा मिलेगी। एक्जीक्यूटिव्स को टूरिंग से लाभ मिलेगा। प्रशासनिक क्षमता विकसित होगी। 12 अप्रैल से 15 मई तक, 23 मई से 18 जून तक, 27 जून से 10 अगस्त तक अहंकारवश उचित निर्णय लेने में बाधा रहेगी। गलत निर्णयों के कारण हानि होगी। मन उद्विग्न रहेगा। शरीर में आलस्य बढ़ेगा। व्यर्थ व्यय करेंगे। सहकर्मियों तथा साझेदारों से मतभेद होगें। शेष अवधि में शुभ फल होंगे।

वृष राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक दुर्बुद्धि से हानि होगी। शारीरिक कष्ट रहेगा। आलस्य में वृद्धि होगी। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक ऋणमुक्त होंगे। व्यवसायिक मुकद्दमों में फैसला पक्ष में मिलेगा। सिक्योरिटीज में किया गया डिपॉजिट वापस मिलेगा। स्वास्थ्य सुधार होगा। दाम्पत्य

मिथुन राशि–वर्षारम्भ से 15 मार्च तक भूलने की आदत रहेगी। व्यय अधिक करेंगे। आर्थिक दंडयोग होने से धन-हानि होगी। ऋणग्रस्त होने की स्थिती बनेगी। अधिकार क्षेत्र में कमी रहेगी। वाद-विवाद तथा कोर्ट-कचहरी से बच कर रहें। 15 मार्च से 12 अप्रैल तक ग्रह परिवर्तन से स्थिति में सुधार होकर उक्त के विपरीत शुभ फल मिलेंगे। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक 01 अगस्त से 24 सितम्बर की अवधि के अतिरिक्त शेष समय में परिश्रम तथा चैलेंजिग कार्य करने का अच्छा प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। सन्तान की उन्नति तथा प्रगति के समाचारों से मन प्रसन्न होगा। यात्राओं में व्यस्त रहेंगे। विवादों में हानि होगी। भ्रष्टाचारियों से सम्पर्क अनिष्ट करेगा। विद्यार्थी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे।

कर्क राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक महत्वाकांक्षायें पूरी होंगी। आकस्मिक रूप से धन प्राप्त होगा। परिवार में सन्तान के विवाह का योग बनेगा। नियम विरुद्ध कार्यों में रुचि रहेगी। सहयोगियों तथा वरिष्ठों से मतभेद होंगे। परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। 12 से 29 अप्रैल के मध्य सत्ता तथा अधिकार प्राप्त करेंगे। सर्विस क्लास का प्रमोशन होगा। सार्वजनिक संस्थाओं के चुनावों में सफलता मिलेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। कोर्ट-कचहरी के कामों में यश मिलेगा। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक नियम विरुद्ध कार्यों में लिप्त रहेंगे। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। स्थाई सम्पत्ति की हानि होगी। परिस्थितियां अस्थिर रहेंगी। निम्न स्तरीय व्यक्तियों तथा अधिकारियों के साथ विरोध रहेगा।

सिंह राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। पद-प्रतिष्ठा मिलेगी। पिता अथवा पितृतुल्य व्यक्तियों का सहयोग मिलेगा। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक महत्वाकांक्षी कार्यों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। आय के साधनों में कमी आयेगी। भाग्योन्नति में अड़चन आयेंगी। मानसिक व्याधि से त्रस्त होंगे। अनिश्चित स्थितियों से सामना होगा। विदेश में भाग्योदय होने का योग बनेगा। शिक्षा में बाधा आयेगी। 11 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक किंचित शुभ फल मिलेंगे।

कन्या राशि–वर्षारम्भ से 27 फरवरी तक मन सात्विक कार्यों की ओर आकर्षित होगा। विभिन्न कार्यों से लाभ मिलेगा: शरीर स्वस्थ्य रहेगा। भय मुक्त होंगे। 27 फरवरी से 12 अप्रैल तक महत्वाकांक्षी कार्यों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्योन्नति में अड़चनें आयेंगी परन्तु विदेश में भाग्योदय होने का योग रहेगा। शिक्षा में अवरोध बनेंगे, अनिश्चय की स्थिति रहेगी। सन्तान का विवाह योग बनेगा। 12 अप्रैल से राहु के गोचर में लाभान्वित होने के लिये नियम विरुद्ध कार्यों की ओर आकर्षित होंगे। वायरल फीवर की सम्भावना रहेगी। भ्रष्टाचार से सम्बन्धित किसी केस में कोर्ट के सामने पेशी होगी। 17 अगस्त से शुभ परिणाम मिलेंगे। ऋणमुक्त होंगे। व्यवसायिक मुकद्दमों में फैसला पक्ष में मिलेगा।

तुला राशि–वर्षारम्भ से 16 जनवरी तक नियम विरुद्ध किये गये कार्यों के लिये आरोपित होंगे। जीवन साथी रोग ग्रस्त होगा। वायरल फीवर की सम्भावना रहेगी। 16 जनवरी से 12 अप्रैल के मध्य अशुभ, अरिष्ट फलों तथा कष्टों से मुक्ति मिलेगी। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक गम्भीर बीमारी का योग रहेगा। यात्राओं में कष्ट होगा। दाम्पत्य जीवन के मतभेद बढ़ेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में विपरीत परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक हानि होगी। अनैतिक आचरण तथा गुप्त सम्बन्धों से पद-प्रतिष्ठा गिरेगी। सन्तान जन्म का योग बनेगा। इस समयावधि में 21 अगस्त से 26 अक्तूबर का समय शुभ रहेगा।

वृश्चिक राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक दाम्पत्य जीवन में मतभेद रहेंगे। सुख साधनों में कमी आयेगी। कष्टकारी यात्रायें होंगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में विपरीत परिणाम प्राप्त होंगे। गम्भीर बीमारी का योग बनेगा। आर्थिक हानि होगी। कन्या सन्तान का जन्म होगा। विषय वासनाओं में रुचि बढ़ेगी। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक का समय कृषि, एनीमल फार्मिंग, डेयरी उद्योग तथा धनार्जन के लिये अनुकूल है। मन ऐडवेंचरस कार्यों की ओर आकर्षित होगा। परिश्रम तथा साहस के कार्यों से लाभान्वित होंगे। मातृपक्ष से लाभ होगा। 03 दिसम्बर से वर्ष के अन्त तक असत्य भाषण की प्रवृति से आर्थिक हानि होगी। मन में असंतोष रहेगा।

धनु राशि–वर्षारम्भ से 06 मार्च तक कार्य व्यवहार में अवरोध आयेंगे। आर्थिक हानि होगी। कृषि, एनीमल फार्मिंग तथा डेयरी उद्योगों में अधिक हानि होगी। 06 मार्च से 12 अप्रैल तक गोचर कर रहे ग्रहों के परिवर्तन से स्थिति में सुधार होगा। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक व्यापारियों की आय, धन तथा ऐश्वर्य में अचानक वृद्धि होगी। शेयर मार्केट तथा स्पैकुलेशन से लाभ मिलेगा। कार्यकुशलता में कमी आयेगी परन्तु झूठे अभिमान से आनन्दित रहेंगे। विवाहित सतांन के प्रति चिंतित रहेंगे। भाग्योन्नति के उपरान्त भी मानसिक रूप से व्यथित रहेंगे। विद्यार्थियों को सफलता के लिये कठिन परिश्रम करना होगा। 16 जुलाई से 31 अगस्त के मध्य चिन्ता मुक्त रहेंगे। अविवाहितों का विवाह योग बनेगा। नेगोशियेशन तथा साक्षात्कारों में इच्छित परिणाम मिलेंगे।

मकर राशि–सन् 2022 वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक शेयर मार्केट तथा स्पैकुलेशन से लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता अच्छी मिलेगी। अविवाहितों का विवाह योग रहेगा। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक भू-सम्पत्ति से साधारण लाभ होगा। जन्म स्थान से दूर रहना होगा। घर-परिवार सुख में कमी रहेगी। वाहनादि पर अपव्यय होगा। एम्पलायर के विरुद्ध मन में आक्रोश रहेगा। वरिष्ठों से मतभेद होंगे। साधारण सी बातों पर विवाद खड़े होंगे। 15 जून से 07 अगस्त तक तथा 16 अक्तूबर से 13 नवम्बर तक उक्त के विपरीत फल अनुभव होंगे।

कुंभ राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक जमीन जायदाद के कार्यों से हानि होगी। नई-नई चिन्तायें बनेंगी। विवादग्रस्त होंगे। स्थान परिवर्तन होगा। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक विद्यार्थियों को परीक्षा तथा इण्टरव्यू में सफलता के लिये कठिन परिश्रम करना होगा। यात्रायें निरस्त होंगी। आर्थिक रूप से समय चुनौती भरा रहेगा। नये एग्रीमेन्ट्स में अवरोध बनेंगे। खास तौर से चैलेंजिंग असाईन्मेन्ट्स के एग्रीमेन्ट्स आसानी से नहीं होंगे। आत्मविश्वास हिलेगा। वाद-विवादों में बंधु-बांधवों एवं मित्रों का सकारात्मक सहयोग मिलेगा।

मीन राशि–वर्षारम्भ से 08 अप्रैल तक कला-कौशल तथा स्वयं के गुणों का विकास होगा। यश-प्रतिष्ठा मिलेगी। नये अनुबंध होंगे। परीक्षाओं तथा इण्टरव्यूज में सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। यात्राओं में व्यस्तता बढ़ेगी। 08 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक नये उद्योग-धंधों पर काम होगा। लोन लेंगे। शारीरिक कष्ट तथा पीड़ा एवं धन-हानि से मानसिक क्लेश रहेगा। अपव्यय होगा। परिवार के प्रति जिम्मेदारी बढ़ेगी। दीवानी मुकद्दमों में विपरीत फैसले होंगे। दाम्पत्य जीवन में असंतोष रहेगा। किसी रिश्तेदार की जिम्मेदारी लेनी होगी। पूर्वार्जित सम्पत्ति आदि को बेचने से अच्छा लाभ मिलेगा। 25 अप्रैल से 13 जुलाई तक, 10 अगस्त से 16 अक्तूबर तक तथा 13 नवम्बर से वर्ष के अन्त तक उक्त के विरुद्ध फल मिलेंगे।

वृश्चिक राशिस्थ केतु का गोचर फल

मेष राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक केतु के वृश्चिक राशि से गोचर में अकस्मात् धन तथा बहुमूल्य वस्तुओं की हानि होगी। विदेश यात्रा का योग बनेगा। समस्याओं, अवरोधों तथा अड़चनों के समाधान का कोई मार्ग मिलता दिखाई नहीं पड़ेगा। हर काम में उलझनों का सामना करना पड़ेगा। भ्रम की स्थिति रहेगी। धार्मिक कार्यों से विरक्ती रहेगी। जीवन साथी का सुख सहयोग मिलेगा। गुदा रोग की सम्भावना बनेगी। 12 अप्रैल से वर्ष की समाप्ति तक महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। राजकीय कार्यों तथा व्यापार में आकस्मिक रूप से हानि। व्यय बढ़ेगा। विवाह में विलम्ब। किसी महिला से सहयोग, सहायता का योग। विवाहित जातक प्रेम-प्रसंगों में हानि उठायेंगे।

वृष राशि–वर्षारम्भ से केतु के वृश्चिक राशि से गोचर में राजकीय कार्यों तथा व्यापार से विशेष आर्थिक लाभ होगा। दाम्पत्य सुख में अवरोध रहेगा। अविवाहित विजातीय प्रेम-प्रसंगों में

लिप्त होंगे। किसी-किसी को बाध्य होकर विवाह करना पड़ेगा। जीवन साथी के परिवार में किसी का आकस्मिक निधन होगा। व्यर्थ भ्रमण होगा। व्यर्थ के कामों में समय नष्ट होगा। 04 से 12 अप्रैल के मध्य किंचित शुभ फल मिलेंगे। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक भाषण देने अथवा नेगोशियेशन में प्रतिष्ठा मिलेगी। परन्तु वक्तव्य की भावनाओं के ठीक से न समझे जाने से तनाव ग्रस्त होंगे, व्यथित रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। मन आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर होगा। आंखों में कष्ट की सम्भावना रहेगी। 15 जून से 07 अगस्त तक, 16 अक्तूबर से 13 नवम्बर के मध्य शुभ फल होंगे।

मिथुन राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक शुभाशुभ के मिश्रित फल मिलेंगे। व्यय बढ़ेगा। विघ्न-बाधायें आयेंगी। कार्यों में अवरोध बनेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आंख तथा पाचन क्रिया सम्बन्धी कष्ट रहेगा। 12 अप्रैल के पश्चात् वर्ष की समाप्ति तक भाग्योन्नति का सुख रहेगा। अनेक प्रकार की विघ्न-बाधायें समाप्त होंगी। नीर, क्षीर, विवेक की न्यूनता रहेगी। कार्यकारी क्षमता-स्किल में कमी रहेगी। प्रज्ञा तथा बुद्धि चातुर्य के श्रेष्ठ प्रदर्शन के समय आत्मविश्वास गिरेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक, 29 दिसं. से 27 फरवरी 2023 तक उक्त के विपरीत फल प्राप्त होंगे।

कर्क राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक भाग्योन्नति का सुख रहेगा। संतान के कार्यों से प्रसन्नता होगी। अनेक प्रकार की विघ्न-बाधाओं का समाधान होगा। परन्तु कार्यकारी क्षमता तथा स्किल का ह्रास होगा। अनेलेटिकल क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लगेगा। 12 अप्रैल से वर्ष के समापन तक शुभ कार्यों में प्रवृति रहेगी। भूमि-भवन आदि के कार्य से अचानक लाभ मिलेगा। तीर्थ यात्रायें होंगी। व्यापार, शेयर सट्टे और स्पेकुलेशन से हानि होगी। मन अन्जाने भय से ग्रस्त रहेगा। आगजनी अथवा दुर्घटना से हानि का योग रहेगा। मन में विरक्ति का भाव रहेगा।

सिंह राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक केतु के वृश्चिक राशि से गोचर में स्थाई सम्पत्ति अर्जित होगी। व्यापार तथा शेयर मार्केट से लाभ के लिये समय उत्तम रहेगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। मन भयमुक्त होगा। परन्तु शुभ कार्यों में अवरोध आयेंगे। तीर्थ यात्रायें निरस्त होंगी। भूमि-भवन आदि के कार्यों में अपेक्षित सावधानी न रखी तो अचानक हानि होगी। 12 अप्रैल से 21 अगस्त तक चुनौतीपूर्ण कार्य स्वीकार करेंगे। आकस्मिक रूप से भाग्योन्नति होगी। विरोधी पराजित होंगे। वैभवी जीवन का सुख रहेगा। त्वचा अथवा यौन रोगों से ग्रसित होने की सम्भावना बनेगी। 21 अगस्त से 26 अक्तूबर तक उक्त के विपरीत फल होंगे। तत्पश्चात् पुनः शुभ फल मिलेंगे।

कन्या राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक भाग्योन्नति का सुख रहेगा। वैभवी जीवन का सुख मिलेगा। मित्रों से लाभ होगा। त्वचा अथवा यौन रोगों से ग्रसित होने का योग रहेगा। 12 अप्रैल से वर्ष की समाप्ति तक, 16 नवम्बर से 16 दिसम्बर की अवधि के अतिरिक्त समय में आकस्मिक रूप से धन लाभ मिलेगा। आंख में चोट लगने की सम्भावना बनेगी। भोजन व्यवस्था बिगड़ेगी। मुंह में छाले पड़ेंगे। विरोधी बढ़ेंगे। मानसिक चिन्ताओं से ग्रस्त होंगे।

तुला राशि–वर्षारम्भ से 16 जनवरी 2022 तक धन लाभ होगा। विरोधियों पर नियन्त्रण रख पाने में सफलता मिलेगी। मन चिन्ता मुक्त होगा। इसके पश्चात् 12 अप्रैल तक उक्त के विपरीत फल होंगे। आंख में चोट लगने की सम्भावना बनेगी। आर्थिक सन्तुलन बिगड़ेगा। 12 अप्रैल से वर्ष की समाप्ति तक, 17 अक्तूबर से 16 नवम्बर की अवधि को छोड़कर, शेष समय में मान-सम्मान मिलेगा। आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी। सन्तान की भाग्यवृद्धि होगी। शरीर पर चोट लगने की आशंका रहेगी। महिलाओं को किचन में सावधान रहना होगा। चिन्ताओं से त्रस्त होंगे। छूत का रोग होगा। धार्मिक आस्थायें उन्नत रहेंगी।

वृश्चिक राशि–वर्षारम्भ से 16 जनवरी 2022 तक केतु के गोचर में रोग मुक्त रहेंगे। सम्पत्ति सम्बन्धी विवाद समाप्त होंगे। सन्तान की प्रगति में विलम्ब होगा। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। इसके पश्चात् 12 अप्रैल तक आर्थिक [illegible] तथा सन्तान [illegible]

का सुख मिलेगा। छूत के रोग से ग्रसित होंगे। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक, 01 अगस्त से 24 सितम्बर तक की अवधि के अतिरिक्त शेष समय में सभी प्रकार के सुखों की हानि होगी। जन्म स्थान से अन्य स्थान पर निवास होगा। व्यय बढ़ेगा। मन अत्याधिक अशान्त रहेगा। अग्निकांड से हानि होगी। वाहन प्राप्ति में विलम्ब होगा। सम्बन्धियों के कारण पारिवारिक झगड़े बढ़ेंगे।

धनु राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक स्थान परिवर्तन होगा। पारिवारिक विवादों से बुद्धि भ्रमित रहेगी। समझ में नहीं आयेगा क्या करें अथवा क्या न करें? मन अशान्त रहेगा। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव बढ़ेगा। 12 अप्रैल से वर्ष की समाप्ति तक अपेक्षाकृत आसानी से अकस्मात् ही धन प्राप्त होगा। आर्थिक उन्नति होगी। शेयर मार्केट से लाभान्वित होंगे। अन्य कार्यों से लाभदायक सफलता मिलेगी। किये गये वायदे पूरे होंगे। प्रशासन में कार्यरत होने पर प्रशासनिक उन्नति होगी। अन्यथा सरकारी कार्यों से लाभ मिलेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों के साथ सम्बन्धों में तनाव रहेगा। 29 अप्रैल से 12 जुलाई तक की अवधि में उक्त के विपरीत फल होंगे।

मकर राशि–वर्षारम्भ से 15 मार्च तक घर-परिवार का सुख-वैभव बढ़ेगा। पद-प्रतिष्ठा मिलेगी। पदोन्नति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। सहोदरों के स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। 15 मार्च से 12 अप्रैल तक उक्त के विपरीत फल होंगे। 12 अप्रैल से संवत् की समाप्ति तक 16 जुलाई से 31 अगस्त की अवधि के अतिरिक्त समय में शेयर बाजार आदि में हानि से आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी। प्रशासकीय कारणों से उथल-पुथल रहेगी। कार्य निष्फल होंगे। अग्निकांड अथवा इलेक्ट्रिक शार्ट सर्किट से शारीरिक हानि होगी। मन अशांत रहेगा। धार्मिक यात्रा होगी अथवा धार्मिक समारोहों में भाग लेंगे।

कुंभ राशि–वर्षारम्भ से 12 अप्रैल तक राजकीय कारणों से हानि होगी। कार्य निष्फल होंगे। शारीरिक हानि होगी। मन धर्म तथा अध्यात्म की ओर झुकेगा। 12 अप्रैल से वर्ष की समाप्ति तक भाग्योन्नति का सुख मिलेगा। मित्रों से लाभ मिलेगा। पुत्र-सन्तान की भाग्य वृद्धि होगी। शेयर सट्टे से हानि होगी। मुकद्दमों में परिणाम विपरीत होंगे। धोखाधड़ी का शिकार होंगे। अपमानजनक स्थितियां बनेंगी। क्रोध करने की प्रवृति से कार्यों में हानि होगी। स्वयं तथा पिता संकट ग्रस्त होंगे। धार्मिक तथा आध्यात्मिक झुकाव से मन मस्तिष्क शांत रहेगा। 25 अप्रैल से 13 जुलाई तक, 10 अगस्त से 16 अक्तूबर तक तथा 13 नवम्बर से 31 दिसम्बर के मध्य उक्त के विपरीत फल होंगे।

मीन राशि–वर्ष के आरम्भ में सन्तान सुख मिलेगा। किसी से धोखा खाने के प्रति सचेत रहें। शेयर सट्टे से हानि होगी। मुकद्दमों में हार होगी। 12 अप्रैल से वर्ष के अन्त तक अकस्मात् बहुमूल्य वस्तुओं की हानि का योग रहेगा। विदेश अथवा सुदूरस्थ स्थान की यात्रा होगी। धार्मिक कार्यों में मन नहीं लगेगा। समस्याओं, अवरोधों तथा अड़चनों के निदान में कठिनाईयां आयेंगी। हर काम में उलझनों का सामना करना पड़ेगा। भ्रम की स्थिति रहेगी। जीवन साथी का सुख सहयोग मिलेगा। 12 अप्रैल से 15 मई तक, 23 मई से 16 जून तक तथा 27 जून से 10 अगस्त तक उक्त के विपरीत शुभ फल होंगे।

लाभ-खर्च कोष्ठक वि. सं. 2079

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
आय	8	2	8	2	5	8	2	8	5	14	14	5
व्यय	5	14	11	8	5	11	14	5	11	11	11	11

आय-व्यय देखने की विधि–अपनी राशि के आय-व्यय अंकों को जोड़कर उसमें 1 घटा दें, शेष को 8 से भाग करने पर यदि अंक 1 शेष बचे तो लाभ, 2-सुख, 3-चिन्ता, 4-रोग, 5-अपयश, [illegible] शेष रोग हैं। यह फल सारांश रूप में माना जाता है।

साढ़े पांच बजे (प्रात: 5 बजकर 30 मिनट) के अतिरिक्त अन्य समय के लिए ग्रह स्पष्ट करना

नीचे दी गई सारणी द्वारा यदि आपको भा.स्टैं.टा. 5।30 के ग्रह स्पष्टों के अलावा किसी अन्य समय के ग्रह स्पष्ट करने हों तो आप नीचे लिखी सारणी द्वारा समुचित संस्कार करके अभीष्ट समय के ग्रह स्पष्ट कर सकते हैं। आपने 15 अगस्त 2022 शाम 8।45 मि. का सूर्य स्पष्ट ज्ञात करना है। इसके लिए 16 अगस्त प्रात: 5।30 बजे के सूर्य स्पष्ट में से 8।45 घंटे की गति घटायेंगे। 16 अगस्त के सूर्य स्पष्ट (03-28-57-41) में से 15 अगस्त के सूर्य स्पष्ट (03-28-00-03) घटा देने से 24 घंटे की गति पता चलेगी जो कि 57।38 कलादि प्राप्त हुई। सारणी में देखने से हमें 57 कला के सामने 8 घंटे के नीचे 19।00 मिले। इसमें 45 मिनट की गति 1।47 कलादि जमा कर देने से हमें 20।47 कलादि योग प्राप्त हुआ। अब 40 विकला के संस्कार समीपस्थ 40 कला के (8।45 घंटे) संस्कार 14 विकल्प जमा कर देने से हमें 21।01 कलादि 8 घंटे 45 मिनट की गति प्राप्त हुई इसको 16 अगस्त 5।30 के सूर्य स्पष्ट (03-28-57-41) में से घटा देने से शाम 8।45 मि. का सूर्य स्पष्ट 3-28-36-40 राशि अंश आदि प्राप्त हुआ। इस प्रकार किसी भी अन्य समय के ग्रह स्पष्ट निकाले जा सकते हैं।

मार्गी ग्रहों के किसी अन्य समय के स्पष्ट करने के लिए अगले दिन के ग्रह स्पष्ट में से घटाने से प्राप्त होता है। वक्री ग्रह के लिए घटाने के स्थान पर जोड़ने से स्पष्ट होता है।

5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट में किसी दो दिनों के बीच के किसी भी समय का ग्रह स्पष्ट करना बहुत सरल है। इसके लिए आप बिना सारणी को उपयोग में लाए, नीचे दिए गए उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं। मार्गी और वक्री ग्रहों के स्पष्ट करने की क्रिया पृथक-पृथक नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायगी। मान लीजिये 15 अगस्त 2022 को शाम के 8।45 मि. के ग्रह स्पष्ट करने हैं।

मार्गी ग्रहों के लिए-सूर्य-15 अग. के प्रात: 5।30 बजे का सूर्य स्पष्ट 03-28-00-03 है और अगले दिन 16 अगस्त के प्रात: 5।30 बजे का सूर्य स्पष्ट 03-28-57-41 है। मार्गी ग्रहों के लिए अगले दिन के ग्रह स्पष्ट में से पहले दिन के ग्रह स्पष्ट घटाये जाते हैं। यहां 16 तारीख के सूर्य स्पष्ट में से 15 तारीख का सूर्य स्पष्ट घटायें:-

	रा.	अं.	क.	वि.
16 ता. को सूर्य स्पष्ट	03	28	57	41
15 ता. को सूर्य स्पष्ट घटाएं (-)	03	28	00	03
	00	00	57	38

अत: 57' कला, 38" विकला सूर्य की दैनिक गति हुई। 57'-38" के विकला बनाये: 57×60+38=3458 विकला। सूर्य की यह गति 15 तारीख के 5।30 बजे से 16 तारीख के 5।30 बजे तक 24 घंटे (1440 मि.) की है। अब अपने इष्ट समय 8।45 मि. में से 5।30 बजे को घटाया तो समय अंतराल 15 घंटे 15 मिनट (915 मिनट) आया। अब त्रैराशिक से गणना की 1440 मि. में सूर्य की गति 3458 विकला है। 915 मि. में से सूर्य की गति 3458×915÷1440=2197 विकला= 2197÷60 कला=36 कला 37 विकला 36'-37" इसको 15 अगस्त के सूर्य स्पष्ट में जोड़ दें (03-28-00-03)+(36-37)= 3-28-36-40 अत: 15 अगस्त की शाम 8।45 मि. का सूर्य स्पष्ट 3-28-36-40 बना। इसी प्रकार अन्य सभी ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं।

वक्री (शनि) ग्रहों के लिए–15 जुलाई 2022 शाम 8।45 मि. का शनि स्पष्ट ज्ञात करना है। अत: उल्टी क्रिया करनी होगी। अर्थात् 15 जुलाई के शनि स्पष्ट में 16 जुलाई के शनि स्पष्ट घटाने होंगे। 15 जुलाई के शनि स्पष्ट 09-29-49-59 में से 16 जुलाई के शनि स्पष्ट 09-29-46-30 को घटायें=03-29 यह शनि की दैनिक वक्र गति हुई। 3 क. 29 वि.=209 विकला। अत: क्रिया पूर्ववत् 209×915÷1440 =133 वि.=02 क. 13 वि.। 02-13 को 15 जुलाई के शनि स्पष्ट में से घटाया (09-29-49-59)-(02-13)= 09-29-47-46 अत: 15 जुलाई को 8।45 मि. पर वक्री शनि स्पष्ट 09-29-47-46 आया। यदि ग्रह स्पष्ट सूर्योदय कालीन दिये हों तो 5।30 बजे के बजाय सूर्योदय काल लेकर ग्रह स्पष्ट इसी प्रकार किये जा सकते हैं। इस प्रकार अन्य सभी ग्रहों के किसी भी समय के ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं।

(कृपया पाठक इन ◆ को ¼ चौथाई, ■ को ½ आधा और ● ¾ तिहाई)

दैनिक गति 24घं.	गति 30मि. क.वि.	गति 1 घं. क.वि.	गति 2 घं. क.वि.	गति 3 घं. क.वि.	गति 4 घं. क.वि.	गति 5 घं. क.वि.	गति 6 घं. क.वि.	गति 7 घं. क.वि.	गति 8 घं. क.वि.	गति 9 घं. क.वि.	गति 10घं. क.वि.	गति 11घं. क.वि.	गति 12घं. क.वि.
1	0।01 ◆	0।02 ■	0।05	0।07 ■	0।10	0।12 ■	0।15	0।17 ■	0।20	0।22 ■	0।25	0।27 ■	0।30
2	0।02 ■	0।05	0।10	0।15	0।20	0।25	0।30	0।35	0।40	0।45	0।50	0।55	1।00
3	0।03 ●	0।07 ■	0।15	0।22 ■	0।30	0।37 ■	0।45	0।52 ■	1।00	1।07 ■	1।15	1।22 ■	1।30
4	0।05	0।10	0।20	0।30	0।40	0।50	1।00	1।10	1।20	1।30	1।40	1।50	2।00
5	0।06 ◆	0।12 ■	0।25	0।37 ■	0।50	1।02 ■	1।15	1।27 ■	1।40	1।52 ■	2।05	2।17 ■	2।30
6	0।07 ■	0।15	0।30	0।45	1।00	1।15	1।30	1।45	2।00	2।15	2।30	2।45	3।00
7	0।08 ●	0।17 ■	0।35	0।52 ■	1।10	1।27 ■	1।45	2।02 ■	2।20	2।37 ■	2।55	3।12 ■	3।30
8	0।10	0।20	0।40	1।00	1।20	1।40	2।00	2।20	2।40	3।00	3।20	3।40	4।00
9	0।11 ◆	0।22 ■	0।45	1।07 ■	1।30	1।52 ■	2।15	2।37 ■	3।00	3।22 ■	3।45	4।07 ■	4।30
10	0।12 ■	0।25	0।50	1।15	1।40	2।05	2।30	2।55	3।20	3।45	4।10	4।35	5।00
11	0।13 ●	0।27 ■	0।55	1।22 ■	1।50	2।17 ■	2।45	3।12 ■	3।40	4।07 ■	4।35	5।02 ■	5।30
12	0।15	0।30	1।00	1।30	2।00	2।30	3।00	3।30	4।00	4।30	5।00	5।30	6।00
13	0।16 ◆	0।32 ■	1।05	1।37 ■	2।10	2।42 ■	3।15	3।47 ■	4।20	4।52 ■	5।25	5।57 ■	6।30
14	0।17 ■	0।35	1।10	1।45	2।20	2।55	3।30	4।05	4।40	5।15	5।50	6।25	7।00
15	0।18 ●	0।37 ■	1।15	1।52 ■	2।30	3।07 ■	3।45	4।22 ■	5।00	5।37 ■	6।15	6।52 ■	7।30
16	0।20	0।40	1।20	2।00	2।40	3।20	4।00	4।40	5।20	6।00	6।40	7।20	8।00
17	0।21 ◆	0।42 ■	1।25	2।07 ■	2।50	3।32 ■	4।15	4।57 ■	5।40	6।22 ■	7।05	7।47 ■	8।30
18	0।22 ■	0।45	1।30	2।15	3।00	3।45	4।30	5।15	6।00	6।45	7।30	8।15	9।00
19	0।23 ●	0।47 ■	1।35	2।22 ■	3।10	3।57 ■	4।45	5।32 ■	6।20	7।07 ■	7।55	8।42 ■	9।30
20	0।25	0।50	1।40	2।30	3।20	4।10	5।00	5।50	6।40	7।30	8।20	9।10	10।00
21	0।26 ◆	0।52 ■	1।45	2।37 ■	3।30	4।22 ■	5।15	6।07 ■	7।00	7।52 ■	8।45	9।37 ■	10।30
22	0।27 ■	0।55	1।50	2।45	3।40	4।35	5।30	6।25	7।20	8।15	9।10	10।05	11।00
23	0।28 ●	0।57 ■	1।55	2।52 ■	3।50	4।47 ■	5।45	6।42 ■	7।40	8।37 ■	9।35	10।32 ■	11।30
24	0।30	1।00	2।00	3।00	4।00	5।00	6।00	7।00	8।00	9।00	10।00	11।00	12।00
25	0।31 ◆	1।02 ■	2।05	3।07 ■	4।10	5।12 ■	6।15	7।17 ■	8।20	9।22 ■	10।25	11।27 ■	12।30
26	0।32 ■	1।05	2।10	3।15	4।20	5।25	6।30	7।35	8।40	9।45	10।50	11।55	13।00
27	0।33 ●	1।07 ■	2।15	3।22 ■	4।30	5।37 ■	6।45	7।52 ■	9।00	10।07 ■	11।15	12।22 ■	13।30
28	0।35	1।10	2।20	3।30	4।40	5।50	7।00	8।10	9।20	10।30	11।40	12।50	14।00
29	0।36	1।12 ■	2।25	3।37 ■	4।50	6।02 ■	7।15	8।27 ■	9।40	10।52 ■	12।05	13।17 ■	14।30
30	0।37	1।15	2।30	3।45	5।00	6।15	7।30	8।45	10।00	11।15	12।30	13।45	15।00

दैनिक गति 24घं.	गति 30मि. क.वि.	गति 1 घं. क.वि.	गति 2 घं. क.वि.	गति 3 घं. क.वि.	गति 4 घं. क.वि.	गति 5 घं. क.वि.	गति 6 घं. क.वि.	गति 7 घं. क.वि.	गति 8 घं. क.वि.	गति 9 घं. क.वि.	गति 10घं. क.वि.	गति 11घं. क.वि.	गति 12घं. क.वि.
31	0।38 ●	1।17 ■	2।35	3।52 ■	5।10	6।27 ■	7।45	9।02 ■	10।20	11।37 ■	12।55	14।12 ■	15।30
32	0।40	1।20	2।40	4।00	5।20	6।40	8।00	9।20	10।40	12।00	13।20	14।40	16।00
33	0।41 ◆	1।22 ■	2।45	4।07 ■	5।30	6।52 ■	8।15	9।37 ■	11।00	12।22 ■	13।45	15।07 ■	16।30
34	0।42 ■	1।25	2।50	4।15	5।40	7।05	8।30	9।55	11।20	12।45	14।10	15।35	17।00
35	0।43 ●	1।27 ■	2।55	4।22 ■	5।50	7।17 ■	8।45	10।12 ■	11।40	13।07 ■	14।35	16।02 ■	17।30
36	0।45	1।30	3।00	4।30	6।00	7।30	9।00	10।30	12।00	13।30	15।00	16।30	18।00
37	0।46 ◆	1।32 ■	3।05	4।37 ■	6।10	7।42 ■	9।15	10।47 ■	12।20	13।52 ■	15।25	16।57 ■	18।30
38	0।47 ■	1।35	3।10	4।45	6।20	7।55	9।30	11।05	12।40	14।15	15।50	17।25	19।00
39	0।48 ●	1।37 ■	3।15	4।52 ■	6।30	8।07 ■	9।45	11।22 ■	13।00	14।37 ■	16।15	17।52 ■	19।30
40	0।50	1।40	3।20	5।00	6।40	8।20	10।00	11।40	13।20	15।00	16।40	18।20	20।00
41	0।51 ◆	1।42 ■	3।25	5।07 ■	6।50	8।32 ■	10।15	11।57 ■	13।40	15।22 ■	17।05	18।47 ■	20।30
42	0।52 ■	1।45	3।30	5।15	7।00	8।45	10।30	12।15	14।00	15।45	17।30	19।15	21।00
43	0।53 ●	1।47 ■	3।35	5।22 ■	7।10	8।57 ■	10।45	12।32 ■	14।20	16।07 ■	17।55	19।42 ■	21।30
44	0।55	1।50	3।40	5।30	7।20	9।10	11।00	12।50	14।40	16।30	18।20	20।10	22।00
45	0।56 ◆	1।52 ■	3।45	5।37 ■	7।30	9।22 ■	11।15	13।07 ■	15।00	16।52 ■	18।45	20।37 ■	22।30
46	0।57 ■	1।55	3।50	5।45	7।40	9।35	11।30	13।25	15।20	17।15	19।10	21।05	23।00
47	0।58 ●	1।57 ■	3।55	5।52 ■	7।50	9।47 ■	11।45	13।42 ■	15।40	17।37 ■	19।35	21।32 ■	23।30
48	1।00	2।00	4।00	6।00	8।00	10।00	12।00	14।00	16।00	18।00	20।00	22।00	24।00
49	1।01 ◆	2।02 ■	4।05	6।07 ■	8।10	10।12 ■	12।15	14।17 ■	16।20	18।22 ■	20।25	22।27 ■	24।30
50	1।02 ■	2।05	4।10	6।15	8।20	10।25	12।30	14।35	16।40	18।45	20।50	22।55	25।00
51	1।03 ●	2।07 ■	4।15	6।22 ■	8।30	10।37 ■	12।45	14।52 ■	17।00	19।07 ■	21।15	23।22 ■	25।30
52	1।05	2।10	4।20	6।30	8।40	10।50	13।00	15।10	17।20	19।30	21।40	23।50	26।00
53	1।06 ◆	2।12 ■	4।25	6।37 ■	8।50	11।02 ■	13।15	15।27 ■	17।40	19।52 ■	22।05	24।17 ■	26।30
54	1।07 ■	2।15	4।30	6।45	9।00	11।15	13।30	15।45	18।00	20।15	22।30	24।45	27।00
55	1।08 ●	2।17 ■	4।35	6।52 ■	9।10	11।27 ■	13।45	16।02 ■	18।20	20।37 ■	22।55	25।12 ■	27।30
56	1।10	2।20	4।40	7।00	9।20	11।40	14।00	16।20	18।40	21।00	23।20	25।40	28।00
57	1।11 ◆	2।22 ■	4।45	7।07 ■	9।30	11।52 ■	14।15	16।37 ■	19।00	21।22 ■	23।45	26।07 ■	28।30
58	1।12 ■	2।25	4।50	7।15	9।40	12।05	14।30	16।55	19।20	21।45	24।10	26।35	29।00
59	1।13 ●	2।27 ■	4।55	7।22 ■	9।50	12।17 ■	14।45	17।12 ■	19।40	22।07 ■	24।35	27।02 ■	29।30
60	1।15	2।30	5।00	7।30	10।00	12।30	15।00	17।30	20।00	22।30	25।00	27।30	30।00

दैनिक ग्रह स्पष्ट सं. 2079 वि.

इस पंचांग में नीचे यहां सभी ग्रहों के राशि, अंश, कला, विकला, सूक्ष्म गणितागत दिये गये हैं। प्रत्येक तारीख के सामने उस दिन के प्रातः 5।30 बजे के भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम की ग्रह स्थिति विकला पर्यन्त अंकित हैं। यह ग्रह स्थिति समस्त भूमण्डल पर सभी स्थानों के लिए स्वीकार्य है। केवल अन्य देशों के लिए उचित समय का संस्कार कर लें। जैसे-जापान के स्टै. टा. का भारतीय स्टै. टा. से अन्तर +3 घं. 30 मि. है। अतः ये स्पष्ट ग्रह जापान के स्टै. टा. के अनुसार प्रातः 9 घं. 00 मि. के हैं। किसी भी समय के तात्कालिक ग्रह स्पष्ट जानने के लिए समय के अंतर के घटी-पल बनाकर उस दिन की दैनिक ग्रह गति के साथ त्रैराशिक विधि से गुणा करने पर प्राप्त लब्धि को मार्गी ग्रह में जोड़ने से एवं वक्री ग्रह में घटाने से उस दिन के अभीष्ट समय की ग्रह स्थिति प्राप्त होगी। ग्रहों की दैनिक गति जानने के लिए अभीष्ट दिन के ग्रहों को अगले दिन के स्पष्ट ग्रहों में से घटाने से जो शेष रहे, वह गति होगी।

मार्च सन् 2023 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।40''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
मार्च	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	मार्च
1	10 15 56 57	02 04 28 03	01 24 56 01	10 02 31 43	11 17 41 31	11 16 27 30	10 05 01 24	00 11 37 48	00 21 22 13	11 00 22 39	09 05 18 57	1
2	10 16 57 11	02 16 24 12	01 25 20 02	10 04 12 19	11 17 54 58	11 17 40 51	10 05 08 34	00 11 34 24	00 21 24 06	11 00 24 53	09 05 20 31	2
3	10 17 57 22	02 28 15 57	01 25 44 20	10 05 53 58	11 18 08 28	11 18 54 08	10 05 15 43	00 11 28 45	00 21 26 01	11 00 27 06	09 05 22 04	3
4	10 18 57 32	03 10 07 02	01 26 08 53	10 07 36 39	11 18 22 01	11 20 07 22	10 05 22 51	00 11 21 06	00 21 27 58	11 00 29 20	09 05 23 36	4
5	10 19 57 40	03 22 00 28	01 26 33 41	10 09 20 23	11 18 35 38	11 21 20 33	10 05 29 57	00 11 12 08	00 21 29 58	11 00 31 35	09 05 25 06	5
6	10 20 57 46	04 03 58 31	01 26 58 45	10 11 05 12	11 18 49 17	11 22 33 39	10 05 37 03	00 11 02 44	00 21 32 01	11 00 33 50	09 05 26 36	6
7	10 21 57 50	04 16 02 48	01 27 24 02	10 12 51 06	11 19 02 58	11 23 46 42	10 05 44 08	00 10 53 56	00 21 34 06	11 00 36 05	09 05 28 04	7
8	10 22 57 52	04 28 14 34	01 27 49 34	10 14 38 06	11 19 16 43	11 24 59 40	10 05 51 11	00 10 46 35	00 21 36 14	11 00 38 20	09 05 29 31	8
9	10 23 57 52	05 10 34 48	01 28 15 20	10 16 26 13	11 19 30 30	11 26 12 35	10 05 58 13	00 10 41 18	00 21 38 24	11 00 40 36	09 05 30 57	9
10	10 24 57 50	05 23 04 28	01 28 41 19	10 18 15 26	11 19 44 19	11 27 25 26	10 06 05 14	00 10 38 17	00 21 40 37	11 00 42 52	09 05 32 22	10
11	10 25 57 47	06 05 44 47	01 29 07 31	10 20 05 46	11 19 58 11	11 28 38 13	10 06 12 14	00 10 37 19	00 21 42 51	11 00 45 08	09 05 33 45	11
12	10 26 57 42	06 18 37 18	01 29 33 56	10 21 57 14	11 20 12 06	11 29 50 56	10 06 19 11	00 10 37 48	00 21 45 08	11 00 47 24	09 05 35 07	12
13	10 27 57 35	07 01 43 54	02 00 00 34	10 23 49 49	11 20 26 02	00 01 03 35	10 06 26 08	00 10 38 57	00 21 47 28	11 00 49 40	09 05 36 28	13
14	10 28 57 27	07 15 06 33	02 00 27 24	10 25 43 30	11 [illegible] 40 01	00 02 16 10	10 06 33 02	00 10 39 51	00 21 49 50	11 00 51 57	09 05 37 47	14
15	10 29 57 17	07 28 47 04	02 00 54 26	10 27 38 15	11 20 54 02	00 03 28 41	10 06 39 56	00 10 39 41	00 21 52 14	11 00 54 13	09 05 39 05	15
16	11 00 57 05	08 12 46 28	02 01 21 40	10 29 34 04	11 21 08 06	00 04 41 07	10 06 46 47	00 10 37 56	00 21 54 40	11 00 56 30	09 05 40 22	16
17	11 01 56 52	08 27 04 21	02 01 49 06	11 01 30 53	11 21 22 11	00 05 53 30	10 06 53 37	00 10 34 24	00 21 57 08	11 00 58 47	09 05 41 38	17
18	11 02 56 37	09 11 38 22	02 02 16 43	11 03 28 38	11 21 36 18	00 07 05 48	10 07 00 24	00 10 29 16	00 21 59 39	11 01 01 03	09 05 42 52	18
19	11 03 56 20	09 26 23 51	02 02 44 32	11 05 27 16	11 21 50 27	00 08 18 02	10 07 07 10	00 10 23 03	00 22 02 12	11 01 03 20	09 05 44 04	19
20	11 04 56 02	10 11 14 08	02 03 12 31	11 07 26 40	11 22 04 38	00 09 30 11	10 07 13 54	00 10 16 26	00 22 04 46	11 01 05 36	09 05 45 15	20
21	11 05 55 41	10 26 01 13	02 03 40 42	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अप्रैल सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।09'।49''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
अप्रै.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अप्रै.
1	11 17 04 49	11 13 48 58	09 25 09 45	11 15 01 52	10 27 08 26	10 00 54 37	09 27 51 32	00 28 56 36	00 18 44 52	10 29 24 26	09 04 14 06	1
2	11 18 04 04	11 26 50 43	09 25 55 02	11 17 03 06	10 27 22 29	10 01 57 54	09 27 57 00	00 28 50 19	00 18 47 57	10 29 26 37	09 04 14 54	2
3	11 19 03 16	00 09 35 13	09 26 40 19	11 19 05 17	10 27 36 31	10 03 01 25	09 28 02 25	00 28 45 52	00 18 51 03	10 29 28 48	09 04 15 41	3
4	11 20 02 26	00 22 03 03	09 27 25 38	11 21 08 21	10 27 50 30	10 04 05 11	09 28 07 46	00 28 43 27	00 18 54 10	10 29 30 58	09 04 16 26	4
5	11 21 01 35	01 04 16 03	09 28 10 56	11 23 12 07	10 28 04 27	10 05 09 11	09 28 13 03	00 28 42 53	00 18 57 18	10 29 33 07	09 04 17 10	5
6	11 22 00 41	01 16 17 12	09 28 56 15	11 25 16 28	10 28 18 21	10 06 13 24	09 28 18 16	00 28 43 42	00 19 00 28	10 29 35 16	09 04 17 51	6
7	11 22 59 44	01 28 10 21	09 29 41 34	11 27 21 10	10 28 32 13	10 07 17 50	09 28 23 26	00 28 45 09	00 19 03 39	10 29 37 24	09 04 18 31	7
8	11 23 58 45	02 09 59 59	10 00 26 54	11 29 26 02	10 28 46 03	10 08 22 29	09 28 28 31	00 28 46 28	00 19 06 51	10 29 39 31	09 04 19 10	8
9	11 24 57 45	02 21 51 00	10 01 12 14	00 01 30 47	10 28 59 50	10 09 27 19	09 28 33 32	00 28 46 55	00 19 10 04	10 29 41 38	09 04 19 47	9
10	11 25 56 41	03 03 48 27	10 01 57 34	00 03 35 09	10 29 13 34	10 10 32 22	09 28 38 30	00 28 46 01	00 19 13 18	10 29 43 44	09 04 20 22	10
11	11 26 55 36	03 15 57 14	10 02 42 55	00 05 38 51	10 29 27 16	10 11 37 36	09 28 43 23	00 28 43 35	00 19 16 33	10 29 45 48	09 04 20 55	11
12	11 27 54 28	03 28 21 46	10 03 28 15	00 07 41 31	10 29 40 54	10 12 43 01	09 28 48 12	00 28 39 46	00 19 19 49	10 29 47 53	09 04 21 26	12
13	11 28 53 18	04 11 05 37	10 04 13 36	00 09 42 51	10 29 54 30	10 13 48 38	09 28 52 57	00 28 35 00	00 19 23 07	10 29 49 56	09 04 21 56	13
14	11 29 52 05	04 24 11 03	10 04 58 57	00 11 42 28	11 00 08 03	10 14 54 24	09 28 57 37	00 28 29 52	00 19 26 25	10 29 51 58	09 04 22 24	14
15	00 00 50 51	05 07 38 49	10 05 44 19	00 13 40 03	11 00 21 33	10 16 00 21	09 29 02 13	00 28 25 03	00 19 29 43	10 29 53 59	09 04 22 51	15
16	00 01 49 34	05 21 27 47	10 06 29 40	00 15 35 14	11 00 35 00	10 17 06 29	09 29 06 45	00 28 21 08	00 19 33 03	10 29 56 00	09 04 23 16	16
17	00 02 48 16	06 05 35 03	10 07 15 02	00 17 27 43	11 00 48 24	10 18 12 46	09 29 11 12	00 28 18 32	00 19 36 24	10 29 57 59	09 04 23 39	17
18	00 03 46 56	06 19 56 12	10 08 00 24	00 19 17 09	11 01 01 44	10 19 19 13	09 29 15 35	00 28 17 22	00 19 39 45	10 29 59 58	09 04 24 00	18
19	00 04 45 33	07 04 25 51	10 08 45 46	00 21 03 17	11 01 15 01	10 20 25 49	09 29 19 54	00 28 17 32	00 19 43 07	11 00 01 55	09 04 24 19	19
20	00 05 44 09	07 18 58 25	10 09 31 08	00 22 45 49	11 01 28 15	10 21 32 35	09 29 24 08	00 28 18 40	00 19 46 30	11 00 03 51	09 04 24 37	20
21	00 06 42 44	08 03 28 44	10 10 16 31	00 24 24 32	11 01 41 26	10 22 39 29	09 29 28 17	00 28 20 16	00 19 49 53	11 00 05 47	09 04 24 53	21
22	00 07 41 16	08 17 52 33	10 11 01 53	00 25 59 14	11 01 54 33	10 23 46 32	09 29 32 21	00 28 21 49	00 19 53 17	11 00 07 41	09 04 25 08	22
23	00 08 39 47	09 02 06 46	10 11 47 15	00 27 29 42	11 02 07 36	10 24 53 43	09 29 36 21	00 28 22 49	00 19 56 41	11 00 09 34	09 04 25 20	23
24	00 09 38 16	09 16 09 16	10 12 32 37	00 28 55 48	11 02 20 36	10 26 01 03	09 29 40 16	00 28 22 58	00 20 00 06	11 00 11 26	09 04 25 31	24
25	00 10 36 44	09 29 58 46	10 13 17 59	01 00 17 23	11 02 33 32	10 27 08 30	09 29 44 07	00 28 22 11	00 20 03 32	11 00 13 17	09 04 25 40	25
26	00 11 35 10	10 13 34 37	10 14 03 21	01 01 34 20	11 02 46 24	10 28 16 05	09 29 47 52	00 28 20 33	00 20 06 58	11 00 15 07	09 04 25 47	26
27	00 12 33 35	10 26 56 32	10 14 48 42	01 02 46 32	11 02 59 12	10 29 23 46	09 29 51 32	00 28 18 21	00 20 10 24	11 00 16 55	09 04 25 53	27
28	00 13 31 58	11 10 04 27	10 15 34 03	01 03 53 53	11 03 11 57	11 00 31 35	09 29 55 08	00 28 15 58	00 20 13 51	11 00 18 42	09 04 25 57	28
29	00 14 30 19	11 22 58 29	10 16 19 23	01 04 56 18	11 03 24 37	11 01 39 31	09 29 58 38	00 28 13 47	00 20 17 18	11 00 20 28	09 04 25 59	29
30	00 15 28 39	00 05 38 58	10 17 04 42	0[illegible] 05 53 12	11 03 37 13	11 02 47 33	10 00 02 03	00 28 12 07	00 20 20 45	11 00 22 13	09 04 26 00	30

मई सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°109'152''

ता. मई	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	राहु रा. अं. क. वि.	यूरेनस रा. अं. क. वि.	नेपच्यून रा. अं. क. वि.	प्लूटो (वक्री) रा. अं. क. वि.	ता. मई
1	00 16 26 57	00 18 06 29	10 17 50 00	01 06 46 01	11 03 49 44	11 03 55 41	10 00 05 24	00 28 11 11	00 20 24 12	11 00 23 56	09 04 25 58	1
2	00 17 25 13	01 00 22 04	10 18 35 18	01 07 33 11	11 04 02 12	11 05 03 56	10 00 08 39	00 28 11 01	00 20 27 40	11 00 25 39	09 04 25 55	2
3	00 18 23 27	01 12 27 16	10 19 20 35	01 08 15 09	11 04 14 34	11 06 12 16	10 00 11 48	00 28 11 30	00 20 31 08	11 00 27 19	09 04 25 51	3
4	00 19 21 40	01 24 24 17	10 20 05 51	01 08 51 52	11 04 26 52	11 07 20 42	10 00 14 53	00 28 12 26	00 20 34 36	11 00 28 58	09 04 25 44	4
5	00 20 19 50	02 06 15 51	10 20 51 06	01 09 23 16	11 04 39 06	11 08 29 13	10 00 17 52	00 28 13 31	00 20 38 04	11 00 30 36	09 04 25 36	5
6	00 21 17 59	02 18 05 17	10 21 36 19	01 09 49 22	11 04 51 15	11 09 37 50	10 00 20 46	00 28 14 31	00 20 41 32	11 00 32 13	09 04 25 26	6
7	00 22 16 05	02 29 56 24	10 22 21 32	01 10 10 09	11 05 03 18	11 10 46 32	10 00 23 34	00 28 15 15	00 20 44 59	11 00 33 48	09 04 25 14	7
8	00 23 14 10	03 11 53 27	10 23 06 43	01 10 25 38	11 05 15 17	11 11 55 19	10 00 26 17	00 28 15 37	00 20 48 27	11 00 35 21	09 04 25 01	8
9	00 24 12 13	03 24 00 59	10 23 51 53	01 10 35 51	11 05 27 11	11 13 04 11	10 00 28 55	00 28 15 39	00 20 51 55	11 00 36 53	09 04 24 46	9
10	00 25 10 14	04 06 23 30	10 24 37 02	व01 10 40 52	11 05 39 00	11 14 13 08	10 00 31 27	00 28 15 27	00 20 55 23	11 00 38 24	09 04 24 30	10
11	00 26 08 13	04 19 05 14	10 25 22 10	01 10 40 50	11 05 50 44	11 15 22 09	10 00 33 54	00 28 15 09	00 20 58 50	11 00 39 53	09 04 24 11	11
12	00 27 06 10	05 02 09 36	10 26 07 16	01 10 35 52	11 06 02 22	11 16 31 15	10 00 36 15	00 28 14 55	00 21 02 17	11 00 41 21	09 04 23 51	12
13	00 28 04 06	05 15 38 50	10 26 52 21	01 10 26 11	11 06 13 55	11 17 40 26	10 00 38 30	00 28 14 50	00 21 05 44	11 00 42 46	09 04 23 30	13
14	00 29 01 59	05 29 33 26	10 27 37 25	01 10 12 03	11 06 25 23	11 18 49 41	10 00 40 40	00 28 14 57	00 21 09 10	11 00 44 11	09 04 23 07	14
15	00 29 59 51	06 13 51 45	10 28 22 27	01 09 53 46	11 06 36 45	11 19 59 01	10 00 42 45	00 28 15 13	00 21 12 36	11 00 45 34	09 04 22 42	15
16	01 00 57 42	06 28 29 48	10 29 07 28	01 09 31 42	11 06 48 02	11 21 08 25	10 00 44 44	00 28 15 31	00 21 16 02	11 00 46 55	09 04 22 16	16
17	01 01 55 31	07 13 21 24	10 29 52 27	01 09 06 15	11 06 59 13	11 22 17 54	10 00 46 37	00 28 15 44	00 21 19 28	11 00 48 14	09 04 21 48	17
18	01 02 53 19	07 28 18 51	11 00 37 25	01 08 37 54	11 07 10 18	11 23 27 27	10 00 48 24	00 28 15 46	00 21 22 52	11 00 49 32	09 04 21 18	18
19	01 03 51 05	08 13 14 02	11 01 22 21	01 08 07 10	11 07 21 18	11 24 37 05	10 00 50 06	00 28 15 33	00 21 26 17	11 00 50 49	09 04 20 47	19
20	01 04 48 50	08 27 59 26	11 02 07 16	01 07 34 35	11 07 32 12	11 25 46 46	10 00 51 42	00 28 15 08	00 21 29 41	11 00 52 03	09 04 20 14	20
21	01 05 46 34	09 12 29 12	11 02 52 09	01 07 00 45	11 07 42 59	11 26 56 32	10 00 53 13	00 28 14 38	00 21 33 04	11 00 53 16	09 04 19 40	21
22	01 06 44 17	09 26 39 30	11 03 37 01	01 06 26 16	11 07 53 41	11 28 06 22	10 00 54 37	00 28 14 12	00 21 36 27	11 00 54 27	09 04 19 04	22
23	01 07 41 59	10 10 28 37	11 04 21 50	01 05 51 43	11 08 04 17	11 29 16 15	10 00 55 56	00 28 14 01	00 21 39 49	11 00 55 37	09 04 18 27	23
24	01 08 39 40	10 23 56 36	11 05 06 38	01 05 17 43	11 08 14 46	00 00 26 13	10 00 57 09	00 28 14 13	00 21 43 10	11 00 56 45	09 04 17 49	24
25	01 09 37 20	11 07 04 46	11 05 51 23	01 04 44 51	11 08 25 09	00 01 36 14	10 00 58 16	00 28 14 53	00 21 46 31	11 00 57 51	09 04 17 08	25
26	01 10 34 59	11 19 55 14	11 06 36 07	01 04 13 40	11 08 35 25	00 02 46 19	10 00 59 17	00 28 15 56	00 21 49 51	11 00 58 55	09 04 16 27	26
27	01 11 32 37	00 02 30 24	11 07 20 48	01 03 44 41	11 08 45 35	00 03 56 27	10 01 00 13	00 28 17 11	00 21 53 10	11 00 59 58	09 04 15 43	27
28	01 12 30 14	00 14 52 43	11 08 05 26	01 03 18 21	11 08 55 38	00 05 06 39	10 01 01 02	00 28 18 22	00 21 56 28	11 01 00 58	09 04 14 59	28
29	01 13 27 50	00 27 04 25	11 08 50 02	01 02 55 05	11 09 05 34	00 06 16 53	10 01 01 46	00 28 19 11	00 21 59 45	11 01 01 57	09 04 14 13	29
30	01 14 25 24	01 09 07 37	11 09 34 36	01 02 35 15	11 09 15 23	00 07 27 11	10 01 02 24	00 28 19 22	00 22 03 02	11 01 02 55	09 04 13 26	30
31	01 15 22 58	01 21 04 20	11 10 19 06	01 02 19 09	11 09 25 06	00 08 37 32	10 01 02 55	00 28 18 42	00 22 06 17	11 01 03 50	09 04 12 37	31

जून सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।09'।57''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध (वक्री)	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो (वक्री)	ता.
जून	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	जून
1	01 16 20 31	02 02 56 32	11 11 03 34	01 02 07 00	11 09 34 41	00 09 47 56	10 01 03 21	00 28 17 12	00 22 09 32	11 01 04 43	09 04 11 47	1
2	01 17 18 02	02 14 46 20	11 11 47 59	01 01 59 01	11 09 44 09	00 10 58 23	10 01 03 41	00 28 14 58	00 22 12 45	11 01 05 35	09 04 10 55	2
3	01 18 15 33	02 26 36 05	11 12 32 21	मा01 01 55 21	11 09 53 29	00 12 08 53	10 01 03 55	00 28 12 20	00 22 15 57	11 01 06 25	09 04 10 02	3
4	01 19 13 02	03 08 28 25	11 13 16 40	01 01 56 04	11 10 02 42	00 13 19 25	10 01 04 03	00 28 09 43	00 22 19 08	11 01 07 12	09 04 09 08	4
5	01 20 10 30	03 20 26 27	11 14 00 56	01 02 01 16	11 10 11 48	00 14 30 00	वा10 01 04 05	00 28 07 31	00 22 22 18	11 01 07 58	09 04 08 13	5
6	01 21 07 57	04 02 33 45	11 14 45 08	01 02 10 57	11 10 20 46	00 15 40 38	10 01 04 01	00 28 06 07	00 22 25 27	11 01 08 43	09 04 07 16	6
7	01 22 05 22	04 14 54 17	11 15 29 18	01 02 25 07	11 10 29 36	00 16 51 18	10 01 03 51	00 28 05 44	00 22 28 35	11 01 09 25	09 04 06 18	7
8	01 23 02 47	04 27 32 07	11 16 13 24	01 02 43 45	11 10 38 19	00 18 02 01	10 01 03 36	00 28 06 22	00 22 31 41	11 01 10 05	09 04 05 19	8
9	01 24 00 10	05 10 31 10	11 16 57 26	01 03 06 48	11 10 46 53	00 19 12 47	10 01 03 14	00 28 07 46	00 22 34 46	11 01 10 43	09 04 04 19	9
10	01 24 57 32	05 23 54 42	11 17 41 26	01 03 34 13	11 10 55 20	00 20 23 35	10 01 02 47	00 28 09 30	00 22 37 49	11 01 11 20	09 04 03 17	10
11	01 25 54 53	06 07 44 50	11 18 25 22	01 04 05 55	11 11 03 38	00 21 34 25	10 01 02 14	00 28 11 03	00 22 40 51	11 01 11 54	09 04 02 14	11
12	01 26 52 13	06 22 01 47	11 19 09 14	01 04 41 50	11 11 11 48	00 22 45 19	10 01 01 35	00 28 11 48	00 22 43 52	11 01 12 27	09 04 01 11	12
13	01 27 49 32	07 06 43 13	11 19 53 03	01 05 21 52	11 11 19 51	00 23 56 15	10 01 00 51	00 28 11 19	00 22 46 51	11 01 12 57	09 04 00 06	13
14	01 28 46 51	07 21 43 51	11 20 36 48	01 06 05 58	11 11 27 44	00 25 07 13	10 01 00 00	00 28 09 19	00 22 49 49	11 01 13 26	09 03 59 00	14
15	01 29 44 08	08 06 55 37	11 21 20 30	01 06 54 03	11 11 35 30	00 26 18 15	10 00 59 04	00 28 05 50	00 22 52 46	11 01 13 53	09 03 57 53	15
16	02 00 41 26	08 22 08 43	11 22 04 09	01 07 46 01	11 11 43 07	00 27 29 19	10 00 58 02	00 28 01 08	00 22 55 40	11 01 14 18	09 03 56 45	16
17	02 01 38 42	09 07 13 05	11 22 47 43	01 08 41 49	11 11 50 35	00 28 40 26	10 00 56 55	00 27 55 47	00 22 58 34	11 01 14 41	09 03 55 36	17
18	02 02 35 58	09 21 59 58	11 23 31 14	01 09 41 22	11 11 57 55	00 29 51 35	10 00 55 42	00 27 50 27	00 23 01 25	11 01 15 02	09 03 54 26	18
19	02 03 33 14	10 06 23 10	11 24 14 41	01 10 44 36	11 12 05 06	01 01 02 48	10 00 54 23	00 27 45 50	00 23 04 15	11 01 15 21	09 03 53 15	19
20	02 04 30 30	10 20 19 34	11 24 58 04	01 11 51 29	11 12 12 08	01 02 14 03	10 00 52 59	00 27 42 28	00 23 07 03	11 01 15 38	09 03 52 03	20
21	02 05 27 45	11 03 48 53	11 25 41 23	01 13 01 55	11 12 19 00	01 03 25 20	10 00 51 29	00 27 40 41	00 23 09 50	11 01 15 53	09 03 50 51	21
22	02 06 25 00	11 16 53 04	11 26 24 37	01 14 15 54	11 12 25 44	01 04 36 40	10 00 49 54	00 27 40 28	00 23 12 35	11 01 16 06	09 03 49 37	22
23	02 07 22 15	11 29 35 27	11 27 07 47	01 15 33 21	11 12 32 18	01 05 48 03	10 00 48 13	00 27 41 27	00 23 15 18	11 01 16 17	09 03 48 23	23
24	02 08 19 30	00 12 00 03	11 27 50 53	01 16 54 15	11 12 38 44	01 06 59 29	10 00 46 26	00 27 43 00	00 23 17 59	11 01 16 27	09 03 47 07	24
25	02 09 16 45	00 24 10 57	11 28 33 54	01 18 18 33	11 12 44 59	01 08 10 57	10 00 44 34	00 27 44 18	00 23 20 38	11 01 16 34	09 03 45 51	25
26	02 10 14 00	01 06 11 57	11 29 16 50	01 19 46 13	11 12 51 05	01 09 22 27	10 00 42 37	00 27 44 34	00 23 23 16	11 01 16 39	09 03 44 34	26
27	02 11 11 14	01 18 06 24	11 29 59 41	01 21 17 13	11 12 57 01	01 10 34 00	10 00 40 35	00 27 43 08	00 23 25 51	11 01 16 43	09 03 43 17	27
28	02 12 08 29	01 29 57 09	00 00 42 26	01 22 51 30	11 13 02 48	01 11 45 35	10 00 [illegible]8 27	00 27 39 38	00 23 28 25	वा11 01 16 44	09 03 41 58	28
29	02 13 05 43	02 11 46 33	00 01 25 07	01 24 29 02	11 13 08 24	01 12 57 12	10 00 36 14	00 27 34 04	00 23 30 57	11 01 16 44	09 03 40 39	29
30	02 14 02 57	02 23 36 35	00 02 07 43	01 26 09 46	11 13 13 51	01 14 08 52	10 00 3[illegible] 56	00 27 26 52	00 23 33 26	11 01 16 41	09 03 39 20	30

जुलाई सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°110'103''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
जुला.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	जुला.
1	02 15 00 11	03 05 29 02	00 02 50 12	01 27 53 36	11 13 19 07	01 15 20 34	10 00 31 33	00 27 18 44	00 23 35 54	11 01 16 36	09 03 37 59	1
2	02 15 57 25	03 17 25 38	00 03 32 37	01 29 40 30	11 13 24 13	01 16 32 18	10 00 29 05	00 27 10 34	00 23 38 19	11 01 16 30	09 03 36 39	2
3	02 16 54 38	03 29 28 21	00 04 14 56	02 01 30 21	11 13 29 09	01 17 44 04	10 00 26 31	00 27 03 18	00 23 40 43	11 01 16 22	09 03 35 17	3
4	02 17 51 51	04 11 39 32	00 04 57 09	02 03 23 01	11 13 33 55	01 18 55 52	10 00 23 54	00 26 57 39	00 23 43 04	11 01 16 11	09 03 33 55	4
5	02 18 49 04	04 24 02 01	00 05 39 16	02 05 18 22	11 13 38 30	01 20 07 43	10 00 21 11	00 26 54 04	00 23 45 23	11 01 15 59	09 03 32 33	5
6	02 19 46 16	05 06 39 05	00 06 21 17	02 07 16 15	11 13 42 54	01 21 19 36	10 00 18 23	00 26 52 32	00 23 47 39	11 01 15 45	09 03 31 10	6
7	02 20 43 28	05 19 34 15	00 07 03 12	02 09 16 26	11 13 47 08	01 22 31 30	10 00 15 31	00 26 52 37	00 23 49 54	11 01 15 29	09 03 29 47	7
8	02 21 40 40	06 02 50 57	00 07 45 01	02 11 18 44	11 13 51 11	01 23 43 27	10 00 12 35	00 26 53 33	00 23 52 06	11 01 15 11	09 03 28 23	8
9	02 22 37 52	06 16 32 06	00 08 26 44	02 13 22 52	11 13 55 04	01 24 55 26	10 00 09 34	00 26 54 20	00 23 54 16	11 01 14 51	09 03 26 59	9
10	02 23 35 04	07 00 39 24	00 09 08 20	02 15 28 36	11 13 58 46	01 26 07 28	10 00 06 28	00 26 53 57	00 23 56 24	11 01 14 29	09 03 25 34	10
11	02 24 32 15	07 15 12 19	00 09 49 51	02 17 35 37	11 14 02 16	01 27 19 31	10 00 03 19	00 26 51 35	00 23 58 29	11 01 14 05	09 03 24 09	11
12	02 25 29 27	08 00 07 27	00 10 31 15	02 19 43 37	11 14 05 36	01 28 31 37	10 00 00 05	00 26 46 46	00 24 00 32	11 01 13 40	09 03 22 44	12
13	02 26 26 38	08 15 18 05	00 11 12 33	02 21 52 20	11 14 08 45	01 29 43 46	09 29 56 47	00 26 39 28	00 24 02 33	11 01 13 13	09 03 21 19	13
14	02 27 23 50	09 00 34 45	00 11 53 44	02 24 01 26	11 14 11 43	02 00 55 56	09 29 53 25	00 26 30 10	00 24 04 31	11 01 12 44	09 03 19 53	14
15	02 28 21 02	09 15 46 37	00 12 34 49	02 26 10 39	11 14 14 30	02 02 08 09	09 29 49 59	00 26 19 41	00 24 06 26	11 01 12 13	09 03 18 28	15
16	02 29 18 15	10 00 43 16	00 13 15 47	02 28 19 41	11 14 17 06	02 03 20 25	09 29 46 30	00 26 09 05	00 24 08 20	11 01 11 40	09 03 17 02	16
17	03 00 15 27	10 15 16 30	00 13 56 39	03 00 28 19	11 14 19 30	02 04 32 43	09 29 42 56	00 25 59 27	00 24 10 11	11 01 11 05	09 03 15 36	17
18	03 01 12 41	10 29 21 23	00 14 37 23	03 02 36 17	11 14 21 43	02 05 45 04	09 29 39 19	00 25 51 43	00 24 11 59	11 01 10 29	09 03 14 10	18
19	03 02 09 55	11 12 56 26	00 15 18 01	03 04 43 24	11 14 23 45	02 06 57 27	09 29 35 39	00 25 46 22	00 24 13 45	11 01 09 51	09 03 12 44	19
20	03 03 07 10	11 26 03 09	00 15 58 31	03 06 49 28	11 14 25 35	02 08 09·52	09 29 31 55	00 25 43 28	00 24 15 28	11 01 09 11	09 03 11 17	20
21	03 04 04 25	00 08 45 02	00 16 38 53	03 08 54 22	11 14 27 13	02 09 22 20	09 29 28 07	00 25 42 34	00 24 17 09	11 01 08 29	09 03 09 51	21
22	03 05 01 42	00 21 06 45	00 17 19 08	03 10 57 56	11 14 28 40	02 10 34 51	09 29 24 17	00 25 42 48	00 24 18 47	11 01 07 45	09 03 08 25	22
23	03 05 58 59	01 03 13 20	00 17 59 15	03 13 00 06	11 14 29 55	02 11 47 24	09 29 20 23	00 25 43 03	00 24 20 22	11 01 07 00	09 03 06 59	23
24	03 06 56 17	01 15 09 40	00 18 39 14	03 15 00 47	11 14 30 59	02 12 60 00	09 29 16 26	00 25 42 11	00 24 21 55	11 01 06 13	09 03 05 33	24
25	03 07 53 36	01 27 00 15	00 19 19 05	03 16 59 54	11 14 31 50	02 14 12 38	09 29 12 27	00 25 39 13	00 24 23 25	11 01 05 25	09 03 04 07	25
26	03 08 50 55	02 08 48 50	00 19 58 48	03 18 57 24	11 14 32 30	02 15 25 18	09 29 08 24	00 25 33 37	00 24 24 52	11 01 04 35	09 03 02 41	26
27	03 09 48 16	02 20 38 32	00 20 38 22	03 20 53 17	वा11 14 32 58	02 16 38 01	09 29 04 19	00 25 25 17	00 24 26 17	11 01 03 43	09 03 01 15	27
28	03 10 45 37	03 02 31 40	00 21 17 47	03 22 47 30	11 14 33 14	02 17 50 46	09 29 00 12	00 25 14 42	00 24 27 39	11 01 02 49	09 02 59 50	28
29	03 11 42 59	03 14 29 58	00 21 57 03	03 24 40 03	11 14 33 18	02 19 03 33	09 28 56 02	00 25 02 45	00 24 28 58	11 01 01 54	09 02 58 24	29
30	03 12 40 22	03 26 34 42	00 22 36 10	03 26 30 55	11 14 33 10	02 20 16 23	09 28 51 50	00 24 50 34	00 24 30 14	11 01 00 57	09 02 57 00	30
31	03 13 37 45	04 08 47 00	00 23 15 08	03 28 20 07	11 14 32 51	02 21 29 15	09 28 47 35	00 24 39 22	00 24 31 28	11 00 59 59	09 02 55 35	31

31	03 13 37 45	04 08 47 00	00 23 15 08	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	00 24 31 28	11 00 59 59	09 02 55 35	31

अगस्त सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।08''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु (वक्री)	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
अग.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अग.
1	03 14 35 09	04 21 08 00	00 23 53 56	04 00 07 38	11 14 32 19	02 22 42 09	09 28 43 19	00 24 30 08	00 24 32 39	11 00 58 59	09 02 54 11	1
2	03 15 32 34	05 03 39 12	00 24 32 35	04 01 53 29	11 14 31 36	02 23 55 05	09 28 39 01	00 24 23 31	00 24 33 46	11 00 57 58	09 02 52 47	2
3	03 16 29 59	05 16 22 33	00 25 11 04	04 03 37 40	11 14 30 40	02 25 08 04	09 28 34 41	00 24 19 36	00 24 34 51	11 00 56 55	09 02 51 23	3
4	03 17 27 25	05 29 20 24	00 25 49 22	04 05 20 12	11 14 29 33	02 26 21 04	09 28 30 19	00 24 17 58	00 24 35 54	11 00 55 51	09 02 50 00	4
5	03 18 24 52	06 12 35 28	00 26 27 31	04 07 01 06	11 14 28 14	02 27 34 07	09 28 25 57	00 24 17 43	00 24 36 53	11 00 54 45	09 02 48 38	5
6	03 19 22 19	06 26 10 22	00 27 05 30	04 08 40 22	11 14 26 43	02 28 47 12	09 28 21 32	00 24 17 42	00 24 37 49	11 00 53 37	09 02 47 16	6
7	03 20 19 47	07 10 07 06	00 27 43 19	04 10 18 00	11 14 25 01	03 00 00 19	09 28 17 07	00 24 16 42	00 24 38 43	11 00 52 29	09 02 45 54	7
8	03 21 17 16	07 24 26 14	00 28 20 57	04 11 54 00	11 14 23 07	03 01 13 28	09 28 12 40	00 24 13 42	00 24 39 33	11 00 51 19	09 02 44 33	8
9	03 22 14 45	08 09 06 03	00 28 58 25	04 13 28 23	11 14 21 01	03 02 26 39	09 28 08 13	00 24 08 02	00 24 40 21	11 00 50 07	09 02 43 13	9
10	03 23 12 16	08 24 01 55	00 29 35 42	04 15 01 09	11 14 18 44	03 03 39 53	09 28 03 45	00 23 59 37	00 24 41 06	11 00 48 55	09 02 41 53	10
11	03 24 09 47	09 09 06 20	01 00 12 48	04 16 32 17	11 14 16 15	03 04 53 09	09 27 59 16	00 23 48 49	00 24 41 48	11 00 47 41	09 02 40 34	11
12	03 25 07 19	09 24 09 51	01 00 49 44	04 18 01 47	11 14 13 35	03 06 06 27	09 27 54 47	00 23 36 33	00 24 42 27	11 00 46 26	09 02 39 16	12
13	03 26 04 53	10 09 02 27	01 01 26 28	04 19 29 39	11 14 10 44	03 07 19 47	09 27 50 17	00 23 23 57	00 24 43 02	11 00 45 09	09 02 37 58	13
14	03 27 02 27	10 23 35 25	01 02 03 01	04 20 55 50	11 14 07 41	03 08 33 10	09 27 45 47	00 23 12 15	00 24 43 35	11 00 43 51	09 02 36 41	14
15	03 28 00 03	11 07 42 40	01 02 39 23	04 22 20 21	11 14 04 27	03 09 46 35	09 27 41 17	00 23 02 30	00 24 44 06	11 00 42 33	09 02 35 25	15
16	03 28 57 41	11 21 21 22	01 03 15 32	04 23 43 09	11 14 01 02	03 11 00 03	09 27 36 47	00 22 55 23	00 24 44 33	11 00 41 13	09 02 34 09	16
17	03 29 55 19	00 04 31 46	01 03 51 30	04 25 04 13	11 13 57 25	03 12 13 33	09 27 32 18	00 22 51 03	00 24 44 57	11 00 39 51	09 02 32 55	17
18	04 00 53 00	00 17 16 34	01 04 27 15	04 26 23 30	11 13 53 38	03 13 27 05	09 27 27 48	00 22 49 08	00 24 45 18	11 00 38 29	09 02 31 41	18
19	04 01 50 42	00 29 40 04	01 05 02 48	04 27 40 59	11 13 49 40	03 14 40 40	09 27 23 19	00 22 48 47	00 24 45 36	11 00 37 06	09 02 30 28	19
20	04 02 48 25	01 11 47 20	01 05 38 08	04 28 56 35	11 13 45 31	03 15 54 17	09 27 18 50	00 22 48 53	00 24 45 51	11 00 35 41	09 02 29 16	20
21	04 03 46 10	01 23 43 41	01 06 13 14	05 00 10 15	11 13 41 12	03 17 07 56	09 27 14 22	00 22 48 13	00 24 46 03	11 00 34 16	09 02 28 05	21
22	04 04 43 57	02 05 34 16	01 06 48 07	05 01 21 56	11 13 36 42	03 18 21 38	09 27 09 55	00 22 45 45	00 24 46 13	11 00 32 50	09 02 26 55	22
23	04 05 41 46	02 17 23 42	01 07 22 46	05 02 31 32	11 13 32 01	03 19 35 22	09 27 05 29	00 22 40 50	00 24 46 19	11 00 31 22	09 02 25 45	23
24	04 06 39 36	02 29 15 55	01 07 57 11	05 03 38 58	11 13 27 11	03 20 49 08	09 27 01 04	00 22 33 15	00 24 46 22	11 00 29 54	09 02 24 37	24
25	04 07 37 28	03 11 13 59	01 08 31 21	05 04 44 09	11 13 22 10	03 22 02 56	09 26 56 40	00 22 23 22	00 24 46 22	11 00 28 25	09 02 23 30	25
26	04 08 35 21	03 23 20 08	01 09 05 16	05 05 46 58	11 13 17 00	03 23 16 47	09 26 52 18	00 22 12 00	00 24 46 19	11 00 26 55	09 02 22 24	26
27	04 09 33 16	04 05 35 46	01 09 38 57	05 06 47 17	11 13 11 40	03 24 30 40	09 26 47 57	00 22 00 13	00 24 46 13	11 00 25 24	09 02 21 19	27
28	04 10 31 12	04 18 01 38	01 10 12 22	05 07 44 58	11 13 06 10	03 25 44 34	09 26 43 38	00 21 49 13	00 24 46 04	11 00 23 53	09 02 20 15	28
29	04 11 29 10	05 00 38 04	01 10 45 31	05 08 39 53	11 13 00 32	03 26 58 31	09 26 39 21	00 21 40 00	00 24 45 52	11 00 22 20	09 02 19 12	29
30	04 12 27 10	05 13 25 18	01 11 18 25	05 09 31 51	11 12 54 44	03 28 12 30	09 26 35 06	00 21 33 16	00 24 45 37	11 00 20 47	09 02 18 11	30
31	04 13 25 11	05 26 23 41	01 11 51 01	05 10 20 42	11 12 48 48	03 29 26 30	09 26 30 53	00 21 29 12	00 24 45 19	11 00 19 13	09 02 17 10	31

सितम्बर सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।12''

ता. सितं.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु (वक्री) रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि (वक्री) रा. अं. क. वि.	राहु रा. अं. क. वि.	यूरेनस (वक्री) रा. अं. क. वि.	नेपच्यून (वक्री) रा. अं. क. वि.	प्लूटो (वक्री) रा. अं. क. वि.	ता. सितं.
1	04 14 23 13	06 09 33 54	01 12 23 22	05 11 06 13	11 12 42 43	04 00 40 32	09 26 26 42	00 21 27 31	00 24 44 59	11 00 17 39	09 02 16 11	1
2	04 15 21 16	06 22 57 02	01 12 55 25	05 11 48 12	11 12 36 29	04 01 54 36	09 26 22 33	00 21 27 27	00 24 44 35	11 00 16 04	09 02 15 13	2
3	04 16 19 21	07 06 34 22	01 13 27 11	05 12 26 25	11 12 30 08	04 03 08 42	09 26 18 27	00 21 28 00	00 24 44 08	11 00 14 29	09 02 14 16	3
4	04 17 17 28	07 20 26 59	01 13 58 40	05 13 00 35	11 12 23 39	04 04 22 50	09 26 14 24	00 21 28 01	00 24 43 38	11 00 12 52	09 02 13 21	4
5	04 18 15 35	08 04 35 17	01 14 29 51	05 13 30 28	11 12 17 03	04 05 36 59	09 26 10 24	00 21 26 34	00 24 43 05	11 00 11 16	09 02 12 27	5
6	04 19 13 45	08 18 58 16	01 15 00 45	05 13 55 46	11 12 10 20	04 06 51 10	09 26 06 26	00 21 22 58	00 24 42 30	11 00 09 39	09 02 11 34	6
7	04 20 11 55	09 03 33 00	01 15 31 19	05 14 16 12	11 12 03 29	04 08 05 23	09 26 02 31	00 21 17 00	00 24 41 51	11 00 08 02	09 02 10 43	7
8	04 21 10 07	09 18 14 29	01 16 01 36	05 14 31 26	11 11 56 32	04 09 19 38	09 25 58 40	00 21 08 57	00 24 41 10	11 00 06 24	09 02 09 52	8
9	04 22 08 21	10 02 55 58	01 16 31 33	05 14 41 10	11 11 49 29	04 10 33 54	09 25 54 51	00 20 59 31	00 24 40 26	11 00 04 46	09 02 09 04	9
10	04 23 06 37	10 17 29 51	01 17 01 12	05 14 45 06	11 11 42 19	04 11 48 12	09 25 51 06	00 20 49 38	00 24 39 39	11 00 03 07	09 02 08 16	10
11	04 24 04 54	11 01 48 54	01 17 30 30	05 14 42 57	11 11 35 04	04 13 02 32	09 25 47 25	00 20 40 22	00 24 38 49	11 00 01 29	09 02 07 30	11
12	04 25 03 13	11 15 47 22	01 17 59 29	05 14 34 26	11 11 27 44	04 14 16 53	09 25 43 47	00 20 32 37	00 24 37 56	10 29 59 50	09 02 06 46	12
13	04 26 01 34	11 29 21 50	01 18 28 07	05 14 19 22	11 11 20 18	04 15 31 16	09 25 40 12	00 20 27 02	00 24 37 01	10 29 58 11	09 02 06 03	13
14	04 26 59 56	00 12 31 25	01 18 56 24	05 13 57 35	11 11 12 47	04 16 45 41	09 25 36 42	00 20 23 49	00 24 36 03	10 29 56 32	09 02 05 21	14
15	04 27 58 21	00 25 17 29	01 19 24 19	05 13 29 02	11 11 05 12	04 18 00 08	09 25 33 15	00 20 22 45	00 24 35 02	10 29 54 52	09 02 04 41	15
16	04 28 56 48	01 07 43 09	01 19 51 52	05 12 53 48	11 10 57 32	04 19 14 37	09 25 29 52	00 20 23 12	00 24 33 58	10 29 53 13	09 02 04 02	16
17	04 29 55 17	01 19 52 42	01 20 19 03	05 12 12 05	11 10 49 49	04 20 29 07	09 25 26 33	00 20 24 19	00 24 32 52	10 29 51 33	09 02 03 25	17
18	05 00 53 48	02 01 51 03	01 20 45 51	05 11 24 17	11 10 42 02	04 21 43 39	09 25 23 19	00 20 25 08	00 24 31 43	10 29 49 54	09 02 02 49	18
19	05 01 52 22	02 13 43 19	01 21 12 15	05 10 31 00	11 10 34 12	04 22 58 13	09 25 20 08	00 20 24 50	00 24 30 31	10 29 48 14	09 02 02 15	19
20	05 02 50 58	02 25 34 31	01 21 38 14	05 09 33 02	11 10 26 19	04 24 12 48	09 25 17 02	00 20 22 48	00 24 29 17	10 29 46 35	09 02 01 43	20
21	05 03 49 35	03 07 29 18	01 22 03 49	05 08 31 25	11 10 18 23	04 25 27 25	09 25 14 01	00 20 18 52	00 24 28 00	10 29 44 56	09 02 01 12	21
22	05 04 48 16	03 19 31 38	01 22 28 59	05 07 27 24	11 10 10 25	04 26 42 03	09 25 11 04	00 20 13 11	00 24 26 40	10 29 43 16	09 02 00 42	22
23	05 05 46 58	04 01 44 41	01 22 53 42	05 06 22 24	11 10 02 26	04 27 56 43	09 25 08 12	00 20 06 20	00 24 25 18	10 29 41 37	09 02 00 15	23
24	05 06 45 42	04 14 10 36	01 23 17 59	05 05 17 58	11 09 54 25	04 29 11 25	09 25 05 24	00 19 59 04	00 24 23 54	10 29 39 59	09 01 59 48	24
25	05 07 44 29	04 26 50 36	01 23 41 48	05 04 15 46	11 09 46 23	05 00 26 08	09 25 02 41	00 19 52 14	00 24 22 27	10 29 38 20	09 01 59 24	25
26	05 08 43 17	05 09 44 54	01 24 05 10	05 03 17 23	11 09 38 20	05 01 40 52	09 25 00 03	00 19 46 34	00 24 20 57	10 29 36 42	09 01 59 01	26
27	05 09 42 07	05 22 52 57	01 24 28 03	05 02 24 24	11 09 30 17	05 02 55 37	09 24 57 31	00 19 42 37	00 24 19 25	10 29 35 04	09 01 58 40	27
28	05 10 41 00	06 06 13 41	01 24 50 27	05 01 38 14	11 09 22 14	05 04 10 24	09 24 55 03	00 19 40 34	00 24 17 51	10 29 33 27	09 01 58 20	28
29	05 11 39 54	06 19 45 52	01 25 12 22	05 01 00 06	11 09 14 12	05 05 25 12	09 24 52 40	00 19 40 14	00 24 16 14	10 29 31 50	09 01 58 02	29

मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।16''

अक्टूबर सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°10'16''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध (वक्री)	गुरु (वक्री)	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
अक्टू.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अ. क. वि.	अक्टू.
1	05 13 37 48	07 17 19 50	01 25 54 40	05 00 11 36	11 08 58 10	05 07 54 50	09 24 48 11	00 19 42 41	00 24 12 54	10 29 28 37	09 01 57 32	1
2	05 14 36 47	08 01 19 40	01 26 15 03	मा05 00 02 25	11 08 50 12	05 09 09 41	09 24 46 04	00 19 44 04	00 24 11 10	10 29 27 02	09 01 57 19	2
3	05 15 35 48	08 15 26 41	01 26 34 53	05 00 03 38	11 08 42 15	05 10 24 33	09 24 44 03	00 19 44 40	00 24 09 25	10 29 25 27	09 01 57 08	3
4	05 16 34 52	08 29 39 28	01 26 54 12	05 00 15 14	11 08 34 22	05 11 39 26	09 24 42 07	00 19 44 03	00 24 07 37	10 29 23 52	09 01 56 58	4
5	05 17 33 56	09 13 55 51	01 27 12 57	05 00 36 58	11 08 26 30	05 12 54 19	09 24 40 17	00 19 42 02	00 24 05 47	10 29 22 19	09 01 56 51	5
6	05 18 33 03	09 28 12 46	01 27 31 08	05 01 08 26	11 08 18 42	05 14 09 14	09 24 38 33	00 19 38 46	00 24 03 55	10 29 20 46	09 01 56 45	6
7	05 19 32 11	10 12 26 25	01 27 48 46	05 01 49 06	11 08 10 58	05 15 24 09	09 24 36 54	00 19 34 39	00 24 02 01	10 29 19 14	09 01 56 41	7
8	05 20 31 21	10 26 32 27	01 28 05 48	05 02 38 19	11 08 03 17	05 16 39 05	09 24 35 20	00 19 30 12	00 24 00 06	10 29 17 42	09 01 56 38	8
9	05 21 30 33	11 10 26 34	01 28 22 15	05 03 35 22	11 07 55 40	05 17 54 02	09 24 33 53	00 19 26 03	00 23 58 08	10 29 16 12	मा09 01 56 38	9
10	05 22 29 47	11 24 05 03	01 28 38 05	05 04 39 30	11 07 48 08	05 19 09 00	09 24 32 31	00 19 22 42	00 23 56 08	10 29 14 42	09 01 56 39	10
11	05 23 29 04	00 07 25 16	01 28 53 19	05 05 49 59	11 07 40 41	05 20 23 59	09 24 31 15	00 19 20 30	00 23 54 07	10 29 13 13	09 01 56 41	11
12	05 24 28 22	00 20 26 04	01 29 07 54	05 07 06 02	11 07 33 19	05 21 38 59	09 24 30 05	00 19 19 34	00 23 52 04	10 29 11 45	09 01 56 46	12
13	05 25 27 42	01 03 07 48	01 29 21 51	05 08 26 57	11 07 26 02	05 22 54 00	09 24 29 00	00 19 19 47	00 23 49 59	10 29 10 18	09 01 56 52	13
14	05 26 27 04	01 15 32 15	01 29 35 08	05 09 52 03	11 07 18 51	05 24 09 01	09 24 28 02	00 19 20 50	00 23 47 53	10 29 08 52	09 01 57 00	14
15	05 27 26 29	01 27 42 22	01 29 47 44	05 11 20 42	11 07 11 46	05 25 24 04	09 24 27 09	00 19 22 17	00 23 45 45	10 29 07 27	09 01 57 10	15
16	05 28 25 56	02 09 41 56	01 29 59 39	05 12 52 19	11 07 04 47	05 26 39 07	09 24 26 23	00 19 23 39	00 23 43 35	10 29 06 03	09 01 57 21	16
17	05 29 25 25	02 21 35 23	02 00 10 52	05 14 26 24	11 06 57 55	05 27 54 11	09 24 25 42	00 19 24 33	00 23 41 24	10 29 04 40	09 01 57 35	17
18	06 00 24 57	03 03 27 26	02 00 21 22	05 16 02 29	11 06 51 10	05 29 09 16	09 24 25 08	00 19 24 44	00 23 39 11	10 29 03 18	09 01 57 50	18
19	06 01 24 31	03 15 22 53	02 00 31 08	05 17 40 09	11 06 44 32	06 00 24 22	09 24 24 39	00 19 24 07	00 23 36 57	10 29 01 57	09 01 58 07	19
20	06 02 24 07	03 27 26 23	02 00 40 09	05 19 19 05	11 06 38 02	06 01 39 29	09 24 24 17	00 19 22 48	00 23 34 42	10 29 00 37	09 01 58 25	20
21	06 03 23 46	04 09 42 06	02 00 48 25	05 20 58 57	11 06 31 40	06 02 54 36	09 24 24 00	00 19 21 03	00 23 32 25	10 28 59 19	09 01 58 45	21
22	06 04 23 26	04 22 13 26	02 00 55 54	05 22 39 31	11 06 25 25	06 04 09 45	09 24 23 50	00 19 19 10	00 23 30 08	10 28 58 02	09 01 59 08	22
23	06 05 23 09	05 05 02 47	02 01 02 36	05 24 20 33	11 06 19 20	06 05 24 53	मा09 24 23 46	00 19 17 27	00 23 27 48	10 28 56 46	09 01 59 31	23
24	06 06 22 54	05 18 11 18	02 01 08 31	05 26 01 52	11 06 13 22	06 06 40 03	09 24 23 48	00 19 16 11	00 23 25 28	10 28 55 31	09 01 59 57	24
25	06 07 22 41	06 01 38 44	02 01 13 36	05 27 43 19	11 06 07 34	06 07 55 13	09 24 23 56	00 19 15 29	00 23 23 07	10 28 54 18	09 02 00 24	25
26	06 08 22 30	06 15 23 31	02 01 17 53	05 29 24 46	11 06 01 55	06 09 10 24	09 24 24 11	00 19 15 21	00 23 20 45	10 28 53 06	09 02 00 53	26
27	06 09 22 21	06 29 22 48	02 01 21 20	06 01 06 08	11 05 56 26	06 10 25 35	09 24 24 31	00 19 15 40	00 23 18 22	10 28 51 56	09 02 01 24	27
28	06 10 22 14	07 13 32 56	02 01 23 56	06 02 47 18	11 05 51 06	06 11 40 46	09 24 24 58	00 19 16 15	00 23 15 58	10 28 50 47	09 02 01 57	28
29	06 11 22 09	07 27 49 48	02 01 25 42	06 04 28 14	11 05 45 57	06 12 55 58	09 24 25 31	00 19 16 55	00 23 13 33	10 28 49 39	09 02 02 31	29
30	06 12 22 05	08 12 09 22	02 01 26 36	06 06 08 52	11 05 40 57	06 14 11 10	09 24 26 10	00 19 17 27	00 23 11 07	10 28 48 33	09 02 03 07	30
31	06 13 22 03	08 26 27 57	02 01 26 39	06 07 49 09	11 05 36 08	06 15 26 23	09 24 26 56	00 19 17 46	00 23 08 41	10 28 47 29	09 02 03 45	31

नवम्बर सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।20''

ता. नवं.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु (वक्री) रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	राहु रा. अं. क. वि.	यूरेनस (वक्री) रा. अं. क. वि.	नेपच्यून (वक्री) रा. अं. क. वि.	प्लूटो रा. अं. क. वि.	ता. नवं.
1	06 14 22 02	09 10 42 30	02 01 25 51	06 09 29 05	11 05 31 29	06 16 41 36	09 24 27 47	00 19 17 50	00 23 06 14	10 28 46 26	09 02 04 24	1
2	06 15 22 03	09 24 50 34	02 01 24 10	06 11 08 37	11 05 27 01	06 17 56 48	09 24 28 45	00 19 17 43	00 23 03 47	10 28 45 24	09 02 05 06	2
3	06 16 22 06	10 08 50 10	02 01 21 36	06 12 47 44	11 05 22 44	06 19 12 02	09 24 29 49	00 19 17 32	00 23 01 19	10 28 44 24	09 02 05 48	3
4	06 17 22 11	10 22 39 46	02 01 18 11	06 14 26 28	11 05 18 38	06 20 27 15	09 24 30 59	00 19 17 23	00 22 58 51	10 28 43 26	09 02 06 33	4
5	06 18 22 16	11 06 18 06	02 01 13 53	06 16 04 46	11 05 14 43	06 21 42 28	09 24 32 15	00 19 17 23	00 22 56 22	10 28 42 30	09 02 07 19	5
6	06 19 22 24	11 19 44 05	02 01 08 42	06 17 42 39	11 05 10 59	06 22 57 42	09 24 33 37	00 19 17 32	00 22 53 53	10 28 41 35	09 02 08 07	6
7	06 20 22 33	00 02 56 50	02 01 02 38	06 19 20 09	11 05 07 26	06 24 12 56	09 24 35 05	00 19 17 47	00 22 51 24	10 28 40 41	09 02 08 57	7
8	06 21 22 44	00 15 55 45	02 00 55 42	06 20 57 14	11 05 04 06	06 25 28 10	09 24 36 40	00 19 18 03	00 22 48 55	10 28 39 50	09 02 09 48	8
9	06 22 22 56	00 28 40 34	02 00 47 53	06 22 33 56	11 05 00 56	06 26 43 25	09 24 38 20	00 19 18 09	00 22 46 26	10 28 39 00	09 02 10 40	9
10	06 23 23 11	01 11 11 38	02 00 39 12	06 24 10 16	11 04 57 59	06 27 58 39	09 24 40 06	00 19 17 58	00 22 43 57	10 28 38 12	09 02 11 35	10
11	06 24 23 27	01 23 29 55	02 00 29 39	06 25 46 14	11 04 55 13	06 29 13 54	09 24 41 58	00 19 17 25	00 22 41 27	10 28 37 26	09 02 12 31	11
12	06 25 23 45	02 05 37 09	02 00 19 14	06 27 21 51	11 04 52 39	07 00 29 09	09 24 43 56	00 19 16 31	00 22 38 58	10 28 36 41	09 02 13 28	12
13	06 26 24 04	02 17 35 48	02 00 07 57	06 28 57 09	11 04 50 17	07 01 44 24	09 24 46 00	00 19 15 21	00 22 36 29	10 28 35 59	09 02 14 28	13
14	06 27 24 26	02 29 29 00	01 29 55 50	07 00 32 08	11 04 48 07	07 02 59 40	09 24 48 10	00 19 14 07	00 22 34 00	10 28 35 18	09 02 15 28	14
15	06 28 24 50	03 11 20 33	01 29 42 53	07 02 06 50	11 04 46 09	07 04 14 56	09 24 50 26	00 19 13 04	00 22 31 32	10 28 34 39	09 02 16 31	15
16	06 29 25 15	03 23 14 44	01 29 29 06	07 03 41 15	11 04 44 24	07 05 30 13	09 24 52 47	00 19 12 25	00 22 29 04	10 28 34 02	09 02 17 34	16
17	07 00 25 43	04 05 16 09	01 29 14 32	07 05 15 24	11 04 42 50	07 06 45 29	09 24 55 15	00 19 12 20	00 22 26 36	10 28 33 27	09 02 18 40	17
18	07 01 26 12	04 17 29 30	01 28 59 10	07 06 49 18	11 04 41 29	07 08 00 46	09 24 57 48	00 19 12 50	00 22 24 09	10 28 32 53	09 02 19 47	18
19	07 02 26 43	04 29 59 16	01 28 43 03	07 08 22 58	11 04 40 21	07 09 16 03	09 25 00 27	00 19 13 48	00 22 21 42	10 28 32 22	09 02 20 55	19
20	07 03 27 16	05 12 49 19	01 28 26 12	07 09 56 25	11 04 39 24	07 10 31 21	09 25 03 11	00 19 15 00	00 22 19 16	10 28 31 52	09 02 22 05	20
21	07 04 27 50	05 26 02 27	01 28 08 39	07 11 29 40	11 04 38 40	07 11 46 39	09 25 06 02	00 19 16 05	00 22 16 50	10 28 31 25	09 02 23 16	21
22	07 05 28 26	06 09 40 01	01 27 50 25	07 13 02 43	11 04 38 09	07 13 01 56	09 25 08 58	00 19 16 40	00 22 14 26	10 28 30 59	09 02 24 29	22
23	07 06 29 04	06 23 41 19	01 27 31 33	07 14 35 35	11 04 37 50	07 14 17 15	09 25 11 59	00 19 16 25	00 22 12 02	10 28 30 35	09 02 25 43	23
24	07 07 29 43	07 08 03 26	01 27 12 04	07 16 08 17	11 04 37 44	07 15 32 33	09 25 15 06	00 19 15 10	00 22 09 39	10 28 30 14	09 02 26 59	24
25	07 08 30 24	07 22 41 12	01 26 52 02	07 17 40 49	11 04 37 50	07 16 47 51	09 25 18 19	00 19 12 52	00 22 07 17	10 28 29 54	09 02 28 16	25
26	07 09 31 06	08 07 27 42	01 26 31 28	07 19 13 11	11 04 38 09	07 18 03 09	09 25 21 37	00 19 09 44	00 22 04 56	10 28 29 36	09 02 29 34	26
27	07 10 31 49	08 22 15 17	01 26 10 26	07 20 45 24	11 04 38 41	07 19 18 28	09 25 25 01	00 19 06 08	00 22 02 36	10 28 29 21	09 02 30 54	27
28	07 11 32 34	09 06 56 41	01 25 48 57	07 22 17 26	11 04 39 25	07 20 33 46	09 25 28 30	00 19 02 33	00 22 00 17	10 28 29 07	09 02 32 15	28
29	07 12 33 19	09 21 25 58	01 25 27 06	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	00 18 59 30	00 21 58 00	10 28 28 56	09 02 33 38	29

दिसम्बर सन् 2022 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।25''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो	ता.
दिसं.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	दिसं.
1	07 14 34 53	10 19 34 11	01 24 42 25	07 26 52 33	11 04 42 52	07 24 19 40	09 25 39 28	00 18 56 25	00 21 53 28	10 28 28 39	09 02 36 26	1
2	07 15 35 41	11 03 10 52	01 24 19 41	07 28 23 52	11 04 44 26	07 25 34 57	09 25 43 18	00 18 56 36	00 21 51 15	10 28 28 34	09 02 37 53	2
3	07 16 36 30	11 16 30 09	01 23 56 46	07 29 54 58	11 04 46 12	07 26 50 15	09 25 47 13	00 18 57 41	00 21 49 03	10 28 28 30	09 02 39 20	3
4	07 17 37 20	11 29 33 38	01 23 33 43	08 01 25 48	11 04 48 10	07 28 05 32	09 25 51 13	00 18 59 08	00 21 46 52	मा 10 28 28 29	09 02 40 49	4
5	07 18 38 11	00 12 23 08	01 23 10 35	08 02 56 21	11 04 50 21	07 29 20 49	09 25 55 18	00 19 00 20	00 21 44 43	10 28 28 30	09 02 42 19	5
6	07 19 39 03	00 25 00 23	01 22 47 24	08 04 26 33	11 04 52 43	08 00 36 06	09 25 59 28	00 19 00 41	00 21 42 36	10 28 28 33	09 02 43 50	6
7	07 20 39 55	01 07 26 53	01 22 24 14	08 05 56 23	11 04 55 18	08 01 51 22	09 26 03 43	00 18 59 38	00 21 40 30	10 28 28 38	09 02 45 22	7
8	07 21 40 49	01 19 43 54	01 22 01 07	08 07 25 44	11 04 58 05	08 03 06 39	09 26 08 02	00 18 56 54	00 21 38 26	10 28 28 45	09 02 46 55	8
9	07 22 41 43	02 01 52 36	01 21 38 07	08 08 54 33	11 05 01 03	08 04 21 55	09 26 12 26	00 18 52 31	00 21 36 24	10 28 28 55	09 02 48 30	9
10	07 23 42 39	02 13 54 12	01 21 15 16	08 10 22 44	11 05 04 13	08 05 37 11	09 26 16 55	00 18 46 50	00 21 34 23	10 28 29 06	09 02 50 05	10
11	07 24 43 35	02 25 50 12	01 20 52 37	08 11 50 09	11 05 07 36	08 06 52 27	09 26 21 29	00 18 40 25	00 21 32 25	10 28 29 19	09 02 51 42	11
12	07 25 44 33	03 07 42 30	01 20 30 14	08 13 16 41	11 05 11 09	08 08 07 43	09 26 26 07	00 18 34 01	00 21 30 28	10 28 29 35	09 02 53 20	12
13	07 26 45 31	03 19 33 38	01 20 08 08	08 14 42 09	11 05 14 55	08 09 22 59	09 26 30 50	00 18 28 24	00 21 28 33	10 28 29 52	09 02 54 58	13
14	07 27 46 31	04 01 26 46	01 19 46 22	08 16 06 23	11 05 18 52	08 10 38 14	09 26 35 37	00 18 24 10	00 21 26 41	10 28 30 12	09 02 56 38	14
15	07 28 47 32	04 13 25 44	01 19 24 59	08 17 29 09	11 05 23 00	08 11 53 30	09 26 40 29	00 18 21 38	00 21 24 50	10 28 30 33	09 02 58 19	15
16	07 29 48 34	04 25 34 55	01 19 04 02	08 18 50 11	11 05 27 20	08 13 08 46	09 26 45 25	00 18 20 49	00 21 23 02	10 28 30 57	09 03 00 00	16
17	08 00 49 36	05 07 59 03	01 18 43 32	08 20 09 12	11 05 31 51	08 14 24 01	09 26 50 26	00 18 21 17	00 21 21 16	10 28 31 23	09 03 01 43	17
18	08 01 50 40	05 20 42 50	01 18 23 33	08 21 25 49	11 05 36 33	08 15 39 16	09 26 55 30	00 18 22 22	00 21 19 32	10 28 31 51	09 03 03 26	18
19	08 02 51 44	06 03 50 34	01 18 04 06	08 22 39 40	11 05 41 27	08 16 54 32	09 27 00 39	00 18 23 13	00 21 17 50	10 28 32 21	09 03 05 11	19
20	08 03 52 50	06 17 25 30	01 17 45 14	08 23 50 17	11 05 46 31	08 18 09 47	09 27 05 52	00 18 22 58	00 21 16 11	10 28 32 53	09 03 06 56	20
21	08 04 53 56	07 01 28 58	01 17 26 58	08 24 57 06	11 05 51 46	08 19 25 02	09 27 11 09	00 18 20 54	00 21 14 33	10 28 33 27	09 03 08 42	21
22	08 05 55 03	07 15 59 38	01 17 09 21	08 25 59 34	11 05 57 13	08 20 40 16	09 27 16 30	00 18 16 40	00 21 12 59	10 28 34 03	09 03 10 28	22
23	08 06 56 10	08 00 52 53	01 16 52 25	08 26 56 58	11 06 02 50	08 21 55 31	09 27 21 55	00 18 10 14	00 21 11 27	10 28 34 41	09 03 12 16	23
24	08 07 57 18	08 16 00 51	01 16 36 10	08 27 48 35	11 06 08 38	08 23 10 45	09 27 27 24	00 18 02 04	00 21 09 57	10 28 35 22	09 03 14 04	24
25	08 08 58 26	09 01 13 28	01 16 20 39	08 28 33 37	11 06 14 36	08 24 25 58	09 27 32 57	00 17 52 55	00 21 08 30	10 28 36 04	09 03 15 53	25
26	08 09 59 35	09 16 20 06	01 16 05 52	08 29 11 10	11 06 20 45	08 25 41 12	09 27 38 33	00 17 43 44	00 21 07 05	10 28 36 48	09 03 17 43	26
27	08 11 00 43	10 01 11 19	01 15 51 52	08 29 40 21	11 06 27 04	08 26 56 25	09 27 44 14	00 17 35 29	00 21 05 43	10 28 37 34	09 03 19 33	27
28	08 12 01 52	10 15 40 23	01 15 38 38	09 00 00 16	11 06 33 34	08 28 11 37	09 27 49 57	00 17 28 58	00 21 04 24	10 28 38 23	09 03 21 24	28
29	08 13 03 01	10 29 43 49	01 15 26 12	09 00 10 01	11 06 40 13	08 29 26 48	09 27 55 45	00 17 24 36	00 21 03 08	10 28 39 13	09 03 23 16	29
30	08 14 04 10	11 13 21 14	01 15 14 34	09 00 08 52	11 06 47 03	09 00 41 59	09 28 01 35	00 17 22 24	00 21 01 54	10 28 40 05	09 03 25 08	30
31	08 15 05 18	11 26 34 33	01 15 03 45	08 29 56 11	11 06 54 02	09 01 57 10	09 28 07 29	00 17 21 55	00 21 00 43	10 28 41 00	09 03 27 01	31

जनवरी सन् 2023 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।30''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध (वक्री)	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
जन.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	जन.
1	08 16 06 27	00 09 27 00	01 14 53 45	08 29 31 41	11 07 01 12	09 03 12 19	09 28 13 27	00 17 22 20	00 20 59 34	10 28 41 56	09 03 28 54	1
2	08 17 07 35	00 22 02 20	01 14 44 34	08 28 55 21	11 07 08 30	09 04 27 28	09 28 19 27	00 17 22 37	00 20 58 29	10 28 42 54	09 03 30 48	2
3	08 18 08 43	01 04 24 18	01 14 36 13	08 28 07 39	11 07 15 59	09 05 42 36	09 28 25 31	00 17 21 43	00 20 57 26	10 28 43 54	09 03 32 42	3
4	08 19 09 51	01 16 36 10	01 14 28 42	08 27 09 33	11 07 23 36	09 06 57 43	09 28 31 38	00 17 18 47	00 20 56 27	10 28 44 56	09 03 34 36	4
5	08 20 10 59	01 28 40 41	01 14 22 00	08 26 02 31	11 07 31 23	09 08 12 50	09 28 37 48	00 17 13 20	00 20 55 30	10 28 46 00	09 03 36 31	5
6	08 21 12 07	02 10 39 57	01 14 16 07	08 24 48 32	11 07 39 19	09 09 27 55	09 28 44 01	00 17 05 19	00 20 54 36	10 28 47 05	09 03 38 27	6
7	08 22 13 15	02 22 35 36	01 14 11 03	08 23 29 54	11 07 47 24	09 10 43 00	09 28 50 17	00 16 55 14	00 20 53 45	10 28 48 13	09 03 40 22	7
8	08 23 14 22	03 04 28 58	01 14 06 48	08 22 09 13	11 07 55 37	09 11 58 04	09 28 56 35	00 16 43 55	00 20 52 57	10 28 49 22	09 03 42 19	8
9	08 24 15 29	03 16 21 17	01 14 03 21	08 20 49 07	11 08 04 00	09 13 13 07	09 29 02 57	00 16 32 29	00 20 52 12	10 28 50 34	09 03 44 15	9
10	08 25 16 37	03 28 14 02	01 14 00 43	08 19 32 04	11 08 12 31	09 14 28 09	09 29 09 21	00 16 22 04	00 20 51 29	10 28 51 47	09 03 46 12	10
11	08 26 17 44	04 10 09 12	01 13 58 52	08 18 20 15	11 08 21 11	09 15 43 11	09 29 15 48	00 16 13 34	00 20 50 50	10 28 53 01	09 03 48 09	11
12	08 27 18 51	04 22 09 24	01 13 57 47	08 17 15 28	11 08 29 59	09 16 58 11	09 29 22 17	00 16 07 33	00 20 50 14	10 28 54 18	09 03 50 06	12
13	08 28 19 58	05 04 17 59	01 13 57 30	08 16 19 02	11 08 38 55	09 18 13 11	09 29 28 49	00 16 04 03	00 20 49 41	10 28 55 36	09 03 52 03	13
14	08 29 21 05	05 16 38 58	01 13 57 58	08 15 31 47	11 08 48 00	09 19 28 10	09 29 35 23	00 16 02 38	00 20 49 11	10 28 56 56	09 03 54 01	14
15	09 00 22 12	05 29 16 46	01 13 59 13	08 14 54 11	11 08 57 13	09 20 43 08	09 29 42 00	00 16 02 24	00 20 48 44	10 28 58 18	09 03 55 58	15
16	09 01 23 19	06 12 16 02	01 14 01 12	08 14 26 19	11 09 06 34	09 21 58 05	09 29 48 39	00 16 02 14	00 20 48 20	10 28 59 41	09 03 57 56	16
17	09 02 24 26	06 25 41 00	01 14 03 55	08 14 08 01	11 09 16 02	09 23 13 01	09 29 55 20	00 16 00 56	00 20 48 00	10 29 01 06	09 03 59 54	17
18	09 03 25 32	07 09 34 41	01 14 07 23	मा08 13 58 53	11 09 25 39	09 24 27 56	10 00 02 03	00 15 57 33	00 20 47 42	10 29 02 33	09 04 01 52	18
19	09 04 26 39	07 23 57 51	01 14 11 33	08 13 58 25	11 09 35 23	09 25 42 51	10 00 08 49	00 15 51 30	00 20 47 28	10 29 04 02	09 04 03 50	19
20	09 05 27 44	08 08 47 57	01 14 16 27	08 14 06 03	11 09 45 15	09 26 57 44	10 00 15 36	00 15 42 42	00 20 47 16	10 29 05 32	09 04 05 48	20
21	09 06 28 50	08 23 58 36	01 14 22 02	08 14 21 09	11 09 55 14	09 28 12 36	10 00 22 26	00 15 31 36	00 20 47 08	10 29 07 03	09 04 07 45	21
22	09 07 29 54	09 09 19 59	01 14 28 19	08 14 43 07	11 10 05 21	09 29 27 27	10 00 29 17	00 15 19 07	00 20 47 03	10 29 08 37	09 04 09 43	22
23	09 08 30 58	09 24 40 19	01 14 35 17	08 15 11 21	11 10 15 35	10 00 42 17	10 00 36 11	00 15 06 25	मा00 20 47 01	10 29 10 11	09 04 11 41	23
24	09 09 32 02	10 09 48 00	01 14 42 54	08 15 45 15	11 10 25 56	10 01 57 05	10 00 43 06	00 14 54 42	00 20 47 03	10 29 11 48	09 04 13 39	24
25	09 10 33 04	10 24 33 34	01 14 51 11	08 16 24 19	11 10 36 24	10 03 11 52	10 00 50 02	00 14 44 59	00 20 47 07	10 29 13 25	09 04 15 36	25
26	09 11 34 06	11 08 51 11	01 15 00 07	08 17 08 03	11 10 46 58	10 04 26 37	10 00 57 00	00 14 37 54	00 20 47 15	10 29 15 05	09 04 17 33	26
27	09 12 35 06	11 22 38 46	01 15 09 39	08 17 56 00	11 10 57 40	10 05 41 21	10 01 04 00	00 14 33 33	00 20 47 26	10 29 16 45	09 04 19 30	27
28	09 13 36 05	00 05 57 33	01 15 19 49	08 18 47 47	11 11 08 28	10 06 56 03	10 01 11 01	00 14 31 32	00 20 47 40	10 29 18 27	09 04 21 27	28
29	09 14 37 03	00 18 50 53	01 15 30 35	08 19 43 02	11 11 19 23	10 08 10 43	10 01 18 04	00 14 30 56	00 20 47 58	10 29 20 11	09 04 23 24	29
30	09 15 38 00	01 01 23 17	01 15 41 55	08 20 41 25	11 11 30 24	10 09 25 22	10 01 25 07	00 14 30 37	00 20 48 18	10 29 21 56	09 04 25 20	30
31	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	00 14 29 22	00 20 48 42	10 29 23 42	09 04 27 16	31

फरवरी सन् 2023 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।10'।36''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
फर.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	फर.
1	09 17 39 51	01 25 44 19	01 16 06 19	08 22 46 32	11 11 52 45	10 11 54 33	10 01 39 19	00 14 26 08	00 20 49 09	10 29 25 29	09 04 29 11	1
2	09 18 40 44	02 07 41 38	01 16 19 20	08 23 52 46	11 12 04 04	10 13 09 06	10 01 46 26	00 14 20 16	00 20 49 39	10 29 27 18	09 04 31 06	2
3	09 19 41 36	02 19 34 55	01 16 32 53	08 25 01 12	11 12 15 29	10 14 23 37	10 01 53 34	00 14 11 39	00 20 50 12	10 29 29 08	09 04 33 01	3
4	09 20 42 27	03 01 26 47	01 16 46 57	08 26 11 38	11 12 27 00	10 15 38 06	10 02 00 43	00 14 00 41	00 20 50 48	10 29 30 59	09 04 34 55	4
5	09 21 43 16	03 13 19 10	01 17 01 31	08 27 23 56	11 12 38 37	10 16 52 32	10 02 07 53	00 13 48 15	00 20 51 27	10 29 32 52	09 04 36 49	5
6	09 22 44 05	03 25 13 29	01 17 16 35	08 28 37 58	11 12 50 19	10 18 06 57	10 02 15 04	00 13 35 29	00 20 52 10	10 29 34 46	09 04 38 43	6
7	09 23 44 52	04 07 10 53	01 17 32 08	08 29 53 36	11 13 02 07	10 19 21 20	10 02 22 16	00 13 23 37	00 20 52 55	10 29 36 40	09 04 40 36	7
8	09 24 45 38	04 19 12 36	01 17 48 09	09 01 10 44	11 13 14 00	10 20 35 40	10 02 29 28	00 13 13 42	00 20 53 44	10 29 38 36	09 04 42 28	8
9	09 25 46 23	05 01 20 07	01 18 04 37	09 02 29 18	11 13 25 59	10 21 49 58	10 02 36 41	00 13 06 24	00 20 54 36	10 29 40 33	09 04 44 20	9
10	09 26 47 07	05 13 35 30	01 18 21 32	09 03 49 12	11 13 38 02	10 23 04 14	10 02 43 54	00 13 01 52	00 20 55 31	10 29 42 31	09 04 46 11	10
11	09 27 47 50	05 26 01 23	01 18 38 53	09 05 10 22	11 13 50 11	10 24 18 28	10 02 51 08	00 12 59 44	00 20 56 28	10 29 44 30	09 04 48 01	11
12	09 28 48 32	06 08 41 02	01 18 56 40	09 06 32 45	11 14 02 25	10 25 32 40	10 02 58 23	00 12 59 13	00 20 57 29	10 29 46 31	09 04 49 51	12
13	09 29 49 13	06 21 38 08	01 19 14 52	09 07 56 17	11 14 14 44	10 26 46 49	10 03 05 37	00 12 59 09	00 20 58 33	10 29 48 32	09 04 51 41	13
14	10 00 49 52	07 04 56 24	01 19 33 29	09 09 20 57	11 14 27 07	10 28 00 56	10 03 12 52	00 12 58 23	00 20 59 40	10 29 50 34	09 04 53 29	14
15	10 01 50 31	07 18 39 01	01 19 52 29	09 10 46 42	11 14 39 35	10 29 15 01	10 03 20 08	00 12 55 53	00 21 00 50	10 29 52 37	09 04 55 17	15
16	10 02 51 09	08 02 47 43	01 20 11 53	09 12 13 30	11 14 52 08	11 00 29 04	10 03 27 23	00 12 50 59	00 21 02 03	10 29 54 41	09 04 57 04	16
17	10 03 51 45	08 17 21 47	01 20 31 40	09 13 41 19	11 15 04 46	11 01 43 04	10 03 34 39	00 12 43 30	00 21 03 19	10 29 56 45	09 04 58 51	17
18	10 04 52 20	09 02 17 15	01 20 51 50	09 15 10 09	11 15 17 27	11 02 57 02	10 03 41 54	00 12 33 47	00 21 04 38	10 29 58 51	09 05 00 36	18
19	10 05 52 53	09 17 26 46	01 21 12 21	09 16 39 58	11 15 30 14	11 04 10 57	10 03 49 10	00 12 22 35	00 21 05 59	11 00 00 57	09 05 02 21	19
20	10 06 53 26	10 02 40 21	01 21 33 15	09 18 10 47	11 15 43 04	11 05 24 50	10 03 56 25	00 12 11 01	00 21 07 24	11 00 03 05	09 05 04 05	20
21	10 07 53 56	10 17 47 03	01 21 54 29	09 19 42 33	11 15 55 59	11 06 38 39	10 04 03 40	00 12 00 11	00 21 08 52	11 00 05 13	09 05 05 48	21
22	10 08 54 25	11 02 36 47	01 22 16 04	09 21 15 18	11 16 08 57	11 07 52 27	10 04 10 55	00 11 51 06	00 21 10 22	11 00 07 21	09 05 07 30	22
23	10 09 54 52	11 17 02 06	01 22 37 59	09 22 49 00	11 16 22 00	11 09 06 11	10 04 18 09	00 11 44 27	00 21 11 55	11 00 09 31	09 05 09 11	23
24	10 10 55 18	00 00 58 57	01 23 00 13	09 24 23 40	11 16 35 06	11 10 19 52	10 04 25 23	00 11 40 25	00 21 13 31	11 00 11 41	09 05 10 51	24
25	10 11 55 42	00 14 26 39	01 23 22 47	09 25 59 19	11 16 48 16	11 11 33 30	10 04 32 37	00 11 38 42	00 21 15 10	11 00 13 51	09 05 12 30	25
26	10 12 56 03	00 27 27 14	01 23 45 39	09 27 35 56	11 17 01 30	11 12 47 05	10 04 39 49	00 11 38 36	00 21 16 52	11 00 16 03	09 05 14 09	26
27	10 13 56 23	01 10 04 29	01 24 08 49	09 29 13 32	11 17 14 47	11 14 00 37	10 04 47 02	00 11 39 07	00 21 18 36	11 00 18 14	09 05 15 46	27
28	10 14 56 41	01 22 23 06	01 24 32 17	10 00 52 07	11 17 28 07	11 15 14 05	10 04 54 13	00 11 39 10	00 21 20 23	11 00 20 27	09 05 17 22	28

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को सम्वत्सर फल श्रवण

**अचिन्त्या व्यक्त रूपाय निर्गुणाय गुणात्मने। समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः॥1॥
विनायकं प्रणम्यादौ देवी वाग्देवतां गुरुम्। संवत्सर फलं वक्ष्ये लोकानां हितकाम्यया॥2॥**

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नूतन सम्वत्सर प्रारंभ होता है, उस दिन प्रत्येक घर पर ध्वज लगावें। तोरणादि से गृह सुशोभित करें, मंगल स्नान कर देवता, ब्राह्मण, गुरु की पूजा करें। स्त्रियां, शिशु आदि वस्त्र-आभूषण आदि धारण करके उत्सव मनावें, ज्योतिषी जी का सत्कार कर उनसे सम्वत्सर का फल श्रवण करें।

प्रातःकाल में कटु नीम के कोमल पत्ते और पुष्प लेकर उसमें कालीमिर्च, हींग, नमक (सेंधा), अजवायन, जीरा और खाण्ड मिलाकर चूर्ण बनावें, कुछ इमली मिलावें और वह भक्षण करें, इस प्रयोग से अनेक रोगों की शांति होती है।

संवत्सर के फल श्रवण का महात्म्य–चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नव संवत् का वर्षफल किसी ब्राह्मण या ज्योतिषी द्वारा सुनें एवं गायत्री मंत्र **"ॐ भूर्भुवः स्वः सम्वत्सर अधिपति आवाहयामि पूजयामि च"** मंत्र का जप कर पूजन करें तथा पंचागस्थ गणेश जी और ब्राह्मण ज्योतिषी की पूजा कर याचकों को दान मिष्ठान्नादि युक्त भोजन करवाकर उन्हें नव वर्ष पंचांग, वस्त्र, फल, मिठाई आदि दक्षिणा सहित यथाशक्ति दान देकर उनका आशीर्वाद ग्रहण करें, तदुपरांत सम्वत्सर फल श्रवण कर सम्पूर्ण दिन आनन्द पूर्वक व्यतीत करें, जैसे कहा है--

"यश्चैव शुक्ल प्रतिपदे धीमान् शृणोति वार्षीय फल पवित्रं भवेद् धनाढ्यो बहुसस्य भोगो जह्याश्च पीड़ां तनुजां च वार्षिकीम्॥" अर्थात् जो व्यक्ति चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को इस पवित्र वर्षफल का श्रवण करता है, वह बहुत धन-धान्य से युक्त होता है और उसके अनेक दुःखों की निवृत्ति होती है। इस दिन से श्री राम नवमी तक श्री दुर्गा पूजन एवं पाठादि का भी विशेष महात्म्य होता है।

अथ युग व्यवस्था–(काल गणना) चारों युग एक हजार बार बीत जाने पर ब्रह्मा जी का एक दिन पूरा होता है। चतुर्युगी का मान 43,20,000 सौर वर्ष है। इस प्रकार 1000 चतुर्युगी बीत जाने पर ब्रह्मा जी का एक दिन होता है। ब्रह्माजी के एक दिन में 14 मन्वन्तर होते हैं। एक मन्वन्तर में 71 महायुग (चतुर्युगी) होते हैं। अब तक 6 मन्वन्तर के 26 महायुग बीत गये हैं और 27वां महायुग चल रहा है। इस महायुग में सतयुग, त्रेता, द्वापर बीत गये हैं। कलियुग की आयु 4,32,000 वर्ष है। इसमें 5123 वर्ष बीत गये हैं। ब्रह्माजी की आयु का 74वां वर्ष चल रहा है। प्रथम दिन का उदय होकर 13 घड़ी 42 पल 3 विपल 43 प्रतिपल बीत गये हैं।

चतुर्युगानां व्यवस्था

सतयुग–इसकी उत्पत्ति कार्तिक शुक्ल नवमी को हुई। इसकी आयु 17,28,000 वर्ष की थी। इसमें मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह यह चार अवतार हुए। मत्स्य जी ने वेदों का उद्धार किया, नृसिंह जी ने हिरण्यकश्यप का बध किया। इस युग [illegible] और वरदान देने में समर्थ होते थे। क्षत्रिय अपने बाहुबल से संसार की मर्यादा को बांधे हुए थे। वैश्य व्यापार में तत्पर, सत्यवक्ता थे। शूद्र सेवा करते हुए अपने धर्म में तत्पर थे। समय पर वर्षा होती थी। फसलें अच्छी होती थीं। स्त्रियां पतिव्रता होती थीं। गौएं दूध अधिक देती थीं। मनुष्य की परमायुः 1,00,000 वर्ष, बाल्यावस्था 10,000 वर्ष, देह की लम्बाई 21 हाथ थी। पुण्य 20 विश्वे, पाप का नाम तक भी न था। सुवर्ण और रत्नादि का व्यवहार था और पुष्कर तीर्थ प्रधान था। सूर्य ग्रहण 20,000 और चन्द्रग्रहण 2,000 थे।

त्रेतायुग–वैशाख शुक्ल तृतीया को त्रेतायुग की उत्पत्ति हुई। इसकी आयु 12,96,000 वर्ष थी। इस युग में तीन अवतार–वामन, परशुराम, रामचन्द्र हुए। श्री वामन जी ने राजा बलि से तीन पैर पृथ्वी दान लेकर बाद में समस्त पृथ्वी को तीन पैर में नाप कर राजा बलि को पाताल का राज्य दिया। श्री परशुराम जी ने अभिमानी क्षत्रियों का 21 बार बध करके ब्राह्मण राज्य स्थापित किया था। श्री रामचन्द्र जी ने रावणादि राक्षसों का बध किया। मनुष्य की परमायुः 10,000 वर्ष और बाल्यावस्था 1,000 वर्ष थी। पुण्य 15 विश्वे, पाप 5 विश्वे था। पुरुष का देहमान 14 हाथ था, ब्राह्मण वेदों के ज्ञाता थे और किंचिन्नचून तपोनिष्ट त्यागी थी। वे शाप देने में समर्थ थे। स्त्रियां पतिव्रता थीं। सुवर्ण का सिक्का चलता था। सूर्य ग्रहण 20,000 और चन्द्रग्रहण 30,000 थे। तीर्थ नैमिषारण्य प्रधान था।

द्वापर युग–माघ कृष्ण 30 को द्वापर युग की उत्पत्ति हुई। इसकी आयु 8,64,000 वर्ष थी। इसमें 2 अवतार–श्री कृष्ण जी ने कंस, शिशुपालादि का वध किया और बलराम ने धर्म का उद्धार किया। पुरुष की परमायुः 1,000 वर्ष थी। बाल्यावस्था 100 वर्ष थी। पुरुष का देहमान 7 हाथ था। ब्राह्मण कुछ धर्म में तत्पर, कुछ सत्यवक्ता, कुछ झूठ भी बोलते थे। अपने धर्म-कर्म पर स्थित परन्तु लोभयुक्त थे। चांदी के सिक्के का व्यवहार अधिक था। कुरुक्षेत्र तीर्थ प्रधान था। पुण्य 10 विश्वे था। सूर्यग्रहण 24,000 और चन्द्रग्रहण 36,000 थे।

कलियुग–भाद्र कृष्ण 13 को कलियुग की उत्पत्ति हुई। इसकी आयु 4,32,000 वर्ष है। इसमें बुद्ध व कल्कि अवतार हैं। उनका काम धर्म का उद्धार करना है। मनुष्य की परमायु 120 वर्ष और बाल्यावस्था 10 वर्ष है। पुरुष का देहमान साढ़े तीन हाथ है। पुण्य 5 विश्वे, पाप 15 विश्वे है। गंगा तीर्थ प्रधान है। इस युग में मिट्टी के पात्र और पत्र व ताम्र का सिक्का व्यवहार में लाया जाएगा। सब जाति के लोग अपने धर्म से गिर जायेंगे। ब्राह्मण लोग वेदों से विमुख, तप, यज्ञादि धर्म-कर्म से विमुख, शाप देने में असमर्थ होंगे। क्षत्रिय लोग अपने धर्म को छोड़ देंगे। वैश्य लोग व्यवहार में खोटे होंगे। धूर्त विद्या की पूजा होगी। सूर्य और चन्द्रग्रहण 46,000 होंगे। सं. 2079 में कलियुग के 5123 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं और शेष कलियुग के 4,26,877 वर्ष रह रहे हैं। कलियुग के अंत में सम्भल ग्राम में विष्णुयश नामक ब्राह्मण के घर में कल्कि अवतार होगा। कलियुग में नीच लोगों की पूजा होगी। अनेक कुकर्मों की वृद्धि होगी। व्यभिचारी स्त्रियां अपने को सती कहेंगी। पुरुष स्त्रियों के वश में चलेंगे। पिता कन्या को बेचेंगे। स्त्रियों को छोटी आयु में गर्भ होने लगेंगे। [illegible] नहीं करेंगे। संतान का माता-पिता के साथ धन के कारण

संवत् 2079 वि. मध्ये सम्वत्सर राजादि दशाधिकारी फलम्

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

वागीशाद्या सुमनसः सर्वार्थानामुपक्रमे। यं नत्वा कृतकृत्या स्युः तन्नमामि विनायकम्॥ तिथि वारं च नक्षत्रं योगं करण मेव च। पंचांगं शृणुते नित्य गंगा स्नान फलं लभेत्॥ तिथि आयुकरि प्रोक्ता नक्षत्रं पाप नाशनम्। वारं शत्रून् विनाशाय योगो वृद्धि शतानि च॥ करणं करोतु कल्याणं चन्द्रो लक्ष्मी दिने दिने। यशसो वर्द्धते नित्यं दिवाकरो भूमण्डले॥

अथ कल्पादि से गतवर्ष (गताव्य) 1955885123। तत्र कृत युग प्रमाणम् (सतयुग) 1728000। त्रेता युग प्रमाणम् 1296000। द्वापर युग प्रमाणम् 864000। कलियुग प्रमाणम् 432000। तन्मध्ये गत कलि 5123, भोग्य शेष कलि 426877। अथास्मिन शुभ संवत्सरे श्री मन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् 2079, शाके 1944। अथा अस्मिन वर्षे दशाधिकारीगण परिषद गणना। राजा शनिः। मंत्री गुरुः। सस्येशो शनिः। धान्येश शुक्रः। मेघेशो बुधः। रसेशो चन्द्रः। नीरशेसो शनिः। फलेशो भौमः। धनेश शनिः। दुर्गेश बुधः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्न्दानां मध्य रुद्र विंशतिकायां 10 नल नामस्य: संवत्सरे प्रवर्तते। तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि 1।0।46।31, भोग्य मासादि 10।28।13।29 अग्निदैवतं युगम्। वर्षनाम भाद्रपदः। चतुर्थ मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासः समुद्रे। समय निवास मालाकार गृहे। समय विश्वा 5। समय वाहन महिषः। स्तम्भ 3 अन्नजलतृणानां। सोमवत्या अमावस्या 2। सोम पंचमी 2। अंगारकी चतुर्थी 3। भानु सप्तमी 3। बुधाष्टमी 1। रविदशमी 2। समय मुहूर्तानि 360। समय दिनानि 354। तिथि क्षयः 16। तिथि वृद्धिः 10। उत्पत्ति विश्वा 93। खपति विश्वा 93। वर्षा विश्वा 7। धान्यम् 5। तृणं 5। शीतम् 13। तेजः 17। वायुः 13। वृद्धिः 15। क्षयः 15। विग्रह 11। ऐक्यम् 10।। क्षुधा 11 तृष्णा 11 निद्रा 13। आलस्य 17। उद्यम 5। शांति 7। क्रोध 13। दण्ड 11। लोभ 7। मैथुन 15। उत्सव 11। उत्साह 3। उग्रत्व 3। रसोत्पत्ति 3। फलोत्पत्तिः 9। व्याधि 9। व्याधिनाश 7। आचार 7। अनाचार 13। मृत्यु 11। जन्म 3। चौर 9। उपशमन 15। अग्निभय 11। अग्निशमः 15। सत्यम् आधा (½)। धर्म डेढ़ (1½)। पाप 17। पुण्य 3। शनि दृष्टि उत्तरे। ग्रहण 2 सूर्यचन्द्रयो। उद्भिजः 11। जरायुजः 3। अण्डजः 9। स्वेदजः 15। इस वर्ष का फल उत्तम है। आगे गौ, प्रजा भाग्य प्रबल है।

अखिलेश्वर काल के कर्त्ता, अभियन्ता व लोक नायक, परमपिता परमात्मा की आज्ञा से चुने गये वर्ष के राजा-मंत्री आदि दशाधिकारियों का प्रभाव यूं तो न्यूनाधिक सर्वत्र होता है। तथापि राजा का प्रभाव भारत वर्ष मुकुटमणि कश्मीर व अफगानिस्तान में होता है। इसी प्रकार मंत्री का प्रभाव कलिंग में, सस्येश का विदर्भ देश में, धान्येश का नर्मदा तट व मध्य प्रदेश में, मेघेश का मगध देश में, रसेश का कौंकण व गोआ में, नीरसेश का उज्जैन, इन्दौर व मालवा देश में, फलेश का पश्चिमी भू-भाग व कश्मीरादि प्रदेशों में विशेष शुभाशुभ प्रभाव पड़ता है। धनेश व दुर्गेश का प्रभाव सर्वत्र समान रूप से पड़ता है।

अथ नल नाम संवत्सर फलम्

नलाब्दे मध्य सस्यार्घ वृष्टिभिः प्रवराधरा।
नृप संक्षोभ संजाता भूरि तस्कर भीतयः।

नल नाम संवत्सर का फल-नल नामक संवत्सर से अन्न तथा जल मध्यम होता है। पृथ्वी फल-फूल, तृण-घास से आच्छादित रहे। सर्वत्र हरियाली दृष्टिगोचर होती है। अनाजों के भावों में वृद्धि हो। राजाओं में क्षोभ रहे। तस्करी, चोरी, डकैती, लूटमार जैसी घटनाओं से प्रजा में सदैव भय बना रहे।

अथ राजा शनिः तस्य फलम्

शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीडयते जनः।
युद्ध नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाःक्षुधिताश्च देशान्॥

वर्ष के राजा शनि का फल-वर्ष का राजा शनि के प्रभाव से राजनेताओं का परस्पर विरोध चरम पर रहेगा। एक ही बार मध्यम वर्षा होगी। रोगों का प्रकोप होने से प्रजा में कष्ट व्याप्त होगा। भ्रष्टाचार बढ़ेगा। चौरी तथा तस्करी की घटनाओं में वृद्धि होगी। आतंकवाद बढ़ेगा। अघोषित युद्ध जैसी परिस्थितियां सृजित होंगी। कई स्थानों पर खाद्यान्नों की उपलब्धता बाधित होगी। भुखमरी की घटनायें घटित होंगी। आर्थिक रूप से निर्बल वर्ग में पलायन की घटनायें अधिक होंगी।

अथ मंत्री गुरुः तस्य फलम्

विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत्।
नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मन्त्रि समागते ॥

वर्ष के मंत्री गुरु का फल-वर्ष का मंत्री गुरु देव होने से धन-धान्य की वृद्धि होगी। प्रचूर मात्रा में वर्षा हो। किन्हीं प्रदेश में बाढ़ से क्षति का योग बनता है। मांगलिक कार्यों की अधिकता रहेगी। सामान्यजन के हित के लिये कार्य होंगे। शासन की मनभावन घोषणाओं से जनसमुदाय प्रसन्न रहेगा। अच्छी वर्षा से कृषि पैदावार उत्तम होगी।

अथ सस्येशो शनिः तस्य फलम्

रविसुतेयदि धान्यपतौ जनानृपतिभिः परिपीडित विग्रहाः ।
गदभयं तुषधान्य हरं सदादुरित वादविवादयुता नराः॥

वर्ष के सस्येश शनि का फल-शनि सस्येश होने से जौ, गेहूं, मूंग, मोठ, उड़द, चना, चावल आदि भूसे वाले धान्यों की हानि होगी। मध्यम कृषि से महंगाई बढ़ेगी। सरकारी तंत्र के कठोर नियमों से जन-सामान्य दुःखी तथा रोगों से पीड़ित होंगे। लोगों में व्यर्थ विवाद, मुकद्दमे, झगड़े बढ़ेंगे।

अथ धान्येशो शुक्रः तस्य फलम्

भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते।
सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ॥

धान्येश शुक्र का फल-धान्येश शुक्र के प्रभाव से प्रारम्भ में अन्न सस्ता होगा। सुभिक्ष रहेगा परन्तु बाद में शरदकालीन धान्यों की खेती-मूंग, मोंठ, बाजारा आदि की फसल खराब होगी। सब्जियां तथा चारा महंगा रहेगा। दूध तथा दुग्ध प्रोडक्टस का उत्पादन कम रहेगा।

अथ मेघेशो बुधः तस्य फलम्

अमृतरश्मि सुते यदि वारिपे बहुजलं तुष धान्य रसादिकम्।
द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा।

मेघेश बुध का फल-मेघेश बुध होने से उत्तम वर्षा से गेहूं, जौ, धान्य आदि का कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा तथा दूध, गुड़ आदि रस पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। वैज्ञानिक प्रगति होगी। नये-नये अभिगमों को बढ़ावा मिलेगा। लेखक, प्रकाशक, साहित्यकार तथा गणितज्ञो सुख-सम्पदा प्राप्त करेंगे। सौख्य तथा सम्पन्नता रहेगी।

अथ रसेशो चन्द्रः तस्य फलम्

यदि विधौ रसपे भुविमानवो नवनवां युवती बुभुजे प्रियाम्।
जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही॥

वर्ष के रसेश चन्द्र का फल-रसेश का पद चन्द्र को प्राप्त होने से उत्तम वर्षा होगी। अन्न तथा जल की प्रचुरता रहेगी। गुड़, खांड, शक्कर, चीनी का उत्पादन अच्छा होगा। सभी प्रकार के तैलों तथा सुगन्धित पदार्थों में मंदा चलेगा। विवाहादि शुभ कार्य सम्पन्न होंगे। युवा वर्ग विलासिता की ओर प्रवृत होगा। पृथ्वी पर रसवती तथा धन-धान्यवती हो।

अथ नीरसेशो शनिः तस्य फलम्

अयः पिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनाम्।
अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ॥

वर्ष के नीरसेश शनि का फल-नीरशेष शनि के प्रभाव से अगर, कपूर आदि सुगन्धित पदार्थों, सोना, मोती, कपड़ा, काले वस्त्र तथा लौह वस्तुओं, हार्ड वेयर मशीनरी, उड़द, कालीमिर्च, लकड़ी आदि में तेजी आयेगी।

अथ फलेशो मंगलः तस्य फलम्

फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहुपुष्प फलान्वित पादपाः।
गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहुविग्रह कारकाः॥

वर्ष के फलेश मंगल का फल-मंगल फलेश होने से वृक्षों पर फल-फल, वनस्पतियों, औषधियों की कमी रहे। लोगों में अनेक प्रकार के व्याधि-रोग से भय का वातावरण बना ...

अथ धनेशो शनिः तस्य फलम्

द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणी पतयः सदा।
अधनतां वणिजः कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडनं मानसाः॥

वर्ष के धनेश शनि का फल-धनेश के पद पर शनि होने से जनसमुदाय की आर्थिक स्थिति शोचनीय रहेगी। शासक वर्ग में रोगों का प्रकोप रहेगा। कृषक तथा व्यापारी वर्ग पीड़ित रहेगा। बुद्धिजीवी वर्ग परिस्थितियों के कारण कष्ट में रहेगा।

अथ दुर्गेशो बुधः तस्य फलम्

विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौभवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् ।
शशिसुतं यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ॥

वर्ष के दुर्गेश बुध का फल-दुर्गेश का पद बुध को प्राप्त होने से शहरी इलाकों के निवासियों को कभी सुख तो कभी दुख की अनुभूति होगी। आर्थिक रुप से सम्पन्न व्यक्तियों, मल्टी मिलेनियरस भयरहित रहेंगे। जल तथा थल सेना की वृद्धि होगी। नये उपकरण तथा आयुध उपलब्ध कराये जायेंगे। यात्रायें सुरक्षित तथा सुविधाजनक होंगी। चोरी ठगी में कमी आयेगी। शासक वर्ग कूटनीति में संलग्न रहेगा।

अथ वर्षनाम् भाद्रपदः तत्फलम्

अब्दे भाद्रपदे वृष्टिः क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् ।
सर्वस्य समृद्धिः स्यान्नाशमेति परं फलम् ॥

वर्षनाम भाद्रपद का फल-वर्षनाम भाद्रपद होने से संवत् के प्रत्येक मास में कहीं न कहीं वर्षा होने से अन्न की पैदावार में वृद्धि होती है। प्रजा में सर्वत्र कुशल क्षेम, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मेघनाम् पुष्कर तस्य फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात्-मेघनाम पुष्कर होने से वर्षा अनुकूल न हो अर्थात् अल्पवृष्टि का योग बनता है।

रोहिणी निवासो समुद्रे तत्फलम्-समुद्रे तु महावृष्टिः-रोहिणी का वास समुद्र में होने से उत्तम वर्षा होगी। धान्य, चावल, चना, गेहूं, मक्का, सब्जी व फलों का उत्पादन बढ़ेगा।

समय निवासो मालाकार गृहे तत्फलम्-मालिनः प्रचुरा वृष्टिः-समय का निवास माली के घर होने से वर्षा समयानुकूल एवं उत्तम मात्रा में होगी। कृषि उत्पादन बढ़ेगा।

आर्ष ज्ञान विचार-संवत्सर विचार में ग्रहों के मन्त्रिमंडल के अतिरिक्त वर्ष के चार स्तम्भों, जल, तृण, वायु तथा अन्न स्तम्भों का भी विचार किया जाता है। वर्तमान संवत्सर में ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा मृगशिरा युत होने से वायु स्तम्भ 35.36 प्रतिशत तथा आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा पुनर्वसु युत होने से अन्न स्तम्भ 47.96 प्रतिशत रहेगा। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा रेवती नक्षत्र युत होने से जल स्तम्भ 97.39 प्रतिशत तथा वैशाख शुक्ल प्रतिपदा में भरणी नक्षत्र से तृण स्तम्भ 79.36 प्रतिशत रहेगा। तदानुसार संवत्सर में अच्छी वर्षा होगी। घास ... तथा ... का उत्पादन ... हवायें चलेंगी परन्तु आंधियों के प्रकोप में कमी रहेगी।

चैत्र शुक्ल पक्षः-1

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 2 से 16 अप्रैल 2022 ई., रा. मिति 12 से 26 चैत्र तक। रवि उत्तरायणे, उत्तर गोले, वसंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. (रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)		चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	
चैत्र 12	श	1 14 34 12 01	रेव 12 59 11 23	ऐं 05 51 08 32	बव 14 34 12 01	31 06	06 12 18 38	20 29 02	मे.11 23	11 18 04 04	57/12	06 52 19 47	नवसंवत् प्रारंभ, नवरात्र प्रारंभ, पंचक स. 11:21, गुड़ी पड़वा
13	र	2 16 17 12 41	अ 16 12 12 40	वै 04 19 07 54	कौ 16 17 12 41	31 10	06 11 18 39	21 रम. 01 03	मेष	11 19 03 16	10	07 24 20 44	चन्द्रदर्शन मु. 30, रमजान मु. मा. 9, गंडमूल स. 12:37
14	चं	3 19 32 13 58	भ 20 53 14 31	वि 03 57 07 44	ग 19 32 13 58	31 14	06 10 18 39	22 02 04	वृ.21 04	11 20 02 26	08	07 56 21 41	भ. 26:47 से, गणगौर तीज (चैत्र)
15	मं	4 24 10 15 48	कृ 26 55 16 54	प्री 04 42 08 01	वि 24 10 15 48	31 19	06 08 18 40	23 03 05	वृष	11 21 01 35	05	08 32 22 38	भ. 15:45 तक, गणेश चतुर्थी व्रत
16	बु	5 29 53 18 05	रो 33 58 19 42	आ 06 21 08 40	बा 29 53 18 05	31 23	06 07 18 40	24 04 06	वृष	11 22 00 41	03	09 11 23 34	A अश्विन्यां मेषेऽर्क: 03:44
17	गु	6 36 14 20 36	मृ 41 35 22 44	सौ 08 37 09 33	कौ 03 03 07 19	31 27	06 06 18 41	25 05 07	मि.09 12	11 22 59 44	01	09 55 24 00	कुंभे भौम: 15:15, स्कन्द षष्ठी
18	शु	7 42 38 23 08	आ 49 12 25 46	शो 11 08 10 32	ग 09 30 09 53	31 31	06 05 18 42	26 06 08	मिथुन	11 23 58 45	58/59	10 43 24 28	भ. 23:05 से, मेषे बुध: 12:02
19	श	8 48 28 25 27	पुन 56 13 28 33	अति 13 26 11 26	वि 15 41 12 20	31 36	06 04 18 42	27 07 09	क.21 53	11 24 57 45	56	11 35 25 18	भ. 12:17 तक, बसन्त दुर्गाष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी
20	र	9 53 10 27 19	पुष्य 60 00 - -	सु 15 06 12 05	बा 21 00 14 27	31 40	06 03 18 43	28 08 10	कर्क	11 25 56 41	54	12 31 26 05	रामनवमी, नवरात्र समाप्त
21	चं	10 56 19 28 33	पुष्य 02 10 06 54	धृ 15 47 12 20	तै 24 59 16 01	31 44	06 02 18 43	29 09 11	कर्क	11 26 55 36	52	13 28 26 48	गंडमूल प्रा. 06:51
22	मं	11 57 41 29 05	आ 06 32 08 37	शू 15 12 12 05	व 27 15 16 55	31 48	06 01 18 44	30 10 12	सिं.08 37	11 27 54 28	50	14 27 27 27	भ. 16:52 से 29:02 तक, कामदा 11 व्रत, बुधोदय 09:32
23	बु	12 57 14 28 53	म 09 09 09 39	गं 13 12 11 16	बव 27 42 17 05	31 52	06 00 18 44	31 11 13	सिंह	11 28 53 18	47	15 26 28 02	गंडमूल स. 09:36, मीने गुरु: 15:13, हरिदमनोत्सव
24	गु	13 55 01 27 59	पूफा 10 00 09 59	वृ 09 47 09 53	कौ 26 21 16 31	31 56	05 58 18 45	वैशा. 01 12 14	क.15 57	11 29 52 05	45	16 26 28 35	वैशाखी, महावीर जयंती, मेष संक्रांति, प्रदोष व्रत, A
25	शु	14 51 17 26 28	उफा 09 11 09 38	ध्रु 05 02 07 58 / व्या 59 02 29 34	ग 23 21 15 18	32 00	05 57 18 45	02 13 15	कन्या	00 00 50 51	43	17 26 29 08	भ. 26:25 से, गुड फ्राइडे
26	श	15 46 19 24 28	हस्त 06 55 08 42	ह 52 07 26 47	वि 18 58 13 31	32 04	05 56 18 46	03 14 16	तु.20 04	00 01 49 34	41	18 29 29 41	भ. 13:28 तक, हनुमान ज., पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा

○ योग से-राहु आवे मेष पर क्रूर ग्रहों के साथ। महंगाई दुर्भिक्ष दुख से हो प्रजा अनाथ॥ ता. 16 शनिवारी पूनम से सभी प्रमुख शेयर्स में विशेष तेजी के झटके तथा बैशाख बदी पक्ष में तिलहन, चना, गुवार, रुई में अच्छी तेजी बन सकती है।

चैत्र शु. 8 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 9 अप्रैल

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
11	02	10	00	10	10	09	00	06	00	10	09
24	21	01	01	28	09	28	28	28	19	29	04
57	51	12	30	59	27	33	46	46	10	41	19
45	00	14	47	50	19	32	55	55	04	38	47
58	713	42	124	13	64	04	00	00	03	02	00
58	44	20	36	46	57	59	14	14	14	06	36
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुण्डली (ता. 9 अप्रैल): 1 बु.ह.रा.; 2; 3 चं.; 4; 5; 6; 7 के.; 8; 9; 10 श.प्लू.; 11 मं.गु.शु.ने.; 12 सू.

[पक्ष फलम्]

ता. 2 अप्रैल संवत् 2079 का शुभारंभ होगा। संवत् का राजा शनि एवं मंत्री गुरु होंगे। फसल की वस्तुएं मंदी में खरीदकर सावन एवं मार्गशीर्ष में बेचने से लाभ होगा। चैत्र शुक्ल पक्ष रेवती नक्षत्र युत प्रतिपदा से चैत्रे सितप्रतिपदि रेवत्यां बहुलं जलम् उत्तम जलवर्षा होगी। रविवारी द्वितीया मेष राशि के चन्द्रदर्शन के दक्षिण शृंग ऊंचा रहने से व्यापारिक वस्तुओं के मूल्यों में मंदा आयेगा परन्तु मेष राशि के चन्द्रोदय से सरसों अलसी, धान्य, रसकस में तेजी रहेगी। रोहिणी युत पंचमी से युद्ध अथवा आतंकवाद जैसी परिस्थितियां बनेंगी। मृत्यु दर अधिक रहेगी। आर्द्रा युत चैत्र शुक्ल सप्तमी से तीन मास तक धान्य कम होंगे तथा श्रावण मास में अच्छी वर्षा होगी। गुरुवारी, जया तिथि त्रयोदशी, स्थिर लग्न, गत संक्राति से चौथे दिन तीसरे नक्षत्र की कृष्ण फल युत, खड़ी 30 मुहूर्ति संक्रांति में शासन सत्ता में बैठे नेताओं की नीतियों से विवाद बढ़ेंगे। राजनैतिक वातावरण खराब होगा। दूध में मंदा रहेगा। बिल्डर्स, लैण्ड डेवेलपर्स, कृषक आदि कष्ट में रहेंगे। हाथियों की हानि होगी। अग्निकांडों से जन-धन की हानि होगी। चांदी, घी, गुड़, खांड आदि रस तथा हरे रंग के वस्त्र महंगे रहेंगे। चन्दन के व्यापारियों में चिन्ता रहेगी। तांबा में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। संक्रांति लग्न भाव से नवम स्थान में शनि तथा द्वादश भाव में राहु की स्थिति से तेज आंधियां चलेंगी। ता. 7 कुंभे भौम+शुक्र+गुरु का योग-सूर गुरु मंगल शुक्र का एक नखत पर वास। अन्न भाव मंदा रहे, लाभ तीसरे मास॥ सर्व अनाज स्टॉक करके 2 मास पश्चात् बेचने से लाभ। गुड़, सोना, गुवार, तांबा, बिजली का सामान, मकान, भूमि, प्लॉट, मूंग आदि दालों में एक मास के अंदर अच्छी तेजी ला सकता है। ता. 12 एकादशी मंगलवारी से पक्ष में कभी भी सरसों, खल, बिनौला में अच्छी तेजी संभव। ता. 14 मेष संक्रांति का प्रवेश होकर सूर्य+राहु का राशि○

चैत्र शु. 15 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 16 अप्रैल

कुण्डली (ता. 16 अप्रैल): 1 सू.रा.ह.बु.; 2; 3; 4; 5; 6 चं.; 7 के.; 8; 9; 10 श.प्लू.; 11 मं.ने.शु.; 12 गु.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	05	10	00	11	10	09	00	06	00	10	09
01	21	06	15	00	17	29	28	28	19	29	04
49	27	29	35	35	06	06	21	21	33	56	23
34	47	40	14	00	29	45	08	08	03	00	16
58	839	45	113	13	66	04	03	03	03	02	00
42	40	22	45	25	13	29	14	14	20	00	24
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

वैशाख कृष्ण पक्षः-2

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 17 से 30 अप्रैल 2022 ई., रा. मिति 27 चैत्र से 10 वैशाख तक। रवि उत्तरायने, उत्तर गोले, वसंत-ग्रीष्म ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	
चैत्र 27	र	1 40 24 22 05	वि 03 30 07 19 / स्वा 59 12 29 36	व 44 27 23 42	बा 13 28 11 19	32 08	05 55 18 47	04 15 17	तुला	00 02 48 16	41	19 34 06 15	A कुंभ शनि: 07।32
28	चं	2 33 52 19 27	वि 54 27 27 41	सि 36 19 20 26	तै 07 12 08 47	32 12	05 54 18 47	05 16 18	वृ.22।11	00 03 46 56	37	20 42 06 53	B स. 20।13, शुक्रदेव ज.
29	मं	3 27 01 16 42	अनु 49 31 25 42	व्य 27 56 17 04	व 00 29 06 05	32 16	05 53 18 48	06 17 19	वृश्चिक	00 04 45 33	36	21 52 07 36	भ. 06।02 से 16।39 तक, गंडमूल प्रा. 25।39, गणेश 4 व्रत
30	बु	4 20 09 13 56	ज्ये 44 39 23 44	वरि 19 33 13 41	बा 20 09 13 56	32 20	05 52 18 48	07 18 20	ध.23।44	00 05 44 09	34	23 01 08 25	अनुसुइया जयंती
वैशाख 01	गु	5 13 31 11 16	मू 40 07 21 54	परि 11 20 10 23	तै 13 31 11 16	32 24	05 51 18 49	08 19 21	धनु	00 06 42 44	32	24 00 09 21	गंडमूल स. 21।51
02	शु	6 07 18 08 46	पूषा 36 07 20 17	शि 03 29 07 14 / सि 56 05 28 16	व 07 18 08 46	32 28	05 50 18 50	09 20 22	म.25।55	00 07 41 16	31	24 06 10 24	भ. 08।43 से 19।33 तक
03	श	7 01 42 06 30	उषा 32 47 18 56	सा 49 19 25 33	ब 01 42 06 30	32 32	05 49 18 50	10 21 23	मकर	00 08 39 47	29	25 05 11 30	मासिक कालाष्टमी व्रत, शीतला पूजन, बूढ़ा बासौड़ा
00	श	8 56 48 28 33	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
04	र	9 52 48 26 56	श्रव 30 16 17 55	शुभ 43 14 23 06	तै 24 43 15 41	32 36	05 48 18 51	11 22 24	कुं.29।32	00 09 38 16	27	25 56 12 36	पंचक प्रा. 29।29, वृषे बुध: 24।16
05	चं	10 49 44 25 41	ध 28 39 17 15	शु 37 54 20 57	व 21 10 14 15	32 40	05 47 18 51	12 23 25	कुंभ	00 10 36 44	26	26 40 13 41	भ. 14।13 से 25।38 तक
06	मं	11 47 41 24 51	शत 28 01 16 59	ब्र 33 23 19 08	बव 18 36 13 13	32 43	05 46 18 52	13 24 26	कुंभ	00 11 35 10	24	27 18 14 43	वरूथिनि एकादशी व्रत
07	बु	12 46 43 24 27	पूभा 28 25 17 08	ऐं 29 42 17 38	कौ 17 05 12 36	32 47	05 46 18 52	14 25 27	मी.11।03	00 12 33 35	23	27 52 15 43	भरण्यां सूर्य: 24।32, मीने शुक्र: 18।19
08	गु	13 46 52 24 30	उभा 29 55 17 43	वै 26 55 16 31	ग 16 40 12 25	32 51	05 45 18 53	15 26 28	मीन	00 13 31 58	21	28 23 16 41	भ. 24।27 से, प्रदोष व्रत, गंडमूल प्रा. 17।40
09	शु	14 48 12 25 01	रेव 32 33 18 45	वि 25 02 15 45	वि 17 24 12 42	32 55	05 44 18 54	16 27 29	मे.18।45	00 14 30 19	19	28 53 17 38	भ. 12।39 तक, पंचक स. 18।42, गंडमूल स. 29।30, A
10	श	30 50 44 26 00	अ 36 21 20 15	प्री 24 06 15 21	चतु 19 20 13 27	32 58	05 43 18 54	17 28 30	मेष	00 15 28 39	18	29 24 18 34	देव-पितृकार्येऽमवस्या, सूर्य ग्रहण (भारते अदृश्य), गंडमूल B

वैशाख कृ. 7 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 23 अप्रैल

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	09	10	00	11	10	09	00	06	00	11	09
08	02	11	27	02	24	29	28	28	19	00	04
39	06	47	29	07	53	36	22	22	56	09	25
47	46	15	42	36	43	21	49	49	41	34	20
58	848	45	88	13	67	03	00	00	03	01	00
30	02	22	06	02	16	57	35	35	25	53	12
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ
अश्वि.3	उषा.2	शत.2	कृति.1	पूभा.4	पूभा.2	धनि.2	कृति.1	विशा.3	भरणी.2	पूभा.4	उषा.3

कुण्डली (23 अप्रैल): 1 — सू.बु. रा.ह.; 2; 3; 4; 5; 6; 7 — के.; 8; 9; 10 — च. श.प्लू.; 11 — मं. शु.; 12 — गु.ने.

[पक्ष फलम्]
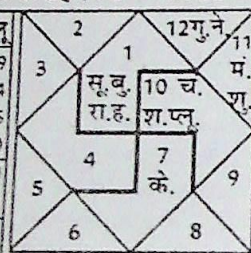
मास पांच रविवार तथा पांच सोमवार युत है। पक्ष में अष्टमी तिथि का क्षय हुआ है। ता. 19 अप्रैल अंगारक चतुर्थी लालवर्ण की वस्तुओं, लालमिर्च आदि में अच्छी तेजी के झटके तथा सोना, तांबा, चना, अरहर, दालों में तेजी करेगी। अष्टमी तिथि क्षय देशी घी में तेजी करेगी। 25 अप्रैल से बुध वृष में, 27 अप्रैल से शुक्र मीन में, 29 अप्रैल से शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में, 18 अप्रैल से नेपच्यून मीन में गोचर करेंगे। 18 अप्रैल से हर्षल पश्चिम में अस्त होंगे। प्लूटो 30 अप्रैल से मकर राशि में वक्री होंगे। वैशाख कृष्ण प्रतिपदा में नक्षत्र का मान प्रतिपदा से कम होने से वर्षा में कमी आयेगी। परन्तु शुक्रवारी चतुर्दशी से बदी चौदस वैशाख में गुरु अथवा भृगुवार। उत्तम उपजेगी फसल मंदा चले बाजार॥ कृषि उत्पादन अच्छा होने से महंगाई पर अंकुश लगेगा। ता. 27 अप्रैल मीन राशि में शुक्र का प्रवेश एवं गुरु के साथ युति से-एक जगह गुरु शुक्र हो बने युद्ध आसार। अनावृष्टि-अतिवृष्टि से दुख पावै संसार॥ फसलों को नुकसान तथा संसार में कहीं युद्ध की चर्चा चल सकती है। अश्विनी युत शनिवारी अमावस्या से मध्यम सुख मिलेगा। वैमनस्य बढ़ेगा। कष्ट फल अधिक होंगे। सभी धान्यों में तेजी आयेगी। रुई, सूत कपास, चांदी में घटबढ़ चलेगी। अनाज, गल्ला माल खरीदने की राय देती है। श्रावण में बेचने से लाभ। चना खरीदकर एक मास में बेचें, लाभ हो। महंगाई पर कुछ नियन्त्रण-बदि चौदस बैशाख में गुरु अथवा भृगुवार, उत्तम उपजेगी फसल मन्दा चलै बाजार शुक्रवारी कृष्ण चतुर्दशी से होगा। उभायां शुक्र: सफेद वस्तु, रुई, चांदी, मोती आदि में मंदी कारक तो आलू, हरी सब्जियां तेज करेगा।

वैशाख कृ. 30 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 30 अप्रैल

कुण्डली (30 अप्रैल): 1 — सू.चं. रा.ह.; 2 — बु.; 3; 4; 5; 6; 7 — के.; 8; 9; 10 — प्लू.; 11 — मं.श.; 12 — गु.शु. ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	00	10	01	11	11	10	00	06	00	11	09
15	05	17	05	03	02	00	28	28	20	00	04
28	38	04	53	37	47	02	12	12	20	22	26
39	58	42	42	13	33	03	07	07	45	13	00
58	753	45	54	12	68	03	01	01	03	01	00
19	13	19	37	33	06	22	17	17	27	44	00
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	उ	उ
भरणी 1	अश्वि.2	शत.4	कृति.3	उभा.1	पूभा.4	धनि.3	कृति.1	विशा.3	भरणी 3	पूभा.4	उषा.3

वैशाख शुक्ल पक्ष:-3

श्री सं. 2079 शाके 1944 | दिन मान | स्टैं. टा. सूर्योदयास्त | दिनांक प्र. मु. अं. | चन्द्र राशि प्रवेश | दै. रवि स्पष्ट प्रात: | नति | चन्द्रोदयास्त दिल्ली | ता. 1 से 16 मई 2022 ई., रा. मिति 11 से 26 वैशाख तक। रवि उत्तरायने, उत्तर गोले, ग्रीष्म ऋतु।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान घं. मि.	उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.	5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	नति	उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
11	र	1 54 25 27 28	भर 41 17 22 13	आ 24 05 15 20	कि 22 27 14 41	33 02	05 42 18 55	18 29 01	वृ.28।46	00 16 26 57	58/16	05 55 19 31	मजदूर दिवस
12	चं	2 59 11 29 22	कृ 47 17 24 36	सौ 24 55 15 39	बा 26 42 16 22	33 06	05 41 18 55	19 30 02	वृष	00 17 25 13	14	06 30 20 28	चन्द्रदर्शन मु. 30
13	मं	3 60 00 - -	रो 54 10 27 20	शो 26 32 16 17	तै 31 56 18 27	33 09	05 40 18 56	20 मळा. 01 03	वृष	00 18 23 27	12	07 08 21 25	सव्वाल मु.मा.10, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया
14	बु	3 04 51 07 36	मृ 60 00 - -	अति 28 43 17 09	ग 04 51 07 36	33 13	05 40 18 57	21 02 04	मि.16।48	00 19 21 40	10	07 50 22 20	भ. 20।46 से, गणेश चतुर्थी व्रत
15	गु	4 11 03 10 04	मृ 01 40 06 19	सु 31 14 18 08	वि 11 03 10 04	33 16	05 39 18 57	22 03 05	मिथुन	00 20 19 50	08	08 36 23 12	भ. 10।01 तक
16	शु	5 17 24 12 36	आ 09 22 09 23	धृ 33 46 19 08	बा 17 24 12 36	33 20	05 38 18 58	23 04 06	क.29।37	00 21 17 59	06	09 27 24 00	
17	श	6 23 26 15 00	पुन 16 48 12 20	शू 35 58 20 00	तै 23 26 15 00	33 23	05 37 18 59	24 05 07	कर्क	00 22 16 05	04	10 20 24 00	रामानुजाचार्य जयंती
18	र	7 28 37 17 03	पु 23 29 15 00	गं 37 27 20 35	व 28 37 17 03	33 26	05 37 18 59	25 06 08	कर्क	00 23 14 10	02	11 16 24 44	भ. 17।01 से; गंगा जयंती, गंडमूल प्रा. 14।57
19	चं	8 32 29 18 35	आ 28 56 17 10	वृ 37 53 20 45	वि 00 45 05 54	33 30	05 36 19 00	26 07 09	सिं.17।10	00 24 12 13	01	12 13 25 23	भ. 05।51 तक, मासिक दुर्गाष्टमी
20	मं	9 34 41 19 28	म 32 48 18 42	ध्रु 37 01 20 24	बा 03 49 07 07	33 33	05 35 19 00	27 08 10	सिंह	00 25 10 14	57/59	13 11 25 59	सीता नवमी, गंडमूल स. 18।40, बुध वक्री 29।21
21	बु	10 34 59 19 34	पूफा 34 49 19 30	व्या 34 41 19 27	तै 05 06 07 37	33 36	05 34 19 01	28 09 11	क.25।35	00 26 08 13	57	14 09 26 32	कृतिकायां सूर्य: 18।36
22	गु	11 33 22 18 54	उफा 34 57 19 33	ह 30 48 17 53	व 04 26 07 20	33 39	05 34 19 02	29 10 12	कन्या	00 27 06 10	55	15 08 27 04	भ. 07।18 से 18।52 तक, मोहिनी एकादशी व्रत
23	शु	12 29 52 17 30	ह 33 14 18 51	व 25 25 15 43	बव 01 51 06 18	33 42	05 33 19 02	30 11 13	कन्या	00 28 04 06	53	16 09 27 36	प्रदोष व्रत
24	श	13 24 43 15 26	चि 29 54 17 30	सि 18 41 13 01	तै 24 43 15 26	33 45	05 33 19 03	ज्ये. 01 12 14	तु.06।15	00 29 01 59	52	17 13 28 09	नरसिंह जयंती, वृष संक्रांति, वृषेऽर्क: 29।34, बुधास्त: 06।23
25	र	14 18 12 12 49	स्वा 25 13 15 37	व्य 10 48 09 51	व 18 12 12 49	33 48	05 32 19 03	02 13 15	तुला	00 29 59 51	50	18 20 28 45	भ. 12।46 से 23।18 तक, श्री सत्यनारायण पूजा
26	चं	15 10 38 09 47	वि 19 33 13 21	वरि 02 00 06 20 / परि 52 35 26 33	बव 10 38 09 47	33 51	05 31 19 04	03 14 16	वृ.07।56	01 00 57 42	49	19 31 29 26	बुद्ध जयन्ती, पूर्णिमा व्रत, चन्द्रग्रहण (भारते अदृश्य)

वैशाख शु. 8 चन्द्र प्रात: 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 9 मई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	03	10	01	11	11	10	00	06	00	11	09
24	24	23	10	05	13	00	28	28	20	00	04
12	00	51	35	27	04	28	15	15	51	36	24
13	59	53	51	11	11	55	39	39	55	53	46
58	735	45	07	11	68	02	00	00	03	01	00
02	03	09	21	51	55	35	07	07	28	31	16
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

2 बु. | 1 | गु.शु. 12 ने. | 11 मं. श | 3 | सू.रा. ह. | 10 प्लू. | 4 चं. | 7 के. | 5 | 9 | 6 | 8

[पक्ष फलम्]

वैशाख मास का नवीन चन्द्रदर्शन वैशाख शुक्ल पक्ष 2 सोमवार 2 मई 2022 को वृष राशि, कृतिका नक्षत्र में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ति है। वृष राशि के चन्द्रदर्शन से सभी प्रकार के धान्य, मूंग, उड़द, मोंठ, मसूर, तिल तेल में तेजी। वृष राशि के चन्द्रदर्शन में दोनों शृंग समान होंगे। व्यापारिक वस्तुओं के भाव प्राय: ही स्थिर होंगे। उड़द, मूंग, मोठ, तिल में तेजी बनेगी। चन्द्रमा लाल वर्ण होने से रसों की हानि होगी। युद्ध अथवा आतंकवाद से जन हानि होगी। वैशाख शुक्ल पक्ष में तृतीया की वृद्धि हुई है। 10 मई से बुध वक्री होंगे तथा 14 मई से वक्रावस्था में पश्चिम में अस्त हो जायेंगे। प्रतिपदा के भरणी नक्षत्र से वैशाख शुद्धप्रतिपदभरण्यांतृण सम्भव। तृण तथा भूसे वाले धान्यों का उत्पादन श्रेष्ठ रहेगा। वैशाख शुक्ल तृतीया में रोहिणी नक्षत्र से सुभिक्ष रहेगा। शुक्रवारी वैशाख शुक्ल पंचमी से विवाद बढ़ेंगे। मघा नक्षत्र युत मंगलवारी नवमी से वैश्विक कष्ट रहेगा। रविवारी रात्रि कालीन गत संक्रांति से चौथे वार पांचवें नक्षत्र जया तिथि त्रयोदशी की 15 मुहूर्ति बैठी वृष संक्रांति में संक्रामक रोगों का उपद्रव बढ़ेगा। शासन सत्ता में बैठे नेताओं की कार्य प्रणाली विवाद का कारण बनेगी। तापमान बढ़ने से तेज गर्मी पड़ेगी। तेज हवायें चलेंगी। व्यतिपात योग से विश्व में उपद्रव होंगे। वृष राशि के रवि करैं सुख सम्पदा सुकाल। दूध, दही, घी में रहे मंहगाई की चाल॥' के अनुसार देश की जी.डी.पी. में सुधार होगा। अनाज, दूध, दही, घी गुड़, खांड, तिलहन में तेजी आयेगी। रांगा में कभी तेजी तो कभी मंदी आयेगी। वृष संक्रांति के दिन यदि वर्षा हुई तो छूत के रोगों का प्रकोप होगा। अनावृष्टि से कृषि की हानि होगी। धान्य तथा किराना का संग्रह कर पांच मास पश्चात् बेचने से लाभ होगा। संक्रांति पुण्य काल: रात्रि 28।45 से पूर्वान्ह 11।09 से तक, दान-गौ।

वैशाख शु. 15 चन्द्र प्रात: 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 16 मई

3 | रा.।ह. | शु. | 4 | 2 | 12 ने. | सू. बु. | 11 मं.श. | गु. | 5 | 8 | 10 प्लू. | 6 | 7 चं.के. | 9

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	06	10	01	11	11	10	00	06	00	11	09
00	28	29	09	06	21	00	28	28	21	00	04
57	29	07	31	48	08	44	15	15	16	46	22
42	48	28	42	02	25	44	31	31	02	55	16
57	886	45	24	14	69	01	00	00	03	01	00
50	41	00	00	14	27	56	17	17	26	20	27
-	-	मा	व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः-4

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 17 से 30 मई 2022 ई., रा. मिति 27 वैशा. से 9 ज्येष्ठ तक। रवि उत्तरायने, उत्तर गोले, ग्रीष्म ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	विवरण
वैशा. 27	मं	1 02 24 06 29	अनु 13 15 10 49	शि 42 53 22 40	कौ 02 24 06 29	33 54	05 31 19 05	04 15 17	वृश्चिक	01 01 55 31	57 47	20 43 06 13	नारद जयंती, गंडमूल प्रा. 10।46, मीन भौम: 09।32
00	मं	2 53 51 27 03	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
28	बु	3 45 24 23 40	ज्ये 06 45 08 12	सि 33 10 18 46	ब 19 36 13 21	33 57	05 30 19 05	05 16 18	ध.08।12	01 02 53 19	46	21 53 07 08	भ. 13।18 से 23।37 तक
29	गु	4 37 23 20 27	मू 00 25 05 40 / पूषा 54 35 27 20	सा 23 45 15 00	बव 11 19 10 02	34 00	05 30 19 06	06 17 19	धनु	01 03 51 05	45	22 57 08 11	गणेश चतुर्थी व्रत, गंडमूल स. 05।37
30	शु	5 30 07 17 32	उषा 49 39 25 21	शुभ 14 55 11 27	कौ 03 38 06 57	34 03	05 29 19 06	07 18 20	म.08।48	01 04 48 50	44	23 53 09 18	
31	श	6 23 53 15 02	श्रव 45 50 23 49	शु 06 52 08 14 / ब्र 59 48 29 24	व 23 53 15 02	34 05	05 29 19 07	08 19 21	मकर	01 05 46 34	43	24 00 10 27	भ. 14।59 से 25।56 तक
ज्ये. 01	र	7 18 56 13 03	ध 43 22 22 49	ऐं 53 52 27 01	बव 18 55 13 03	34 08	05 28 19 07	09 20 22	कुं.11।15	01 06 44 17	42	24 40 11 34	मासिक कालाष्टमी, पंचक प्रा. 11।12
02	चं	8 15 23 11 37	शत 42 21 22 25	वै 49 09 25 08	कौ 15 23 11 37	34 10	05 28 19 08	10 21 23	कुम्भ	01 07 41 59	40	25 20 12 37	मेषे शुक्र: 20।30, दादूदयाल पुण्य तिथि
03	मं	9 13 22 10 48	पूभा 42 51 22 36	वि 45 39 23 43	ग 13 22 10 48	34 13	05 28 19 09	11 22 24	मी.16।30	01 08 39 40	39	25 55 13 38	भ. 22।35 से,
04	बु	10 12 50 10 35	उभा 44 47 23 22	प्री 43 19 22 47	वि 12 50 10 35	34 15	05 27 19 09	12 23 25	मीन	01 09 37 20	39	26 26 14 36	भ. 10।33 तक, गंडमूल प्रा. 23।19, रोहिण्यां रवि: 14।52
05	गु	11 13 46 10 57	रेव 48 06 24 41	आ 42 05 22 17	बा 13 46 10 57	34 17	05 27 19 10	13 24 26	मे.24।41	01 10 34 59	38	26 56 15 32	अपरा एकादशी व्रत, पंचक स. 24।38
06	शु	12 16 01 11 51	अ 52 36 26 29	सौ 41 50 22 10	तै 16 01 11 51	34 19	05 26 19 10	14 25 27	मेष	01 11 32 37	37	27 26 16 28	प्रदोष व्रत, गंडमूल स. 26।26
07	श	13 19 26 13 12	भर 58 09 28 42	शो 42 26 22 24	व 19 26 13 12	34 22	05 26 19 11	15 26 28	मेष	01 12 30 14	35	27 57 17 24	भ. 13।10 से 26।00 तक, वट सावित्री व्रतारंभ
08	र	14 23 50 14 58	कृ 60 00 - -	अ 43 45 22 56	शकु 23 50 14 58	34 24	05 26 19 11	16 27 29	वृ.11।18	01 13 27 50	34	28 30 18 20	A वट सावित्री व्रत स.
09	चं	30 29 03 17 03	कृ 04 33 07 15	सु 45 38 23 41	ना 29 03 17 03	34 26	05 26 19 12	17 28 30	वृष	01 14 25 24	33	29 06 19 17	देव-पितृकार्येऽमवस्या, सोमवती अमा., शनैश्चर जयंती, A

[पक्ष फलम्]

ज्येष्ठ कृ. 8 चन्द्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 23 मई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	10	11	01	11	11	10	00	06	00	11	09
07	10	04	05	08	29	00	28	28	21	00	04
41	28	21	51	04	16	55	14	14	39	55	18
59	37	50	43	17	15	56	01	01	49	37	27
57	817	44	34	10	69	01	00	00	03	01	00
41	21	48	20	32	56	16	01	01	22	09	38
-	-	मा	व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
कृति. 4	रोहि. 2	उ.भा. 1	कृति. 3	उ.भा. 2	रेवती 4	धनि. 3	कृति. 1	विशा. 3	भरणी 3	पू.भा. 4	उ.षा. 3

3, 2, रा.1ह., गु. 12शु., 4, सू.बु. 11 च. मं. ने., श., 5, 8, 6, 10 प्लू., 7 के., 9
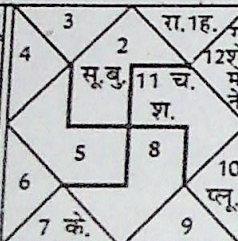
मास पांच मंगलवार युत है। कृष्ण पक्ष में द्वितीया का क्षय हुआ है। 17 मई से मंगल मीन में, 23 मई से शुक्र मेष में गोचर करेंगे। हर्षल मेष राशि में 27 मई की रात्रि में पूर्व दिशा में उदित होंगे। युद्धजनक परिस्थितियां बनेंगी। किन्हीं राज्यों में सत्ता परिवर्तन होगा। मंत्रीमंडल में परिवर्तन होगा। आपसी कलह, अशान्ति तथा रक्त विकार से हानि होगी। स्त्रियों में रक्त विकार, प्रदर रोग का विकार अधिक फैलेगा। **जेठी बदी एकम पड़े रवि मंगल बुधवार, संक्रामक रोगों का रहे मास में गर्म बाजार।** छूत की किसी बीमारी से कष्ट रहेगा। जनता विक्षोभित रहेगी। प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं मूंग, मोठ, चनादि दालें, तिलहन, रुई, लाल वस्तुओं में तेजी आयेगी। एकादशी के रेवती नक्षत्र से खण्डवृष्टि का योग रहेगा। सोमवारी अमावस्या से सुभिक्ष तथा कुशलता रहेगी। रोगों की तीव्रता कम होगी।

ज्येष्ठ कृ. 30 चन्द्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 30 मई

3, 2, शु.1रा.ह., मं. 12ने. गु., 4, सू.चं. बु. 11 श., 5, 8, 6, 10 प्लू., 7 के., 9
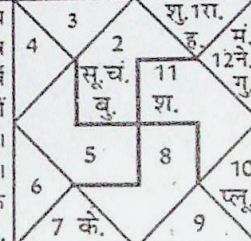
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	01	11	01	11	00	10	00	06	00	11	09
14	09	09	02	09	07	01	28	28	22	01	04
25	07	34	35	15	27	02	19	19	03	02	13
24	37	36	15	23	11	24	22	22	02	55	26
57	719	44	17	09	70	00	00	00	03	00	00
34	18	32	49	46	20	34	16	16	16	56	48
-	-	मा	व	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
रोहि. 2	कृति. 4	उ.भा. 2	कृति. 2	उ.भा. 2	अश्वि. 3	धनि. 3	कृति. 1	विशा. 3	भरणी 3	पू.भा. 4	उ.षा. 3

अमावस्या में वृष के चन्द्रमा से व्यापारियों को कष्ट रहेगा। चौरी तस्करी बढ़ेगी। मृत्यु दर में वृद्धि होगी। ता. 23 मई मेषे शुक्र+राहु का योग-मेष राशि पर होय जब शुक्र राहु संयोग। धान्य भाव महंगा रहे विग्रह पीड़ित लोग।। उपद्रव, विग्रह आदि से जनता को कष्ट तथा अनाजों में अच्छी तेजी समर्थक तो रुई, कपास में भारी मंदी। यहां भारी मंदी आवे तो खरीदना लाभदायक। आगे उत्तम लाभ होगा। ता. 30 मई सोमवती [illegible] नीचे आयेंगे। ज्येष्ठ मास की सोमवती अमावस होने से

31 मई से 14 जून 2022 ई. रा. मिति 10 से 24

धान्य भाव महंगा रहे विग्रह पीड़ित लोग।। उपद्रव, [illegible] में भारी मंदी। यहां भारी मंदी आवे तो खरीदना लाभदायक। आगे उत्तम लाभ होगा। ता. 30 मई सोमवती अमावस एक सप्ताह के अंदर व्यापार की सर्व वस्तुओं के भावों में बाजार नीचे आयेगो। ज्येष्ठ मास की सोमवती अमावस होने से

ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः-5

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 31 मई से 14 जून 2022 ई., रा. मिति 10 से 24 ज्येष्ठ तक। रवि उत्तरायने, उत्तर गोले, ग्रीष्म ऋतु।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
ज्ये. 10	मं	1 34 51 19 22	रो 11 36 10 04	धृ 47 56 24 36	कि 01 54 06 11	34 28	05 25 19 12	18 29 31	मि.23।32	01 15 22 58	57/32	05 47 20 13	करवीर व्रत, दशाश्वमेध घाट स्नान प्रा.
11	बु	2 41 02 21 50	मृ 19 05 13 03	शू 50 28 25 36	बा 07 55 08 35	34 29	05 25 19 13	19 जून 01 J1	मिथुन	01 16 20 31	31	06 32 21 07	चन्द्रदर्शन मु. 30, जिल्काद मु.मा.11
12	गु	3 47 18 24 20	आ 26 44 16 07	गं 53 03 26 38	तै 14 10 11 05	34 31	05 25 19 13	20 02 02	मिथुन	01 17 18 02	30	07 21 21 56	रम्भा तृतीया A 25।03, बुध मार्गी 25।33
13	शु	4 53 20 26 45	पुन 34 17 19 08	वृ 55 26 27 35	व 20 22 13 34	34 33	05 25 19 14	21 03 03	क.12।23	01 18 15 33	29	08 14 22 42	भ. 13।31 से 26।42 तक, गणेश चतुर्थी व्रत, बुधोदय A
14	श	5 58 47 28 55	पु 41 22 21 57	ध्रु 57 23 28 22	बव 26 09 15 52	34 34	05 25 19 14	22 04 04	कर्क	01 19 13 02	27	09 09 23 22	गंडमूल प्रा. 21।55, शनि वक्री 14।25, श्रुति पंचमी
15	र	6 60 00 - -	आ 47 37 24 27	व्या 58 35 28 50	कौ 31 10 17 53	34 36	05 24 19 15	23 05 05	सिं.24।27	01 20 10 30	26	10 05 23 59	जामित्र षष्ठी (बं.)
16	चं	6 03 16 06 43	म 52 40 26 28	ह 58 46 28 55	तै 03 16 06 43	34 37	05 24 19 15	24 06 06	सिंह	01 21 07 57	25	11 01 24 00	गंडमूल स. 26।25
17	मं	7 06 24 07 58	पूफा 56 10 27 52	व 57 42 28 29	व 06 24 07 58	34 39	05 24 19 16	25 07 07	सिंह	01 22 05 22	24	11 57 24 32	भ. 07।55 से 20।18 तक, मासिक दुर्गाष्टमी
18	बु	8 07 53 08 33	उफा 57 52 28 33	सि 55 11 27 29	बव 07 53 08 33	34 40	05 24 19 16	26 08 08	क.10।07	01 23 02 47	23	12 54 25 03	मृगेऽर्क: 12।37, धूमावती जयंती
19	गु	9 07 30 08 24	ह 57 41 28 29	व्य 51 09 25 52	कौ 07 30 08 24	34 41	05 24 19 17	27 09 09	कन्या	01 24 00 10	22	13 52 25 33	गंगा दशहरा
20	शु	10 05 12 07 29	चि 55 38 27 39	वरि 45 33 23 38	ग 05 12 07 29	34 42	05 24 19 17	28 10 10	तु.16।09	01 24 57 32	21	14 53 26 04	भ. 18।42 से, निर्जला एकादशी व्रत
21	श	11 01 01 05 48	स्वा 51 49 26 08	परि 38 31 20 49	वि 01 01 05 48	34 43	05 24 19 17	29 11 11	तुला	01 25 54 53	20	15 57 26 38	भ. 05।46 तक, चम्पक द्वादशी
00	श	12 55 06 27 27	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
22	र	13 47 44 24 30	वि 46 32 24 01	शि 30 12 17 29	कौ 21 35 14 02	34 44	05 24 19 18	30 12 12	वृ.18।36	01 26 52 13	19	17 05 27 16	वट सावित्री व्रतारंभ, प्रदोष व्रत
23	चं	14 39 14 21 06	अनु 40 07 21 27	सि 20 51 13 45	गर 13 36 10 51	34 45	05 24 19 18	31 13 13	वृश्चिक	01 27 49 32	18	18 17 27 59	भ. 21।03 से, गंडमूल प्रा. 21।24, श्री सत्यनारायण पूजा
24	मं	15 30 00 17 24	ज्ये 32 56 18 35	सा 10 45 09 42	वि 04 41 07 17	34 46	05 24 19 18	32 14 14	ध.18।35	01 28 46 51	17	19 30 28 51	भ. 07।14 तक, वट सावित्री व्रत स., पूर्णिमा व्रत

ज्येष्ठ शु. 8 बुध प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 8 जून

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	04	11	01	11	00	10	00	06	00	11	09
23	27	16	02	10	18	01	28	28	22	01	04
02	32	13	43	38	02	03	06	06	31	10	05
47	07	24	45	19	01	36	22	22	41	05	19
57	768	04	21	08	70	02	01	01	03	00	01
24	54	04	04	38	44	19	06	06	05	39	00
-	-	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	मा	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-

4 — 3 — 2 — शु. 1 रा. ह. — 12 मं. ने. गु. — सू. बु. — 11 श. — 5 चं. — 8 — 6 — 10 प्लू. — 7 के. — 9

[पक्ष फलम्]

ज्येष्ठ मास का नवीन चन्द्रदर्शन । जून 2022 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया बुधवार को मृगशिर नक्षत्र के अंतर्गत मिथुन राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ति होगा। चन्द्रदर्शन में उत्तरी शृंग ऊंचा होने से प्रत्येक वस्तुओं रुई, सूत, कपास, गेहूं, जौ, चना, बाजरा, मक्का, ग्वार, तुआर, अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख रहेगा। ता. 31 को एकम् मंगलवारी शनि अंगारक योग से सभी प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में तूफानी तेजी-मंदी चल सकती है। इसका विशेष प्रभाव रुई, रेशम, कालीमिर्च, मूल पदार्थ आलू, हल्दी, गेहूं आदि अनाज तथा तिलहन पर पड़ता है। सोना, चांदी में अच्छी घटबढ़ रहे। ता. 1 जून सुदी 2 बुधवारी छट, रविवारी से पक्ष में घी तेज तथा रुई, कालीमिर्च, रेशम में मंदा। शुक्ल प्रतिपदा के मृगशिरा नक्षत्र के योग से अच्छी पवन चलेगी। आर्द्रा युत ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया के दिन की वर्षा होने से खाद्यान्नों में कमी आयेगी। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में षष्ठी तिथि की वृद्धि होकर द्वादशी का क्षय हुआ है। जैहि पखवारे तिथि घटे वाही में बढ़ जाये। सभी वस्तु सस्ती रहे, महंगाई हट जाये।। 03 जून बुध पूर्व दिशा में उदित होकर मार्गी होने से रुई, सोना, चांदी, गुड़, चीनी, गेहूं में तेजी के झटके लायेगा। शनि 5 जून से कुंभ राशि में वक्री होने से अनाज, तिलहन, मूल पदार्थ, गुड़, उड़द, बिनौला, दालों में तेजी तो सुदी 7 पक्ष में खल-बिनौला, सरसों, खाद्य तेलों में अच्छी तेजी का वातावरण बन सकता है। मूल नक्षत्र संयुत पूर्णिमा से अच्छी वर्षा से सभी जगह कृषि उत्पादन संतोषजनक रहेगा आर्द्रा युत तृतीया में वर्षा होने से आगे के दिनों में वर्षा में कमी रहेगी। ता. 14 जून मंगलवारी पुनप+योग का क्षय से रुई, सोना, चांदी, सरसों, गुवार, मटर, कालीमिर्च, उड़द आदि दालों में अधिक घटबढ़ चलते बाजार आगे तेज होंगे।

ज्येष्ठ शु. 15 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 14 जून

4 — 3 — 2 — शु. 1 रा. ह. — 12 मं. गु. ने. — सू. बु. — 11 श. — 5 — 8 चं. — 6 — 10 प्लू. — 7 के. — 9

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	07	11	01	11	00	10	00	06	00	11	09
28	21	20	06	11	25	01	28	28	22	01	03
46	43	36	05	27	07	00	09	09	49	13	59
51	51	48	58	44	13	00	19	19	49	26	00
57	908	43	46	07	71	00	02	02	02	00	01
18	17	44	18	49	00	53	50	50	57	28	06
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-

आषाढ़ कृष्ण पक्षः-6

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 15 से 29 जून 2022 ई., रा. मिति 25 ज्ये. से 8 आषा. तक। रवि उत्तर-दक्षिणायने, उत्तर गोले, ग्रीष्म-वर्षा ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	
ज्ये. 25	बु	1 20 26 13 35	मू 25 28 15 35	शूल 00 15 05 30 / [illegible] 49 41 25 17	कौ 20 26 13 35	34 46	05 24 19 19	01 15 15	धनु	01 29 44 08	57/17	20 39 05 51	मिथुन संक्रांति, गंडमूल स. 15।33, मिथुनऽर्क: 12।09
26	गु	2 10 59 09 48	पूषा 18 08 12 40	ब 39 26 21 11	गर 10 59 09 48	34 47	05 24 19 19	02 16 16	म.17।58	02 00 41 26	16	21 41 06 59	भ. 19।56 से,
27	शु	3 02 03 06 14	उषा 11 25 09 58	ऐं 29 49 17 20	वि 02 03 06 14	34 47	05 25 19 19	03 17 17	मकर	02 01 38 42	16	22 33 08 10	भ. 06।11 तक, गणेश चतुर्थी व्रत
00	शु	4 54 05 27 02	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
28	श	5 47 24 24 22	श्रव 05 43 07 42	वै 21 09 13 52	कौ 20 33 13 38	34 47	05 25 19 20	04 18 18	कुं.18।45	02 02 35 58	15	23 18 09 20	पंचक प्रा. 18।43, वृषे शुक्र: 08।20
29	र	6 42 21 22 21	धनि 01 24 05 59 / शत 58 47 28 56	वि 13 43 10 54	गर 14 39 11 17	34 48	05 25 19 20	05 19 19	कुंभ	02 03 33 14	15	23 55 10 27	भ. 22।19 से,
30	चं	7 39 08 21 04	पूभा 58 02 28 38	प्री 07 43 08 30	वि 10 30 09 37	34 48	05 25 19 20	06 20 20	मी.22।38	02 04 30 30	15	24 00 11 31	भ. 09।35 तक
31	मं	8 37 51 20 34	उभा 59 11 29 06	आ 03 15 06 43	बा 08 14 08 43	34 48	05 25 19 20	07 21 21	मीन	02 05 27 45	15	24 29 12 30	मासिक कालाष्टमी, गंडमूल प्रा. 29।03
आषा. 01	बु	9 38 27 20 48	रे 60 00 - -	सौ 00 20 05 33 / शो 58 52 28 58	तै 07 55 08 35	34 48	05 25 19 21	08 22 22	मीन	02 06 25 00	15	25 00 13 28	गंडमूल स. 29।30, आर्द्रायां रवि: 11।42
02	गु	10 40 47 21 44	रे 02 08 06 17	अति 58 42 28 55	व 09 24 09 12	34 48	05 26 19 21	09 23 23	मे.06।17	02 07 22 15	14	25 30 14 24	भ. 09।09 से 21।42 तक, पंचक स. 06।14
03	शु	11 44 33 23 15	अ 06 41 08 06	सु 59 35 29 16	बव 12 30 10 26	34 47	05 26 19 21	10 24 24	मेष	02 08 19 30	14	26 00 15 19	योगिनी एकादशी व्रत, गंडमूल स. 08।04
04	श	12 49 27 25 13	भ 12 30 10 26	धृ 60 00 - -	कौ 16 53 12 11	34 47	05 26 19 21	11 25 25	वृ.17।05	02 09 16 45	14	26 32 16 15	
05	र	13 55 05 27 29	कृ 19 15 13 08	धृ 01 14 05 56	ग 22 11 14 19	34 47	05 27 19 21	12 26 26	वृष	02 10 14 00	14	27 07 17 11	भ. 27।26 से, प्रदोष व्रत
06	चं	14 60 00 - -	रो 26 35 16 05	शू 03 26 06 49	वि 28 05 16 41	34 46	05 27 19 21	13 27 27	वृष	02 11 11 14	14	27 45 18 07	भ. 16।38 तक, मेषे भौम: 05।41
07	मं	14 01 10 05 55	मृ 34 11 19 08	गं 05 56 07 50	शकु 01 10 05 55	34 46	05 27 19 21	14 28 28	मि.05।36	02 12 08 29	14	28 29 19 02	पितृकार्येऽमावस्या
08	बु	30 07 23 08 25	आ 41 49 22 11	वृ 08 32 08 52	ना 07 23 08 25	34 45	05 27 19 21	15 29 29	मिथुन	02 13 05 43	14	29 17 19 53	देव कार्येऽमावस्या

आषाढ़ कृ. 8 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 21 जून

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	11	11	01	11	01	10	00	06	00	11	09
05	03	25	13	12	03	00	27	27	23	01	03
27	48	41	01	19	25	51	40	40	09	15	50
45	53	23	55	00	20	29	41	41	50	53	51
57	795	43	72	06	71	01	00	00	02	00	01
15	01	16	24	48	19	33	53	53	46	14	13
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
मृग. 4	उ.भा. 1	रेवती 3	रोहि. 1	उ.भा. 3	कृति. 3	धनि. 3	कृति. 1	विशा. 3	भरणी 3	पू.भा. 4	उ.षा. 3

4 | बु.2शु. | 1 रा. ह. | 5 | 3 सू. | 12 ने. चं.मं.गु. | 6 | 9 | 7 के. | 11 श. | 8 | 10प्लू.

[पक्ष फलम्]

पक्ष में चतुर्थी का क्षय होकर चतुर्दशी की वृद्धि हुई है। पांच बुधवार युत मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी। सुभिक्ष होगा। किन्हीं स्थानों पर अच्छी तथा किन्हीं स्थानों पर साधारण वर्षा रहेगी। धान्य आदि के भावों में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। गुरुवारी द्वितीया से अच्छी वर्षा होगी। रोहिणी युत चतुर्दशी से राजनैतिक विवादों से राजकीय वातावरण बिगड़ेगा। बुधवारी अमावस्या से कई उच्च पदस्थ व्यक्ति पद-प्रतिष्ठा से वंचित होंगे। किन्हीं स्थानों पर अत्याधिक वर्षा अथवा जल प्लावन से कृषि की हानि होगी। 18 जून से शुक्र वृष में, 27 जून से मंगल मेष में गोचर करेंगे। 28 जून से नेपच्यून वक्री होंगे। गत संक्रांति से चौथे वार, पांचवे नक्षत्र, प्रतिपदा तिथि की खड़ी 30 मुहूर्ति बुधवारी मिथुन संक्रांति (15 जून 12।04 पर) राजनैतिक विवादों को हल करने की दिशा में गम्भीरं प्रयास होंगे। विश्व में युद्धजनक परिस्थितियों पर विराम लगेगा परन्तु पश्चिमी देशों में राजनैतिक उथल-पुथल चलती रहेगी। पर्वतीय क्षेत्रों में उपद्रवों से जन-धन की हानि होगी। देश की जी.डी.पी. में बढ़त रहेगी। संक्रांति समय धनु के चन्द्रमा से घी, गुड़, खांड, रसकस, चांदी, आयरन, स्टील, लोहे के उपकरण, मशीन, आटोमोबाईल, समुद्री उत्पाद- मोती आदि महंगे होंगे। तांबा में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगी। घी में मंदा रहेगा। तिल, तैल, सरसों, अलसी, दाना, अरण्डा आदि तिलहनों तथा धान्य का संग्रह कर चौथे महीने में बेचने से लाभ होगा। पर[illegible] अनावृष्टि, महामारी आदि से जन-धन की हानि होगी। संक्रांति

आषाढ़ कृ. 30 बुध प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 29 जून

4 | बु.2शु. | 1 मं.रा. ह. | 5 | 3 सू. चं. | 12 गु.ने. | 6 | 9 | 7 के. | 11 श. | 8 | 10प्लू.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	02	00	01	11	01	10	00	06	00	11	09
13	11	01	24	13	12	00	27	27	23	01	03
05	46	25	29	08	57	36	34	34	30	16	40
43	33	07	02	24	12	14	04	04	57	44	39
57	709	42	99	05	71	02	06	06	02	00	01
14	27	38	18	31	39	15	33	33	31	01	19
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
आर्द्रा 2	आर्द्रा 2	अश्वि. 1	मृग. 1	उ.भा. 3	रोहि. 1	धनि. 3	कृति. 1	विशा. 3	भरणी 4	पू.भा. 4	उ.षा. 3

आयरन, स्टील, लोहे के उपकरण, मशीन, आटोमोबाईल, समुद्री उत्पाद- मोती आदि महंगे होंगे। ...

आषाढ़ शुक्ल पक्षः-7 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 30 जून से 13 जुलाई 2022 ई., रा. मिति 9 से 22 आषा. तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ.प. घं.मि	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ.प. घं.मि.	योग स्टैं.टा. यो घ.प. घं.मि	करण स्टैं.टा. क घ.प. घं.मि.	दिनमान	स्टैं.टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं.मि. घं.मि.	दिनांक प्र.मु.अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं.मि. घं.मि.	
09	गु	1 13 31 10 52	पु 49 15 25 10	वृ 11 03 09 53	बव 13 31 10 52	34 44	05 28 19 22	16 30 30	क.18।26	02 14 02 57	57/13	06 09 20 40	गुप्त नवरात्र प्रा. A गंडमूल प्रा. 27।56
10	शु	2 19 20 13 12	पुष्य 56 16 27 59	ध्या 13 21 10 49	कौ 19 20 13 12	34 43	05 28 19 22	17 मिथुं 01 J1	कर्क	02 15 00 11	13	07 04 21 22	चन्द्रदर्शन मु. 45, जिल्हिज मु.मा.12, रथयात्रा (पुरी), A
11	श	3 24 38 15 20	आ 60 00 - -	ह 15 16 11 35	ग 24 38 15 20	34 42	05 29 19 22	18 02 02	कर्क	02 15 57 25	13	08 00 22 00	भ. 28।15 से, मिथुने बुधः 09।48
12	र	4 29 12 17 10	आ 02 39 06 33	व 16 38 12 08	वि 29 12 17 10	34 41	05 29 19 21	19 03 03	सिं.06।33	02 16 54 38	12	08 56 22 33	भ. 17।07 तक, गणेश चतुर्थी व्रत
13	चं	5 32 46 18 36	म 08 12 08 46	सि 17 17 12 24	बव 01 07 05 56	34 40	05 29 19 21	20 04 04	सिंह	02 17 51 51	12	09 51 23 05	गंडमूल स. 08।43
14	मं	6 35 05 19 32	पूफा 12 38 10 33	व्य 17 00 12 18	कौ 04 05 07 08	34 39	05 30 19 21	21 05 05	क.16।55	02 18 49 04	12	10 47 23 34	कुमार षष्ठी व्रत
15	बु	7 35 53 19 52	उफा 15 41 11 47	वरि 15 36 11 45	गर 05 41 07 46	34 38	05 30 19 21	22 06 06	कन्या	02 19 46 16	12	11 43 24 00	भ. 19।49 से, सूर्य प्रवेश पुन. 11।11
16	गु	8 35 02 19 31	ह 17 09 12 22	परि 12 55 10 41	वि 05 40 07 47	34 36	05 31 19 21	23 07 07	तु.24।25	02 20 43 28	11	12 40 24 04	भ. 07।44 तक, मासिक दुर्गाष्टमी, बुधास्त 17।51
17	शु	9 32 23 18 28	चि 16 53 12 16	शि 08 50 09 03	बा 03 55 07 05	34 35	05 31 19 21	24 08 08	तुला	02 21 40 40	11	13 41 24 35	भड्डली नवमी, गुप्त नवरात्र समा.
18	श	10 27 58 16 43	स्वा 14 50 11 27	सि 03 18 06 51 / सा 56 22 28 04	तै 00 23 05 41	34 33	05 32 19 21	25 09 09	वृ.28।24	02 22 37 52	11	14 45 25 10	भ. 27।32 से, A जैन चातुर्मास्य प्रा.
19	र	11 21 52 14 17	वि 11 05 09 58	शुभ 48 08 24 47	वि 21 52 14 17	34 32	05 32 19 21	26 10 10	वृश्चिक	02 23 35 04	11	15 53 25 49	भ. 14।14 तक, देवशयन 11 व्रत, यमनियमादि चामुर्मास्य प्रा.
20	चं	12 14 21 11 17	अनु 05 50 07 52 / ज्ये 59 24 29 18	शु 38 48 21 04	बा 14 21 11 17	34 30	05 32 19 20	27 11 11	ध.29।18	02 24 32 15	11	17 05 26 35	प्रदोष व्रत, गंडमूल प्रा. 07।50
21	मं	13 05 41 07 49	मू 52 08 26 24	ब्र 28 40 17 01	तै 05 41 07 49	34 28	05 33 19 20	28 12 12	धनु	02 25 29 27	11	18 15 27 30	भ. 28।01 से, गंडमूल स. 26।21, मकरे शनिः 06।07, A
00	मं	14 56 17 28 04	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	05 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः B व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा
22	बु	15 46 32 24 10	पूषा 44 29 23 21	ऐं 18 03 12 47	वि 21 24 14 07	34 26	05 33 19 20	29 13 13	म.28।35	02 26 26 38	11	19 21 28 34	भ. 14।05 तक, मिथुने शुक्रः 10।54, गुरु पूर्णिमा, पूर्णिमा B

आषाढ़ शु. 8 गुरु प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 7 जुलाई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	05	00	02	11	01	10	00	06	00	11	09
20	19	07	09	13	22	00	26	26	23	01	03
43	34	03	16	47	31	15	52	52	49	15	29
28	15	12	26	08	30	31	37	37	54	29	47
57	786	41	121	04	71	02	00	00	02	00	01
12	28	52	23	08	56	54	42	42	13	17	23
-	-	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

Chart (ता. 7 जुलाई): 1 मं. ह. रा.; शु. 2; 3 सू. बु.; 4; 5; 6 चं.; 7 के.; 8; 9; 10 प्लू.; 11 श.; 12 गु. ने.

[पक्ष फलम्]

मास का चन्द्रदर्शन 30 जून 2022 आषाढ़ शुक्ल पक्ष। गुरुवार को पुनर्वसु नक्षत्र अंतर्गत कर्क राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती है। पुनर्वसु नक्षत्र में होने के कारण प्रायः सभी व्यापारिक वस्तुओं के भावों में मंदी रहेगी। कर्क राशि अंतर्गत चन्द्रमा के उदित समय दोनों शृंग बराबर हों तो प्रत्येक व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी लाकर बाद में भाव समान हो जाते हैं। पुनर्वसु नक्षत्र होने के कारण चन्द्रमा पर मण्डल हो तो पश्चिम क्षेत्र में अतिवृष्टि से जन मानस परेशान रहेगा। गुरुवार को चन्द्रदर्शन होने से रुई, सूत, सूती-रेशमी-ऊनी वस्त्र, सरसों, तिलहन, तेल, घी में तेजी बनेगी। सोना, चांदी, जस्ता, पारा, खांड, शक्कर, गुड़ में मंदी। घी, गुड़, शक्कर, चीनी, सरसों में तेजी। पक्ष में चतुर्दशी का क्षय हुआ है। 02 जुलाई से बुध मिथुन में, 12 जुलाई से शनि वक्री होकर मकर में तथा 13 जुलाई से शुक्र मिथुन में गोचर करेंगे। 08 जुलाई से बुध पूर्व में अस्त होंगे।

आषाढ़ शु. 15 बुध प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 13 जुलाई

Chart (ता. 13 जुलाई): 1 मं. ह. रा.; शु. 2; 3 सू. बु.; 4; 5; 6; 7 के.; 8; 9 चं.; 10 शं. प्लू.; 11; 12 गु. ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	08	00	02	11	01	09	00	06	00	11	09
26	15	11	21	14	29	29	26	26	24	01	03
26	18	12	52	08	43	56	39	39	02	13	21
38	05	33	20	45	46	47	28	28	33	13	19
57	915	41	128	03	72	03	08	08	01	00	01
12	42	14	59	03	10	20	30	30	59	28	25
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	व	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

सोमवारी आषाढ़ शुक्ल पंचमी से अच्छी वर्षा योग बना है। दोयज, नौमी, साढ़ सुदी सौम गुरी भृगुवार। उत्तम वर्षा अन्न का मन्दा रहे बाजार ॥ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तथा नवमी शुक्रवारी से वर्षा अच्छी होगी। अन्न में मंदा आयेगा। ता. 13 बुधवारी पूनम, 14 का क्षय-पड़वा पाचै चतुर्दशी शुक्ल पक्ष में तीन। बढ़ने पर मंदी करें तेजी हो जब छीन॥ अनाज दालें, तिलहन, किराना में तेजी के झटके तो रुई, धान, चावल में अच्छी मंदी लायेगी। मास की पूर्णिमा में पूर्वाषाढ़ नक्षत्र का योग शुभ तथा सुभिक्ष कारक है। रविवारी एकादशी के देवशयन से कृषि को कीटों के उपद्रव से हानि होगी। धान्य महंगे होंगे। वस्तुओं में तेजी का संचार करेगी। यदि आषाढ़ पूर्णिमा में बादल छाये रहे तो पूर्वाषाढ़ नक्षत्र से पूर्णिमा के उपरान्त भी धान्य का उत्पादन गिरेगा। महंगाई बढ़ेगी।

श्रावण कृष्ण पक्षः-8

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 14 से 28 जुलाई 2022 ई., रा. मिति 23 आषा. से 6 श्राव. तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	
आषा. 23	गु	1 36 53 20 19	आ 36 57 20 21	वृ 07 19 08 30 / वि 56 52 28 19	बा 11 39 10 14	34 24	05 34 19 20	30 14 14	मकर	02 27 23 50	57/12	20 19 05 45	अशून्य शयन व्रत प्रा. (बं.)
24	शु	2 27 50 16 42	श्र 29 59 17 34	प्री 47 02 24 23	तै 02 15 06 28	34 22	05 34 19 19	31 15 15	कुं.28 ।20	02 28 21 02	12	21 09 06 58	भ. 27।00 से, पंचक प्रा. 28।17
25	श	3 19 48 13 30	ध 24 05 15 13	आ 38 11 20 51	वि 19 48 13 30	34 20	05 35 19 19	श्राव. 01 16 16	कुम्भ	02 29 18 15	12	21 51 08 09	भ. 13।27 तक, कर्क संक्रांति, गणेश चतुर्थी व्रत, A
26	र	4 13 12 10 52	शत 19 40 13 28	सौ 30 39 17 51	बा 13 12 10 52	34 18	05 35 19 19	02 17 17	कुम्भ	03 00 15 27	13	22 27 09 16	A कर्केऽर्कः 23।01, कर्के बुधः 24।12
27	चं	5 08 25 08 58	पूभा 17 05 12 26	शो 24 40 15 28	तै 08 25 08 58	34 16	05 36 19 18	03 18 18	मी.06 ।37	03 01 12 41	14	23 00 10 19	नाग पंचमी (मरु.)
28	मं	6 05 40 07 53	उभा 16 34 12 14	अति 20 23 13 46	व 05 40 07 53	34 13	05 37 19 18	04 19 19	मीन	03 02 09 55	14	23 31 11 19	भ. 07।50 से 19।37 तक, गंडमूल प्रा. 12।12
29	बु	7 05 05 07 39	रे 18 10 12 53	सु 17 49 12 45	बव 05 05 07 39	34 11	05 37 19 17	05 20 20	मे.12 ।53	03 03 07 10	15	24 00 12 17	पंचक स. 12।50, गंडमूल स. 29।30, पुष्येऽर्कः 10।49, B
30	गु	8 06 34 08 15	अ 21 45 14 20	धृ 16 51 12 22	कौ 06 34 08 15	34 08	05 38 19 17	06 21 21	मेष	03 04 04 25	16	24 02 13 14	गंडमूल स. 14।17 B मासिक कालाष्टमी
31	शु	9 09 53 09 35	भ 27 03 16 27	शू 17 17 12 33	ग 09 53 09 35	34 06	05 38 19 17	07 22 22	वृ.23 ।04	03 05 01 42	17	24 33 14 10	भ. 22।26 से,
श्राव. 01	श	10 14 39 11 30	कृ 33 37 19 06	गं 18 47 13 09	वि 14 39 11 30	34 03	05 39 19 16	08 23 23	वृष	03 05 58 59	17	25 07 15 06	भ. 11।28 तक, केर पूजा (त्रिपुरा)
02	र	11 20 23 13 49	रो 40 59 22 03	वृ 20 59 14 03	बा 20 23 13 49	34 01	05 39 19 16	09 24 24	वृष	03 06 56 17	18	25 45 16 02	कामदा एकादशी व्रत
03	चं	12 26 37 16 19	मृ 48 41 25 08	ध्रु 23 34 15 05	तै 26 37 16 18	33 58	05 40 19 15	10 25 25	मि.11 ।35	03 07 53 36	19	26 26 16 57	प्रदोष व्रत
04	मं	13 32 54 18 50	आ 56 19 28 12	व्या 26 12 16 09	व 32 54 18 50	33 55	05 40 19 14	11 26 26	मिथुन	03 08 50 55	20	27 13 17 49	भ. 18।47 से,
05	बु	14 38 55 21 15	पुन 60 00 - -	ह 28 39 17 08	वि 05 57 08 04	33 52	05 41 19 14	12 27 27	क.24 ।24	03 09 48 16	21	28 04 18 37	भ. 08।01 तक, बुधोदय 13।56
06	गु	30 44 25 23 27	पुन 03 34 07 07	व 30 44 17 59	चतु 11 43 10 23	33 50	05 41 19 13	13 28 28	कर्क	03 10 45 37	21	28 58 19 21	देव-पितृकार्येऽमवस्या, हरियाली अमा., गुरु वक्री 13।31

श्रावण कृ. 8 गुरु प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 21 जुलाई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	00	00	03	11	02	09	00	06	00	11	09
04	08	16	08	14	09	29	25	25	24	01	03
04	45	38	54	27	22	28	42	42	17	08	09
25	02	53	22	13	20	07	34	34	09	29	51
57	749	40	124	01	72	03	00	00	01	00	01
16	58	18	11	32	29	49	06	06	39	42	26
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	व	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
पुष्य 1	अश्वि. 3	भरणी 1	पुष्य 2	उ.भा. 4	आर्द्रा 1	धनि. 2	भरणी 4	विशा. 2	भरणी 4	पू.भा. 4	उ.षा. 2
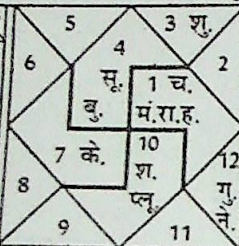
5, 4, 3 शु., 6, 2, सू., बु., 1 च. मं.रा.ह., 7 के., 10 श. प्लू., 12 गु. ने., 8, 9, 11

[पक्ष फलम्]

पांच गुरु तथा पांच शुक्रवार युत मास में चांदी में घटबढ़ चलेगी। गुरुवारी कृष्ण प्रतिपदा से मूंग, उडद, तिल तथा तैल महंगे होंगे। एकादशी के रोहिणी नक्षत्र से सुभिक्ष रहेगा। प्रतिपदा के वैधृति योग तथा आर्द्रायुत श्रावण चतुर्दशी के योग से अन्न का संग्रह सामान्य लाभ देगा। पुष्य नक्षत्र युत अमावस्या तथा कर्क के चन्द्रमा से अच्छी वर्षा होगी। अन्न सस्ते होंगे। गुरुवारी अमावस्या से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। 17 जुलाई से बुध कर्क में गोचर करेंगे। 28 जुलाई बुध पश्चिम में उदित होंगे।

श्रावण कृ. 30 गुरु प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 28 जुलाई

5, 4, 3 शु., 6, 2, सू. चं. बु., 1 मं.रा.ह., 7 के., 10 श. प्लू., 12 गु. ने., 8, 9, 11
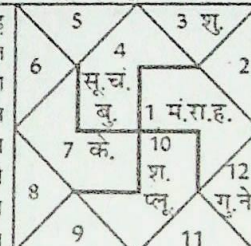
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	03	00	03	11	02	09	00	06	00	11	09
10	02	21	22	14	17	29	25	25	24	01	02
45	31	17	47	33	50	00	14	14	27	02	59
37	40	47	30	14	46	12	42	42	39	49	50
57	715	39	113	00	72	04	11	11	01	00	01
22	44	20	18	10	46	09	31	31	20	54	25
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	व	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
पुष्य 3	पुन. 4	भरणी 3	आर्द्रा 2	उ.भा. 4	आर्द्रा 4	धनि. 2	भरणी 4	विशा. 2	भरणी 4	पू.भा. 4	उ.षा. 2

कर्क संक्रांति (16 जुला 22।57) संवत् की कर्क तथा मकर संक्रांतियां एक ही दिन शनिवार की होने से अचानक धान्यों में तेजी आयेगी। किसी उच्चपदस्थ व्यक्ति का-कर्क मकर दो बहिन है बैठे एक ही वार। कै पिरजा को पति मरै कै पड़ै अचिन्तो कार॥' असामयिक अवसान होगा। राजनैतिक विवाद बने रहेंगे। गत संक्रांति से चौथे दिन, छठे नक्षत्र की रात्रि कालीन चतुर्थी रिक्ता तिथि की शनिवारी 15 मुहूर्ति बैठी शतभिषा नक्षत्र, जल राशि लग्न की संक्रांति में तेज धूप पड़ेगी। असमान वर्षा होगी। रोगों का उपद्रव रहेगा। महामारी तथा दुर्घटनाओं से मृत्यु दर बढ़ेगी। गेहूं, जौ, चना, ज्वार बाजरा आदि की पैदावार उत्तम रहेगी। सोना, चांदी, तांबा, चावल, अनाज तथा घी में मंदा रहेगा॥ अन्य सभी व्यापारिक वस्तुओं में अत्याधिक तेजी आयेगी। इस समय स्टॉक का अनाज विक्रय कर धातु खरीद कर बाद में बेचने से लाभ होगा। ता. 25 त्रयोदशी मंगलवारी से गुड़, खाण्ड खरीदकर एक मास में बेचने से अच्छा लाभ। ता. 28 गुरुवारी अमावस प्रमुख वस्तुओं में मंदी। यथा-मावस्या गुरुवार या गुरु का मास नक्षत्र। ज्योतिष का सिद्धांत है वर्षा हो सर्व...

कर धातु खरीद कर बाद में बेचने से लाभ होगा। ता. 25 त्रयोदशी मंगलवारी से ... अमावस प्रमुख वस्तुओं में मंदी। यथा-मावस्या गुरुवार
या गुरु का मास नक्षत्र। ज्योतिष का सिद्धांत है वर्षा हो सर्वत्र॥ संक्रांति पुण्य काल: 16।46 से 28।46 तक, दान-घी तथा गाय।

श्रावण शुक्ल पक्षः-9

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 29 जुला. से 12 अगस्त 2022 ई., रा. मिति 7 से 21 श्रावण तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति ध. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	
07	शु	1 49 16 25 24	पुष्य 10 18 09 49	सि 32 20 18 38	कि 16 55 12 28	33 47	05 42 19 13	14 29 29	कर्क	03 11 42 59	22	05 54 20 00	गंडमूल प्रा. 09।47 A मोहर्रम मु.मा.1, हिजरी सन् 1444
08	श	2 53 21 27 03	आ 16 22 12 15	व्य 33 21 19 03	बा 21 24 14 16	33 44	05 43 19 12	15 30 30	सिं.12 ।15	03 12 40 22	23	06 51 20 36	सिंधारा (राज.), चन्द्रदर्शन मु. 30
09	र	3 56 35 28 21	म 21 39 14 23	वरि 33 45 19 13	तै 25 04 15 45	33 41	05 43 19 11	16 01 31	सिंह	03 13 37 45	24	07 47 21 08	हरियाली तीज, गंडमूल स. 14।20, सिंहे बुध: 27।47. A
10	चं	4 58 52 29 16	पूफा 26 03 16 09	परि 33 26 19 06	व 27 50 16 52	33 37	05 44 19 11	17 02 A1	क.22 ।32	03 14 35 09	24	08 43 21 38	भ. 16।49 से 29।13 तक, गणेश चतुर्थी व्रत
11	मं	5 60 00 - -	उफा 29 28 17 31	शि 32 17 18 39	बव 29 35 17 34	33 34	05 44 19 10	18 03 02	कन्या	03 15 32 34	25	09 38 22 07	नाग पंचमी देशाचारे
12	बु	5 00 00 05 45	ह 31 44 18 26	सि 30 14 17 50	बा 00 00 05 45	33 31	05 45 19 09	19 04 03	कन्या	03 16 29 59	25	10 35 22 37	सूर्य प्रवेश आश्ले 09।37
00	बु	6 59 58 29 44	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	भ. 29।07 से,
13	गु	7 58 30 29 10	चि 32 42 18 50	सा 27 07 16 36	गर 29 24 17 31	33 28	05 45 19 09	20 05 04	तु.06 ।42	03 17 27 25	26	11 33 23 09	भ. 16।36 तक, शीतला सप्तमी (सिन्ध)
14	शु	8 55 35 28 00	स्वा 32 15 18 40	शुभ 22 52 14 55	वि 27 13 16 39	33 25	05 46 19 08	21 06 05	तुला	03 18 24 52	27	12 34 23 45	मासिक दुर्गाष्टमी
15	श	9 51 09 26 14	वि 30 19 17 54	शु 17 24 12 44	बा 23 32 15 11	33 21	05 47 19 07	22 07 06	वृ.12 ।09	03 19 22 19	27	13 38 24 00	गंडमूल प्रा. 16।30
16	र	10 45 17 23 54	अनु 26 55 16 33	ब्र 10 44 10 05	तै 18 23 13 08	33 18	05 47 19 06	23 08 07	वृश्चिक	03 20 19 47	28	14 46 24 27	भ. 10।29 से 21।01 तक, कर्के शुक्र: 29।24
17	चं	11 38 10 21 04	ज्ये 22 11 14 40	ऐं 02 55 06 58 / वै 54 08 27 27	व 11 52 10 32	33 14	05 48 19 05	24 09 08	ध.14 ।40	03 21 17 16	29	15 55 25 16	गंडमूल स. 12।18, पवित्रा एकादशी व्रत
18	मं	12 30 02 17 49	मूल 16 20 12 20	वि 44 34 23 38	बव 04 12 07 29	33 11	05 48 19 05	25 10 09	धनु	03 22 14 45	30	17 02 26 14	प्रदोष व्रत
19	बु	13 21 15 14 19	पूषा 09 44 09 42	प्री 34 32 19 38	तै 21 15 14 19	33 07	05 49 19 04	26 11 10	म.15 ।01	03 23 12 16	31	18 03 27 20	वृषे भौम: 21।12
20	गु	14 12 11 10 42	उषा 02 45 06 55 / श्रव 55 52 28 10	आ 24 22 15 34	व 12 11 10 42	33 04	05 49 19 03	27 12 11	मकर	03 24 09 47	32	18 56 28 32	भ. 10।39 से 20।51 तक, रक्षाबंधन, श्री सत्यनारायण पूजा
21	शु	15 03 16 07 08	ध 49 31 25 38	सौ 14 25 11 36	बव 03 16 07 08	33 00	05 50 19 02	28 13 12	कुं.14 ।52	03 25 07 19	33	19 42 05 44	पूर्णिमा व्रत, पंचक प्रा. 14।49

श्रावण शु. 8 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 5 अगस्त

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	06	00	04	11	02	09	00	06	00	11	09
18	12	26	07	14	27	28	24	24	24	00	02
24	35	27	01	28	34	25	17	17	36	54	48
52	28	31	06	14	07	57	43	43	53	45	38
57	805	38	100	01	73	04	00	00	00	01	01
27	34	03	00	25	04	23	05	05	58	06	22
-	-	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	मा	व	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]											

कुण्डली (ता. 5 अगस्त): 1 मं. रा.ह.; 2; 3 शु.; 4 सू.; 5 बु.; 6; 7 चं.के.; 8; 9; 10 प्लू. श.; 11; 12 गु. ने.

[पक्ष फलम्]

मास का चन्द्रदर्शन 30 जुलाई श्रावण शुक्ल 2 शनिवार को सिंह राशि, आश्लेषा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। चन्द्रदर्शन के समय इसके दोनों शृंग बराबर रहेंगे। इससे प्रत्येक वस्तु में घटाबढ़ी रहेगी। वर्षा सर्वत्र अच्छी रहेगी। रुई, गेहूं, जौ, चना में तेजी बनेगी। रुई, सूत व सूती वस्त्रों, मूंगफली, सभी खाद्य पदार्थों व सामग्री में तेजी। फसल की पैदावार कम होगी। चन्द्रमा लाल वर्ण होने से रसों की हानि होगी। युद्ध अथवा आतंकवाद से नरसंहार होगा। मास में पांच शनिवार होने से मास के मध्य में महंगाई बढ़ सकती है। शेयर्स मार्केट व सोना, चांदी, जिंक, कॉपर, क्रूड आयल, पाम आयल के भावों में घटाबढ़ी के बाद अच्छी तेजी का वातावरण बनेगा। शनिवारी नवमी से कार्तिक मास में किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा। 29 जुलाई से गुरु मीन राशि में वक्री होंगे। 01 अगस्त से बुध सिंह में, 07 अगस्त से शुक्र कर्क में, 10 अगस्त से मंगल वृष में गोचर करेंगे। ता. 1 तीन दिन के अंदर सोना, चांदी, धातुएं, तिलहन, तेलों, अनाज, दालों, प्रमुख शेयर्स, किराना, गुवार आदि में कभी भी जोरदार मंदी के झटके संभव। खरीदना लाभदायक। ता. 3 छट बुधवारी एक मास में अनाजों में भारी तेजी। ता. 5 कृतिका मंगल तीन सप्ताह के अंदर सोना, चांदी, धातुओं में जोरदार तेजी। अरहर दालों में मंदा तो तेलों, तिलहन, अनाजों में तेजी कारक। रविवारी दशमी एक मास में रुई में भारी तेजी लायेगी। सवा महीने में प्रमुख शेयर्स मार्केट में जोरदार मंदी आ सकती है। श्रावणी पूर्णिमा वर्षा से कृषि की वृद्धि होगी। रक्षा बन्धन पूजा समय-11 अगस्त, भद्रा पुंछ समय-17।17 से 18।18 तक, भद्रा मुख मुहूर्त-18।18 से 20।00 तक, प्रदोष कालीन मुहूर्त सायं 20।51 से रात्रि 21।13 तक।

श्रावण शु. 15 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 12 अगस्त

कुण्डली (ता. 12 अगस्त): 1 रा.ह.; 2 मं.; 3; 4 सू.शु.; 5 बु.; 6; 7 के.; 8; 9; 10 चं.श. प्लू.; 11; 12 ने.गु.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	09	01	04	11	03	09	00	06	00	11	09
25	24	00	18	14	06	27	23	23	24	00	02
07	09	49	01	13	06	54	36	36	42	46	39
19	51	44	47	35	27	47	33	33	27	26	16
57	899	36	88	02	73	04	12	12	00	01	01
33	06	49	36	46	19	29	39	39	37	16	18
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	व	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]											

भाद्रपद कृष्णपक्षः-10 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 13 से 27 अग. 2022 ई., रा. मिति 22 श्राव. से 5 भाद्रपद तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा-शरद् ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	विवरण
00	शु	1 55 00 27 50	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
22	श	2 47 46 24 57	शत 44 11 23 31	शो 05 04 07 52 / अति 56 41 28 31	तै 21 12 14 19	32 57	05 50 19 01	29 14 13	कुम्भ	03 26 04 53	57/34	20 21 06 54	अशून्य शयन व्रत पूर्ण (बं.)
23	र	3 42 00 22 39	पूभा 40 19 21 58	सु 49 32 25 40	व 14 39 11 43	32 53	05 51 19 00	30 15 14	मी.16 ।18	03 27 02 27	35	20 56 08 01	भ. 11।40 से 22।36 तक
24	चं	4 38 03 21 05	उभा 38 15 21 09	धृ 43 55 23 26	बव 09 46 09 46	32 49	05 51 18 59	31 16 15	मीन	03 28 00 03	37	21 29 09 04	स्वतंत्रता दिवस 76वां, गणेश चतुर्थी व्रत, गंडमूल प्रा. 21।07
25	मं	5 36 11 20 20	रे 38 13 21 09	शू 39 59 21 51	कौ 06 51 08 36	32 46	05 52 18 58	32 17 16	मे.21 ।09	03 28 57 41	38	22 00 10 05	पंचक स. 21।06, रक्षा पंचमी (उड़ीसा)
26	बु	6 36 28 20 28	अ 40 18 22 00	गं 37 44 20 58	ग 06 03 08 18	32 42	05 53 18 57	भाद्र 01 18 17	मेष	03 29 55 19	40	22 32 11 03	भ. 20।25 से, सिंह संक्रांति, गंडमूल स. 21।57, मघायां A
27	गु	7 38 47 21 24	भ 44 22 23 38	वृ 37 06 20 44	वि 07 22 08 50	32 38	05 53 18 56	02 19 18	मेष	04 00 53 00	41	23 06 12 01	भ. 08।47 तक, जन्माष्टमी (स्मार्त)
28	शु	8 42 52 23 02	कृ 50 06 25 56	ध्रु 37 49 21 01	बा 10 37 10 09	32 34	05 54 18 55	03 20 19	वृ.06 ।09	04 01 50 42	43	23 43 12 59	मासिक कालाष्टमी व्रत A सिंहेऽर्क: 07।27
29	श	9 48 14 25 12	रो 57 00 28 42	व्या 39 34 21 44	तै 15 25 12 04	32 31	05 54 18 54	04 21 20	वृष	04 02 48 25	45	24 00 13 55	कन्यायां बुध: 26।07, गोगा नवमी, नन्दोत्सव (गोकुल)
30	र	10 54 20 27 39	मृ 60 00 - -	ह 41 54 22 40	व 21 13 14 24	32 27	05 55 18 53	05 22 21	मि.18 ।12	04 03 46 10	46	24 23 14 51	भ. 14।21 से 27।36 तक
31	चं	11 60 00 - -	मृ 04 31 07 43	व 44 27 23 42	बव 27 28 16 55	32 23	05 55 18 52	06 23 22	मिथुन	04 04 43 57	48	25 08 15 44	B गंडमूल स. 20।26
01	मं	11 00 35 06 10	आ 12 07 10 47	सि 46 50 24 40	बा 00 35 06 10	32 19	05 56 18 51	07 24 23	मिथुन	04 05 41 46	50	25 58 16 34	अजा एकादशी व्रत
02	बु	12 06 33 08 33	पुन 19 22 13 41	व्य 48 47 25 27	तै 06 33 08 33	32 15	05 56 18 50	08 25 24	क.06 ।59	04 06 39 36	51	26 51 17 19	प्रदोष व्रत
03	गु	13 11 50 10 41	पु 25 55 16 19	वरि 50 05 25 59	व 11 50 10 41	32 11	05 57 18 49	09 26 25	कर्क	04 07 37 28	53	27 47 18 00	भ. 10।38 से 23।34 तक, गंडमूल प्रा. 16।16
04	शु	14 16 14 12 27	आ 31 35 18 35	परि 50 40 26 13	श 16 14 12 27	32 07	05 57 18 48	10 27 26	सिं.18 ।35	04 08 35 21	54	28 44 18 36	अघोरा चतुर्दशी, कैलाश यात्रा
05	श	30 19 40 13 50	म 36 17 20 29	शि 50 28 26 09	ना 19 40 13 50	32 03	05 58 18 47	11 28 27	सिंह	04 09 33 16	56	05 41 19 10	कुशोत्पाटिनी पिठोरी अमा., देव-पितृकार्येऽमवस्या, B

भाद्रपद कृ. 8 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 19 अगस्त

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	00	01	04	11	03	09	00	06	00	11	09
01	29	05	27	13	14	27	22	22	24	00	02
50	40	02	40	49	40	23	48	48	45	37	30
42	04	48	59	40	40	19	47	47	36	06	28
57	733	35	76	04	73	04	00	00	00	01	00
43	42	26	27	04	36	29	06	06	17	24	12
-	-	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	मा	व	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
मघा 1	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	उ.फा. 1	उ.भा. 4	पुष्य 4	धनि. 2	भरणी 3	विशा. 1	भरणी 4	पू.भा. 4	उ.षा. 2

कुण्डली: 6; 5 सू. बु.; 4 शु.; 7 के.; 3; 2 मं.; 8; 11; 1 चं.ह.रा.; 9; 10श.प्लू.; 12गु.ने.

[पक्ष फलम्]

पक्ष में एकादशी तिथि की वृद्धि हुई है। 21 अगस्त से बुध कन्या राशि से गोचर करेंगे। 24 अगस्त से हर्षल वक्री होंगे। पांच शनिवार युत मास में भूकम्पों से जन-धन की हानि होगी। प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का बोलबाला रहेगा। तेज वस्तुएं बेचकर लाभ लेना चाहिए। उत्तरी-पूर्वी देशों में विग्रह होंगे। सत्ता परिवर्तन होगा। जनता में अराजकता तथा अशान्ति रहेगी। कृषि की हानि से अन्न तथा अन्य प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी। भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा के धनिष्ठा नक्षत्र से खाद्यान्नों की उपलब्धता में बाधा नहीं आयेगी। ता. 18 अगस्त उफा‍थां बुध से एक सप्ताह में सोना, चांदी में अच्छी मंदी के झटके। अनाज, दालें तेज तो रुई, कालीमिर्च में मंदी के झटके लायेगा। ता. 23 एकादशी वृद्धि से रुई में अच्छी तेजी आयेगी। खरीदने से अच्छा लाभ। ता. 27 शनिवारी अमावस तथा सिंह के चन्द्रमा से चना, घी, तेलों, सोना, चांदी आदि में तेजी या अच्छी तेजी लायेगा। वैमनस्य बढ़ेगा। कष्ट फल अधिक होंगे। सिंह संक्रांति (17 अग. 07।23 पर) गत संक्रांति से तीसरे दिन पांचवे नक्षत्र, षष्ठी तिथि की बैठी, लाल फल, गर करण युत, 30 मुहूर्ति बुधवारी स्थिर लग्न की संक्रांति के गण्ड योग में विश्व में युद्धादि का भय रहेगा। राजनैतिक उलझनें बढ़ेंगी। निर्जल राशि के लग्न से अनावृष्टि होगी। वर्षा में कमी रहेगी। आंखों के किसी रोग का प्रकोप रहेगा। वायु प्रकोप, आंधी आदि से हानि होगी। वशीकरण तन्त्र-मन्त्र करने वाले कष्ट में रहेंगे। धान्यों [illegible] तेल, हल्दी, गुड़, खांड, गोमेद में तेजी चलेगी। अगस्त तथा

भाद्रपद कृ. 30 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 27 अगस्त

कुण्डली: 6 बु.; 5 सू. चं.; 4 शु.; 7 के.; 3; 2 मं.; 8; 11; 1 रा.ह.; 9; 10श.लू.; 12गु.ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	04	01	05	11	03	09	00	06	00	11	09
09	05	09	06	13	24	26	22	22	24	00	02
33	35	38	47	11	30	47	00	00	46	25	21
16	46	57	17	40	40	57	13	13	13	24	19
57	741	33	58	05	73	04	11	11	00	01	01
56	11	32	54	25	54	20	32	32	07	31	04
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
मघा 3	मघा 2	कृत्ति. 4	उ.फा. 4	उ.भा. 3	आर्द्रा 3	धनि. 2	भरणी 3	विशा. 1	भरणी 4	पू.भा. 4	उ.षा. 2

भाद्रपद शुक्ल पक्षः-11

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 28 अग. से 10 सितं. 2022 ई., रा. मिति 6 से 19 भाद्रपद तक। रवि दक्षिणायने, उत्तरगोले, शरद् ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ग. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान घ. प.	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	
06	र	1 22 05 14 48	पूफा 40 02 21 59	सि 49 30 25 46	बव 22 05 14 48	31 59	05 58 18 46	12 29 28	क.28।18	04 10 31 12	57/57	06 37 19 41	A सिंह शुक्र: 16।22
07	चं	2 23 32 15 24	उफा 42 50 23 07	सा 47 46 25 05	कौ 23 32 15 24	31 55	05 59 18 45	13 सफ़ 01 29	कन्या	04 11 29 10	59	07 34 20 10	चन्द्रदर्शन मु. 30, सफर मु.मा. 2
08	मं	3 24 02 15 36	ह 44 42 23 52	शुभ 45 18 24 07	ग 24 02 15 36	31 51	05 59 18 44	14 02 30	कन्या	04 12 27 10	58/00	08 30 20 40	भ. 27।31 से, हरितालिका तीज, पूफायां सूर्य: 27।18
09	बु	4 23 35 15 26	चि 45 38 24 15	शु 42 04 22 50	वि 23 35 15 26	31 47	06 00 18 43	15 03 31	तु.12।06	04 13 25 11	02	09 28 21 12	भ. 15।23 तक, गणपति स्थापना, गणेश चतुर्थी व्रत, A
10	गु	5 22 10 14 52	स्वा 45 36 24 15	ब्र 38 04 21 14	बा 22 10 14 52	31 43	06 00 18 41	16 04 51	तुला	04 14 23 13	03	10 28 21 46	ऋषि (बड़ी) पंचमी
11	शु	6 19 44 13 54	वि 44 33 23 50	ऐं 33 14 19 18	तै 19 44 13 54	31 39	06 01 18 40	17 05 02	वृ.17।58	04 15 21 16	05	11 31 22 25	B श्री सत्यनारायण पूजा, बुध वक्री 21।08
12	श	7 16 15 12 31	अनु 42 27 23 00	वै 27 32 17 02	व 16 15 12 31	31 35	06 01 18 39	18 06 03	वृश्चिक	04 16 19 21	06	12 36 23 10	भ. 12।29 से 23।38 तक, राधा अष्टमी, गंडमूल प्रा. 22।57
13	र	8 11 43 10 43	ज्ये 39 19 21 46	वि 21 00 14 26	ब 11 43 10 43	31 31	06 02 18 38	19 07 04	ध.21।46	04 17 17 28	07	13 43 24 00	मासिक दुर्गाष्टमी, महर्षि दधीची ज.
14	चं	9 06 11 08 31	मू 35 15 20 08	प्री 13 40 11 30	कौ 06 11 08 31	31 26	06 02 18 37	20 08 05	धनु	04 18 15 35	09	14 49 24 03	शिक्षक दिवस, गंडमूल स. 20।05
00	चं	10 59 48 29 57	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
15	मं	11 52 42 27 08	पूषा 30 23 18 12	आ 05 37 08 17 / सौ 57 02 28 52	व 26 19 16 34	31 22	06 03 18 36	21 09 06	म.23।41	04 19 13 45	10	15 51 25 04	भ. 16।32 से 27।05 तक, पद्मा एकादशी व्रत
16	बु	12 45 12 24 08	उषा 24 59 16 03	शो 48 07 25 18	ब 18 58 13 39	31 18	06 03 18 35	22 10 07	मकर	04 20 11 55	12	16 45 26 12	वामन जयंती
17	गु	13 37 36 21 06	श्रव 19 22 13 48	अति 39 08 21 43	कौ 11 22 10 37	31 14	06 04 18 33	23 11 08	कुं.24।42	04 21 10 07	13	17 33 27 22	प्रदोप व्रत, पंचक प्रा. 24।39
18	शु	14 30 16 18 11	ध 13 53 11 37	सु 30 23 18 14	ग 03 52 07 37	31 10	06 04 18 32	24 12 09	कुम्भ	04 22 08 21	15	18 14 28 32	भ. 18।08 से 28।46 तक, अनन्त चतुर्दशी व्रत, B
19	श	15 23 37 15 32	शत 08 57 09 40	धृ 22 11 14 57	बव 23 37 15 32	31 06	06 05 18 31	25 13 10	मी.26।26	04 23 06 37	17	18 50 05 39	श्राद्ध प्रारंभ, पूर्णिमा व्रत, प्रोष्ठपदी पू., बुधास्त 27।56

भाद्रपद शु. 8 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 4 सितंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	07	01	05	11	04	09	00	06	00	11	09
17	20	13	13	12	04	26	21	21	24	00	02
17	26	58	00	23	22	14	28	28	43	12	13
28	59	40	35	39	50	24	01	01	38	52	21
58	841	31	31	06	74	04	00	00	01	01	00
07	17	19	52	33	09	01	39	39	31	36	54
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
2	2	2	1	3	2	1	3	1	4	4	2
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

लग्न कुंडली: 1 रा. ह.; 2 मं.; 3; 4; 5 सू. शु.; 6 बु.; 7 के.; 8 चं.; 9; 10 श. प्लू.; 11; 12 गु. ने.

भाद्रपद शु. 15 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 10 सितंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	10	01	05	11	04	09	00	06	00	11	09
23	17	17	14	11	11	25	20	20	24	00	02
06	29	01	45	42	48	51	49	49	39	03	08
37	51	12	06	19	12	06	38	38	39	07	16
58	866	29	00	07	74	03	09	09	00	01	00
16	49	27	38	12	19	43	43	43	48	38	46
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
3	4	3	2	3	4	1	3	1	4	4	2
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

लग्न कुंडली: 1 रा. ह.; 2 मं.; 3; 4; 5 सू. शु.; 6 बु.; 7 के.; 8; 9; 10 श. प्लू.; 11 चं.; 12 गु. ने.

[पक्ष फलम्]

मास का नवीन चन्द्रदर्शन 28 अगस्त रविवार को कन्या राशि अंतर्गत पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। कन्या राशि के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से चौपाये पशुओं के व्यापारियों को हानि उठानी पड़ेगी। उदित समय इसके दोनों शृंग शूल के समान सींग वाला होगा, जिससे प्रत्येक वस्तुओं में तेजी का वातावरण बनेगा। सोना, चांदी, पारा, शीशा, स्टील, आयरन, पीतल में उतार-चढ़ाव रहेगा। मास में मध्यम तेजी की चाल चलेगी। रुई तथा अन्य जिन्सों में तेजी रहेगी। चन्द्रमा पीला होने से किसी रोग का प्रकोप रहेगा। चौपायों में बीमारी का प्रकोप होगा। सत्ता परिवर्तन होगा। पक्ष में दशमी तिथि का क्षय हुआ है। 31 अगस्त से शुक्र सिंह में गोचर से लालवर्ण की वस्तुओं, लालमिर्च, गुड़, मसूर आदि में मंदी कारक। परन्तु यहां सूर्य+शुक्र का योग पर मंगल की दृष्टि अच्छी तेजी समर्थक है। अनाज सहित प्रमुख वस्तुओं में अच्छी तेजी संभव। यथाफल-सूर्यदेव भृगु नाथ का एक राशि पर साथ। पकड़ा देती है फसल महंगाई का हाथ॥ 10 सितम्बर से बुध वक्री होंगे। चित्रायुत बुधवारी चतुर्थी से सुभिक्ष रहेगा। भाद्रपद शुक्ल पंचमी के योग से रुई तथा कपास का व्यापार लाभ देगा। अनुराधा युत शुक्ल सप्तमी के दिन हवा चलेगी। बूंदा-बांदी होगी। बिल्कुल भी वर्षा न होने से आगे वर्षा का अभाव रहेगा। भाद्रपद शुक्ल नवमी में मूल नक्षत्र का योग अशुभ रहेगा। ता. 8 सितंबर पंचक में अच्छी तेजी की आशा रहेगी। ता. 9 बुधास्त से सोना, चांदी, रुई में प्रथम मंदी के झटके लाकर बाजार तेज होंगे। ता. 10 शनिवारी पूनम चना में अच्छी तेजी के झटके तो बुध वक्री घोर वर्षा के साथ-साथ व्यापार की सभी वस्तुओं में घी, तेल, तिलहन पदार्थ, मक्का, ग्वार, मोटे अनाजों में अच्छी मंदी कारक है।

आश्विन कृष्ण पक्षः-12 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 11 से 25 सितंबर 2022 ई., रा. मिति 20 भाद्र. से 3 आश्विन तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर-दक्षिण गोले, शरद् ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	[illegible]	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	
20	र	1 18 02 13 18	पूभा 04 58 08 05	शू 14 51 12 02	कौ 18 02 13 18	31 01	06 05 18 30	26 14 11	मीन	04 24 04 54	58/19	19 24 06 44	A उफायां सूर्यः 21।14
21	चं	2 13 52 11 38	उभा 02 20 07 02	गं 08 40 09 34	गर 13 52 11 38	30 57	06 06 18 29	27 15 12	मीन	04 25 03 13	20	19 56 07 47	भ. 23।01 से, गंडमूल प्रा. 06।59, बुधास्त 15।43
22	मं	3 11 25 10 40	रे 01 21 06 39	वृ 03 50 07 38	वि 11 25 10 40	30 53	06 06 18 27	28 16 13	मे.06।39	04 26 01 34	22	20 29 08 48	भ. 10।38 तक, गणेश चतुर्थी व्रत, पंचक स. 06।36, A
23	बु	4 10 54 10 28	अ 02 13 07 00	वृ 00 32 06 19 / ध्रु 58 47 29 37	बा 10 54 10 28	30 49	06 07 18 26	29 17 14	मेष	04 26 59 56	24	21 02 09 47	गंडमूल स. 06।57
24	गु	5 12 21 11 04	भ 05 01 08 08	ह 58 27 29 30	तै 12 21 11 04	30 45	06 07 18 25	30 18 15	वृ.14।31	04 27 58 21	26	21 38 10 47	
25	शु	6 15 37 12 22	कृ 09 36 09 58	व 59 21 29 52	व 15 37 12 22	30 40	06 08 18 24	31 19 16	वृष	04 28 56 48	29	22 18 11 45	भ. 12।20 से 25।13 तक
26	श	7 20 22 14 17	रो 15 39 12 24	सि 60 00 - -	ब 20 22 14 17	30 36	06 08 18 23	01 20 17	मि.25।46	04 29 55 17	31	23 02 12 42	कन्या संक्रांति, मासिक कालाष्टमी, कन्यायांऽर्कः 07।26
27	र	8 26 08 16 36	मृ 22 41 15 13	सि 01 07 06 35	कौ 26 08 16 36	30 32	06 09 18 21	02 21 18	मिथुन	05 00 53 48	33	23 50 13 37	
28	चं	9 32 19 19 05	आ 30 10 18 13	व्य 03 23 07 30	गर 32 19 19 05	30 28	06 09 18 20	03 22 19	मिथुन	05 01 52 22	35	24 00 14 28	सौभाग्यवती स्त्रीणां श्राद्ध
29	मं	10 38 19 21 29	पुन 37 28 21 09	वरि 05 42 08 26	व 05 22 08 18	30 23	06 10 18 19	04 23 20	क.14।26	05 02 50 58	37	24 42 15 15	भ. 08।16 से 21।27 तक
30	बु	11 43 38 23 37	पु 44 08 23 50	परि 07 40 09 14	बव 11 05 10 36	30 19	06 10 18 18	05 24 21	कर्क	05 03 49 35	40	25 37 15 58	इंदिरा एकादशी व्रत, गंडमूल प्रा. 23।47
31	गु	12 47 54 25 20	आ 49 48 26 06	शि 08 59 09 46	कौ 15 54 12 32	30 15	06 11 18 17	06 25 22	सिं.26।06	05 04 48 16	42	26 34 16 35	
01	शु	13 50 56 26 34	म 54 15 27 53	सि 09 25 09 57	ग 19 34 14 01	30 11	06 11 18 15	07 26 23	सिंह	05 05 46 58	44	27 31 17 10	भ. 26।31 से, प्रदोष व्रत, गंडमूल स. 27।50
02	श	14 52 39 27 15	पूफा 57 26 29 10	सा 08 52 09 45	वि 21 57 14 58	30 06	06 12 18 14	08 27 24	सिंह	05 06 45 42	46	28 28 17 42	भ. 14।56 तक, कन्यायां शुक्रः 21।06
03	र	30 53 07 27 27	उफा 59 24 29 58	शुभ 07 18 09 07	चतु 23 02 15 25	30 02	06 12 18 13	09 28 25	क.11।25	05 07 44 29	48	29 25 18 12	देव-पितृकार्येऽमवस्या, महालय (श्राद्ध)) समाप्त

○ रविवारी अमावस्या से सभी प्रकार के रस पदार्थों में तेजी आयेगी। संक्रांति पुण्य काल-13।17 से 19।41 तक, दान-वस्त्र।

आश्विन कृ. 8 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 18 सितंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
05	02	01	05	11	04	09	00	06	00	10	09
00	01	20	11	10	21	25	20	20	24	29	02
53	51	45	24	42	43	23	25	25	31	49	02
48	03	51	17	02	39	19	08	08	43	54	49
58	714	26	50	07	74	03	00	00	01	01	00
33	09	35	56	48	33	12	19	19	10	39	34
-	-	मा	व	व	मा	व	मा	मा	व	व	व
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-
उफा. 2	मृग. 3	रोहि. 4	हस्त 1	उभा. 3	पूफा. 3	धनि. 1	भरणी 3	विशा. 1	भरणी 4	पूभा. 3	उषा. 2

7 के. | 5 शु. | 6 | 8 | 4 | सू. बु. | 3 चं. | 9 | 12 गु. | 10 प्लू. श. | 2 मं. | 11 ने. | 1 रा.ह.

[पक्ष फलम्]

पांच रविवार युत मास में राजनैतिक वाद-विवाद तथा विग्रह होंगे। महंगाई बढ़ेगी। कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन के मध्य रोग अशान्ति तथा भय के कारण अविश्वास रहेगा। रविवार अमावस्या से जी.डी.पी. में गिरावट आयेगी। बैंक रीजर्व में कमी आयेगी। सत्ता शिखर पर आसीन नेताओं की उलझनें बढ़ेंगी। अन्न संग्रह से तीन गुणा लाभ मिलेगा। उ.फा. नक्षत्र से एक मास तक खाद्यान्नों में मंहगाई रहेगी। किसी-किसी स्थान पर खण्ड वर्षा होगी। ।। सितम्बर से वक्रावस्था में नेपच्यून का कुंभ में प्रवेश होगा। बुध पश्चिम में अस्त होंगे। 24 सितम्बर से शुक्र का गोचर कन्या में होगा। गत् संक्रांति से चौथे दिन की चौथे नक्षत्र की 45 मुहूर्ति बैठी कन्या संक्रांति (17 सितं. 07।22 पर) से शनिवारी सप्तमी भद्रा तिथि, द्विस्वभाव, निर्जल राशि लग्न की संक्रांति अग्निकांडों तथा अनावृष्टि से हानि होगी। बव करण से रोगों का उपद्रव रहेगा। पश्चिमी क्षेत्रों में शुभ फल होंगे। अन्य दिशाओं के देश-प्रदेशों में कष्ट फल की अधिकता रहेगी। संक्रांति के सिद्धि योग तथा श्वेत फल से अशुभ फलों में किंचित न्यूनता रहेगी। चुनावों में कम सीट प्राप्त करने वाला दल अधिक सीट वाले दल को अपनी शर्तों पर समर्थन देने की इच्छा रखेगा। कृषि उत्पादन अच्छा रहने से गेहूं, घी, तैल, कुसुंभा, कपास आदि में मंदा रहेगा। अन्य अनाजों में तेज पटबद चलेगी। जल की कमी अनुभव होगी। कन्या संक्रांति के दिन यदि वर्षा हुई तो सुवृष्टि, सभि[illegible] संवत्सरी तीज उपरांत अंगारक चतुर्थी- वदी तीज आसोज

आश्विन कृ. 30 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 25 सितंबर

7 के. | 5 चं. | 6 | 8 | 4 | सू. शु. बु. | 3 | 9 | 12 गु. | 10 प्लू. श. | 2 मं. | 11 ने. | 1 रा.ह.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
05	04	01	05	11	05	09	00	06	00	10	09
07	26	23	04	09	00	25	19	19	24	29	01
44	50	41	15	46	26	02	52	52	22	38	59
29	36	48	46	23	08	41	14	14	27	20	24
58	767	23	60	08	74	02	06	06	01	01	00
47	54	34	22	02	43	40	17	17	28	38	23
-	-	मा	व	व	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-
उफा. 4	उफा. 1	मृग. 1	उफा. 3	उभा. 2	उफा. 2	धनि. 1	भरणी 2	स्वाति 4	भरणी 4	पूभा. 3	उषा. 2

आश्विन शुक्ल पक्षः-13 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 26 सितं. से 9 अक्टू. 2022 ई., रा. मिति 4 से 17 आश्विन तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, शरद् ऋतु।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	नाड़ी	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
अक्टू 04	चं	1 52 26 27 11	ह 60 00 - -	शु 04 46 08 07	किं 22 54 15 22	29 58	06 13 18 12	10 29 26	कन्या	05 08 43 17	58/50	06 22 18 42	शरदीय नवरात्रारंभः, घट स्थापना
05	मं	2 50 45 26 31	ह 00 14 06 19	ब्र 01 21 06 46 / ऐं 57 11 29 06	बा 21 42 14 54	29 54	06 13 18 11	11 30 27	तु.18।21	05 09 42 07	52	07 20 19 13	चन्द्रदर्शन मु. 30, हस्ते रविः 12।43
06	बु	3 48 12 25 31	चि 00 08 06 17 / स्वा 59 13 29 55	वै 52 18 27 09	तै 19 34 14 03	29 49	06 14 18 09	12 रब.01 28	तुला	05 10 41 00	54	08 21 19 47	रवि-उल-अव्वल मु.मा. 3
07	गु	4 44 54 24 12	वि 57 33 29 16	वि 46 50 24 58	व 16 38 12 53	29 45	06 14 18 08	13 02 29	वृ.23।27	05 11 39 54	55	09 24 20 24	भ. 12।51 से 24।09 तक, गणेश 4 व्रत, बुधोदयः 13।00
08	शु	5 40 57 22 38	अनु 55 16 28 21	प्री 40 50 22 35	बव 13 00 11 27	29 41	06 15 18 07	14 03 30	वृश्चिक	05 12 38 50	57	10 29 21 08	गंडमूल प्रा. 28।18, उपांग ललिता 5 व्रत, शुक्रास्त 13।15
09	श	6 36 27 20 50	ज्ये 52 27 27 14	आ 34 23 20 00	कौ 08 45 09 45	29 37	06 15 18 06	15 04 01	ध.27।14	05 13 37 48	59	11 36 21 58	A आवाहन, गंडमूल स. 25।52, बुध मार्गी 26।40
10	र	7 31 26 18 50	मू 49 09 25 55	सौ 27 31 17 16	ग 03 59 07 51	29 32	06 16 18 05	16 05 02	धनु	05 14 36 47	59/01	12 42 22 56	भ. 18।47 से 29।44 तक, गांधी व शास्त्री ज., सरस्वती A
11	चं	8 26 01 16 41	पूषा 45 28 24 28	शो 20 19 14 24	बव 26 01 16 41	29 28	06 16 18 04	17 06 03	म.30।05	05 15 35 48	03	13 44 24 00	शरद दुर्गाष्टमी, सरस्वती पूजन
12	मं	9 20 18 14 24	उषा 41 32 22 54	अति 12 51 11 25	कौ 20 18 14 24	29 24	06 17 18 02	18 07 04	मकर	05 16 34 52	04	14 40 24 01	शरद नवरात्र स., सरस्वती बलिदान, सरस्वती विसर्जन
13	बु	10 14 25 12 03	श्रव 37 31 21 18	सु 05 14 08 23 / धृति 57 38 29 21	ग 14 25 12 03	29 20	06 17 18 01	19 08 05	मकर	05 17 33 56	06	15 28 25 08	भ. 22।50 से, दशहरा, विजयादशमी
14	गु	11 08 34 09 44	ध 33 36 19 45	शू 50 11 26 22	वि 08 34 09 44	29 15	06 18 18 00	20 09 06	कुं.08।30	05 18 33 03	08	16 10 26 17	भ. 09।41 तक, पापांकुशा एकादशी व्रत, पंचक प्रा. 08।28
15	शु	12 02 58 07 30	शत 30 03 18 20	गं 43 05 23 32	बा 02 58 07 30	29 11	06 19 17 59	21 10 07	कुम्भ	05 19 32 11	10	16 47 27 23	प्रदोष व्रत
00	शु	13 57 53 29 28	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः B पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा
16	श	14 53 35 27 45	पूभा 27 09 17 11	वृ 36 33 20 56	ग 25 36 16 34	29 07	06 19 17 58	22 11 08	मी.11।26	05 20 31 21	12	17 21 28 27	भ. 27।42 से,
17	र	15 50 19 26 27	उभा 25 09 16 23	ध्रु 30 47 18 39	वि 21 47 15 03	29 03	06 20 17 57	23 12 09	मीन	05 21 30 33	14	17 53 29 30	भ. 15।00 तक, गंडमूल प्रा. 16।20, शरद पूर्णिमा, B

आश्विन शु. 8 चन्द्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 3 अक्टूबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
05	08	01	05	11	05	09	00	06	00	10	09
15	15	26	00	08	10	24	19	19	24	29	01
35	26	34	03	42	24	44	44	44	09	25	57
48	41	53	38	15	33	03	40	40	25	27	08
59	850	19	06	07	74	01	00	00	01	01	00
02	29	33	57	55	52	58	01	01	46	34	10
-	-	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	व	व	व
-	-	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-

कुण्डली: 1 रा. ह.; 2 मं.; 3; 4; 5; 6 सू. शु. बु.; 7 के.; 8; 9 चं.; 10 प्लू. श.; 11 ने.; 12 गु.

[पक्ष फलम्]

आश्विन मास का चन्द्रदर्शन 27 सितंबर मंगलवार को चित्रा नक्षत्र के अंतर्गत तुला राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। चन्द्रदर्शन के समय चन्द्रमा के दोनों शृंग बराबर होंगे। जिससे बाजार में घटाबढ़ी के बाद भावों में तेजी के बाद भाव सामान्य हो जायेंगे। इस मास में वर्षा अच्छी होगी। मास में पांच रविवार होने से धान्य के भाव सम रहेंगे। चांदी, रुई में घटाबढ़ी के बाद तेजी बनेगी। चन्द्रदर्शन मंगलवार को होने से गेहूं, जौ, बाजरा, मक्का, चना, ग्वार, तुआर तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी। रुई में पहले मंदी के बाद तेजी आयेगी। घी, तेल, डालडा, रिफायंड, सोयाबीन, अलसी, सरसों, मूंगफली के भावों में तेजी रहेगी। प्रजा में सुख-समृद्धि की वृद्धि होगी। ता. 28 सितं. शुक्रास्त पूर्व एक मास में प्राकृतिक प्रकोप से नुकसान। अनाज, धातुओं, दालें, धनियां, बिनौला में तेजी अथवा अच्छी तेजी ला सकती है। ता. 29 बुधोदय पूर्व-यदि आज वर्षा न हो तो रुई, कालीमिर्च, चावल, खाद्य वस्तुओं में मंदी कारक तो अनाज तेज करेगा। । 30 सितम्बर से शुक्र पूर्व दिशा में अस्त होंगे। 02 अक्तूबर से बुध कन्या राशि में मार्गी होंगे तथा 09 अक्तूबर से प्लूटो मकर राशि में मार्गी होंगे। नवमी मंगलवार को जो शुक्ला आश्विन मास। **मूंग मोठ चौला उड़द संग्रह करो कपास॥** मंगलवारी आश्विन शुक्ल नवमी में मूंग कपास, उडद आदि का संग्रह करके चैत्र मास में बेचने से लाभ होगा। रविवारी अमावस्या से सभी प्रकार के रस पदार्थों में तेजी आयेगी। चित्रा नक्षत्र से रुई, कपास, ऊन, ऊनी वस्त्रों, मूंग, मसूर, मटर, अरहर, चना, आलू में तेजी रहेगी। गेहूं, जौ, चावल, ग्वारगम, सोना, चांदी, शेयर्स के भावों में मंदी।

आश्विन शु. 15 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 9 अक्टूबर

कुण्डली: 1 रा. ह.; 2 मं.; 3; 4; 5; 6 सू. बु. शु.; 7 के.; 8; 9; 10 प्लू. श.; 11 ने.; 12 चं. गु.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
05	11	01	05	11	05	09	00	06	00	10	09
21	10	28	03	07	17	24	19	19	23	29	01
30	26	22	35	55	54	33	26	26	58	16	56
33	34	15	22	40	02	53	03	03	08	12	38
59	826	16	61	07	74	01	03	03	01	01	00
13	03	07	05	34	57	24	47	47	59	30	00
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	व	व	मा
-	-	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-

कार्तिक कृष्ण पक्षः-14 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 10 से 25 अक्टूबर 2022 ई., रा. मिति 18 आश्विन से 3 कार्ति. तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, शरद्-हेमंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	
18	चं	1 48 23 25 42	रे 24 21 16 04	व्या 26 01 16 45	बा 19 10 14 00	28 59	06 20 17 56	24 13 10	मे.16 04	05 22 29 47	59/16	18 25 06 31	पंचक स. 16।02, चित्रायां रविः 25।46
19	मं	2 47 59 25 32	अ 24 57 16 20	ह 22 24 15 18	तै 17 58 13 32	28 54	06 21 17 55	25 14 11	मेष	05 23 29 04	18	18 58 07 31	गंडमूल स. 16।17
20	बु	3 49 13 26 02	भर 27 08 17 13	व 20 02 14 22	व 18 23 13 42	28 50	06 21 17 54	26 15 12	वृ.23 32	05 24 28 22	20	19 33 08 31	भ. 13।40 से 26।00 तक
21	गु	4 52 04 27 12	कृ 30 54 18 43	सि 18 56 13 56	ब 20 26 14 32	28 46	06 22 17 52	27 16 13	वृष	05 25 27 42	22	20 12 09 31	करवा चौथ, गणेश चतुर्थी व्रत
22	शु	5 56 22 28 56	रो 36 08 20 50	व्य 19 02 13 59	कौ 24 03 16 00	28 42	06 23 17 51	28 17 14	वृष	05 26 27 04	24	20 54 10 30	A तुलायांऽर्कः 19।26
23	श	6 60 00 - -	मृ 42 33 23 24	वरि 20 08 14 26	गर 28 58 17 58	28 38	06 23 17 50	29 18 15	मि.10 04	05 27 26 29	26	21 41 11 27	B 12।18, बुधास्त 22।37
24	र	6 01 47 07 07	आ 49 43 26 17	परि 21 57 15 11	व 01 47 07 07	28 34	06 24 17 49	30 19 16	मिथुन	05 28 25 56	29	22 33 12 20	भ. 07।04 से 20।16 तक, मिथुने भौमः 06।13
25	चं	7 07 51 09 33	पुन 57 06 29 15	शि 24 07 16 03	बव 07 51 09 33	28 30	06 24 17 48	कार्ति 01 20 17	क.22 31	05 29 25 25	31	23 27 13 09	अहोई अष्टमी, तुला संक्रांति, मासिक कालाष्टमी, A
26	मं	8 14 00 12 01	पु 60 00 - -	सि 26 13 16 54	कौ 14 00 12 01	28 26	06 25 17 47	02 21 18	कर्क	06 00 24 57	33	24 00 13 53	तुलायां शुक्रः 21।43
27	बु	9 19 37 14 17	पु 04 07 08 04	सा 27 51 17 34	ग 19 37 14 17	28 22	06 26 17 46	03 22 19	कर्क	06 01 24 31	36	24 22 14 33	भ. 27।13 से, गंडमूल प्रा. 08।02
28	गु	10 24 14 16 08	आ 10 16 10 33	शुभ 28 41 17 55	वि 24 14 16 08	28 17	06 26 17 45	04 23 20	सिं.10 33	06 02 24 07	38	25 19 15 08	भ. 16।05 तक
29	शु	11 27 27 17 26	म 15 10 12 31	शु 28 25 17 49	बा 27 27 17 26	28 13	06 27 17 44	05 24 21	सिंह	06 03 23 46	40	26 15 15 40	रमा एकादशी व्रत, गंडमूल स. 12।28
30	श	12 29 05 18 06	पूफा 18 33 13 53	ब्र 26 57 17 14	तै 29 05 18 06	28 09	06 28 17 43	06 25 22	क.20 07	06 04 23 26	42	27 12 16 11	गोवत्स द्वादशी व्रत, शनि मार्गी 21।39
कार्ति 01	र	13 29 05 18 06	उफा 20 22 14 37	ऐं 24 12 16 09	व 29 05 18 06	28 05	06 28 17 42	07 26 23	कन्या	06 05 23 09	44	28 09 16 41	भ. 18।04 से 29।50 तक, धनतेरस, प्रदोष व्रत
02	चं	14 27 33 17 30	ह 20 39 14 44	वै 20 14 14 35	श 27 33 17 30	28 02	06 29 17 42	08 27 24	तु.26 36	06 06 22 54	46	29 07 17 11	नरक चतुर्दशी, दीपावली, रूप चतुर्दशी, स्वात्यां सूर्यः B
03	मं	30 24 39 16 21	चि 19 34 14 19	वि 15 10 12 34	ना 24 39 16 21	27 58	06 30 17 41	09 28 25	तुला	06 07 22 41	48	06 07 17 45	देव-पितृकार्येऽमवस्या, विश्वकर्मा पूजा, सूर्य ग्रहण

कार्तिक कृ. 8 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 18 अक्टूबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	03	02	05	11	05	09	00	06	00	10	09
00	03	00	16	06	29	24	19	19	23	29	01
24	27	21	02	51	09	25	24	24	39	03	57
57	26	22	29	10	16	08	44	44	11	18	50
59	713	10	97	06	75	00	00	00	02	01	00
33	08	06	01	41	06	31	16	16	13	21	16
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	व	व	मा
-	-	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-
चित्रा 3	पुष्य 1	मृग. 3	हस्त 2	उ.भा. 2	चित्रा 2	धनि. 1	भरणी 2	स्वाति 4	भरणी 4	पू.भा. 3	उ.षा. 2

8 | बु.6शु. | 9 | 7 | सू. के. | 4 चं. | 5 | श.प्लू. 10 | 1 रा.ह. | 11 ने. | 3 मं. | 12 गु. | 2

[पक्ष फलम्]

मास पांच सोम तथा पांच मंगलवार युत है। कृष्ण पक्ष में षष्ठी तिथि की वृद्धि हुई है। 16 अक्टू. में रविवार आर्द्रा के योग से राजनैतिक विवाद होंगे। किन्हीं देशों के मध्य युद्ध जैसी स्थिति बनेगी। किसी स्थान पर सत्ता परिवर्तन का योग बनेगा। रविवारी त्रयोदशी से जौ तथा गेहूं तेज होंगे। वर्षा में कमी आयेगी। **कार्तिक मावस भौम दिन अग्नि उपद्रव त्रास-**कार्तिक मास में अग्निकांड बढ़ेंगे। उत्पात बढ़ेंगे। गत संक्रांति से तीसरे दिन चौथे नक्षत्र की बैठी, 45 मुहूर्ति रात्रि कालीन सोमवारी, अष्टमी जया तिथि, स्थिर लग्न की तुला संक्रांति में वैश्विक रोग का भय दूर होगा। आंधियां चलेंगी। व्यापारिक उन्नति होगी। देश की जी.डी.पी. में सुधार के संकेत मिलने लगेंगे। कृषि उत्पादन उत्तम बढ़ेगा। धान्यादि में अच्छा मंदा आयेगा। कपास की उपज अच्छी रहेगी। मोती, घी, दूध, दही, किराना, गुड़, खांड आदि रसकसों में, कुसुंभा, मजीठ, केसर, हल्दी, रुई, सूत में तेजी रहेगी। चांदी में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। सोना में कुछ तेजी रहेगी। गुड़ के भावों में कुछ फेरफार होगा। हाथी दांत के व्यापारियों को लाभ मिलेगा। तुला संक्रांति के दिन यदि वर्षा हुई तो छूत के रोगों का प्रकोप बढ़ेगा। तिल तैल, मूंग, उड़द मधा मूंग, अंमाड़ी का संग्रह करके पांचवे महीने में बेचने से लाभ होगा। संक्रांति के व्याघ्र वाहन से राजनेताओं में परस्पर विरोध बढ़ेगा। शासन सत्ता में बैठे नेताओं की नीतियों से विवाद बढ़ेंगे। ता. 24 सोमवारी शुभ दीपावली है। सोम गुरु की [illegible] करके बल्कि दो महीने के अंदर स्टॉक निकाल दें। दीपावली [illegible]

कार्तिक कृ. 30 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 25 अक्टूबर

8 | 6 बु. | 9 | 7 | सू.शु. के.चं. | 4 | 5 | 10 श.प्लू. | 1 रा.ह. | 11 ने. | 3 मं. | 12 गु. | 2

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	06	02	05	11	06	09	00	06	00	10	09
07	01	01	27	06	07	24	19	19	23	28	02
22	38	13	43	07	55	23	15	15	23	54	00
41	44	36	19	34	13	56	29	29	07	18	24
59	817	04	101	05	75	00	00	00	02	01	00
48	21	39	28	43	10	12	23	23	22	12	28
-	-	मा	मा	व	मा	मा	व	व	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	अ	-	-	-
स्वाति 1	चित्रा 3	मृग. 3	चित्रा 2	उ.भा. 1	स्वाति 1	धनि. 1	भरणी 2	स्वाति 4	भरणी 4	पू.भा. 3	उ.षा. 2

से विवाद बढ़ेंगे। ता. 24 सोमवारी शुभ दीपावली है। सोम गुरु की आय दीवाली, जीव रंक मरे भड़साली। स्टॉकिस्ट को हानि कारक है। स्टॉक न करके बल्कि दो महीने के अंदर स्टॉक निकाल दें दीपावली

कार्तिक शुक्ल पक्षः-15 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 26 अक्टू. से 8 नवं. 2022 ई., रा. मिति 4 से 17 कार्तिक तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमन्त ऋतु। निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	निम्नांकित संदर्भ
04	बु	1 20 37 14 45	स्वा 17 21 13 27	प्री 09 10 10 10	बव 20 37 14 45	27 54	06 30 17 40	10 29 26	तुला	06 08 22 30	59/50	07 10 18 21	गोवर्धनपूजा, अन्नकूट, बलि पूजा, तुलायां बुधः 13।50
05	गु	2 15 43 12 48	वि 14 16 12 13	आ 02 25 07 29 / सौ 55 09 28 35	कौ 15 43 12 48	27 50	06 31 17 39	11 30 27	वृ.06।33	06 09 22 21	52	08 17 19 03	भैयादूज, चन्द्रदर्शन मु. 30, यमुना स्नान
06	शु	3 10 12 10 37	अनु 10 34 10 45	शो 47 30 25 32	गर 10 12 10 37	27 46	06 32 17 38	12 रवि 01 28	वृश्चिक	06 10 22 14	54	09 25 19 53	भ. 21।24 से, रवि-उल-उस्सानी मु.मा.4, गणेश चतुर्थी A
07	श	4 04 20 08 16	ज्ये 06 30 09 08	अति 39 42 22 25	वि 04 20 08 16	27 42	06 32 17 37	13 02 29	ध.09।08	06 11 22 09	56	10 34 20 50	भ. 08।14 तक A व्रत, गंडमूल प्रा. 10।42
00	श	5 58 21 29 53	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः
08	र	6 52 25 27 31	मूल 02 18 07 28 / पूषा 58 13 29 50	सु 31 53 19 18	कौ 25 21 16 41	27 38	06 33 17 36	14 03 30	धनु	06 12 22 05	57	11 38 21 53	छठ पूजा, गंडमूल स. 07।25, मंगल वक्री 06।48
09	चं	7 46 42 25 15	उषा 54 21 28 18	धृ 24 12 16 15	गर 19 30 14 22	27 34	06 34 17 36	15 04 31	म.11।27	06 13 22 03	59	12 37 23 00	भ. 25।12 से, सरदार पटेल ज.
10	मं	8 41 23 23 08	श्रव 50 53 26 56	शू 16 47 13 17	वि 13 58 12 10	27 31	06 34 17 35	16 05 N1	मकर	06 14 22 02	60/01	13 27 24 00	भ. 12।07 तक, मासिक दुर्गाष्टमी
11	बु	9 36 34 21 13	ध 47 56 25 46	गं 09 44 10 29	बा 08 53 10 09	27 27	06 35 17 34	17 06 02	कुं.14।19	06 15 22 03	02	14 10 24 08	पंचक प्रा. 14।16, अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी
12	गु	10 32 23 19 33	शत 45 38 24 51	वृ 03 08 07 51 / ध्रुव 57 07 29 27	तै 04 23 08 21	27 23	06 36 17 33	18 07 03	कुम्भ	06 16 22 06	04	14 48 25 14	आशा दशमी B तुलसी विवाह
13	शु	11 28 57 18 11	पूभा 44 05 24 15	व्या 51 42 27 17	व 00 33 06 50	27 20	06 37 17 33	19 08 04	मी.18।22	06 17 22 11	05	15 21 26 18	भ. 06।47 से 18।09 तक, देवप्रबोधिनी एकादशी व्रत, B
14	श	12 26 21 17 10	उभा 43 24 23 59	ह 46 59 25 25	बा 26 21 17 10	27 16	06 37 17 32	20 09 05	मीन	06 18 22 16	07	15 53 27 19	प्रदोष व्रत, गंडमूल प्रा. 23।56
15	र	13 24 44 16 32	रे 43 41 24 07	व 43 03 23 51	तै 24 44 16 32	27 13	06 38 17 31	21 10 06	मे.24।07	06 19 22 24	09	16 24 28 19	पंचक स. 24।04, विशाखायां रविः 20।27 C स. 24।37
16	चं	14 24 10 16 19	अ 45 03 24 40	सि 39 58 22 38	व 24 10 16 19	27 09	06 39 17 31	22 11 07	मेष	06 20 22 33	10	16 56 29 19	भ. 16।16 से 28।20 तक, श्री सत्यनारायण पूजा, गंडमूल C
17	मं	15 24 47 16 35	भ 47 34 25 41	व्य 37 49 21 47	व 24 47 16 35	27 06	06 40 17 30	23 12 08	मेष	06 21 22 44	12	17 29 06 18	चन्द्रग्रहण, कार्तिक पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, गुरु नानकदेव ज.

कार्तिक शु. 8 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 1 नवंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	09	02	06	11	06	09	00	06	00	10	09
14	10	01	09	05	16	24	19	19	23	28	02
22	42	25	29	31	41	27	17	17	06	46	04
02	30	51	05	29	36	47	50	50	14	26	24
60	851	01	99	04	75	00	00	00	02	01	00
00	20	17	43	33	13	55	03	03	27	02	40
-	-	व	मा	व	मा	मा	मा	मा	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुण्डली: 1 रा. ह.; 2; 3 मं.; 4; 5; 6; 7 सू. शु. बु. के.; 8; 9; 10 श. प्लू. चं.; 11 ने.; 12 गु.

[पक्ष फलम्]

कार्तिक शु. 15 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 8 नवंबर

कुण्डली: 1 ह. चं. रा.; 2; 3 मं.; 4; 5; 6; 7 सू. शु. बु. के.; 8; 9; 10 श. प्लू.; 11 ने.; 12 गु.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	00	02	06	11	06	09	00	06	00	10	09
21	15	00	20	05	25	24	19	19	22	28	02
22	55	55	57	04	28	36	18	18	48	39	09
44	45	42	14	06	10	40	03	03	55	50	48
60	771	07	96	03	75	01	00	00	02	00	00
12	09	25	52	14	14	37	12	12	29	50	52
-	-	व	मा	व	मा	मा	मा	मा	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	अ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मास का चन्द्रदर्शन 27 अक्टूबर कार्तिक शु. 2 गुरुवार को विशाखा नक्षत्र, वृश्चिक राशि के अंतर्गत हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। मास में पांच मंगलवार होने से देश में अप्रत्याशित घटनाएं घट सकती हैं। चन्द्रदर्शन उदित समय इसकी उत्तरी नोंक ऊंची होने से रुई तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओं में तेजा रहेगा। विशाखा नक्षत्र के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से गेहूं, बाजरा, मूंग, ज्वार, उड़द, गुड़, खाण्ड, सरसों, अलसी में तेजी का रुख रहेगा। बुधवारी प्रतिपदा से किसी-किसी स्थान पर वर्षा तथा किसी स्थान पर अनावृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा। एकम् शुक्ला कार्तिकी जो आवै बुधवार, दुगुणा तिगुणा चौगुणा मंहगा चलै बाजार। अन्न में मंहगाई बढ़ेगी। मंगलवारी पूर्णिमा के भरणी नक्षत्र से चार प्रहर भरणी रहे चार मास दुर्भिक्ष-अन्न तेज रहेंगे। पक्ष में 26 अक्तूबर से बुध तुला में गोचर करेंगे। 30 अक्तूबर से मंगल वक्री होंगे। ता. 31 मंगल वक्री मिथुन राशि में होने से किराना तथा अन्य प्रमुख वस्तुओं में तेजी का चक्र चलेगा। जिस राशि पर भ्रमण भौम का जब हो उसमें निश्चय वक्र। वक्री होने पर किराने में चलता तेजी का चक्र।। ता. 1 नवं. अष्टमी मंगलवारी सभी प्रमुख बाजारों व उपज की वस्तुओं रुई, चना आदि में भारी तेजी समर्थक है। 2-3 सप्ताह के अंदर भारी तेजी संभव है। ता. 8 पूनम भरणी युक्त है–अश्विनी भरणी का बने पूनम से संयोग। उड़द गुवार जुवार मकई मटर महंगाई अरु रोग।। उपरोक्त वस्तुओं, सावणी फसल के मालों में आगे अच्छी तेजी लायेगा। आज ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहण है। चांदी, राई, मेथी, जस्ता का स्टॉक करके चार मास बेचने से अच्छा लाभ। दो-तीन सप्ताह के अंदर अनाज, सुपारी, अलसी, गुड़, सरसों, खल, बिनौला आदि में भारी तेजी का वातावरण बन सकता है। लक्ष्मी पूजन मुहूर्त 18।53 से रात्रि 20।48 तक रहेगा।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः-16 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 9 से 23 नवंबर 2022 ई., रा. मिति 18 कार्तिक से 2 मार्ग. तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमन्त ऋतु।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घं. मि.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक प्र.	मु.	अं.	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
18	बु	1 26 39 17 20	कृ 51 18 27 12	वरि 36 38 21 20	कौ 26 39 17 20	27 02	06 40 17 29	24	13	09	वृ.08।01	06 22 22 56	60 14	18 06 07 18	A भैरव पूजन
19	गु	2 29 47 18 36	रो 56 13 29 10	परि 36 23 21 15	ग 29 47 18 36	26 59	06 41 17 29	25	14	10	वृष	06 23 23 11	15	18 47 08 17	
20	शु	3 34 06 20 20	मृ 60 00 - -	शि 37 02 21 31	व 01 47 07 25	26 55	06 42 17 28	26	15	11	मि.18।20	06 24 23 27	17	19 33 09 16	भ. 07।22 से 20।18 तक, वृश्चिके शुक्रः 20।12
21	श	4 39 26 22 29	मृ 02 11 07 35	सि 38 26 22 05	बव 06 38 09 22	26 52	06 43 17 28	27	16	12	मिथुन	06 25 23 45	19	20 23 10 11	गणेश चतुर्थी व्रत
22	र	5 45 28 24 55	आ 09 02 10 20	सा 40 21 22 52	कौ 12 22 11 40	26 49	06 44 17 27	28	17	13	क.30।33	06 26 24 04	21	21 16 11 02	वृषे भौमः 21।27, वृश्चिके बुधः 21।22
23	चं	6 51 46 27 27	पुन 16 23 13 17	शुभ 42 30 23 44	ग 18 36 14 11	26 46	06 44 17 27	29	18	14	कर्क	06 27 24 26	23	22 11 11 48	भ. 27।24 से, बालदिवस / नेहरू जयंती
24	मं	7 57 50 29 53	पु 23 45 16 15	शु 44 31 24 33	वि 24 51 16 41	26 43	06 45 17 26	30	19	15	कर्क	06 28 24 50	25	23 07 12 29	भ. 16।39 तक, गंडमूल प्रा. 16।12
25	बु	8 60 00 - -	आ 30 38 19 01	ब्र 46 00 25 10	बा 30 35 19 00	26 39	06 46 17 26	मार्ग. 01	20	16	सि.19।01	06 29 25 15	27	-- 00 13 05	वृश्चिक संक्रांति, मासिक कालाष्टमी, वृश्चिकऽर्कः 19।18, A
26	गु	8 03 04 08 00	म 36 31 21 23	ऐं 46 37 25 26	कौ 03 04 08 00	26 36	06 47 17 25	02	21	17	सिंह	07 00 25 43	29	24 03 13 38	गंडमूल स. 21।20
27	शु	9 07 02 09 36	पूफा 40 58 23 11	वै 46 04 25 13	गर 07 02 09 36	26 33	06 48 17 25	03	22	18	क.29।31	07 01 26 12	30	24 58 14 09	भ. 22।07 से,
28	श	10 09 21 10 33	उफा 43 41 24 17	वि 44 07 24 27	वि 09 21 10 33	26 31	06 48 17 25	04	23	19	कन्या	07 02 26 43	32	25 54 14 38	भ. 10।30 तक, अनुराधायां रविः 26।35
29	र	11 09 48 10 44	ह 44 34 24 39	प्री 40 41 23 06	बा 09 48 10 44	26 29	06 49 17 24	05	24	20	कन्या	07 03 27 16	34	26 50 15 08	उत्पत्ति एकादशी व्रत, शुक्रोदयः 29।36
30	चं	12 08 21 10 10	चि 43 37 24 17	आ 35 47 21 09	तै 08 21 10 10	26 26	06 50 17 24	06	25	21	तु.12।33	07 04 27 50	36	27 49 15 39	प्रदोष व्रत
मार्ग. 01	मं	13 05 04 08 53	स्वा 41 00 23 15	सौ 29 31 18 39	व 05 04 08 53	26 23	06 51 17 24	07	26	22	तुला	07 05 28 26	37	28 51 16 14	भ. 08।50 से 19।56 तक
02	बु	14 00 13 06 57	वि 37 01 21 40	शो 22 05 15 42	श 00 13 06 57	26 20	06 52 17 23	08	27	23	वृ.16।06	07 06 29 04	39	05 56 16 54	देव-पितृकार्येऽमवस्या, गुरु मार्गी 16।47
00	बु	30 54 06 28 30	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00	00	00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः

मार्गशीर्ष कृ. 8 गुरु प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 17 नवंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	04	01	07	11	07	09	00	06	00	10	09
00	05	29	05	04	06	24	19	19	22	28	02
25	16	14	15	42	45	55	12	12	26	33	18
43	09	32	24	50	29	15	20	20	36	27	40
60	727	15	94	01	75	02	00	00	02	00	01
28	13	00	01	26	17	31	14	14	27	34	06
-	-	व	मा	व	मा	मा	मा	मा	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	अ	-	-	-
विशा. 4	मघा 2	मृग. 2	अनु. 1	उ.भा. 1	अनु. 2	धनि. 1	भरणी 2	स्वाती 4	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 2

कुण्डली (ता. 17 नवंबर): 10 प्लू. श. | 9 | 8 सू. बु. शु. | के. 7 | 6 | 5 चं. | 4 | 2 मं. | 3 | 1 रा. ह. | 12 गु. | 11 ने.

[पक्ष फलम्]

मास पांच बुध तथा पांच गुरुवार युत है। पक्ष में अष्टमी की वृद्धि तथा अमावस्या का क्षय हुआ है। 11 नवम्बर से शुक्र वृश्चिक से, 13 नवम्बर से मंगल वक्रावस्था में वृष राशि से, बुध वृश्चिक से गोचर करेंगे। 21 नवम्बर से शुक्र पश्चिम दिशा में उदित होंगे। गत संक्रांति से तीसरे दिन चौथे नक्षत्र की रात्रि कालीन बुधवारी अष्टमी जया तिथि, स्थिर लग्न की कृष्ण फल युत खड़ी 30 मुहूर्ति वृश्चिक संक्रांति (16 नवं. रात्रि 19।15) से किन्हीं देशों के मध्य युद्ध जैसी परिस्थितियां बनेंगी। तस्करों की गतिविधियां बढ़ेंगी। अग्निकांडों से हानि होगी। पर्वतीय क्षेत्रों, पश्चिम देशों तथा प्रदेशों में राजनैतिक उथल-पुथल रहेगी। यह क्षेत्र उपद्रव ग्रस्त होंगे। शासन की नीतियों से विवाद बढ़ेंगे। दक्षिण में शांति रहेगी। सुपारी, नारियल, जायफल, चांदी, घी, गुड़, खांड हरे रंग के वस्त्रों में तेजी रहेगी। धान्यादि में मंदा आयेगा। तांबा में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। वृश्चिक संक्रांति के दिन यदि वर्षा हुई तो छूत के रोगों का प्रकोप होगा। अनावृष्टि से कृषि की हानि होगी। ता. 12 चौथ शनिवारी पक्ष में गुड़, चीनी में कहीं भारी मंदी के झटके लायेगी। 15-20 दिनों में शेयर्स में भारी मंदी आ सकती है। ता. 15 नवं. अनुराधा का शुक्र सफेद वस्तुओं चांदी, चावल, चीनी, दूध, घी आदि में मंदी कारक है। परन्तु नशीले लालवर्ण की वस्तुओं में 1-2 सप्ताह के अंदर घटबढ़ से तेजी का वातावरण बन सकता है। ता. 20 रविवारी एकादशी-रविवारी एकादशी लागत [illegible] में बेचने से अच्छा लाभ हो। बुधवारी अमावस्या से राज्यों [illegible]

मार्गशीर्ष कृ. 14 बुध प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 23 नवंबर

कुण्डली (ता. 23 नवंबर): 10 प्लू. श. | 9 | 8 सू. शु. बु. | चं. के. 7 | 6 | 5 | 4 | 2 मं. | 3 | 1 रा. ह. | 12 गु. | 11 ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	06	01	07	11	07	09	00	06	00	10	09
06	23	27	14	04	14	25	19	19	22	28	02
29	41	31	35	37	17	11	16	16	12	30	25
04	19	33	35	50	15	59	25	25	02	35	43
60	853	19	92	00	75	03	00	00	02	00	01
39	27	12	46	12	18	05	47	47	23	22	15
-	-	व	मा	व	मा	मा	व	व	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-
अनु. 1	विशा. 2	मृग. 2	अनु. 4	उ.भा. 1	अनु. 4	धनि. 1	भरणी 2	स्वाती 4	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 2

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः-17

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 24 नवं. से 8 दिसं. 2022 ई., रा. मिति 3 से 17 मार्ग. तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमन्त ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान घ. प.	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा. घं. मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	
03	गु	1 47 01 25 41	अनु 31 59 19 40	अति 13 43 12 21	किं 20 38 15 08	26 18	06 52 17 23	09 28 24	वृश्चिक	07 07 29 43	60 40	07 05 17 42	गंडमूल प्रा. 19।37, शुक्रोदयः 19।39
04	शु	2 39 23 22 38	ज्ये 26 17 17 24	सु 04 41 08 46 / धृ 55 21 29 01	बा 13 14 12 11	26 15	06 53 17 23	10 29 25	ध.17।24	07 08 30 24	41	08 16 18 37	चन्द्रदर्शन मु. 30
05	श	3 31 33 19 31	मूल 20 18 15 01	शू 45 55 25 16	तै 05 27 09 05	26 13	06 54 17 23	11 01 26	धनु	07 09 31 06	43	09 25 19 40	भ. 29।56 से, जमादि-उल-अव्वल मु.मास 5, गंडमूल A
06	र	4 23 55 16 29	पूषा 14 25 12 41	गं 36 42 21 36	वि 23 55 16 29	26 10	06 55 17 23	12 02 27	म.18।07	07 10 31 49	44	10 29 20 49	भ. 16।26 तक, गणेश चतुर्थी व्रत
07	चं	5 16 47 13 38	उषा 09 00 10 32	वृ 27 59 18 07	बा 16 47 13 38	26 08	06 56 17 23	13 03 28	मकर	07 11 32 34	45	11 23 21 59	A स. 14।58
08	मं	6 10 28 11 08	श्रव 04 21 08 41	ध्रु 19 57 14 55	तै 10 28 11 08	26 06	06 56 17 22	14 04 29	कुं.19।54	07 12 33 19	46	12 10 23 07	पंचक प्रा. 19।51
09	बु	7 05 11 09 02	ध 00 42 07 14 / शत 58 15 30 15	व्या 12 47 12 04	व 05 11 09 02	26 03	06 57 17 22	15 05 30	कुम्भ	07 13 34 05	47	12 50 24 00	भ. 08।59 से 20।06 तक
10	गु	8 01 06 07 24	पूभा 57 01 29 46	ह 06 34 09 36	बव 01 06 07 24	26 01	06 58 17 22	16 06 01	मी.23।51	07 14 34 53	48	13 24 24 12	B धनु 30।50
00	गु	9 58 20 30 18	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः
11	शु	10 56 50 29 43	उभा 57 03 29 48	वज्र 01 23 07 32 / सि 57 15 29 53	तै 27 24 17 56	25 59	06 59 17 22	17 07 02	मीन	07 15 35 41	49	13 56 25 14	गंडमूल प्रा. 29।45, ज्येष्ठायां रविः 30।51, बुध प्रवेश B
12	श	11 56 35 29 37	रे 58 19 30 19	व्य 54 03 28 37	व 26 32 17 36	25 57	06 59 17 22	18 08 03	मे.30।19	07 16 36 30	49	14 27 26 14	भ. 17।34 से 29।35 तक, मोक्षदा 11, गीता जयंती. C
13	र	12 57 32 30 01	अ 60 00 - -	वरि 51 47 27 43	बव 26 54 17 46	25 56	07 00 17 22	19 09 04	मेष	07 17 37 20	50	14 58 27 12	C पंचक स. 30।16
14	चं	13 59 34 30 51	अ 00 41 07 17	परि 50 21 27 09	कौ 28 24 18 23	25 54	07 01 17 23	20 10 05	मेष	07 18 38 11	51	15 30 28 10	प्रदोष व्रत, गंडमूल स. 07।15, शुक्र प्रवेश धनु 17।59, D
15	मं	14 60 00 - -	भ 04 08 08 41	शि 49 42 26 54	गर 30 58 19 25	25 52	07 02 17 23	21 11 06	वृ.15।06	07 19 39 03	52	16 05 29 09	D बुधोदयः 15।10
16	बु	14 02 36 08 05	कृ 08 33 10 28	सि 49 45 26 56	व 02 36 08 05	25 51	07 02 17 23	22 12 07	वृष	07 20 39 55	53	16 44 06 08	भ. 08।02 से 20।47 तक, दत्तात्रेय ज., श्री सत्यनारायण पूजा
17	गु	15 06 34 09 41	रो 13 51 12 35	सा 50 27 27 14	बव 06 34 09 41	25 49	07 03 17 23	23 13 08	मि.25।46	07 21 40 49	54	17 27 07 06	पूर्णिमा व्रत, अन्नपूर्णा जयंती

मार्गशीर्ष शु. 8 गुरु प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 1 दिसंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	10	01	07	11	07	09	00	06	00	10	09
14	19	24	26	04	24	25	18	18	21	28	02
34	34	42	52	42	19	39	56	56	53	28	36
53	11	25	33	52	40	28	25	25	28	39	26
60	82	42	22	91	01	75	03	00	00	02	00	01
48	53	37	25	28	18	48	18	18	14	06	16
-	-	व	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	-	-	-

10 प्लू. श. | 9 | 8 सू. बु. शु. | 7 के. | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 मं. | 1 रा. ह. | 12 गु. | 11 ने. चं.

[पक्ष फलम्]

मास का नवीन चन्द्रदर्शन 25 नवंबर शुक्रवार, मार्गशीर्ष शुक्ला 2 को ज्येष्ठा नक्षत्र व धनु राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती रहेगा। धनु राशि के चन्द्रदर्शन में चन्द्रमा का उत्तर शृंग उन्नत रहेगा। चन्द्रदर्शन ज्येष्ठा नक्षत्र में होने से गेहूं, चना, बाजरा, मक्का, मोंठ, चावल, आलू में मंदी चलेगी। गुड़, शक्कर में उतार-चढ़ाव रहेगा। धनु राशि से धान्य के भावों में मंदी चलेगी। शुक्रवार में चन्द्रदर्शन से सरसों, तिल, तेल, गेहूं, चावल, उड़द, चना, मटर, अरहर में मंदी। ऊन तथा ऊनी वस्त्रों में मंदी। रुई, चांदी, शेयर्स में घटाबढ़ी के बाद तेजी की चाल निकलेगी। ता. 24 नवं. गुरु मार्गी मंदी कारक है। ता. 26 शुक्रोदय पश्चिम रेशमी, सूत, नारियल में भारी तेजी कारक है। मार्गशीर्ष में उदय होने से दुर्भिक्षकारी है। यथा- उदय अस्त गुरु शुक्र जो होवे मंगसिर मास। भूखे मरते जन करें जाये विदेश निवास॥ ता. 2 दिसं. एकादशी शनिवारी वर्षा नाशक है। मंगसिर सुदी एकादशी शनिवार का संग। वर्षा नाशे प्रजा दुख, मंत्री मण्डल भंग॥ एक मास में किसी राज्य का मंत्रीमंडल भंग अथवा परिवर्तन होगा। पक्ष में चतुर्दशी तिथि की वृद्धि हुई है। 04 दिसम्बर से नेप. मार्गी होंगे। 03 दिसम्बर से बुध धनु राशि में, 05 दिसम्बर से शुक्र धनु राशि में गोचर करेंगे। 01 दिसम्बर से बुध पश्चिम दिशा में उदित होंगे। रुई तथा अन्य जिन्सों में तेजी रहेगी। धान्यों में मंदा आयेगा। चन्द्रमा पीला होने से किसी रोग का प्रकोप रहेगा। शनिवारी मार्गशीर्ष एकादशी से किसी स्थान पर सत्ता परिवर्तन होगा। पेयजल की कमी रहेगी। प्रजा में असंतोष रहेगा। ता. 8 गुरुवारी पूनम रुई, सोना, चांदी सहित सर्व वस्तुओं में मंदी के झटके लायेगी। पक्ष में बुध+शुक्र योग से प्रमुख वस्तुओं में प्रायः मंदी का रुख रहेगा। इस दौरान तेजी के झटकों में बेचना लाभकारी रहेगा।

मार्गशीर्ष शु. 15 गुरु प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 8 दिसंबर

10 प्लू. श. | 9 बु. शु. | 8 सू. | 7 के. | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 चं. मं. | 1 रा. ह. | 12 गु. | 11 ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	01	01	08	11	08	09	00	06	00	10	09
21	19	22	07	04	03	26	18	18	21	28	02
40	43	01	25	58	06	08	56	56	38	28	46
49	54	07	44	05	39	02	54	54	26	45	55
60	732	23	89	02	75	04	03	03	02	00	01
54	15	03	05	53	16	22	40	40	03	08	34
-	-	व	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-

पौष कृष्ण पक्षः-18

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 9 से 23 दिसंबर 2022 ई., रा. मिति 18 मार्ग. से 2 पौष तक। रवि दक्षिण-उत्तरायने, दक्षिण गोले, हेमन्त-शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान घं. मि.	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	[illegible]	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	विवरण
मार्ग. 18	शु	1 11 24 11 37	मृग 19 55 15 02	शुभ 51 43 27 45	कौ 11 24 11 37	25 48	07 04 17 23	24 14 09	मिथुन	07 22 41 43	60 55	18 16 08 03	
19	श	2 16 56 13 51	आ 26 40 17 44	शु 53 27 28 27	ग 16 56 13 51	25 46	07 05 17 23	25 15 10	मिथुन	07 23 42 39	56	19 08 08 56	भ. 27।00 से,
20	र	3 23 02 16 18	पुन 33 54 20 39	ब्र 55 29 29 17	वि 23 02 16 18	25 45	07 05 17 24	26 16 11	क.13।54	07 24 43 35	57	20 03 09 43	भ. 16।15 तक, गणेश चतुर्थी व्रत
21	चं	4 29 25 18 52	पु 41 22 23 38	ऐं 57 37 30 09	बा 29 25 18 52	25 44	07 06 17 24	27 17 12	कर्क	07 25 44 33	58	20 58 10 26	गंडमूल प्रा. 23।36
22	मं	5 35 45 21 25	आ 48 42 26 35	वै 59 35 30 57	कौ 02 36 08 09	25 43	07 07 17 24	28 18 13	सिं.26।35	07 26 45 31	59	21 54 11 04	
23	बु	6 41 36 23 45	म 55 29 29 19	वि 60 00 - -	ग 08 45 10 37	25 42	07 07 17 24	29 19 14	सिंह	07 27 46 31	61 00	22 48 11 37	भ. 23।42 से, गंडमूल स. 29।16
24	गु	7 46 27 25 43	पूफा 60 00 - -	वि 01 02 07 32	वि 14 10 12 48	25 42	07 08 17 25	30 20 15	सिंह	07 28 47 32	01	23 43 12 08	भ. 12।45 तक
25	शु	8 49 52 27 05	पूफा 01 12 07 37	प्री 01 39 07 48	बा 18 21 14 29	25 41	07 08 17 25	पौष 01 21 16	क.14।07	07 29 48 34	02	24 00 12 37	धनु संक्रांति, मासिक कालाष्टमी, धनुष्यर्क: 10।00
26	श	9 51 29 27 45	उफा 05 29 09 21	आ 01 08 07 36 सौ 59 12 30 50	तै 20 55 15 31	25 40	07 09 17 26	02 22 17	कन्या	08 00 49 36	03	24 37 13 05	
27	र	10 51 04 27 35	ह 07 59 10 21	शो 55 41 29 26	व 21 32 15 46	25 40	07 10 17 26	03 23 18	तु.22।33	08 01 50 40	04	25 33 13 35	भ. 15।43 से 27।32 तक
28	चं	11 48 34 26 36	चि 08 28 10 34	अ 50 32 27 23	बव 20 04 15 12	25 39	07 10 17 26	04 24 19	तुला	08 02 51 44	05	26 32 14 07	सफला एकादशी व्रत
29	मं	12 44 05 24 49	स्वा 06 57 09 57	सु 43 49 24 42	कौ 16 33 13 48	25 39	07 11 17 27	05 25 20	वृ.27।00	08 03 52 50	06	27 34 14 44	
30	बु	13 37 51 22 20	वि 03 32 08 36 अनु 58 31 30 36	धृ 35 42 21 28	ग 11 09 11 39	25 39	07 11 17 27	06 26 21	वृश्चिक	08 04 53 56	06	28 41 15 27	भ. 22।16 से, प्रदोष व्रत, गंडमूल प्रा. 30।33
पौष 01	गु	14 30 12 19 17	ज्ये 52 15 28 06	शू 26 25 17 46	वि 04 10 08 52	25 39	07 12 17 28	07 27 22	ध.28।06	08 05 55 03	07	05 51 16 19	भ. 08।49 तक A गंडमूल स. 25।13
02	शु	30 21 34 15 50	मू 45 09 25 16	गं 16 18 13 44	चतु 21 34 15 50	25 39	07 12 17 28	08 28 23	धनु	08 06 56 10	07	07 03 17 20	देव-पितृकार्येऽमवस्या, स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस, A

पौष कृ. 8 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 16 दिसंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	04	01	08	11	08	09	00	06	00	10	09
29	25	19	18	05	13	26	18	18	21	28	03
48	34	04	50	27	08	45	20	20	23	30	00
34	55	02	11	20	46	25	49	49	02	57	00
61	736	20	79	04	75	04	00	00	01	00	01
02	37	42	59	26	15	58	01	01	47	25	42
-	-	व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
ज्येष्ठा 4	पू.फा. 4	रोहिणी 3	पू.षा. 2	उ.भा. 1	मूल 4	धनिष्ठा 2	भरणी 2	स्वाति 4	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 2

10 प्लू. श. | बु.शु. 9 | के. 7 | 6 | 8 सू. | 5 चं. | 11 ने. | 2 मं. | 12 गु. | 4 | 1 रा.ह. | 3

[पक्ष फलम्]

पांच शुक्रवार युत मास में प्रजा में कुशल क्षेम रहेगी। उत्तम वर्षा से सुभिक्ष, क्षेम रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकसों में भी मंदे का प्रभाव रहेगा। शुक्रवारी अमावस्या से किन्हीं स्थानों पर वर्षा होगी। कृषि अच्छी होगी। चौरों, तस्करों का उपद्रव बढ़ेगा। शनिवारी नवमी में किया धान्य संग्रह आगे चलकर लाभ देगा। गत संक्रांति से तीसरे दिन तीसरे नक्षत्र, अष्टमी जया तिथि की बैठी, 45 मुहूर्ति, कृष्ण फल, व्याघ्र वाहन युत धनु संक्रांति (16 दिसं. 09।58) दिवस कालीन होने के प्रभाव से अशुभ फलों में किंचित न्यूनता रहेगी। व्यापारिक उन्नति होगी। धान्यों के भावों में गिरावट आयेगी। कृषक वर्ग कष्ट में रहेगा। चौपाये पशुओं की हानि होगी। विदेश में रहने वाले, कोर्ट-कचहरी में कार्यरत व्यक्ति पीड़ित होंगे। दक्षिणी देशों में जनसमुदाय त्रस्त रहेगा। शासन सत्ता में बैठे नेता विवाद ग्रस्त होंगे। घी, गुड़, खांड़ आदि रसकसों में, कुसुंभा, मजीठ तथा अन्य लाल रंगों की वस्तुओं की हानि होगी। मोती, हाथी, घोड़े, ऊंट, दूध, दही, घी आदि रसों, गुड़, खाण्ड तथा तिल, तैल, सरसों, केसर, हल्दी, कपास, सूत, सन, रेशम, ऊन में तेजी रहेगी। चांदी में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। गेहूं आदि सभी धान्यों, तैल, कुसुंभा, कपास आदि में मंदा रहेगा। धनु संक्रांति के दिन की वर्षा से गेहूं, चने आदि की कृषि अच्छी होगी। किसी महामारी का प्रकोप होगा। पशुओं की हानि होगी। ता. 17 दिस. नवमी शनिवारी यथाफ [illegible] अनाज।। आगे लगभग 21 जून तक अनाज संग्रह करने की

पौष कृ. 30 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 23 दिसंबर

श.प्लू. 10 | 8 | 11 ने. | 9 | 7 के. | सू.चं. बु.शु. | 6 | 12 गु. | 3 | 1 रा. ह. | 5 | 2 मं. | 4

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	08	01	08	11	08	09	00	06	00	10	09
06	00	16	26	06	21	27	18	18	21	28	03
56	52	52	56	02	55	21	10	10	11	34	12
10	53	25	58	50	31	55	14	14	27	41	16
61	902	16	54	05	75	05	07	07	01	00	01
08	52	33	21	43	14	27	29	29	30	40	48
-	-	व	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
मूल 3	मूल 1	रोहिणी 3	उ.षा. 1	उ.भा. 1	पू.षा. 3	धनिष्ठा 2	भरणी 2	स्वाति 4	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 2

चांदी में कभी तेजी तो कभी मंदी आयेगी। गेहूं आदि सभी धान्यों, तेल, कसुंभा, कपास आदि में मंदा रहेगा। धन संक्रांति के दिन की वर्षा से गेहूं, चने आदि की कृषि अच्छी होगी। किसी महामारी का प्रकोप होगा। पशुओं की हानि होगी। ता. 17 दिसं. नवमी शनिवारी ... आगे लगभग 21 जून तक अनाज संग्रह करने की ...

पौष शुक्ल पक्षः-19

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 24 दिसं. से 6 जन. 2023 ई., रा. मिति 3 से 16 पौष तक। रवि उत्तरायणे, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ता. मि.	वा	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	नाडी	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	संदर्भ
पौष 03	श	1 12 23 12 10	पूषा 37 44 22 18	वृ 05 42 09 29 / ध्रु 54 59 29 12	बव 12 23 12 10	25 39	07 13 17 29	09 29 24	म.27 I34	08 07 57 18	61/08	08 11 18 28	A गणेश चतुर्थी व्रत, पंचक प्रा. 27I31
04	र	2 03 07 08 28	उषा 30 27 19 24	व्या 44 30 25 01	कौ 03 07 08 28	25 39	07 13 17 29	10 30 25	मकर	08 08 58 26	08	09 11 19 41	चन्द्रदर्शन मु. 45, क्रिसमस डे
00	र	3 54 14 28 55	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः
05	चं	4 46 09 25 41	श्रव 23 48 16 45	ह 34 38 21 05	व 20 03 15 15	25 40	07 13 17 30	11 ज3/01 26	कुं.27 I34	08 09 59 35	08	10 03 20 53	भ. 15I12 से 25I38 तक, जमादि-उल-उस्सानी मु.मा.6, A
06	मं	5 39 16 22 56	धनि 18 10 14 30	व 25 39 17 30	बव 12 32 12 15	25 40	07 14 17 31	12 02 27	कुम्भ	08 11 00 43	08	10 47 22 02	मकरे बुधः 29I05
07	बु	6 33 53 20 47	शत 13 56 12 48	सि 17 51 14 23	कौ 06 22 09 47	25 41	07 14 17 31	13 03 28	मी.29 I58	08 12 01 52	08	11 25 23 06	B 26I59, मकरे शुक्रः 16I06
08	गु	7 30 14 19 20	पूभा 11 20 11 46	व्य 11 24 11 48	ग 01 50 07 59	25 41	07 15 17 32	14 04 29	मीन	08 13 03 01	08	11 58 24 00	भ. 19I17 से 30I50 तक, पूषायां रविः 12I08, बुध वक्री B
09	शु	8 28 25 18 37	उभा 10 30 11 27	वरि 06 22 09 48	बव 28 25 18 37	25 42	07 15 17 32	15 05 30	मीन	08 14 04 10	08	12 30 24 08	मासिक दुर्गाष्टमी, गंडमूल प्रा. 11I24, बुध प्रवेश धनु 24I12
10	श	9 28 23 18 36	रेव 11 26 11 49	परि 02 45 08 21	कौ 28 23 18 36	25 43	07 15 17 33	16 06 31	मे.11 I50	08 15 05 18	08	13 00 25 07	पंचक स. 11I47
11	र	10 29 58 19 15	अ 13 59 12 51	शि 00 27 07 26 / सि 59 19 30 59	गर 29 58 19 15	25 44	07 16 17 34	17 07 J1	मेष	08 16 06 27	08	13 32 26 05	नववर्ष 2023 प्रा., गंडमूल स. 12I48
12	चं	11 32 57 20 27	भर 17 56 14 26	सा 59 08 30 55	व 01 18 07 47	25 45	07 16 17 34	18 08 02	वृ.20 I54	08 17 07 35	08	14 06 27 03	भ. 07I44 से 20I24 तक, पुत्रदा 11 व्रत, बुधास्त 07I49
13	मं	12 37 03 22 05	कृ 23 01 16 28	शुभ 59 41 31 09	बव 04 52 09 13	25 46	07 16 17 35	19 09 03	वृष	08 18 08 43	08	14 43 28 02	
14	बु	13 41 59 24 04	रो 28 57 18 51	शु 60 00 - -	कौ 09 25 11 02	25 48	07 16 17 36	20 10 04	वृष	08 19 09 51	07	15 25 29 00	प्रदोष व्रत
15	गु	14 47 32 26 17	मृग 35 31 21 29	शु 00 48 07 36	ग 14 42 13 09	25 49	07 16 17 37	21 11 05	मि.08 I08	08 20 10 59	07	16 11 05 56	भ. 26I14 से, C स्नान प्रारंभ
16	शु	15 53 30 28 41	आ 42 30 24 16	ब्र 02 21 08 13	वि 20 29 15 28	25 50	07 16 17 37	22 12 06	मिथुन	08 21 12 07	07	17 02 06 50	भ. 15I25 तक, पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा, माघ C

पौष शु. 8 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 30 दिसंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	11	01	09	11	09	09	00	06	00	10	09
14	13	15	00	06	00	28	17	17	21	28	03
04	21	14	08	47	41	01	22	22	01	40	25
10	14	34	52	03	59	35	24	24	54	05	08
61	803	11	07	06	75	05	01	01	01	00	01
09	42	11	24	55	11	53	08	08	12	53	52
-	-	व	व	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ग्रह कुण्डली (ता. 30 दिसंबर): 8; 7 के.; 9 सू.; 6; 10 बु.शु.प्लू.श; 11 ने.; 3; 5; 12 चं.गु.; 1 रा. ह.; 2 मं.; 4

[पक्ष फलम्]

मास का चन्द्रदर्शन 25 दिसंबर 2022 रविवार, पौष शुक्ल 2 को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र अंतर्गत मकर राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती है। उदित समय चन्द्रमा के दोनों शृंग शूल के समान होने से प्रत्येक वस्तुओं में घटाबढ़ी के बाद भाव स्थिर होंगे। रुई तथा अन्य जिन्सों में तेजी रहेगी। उत्तराषाढ़ा नक्षत्र अंतर्गत चन्द्रदर्शन होने से अफीम, गोला, किशमिश, छुहारे, अखरोट, बादाम, मुनक्का, दालचीनी, जीरा, हल्दी, मिर्च, अजवायन, धनियां, लौंग, सुपारी, गोला, नारियल, मेंथी, अन्य किराना वस्तुओं में मंदी के बाद तेजी रहेगी। किसी वस्तु में यदि गुरुवार को तेजी होकर शुक्रवार को 12 बजे बाद मंदी आती है, तो उस वस्तु में शनिवार को तेजी अवश्य आयेगी। पक्ष में सुदी 3 का क्षय, यथाफल-किसी मास में तीज या सुदी चौथ घट जाय। ग्राहक मांगे मूंग घी, विक्रेता नट जाय॥ संवत् में आषाढ़ पूर्णिमा में रोहिणी, श्रावण मास में श्रवण तथा पौष मास में मूल नक्षत्र न होने से वैश्विक संकट बनेगा। 28 दिसम्बर से बुध मकर से, 29 दिसम्बर से शुक्र धनु से, 29 दिसम्बर से बुध वक्री होंगे तथा 31 दिसम्बर से वक्रावस्था में धनु राशि में गोचर करेंगे। 31 दिसम्बर से प्लूटो अस्त होंगे। 02 जनवरी से बुध पश्चिम में अस्त होंगे। ता. 27 दिसं. सुदी 5 मंगलवारी से पक्ष में अनाज, तिलहन, धातुओं आदि, लालवर्ण की वस्तुओं में तेजी समर्थक है। ता. 28 दिसंबर छट बुधवारी एक मास में अनाजों में अच्छी तेजी कारक। यहां बुध+शुक्र+शनि का राशि योग- शनि बुध सूरज साथ जब एक राशि इक सेज। जौ, गेहूं, चावल, चना, जुवार, बाजरा तेज॥ यह योग उपरोक्त वस्तुओं में तेजी लायेगा। पक्ष में तिलहन, तेलों, घी, मूंग आदि दालों में तेजी चलने की आशा है।

पौष शु. 15 शुक्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 6 जनवरी

ग्रह कुण्डली (ता. 6 जनवरी): 8; 7 के.; 9; 10 शु.प्लू.श; 11 ने.; सू. बु.; 6; 12 गु.; 3 चं.; 1 ह. रा.; 5; 2 मं.; 4

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	02	01	08	11	09	09	00	06	00	10	09
21	10	14	24	07	09	28	17	17	20	28	03
12	39	16	48	39	27	44	05	05	54	47	38
07	57	07	32	19	55	01	19	19	36	05	27
61	717	05	76	08	75	06	09	09	00	01	01
08	03	25	57	01	05	15	16	16	52	07	56
-	-	व	व	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
पू.षा. 3	आर्द्रा 2	रोहिणी 2	पू.षा. 4	उ.भा. 2	उ.षा. 4	धनि. 2	स्वाती 2	अश्विनी 4	[illegible] 3	[illegible] 3	उ.षा. 3

माघ कृष्ण पक्षः-20

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 7 से 21 जनवरी 2023 ई., रा. मिति 17 पौष से 1 माघ तक। रवि उत्तरायणे, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो ग. प. घं मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घं मि)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	अयन	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	
पौष 17	श	1 59 44 31 10	पुन 49 45 27 11	ऐं 04 09 08 56	बा 26 36 17 55	25 52	07 17 17 38	23 13 07	क.20।27	08 22 13 15	61/07	17 56 07 40	
18	र	2 60 00 - -	पुष्य 57 08 30 08	वै 06 09 09 44	तै 32 54 20 26	25 54	07 17 17 39	24 14 08	कर्क	08 23 14 22	07	18 52 08 24	गंडमूल प्रा. 30।05
19	चं	2 06 04 09 43	आ 60 00 - -	वि 08 13 10 34	गर 06 04 09 43	25 55	07 17 17 40	25 15 09	कर्क	08 24 15 29	07	19 47 09 03	भ. 22।55 से,
20	मं	3 12 20 12 13	आ 04 27 09 04	प्री 10 12 11 22	वि 12 20 12 13	25 57	07 17 17 40	26 16 10	सिं.09।04	08 25 16 37	07	20 42 09 38	भ. 12।10 तक, संकष्ट चतुर्थी, गणेश चतुर्थी व्रत
21	बु	4 18 15 14 35	म 11 30 11 53	आ 11 57 12 04	बा 18 14 14 35	25 59	07 17 17 41	27 17 11	सिंह	08 26 17 44	07	21 36 10 09	गंडमूल स. 11।50, उषायां रवि: 14।13
22	गु	5 23 29 16 40	पूफा 17 56 14 27	सौ 13 14 12 34	तै 23 29 16 40	26 01	07 17 17 42	28 18 12	क.21।02	08 27 18 51	07	22 30 10 38	मंगल मार्गी 14।29, बुधोदय: 22।49
23	शु	6 27 39 18 21	उफा 23 23 16 38	शो 13 46 12 47	व 27 39 18 21	26 03	07 17 17 43	29 19 13	कन्या	08 28 19 58	07	23 24 11 06	भ. 18।18 से 30।55 तक, लोहिड़ी
24	श	7 30 23 19 26	ह 27 30 18 17	अति 13 17 12 35	ब 30 23 19 26	26 05	07 17 17 44	माघ 01 20 14	तु.30।51	08 29 21 05	07	24 00 11 34	मकर संक्रांति, मकरेऽर्कः 20।47, पोंगल पर्व (तमिल.)
25	र	8 31 20 19 49	चि 29 54 19 14	सु 11 30 11 53	बा 01 06 07 43	26 08	07 17 17 45	02 21 15	तुला	09 00 22 12	06	24 19 12 04	मासिक कालाष्टमी
26	चं	9 30 18 19 24	स्वा 30 24 19 26	धृ 08 14 10 34	तै 01 05 07 42	26 10	07 17 17 45	03 22 16	तुला	09 01 23 19	06	25 18 12 38	भ. 30।49 से,
27	मं	10 27 11 18 09	वि 28 52 18 49	शू 03 22 08 37 / गं 56 52 30 01	वि 27 11 18 09	26 12	07 16 17 46	04 23 17	वृ.13।03	09 02 24 26	06	26 21 13 16	भ. 18।06 तक, कुंभे शनि: 22।09
28	बु	11 22 05 16 06	अनु 25 23 17 26	वृ 48 53 26 49	बा 22 05 16 06	26 15	07 16 17 47	05 24 18	वृश्चिक	09 03 25 32	06	27 27 14 02	बुध मार्गी 06।49
29	गु	12 15 14 13 22	ज्ये 20 12 15 21	ध्रु 39 36 23 06	तै 15 14 13 22	26 17	07 16 17 48	06 25 19	ध.15।21	09 04 26 39	05	28 37 14 57	
30	शु	13 06 58 10 03	मू 13 38 12 43	व्या 29 19 18 59	व 06 58 10 03	26 20	07 16 17 49	07 26 20	धनु	09 05 27 44	05	05 47 16 02	भ. 10।00 से 20।11 तक, गंडमूल स. 12।40
00	शु	14 57 43 30 21	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
माघ 01	श	30 47 56 26 26	पूषा 06 09 09 43 / उषा 58 12 30 32	ह 18 24 14 37	चतु 22 52 16 24	26 23	07 16 17 49	08 27 21	म.14।56	09 06 28 50	04	06 51 17 13	देव-पितृकार्येऽमवस्या, मौनी अमा.

माघ कृ. 8 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 15 जनवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	05	01	08	11	09	09	00	06	00	10	09
00	29	13	14	08	20	29	16	16	20	28	03
22	16	59	54	57	43	42	02	02	48	58	55
12	46	13	11	13	08	00	24	24	44	18	58
61	768	01	32	09	74	06	00	00	00	01	01
07	52	39	14	17	58	38	00	00	25	23	58
-	-	मा	व	मा	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
उ.षा. 2	चित्रा 2	रोहि. 2	पू.भा. 1	उ.भा. 2	श्रवण 4	धनि. 2	भरणी 1	स्वाति 3	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 3

11 ने. | बु.9 | 12 गु. | 10 सू.श. शु.प्लू. | 7 के. | 8 | 1 रा.ह. | 4 | 2 मं. | 6 चं. | 3 | 5

[पक्ष फलम्]

मास पांच शनि तथा पांच रविवार युत है। शुक्ल पक्ष में द्वितीया की वृद्धि होकर चतुर्दशी का क्षय हुआ है। शनिदेव 17 जनवरी 2023 से अपनी मूल त्रिकोण राशि मेष में प्रवेश करेंगे। 12 जनवरी से बुध पूर्व दिशा में उदित होंगे। ता. 13 को मंगल मार्गी होने से चलते रुखों में अचानक परिवर्तन आ सकता है। ता. 17 को शनि कुंभ राशि में प्रवेश करने से समस्त तेल-तेलवाना, रुई, सिल्वर एवं अनाजों में तेजी। ता. 18 को बुध मार्गी होने से रुई, सिल्वर में घटबढ़ तथा एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर आदि अनाजों में तेजी। साथ ही सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च भी तेज हो सकते हैं। शनिवारी अमावस्या से वैमनस्य बढ़ेगा। कष्ट फल होंगे। अनाज में कमी रहेगी। गत संक्रांति से दूसरे दिन तीसरे नक्षत्र की रात्रि कालीन 30 मुहूर्ति बैठी शनिवारी अष्टमी जया तिथि, बालव करण, स्थिर लग्न की मकर संक्रांति (14 जन. 20।45) से व्यापार की उन्नति होगी। शीत में वृद्धि होगी। विश्व में भय जनक परिस्थितयां सृजित होंगी। शासन सत्ता में बैठे नेता विवादों को बढ़ावा देंगे। दक्षिणी देश तथा प्रदेश विशेष रूप से प्रभावित होंगे। रोगों का उपद्रव रहेगा। अनावृष्टि, महामारी आदि से मृत्यु भय बढ़ेगा। धान्य, चांदी, सोना, मोती, तांबा, सीसा, कतीर, कांसा, पीतल आदि सभी धातुयें, दूध, दही, घी, तेल, गुड़, खांड आदि रसकस, कुसुंभा, मजीठ, केसर, हल्दी महंगी रहेंगी। रुई में एक मास में तेजी आयेगी। ज्वार, बाजारा, चना, मसूर की फसल को पाले से [illegible] अनावृष्टि से कृषि की हानि होगी। शासक तथा शासित पीड़ित

माघ कृ. 30 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 21 जनवरी

11 श. ने. | चं.बु.9 | 12 गु. | 10 सू.प्लू. शु. | 7 के. | 8 | 1 रा.ह. | 4 | 2 मं. | 6 | 3 | 5

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	08	01	08	11	09	10	00	06	00	10	09
06	23	14	14	09	28	00	15	15	20	29	04
28	58	22	21	55	12	22	31	31	47	07	07
50	36	02	09	14	36	26	36	36	08	03	45
61	918	05	18	10	74	06	12	12	00	01	01
05	24	59	59	03	52	51	02	02	06	33	58
-	-	मा	मा	मा	मा	भा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
उ.षा. 3	पू.षा. 4	रोहि. 2	पू.भा. 1	उ.भा. 2	धनि. 2	धनि. 3	भरणी 1	स्वाति 3	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 3

माघ शुक्ल पक्षः-21

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 22 जन. से 5 फरवरी 2023 ई., रा. मिति 2 से 16 माघ तक। रवि उत्तरायणे, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ग. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	संदर्भ
जन 02	र	1 38 09 22 31	श्रव 50 21 27 24	सि 56 09 29 43	किं 13 01 12 28	26 26	07 15 17 50	09 28 22	मकर	09 07 29 54	61 04	07 48 18 28	गुप्त नवरात्र प्रा., कुंभे शुक्रः 15।56
03	चं	2 28 49 18 47	ध 43 06 24 29	व्य 45 38 25 30	बा 03 24 08 37	26 28	07 15 17 51	10 29 23	कु.13।54	09 08 30 58	03	08 37 19 40	चन्द्रदर्शन मु. 30, सुभाषचन्द्र बोस ज., पंचक प्रा. 13।51
04	मं	3 20 27 15 25	शत 36 55 22 01	वरि 36 01 21 39	गर 20 27 15 25	26 31	07 15 17 52	11 फरव 01 24	कुम्भ	09 09 32 02	02	09 19 20 50	भ. 25।54 से, रज्जब मु.मा. 7, श्रवणे सूर्यः 16।28, गणेश A
05	बु	4 13 28 12 37	पूभा 32 14 20 08	परि 27 38 18 18	वि 13 28 12 37	26 34	07 14 17 53	12 02 25	मी.14।32	09 10 33 04	02	09 55 21 55	भ. 12।34 तक A चतुर्थी व्रत
06	गु	5 08 14 10 31	उभा 29 24 18 59	शि 20 44 15 31	बा 08 14 10 31	26 37	07 14 17 54	13 03 26	मीन	09 11 34 06	01	10 29 22 57	गणतंत्र दिवस 74वां, बसंत पंचमी, गंडमूल प्रा. 18।56
07	शु	6 05 00 09 13	रे 28 35 18 39	सि 15 27 13 24	तै 05 00 09 13	26 40	07 13 17 54	14 04 27	मे.18।39	09 12 35 06	60 59	11 01 23 58	शीतला षष्ठी (बं.), पंचक स. 18।36
08	श	7 03 53 08 46	अ 29 49 19 09	सा 11 49 11 57	व 03 53 08 46	26 44	07 13 17 55	15 05 28	मेष	09 13 36 05	58	11 33 24 00	भ. 08।43 से 20।49 तक, गंडमूल स. 19।06
09	र	8 04 50 09 09	भ 32 58 20 24	शुभ 09 46 11 07	बव 04 50 09 09	26 47	07 13 17 56	16 06 29	वृ.26।49	09 14 37 03	56	12 06 24 57	मासिक दुर्गाष्टमी
10	चं	9 07 37 10 15	कृ 37 44 22 18	शु 09 06 10 51	कौ 07 37 10 15	26 50	07 12 17 57	17 07 30	वृष	09 15 38 00	55	12 43 25 56	भ. 24।56 से, गुप्त नवरात्र समा.
11	मं	10 11 54 11 57	रो 43 46 24 42	ब्र 09 34 11 01	ग 11 54 11 57	26 53	07 12 17 58	18 08 31	वृष	09 16 38 56	54	13 23 26 54	
12	बु	11 17 15 14 05	मृ 50 37 27 26	ऐं 10 51 11 31	वि 17 15 14 05	26 57	07 11 17 59	19 09 F1	मि.14।02	09 17 39 51	53	14 08 27 51	भ. 14।02 तक, जया एकादशी व्रत, शनि अस्तः 19।42
13	गु	12 23 17 16 29	आ 57 55 30 21	वै 12 39 12 14	बा 23 17 16 29	27 00	07 10 17 59	20 10 02	मिथुन	09 18 40 44	51	14 57 28 46	भीष्म द्वादशी (भीष्म तर्पण)
14	शु	13 29 38 19 01	पुन 60 00 - -	वि 14 44 13 04	तै 29 38 19 01	27 04	07 10 18 00	21 11 03	क.26।34	09 19 41 36	50	15 51 05 37	प्रदोष व्रत B पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा
15	श	14 36 00 21 33	पुन 05 24 09 19	प्री 16 53 13 55	ग 02 50 08 17	27 07	07 09 18 01	22 12 04	कर्क	09 20 42 27	49	16 46 06 23	भ. 21।30 से,
16	र	15 42 11 24 01	पु 12 47 12 15	आ 18 57 14 43	वि 09 08 10 48	27 11	07 09 18 02	23 13 05	कर्क	09 21 43 16	48	17 42 07 03	भ. 10।45 तक, गंडमूल प्रा. 12।13, माघ स्नान स., B

माघ शु. 8 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 29 जनवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	00	01	08	11	10	10	00	06	00	10	09
14	18	15	19	11	08	01	14	14	20	29	04
37	50	30	43	19	10	18	30	30	47	20	23
03	53	35	02	23	43	04	56	56	58	11	24
60	761	11	57	10	74	07	00	00	00	01	01
57	02	05	01	58	39	03	14	14	19	44	56
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-

[पक्ष फलम्]

मास का नवीन चन्द्रदर्शन 23 जनवरी 2023 सोमवार, माघ शुक्ल 2, धनिष्ठा नक्षत्र अंतर्गत कुंभ राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। चन्द्रदर्शन के समय इसकी दोनों शृंग समान होने से प्रत्येक वस्तु में उतार-चढ़ाव के बाद भाव सम होंगे। व्यापारिक वस्तुओं के भाव प्रायः ही स्थिर होंगे। उड़द, मूंग, मोठ, चना, अरहर, मसूर में तेजी बनेगी। सोमवार को चन्द्रदर्शन से वस्त्र, रुई, सूत, सोना, रंग में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी से मंदी रहेगी। गेहूं, जौ, चना, मक्का, बाजरा, चावल में मंदी। धनिष्ठा नक्षत्र के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से सोना, चांदी आदि धातुओं में तेजी रहेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई में मंदी। अन्न में मास के मध्य में उतार-चढ़ाव रहेगा। आलू में तेजी के बाद मंदी रहेगी। सोना, चांदी, गोला, मिश्री, खाण्ड, शक्कर, गुड़, उड़द, मूंग, मसूर, मोंठ में मंदी रहेगी। पांच रविवार नेष्टप्रद हैं। कुंभ की संक्रांति सोमवारी होने से दक्षिण की वायु चले। धान्यादि, सभी वस्तुओं के भावों में मंदी का रुख रहेगा। रसकस, रसीली वस्तुओं, हींग, जीरा, हल्दी, धनियां, सौंफ, मिर्च, अन्य किराने की वस्तुओं में तेजी होगी। लोक-महाजन में प्रसन्नता होगी। 18 जनवरी से हर्षल मार्गी होंगे। ता. 22 व. शुक्र कुंभ राशि में प्रवेश कर शनि के साथ युति होने से रुई, सिल्वर, गुड़, खांड, गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज्वार-बाजरा तथा श्वेत जिन्स-धातुओं में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 30 को शनि अस्त होने से रुई, कॉटन, सोना, कॉपर में मंदी की धारणा बनेगी।

माघ शु. 15 रवि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 5 फरवरी
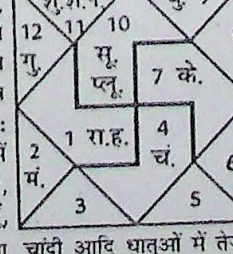
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	03	01	08	11	10	10	00	06	00	10	09
21	13	17	27	12	16	02	13	13	20	29	04
43	19	01	23	38	52	07	48	48	51	32	36
16	10	31	56	37	32	53	15	15	27	52	49
60	713	14	73	11	74	07	12	12	00	01	01
49	15	51	16	40	26	11	49	49	41	53	54
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	-	-	-

फाल्गुन कृष्ण पक्षः-22 श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 6 से 20 फरवरी 2023 ई., रा. मिति 17 माघ से 1 फाल्गु. तक। रवि उत्तरायणे, दक्षिण गोले, शिशिर-वसंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा.मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ.प. घं.मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ.प. घं.मि.	योग स्टैं.टा. यो घ.प. घं.मि.	करण स्टैं.टा. क घ.प. घं.मि.	दिनमान घं.मि.	स्टैं.टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं.मि. घं.मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.		चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं.मि. घं.मि.	
माघ 17	चं	1 48 04 26 22	आ 19 55 15 06	सौ 20 48 15 27	बा 15 12 13 13	27 14	07 08 18 03	24 14 06	सिं.15 ।06	09 22 44 05	60/47	18 38 07 40	घनिष्ठायां रविः 19।39
18	मं	2 53 30 28 31	म 26 41 17 48	शो 22 23 16 05	तै 20 52 15 28	27 18	07 07 18 03	25 15 07	सिंह	09 23 44 52	46	19 32 08 12	गंडमूल स. 17।45, मकरे बुधः 07।30
19	बु	3 58 19 30 26	पूफा 32 56 20 17	अति 23 34 16 32	व 26 01 17 31	27 22	07 07 18 04	26 16 08	क.26 ।52	09 24 45 38	45	20 26 08 42	भ. 17।28 से 30।23 तक
20	गु	4 60 00 - -	उफा 38 30 22 30	सु 24 14 16 48	ब 30 27 19 17	27 26	07 06 18 05	27 17 09	कन्या	09 25 46 23	43	21 19 09 09	गणेश चतुर्थी व्रत
21	शु	4 02 21 08 02	ह 43 08 24 20	धृ 24 13 16 46	बा 02 21 08 02	27 29	07 05 18 06	28 18 10	कन्या	09 26 47 07	42	22 14 09 37	
22	श	5 05 17 09 11	चि 46 35 25 43	शू 23 19 16 24	तै 05 17 09 11	27 33	07 05 18 07	29 19 11	तु.13 ।05	09 27 47 50	41	23 10 10 06	
23	र	6 06 53 09 49	स्वा 48 36 26 30	गं 21 21 15 36	व 06 53 09 49	27 37	07 04 18 07	30 20 12	तुला	09 28 48 32	40	24 00 10 37	भ. 09।46 से 21।51 तक
24	चं	7 06 55 09 49	वि 48 58 26 38	वृ 18 09 14 19	बव 06 55 09 49	27 41	07 03 18 08	फाल्गु 01 21 13	वृ.20 ।40	09 29 49 13	39	24 10 11 12	कुंभ संक्रांति, मासिक कालाष्टमी, कुंभेऽर्कः 09।46
25	मं	8 05 13 09 08	अनु 47 36 26 04	ध्रु 13 34 12 28	कौ 05 13 09 08	27 45	07 02 18 09	02 22 14	वृश्चिक	10 00 49 52	38	25 13 11 53	गंडमूल प्रा. 26।01, वैलेन्टाइन डे
26	बु	9 01 43 07 43	ज्ये 44 29 24 49	व्या 07 34 10 03	गर 01 43 07 43	27 49	07 01 18 10	03 23 15	ध.24 ।49	10 01 50 31	37	26 19 12 42	भ. 18।41 से 29।33 तक, मीने शुक्रः 20।05
00	बु	10 56 27 29 36	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः
27	गु	11 49 40 26 53	मू 39 48 22 56	ह 00 12 07 05 / वज्र 51 34 27 38	ब 23 15 16 19	27 53	07 01 18 10	04 24 16	धनु	10 02 51 09	36	27 26 13 41	विजया एकादशी व्रत, गंडमूल स. 22।53
28	शु	12 41 39 23 39	पूषा 33 48 20 31	सि 41 57 23 47	कौ 15 49 13 19	27 57	07 00 18 11	05 25 17	म.25 ।51	10 03 51 45	34	28 32 14 47	
29	श	13 32 47 20 06	उषा 26 54 17 45	व्य 31 39 18 38	ग 07 19 09 54	28 01	06 59 18 12	06 26 18	मकर	10 04 52 20	33	05 31 15 59	भ. 20।03 से 30।11 तक, महाशिवरात्रि, प्रदोष व्रत
30	र	14 23 29 16 22	श्रव 19 32 14 47	वरि 20 59 15 22	श 23 29 16 22	28 05	06 58 18 12	07 27 19	कुं.25 ।17	10 05 52 53	32	06 23 17 13	पंचक प्रा. 25।14, शते सूर्यः 24।09, वीर शिवाजी ज.
फाल्गु 01	चं	30 14 14 12 39	ध 12 10 11 49	परि 10 21 11 05	ना 14 14 12 39	28 09	06 57 18 13	08 28 20	कुम्भ	10 06 53 26	30	07 08 18 24	देव-पितृकार्येऽमवस्या, सोमवती अमा.

फाल्गुन कृ. 8 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 14 फरवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	07	01	09	11	10	10	00	06	00	10	09
00	04	19	09	14	28	03	12	12	20	29	04
49	56	33	20	27	00	12	58	58	59	50	53
52	24	29	57	07	56	52	23	23	40	34	29
60	811	18	85	12	74	07	01	01	01	02	01
39	14	50	16	26	06	15	34	34	09	03	48
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	-	-	-
धनि. 3	अनु. 1	रोहि. 3	उ.षा. 4	उ.भा. 4	पू.भा. 3	धनि. 3	अश्वि. 4	स्वाती 2	भरणी 3	पू.भा. 3	उ.षा. 3

कुण्डली: 1 ह. रा. | 12 गु. | 11 सू. शु. श. ने. | 10 बु. प्लू. | 9 | 8 चं. | 7 के. | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 मं.

[पक्ष फलम्]

पांच सोम तथा पांच मंगलवारी मास में कृष्ण पक्ष में चतुर्थी की वृद्धि होकर दशमी का क्षय हुआ है। ता. 7 फरवरी को बुध मकर राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकल आदि धातुओं के साथ-साथ रुई, कपास, कॉटन, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च में तेजी। ता. 15 को शुक्र मीन राशि में प्रवेश करने से अनाज, तेल-तेलवाना, गुड़, खांड में मंदी जबकि रुई, सिल्वर में घटबढ़। 18 फरवरी से नेपच्यून मीन राशि में गोचर करेंगे। 09 फरवरी से प्लूटो पूर्व दिशा में उदित होंगे। सोमवारी अमावस्या में प्रजा में किसी कारण से भय व्याप्त होगा। परन्तु रोगों से मुक्ति मिलेगी। गत संक्रांति से तीसरे दिन तीसरे नक्षत्र की 45 मुहूर्ति बैठी सोमवारी सप्तमी भद्रा तिथि, वृद्धि योग, बव करण युत द्विस्वभाव लग्न की कुंभ संक्रांति (13 फर 09।45) से देश का रिजर्व बढ़ेगा। रोगादि के उपद्रवों में कमी आयेगी परन्तु दक्षिणी प्रदेशों में उपद्रवों का भय रहेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में ट्रेकिंग के दौरान दुर्घटनायें होंगी। चुनावों में कम सीट प्राप्त करने वाला दल अधिक सीट वाले दल को अपनी शर्तों पर समर्थन देने की इच्छा रखेगा। उड़द, मूंग, तुअर, चावल, कपास, किराना, गुड़, खांड, मजीठ, लवण, फिटकरी, मूंगा, रुई सूत, चांदी में तेजी बनेगी। ज्वार, बाजरी, मसूर, जौ, गेहूं, चने, घी, तैल में मंदा रहेगा। इनका संग्रह कर दो मास बाद विक्रय करने से लाभ होगा। कुंभ संक्रांति के दिन यदि वर्षा हुई तो अनावृष्टि, महामारी आदि का कष्ट होगा। लाल रंग की वस्तुओं का संग्रह कर पांचवे माह में बेचने से लाभ होगा। संक्रांति पुण्य काल-08।45 से 15।09 तक, दान-गुड़, अन्न। 27 फरवरी 2023 फाल्गुन शुक्ल अष्टमी के रोहिणी नक्षत्र से वर्षा की खेंच रहेगी। दो से तीन मास में धान्य तेज होंगे।

फाल्गुन कृ. 30 चन्द्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 20 फरवरी

कुण्डली: 1 ह. रा. | 12 गु. ने. शु. | 11 सू. चं. श. | 10 बु. प्लू. | 9 | 8 | 7 के. | 6 | 5 | 4 | 3 | 2 मं.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	10	01	09	11	11	10	00	06	00	11	09
06	02	21	18	15	05	03	12	12	21	00	05
53	40	33	10	43	24	56	11	11	07	03	04
26	21	15	47	04	50	25	01	01	24	05	05
60	911	21	91	12	73	07	11	11	01	02	01
31	36	05	20	53	51	15	21	21	26	08	43
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	-	-	-
शत. 1	धनि. 3	रोहि. 4	श्रवण 3	उ.भा. 4	उ.भा. 1	धनि. 4	अश्वि. 4	स्वाती 2	भरणी 3	पू.भा. 4	उ.षा. 3

21 Feb to 7 Mar - 2023 79

आर्यभट्ट पंचांगम् श्री सं. 2079 दिन स्टैं. टा. दिनांक चन्द्र राशि दै. रवि स्पष्ट चन्द्रोदयास्त ता. 21 फर से 7 मार्च 2023 ई., रा. मिति 2 से 16

फाल्गुन शुक्ल पक्ष:-23

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 21 फर. से 7 मार्च 2023 ई., रा. मिति 2 से 16 फाल्गुन तक। रवि उत्तरायणे, दक्षिण गोले, वसंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. (रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	अन्य	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	
फा 02	मं	1 05 30 09 08	शत 05 18 09 03 / पूभा 59 22 30 41	शि 00 06 06 59 / सि 50 56 27 10	बव 05 30 09 08	28 13	06 56 18 14	09 29 21	मी.25 114	10 07 53 56	60/28	07 47 19 33	चन्द्रदर्शन मु. 30, फुलेरा दूज, बुधास्त: 17128
00	मं	2 57 42 30 01	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
03	बु	3 51 22 27 28	उभा 54 54 28 53	सा 42 14 23 49	तै 24 21 16 40	28 17	06 55 18 15	10 माघ 01 22	मीन	10 08 54 25	27	08 23 20 39	सावान मु.मा.8, गंडमूल प्रा. 28150
04	गु	4 46 47 25 37	रे 52 12 27 47	शुभ 35 15 21 00	व 18 51 14 27	28 21	06 54 18 15	11 02 23	मे.27 147	10 09 54 52	25	08 56 21 42	भ. 14124 से 25134 तक, गणेश 4 व्रत, पंचक स. 27144
05	शु	5 44 14 24 35	अ 51 30 27 29	शु 29 52 18 50	ब 15 16 12 59	28 25	06 53 18 16	12 03 24	मेष	10 10 55 18	23	09 29 22 44	गंडमूल स. 27126, महर्षि याज्ञवल्क जयंती
06	श	6 43 48 24 24	भ 52 53 28 02	ब्र 26 09 17 20	कौ 13 46 12 23	28 29	06 52 18 17	13 04 25	मेष	10 11 55 42	21	10 03 23 45	
07	र	7 45 27 25 02	कृ 56 15 29 21	ऐं 24 04 16 29	गर 14 24 12 37	28 33	06 51 18 17	14 05 26	वृ.10 117	10 12 56 03	19	10 39 24 00	भ. 24159 से,
08	चं	8 48 56 26 25	रो 60 00 - -	वै 23 28 16 14	वि 17 00 13 38	28 38	06 50 18 18	15 06 27	वृष	10 13 56 23	17	11 19 24 45	भ. 13135 तक, मासिक दुर्गाष्टमी, होलाष्टक प्रा., कुंभे A / A बुध: 16151
09	मं	9 53 52 28 22	रो 01 22 07 22	वि 24 07 16 28	बा 21 16 15 20	28 42	06 49 18 19	16 07 28	मि.20 135	10 14 56 41	15	12 03 25 44	
10	बु	10 59 46 30 43	मृ 07 45 09 54	प्री 25 39 17 04	तै 26 45 17 30	28 46	06 48 18 19	17 08 M1	मिथुन	10 15 56 57	13	12 52 26 40	
11	गु	11 60 00 - -	आ 14 57 12 46	आ 27 45 17 53	व 32 57 19 58	28 50	06 47 18 20	18 09 02	मिथुन	10 16 57 11	11	13 44 27 33	भ. 19155 से,
12	शु	11 06 11 09 14	पुन 22 30 15 46	सौ 30 02 18 47	वि 06 11 09 14	28 56	06 46 18 21	19 10 03	क.09 101	10 17 57 22	09	14 39 28 20	भ. 09111 तक, आमलकी एकादशी व्रत
13	श	12 12 34 11 47	पु 29 57 18 44	शो 32 14 19 39	बा 12 34 11 47	29 00	06 45 18 21	20 11 04	कर्क	10 18 57 32	07	15 35 29 02	प्रदोष व्रत, गंडमूल प्रा. 18141, पूभायां रवि: 30125 / B पूजा, गंडमूल स. 24105
14	र	13 18 36 14 11	आ 37 02 21 33	अति 34 07 20 23	तै 18 36 14 10	29 05	06 44 18 22	21 12 05	सिं.21 133	10 19 57 40	05	16 31 05 40	
15	चं	14 24 04 16 21	म 43 32 24 08	सु 35 33 20 56	व 24 04 16 21	29 09	06 43 18 22	22 13 06	सिंह	10 20 57 46	03	17 26 06 14	भ. 16118 से 29116 तक, होलिका दहन, श्री सत्यनारायण B
16	मं	15 28 48 18 13	पूफा 49 17 26 25	धृ 36 26 21 16	बव 28 48 18 13	29 13	06 42 18 23	23 14 07	सिंह	10 21 57 50	01	18 21 06 44	होली (धुलैण्डी), पूर्णिमा व्रत

फाल्गुन शु. 8 चन्द्र प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 27 फरवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	01	01	09	11	11	10	00	06	00	11	09
13	10	24	29	17	14	04	11	11	21	00	05
56	04	08	13	14	00	47	39	39	18	18	15
23	29	49	32	47	37	02	07	07	36	14	46
60	746	23	98	13	73	07	00	00	01	02	01
19	11	20	09	19	30	12	26	26	46	12	37
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

1 ह. रा. | गु.शु.ने. 12 | 11 सू. श. | बु.प्लू.10 | 9 | 8 | 2 चं.मं. | 5 | 3 | 7 के. | 4 | 6

[पक्ष फलम्]

मास का नवीन चन्द्रदर्शन 21 फरवरी 2023 मंगलवार को शतभिषा नक्षत्र अंतर्गत मीन राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। मंगलवारी द्वितीया मीन राशि के चन्द्रदर्शन में चन्द्रमा दक्षिण शृंग ऊंचा रहेगा। प्रत्येक व्यापारिक वस्तुओं के मूल्यों में मंदा आयेगा। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। अनाज में गिरावट रहेगी। प्रजा में अमन चैन रहेगा। मास में पांच मंगलवार होने से देश व प्रदेशों में लड़ाई-झगड़े, प्रदर्शन, आंदोलन, अग्निकांड आदि का जोर रहेगा। चन्द्रदर्शन मंगलवार को होने से गेहूं, जौ, बाजरा, ग्वार, मक्का तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख रहेगा। रुई में पहले मंदी, उसके बाद तेजी का रुख बनेगा। सोना, चांदी, हीरा, पन्ना, मोती, आभूषणों में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। गुड़, सरसों, तिल, तेल, सोयाबीन, मूंगफली में तेजी बनेगी। शतभिषा नक्षत्र से ऊन, ऊनी वस्त्रों में मंदी। रुई, कपास, गुड़ में तेजी चलेगी। मीन राशिगत चन्द्रदर्शन से रुई में मास के मध्य मंदी पश्चात् तेजी का रुख बनेगा। सभी प्रकार के अनाजों में मंदी रहेगी। यदि किसी मंगलवार को किसी वस्तु में तेजी हो तो वह बुधवार दोपहर तक चलेगी। इसके बाद मंदी बनेगी। शुक्ल पक्ष में द्वितीया का क्षय होकर एकादशी की वृद्धि हुई है। 25 फरवरी बुध पूर्व में अस्त होंगे। 26 फरवरी नेप पश्चिम में अस्त होंगे। 27 फरवरी से बुध कुंभ में गोचर से रुई, सिल्वर में घटबढ़। घृत, तेल-तिलहन, गुड़, खांड में तेजी तथा अनाजों के साथ-साथ किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 5 मार्च को शनि पूर्व में उदय होने से समस्त तेल-तेलवाना में मंदी। ईस्पात, जस्ता, शीशा, रांगा, काले पदार्थ, पशुचारा, लहसुन, प्याज, अदरख, चावल, गुड़, खांड में तेजी रहेगी।

फाल्गुन शु. 15 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 7 मार्च

1 रा. ह. | गु.शु.ने. 12 | 11 सू.बु. श. | प्लू.10 | 9 | 8 | 2 मं. | 5 चं. | 3 | 7 के. | 4 | 6

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	04	01	10	11	11	10	00	06	00	11	09
21	16	27	12	19	23	05	10	10	21	00	05
57	02	24	51	02	46	44	53	53	34	36	28
50	48	02	06	58	42	08	56	56	06	05	04
60	728	25	106	13	73	07	08	08	02	02	01
03	14	25	30	43	00	04	08	08	06	15	27
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

चैत्र कृष्ण पक्षः-24

श्री सं. 2079 शाके 1944

ता. 8 से 21 मार्च 2023 ई., रा. मिति 17 से 30 फाल्गुन तक। रवि उत्तरायणे, दक्षिण-उत्तर गोले, वसंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान घ. प.	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	विवरण
17	बु	1 32 43 19 46	उफा 54 15 28 23	शू 36 41 21 21	बा 00 54 07 02	29 17	06 41 18 24	24 15 08	क.08।56	10 22 57 52	60/00	19 15 07 13	वसन्त प्रतिपदा
18	गु	2 35 45 20 57	ह 58 20 30 00	गं 36 16 21 10	तै 04 22 08 25	29 22	06 40 18 24	25 16 09	कन्या	10 23 57 52	59/58	20 10 07 41	
19	शु	3 37 48 21 46	चि 60 00 - -	वृ 35 07 20 41	व 06 55 09 25	29 26	06 39 18 25	26 17 10	तु.18।40	10 24 57 50	56	21 06 08 09	भ. 09।22 से 21।43 तक
20	श	4 38 49 22 09	चि 01 31 07 14	ध्रु 33 09 19 53	बव 08 28 10 01	29 30	06 37 18 26	27 18 11	तुला	10 25 57 47	54	22 04 08 39	गणेश चतुर्थी व्रत
21	र	5 38 41 22 05	स्वा 03 36 08 03	व्या 30 20 18 44	कौ 08 56 10 10	29 35	06 36 18 26	28 19 12	वृ.26।21	10 26 57 42	53	23 06 09 13	मिथुने भौम: 28।59, मेषे शुक्र: 08।30, शनि उदय 27।30
22	चं	6 37 19 21 31	वि 04 32 08 24	ह 26 33 17 12	ग 08 11 09 52	29 39	06 35 18 27	29 20 13	वृश्चिक	10 27 57 35	51	24 00 09 51	भ. 21।28 से, A मीनेऽर्क: 06।34
23	मं	7 34 39 20 26	अनु 04 14 08 16	व 21 45 15 16	वि 06 10 09 02	29 43	06 34 18 27	चैत्र 01 21 14	वृश्चिक	10 28 57 27	50	24 10 10 36	भ. 08।59 तक, गंडमूल प्रा. 08।13, मीन संक्रांति, A
24	बु	8 30 40 18 49	ज्ये 02 39 07 36 मू 59 45 30 27	सि 15 54 12 55	बा 02 51 07 41	29 48	06 33 18 28	02 22 15	ध.07।36	10 29 57 17	48	25 15 11 30	मासिक कालाष्टमी, शीतला अष्टमी पूजन, गंडमूल स. 30।24,
25	गु	9 25 27 16 43	पूषा 55 44 28 50	व्य 09 03 10 09	गर 25 27 16 43	29 52	06 32 18 28	03 23 16	धनु	11 00 57 05	46	26 20 12 31	भ. 27।26 से, मीने बुध: 10।51
26	शु	10 19 09 14 10	उषा 50 46 26 49	वरि 01 17 07 01 परि 52 41 27 35	वि 19 09 14 10	29 56	06 31 18 29	04 24 17	म.10।21	11 01 56 52	44	27 19 13 39	भ. 14।07 तक
27	श	11 11 59 11 17	श्रव 45 06 24 32	शि 43 35 23 56	बा 11 59 11 17	30 01	06 29 18 30	05 25 18	मकर	11 02 56 37	43	28 12 14 50	पापमोचिनी एकादशी व्रत, उभायां सूर्य: 14।53
28	र	12 04 16 08 10	धनि 39 06 22 07	सि 34 12 20 09	तै 04 16 08 10	30 05	06 28 18 30	06 26 19	कुं.11।20	11 03 56 20	41	28 59 16 01	भ. 28।56 से, प्रदोष व्रत, पंचक प्रा. 11।17, रंग त्रयोदशी
00	र	13 56 16 28 59	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
29	चं	14 48 29 25 51	शत 33 08 19 42	सा 24 48 16 22	वि 22 21 15 24	30 09	06 27 18 31	07 27 20	कुम्भ	11 04 56 02	39	05 39 17 09	भ. 15।21 तक
30	मं	30 41 15 22 56	पूभा 27 36 17 28	शुभ 15 44 12 43	चतु 14 48 12 21	30 13	06 26 18 31	08 28 21	मी.12।00	11 05 55 41	37	06 16 18 16	देव-पितृकार्येऽमवस्या, मन्वादि 30, चान्द्र संवत्सर 2079 पूर्ण

चैत्र कृ. 8 बुध प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 15 मार्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	07	02	10	11	00	10	00	06	00	11	09
29	28	00	27	20	03	06	10	10	21	00	05
57	47	54	38	54	28	39	39	39	52	54	39
17	04	26	15	02	41	56	41	41	14	13	05
59	830	27	115	14	72	06	00	00	02	02	01
49	50	09	21	02	29	52	58	58	25	17	17
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
पू.भा. 3	ज्येष्ठा 4	मृग. 3	पू.भा. 3	रेवती 2	अश्वि.2	धनि. 4	अश्वि.4	स्वाती 2	भरणी 3	पू.भा. 4	उ.षा. 3

गु.ने.12
प्लू.10
शु. रा. ह.
11
9
सू.बु. श.
8 चं.
2
5
3 मं.
7 के.
4
6

[पक्ष फलम्]

कृष्ण पक्ष में ता. 12 मार्च को मंगल मिथुन राशि में तथा शुक्र मेष राशि में प्रवेश करने से गुड़, खांड, अफीम, भांग, सोना, कॉपर, लालमिर्च, ईमली, गमग्वार, मजीठ तथा रक्तवर्ण के जिन्स धातुओं में सामान्य से भारी तेजी हो सकती है। 16 मार्च से बुध मिथुन से गोचर से समस्त तेल-तेलवाना, गुड़, खांड, रुई, सोना, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च में तेजी। ग्वार भी तेज हो। सर्व अनाजों में भी तेजी की धारणा बन सकती है। 09 मार्च से शनि पूर्व में उदित होंगे। सर्व अनाजों में अस्थिर सुधार होगा। मंगलवारी अमावस्या से राजनैतिक विवाद होंगे। वर्षा में कमी आयेगी। उत्पात बढ़ेंगे। देश का रिजर्व बढ़ेगा। गत संक्रांति से तीसरे दिन तीसरे नक्षत्र स्थिर लग्न की 15 मुहूर्ति बुधवारी बैटी अष्टमी जया तिथि की रात्रि कालीन मीन संक्रांति (15 मार्च 06।34) में व्यापार बढ़ेगा। देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अनावृष्टि से कृषि की हानि होगी। कीटों का उपद्रव होगा। कृषक वर्ग कष्ट में रहेगा। बालव करण से प्राणियों तथा चौपाये पशुओं की हानि होगी। सिद्धि योग से अशुभ फलों में किंचित न्यूनता आयेगी। व्याघ्र वाहन से राजनेताओं में परस्पर विरोध रहेगा। अनीतियों से विवाद बढ़ेंगे। राजनैतिक अस्थिरता आयेगी। लालवर्ण फल युत संक्रांति से विश्व में कठिन परिस्थितियां बनेंगी। किसी राजनेता की अकाल मृत्यु का योग बनेगा। युद्ध महामारी तथा विग्रह से कष्ट रहेगा। मोती, दूध, दही, घी में तेजी आयेगी। ... तैल साधारण महंगे होंगे। संक्रांति के दिन की वर्षा से ...

चैत्र कृ. 30 मंगल प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 21 मार्च

1शु.रा. ह.
चं.श.11
2
12
10 प्लू.
सू.बु. गु.ने.
9
3 मं.
6
4
8
5
7 के.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
11	10	02	11	11	00	10	00	06	00	11	09
05	26	03	09	22	10	07	10	10	22	01	05
55	01	40	26	18	42	20	10	10	07	07	46
41	13	42	42	50	16	35	15	15	23	52	25
59	882	28	120	14	72	06	05	05	02	02	01
38	11	16	21	13	02	40	41	41	38	16	09
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	-	-	-
उ.भा. 1	पू.भा. 2	मृग. 4	उ.भा. 2	रेवती 2	अश्वि.4	शत. 1	अश्वि.4	स्वाती 2	भरणी 3	पू.भा. 4	उ.षा. 3

होता है तत्पश्चात दक्षिण गोलार्द्ध में प्रवेश करता है। इस समय सूर्य भारत से लम्बी दूरी पर होने से यहां शरद

ज्योतिष शास्त्र में भौगोलिक महत्व

एक सामान्य अध्ययन

ज्योतिष शास्त्र में खगोल ज्ञान के साथ भौगोलिक जानकारी परमावश्यक है। ग्रहों का देशान्तरीय भेद से उदयास्त, ग्रहणादि का स्थानीय दृश्य काल एवं उसका मान तथा पृथ्वी पर दिखाई देने वाली खगोलीय चमत्कृति का सूक्ष्म समय काल जानने के लिये अक्षांश रेखांशादि भेदिक परिवर्तन समय हेतु भौगोलिक ज्ञान का विशेष महत्व होता है। उत्तर दक्षिण गोलार्द्ध, भूमध्य रेखा, कर्क मकर वृत, अक्षांश व रेखांशादि की जानकारी आवश्यक है जिसका सामान्य परिचय दिया जा रहा है।

अक्षांश व उसका अभिप्राय:- पृथ्वी गोल है। इस पृथ्वी रूपी गोले को उत्तर-दक्षिण बराबर विभाजित करने वाली रेखा "भू मध्य रेखा" कहलाती है। यहां पर अक्षांश (0) शून्य होता है। इसके उत्तर विभाग को "उत्तर गोल" व दक्षिणी विभाग को "दक्षिण गोल" कहते हैं। पृथ्वी के उत्तर विभाग (उत्तर गोल) में ९० एवं दक्षिण विभाग (दक्षिण गोल) में भी ९० अक्षांश होते हैं।

यह "श्री आर्य भट्ट पंचांगम्" दिल्ली के स्थानीय समय काल हेतु आधारित किया गया है। भौगोलिक स्थित्यानुसार दिल्ली २८।३८ उत्तर अक्षांश पर है। भू मध्य रेखा से उत्तर गोल में दिल्ली नगर २८ व २९ अक्षांश के बीच में है। प्रत्येक अक्षांश को ६० भाग में विभाजित किया गया है जिसमें दिल्ली २९वें अक्षांश के ३८वें भाग पर स्थित है।

एक अक्षांश की दूरी ७५ मील होती है। पृथ्वी पर किसी भी स्थान की भौगोलिक स्थिति जानने के लिए उस स्थान के अक्षांश व रेखांश बताकर जानकारी दी जाती है।

किसी भी गोले को या अण्डाकार वस्तु को लंबाई में अर्थात् उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव के मध्य स्थान से काटेंगे तो उसका मध्य भाग एक ही निश्चित भाग पर आयेगा। इसलिए पृथ्वी के इसी मध्य भाग को भू मध्य रेखा कहा जाता है। भू मध्य रेखा (0) शून्य अक्षांश पर है इससे दक्षिण में ९० अक्षांश है जो दक्षिणी अक्षांश होते हैं। और इसी प्रकार भू मध्य रेखा (0) शून्य से उत्तर में ९० अक्षांश उत्तरी अक्षांश कहे जाते हैं।

उदाहरणार्थ आपने बचपन में लट्टू घुमाया होगा अथवा घूमते हुए देखा होगा। लट्टू अपनी कीली पर तो घूमता ही है और घूमते हुए एक अण्डाकार गोल परिधि में भी चक्कर लगाता है। ऐसा करते हुए वह अपने केन्द्र स्थान की ओर थोड़ा झुका हुआ रहता है। इसी तरह पृथ्वी भी सूर्य के चारों ओर घूमती है और उसी बदले झुकाव के कारण ही सूर्य "उत्तरायण" तथा "दक्षिणायन" होता प्रतीत होता है। सूर्य के साथ पृथ्वी के इस झुकाव का जो कोण बनता है वह २३.५ अंश है। समझने के लिए लट्टू का उदाहरण दिया गया है परन्तु लट्टू तो पृथ्वी के धरातल पर घूमता है और पृथ्वी आकाश में आधार हीन अधर में ही घूमती है।

ता. २१ मार्च को सायन सूर्य मेष राशि में अर्थात प्रथम राशि में प्रवेश करता है उस समय पृथ्वी का भू मध्य रेखा वाला भाग सूर्य के ठीक सामने होता है जहां रवि की क्रांति शून्य होती है। पृथ्वी पर उस समय दिन रात बराबर होते हैं। इस दिन के बाद से सूर्य उत्तर गोल में चलता है और रवि की उत्तर क्रांति प्रति दिन बढ़ती है। ता. २१ जून को सूर्य कर्क रेखा पर पहुंच जाता है अर्थात् सायन सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करता है और रवि क्रांति अपनी चरम सीमा २३अंश हो जाती है। आकाशी क्रांति पथ के साथ पृथ्वी का क्रांति पथ २३.५ अंश का कोण होता है। उस समय दिन का मान अधिक व रात्री का मान न्यून होता है। विश्व का मानचित्र देखें कि भू मध्य रेखा (0) शून्य अक्षांश पर भारत से दक्षिण में लम्बी दूरी पर दूर समुन्द्र पर होकर गुजरती है। कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के अहमदाबाद, भोपाल, रांची से कुछ उत्तर में होकर निकलती है। सूर्य जब इस रेखा पर आता है तो भारत का मध्य भाग सूर्य के सीधे प्रभाव में होने से वहां पर अधिकतम गर्मी की ऋतु का पूर्ण आभास होता है। ता. २१ जून को सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायन हो जाता है। इसे ही "दक्षिणायन" कहते हैं। जो ता. २१ सितम्बर तक दक्षिणावृति से पुन: भू मध्य रेखा (0) शून्य अक्षांश पर पहुंच जाता है तथा उसकी उत्तर क्रांति भी क्रमश: कम होकर शून्य हो जाती है और दिन रात बराबर होते हैं। इसके बाद सूर्य दक्षिणावृति से ही चलता है परन्तु ता. २१ सितम्बर तक तो सूर्य पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध में ही होता है तत्पश्चात दक्षिण गोलार्द्ध में प्रवेश करता है। इस समय सूर्य भारत से लम्बी दूरी पर होने से यहां शरद ऋतु का आरंभ हो जाता है।

सूर्य निरन्तर दक्षिणायन रहकर दक्षिणी गोलार्द्ध में अग्रसर होता है। जो ता. २१ दिसम्बर को मकर रेखा पर पहुंच जाता है तथा सूर्य की दक्षिण क्रांति अपनी चरम सीमा पर होती है। ता. २१-२२ दिसम्बर को दिन का मान छोटा व रात्री का मान बड़ा होता है। मानचित्र में मकर रेखा (Tropic of Capricorn) भारत से बहुत दूर हिन्द महासागर के उपर से दक्षिणी अमेरिका के मध्य भाग, दक्षिणी अफ्रीका एवं आस्ट्रेलिया के मध्य से होकर गुजरती है। सूर्य जब मकर रेखा पर होता है तो उस समय इन सभी देशो में ग्रीष्म ऋतु होती है। भारत से दूरी होने के कारण यहां मौसम अत्यधिक ठण्डा होता है। ता. २१ दिसम्बर के बाद से सूर्य उत्तर की ओर चलनारंभ होता है। इसे ही "उत्तरायण" कहते हैं।

(नोट:- सूर्य आकाश में स्थिर है परंतु पृथ्वी की गति में क्रांति के परिवर्तन होने पर वह इस प्रकार परिवर्तन करता प्रतीत होता है तो प्रचलित बोल चाल तथा लिखने की भाषा में सूर्य चल रहा है यही कहा जाता है।)

ता. २१-२२ दिसंबर से सूर्य उत्तरावृति से पुन: ता. २१ मार्च को दक्षिणी गोलार्द्ध की यात्रा करते हुए भू मध्य रेखा (शून्य अक्षांश) पर आता है। इस दिन रवि की दक्षिण क्रांति भी शून्य होती है। इस दिन सूर्य उत्तरावृति से उत्तरी गोलार्द्ध में प्रवेश करता है।

अत: सूर्य की स्थिति ता. २१ मार्च से २१ सितंबर तक उत्तर गोल में और ता. २१ सितम्बर से ता. २१ मार्च तक दक्षिण गोल में होती है। ता. २१ दिसंबर से ता. २१ जून तक सूर्य उत्तरायण एवं ता. २१ जून से ता. २१ दिसंबर तक दक्षिणायन होता है।

सूर्य के इस परिवर्तन को आप अपने यहां के पूर्व पश्चिम क्षितिज पर सूर्योदय-सूर्यास्त देखकर अथवा ऊपर आकाश में सूर्य भ्रमण पर ध्यान देकर या घर में आने वाली धूप की किरणों के बदलते कोण देख कर भी बड़ी आसानी से ज्ञात कर सकते हैं।

सूर्य के उपरोक्त उत्तरायण-दक्षिणायन होने से प्रत्येक स्थान पर सूर्योदय तथा दिन मान आदि में प्रति दिन जो अंतर आता है उसे चरांतर द्वारा निकाला जाता है। इसमें सूर्य की उत्तर-दक्षिण क्रांति और प्रत्येक स्थान के उत्तर-दक्षिण अक्षांश के अनुसार भिन्न-भिन्न परिवर्तन होते हैं। पंचांग में दी हुई चरांतर सारणी उत्तर अक्षांश ८ से ३६ तक के लिए है। और भारत के किसी भी भाग के लिए प्रयोग में लाई जा सकती है। चरांतर सारणी पृष्ठ संख्या ९६ तथा रवि क्रांति सारणी इस पंचांग के पृष्ठ संख्या ९५ पर दी हुई है।

रेखांश व उसकी उपयोगिता- जिस प्रकार पृथ्वी को उत्तर-दक्षिण १८० अक्षांशों में विभाजित किया गया है। उसी प्रकार इसको पूर्व-पश्चिम ३६० रेखांशों में विभाजित किया गया है। जिस प्रकार उत्तर व दक्षिण का विभाजन करने के लिए भू मध्य रेखा को (0) शून्य अक्षांश माना गया है। उसी प्रकार पूर्व व पश्चिम का विभाजन करने के लिए मध्यमान होना आवश्यक है और इसके लिए कोई भी रेखा को (0) शून्य रेखांश माना जा सकता है। पहले कभी भारत के उज्जैन नगर को शून्य रेखांश के लिए सम्मान प्राप्त था परन्तु वर्तमान में ग्रहों का निरीक्षण करने के लिए अत्याधुनिक वेधशाला के कारण लंदन के पास ग्रीनविच को यह महत्व दिया गया है। ग्रीनविच पर जो रेखा है उसे (0) शून्य रेखांश मान कर पूर्व के रेखांशों के पूर्व रेखांश व पश्चिम के रेखांशों को पश्चिम रेखांश माना जाता है।

पृथ्वी की परिधि भू मध्य रेखा पर २९४०० मील है। अत: भू मध्य रेखा पर एक रेखांश की दूरी ७० मील होती है। पृथ्वी की २९४०० मील की दूरी अर्थात ३६० रेखांश २४ घण्टे में सूर्य के सामने से गुजरते हैं। तदनुसार एक रेखांश अतंर चार मिनट का होता है। सूर्य पूर्व दिशा में उदय होता है। उदाहरणार्थ माना कि दिल्ली में सूर्योदय ६।३० बजे हुआ है और दिल्ली का रेखांश ७७।१३ पूर्व है तो ७८।१३ पूर्व रेखांश पर स्थित नगर का सूर्योदय ४ मिनट पहले होगा अथवा पूर्व रेखांश ७६।१३ हो तो ४ मिनट दिल्ली के बाद होगा। इसी प्रकार प्रति रेखांश में ४ मिनट कम अथवा अधिक रेखांशानुसार होगा। यदि रेखांश कम होंगे तो सूर्योदय बाद में तथा रेखांश अधिक होने पर पहले होगा।

प्राचीन काल में प्रत्येक नगर अपना-अपना अलग समय निर्धारण धूप घड़ियों, जल घड़ियों अथवा शंकु छायादि उपकरणों की सहायता से मध्यान्ह और सूर्योदय के आधार पर किया करते थे।

सन् १९०६ से पूरे भारत के लिए एक ही स्टैण्डर्ड टाइम (मानक समय) रखने की व्यवस्था अंग्रेजी राज में रेलवे तथा डाक विभाग के लिए की गई। यह समय ग्रीनविच समय से ५.३० घण्टे आगे था और ८२।३० पूर्व रेखांश पर आधारित था। समस्त भारत में यह स्टैण्डर्ड समय १ सितंबर १९१७ से लागू कर दिया गया परंतु बंगाल प्रांत और आस-पास के कुछ भागों में स्थानीय समय पूर्ववत् चलता रहा। इन प्रांतों ने सितंबर १९४१ में स्टैण्डर्ड टाइम को व्यवहार में लाना आरंभ किया। द्वितीय विश्व युद्ध के चलते १ सितंबर १९४२ से १५ अक्तूबर १९४५ तक पूरे भारत वर्ष में (जिसमें आज के पाकिस्तान तथा बंगला देश भी शामिल थे) समय १ घण्टा बढ़ा दिया गया था अर्थात ग्रीनविच समय से ६.३० घण्टा आगे। अब समस्त भारत में एक ही स्टैण्डर्ड समय चलता है जो ग्रीनविच समय से ५.३० घण्टा आगे है और ८२।३० पूर्व रेखांश पर आधारित है।

यदि प्रत्येक नगर अपना अलग-अलग स्थानीय समय रखे तो काम-काज में काफी गड़बड़ी पैदा हो सकती है। इसलिए अपने काम को सुचारु रूप से संपादन करने के लिए प्रत्येक देश अपने लिए एक स्टैण्डर्ड समय निर्धारित करता है और उसको सीमा में सर्वत्र वही काम में लाया जाता है। यह समय निर्धारण ग्रीनविच से उसकी दूरी पर निर्भर करता है। वह देश ग्रीनविच से जितने घण्टे की दूरी पर होता है। उसका समय उतने ही अंतर पर रखा जाता है। यह तो आपको बताया ही जा चुका है कि एक रेखांश पर ४ मिनट का अंतर होता है। अत: १५ रेखांश पर १ घण्टे का अंतर हुआ। जो ग्रीनविच से लगभग १५ रेखांश की दूरी पर है उनका स्टैण्डर्ड समय ग्रीनविच से १ घण्टे के अंतर पर निर्धारित है। हौलेण्ड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, बेल्जियम, हंगरी, यूगोस्लाविया, डेनमार्क, स्विट्जरलैण्ड, स्पेन, पुर्तगाल, नार्वे, स्वीडन आदि देशों का स्टैण्डर्ड समय ग्रीनविच से १ घण्टा आगे है। मिस्र, तुर्की, यूनान, रोमानिया, फिनलैण्ड, सीरिया, इजराईल, सूडान, वल्गेरिया आदि देशों का समय २ घण्टे आगे है। ये देश २ घण्टे के समय क्षेत्र में हैं। ईराक, कुवैत, लेनिनग्राद, यमन, ईथोपिया, मास्को, सऊदी अरब, ईरान आदि देश ३ घण्टे के क्षेत्र में हैं। अफगानिस्तान ४.३० घण्टे तथा पाकिस्तान ५ घण्टे के समय क्षेत्र में आता है। बंगला देश का समय ग्रीनविच से ६ घण्टे तथा वर्मा ६.३० घण्टे आगे है। थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया, वियतनाम, कम्बोडिया ७ घण्टे के क्षेत्र में हैं। चीन, हॉगकोंग, फिलिपिन्स ८ घण्टे तथा कोरिया व जापान ९ घण्टे के अंतर पर है। आस्ट्रेलिया १० घण्टे और न्यूजीलैण्ड १२ घण्टे के अंतर पर है। जिस प्रकार ग्रीनविच से पूर्व के देशों का समय उनके रेखांशों के अनुसार ग्रीनविच समय से आगे रहता है। उसी प्रकार ग्रीनविच से पश्चिम के देशों का समय उनके रेखांशों के अनुसार कम रहता है। समस्त इंगलैण्ड तथा स्कॉटलैण्ड में ग्रीनविच समय माना जाता है। ग्रीनविच से न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, टोरंटो, ओटावा, वॉस्टन आदि नगर ५ घण्टे कम, शिकागो, मैक्सिको ७ घण्टे कम के समय क्षेत्र में पड़ते हैं। लॉसएन्जिल्स का समय ग्रीनविच से ८ घण्टे कम है। किसी भी एटलस में दुनियां का नक्शा देखकर आप उपरोक्त जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं।

इस प्रकार देशों के स्टैण्डर्ड समय निर्धारण में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है। यह आपको ज्ञात हुआ। भारत वर्ष की सीमाएं लगभग ६८ पूर्व रेखांश से ९३ पूर्व रेखांश के मध्य में आती हैं। पश्चिम की ओर के पड़ोसी देश पाकिस्तान को ५ घण्टे के समय क्षेत्र में रखा गया है। और पूर्व की ओर के पड़ोसी बंगला देश को ६ घण्टे का समय क्षेत्र ग्रीनविच से निर्धारित हुआ है। अतएव बीच के देश भारत के लिए ५.३० घण्टा समय क्षेत्र ही युक्ति संगत था। यह तो आपको बताया जा चुका है कि १ रेखांश पर ४ मिनट का अंतर आता है तो ५.३० घण्टे का अंतर ८२।३० रेखांश पर ही आता है। भारत में ८२।३० रेखांश इलाहाबाद, अयोध्या के आस-पास उत्तर से दक्षिण काकीनाड़ा, मच्छलीपटनम् आदि नगरों के समीप होकर स्थित है। सारे भारत में एक जैसा स्टैण्डर्ड समय रहता है परंतु ज्योतिष गणित के लिए जब किसी स्थान का स्थानीय सूर्योदय निकालना होता है या लग्नादि का गणित करना होता है। तब हमें उस स्थान का स्थानीय समय निकालना पड़ता है। जिस स्थान का स्थानीय समय निकालना हो उसके रेखांश तथा अक्षांश "अक्षांशादि सारणी" से ज्ञात कर लिए जाते हैं तत्पश्चात उनकी सहायता से स्थानीय समय निकाल लिया जाता है। जैसे दिल्ली का पूर्व रेखांश ७७।१३ है (कुछ आचार्य ७७।१२, कुछ ७७।१४ भी मानते हैं) यह रेखांश ८२।३० से ५।१७ कम हैं। प्रति रेखांश ४ मिनट के हिसाब से २१ मिनट ८ सैकेण्ड दिल्ली का स्थानीय समय स्टैण्डर्ड समय से कम होगा। यदि किसी स्थान का रेखांश ८२।३० से अधिक है तो वहां का स्थानीय समय अधिक होगा। [illegible]

८५।१३ है जो ८२।३० से २।४३ अधिक है तो वहां का स्थानीय समय १० मिनट ५२ सैकंण्ड स्टैण्डर्ड समय से अधिक होगा।

अक्षांशादि सारणी इस पंचांग में पृष्ठ ९७ पर दी गई है। इसमें मुख्य-मुख्य नगरों के अक्षांश-रेखांश स्टैण्डर्ड समय से उनका अंतर तथा दिल्ली के समय से देशांतर समय दिया हुआ है। यदि किसी छोटे नगर का नाम आपको इसमें न मिले तो उसके पास के बड़े नगर के विवरण की सहायता से आप इष्ट नगर या स्थान के अक्षांश-रेखांश आदि ज्ञात कर सकते हैं। मान लो आपको करौली के बारे में उपरोक्त विवरण प्राप्त करना है। अक्षांश आदि सारणी में यह नाम नहीं हैं। मानचित्र में यह धौलपुर और ग्वालियर के बीच में कुछ पश्चिम की ओर हैं अथवा आपको भिण्ड के बारे में जानकारी प्राप्त करनी है यह स्थान मानचित्र में धौलपुर व ग्वालियर के मध्य कुछ पूर्व की ओर है। स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के पास एटलस होती है आप चाहें तो एक एटलस अपने पास रख सकते हैं। मानचित्र में उसका माप दिया रहता है कि एक इंच या एक सेन्टीमीटर में कितने मील या किलोमीटर को लिया गया है। उसकी सहायता से आप उपरोक्त स्थानों की पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण दूरी नाप कर उनके अक्षांश रेखांश का पता कर सकते हैं। एक रेखांश की दूरी लगभग ७० मील या ११० किलोमीटर होती है। करौली तथा भिण्ड का अक्षांश रेखांश जो उपरोक्त विधि से ज्ञात हुआ है वह इस प्रकार है।

स्थान	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	स्टै. अन्तर	देशान्तर	स्थान	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	स्टै. अन्तर	देशान्तर
धौलपुर	२६-४२	७७।५३	-१८-२८	+२-४०	करौली	२६-३८	७७।०५	-२१-४०	+०-३२
ग्वालियर	२६-१४	७८-१०	-१७-२०	+३-४८	भिण्ड	२६-४०	७८-५०	-१८-४०	+२-२८

लग्न परिचय

पृथ्वी २४ घण्टे में अपनी धुरी पर (अक्ष पर) एक बार पूरी घूम जाती है। यह समय ठीक-ठीक तो २३ घंटे ५६ मिनट १५ सैकिण्ड है। इस २४ घंटे के समय में बारहों राशियां इसके सामने से गुजर जाती हैं। राशियां आकाश में स्थित तारागणों के समूह से बनती हैं। पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमती हुई सूर्य की एक प्रदक्षिणा ३६५ दिन ६ घंटे ९ सै. में पूरी करती है। पृथ्वी वासियों को सूर्य आकाश स्थित जिस राशि में दिखाई देता है, हम लोग यही कहते हैं कि सूर्य इस राशि में है और इतने अंश पर है। निरयन सूर्य प्राय: १३ अप्रैल को मेष राशि के ० शून्य अंश पर होता है। प्रतिदिन लगभग एक अंश आगे बढ़ता रहता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में जाने को संक्रांति कहते हैं। सूर्योदय के समय सूर्य जिस राशि के जितने अंश पर होता है पूर्व क्षितिज पर वही राशि उतने ही अंश पर उदित होती है। पूर्वी क्षितिज पर जो राशि होती है वही उस समय की लग्न होती है।

२४ मई को दिल्ली में सूर्योदय भारतीय स्टैण्डर्ड समय के अनुसार ५-३० बजे होता है। पंचांग में दिए गए ग्रहस्पष्ट भी ५-३० प्रात: के ही हैं। सूर्य उस दिन सूर्योदय के समय वृष राशि के ९ अंश पर है तो सूर्योदय के समय दिल्ली में ५-३० प्रात: पर लग्न भी वृष के ९ अंश पर ही होगी। सूर्य आकाश में ऊपर चढ़ता रहता है और पूर्वी क्षितिज पर राशियां भी आगे चलती रहती हैं। स्थूल गणित से यदि प्रत्येक लग्न को दो घंटे का मानें तो ७-३० बजे मिथुन के ९ अंश, ९-३० बजे कर्क के ९ अंश, ११-३० बजे सिंह के ९ अंश, इस प्रकार लग्न क्षितिज पर आगे बढ़ती रहती है। इस प्रकार मध्याह्न के समय लग्न सिंह होती है और सूर्य दशम भाव में अर्थात् लग्न से दसवीं राशि में होता है। दूसरे शब्दों में मध्याह्न के समय लग्न सूर्य से चौथी राशि, सूर्यास्त के समय सातवीं राशि और मध्यरात्रि के समय दसवीं होती है। यानि मध्यरात्रि के समय की जन्म कुण्डली में सूर्य लग्न से चौथे भाव में आयेगा। मध्याह्न को दशम भाव में तथा सूर्यास्त के समय सप्तम भाव में आएगा। यदि जन्म समय ज्ञात नहीं है तो कुण्डली में सूर्य की स्थिति से जन्म का लगभग समय जाना जा सकता है।

२४ घंटे में १२ लग्नें होती हैं तो प्रत्येक लग्न २ घंटे की होनी चाहिए, पर ऐसा नहीं है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है, परन्तु उसका यह पथ पूरा गोलाकार नहीं है, अण्डाकार है। इसीलिए कुछ राशियां दो घंटे में निकल जाती हैं, कुछ को २ घंटे से ज्यादा और कुछ को दो घंटे से कम समय लगता है। अब आपको लग्न निकालने की एक सरल प्रक्रिया बताते हैं, जिसकी सहायता से भारत के किसी भी स्थान की लग्न [illegible]

दैनिक लग्न सारिणी देखने की विधि

लग्न मान के मिनट होंगे। उन मिनटों को ९ का भाग देवें,

होगा। वृष, कन्या, मकर लग्न में नवांश का प्रारम्भ मकर

दैनिक लग्न सारिणी देखने की विधि

इस पंचांग में दी गई यह लग्न सारिणी दिल्ली के अक्षांश-रेखांश पर है। इसका समय ऊपर दिए गए लग्न के समाप्तिकाल भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम में घण्टा-मिनट के रूप में लिखा है। जिस लग्न के नीचे समाप्तिकाल है वह आगे के लग्न का प्रारम्भकाल है।

उदाहरण—१५ जुलाई को सारिणी के तुला लग्न के नीचे घण्टे १४ मिनट ५६ लिखे हैं। अतः तुला लग्न मध्याह्न २ बजकर ५६ मिनट पर समाप्त हुआ। इसमें लिखे घण्टा-मिनट आधी रात के बाद शून्य से आरम्भ होंगे जैसे रात के १२ बजकर २५ मिनट पर ०।२५ लिखे हुए हैं। इसी तरह दोपहर के पश्चात् १ बजे के स्थान पर १३।०० लिखे हुए हैं।

लग्न सारिणी परिवर्तन एवं उदाहरण

यदि आर्यभट्ट पंचांग से अन्य स्थान का लग्न ज्ञात करना हो तो प्रथम दैनिक लग्न सारिणी से अभीष्ट तारीख के लग्न का समाप्ति काल ज्ञात करना। पश्चात् अक्षांशादि सारिणी से अभीष्ट नगर के अक्षांश व देशान्तर मिनट सेकंड लेना यदि देशान्तर मिनट सेकंड धन हो तो लग्न समाप्ति काल में से घटा दें और यदि देशांतर मिनट सेकंड ऋण हो तो लग्न समाप्ति काल में जोड़ दें। यह अभीष्ट नगर का मध्यम लग्न समाप्ति काल ज्ञात हुआ। पश्चात् दैनिक लग्न परिवर्तन की सहायक सारिणी से अभीष्ट लग्न के नीचे अभीष्ट अक्षांश की सीध में दिये गये मिनटों को चिन्हानुसार लग्न में जोड़ने या घटाने पर अभीष्ट लग्नका समाप्तिकाल ज्ञात होगा।

उदाहरण—१५ जुलाई को नासिक में वृश्चिक लग्न का समाप्ति काल ज्ञात करना है। नासिक केअक्षांश २१।०० व देशांतर (—) १३ मिनट ४८ सेकण्ड दिया है। दैनिक लग्न सारिणी में १५ जुलाई को वृश्चिक लग्न का समाप्ति काल १७।१४ दिया है।

	घं.मि.
सारिणी से प्राप्त १५ जु. को वृश्चि. समाप्त	१७।१४
देशान्तर ऋण लेने से धन किया (१३।४८ मि. आधे से अधिक होने से १४ लिये)	+०।१४
मध्यम लग्न समाप्त	=१७।२८

दैनिक लग्न परिवर्तन की सहायक सारिणी से अक्षांश २१ की सीध में वृश्चिक लग्न के सामने १७ मिनट दिये हैं।

मध्यम लग्न समाप्ति	= १७।२८
दै. लग्न सारिणी परिवर्तन की सहायक सारिणी से प्राप्त मान +-	—०।१७
अतः नासिक में वृश्चिक लग्न का समाप्ति काल	१७।११

नवांश का प्रारम्भ तथा अन्त जानने की विधि

ऊपर लिखे अनुसार जिस लग्न मे नवांश समय लाना हो उस लग्न का प्रारम्भ तथा समाप्तिकाल साधन करें, पश्चात् समाप्तिकाल में से प्रारम्भ समय हीन करें। शेष घं मि रहेंगे, घण्टा को ६० से गुणाकर मिनट मिला देवें. यह कुल लग्न मान के मिनट होंगे। उन मिनटों को ९ का भाग देवें, लब्धि १ नवांश के मिनट प्राप्त होंगे शेष को ६० से गुणाकर फिर ९ का भाग देने पर सैकेण्ड आयेंगे, यह मिनट और सै. एक नवांश का मान होने से जो नवांश लेना हो उससे गत नवांश तक की संख्या से एक नवांश के मान कोगुणाकर जो मिनट हों वह मिनट लग्न प्रारम्भकाल में मिलाने से नवांश प्रारम्भ समय आएगा और इस नवांश प्रारम्भ समय में एक नवांश का मान मिला देने पर नवांश समप्तिकाल आयेगा। मेष, सिंह, धनु लग्न में नवांश का प्रारंभ मेष से होगा। वृष, कन्या, मकर लग्न में नवांश का प्रारम्भ मकर से मिथुन, तुला, कुम्भ लग्न में नवांश का प्रारम्भ तुला से तथा कर्क, वृश्चिक, मीन लग्न में नवांश का प्रारम्भ कर्क से होगा। इसी प्रकार सर्वत्र जानें। विवाह, यज्ञोपवीत, गृह प्रवेशादि में लग्न तथा नवांश इस प्रकार से सूक्ष्म साधन करने से मुहूर्त योग्य समय होता है और फल भी जो मिलना चाहिए वह मिलता है। ज्योतिर्विदों को चाहिए कि नवांश सूक्ष्म से सूक्ष्म साधन करके बिवाह आदि का समय निश्चित करें।

दैनिक लग्नों के समाप्तिकाल तालिका में वार्षिक संस्कार

सन्\राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
२००० फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२००० फप	-१	-१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००२	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२००३	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
२००४ फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२००४ फप	-१	-१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००६	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२००७	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
२००८ फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२००८फप	-१	-१	०	०	०	०	०	०	-१	-१	-१	-१
२००९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०१०	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२०११	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
२०१२ फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२०१२ फप	-१	०	०	०	०	०	०	०	-१	-१	-१	-१

श्री आर्यभट्ट पंचांग की दैनिक लग्न सारिणी परिवर्तन की सहायक सारिणी

अ/लग्न	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
८	+३२	+४१	+३६	+२३	+४	-१५	-३२	-४१	-३६	-२३	-४	+१५
९	+३०	+३९	+३५	+२२	+४	-१५	-३०	-३९	-३५	-२२	-४	+१५
१०	+२९	+३७	+३३	+२१	+४	-१४	-२९	-३७	-३३	-२१	-४	+१४
११	+२८	+३५	+३१	+२०	+४	-१४	-२८	-३५	-३१	-२०	-४	+१४
१२	+२६	+३३	+३०	+१९	+४	-१३	-२६	-३३	-३०	-१९	-४	+१३
१३	+२५	+३२	+२८	+१८	+३	-१२	-२५	-३२	-२८	-१८	-३	+१२
१४	+२३	+३०	+२७	+१७	+३	-१२	-२३	-३०	-२७	-१७	-३	+१२
१५	+२२	+२८	+२५	+१६	+३	-११	-२२	-२८	-२५	-१६	-३	+११
१६	+२१	+२४	+२३	+१५	+३	-१०	-२१	-२६	-२३	-१५	-३	+१०
१७	+१९	+२४	+२१	+१४	+३	-९	-१९	-२४	-२१	-१४	-३	+९
१८	+१८	+२२	+२०	+१३	+२	-९	-१८	-२३	-२०	-१३	-२	+९
१९	+१६	+२०	+१८	+१२	+२	-८	-१६	-२१	-१८	-१२	-२	+८
२०	+१५	+१८	+१६	+११	+२	-७	-१५	-१९	-१६	-११	-२	+७
२१	+१३	+१६	+१४	+१०	+२	-६	-१३	-१७	-१४	-१०	-२	+६
२२	+१२	+१४	+१२	+८	+२	-५	-१२	-१५	-१२	-९	-२	+५
२३	+१०	+१२	+१०	+७	+१	-५	-१०	-१२	-१०	-७	-१	+५
२४	+८	+१०	+८	+६	+१	-४	-८	-१०	-८	-६	-१	+४
२५	+७	+८	+७	+५	+१	-३	-६	-८	-६	-५	-१	+३
२६	+५	+५	+५	+३	+१	-२	-५	-६	-५	-४	-१	+२
२७	+३	+३	+३	+२	+१	-१	-३	-४	-३	-३	-१	+१
२८	+१	+१	+१	+१	०	-१	-१	-१	-१	-१	०	+१
२९	०	-१	-१	-१	०	०	०	+१	+१	०	०	०
३०	-२	-३	-३	-२	०	+१	+२	+३	+३	+१	०	-१
३१	-४	-६	-५	-३	०	+२	+४	+६	+५	+२	०	-२
३२	-६	-८	-८	-५	०	+३	+६	+८	+८	+४	०	-३
३३	-८	-११	-१०	-६	-१	+३	+८	+११	+१०	+५	+१	-४
३४	-१०	-१३	-१३	-८	-१	+४	+१०	+१३	+१३	+७	+१	-५
३५	-१२	-१६	-१५	-९	-१	+५	+१२	+१६	+१५	+८	+१	-६

दैनिक लग्नों के समाप्तिकाल तालिका में वार्षिक संस्कार

पंचांग में दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल की तालिका प्रति मासिक दी गई है। उनमें पृथ्वी की अयनगति वश प्रति वर्ष परिवर्तन होता है। इसलिए लग्नों का सूक्ष्म समाप्ति काल जानने के लिए वार्षिक संस्कार देकर शुद्ध करे लें। अतः वार्षिक लग्नों में संस्कारार्श तालिका दी जा रही है।

जिन वर्षों में तिथ्याधिक वर्ष हों अर्थात् २९ दिनों का फरवरी मास होता है। (यह प्रति चार से आता है।) उन वर्षों की तालिका में दो बार पंक्तियां दी गई। जिसके सन् के आगे फ.प. लगाया गया है। इसका अभिप्राय है कि १ जनवरी से २८ फरवरी तक इस पंक्ति के संस्कारों को काम में लें तथा उसी सन् को लिखकर आगे फ.बा. लगाया गया है। इन संस्कारों का उपयोग १ मार्च से ३१ दिसम्बर तक करें।

मार्च दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टै. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर
१	७ २८ १५	८ ५३ १०	१० २८ १५	१२ २३ ३७	१४ ३८ ०८	१६ ५८ २७	१९ १५ ४६	२१ ३२ ०३	२३ ५१ ३१	२ १४ ०५	४ १८ १५	६ ०० ४३
२	७ २४ १९	८ ४९ १४	१० २४ २०	१२ १९ ४१	१४ ३४ १२	१६ ५४ ३१	१९ ११ ५०	२१ २८ ०७	२३ ४७ ३५	२ १० ०९	४ १४ १९	५ ५६ ४७
३	७ २० २३	८ ४५ १८	१० २० २४	१२ १५ ४५	१४ ३० १६	१६ ५० ३६	१९ ०७ ५५	२१ २४ १२	२३ ४३ ४०	२ ०६ १३	४ १० २३	५ ५२ ५२
४	७ १६ २७	८ ४१ २३	१० १६ २८	१२ ११ ४९	१४ २६ २०	१६ ४६ ४०	१९ ०३ ५९	२१ २० १६	२३ ३९ ४४	२ ०२ १७	४ ०६ २७	५ ४८ ५६
५	७ १२ ३२	८ ३७ २७	१० १२ ३२	१२ ०७ ५४	१४ २२ २४	१६ ४२ ४४	१९ ०० ०३	२१ १६ २०	२३ ३५ ४८	१ ५८ २१	४ ०२ ३१	५ ४५ ००
६	७ ०८ ३६	८ ३३ ३१	१० ०८ ३६	१२ ०३ ५८	१४ १८ २८	१६ ३८ ४८	१८ ५६ ०७	२१ १२ २४	२३ ३१ ५२	१ ५४ २५	३ ५८ ३६	५ ४१ ०४
७	७ ०४ ४०	८ २९ ३५	१० ०४ ४०	१२ ०० ०२	१४ १४ ३२	१६ ३४ ५२	१८ ५२ ११	२१ ०८ २८	२३ २७ ५६	१ ५० २९	३ ५४ ४०	५ ३७ ०८
८	७ ०० ४४	८ २५ ३९	१० ०० ४४	११ ५६ ०६	१४ १० ३६	१६ ३० ५६	१८ ४८ १५	२१ ०४ ३२	२३ २४ ००	१ ४६ ३४	३ ५० ४४	५ ३३ १२
९	६ ५६ ४८	८ २१ ४३	९ ५६ ४८	११ ५२ १०	१४ ०६ ४०	१६ २७ ००	१८ ४४ १९	२१ ०० ३६	२३ २० ०४	१ ४२ ३८	३ ४६ ४८	५ २९ १६
१०	६ ५२ ५२	८ १७ ४७	९ ५२ ५२	११ ४८ १४	१४ ०२ ४४	१६ २३ ०४	१८ ४० २३	२० ५६ ४०	२३ १६ ०८	१ ३८ ४२	३ ४२ ५२	५ २५ २०
११	६ ४८ ५६	८ १३ ५१	९ ४८ ५६	११ ४४ १८	१३ ५८ ४९	१६ १९ ०८	१८ ३६ २७	२० ५२ ४४	२३ १२ १२	१ ३४ ४६	३ ३८ ५६	५ २१ २४
१२	६ ४५ ००	८ ०९ ५५	९ ४५ ०१	११ ४० २२	१३ ५४ ५३	१६ १५ १२	१८ ३२ ३१	२० ४८ ४८	२३ ०८ १६	१ ३० ५०	३ ३५ ००	५ १७ २८
१३	६ ४१ ०४	८ ०५ ५९	९ ४१ ०५	११ ३६ २६	१३ ५० ५७	१६ ११ १७	१८ २८ ३६	२० ४४ ५३	२३ ०४ २१	१ २६ ५४	३ ३१ ०४	५ १३ ३२
१४	६ ३७ ०८	८ ०२ ०४	९ ३७ ०९	११ ३२ ३०	१३ ४७ ०१	१६ ०७ २१	१८ २४ ४०	२० ४० ५७	२३ ०० २५	१ २२ ५८	३ २७ ०८	५ ०९ ३७
१५	६ ३३ १२	७ ५८ ०८	९ ३३ १३	११ २८ ३५	१३ ४३ ०५	१६ ०३ २५	१८ २० ४४	२० ३७ ०१	२२ ५६ २९	१ १९ ०२	३ २३ १२	५ ०५ ४१
१६	६ २९ १७	७ ५४ १२	९ २९ १७	११ २४ ३९	१३ ३९ ०९	१५ ५९ २९	१८ १६ ४८	२० ३३ ०५	२२ ५२ ३३	१ १५ ०६	३ १९ १७	५ ०१ ४५
१७	६ २५ २१	७ ५० १६	९ २५ २१	११ २० ४३	१३ ३५ १३	१५ ५५ ३३	१८ १२ ५२	२० २९ ०९	२२ ४८ ३७	१ ११ १०	३ १५ २१	४ ५७ ४९
१८	६ २१ २५	७ ४६ २०	९ २१ २५	११ १६ ४७	१३ ३१ १७	१५ ५१ ३७	१८ ०८ ५६	२० २५ १३	२२ ४४ ४१	१ ०७ १४	३ ११ २५	४ ५३ ५३
१९	६ १७ २९	७ ४२ २४	९ १७ २९	११ १२ ५१	१३ २७ २१	१५ ४७ ४१	१८ ०५ ००	२० २१ १७	२२ ४० ४५	१ ०३ १९	३ ०७ २९	४ ४९ ५७
२०	६ १३ ३३	७ ३८ २८	९ १३ ३३	११ ०८ ५५	१३ २३ २५	१५ ४३ ४५	१८ ०१ ०४	२० १७ २१	२२ ३६ ४९	० ५९ २३	३ ०३ ३३	४ ४६ ०१
२१	६ ०९ ३७	७ ३४ ३२	९ ०९ ३७	११ ०४ ५९	१३ १९ ३०	१५ ३९ ४९	१७ ५७ ०८	२० १३ २५	२२ ३२ ५३	० ५५ २७	२ ५९ ३७	४ ४२ ०५
२२	६ ०५ ४१	७ ३० ३६	९ ०५ ४२	११ ०१ ०३	१३ १५ ३४	१५ ३५ ५३	१७ ५३ १२	२० ०९ २९	२२ २८ ५७	० ५१ ३१	२ ५५ ४१	४ ३८ ०९
२३	६ ०१ ४५	७ २६ ४०	९ ०१ ४६	१० ५७ ०७	१३ ११ ३८	१५ ३१ ५८	१७ ४९ १७	२० ०५ ३४	२२ २५ ०२	० ४७ ३५	२ ५१ ४५	४ ३४ १३
२४	५ ५७ ४९	७ २२ ४४	८ ५७ ५०	१० ५३ ११	१३ ०७ ४२	१५ २८ ०२	१७ ४५ २१	२० ०१ ३८	२२ २१ ०६	० ४३ ३९	२ ४७ ४९	४ ३० १८
२५	५ ५३ ५३	७ १८ ४९	८ ५३ ५४	१० ४९ १६	१३ ०३ ४६	१५ २४ ०६	१७ ४१ २५	१९ ५७ ४२	२२ १७ १०	० ३९ ४३	२ ४३ ५३	४ २६ २२
२६	५ ४९ ५७	७ १४ ५२	८ ४९ ५८	१० ४५ २०	१२ ५९ ५०	१५ २० १०	१७ ३७ २९	१९ ५३ ४६	२२ १३ १४	० ३५ ४७	२ ३९ ५७	४ २२ २६
२७	५ ४६ ०२	७ १० ५७	८ ४६ ०२	१० ४१ २४	१२ ५५ ५४	१५ १६ १४	१७ ३३ ३३	१९ ४९ ५०	२२ ०९ १८	० ३१ ५१	२ ३६ ०२	४ १८ ३०
२८	५ ४२ ०६	७ ०७ ०१	८ ४२ ०६	१० ३७ २८	१२ ५१ ५८	१५ १२ १८	१७ २९ ३७	१९ ४५ ५४	२२ ०५ २२	० २७ ५५	२ ३२ ०६	४ १४ ३४
२९	५ ३८ १०	७ ०३ ०५	८ ३८ १०	१० ३३ ३२	१२ ४८ ०२	१५ ०८ २२	१७ २५ ४२	१९ ४१ ५८	२२ ०१ २६	० २० ०४	२ २८ १०	४ १० ३८
३०	५ ३४ १४	६ ५९ ०९	८ ३४ ३४	१० २९ ३६	१२ ४४ ०२	१५ ०४ २६	१७ २१ ४५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अप्रैल दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टै. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ
१	६ ५१ १७	८ २६ २३	१० २१ ४४	१२ ३६ १५	१४ ५६ ३४	१७ १३ ५३	१९ ३० १०	२१ ४९ ३८	० ०८ १६	२ १६ २२	३ ५८ ५०	५ २६ २२
२	६ ४७ २१	८ २२ २७	१० १७ ४८	१२ ३२ १९	१४ ५२ ३९	१७ ०९ ५८	१९ २६ १५	२१ ४५ ४३	० ०४ २०	२ १२ २६	३ ५४ ५४	५ २२ २६
३	६ ४३ २५	८ १८ ३१	१० १३ ५२	१२ २८ २३	१४ ४८ ४३	१७ ०६ ०२	१९ २२ १९	२१ ४१ ४७	० ०० २४	२ ०८ ३०	३ ५० ५९	५ १८ ३०
४	६ ३९ ३०	८ १४ ३५	१० ०९ ५७	१२ २४ २७	१४ ४४ ४७	१७ ०२ ०६	१९ १८ २३	२१ ३७ ५१	२३ ५६ २८	२ ०४ ३४	३ ४७ ०३	५ १४ ३४
५	६ ३५ ३४	८ १० ३९	१० ०६ ०१	१२ २० ३१	१४ ४० ५१	१६ ५८ १०	१९ १४ २७	२१ ३३ ५५	२३ ५२ ३२	२ ०० ३८	३ ४३ ०७	५ १० ३८
६	६ ३१ ३८	८ ०६ ४३	१० ०२ ०५	१२ १६ ३५	१४ ३६ ५५	१६ ५४ १४	१९ १० ३१	२१ २९ ५९	२३ ४८ ३६	१ ५६ ४३	३ ३९ ११	५ ०६ ४२
७	६ २७ ४२	८ ०२ ४७	९ ५८ ०९	१२ १२ ३९	१४ ३२ ५९	१६ ५० १८	१९ ०६ ३५	२१ २६ ०३	२३ ४४ ४१	१ ५२ ४७	३ ३५ १५	५ ०२ ४७
८	६ २३ ४६	७ ५८ ५१	९ ५४ १३	१२ ०८ ४३	१४ २९ ०३	१६ ४६ २२	१९ ०२ ३९	२१ २२ ०७	२३ ४० ४५	१ ४८ ५१	३ ३१ १९	४ ५८ ५१
९	६ १९ ५०	७ ५४ ५५	९ ५० १७	१२ ०४ ४७	१४ २५ ०७	१६ ४२ २६	१८ ५८ ४३	२१ १८ ११	२३ ३६ ४९	१ ४४ ५५	३ २७ २३	४ ५४ ५५
१०	६ १५ ५४	७ ५० ५९	९ ४६ २१	१२ ०० ५२	१४ २१ ११	१६ ३८ ३०	१८ ५४ ४७	२१ १४ १५	२३ ३२ ५३	१ ४० ५९	३ २३ २७	४ ५० ५९
११	६ ११ ५८	७ ४७ ०३	९ ४२ २५	११ ५६ ५६	१४ १७ १५	१६ ३४ ३४	१८ ५० ५१	२१ १० १९	२३ २८ ५७	१ ३७ ०३	३ १९ ३१	४ ४७ ०३
१२	६ ०८ ०२	७ ४३ ०८	९ ३८ २९	११ ५३ ००	१४ १३ २०	१६ ३० ३९	१८ ४६ ५६	२१ ०६ २४	२३ २५ ०१	१ ३३ ०७	३ १५ ३५	४ ४३ ०७
१३	६ ०४ ०६	७ ३९ १२	९ ३४ ३३	११ ४९ ०४	१४ ०९ २४	१६ २६ ४३	१८ ४३ ००	२१ ०२ २८	२३ २१ ०५	१ २९ ११	३ ११ ३९	४ ३९ ११
१४	६ ०० ११	७ ३५ १६	९ ३० ३८	११ ४५ ०८	१४ ०५ २८	१६ २२ ४७	१८ ३९ ०४	२० ५८ ३२	२३ १७ ०९	१ २५ १५	३ ०७ ४४	४ ३५ १५
१५	५ ५६ १५	७ ३१ २०	९ २६ ४२	११ ४१ १२	१४ ०१ ३२	१६ १८ ५१	१८ ३५ ०८	२० ५४ ३६	२३ १३ १३	१ २१ १९	३ ०३ ४८	४ ३१ १९
१६	५ ५२ १९	७ २७ २४	९ २२ ४६	११ ३७ १६	१३ ५७ ३६	१६ १४ ५५	१८ ३१ १२	२० ५० ४०	२३ ०९ १७	१ १७ २४	२ ५९ ५२	४ २७ २४
१७	५ ४८ २३	७ २३ २८	९ १८ ५०	११ ३३ २०	१३ ५३ ४०	१६ १० ५९	१८ २७ १६	२० ४६ ४४	२३ ०५ २२	१ १३ २८	२ ५५ ५६	४ २३ २८
१८	५ ४४ २७	७ १९ ३२	९ १४ ५४	११ २९ २४	१३ ४९ ४४	१६ ०७ ०३	१८ २३ २०	२० ४२ ४८	२३ ०१ २६	१ ०९ ३२	२ ५२ ००	४ १९ ३२
१९	५ ४० ३१	७ १५ ३६	९ १० ५८	११ २५ २८	१३ ४५ ४८	१६ ०३ ०७	१८ १९ २४	२० ३८ ५२	२२ ५७ ३०	१ ०५ ३६	२ ४८ ०४	४ १५ ३६
२०	५ ३६ ३५	७ ११ ४०	९ ०७ ०२	११ २१ ३३	१३ ४१ ५२	१५ ५९ ११	१८ १५ २८	२० ३४ ५६	२२ ५३ ३४	१ ०१ ४०	२ ४४ ०८	४ ११ ४०
२१	५ ३२ ३९	७ ०७ ४४	९ ०३ ०६	११ १७ ३७	१३ ३७ ५६	१५ ५५ १५	१८ ११ ३२	२० ३१ ००	२२ ४९ ३८	० ५७ ४४	२ ४० १२	४ ०७ ४४
२२	५ २८ ४३	७ ०३ ४९	८ ५९ १०	११ १३ ४१	१३ ३४ ०१	१५ ५१ २०	१८ ०७ ३७	२० २७ ०४	२२ ४५ ४२	० ५३ ४८	२ ३६ १६	४ ०३ ४८
२३	५ २४ ४७	६ ५९ ५३	८ ५५ १४	११ ०९ ४५	१३ ३० ०५	१५ ४७ २४	१८ ०३ ४१	२० २३ ०९	२२ ४१ ४६	० ४९ ५२	२ ३२ २०	३ ५९ ५२
२४	५ २० ५१	६ ५५ ५७	८ ५१ १८	११ ०५ ४९	१३ २६ ०९	१५ ४३ २८	१७ ५९ ४५	२० १९ १३	२२ ३७ ५०	० ४५ ५६	२ २८ २५	३ ५५ ५६
२५	५ १६ ५६	६ ५२ ०१	८ ४७ २३	११ ०१ ५३	१३ २२ १३	१५ ३९ ३२	१७ ५५ ४९	२० १५ १७	२२ ३३ ५४	० ४२ ००	२ २४ २९	३ ५२ ००
२६	५ १३ ००	६ ४८ ०५	८ ४३ २७	१० ५७ ५७	१३ १८ १७	१५ ३५ ३६	१७ ५१ ५३	२० ११ २१	२२ २९ ५८	० ३८ ०५	२ २० ३३	३ ४८ ०४
२७	५ ०९ ०४	६ ४४ ०९	८ ३९ ३१	१० ५४ ०१	१३ १४ २१	१५ ३१ ४०	१७ ४७ ५७	२० ०७ २५	२२ २६ ०३	० ३४ ०९	२ १६ ३७	३ ४४ ०९
२८	५ ०५ ०८	६ ४० १३	८ ३५ ३५	१० ५० ०५	१३ १० २५	१५ २७ ४४	१७ ४४ ०१	२० ०३ २९	२२ २२ ०७	० ३० १३	२ १२ ४१	३ ४० १३
२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१५ २३ ४८	१७ ४० ०५	१९ ५९ ३३	२२ १८ ११	० २६ १७	२ ०८ ४५	३ ३६ १७

मई दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन
१	६ २८ २५	८ २३ ४७	१० ३८ १८	१२ ५८ ३८	१५ १५ ५७	१७ ३२ १३	१९ ५१ ४१	२२ १० १९	० १४ २९	२ ०० ५३	३ २८ २५	४ ५३ २०
२	६ २४ ३०	८ १९ ५१	१० ३४ २२	१२ ५४ ४२	१५ १२ ०१	१७ २८ १८	१९ ४७ ४६	२२ ०६ २३	० १० ३३	१ ५६ ५७	३ २४ २९	४ ४९ २४
३	६ २० ३४	८ १५ ५५	१० ३० २६	१२ ५० ४६	१५ ०८ ०५	१७ २४ २२	१९ ४३ ५०	२२ ०२ २७	० ०६ ३७	१ ५३ ०१	३ २० ३३	४ ४५ २८
४	६ १६ ३८	८ १२ ००	१० २६ ३०	१२ ४६ ५०	१५ ०४ ०९	१७ २० २६	१९ ३९ ५४	२१ ५८ ३१	० ०२ ४१	१ ४९ ०६	३ १६ ३७	४ ४१ ३२
५	६ १२ ४२	८ ०८ ०४	१० २२ ३४	१२ ४२ ५४	१५ ०० १३	१७ १६ ३०	१९ ३५ ५८	२१ ५४ ३५	२३ ५८ ४६	१ ४५ १०	३ १२ ४१	४ ३७ ३७
६	६ ०८ ४६	८ ०४ ०८	१० १८ ३८	१२ ३८ ५८	१४ ५६ १७	१७ १२ ३४	१९ ३२ ०२	२१ ५० ३९	२३ ५४ ५०	१ ४१ १४	३ ०८ ४५	४ ३३ ४१
७	६ ०४ ५०	८ ०० १२	१० १४ ४२	१२ ३५ ०२	१४ ५२ २१	१७ ०८ ३८	१९ २८ ०६	२१ ४६ ४४	२३ ५० ५४	१ ३७ १८	३ ०४ ५०	४ २९ ४५
८	६ ०० ५४	७ ५६ १६	१० १० ४६	१२ ३१ ०६	१४ ४८ २५	१७ ०४ ४२	१९ २४ १०	२१ ४२ ४८	२३ ४६ ५८	१ ३३ २२	३ ०० ५४	४ २५ ४९
९	५ ५६ ५८	७ ५२ २०	१० ०६ ५०	१२ २७ १०	१४ ४४ २९	१७ ०० ४६	१९ २० १४	२१ ३८ ५२	२३ ४३ ०२	१ २९ २६	२ ५६ ५८	४ २१ ५३
१०	५ ५३ ०२	७ ४८ २४	१० ०२ ५४	१२ २३ १४	१४ ४० ३३	१६ ५६ ५०	१९ १६ १८	२१ ३४ ५६	२३ ३९ ०६	१ २५ ३०	२ ५३ ०२	४ १७ ५७
११	५ ४९ ०६	७ ४४ २८	९ ५८ ५९	१२ १९ १९	१४ ३६ ३८	१६ ५२ ५४	१९ १२ २२	२१ ३१ ००	२३ ३५ १०	१ २१ ३४	२ ४९ ०६	४ १४ ०१
१२	५ ४५ ११	७ ४० ३२	९ ५५ ०३	१२ १५ २३	१४ ३२ ४२	१६ ४८ ५९	१९ ०८ २७	२१ २७ ०४	२३ ३१ १४	१ १७ ३८	२ ४५ १०	४ १० ०५
१३	५ ४१ १५	७ ३६ ३६	९ ५१ ०७	१२ ११ २७	१४ २८ ४६	१६ ४५ ०३	१९ ०४ ३१	२१ २३ ०८	२३ २७ १८	१ १३ ४२	२ ४१ १४	४ ०६ ०९
१४	५ ३७ १९	७ ३२ ४१	९ ४७ ११	१२ ०७ ३१	१४ २४ ५०	१६ ४१ ०७	१९ ०० ३५	२१ १९ १२	२३ २३ २२	१ ०९ ४७	२ ३७ १८	४ ०२ १३
१५	५ ३३ २३	७ २८ ४५	९ ४३ १५	१२ ०३ ३५	१४ २० ५४	१६ ३७ ११	१८ ५६ ३९	२१ १५ १६	२३ १९ २७	१ ०५ ५१	२ ३३ २२	३ ५८ १८
१६	५ २९ २७	७ २४ ४९	९ ३९ १९	११ ५९ ३९	१४ १६ ५८	१६ ३३ १५	१८ ५२ ४३	२१ ११ २०	२३ १५ ३१	१ ०१ ५५	२ २९ २६	३ ५४ २२
१७	५ २५ ३१	७ २० ५३	९ ३५ २३	११ ५५ ४३	१४ १३ ०२	१६ २९ १९	१८ ४८ ४७	२१ ०७ २५	२३ ११ ३५	० ५७ ५९	२ २५ ३१	३ ५० २६
१८	५ २१ ३५	७ १६ ५७	९ ३१ २७	११ ५१ ४७	१४ ०९ ०६	१६ २५ २३	१८ ४४ ५१	२१ ०३ २९	२३ ०७ ३९	० ५४ ०३	२ २१ ३५	३ ४६ ३०
१९	५ १७ ३९	७ १३ ०१	९ २७ ३२	११ ४७ ५१	१४ ०५ १०	१६ २१ २७	१८ ४० ५५	२० ५९ ३३	२३ ०३ ४३	० ५० ०७	२ १७ ३९	३ ४२ ३४
२०	५ १३ ४३	७ ०९ ०५	९ २३ ३६	११ ४३ ५५	१४ ०१ १४	१६ १७ ३१	१८ ३६ ५९	२० ५५ ३७	२२ ५९ ४७	० ४६ ११	२ १३ ४३	३ ३८ ३८
२१	५ ०९ ४७	७ ०५ ०९	९ १९ ४०	११ ४० ००	१३ ५७ १९	१६ १३ ३५	१८ ३३ ०३	२० ५१ ४१	२२ ५५ ५१	० ४२ १५	२ ०९ ४७	३ ३४ ४२
२२	५ ०५ ५२	७ ०१ १३	९ १५ ४४	११ ३६ ०४	१३ ५३ २३	१६ ०९ ४०	१८ २९ ०८	२० ४७ ४५	२२ ५१ ५५	० ३८ १९	२ ०५ ५१	३ ३० ४६
२३	५ ०१ ५६	६ ५७ १७	९ ११ ४८	११ ३२ ०८	१३ ४९ २७	१६ ०५ ४४	१८ २५ १२	२० ४३ ४९	२२ ४७ ५९	० ३४ २३	२ ०१ ५५	३ २६ ५०
२४	४ ५८ ००	६ ५३ २२	९ ०७ ५२	११ २८ १२	१३ ४५ ३१	१६ ०१ ४८	१८ २१ १६	२० ३९ ५३	२२ ४४ ०३	० ३० २७	१ ५७ ५९	३ २२ ५४
२५	४ ५४ ०४	६ ४९ २६	९ ०३ ५६	११ २४ १६	१३ ४१ ३५	१५ ५७ ५२	१८ १७ २०	२० ३५ ५७	२२ ४० ०८	० २६ ३२	१ ५४ ०३	३ १८ ५९
२६	४ ५० ०८	६ ४५ ३०	९ ०० ००	११ २० २०	१३ ३७ ३९	१५ ५३ ५६	१८ १३ २४	२० ३२ ०२	२२ ३६ १२	० २२ ३६	१ ५० ०७	३ १५ ०३
२७	४ ४६ १२	६ ४१ ३४	८ ५६ ०४	११ १६ २४	१३ ३३ ४३	१५ ५० ००	१८ ०९ २८	२० २८ ०६	२२ ३२ १६	० १८ ४०	१ ४६ ११	३ ११ ०७
२८	४ ४२ १६	६ ३७ ३८	८ ५२ ०८	११ १२ २८	१३ २९ ४७	१५ ४६ ०४	१८ ०५ ३२	२० २४ १०	२२ २८ २०	० १० ४८	१ ४२ १६	३ ०७ ११
२९	४ ३८ २०	६ ३३ ४२	८ ४८ १३	११ ०८ ३२	१३ २५ ५१	१५ ४२ ०८	१८ ०१ ३६	२० २० १४	२२ २४ २४	० ०६ ५२	१ ३८ २०	३ ०३ १५
३०	४ ३४ २४	६ २९ ४६	८ ४४ १७	११ ०४ ३७	१३ २१ ५५	१५ ३८ १२	१७ ५७ ४०	२० १६ १८	२२ २० २८	० ०२ ५६	१ ३४ २४	२ ५९ १९
३१	४ ३० २८	६ २५ ५०	८ ४० २१	११ ०० ४१	१३ १८ ००	१५ ३४ १७	१७ ५३ ४५	२० १२ २२	२२ १६ ३२	२३ ५९ ००	१ ३० २८	२ ५५ २३

जून दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
१	६ २१ ५४	८ ३६ २५	१० ५६ ४५	१३ १४ ०४	१५ ३० २१	१७ ४९ ४९	२० ०८ २६	२२ १२ ३६	२३ ५५ ०४	१ २६ ३२	२ ५१ २७	४ २६ ३३
२	६ १७ ५८	८ ३२ २९	१० ५२ ४९	१३ १० ०८	१५ २६ २५	१७ ४५ ५३	२० ०४ ३०	२२ ०८ ४०	२३ ५१ ०८	१ २२ ३६	२ ४७ ३१	४ २२ ३७
३	६ १४ ०३	८ २८ ३३	१० ४८ ५३	१३ ०६ १२	१५ २२ २९	१७ ४१ ५७	२० ०० ३४	२२ ०४ ४४	२३ ४७ १३	१ १८ ४०	२ ४३ ३५	४ १८ ४१
४	६ १० ०७	८ २४ ३७	१० ४४ ५७	१३ ०२ १६	१५ १८ ३३	१७ ३८ ०१	१९ ५६ ३८	२२ ०० ४९	२३ ४३ १७	१ १४ ४४	२ ३९ ४०	४ १४ ४५
५	६ ०६ ११	८ २० ४१	१० ४१ ०१	१२ ५८ २०	१५ १४ ३७	१७ ३४ ०५	१९ ५२ ४३	२१ ५६ ५३	२३ ३९ २१	१ १० ४८	२ ३५ ४४	४ १० ४९
६	६ ०२ १५	८ १६ ४५	१० ३७ ०५	१२ ५४ २४	१५ १० ४१	१७ ३० ०९	१९ ४८ ४७	२१ ५२ ५७	२३ ३५ २५	१ ०६ ५३	२ ३१ ४८	४ ०६ ५३
७	५ ५८ १९	८ १२ ४९	१० ३३ ०९	१२ ५० २८	१५ ०६ ४५	१७ २६ १३	१९ ४४ ५१	२१ ४९ ०१	२३ ३१ २९	१ ०२ ५७	२ २७ ५२	४ ०२ ५७
८	५ ५४ २३	८ ०८ ५४	१० २९ १३	१२ ४६ ३२	१५ ०२ ४९	१७ २२ १७	१९ ४० ५५	२१ ४५ ०५	२३ २७ ३३	० ५९ ०१	२ २३ ५६	३ ५९ ०१
९	५ ५० २७	८ ०४ ५८	१० २५ १८	१२ ४२ ३७	१४ ५८ ५४	१७ १८ २१	१९ ३६ ५९	२१ ४१ ०९	२३ २३ ३७	० ५५ ०५	२ २० ००	३ ५५ ०५
१०	५ ४६ ३१	८ ०१ ०२	१० २१ २२	१२ ३८ ४१	१४ ५४ ५८	१७ १४ २६	१९ ३३ ०३	२१ ३७ १३	२३ १९ ४१	० ५१ ०९	२ १६ ०४	३ ५१ ०९
११	५ ४२ ३५	७ ५७ ०६	१० १७ २६	१२ ३४ ४५	१४ ५१ ०२	१७ १० ३०	१९ २९ ०७	२१ ३३ १७	२३ १५ ४५	० ४७ १३	२ १२ ०८	३ ४७ १४
१२	५ ३८ ४०	७ ५३ १०	१० १३ ३०	१२ ३० ४९	१४ ४७ ०६	१७ ०६ ३४	१९ २५ ११	२१ २९ २१	२३ ११ ४९	० ४३ १७	२ ०८ १२	३ ४३ १८
१३	५ ३४ ४४	७ ४९ १४	१० ०९ ३४	१२ २६ ५३	१४ ४३ १०	१७ ०२ ३८	१९ २१ १५	२१ २५ २६	२३ ०७ ५४	० ३९ २१	२ ०४ १६	३ ३९ २२
१४	५ ३० ४८	७ ४५ १८	१० ०५ ३८	१२ २२ ५७	१४ ३९ १४	१६ ५८ ४२	१९ १७ २०	२१ २१ ३०	२३ ०३ ५८	० ३५ २५	२ ०० २१	३ ३५ २६
१५	५ २६ ५२	७ ४१ २२	१० ०१ ४२	१२ १९ ०१	१४ ३५ १८	१६ ५४ ४६	१९ १३ २४	२१ १७ ३४	२३ ०० ०२	० ३१ २९	१ ५६ २५	३ ३१ ३०
१६	५ २२ ५६	७ ३७ २६	९ ५७ ४६	१२ १५ ०५	१४ ३१ २२	१६ ५० ५०	१९ ०९ २८	२१ १३ ३८	२२ ५६ ०६	० २७ ३४	१ ५२ २९	३ २७ ३४
१७	५ १९ ००	७ ३३ ३१	९ ५३ ५०	१२ ११ ०९	१४ २७ २६	१६ ४६ ५४	१९ ०५ ३२	२१ ०९ ४२	२२ ५२ १०	० २३ ३८	१ ४८ ३३	३ २३ ३८
१८	५ १५ ०४	७ २९ ३५	९ ४९ ५४	१२ ०७ १३	१४ २३ ३०	१६ ४२ ५८	१९ ०१ ३६	२१ ०५ ४६	२२ ४८ १४	० १५ ४६	१ ४४ ३७	३ १९ ४२
१९	५ ११ ०८	७ २५ ३९	९ ४५ ५९	१२ ०३ १८	१४ १९ ३५	१६ ३९ ०३	१८ ५७ ४०	२१ ०१ ५०	२२ ४४ १८	० ११ ५०	१ ४० ४१	३ १५ ४६
२०	५ ०७ १२	७ २१ ४३	९ ४२ ०३	११ ५९ २२	१४ १५ ३९	१६ ३५ ०७	१८ ५३ ४४	२० ५७ ५४	२२ ४० २२	० ०७ ५४	१ ३६ ४५	३ ११ ५१
२१	५ ०३ १६	७ १७ ४७	९ ३८ ०७	११ ५५ २६	१४ ११ ४३	१६ ३१ ११	१८ ४९ ४८	२० ५३ ५८	२२ ३६ २६	० ०३ ५८	१ ३२ ४९	३ ०७ ५५
२२	४ ५९ २१	७ १३ ५१	९ ३४ ११	११ ५१ ३०	१४ ०७ ४७	१६ २७ १५	१८ ४५ ५२	२० ५० ०२	२२ ३२ ३१	० ०० ०२	१ २८ ५३	३ ०३ ५९
२३	४ ५५ २५	७ ०९ ५५	९ ३० १५	११ ४७ ३४	१४ ०३ ५१	१६ २३ १९	१८ ४१ ५६	२० ४६ ०७	२२ २८ ३५	२३ ५६ ०६	१ २४ ५७	३ ०० ०३
२४	४ ५१ २९	७ ०५ ५९	९ २६ १९	११ ४३ ३८	१३ ५९ ५५	१६ १९ २३	१८ ३८ ०१	२० ४२ ११	२२ २४ ३९	२३ ५२ १०	१ २१ ०२	२ ५६ ०७
२५	४ ४७ ३३	७ ०२ ०३	९ २२ २३	११ ३९ ४२	१३ ५५ ५९	१६ १५ २७	१८ ३४ ०५	२० ३८ १५	२२ २० ४३	२३ ४८ १४	१ १७ ०६	२ ५२ ११
२६	४ ४३ ३७	६ ५८ ०८	९ १८ २७	११ ३५ ४६	१३ ५२ ०३	१६ ११ ३१	१८ ३० ०९	२० ३४ १९	२२ १६ ४७	२३ ४४ १९	१ १३ १०	२ ४८ १५
२७	४ ३९ ४१	६ ५४ १२	९ १४ ३१	११ ३१ ५०	१३ ४८ ०७	१६ ०७ ३५	१८ २६ १३	२० ३० २३	२२ १२ ५१	२३ ४० २३	१ ०९ १४	२ ४४ १९
२८	४ ३५ ४५	६ ५० १६	९ १० ३६	११ २७ ५५	१३ ४४ १२	१६ ०३ ३९	१८ २२ १७	२० २६ २७	२२ ०८ ५५	२३ ३६ २७	१ ०५ १८	२ ४० २३
२९	४ ३१ ४९	६ ४६ २०	९ ०६ ४०	११ २३ ५९	१३ ४० १६	१५ ५९ ४४	१८ १८ २१	२० २२ ३१	२२ ०४ ५९	२३ ३२ ३१	१ ०१ २२	२ ३६ २७
३०	४ २७ ५३	६ ४२ २४	९ ०२ ४४	११ २० ०३	१३ ३६ २०	१५ ५५ ४८	१८ १४ २५	२० १८ ३५	२२ ०१ ०३	२३ २८ ३५	० ५७ २६	२ ३२ ३२

जुलाई दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
१	६ ३८ २८	८ ५८ ४८	११ १६ ०७	१३ ३२ २४	१५ ५१ ५२	१८ १० २९	२० १४ ३९	२१ ५७ ०७	२३ २४ ३९	० ५३ ३०	२ २८ ३६	४ २३ ५७
२	६ ३४ ३२	८ ५४ ५२	११ १२ ११	१३ २८ २८	१५ ४७ ५६	१८ ०६ ३३	२० १० ४३	२१ ५३ ११	२३ २० ४३	० ४९ ३४	२ २४ ४०	४ [illegible] ०२
३	६ ३० ३६	८ ५० ५६	११ ०८ १५	१३ २४ ३२	१५ ४४ ००	१८ ०२ ३८	२० ०६ ४८	२१ ४९ १६	२३ १६ ४७	० ४५ ३८	२ २० ४४	४ १६ ०६
४	६ २६ ४०	८ ४७ ००	११ ०४ १९	१३ २० ३६	१५ ४० ०४	१७ ५८ ४२	२० ०२ ५२	२१ ४५ २०	२३ १२ ५१	० ४१ ४३	२ १६ ४८	४ १२ १०
५	६ २२ ४४	८ ४३ ०४	११ ०० २३	१३ १६ ४०	१५ ३६ ०८	१७ ५४ ४६	१९ ५८ ५६	२१ ४१ २४	२३ ०८ ५६	० ३७ ४७	२ १२ ५२	४ ०८ १४
६	६ १८ ४९	८ ३९ ०८	१० ५६ २७	१३ १२ ४४	१५ ३२ १२	१७ ५० ५०	१९ ५५ ००	२१ ३७ २८	२३ ०५ ००	० ३३ ५१	२ ०८ ५६	४ ०४ १८
७	६ १४ ५३	८ ३५ १२	१० ५२ ३१	१३ ०८ ४८	१५ २८ १६	१७ ४६ ५४	१९ ५१ ०४	२१ ३३ ३२	२३ ०१ ०४	० २९ ५५	२ ०५ ००	४ ०० २२
८	६ १० ५७	८ ३१ १७	१० ४८ ३६	१३ ०४ ५३	१५ २४ २१	१७ ४२ ५८	१९ ४७ ०८	२१ २९ ३६	२२ ५७ ०८	० २५ ५९	२ ०१ ०४	३ ५६ २६
९	६ ०७ ०१	८ २७ २१	१० ४४ ४०	१३ ०० ५७	१५ २० २५	१७ ३९ ०२	१९ ४३ १२	२१ २५ ४०	२२ ५३ १२	० २२ ०३	१ ५७ ०८	३ ५२ ३०
१०	६ ०३ ०५	८ २३ २५	१० ४० ४४	१२ ५७ ०१	१५ १६ २९	१७ ३५ ०६	१९ ३९ १६	२१ २१ ४४	२२ ४९ १६	० १४ ११	१ ५३ १३	३ ४८ ३४
११	५ ५९ ०९	८ १९ २९	१० ३६ ४८	१२ ५३ ०५	१५ १२ ३३	१७ ३१ १०	१९ ३५ २०	२१ १७ ४८	२२ ४५ २०	० १० १५	१ ४९ १७	३ ४४ ३९
१२	५ ५५ १३	८ १५ ३३	१० ३२ ५२	१२ ४९ ०९	१५ ०८ ३७	१७ २७ १४	१९ ३१ २४	२१ १३ ५२	२२ ४१ २४	० ०६ १९	१ ४५ २१	३ ४० ४३
१३	५ ५१ १७	८ ११ ३७	१० २८ ५६	१२ ४५ १३	१५ ०४ ४१	१७ २३ १९	१९ २७ २९	२१ ०९ ५७	२२ ३७ २८	० ०२ २४	१ ४१ २५	३ ३६ ४७
१४	५ ४७ २१	८ ०७ ४१	१० २५ ००	१२ ४१ १७	१५ ०० ४५	१७ १९ २३	१९ २३ ३३	२१ ०६ ०१	२२ ३३ ३२	२३ ५८ २८	१ ३७ २९	३ ३२ ५१
१५	५ ४३ २६	८ ०३ ४५	१० २१ ०४	१२ ३७ २१	१४ ५६ ४९	१७ १५ २७	१९ १९ ३७	२१ ०२ ०५	२२ २९ ३६	२३ ५४ ३२	१ ३३ ३३	३ २८ ५५
१६	५ ३९ ३०	७ ५९ ४९	१० १७ ०८	१२ ३३ २५	१४ ५२ ५३	१७ ११ ३१	१९ १५ ४१	२० ५८ ०९	२२ २५ ४१	२३ ५० ३६	१ २९ ३७	३ २४ ५९
१७	५ ३५ ३४	७ ५५ ५४	१० १३ १२	१२ २९ २९	१४ ४८ ५७	१७ ०७ ३५	१९ ११ ४५	२० ५४ १३	२२ २१ ४५	२३ ४६ ४०	१ २५ ४१	३ २१ ०३
१८	५ ३१ ३८	७ ५१ ५८	१० ०९ १७	१२ २५ ३४	१४ ४५ ०२	१७ ०३ ३९	१९ ०७ ४९	२० ५० १७	२२ १७ ४९	२३ ४२ ४४	१ २१ ४५	३ १७ ०७
१९	५ २७ ४२	७ ४८ ०२	१० ०५ २१	१२ २१ ३८	१४ ४१ ०६	१६ ५९ ४३	१९ ०३ ५३	२० ४६ २१	२२ १३ ५३	२३ ३८ ४८	१ १७ ४९	३ १३ ११
२०	५ २३ ४६	७ ४४ ०६	१० ०१ २५	१२ १७ ४२	१४ ३७ १०	१६ ५५ ४७	१८ ५९ ५७	२० ४२ २५	२२ ०९ ५७	२३ ३४ ५२	१ १३ ५४	३ ०९ १५
२१	५ १९ ५०	७ ४० १०	९ ५७ २९	१२ १३ ४६	१४ ३३ १४	१६ ५१ ५१	१८ ५६ ०१	२० ३८ २९	२२ ०६ ०१	२३ ३० ५६	१ ०९ ५८	३ ०५ २०
२२	५ १५ ५४	७ ३६ १४	९ ५३ ३३	१२ ०९ ५०	१४ २९ १८	१६ ४७ ५५	१८ ५२ ०६	२० ३४ ३४	२२ ०२ ०५	२३ २७ ००	१ ०६ ०२	३ ०१ २४
२३	५ ११ ५८	७ ३२ १८	९ ४९ ३७	१२ ०५ ५४	१४ २५ २२	१६ ४४ ००	१८ ४८ १०	२० ३० ३८	२१ ५८ ०९	२३ २३ ०५	१ ०२ ०६	२ ५७ २८
२४	५ ०८ ०२	७ २८ २२	९ ४५ ४१	१२ ०१ ५८	१४ २१ २६	१६ ४० ०४	१८ ४४ १४	२० २६ ४२	२१ ५४ १३	२३ १९ ०९	० ५८ १०	२ ५३ ३२
२५	५ ०४ ०७	७ २४ २६	९ ४१ ४५	११ ५८ ०२	१४ १७ ३०	१६ ३६ ०८	१८ ४० १८	२० २२ ४६	२१ ५० १७	२३ १५ १३	० ५४ १४	२ ४९ ३६
२६	५ ०० ११	७ २० ३०	९ ३७ ४९	११ ५४ ०६	१४ १३ ३४	१६ ३२ १२	१८ ३६ २२	२० १८ ५०	२१ ४६ २२	२३ ११ १७	० ५० १८	२ ४५ ४०
२७	४ ५६ १५	७ १६ ३५	९ ३३ ५४	११ ५० ११	१४ ०९ ३९	१६ २८ १६	१८ ३२ २६	२० १४ ५४	२१ ४२ २६	२३ ०७ २१	० ४६ २२	२ ४१ ४४
२८	४ ५२ १९	७ १२ ३९	९ २९ ५८	११ ४६ १५	१४ ०५ ४३	१६ २४ २०	१८ २८ ३०	२० १० ५८	२१ ३८ ३०	२३ ०३ २५	० ४२ २६	२ ३७ ४८
२९	४ ४८ २३	७ ०८ ४३	९ २६ ०२	११ ४२ १९	१४ ०१ ४७	१६ २० २४	१८ २४ ३४	२० ०७ ०२	२१ ३४ ३४	२२ ५९ २९	० ३८ ३०	२ ३३ ५२
३०	४ ४४ २७	७ ०४ ४७	९ २२ ०६	११ ३८ २३	१३ ५७ ५१	१६ १६ २८	१८ २० ३८	२० ०३ ०६	२१ ३० ३८	२२ ५५ ३३	० ३४ ३४	२ २९ ५६

अगस्त दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
१	६ ५६ ५५	९ १४ १४	११ ३० ३१	१३ ४९ ५९	१६ ०८ ३७	१८ १२ ४६	१९ ५५ १४	२१ २२ ४६	२२ ४७ ४१	० २६ ४३	२ २२ ०५	४ ३६ ३५
२	६ ५२ ५९	९ १० १८	११ २६ ३५	१३ ४६ ०३	१६ ०४ ४१	१८ ०८ ५१	१९ ५१ १९	२१ १८ ५०	२२ ४३ ४६	० २२ ४७	२ १८ ०९	४ ३२ ३९
३	६ ४९ ०३	९ ०६ २२	११ २२ ३९	१३ ४२ ०७	१६ ०० ४५	१८ ०४ ५५	१९ ४७ २३	२१ १४ ५४	२२ ३९ ५०	० १४ ५५	२ १४ १३	४ २८ ४३
४	६ ४५ ०७	९ ०२ २६	११ १८ ४३	१३ ३८ ११	१५ ५६ ४९	१८ ०० ५९	१९ ४३ २७	२१ १० ५८	२२ ३५ ५४	० १० ५९	२ १० १७	४ २४ ४८
५	६ ४१ ११	८ ५८ ३०	११ १४ ४७	१३ ३४ १५	१५ ५२ ५३	१७ ५७ ०३	१९ ३९ ३१	२१ ०७ ०३	२२ ३१ ५८	० ०७ ०३	२ ०६ २१	४ २० ५२
६	६ ३७ १६	८ ५४ ३५	११ १० ५२	१३ ३० २०	१५ ४८ ५७	१७ ५३ ०७	१९ ३५ ३५	२१ ०३ ०७	२२ २८ ०२	० ०३ ०७	२ ०२ २५	४ १६ ५६
७	६ ३३ २०	८ ५० ३९	११ ०६ ५६	१३ २६ २४	१५ ४५ ०१	१७ ४९ ११	१९ ३१ ३९	२० ५९ ११	२२ २४ ०६	२३ ५९ ११	१ ५८ २९	४ १३ ००
८	६ २९ २४	८ ४६ ४३	११ ०३ ००	१३ २२ २८	१५ ४१ ०५	१७ ४५ १५	१९ २७ ४३	२० ५५ १५	२२ २० १०	२३ ५५ १६	१ ५४ ३३	४ ०९ ०४
९	६ २५ २८	८ ४२ ४७	१० ५९ ०४	१३ १८ ३२	१५ ३७ ०९	१७ ४१ १९	१९ २३ ४७	२० ५१ १९	२२ १६ १४	२३ ५१ २०	१ ५० ३७	४ ०५ ०८
१०	६ २१ ३२	८ ३८ ५१	१० ५५ ०८	१३ १४ ३६	१५ ३३ १३	१७ ३७ २३	१९ १९ ५१	२० ४७ २३	२२ १२ १८	२३ ४७ २४	१ ४६ ४२	४ ०१ १२
११	६ १७ ३६	८ ३४ ५५	१० ५१ १२	१३ १० ४०	१५ २९ १७	१७ ३३ २७	१९ १५ ५५	२० ४३ २७	२२ ०८ २२	२३ ४३ २८	१ ४२ ४६	३ ५७ १६
१२	६ १३ ४०	८ ३० ५९	१० ४७ १६	१३ ०६ ४४	१५ २५ २२	१७ २९ ३२	१९ १२ ००	२० ३९ ३१	२२ ०४ २६	२३ ३९ ३२	१ ३८ ५०	३ ५३ २०
१३	६ ०९ ४४	८ २७ ०३	१० ४३ २०	१३ ०२ ४८	१५ २१ २६	१७ २५ ३६	१९ ०८ ०४	२० ३५ ३५	२२ ०० ३१	२३ ३५ ३६	१ ३४ ५४	३ ४९ २४
१४	६ ०५ ४८	८ २३ ०७	१० ३९ २४	१२ ५८ ५२	१५ १७ ३०	१७ २१ ४०	१९ ०४ ०८	२० ३१ ३९	२१ ५६ ३५	२३ ३१ ४०	१ ३० ५८	३ ४५ २९
१५	६ ०१ ५३	८ १९ ११	१० ३५ २८	१२ ५४ ५६	१५ १३ ३४	१७ १७ ४४	१९ ०० १२	२० २७ ४४	२१ ५२ ३९	२३ २७ ४४	१ २७ ०२	३ ४१ ३३
१६	५ ५७ ५७	८ १५ १६	१० ३१ ३३	१२ ५१ ०१	१५ ०९ ३८	१७ १३ ४८	१८ ५६ १६	२० २३ ४८	२१ ४८ ४३	२३ २३ ४८	१ २३ ०६	३ ३७ ३७
१७	५ ५४ ०१	८ ११ २०	१० २७ ३७	१२ ४७ ०५	१५ ०५ ४२	१७ ०९ ५२	१८ ५२ २०	२० १९ ५२	२१ ४४ ४७	२३ १९ ५२	१ १९ १०	३ ३३ ४१
१८	५ ५० ०५	८ ०७ २४	१० २३ ४१	१२ ४३ ०९	१५ ०१ ४६	१७ ०५ ५६	१८ ४८ २४	२० १५ ५६	२१ ४० ५१	२३ १५ ५७	१ १५ १४	३ २९ ४५
१९	५ ४६ ०९	८ ०३ २८	१० १९ ४५	१२ ३९ १३	१४ ५७ ५०	१७ ०२ ००	१८ ४४ २८	२० १२ ००	२१ ३६ ५५	२३ १२ ०१	१ ११ १९	३ २५ ४९
२०	५ ४२ १३	७ ५९ ३२	१० १५ ४९	१२ ३५ १७	१४ ५३ ५४	१६ ५८ ०४	१८ ४० ३२	२० ०८ ०४	२१ ३३ ५९	२३ ०८ ०५	१ ०७ २३	३ २१ ५३
२१	५ ३८ १७	७ ५५ ३६	१० ११ ५३	१२ ३१ २१	१४ ४९ ५९	१६ ५४ ०८	१८ ३६ ३६	२० ०४ ०८	२१ २९ ०३	२३ ०४ ०९	१ ०३ २७	३ १७ ५७
२२	५ ३४ २१	७ ५१ ४०	१० ०७ ५७	१२ २७ २५	१४ ४६ ०३	१६ ५० १३	१८ ३२ ४२	२० ०० १२	२१ २५ ०७	२३ ०० १३	० ५९ ३१	३ १४ ०१
२३	५ ३० २५	७ ४७ ४४	१० ०४ ०१	१२ २३ २९	१४ ४२ ०७	१६ ४६ १७	१८ २८ ४५	१९ ५६ १६	२१ २१ ११	२२ ५६ १७	० ५५ ३५	३ १० ०६
२४	५ २६ २९	७ ४३ ४८	१० ०० ०५	१२ १९ ३३	१४ ३८ ११	१६ ४२ २१	१८ २४ ४९	१९ ५२ २०	२१ १७ १६	२२ ५२ २१	० ५१ ३९	३ ०६ १०
२५	५ २२ ३४	७ ३९ ५२	९ ५६ ०९	१२ १५ ३७	१४ ३४ १५	१६ ३८ २५	१८ २० ५३	१९ ४८ २४	२१ १३ २०	२२ ४८ २५	० ४७ ४३	३ ०२ १४
२६	५ १८ ३८	७ ३५ ५७	९ ५२ १४	१२ ११ ४२	१४ ३० १९	१६ ३४ २९	१८ १६ ५७	१९ ४४ २९	२१ ०९ २४	२२ ४४ २९	० ४३ ४७	२ ५८ १८
२७	५ १४ ४२	७ ३२ ०१	९ ४८ १८	१२ ०७ ४६	१४ २६ २३	१६ ३० ३३	१८ १३ ०१	१९ ४० ३३	२१ ०५ २८	२२ ४० ३३	० ३९ ५१	२ ५४ २२
२८	५ १० ४६	७ २८ ०५	९ ४४ २२	१२ ०३ ५०	१४ २२ २७	१६ २६ ३७	१८ ०९ ०५	१९ ३६ ३७	२१ ०१ ३२	२२ ३६ ३७	० ३५ ४४	२ ५० २६
२९	५ ०६ ५०	७ २४ ०९	९ ४० २६	११ ५९ ५४	१४ १८ ३१	१६ २२ ४१	१८ ०५ ०९	१९ ३२ ४२	२० ५७ ३६	२२ ३२ ४२	० ३२ ००	२ ४६ ३०
३०	५ ०२ ५४	७ २० १३	९ ३६ ३०	११ ५५ ५८	१४ १४ ३५	१६ १८ ४५	१८ ०१ १३	१९ २८ ४५	२० ५३ ४०	२२ २८ ४६	० २८ ०४	२ ४२ ३४

सितम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
१	७ १२ २१	९ २८ ३८	११ ४८ ०६	१४ ०६ ४४	१६ १० ५४	१७ ५३ २२	१९ २० ५३	२० ४५ ४८	२२ २० ५४	० १६ १६	२ ३४ ४२	४ ५५ ०२
२	७ ०८ २५	९ २४ ४२	११ ४४ १०	१४ ०२ ४८	१६ ०६ ५८	१७ ४९ २६	१९ १६ ५७	२० ४१ ५३	२२ १६ ५८	० १२ २०	२ ३० ४७	४ ५१ ०६
३	७ ०४ २९	९ २० ४६	११ ४० १४	१३ ५८ ५२	१६ ०३ ०२	१७ ४५ ३०	१९ १३ ०१	२० ३७ ५७	२२ १३ ०२	० ०८ २४	२ २६ ५१	४ ४७ १०
४	७ ०० ३३	९ १६ ५०	११ ३६ १८	१३ ५४ ५६	१५ ५९ ०६	१७ ४१ ३४	१९ ०९ ०५	२० ३४ ०१	२२ ०९ ०६	० ०४ २८	२ २२ ५५	४ ४३ १५
५	६ ५६ ३८	९ १२ ५५	११ ३२ २३	१३ ५१ ००	१५ ५५ १०	१७ ३७ ३८	१९ ०५ १०	२० ३० ०५	२२ ०५ १०	० ०० ३२	२ १८ ५९	४ ३९ १९
६	६ ५२ ४२	९ ०८ ५९	११ २८ २७	१३ ४७ ०४	१५ ५१ १४	१७ ३३ ४२	१९ ०१ १४	२० २६ ०९	२२ ०१ १४	२३ ५६ ३६	२ १५ ०३	४ ३५ २३
७	६ ४८ ४६	९ ०५ ०३	११ २४ ३१	१३ ४३ ०८	१५ ४७ १८	१७ २९ ४६	१८ ५७ १८	२० २२ १३	२१ ५७ १८	२३ ५२ ४०	२ ११ ०७	४ ३१ २७
८	६ ४४ ५०	९ ०१ ०७	११ २० ३५	१३ ३९ १२	१५ ४३ २२	१७ २५ ५०	१८ ५३ २२	२० १८ १७	२१ ५३ २२	२३ ४८ ४५	२ ०७ ११	४ २७ ३१
९	६ ४० ५४	८ ५७ ११	११ १६ ३९	१३ ३५ १६	१५ ३९ २६	१७ २१ ५४	१८ ४९ २६	२० १४ २१	२१ ४९ २७	२३ ४४ ४९	२ ०३ १५	४ २३ ३५
१०	६ ३६ ५८	८ ५३ १५	११ १२ ४३	१३ ३१ २१	१५ ३५ ३०	१७ १७ ५८	१८ ४५ ३०	२० १० २५	२१ ४५ ३१	२३ ४० ५३	१ ५९ १९	४ १९ ३९
११	६ ३३ ०२	८ ४९ १९	११ ०८ ४७	१३ २७ २५	१५ ३१ ३५	१७ १४ ०२	१८ ४१ ३४	२० ०६ २९	२१ ४१ ३५	२३ ३६ ५७	१ ५५ २३	४ १५ ४३
१२	६ २९ ०६	८ ४५ २३	११ ०४ ५१	१३ २३ २९	१५ २७ ३९	१७ १० ०७	१८ ३७ ३८	२० ०२ ३३	२१ ३७ ३९	२३ ३३ ०१	१ ५१ २८	४ ११ ४७
१३	६ २५ १०	८ ४१ २७	११ ०० ५५	१३ १९ ३३	१५ २३ ४३	१७ ०६ ११	१८ ३३ ४२	१९ ५८ ३८	२१ ३३ ४३	२३ २९ ०५	१ ४७ ३२	४ ०७ ५१
१४	६ २१ १४	८ ३७ ३१	१० ५६ ५९	१३ १५ ३७	१५ १९ ४७	१७ ०२ १५	१८ २९ ४६	१९ ५४ ४२	२१ २९ ४७	२३ २५ ०९	१ ४३ ३६	४ ०३ ५६
१५	६ १७ १९	८ ३३ ३६	१० ५३ ०४	१३ ११ ४२	१५ १५ ५१	१६ ५८ १९	१८ २५ ५१	१९ ५० ४६	२१ २५ ५१	२३ २१ १३	१ ३९ ४०	३ ६० ००
१६	६ १३ २३	८ २९ ४०	१० ४९ ०८	१३ ०७ ४५	१५ ११ ५५	१६ ५४ २३	१८ २१ ५५	१९ ४६ ५०	२१ २१ ५५	२३ १७ १७	१ ३५ ४४	३ ५६ ०४
१७	६ ०९ २७	८ २५ ४४	१० ४५ १२	१३ ०३ ४९	१५ ०७ ५९	१६ ५० २७	१८ १७ ५९	१९ ४२ ५४	२१ १७ ५९	२३ १३ २१	१ ३१ ४८	३ ५२ ०८
१८	६ ०५ ३१	८ २१ ४८	१० ४१ १६	१२ ५९ ५३	१५ ०४ ०३	१६ ४६ ३१	१८ १४ ०३	१९ ३८ ५८	२१ १४ ०४	२३ ०९ २६	१ २७ ५२	३ ४८ १२
१९	६ ०१ ३५	८ १७ ५२	१० ३७ २०	१२ ५५ ५७	१५ ०० ०७	१६ ४२ ३५	१८ १० ०७	१९ ३५ ०२	२१ १० ०८	२३ ०५ ३०	१ २३ ५६	३ ४४ १६
२०	५ ५७ ३९	८ १३ ५६	१० ३३ २४	१२ ५२ ०१	१४ ५६ ११	१६ ३८ ३९	१८ ०६ ११	१९ ३१ ०६	२१ ०६ १२	२३ ०१ ३४	१ २० ००	३ ४० २०
२१	५ ५३ ४३	८ १० ००	१० २९ २८	१२ ४८ ०६	१४ ५२ १६	१६ ३४ ४३	१८ ०२ १५	१९ २७ १०	२१ ०२ १६	२२ ५७ ३८	१ १६ ०४	३ ३६ २४
२२	५ ४९ ४७	८ ०६ ०४	१० २५ ३२	१२ ४४ १०	१४ ४८ २०	१६ ३० ४८	१७ ५८ १९	१९ २३ १४	२० ५८ २०	२२ ५३ ४२	१ १२ ०८	३ ३२ २८
२३	५ ४५ ५१	८ ०२ ०८	१० २१ ३६	१२ ४० १४	१४ ४४ २४	१६ २६ ५२	१७ ५४ २३	१९ १९ १९	२० ५४ २४	२२ ४९ ४६	१ ०८ १३	३ २८ ३२
२४	५ ४१ ५५	७ ५८ १२	१० १७ ४०	१२ ३६ १८	१४ ४० २८	१६ २२ ५६	१७ ५० २७	१९ १५ २३	२० ५० २८	२२ ४५ ५०	१ ०४ १७	३ २४ ३७
२५	५ ३८ ००	७ ५४ १७	१० १३ ४५	१२ ३२ २२	१४ ३६ ३२	१६ १९ ००	१७ ४६ ३१	१९ ११ २७	२० ४६ ३२	२२ ४१ ५४	१ ०० २१	३ २० ४१
२६	५ ३४ ०४	७ ५० २१	१० ०९ ४९	१२ २८ २६	१४ ३२ ३६	१६ १५ ०४	१७ ४२ ३६	१९ ०७ ३१	२० ४२ ३६	२२ ३७ ५८	० ५६ २५	३ १६ ४५
२७	५ ३० ०८	७ ४६ २५	१० ०५ ५३	१२ २४ ३०	१४ २८ ४०	१६ ११ ०८	१७ ३८ ४०	१९ ०३ ३५	२० ३८ ४०	२२ ३४ ०२	० ५२ २९	३ १२ ४९
२८	५ २६ १२	७ ४२ २९	१० ०१ ५७	१२ २० ३४	१४ २४ ४४	१६ ०७ १२	१७ ३४ ४४	१८ ५९ ३९	२० ३४ ४५	२२ ३० ०७	० ४८ ३३	३ ०८ ५३
२९	५ २२ १६	७ ३८ ३३	९ ५८ ०१	१२ १६ ३८	१४ २० ४८	१६ ०३ १६	१७ ३० ४८	१८ ५५ ४३	२० ३० ४९	२२ २६ ११	० ४४ ३७	३ ०४ ५७
३०	५ १८ २०	७ ३४ ३७	९ ५४ ०५	१२ १२ ४३	१४ १६ ५२	१५ ५९ २०	१७ २६ ५२	१८ ५१ ४७	२० २६ ५३	२२ २२ १५	० ४० ४१	३ ०१ ०१

अक्टूबर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
१	७ ३० ४१	९ ५० ०९	१२ ०८ ४७	१४ १२ ५७	१५ ५५ २४	१७ २२ ५६	१८ ४७ ५१	२० २२ ५७	२२ १८ १९	० ३६ ४५	२ ५७ ०५	५ १४ २४
२	७ २६ ४५	९ ४६ १३	१२ ०४ ५१	१४ ०९ ०१	१५ ५१ २८	१७ १९ ००	१८ ४३ ५५	२० १९ ०१	२२ १४ २३	० ३२ ४९	२ ५३ ०९	५ १० २८
३	७ २२ ४९	९ ४२ १७	१२ ०० ५५	१४ ०५ ०५	१५ ४७ ३३	१७ १५ ०४	१८ ३९ ५९	२० १५ ०५	२२ १० २७	० २८ ५४	२ ४९ १३	५ ०६ ३२
४	७ १८ ५३	९ ३८ २१	११ ५६ ५९	१४ ०१ ०९	१५ ४३ ३७	१७ ११ ०८	१८ ३६ ०४	२० ११ ०९	२२ ०६ ३१	० २४ ५८	२ ४५ १७	५ ०२ ३६
५	७ १४ ५८	९ ३४ २६	११ ५३ ०३	१३ ५७ १३	१५ ३९ ४१	१७ ०७ १२	१८ ३२ ०८	२० ०७ १३	२२ ०२ ३५	० १७ ०६	२ ४१ २२	४ ५८ ४१
६	७ ११ ०२	९ ३० ३०	११ ४९ ०७	१३ ५३ १७	१५ ३५ ४५	१७ ०३ १७	१८ २८ १२	२० ०३ १७	२१ ५८ ३९	० १३ १०	२ ३७ २६	४ ५४ ४५
७	७ ०७ ०६	९ २६ ३४	११ ४५ ११	१३ ४९ २१	१५ ३१ ४९	१६ ५९ २१	१८ २४ १६	१९ ५९ २१	२१ ५४ ४३	० ०९ १४	२ ३३ ३०	४ ५० ४९
८	७ ०३ १०	९ २२ ३८	११ ४१ १५	१३ ४५ २५	१५ २७ ५३	१६ ५५ २५	१८ २० २०	१९ ५५ २५	२१ ५० ४८	० ०५ १८	२ २९ ३४	४ ४६ ५३
९	६ ५९ १४	९ १८ ४२	११ ३७ १९	१३ ४१ २९	१५ २३ ५७	१६ ५१ २९	१८ १६ २४	१९ ५१ ३०	२१ ४६ ५२	० ०१ २२	२ २५ ३८	४ ४२ ५७
१०	६ ५५ १८	९ १४ ४६	११ ३३ २४	१३ ३७ ३३	१५ २० ०१	१६ ४७ ३३	१८ १२ २८	१९ ४७ ३४	२१ ४२ ५६	२३ ५७ २६	२ २१ ४२	४ ३९ ०१
११	६ ५१ २२	९ १० ५०	११ २९ २८	१३ ३३ ३७	१५ १६ ०५	१६ ४३ ३७	१८ ०८ ३२	१९ ४३ ३८	२१ ३९ ००	२३ ५३ ३०	२ १७ ४६	४ ३५ ०५
१२	६ ४७ २६	९ ०६ ५४	११ २५ ३२	१३ २९ ४२	१५ १२ ०९	१६ ३९ ४२	१८ ०४ ३६	१९ ३९ ४२	२१ ३५ ०४	२३ ४९ ३४	२ १३ ५०	४ ३१ ०९
१३	६ ४३ ३०	९ ०२ ५८	११ २१ ३६	१३ २५ ४६	१५ ०८ १४	१६ ३५ ४५	१८ ०० ४०	१९ ३५ ४६	२१ ३१ ०८	२३ ४५ ३९	२ ०९ ५४	४ २७ १३
१४	६ ३९ ३४	८ ५९ ०२	११ १७ ४०	१३ २१ ५०	१५ ०४ १८	१६ ३१ ४९	१७ ५६ ४५	१९ ३१ ५०	२१ २७ १२	२३ ४१ ४३	२ ०५ ५९	४ २३ १७
१५	६ ३५ ३९	८ ५५ ०७	११ १३ ४४	१३ १७ ५४	१५ ०० २२	१६ २७ ५३	१७ ५२ ४९	१९ २७ ५४	२१ २३ १६	२३ ३७ ४७	२ ०२ ०३	४ १९ २२
१६	६ ३१ ४३	८ ५१ ११	११ ०९ ४८	१३ १३ ५८	१४ ५६ २६	१६ २३ ५७	१७ ४८ ५३	१९ २३ ५८	२१ १९ २०	२३ ३३ ५१	१ ५८ ०७	४ १५ २६
१७	६ २७ ४७	८ ४७ १५	११ ०५ ५२	१३ १० ०२	१४ ५२ ३०	१६ २० ०२	१७ ४४ ५७	१९ २० ०२	२१ १५ २४	२३ २९ ५५	१ ५४ ११	४ ११ ३०
१८	६ २३ ५१	८ ४३ १९	११ ०१ ५६	१३ ०६ ०६	१४ ४८ ३४	१६ १६ ०६	१७ ४१ ०१	१९ १६ ०६	२१ ११ २९	२३ २५ ५९	१ ५० १५	४ ०७ ३४
१९	६ १९ ५५	८ ३९ २३	१० ५८ ००	१३ ०२ १०	१४ ४४ ३८	१६ १२ १०	१७ ३७ ०५	१९ १२ ११	२१ ०७ ३३	२३ २२ ०३	१ ४६ १९	४ ०३ ३८
२०	६ १५ ५९	८ ३५ २७	१० ५४ ०४	१२ ५८ १४	१४ ४० ४२	१६ ०८ १४	१७ ३३ ०९	१९ ०८ १५	२१ ०, ३७	२३ १८ ०७	१ ४२ २३	३ ५९ ४२
२१	६ १२ ०३	८ ३१ ३१	१० ५० ०९	१२ ५४ १८	१४ ३६ ४६	१६ ०४ १८	१७ २९ १३	१. ०४ १९	२० ५९ ४१	२३ १४ ११	१ ३८ २७	३ ५५ ४६
२२	६ ०८ ०७	८ २७ ३५	१० ४६ १३	१२ ५० २३	१४ ३२ ५०	१६ ०० २२	१७ २५ १७	१९ ०० २३	२० ५५ ४५	२३ १० १६	१ ३४ ३१	३ ५१ ५०
२३	६ ०४ ११	८ २३ ३९	१० ४२ १७	१२ ४६ २७	१४ २८ ५५	१५ ५६ २६	१७ २१ २१	१८ ५६ २७	२० ५१ ४९	२३ ०६ २०	१ ३० ३५	३ ४७ ५४
२४	६ ०० १५	८ १९ ४३	१० ३८ २१	१२ ४२ ३१	१४ २४ ५९	१५ ५२ ३०	१७ १७ २६	१८ ५२ ३१	२० ४७ ५३	२३ ०२ २४	१ २६ ४०	३ ४३ ५८
२५	५ ५६ २०	८ १५ ४८	१० ३४ २५	१२ ३८ ३५	१४ २१ ०३	१५ ४८ ३४	१७ १३ ३०	१८ ४८ ३५	२० ४३ ५७	२२ ५८ २८	१ २२ ४४	३ ४० ०३
२६	५ ५२ २४	८ ११ ५२	१० ३० २९	१२ ३४ ३९	१४ १७ ०७	१५ ४४ ३८	१७ ०९ ३४	१८ ४४ ३९	२० ४० ०१	२२ ५४ ३२	१ १८ ४८	३ ३६ ०७
२७	५ ४८ २८	८ ०७ ५६	१० २६ ३३	१२ ३० ४३	१४ १३ ११	१५ ४० ४३	१७ ०५ ३८	१८ ४० ४३	२० ३६ ०५	२२ ५० ३६	१ १४ ५२	३ ३२ ११
२८	५ ४४ ३२	८ ०४ ००	१० २२ ३७	१२ २६ ४७	१४ ०९ १५	१५ ३६ ४७	१७ ०१ ४२	१८ ३६ ४७	२० ३२ १०	२२ ४६ ४०	१ १० ५६	३ २८ १५
२९	५ ४० ३६	८ ०० ०४	१० १८ ४१	१२ २२ ५१	१४ ०५ १९	१५ ३२ ५१	१६ ५७ ४६	१८ ३२ ५२	२० २८ १४	२२ ४२ ४४	१ ०७ ००	३ २४ १९
३०	५ ३६ ४०	७ ५६ ०८	१० १४ ४५	१२ १८ ५५	१४ ०१ २३	१५ २८ ५५	१६ ५३ ५०	१८ २८ ५६	२० २४ १८	२२ ३८ ४८	१ ०३ ०४	३ २० २३
३१	५ ३२ ४४	७ ५२ १२	१० १० ५०	१२ १४ ५९	१३ ५७ २७	१५ २४ ५९	१६ ४९ ५४	१८ २५ ००	२० २० २२	२२ ३४ ५२	० ५९ ०८	३ १६ २७

नवम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
१	७ ४८ १६	१० ०६ ५४	१२ ११ ०४	१३ ५३ ३१	१५ २१ ०३	१६ ४५ ५८	१८ २१ ०४	२० १६ २६	२२ ३० ५७	० ५५ १२	३ १२ ३१	५ २८ ४८
२	७ ४४ २०	१० ०२ ५८	१२ ०७ ०८	१३ ४९ ३५	१५ १७ ०७	१६ ४२ ०२	१८ १७ ०८	२० १२ ३०	२२ २७ ०१	० ५१ १६	३ ०८ ३५	५ २४ ५२
३	७ ४० २४	९ ५९ ०२	१२ ०३ १२	१३ ४५ ४०	१५ १३ ११	१६ ३८ ०६	१८ १३ १२	२० ०८ ३४	२२ २३ ०५	० ४७ २१	३ ०४ ३९	५ २० ५६
४	७ ३६ २९	९ ५५ ०६	११ ५९ १६	१३ ४१ ४४	१५ ०९ १५	१६ ३४ ११	१८ ०९ १६	२० ०४ ३८	२२ १९ ०९	० ४३ २५	३ ०० ४४	५ १७ ०१
५	७ ३२ ३३	९ ५१ १०	११ ५५ २०	१३ ३७ ४८	१५ ०५ १९	१६ ३० १५	१८ ०५ २०	२० ०० ४२	२२ १५ १३	० ३९ २९	२ ५६ ४८	५ १३ ०५
६	७ २८ ३७	९ ४७ १४	११ ५१ २४	१३ ३३ ५२	१५ ०१ २४	१६ २६ १९	१८ ०१ २४	१९ ५६ ४६	२२ ११ १७	० ३५ ३३	२ ५२ ५२	५ ०९ ०९
७	७ २४ ४२	९ ४३ १८	११ ४७ २८	१३ २९ ५६	१४ ५७ २८	१६ २२ २३	१७ ५७ २८	१९ ५२ ५१	२२ ०७ २१	० ३१ ३७	२ ४८ ५६	५ ०५ १३
८	७ २० ४५	९ ३९ २२	११ ४३ ३२	१३ २६ ००	१४ ५३ ३२	१६ १८ २७	१७ ५३ ३३	१९ ४८ ५५	२२ ०३ २५	० २७ ४१	२ ४५ ००	५ ०१ १७
९	७ १६ ४९	९ ३५ २७	११ ३९ ३६	१३ २२ ०४	१४ ४९ ३६	१६ १४ ३१	१७ ४९ ३७	१९ ४४ ५९	२१ ५९ २९	० २३ ४५	२ ४१ ०४	४ ५७ २१
१०	७ १२ ५३	९ ३१ ३१	११ ३५ ४०	१३ १८ ०८	१४ ४५ ४०	१६ १० ३५	१७ ४५ ४१	१९ ४१ ०३	२१ ५५ ३४	० १५ ५३	२ ३७ ०८	४ ५३ २५
११	७ ०८ ५७	९ २७ ३५	११ ३१ ४५	१३ १४ १२	१४ ४१ ४४	१६ ०६ ३९	१७ ४१ ४५	१९ ३७ ०७	२१ ५१ ३८	० ११ ५७	२ ३३ १२	४ ४९ २९
१२	७ ०५ ०१	९ २३ ३९	११ २७ ४९	१३ १० १६	१४ ३७ ४८	१६ ०२ ४३	१७ ३७ ४९	१९ ३३ ११	२१ ४७ ४२	० ०८ ०२	२ २९ १६	४ ४५ ३३
१३	७ ०१ ०५	९ १९ ४३	११ २३ ५३	१३ ०६ २१	१४ ३३ ५२	१५ ५८ ४७	१७ ३३ ५३	१९ २९ १५	२१ ४३ ४६	० ०४ ०६	२ २५ २०	४ ४१ ३७
१४	६ ५७ १०	९ १५ ४७	११ १९ ५७	१३ ०२ २५	१४ २९ ५६	१५ ५४ ५२	१७ २९ ५७	१९ २५ १९	२१ ३९ ५०	० ०० १०	२ २१ २५	४ ३७ ४२
१५	६ ५३ १४	९ ११ ५१	११ १६ ०१	१२ ५८ २९	१४ २६ ००	१५ ५० ५६	१७ २६ ०१	१९ २१ २३	२१ ३५ ५४	२३ ५६ १४	२ १७ २९	४ ३३ ४६
१६	६ ४९ १८	९ ०७ ५५	११ १२ ०५	१२ ५४ ३३	१४ २२ ०५	१५ ४७ ००	१७ २२ ०५	१९ १७ २७	२१ ३१ ५८	२३ ५२ १८	२ १३ ३३	४ २९ ५०
१७	६ ४५ २२	९ ०३ ५९	११ ०८ ०९	१२ ५० ३७	१४ १८ ०९	१५ ४३ ०४	१७ १८ ०९	१९ १३ ३२	२१ २८ ०२	२३ ४८ २२	२ ०९ ३७	४ २५ ५४
१८	६ ४१ २६	९ ०० ०३	११ ०४ १३	१२ ४६ ४१	१४ १४ १३	१५ ३९ ०८	१७ १४ १४	१९ ०९ ३६	२१ २४ ०६	२३ ४४ २६	२ ०५ ४१	४ २१ ५८
१९	६ ३७ ३०	८ ५६ ०८	११ ०० १७	१२ ४२ ४५	१४ १० १७	१५ ३५ १२	१७ १० १८	१९ ०५ ४०	२१ २० १०	२३ ४० ३०	२ ०१ ४५	४ १८ ०२
२०	६ ३३ ३४	८ ५२ १२	१० ५६ २१	१२ ३८ ४९	१४ ०६ २१	१५ ३१ १६	१७ ०६ २२	१९ ०१ ४४	२१ १६ १४	२३ ३६ ३४	१ ५७ ४९	४ १४ ०६
२१	६ २९ ३८	८ ४८ १६	१० ५२ २६	१२ ३४ ५३	१४ ०२ २५	१५ २७ २०	१७ ०२ २६	१८ ५७ ४८	२१ १२ १९	२३ ३२ ३९	१ ५३ ५३	४ १० १०
२२	६ २५ ४२	८ ४४ २०	१० ४८ ३०	१२ ३० ५७	१३ ५८ २९	१५ २३ २४	१६ ५८ ३०	१८ ५३ ५२	२१ ०८ २३	२३ २८ ४३	१ ४९ ५७	४ ०६ १४
२३	६ २१ ४७	८ ४० २४	१० ४४ ३४	१२ २७ ०२	१३ ५४ ३३	१५ १९ २८	१६ ५४ ३४	१८ ४९ ५६	२१ ०४ २७	२३ २४ ४७	१ ४६ ०२	४ ०२ १९
२४	६ १७ ५१	८ ३६ २८	१० ४० ३८	१२ २३ ०६	१३ ५० ३७	१५ १५ ३३	१६ ५० ३८	१८ ४६ ००	२१ ०० ३१	२३ २० ५१	१ ४२ ०६	३ ५८ २३
२५	६ १३ ५५	८ ३२ ३२	१० ३६ ४२	१२ १९ १०	१३ ४६ ४२	१५ ११ ३७	१६ ४६ ४२	१८ ४२ ०४	२० ५६ ३५	२३ १६ ५५	१ ३८ १०	३ ५४ २७
२६	६ ०९ ५९	८ २८ ३६	१० ३२ ४६	१२ १५ १४	१३ ४२ ४५	१५ ०७ ४१	१६ ४२ ४६	१८ ३८ ०८	२० ५२ ३९	२३ १२ ५९	१ ३४ १४	३ ५० ३१
२७	६ ०६ ०३	८ २४ ४०	१० २८ ५०	१२ ११ १८	१३ ३८ ५०	१५ ०३ ४५	१६ ३८ ५०	१८ ३४ १३	२० ४८ ४३	२३ ०९ ०३	१ ३० १८	३ ४६ ३५
२८	६ ०२ ०७	८ २० ४४	१० २४ ५४	१२ ०७ २२	१३ ३४ ५४	१४ ५९ ४९	१६ ३४ ५५	१८ ३० १७	२० ४४ ४७	२३ ०५ ०७	१ २६ २२	३ ४२ ३९
२९	५ ५८ ११	८ १६ ४९	१० २० ५८	१२ ०३ २६	१३ ३० ५८	१४ ५५ ५३	१६ ३० ५९	१८ २६ २१	२० ४० ५१	२३ ०१ ११	१ २२ २६	३ ३८ ४३
३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

दिसम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
१	८ ०८ ५७	१० १३ ०७	११ ५५ ३४	१३ २३ ०६	१४ ४८ ०१	१६ २३ ०७	१८ १८ २९	२० ३३ ००	२२ ५३ २०	१ १४ ३४	३ ३० ५१	५ ५० १९
२	८ ०५ ०१	१० ०९ ११	११ ५१ ३८	१३ १९ १०	१४ ४४ ०५	१६ १९ ११	१८ १४ ३३	२० २९ ०४	२२ ४९ २४	१ १० ३८	३ २६ ५५	५ ४६ २३
३	८ ०१ ०५	१० ०५ १५	११ ४७ ४३	१३ १५ १४	१४ ४० ०९	१६ १५ १५	१८ १० ३७	२० २५ ०८	२२ ४५ २८	१ ०६ ४३	३ २३ ००	५ ४२ २८
४	७ ५७ ०९	१० ०१ १९	११ ४३ ४७	१३ ११ १८	१४ ३६ १४	१६ ११ १९	१८ ०६ ४१	२० २१ १२	२२ ४१ ३२	१ ०२ ४७	३ १९ ०४	५ ३८ ३२
५	७ ५३ १३	९ ५७ २३	११ ३९ ५१	१३ ०७ २२	१४ ३२ १८	१६ ०७ २३	१८ ०२ ४५	२० १७ १६	२२ ३७ ३६	० ५८ ५१	३ १५ ०८	५ ३४ ३६
६	७ ४९ १७	९ ५३ २७	११ ३५ ५५	१३ ०३ २६	१४ २८ २२	१६ ०३ २७	१७ ५८ ५०	२० १३ २०	२२ ३३ ४०	० ५४ ५५	३ ११ १२	५ ३० ४०
७	७ ४५ २१	९ ४९ ३१	११ ३१ ५९	१२ ५९ ३१	१४ २४ २६	१५ ५९ ३१	१७ ५४ ५४	२० ०९ २४	२२ २९ ४४	० ५० ५९	३ ०७ १६	५ २६ ४४
८	७ ४१ २६	९ ४५ ३५	११ २८ ०३	१२ ५५ ३५	१४ २० ३०	१५ ५५ ३६	१७ ५० ५८	२० ०५ २८	२२ २५ ४८	० ४७ ०३	३ ०३ २०	५ २२ ४८
९	७ ३७ ३०	९ ४१ ३९	११ २४ ०७	१२ ५१ ३९	१४ १६ ३४	१५ ५१ ४०	१७ ४७ ०२	२० ०१ ३३	२२ २१ ५२	० ४३ ०७	२ ५९ २४	५ १८ ५२
१०	७ ३३ ३४	९ ३७ ४४	११ २० ११	१२ ४७ ४३	१४ १२ ३८	१५ ४७ ४४	१७ ४३ ०६	१९ ५७ ३७	२२ १७ ५६	० ३९ ११	२ ५५ २८	५ १४ ५६
११	७ २९ ३८	९ ३३ ४८	११ १६ १५	१२ ४३ ४७	१४ ०८ ४२	१५ ४३ ४८	१७ ३९ १०	१९ ५३ ४१	२२ १४ ०१	० ३५ १५	२ ५१ ३२	५ ११ ००
१२	७ २५ ४२	९ २९ ५२	११ १२ १९	१२ ३९ ५१	१४ ०४ ४६	१५ ३९ ५२	१७ ३५ १४	१९ ४९ ४५	२२ १० ०५	० ३१ २०	२ ४७ ३७	५ ०७ ०५
१३	७ २१ ४६	९ २५ ५६	११ ०८ २४	१२ ३५ ५५	१४ ०० ५०	१५ ३५ ५६	१७ ३१ १८	१९ ४५ ४९	२२ ०६ ०९	० २७ २४	२ ४३ ४१	५ ०३ ०९
१४	७ १७ ५०	९ २२ ००	११ ०४ २८	१२ ३१ ५९	१३ ५६ ५५	१५ ३२ ००	१७ २७ २२	१९ ४१ ५३	२२ ०२ १३	० २३ २८	२ ३९ ४५	४ ५९ १३
१५	७ १३ ५४	९ १८ ०४	११ ०० ३२	१२ २८ ०३	१३ ५२ ५९	१५ २८ ०४	१७ २३ २६	१९ ३७ ५७	२१ ५८ १७	० १५ ३६	२ ३५ ४९	४ ५५ १७
१६	७ ०९ ५८	९ १४ ०८	१० ५६ ३६	१२ २४ ०८	१३ ४९ ०३	१५ २४ ०८	१७ १९ ३१	१९ ३४ ०१	२१ ५४ २१	० ११ ४०	२ ३१ ५३	४ ५१ २१
१७	७ ०६ ०२	९ १० १२	१० ५२ ४०	१२ २० १२	१३ ४५ ०७	१५ २० १२	१७ १५ ३५	१९ ३० ०५	२१ ५० २५	० ०७ ४४	२ २७ ५७	४ ४७ २५
१८	७ ०२ ०७	९ ०६ १६	१० ४८ ४४	१२ १६ १६	१३ ४१ ११	१५ १६ १७	१७ ११ ३९	१९ २६ १०	२१ ४६ २९	० ०३ ४८	२ २४ ०१	४ ४३ २९
१९	६ ५८ ११	९ ०२ २०	१० ४४ ४८	१२ १२ २०	१३ ३७ १५	१५ १२ २१	१७ ०७ ४३	१९ २२ १४	२१ ४२ ३३	२३ ५९ ५२	२ २० ०५	४ ३९ ३३
२०	६ ५४ १५	८ ५८ २५	१० ४० ५२	१२ ०८ २४	१३ ३३ १९	१५ ०८ २५	१७ ०३ ४७	१९ १८ १८	२१ ३८ ३८	२३ ५५ ५६	२ १६ ०९	४ ३५ ३७
२१	६ ५० १९	८ ५४ २९	१० ३६ ५६	१२ ०४ २८	१३ २९ २३	१५ ०४ २९	१६ ५९ ५१	१९ १४ २२	२१ ३४ ४२	२३ ५२ ०१	२ १२ १३	४ ३१ ४२
२२	६ ४६ २३	८ ५० ३३	१० ३३ ०१	१२ ०० ३२	१३ २५ २७	१५ ०० ३३	१६ ५५ ५५	१९ १० २६	२१ ३० ४६	२३ ४८ ०५	२ ०८ १८	४ २७ ४६
२३	६ ४२ २७	८ ४६ ३७	१० २९ ०५	११ ५६ ३६	१३ २१ ३१	१४ ५६ ३७	१६ ५१ ५९	१९ ०६ ३०	२१ २६ ५०	२३ ४४ ०९	२ ०४ २२	४ २३ ५०
२४	६ ३८ ३१	८ ४२ ४१	१० २५ ०९	११ ५२ ४०	१३ १७ ३६	१४ ५२ ४१	१६ ४८ ०३	१९ ०२ ३४	२१ २२ ५४	२३ ४० १३	२ ०० २६	४ १९ ५४
२५	६ ३४ ३५	८ ३८ ४५	१० २१ १३	११ ४८ ४४	१३ १३ ४०	१४ ४८ ४५	१६ ४४ ०८	१८ ५८ ३८	२१ १८ ५८	२३ ३६ १७	१ ५६ ३०	४ १५ ५८
२६	६ ३० ३९	८ ३४ ४९	१० १७ १७	११ ४४ ४८	१३ ०९ ४४	१४ ४४ ४९	१६ ४० १२	१८ ५४ ४२	२१ १५ ०२	२३ ३२ २१	१ ५२ ३४	४ १२ ०२
२७	६ २६ ४४	८ ३० ५३	१० १३ २१	११ ४० ५३	१३ ०५ ४८	१४ ४० ५३	१६ ३६ १६	१८ ५० ४६	२१ ११ ०६	२३ २८ २५	१ ४८ ३८	४ ०८ ०६
२८	६ २२ ४८	८ २६ ५७	१० ०९ २५	११ ३६ ५७	१३ ०१ ५२	१४ ३६ ५८	१६ ३२ २०	१८ ४६ ५१	२१ ०७ १०	२३ २४ २९	१ ४४ ४२	४ ०४ १०
२९	६ १८ ५२	८ २३ ०१	१० ०५ २९	११ ३३ ०१	१२ ५७ ५६	१४ ३३ ०२	१६ २८ २४	१८ ४२ ५५	२१ ०३ १४	२३ २० ३३	१ ४० ४६	४ ०० १४
३०	६ १४ ५६	८ १९ ०६	१० ०१ ३३	११ २९ ०५	१२ ५४ ००	१४ २९ ०६	१६ २४ २८	१८ ३८ ५९	२० ५९ १९	२३ १६ ३८	१ ३६ ५०	३ ५६ १८

जनवरी दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
१	८ १० १३	९ ५२ ४१	११ २० १३	१२ ४५ ०८	१४ २० १४	१६ १५ ३५	१८ ३० ०५	२० ५० २५	२३ ०७ ४४	१ २७ ५७	३ ४७ २५	६ ०६ ०३
२	८ ०६ १७	९ ४८ ४६	११ १६ १७	१२ ४१ १३	१४ १६ १८	१६ ११ ३९	१८ २६ १०	२० ४६ २९	२३ ०३ ४८	१ २४ ०१	३ ४३ २९	६ ०२ ०७
३	८ ०२ २१	९ ४४ ५०	११ १२ २२	१२ ३७ १७	१४ १२ २२	१६ ०७ ४३	१८ २२ १४	२० ४२ ३४	२२ ५९ ५३	१ २० ०५	३ ३९ ३३	५ ५८ ११
४	७ ५८ २५	९ ४० ५४	११ ०८ २६	१२ ३३ २१	१४ ०८ २६	१६ ०३ ४७	१८ १८ १८	२० ३८ ३८	२२ ५५ ५७	१ १६ १०	३ ३५ ३७	५ ५४ १५
५	७ ५४ ३०	९ ३६ ५८	११ ०४ ३०	१२ २९ २५	१४ ०४ ३०	१५ ५९ ५२	१८ १४ २२	२० ३४ ४२	२२ ५२ ०१	१ १२ १४	३ ३१ ४२	५ ५० १९
६	७ ५० ३४	९ ३३ ०२	११ ०० ३४	१२ २५ २९	१४ ०० ३४	१५ ५५ ५६	१८ १० २६	२० ३० ४६	२२ ४८ ०५	१ ०८ १८	३ २७ ४६	५ ४६ २३
७	७ ४६ ३८	९ २९ ०६	१० ५६ ३८	१२ २१ ३३	१३ ५६ ३८	१५ ५२ ००	१८ ०६ ३०	२० २६ ५०	२२ ४४ ०९	१ ०४ २२	३ २३ ५०	५ ४२ २७
८	७ ४२ ४२	९ २५ १०	१० ५२ ४२	१२ १७ ३७	१३ ५२ ४२	१५ ४८ ०४	१८ ०२ ३४	२० २२ ५४	२२ ४० १३	१ ०० २६	३ १९ ५४	५ ३८ ३१
९	७ ३८ ४६	९ २१ १४	१० ४८ ४६	१२ १३ ४१	१३ ४८ ४६	१५ ४४ ०८	१७ ५८ ३८	२० १८ ५८	२२ ३६ १७	० ५६ ३०	३ १५ ५८	५ ३४ ३५
१०	७ ३४ ५०	९ १७ १८	१० ४४ ५०	१२ ०९ ४५	१३ ४४ ५१	१५ ४० १२	१७ ५४ ४२	२० १५ ०२	२२ ३२ २१	० ५२ ३४	३ १२ ०२	५ ३० ४०
११	७ ३० ५४	९ १३ २३	१० ४० ५४	१२ ०५ ५०	१३ ४० ५५	१५ ३६ १६	१७ ५० ४७	२० ११ ०६	२२ २८ २५	० ४८ ३८	३ ०८ ०६	५ २६ ४४
१२	७ २६ ५८	९ ०९ २७	१० ३६ ५८	१२ ०१ ५४	१३ ३६ ५९	१५ ३२ २०	१७ ४६ ५१	२० ०७ १०	२२ २४ ३०	० ४४ ४२	३ ०४ १०	५ २२ ४८
१३	७ २३ ०२	९ ०५ ३१	१० ३३ ०३	११ ५७ ५८	१३ ३३ ०३	१५ २८ २४	१७ ४२ ५५	२० ०३ १५	२२ २० ३४	० ४० ४७	३ ०० १४	५ १८ ५२
१४	७ १९ ०६	९ ०१ ३५	१० २९ ०७	११ ५४ ०२	१३ २९ ०७	१५ २४ २९	१७ ३८ ५९	१९ ५९ १९	२२ १६ ३८	० ३६ ५१	२ ५६ १९	५ १४ ५६
१५	७ १५ ११	८ ५७ ३९	१० २५ ११	११ ५० ०६	१३ २५ ११	१५ २० ३३	१७ ३५ ०३	१९ ५५ २३	२२ १२ ४२	० ३२ ५५	२ ५२ २३	५ ११ ००
१६	७ ११ १५	८ ५३ ४३	१० २१ १५	११ ४६ १०	१३ २१ १५	१५ १६ ३७	१७ ३१ ०७	१९ ५१ २७	२२ ०८ ४६	० २८ ५९	२ ४८ २७	५ ०७ ०४
१७	७ ०७ १९	८ ४९ ४७	१० १७ १९	११ ४२ १४	१३ १७ १९	१५ १२ ४१	१७ २७ ११	१९ ४७ ३१	२२ ०४ ५०	० २१ ०७	२ ४४ ३१	५ ०३ ०८
१८	७ ०३ २३	८ ४५ ५१	१० १३ २३	११ ३८ १८	१३ १३ २३	१५ ०८ ४५	१७ २३ १५	१९ ४३ ३५	२२ ०० ५४	० १७ ११	२ ४० ३५	४ ५९ १३
१९	६ ५९ २७	८ ४१ ५५	१० ०९ २७	११ ३४ २२	१३ ०९ २७	१५ ०४ ४९	१७ १९ १९	१९ ३९ ३९	२१ ५६ ५८	० १३ १५	२ ३६ ३९	४ ५५ १७
२०	६ ५५ ३१	८ ३७ ५९	१० ०५ ३१	११ ३० २६	१३ ०५ ३२	१५ ०० ५३	१७ १५ २४	१९ ३५ ४३	२१ ५३ ०२	० ०९ १९	२ ३२ ४३	४ ५१ २१
२१	६ ५१ ३५	८ ३४ ०३	१० ०१ ३५	११ २६ ३०	१३ ०१ ३६	१४ ५६ ५७	१७ ११ २८	१९ ३१ ४७	२१ ४९ ०६	० ०५ २३	२ २८ ४७	४ ४७ २५
२२	६ ४७ ३९	८ ३० ०८	९ ५७ ३९	११ २२ ३५	१२ ५७ ४०	१४ ५३ ०१	१७ ०७ ३२	१९ २७ ५२	२१ ४५ ११	० ०१ २८	२ २४ ५१	४ ४३ २९
२३	६ ४३ ४३	८ २६ १२	९ ५३ ४४	११ १८ ३९	१२ ५३ ४४	१४ ४९ ०५	१७ ०३ ३६	१९ २३ ५६	२१ ४१ १५	२३ ५७ ३२	२ २० ५५	४ ३९ ३३
२४	६ ३९ ४७	८ २२ १६	९ ४९ ४८	११ १४ ४३	१२ ४९ ४८	१४ ४५ १०	१६ ५९ ४०	१९ २० ००	२१ ३७ १९	२३ ५३ ३६	२ १७ ००	४ ३५ ३७
२५	६ ३५ ५२	८ १८ २०	९ ४५ ५२	११ १० ४७	१२ ४५ ५२	१४ ४१ १४	१६ ५५ ४४	१९ १६ ०४	२१ ३३ २३	२३ ४९ ४०	२ १३ ०४	४ ३१ ४१
२६	६ ३१ ५६	८ १४ २४	९ ४१ ५६	११ ०६ ५१	१२ ४१ ५६	१४ ३७ १८	१६ ५१ ४८	१९ १२ ०८	२१ २९ २७	२३ ४५ ४४	२ ०९ ०८	४ २७ ४५
२७	६ २८ ००	८ १० २८	९ ३८ ००	११ ०२ ५५	१२ ३८ ००	१४ ३३ २२	१६ ४७ ५२	१९ ०८ १२	२१ २५ ३१	२३ ४१ ४८	२ ०५ १२	४ २३ ४९
२८	६ २४ ०४	८ ०६ ३२	९ ३४ ०४	१० ५८ ५९	१२ ३४ ०४	१४ २९ २६	१६ ४३ ५६	१९ ०४ १६	२१ २१ ३५	२३ ३७ ५२	२ ०१ १६	४ १९ ५४
२९	६ २० ०८	८ ०२ ३६	९ ३० ०८	१० ५५ ०३	१२ ३० ०८	१४ २५ ३०	१६ ४० ००	१९ ०० २०	२१ १७ ३९	२३ ३३ ५६	१ ५७ २०	४ १५ ५८
३०	६ १६ १२	७ ५८ ४०	९ २६ १२	१० ५१ ०७	१२ २६ १३	१४ २१ ३४	१६ ३६ ०५	१८ ५६ २४	२१ १३ ४३	२३ ३० ००	१ ५३ २४	४ १२ ०२
३१	६ १२ १६	७ ५४ ४४	९ २२ १६	१० ४७ ११	१२ २२ १७	१४ १७ ३८	१६ ३२ ०९	१८ ५२ २८	२१ ०९ ४७	२३ २६ ०४	१ ४९ २८	४ ०८ ०६

फरवरी दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन
१	७ ५० ४९	९ १८ २०	१० ४३ १६	१२ १८ २१	१४ १३ ४२	१६ २८ १३	१८ ४८ ३३	२१ ०५ ५२	२३ २२ ०९	१ ४५ ३२	४ ०४ १०	६ ०८ २०
२	७ ४६ ५३	९ १४ २४	१० ३९ २०	१२ १४ २५	१४ ०९ ४६	१६ २४ १७	१८ ४४ ३७	२१ ०१ ५६	२३ १८ १३	१ ४१ ३६	४ ०० १४	६ ०४ २४
३	७ ४२ ५७	९ १० २९	१० ३५ २४	१२ १० २९	१४ ०५ ५१	१६ २० २१	१८ ४० ४१	२० ५८ ००	२३ १४ १७	१ ३७ ४१	३ ५६ १८	६ ०० २८
४	७ ३९ ०१	९ ०६ ३३	१० ३१ २८	१२ ०६ ३३	१४ ०१ ५५	१६ १६ २५	१८ ३६ ४५	२० ५४ ०४	२३ १० २१	१ ३३ ४५	३ ५२ २२	५ ५६ ३३
५	७ ३५ ०५	९ ०२ ३७	१० २७ ३२	१२ ०२ ३७	१३ ५७ ५९	१६ १२ २९	१८ ३२ ४९	२० ५० ०८	२३ ०६ २५	१ २९ ४९	३ ४८ २६	५ ५२ ३७
६	७ ३१ ०९	८ ५८ ४१	१० २३ ३६	११ ५८ ४१	१३ ५४ ०३	१६ ०८ ३३	१८ २८ ५३	२० ४६ १२	२३ ०२ २९	१ २५ ५३	३ ४४ ३१	५ ४८ ४१
७	७ २७ १३	८ ५४ ४५	१० १९ ४०	११ ५४ ४५	१३ ५० ०७	१६ ०४ ३७	१८ २४ ५७	२० ४२ १६	२२ ५८ ३३	१ २१ ५७	३ ४० ३५	५ ४४ ४५
८	७ २३ १७	८ ५० ४९	१० १५ ४४	११ ५० ४९	१३ ४६ ११	१६ ०० ४१	१८ २१ ०१	२० ३८ २०	२२ ५४ ३७	१ १८ ०१	३ ३६ ३९	५ ४० ४९
९	७ १९ २१	८ ४६ ५३	१० ११ ४८	११ ४६ ५४	१३ ४२ १५	१५ ५६ ४६	१८ १७ ०५	२० ३४ २४	२२ ५० ४१	१ १४ ०५	३ ३२ ४३	५ ३६ ५३
१०	७ १५ २५	८ ४२ ५७	१० ०७ ५२	११ ४२ ५८	१३ ३८ १९	१५ ५२ ५०	१८ १३ ०९	२० ३० २९	२२ ४६ ४५	१ १० ०९	३ २८ ४७	५ ३२ ५७
११	७ ११ ३०	८ ३९ ०१	१० ०३ ५७	११ ३९ ०२	१३ ३४ २३	१५ ४८ ५४	१८ ०९ १४	२० २६ ३३	२२ ४२ ५०	१ ०६ १३	३ २४ ५१	५ २९ ०१
१२	७ ०७ ३४	८ ३५ ०५	१० ०० ०१	११ ३५ ०६	१३ ३० २७	१५ ४४ ५८	१८ ०५ १८	२० २२ ३७	२२ ३८ ५४	१ ०२ १८	३ २० ५५	५ २५ ०५
१३	७ ०३ ३८	८ ३१ १०	९ ५६ ०५	११ ३१ १०	१३ २६ ३२	१५ ४१ ०२	१८ ०१ २२	२० १८ ४१	२२ ३४ ५८	० ५८ २२	३ १६ ५९	५ २१ ०९
१४	६ ५९ ४२	८ २७ १४	९ ५२ ०९	११ २७ १४	१३ २२ ३६	१५ ३७ ०६	१७ ५७ २६	२० १४ ४५	२२ ३१ ०२	० ५४ २६	३ १३ ०३	५ १७ १४
१५	६ ५५ ४६	८ २३ १८	९ ४८ १३	११ २३ १८	१३ १८ ४०	१५ ३३ १०	१७ ५३ ३०	२० १० ४९	२२ २७ ०६	० ५० ३०	३ ०९ ०७	५ १३ १८
१६	६ ५१ ५०	८ १९ २२	९ ४४ १७	११ १९ २२	१३ १४ ४४	१५ २९ १४	१७ ४९ ३४	२० ०६ ५३	२२ २३ १०	० ४६ ३४	३ ०५ ११	५ ०९ २२
१७	६ ४७ ५४	८ १५ २६	९ ४० २१	११ १५ २६	१३ १० ४८	१५ २५ १८	१७ ४५ ३८	२० ०२ ५७	२२ १९ १४	० ४२ ३८	३ ०१ १६	५ ०५ २६
१८	६ ४३ ५८	८ ११ ३०	९ ३६ २५	११ ११ ३०	१३ ०६ ५२	१५ २१ २२	१७ ४१ ४२	१९ ५९ ०१	२२ १५ १८	० ३८ ४२	२ ५७ २०	५ ०१ ३०
१९	६ ४० ०२	८ ०७ ३४	९ ३२ २९	११ ०७ ३५	१३ ०२ ५६	१५ १७ २७	१७ ३७ ४६	१९ ५५ ०५	२२ ११ २२	० ३४ ४६	२ ५३ २४	४ ५७ ३४
२०	६ ३६ ०६	८ ०३ ३८	९ २८ ३३	११ ०३ ३९	१२ ५९ ००	१५ १३ ३१	१७ ३३ ५१	१९ ५१ १०	२२ ०७ २६	० ३० ५०	२ ४९ २८	४ ५३ ३८
२१	६ ३२ ११	७ ५९ ४२	९ २४ ३८	१० ५९ ४३	१२ ५५ ०४	१५ ०९ ३५	१७ २९ ५५	१९ ४७ १४	२२ ०३ ३१	० २६ ५४	२ ४५ ३२	४ ४९ ४२
२२	६ २८ १५	७ ५५ ४६	९ २० ४२	१० ५५ ४७	१२ ५१ ०८	१५ ०५ ३९	१७ २५ ५९	१९ ४३ १८	२१ ५९ ३५	० १९ ०३	२ ४१ ३६	४ ४५ ४६
२३	६ २४ १९	७ ५१ ५१	९ १६ ४६	१० ५१ ५१	१२ ४७ १३	१५ ०१ ४३	१७ २२ ०३	१९ ३९ २२	२१ ५५ ३९	० १५ ०७	२ ३७ ४०	४ ४१ ५०
२४	६ २० २३	७ ४७ ५५	९ १२ ५०	१० ४७ ५५	१२ ४३ १७	१४ ५७ ४७	१७ १८ ०७	१९ ३५ २६	२१ ५१ ४३	० ११ ११	२ ३३ ४४	४ ३७ ५५
२५	६ १६ २७	७ ४३ ५९	९ ०८ ५४	१० ४३ ५९	१२ ३९ २१	१४ ५३ ५१	१७ १४ ११	१९ ३१ ३०	२१ ४७ ४७	० ०७ १५	२ २९ ४८	४ ३३ ५९
२६	६ १२ ३१	७ ४० ०३	९ ०४ ५८	१० ४० ०३	१२ ३५ २५	१४ ४९ ५५	१७ १० १५	१९ २७ ३४	२१ ४३ ५१	० ०३ १९	२ २५ ५२	४ ३० ०३
२७	६ ०८ ३५	७ ३६ ०७	९ ०१ ०२	१० ३६ ०७	१२ ३१ २९	१४ ४५ ५९	१७ ०६ १९	१९ २३ ३८	२१ ३९ ५५	२३ ५९ २३	२ २१ ५७	४ २६ ०७
२८	६ ०४ ३९	७ ३२ ११	८ ५७ ०६	१० ३२ ११	१२ २७ ३३	१४ ४२ ०३	१७ ०२ २३	१९ १९ ४२	२१ ३५ ५९	२३ ५५ २७	२ १८ ०१	४ २२ ११

सूर्योदयास्त एवं दिनमान गणित प्रकार

सूर्योदयास्त ज्ञात करने के लिए निम्न उपकरणों की आवश्यकता होती है—

१. रवि क्रांति—यह पृष्ठ ९५ पर दी गई है। रवि क्रांति सारिणी से अभीष्ट तारीख की सहायता से ज्ञात हो जाएगी।

२. चर—चर सारिणी पृष्ठ ९३-९४ पर दी गई है। सारिणी से जन्म स्थान के अक्षांश व रवि क्रांति की सहायता से अनुपात द्वारा मिनट-सेकेण्ड में चर ज्ञात होंगे। यदि रवि क्रांति व अभीष्ट नगर के अक्षांश दोनों उत्तर के हों तो ६ घंटे में से चर मिनट-सेकेण्ड घटाने पर स्थानीय (लोकल) सूर्योदय एवं ६ घं. में चर मि. सेकेण्ड जोड़ने पर स्थानीय (लोकल) सूर्यास्त ज्ञात होगा। यदि रवि क्रांति दक्षिण हो एवं अभीष्ट नगर के अक्षांश उत्तर हों तो ६ घंटे में चर मिनट सेकेण्ड को जोड़ने पर स्थानीय (लोकल) सूर्योदय एवं ६ घंटे में से चर मिनट सेकेण्ड घटाने पर स्थानीय (लोकल) सूर्यास्त ज्ञात होगा। नोट—चर सारिणी चरांतर सारिणी से भिन्न है।

३. अक्षांश व स्टैण्डर्ड अंतर—अक्षांश व स्टैण्डर्ड अन्तर पृष्ठ ९७-१०० पर दी गई अक्षांशादि सारिणी से अभीष्ट नगर के अक्षांश व स्टैण्डर्ड अंतर मिनट-सेकेण्ड में ज्ञात किए जा सकते हैं। यदि स्टैण्डर्ड अंतर धन हो तो स्थानीय (लोकल) सूर्योदयास्त में स्टैण्डर्ड अंतर घटाएं और यदि स्टैण्डर्ड अंतर ऋण हो तो प्राप्त स्थानीय (लोकल) सूर्योदयास्त में जोड़ें तो अभीष्ट स्थान के मध्याह्न स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त ज्ञात होंगे।

४. वेलान्तर—वेलांतर सारिणी पृष्ठ ९५ पर दी गई मास तारीखों परि वेलांतरम् सारिणी से अभीष्ट तारीख व माह की सहायता से ज्ञात किए जा सकते हैं। इनको मध्याह्न सूर्योदयास्त में चिन्हानुसार जोड़ने घटाने से स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में अभीष्ट तारीख के अभीष्ट स्थान के सूर्योदयास्त ज्ञात होंगे।

५. दिनमान—प्राप्त चर मिनट सेकेण्ड को ५ से गुणा करने पर पल होंगे यदि सूर्योदय निकालने के लिए ६ घंटे में चर के मिनट-सेकेण्ड जोड़े हों तो यहां पर इन पलों को ३० घटी में से घटा देंगे और यदि चर मि. से बने सूर्योदय निकालने के लिए ६ घंटे में से चर मिनट सेकेण्ड को घटाए हों तो प्राप्त पलों को ३० घटी में जोड़ने पर अभीष्ट नगर का दिन मान प्राप्त होगा। दिनमान को ६० घटी में से घटाने पर रात्रिमान प्राप्त होगा।

उदाहरण—१. नागपुर में १२ अक्टूबर का सूर्योदयास्त एवं दिनमान निकालना है। नागपुर अक्षांश २१।०९ स्टैण्डर्ड अंतर-१३।३६, १२ अक्टू. की रवि क्रांति ०७।१२ दक्षिण, वेलांतर -१३।२१, चर-सारिणी में ऊपर आड़ी पंक्ति में रवि क्रांति व खड़ी बांई ओर की पंक्ति में अक्षांश हैं।

मि. से.

अक्षांश २१ व रवि क्रांति ७ का चर — १०।४८

अक्षांश २१ व रवि क्रांति ८ का चर से — १२।२२ — १२।२२

अक्षांश २१ व रवि क्रांति ७ का चर घटाया — - १०।४८

अंतर — १।३४

सेकेण्ड बनाये १×६०+३४=९४ सेकेण्ड

हमें रवि क्रांति में १२ कला का मान चाहिए

६० कला में ९४ सेकेण्ड चर बढ़ता है तो १२ कला में कितना बढ़ेगा।

९४×१२=११२८÷६०=१८ सेकेण्ड ४८ प्रति सेकेण्ड या १९ सेकेण्ड की वृद्धि होगी।

मि.से.

अक्षांश २२ व रवि क्रांति ७ का चर से — ११।२२

अक्षांश २१ व रवि क्रांति ७ का चर घटाया — १०।४८

अंतर — =०।३४

अत: अक्षांश बढ़ने पर ३४ सेकेण्ड की वृद्धि होती है।

हमें अक्षांश में ९ कला का मान चाहिए।

६० कला में ३४ सेकेण्ड चर बढ़ता है तो ९ कला में कितना चर बढ़ेगा?

३४×९=३०६÷६०=५ सेकेण्ड ६ प्रति सेकेण्ड या ५ सेकेण्ड की वृद्धि होगी।

मि.से.

अक्षांक्ष की २१ व रवि क्रांति ७ का चर — १०।४८

रवि क्रांति १२ कला का मान (वृद्धि होने से धन) — +०।१९

अक्षांश ९ कला का मान (वृद्धि होने से धन) — +०।०५

अक्षांश २१।०९ व रवि क्रांति ७।१२ का सूक्ष्म शुद्ध चर — ११।१२

यदि कोई इतनी लम्बी क्रिया की उलझन से बचना चाहे तो सीधे १०।४८ चर ग्रहण कर सकते हैं। ऊपर बताई गई विधि तो सूक्ष्म गणितार्थियों के लिए है।

रवि क्रांति दक्षिण होने से चर ११ मिनट १२ सेकेण्ड धन होंगे।

उदाहरण २—मद्रास में २० जून का सूर्योदयास्त व दिनमान ज्ञात करना है। मद्रास

प्राप्त होगा। रवि क्रांति दक्षिण होने से चर ११ मिनट १२ सेकेण्ड धन होंगे।

सूर्योदय

	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	+० ।११ ।१२
लोकल सूर्योदय	६ ।११ ।१२
लोकल सूर्योदय	६ ।११ ।१२
स्टैं. अंतर धन होगा	+० ।१३ ।३६
मध्याह्न सूर्योदय	६ ।२४ ।४८
वेलांतर	—० ।१३ ।२१
स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में सूर्योदय प्राप्त हुआ।	६ ।११ ।२७

सूर्यास्त

	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	— ० ।११ ।१२
लोकल सूर्यास्त	५ ।४८ ।४८
लोकल सूर्यास्त	५ ।४८ ।४८
स्टैण्डर्ड अंतर धन होगा	+ ० ।१३ ।३६
मध्याह्न सूर्यास्त	६ ।०२ ।२४
वेलांतर	—० ।१३ ।२१
स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में सूर्यास्त प्राप्त हुआ।	५ ।४९ ।०३

दिनमान — आए हुए चर ११ मिनट १२ सेकेण्ड को ५ से गुणा किया

११ ।१२ × ५=५५ ।६० या ५६ पल

सूर्योदय में चर जोड़ा गया था। अत: यहां ये पल मध्याह्न दिनमान ३० घटी में से घट जावेंगे।

मध्याह्न दिनमान	३० ।००
चर पल	— ० ।५६
दिनमान नागपुर	२९ ।०४

रात्रिमान—

अहोरात्र	६० ।००
दिनमान	— २९ ।०४
रात्रिमान	३० ।५६

उदाहरण २—मद्रास में २० जून का सूर्योदयास्त व दिनमान ज्ञात करना है। मद्रास अक्षांश १३ ।०५ उत्तर, स्टैण्डर्ड अंतर—८ ।५२, रवि क्रांति २३ ।२६ उत्तर, वेलांतर + १ ।१४

	मि.से.
अक्षांश १३ व रवि क्रांति २३ का चर	२२ ।३०
(अक्षांश ५ कला का अनुपात से चर पूर्व की विधि से)	+०० ।०८
रवि क्रांति २६ कला का अनुपात से चर	+०० ।३४
अक्षांश १३ ।०५ एवं रवि क्रांति २३ ।२६ का सूक्ष्म शुद्ध चर	२३ ।१२

रवि क्रांति उत्तर होने से चर २३ मिनट १२ सेकेण्ड धन होंगे।

सूर्योदय

	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	— ० ।२३ ।१२
लोकल सूर्योदय	५ ।३६ ।४८
लोकल सूर्योदय	५ ।३६ ।४८
स्टैं. अंतर धन होगा	+ ० ।०८ ।५२
मध्याह्न सूर्योदय	५ ।४५ ।४०
वेलांतर	+ ० ।०१ ।१४
स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में सूर्योदय प्राप्त हुआ	५ ।४६ ।५४

सूर्यास्त

	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	+० ।२३ ।१२
लोकल सूर्यास्त	६ ।२३ ।१२
लोकल सूर्यास्त	६ ।२३ ।१२
स्टैण्डर्ड अंतर धन होगा	+ ० ।०८ ।५२
मध्याह्न सूर्यास्त	६ ।३२ ।०४
वेलांतर	+ ० ।०१ ।१४
स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में सूर्यास्त प्राप्त हुआ।	६ ।३३ ।१८

दिनमान- चर मिनट सेकेण्ड २३ ।१२×५=११५ ।६० (११५ पल ६० विपल या १ घटी ५६ पल पूर्व में ६ घंटे में चरांतर घटाया इससे यहां ये घटी पल ३० घटी में जुड़ेंगे।)

मध्याह्न दिनमान	३० ।००	**रात्रिमान**— अहोरात्र	६० ।००
चर पल	+०१ ।५६	दिनमान	— ३१ ।५६
दिनमान मद्रास	३१ ।५६	रात्रिमान	२८ ।०४

इष्टकाल बनाने की विधि

आजकल समय जिन घड़ियों में देखा जाता है उनमें घण्टों की गिनती मध्याह्न १२ बजे के बाद तथा मध्यरात्रि के बाद १ से १२ तक होती है, दिन २४ घंटे का होता है। जन्म समय इसी के अनुसार घंटे-मिनटों में बताया जाता है। तारीख रात को १२ बजे के बाद बदल जाती है, जबकि वार सूर्योदय से आरम्भ होता है। अब यदि किसी का जन्म सायंकाल ५ बजकर ३५ मिन पर हुआ है तो इसका अभिप्राय यह होता है कि मध्याह्न के बाद ५ घंटे ३५ मि. बीत गए हैं। लग्न निकालने के लिए हमें सूर्योदय का समय जानने की आवश्यकता होती है, क्योंकि हमारा दिन सूर्योदय से आरम्भ होता है। सूर्योदय का समय हर स्थान का अलग-अलग होता है। पृथ्वी अपनी धुरी पर लगभग २४ घण्टे में एक बार घूम जाती है (२३ घण्टे ५६ मि. १५ सै.) और ३६५ दिन ६ घण्टे ९ सै. में सूर्य का एक चक्कर पूरा करती है। आकाशीय क्रान्ति वृत्त की बारहों राशियां २४ घंटे में इसके सामने से निकलती हैं। बारह राशियों में से जो राशि पृथ्वी के उस भाग के क्षितिज पर होती है, वह उस समय की लग्न होती है। सूर्य जिस राशि के जितने अंश पर होता है, सूर्योदय के समय क्षितिज पर वही राशि उतने ही अंशों पर उदय होती है और जैसे-जैसे सूर्य आकाश में चढ़ता जाता है क्षितिज पर आगे की राशियाँ उदय होती जाती हैं। पूर्वी क्षितिज पर जो राशि होती है वही उस समय की लग्न कहलाती है। क्षितिज उस स्थान को कहते हैं जहां पृथ्वी और आकाश मिलते दिखाई देते हैं। सूर्य पूर्वी क्षितिज पर उदय होता है और पश्चिमी क्षितिज पर अस्त होता है। किसी समय की लग्न जानने के लिए उस स्थान का सूर्योदय जानना जरूरी होता है।

सूर्योदय से जन्म समय या प्रश्न समय अथवा इष्ट समय तक के काल को इष्टकाल कहते हैं। यह अवधि घण्टे-मिनटों में नहीं बल्कि घड़ी-पलों में होती है। इस प्रकार इष्टकाल निकालना बहुत सरल है। जन्म समय में से सूर्योदय घटाकर ढाई से गुना कर देने से इष्टकाल आ जाता है। ध्यान रखने की बात यह है कि सूर्योदय काल यदि I.S.T (भा.मा.स.) में है तो जन्म समय भी I.S.T में होना चाहिये। यदि एक समय में I.S.T में और दूसरा L.T. में है तो दोनों को समान करना पड़ेगा। इसके कुछ उदाहरण नीचे देखिए।

उदाहरण (१)—मान लो आप को २५ जून को प्रातः ११-३५ पर दिल्ली में जन्मे व्यक्ति का इष्टकाल जानना है तो आर्यभट्ट पंचांग से २५ जून का सूर्योदय लिया। आर्यभट्ट पंचांग दिल्ली के अक्षांश पर बनाया गया है और इसमें दिया सूर्योदय I.S.T. (भा.मा.स.) में है। २५ जून का सूर्योदय ५-२६ है। ध्यान रहे कि सूर्योदय भी भारतीय स्टैण्डर्ड समय में दिया गया है और जन्म समय भी भा. स्टै.टा. में है। इसलिए इस गणित में दिल्ली का भा. स्टै. टा. से स्थानीय अन्तर २१ मि. ४ सै. घटाने की आवश्यकता नहीं होती। कुछ ज्योतिषी अकारण इस गणित में स्थानीय अन्तर घटा-बढ़ा कर अर्थ का अनर्थ कर देते हैं। स्थानीय अन्तर का ऋण धन संस्कार दिनमान से इष्टकाल निकालते समय किया जाता है।

		घं.	मि.	
(१)	२५ जून को जन्म समय	११	३५	भा.स्टै. टा.
(२)	२५ जून का सूर्योदय घटाया	—५	२६	,,
		६	०९	,,
	६.९ को ढाई से गुना किया	६	०९	
		३	०४	३०
	इष्टकाल घटी पल विपल में	१५	२२	३०

उदाहरण (२)—दिल्ली जन्म स्थान

१० सितम्बर को सायं ८-४५ का इष्टकाल निकालना

सायंकाल ८-४५ में १२ जोड़कर २०-४५ लिखा जाता है।

		घं.	मि.	
(१)	१० सितम्बर को जन्म समय मध्याह्न के बाद के समय में १२ जोड़कर लिखें।	२०	४५	भा.स्टै.टा.
(२)	१० सितम्बर का दिल्ली का सूर्योदय घटाया	—६	०५	,,
	शेष १४-३७ को ढाई गुना किया	१४	४०	
		१४	४०	
		७	२०	३०
(३)	इष्टकाल घटी पल विपल में	३६	४०	३०

६० विपल का एक पल, ६० पल की एक घड़ी और ६० घड़ी का अहोरात्रि (पूरा दिन-रात) होता है।

उदाहरण (३)—१२ दिसम्बर को मध्यरात्रि के बाद १३ दिसम्बर में ५-२१ पर दिल्ली में जन्मे व्यक्ति का इष्टकाल निकालना है। मध्यरात्रि के बाद के घण्टों में २४ जमा करके लिखा जाता है। जन्म समय से पहले का सूर्योदय १२ दिसम्बर का लिया जायेगा।

	घं.	मि.	भा.स्टै.टा.
जन्म समय मध्यरात्रि उपरान्त १३ दिसम्बर	५	२१	
२४ जमा करके लिखा	२९	२१	
सूर्योदय १२ दिसम्बर का घटाया	—७	०६	,,
शेष २२ घण्टे १३ मिनट के घड़ी पल बनाये	२२	१५	शेष
ढाई गुना किया	२२	१५	
	११	०७	३०
इष्टकाल—घटी पल विपल में	५५	३७	३०

सूर्योदय से एक मिनट पहले भी जन्म हुआ हो तो भी जन्म पिछले दिन में ही माना जायेगा। जैसे उपरोक्त उदाहरण में यदि जन्म ७ बजकर ५ मिनट पर हुआ होता तो भी इसमें २४ जोड़कर ३१-५ में से १२ दिसम्बर का सूर्योदय घटाकर ही इष्टकाल निकाला जाता। इष्टकाल कभी ६० घड़ी से अधिक नहीं आता, ६० से कम ही आता है। इसी प्रकार सूर्योदय पर या सूर्योदय के एक मिनट बाद भी जन्म हो तो उसी दिन का जन्म माना जाता है और जो सूर्योदय हो चुका है, वही घटाकर इष्टकाल निकाला जाता है। जैसे १३ दिसम्बर को जन्म समय ७-७ हो तो इष्टकाल ढाई पल होगा। यदि समय का बहुत सूक्ष्म हिसाब रखा हो तो सूर्योदय से एक सैकिण्ड पहले तक पिछला दिन लिया जाता है और सूर्योदय के एक सैकिण्ड बाद वही दिन लिया जाता है। परन्तु ऐसे उदाहरणों में सूर्योदय भी सूक्ष्म गणित से सैकिण्डों तक निकालना पड़ता है।

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
	४	८	१३	१७	२१	२५	२९	३४	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३२	३७	४२	४७
२	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	८	१७	२५	३४	४२	५०	५९	८	१६	२५	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३७	४५	५५	४	१४	२४	३४
३	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५
	१३	२५	३८	५०	३	१६	२८	४१	५४	७	२०	३३	४६	०	१३	२७	४०	५५	८	२२	३७	५१	६	२१
४	०	०	०	१	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	६	६	६	७
	१७	३४	५०	७	२४	४१	५८	१२	२९	४८	५	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३१	५०	९	२९	४८	८
५	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८
	२१	४२	३	२४	४५	७	२८	५०	१०	३२	५४	१६	३८	०	२३	४५	७	३१	५४	१९	४२	६	३१	५६
६	०	०	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	११
	२५	५०	१६	४१	६	३२	५७	२३	४९	१५	४२	७	३४	०	४७	५४	२२	५०	१८	४६	१५	४४	१४	४४
७	०	०	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२
	२९	५९	२८	५८	२९	५७	२७	५७	२७	५८	२८	५९	३०	१	३२	४	३६	९	४२	१५	४८	२२	५७	३२
८	०	१	१	२	२	३	३	४	५	५	६	६	७	८	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१३	१४
	३४	७	४१	१५	४९	२३	५६	३१	६	४१	१६	५१	२६	२	३८	१४	५१	२८	६	४४	२२	१	४१	२१
९	०	१	१	२	३	३	४	५	५	६	७	७	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१३	१४	१५	१६
	३८	१६	५४	३३	११	४९	२७	६	४५	२४	४	४३	२३	३	४४	२५	६	४८	३०	१३	५६	४१	२५	११
१०	०	१	२	२	३	४	४	५	६	७	७	८	९	१०	१०	११	१२	१३	१३	१४	१५	१६	१७	१८
	४२	२५	७	५०	३२	१५	५८	४१	२४	८	५१	३६	२०	५	५०	३६	२३	८	५५	४३	३१	२०	१०	१
११	०	१	२	३	३	४	५	६	७	७	८	९	१०	११	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१८	१९
	४७	३४	२०	७	५४	४०	२८	१६	३	५१	४०	२९	१७	७	५६	४७	३८	२९	२७	१४	७	१	५६	५२
१२	०	१	२	३	४	५	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२०
	५१	४२	३३	२४	१६	९	५९	५०	४३	३६	२८	२१	१५	९	३	५९	५४	२०	४७	४५	४३	४२	४२	४३
१३	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
	५५	५१	४६	४२	३८	३४	३०	२०	२३	२०	१७	१५	१३	१२	११	११	११	१२	१४	१७	२०	२५	३०	३६
१४	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२३	२४	२५
	०	०	०	०	०	०	१	२	३	५	७	९	१२	१५	१९	२४	२९	३४	४२	२०	३८	८	८	३६
१५	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२१	२२	२३	२४	२६	२७
	४	९	१३	१७	२१	२७	३१	३८	४४	५०	५७	४	१०	१९	२७	३८	४८	५९	१०	२४	३५	५२	७	२१

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१६	१	२	३	४	५	६	८	९	१०	११	१२	१३	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२६	२७	२९
	९	१८	२७	३६	४४	५४	४	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२४	३६	५२	७	२३	४०	५७	१७	३७	५८	२०
१७	१	२	३	४	६	७	८	९	११	१२	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२१	२२	२४	२५	२६	२८	२९	३१
	१३	२७	४०	५४	८	२२	३६	५१	६	२०	३८	५४	११	२९	४८	७	२७	४८	१०	३३	५८	२३	५०	१८
१८	१	२	३	५	६	७	९	१०	११	१३	१४	१५	१७	१८	१८	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३
	१८	३६	५१	१२	३१	५०	९	२८	४८	८	२९	५०	२२	३४	५९	२३	४८	१४	४३	१०	४१	१०	४३	१६
१९	१	२	४	५	६	८	९	११	१२	१३	१५	१६	१८	१९	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३	३५
	२३	४५	८	३१	५४	१८	३७	६	३०	५५	२१	४७	१४	४२	११	४०	१०	४२	१४	४८	२३	५९	३७	१६
२०	१	२	४	५	७	८	१०	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२७	२८	३०	३२	३३	३५	३७
	२३	५५	२२	५०	१६	४६	१५	४४	१३	४३	१४	४५	२७	५०	२३	५७	३३	१०	४१	२७	८	४९	३३	१८
२१	१	३	४	६	७	९	१०	१२	१३	१५	१७	१८	२०	२१	२३	२५	२६	२८	३०	३२	३३	३५	३७	३९
	३२	४	३६	९	४२	१५	४८	२२	५७	३१	७	४३	२०	५९	३७	१७	५८	१४	२३	८	५४	४१	३१	२२
२२	१	३	४	६	८	९	११	१३	१३	१६	१७	१९	२१	२३	२४	२६	२८	३०	३१	३३	३५	३७	३९	४१
	३७	१४	५१	२९	६	४४	२२	१	४०	२०	५९	४२	२५	८	५२	३७	२३	११	५९	४९	४२	३५	३०	२७
२३	१	३	५	६	८	१०	११	१३	१५	१७	१८	२०	२२	२४	२६	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३
	४२	२४	६	४८	३२	१४	५७	४१	२५	१०	५६	४२	३०	१८	६	५६	५०	४३	३०	३३	३१	३०	४१	३४
२४	१	३	५	७	८	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५
	४७	३४	२१	८	५६	४४	३२	२१	११	१	५२	४३	३६	३०	२४	२०	१८	१६	१६	१८	२२	४७	३४	५४
२५	१	३	५	७	९	११	१३	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३९	४१	४३	४५	४७
	५२	४४	३६	२८	२१	१४	८	५९	५७	५२	४८	४५	४३	४२	४३	४४	४७	५२	५७	५	१५	२६	४०	५६
२६	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४३	४५	४७	५०
	५७	५४	५२	४९	३७	४५	४४	४३	४३	४४	४६	४८	५२	५६	२	९	१८	२८	४०	५४	१३	२८	४८	१०
२७	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३३	३५	३७	४०	४२	४५	४७	४९	५२
	२	५	७	१०	१३	७	२१	२६	३१	३७	४४	५२	२	१२	२३	३६	५१	६	२५	४५	७	३२	५८	२७
२८	२	४	६	८	१०	१२	१४	१७	१९	२१	२३	२५	२८	३०	३२	३५	३७	३९	४२	४४	४७	४९	५२	५४
	८	१२	२३	१३	४०	४९	५८	८	१९	३१	४४	५७	१२	२८	४६	५	२५	४८	१२	३८	६	३८	११	४७
२९	२	४	६	८	११	१३	१५	१७	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३४	३६	३९	४१	४४	४६	४९	५१	५४	५७
	१३	२६	४०	५३	७	२२	३७	५२	९	२६	४४	४	२५	४८	१०	३५	२	२७	१	३३	८	४६	२७	९
३०	२	४	६	९	११	१३	१६	१८	२१	२३	२५	२८	३०	३३	३५	३८	४०	४३	४५	४८	५१	५३	५६	५९
	१९	३७	५६	१५	३५	५५	१६	३७	०	२२	४६	१२	३९	६	३६	७	४०	१५	५२	३१	१३	५७	४५	३५
३१	२	४	७	९	१२	१४	१६	१९	२१	२४	२६	२९	३१	३४	३७	३९	४२	४५	४७	५०	५३	५६	५९	६२
	२४	५९	१३	३७	२	२९	५५	२३	५०	२१	५०	२१	५४	२७	४	४१	२१	२	४६	२८	२०	१२	६	४
३२	२	५	७	१०	१२	१५	१७	२०	२२	२५	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४
	३०	०	३०	१	३२	४	३६	१	४३	१७	५४	३२	१०	४७	३३	१६	३	५२	४२	३५	३०	३०	३१	३७

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
३३	२	५	७	१०	१३	१५	१८	२०	२३	२६	२८	३१	३४	३७	४०	४२	४५	४८	५१	५४	५७	६०	६३	६७
	३६	१२	४६	२५	२	३९	१६	५७	३७	१८	५९	४४	२९	१६	५	५६	४८	४४	४०	४१	४४	५१	५७	१३
३४	२	५	८	१०	१३	१६	१९	२१	२४	२७	३०	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	६०	६३	६६	६९
	४२	२४	५	४९	३२	१६	१	४५	३२	१९	६	५८	४९	४४	३९	३६	३६	३७	४३	५१	१	१५	३३	५४
३५	२	५	८	११	१४	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५९	६२	६५	६९	७२
	४८	३६	२५	१४	१	५३	४४	३५	२४	२२	१७	१४	१३	१३	१५	१९	२७	३६	४४	४	२२	४४	१०	४०
३६	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४८	५१	५४	५७	६१	६४	६८	७१	७५
	५४	४९	४४	३५	३५	३१	२८	२७	२६	२७	२९	३२	३७	४५	५०	६	२०	३७	५७	२०	४७	१७	५१	३०
३७	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	४०	४३	४६	४९	५३	५६	६०	६३	६७	७०	७४	७८
	१	२	३	५	६	१०	१४	१९	२५	३३	४१	५२	५	१९	३६	५५	१७	४१	७	४०	१५	५४	३९	२४
३८	३	६	९	१२	१५	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३८	४१	४४	४८	५१	५५	५८	६२	६६	६९	७३	७७	८१
	८	१५	२३	३२	४१	४७	१	१३	२६	४१	५६	१४	३४	५४	२०	४७	१७	४९	२५	५	४८	३६	२८	२५
३९	३	६	९	१३	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४६	५०	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४
	१४	२९	४४	०	१५	३२	५०	८	२९	५०	१४	३९	५	३६	८	४२	२०	५८	४६	३४	२६	२३	२५	३२
४०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	४८	५१	५५	५९	६३	६७	७१	७५	७९	८३	८७
	२१	४३	५	२७	४७	१४	३८	४	३३	२	३३	६	४१	१८	५८	४१	२८	१७	१०	६	१०	१६	२८	४५
४१	३	६	१०	१३	१७	२०	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६१	६५	६९	७३	७७	८२	८६	९१
	२९	५७	२५	५६	२७	५६	३०	४	३९	१६	५५	३५	१९	५८	५३	४४	३९	३८	४०	४७	५८	१५	३७	५
४२	३	७	१०	१४	१८	२१	२५	२९	३२	३६	४०	४४	४७	५१	५५	५९	६३	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९४
	३६	१२	४९	२६	०	४३	२३	५	४८	३१	१९	६	५९	५४	५१	५१	५५	४	१५	३१	५३	२०	५३	३२
४३	३	७	११	१४	१८	२२	२६	३०	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	६२	६६	७०	७४	७९	८३	८८	९३	९८
	४४	२८	१२	५७	४३	२७	१८	७	५८	५१	५६	४४	४४	४७	५३	२	१६	३३	५५	२२	५४	३२	१६	७
४४	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६४	६८	७३	७७	८२	८७	९१	९६	१०१
	५२	४४	३४	२९	२३	१८	१४	१०	१२	१०	१७	२३	३२	४०	५७	१८	४१	९	४१	१९	२	५२	४८	५१
४५	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४९	५३	५७	६२	६६	७१	७५	८०	८५	९०	९५	१००	१०५
	०	०	१	२	५	४	१०	१९	२७	३७	४७	५	२४	४५	१०	४०	१३	५१	३४	२३	१८	१९	२८	४५
४६	४	८	१२	१६	२०	२५	२९	३३	३७	४२	४६	५०	५५	५९	६४	६९	७३	७९	८३	८८	९३	९८	१०४	१०९
	९	१७	२७	३७	४८	०	१३	२८	४६	५	२७	५२	२१	५०	२६	६	५०	३९	३३	३४	४१	५६	१८	४९
४७	४	८	१२	१७	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	६२	६६	७१	७६	८१	८६	९१	९७	१०२	१०८	११४
	१८	३५	५३	१२	३२	५१	१६	४०	७	३६	८	४२	१७	२	४८	३८	३३	३४	४१	५०	१४	४२	१९	४
४८	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५९	६४	६९	७४	७९	८४	८९	९५	१००	१०६	११२	११८
	२७	५३	२१	४९	१८	३९	२१	५५	३०	१०	५२	३७	२६	१८	१५	१७	२४	३६	५६	२२	१६	३९	३०	३२
४९	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४२	४६	५१	५६	६१	६६	७१	७७	८२	८७	९३	९८	१०४	११०	११६	१२३
	३६	२३	१०	२७	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
५०	४	९	१४	१९	२३	२८	३३	३८	४३	४८	५३	५८	६३	६९	७४	७९	८५	९१	९६	१०२	१०८	११५	१२१	१२८
	४६	३२	१९	७	५६	४७	३९	३४	३१	३१	३५	४२	५३	९	२९	५६	२८	४	५४	५०	५४	८	३३	११
५१	४	९	१४	१९	२४	२९	३४	४०	४५	५०	५५	६०	६६	७१	७७	८२	८८	९४	१००	१०६	११३	११९	१२६	१३३
	५६	५३	५१	४९	४९	५०	५३	०	७	१८	३३	५२	१६	४४	१७	५७	४४	३७	३९	४७	११	४३	२७	२५
५२	५	१०	१५	२०	२५	३०	३६	४१	४६	५२	५७	६३	६८	७४	८०	८६	९२	९८	१०४	१११	११७	१२४	१३१	१३८
	७	१५	२३	३२	४३	५४	१०	२७	४७	७	३७	९	४५	२६	१४	८	६	१९	३६	४	४३	३४	३८	५८
५३	५	१०	१५	२१	२६	३२	३७	४२	४८	५४	५९	६५	७१	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२२	१२९	१३७	१४४
	१८	३७	५७	१८	४०	४	३१	५६	३२	८	४८	३२	२२	१७	१९	२८	४५	१०	४६	३२	३०	४१	८	५२
५४	५	११	१६	२२	२७	३३	३८	४४	५०	५६	६२	६८	७४	८०	८६	९३	९९	१०६	११३	१२०	१२७	१३४	१४३	१५१
	३०	१	३३	४	४०	१६	५५	३७	५२	११	४	२	७	१७	३४	०	३२	१६	९	१५	३४	९	०	१०
५५	५	११	१७	२२	२८	३४	४०	४६	५२	५८	६४	७०	७६	८३	९०	९६	१०३	११०	११७	१२५	१३२	१४०	१४९	१५७
	४३	२६	१०	५६	४३	३१	२४	१८	१८	२०	२८	४१	५९	३६	०	४२	३३	३५	४९	१७	५९	५८	१६	५६
५६	५	११	१७	२३	२९	३५	४१	४८	५४	६०	६७	७३	८०	८६	९३	१००	१०७	११४	१२२	१३०	१३८	१४७	१५६	१६५
	५६	५२	५०	४८	४९	५१	५७	७	१९	३५	०	२८	४	४६	३८	३८	३९	११	४७	३८	४५	११	०	१३
५७	६	१२	१८	२४	३०	३७	४३	५०	५६	६३	६९	७६	८३	९०	९७	१०४	११७	१२०	१२८	१३६	१४४	१५३	१६३	१७३
	१०	२०	३१	४४	५६	१०	३६	१	२८	१	४०	२५	१८	१९	२६	४९	२०	५	५	२१	५६	५४	१६	७
५८	६	१२	१९	२५	३२	३८	४५	५१	५८	६५	७२	७९	८६	९४	१०१	१०९	११७	१२५	१३३	१४२	१५१	१६१	१७१	१८२
	२४	४९	१५	४२	१२	४४	१७	५९	४४	३४	३०	२६	४४	४	३४	१६	२०	१९	४५	३२	३६	८	९	४६
५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	६१	६८	७५	८२	९०	९८	१०५	११३	१२२	१३०	१३९	१४९	१५८	१६९	१७९	१९१
	४०	२०	१	४४	२९	१८	१०	६	६	१६	३०	५२	२३	४	५६	५६	२०	५६	५९	८	५०	१	४७	१५
६०	६	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	६३	७१	७८	८६	९४	१०२	११०	११९	१२७	१३७	१४०	१५६	१६६	१७१	१८९	२०१
	५६	५२	५०	५०	४६	५७	७	२१	४१	६	४२	२५	१७	२०	३७	५	५४	०	२७	१९	४१	३९	१८	५०
६१	७	१४	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६६	७४	८२	९०	९८	१०६	११५	१२४	१३३	१४३	१५३	१६४	१७५	१८७	१९९	२१३
	१३	२७	४२	५९	१९	४३	११	४६	१९	१२	५	१२	११	५५	३८	३६	५४	३३	३७	७	१९	१०	५४	४५
६२	७	१५	२२	३०	३७	४५	५३	६१	६९	७७	८५	९४	१०२	१११	१२१	१३०	१४०	१५०	१६१	१७२	१८४	१९७	२११	२२७
	३२	४	३८	१७	५०	३६	२४	१६	१५	२१	४६	७	५६	५१	३	३२	२४	४०	२६	४७	५२	४९	५३	२७
६३	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	६४	७२	८०	८९	९८	१०७	११७	१२६	१३७	१४७	१५८	१७०	१८२	१९२	२०९	२२५	२४३
	५१	४३	३७	३३	३२	३७	४७	२	२६	५९	४२	१९	४६	११	५०	०	२९	२९	४	२१	३२	५१	४०	३७
६४	८	१६	२४	३२	४१	४९	५८	६६	७५	८४	९३	१०३	११२	१२२	१३३	१४४	१५५	१६७	१७९	१९३	२०७	२२३	२४१	२६३
	१२	२५	४०	५८	२०	४६	११	५९	४८	४६	५५	२१	५७	५८	१८	२	१६	६	३८	४	३८	४३	५८	३७
६५	८	१७	२५	३४	४३	५२	६१	७०	७९	८८	९८	१०८	११८	१२९	१४०	१५१	१६३	१७६	१९०	२०५	२२१	२४०	२६२	२८९
	३५	११	४९	३०	१५	४	४	१०	२५	५२	३३	२४	४२	१७	१४	४७	५२	४०	२३	१४	३७	११	११	१९
६६	८	१८	२७	३६	४५	५४	६४	७३	८३	९३	१०३	११४	१२४	१३६	१४७	१६०	१७३	१८७	२०२	२१९	२३८	२६०	२८९	३५४
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

रवि क्रान्ति सारिणी

तारीख	जनवरी दक्षिण अं. क.	फरवरी दक्षिण अं. क.	मार्च दक्षिण अं. क.	अप्रैल उत्तर अं. क.	मई उत्तर अं. क.	जून उत्तर अं. क.	जुलाई उत्तर अं. क.	अगस्त उत्तर अं. क.	सितम्बर उत्तर अं. क.	अक्टूबर दक्षिण अं. क.	नवम्बर दक्षिण अं. क.	दिसम्बर दक्षिण अं. क.
१	२३ ४	१७ १८	७ ५२	४ १३	१४ ५६	२१ ५९	२३ ९	१८ ९	८ २८	२ ५९	१४ १६	२१ ४३
२	२२ ५९	१७ १	७ २९	४ ३८	१५ १४	२२ ७	२३ ५	१७ ५४	८ ७	३ २२	१४ ३५	२१ ५२
३	२२ ५४	१६ ४४	७ ६	५ १	१५ ३२	२२ १५	२३ १	१७ ३९	७ ४५	३ ४६	१४ ५४	२२ १
४	२२ ४८	१६ २७	६ ४३	५ २५	१५ ४९	२२ २२	२२ ५६	१७ २३	७ २३	४ ९	१५ १३	२२ १०
५	२२ ४२	१६ ९	६ २०	५ ४९	१६ ७	२२ २९	२२ ५१	१७ ७	७ १	४ ३२	१५ ३२	२२ १८
६	२२ ३५	१५ ५१	५ ५७	६ १२	१६ २४	२२ ३६	२२ ४५	१६ ५१	६ ३९	४ ५५	१५ ५०	२२ २६
७	२२ २८	१५ ३२	५ ३४	६ ३५	१६ ४१	२२ ४२	२२ ३९	१६ ३५	६ १६	५ १८	१६ ८	२२ ३३
८	२२ २१	१५ १३	५ ११	६ ५८	१६ ५७	२२ ४८	२२ ३३	१६ १८	५ ५४	५ ४१	१६ २६	२२ ४०
९	२२ १३	१४ ५४	४ ४९	७ २१	१७ १३	२२ ५३	२२ २६	१६ १	५ ३१	६ ४	१६ ४४	२२ ४६
१०	२२ ५	१४ ३५	४ २६	७ ४३	१७ २९	२२ ५८	२२ १९	१५ ४३	५ ९	६ २७	१७ १	२२ ५२
११	२१ ५६	१४ १५	४ ३	८ ६	१७ ४५	२३ ३	२२ ११	१५ २६	४ ४६	६ ५०	१७ १८	२२ ५८
१२	२१ ४७	१३ ५६	३ ४०	८ २९	१८ १	२३ ७	२२ ३	१५ ८	४ २४	७ १२	१७ ३४	२३ ३
१३	२१ ३७	१३ ३६	३ १७	८ ५१	१८ १६	२३ ११	२१ ५५	१४ ५०	४ १	७ ३५	१७ ५०	२३ ८
१४	२१ २७	१३ १६	२ ५४	९ १४	१८ ३०	२३ १४	२१ ४६	१४ ३२	३ ३८	७ ५७	१८ ६	२३ १२
१५	२१ १६	१२ ५६	२ ३१	९ ३६	१८ ४४	२३ १७	२१ ३७	१४ १३	३ १५	८ २०	१८ २२	२३ १५
१६	२१ ५	१२ ३५	२ ७	९ ५७	१८ ५८	२३ २०	२१ २८	१३ ५४	२ ५२	८ ४२	१८ ३७	२३ १८
१७	२० ५४	१२ १४	१ ४४	१० १८	१९ ११	२३ २२	२१ १८	१३ ३५	२ २९	९ ४	१८ ५२	२३ २१
१८	२० ४२	११ ५३	१ २१	१० ३९	१९ २६	२३ २४	२१ ८	१३ १६	२ ६	९ २५	१९ ७	२३ २३
१९	२० ३०	११ ३२	० ५७	११ ०	१९ ३९	२३ २५	२० ५८	१२ ५७	१ ४२	९ ४७	१९ २१	२३ २४
२०	२० १८	११ ११	० ३४	११ २१	१९ ५२	२३ २६	२० ४७	१२ ३७	१ १९	१० ९	१९ ३५	२३ २५
२१	२० ५	१० ४९	० १०	११ ४१	२० ४	२३ २७	२० ३६	१२ १८	० ५६	१० ३०	१९ ४८	२३ २६
२२	१९ ५२	१० २८	उ० १४	१२ २	२० १७	२३ २७	२० २४	११ ५८	० ३२	१० ५२	२० १	२३ २७
२३	१९ ३८	१० ६	० ३८	१२ २२	२० २९	२३ २७	२० १२	११ ३८	० ९	११ १३	२० १४	२३ २७
२४	१९ २४	९ ४४	१ २	१२ ४२	२० ४०	२३ २६	२० ०	११ १८	द.० १५	११ ३५	२० २७	२३ २६
२५	१९ ९	९ २२	१ २६	१३ २	२० ५१	२३ २५	१९ ४७	१० ५७	० ३९	११ ५६	२० ३९	२३ २५
२६	१८ ५४	९ ०	१ ५०	१३ २१	२१ २	२३ २३	१९ ३४	१० ३६	१ २	१२ १७	२० ५१	२३ २३
२७	१८ ३९	८ ३८	२ १४	१३ ४१	२१ १२	२३ २१	१९ २०	१० १५	१ २६	१२ ३८	२१ २	२३ २१
२८	१८ २३	८ १६	२ ३८	१४ ०	२१ २२	२३ १९	१९ ६	९ ५४	१ ४९	१२ ५८	२१ १३	२३ १९
२९	१८ ७	८ ४	३ २	१४ १९	२१ ३२	२३ १६	१८ ५२	९ ३३	२ १२	१३ १८	२१ २४	२३ १६
३०	१७ ५१	० ०	३ २६	१४ ३७	२१ ४१	२३ १३	१८ ३८	९ १२	२ ३६	१३ ३८	२१ ३४	२३ १३
३१	१७ ३५	० ०	३ ५०	० ०	२१ ५०	० ०	१८ २४	८ ५	० ०	१३ ५७	० ०	२३ ९

वेलान्तर कोष्ठक (मिनट में)

तारीख	जनवरी मि. सै.	फरवरी मि. सै.	मार्च मि. सै.	अप्रैल मि. सै.	मई मि. सै.	जून मि. सै.	जुलाई मि. सै.	अगस्त मि. सै.	सितम्बर मि. सै.	अक्टूबर मि. सै.	नवम्बर मि. सै.	दिसम्बर मि. सै.
	+	+	+	+	—	—	+	+	+	—	—	—
१	३ ३४	१३ ३८	१२ ३५	४ ७	२ ५२	२ २५	३ ३३	६ १५	+ ९	१० ७	१६ २१	११ ३
२	३ ५२	१३ ४६	१२ २३	३ ४९	३ ०	२ १६	३ ४५	६ ११	— १०	१० २७	१६ २३	१० ४३
३	४ २०	१३ ५४	१२ ११	३ ३२	३ ७	२ ७	३ ५६	६ ७	० २९	१० ४६	१६ २४	१० १८
४	४ ४८	१४ ०	११ ५९	३ १४	३ १३	१ ५७	४ ८	६ २	० ४८	११ ५	१६ २४	९ ५३
५	५ १६	१४ ६	११ ४६	२ ५६	३ १९	१ ४७	४ १८	५ ५७	१ ८	११ २३	१६ २३	९ २८
६	५ ४२	१४ १०	११ ३२	२ ३९	३ २४	१ ३६	४ २८	५ ५१	१ २८	११ ४३	१६ २१	९ ३
७	६ ९	१४ १४	११ १८	२ २२	३ २९	१ २५	४ ३८	५ ४४	१ ४८	११ ५९	१६ १७	८ ३७
८	६ ३५	१४ १७	११ ४	२ ४	३ ३३	१ १४	४ ४८	५ ३७	२ ९	१२ १६	१६ १४	८ ११
९	७ ०	१४ २०	१० ४९	१ ४८	३ ३६	१ ३	४ ५८	५ २९	२ २९	१२ ३३	१६ ९	७ ४५
१०	७ २५	१४ २१	१० ३४	१ ३१	३ ३९	० ५२	५ ७	५ २१	२ ५०	१२ ४९	१६ ४	७ १८
११	७ ४९	१४ २२	१० १८	१ १५	३ ४२	० ४०	५ १५	५ १२	३ ११	१३ ५	१५ ५८	६ ५१
१२	८ १३	१४ २२	१० २	० ५९	३ ४४	० २८	५ २३	५ ३	३ ३२	१३ २१	१५ ५२	६ २३
१३	८ ३६	१४ २१	९ ४६	० ४३	३ ४५	० ११	५ ३०	४ ५३	३ ५३	१३ ३६	१५ ४३	५ ५५
१४	८ ५८	१४ २९	९ २९	० २७	३ ४६	-० ३	५ ३७	४ ५२	४ १४	१३ ५०	१५ ३४	५ २७
१५	९ २०	१४ १७	९ १२	+ १२	३ ४६	+० ९	५ ४४	४ ३१	४ ३६	१४ ४	१५ २५	४ ५८
१६	९ ४१	१४ १४	८ ५५	— ३	३ ४६	० २२	५ ५०	४ २०	४ ५७	१४ १७	१५ १५	४ २९
१७	१० ०१	१४ १०	८ ३८	० १७	३ ४५	० ३४	५ ५६	४ ८	५ १८	१४ ३०	१५ ४	४ ०
१८	१० २१	१४ ६	८ २१	० ३१	३ ४३	० ४८	६ १	३ ५५	५ ४०	१४ ४२	१४ ५२	३ ३१
१९	१० ४०	१४ १	८ ३	० ४५	३ ४१	१ १	६ ६	३ ४२	६ १	१४ ५३	१४ ३	३ २
२०	१० ५८	१३ ५५	७ ४५	० ५७	३ ३८	१ १४	६ १०	३ २८	६ २२	१५ ४	१४ २४	२ ३२
२१	११ १५	१३ ४८	७ २८	१ ११	३ ३५	१ २७	६ १३	३ २४	६ ४३	१५ १४	१४ १०	२ २
२२	११ ३२	१३ ४१	७ १०	१ २३	३ ३१	१ ४०	६ १६	२ ५९	७ ४	१५ २४	१३ ५५	१ ३२
२३	११ ४९	१३ ३४	६ ५१	१ ३५	३ २७	१ ५३	६ १९	२ ४४	७ २५	१५ ३३	१३ ३९	१ २
२४	१२ ४	१३ २४	६ ३३	१ ४६	३ २२	२ ६	६ २१	२ ३०	७ ४६	१५ ४१	१३ २२	० ३२
२५	१२ १९	१३ १७	६ १५	१ ५७	३ १७	२ १९	६ २३	२ १३	८ ७	१५ ४९	१३ ४	—०२
२६	१२ ३२	१३ ७	५ ४७	२ ८	३ ११	२ ३२	६ २३	१ ५६	८ २७	१५ ५६	१२ ४६	+ २८
२७	१२ ४५	१२ ५७	५ ३८	२ १८	३ ५	२ ४४	६ २३	१ ३९	८ ४८	१६ २	१२ २७	० ५८
२८	१२ ५८	१२ ४६	५ २०	२ २७	२ ५८	२ ५७	६ २३	१ २२	९ ८	१६ ७	१२ ७	१ २८
२९	१३ ९		५ २	२ ३६	२ ५०	३ ९	६ २२	१ ४	९ २८	१६ १२	११ ४६	१ ५८
३०	१३ २०		४ ४४	२ ४४	२ ४२	३ २१	६ २०	० ४६	९ ४७	१६ १६	११ २५	२ २७
३१	१३ २९		४ २५		२ ३४		६ १८	० २८		१६ १९		२ ५६
	+	+	+	—	—	+	+	+	—	—	—	+

वेलान्तर कोष्ठक (समय समीकरण)

भारतीय स्टैण्डर्ड समय से स्थानीय स्पष्ट समय निकालते समय वेलान्तर संस्कार किया जाता है। भा. स्टै. स. में अक्षांशादि सारिणी के अनुसार किसी स्थान विशेष का जो अन्तर दिया हो वह ऋण या धन करके स्थानीय मध्यम समय आ जाता है। इसमें तारीख के अनुसार वेलान्तर संस्कार करने से स्थानीय स्पष्ट समय आता है। इसी स्पष्ट समय से आगे गणित किया जाता है। जब दिनमान से इष्टकाल निकालते हैं तब वेलान्तर संस्कार करते हैं। वेलान्तर ऋण हो तो जोड़कर और वेलान्तर धन हो तो घटाकर स्पष्ट स्थानीय समय निकाला जाता है। सूर्योदय से इष्टकाल बनाते समय जब सूर्योदय तथा जन्म समय दोनों ही भा. स्टै. स. में होते हैं। यह वेलान्तर संस्कार नहीं किया जाता। इसी पंचांग के पृष्ठ ९०-९१ पर सूर्योदय गणित में वेलान्तर प्रयोग पर सामग्री दी गई है। स्पष्ट स्थानीय मध्याह्न समय निकालने में वेलान्तर का प्रयोग किया जाता है। मध्याह्न गणित में वेलान्तर ऋण हो तो ऋण किया जाता है और धन हो तो धन किया जाता है।

पंचाग परिवर्तन पद्धति

इस पंचांग से अन्यान्य नगरों का पंचांग (सूर्योदय, सूर्यास्त, तिथि, नक्षत्र, योग, करण और दिनमान) बनाने का उदाहरण—

जिस नगर का सूर्योदय जानना हो तो उस नगर के आगे की अक्षांशादि सारिणी से देशान्तर मिनट लो। यदि मिनट +पूर्व के हों तो इस पंचांग के सूर्योदय में ऋण करें और मिनट -पश्चिम के हों तो धन करें, ऋण चिह्न हो तो धन करें और धन चिन्ह हो तो ऋण करें। यह इष्ट नगर का मध्याह्न सूर्योदय होगा। इसके बाद का इष्ट दिन (तारीख) की रविक्रान्ति-सारिणी से रविक्रान्ति लो। रविक्रांति और इष्ट नगर के अक्षांश इन दो उपकरणों से चरान्तर सारिणी से चरान्तर मिनट लो। यदि धन हों तो ऊपर से आये हुए मध्याह्न सूर्योदय में जोड़ें, ऋण हों तो हीन करें। वह इष्ट दिन का इष्ट नगर का स्टै. टा. से स्पष्ट सूर्योदय होगा। निकले हुए चरान्तर मिनट को पांच से गुणा करें तो वह पल होंगे। ऊपर के उदाहरण में चरान्तर मिनट सूर्योदय में धन किये हों तो यह पल दिनमान में ऋण करें. ऋण किये हों तो धन करें, यह अपने इष्ट दिन का इष्ट नगर का घटी-पलात्मक दिनमान होगा. इस दिनमान के घण्टा-मिनट बनाकर आए हुए सूर्योदय में मिला देने से सूर्यास्त होगा।

इस पंचांग में तिथ्यादि के घटी-पल दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय समय से हैं। इष्ट दिन और इष्ट नगर का लाया हुआ स्पष्ट सूर्योदय दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय से पहले हो तो वह जितने मिनट पहले है, उसके पल बनाकर (१ मि.= २॥ पल) वह इस पंचांग के तिथ्यादि में मिला दें तथा बाद के मिनट हों तो उसके जितने पल हों इस पंचांग के तिथ्यादि में से घटा दें तो अपने-अपने इष्ट दिन के इष्ट नगर में स्पष्ट सूर्योदय से तिथ्यादि पंचांग होगा।

उदाहरण—दिनांक १० नवम्बर को जयपुर नगरी का इस पंचांग से सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान और पंचांग बनाना है। इस पंचांग में इस दिन दिल्ली का सूर्योदय स्टै. टा. घं. ६ मि. ४१ है। जयपुर दिल्ली से ५।४० पश्चिम में है (अक्षांशादि सारिणी में देखें)। अत: यह ५।४० इस पंचांग के सूर्योदय घं. ६ मि. ४१ में जोड़ दिये तो घं. ६ मि. ४६।४० हुए। यह जयपुर का इस पंचांग के मध्याह्न से सूर्योदय हुआ। अब रविक्रान्ति सारणी से ता. १० नवम्बर की रविक्रांति १७।१ दक्षिण है। जयपुर का अक्षांश २६।५५ है तो आगे चरान्तर सारणी से २७ अक्षांश और १७ क्रांति अंश के कोष्ठक में २ मिनट है। यह दक्षिण क्रांति होने के कारण ऋण किये जावेंगे। ऊपर के मध्याह्न सूर्योदय ६।४६।४० में २ मिनट कम किये तो जयपुर का स्पष्ट सूर्योदय ६।४४।४० आया। आये हुए चरान्तर मिनट २ को ५ से गुणा किया तो १० पल प्राप्त हुए। चरान्तर ऋण होने के कारण इस पंचांग के दिनमान २६।५७ में १० पल जोड़ने से जयपुर का दिनमान २७।०७ हुआ। यदि चरान्तर मिनट धन होते तो पलों को ऋण करना पड़ता। जयपुर का सूर्यास्त निकालने के लिए दिनमान २७।०७ के घड़ी-पलों के घण्टा-मिनट १०।५१ हुए। इनको जयपुर के सूर्योदय ६।४६।४० में जोड़ा तो सूर्यास्त १७।३७।४० हुआ। जयपुर और दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय में ३।२२ मिनट अथवा ८ पलों का ऋण अन्तर है। तिथि, योग, नक्षत्र, करण, भद्रा, ग्रह चाल आदि में सर्वत्र ३।२२ मिनट या ८ पल कम करने से जयपुर का मान आ जाता है।

चरान्तर सारिणी

मान लो १५ फरवरी को जोधपुर का चरान्तर निकालना है। दैनिक रविक्रांति सारिणी से इस दिन की रविक्रांति १२।५६ दक्षिण है। जोधपुर का अक्षांश २६।१८ है। चरान्तर सारिणी में खड़ी बायें हाथ की लाइन क्रान्तायांश की है और आड़ी ऊपर की लाइन अक्षांश की है तो क्रान्तायांश १२।५६ लगभग १३ के बराबर है। १३ क्रांत्यांश के सामने २६ अक्षांश के कोष्ठक में ३ चरान्तर मिनट दिये हैं। यह क्रांति दक्षिण होने के कारण ऋण हुए चरान्तर मिनट हुए।

क्रान्त्यंश	उत्तराक्षांश: चरान्तर मिनट चरान्तर सारिणी																					क्रांति दक्षिण हो तो धन							
	यह मिनट क्रांति दक्षिण हो तो ऋण और क्रांति उत्तर हो तो धन																					उत्तर हो तो ऋण							
	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६
१	२	२	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
२	३	३	२	२	२	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	२	२
३	५	५	४	४	४	४	४	३	३	३	२	२	२	२	२	१	१	१	१	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२
४	६	६	६	५	५	५	५	४	४	४	३	३	३	२	२	२	१	१	१	०	०	०	०	१	१	१	२	२	३
५	८	८	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	४	३	३	२	२	२	१	१	०	०	०	१	२	२	२	३	४
६	१०	९	८	८	८	७	७	६	६	६	५	४	४	४	३	३	२	२	१	१	०	०	१	१	२	२	३	३	५
७	११	१०	१०	९	९	८	८	७	७	७	६	५	५	४	४	३	२	२	१	१	०	०	१	२	३	३	४	४	६
८	१२	१२	१२	११	१०	१०	९	८	८	७	७	६	६	५	४	४	३	२	२	१	०	०	१	२	३	३	५	५	६
९	१४	१४	१३	१२	१२	११	११	१०	९	८	८	७	६	६	५	४	४	३	२	१	०	०	१	२	३	४	५	६	७
१०	१६	१६	१५	१४	१४	१३	१२	११	१०	१०	९	८	७	६	६	५	४	३	२	२	०	१	२	२	४	४	६	६	८
११	१८	१७	१६	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	२	०	१	२	३	४	५	६	७	८
१२	१९	१८	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	११	१०	९	८	७	६	५	३	३	२	०	१	२	३	४	५	७	८	९
१३	२१	२०	२०	१८	१७	१६	१६	१५	१३	१२	१२	११	१०	८	८	६	६	४	३	२	०	१	२	३	५	६	७	८	१०
१४	२२	२२	२१	२०	१८	१८	१७	१६	१४	१३	१२	११	१०	९	८	६	६	४	३	२	०	१	२	३	५	६	८	९	११
१५	२४	२४	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१४	१३	१२	११	१०	८	७	६	४	३	२	१	१	२	४	५	७	८	१०	१२
१६	२६	२५	२४	२३	२२	२०	१९	१८	१७	१६	१४	१३	१२	१०	९	८	६	५	४	२	१	१	२	४	६	७	९	११	१३
१७	२८	२७	२६	२४	२३	२२	२०	१९	१८	१७	१५	१४	१२	११	१०	८	७	५	४	२	१	१	२	४	६	८	१०	१२	१४
१८	३०	२९	२७	२६	२४	२३	२२	२०	१९	१८	१६	१५	१३	१२	१०	८	७	५	४	२	१	१	२	४	६	८	१०	१३	१४
१९	३२	३०	२९	२८	२६	२५	२३	२२	२०	१९	१७	१६	१४	१२	११	१०	८	६	४	३	१	१	३	५	७	९	११	१४	१५
२०	३४	३२	३०	२९	२८	२६	२४	२३	२१	२०	१८	१६	१५	१३	१२	१०	८	६	४	३	१	१	३	५	७	९	११	१५	१६
२१	३५	३४	३२	३१	२९	२७	२६	२४	२२	२१	१९	१७	१६	१४	१२	१०	८	६	५	३	१	१	३	५	८	१०	१२	१५	१७
२२	३७	३६	३४	३२	३०	२९	२७	२५	२३	२२	२०	१८	१६	१४	१२	११	९	६	५	३	१	१	३	६	८	११	१३	१६	१८
२३	३९	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	१२	९	७	५	३	१	१	४	६	९	११	१४	१६	१९
२४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१४	१२	१०	८	६	४	१	१	४	६	९	११	१४	१७	२०

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश आदि)

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश आदि)

देशान्तर =दिल्ली से पूर्व में+पश्चिम में—अन्तर स्टैंडर्ड अन्तर—स्थानीय टाईम और स्टैण्डर्ड टाईम का अन्तर

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
अयोध्या	यू.पी.	26 48	82 14	—1 04	+20 00
अक्कलकोट	बम्बई	17 33	76 12	—25 12	—3 52
अम्बाला	हरियाणा	30 22	76 46	—22 56	—1 52
आकोला	महाराष्ट्र	20 42	77 02	—21 52	—0 48
अजमेर	राजस्थान	26 27	74 40	—31 20	—10 16
अमृतसर	पंजाब	31 38	74 53	—30 28	—9 24
अहमदाबाद	गुजरात	23 02	72 37	—39 32	—18 28
अलीगढ़	यू.पी.	27 54	78 05	—17 40	+3 24
अहमदनगर	महाराष्ट्र	19 05	74 [illegible]	—31 04	—10 00
अलीगढ़ टोंक	राजस्थान	25 58	76 06	—25 36	—4 32
अलीबाग	बम्बई	18 38	72 50	—38 40	—17 36
अलवर	राजस्थान	27 34	76 38	—23 28	—2 24
अखनूर	कश्मीर	32 54	74 35	—31 40	—10 36
अनूपशहर	यू.पी.	28 21	78 23	—16 27	+4 36
अल्मोड़ा	उत्तराखंड	29 37	79 40	—11 20	+9 44
अमेठी	यू.पी.	26 08	81 48	—2 48	+18 16
आसनसोल	प. बंगाल	23 42	87 20	—20 40	+40 24
अनूपगढ़	राजस्थान	29 10	73 13	—37 08	—16 04
अकबरपुर	यू.पी.	26 26	82 33	+0 12	+21 16
अमरेली	गुजरात	21 36	71 14	—45 04	—24 00
अगरतला	त्रिपुरा	23 50	91 23	+35 32	+56 36
अनन्तपुरम	आं.प्रदेश	14 41	77 37	—19 32	+1 32
आईजोल	मिजोरम	23 45	92 45	+41 00	+62 04
आहवा	गुजरात	20 47	73 42	—35 12	—14 08
आगरा	यू.पी.	27 11	78 02	—17 52	+3 12
आबू	राजस्थान	24 36	72 44	—39 04	—18 00
आजमगढ़	यू.पी.	26 6	83 12	+2 48	+23 52
आरा	बिहार	25 36	84 42	+8 48	+29 52
औरंगाबाद	बिहार	24 44	84 23	+7 32	+28 36
औरंगाबाद	महाराष्ट्र	19 52	75 19	—28 44	—7 40
ओंगोलु	आंध्र प्र.	15 31	80 06	—9 36	+11 28
इन्दौर	म.प्रदेश	22 43	75 52	—26 28	—5 28

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
इटावा	यू.पी.	26 47	79 02	—13 52	+7 12
इम्फाल	मणिपुर	24 54	93 54	+45 36	+66 40
इडुंकी	केरल	9 51	77 14	—21 04	0 00
इटानगर	अरु.प्रदेश	26 54	93 37	+44 24	+65 32
ईगतपुरी	महाराष्ट्र	19 41	73 35	—35 40	—14 36
इटारसी	म.प्रदेश	22 37	77 46	—18 56	+2 8
इलाहाबाद	यू.पी.	25 28	81 52	—2 34	+18 32
उन्नाव	उ. प्र.	26 33	80 30	—8 00	+13 04
उतरोला	उ. प्र.	27 19	82 28	—0 08	+20 56
ऊधमपुर	जम्मू	32 55	72 07	—29 32	—8 28
उज्जैन	म. प्रदेश	23 11	75 44	—27 04	—6 00
उदय मण्डलम	तमिलनाडु	11 17	76 44	—23 04	—2 00
उदयपुर	राजस्थान	24 35	73 42	—35 12	—14 08
उस्मानाबाद	महाराष्ट्र	18 08	76 05	—25 40	—4 36
अचलपुर	महाराष्ट्र	21 18	77 33	—19 48	+1 16
एटा	उ. प्र.	27 35	78 41	—15 16	+5 48
कच्छ भुज	गुजरात	23 15	69 40	—51 20	—30 16
कन्नौज	उ. प्र.	27 02	79 58	—10 08	+10 56
कविरत्तिद्वीप	लक्षद्वीप	10 17	72 21	—40 36	—19 32
कलकत्ता	प. बंगाल	22 35	88 24	+23 36	+44 40
कपूरथला	पंजाब	31 22	75 12	—28 32	—7 28
करनाल	हरियाणा	29 42	77 02	—21 52	—0 48
कन्याकुमारी	तमिलनाडु	8 04	77 36	—19 36	+1 28
कल्पाद	हिमाचल	31 41	79 10	—13 20	+7 44
करीमनगर	आं. प्र.	18 28	79 06	—13 36	+7 28
कानपुर	उ. प्र.	26 27	80 21	—8 36	+12 28
काठमाण्डो	नेपाल	27 42	85 17	+11 08	+32 12
कांगड़ा मन्दिर	हिमाचल	32 09	76 18	—24 48	—3 44
काशी	उ. प्र.	25 20	83 00	—2 00	+23 04
कांचिपुरम	तमिलनाडु	12 51	79 53	—10 28	+10 36
कार्गिल	जम्मू-का.	30 30	76 13	—25 08	—4 04
किसनगढ़	राजस्थान	27 52	70 34	—47 44	—26 40

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
किस्तबाड़	जम्मू	33 12	75 48	—26 48	—5 44
किशनगढ़ जं.	राजस्थान	27 10	75 22	—28 32	—7 28
कोच्चि	केरल	10 00	76 15	—25 00	—3 56
कोलगंगा	बिहार	25 16	87 16	+19 04	+40 08
कोहिमा	नागालैंड	25 41	94 10	+46 00	+67 04
केलांग	हिमाचल	32 47	77 4	—21 36	—0 40
कोटा	राजस्थान	25 11	75 50	—26 40	—5 36
कोल्हापुर	महाराष्ट्र	16 41	74 13	—33 08	—12 05
कुशलगढ़	राजस्थान	23 08	74 27	—32 12	—11 08
कूचबिहार	राजस्थान	26 20	89 25	+27 40	+48 44
कृष्णा	कर्नाटक	16 25	77 19	—20 44	+0 20
खम्भम	आं. प्र.	17 15	80 11	—9 16	+11 48
खण्डवा	म.प्र.	21 50	76 20	—24 40	—3 36
खेडब्रह्मा	गुजरात	24 03	73 4	—37 36	—16 40
गयाजी	बिहार	24 48	85 1	+10 04	+31 08
ग्वालियर	म.प्र.	26 14	78 10	—17 20	+3 44
गंगापुर	राजस्थान	26 29	76 44	—23 04	—2 00
गाजीपुर	उ. प्र.	25 26	83 35	+4 20	+25 24
गान्तोक	सिक्किम	27 20	88 25	+24 20	+45 24
गंगानगर	राजस्थान	29 52	73 51	—34 36	—13 32
गोंडा	उ. प्र.	27 10	81 58	—2 12	+18 52
गोरखपुर	उ. प्र.	26 46	83 26	—3 32	+24 36
गोआ	गोआ	25 15	73 47	—34 52	—13 48
गुवाहाटी	असम	26 11	91 45	+37 00	+58 04
गुरदासपुर	पंजाब	32 03	75 27	—28 12	—7 08
गुना	म. प्र.	24 40	77 30	—20 00	—1 04
घाटमशर	उ. प्र.	26 08	80 11	—9 16	+11 48
चंडीगढ़	चण्डीगढ़	30 40	76 52	—22 32	—1 28
चन्दौसी	उ. प्र.	28 27	78 47	—14 52	+6 12
चन्द्रपुर	महाराष्ट्र	19 56	79 17	—12 52	+8 12
चिलास	जम्मू	35 36	74 17	—33 32	—12 28
चीलो	राजस्थान	27 23	73 16	—36 56	—15 52

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.	नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.	नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
चिक्कमगलूर	कर्नाटक	13 19	75 47	−26 52	−5 48	डोंग	राजस्थान	27 28	77 20	−20 40	+0 24	नागकोविल	तमिलनाडू	8 07	77 47	−18 52	+2 12
चित्रकूट	उ. प्र.	25 12	80 54	−6 24	+14 40	डेराबाबा	पंजाब	32 02	75 04	−29 44	−8 40	नीमच	म. प्र.	24 28	74 51	−30 36	−9 32
चित्तौड़गढ़	राजस्थान	24 54	74 42	−31 12	−10 08	ढाका	बंगलादेश	23 43	90 25	+31 40	+52 44	नैनीताल	उत्तराखंड	29 25	79 27	−12 12	+8 52
छपरा	बिहार	25 47	84 47	+9 08	+30 12	तलागंग	तलागंगा	32 56	72 28	−40 08	−19 04	नेपालगंज	नेपालगंज	28 03	81 37	−3 32	+17 32
छत्तरपुर	म.प्र.	24 55	79 36	−11 36	+9 28	तराई	बंगाल	26 40	88 30	+24 00	+45 04	नीलगिरी	उड़ीसा	21 27	86 47	+17 08	+38 12
छिबरा मऊ	उ. प्र.	27 10	79 29	−12 04	+9 00	तेजु	अ. प्रदेश	27 54	96 14	+54 56	+76 00	पटना	बिहार	25 37	85 13	+10 52	+31 56
छबराटोंक	राजस्थान	24 40	76 51	−22 36	−1 32	तंजाबूर	तमिल.	10 51	79 21	−12 36	+8 28	पठानकोट	पंजाब	32 18	75 42	−27 12	−6 08
जगन्नाथपुरी	उड़ीसा	19 46	85 50	+13 20	+34 24	तिरूवन्तपुरम	केरल	8 44	77 20	−20 40	+0 24	पटियाला	पंजाब	30 22	76 25	−24 20	−3 16
जबलपुर	म. प्र.	23 10	79 58	−10 08	+10 56	शिलांग	मेघालय	25 31	90 15	+31 00	+52 04	परलकोट	म. प्र.	19 45	80 46	−6 56	+14 8
जयपुर	राजस्थान	26 55	75 50	−26 40	−5 40	थानेश्वर	पंजाब	29 58	76 56	−22 16	−1 12	पणजी	गोआ	15 41	73 10	−37 20	−16 16
जलपाईगुड़ी	बंगाल	26 32	88 44	+24 56	+46 00	दतिया	म. प्र.	25 39	78 27	−16 12	+4 52	पालनपुर	गुजरात	24 11	72 27	−40 12	−19 08
जम्मू	जम्मू का.	32 44	74 54	−30 24	−9 20	दरभंगा	बिहार	26 10	85 55	+13 40	+34 44	पाण्डिचेरी	तमिलनाडू	11 56	79 48	−10 48	+10 16
जसवन्तनगर	उ. प्र.	26 51	78 55	−14 20	+6 44	दार्जलिंग	प. बंगाल	27 03	88 17	+23 08	+44 12	पानीपत	हरियाणा	29 27	76 59	−22 04	−1 00
जनकपुर	म. प्र.	23 42	81 51	−2 36	−18 28	हिसपुर	असम	26 20	92 10	+38 40	+59 44	प्रयागराज	उ. प्र.	25 25	81 53	−2 28	+18 36
जामनगर	गुजरात	22 27	70 5	−49 40	−28 36	दिण्डुक्कल	तमिलनाडू	10 13	78 05	−17 40	+3 24	पूना	महाराष्ट्र	18 31	73 52	−34 32	−13 28
जालौर	राजस्थान	25 35	72 44	−39 04	−18 00	दिल्ली	राजधानी	28 38	77 14	−21 04	−0 00	पोर्टब्लेयर	अन्दमान	11 44	92 41	40 44	+61 48
जूनागढ़	गुजरात	21 32	70 27	−48 12	−27 08	द्वारका	गुजरात	22 16	68 57	−54 12	−33 08	पुष्करजी	राजस्थान	26 28	74 33	−31 48	−10 44
जोधपुर	राजस्थान	26 19	73 4	−37 44	−16 40	देहरादून	उत्तराखंड	30 19	78 04	−17 44	+3 20	पेशावर	प. पाकि.	34 01	71 36	−43 36	−22 32
जौनपुर	उ. प्र.	25 43	82 43	+0 52	+21 56	देशनोक	राजस्थान	27 54	73 16	−36 56	−15 52	पोरबन्दर	गुजरात	21 38	69 36	−51 36	−30 32
जींद	हरियाणा	29 19	76 23	−24 28	−3 24	देवगढ़	उड़ीसा	21 32	84 45	+9 00	+30 04	फतेहपुर	उ. प्र.	27 06	77 40	−19 20	+1 44
जैसलमेर	राजस्थान	26 54	70 57	−46 12	−25 08	धर्मशाला	हिमाचल	32 16	76 23	−24 28	−3 24	फरीदकोट	पंजाब	30 40	74 45	−31 00	−9 56
जालन्धर	पंजाब	31 19	75 35	−27 40	−6 36	धर्मपुरी	तमिलनाडू	12 08	78 11	−17 16	+3 48	फर्रुखाबाद	उ. प्र.	27 03	79 37	−11 32	+9 32
जाफराबाद	सौराष्ट्र	20 52	71 21	−44 36	−32 32	धारवाड़	कर्नाटक	15 28	75 02	−29 52	−8 48	फतेहपुर	राजस्थान	27 52	75 02	−29 52	−8 48
झांसी	उ. प्र.	25 26	78 34	−15 44	+5 20	धार	म. प्र.	22 36	75 12	−29 12	−8 08	फुलेरा	राजस्थान	26 52	75 16	−28 56	−7 52
झालावाड़	राजस्थान	24 36	76 9	−25 24	−4 20	धौलपुर	राजस्थान	26 42	77 53	−18 28	+2 36	फीरोजपुर	पंजाब	30 57	74 36	−31 36	−10 32
झुंझनू	राजस्थान	28 07	75 25	−28 20	−7 16	धौलागिर	नेपाल	29 11	83 00	−21 00	−23 04	फैजाबाद	उ. प्र.	26 47	82 08	−1 28	+19 36
टोंक	राजस्थान	26 11	75 50	−26 40	−5 36	धांग्रंधा	सौराष्ट्र	22 59	71 30	−44 00	−22 56	फीरोजबाद	उ. प्र.	27 09	78 24	−16 24	+4 40
टेरू	जम्मू	36 14	72 42	−39 12	−18 08	नवलगढ़	राजस्थान	27 51	75 12	−29 12	−8 08	फूलपुर	उ.प्र.	25 32	82 17	−1 32	+19 32
टनकपुर	उ. प्र.	29 09	80 10	−9 20	+11 44	नसीराबाद	राजस्थान	26 18	74 46	−30 56	−9 52	फाजिलका	पंजाब	30 25	74 03	−33 48	−12 44
टाटानगर	बिहार	24 46	86 13	+14 52	+35 56	नड़ियाद	गुजरात	22 41	72 52	−38 32	−17 28	फतेहगढ़	उ. प्र.	27 23	79 35	−11 40	+9 24
टेहरी	उत्तराखंड	30 23	78 30	−16 00	+5 04	नाथद्वारा	राजस्थान	24 56	73 48	−34 48	−13 44	बक्सर	बिहार	25 34	83 59	+5 56	+27 00
टूंडला जं.	उ. प्र.	27 13	78 13	−17 08	+3 56	नाभा	पंजाब	30 22	76 10	−25 20	−4 16	बद्रीनाथ	उत्तराखंड	30 44	79 30	−12 00	+9 04
डायमण्ड	पं. बंगाल	22 11	84 12	+6 48	+27 52	नागपुर	महाराष्ट्र	21 09	79 6	−13 36	+7 28	वरंगल	आं. प्र.	18 04	79 53	−10 28	+10 36
डिब्रूगढ़	असम	27 29	94 56	+49 44	+70 48	नासिक	महाराष्ट्र	21 00	73 47	−34 52	−13 48	बड़ौदा	गुजरात	22 18	73 12	−37 12	−16 08

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
बम्बई	महाराष्ट्र	18।55	72।50	—38।40	—17।36
बरेली	उ.प्र.	28।22	79।24	—12।24	+8।40
बद्रीनाथ	उत्तराखंड	30।44	79।30	—12।00	+9।04
बर्द्धमान	पं. बंगाल	23।25	87।54	+21।36	+42।40
बहराइच	उ. प्र.	27।34	81।37	—3।32	+17।32
बस्ती	उ.प्र.	26।48	82।46	+1।04	+22।08
ब्यावर	राजस्थान	26।07	73।54	—34।24	—13।20
वाराणसी	उ. प्र.	25।20	83।00	+2।00	+23।04
बासवाड़ा	राजस्थान	23।33	78।26	—16।16	+4।48
बाराबंकी	उ. प्र.	26।56	81।10	—5।20	+15।44
बालू घाट	प. दिजाज	25।14	88।47	+25।08	+46।12
बाँदा	उ. प्र.	25।28	80।21	—8।36	+12।28
बांदीकुई	राजस्थान	27।26	76।24	—24।24	—3।20
बूंदी	राजस्थान	25।27	75।40	—27।20	—6।16
ब्रह्मकुण्ड	अरु. प्रदेश	27।56	96।10	+54।40	+75।44
बंगलौर	कर्नाटक	12।58	77।35	—19।40	+1।24
बैतूल	म. प्र.	21।51	77।56	—18।16	+2।48
बेलगांव	कर्नाटक	15।55	74।31	—31।56	—10।52
बुलन्दशहर	उ. प्र.	28।24	77।52	—18।03	+2।32
बिलासपुर	हिमाचल	31।19	76।50	—22।40	—2।36
बिलासपुर	म. प्र.	22।05	82।10	—1।20	+19।44
बिजनौर	उ. प्र.	29।23	78।11	—17।16	+3।48
बिहार शरीफ	बिहार	25।11	85।32	+12।08	+33।12
बीकानेर	राजस्थान	28।01	73।19	—26।44	—15।40
बीजापुर	कर्नाटक	16।50	75।42	—27।12	—6।08
बीदर	कर्नाटक	18।10	77।47	—18।52	+2।12
बीरमगढ़	गुजरात	23।00	72।02	—41।52	—20।48
बोगरा	बंगलादेश	24।51	89।24	+27।26	+48।40
भरतपुर	राजस्थान	27।15	77।30	—20।00	+1।04
भंडारा	महाराष्ट्र	21।10	79।40	—11।20	+9।44
भरूच	गुजरात	21।41	73।00	—38।00	—16।56
भटिन्डा	पंजाब	30।11	74।57	—30।12	—9।08
भदोही	उ. प्र.	25।24	82।34	+0।16	+21।20
भोपाल	म. प्र.	23।16	77।23	—20।28	+0।36
भीलवाड़ा	राजस्थान	24।21	74।40	—31।20	—10।16
भिवानी	हरियाणा	28।48	76।08	—25।28	—4।24
भावनगर	गुजरात	21।44	42।10	—42।20	—20।16

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
भुवनेश्वर	उड़ीसा	20।54	85।52	+13।28	+34।32
भूसावल	महाराष्ट्र	21।12	75।47	—26।52	—5।48
भूटान	भूटान	27।30	90।00	+30।00	+51।04
भुजकच्छ	गुजरात	23।15	69।41	—51।16	—30।12
मथुरा	उ. प्र.	27।28	77।41	—19।16	+1।48
चेन्नई	तमिलनाडु	13।05	80।17	—8।52	+12।12
मणीपुर	मणीपुर	24।20	93।58	—45।52	—66।56
मण्डी	हि. प्र.	31।43	76।58	—22।08	—1।04
मल्लपुरम	केरल	11।04	76।04	—25।44	—4।40
मालेगांव	महाराष्ट्र	20।31	74।30	—32।00	—10।56
मुरादाबाद	उ. प्र	28।50	78।50	—14।40	+6।24
मुंगेर	बिहार	25।23	86।30	+16।00	+37।04
मुजफ्फरपुर	बिहार	26।07	85।27	+11।48	+32।52
फुजफ्फराबाद	कश्मीर	34।33	73।27	—36।12	—15।08
मेघालय	शिलंग	25।57	82।00	+38।00	+59।04
मैसूर	कर्नाटक	12।29	76।20	—26।20	—2।16
मेरठ	उ. प्र.	29।01	77।45	—19।00	+2।04
मिर्जापुर	उ. प्र.	25।10	82।37	+0।28	+21।32
मेडतासिटी	राजस्थान	26।39	74।03	—33।48	—12।44
यानामा	आं. प्रदेश	16।46	82।13	—1।08	+19।56
यासिन	केरल	36।21	73।19	—36।48	—12।44
यवतमाल	महाराष्ट्र	20।24	78।08	—17।28	+3।36
यादगीर	कर्नाटक	16।47	77।08	—17।28	+ 3।36
रतलाम	म. प्र.	23।19	75।03	—29।48	—8।44
रत्नागिरी	महाराष्ट्र	16।59	73।19	—36।44	—15।40
राजकोट	गुजरात	22।18	70।50	—46।40	—25।26
राजचूर	(कर्ना.)	16।12	77।21	—20।36	+0।28
राजमपेट	(आ. प्र.)	14।12	79।34	—11।44	+9।20
रामपुर	(यू.पी.)	28।47	79।02	—13।52	+7।12
रामेश्वर	(तमिल.)	9।17	79।34	—11।34	+9।20
रायबरेली	(उ. प्र.)	26।14	81।13	—5।08	+15।56
राजमंड्रि	(आ. प्र.)	17।05	81।48	—2।48	+18।16
रायपुर	छत्तीसगढ़	21।15	81।38	—3।28	+17।36
राजगढ़	(म. प्र.)	24।00	76।44	—23।04	—2।00
राजगढ़	(राज.)	27।40	76।24	—24।24	—3।20
राजनन्द गांव	म.प्र.	21।15	81।05	—5।40	+15।15
रोहतक	हरियाणा	28।54	76।38	—23।28	—2।24

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
रोपड़	(पंजा.)	30।57	76।30	—24।00	—2।56
लखनऊ	(उ. प्र.)	26।51	80।59	—6।14	+15।00
ललितपुर	(उ. प्र.)	24।41	78।24	—16।24	+4।400
लुधियाना	पंजाब	30।35	75।53	—26।28	—5।24
शाहजहांपुर	उ. प्र.	27।54	79।57	—10।12	+10।52
शिलांग	(मेघा.)	25।34	91।45	+37।36	+58।40
शिवपुरी	(म. प्र.)	25।30	78।04	—13।44	+3।20
राजापुर	(म. प्र.)	23।24	76।14	—25।04	—4।00
शेरकिला	(काश्मी.)	36।07	73।53	—34।28	—13।24
श्रीनगर	(काश्म.)	34।06	74।51	—30।36	—9।32
शिमला	(हिमा.)	31।06	77।10	—21।20	—0।16
संतालपु	(गु.)	23।47	70।28	—48।08	—27।04
सातारा	(महा.)	17।47	73।54	—34।24	—13।20
सागर	(म. प्र.)	23।50	78।45	—15।00	+6।04
सरदारशहर	(राज.)	28।27	74।30	—32।00	—10।56
सवाईमाधोपुर	(राज.)	25।59	76।24	—24।24	—3।20
सहारनपुर	(उ. प्र.)	29।59	77।23	—20।28	+0।36
सोमनाथ	(गुज.)	21।01	70।26	—48।16	—27।22
सोलापुर	(महा.)	17।40	75।48	—30।48	—5।44
सोलन	(हिमा.)	30।55	77।09	—21।24	—0।20
सूरत	(गुज.)	21।12	72।50	—38।40	—17।36
सिकन्दराबाद	आ. प्र.	17।27	78।33	—15।48	+5।16
सिरोही	(राज.)	24।56	72।50	—38।40	—17।36
सीकर	(राज.)	27।51	75।14	—29।04	—8।00
सीतापुर	(उ. प्र.)	27।36	80।40	—7।20	+13।44
हरिद्वार	उत्तराखंड	29।58	78।13	—17।08	+3।56
हरदोई	(उ. प्र.)	27।23	80।10	—9।20	+11।44
हथुवा	बिहार	26।12	84।05	+6।20	+27।44
होशंगाबाद	(म. प्र.)	22।46	77।45	—19।0	+2।04
हजारीबाग	झारखंड	24।00	85।23	+11।32	—32।27
हाजीपुर	बिहार	25।35	83।11	+2।44	—23।48
होशियारपुर	(पंजा.)	31।32	75।55	—26।20	—5।16
हौशंगाबाद	(म. प्र.)	22।46	77।43	—19।08	+1।56
हैदराबाद	(आन्ध्र)	17।27	78।30	—16।00	+5।04
हिसार	हरियाणा	29।14	75।44	—27।04	—6।00
हैद्राबाद	पाकिस्तान	25।23	68।22	—56।32	—35।28
हिंगाटा	(उड़ी.)	20।22	85।12	+10।48	+31।52

दुनियां के कुछ देशों के अक्षांश आदि

विदेशी राजधानी एवं प्रमुख शहर	राष्ट्र	अक्षांश	रेखांश	क्षेत्रीय स्टै. टा. से. स्था. समयान्तर मि. सै.	ग्रीनविच G.M.T. से क्षे. स्टै. समयान्तर घं. मि.	भारतीय स्टै.टा. से क्षे. स्टै. टा. समयान्तर घं. मि.	दिल्ली से पूर्व व पश्चि. देशान्तर समय संस्कार घं. मि. सै.	साम्पा. संस्कार
बेलिंग्टन	न्यूजीलैंड	४१।१९द.	१७४।४६पू.	—२०।५६	+१२।०	+६।३०	+६।३०।४	—१।३
कान्बेर	आस्ट्रेलिया	३५।१५द.	१४९।८पू.	—३।२८	" १०।०	" ४।३०	+४।४७।३६	"०।४७
आस्ट्रेलिया	दक्षिण	३२।०द.	१४६।१७पू.	—१४।५२	" १०।०	" ४।३०	+४।३६।१२	"०।४७
टोकियो	जापान	३५।३९उ.	१३९।४५पू.	+१९।०	" ९।०	" ३।३०	+४।१०।४	"०।४४
सेऊल	द. कोरिया	३७।४०उ.	१२७।० पू.	—३२।०	" ९।०	" ३।३०	+३।१९।१४	"०।३३
प्योगयांग	उ. कोरिया	३९।०उ.	१२५।३०पू.	—३८।०	" ९।०	" ३।३०	+३।१३।१४	"०।३२
फार्मोसा	फार्मोसा	२५।१८उ.	१२१।३२पू.	—५३।५२	" ९।०	" ३।३०	+२।५७।१२	"०।३०
फिजीदीप	फिजी	१८।०द.	१७९।०पू.	+६।२६	" १२।०	" ६।३०	+६।४७।४	"१।८
पेइचिंग	चीन	३९।५०उ.	११६।२०पू.	—१४।४०	" ८।०	" २।३०	+२।३६।२४	"०।२६
हांगकांग	हांगकांग	२२।१८उ.	११४।१०पू.	—२३।२०	" ८।०	" २।३०	+२।२७।४४	"०।२२
जकार्ता	इंडोनेशिया	७।५७द.	११०।२०पू.	—८।४०	" ७।३०	" २।०	+२।१२।२४	"०।२१
सिंगापुर	मलाया	१।१६उ.	१०३।४७पू.	—३४।५२	" ७।३०	" २।०	+१।४६।१२	"०।१७
बेंगकांक	स्याम	१३।४५उ.	१००।३०पू.	—१८।०	" ७।०	" १।३०	+१।३३।४	"०।१५
रंगून	ब्रह्मदेश	१६।४८उ.	९६।४पू.	—५।२८	" ६।३०	" १।०	+१।१५।३६	"०।१२
मांडले	" "	२२।०उ.	९६।५पू.	—५।४०	". ६।३०	" १।०	+१।१५।२४	"०।१२
ल्हासा	तिब्बत	२९।४०उ.	९१।४ पू.	+३४।३२	" ५।३०	" ०।०	+०।५५।३६	"०।१९
ढाका	बांग्लादेश	२३।४३उ.	९०।२५पू.	+११।४०	" ६।०	" ०।३०	+०।५२।४४	"०।४
काडो	सीलोन लंका	७।११उ.	८०।३२पू.	—०।०	" ५।३०	— ०।०	+०।२१।१२	"०।२
राज. दिल्ली	भारत	२८।३८उ.	७७।१२पू.	—२१।४	" ५।३०	+ ०।०	+ ०।०।०	" ०।०
काबुल	अफगानिस्तान	३४।३१उ.	६९।१२पू.	+६।४८	" ४।३०	— १।००	—०।३२।४	+०।१५
कराची	प.पाकिस्तान	२४।५१उ.	६७।०पू.	—३२।०	" ५।०	" ०।३०	—०।४०।५६	"०।६
तेहरान	ईरान	३५।४४उ.	५१।२७पू.	—४।१२	" ३।३०	" २।०	—१।४३।८	"०।१७
एडन	एडन	१२।५८उ.	४५।१ पू.	+०।४	" ३।०	" २।३०	—२।४।५२	"०।२०
बगदाद	ईराक	३३।१८उ.	४४।३०पू.	—२।०	" ३।०	" २।३०	—२।१०।५६	"०।२१
अदन	एडन	१३।२५उ.	४५।०पू.	—०।०	" ३।०	" २।३०	—२।४।५६	"०।२०
रियाध	सऊदी अरब	२४।५०उ.	४६।२८पू.	+५।१२	" ३।०	" २।३०	—२।३।४४	"०।१९
मॉस्को	रूस	५५।४५उ.	३७।३५पू.	—२९।४०	" ३।०	" २।३०	—२।३८।३६	"०।२६
नाइरोबी	पूर्वी अफ्रीका	१।२०द.	३६।४४पू.	—३३।४	" २।३०	" ३।०	—२।४२।०	"०।२७
दमास्कस	सीरिया	३३।३०उ.	३६।१८पू.	+२५।१२	" २।०	" ३।३०	—२।४३।४४	"०।२७
अमन	जॉर्डन	३१।५७उ.	३५।५७ पू.	+२३।४८	" २।०	" ३।३०	—२।४५।१८	"०।२८
जेरुसलेम	इसराइल	३१।४८उ.	३५।१३पू.	+२०।४८	" २।०	" ३।३०	—२।४।८	"०।२८
काहिरा	मिश्र	३०।३उ.	३१।१३पू.	+४।५२	" २।०	" ३।३०	—३।४।४	"०।३१
अंकारा	तुर्किस्तान	३९।५३उ.	३२।५१पू.	+११।५६	" २।०	" ३।३०	—२।५७।०	"०।३०
ट्रांसवालय	दक्षि. अफ्रीका	२५।०द.	२९।०पू.	+४।०	" २।०	" ३।३०	—३।१२।५६	"०।३१
[illegible]	यूरोप	४१।२८उ.	२८।५७पू.	+१४।५२	" २।०	" ३।३०	—३।१३।४८	"०।३३

विदेशी राजधानी एवं प्रमुख शहर	राष्ट्र	अक्षांश	रेखांश	क्षेत्रीय स्टै. टा. से. स्था. समयान्तर मि. सै.	ग्रीनविच G.M.T. से क्षे. स्टै. समयान्तर घं. मि.	भारतीय स्टै.टा. से क्षे. स्टै. टा. समयान्तर घं. मि.	दिल्ली से पूर्व व पश्चि. देशान्तर समय संस्कार घं. मि. सै.	साम्पा. संस्कार
बेलग्रेड	यूगोस्लाविया	४४।५०उ.	२०।३७पू.	+२२।२८	+१।०	—४।३०	—३।४६।२८	+०।३८
बुडापेस्ट	हंगरी	४७।२९उ.	१९।५ पू.	+१६।२०	" १।०	" ४।३०	—३।५२।३६	"०।३९
बर्लिन	पूर्वीजर्मनी	५२।३२उ.	१३।२४पू.	—६।२४	" १।०	" ४।३०	"४।१५।२०	"०।४२
ट्रिपोली	उत्तरी अफ्रीका	३२।४५द.	१३।१५पू.	—७।०	" १।०	" ४।३०	"४।१५।५६	"०।४३
रोम	इटली	४१।४५उ.	१२।२९पू.	—१०।४	" १।०	" ४।३०	"४।१९।०	"०।४८
यान	पश्चि.जर्मनी	५०।४३उ.	७।६पू.	—३१।३६	+१।०	" ४।३०	"४।४०।३२	"०।४८
जेनेवा	स्विट्जरलैंड	४६।४२उ.	६।९पू.	—३५।२४	" १।०	" ४।३०	"४।४४।२०	"०।४९
ब्रू सेल्स ×	बेल्जियम	५०।५१उ.	४।२१पू.	—४२।३६	+१।०	—४।३०	"४।५१।३२	"०।५०
पेरिस ×	फ्रान्स	४८।५०उ.	२।२०पू.	—५०।४०	+१।०	" ४।३०	"४।५९।३६	"०।५१
ग्रीनविच	इंग्लैंड	५१।२९उ.	रे. शून्य	—०।०	+०।०	" ५।३०	"५।४।५६	"०।५१
लंदन	"	५१।३२उ.	०।५प.	—०।२०	—०।०	" ५।३०	"५।९।१६	"०।५३
मॉड्रिड ×	स्पेन	४०।२५उ.	३।४५प.	—७५।०	+१।०	" ४।३०	"५।२३।५६	"०।५४
जिब्राल्टर "	जिब्राल्टर	३६।७उ.	५।२२ प.	—८१।२८	+१।०	" ४।३०	"५।३०।२४	"०।५७
लिस्बन	पुर्तगाल	३८।४२उ.	९।१०प.	—३६।४०	—०।०	" ५।३०	"५।४५।३६	"१।३७
अर्जेण्टाइना	द. अमेरिका	२६।१२द.	६४।४५प.	+४१।०	" ५।०	" १०।३०	"९।२७।५६	"१।४०
न्यूयॉर्क	अमेरिका	४०।४३उ.	७४।०प.	+४।०	" ५।०	" १०।३०	"१०।४।५६	"१।४०
ओटावा	कैनेडा	४५।२६उ.	७५।४१प.	—२।४४	" ५।०	" १०।०	"१०।११।४०	"१।४०
वाशिंगटन	अमेरिका	३८।४३उ.	७७।०प.	—८।०	" ५।०	" १०।०	"१०।२६।५६	"१।४२
मेक्सिको	मेक्सिको	१९।२५उ.	९९।७प.	—३७।४	" ६।०	" ११।३०	"११।४६।४	"१।५७

नोट—× यहां ग्रीनविच मध्यम समय (G.M.T.) भी व्यवहार में चालू है।

रेलवे टाईम से देशी टाईम बनाने की रीति

जिस नगर का रेलवेअन्तर मिनट धन होवे उसके मध्य अन्तर को रेलवे टाइम में जोड देना और जहां ऋण चिन्ह होवे वहां पर मध्यान्तर मिनट घटा देने से अभीष्ट शहर का मध्यम समय प्राप्त होगा। जिस मास और तारीख का स्पष्ट समय जानना हो तो उस मास और तारीख के सामने जो वेलान्तर मिनट होवे उनको मध्यम टाइम में विपरीत (धन चिन्ह हो तो ऋण और ऋण चिन्ह हो तो धन) युक्त करने से अभीष्ट शहर का घण्टा मिनिटात्मक स्पष्ट समय उस दिन का होगा। (+) यह धन चिन्ह है। और (—) यह ऋण चिन्ह है।

समय भेद- इस समय समस्त भू-मण्डल पर जो समय प्रयोग में आ रहा है वह ब्रिटेन की राजधानी लन्दन के निकट ग्रीनविच (वेधशाला) से प्रसारित किया जाता है सभी देशों ने अपने-अपने यहां व्यवहार में लाने के लिए किसी एक स्थान विशेष को आधार मानकर स्वदेशीय स्टैण्डर्ड टाईम चालू कर रखा है। इस समय समस्त भारत वर्ष में जो समय प्रसारित किया जाता है, वह बनारस से कुछ पश्चिम में मिर्जापुर, चिरमिरी, बिलासपुर, कोटपाड़, घोरा और जुम्ला आदि स्थानों पर से गुजरने वाली काल्पनिक देशान्तर रेखा को आधार मानकर किया जाता है, जो कि ग्रीनविच से पूर्व रेखांश ८२।३० के अन्तर पर है। एक देशान्तर रेखा बराबर ४ मिनट + के हिसाब से ८२।३० × ४ =५ घं ३० मिनट का अन्तर ही ग्रीनविच और भारतीय स्टैण्डर्ड समय का अन्तर सदैव धन रहता है।

वर्तमान समय में- ८२।३० पूर्व देशान्तर रेखा से प्रसारित होने वाला भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम समस्त भारत वर्ष में एक समान रहता है। इससे वायुयान, जलयान, रेलवे आदि के व्यवहारों में बहुत सुविधा रहती है। लेकिन अनभिज्ञ ज्योतिषी समय भेद का यथार्थ ज्ञान न होने के कारण किसी भी स्थान के किसी भी आधार पर बने पंचांग का सूर्योदय चाहे जिस मान का लेकर इष्ट बना लेते हैं, यह ज्योतिष शास्त्र की दृष्टि से अपराध है। ज्योतिषियों को चाहिए कि पहले समय भेद को भली भाँति समझकर तदन्तर जन्म पत्र आदि बनावें।

इस समय समस्त घड़ियां स्टैण्डर्ड टाईम से चल रही हैं। प्राय धूप घडी का प्रचलन ही समाप्त हो चुका है। धूप घड़ी से बने पंचांग व उनमें छपी लग्न सारिणी, दिनार्ध से या दिनमानादि के द्वारा इष्ट बनाने की पुरानी विधि भी सर्वथा अनुचित है, क्योंकि धूप घड़ी के अनुसार [illegible]

चालन कोष्ठक

मिनट	० घं.	१ घं.	२ घं.	३ घं.	४ घं.	५ घं.	६ घं.	७ घं.	८ घं.	९ घं.	१० घं.	११ घं.	१२ घं.	१३ घं.	१४ घं.	१५ घं.	१६ घं.	१७ घं.	१८ घं.	१९ घं.	२० घं.	२१ घं.	२२ घं.	२३ घं.
०	०	४२	८३	१२५	१६७	२०८	२५०	२९२	३३३	३७५	४१७	४५८	५००	५४२	५८३	६२५	६६७	७०८	७५०	७९२	८३३	८७५	९१७	९५८
१	१	४३	८४	१२६	१६८	२०९	२५१	२९३	३३४	३७६	४१८	४५९	५०१	५४३	५८४	६२६	६६८	७०९	७५१	७९३	८३४	८७६	९१८	९५९
३	२	४४	८५	१२७	१६९	२१०	२५२	२९४	३३५	३७७	४१९	४६०	५०२	५४४	५८५	६२७	६६९	७१०	७५२	७९४	८३५	८७७	९१९	९६०
४	३	४५	८६	१२८	१७०	२११	२५३	२९५	३३६	३७८	४२०	४६१	५०३	५४५	५८६	६२८	६७०	७११	७५३	७९५	८३६	८७८	९२०	९६१
६	४	४६	८७	१२९	१७१	२१२	२५४	२९६	३३७	३७९	४२१	४६२	५०४	५४६	५८७	६२९	६७१	७१२	७५४	७९६	८३७	८७९	९२१	९६२
७	५	४७	८८	१३०	१७२	२१३	२५५	२९७	३३८	३८०	४२२	४६३	५०५	५४७	५८८	६३०	६७२	७१३	७५५	७९७	८३८	८८०	९२२	९६३
९	६	४८	८९	१३१	१७३	२१४	२५६	२९८	३३९	३८१	४२३	४६४	५०६	५४८	५८९	६३१	६७३	७१४	७५६	७९८	८३९	८८१	९२३	९६४
१०	७	४९	९०	१३२	१७४	२१५	२५७	२९९	३४०	३८२	४२४	४६५	५०७	५४९	५९०	६३२	६७४	७१५	७५७	७९९	८४०	८८२	९२४	९६५
१२	८	५०	९१	१३३	१७५	२१६	२५८	३००	३४१	३८३	४२५	४६६	५०८	५५०	५९१	६३३	६७५	७१६	७५८	८००	८४१	८८३	९२५	९६६
१३	९	५१	९२	१३४	१७६	२१७	२५९	३०१	३४२	३८४	४२६	४६७	५०९	५५१	५९२	६३४	६७६	७१७	७५९	८०१	८४२	८८४	९२६	९६७
१४	१०	५२	९३	१३५	१७७	२१८	२६०	३०२	३४३	३८५	४२७	४६८	५१०	५५२	५९३	६३५	६७७	७१८	७६०	८०२	८४३	८८५	९२७	९६८
१६	११	५३	९४	१३६	१७८	२१९	२६१	३०३	३४४	३८६	४२८	४६९	५११	५५३	५९४	६३६	६७८	७१९	७६१	८०३	८४४	८८६	९२८	९६९
१७	१२	५४	९५	१३७	१७९	२२०	२६२	३०४	३४५	३८७	४२९	४७०	५१२	५५४	५९५	६३७	६७९	७२०	७६२	८०४	८४५	८८७	९२९	९७०
१९	१३	५५	९६	१३८	१८०	२२१	२६३	३०५	३४६	३८८	४३०	४७१	५१३	५५५	५९६	६३८	६८०	७२१	७६३	८०५	८४६	८८८	९३०	९७१
२०	१४	५६	९७	१३९	१८१	२२२	२६४	३०६	३४७	३८९	४३१	४७२	५१४	५५६	५९७	६३९	६८१	७२२	७६४	८०६	८४७	८८९	९३१	९७२
२२	१५	५७	९८	१४०	१८२	२२३	२६५	३०७	३४८	३९०	४३२	४७३	५१५	५५७	५९८	६४०	६८२	७२३	७६५	८०७	८४८	८९०	९३२	९७३
२३	१६	५८	९९	१४१	१८३	२२४	२६६	३०८	३४९	३९१	४३३	४७४	५१६	५५८	५९९	६४१	६८३	७२४	७६६	८०८	८४९	८९१	९३३	९७४
२४	१७	५९	१००	१४२	१८४	२२५	२६७	३०९	३५०	३९२	४३४	४७५	५१७	५५९	६००	६४२	६८४	७२५	७६७	८०९	८५०	८९२	९३४	९७५
२६	१८	६०	१०१	१४३	१८५	२२६	२६८	३१०	३५१	३९३	४३५	४७६	५१८	५६०	६०१	६४३	६८५	७२६	७६८	८१०	८५१	८९३	९३५	९७६
२७	१९	६१	१०२	१४४	१८६	२२७	२६९	३११	३५२	३९४	४३६	४७७	५१९	५६१	६०२	६४४	६८६	७२७	७६९	८११	८५२	८९४	९३६	९७७
२९	२०	६२	१०३	१४५	१८७	२२८	२७०	३१२	३५३	३९५	४३७	४७८	५२०	५६२	६०३	६४५	६८७	७२८	७७०	८१२	८५३	८९५	९३७	९७८
३०	२१	६३	१०४	१४६	१८८	२२९	२७१	३१३	३५४	३९६	४३८	४७९	५२१	५६३	६०४	६४६	६८८	७२९	७७१	८१३	८५४	८९६	९३८	९७९
३२	२२	६४	१०५	१४७	१८९	२३०	२७२	३१४	३५५	३९७	४३९	४८०	५२२	५६४	६०५	६४७	६८९	७३०	७७२	८१४	८५५	८९७	९३९	९८०
३३	२३	६५	१०६	१४८	१९०	२३१	२७३	३१५	३५६	३९८	४४०	४८१	५२३	५६५	६०६	६४८	६९०	७३१	७७३	८१५	८५६	८९८	९४०	९८१
३५	२४	६६	१०७	१४९	१९१	२३२	२७४	३१६	३५७	३९९	४४१	४८२	५२४	५६६	६०७	६४९	६९१	७३२	७७४	८१६	८५७	८९९	९४१	९८२
३६	२५	६७	१०८	१५०	१९२	२३३	२७५	३१७	३५८	४००	४४२	४८३	५२५	५६७	६०८	६५०	६९२	७३३	७७५	८१७	८५८	९००	९४२	९८३
३७	२६	६८	१०९	१५१	१९३	२३४	२७६	३१८	३५९	४०१	४४३	४८४	५२६	५६८	६०९	६५१	६९३	७३४	७७६	८१८	८५९	९०१	९४३	९८४
३९	२७	६९	११०	१५२	१९४	२३५	२७७	३१९	३६०	४०२	४४४	४८५	५२७	५६९	६१०	६५२	६९४	७३५	७७७	८१९	८६०	९०२	९४४	९८५
४०	२८	७०	१११	१५३	१९५	२३६	२७८	३२०	३६१	४०३	४४५	४८६	५२८	५७०	६११	६५३	६९५	७३६	७७८	८२०	८६१	९०३	९४५	९८६
४२	२९	७१	११२	१५४	१९६	२३७	२७९	३२१	३६२	४०४	४४६	४८७	५२९	५७१	६१२	६५४	६९६	७३७	७७९	८२१	८६२	९०४	९४६	९८७
४३	३०	७२	११३	१५५	१९७	२३८	२८०	३२२	३६३	४०५	४४७	४८८	५३०	५७२	६१३	६५५	६९७	७३८	७८०	८२२	८६३	९०५	९४७	९८८
४५	३१	७३	११४	१५६	१९८	२३९	२८१	३२३	३६४	४०६	४४८	४८९	५३१	५७३	६१४	६५६	६९८	७३९	७८१	८२३	८६४	९०६	९४८	९८९
४६	३२	७४	११५	१५७	१९९	२४०	२८२	३२४	३६५	४०७	४४९	४९०	५३२	५७४	६१५	६५७	६९९	७४०	७८२	८२४	८६५	९०७	९४९	९९०
४८	३३	७५	११६	१५८	२००	२४१	२८३	३२५	३६६	४०८	४५०	४९१	५३३	५७५	६१६	६५८	७००	७४१	७८३	८२५	८६६	९०८	९५०	९९१
४९	३४	७६	११७	१५९	२०१	२४२	२८४	३२६	३६७	४०९	४५१	४९२	५३४	५७६	६१७	६५९	७०१	७४२	७८४	८२६	८६७	९०९	९५१	९९२
५०	३५	७७	११८	१६०	२०२	२४३	२८५	३२७	३६८	४१०	४५२	४९३	५३५	५७७	६१८	६६०	७०२	७४३	७८५	८२७	८६८	९१०	९५२	९९३
५२	३६	७८	११९	१६१	२०३	२४४	२८६	३२८	३६९	४११	४५३	४९४	५३६	५७८	६१९	६६१	७०३	७४४	७८६	८२८	८६९	९११	९५३	९९४
५३	३७	७९	१२०	१६२	२०४	२४५	२८७	३२९	३७०	४१२	४५४	४९५	५३७	५७९	६२०	६६२	७०४	७४५	७८७	८२९	८७०	९१२	९५४	९९५
५५	३८	८०	१२१	१६३	२०५	२४६	२८८	३३०	३७१	४१३	४५५	४९६	५३८	५८०	६२१	६६३	७०५	७४६	७८८	८३०	८७१	९१३	९५५	९९६
५६	३९	८१	१२२	१६४	२०६	२४७	२८९	३३१	३७२	४१४	४५६	४९७	५३९	५८१	६२२	६६४	७०६	७४७	७८९	८३१	८७२	९१४	९५६	९९७
५८	४०	८२	१२३	१६५	२०७	२४८	२९०	३३२	३७३	४१५	४५७	४९८	५४०	५८२	६२३	६६५	७०७	७४८	७९०	८३२	८७३	९१५	९५७	९९८
५९	४१	८३	१२४	१६६	२०८	२४९	२९१	३३३	३७४	४१६	४५८	४९९	५४१	५८३	६२४	६६६	७०८	७४९	७९१	८३३	८७४	९१६	९५८	९९९

सूर्यबिम्ब द्रव्यमान वक्री भवन संस्कार युक्त (अक्षांश के मुताबिक) सूर्योदय A.M.और सूर्यास्त P.M.स्थानिक समय में

उत्तर अक्षांश	अक्षांश ८				९				१०				११				१२				१३				१४				१५				१६				१७				१८				१९				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जन. १	६	१४	५	५४	६	१६	५	५२	६	१७	५	५०	६	१९	५	४९	६	२१	५	४७	६	२३	५	४५	६	२४	५	४३	६	२६	५	४१	६	२८	५	४०	६	३०	५	३८	६	३१	५	३६	६	३३	५	३४	जुला. ३
७		१६		५७		१८		५५		१९		५३		२१		५२		२३		५०		२५		४८		२६		४७		२८		४५		३०		४३		३१		४१		३३		४०		३५		३८	९
१३		१८	६	०		२०		५८		२१		५७		२३		५५		२४		५३		२६		५१		२८		५०		२९		४८		३१		४७		३३		४५		३४		४३		३६		४२	१५
१९		१९		३		२१	६	१		२२	६	०		२४		५८		२५		५७		२७		५५		२८		५४		३०		५२		३१		५०		३३		४९		३५		४७		३६		४६	२२
२५		२०		५		२२		३		२३		२		२४	६	१		२६		५९		२७		५८		२८		५७		३०		५५		३१		५४		३३		५२		३४		५१		३६		४९	२८
३१		२०		७		२२		६		२३		५		२४		३		२५	६	२		२७	६	०		२८		५९		२९		५८		३१		५७		३२		५५		३३		५४		३५		५३	अग. ४
फर. ६		२०		९		२१		८		२२		७		२३		५		२४		४		२६		३		२७	६	२		२८	६	१		२९	६	०		३०		५८		३१		५७		३३		५६	१०
१२		१९		१०		२०		९		२१		८		२२		७		२३		६		२४		५		२५		४		२६		३		२७		२		२८	६	१		२९	६	०		३०		५९	१६
१८		१७		११		१८		१०		१९		९		२०		८		२१		८		२२		७		२२		६		२३		५		२४		४		२५		३		२६		२		२७	६	२	२२
२४		१५		११		१६		१०		१७		१०		१७		९		१८		९		१९		८		१९		७		२०		७		२१		६		२२		५		२२		५		२३		४	२९
मार्च २		१३		१२		१४		११		१४		११		१५		१०		१५		१०		१६		९		१६		९		१७		८		१७		८		१८		७		१८		७		१९		६	सितं. ४
८		१०		१२		११		११		११		११		११		११		१२		१०		१२		१०		१२		१०		१३		९		१३		९		१४		९		१४		८		१४		८	१०
१४		८		११		८		११		८		११		८		११		८		११		९		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९		९	१६
२०		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११	२२
२६		१		१०		१		१०		१		११		१		११		१		११		१		११		०		१२		०		१२		०		१२		०		१२		०		१२	५	५१		१३	२८
अप्रै. २	५	५८		१०	५	५८		१०	५	५७		११	५	५७		११	५	५६		११	५	५६		११	५	५५		१२	५	५५		१३	५	५५		१३	५	५४		१३	५	५४		१४		५३		१४	अक्टू. ६
८		५५		९		५५		९		५४		१०		५३		११		५२		१२		५२		१२		५१		१३		५१		१३		५०		१४		५०		१४		५०		१५		४९		१६	११
१४		५२		९		५१		९		५०		१०		५०		११		४९		१२		४९		१२		४८		१३		४७		१४		४६		१५		४५		१६		४५		१६		४४		१७	१७
२०		४९		९		४८		१०		४७		११		४७		१२		४६		१२		४५		१३		४४		१४		४३		१५		४२		१६		४१		१७		४०		१८		३९		१९	२३
२६		४७		९		४६		१०		४५		११		४४		१२		४३		१३		४२		१४		४१		१५		४०		१६		३९		१७		३७		१८		३६		१९		३५		२१	२९
मई १		४५		९		४४		१०		४३		१२		४२		१३		४१		१४		४०		१५		३८		१६		३७		१७		३६		१९		३५		२०		३३		२१		३२		२२	नवं. ३
७		४३		१०		४२		११		४१		१२		४०		१४		३८		१५		३७		१६		३६		१८		३४		१९		३३		२०		३२		२२		३०		२३		२९		२४	९
१३		४२		११		४१		१२		३९		१३		३८		१५		३७		१६		३६		१७		३४		१९		३२		२१		३१		२२		२९		२३		२८		२५		२६		२७	१५
१९		४१		१२		४०		१३		३८		१५		३७		१६		३५		१८		३४		१९		३२		२१		३१		२२		२९		२४		२८		२६		२६		२७		२४		२९	२०
२५		४१		१३		४०		१४		३८		१६		३६		१८		३५		१९		३३		२१		३१		२३		३०		२४		२८		२६		२६		२८		२५		२९		२३		३१	२६
३१		४१		१४		४०		१६		३८		१८		३६		१९		३४		२१		३३		२२		३१		२४		२९		२६		२७		२८		२६		३०		२४		३२		२२		३३	दिसं. २
जून ६		४१		१६		४०		१७		३८		१९		३६		२१		३४		२३		३३		२४		३१		२६		२९		२८		२७		३०		२५		३२		२४		३४		२२		३६	७
१२		४२		१७		४१		१९		३९		२१		३७		२३		३५		२४		३३		२६		३१		२८		३०		३०		२८		३२		२६		३४		२४		३६		२२		३८	१३
१८		४३		१९		४२		२०		४०		२२		३८		२४		३६		२६		३४		२८		३२		३०		३१		३२		२९		३३		२७		३५		२५		३७		२३		३९	१९
२४		४५		२०		४३		२२		४२		२४		३९		२५		३८		२७		३६		२९		३४		३१		३२		३३		३०		३५		२८		३७		२६		३९		२४		४१	२४

उत्तर अक्षांश	अक्षांश ८				९				१०				११				१२				१३			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जुला. ६	५	४८	६	२२	५	४६	६	२३	५	४४	६	२५	५	४२	६	२७	५	४१	६	२९	५	३९	६	३०
१२		४९		२२		४८		२४		४६		२६		४४		२७		४२		२९		४१		३०
१८		५०		२२		४९		२३		४७		२५		४५		२७		४४		२९		४२		३०
२४		५१		२२		५०		२३		४८		२५		४७		२६		४५		२८		४४		२९
३०		५२		२१		५१		२२		४९		२३		४८		२५		४६		२६		४५		२७
अग. ५		५३		१९		५२		२०		५०		२२		४९		२३		४८		२४		४७		२५
११		५३		१७		५२		१८		५१		२०		५०		२१		४८		२२		४७		२३
१७		५३		१५		५२		१६		५१		१७		५०		१८		४९		१९		४८		२०
२३		५३		१२		५२		१३		५१		१४		५०		१५		४९		१६		४९		१७
२९		५२		१०		५२		१०		५१		११		५०		१२		४९		१२		४९		१३
सितं. ४		५२		६		५२		६		५१		७		५०		८		४९		८		४९		९
१०		५१		३		५१		३		५०		४		५०		४		४९		५		४९		५
१६		५०		०		५०		०		५०		०		५०		०		४९		०		४९		०
२२		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६
२८		४९		५३		४९		५३		४९		५३		४९		५२		४९		५२		४९		५२
अक्टू. ३		४८		५०		४८		५०		४८		५०		४९		४९		४९		४९		५०		४८
९		४८		४७		४८		४६		४८		४६		४९		४६		४९		४५		५०		४४
१५		४७		४४		४८		४३		४९		४३		४९		४३		५०		४२		५१		४१
२१		४७		४२		४८		४१		४९		४०		५०		४०		५०		३९		५१		३८
२७		४८		४०		४९		३९		५०		३८		५१		३७		५१		३६		५२		३५
नवं. २		४९		३९		५०		३७		५१		३६		५२		३५		५३		३४		५४		३३
८		५०		३८		५१		३६		५२		३५		५४		३४		५५		३३		५६		११
१४		५१		३७		५३		३६		५४		३५		५६		३३		५७		३२		५९		३०
२०		५४		३८		५५		३६		५६		३५		५८		३३		५९		३२	६	१		३०
२६		५६		३९		५८		३७		५९		३६	६	१		३४	६	२		३२		४		३०
दिसं. २		५९		४०	६	१		३८	६	२		३७		४		३५		५		३४		७		३२
८	६	२		४२		४		४०		५		३९		७		३७		९		३५		११		३३
१४		५		४५		७		४३		८		४१		१०		३९		१२		३८		१४		३६
२०		८		४७		१०		४५		११		४४		१३		४२		१५		४०		१७		३८
२६		११		५०		१३		४८		१४		४७		१६		४५		१८		४३		२०		४१

उत्तर अक्षांश	१४				१५				१६				१७				१८				१९				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जुला. ६	५	३७	६	३२	५	३५	६	३४	५	३३	६	३६	५	३१	६	३८	५	३०	६	४०	५	२८	६	४२	जन. ४
१२		३९		३२		३७		३४		३५		३६		३३		३८		३२		३९		३०		४१	१०
१८		४०		३२		३९		३३		३७		३५		३५		३७		३४		३९		३२		४०	१५
२४		४२		३१		४०		३२		३९		३४		३७		३५		३६		३७		३४		३९	२१
३०		४४		२९		४२		३१		४१		३२		३९		३३		३८		३५		३६		३६	२७
अग. ५		४५		२७		४४		२८		४२		३०		४१		३१		४०		३२		३८		३४	फर. १
११		४६		२४		४५		२५		४४		२७		४२		२८		४१		२९		४०		३०	७
१७		४७		२१		४६		२२		४५		२३		४४		२४		४३		२५		४२		२६	११
२३		४८		१८		४७		१८		४६		१९		४५		२०		४४		२१		४३		२२	१८
२९		४८		१४		४७		१४		४७		१५		४६		१६		४५		१७		४४		१७	२४
सितं. ४		४८		१०		४८		१०		४७		११		४७		११		४६		१२		४६		१२	मार्च २
१०		४९		५		४८		६		४८		६		४७		६		४७		७		४७		७	८
१६		४९		१		४९		१		४८		१		४८		१		४८		२		४८		२	१४
२२		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५७		४९	५	५७	२०
२८		४९		५२		४९		५२		५०		५२		५०		५२		५०		५१		५०		५१	२६
अक्टू. ३		५०		४८		५०		४८		५०		४८		५०		४८		५१		४७		५१		४७	३०
९		५०		४४		५१		४४		५१		४३		५२		४३		५२		४२		५२		४२	अप्रै. ५
१५		५१		४१		५२		४०		५२		३९		५३		३९		५३		३८		५४		३७	१२
२१		५२		३७		५३		३६		५४		३६		५४		३५		५५		३४		५६		३३	१८
२७		५३		३४		५४		३३		५५		३२		५६		३१		५७		३१		५८		३०	२४
नवं. २		५५		३२		५६		३१		५७		३०		५८		२९	६	०		२८	६	१		२६	३०
८		५७		३०		५८		२९	६	०		२८	६	०		२७		२		२५		४		२४	मई ६
१४	६	०		२८	६	१		२८		२		२६		४		२५		५		२४		७		२२	१२
२०		२		२९		४		२७		५		२६		७		२४		९		२३		१०		२१	१९
२६		५		२९		७		२८		९		२६		१०		२४		१२		२३		१४		२१	२५
दिसं. २		९		३०		१०		२८		१२		२७		१४		२५		१६		२३		१७		२१	३१
८		१२		३२		१४		३०		१६		२८		१७		२६		१९		२५		२१		२३	जून ७
१४		१५		३४		१७		३२		१९		३०		२१		२९		२३		२७		२५		२५	१३
२०		१८		३७		२०		३५		२२		३३		२४		३१		२६		२९		२८		२७	१९
२६		२१		४०		२३		३८		२५		३६		२७		३४		२९		३२		३१		३०	२६

इस सारणी से ८ अक्षांश से ३४ अक्षांश तक भारत के सभी नगरों के सूर्योदय-सूर्यास्त आ जाते हैं। जिस नगर का जो अक्षांश हो उसके अनुसार देखकर स्थानीय समय जाना जा सकता है। भा. स्टै. टा. का जो अन्तर उस स्थान से है उसको ८२।३० से कम रेखांश में जमा करने और ८२।३० से अधिक रेखांश में कम करने से भा. स्टै.टा. में सूर्योदयास्त का समय आ जाता है।

सूर्यबिम्ब द्रव्यमान वक्री भवन संस्कार युक्त (अक्षांश के मुताबिक) सूर्योदय A.M. और सूर्यास्त P.M. स्थानिक समय में

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २०				अक्षांश २१				अक्षांश २२				अक्षांश २३				अक्षांश २४			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मां. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जन. १	६	३५	५	३२	६	३७	५	३०	६	३९	५	२८	६	४१	५	२६	६	४३	५	२४
७		३७		३६		३९		३४		४१		३२		४३		३०		४५		२८
१३		३८		४०		४०		३८		४१		३६		४३		३४		४५		३३
१९		३८		४४		४०		४२		४१		४१		४३		३९		४५		३७
२५		३७		४८		३९		४६		४०		४५		४२		४३		४४		४१
३१		३६		५१		३७		५०		३९		४९		४०		४७		४२		४६
फर. ६		३४		५५		३५		५४		३६		५२		३८		५१		३९		५०
१२		३१		५८		३२		५७		३३		५६		३४		५५		३६		५३
१८		२८	६	१		२९	६	०		३०		५९		३०		५८		३१		५७
२४		२४		३		२४		३		२५	६	२		२६	६	१		२७	६	०
मार्च २		१९		५		२०		५		२०		४		२१		४		२२		३
८		१५		७		१५		७		१५		७		१६		६		१६		६
१४		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९
२०		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११
२६	५	५९		१३	५	५९		१३	५	५९		१३	५	५९		१३	५	५८		१४
अप्रै. २		५३		१५		५३		१५		५२		१५		५२		१६		५१		१६
८		४८		१६		४७		१७		४७		१७		४६		१८		४६		१९
१४		४३		१८		४२		१९		४२		१९		४१		२०		४०		२१
२०		३८		२०		३८		२१		३७		२२		३६		२३		३५		२४
२६		३४		२२		३३		२३		३२		२४		३१		२५		३०		२६
मई १		३१		२३		३०		२५		२९		२६		२७		२७		२६		२९
७		२८		२६		२६		२७		२५		२९		२३		३०		२२		३२
१३		२५		२८		२३		३०		२२		३१		२०		३३		१९		३४
१९		२३		३०		२१		३२		१९		३४		१८		३६		१६		३७
२५		२१		३३		१९		३५		१७		३६		१६		३८		१४		४०
३१		२०		३५		१८		३७		१६		३९		१४		४१		१२		४३
जून ६		२०		३८		१८		४०		१६		४२		१४		४४		१२		४६
१२		२०		४०		१८		४२		१६		४४		१४		४६		१२		४८
१८		२१		४१		१९		४३		१७		४५		१५		४७		१२		५०
२४		२२		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २५				अक्षांश २६				अक्षांश २७				अक्षांश २८				अक्षांश २९			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मां. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जन. १	६	४५	५	२२	६	४७	५	२०	६	४९	५	१८	६	५२	५	१६	६	५४	५	१४
७		४७		२६		४९		२४		५१		२२		५३		२०		५५		१८
१३		४७		३१		४९		२९		५१		२७		५३		२५		५५		२३
१९		४७		३५		४८		३३		५०		३२		५२		३०		५४		२८
२५		४५		४०		४७		३८		४९		३६		५०		३५		५२		३३
३१		४३		४४		४५		४३		४६		४१		४८		३९		५०		३८
फर. ६		४०		४८		४२		४७		४३		४६		४४		४४		४६		४३
१२		३७		५२		३८		५१		३९		५०		४०		४९		४२		४८
१८		३२		५६		३३		५५		३४		५४		३५		५३		३६		५२
२४		२८	६	०		२८		५९		२९		५८		३०		५७		३१		५६
मार्च २		२२		३		२३	६	२		२३	६	२		२४	६	१		२५	६	०
८		१७		६		१७		५		१७		५		१८		५		१८		४
१४		११		८		११		८		११		८		११		८		११		८
२०		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११
२६	५	५८		१४	५	५८		१४	५	५८		१४	५	५८		१५	५	५७		१५
अप्रै. २		५१		१७		५१		१७		५०		१८		५०		१८		४९		१९
८		४५		१९		४४		२०		४४		२१		४३		२१		४२		२२
१४		३९		२२		३८		२३		३७		२४		३७		२५		३६		२५
२०		३४		२५		३३		२६		३१		२७		३०		२८		२९		२९
२६		२८		२८		२७		२९		२६		३०		२५		३१		२३		३३
मई १		२५		३०		२३		३१		२२		३३		२०		३४		१९		३६
७		२०		३३		१९		३५		१७		३६		१६		३८		१४		३९
१३		१७		३६		१५		३८		१३		४०		१२		४१		१०		४३
१९		१४		३९		१२		४१		१०		४३		८		४५		६		४७
२५		१२		४२		१०		४४		८		४६		६		४८		४		५०
३१		१०		४५		८		४७		६		४९		४		५१		२		५४
जून ६		१०		४८		७		५०		५		५२		३		५४		१		५७
१२		१०		५०		७		५२		५		५४		३		५७		१		५९
१८		१०		५२		८		५४		६		५६		३		५९		१	७	१
२४		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]

उत्तर अक्षांश	अक्षांश ३०				अक्षांश ३१				अक्षांश ३२				अक्षांश ३३				अक्षांश ३४				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मां. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जन. १	६	५६	५	११	६	५८	५	९	७	१	५	७	७	३	५	४	७	६	५	२	जुला. ३
७		५७		१६		५९		१४		२		११		४		९		६		७	९
१३		५७		२१		५९		१९		१		११		४		१४		६		१२	१५
१९		५६		२६		५८		२४		०		२२		२		२०		४		१८	२२
२५		५४		३१		५६		२९	६	५८		२७		०		२५		२		२३	२८
३१		५१		३६		५३		३५		५५		३३	६	५६		३१	६	५८		२९	अग.४
फर. ६		४७		४१		४९		४०		५०		३८		५२		३७		५३		३५	१०
१२		४३		४६		४४		४५		४५		४४		४७		४२		४८		४१	१६
१८		३८		५१		३९		५०		४०		४९		४१		४८		४२		४७	२२
२४		३२		५५		३२		५५		३३		५४		३४		५३		३५		५२	२९
मार्च २		२५	६	०		२६		५९		२७		५८		२७		५८		२८		५७	सितं. ४
८		१९		४		१९	६	३		१९	६	३		२०	६	२		२०	६	२	१०
१४		१२		८		१२		७		१२		७		१२		७		१३		७	१६
२०		४		११		४		११		४		११		४		११		४		१२	२२
२६	५	५७		१५	५	५७		१५	५	५७		१६	५	५६		१६	५	५६		१६	२८
अप्रै. २		४९		१९		४८		२०		४८		२०		४७		२१		४७		२१	अक्टू.६
८		४२		२३		४१		२४		४०		२४		३९		२५		३९		२६	११
१४		३५		२६		३४		२७		३३		२८		३२		२९		३१		३०	१७
२०		२८		३०		२७		३१		२६		३३		२५		३४		२३		३५	२३
२६		२२		३४		२१		३५		१९		३७		१८		३८		१७		४०	२९
मई १		१७		३७		१६		३९		१४		४०		१३		४२		११		४३	नवं. ३
७		१२		४१		११		४३		९		४५		७		४६		५		४८	९
१३		८		४५		६		४७		४		४९		२		५१		०		५३	१५
१९		४		४९		२		५१		०		५३	४	५८		५५	४	५६		५७	२०
२५		२		५२	४	५९		५५	४	५७		५७		५५		५९		५३	७	२	२६
३१		०		५६		५७		५८		५५	७	०		५३	७	३		५०		५	दिसं. २
जून ६	४	५९		५९		५६	७	१		५४		४		५१		६		४९		९	७
१२		५८	७	१		५६		४		५३		६		५१		९		४८		१२	१३
१८		५९		३		५६		६		५४		८		५१		११		४८		१४	१९
२४		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]	२४

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २०		अक्षांश २१		अक्षांश २२		अक्षांश २३		अक्षांश २४		अक्षांश २५		अक्षांश २६		अक्षांश २७		अक्षांश २८		अक्षांश २९		अक्षांश ३०		अक्षांश ३१		अक्षांश ३२		अक्षांश ३३		अक्षांश ३४		दक्षिण अक्षांश
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	
मा. ता.	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	क मि	मा. ता.
जुला.६	५ २६	६ ४४	५ २४	६ ४६	५ २२	६ ४८	५ २०	६ ५०	५ १८	६ ५२	५ १६	६ ५४	५ १३	६ ५६	५ ११	६ ५८	५ ९	७ ०	५ ७	७ ३	५ ४	७ ५	५ २	७ ७	५ ०	७ १०	४ ५७	७ १२	४ ५४	७ १५	जन. ४
१२	२८	४३	२६	४५	२४	४७	२२	४९	२०	५१	१८	५३	१६	५५	१४	५७	१२	६ ५९	१०	१	७	४	५	६	३	८	५ ०	११	५८	१३	१०
१८	३०	४२	२८	४४	२६	४६	२५	४८	२३	४९	२१	५१	१९	५३	१७	५५	१५	५७	१३	६ ५९	१०	२	८	४	६	६	४	८	५ १	११	१५
२४	३२	४०	३१	४२	२९	४४	२७	४६	२५	४७	२४	४९	२२	५१	२०	५३	१८	५५	१६	५७	१४	६ ५९	१२	१	१०	३	८	५	५	७	२१
३०	३१	३८	३३	४०	३१	४१	३०	४३	२८	४४	२६	४६	२५	४८	२३	४९	२१	५१	१९	५३	१८	५५	१६	६ ५७	१४	६ ५९	१२	१	१०	३	२७
अग. ५	३७	३५	३५	३६	३४	३८	३२	३९	३१	४१	२९	४२	२८	४४	२६	४५	२५	४७	२३	४९	२१	५०	१९	५२	१८	५४	१६	६ ५६	१४	६ ५७	फर. १
११	३९	३२	३७	३३	३६	३४	३५	३५	३३	३७	३२	३८	३१	३९	२९	४१	२८	४२	२६	४४	२५	४५	२३	४७	२२	४८	२०	५०	१८	५२	७
१७	४०	२८	३९	२९	३८	३०	३७	३१	३६	३२	३५	३३	३३	३४	३२	३६	३१	३७	३०	३८	२८	३९	२७	४१	२६	४२	२४	४४	२३	४५	१३
२३	४२	२३	४१	२४	४०	२५	३९	२६	३८	२७	३७	२८	३६	२९	३५	३०	३४	३१	३३	३२	३२	३३	३१	३४	२९	३५	२८	३७	२७	२८	१८
२९	४४	१८	४३	१९	४२	२०	४१	२०	४०	२१	४०	२२	३९	२३	३८	२४	३७	२५	३६	२५	३५	२६	३४	२७	३३	२८	३२	२९	३१	३०	२४
सित. ४	४५	१३	४४	१३	४४	१४	४३	१५	४२	१५	४२	१६	४१	१७	४०	१७	४०	१८	३९	१९	३८	१९	३८	२०	३७	२१	३६	२१	३५	२२	मार्च २
१०	४६	८	४६	८	४५	८	४५	९	४५	९	४४	१०	४४	१०	४३	११	४३	११	४२	११	४२	१२	४१	१२	४१	१३	४०	१३	४०	१४	८
१६	४८	२	४७	२	४७	३	४७	३	४७	३	४६	३	४६	४	४६	४	४५	४	४५	४	४५	५	४५	५	४४	५	४४	५	४४	६	१४
२२	४९	५ ५७	४९	५ ५७	४९	५ ५७	४९	५ ५७	४९	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	४८	५ ५७	२०
२८	५०	५१	५०	५१	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५०	५१	५०	५१	५०	५१	५०	५१	५०	५१	५०	५२	४९	५२	४९	५२	४९	५२	४९	२६
अक्टू.३	५१	४७	५२	४६	५२	४६	५२	४६	५२	४५	५३	४५	५३	४५	५३	४४	५४	४४	५४	४४	५४	४३	५५	४३	५५	४३	५५	४२	५६	४२	३०
९	५३	४२	५३	४१	५४	४१	५४	४०	५५	४०	५५	३९	५६	३८	५६	३८	५७	३७	५७	३७	५८	३६	५८	३६	५९	३५	६ ०	३५	६ ०	३४	अप्रै.५
१५	५५	३७	५५	३६	५६	३५	५७	३५	५७	३४	५८	३३	५९	३३	६ ०	३२	६ ०	३१	६ १	३०	६ २	३०	६ २	२९	६ ३	२८	४	२७	५	२६	१२
२१	५७	३२	५८	३१	५८	३१	५९	३०	६ ०	२९	६ १	२८	६ २	२७	३	२६	४	२५	५	२४	६	२३	७	२२	८	२१	९	२०	१०	१९	१८
२७	५९	२९	६ ०	२७	६ १	२६	६ २	२५	३	२४	४	२३	५	२२	७	२१	८	२०	९	१९	१०	१८	११	१६	१२	१५	१४	१४	१५	१३	२४
नवं. २	६ ३	२५	३	२४	४	२३	५	२२	७	२०	८	१९	९	१८	१०	१७	१२	१५	१३	१४	१४	१२	१६	११	१७	१०	१९	८	२०	७	३०
८	५	२३	६	२१	८	२०	९	१८	१०	१७	१२	१६	१३	१४	१५	१३	१६	११	१८	१०	१९	८	२१	७	२२	५	२४	३	२६	२	मई ६
१४	८	२१	१०	१९	११	१८	१३	१६	१४	१५	१६	१३	१७	११	१९	१०	२१	८	२२	६	२४	५	२६	३	२८	१	२९	४ ५९	३१	४ ५७	१२
२०	१२	२०	१३	१८	१५	१६	१७	१५	१८	१३	२०	११	२२	९	२४	८	२५	६	२७	४	२९	२	३१	०	३३	४ ५८	३५	५६	३७	५४	१९
२६	१५	१९	१७	१७	१९	१६	२१	१४	२२	१२	२४	१०	२६	८	२८	६	३०	४	३२	२	३४	०	३६	४ ५८	३८	५६	४०	५४	४३	५२	२५
दिस.२	१९	२०	२१	१८	२३	१७	२५	१४	२७	१२	२९	१०	३१	५८	३३	६	३५	४	३७	२	३९	०	४१	५८	४३	५५	४६	५३	४८	५१	३१
८	२३	२१	२५	१९	२७	१७	२९	१५	३१	१३	३३	११	३५	९	३७	७	३९	५	४१	३	४३	०	४६	५८	४८	५६	५०	५३	५३	५१	जून ७
१४	२७	२३	२८	२१	३०	१९	३२	१७	३५	१५	३७	१३	३९	११	४१	८	४३	६	४५	४	४८	२	५०	५९	५३	५७	५५	५५	५०	५२	१३
२०	३०	२५	३३	२३	३४	२१	३६	१९	३८	१७	४०	१५	४२	१३	४४	११	४७	९	४९	६	५१	४	५३	५ २	५६	५९	५८	५७	०	५४	१९
२६	३३	२८	३५	२६	३७	२४	३९	२२	४१	२०	४३	१८	४५	१६	४७	१४	४९	१५	५२	१०	५४	७	५६	५	५९	५ २	७ १	५ ०	७ ४	५७	२६

दक्षिण अक्षांश के सूर्योदय निकालने के लिए इस कोष्ठक में दिये हुये (दाहिनी तरफ को) महीने और तारीख जो कि दक्षिण अक्षांश के नीचे दिये हुए हैं। यह संस्कार जनवरी से जून तक (+) जोड़ हैं और जुलाई से दिसम्बर तक (—) बाकी है।

सूर्य बिम्ब किरण वक्री भवन संस्कार युक्त सूर्योदय सारिणी से अभीष्ट स्थान से सूर्योदयास्त ज्ञात करना

किसी भी स्थान की लग्न निकालने के लिए निम्न बातों की जानकारी आवश्यक होती है:—(१) उस स्थान का सूर्योदय का समय, (२) इष्टकाल या जन्म समय (घड़ी पलों में), (३) जन्म समय या इष्ट समय का सूर्य स्पष्ट, (४) जन्म स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी।

(१) **सूर्योदय**—इस पंचांग में दिए दिल्ली के सूर्योदय की सहायता से भारत के किसी भी स्थान का सूर्योदय निकालने की विधि इस लेख में उदाहरण देकर समझा दी गई है। इस पंचांग में पृष्ठ १०२-१०५ पर ८ अक्षांश से ३४ अक्षांश तक के १२ महीने के सूर्योदय व सूर्यास्त ६-६ दिन के अन्तर पर दिए गए हैं। इसमें भारत के सभी नगर आ जाते हैं। यह सूर्योदय व सूर्यास्त स्थानीय समय बताते हैं, स्टैण्डर्ड समय जानने के लिये इसमें स्थान विशेष का स्टैण्डर्ड अन्तर जोड़-घटा लेना चाहिए, इसको कुछ उदाहरण देकर स्पष्ट करते हैं।

उदाहरण (१)—पृष्ठ ११२ पर दी गई सूर्योदय सारिणी से चण्डीगढ़ का १२ अक्टूबर का सूर्योदय निकालो : चण्डीगढ़ का उत्तर अक्षांश ३०।४० है।

उपरोक्त सारिणी में ३० अक्षांश तथा ३१ अक्षांश दोनों में ही

९ अक्टूबर का सूर्योदय ५-५८

१५ अक्टूबर का सूर्योदय ६-०२ दिया गया है।

९ से १५ तक ६ दिन में ४ मिनट का (६-०२-५-५८) अन्तर है तो ३ दिन (१२-९)

में २ मिनट का अन्तर होगा, अतएव १२ अक्टूबर का सूर्योदय हुआ (५.५८+०.०२)	६	००	००
स्थानीय समय के अनुसार सूर्योदय	६	००	००
भा.स्टै. समय के लिए चण्डीगढ़ का स्टैण्डर्ड अन्तर ०-२२-३२ जोड़ा	०	२२	३२
किरण वक्री भवन संस्कार	०	२	००
चण्डीगढ़ का सूर्योदय भा.स्टै. समय अनुसार	६	२४	३२

उदाहरण (२)—जयपुर का १५ मार्च का सूर्योदय पृष्ठ ११० पर दी गई सूर्योदय सारिणी के अनुसार निकालिये। जयपुर का उत्तर अक्षांश २६।५५ है जो लगभग २७ ही है। पृष्ठ ११० पर २७ अक्षांश के कोष्ठक में १४ मार्च का सूर्योदय ६-११ दिया है और २० मार्च का ६-०४ है। १४ मार्च से २० मार्च =६ दिन में सूर्योदय में अन्तर होता है ६-११ — ६-०४=७ मिनट का।

अतएव—१५ मार्च का सूर्योदय स्थानीय समयानुसार आया	६	१०	००
जयपुर का स्टैण्डर्ड अन्तर धन किया	०	२६	४०
किरण बक्री भवन संस्कार	०	२	००
भा.स्टै.टा. में जयपुर का सूर्योदय	६	३८	४०

जैसा कि उपरोक्त सारिणी के नीचे विवरण में बताया गया है। ३ से ५ मिनट का वक्री भवन संस्कार करना होता है। यह दृश्य वक्री भवन संस्कार क्या है, इसके बारे में थोड़ी जानकारी दे दी जाए। पूर्वी क्षितिज पर सूर्य के पूरे गोले को निकलने में कुछ समय लगता है। पहले सूर्य के गोले का ऊपरी भाग दिखाई देता है फिर धीरे-धीरे पूरा सूर्य क्षितिज के ऊपर आता है। प्रकाश किरणों के कुछ नियमों के अनुसार बिम्ब के दृश्यमान होने और वास्तविक उदय होने में कुछ मिनटों का अन्तर रहता है। यह ३ से ५ मिनट का होता है। आप यदि सदा ४ मिनट धन करें तो अधिक से अधिक १ मिनट का अन्तर इस गणित में आ सकता है।

(२) **इष्टकाल**—सूर्योदय ज्ञात होने पर इष्टकाल निकालने की विधि तो आपको बताई जा चुकी है।

(३) **सूर्य स्पष्ट**—पंचाग में दैनिक ग्रहस्पष्ट दिये रहते हैं, उसमें इष्ट दिन का सूर्य स्पष्ट अर्थात् सूर्य किस राशि के कितने अंश पर है, सरलता से जाना जा सकता है।

(४) **लग्न सारिणी**—अब आपको जन्म स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी की आवश्यकता होगी। आर्यभट्ट पंचांग के पृष्ठ ११३ पर इन्द्रप्रस्थ नगर की २८।३८ अक्षांश की सारणी दी गई है, इसकी सहायता से दिल्ली के आसपास के नगरों की लग्न ज्ञात की जा सकती है। २८ व २९ अक्षांशों के लिए इसी सारिणी को प्रयोग में लाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त हमने अन्य अक्षांशों की सारिणियां भी प्रकाशित की हैं।

इष्टकाल से लग्न निकालने की विधि यह है कि जिस दिन का लग्न जानना हो उस दिन का सूर्य स्पष्ट ज्ञात करो। जैसे २५ जून का ११-५५ मध्याह्न का दिल्ली में लग्न ज्ञात करना है तो २५ जून का सूर्य स्पष्ट प्रात: ५.३० का २-९-४२ है। लग्न निकालने के लिए हमें सूर्य के राशि-अंशों की आवश्यकता होती है। सूर्य मिथुन राशि के ९ अंश ४२ कला पर है। जन्म समय ११-५५ तक ९ अंश ५७ कला तक पहुंच चुका है। अतएव सूर्य को हम मिथुन के १० अंश मानकर चलेंगे। पंचांग में पृष्ठ ११३ पर इन्द्रप्रस्थ नगर की लग्न सारिणी में मिथुन राशि के १० अंश वाला कोष्ठक देखा। उसमें मिथुन २ के सामने तथा १० अंश के नीचे १३।१५ अथवा १३।१५ अंक प्राप्त होंगे। लग्न सारिणी में खड़े कोष्ठक १२ राशियों के हैं तथा आड़े कोष्ठक ० से २९ तक अंशों के हैं।

	घं.	मि.	से.
२५ जून को ११-५५ का इष्टकाल निकाला			
दिल्ली में जन्म समय भा. स्टैं. टा.	११	५५	००
२५ जून का सूर्योदय समय भा. स्टैं. टा.	५	२८	००
	६	२७	००
ढाई से गुणा करके घड़ी पल बनाए	६	२७	००
	३	१३	३०
घड़ी पलों में इष्टकाल १६ घड़ी ८ पल	१६	७	३०

पृष्ठ ११३ पर ऊपर जो सारिणी है वह दशम भाव सारिणी है और नीचे लग्न सारिणी है। इसमें मिथुन के १० अंश के कोष्ठक में हमें १३।२७ अंक प्राप्त हुए, इनको इष्टकाल में जमा कर दिया— १३।२७ + १६।०८= २९।३५

उपरोक्त २९।२३ अंकों को हमने उसी लग्न सारिणी में देखा तो कन्या लग्न के सामने ३ अंशों के कोष्ठक में २९।२६ तथा ४ अंश के कोष्ठक में २९।३७ अंक मिले। इसका अर्थ यह हुआ कि २५ जून को ११।५५ मध्याह्न के समय कन्या लग्न है तथा उसके ३ अंश बीत चुके हैं। चौथे अंश की कुछ कलायें भी बीत चुकी हैं, अब यदि आपको केवल लग्न की राशि ज्ञात करनी है तो वह ज्ञात हो चुकी हैं, वैसे भी दैनिक लग्न सारिणी पृष्ठ ६३-८९ से भी आपको ज्ञात हो सकता है कि ११।३७ से १३।५५ तक कन्या लग्न है। लग्न सारिणी से अंश भी ज्ञात हो गए हैं, ४ अंश बीत गए हैं। कला का ज्ञान करने के लिए गणित किया। २९।३७ में से २९।२६ घटाया=११ अंकों में ६० कला तो इष्ट समय २९।३५ तक (२९।३५ — २९।२६) = ९ अंकों में =६०×९=५४०÷११=४९।०५ लग्न आई ५।३।४९।०५ कन्या के ३ अंश ४९ कला ०५ विकला। यह स्थूल लग्न स्पष्ट हुआ।

सुगम दशम भाव स्पष्ट सारणी सर्वत्रोपयोगी

राशि	मेष ०	वृषभ १	मिथुन २	कर्क ३	सिंह ४	कन्या ५
०	८ २३ ५३ २६	९ १६ ४३ ३९	१० १५ ४६ ४८	११ २१ १४ ०	० २७ ९ २५	१ २९ ३८ ३
१	८ २४ ३७ ५६	९ १७ २३ २१	१० १६ ५२ ४२	११ २२ २७ ४५	० २८ १८ ३९	२ ० ४१ ५
२	८ २५ १८ २६	९ १८ २९ ६	१० १७ ५७ ५८	११ २३ ४१ ३६	० २९ २७ ५२	२ १ ४३ १०
३	८ २५ ५९ ३८	९ १९ १९ २४	१० १९ ३ २	११ २४ ५५ २३	१ ० ३७ ६	२ २ ४५ १२
४	८ २६ ४० ४३	९ २० १० ४२	१० २० ९ २७	११ २६ ९ ५६	१ १ ४६ १९	२ ३ ४७ १
५	८ २७ २१ ४२	९ २१ १ २४	१० २१ १५ ३	११ २७ २३ २४	१ २ ५५ ३३	२ ४ ५० ०
६	८ २८ २ ४७	९ २१ २ ६	१० २२ २० ३६	११ २८ ३६ ४१	१ ४ ४ ४८	२ ५ ५२ ५
७	८ २८ ४३ ५२	९ २२ ४२ ५४	१० २३ २९ १३	११ २९ ५० २६	१ ५ १४ २	२ ६ ५४ ८
८	८ २९ २४ २७	९ २३ ३३ ४४	१० २४ ३१ ५१	० १ ४ ५३	१ ६ २३ १६	२ ७ ५९ ३
९	९ ० ५ ५२	९ २४ २४ ३०	१० २५ २७ २४	० २ १८ १९	१ ७ ३२ ३०	२ ८ ५९ ७
१०	९ ० ४० ११	९ २५ १८ १८	११ २६ ४१ २०	० ३ ३२ ७	१ ८ ४२ ५४	२ १० १ १३
११	९ १ २९ ५१	९ २६ ६ २	११ २७ ५१ २३	० ४ ४७ ५१	१ ९ ५६ ३२	२ ११ ३ २१
१२	९ २ १५ २६	९ २७ ८ ५४	११ २९ ५ १२	० ६ २ २२	१ ११ २० ५	२ १२ ५ ३५
१३	९ ३ २ ३	९ २८ ९ ५४	११ ० ९ ८	० ७ १७ ४१	१ १२ ३५ ८	२ १३ ७ ५२
१४	९ ३ ४६ ३८	९ २९ १० ५४	११ १ ३२ ५३	० ८ ३१ १५	१ १३ ४४ १२	२ १४ १० ०
१५	९ ४ ३६ ४९	१० ० ११ ५४	११ २ ४६ ३७	० ९ ४५ ४२	१ १४ ३५ १२	२ १५ १२ १
१६	९ ५ २३ १०	१० १ १२ ५४	११ ४ ० ३८	० ११ ० १३	१ १५ ४४ १९	२ १६ १४ ०
१७	९ ६ १० ४६	१० २ १३ ५४	११ ५ १४ २४	० १२ ९ २५	१ १६ १० २०	२ १७ १६ ७
१८	९ ६ ५७ ४६	१० ३ १४ ५४	११ ६ २८ १०	० १३ १८ ३९	१ १७ १२ १५	२ १८ १८ १४
१९	९ ७ ४४ ४८	१० ४ १५ ५४	११ ७ ४१ ५५	० १४ २७ ५२	१ १८ १४ ४	२ १९ २१ २२
२०	९ ८ ३७ ४०	१० ५ १६ ५४	११ ८ ५५ ५५	० १५ ३७ ६	१ १९ १६ ८	२ २० २३ ३०
२१	९ ९ २८ ५१	१० ६ १७ ५४	११ १० ९ ४०	० १६ ४६ १९	१ २० १८ ९	२ २१ २५ ३२
२२	९ १० ५ १	१० ७ १८ ५४	११ ११ २३ २९	० १७ ५५ ३५	१ २१ २७ १०	२ २२ २७ १
२३	९ ११ ७ १४	१० ८ १९ ५४	११ १२ ३७ १७	० १९ ४ ४८	१ २२ ३० १५	२ २३ ३० ५
२४	९ ११ ४२ ५०	१० ९ २० ५४	११ १३ ५१ ५	० २० १४ १२	१ २३ ३२ ५५	२ २४ ३२ ८
२५	९ १२ ३२ ४३	१० १० २१ ५४	११ १५ ४ ५७	० २१ २३ १६	१ २४ ३४ ७	२ २५ ३५ ९
२६	९ १३ २४ ४८	१० ११ २४ ३४	११ १६ १८ ४२	० २२ ३२ २९	१ २५ ३६ २	२ २६ ३७ १०
२७	९ १४ २४ ५०	१० १२ २३ ३०	११ १७ ३२ २७	० २३ ४१ ४३	१ २६ ३८ ५	२ २७ ४० २५
२८	९ १५ ६ १	१० १३ ३५ ४०	११ १८ ४६ २१	० २४ ५० ५६	१ २७ ४० ८	२ २८ ४२ ५०
२९	९ १५ ५६ ४८	१० १४ ४१ १७	११ २० ० १३	० २६ ० १२	१ २८ ५३ १	२ २९ ४३ ५९

राशि	तुला ६	वृश्चिक ७	धनु ८	मकर ९	कुम्भ १०	मीन ११
०	३ १ ४५ ७	४ ४ १० ७	५ १० ३९ १४	६ १४ ३८ १	७ ११ ४६ ५१	८ ३ २४ ३९
१	३ १ ४८ ५	४ ५ १९ ५	५ ११ ५३ १	६ १५ ३९ २	७ १२ ५ ३२	८ ४ ५ १२
२	३ २ ५० ८	४ ६ २९ ३	५ १३ ६ ५	६ १६ ४८ ५	७ १३ २२ ३२	८ ४ ४९ ५
३	३ ३ ५२ १३	४ ७ ३८ २	५ १४ २० ३	६ १७ ४१ २	७ १४ ९ ३३	८ ५ २८ ३
४	३ ४ ५४ १५	४ ८ ४३ ०	५ १५ ३४ १५	६ १८ ४२ १	७ १४ ५६ ३०	८ ६ ९ ०
५	३ ५ ५६ १९	४ ९ ५३ १	५ १६ ४८ २२	६ १९ ४३ ०	७ १५ ४३ २२	८ ६ ५० ८
६	३ ६ ५९ २२	४ ११ ३ ५	५ १८ २ ११	६ २० ४४ ३	७ १६ ३० ७	८ ७ ३२ ७
७	३ ८ १ २	४ १२ २० १३	५ १९ १५ ३	६ २१ ४५ १	७ १७ २१ ५	८ ८ १२ ६
८	३ ९ २ ५	४ १३ ३५ २५	५ २० २९ २९	६ २२ ४६ ५०	७ १८ १४ ९	८ ८ ५३ १
९	३ १० ५ १४	४ १४ ४९ ३५	५ २१ ४३ १०	६ २३ ४७ २२	७ १८ ५१ १०	८ ९ ३४ ५
१०	३ ११ ८ ३८	४ १६ ४ ४५	५ २२ ५७ १५	६ २४ ४८ ११	७ १९ ३८ १२	८ १० १५ ३
११	३ १२ १५ ५५	४ १७ १६ ८	५ २४ ११ २५	६ २५ ४९ ८	७ २० २४ ८	८ १० ५६ ४२
१२	३ १३ २३ १७	४ १८ ३० ३	५ २५ १४ ४८	६ २६ ५० १५	७ २१ ५ ३	८ ११ २७ ४७
१३	३ १४ २१ १२	४ १९ ४४ १०	५ २६ १९ ३७	६ २७ ५२ ३०	७ २१ ५६ १५	८ १२ १३ ३२
१४	३ १५ ४२ ३	४ २० ५८ १	५ २७ २७ ३७	७ २८ ४० ३२	७ २२ ३८ २७	८ १२ ५९ २६
१५	३ १६ ५० ०	४ २२ १२ २	५ २८ ३० ३७	७ २९ १ ४०	७ २३ २९ ३७	८ १३ ४० १२
१६	३ १८ १ १	४ २३ २५ ५	५ २९ ३६ ४२	७ ० १ ४५	७ २४ १६ ४८	८ १४ २० ४२
१७	३ १९ १ ८	४ २४ ३८ ३	५ ० ४२ ३	७ ० ५२ ५०	७ २४ ५९ ५९	८ १५ ४० ३४
१८	३ २० १९ १५	४ २५ ५५ ५७	६ १ ४७ ४	७ १ ४३ ७	७ २५ १२ १	८ १५ ३४ १
१९	३ २१ २८ २२	४ २७ ७ १२	६ २ ५३ ५	७ २ ३३ ३	७ २५ ५६ २	८ १६ २४ ३
२०	३ २२ ३८ ८	५ २८ १९ २५	६ ३ ५८ ३	७ ३ २४ ४	७ २६ ३४ ३	८ १७ ५ ८
२१	३ २३ ४८ ९	५ २९ ३४ १८	६ ५ ४ १५	७ ४ १५ ९	७ २७ १५ ५	८ १७ ४६ ६
२२	३ २४ ५८ ३५	५ ० ४८ २१	६ ६ १० १२	७ ५ ६ १३	७ २७ ५६ ८	८ १८ २८ ०
२३	३ २६ ९ ४२	५ २ २ ७	६ ७ १५ २०	७ ५ ५७ २१	७ २८ ३७ १०	८ १९ ९ १
२४	३ २७ १७ ५६	५ ३ १६ ४	६ ८ २१ ३०	७ ६ ४६ २७	७ २९ १८ १२	८ १९ ५७ ५३
२५	३ २८ २४ २	५ ४ ३० ५	६ ९ २६ ५	७ ७ ३८ ३५	८ २९ ५९ ५	८ २० ३१ ५९
२६	३ २९ ३३ ८	५ ५ ४३ ३	६ १० ३२ ८	७ ८ २९ ४०	८ ० ४० ३०	८ २१ १२ १
२७	४ ० ४२ ५	५ ६ ५३ १	६ ११ ३४ ३	७ ९ २० ४५	८ १ २१ १२	८ २१ ५३ ५
२८	४ १ ५२ ३	५ ८ ११ १५	६ १२ ३६ ४५	७ १० १० ५७	८ २ ३० १६	८ २२ ४५ ३
२९	४ ३ १ ७	५ ९ २५ ०	६ १३ ३७ ०	७ ११ ७ ५०	८ २ ३ ४	८ २२ १५ ४

दशमलग्न निकालने के लिए दशमभाव राशि फलांकों में ६ राशि योग से ४ भाव स्पष्ट होगा। चार भाव स्पष्ट में लग्न भाव घटाकर तीस गणित अंशादि बनाकर ६ का भाग देने से लब्ध फल लग्न में जोड़ने से लग्नभाव संधि और संधि में पूर्वागत लब्ध फल जोड़ने से दो भाव स्पष्ट होगा, आगे लब्ध फल जोड़ने पर चार भाव पर्यन्त ससंधि भाव बनेंगे। पूर्वागत लब्ध को एक में से घटाकर शेष के चार भावादि जोड़ने से ससंधि चार से सात भाव तक बनेंगे तथा लग्न स्पष्ट राशि के तुल्य सम सत्र में जो फल होवे वही दशम भाव स्पष्ट है।

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश १९° अयनांश २४ (अक्षांश १८-३० से १९-३० तक स्थित)

(बम्बई, पूना, खण्डाला, इगत पुरी, अहमद नगर, औरंगाबाद, जगन्नाथपुरी आदि नगरों के लिए)

रा. अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७
मेष	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	७	१६	२५	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२
१	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२
वृष	३१	४०	४९	५७	६	१५	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	५९	१०	२०
२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७
मिथुन	३०	४१	५१	१	११	२२	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	५०
३	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३
कर्क	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८
सिंह	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४५
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४
कन्या	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	५
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
तुला	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४
७	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५
वृश्चिक	४६	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०
८	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०
धनु	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१४	२४
९	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५
मकर	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२४	३३	४२	५१	०
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
कुम्भ	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३
मीन	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २१° अयनांश २४ (अक्षांश २०-३० से २१-३० तक स्थित)

(अजन्ता, अमरावती, छिन्दवाड़ा, कटक, नासिक, खण्डवा, जूनागढ़, धूलिया, नागपुर, पोरबन्दर, भुवनेश्वर, सूरत, सोमनाथ आदि नगरों के लिए)

रा. अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७
मेष	६	१४	२२	३०	३७	४५	५३	२	१०	१९	२८	३७	४५	५४	३	१२	२०	२९	३८	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४
१	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२
वृष	२३	३१	४०	४९	५७	६	१५	२५	३५	४६	५६	६	१६	२६	३७	४०	५७	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	०	१०
२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७
मिथुन	२०	३१	४१	५१	१	१२	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०
३	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३
कर्क	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८
सिंह	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	२	१२	२३	३४	४५	५६	७	१७	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४
कन्या	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३७	४७	५८	९
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
तुला	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३१	४३
७	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५
वृश्चिक	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९
८	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०
धनु	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३
९	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५
मकर	४३	५४	४	१४	२४	३४	४५	५४	२	११	२०	२९	३७	४६	५५	३	१२	२१	३०	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४८	५७	६
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
कुम्भ	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२२	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२५	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३४	४२	५०	५८	५
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२
मीन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २३° अयनांश २४ (अक्षांश २२-३० से २३-३० तक स्थित)

... अयनांश २४ (अक्षांश २४-५० से २५-५० तक स्थित)

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २३° अयनांश २४ (अक्षांश २२-३० से २३-३० तक स्थित)

(उज्जैन, धार, इन्दौर, रतलाम, बांसवाड़ा, भोपाल, होशंगाबाद, इटारसी, कलकत्ता, जबलपुर, रांची, नाडियाद, जामनगर, बड़ौदा, अहमदाबाद आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७
मेष	२	१०	१८	२५	३३	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	६	१४	२३	३१	४०	४९	५७	६
१	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२
वृष	१४	२३	३२	४०	४९	५७	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	०
२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१
३	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९
तुला	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१
७	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
वृश्चिक	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०
८	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०
धनु	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३२	४३
९	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
मकर	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	२	११	२०	२८	३७	४५	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	५४	३	११	२०	२९	३७	४६	५५	३	१२
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
कुम्भ	२०	२९	३७	४६	५५	३	१२	१९	२७	३५	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१४	२२	२९	३७	४५	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३९	४६	५४	१	९	१७	२४	३२	३९	४७	५५

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २५° अयनांश २४ (अक्षांश २४-५० से २५-५० तक स्थित)

(आबूरोड, उदयपुर, मेवाड़, बूंदी, कोटा, जालौर, सिरोही, चित्तौड़गढ़, नाथद्वारा, नीमच, प्रतापगढ़, भवानीमंडी, छोटीसादड़ी, छतरपुर, आगरा, मैनपुरी, इलाहाबाद, ओरछा, काशी, गाजीपुर, आजमगढ़, झांसी, टीकमगढ़, ईसागढ़, चित्रकूट आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
मेष	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८
१	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
वृष	६	१५	२३	३२	४०	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
मिथुन	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२१
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१	४२
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९
तुला	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९
७	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५
वृश्चि.	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०
धनु	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२
९	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
मकर	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	१९	२८	३६	४५	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	९	१८
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	२६	३५	४३	५२	०	८	१७	२४	२	३९	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३९	४६	५४	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१	८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१५	२३	३०	३७	४५	५३	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५१	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २६° अयनांश २४ (अक्षांश २५-३० से २६-३० तक स्थित)

(अजमेर, जोधपुर, ग्वालियर, कानपुर, पटना, कूच बिहार, पूर्निया, दरभंगा, शिलांग आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
मेष	५४	१	८	१६	२३	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४२	५०
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
वृष	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
मिथुन	५१	१	११	२१	३०	४२	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१४
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	१
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१२	२४	३४	४७	५८	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०
तुला	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	४
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
वृश्चिक	१५	२७	३८	५०	१	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२५	३६	४७
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१
धनु	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१८	२८	३८	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
मकर	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३१	४०	[illegible]	६	५	१३	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	२०	२७	३४	४१	४८	५६	३	११	१८	२५	३२	४०	४७	५४	१	९
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१६	२३	३०	३८	४५	५२	०	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	३	१०	१८	२५	३२	३९	४७

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २७° अयनांश २४ (अक्षांश २६-३० से २७-३० तक स्थित)

(फैजाबाद, एटा, कासगंज, हाथरस, कन्नौज, आगरा, फर्रुखाबाद, मथुरा, धौलपुर, भरतपुर, जयपुर, इटावा, उन्नाव, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया, लखनऊ, सिलीगुड़ी, जैसलमेर, डिब्रूगढ़, हरदोई आदि के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
मेष	५४	२	९	१६	२३	३१	३८	४६	५५	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
वृष	५८	६	१५	२३	३१	४०	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
मिथुन	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०
तुला	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
वृश्चि.	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०
८	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
धनु	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
मकर	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२०	२९	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३५	४४	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५०	५९	७	१५	२४
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३२	४०	४९	५७	५	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	२	९
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१६	२४	३१	३८	४५	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२५	३३	४०	४७

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २८° अयनांश २४ (अक्षांश ...

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २९° अयनांश २४ (अक्षांश २८-३० से २९-३० तक स्थित)

(हापुड़, मुरादाबाद, अमरोहा, जींद, नैनीताल, मेरठ, पानीपत, हिसार, अनूपगढ़, बिजनौर, भिवानी, रामपुर, रोहतक,

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २८° अयनांश २४ (अक्षांश २७-३० से २८-३० तक स्थित)

(हाथरस, अलीगढ़, अनूपशहर, काठमाण्डू, अलवर, किशनगढ़, भूटान, सबलगढ़, खुर्जा, बरेली, बुलन्दशहर, बीकानेर, बदायूं, चन्दौसी, नारनौल, सीकर, पटौदी, झुंझनू, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
मेष	५२	५९	६	१३	२१	२८	३५	४३	५२	०	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४५
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
वृष	५३	२	१०	१८	२६	३५	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४
२	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
मिथुन	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५५
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५१	३	१४	२६	३७	४८		११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
तुला	३४	४६	५७	९	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	०	११
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
वृश्चिक	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६
८	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
धनु	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३७	४७	५७	७
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
मकर	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	२९	३७	४६	५४	२	१०	१९	२७
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३५	४३	५२	०	८	१६	२५	३२	३९	४६	५४	०	८	१५	२२	२९	३६	४४	५१	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	१०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१७	२४	३१	३८	४५	५३	०	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५७	४	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	२	९	१६	२३	३०	३८	४५

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २९° अयनांश २४ (अक्षांश २८-३० से २९-३० तक स्थित)

(हापुड़, मुरादाबाद, अमरोहा, जीन्द, नैनीताल, मेरठ, पानीपत, हिसार, अनूपगढ़, बिजनौर, भिवानी, रामपुर, रोहतक, मुजफ्फरनगर आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
मेष	५०	५७	४	१२	१९	२६	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३८	४७	५५	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३	४१
१	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
वृष	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९
२	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
मिथुन	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	४	१६	२८	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
तुला	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६
वृश्चि.	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	१
८	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
धनु	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
मकर	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	२९	३७	४५	५४	२	१०	१८	२६	३५	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	२९
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३८	४६	५४	२	१०	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	१	८	१५	२२	२९	३६	४३

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३०° अयनांश २४ (अक्षांश २९-३० से ३०-३० तक स्थित)

(सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिण्डा, शाहाबाद, मुल्तान, अल्मोड़ा, करनाल, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, देहरादून, नाभा, फरीदकोट आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
मेष	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७
१	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
वृष	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३
२	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६
मिथुन	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७
३	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५२	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२६	३८	५०
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३९
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५०	२	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	८	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
तुला	३८	५०	२	१३	२५	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६
वृश्चि.	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७
८	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
धनु	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
मकर	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३४	४२	५०	५८	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
मीन	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३१° अयनांश २४ (अक्षांश ३०-३० से ३१-३० तक स्थित)

(फगवाड़ा, अमृतसर, चण्डीगढ़, कपूरथला, होश्यारपुर, फिरोजपुर, लुधियाना, शिमला, कालका, सोलन, कुराली, खन्ना आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
मेष	४६	५३	५९	६	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२
१	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
वृष	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	६	१६
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
मिथुन	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१
३	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
कर्क	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२४	३६	४८	०	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	५८	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
तुला	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
वृश्चि.	३७	४९	१	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३
८	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
धनु	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१२	२२
९	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
मकर	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	२९	३७
१०	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४०	४७	५४	१	८	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
मीन	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३२° अयनांश २४ (अक्षांश ३१-३० से ३२-३० तक स्थित)

(कांगडा, चम्बा, डलहौजी, धर्मशाला, पठानकोट, जालन्धर, मण्डी, गुरदासपुर आदि नगरों के लिए)

इन्द्रप्रस्थ नगरे लग्न सारणी अक्षांशा २८।३८ वर्षादौ केतकी अयनांश २४

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३२° अयनांश २४

(कांगड़ा, चम्बा, डलहौजी, धर्मशाला, पठानकोट, जालन्धर, मण्डी, गुरदासपुर आदि नगरों के लिए)

ग.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
मेष	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७
१	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
वृष	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
मिथुन	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४३	५५	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६
३	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
कर्क	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४१	५३	५	१७	२८	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९	३१
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
तुला	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
वृश्चिक	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९
८	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
धनु	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८
९	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५
मकर	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०
१०	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४३	५०	५६	३	१०	१७	२३	३०	३७	४४	५१	५८	४	११	१८	२५	३२	३८	४५	५२	५९	५	१२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
मीन	१९	२६	३३	३९	४६	५३	०	७	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५४	१	८	१५	२१	२८	३५	४२	४९	५५	२	९	१६	२३	२९	३६

[illegible] सारणी अक्षांशा २८।३८ वर्षादौ केतकी अयनांश २४

अंशा:	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
०	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४६	५४	२	१०	१९	२७	३५	४३
वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
१	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
२	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५४	६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
६	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५३	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	१	१३
वृश्चि.	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५
७	३५	३६	४८	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३८	३०	१	१३	२५	३६	४७	५९
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	१९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२७	३५	४४	५२	०	८	१७	२५	३३	४१	५०	५८	६	१४	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८
कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
१०	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३३	४०	४७	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५२	१९	६	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	३	१०
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४४

अवकहड़ा चक्र : भुक्त नक्षत्र चरण राश्यादि और स्वामी, हंस संज्ञा व युंजा भाग सहितम्

चन्द्र राशि	वर्ण	हंसक	वश्य
(१) मेष	क्षत्रिय	अग्नि	चतुष्पाद
(२) वृषभ	वैश्य	भूमि	चतुष्पाद
(३) मिथुन	शूद्र	वायु	मानव
(४) कर्क	ब्राह्मण	वारि	जलचर
(५) सिंह	क्षत्रिय	अग्नि	वनचर
(६) कन्या	वैश्य	भूमि	मानव

नक्षत्र	अश्विनी-१				भरणी-२				कृतिका-३				रोहिणी-४				मृगशीर्ष-५	
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	आ	इ	ऊ	अे	ओ	वा	वी	वु	वे	वो
वर्ग	सिंह	:	:	मृग	:	:	:	:	गरुड़	:	:	:	:	मृग	:	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण
	अश्व	देव	पूर्व	आद्य	गज	मनुष्य	पूर्व	मध्य	मेष	राक्षस	पूर्व	अंत्य	सर्प	मनुष्य	पूर्व	अंत्य	सर्प	देव
पूर्ण राशि	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु			अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			उत्तर			वसंत			उत्तर			उत्तर			ग्रीष्म		

नक्षत्र			आर्द्रा-६				पुनर्वसु-७				पुष्य-८				आश्लेषा-९			
चरण	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	का	की	कु	घ	ङ	छ	के	को	हा	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डु	डे	डो
वर्ग	मार्जार	:	:	:	:	सिंह	मार्जार	:	मेष	:	:	:	:	श्वान	:	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी
	पूर्व	मध्य	श्वान	मनुष्य	मध्य	आद्य	मार्जार	देव	मध्य	आद्य	मेष	देव	मध्य	मध्य	मार्जार	राक्षस	मध्य	अंत्य
पूर्ण राशि	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु			अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			उत्तर			ग्रीष्म			दक्षिण			उत्तर			वर्षा		

नक्षत्र	मघा-१०				पू.फा.-११				उ.फा.-१२				हस्त-१३				चित्रा-१४	
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	मा	मी	मू	मे	मो	टा	टी	टू	टे	टो	पा	पी	पू	ष	ण	ठ	पे	पो
वर्ग	उंदर	:	:	:	उंदर	श्वान	:	:	:	:	उंदर	:	:	मेष	श्वान	:	उंदर	:
अवकहड़ा चक्र	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण
	उंदर	राक्षस	मध्य	अंत्य	उंदर	मनुष्य	मध्य	मध्य	गौ	मनुष्य	मध्य	आद्य	महिषी	देव	मध्य	आद्य	व्याघ्र	राक्षस
पूर्ण राशि	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु			अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			उत्तर			वर्षा			दक्षिण			उत्तर			शरद		

योग	विष्कुंभ	प्रीति	आयुष्मान	सौभाग्य	शोभन	अतिगंड	सुकर्मा	धृति	शूल	गंड	वृद्धि	ध्रुव	व्याघात	हर्षण

चन्द्र राशि	वर्ण	हंसक	वश्य
(७) तुला	शूद्र	वायु	मानव
(८) वृश्चिक	ब्राह्मण	वारि	कीट
(९) धनु	क्षत्रिय	अग्नि	मानव/चत
(१०) मकर	वैश्य	भूमि	चत/जल
(११) कुंभ	शूद्र	वायु	मानव
(१२) मीन	ब्राह्मण	वारि	जलचर

नक्षत्र	चित्रा-१४		स्वाति-१५				विशाखा-१६				अनुराधा-१७				ज्येष्ठा-१८			
चरण	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	रा	री	रु	रे	रा	ता	ती	तू	ते	तो	ना	नी	नू	ने	नो	य	यी	यु
वर्ग	मृग	:	:	:	:	सर्प	:	:	:	:	:	:	:	:	:	मृग	:	:
अवकहड़ा चक्र	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी
	मध्य	मध्य	महिषी	देव	मध्य	अंत्य	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	अंत्य	मृग	देव	मध्य	मध्य	मृग	राक्षस	अंत्य	आद्य
पूर्ण राशि	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	८
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु			अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			दक्षिण			शरद			दक्षिण			दक्षिण			हेमंत		

नक्षत्र	मूल-१९				पू.षा.-२०				उ.षा.-२१				श्रवण-२२				धनिष्ठा-२३	
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	ये	यो	भा	भी	भु	धा	फा	ढा	भे	भो	जा	जी	खी	खू	खे	खो	गा	गी
वर्ग	:	:	उंदर	:	:	सर्प	उंदर	श्वान	उंदर	:	सिंह	:	मार्जार	:	:	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण
	श्वान	राक्षस	अंत्य	आद्य	वानर	मनुष्य	अंत्य	मध्य	नकुल	मनुष्य	अंत्य	अंत्य	वानर	देव	अंत्य	अंत्य	सिंह	राक्षस
पूर्ण राशि	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१०
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु			अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			दक्षिण			हेमंत			उत्तर			दक्षिण			शिशिर		

नक्षत्र			शत.-२४				पू.भा.-२५				उ.भा.-२६				रेवती-२७			
चरण	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	गू	गे	गो	सा	सी	सू	से	सो	दा	दी	दू	ज्ञा	झा	था	दे	दो	चा	ची
वर्ग	:	:	:	मेष	:	:	:	:	सर्प	:	:	मेष	सिंह	सर्प	:	:	सिंह	:
अवकहड़ा चक्र	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी
	अंत्य	मध्य	अश्व	राक्षस	अंत्य	आद्य	सिंह	मनुष्य	अंत्य	आद्य	गौ	मनुष्य	अंत्य	मध्य	गज	देव	पूर्व	अंत्य
पूर्ण राशि	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	०
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु			अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			दक्षिण			शिशिर			उत्तर			दक्षिण			वसंत		

योग [illegible]

अष्टक वर्ग ज्ञानार्थ चक्र

षट्वर्ग फलादेश

अष्टक वर्ग ज्ञानार्थ चक्र

१. रविरेखा ४८

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

२. चन्द्ररेखा ४९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	१	२	१	१	३	३	३
६	३	३	३	४	४	५	६
७	६	५	४	७	५	६	१०
८	७	६	५	८	७	११	११
१०	१०	९	७	१०	९		
११	११	१०	८	११	१०		
		११	१०	१२	११		
			११				

३. भौमरेखा ३९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	३	१	३	६	६	१	१
५	६	२	५	१०	८	४	३
६	११	४	६	११	११	७	६
१०		७	११	१२	१२	८	१०
११		८				९	११
		१०				१०	
		११				११	

४. बुधरेखा ५४

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
५	२	१	१	६	१	१	१
६	४	२	३	८	२	२	२
९	६	४	५	११	३	४	४
११	८	७	६	१२	४	७	६
१२	१०	८	९		५	८	८
	११	९	१०		८	९	१०
		१०	११		९	१०	११
		११	१२		११	११	

५. गुरुरेखा ५६

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	२	१	१	१	२	३	१
२	५	२	२	२	५	५	२
३	७	४	४	३	६	६	४
४	९	७	५	४	९	१२	५
७	११	८	६	७	१०		६
८		१०	९	८	११		७
९		११	१०	१०			९
१०			११	११			१०
११							११

६. भृगु रेखा ५२

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
८	१	३	३	५	१	३	१
११	२	५	५	८	२	४	२
१२	३	६	६	९	३	५	३
	४	९	९	१०	४	८	४
	५	११	११	११	५	९	५
	८	१२			८	१०	८
	९				९	११	९
	१०				११		११
	११				१२		

७. शनिरेखा ३९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	३	६	५	६	३	१
२	६	५	८	६	११	५	३
४	११	६	९	११	१२	६	४
७		१०	१०	१२		११	६
८		११	११				१०
१०		१२	१२				११
११							

८. लग्न रेखा ४९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	३	१	१	१	१	१	३
४	६	३	२	२	२	३	६
६	१०	५	४	४	३	४	१०
१०	१२	१०	६	५	४	६	११
११		११	८	६	५	१०	
१२			१०	७	८	११	
			११	९	९		
				१०	११		
				११			

षड्वर्ग फलादेश

षट्वर्ग सारिणी प्रवेश रीति

'लग्न' या 'सूर्यादि स्पष्ट ग्रह' की जो वर्तमान राशि के समाने और उसके अंशादि के आसान जो कोष्ठक है उसके नीचे लिखे हुए होरादि षट्वर्गों के सामने की राशि अपने-अपने वर्ग को लग्न व ग्रहों की राशि होती है अर्थात् उन अंकों के समान संख्या वाली राशियों में लग्न व ग्रह को ग्रहादि वर्ग में लिखना चाहिए।

उदाहरण—जैसे स्पष्ट लग्न १।१५।१५।५७ है यहां लग्न की वर्तमान वृष राशि है। इसलिए वृष राशि के सामने और १५।१५।५७ से आसन्न-न्यून अंशादि १५।०।० है। इस के नीचे ४।६।११।२।७।१२ ग्रहादि वर्गों की वर्तमान राशि है। इसलिए होरा में कर्क, द्रेष्काण में कन्या, सप्तमांश में कुंभ, नवांश में वृष, द्वादशांश में मीन लग्न हुआ। स्पष्ट सूर्य ०।३।४३।१२ की वर्तमान मेष राशि के सामने और ३।२०।० आसन्न-न्यून कोष्टक के नीचे ५।१।१।१।२।१ वर्गों की राशियां हैं। अत: सूर्य होरा में सिंह राशि में रहेगा। द्रेष्काण में मेष का सूर्य, सप्तमांश में मेष का सूर्य एवं नवांश में मेष का सूर्य, द्वादशांश में वृष का सूर्य और त्रिशांश में मेष का सूर्य रहेगा।

होरा फल

होरा कुण्डली बना कर देख लेना चाहिए कि होरा लग्न सूर्य राशि हो और सूर्य उसी में स्थित हो तो जातक रजोगुणी, उच्चपदाभिलाषी, गुरु और शुक्र होरा लग्न में सूर्य के साथ हों तो सम्पत्तिवान, सुखी, मान्य, उच्चपदारुढ़, शासक, नेता, शीलवान, राजमान्य तथा होरेश लग्न में पाप ग्रह से युक्त हो तो नीच प्रकृति वाला, दुश्शील, सम्पत्ति रहित, कुल के विरुद्ध आचरण करने वाला और नीच कमरत जातक होता है यदि चन्द्रमा की राशि होरा लग्न में हो और चन्द्रमा उस में स्थित हो तो जातक शान्त स्वभाव वाला, मातृभक्त, लज्जालु, व्यवसायी, कृषि कर्म में रुचि रखने वाला, अल्पलाभ में सन्तोष करने वाला तथा शुभ ग्रह गुरु शुक्र आदि भी होरा लग्न में चन्द्रमा के साथ हों जातक भक्ति, श्रद्धा, सदाचारयुक्त आचरण करने वाला शीलवान, धनिक, सन्तानवान, सुखी और चन्द्रमा के साथ पाप ग्रह हों तो विपरीत आचरण वाला, निर्धन, दुखी तथा नीच कार्यों से प्रेम करने वाला होता है।

सप्तमांश चक्र का फल विचार

सप्तमांश लग्न से केवल सन्तान का विचार करना चाहिए। सप्तमांश लग्न का स्वामी पुरुष ग्रह हो तो जातक के पुत्र उत्पन्न होते हैं और सप्तमांश लग्न का स्वामी स्त्री ग्रह हो तो जातक के कन्याएं अधिक उत्पन्न होती हैं। सप्तमांश लग्न का स्वामी पाप ग्रह हो पाप ग्रह की राशि में हो तो सन्तान नीच कर्म करने वाली होती है और सप्तमांश लग्न का स्वामी स्वराशि का शुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट हो या शुभग्रह की राशि में स्थित हो तो सन्तान शुभाचरण करने वाली सुन्दर, सुशील और गुणी होती है। सप्तमांश लग्न का स्वामी सप्तमांश लग्न से ७ या ८वें स्थान में पाप ग्रह से युक्त या दुष्ट हो तो जातक सन्तानहीन होती है।

नवमांश कुण्डली के फल का विचार

नवमांश लग्न से स्त्री भाव का विचार किया जाता है। इसी से स्त्री का आचरण, स्वभाव, चेष्टा प्रभूति को देखना चाहिए। नवमांश लग्न का स्वामी मंगल हो तो स्त्री क्रूर स्वभाव की कुलटा, लड़ाकू, सूर्य हो तो पतिव्रता, उग्रस्वभाव की, चन्द्रमा हो तो शीतल स्वभाव, गौरवर्ण और मिलनसार प्रकृति की, बुध हो तो चतुर, चित्रकार, सुन्दर आकृति, शिल्प विद्या में निपुण, गुरु हो तो पतिव्रता, ज्ञानवती, शुभाचरण वाली, पतिव्रता, सौम्य स्वभाव, व्रत, तीर्थ करने वाली, शुक्र हो तो चतुर, शृंगार प्रिय, विलासी, कामक्रीड़ा प्रवीण, गौर वर्ण, व्यभिचारिणी, शनि हो तो क्रूर स्वभाव वाली, कुल के विरुद्ध आचरण करने वाली, श्याम वर्ण, नीच संगति में रत, पति से विरोध करने वाली होती है। नवमांश लग्न का स्वामी राहु, केतु के साथ हो तो दुराचरिणी, कुल्टा, दुष्टा, नवमांश लग्न का स्वामी शुभ ग्रह हो और स्वराशिस्थ केन्द्र त्रिकोण में हो तो बालक को स्त्री का पूर्ण सुख मिलता है तथा नवमांश लग्न का स्वामी भाग्येश के साथ २।११वें भाव में उच्च का होकर स्थित हो तो स्त्रियों से अनेक प्रकार का लाभ तथा ससुराल के धन का स्वामी होता है। नवमांश लग्न का स्वामी पाप ग्रहों से युक्त या दृष्ट ८।१२वें भाव में स्थित हो तो जातक को स्त्री का सुख नहीं होता है। यह जितने पाप ग्रहों से युक्त या दृष्ट हो उतनी ही स्त्रियों को नाश करने वाला होता है।

द्वादशांश कुण्डली के फल का विचार

द्वादशांश लग्न से माता-पिता के सुख-दुख का विचार किया जाता है। यदि द्वादशांश लग्न का स्वामी शुभ-ग्रह हो तो जातक के माता-पिता का शुभाचरण और पाप ग्रह हो तो पापाचार युक्त आचरण होता है। द्वादशांश लग्न का स्वामी पुरुष ग्रह अपनी राशि, मित्र की राशि या उच्च की राशि में स्थित होकर १।४।५।७।९।१०वें स्थान में स्थित हो तो जातक को पिता का पूर्ण सुख और नीच राशि, शत्रु राशि या पाप ग्रह की राशि में स्थित हो या ६।८।१२वें भाव में बैठा हो तो पिता का अल्प सुख होता है। द्वादशांश लग्न का स्वामी स्त्री ग्रह सौम्य हो और स्वराशि, मित्र राशि या उच्च की राशि में स्थित होकर १।४।५।७।९।१० भावों में स्थित हो तो जातक को माता का सुख होता है। यदि यही स्त्री ग्रह पाप युक्त या पाप दृष्ट होकर ६।८।१२वें भाव में हो तो माता का सुख नहीं होता।

षट् वर्ग सारिणी चक्र

मार्ग		१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
अंशादि		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
		३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
रा.	चक्र	०	०	८॥	०	०	०	१७	०	०	०	२६	०	०	०	३४	०	०	०	४३	०	०	०	५१	०	०	०
	हो.	५	५	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
०	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
मे.	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
१	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
वृ.	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
२	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
मि.	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
३	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
क.	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
४	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
सिं.	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
५	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
कं.	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५

रा.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	०	०	८॥	०	०	०	१७	०	०	०	२६	०	०	०	३४	०	०	०	४३	०	०	०	५१	०	०	०
६	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	७	७	७	७	७	७	७	११	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
तु.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
७	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	११	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
वृ.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	०	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
८	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५
	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
ध.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
९	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
म.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
१०	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
कुं.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
११	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
मी.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११

अथ जन्म समय आदि विचार

...किसी भी भाव में हो और सूर्य की राशि द्विस्वभाव राशि हो तो पिता घर की ओर मार्ग में होता है। इन सभी योगों में लग्न पर चन्द्रमा की दृष्टि हो तो पिता घर

अथ जन्म समय आदि विचार

ज्योतिष शास्त्र वेदों का मुख्य अंग है और षटशास्त्रों में सर्वोत्तम शास्त्र माना गया है। प्राचीन काल से लेकर आज के आधुनिक जैट व कम्प्यूटर युग तक इसकी महत्ता सदा मानी जाती रही है। इसका कारण यही है कि यह प्रत्यक्ष फल बतलाता है। चन्द्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण का समय, सूर्योदय, चन्द्रोदय का प्रत्येक स्थान, अक्षांश का समय, ऋतु परिवर्तन आदि अनेक विषय हैं जिनका गणित द्वारा निर्णय इस शास्त्र द्वारा ठीक-ठीक किया जाता है। ऐसा और कोई शास्त्र नहीं है जो भूत, भविष्य, वर्तमान तीनों कालों की बातों को ठीक-ठीक बतला सके। इसलिये हमारी संस्कृति में इस शास्त्र को सब से ऊँचा स्थान दिया गया है। वेदों के समय से ही यह परम्परा रही कि चाहे सभी वेदों और अन्य शास्त्रों को पढ़ लेने पर जब तक ज्योतिष शास्त्र में पारंगत नहीं होता था उसकी विद्या और ज्ञान अधूरा समझा जाता था। ज्योतिष शास्त्र के द्वारा सही भविष्य ज्ञात करने के लिये आवश्यक होता है कि जन्म का ठीक समय ज्ञात हो। आजकल छोटे-छोटे गांवों तक और साधारण से साधारण व्यक्ति के पास घड़ी उपलब्ध है और जन्म का ठीक समय जानना उतना कठिन नहीं रह गया है जितना अब से कुछ समय पहले हुआ करता था। फिर भी बहुत सी ऐसी परिस्थितियां होती हैं जब जन्म का ठीक समय नोट नहीं हो पाता था ज्योतिषी के पास पुरानी पत्री बनने को आती है। और बनवाने वाला लगभग समय बतलाता है। इस कारण ज्योतिष शास्त्र में बहुत सी ऐसी बातें बताई गई हैं जिनकी सहायता से ठीक लग्न का निर्णय करने में सहायता मिलती है। दिन-रात के चौबीस घंटों में बारह लग्न क्षितिज पर निकल जाते हैं और एक लग्न लगभग दो घंटे होता है। कोई लग्न दो घंटे से कुछ कम कोई दो घंटे से कुछ ज्यादा होता है। वर्षभर की दैनिक लग्न सारिणी दिल्ली नगर के पंचांग में दे दी गई है और इस की सहायता से अन्य नगरों में प्रत्येक लग्न का आरम्भ व समाप्ति काल निकालना भी बता दिया गया है। मान लो कोई व्यक्ति आपको बताता है कि बालक का जन्म रात में दिन निकलने से २-३ घंटे पहले हुआ था तो इसी अवस्था में आपको २ या ३ लग्नों में से एक लग्न का निर्णय करना पड़ेगा। तब जिस लग्न की बातें सबसे अधिक मिलें वही सही लग्न समझना चाहिए। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि घड़ी में ठीक समय देख कर ही जन्म समय नोट किया है। परन्तु घड़ी कुछ धीमी-तेज गति से चलने के कारण थोड़ा-बहुत गलत समय भी बता सकती है और संयोग से जन्म समय के आस-पास ही लग्न का समाप्ति काल भी हो तो उस समय भी सही लग्न का निर्णय करने में निम्न जानकारी बहुत सहायक होती है। मान लो १२ नवम्बर रात के २-१५ का जन्म है और उस तारीख को सिंह लग्न २-२० पर समाप्त हो रही हो तो सिंह और कन्या दोनों लग्नों की विशेषताओं पर विचार करके ही आपको निर्णय करना पड़ेगा।

पितृ परीक्षा ज्ञान— सबसे पहले आप पता कीजिये कि बालक के जन्म समय पिता घर था या नहीं। घर से यहां तात्पर्य जन्म स्थान से है। जन्म यदि किसी अस्पताल, नर्सिंग होम में हुआ हो तो उस स्थान से है। लग्न पर चन्द्रमा की पूर्ण या अपूर्ण (एक पाद, दो पाद आदि) दृष्टि है तो पिता घर पर ही होना चाहिये। सूर्य आठवां, नौवां, ग्यारहवां या बारहवां है (लग्न से) तो पिता घर पर नहीं होता। लग्न से ८वां, ९वां, ११वें, १२वें भाव में जिस में सूर्य पड़ा हो वह राशि यदि चर राशि है तो पिता दूसरे देश में होना चाहिये। सूर्य इन भावों में स्थिर राशि का हो तो देश में ही होना चाहिये। सूर्य ८, ९, ११, १२ वें में से किसी भी भाव में हो और सूर्य की राशि द्विस्वभाव राशि हो तो पिता घर की ओर मार्ग में होता है। इन सभी योगों में लग्न पर चन्द्रमा की दृष्टि हो तो पिता घर में ही होता है बाहर नहीं। शनि लग्न में हो या मंगल सातवें स्थान में हो, या बुध-शुक्र चन्द्रमा से दूसरे या बारहवें स्थान में हो अर्थात् बुध-शुक्र में से कोई एक-दूसरे में हो, दूसरा बारहवें स्थान में हो, तो भी पिता का घर पर न होना ही ज्ञात होता है। बुध-शुक्र के इस योग में अंशों से भी विचार होता है। चाहे तीनों एक ही राशि में हों या दो राशियों में परन्तु एक के अंश चन्द्रमा से कम दूसरे के अधिक हों तो भी चन्द्रमा दोनों के मध्य ही समझा जाता है। जैसे चन्द्रमा के किसी राशि में १५ अंश, बुध के ८ अंश और शुक्र के २५ अंश हों तो यह कर्तरी योग बन जाता है।

चिह्न ज्ञान— बहुधा बालक के शरीर पर आये चिह्न तिल, भौंरी, लहसुन, मसा आदि से भी लग्न का निर्णय करने में सहायता मिलती है। जन्म कुण्डली में लग्न से १, ५, ६, या ९वें स्थान में सूर्य हो तो भुजा में कोई चिह्न होता है। यदि लग्न में सूर्य और शनि दोनों हों, दूसरे भाव में मंगल और केन्द्र (१, ४, ७, १०) में चन्द्रमा हो तो बालक की छः उंगलियां होती हैं। जो ग्रह बलवान होता है उसी के अनुसार चिह्न भी आते हैं। सूर्य सिर पर, मस्तक पर, चन्द्रमा मुख, मंगल गले में, बुध छाती में, गुरु नाभि व पेट पर, शुक्र पीठ व जांघ पर, शनि, राहु, केतु, पेट, होंठ, दातों पर चिह्न पैदा करते हैं। सप्तम भाव में गुरु या लग्न में राहु व गुरु दोनों हों और अष्टम में पाप ग्रह शनि, मंगल, राहु आदि हों, या लग्न में शुक्र तथा अष्टम में पाप ग्रह हों तो, बाँई भुजा पर तिल, मसा, लहसन आदि का चिह्न होता है। लग्न ३।६ या ११वें स्थानों में मंगल हो या बारहवें भाव में मंगल-शुक्र दोनों हों तो बांई बगल में तिल आदि चिह्न होता है। लग्न में शुक्र और सातवें राहु हो तो माथे पर या बाँये कान पर चिह्न होता है। लग्न में मंगल हो, ५।६ स्थानों में शनि हो और ११।१२ में शुक्र हो तो गुदा या लिंग (योनि) के समीप तिल आदि चिह्न होता है। ५ या ६ठें स्थान में शनि हो, ८वां बुध या लग्न में गुरु और ४था शनि हो तो पेट पर चिह्न होता है। दूसरा शुक्र, तीसरा मंगल या आठवां सूर्य कमर पर चिह्न लाता है। चौथा शुक्र या राहु, लग्न में मंगल या शनि बाँये पैर पर १२वां गुरु, दूसरा चन्द्रमा, ३, ६, ११वां बुध गुदा के समीप गोल चिह्न या व्रण आदि उत्पन्न करता है। छठे भाव का स्वामी ग्रह पाप ग्रहों के साथ लग्न या सातवें घर में हो तो शरीर में फोड़े-फुंसी होते हैं। लग्न में मंगल, सप्तम में गुरु या शुक्र हो तो सिर में चोट या फोड़ा-फुंसी का चिह्न हो सकता है। लग्न में मंगल, शुक्र, चन्द्रमा साथ हो तो दूसरे या छठे वर्ष में सिर में चिह्न होने की आशंका होती है। मंगल चन्द्र से व्रण और शुक्र चन्द्र से तिल होते हैं।

अन्तरिक्ष जन्म ज्ञान— बालक का जन्म भूमि पर हुआ है या ऊंचे स्थान पर हुआ है? मकान की पहली मंजिल भूमि और दूसरी तथा ऊपर की मंजिलों को अंतरिक्ष कहा जाता है। जन्म लग्न मिथुन, कन्या, धनु या मीन हों तो अन्तरिक्ष या ऊँचे स्थान पर जन्म समझना।

बालक का रोदन ज्ञान— जन्म समय मेष, मिथुन, सिंह, धनु लग्न हों तो बालक ने पैदा होते ही जल्दी रोना आरम्भ कर दिया ऐसा जानना। कन्या, तुला, कुम्भ लग्न हो तो बालक धीरे मन्द स्वर में रोया, अन्य लग्नों में बालक देर से रोया हो ऐसा जानना चाहिये। आप जानते हैं कि जन्म कुंडली में दो कुंडली बनती हैं, एक लग्न कुंडली दूसरी राशि कुंडली। इन में जो ज्यादा बलवान हो उसी का फल कहना चाहिये। लग्न बलवान हो तो लग्न के अनुसार और राशि बलवान हो तो राशि के अनुसार फल कहना चाहिये। लग्नेश लग्न को देखता हो लग्नेश स्वग्रही उच्च मित्र क्षेत्री हो, लग्न को शुभ ग्रह देखता हो तो लग्न बलवान होती है इसी प्रकार राशि भी बलवान होती है।

उपसूतिका ज्ञान—प्रसव के समय मुख्य डाक्टर या डाक्टरनी के अतिरिक्त कितनी नर्स या अन्य स्त्रियाँ उस समय उपस्थित थीं इसका ज्ञान करने के लिए यह देखना चाहिए कि लग्न में या लग्नेश के साथ और इनके यानी लग्न के व लग्नेश के दूसरे व १२वें स्थान में जितने ग्रह हों उतनी ही उप-सूतिकायें जाननी चाहिए। अथवा लग्न व चन्द्रमा के मध्य जितने ग्रह हों उतनी संख्या जानना चाहिए। लग्न से सप्तम स्थान तक अदृश्य और सप्तम से लग्न तक दृश्य होता है। अतएव सप्तम से लग्न तक जितने ग्रह हों उतनी उपसूतिकायें प्रसूतिका माता के पास और लग्न से सप्तम तक जितने ग्रह हों उतनी घर के बाहर होती हैं। अस्पताल में जिस कमरे में प्रसव हो उसे मुख्य घर समझना चाहिए। उस कमरे में प्रसव समय पर उपस्थित नर्से आदि प्रथम कोटि में और जो बाहर आ जा रही हों वह दूसरी कोटि में समझनी चाहिए। गावों में जहां प्रसव घर हों वहां आस-पड़ोस की स्त्रियों की गिनती भी साथ ही की जाती है। उपसूतिकाओं के वर्ण, जाति, आयु का विचार ग्रहों के अनुसार ही करना। उच्च तथा वक्री ग्रहों की संख्या को ३ से गुणा कर के तथा स्वराशि स्वनवांश स्वद्रेष्काण के ग्रहों को दुगना करके और नीच तथा अस्त ग्रहों की संख्या को आधा करके संख्या ज्ञात करनी होती है।

सिर पाद प्रसव ज्ञान—बच्चे का जन्म सिर से हुआ है या पैर से इसको जानने के लिये देखो कि यदि ३।५।६।७।८।११ राशियों में या इन राशियों के नवांश में जन्म हुआ है तो सिर से प्रसव जानना। यह शीर्षोदय राशियां हैं। इनके अतिरिक्त अन्य १।२।४।९।१०।१२ पृष्ठोदय राशियां हैं। इनमें या इनके नवांश में जन्म हो तो पैरों से प्रसव जानना। मीन राशि में या मीन के नवांश में जन्म हाथों से होता है। यानी पहले हाथ बाहर आते हैं। पैर पहले बाहर आयें तो पैरों से प्रसव और सिर पहले आये तो सिर से प्रसव कहा जाता है।

सूतिका गृह द्वार ज्ञान—सूतिका गृह या अस्पताल, नर्सिंग होम आदि के उस कमरे का जिसमें प्रसव हुआ हो द्वार किस दिशा की ओर है इसके ज्ञान के लिए देखो कि केन्द्र में स्थित ग्रह की दिशा कौन सी है। यदि केन्द्र में कई ग्रह हों तो सबसे बलवान ग्रह की दिशा के अनुसार और कोई ग्रह केन्द्र में नहीं हो तो लग्न की राशि की दिशा बताना चाहिए।

पुरुष शरीर में सूर्यादि ग्रहों का अधिकार—सिर व मुख प्रदेश में सूर्य का, छाती गले में चन्द्रमा का, पीठ, पेट में मंगल का, हाथ व पैरों में बुध का, कमर व जांघ में गुरु (वृहस्पति) का, जननेन्द्रिय व वृष्णों में शुक्र का, घुटने (जानु), पेट (ऊरु) में शनि का अधिकार होता है। जन्म समय, प्रश्न समय गोचर में जब-जब यह ग्रह अनिष्ट कारक होते हैं। तब-तब अपने अधिकार प्रदेश के अंगों को ही कष्ट पहुंचाते हैं।

मेषादि राशियों का अंग विभाग—मेष राशि का स्थान सिर में, वृष का मुख, मिथुन दोनों भुजायें, कर्क हृदय प्रदेश, सिंह उदर, कन्या कमर, तुला वस्ति (मूत्राशय), वृश्चिक जननेन्द्रियां, धनु दोनों जंघायें, मकर दोनों घुटने, कुम्भ दोनों पिंडलियां और मीन राशि से दोनों पैरों (पादों) का विचार किया जाता है। इसी प्रकार प्रथम भाव लग्न से सिर, दूसरे भाव से सुख, तीसरे से भूजा, चौथे से हृदय, पाँचवें से पेट, छठे से कमर, सातवें वे वस्ति, आठवें से गुह्येन्द्रियों, नवम से ऊरु, दशम से जानु, ग्यारहवें से जंघा और बारहवें भाव से पैरों का विचार करते हैं। उपरोक्त बारह राशियों अथवा बारह भावों में शुभ अशुभ ग्रहों की स्थिति दृष्टि आदि से तत्सम्बन्धी अंगों के स्वस्थ या पीड़ित रहने का विचार किया जाता है।

लग्नों के अनुसार प्रत्येक लग्न के अलग-अलग लक्षण इस प्रकार होते हैं।

अथ प्रसूति लग्न विचार

मेष—सूतिका गृह—(वह स्थान जहाँ बच्चा पैदा होता है, अस्पताल, नर्सिंग होम, घर आदि)। इमारत पुरानी, मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर, चारपाई, बैड, पलंग जिस पर प्रसविनी माता को लिटाया गया उसका सिर पूर्व दिशा की ओर, माता ने लाल रंग के वस्त्र पहने हुए थे, प्रसव से पहले मीठा भोजन किया था। प्रसव में कष्ट अधिक हुआ, जन्म भूमि पर हुआ (यदि इमारत में कई मंजिलें हों तो सबसे नीचे की मंजिल भूमि की सतह पर समझें) प्रसव के बाद बालक अधिक रोया। उपसूतिका १ या ३, बालक के मुख का रंग श्यामता पर, नेत्र भूरे, प्रकृति वात श्लेष्म, कद छोटा, शरीर मजबूत, वाणी चंचल, कष्ट वर्ष ४।११।१६।४४।५८, उपाय गौदान, तुलादान, मृत्युंजय जप आदि, आयु १०० वर्ष।

नोट—कष्ट वर्षों में शरीर कष्ट की आशंका होती है उपाय करने से कष्ट टल जाता है। चन्द्रमा पर बृहस्पति या शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो आयु पूर्ण होती है। बैद्यक शास्त्र के अनुसार प्रकृति तीन प्रकार की होती है वात, पित्त, कफ। श्लेष्म कफ को ही कहते हैं।

वृष—माता का सिर दक्षिण में, सूतिक घर नया, द्वार दक्षिण में, माता ने सफेद वस्त्र पहने हुए हों और प्रसव से पहले सूखा साग आदि खाया हो, अधोमुख होकर पैरों से प्रसव, बालक ऊँचे स्वर से रोया, उपसूतिका ३ या ४, दीपक (या बत्ती लाइट) उत्तर में, बालक का रंग गोरा, स्वरूप सुन्दर, प्रकृति रक्त, पित्तकष्ट वर्ष १।२।८।३३।४४।६१, कष्ट निवारण के लिए उपाय अन्नदान, ब्राह्मण भोजन, मृत्युंजय जप आदि। उपरान्त आयु ९० वर्ष आजकल बच्चा पेट में उल्टा या टेढ़ा हो जाता है तो आपरेशन से प्रसव करते हैं। वह इसी श्रेणी में समझना चाहिए।

मिथुन—माता का सिर पश्चिम में, मकान नया, द्वार पश्चिम में, माता के कपड़े पीले रंग के, प्रसव से पहले नमकीन भोजन किया हो, माता के दाहिने अंग में कोई चिह्न, जन्म अन्तरिक्ष (छत पर) या ऊपर की मंजिलों में, सिर से प्रसव, रोना उच्च लम्बे स्वर में, उपसूतिका ३ या ५, स्तनों में दूध कम, देर से उतरे, बालक के नेत्र रोग युक्त, प्रकृति बल्गमी, स्वभाव चंचल, अग्निमंद (हाजमा मन्दा), बुद्धि विलक्षण, प्रसव से पहले माता को कुछ ज्वर आदि हुआ हो। कष्ट वर्ष ४।१०।१४।३८।५८, उपाय शिवार्चन, मृत्युंजय जप होम आदि। उपरान्त आयु ८६ वर्ष।

कर्क—प्रसव के समय माता का सिर उत्तर में, मकान नया, मकान का या उस कमरे का जिस में प्रसव हुआ हो द्वार उत्तर में, माता ने पुराने सफेद या लाल रंग के वस्त्र पहने हुये हों, पिता क्लेश में परेशानी में हो, प्रसव कष्ट अधिक, माता ने मधुर, शीतल (मीठा ठंडा) भोजन किया हो, भूमि पर जन्म, पैर से प्रसव, रोदन शब्द दीर्घ, बालक जोर से रोया, उपसूतिका ४ या ५, बालक के वामांग में चिह्न, बालक का सिर मोटा, आखें चंचल, प्रकृति, वात, कफ, रंग गोरा, कद लम्बा, शरीर कोमल, कष्ट वर्ष ५।२५।४०।४८।६२ उपाय छायापात्र, तुलादान, मृतसंजीवनी मंत्र का जप। उपरान्त आयु १०० वर्ष।

सिंह—माता का सिर पूर्व में, मकान नया, द्वार पूर्व को, माता के वस्त्र लाल या चित्र-विचित्र भोजन के साथ शाक-भाजी व खट्टी चीज खाई हो, भूमि पर जन्म, रोदन स्वर दीर्घ, उपसूतिका ३ या ५, बालक की पीठ पर चिह्न, केश घने, नाक लम्बी, कद छोटा, शरीर कोमल, रंग गोरा, हठीला,

चंचल, क्रूर स्वभाव, प्रकृति कफ, पित। कष्ट कारक वर्ष १।१३।२४।३६।४८ उपाय सूर्य पूजन, आदित्य हृदय का पाठ, अपूपान्न दान (मीठे माल पूये आदि) उपरान्त आयु ८३ वर्ष।

कन्या—माता का सिर उत्तर, प्रसव स्थान घर के दक्षिण भाग में, पिता घर से बाहर गया हो, छत पर ऊँची जगह पर जन्म, बालक कम रोया, उपसूतिका ४ या ५, भुजा में साधारण भूषण, बालक का रंग गोरा, गले व जांघ में चिन्ह, कष्टकारक वर्ष ४।१६।२३।३६।५५, उपाय मुदगान्न दान, गोदान, मृत्युंजय जप, उपरान्त आयु १०० वर्ष।

तुला—माता का सिर पश्चिम में, मकान कुछ नया, प्रसूतिका गृह पश्चिम भाग में, माता के बाल साधारण सफेद, प्रसव कष्ट ज्यादा, पिता क्लेश-परेशानी में, माता ने प्रसव से पहले कुछ काम कर ठंडा पानी पिया हो, घर में कुछ लड़ाई-झगड़ा हुआ हो, भूमि पर जन्म, रोने की आवाज धीमी, उपसूतिका ३ या ५, वहां एक कन्या भी हो, दीपक हाथ में उठाया हो या लाइट बल्ब ऊंचा लटका हो, बालक का रंग जरदी पर, वदन में फोड़े-फुंसी, शरीर दुबला, कष्ट वर्ष ८।१५।३१।३५।६२।६४,, उपाय गोदान, तन्दुल दान, नवग्रह पूजन, होम से शान्ति तदुपरान्त आयु ८५ वर्ष।

वृश्चिक—माता का सिर दक्षिण या उत्तर में, मकान पुराना, द्वार उत्तर में, माता के बाल लाल या जला हुआ, प्रसव कष्ट अधिक, साधारण भोजन, माता कुछ क्रोध में, भूमि पर जन्म, रोने की आवाज आधी दबी हुई, उपसूतिका ४ या ५, पिता क्लेश परेशानी में, बालक के केश लम्बे काले, पीठ पर चिन्ह, गले में पीड़ा, रंग गौर श्याम बीच का, प्रकृति रक्त-पित्त, कष्ट वर्ष ११।२८।३८।५२।६२ उपाय तुलादान, मृत्युंजय जप, ब्राह्मण भोजन, उपरान्त आयु १०० वर्ष।

धनु—माता का सिर पूर्व दिशा की ओर, प्रसूति स्थान घर के दक्षिण भाग में, द्वार पूर्व में, मकान नया, माता के वस्त्र लाल या बसन्ती, माता ने पका हुआ भोजन करके जल पिया हो, जन्म ऊँचे स्थान पर या छत पर, रोने का स्वर काफी ऊँचा, उपसूतिका १ या ५, बालक का रंग गोरा, आकृति सुन्दर, नेत्र विशाल, सिर ऊँचा, हृदय पर चिन्ह, कष्ट वर्ष २।१०।१८।३१।३८।४२, उपाय कष्ट वर्षों के आरम्भ में शिवार्चन, महामृत्युंजय जप, ब्राह्मण भोजन, तदुपरान्त आयु ८१ वर्ष।

मकर—माता का सिर दक्षिण में, मकान पुराना, दरवाजा उत्तर या दक्षिण की ओर, प्रसूति स्थान पश्चिम भाग में, वस्त्र मैले फटे पुराने, माता ने शाक-सब्जी के साथ भोजन कर के ठंडा पानी पिया हो, भूमि पर जन्म, कुछ देर बाद बालक धीरे स्वर से रोया, उपसूतिका १ या ५, बालक के केश घने, नाक मोटी, मस्तक ऊँचा, रंग श्याम, कष्ट वर्ष ५।१३।२७।३६।५७।६२।८७, उपाय रुद्राभिषेक, स्वर्ण दान, तैल, उड़द दान, छायापात्र दान, उपरान्त आयु ९५ वर्ष।

कुम्भ—माता का सिर पश्चिम में, मकान का अधिकांश भाग पुराना, प्रसूतिका घर दक्षिण-पश्चिम में, द्वार पूर्वोत्तर में, माता के वस्त्र कुछ काले मैले, पुराने, कम्बल ओढ़ा हो, मामूली कसैला चटपटा भोजन किया हो, पिता घर पर नहीं हो, भूमि पर जन्म, जन्म के काफी देर बाद बालक थोड़ा सा रोया, उपसूतिका ३ या ४, बालक के होठ मोटे; मस्तक लम्बा, प्रकृति गर्म, कद नाटा, नेत्र में रोग, कष्ट वर्ष २।२८।३३।४८।६४, उपाय तुला दान, महिषि दान, मृत्युंजय जप उपरान्त आयु ९० वर्ष।

मीन—माता का सिर उत्तर में, मकान का कुछ हिस्सा पुराना, प्रसूति गृह उत्तर में, द्वार दक्षिण को, माता के वस्त्र मैले बसन्ती रंग के, पिता घर पर, जन्म ऊँचे स्थान पर, बालक जन्म के बाद देर से रोया, माता ने प्रसव से पहले ठण्डा जल पिया हो, उपसूतिका पहले, पीछे ३ या ५, पलंग का पसा हुआ, बालक का रंग गोरा, नाक नुकीली, आँख भूरी, सिर ऊँचा, बाल कपिल, प्रकृति बलगमी, कष्ट वर्ष १।८।१३।३६।४८, उपरान्त आयु ८३ वर्ष, उपाय मोदकान्न दान, गोदान, ग्रह शान्ति, मृत्युंजय जप।

प्रत्येक लग्न के—विषय में जो सूचनायें दी गई हैं वे प्राय: सामान्य रूप से ठीक मिलती हैं। परन्तु ग्रहों के अन्य योगों से उन में अन्तर भी आ सकता है। ग्रह योगों का जो प्रभाव पड़ता है उनके विषय में संक्षेप में इससे पहले विचार किया है उस पर भी ध्यान देना चाहिए। कभी-कभी ऐसा होता है कि जन्म समय के बारे में निश्चित रूप से ठीक सूचना नहीं मिलती और जो समय बताया होता है उस के आस-पास ही लग्न का आरम्भ या समाप्ति काल होता है तब उपरोक्त लक्षणों के आधार पर ही ठीक लग्न का निर्णय करना होता है। जिस लग्न के लक्षण, चिन्ह आदि अधिक मिलें वही लग्न ठीक समझनी चाहिए। इसको और स्पष्ट करने के लिए २-१ उदाहरण देकर समझाना ठीक होगा। मान लो किसी ने बताया कि १२ नवम्बर को रात के बारह बजे के आस-पास का जन्म है। लग्न सारणी में देखने पर ज्ञात हुआ कि १२ नवम्बर को १२ बजकर ३ मिनट तक कर्क लग्न है और उसके बाद सिंह लग्न है। अब आप कर्क और सिंह दोनों लग्नों के लक्षणों, चिन्हों का मिलान कीजिये और जिस लग्न की बातें ज्यादा मिलें वही लग्न निर्धारित कर दीजिए।

बालारिष्ट—जन्म लग्न में चन्द्रमा छठे, आठवें या बारहवें घर में हो और उस पर क्रूर ग्रहों की दृष्टि हो तो बालक के जीवन को संकट होता है। यदि इस प्रकार के चन्द्रमा को शुभ ग्रह देख रहे हों तो संकट टल जाता है। ६।८।१२वें स्थान में शुभ ग्रह हों और उन पर क्रूर ग्रहों या वक्री ग्रहों की दृष्टि हो, लग्न में कोई शुभ ग्रह न हो, लग्न को या लग्नेश को कोई शुभ ग्रह नहीं देखता हो तो बालक को अल्पायु योग होता है। जिस कुण्डली में पंचम स्थान में सूर्य, मंगल व शनि तीनों हों उस बालक को, उसकी माता को, उसके भाई को, तीनों को ही कष्ट प्रदान करते हैं। तीनों ग्रहों का इस प्रकार का योग भी बालक तथा माता दोनों को अपार कष्ट प्रदान करता है। लग्न में शनि, आठवां चन्द्रमा, तीसरा बृहस्पति—इस प्रकार से ग्रहों का योग हो तो वह भी बालक को महान कष्ट कारक होता है। अल्पायु योग माना जाता है। बारहवें स्थान में कोई भी ग्रह हो तो कष्ट ही देता है। परन्तु सूर्य, चन्द्र, शुक्र व राहु हों तो विशेष रूप से अरिष्टदायक होते हैं। लग्न के १२वें तथा दूसरे भाग में क्रूर ग्रह होने से अशुभ कर्तरी योग बनता है। अर्थात् लग्न दुष्ट ग्रहों के बीच में आ जाने से कष्ट दायक हो जाती है। लग्न में दूसरे भाव में, छठे, आठवें, बारहवें भाव में क्रूर ग्रहों का होना अरिष्ट बताता है।

अरिष्ट भंग योग—बुध, बृहस्पति, शुक्र इन शुभ ग्रहों से कोई भी एक, दो या तीनों १।४।७।१० केन्द्र स्थानों में हों या लग्न में गुरु स्वग्रही उच्च क्षेत्री बलवान होकर पड़ा हो या लग्नेश बलवान् होकर केन्द्र में हो, या शुक्ल पक्ष में रात्रि का जन्म हो और लग्न पर शुभ ग्रहों की दृष्टि हो अथवा कृष्ण पक्ष में दिन का जन्म हो और लग्न शुभ ग्रहों द्वारा दृष्ट हो। इन पांचों योगों में से कोई भी एक या अधिक योग हो तो वह उपरोक्त सभी अरिष्ट योगों, अल्पायु योगों को भंग कर देता है। समाप्त कर देता है।

माता-पिता को अरिष्ट योग—सूर्य से पिता का तथा चन्द्रमा से माता का विचार किया जाता है। सूर्य के साथ पाप ग्रह बैठे हों या सूर्य पाप ग्रहों के बीच में पड़ गया हो या सूर्य पर पाप ग्रहों की दृष्टि हो, अथवा सूर्य से ४।६।८वें स्थानों में क्रूर ग्रह हों और शुभ ग्रह न हों तो पिता को

कष्टदायक होते हैं। इसी प्रकार चन्द्रमा के साथ यह अरिष्ट योग माता को कष्टकारक होते हैं, जैसे—चन्द्रमा के साथ पाप ग्रह चन्द्रमा से २।१२वें भाव में पाप ग्रह चन्द्रमा पर पाप ग्रहों की दृष्टि चन्द्रमा से ४।६।८वें स्थानों में क्रूर ग्रहों की स्थिति शुभ ग्रहों की अनुपस्थिति माता को कष्ट देने वाली होती है।

प्रसव दोष—चैत्र मास में कुतिया प्रसव करे, वैशाख में ऊंटनी, ज्येष्ठ में बिल्ली, आषाढ़ में गधी, श्रावण में घोड़ी, भाद्रपद में गाय, कार्तिक में स्त्री, मार्गशीर्ष में हथिनी, पौष में बकरी, माघ में भैंस प्रसूत हो तो प्रसूतिका को तथा उसके स्वामी को कष्टकारक होती है। सभी प्रकार के अरिष्ट योगों की शान्ति के लिये दान, जप, हवन, शान्ति पाठ, पुण्याहवाचन आदि अनुष्ठान करा देना चाहिए।

त्रिखल दोष—तीन पुत्रों के बाद कन्या अथवा तीन कन्याओं के बाद पुत्र हो तो त्रिखल दोष होता है। यह माता-पिता को कष्ट कारक, धन हानि कारक होता है। इसके लिए त्रिखल शान्ति अनुष्ठान करा देना चाहिए।

दन्तोत्पत्ति फल—बालक दांतों सहित जन्म ले तो माता-पिता को महा अरिष्ट दोष होता है। प्रथम दांत नीचे की पंक्ति में आना चाहिए, यदि ऊपर की पंक्ति में प्रथम दांत उत्पन्न हो तो मातुल पक्ष को भयदायक होता है। दांत ६ महीने से पहले आना ठीक नहीं होते। प्रथम मास में शरीर कष्ट द्वितीय में छोटे भाई को, तीसरे में बहन को, चौथे में बड़े भाई को, पांचवें में बड़े बन्धु जनों को कष्टकारक होते हैं। छठे में बहुत भाग्यशाली, ७वें में पिता को भाग्य वर्धक, ८वें में शरीर पुष्टिकारक, ९वें में धनवान, १०वें में सुखी, ११वें में महा सुखी, १२वें महाधनी बनाते हैं।

एक नक्षत्र जात फल—पिता-पुत्र, माता-पुत्र,. माता-कन्या, पिता-कन्या या दो भाई एक ही नक्षत्र में जन्में तो दोनों को ही महान् कष्ट दायक माने गये हैं। नक्षत्रों में, चरण में या राशि में भेद हो तो कुछ कम कष्टदायक होते हैं। अरिष्ट निवारण के लिए स्वर्ण दान, शान्ति पाठ, जप, हवन आदि कर्म अवश्य करा देना चाहिए।

गण्डमूल नक्षत्र चरण फल सारिणी

गण्डमूल नक्षत्र	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण	चतुर्थ चरण
अश्विनी	पिता को कष्ट	सुख ऐश्वर्यवान	मंत्रित्व प्राप्ति	राज्य सम्मान
आश्लेषा	शांति से शुभ	धन हानि	मातृ हानि	पितृ हानि
मघा	माता को कष्ट	पिता को कष्ट	सुखी	धन-विद्या प्राप्ति
ज्येष्ठा	भाई को कष्ट	कनि. भाई को कष्ट	मातृ हानि	स्वयं को हानि
मूल	पिता को हानि	माता को हानि	धन नाश	शांति से शुभ
रेवती	राज्य सम्मान	मंत्रित्व प्राप्ति	धन सुख	व्याधियाँ

उपरोक्त नक्षत्र गण्डमूल नक्षत्र होते हैं। इन में जन्मा बालक माता-पिता, अपने कुल या अपने शरीर को कष्टकारक होता है। इस के विपरीत यदि संकट समाप्त हो जाय तो अपार धन, वैभव, ऐश्वर्य, वाहनादि का स्वामी भी होता है। शास्त्रानुसार तो उचित यही समझा जाता है कि २७ दिन तक पिता को ऐसे बालक का मुख नहीं देखना चाहिए। मूल शान्ति कराने के बाद ही दान, हवन, पूजा आदि करा कर २७ दिन बाद ही मुख देखे। परन्तु यह तभी उचित है जब बालक पिता को कष्टदायक हो या अभुक्त मूल में उत्पन्न हो। २७ दिन बाद वही नक्षत्र जब फिर आये तब पुरोहित द्वारा मूल शान्ति करा यथा सम्भव दानादि करके ही प्रसूति स्नान शुद्धि कराई जानी चाहिए। जन्म मास जन्म लग्न के अनुसार मूल का निवास कहां है तक उसका क्या फल होता है यह नीचे के चक्र में दिया है।

मूल निवास चक्र

चन्मामासानुसारेण	वैशा., ज्ये., मार्ग., फा.	चैत्र, श्राव., का., पौ.	आषा., आ.,माघ, भा.
जन्म लग्नानुसारेण	२।५।८।११	३।६।९।१२	१।४।७।१०
मूल निवास स्थानम्	पाताले	भूमौ	स्वर्गे
फलम्	शुभम्	कुलनाशः	शुभम्

प्रत्येक नक्षत्र लगभग ६० घटी का मान कर मूल नक्षत्र को एक वृक्ष की उपमा दी गई है और उसकी घटियों के अनुसार उसके मूल आदि विभाग किये गये हैं। बालक का जन्म जिस विभाग में हो उसी के अनुसार फल बताये गये हैं। जैसे प्रथम ७ घटी मूल (जड़), अगली ८ घटी स्तम्भ (तना), उसकी अगली १० त्वचा (छाल) आदि। मूल नक्षत्र में जन्म हो तो निम्न चक्र से फल देखें:

मूलजनन वृक्ष विभाग

मूले	स्तम्भे	त्वचायां	शाखायां	पत्रे	पुष्पे	फले	शिखायां	विभाग
७	८	१०	११	१२	५	४	३	घट्यः
मूल नाशः	वंश नाशः	मातृ क्लेश	मातुल नाश	मंत्री पदम्	मंत्री पदम्	विपुल लाभः	अल्प जीवी	फलम्

इसी प्रकार नक्षत्र को पुरुष मान कर उस की घटियों को पुरुष के अंगों में स्थापित करके तदनुसार फल प्रतिपादन किया जाता है। यथा प्रथम ५ घटी में जन्म हो तो मूर्धिनफल-राजा राजसी ठाट-बाट उपरान्त ७ घटी मुख संज्ञा-फल पिता को कष्ट आदि-आदि बालक के जन्म पर निम्न चक्र से फल देखें। मूल नक्षत्र में जन्मे बालक के लिये।

अथ मूल पुरुष चक्रम्

मूर्धिन	मुखे	स्कंधे	बाह्वोः	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुह्ये	जानुनि	पादे	स्थानं
५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६	घट्यः
राजा	पि.मृ.	बली	बली	दानी	मंत्री	ज्ञानी	कामी	मतिमान्	मतिमान्	फलम्

मूल नक्षत्र में बालिका के जन्म पर निम्न चक्र से फल देखना चाहिये।

अथ कन्याजन्मनि मूल चक्रम्

शीर्षे	मुखे	कण्ठे	हृदये	वाह्वोः	हस्ते	गुह्ये	जंघे	जानुनि	पादे	स्थानं
४	६	५	५	५	८	९	४	४	१०	घट्यः
पशु नाश	धन नाश	धन लाभ	कुटिला	धन लाभ	दयावः	कामिनी	मातृ नाश	भ्रातृ नाश	वैधव्यं	फलम्

आश्लेषा नक्षत्र में जन्म बालक-बालिका का फल पुरुष अंगों के अनुसार निम्न चक्र से देखना चाहिए:

अथ आश्लेषा चक्रम्

शिरसि	मुखे	नेत्रे	ग्रीवायां	स्कंधे	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुदे	पादे	स्थान
५	७	२	४	४	८	१०	६	७	७	घट्यः
पुत्रादि	पितृ नाश	मातृ नाश	स्त्री लाभ	गुरु भक्त	बली	आत्म हानि	भ्रमः	तपस्वी	धन हानि	फलम्

आश्लेषा नक्षत्र में जन्मे बालक-बालिका का फल वृक्ष के अंगों की घटियों के अनुसार निम्न चक्र से देखना चाहिए:

अथ आश्लेषा पुरुष वृक्ष चक्रम्

फले	पुष्पे	दले	शाखायां	त्वचायां	लतायां	स्कन्धे
१०	५	९	७	१३	१२	४
धनम्	धनम्	राजभयम्	हानिः	मातृ हानिः	पितृ हानिः	अल्पायुः

अभुक्त मूल विचार

ज्येष्ठा नक्षत्र की अन्त की ४ घटी, अन्य किसी मत से १ घटी और मूल नक्षत्र के आदि की ४ घटी, अन्य मत से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इन घटियों में बालक जन्मे तो पिता ८ वर्ष पर्यन्त बालक का मुख न देखे, असमर्थ हो तो ६ मास त्याग करे। शांति हवन, अभिषेक आदि से युक्त अभुक्त मूल शांति, रुद्रार्चन, महामृत्युञ्जयादि विधान कर शुभ मुहूर्त में बालक के मुख का अवलोकन करें। कहते हैं संत तुलसीदास जी का जन्म इसी प्रकार के अभुक्त मूल में हुआ था।

कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी में जन्मे बालक पर भी अरिष्ट दोष होता है उसका निर्णय निम्न तालिका के अनुसार करना चाहिए:

अथ कृष्ण चतुर्दशी विभाग फलम्

१	२	३	४	५	६	विभागः
शुभम्	पितृ नाश	मातृ नाश	मातुल नाश	कुल हानिः	धन हानिः	फलम्

त्रयोदशी की घटियों को ६० में से घटा कर चतुर्दशी की घटियां युक्त कर ६ का भाग दें, जो प्रथम भाग में होगा, उसके द्विगुणित दूसरा ऐसे ही क्रम से जानें। जिस भाग में जन्म हुआ हो उसके अनुसार फल को कहें, अरिष्ट हो तो शान्ति विधान करें।

सिनीवाली कुहू जनन फल

सिनीवाली—अमावस्या की अन्तिम पांच घटियों में जन्म हो तो सिनीवाली जनन समझा जाता है। जन्म के बाद अमावस्या की ५ या उससे कम घटियां रह गई हों। अर्थात् चन्द्रमा की केवल कुछ कलायें ही दृश्य मान हों तब सिनीवाली जनन होता है। इसका निर्णय सूक्ष्म गणित द्वारा चन्द्रमा की गति अनुसार करना चाहिए। यह अंतिम घटियां ४ और ५ के बीच होती हैं। इनमें जन्म होने से घर में बालक-बालिका या पशु, गाय, भैंस, घोड़ी आदि प्रसूत हो तो धन हानि, अपयश आदि का भय होता है।

कुहू जनन फल—अमावस्या की अन्तिम घटी के भी अन्तिम ५-१० पलों में जब चन्द्रमा की कलायें समाप्त या बिल्कुल नष्ट हो जायं तब अन्तिम घटी के भी अन्तिम पलों में जन्म हो तो कुहू जनन होता है। उस समय बालक या पशु जन्म हो तो अति अरिष्ट कारक होता है। इसका शास्त्रोक्त विधि से शान्ति अवश्य करना चाहिए।

अन्य अरिष्ट दोष

व्यतीपात योग में जन्म हो तो अंग हानि, वैधृति योग में जन्म हो तो पिता से वियोग, परिघ योग में जन्म हो तो स्वयं को मृत्यु तुल्य कष्ट होता है। मृत्यु योग, दग्ध योग, भद्रा, संक्रांति के दिन, सूर्य चन्द्रग्रहण समय में शूल योग, व्यघात योग, अतिगण्ड योग, वज्र योग, तिथि क्षय, क्रान्ति साम्य (महापात योग), विश्वधस्त्र पक्ष में क्षय मास में जन्मे बालकों को कुयोग में जन्मा समझा जाता है। इनकी आयु तथा आरोग्य के लिए शास्त्रोक्त विधि-विधान से ग्रह शान्ति करा देना चाहिए। जिस प्रकार २७ नक्षत्र होते हैं उसी प्रकार २७ योग होते हैं। व्यतिपात, वैधृति, परिघ, व्याघात, अतिगण्ड, शूल, वज्र इन २७ में से कुछ अशुभ योग हैं। तिथि के अधि भाग को करण कहते हैं। विष्टि करण को भद्रा कहते हैं। तिथि, नक्षत्र, वार आदि के संयोगों से कुछ योग बनते हैं। जिनकी सूचना पंचांगों में दी होती है। मृत्यु योग, दग्ध योग आदि ऐसे ही कुयोग हैं इनकी शान्ति कराना आवश्यक होता है।

स्त्री दासी गौ आदि पशु यमल जन्म फलम्

त्रिविधा यमलोत्पत्तिर्जायते योषितामिह। सुतौ च सुत कन्ये वा कन्या एव तथा पुनः॥
एक लिंगो विनाशाय द्वि लिंगो मध्यमौ स्मृतौ। पित्रोर्विघ्नकरौ ज्ञेयो तत्र शान्तिर्विधीयते॥

तीन प्रकार से जुड़वां सन्तानों की उत्पत्ति होती है। दोनों लड़के हों या दोनों लड़की हों या एक लड़का एक लड़की हो। इस में एक लड़का एक लड़की का होना तो मध्यम, साधारण है। परन्तु एक ही तरह के लिंग वाली सन्तान हों तो उनका फल माता-पिता के लिए अच्छा नहीं बताया गया है। उसकी शान्ति कराना श्रेयस्कर होता है।

जन्म स्थान विचार

बच्चे का जन्म किस प्रकार के स्थान में हुआ है इस के नियम ज्योतिष फलित में बताये गये हैं। जिनमें से मुख्य नियमों की जानकारी दी जा रही है। कर्क, मकर, मीन यह तीन जलचर राशियां हैं। लग्न या चन्द्रमा इन राशियों में है अथवा लग्न पर पूर्ण चन्द्रमा की दृष्टि हो अथवा चन्द्रमा जलचर राशि के प्रथम, चतुर्थ या दशम स्थान में हो तो जन्म जल के ऊपर या जल के पास होता है, जल से तात्पर्य नदी, तालाब, झील, समुद्र, झरना, कुआ, नहर आदि समझना। नौका, जहाज, पुल के ऊपर भी जल का सामीप्य होता है। चन्द्रमा कर्क राशि का हो, बुध लग्न में हो, गुरु चौथा अथवा लग्न में जलचर राशि हो, चन्द्रमा सप्तम हो तो भी जन्म जल पर या समीप में ही हुआ समझना चाहिए। लग्न या चन्द्र में शनि १२वां हो, लग्न या चन्द्र को पाप ग्रह देखते हों तो जन्म कारागार में या एकान्त में जंगल वियावान में समझिये। शनि कर्क या वृश्चिक लग्न में हो और चन्द्रमा की पूर्ण दृष्टि हो तो खाई खन्दक में जन्म होता है। पुरुष राशि की लग्न हो, लग्न में शनि हो, मंगल की दृष्टि हो तो शमशान या शमशान के पास जन्म। पुरुष लग्न में शनि को शुक्र व चन्द्रमा देखते हों तो राजमहल या देवालय मन्दिर में जन्म, लग्नगत गुरु पर बुध की दृष्टि हो तो चित्रकारी किये हुए, मूर्तियां बने हुए सुन्दर घर में जन्म होता है। इस प्रकार ग्रहों के बलावल पर विचार करके फल कथन करना चाहिए।

बाल कष्टावली चक्रम् (पूजा विधि)

प्रत्येक मन्त्र को २१ बार पढ़कर बलि को ७ बार शिर पर फिरा कर उचित स्थान पर नाम से रख आवें।

किस समय कौन पूतना ग्रहण करती है	असित लक्षण	पूजन द्रव्य	मूर्तिनिर्माणार्थ द्रव्य	बलि विधान व समय	धूप	स्नान पूजा मार्जन मन्त्र
प्रथम दिन मास वर्ष में योगिनी	ज्वर, स्वेद मन्दस्वर, कम्पन, अरुचि, अंगशोथ।	श्वेत चंदन, तिलक, श्वेतपुष्प, ५ रंग की झंडी ५, ५ दीपक, ५ आटे के सतिये, कपूर, लोहबान।	नदी के दोनों किनारों की मृत्तिका	श्वेत भात, ५ पूर्ण पोली (सुहाली) १ पहर दिन चढ़े पूर्व दिशा में चौरास्ते पर रखना।	राई, खस, कमल के फूल, बिल्ली और	ॐ ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वै वरुणस्तथा। रक्षन्तु त्वरितं बालं मुञ्च कुमारकम्॥
द्वितीय दिन मास वर्ष में सुनन्दना	ज्वर, हाथ-पैर जकड़ना, संकोच, दांत चबाना, नेत्र खुले, नेत्र रोग भय, कृषता।	१० दीपक, १० झंडी, पुष्प, चावलों के आटे के सतिये १०।	एक सेर चावलों का आटा	भात, एक सेर आटे के पूड़े, मत्स्य व बकरे का मांस संध्या समय प. दिशा में चोरास्ते पर रखना।	मनुष्य के बाल निम्बपत्र, गोघृत।	ॐ नमश्चामुण्डायै विच्चै हांहां हीं हीं हुंहुं दुष्टाग्रहा गच्छन्त्वत: स्थानाद्रुद्राज्ञया स्वाहा।
तृतीय दिन मास वर्ष में पूतना	हड़फूटन, खांसी, शिर झुकाना, श्वास, नेत्रमीलन, श्यामता, अरुचि, रुदन, नेत्रपीड़ा	रक्तचंदन, रक्तपुष्प, श्वेत ध्वजा, दीपक १०, गेहूं के आटे के सतिये १०।	एक सेर चावलों का आटा	एक सेर लाल भात, आध सेर पूर्ण पोली (सुहाली) पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	लहसुन, गोश्रृंग सांप की कांचली	सुनन्दना विधानोक्त
चतुर्थ दिन मास वर्ष में मुखमंडिका	गात्र भंग, शिर झुकाना, खांसी, श्वास, नेत्रमीलन, अरुचि, अनिद्रा, श्यामता।	श्वेतपुष्प, श्वेतध्वजा ५, दीपक, मिल सकें तो अर्जुन वृक्ष के पुष्प।	तिल चुर्ण एक सेर	भात, १ सेर आटे के पूड़े, आधा सेर पूर्णपोली सायंकाल पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	नीम के पत्ते पुरुष और बिल्ली के बाल	सुनन्दना विधानोक्त
पंचम दिन मास वर्ष में विडालिका	पेट में दर्द, हिचकी, श्वास, अरुचि, ज्वर, शरीर में गर्मी तेज।	श्वेतचंदन, श्वेत पुष्प, दीपक ५ श्वेतध्वजा ५, गेहूं के आटे के सतिये।	एक सेर चावलों का आटा	श्वेत भात, ७ पूड़ियां, सायंकाल प. दिशा में वृक्ष के नीचे रखना	गोघृत।	ॐ भगवती हीं हीं हुं हुं मुंच रक्षां कुरु कुरु बलिं गृहण-२ अस्त्र ठ: ठ: चामुण्डे चण्डिके ठ: ठ: स्वाहा
षष्ठ दिन मास वर्ष में घट्कारिका	ज्वर, हड़फूटन, हंसना, कभी-२ रोना, मोह मूर्च्छा।	श्वेत चंदन, श्वेत पुष्प, दीपक ५ श्वेत ध्वजा ५।	नदी के दोनों किनारों की मिट्टी	भात, ५ मिठाई, ५ सुहाली, ७ पूड़ियां १ प्रहर दिन चढ़े पूर्व में चौरास्ते पर रखना	कूठ, गुगल,	योगिनी विधानोक्त
सप्तम दिन मास वर्ष में कालिका	खांसी, श्वास, वमन, अरुचि, शरीर कम्पन।	श्वेत चंदन, श्वेत पुष्प, दीपक ५, श्वेत ध्वजा ५।	चावलों का आटा एक सेर	भात, ७ पूड़ियां सायंकाल पश्चिम में चौरास्ते पर मौन होकर रखना	राई, हाथी दांत, घृत।	विडालिका विधानोक्त
अष्टम दिन मास वर्ष में कामिनी	ज्वर, मुखशोष, अरुचि, सन्ताप	रक्तचंदन, ५ रंग की झंडी ५, दीपक ५।	जल के दोनों किनारों की मिट्टी	गेहूं की रोटी, मसूर की दाल, हरा साग, छाग मांस, संध्या में चौरास्ते पर रखना।	राई, हाथी दांत, घृत।	विडालिका विधानोक्त
नवम दिन मास वर्ष में मदना	ज्वर, खांसी, श्वास, शूल, आफरा, घृणा।	चन्दन, पुष्प, ५ दीपक, सफेद रंग की झण्डी ५।	एक सेर गेहूं का आटा।	भात, मत्स्य मांस, पापड़ी, सुहाली, उत्तर में प्रात: चौरास्ते पर रखना।	गोश्रृंग, लहसुन	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कृष्णाय मंडलबलिमादाय हनहन हुं फट् स्वाहा
दशम दिन मास वर्ष में रेवती	ज्वर, हड़फूटन, शूल, अरुचि, वमन, खांसी, श्वास	रक्त पुष्प, २५ झण्डी, २५ दीपक, २५ सतिये।	एक सेर गेहूं का आटा	गुड़ के घी भुने चावल, गोघृत, सायंकाल दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	सांप की कांचली निम्ब	ॐ नमो भगवते वैश्वेदेवाय हन हुं फट् स्वाहा।
एकादश दिन मास वर्ष में सुदर्शना	ज्वर हड़फूटन, मुखशोष, अरुचि, रोदन, कृशता।	श्वेत पुष्प, २५ दीपक, २५ सफेद, झण्डी, २५ आटे के सतिये।	काले उड़दों का आटा एक सेर	श्वेत भात, ७ पूड़े, सुहाली ७, सांय व प्रात: दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	पत्र, मनुष्य और बिल्ली के बाल, राई	ॐनमो भगवते रावणाय, चन्द्रहास वज्र हस्ताय ज्वल, २ दुष्ट ग्रहादीन् ॐह्रीं फट् स्वाहा
द्वादश दिन मास वर्ष में अद्भुता	ज्वर, दांत चबाना, रोमांच, बहुरोदन, नेत्र पीड़ा, संताप।	१३ दीपक, १३ झण्डी, १३ तकिये आटे के।	चावलों का आटा एक सेर	सुहाली, पूड़े ७, पूड़ियाँ ७, मत्स्य मांस, पापड़ी, सायंकाल दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	गोघृत।	ॐ नमो नारायणाय ज्वलद्धस्ताय हन हन शोषय २ मर्दय २ तापय २ हुं २ हन २ दुष्टाना हां हुं फट स्वाहा

अथ नक्षत्र कष्टावली

नक्षत्र देवता	कष्ट लक्षण	कष्ट दिन	चरणगत कष्ट दिन	जपनीय वेदोक्त मंत्र	जप सं.	होम द्रव्य	वलि द्रव्य	करे धारणम्	गन्धादि पदार्थ	दान वस्तु
अश्विनी (दस्रौ)	वातज्वर. गात्रपीड़ा. निद्रा भय. बुद्धिभ्रम	९	१, २, ३,४ ९,१०, ११, २०	ॐ अश्विनातेजसाचक्षु: प्राणंनसरस्वतीवीर्यम्। वाचेन्द्रो बलेनेन्द्राय दधुरिन्द्रियम्॥ ॐ अश्विनीकुमाराभ्यां नम:॥	५ सहस्त्र	खण्ड यव घृत	गुडौदन तिल	अपामार्ग मूलम्	श्वेत चन्दन, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत-दीप, क्षीर, मोदक, गुड़, नैवेद्य।	सुवर्ण घृत कुम्भ
भरणी (यम:)	छर्द रोग. तीव्र ज्वर अनेक रोग. आलस्य	११	०,८०,४०,११	ॐ यमायत्वाङ्गिरस्यतै पितृमते स्वाहा स्वाहा धर्माय स्वाहा धर्म: पित्रे॥ ॐ यमाय नम:॥	१० सहस्त्र	घृत मधु तिलाक्षत	कृषरान्न (खिचड़ी)	अगस्त मूलम्	अगर गंध, करवीर पुष्प, घृत दीप, घृत, गुग्गुल, धूप, गुडोदन नैवेद्य।	गो, महिषी घृत शर्करा, छायापात्र
कृत्तिका (अग्नि:)	नेत्र पीड़ा. अनिद्रा. अतिदाह. उरूशूल	९	९.११,१६,२८	ॐ अग्निमूर्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्या अयम्। अपा रेता सिंजिन्वति॥ ॐ अग्नये नम:॥	१० सहस्त्र	तिलयव घृत	पायस घृत मोदक	कार्पासि मूलम्	श्वेतचन्दन गंध, जुहीपुष्प, घृतदीप, घृत, गुग्गुल, धूप, तिलमाषान्न, वडाधीका, नैवेद्य।	स्वर्ण, गोदान
रोहिणी (ब्रह्मा)	शिर पीड़ा. ज्वर. कुक्षिशूल. प्रलाप	७	७.९.१८.३०	ॐब्रह्मजज्ञानं प्रथमम्पुरस्ताद्विसीमत: सुरूचोवेनआव: सुबेध्न्या उपमाअस्यविष्ठा: सतश्चयोनिमसतश्चविधव:॥ ॐ ब्रह्मणेनम:॥	५ सहस्त्र	तिलाज्य घृत यव	मध्वाज्यक्षौ साख्यन्नक्षी	अपामार्ग मूलम्	श्वेत चन्दन गंध, कमल पुष्प, दशाङ्ग धूप, घृत दीप, घृत, पायस, नैवेद्य।	सप्तधान्य, कृष्ण गौ दान, ५ कया भोजन
मृगशीर्ष (चन्द्र:)	त्रिदोष. महाकष्ट. अर्द्धगात्र पीड़ा	३	९.५,७,१०	ॐ इमन्देवा असपल सुवध्वं महतेक्षे त्राय महते ज्येष्ठयाय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय इममुष्यपुत्रममुष्यै पुत्रमस्यैविश एषवोऽमीराजासोमोस्माक ब्राह्मणाना राजा॥ ॐ चन्द्रमसे नम:॥	१० सहस्त्र	दधि पायस	दधिशर्करा शाल्यन्न	जयन्ती मूलम्	श्वेत चन्दन गंध, कमल पुष्प, दशाङ्ग धूप, घृत दीप, पायस, अपूपमध्वोदन नैवेद्य।	दधि, तन्दुल सवत्सा गोदान
आर्द्रा (शिव)	त्रिदोष. ज्वर. सर्वांग पीड़ा. अनिद्रा	मृ.तु.	०,१८,०,०	ॐ नमस्ते रुद्रमन्यव उतो त इषवे नम: बाहुभ्यामुतते नम: ॥ ॐ रुद्राय नम:॥	१० रुहस्त्र	घृत मधु	दध्योदन मध्वाज्य	सचंदना अश्वत्थमूलम्	श्वेत चन्दन गंध, सौरभ पुष्प, दशाङ्ग धूप, घृत दीप, पायसौदन नैवेद्य।	श्याम वृषभ दान श्याम वस्त्र
पुनर्वसु (अदिति)	ज्वर, शिर पीड़ा, कटि पीड़ा	७	७,१४,२,२१	ॐअदितिद्यौरदितिरन्तरिक्षमदिति माता स पिता स पुत्र: विश्वे देवा अदिति: पञ्चजनाअदितिर्जातमदितिर्जनित्वम्॥ ॐअदिताय: नम:॥	१० सहस्त्र	घृत तन्दुल	साज्य पीत तन्दुल	अर्क मूलम्	हरिद्रार्कुकुम गंध, सेवन्तिका पुष्प, अष्ट गंध धूप, घृत दीप, घृताक्तपीतवर्णान्न नैवेद्य।	वस्त्र, स्वर्ण, कमल ५ कन्या भोजन
पुष्य (गुरु)	ज्वर. शूल. महाकष्ट	७	७,७,१०,२१	ॐबृहस्पते अतियदर्यो अर्हाद्द्युमद्विभातिक्रतु मज्जनेषु। यदीदयच्छवत्र सत्र्तप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्॥ ॐबृहस्पतये नम:॥	१० सहस्त्र	घृत पायस	समण्डक मोदक	तुषार मूलम्	कुंकुम गंध, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत, पायस, शर्करा, नैवेद्य।	सूवर्ण गौ, पीत वस्त्र
आश्लेषा (सर्प:)	सर्वांग पीड़ा, पाद पीड़ा, मृत्युसम कष्ट	मृ.तु.	०,०,४१,०	ॐनमोस्तु सर्प्येभ्यो ये के च पृथिवीमनु ये अन्तरिक्षे ये दिवितेभ्य: सर्पेभ्योनम:॥ ॐसर्प्येभ्यो नम:॥	१० सहस्त्र	शर्करा घृत	हवि दध्योदन	पटोल मूलम्	कुंकुम, अगर गंध, अगस्त पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत मिष्ठान्न, नैवेद्य।	सवत्सा श्याम गौ, छायापात्र
मघा (पितर:)	शिर पीड़ा, अर्द्धमात्र पीड़ा	२०	१५,७,१७,२०	ॐ पितृभ्य: स्वधायिभ्य: स्वधानम: पितामहेभ्य: स्वधायिभ्य: स्वधा नम:। प्रपितामहेभ्यस्वधायिभ्य: स्वधा नम: अक्षन्नपित्रोमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्तपितर: पितर: शुन्धध्वम्॥ ॐ पितरम्ये नम:॥	१० सहस्त्र	तिल घृत तन्दुल	सतिलाज्य दुग्धान	भंगराज मूलम्	श्वेत चन्दन गंध, चम्पक पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत, क्षीर, नैवेद्य।	वस्त्र, तिल, उड़द
पू.फा. (भग:)	गात्र व्यथा, ज्वर, शिर पीड़ा	मृ.तु.	०,१५,०,३०	ॐभगप्रणोतर्भगसत्यराधोभगेमांधियमुदवाददन्न: भगये प्रणोजनयगोभिरश्वैर्भयप्रनृभिनृवैन: स्याम॥ ॐभगाय नम:॥	१० सहस्त्र	कङ्गनी तिलघृत	घृतौदन पायस	कटकारी मूलम	श्वेत चन्दन गंध, मालती पुष्प, घृत विल्व, धूप, घृत दीप, अपुपोदन मोदक, नैवेद्य।	पित्तल, यव उड़द स्वर्ण गौ दान
उ.फा. (अर्यमा)	कुक्षिशूल, ज्वर, शिर पीड़ा, अतिकष्ट	७	७,१४,७,६०	ॐदेवावध्वर्यूश्रागतरथेनसूर्यत्वचा मध्वाय समंजाये तं प्रत्नकथा यं वेनश्चित्रं देवानाम्॥ ॐ अर्यम्णे नम:॥	१० सहस्त्र	तिल घृत	घृत शर्करा शाल्यन्न	पटोल मूलम्	कर्पूर, केसर, गंध, अर्क पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत पायस, नैवेद्य।	सुवस्त्र, सुवर्ण, रजत, अन्न, गौदान
हस्त (सविता)	. उरुशूल, आफरा, सर्वांग पीड़ा, प्रस्वेद	१५	१५,१७,१५,०	ॐ विभ्राडबृहत्पिबतु सौम्य मध्यायुर्दधयज्ञपता व विहुतमम् वातजूतो योअभिरक्षतित्मनाप्रजा: पुपोषपुरुधा विराजति॥ ॐसवित्रे नम:॥	५ सहस्त्र	दधि घृत	मिष्ठान्न पायस	जाति मूलम्	रक्त चन्दन, केसर गन्ध, कमल पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृतदीप, घृत, पायस, नैवेद्य।	स्वर्ण, पयस्विनी गौ दान
चित्रा (विश्व.)	विचित्र रोग अतिकष्ट	११	११,९,९,१६	ॐ त्वष्टातुरीयोअद्भुतइन्द्राग्नी पुष्टिवर्द्धनम्। द्विपदा-छन्दऽइन्द्रियमुक्षागौत्रवयोदध:॥ ॐ विश्वकर्मणे नम:॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य घृत तन्दुल	विचित्रान्न घृत	मखव मूलम्	केसर गंध, विचित्रवर्ण पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृतदीप, विचित्रान्न मोदक, नैवेद्य।	तिल, गुड़, विचित्र वृषभ, छायापात्र

नक्षत्र कष्टावली

नक्षत्र देवता	कष्ट लक्षण	कष्ट दिन	चरणगत कष्ट दिन	जपनीय वेदोक्त मंत्र	जप सं	होम द्रव्य	वलि द्रव्य	करे धारणम्	गन्धादि पदार्थ	दान वस्तु
स्वाती (वायु:)	नाना कष्ट, ज्वर पीड़ा	मृ.तु.	६०,१७,३०,०	ॐ वायो ये ते सहस्त्रिणी रथा सस्ते त्रिरागहि नियुत्वाम सोम पीतये॥ ॐ वायये नम:॥	१० सहस्त्र	तिल,यव घृत	घृत पायस	जाति मूलम्	चन्दन गन्ध (दमनक पुष्प) अगर, गुग्गुल धूप, घृतदीपक, घृतपायस नैवेद्य।	स्वर्ण, रक्तवेणु पकवान्न
विशाखा: (इन्द्राग्नि)	सर्वाङ्गपीड़ा, कुक्षिशूल	१५	१५,०,४,१३	ॐ इन्द्राग्नी आगंत सुतं गीर्मिर्नमो वरेण्यंमू। अस्यं पातं धियेषिता॥ ॐ इन्द्राग्निभ्यां नम:॥	१० सहस्त्र	आज्य पायस	सहवि चित्रान्न	गुञ्जा मूलम्	चन्दन, केसरगन्ध, कमल पुष्प, देवदारु, घृतधूप, घृत दीप, धृपायस नैवेद्य।	रक्तपीतवस्त्र कृष्ण-वृषभछायापात्रदान
अनुराधा (मित्र:)	शिरपीड़ा, तीव्र ज्वर		६०,१२,३६,३०	ॐ नमो मित्रस्य वरुणस्य चक्षसे महोदेवायतदृत सपर्यत दूर दृशे देव जाताय केतवे दिवसपुत्राय सूर्यायशꣳसत्॥ ॐ मित्रायनम:॥	१० सहस्त्र	यव-घृत	मध्वाज्य गुड उड़द	सुपुष्प मूलम्	केसरगन्ध, कमल पुष्प, चन्दन धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य	स्वर्ण गौ, छायापात्रदान
ज्येष्ठा (इन्द्र:)	पित्तरोग, कम्पन, व्याकुलता	मृ.तु.	१९,९,६,४	ॐ त्रातारमिन्द्रमवितारमिन्द्र ꣳ हवे हवे सुहवꣳशूरमिन्द्रम् ह्वयामि शक्रं पुरुहुतमिन्द्रꣳस्वस्तिनो मधवा धात्विन्द्र:॥ ॐ इन्द्राय नम:॥	५ सहस्त्र	तिल, घृत तण्डुल	दध्योदन सुपुष्प	अपामार्ग मूलम	श्वेतचन्दनगंध, चम्पकादि पुष्प, कपूर धूप, घृतदीप, चित्रान्न नैवेद्य।	स्वर्ण तिल, नील वस्त्रदान
मूल (राक्षस:)	मुख तथा उदर रोग, सन्निपात	७	०,९,१५,६	ॐ मातेव पुत्र पृथ्वी पुरीष्यमणि स्वेयोनाव भारुषा। तां विश्वेदेवर्ऋतुभि: संवदान: प्रजापतिर्विश्वकर्मा विमुञ्चतु॥ ॐ निर्ऋतये नम:॥	५ सहस्त्र	कन्दमूल घृत	सहवि उड़द	मन्दार मूलम्	कृष्ण अगरुगन्ध, नीलोत्पलपुष्प, घृतदीप कृष्णगरु धूप, माषामिश्रान्न नैवेद्य।	गौ, छायापात्र, वस्त्र, कुमारी पूजा
पू.षा. (जलम्)	शिरपीड़ा, कंपन, महाकष्ट	मृ.तु.	०,१५,२४,१०	ॐ अपाधमप किल्विषमपकृत्यामपोरप:। अपाम्मार्ग-त्वमस्मदंनदु:स्वप्न्यꣳसुव॥ ॐ अदभ्यो नम:॥	५ सहस्त्र	तिल, घृत तण्डुल	घृतपायस मिष्ठान्नहवि	कर्पास मूलम्	श्वेतचन्दनगंध, कमल पुष्प, घृतगुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपापायसान्न नैवेद्य।	स्वर्ण वस्त्र, तिल, तण्डुल, जलकुम्भ गौदान
उ.षा. (विश्वे-देवा)	कटिपीड़ा, उरुशूल, प्रलाप	३०	३०,२४,२९,१६	ॐविश्वेदेवा: श्रृणुतेमꣳहव मे ये अन्तरिक्षे य उपध्यविष्ठम्। अग्निजिह्वा उतवायजत्रा आसद्यास्मिन्वर्हिंपि मादयध्वम्॥ ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्योनम:॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य यव	सहवि पायस	कर्पास मूलम्	श्वेतचन्दनगंध, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल धूप, घृत दीपक, घृतपायसान्न नैवेद्य।	आमान्न, स्वर्णदान
श्रवण (विष्णु:)	सर्वांगपीड़ा, त्रिदोषभय, अतिसार	११	६०,२४,६,९	ॐ विष्णोरराटमसि विष्णो: श्नेप्त्रेस्थो विष्णो: स्थूरत्सि विष्णोर्ध्रुवोऽसि वैष्णवमसि विष्णवेत्वा॥ ॐ विष्णेव नम:॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य यव	तिलाज्य सहविपायस	अपामार्ग मूलम्	श्वेतचन्दनगंध, मालती पुष्प, कर्पूर, गुग्गुलधूप, घृतदीप, षड्रश शाल्यन्न नैवेद्य।	स्वर्ण गौ, छायापात्रदान
धनिष्ठा (वसव:)	ज्वर-कम्पन, रक्तातिसार, मूत्रकृच्छ	१५	१५,२,२७,२१	ॐ वसो: पवित्रमसि शतधारं वसो: पवित्रमसि सहस्त्रधारम्। देवस्त्वा सविता पुनातु वसो: पवित्रेण शतधारेण सुप्त्वा कामक्षुध:॥ ॐ वसुभ्यो नम:॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य पायस	पायस मोदक पूप-तिलपिष्ठ	भृङ्गराज मूलम्	श्वेतचंदन गन्ध, कमलपुष्प, गुग्गुल धूप, घृत दीपक, घृतपायस नैवेद्य।	छत्रोपानत् अश्व, स्वर्ण, गौ
शतभिषा (वरुण:)	वात-ज्वर, सन्निपात, कष्ट	११	०,४५,३,३६	ॐवरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्यस्कम्भसर्जनिस्थो वरुणस्य ऋत सदन्यसी वरुणस्य ऋतसदनमसि वरुणस्य ऋतसदन मासीद॥ ॐवरुणाय नम:॥	१० सहस्त्र	आज्य दध्योदन	घृत चित्रान्न	कमल मूलम्	केसर अगर गंध, कमलपुष्प, कर्पूर-चंदन धूप, घृतदीपक, घृतपोलिका नैवेद्य।	स्वर्ण, तिलान्न, घट, अश्व, छायापात्र
पू.भा. (अजैकपाद)	वमन, व्याकुलता, शरीरपीड़ा, त्रिदोष	मृ.तु.	०,१२,५१,१७	ॐउतनोऽहिर्बुध्न्य श्रृणोत्वजं एकपात्पृथिवी समुद्र:। विश्वेदेवाऽऋता-वृधोहुवानास्तुता मंत्रा: कविशस्ता अधन्तु॥ ॐ अजैकपदे नम:॥	१० सहस्त्र	क्षीराज्य शर्करा	दध्योदन पायस	भृंङ्गराज मूलम्	केसर चन्दन गंध, श्वेताऽर्क पुष्प, शतौषधि, मिश्रित धूप, घृतदीपक, दधिपायस नैवेद्य।	स्वर्णरजत, अन्न, श्वेतवस्त्र, छायापात्रदान
उ.भा. (अहिर्बुध्न्य)	कामला, अतिसार, शूल, वात-ज्वर	७	१०,२०,७,१५	ॐ शिवोनामासिस्वधितिस्ते पिता नमस्ते अस्तु मामालि ꣳसी निन नवर्तयाम्यायुऽषेन्नाद्या प्रजननाय रायस्पोषाय सुप्रजास्त्वाय सुवीर्याय॥ ॐ अहिर्बुध्न्याय नम:॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य यव	तिल घृत भुदग् माष	अश्वत्थ मूलम्	चन्दन-कर्पूरगंध, कमलपुष्प, बिल्वगुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	स्वर्णरजत, तिल कृष्ण वस्त्रदान
रेवती (पूषा.)	बात, पित्तमय-ज्वर, उरुशूल, चित्तभ्रम		१८,१०,९,२०	ॐ पूषन् तवव्रते वयं नरिष्येम कदाचन स्तोतारस्त इह स्मसि॥ ॐ पूष्णे नम:॥	५ सहस्त्र	तिलाज्य तण्डुल	सहवि दध्यन्न	अश्वत्थ मूलम	रक्तचंदनगंध, मंदार पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	रक्तवस्त्र, पैत्तलपात्र वृषभ, छायापात्र

बाल कष्टावली-चक्र में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ

[illegible] कराना चाहिए। मान लो यदि अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में

बाल कष्टावली-चक्र में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ

बालक को जब अरिष्ट होता है तो उसके निवारण के लिए जो पूजा की जाती है, वह बाल कष्टावली चक्रम् (पूजा-विधि) में दी हुई है। बालक को कष्ट हो तो ज्ञात करो कि उसकी आयु का कौन-सा दिन, मास या वर्ष है। बारह दिन, मास, वर्ष तक कौन-सी पूतना का कब-कब प्रभाव रहता है, उनका नाम दिया गया है। रोग, पीड़ा के लक्षणों में ज्वर (बुखार को), स्वेद (पसीना आने को), मन्द स्वर (मन्दी, धीमी आवाज), कण्ठ स्वर को कम्पन से कपकपी (शरीर में रोंये खड़े हो जाना), अरुचि (भोजन में दूध पीने की इच्छा न होना, उसको अरुचि हो जावे तो कहते हैं)। अंगशोध (शरीर में सूजन, संकोच शरीर का सिकुड़ना), कृशता (शरीर का कमजोर होना), खून की कमी (हड्डियां दिखाई देना), सूखा शरीर, हडफूटन (हड्डियों में दर्द से अकड़न को), नेत्रमीलन (आंखे मसलना, मीड़ना), बच्चा हाथ से आँखे मसलता है (आंख में खुजली होती है)। श्यामता (शरीर का रंग काला पड़ जाना), रुदन (रोना), नेत्र पीड़ा (आंखों के रोग को समझना चाहिए)। गात्र भंग (शरीर में दर्द होना, शरीर का ढीला पड़ जाना), अनिन्द्रा (नींद न आना, हड़फूटन), हंसली (गले की हड्डी उतर जाना), मोह मूर्च्छा (नींद जैसी विहोशी), वमन (उल्टी होना), मुखशोध, (मुंह की सूजन), सन्ताप (मानसिक कष्ट), शोक (वियोग कष्ट), श्वांश जल्दी-जल्दी चलना, (शूल दर्द पीड़ा), आफरा (पेट फूल जाना), घृणा, घिन हो जाना (हर चीज से अरुचि), रोमाञ्च (रोंगटे खड़े हो जाना) और बहुरोदन (बच्चा ज्यादा रोता है) उसको कहते हैं। बीमारी के लक्षणों से भी पूतना की पहचान की जाती है।

पूतना की मूर्ति बनाने के लिए जो चीजें लिखी हैं, उनसे एक स्त्री मूर्ति बना ली जाती है और उसमें जिसकी पूजा करनी हो उसके मन्त्रों से उसी योगिनी आदि की स्थापना कर ली जाती है। नदी के किनारों की मिट्टी या किसी तालाब, जलाशय, कुये, बावड़ी के दोनों किनारों की मिट्टी, पिसे तिल, चावल काले उड़द का आटा जैसा जहां लिखा है, उसमें पानी मिलाकर या तेल मिलाकर पूतना की मूर्ति बनाई जाती है।

पूजा के पदार्थों में श्वेत चन्दन (सफेद चन्दन) को घिसकर तिलक बनाते हैं। श्वेत पुष्प (सफेद फूलों को), पंचरंगी झंडियों में कोई से भी पांचरंग के कागज या कपड़े लेकर झंडी बनाई जाती है और मूर्ति के चारों तरफ दीपक, सतिये के साथ लगाते हैं। सतिये आटे से स्वास्तिक की शकल बनाते हैं, उस पर आटे के दीपक बनाकर रुई की बत्ती व घी, तेल डालकर जलाकर रखते हैं। कपूर, लोवान जैसा बताया हो जलाते हैं। जहाँ रक्त चन्दन लिखा है वहां लाल चन्दन लो, रक्त पुष्प (लाल रंग के फूल), श्वेत ध्वजा (सफेद झंडा-झंडी), जहां कोई रंग नहीं लिखा हो वहां सफेद रंग की होती है। सतिये चावल या गेहूं के आटे के बनाने चाहिये।

बलि विधान में भात चावल का होता है। पूर्ण पोली(गेहूं के आटे में गुड़ मिलाकर बड़े पूये बनाते हैं उसको कहते हैं), मत्स्य (मछली का मांस होता है) लाल भात (चावल के भात में लाल चन्दन का चूरा मिलाने से बनता है।) मीठी पूड़ियों को सुहाली कहते हैं। छागमांस (बकरे-बकरी के मांस को), पापड़ी (छोटे पापड़ जैसी तेल में तली आटे की पापड़ियां होती हैं)। जिस समय, जिस दिशा में, जिस स्थान पर रखने को बताया गया है—समस्त बलि पदार्थ बिना टोका-टाकी के रख आना चाहिए, वापिसी में पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिये। पूजा समय धूप दी जाती है, वह जिस विधान में जिन वस्तुओं से बनाने को लिखा है उन्हीं से बनाना चाहिये।

राई, खस की जड़, कमल के फूल सुखाकर या बीज का कमल गट्टे, बिल्ली के बाल (किसी पालतु बिल्ली के मिल सकते हों), मनुष्य के बाल, निम्बपत्र (नींबू के पेड़ के पत्ते) पीसकर गोघृत (गाय के घी) में मिलाकर धूप बना लो। गोश्रृंग (गाय का सींग), कूट (एक दवा होती है), अत्तर दवा बेचने वालों के यहां मिल जाती है, गुग्गल को गूगल भी कहते हैं। स्नान, पूजा मार्जन मन्त्र प्रत्येक पूतना का दिया हुआ है। इसी मंत्र से मूर्ति का आवाहन (स्नान पूजा व मार्जन) अर्थात् मंत्र पढ़कर चारों ओर जल छिड़कना चाहिए। बलि पदार्थ को हाथ में लेकर २१ बार मंत्र पढ़कर बालक के शरीर के ऊपर सिर से पैर तक सात बार फिराते हैं, उसे ओसारा कहते हैं। फिर उसे जैसा बताया है यथा स्थान रख देना चाहिए। बालक के माता-पिता, सम्बन्धी कोई भी इस काम को कर सकता है।

नक्षत्र कष्टावली विवेचन

नक्षत्र कष्टावली में कठिन संस्कृत शब्दों के सरल अर्थ और विशेष विवरण दिया जा रहा है। बालक का जन्म जिस नक्षत्र के जिस चरण में हो, उसके सामने यदि कष्ट दिन लिखे हों तो निवारणार्थ पूजा विधान करना चाहिए। मान लो यदि अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में जन्म हुआ हो तो इसमें २० दिन तक के बालक को कष्ट हो सकता है। किस प्रकार का कष्ट हो सकता है, उसके लक्षण दिये हैं—वात, ज्वर, गात्र पीड़ा, निंद्राभय, बुद्धिभ्रम, वात, ज्वर में बुखार के साथ शरीर में दर्द भी होता है। गात्र पीड़ा से तात्पर्य शरीर में पीड़ा, दर्द, शूल आदि से है। निंद्राभय (सोते में डर जाना), बुद्धिभ्रम (बच्चा अपनी स्वाभाविक बुद्धि खो देता है), आँखे फाड़-फाड़ कर देखना, इस प्रकार के लक्षण प्रगट होते हैं। लक्षणों में प्रयुक्त अन्य शब्द जैसे—तीव्र ज्वर, तेज बुखार, अति दाह, तीव्र जलन, उरुशूल (पेट दर्द), कुक्षि शूल (पेट के नीचे भाग में दर्द), प्रलाप भी एक प्रकार का बुद्धि भ्रंश है। त्रिदोष (सन्निपात), अर्धगात्र पीड़ा (शरीर के एक ओर के आधे भाग में पीड़ा), छोटे बच्चे में इन लक्षणों व कारणों का जानना अनुभव से ही होता है। सर्वांग पीड़ा (सारे अंग में पीड़ा), कटि पीड़ा (कमर में दर्द), पाद पीड़ा (पैरों में दर्द), आफरा (पेट फूलना), प्रस्वेद (बहुत पसीना आना), अतिसार (दस्त लगना), पेचिस रक्त अतिसार (खूनी पेचिश), मूत्र कृच्छ (पेशाब का रोग) होता है। रोग का निदान व औषधि तो डाक्टर वैद्य से ही कराना चाहिए परन्तु उसका निवारण पूजा विधि से करा देना चाहिए।

गन्धादि पदार्थों में—श्वेत चन्दन (सफेद चन्दन), कमल पुष्प (कमल के फूल), गुग्गल (गूगल की धूप), क्षीर (खीर), मोदक (लड्डू), गुड़ नैवेद्य (मिष्ठान्न), अगर गन्ध (अगर एक खुशबूदार जड़ी होती है), करवीर पुष्प (करवीर का फूल), गुड़ोचन (दही में गुड़ मिलाकर बनाया जाता है)। जुही पुष्प (जुही का फूल), तिल माषान्न (तिल व उड़द को मिलाकर बनाया गया बड़ा), दशाङ्ग धूप में दस सुगन्ध पदार्थ पड़ते हैं। अगर, तगर, कपूर, केसर, गोरोचन, कस्तूरी, सफेद चन्दन, लाल चन्दन, बाल छड़, घी। पायस (दूध, चावल की खीर), अपूप (आटे के मीठे पुये), मध्वोदन (शहद, दही मिलाकर बनता है), नैवेद्य (भोग प्रसाद को कहते है।) सौरभ पुष्प (खुशबूदार फूल), पायसोदान (दूध, दही, मधु या गुड़ मिलाकर बनता है, हरिद्रा (हल्दी), कुंकुम, (रोली), सेवन्तिका पुष्प (सेवन्तिका का फूल), अष्टगन्ध धूप (अष्टगन्ध की धूप), धृताक्त पीतवर्ण नैवेद्य (पीले रंग का घी में तला भोग, बेसन का बना घी में सिका, तला लड्डू या अन्य पदार्थ), घृत पायस शर्करा (घी, शक्कर, दूध का नेवैद्य), घृत बिल्व धूप (बेलपत्र के फल से बनी धूप), घृत (घी), मिष्ठान्न (मिठाई), घृत मिष्ठान्न (घी की मिठाई), घी से तात्पर्य—गाय, भैंस का घी

होता है। अपूपोदन मोदक (अपूप-मीठे पूये, ओदन-दही में गुड़ मिला रस, मोदक-लड्डू तीनों मिलाकर अपूपोदन मोदक), अर्क पुष्प (अकौआ का फूल, सफेद फूल थोड़ा, बैंगनी या नीला रंग का होता है, इसमें बौंडे होते हैं, जिसमें से रुई के रेशे के समान पदार्थ हवा में उड़ता रहता है। शिवजी का प्रिय फूल आक का होता है)। विचित्र वर्ण पुष्प (रंग बिरंगे कई रंग के या अलग-अलग रंग के फूल), विचित्रान्न मोदक (अनेक प्रकार के चित्र विचित्र अन्न से बने हुए लड्डू जैसे—कूटू, सिंघाड़ा आदि के आटे के या मूंग के लड्डू), अगरु (अगर), दमनक पुष्प (दमनक का फूल), फूलों की जातियों नामों की जानकारी माली या नरसरी से प्राप्त की जा सकती है। यह सफेद रंग का, बसन्ती रंग का पुष्प होता है। देवदारु (खुशबूदार लकड़ी देवदार का बुरादा बढ़ई या फर्नीचर वालों से मिल सकती है), चम्पकादि पुष्प (चम्पक वगैरा के फूल), चित्रान्न नेवैद्य (कई प्रकार के अन्नों के आटे आदि से बना भोग प्रसाद नेवैद्य), कृष्ण, अगर गन्ध (काली अगर की खुशबू या घिसकर बना तिलक), नीलोत्पल पुष्प (नीली पंखड़ी वाले फूल), माष मिश्रान्न नेवैद्य (देवताओं के प्रसाद भोग लगाने को बनाये पदार्थ को नेवैद्य कहते हैं) उड़द के साथ और भी पिसा हुआ अन्न मिलाकर बनाया गया नेवैद्य। षड्रस शाल्यान्न नैवेद्य, षडरस (षटरस, छः प्रकार के रस स्वाद वाला शाल्य यानी चावलों से बना षटरस व्यञ्जन का खट्टा, मीठा, चिरपिरा, कसैला, नमकीन, कडुवा सब प्रकार के स्वादों ये युक्त षटरस होता है), श्वेतार्क (सफेद आक), शतोषधि (मिश्रित धूप १०० वनस्पतियों को मिलाकर बनी धूप)। मदार पुष्प भी आक, अकौआ के फूल को कहते हैं।

दान पदार्थ— घृत कुम्भ (घी भरा घड़ा), गोमहिषी घृत (गाय भैंस का घी), शर्करा (शक्कर), छायापात्र (तेलयुक्त बर्तन जिसमें अपने मुख की छाया देखी जा सके), सप्तधान्य (सात प्रकार के अन्न), तन्दुल (चावल), सवत्सा गोदान (बछड़े सहित गौ का दान), श्याम वृषभ दान (काले बैल का दान), माष (उड़द), यव (जौ), सुवस्त्र (उत्तम वस्त्र), पयस्विनी गौदान (दूध देने वाली गाय का दान), विचित्र वृषभ (चितकबरे, रंग का बैल), रक्तधेनु (लाल गाय), पकवान्न, जलकुम्भ (जल से भरा घड़ा), छत्रोपानत् (छत्तरी), पैत्तल पात्र (पीतल का बर्तन) होता है।

बलिदृव्य (बलिदान के लिये पदार्थ), गुड़ोदन (गुड़ का ओदन दही में गुड़ या शक्कर और पानी मिलाकर बनता है), शाल्यन्न क्षीर (चावल की खीर), पीत तन्दुल (पीले चावल), तिल पिष्ठ (तिल की पिट्ठी), मुद्ग (मूंग), माष (उड़द), विचित्रन्न (अनेक प्रकार के अन्न)।

होमद्रव्य (हवन करने के लिये पदार्थ), खण्ड यव (टूटे जौ), मधु (शहद), कंगनी (एक अन्न है जो चिड़यों को चुगाया जाता है), कन्दमूल (ऐसे फल जो जड़ों से पैदा होते हैं। जैसे—जिमीकन्द, शकरकन्द, गाजर, मूली आदि)। पायस (खीर), तन्दुल (चावल), यव (जौ)।

करेधारणम् (हवन करते साथ हाथ में पहनने के लिए पदार्थ), अपामार्ग मूलम् (ओगा का तना), (अलझीझाड़ का तना), अगस्त एक वृक्ष होता है, कापसि कपास को कहते हैं। अश्वत्थ (पीपल की जड़), अर्क मूलम् (आक का तना), जयन्ती, तुषार, पटील, भृंगराज, कण्टकारि यह सब जड़ी बूटियों के नाम हैं। गुञ्जा—सफेद या लाल गोगची लक्ष्मणा को कहते हैं। सुपुष्प—किसी सुन्दर पुष्प, वृक्ष की जड़, भृंगराज प्रसिद्ध जड़ी है जिसको तेलों में डाला जाता है। कण्टकारी कटेरी होती है। इनकी जानकारी वैद्यों से मिल सकती है।

वेदोक्त मंत्रों का उच्चारण ठीक होना चाहिए, विशेष कर ॐ का उच्चारण किसी ज्ञाता से सीख लेना चाहिये।

अन्य शुभाशुभ योग

(१) मंगल-शनि दोनों त्रिकोण (१, ५, ९) में हों और चन्द्रमा सप्तम स्थान में हो तो जन्मा बालक माता से बिछड़ जाता है। चन्द्रमा पर गुरु की दृष्टि हो तो बालक सुखी व दीर्घायु होता है और माता से पुनर्मिलन भी हो जाता है। लोक लाज के भय से कुछ मातायें बच्चों को त्याग देती हैं। कुछ का दुष्टों द्वारा अपहरण हो जाता है। यदि स्वराशि या उच्च गुरु की चन्द्रमा पर दृष्टि हो तो बालक-माता का मिलन हो जाता है।

(२) दशम भाव में बुध-गुरु हो, केन्द्र (१, ४, ७, १०) में सूर्य तृतीय मंगल, ग्यारहवें भाव में पाप ग्रह हो तो बालक की छः ऊँगली होती हैं।

(३) १२वें स्थान में चन्द्रमा व मंगल हो तो बांया नेत्र और सूर्य राहु हो तो दांया नेत्र पीड़ित होता है।

(४) पंचम स्थान में शनि-राहु व मंगल हो तो बाईं कोख में लहसुन, मसा, तिल होता है। कोख, कुक्षि, पेडू को भी कहते हैं और बाहुमूल कांख को भी।

(५) तीसरे स्थान में शुक्र हो, मेष या सिंह का गुरु हो, १०वें स्थान में सूर्य, मंगल हो तो बालक गूंगा होता है।

(६) कृष्ण पक्ष में दिन का या शुक्ल पक्ष में रात का जन्म हो तो छठा या आठवां चन्द्रमा शुभ समझना चाहिये, कष्ट व अरिष्ट का निवारण करता है।

(७) ८वां चन्द्रमा, ७वां मंगल, ९वां राहु लग्न में शनि, तीसरा गुरु, पांचवां सूर्य, छठा शुक्र, चौथा बुध हो तो बालक की आयु बहुत कम होती है।

(८) लग्न में बुध-शुक्र न हो, केन्द्र में गुरु न हो, दशम में मंगल न हो तो उसका भाग्य अच्छा नहीं होता। दशम मंगल हो, केन्द्र त्रिकोण में बृहस्पति, बुध, शुक्र हो तो बालक भाग्यवान, दीर्घायु, गुणवान, धनवान, बुद्धिमान होता है।

(९) लग्न में शनि, छठा, चन्द्रमा, सप्तम मगंल पिता की आयु को कम करते हैं।

(१०) ६, १२वें स्थान में पाप ग्रह हों या चन्द्रमा के साथ पाप ग्रह हों तो माता को कष्ट दायक होते हैं।

(११) १०वें स्थान में पाप ग्रह हो या सूर्य के साथ पाप ग्रह हो या शत्रु राशि का मंगल दशम भाव में हो तो पिता को कष्ट कारक होता है।

(१२) लग्न में गुरु, दूसरे में शनि, सूर्य, भौम तथा बुध हों बालक के विवाह समय पिता को मारक होता है।

(१३) सातवां राहु, छठा-आठवां चन्द्रमा हो और चन्द्रमा पर क्रूर ग्रहों की दृष्टि हो तो बालक अल्पायु होता है।

(१४) शनि-सूर्य का परिवर्तन योग हो (अर्थात् सूर्य शनि की राशि में, शनि सूर्य की राशि में) अथवा लग्न में मंगल व अष्टम गुरु हो तो बालक की आयु १२ वर्ष की हो।

(१५) छठे स्थान में बुध हो, लग्नेश व अष्टमेष, पाप ग्रहों से युक्त हो या परिवर्तन योग या दृष्टि योग द्वारा एक दूसरे को देखते हों तो बालक की आयु ४ वर्ष।

(१६) मंगल की राशियों में गुरु हो और चन्द्रमा ६ या ८वें भाव में हो तो बालक की आयु ८ वर्ष की होती है।

(१७) दशम स्थान में राहु हो अष्टमेश होकर क्षीण चन्द्रमा राहु के साथ हो तो बालक व उसके माता-पिता तीनों को अरिष्ट करता है। चन्द्रमा राहु के साथ न हो तो बालक की आयु १६ वर्ष होती है।

(१८) तीसरे स्थान में सूर्य बड़े भाई को और शनि या मंगल छोटे भाई को कष्ट दायक होता है।

बालक के जन्म समय अरिष्ट योग व कुछ अन्य प्रमुख योग

होता है। इस योग वाला जातक मधुर भाषी, सुप्रसिद्ध ... सुख प्राप्त हो

३. गुरु द्वारा दृष्ट चतुर्थ भावेश लाभ में गया हो तो बहुत वाहनों वाला जातक होगा।

बालक के जन्म समय अरिष्ट योग व कुछ अन्य प्रमुख योग

बालक के जन्म से १२ वर्ष की आयु तक जो अनिष्ट ग्रह योग हैं, उन्हें अरिष्ट योग कहते हैं। नीचे कुछ प्रमुख अरिष्ट योगों का वर्णन किया गया है। अरिष्ट योगों का विचार करते समय 'अरिष्ट नाशक' योगों पर भी विचार करना अत्यन्त आवश्यक है, अन्यथा फलादेश ठीक नहीं बैठता।

यदि पाप ग्रह युक्त क्षीण चन्द्रमा लग्न ५, ७, ८, ९ अथवा ११वें भाव में स्थित हो और वह किसी शुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट न हो तो बालक की आयु को अरिष्टकर एवं भु-मृत्यु तुल्य कष्ट होता है।

छठे, आठवें एवं १२वें स्थान में शुभ ग्रह हों और उनको बलवान् वक्री पापी ग्रह देखते हों तो एक मास तक आयु को अरिष्टकारी होगा।

यदि चन्द्रमा जन्म लग्न से छठे या आठवें भाव में स्थित हो और वह पापी ग्रह से दृष्ट हो तो जातक की शीघ्र मृत्यु हो जाती है, यदि शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो आठ वर्ष की आयु में अरिष्ट होता है।

यदि जन्म के समय चन्द्रमा दो पाप ग्रहों के मध्य में हो, अन्य सब ग्रह ४, ७ एवं अष्टम भाव में स्थित हों, तो जातक की शीघ्र मृत्यु होती है। यदि चन्द्रमा शुभ ग्रहों द्वारा दृष्ट हो तो माता की मृत्यु नहीं होती है। चन्द्र क्रूर ग्रह से दृष्ट होने पर माता को भी अरिष्टकर होगा।

यदि मंगल अथवा शनि लग्न में हो, सूर्य सप्तम भाव में हो अथवा चन्द्रमा मंगल या शनि से युक्त हो तो बालक की आयु को अरिष्ट योग होता है।

यदि शनि, मंगल तथा सूर्य तीनों ग्रह छठे, सातवें या बारहवें भाव में हों तो १ मास या १ वर्ष में अरिष्टकारक होते हैं।

द्वादश भाव में क्षीण चन्द्रमा हो तथा लग्न एवं अष्टम भाव में पाप ग्रह हों तो बालक को अरिष्ट योग होता है।

यदि जन्म राशि पाप ग्रह से युक्त अष्टम भाव में हो तो एक मास में ही अरिष्ट होता है।

जिस नक्षत्र में धुम्रकेतु, उल्कापात, ग्रहणादि का उदय हो तो उस नक्षत्र में उत्पन्न जातक को दो मास तक अरिष्ट रहता है।

लग्न में चन्द्रमा और ७वें भाव में २-३ पाप ग्रह स्थित हों तो शीघ्र ही अरिष्ट योग होता है।

यदि लग्न का स्वामी पाप ग्रह से युक्त होकर ७वें अथवा ८वें भाव में स्थित हों तो १ मास तक अरिष्ट होगा।

लग्न में राहु और छटे अथवा आठवें भाव में चन्द्रमा स्थित हो तो अरिष्ट योग होगा। जन्म लग्न जिस राशि के नवांश में हो उसका स्वामी छटे या आठवें स्थान में जो राशि पड़े, उतने दिन पर्यन्त विशेष अरिष्ट योग रहेगा।

माता-पिता को अरिष्ट योग

माता के लिए चन्द्रमा तथा चतुर्थ स्थान से और पिता के लिए सूर्य तथा दशम स्थान से विचार करना चाहिए, यदि चन्द्रमा एवं चतुर्थ भाव शनि, मंगल एवं सूर्यादि क्रूर ग्रहों से युक्त अथवा दृष्ट हो तो बालक माता को अत्यन्त कष्टकारी होता है। यदि चन्द्रमा से ४, ६ या आठवें स्थान पर पापी ग्रह हो तो भी माता को अरिष्टकारी होता है। इसी भाँति यदि बालक की कुण्डली में सूर्य अथवा दशम भाव में पापी ग्रह हो या देखते हों अथवा सूर्य पाप ग्रहों के मध्य स्थित हों तो पिता को कष्ट जानें। सूर्य से ४, ६, ८वें क्रूर होने पर भी पिता को कष्टकारी है।

अरिष्ट भंग योग

यदि जन्म लग्नेश बलवान् शुभ ग्रह हो तथा वह शुभ मित्र ग्रहों से वीक्षित हो अथवा लग्न में स्थित होकर शुभ ग्रह से दृष्ट हो तो अरिष्ट योग नष्ट हो जाता है।

यदि शुभ राशिस्थ गुरु जन्म लग्न में स्थित हो तो अनेक प्रकार के अरिष्ट दूर होते हैं।

यदि सभी ग्रह शीर्षोदय राशियों में हो तो अरिष्ट भंग होता है।

यदि क्षीण चन्द्रमा भी अपनी उच्च राशि (वृष) में हो और वह शुभ ग्रह से दृष्ट हो तो अरिष्ट भंग हो जाता है।

यदि शुक्ल पक्ष में रात्रि के समय तथा कृष्ण पक्ष में दिन का जन्म हो और चन्द्रमा आठवें भाव में स्थित होने पर भी शुभ ग्रह से दृष्ट हो तो भी अरिष्ट का नाश हो जाता है।

कुछ अन्य प्रमुख योग पुष्कल योग

यदि लग्नेश तथा चतुर्थेश बलवान् होकर केन्द्र अथवा चतुर्थ भाव में हो तो 'पुच्छल' नामक योग [illegible] तथा धनवान होता है। उसे सब प्रकार के सुख प्राप्त हो जाते हैं।

वीणा योग

यदि सात राशियों में सात ग्रहों की स्थिति हो तो 'वीणा' नामक योग होता है। इस योग वाला जातक संगीतज्ञ, गायन विद्या में प्रीति रखने वाला, सब कार्यों में कुशल, धनी तथा अनेक लोगों का पालन-पोषण करने वाला होता है। ऐसा व्यक्ति राजनीति क्षेत्र में भी सफल रहता है।

विदेश में भाग्योदय योग

चर राशि का लग्न और लग्नेश हो और चन्द्र से दृष्ट हो तो विदेश में भाग्य उदय होगा।

विवाह के बाद भाग्योदय

सप्तमेश ग्रह अथवा शुक्र ग्रह सातवें भाव में अथवा उपचय स्थान (३, ६, १०, ११) में गया हो तो विवाह के पश्चात्-भाग्योदय होगा।

काल सर्प योग

यदि कुण्डली में सभी ग्रह राहु-केतु के मध्य हों तो 'काल सर्प' नामक योग होता है। इस योग वाला जातक प्रायः उलझनों में घिरा रहता है। जीवन पर्यन्त संघर्षमय जीवन रहता है। कुछ धन होते हुए भी सुखानुभव नहीं होता।

काहल योग

यदि नवम भाव तथा चतुर्थ भाव के स्वामी एक-दूसरे से केन्द्र भाव में स्थित हों और लग्नाधिपति बली हो, 'काहल योग' बनता है। इस योग में उत्पन्न जातक राजनीति और शासन प्रशस्त कार्यों में सफलता प्राप्त करता है।

गढ़ा धन प्राप्ति योग

लाभेश लग्न में, लग्नेश धन स्थान में एवं धनेश लाभ स्थान में गए हों तो गढ़े हुए धन की प्राप्ति होती है।

लग्नेश शुभ ग्रह होकर द्वितीय भाव में स्थित हो अथवा धन स्थान का स्वामी आठवें भाव में स्थित हो तो भी गढ़ा हुआ धन मिलता है, परन्तु ऐसा व्यक्ति आलसी और भाग्यवादी होता है।

वाहन सुख योग

१. नवमेश, लाभेश और दशमेश— ये तीनों ग्रह चतुर्थ भाव में गये हों अथवा

२. चन्द्रमा से शुक्र तीसरे किंवा ग्यारहवें भाव में गया हो तो वाहन युक्त जातक होगा।

३. गुरु द्वारा दृष्ट चतुर्थ भावेश लाभ में गया हो तो बहुत वाहनों वाला जातक होगा।

४. अपनी उच्चराशि में गया हुआ व्ययेश धनेश से युत होकर नवम भाव को देखता हो।

कुण्डली में अरिष्ट योग

(१) अगर जन्म कुण्डली में नवें-पाँचवें तथा केन्द्र स्थानों में पाप ग्रह हों और छठे, आठवें, बारहवें शुभ ग्रह हों तो सूर्य उदय होते ही उसी दिन बच्चे की मृत्यु हो जावे।

(२) यदि चन्द्रमा अष्टम भाव में हो, राहु चतुर्थ भाव में हो और पाप ग्रह केन्द्र में हो तो बालक एक वर्ष तक जीवे।

(३) यदि लग्न, द्वितीय, द्वादश एवं अष्टम भाव में क्रूर ग्रह हों तो बारहवें या आठवें दिन विष्ठा का मार्ग रुक कर जातक की मृत्यु हो।

(४) यदि चन्द्रमा बारहवें भाव में हो और पाप ग्रह लग्न सप्तम और अष्टम भाव में हो और केन्द्र में शुभ ग्रह न हो तो बालक शीघ्र मृत्यु को प्राप्त हो।

(५) यदि जन्म लग्न से मंगल, सूर्य, शनि छठे या आठवें भाव में हो तो बालक वर्ष भर न जीवे।

(६) यदि छठे या आठवें चन्द्रमा पाप ग्रहों से दृष्ट हो और शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो बालक एक वर्ष के अन्दर मृत्यु को प्राप्त हो।

(७) यदि क्षीण चन्द्रमा लग्न में और पाप ग्रह केन्द्र अथवा अष्टम स्थान में हो तो बालक की मृत्यु हो।

(८) यदि सप्तम स्थान में शनि, राहु, मंगल से युक्त चन्द्रमा सप्तम स्थान में हो तो बालक की सातवें दिन अथवा सातवें मास मृत्यु हो।

(९) यदि लग्न में सूर्य, पंचम भाव में चन्द्रमा हो और अष्टम भाव में शनि हो तो बालक नहीं जीवे।

(१०) यदि लग्न में शत्रु-राशिस्थ शनि पाप ग्रहों से युक्त अथवा दृष्ट हो तो बालक की एक वर्ष के अन्दर मृत्यु हो।

(११) जिसके समस्त शुभ ग्रह छठे-आठवें स्थान में हो और पाप ग्रहों से दृष्ट हों तो वह बालक महीने के अन्दर मृत्यु को प्राप्त होता है।

(१२) जिसके शनि के घर में सूर्य और सूर्य के घर में शनि हो तो दैव भी रक्षा करें तो भी बारहवें वर्ष में मृत्यु होती है।

अन्य अरिष्ट योग-(१) तृतीया, दशमी, षष्ठी और शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी यह तिथियां यदि मंगल या शनिवार की हों, साथ ही मूल नक्षत्र का योग हो तो ऐसे योग में उत्पन्न बालक सम्पूर्ण कुल का नाश करता है।

(२) यदि तीन पुत्रों के पश्चात् कन्या का और तीन पुत्रियों के पश्चात् बालक का जन्म हो तो त्रिखल दोष होता है।

(३) यदि चन्द्रमा पाप ग्रहों से युक्त पाप ग्रहों के बीच में हो अथवा चन्द्रमा से सातवें पाप ग्रह हो तो बालक की माता का नाश होवे।

(४) यदि सूर्य पाप ग्रह से युक्त हो और लग्न भी पाप ग्रह से युक्त हो अथवा पाप ग्रहों के बीच में हो तो बालक के पिता का नाश होवे।

(५) यदि छठे स्थान में पाप ग्रह बारहवें चन्द्रमा और चौथे घर में मंगल हो तो उसकी माता न जीवे।

(६) यदि लग्न भाव में शनि छठे भाव में चन्द्रमा और सातवें भाव में मंगल हो तो जातक का पिता न जीवे।

(७) चतुर्थ भाव में पाप ग्रह माता को, दशम भाव में पिता को और सप्तम भाव में पिता और माता दोनों का नाश करता है।

(८) उच्च या नीच किसी के सातवें सूर्य हो तो बालक शीघ्र ही माता का नाश करे।

(९) जिसके दशम भाव में मंगल शत्रु राशिस्थ हो, उसका पिता शीघ्र ही मृत्यु को प्राप्त हो।

अरिष्ट भंग योग-(१) ऊपर दिए गए अरिष्ट योग होने पर भी यदि लग्नपति अत्यन्त बली हो, शुभ ग्रहों से युक्त व केन्द्र में स्थित हो तथा पाप ग्रह की दृष्टि से रहित हो तो जातक दीर्घायु होता है।

(२) गुरु, शुक्र और बुध में से कोई एक भी बली होकर केन्द्र में हो और उस पर पाप ग्रह की दृष्टि न हो तो अरिष्ट का नाश करता है।

(३) यदि चन्द्रमा अपनी उच्चराशि, स्वराशि अथवा मित्र राशि में हो और शुभ दृष्ट हो तो अरिष्टों का नाश करता है।

(४) यदि राहु तीसरे, छठे या ग्यारहवें बैठा हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों, अथवा वृष, कर्क, मेष राशि का राहु लग्न में हो तो अरिष्टों का नाश करता है।

(५) यदि सभी ग्रह मित्रक्षेत्री हों तो अरिष्ट दूर होते हैं।

आयुर्दाय विचार बोधक चक्र

दीर्घ	मध्य	अल्प
चर चर	चर स्थिर	चर द्विस्वभाव
स्थिर द्विस्वभाव	द्विस्वभाव द्विस्वभाव	स्थिर स्थिर

उपरोक्त चक्र से आयु का विचार तीन प्रकार से करें। १. लग्नेश अष्टमेश से, २. शनि चन्द्रमा से, ३. लग्न वा होरा लग्न से—जैसे लग्न चर में है और अष्टमेश भी चर में हो तो दीर्घ, लग्न स्थिर में हो और चन्द्रमा द्विस्वभाव में हो तो दीर्घ, लग्न द्विस्वभाव में हो और होरा लग्न स्थिर में हो तो दीर्घ आयु।

यदि तीनों प्रकार से आयु भिन्न-भिन्न आये और चन्द्रमा लग्न और सप्तम में न हो तो लग्न वा होरा लग्न से जो आयु आये उसे ग्रहण करें, यदि लग्न से या सप्तम में चन्द्रमा हो तो शनि और चन्द्रमा से जो आयु आये उसे ग्रहण करें।

होरा लग्न—इष्ट घड़ी को १२ अंशों से गुणा कर जो फल अंशादि आयेगा उसको राश्यादि करके स्पष्ट सूर्य में जोड़ने से होरा लग्न होगा।

उपरोक्त तीनों प्रकार से दीर्घायु आये तो १२० वर्ष तथा तीनों प्रकार से मध्यमायु ८० वर्ष है, दो प्रकार से ७२ और एक प्रकार से ६४ वर्ष होती है एवं तोनों प्रकार से अल्पायु ३२ वर्ष, दो प्रकार से २६ और एक प्रकार से अल्पायु २० वर्ष होती है।

उपरोक्त तीनों प्रकार से आयु निर्णय करने पर जिस-जिस प्रकारों से आयु का निर्णय हो अर्थात् लग्नेश अष्टमेश से हानि चन्द्रमा, लग्न व होरा से यदि इन तीनों प्रकार से एक ही प्रकार की आयु आये तो तीनों का अर्थात् लग्नेश का अष्टमेश शनि चन्द्रमा का लग्न वा होरा लग्न से स्पष्ट की राशि को छोड़ कर मेष अंश कलादि फल को युक्त कर ६ से भाग दें जो अंश कला विकला आये ऊपर लिखी सारणी में अंश फल सारणी में अंशों के नीचे का फल, कला फल सारणी में कला का फल, विकला फल सारणी में विकला का फल लेकर तीनों को युक्त करो तो यह युक्तफल वर्ष आदि आएंगे। इन को ऊपर कहीं आयु में घटाने से स्पष्ट आयु आ जायेगी। दो प्रकार की आयु आने पर उनके अंशादि के योग में ४ का भाग देना और एक प्रकार से २ का भाग देना। **उदाहरण**—जैसे लग्न सिंह और लग्न का स्वामी चर राशि में पड़ा है और अष्टमेश गुरु भी चर राशि में है दीर्घायु। (२) शनि चन्द्रमा स्थिर में हो तो अल्पायु लग्न और होरा लग्न स्थिर में हो तो अल्पायु होती है यह दो प्रकार से अल्पायु है।

अतः शनि चन्द्रमा होरा लग्न की राशि को छोड़कर शेष अंशादि को युक्त करके ४ का भाग देने से जो अंश कला विकला आए उनका फल नीचे लिखी सारणी से लेकर उसको २६ वर्ष में से घटावें तो स्पष्ट आयु आ जायेगी।

अष्टमक्षं तृतीयं च लग्नादायुरुदाहृतम्। द्वितीयं सप्तम स्थानं मारकस्थानमुच्यते। क्वचिद् लग्नेश व्ययेश-अष्टमेश दशास्वपि मारकसम्भवः। परस्पर षष्टाष्टमेश्यो दशन्ति रज्व न शोभनम्। मारके मारकातरम शोभनम् व्यय द्वितीयेश वद्ग्रहाः फलप्रदाः लग्नेशदशाऽतिष्टे सम्बन्ध रहिता न मारककारिणी पापदशात्वदनिष्टवेति।

जैमिनीय सूत्रोक्त आयु विचार सारणी

अंश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
मास	०	१	१	३	४	४	५	६	७	८	८	९	१०	११	०
दिन	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०

अंश	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
वर्ष	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मास	०	०	१	२	२	४	४	६	७	७	७	८	६	१	१
दिन	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०

जैमिनीय सूत्रोक्त आयु साधन कला ज्ञान सारणी

कला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
मास	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३
दिन	६	११	१३	२५	२	८	१४	२१	२७	४	१०	१६	२३	२९	६
घड़ी	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

कला	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मास	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	६	६
दिन	१२	१८	२६	१	८	१४	२०	२७	३	१०	१६	२	२९	५	१२
घड़ी	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

कला	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
मास	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९
दिन	१९	२४	१	७	१४	२०	२३	३	५	१३	२२	२८	५	११	१८
घड़ी	२४	४८	३६	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

कला	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
मास	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२
दिन	२४	०	७	१३	२०	२६	१	३	१५	२२	१८	४	११	१७	२४
घड़ी	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

जैमिनीय सूत्रोक्त आयु साधन विकला फल सारणी

विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१
घड़ी	६	१२	१९	२५	३२	३८	४४	५१	५७	४	१०	१६	२३	२९	३६
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

विकला	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३
घड़ी	४२	४८	५५	१	८	१४	२१	२७	३३	४०	४६	५२	५९	५	१२
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

विकला	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
दिन	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४
घड़ी	१८	२४	३१	३७	४४	५०	५६	३	९	१६	२२	२८	३३	४१	४८
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

विकला	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
घड़ी	५४	०	७	१३	२०	२६	३२	३९	४५	५२	५९	४	११	१७	२०
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

द्वादश लग्न अथवा राशियों के प्रभाव

मेष लग्न—मेष लग्न में पैदा हुए व्यक्ति का गेहुंआ रंग, लम्बा कद, दुबला किन्तु बलिष्ट शरीर, गोल नेत्र, मुख पर चिह्न, कठोर किन्तु घुंघराले केश, क्रोधी एवं उपद्रवी स्वभाव, अत्यन्त साहसी, उद्यमी, उग्र-प्रकृति वाला होता है। यह जातक स्वतंत्र विचार वाला, प्रगतिशील, महत्वाकांक्षी, सदैव नेतृत्व की चाह करने वाला, प्रभावशाली, स्वछन्द विचरण करने की लालसा करने वाला होता है। मेष लग्न वाले व्यक्ति नई योजनाओं की सृष्टि करते हैं तथा अद्‌भुत विचारों के अन्वेषक होते हैं। बड़े होकर योग्य प्रशासक, इंजीनियर (मेकेनिकल), सर्जन, सेनापति, सफल व्यापारी बन सकते हैं। इनके लिए गुरु शुभ होता है। शनि, बुध, शुक्र अशुभ होते हैं। इनके लिए प्रायः शनि अथवा बुध ही मारकेश बनते हैं। जातक को मस्तिष्क सम्बन्धी रोगों की सम्भावना होती है तथा ज्वर, अग्नि अथवा शस्त्र भय रहता है। इनका भाग्योदय १६, २२, २८, ३२, ३६वें वर्ष में होता है।

वृष लग्न—जातक का ठिगना कद, पुष्ट एवं स्थूल शरीर होता है। यह लोग कामी, चतुर, ईर्ष्यालु, शान्त स्वभाव वाले, इच्छानुसार काम करने वाले तथा सभी कार्यों को गुप्त रखने वाले, सांसारिक द्रव्य एवं धन सम्पत्ति एकत्रित करने वाले तथा अधिकार सुख की कामना करने वाले होते हैं। इनकी स्मरण शक्ति प्रबल होती है। यह लोग बैंकिंग, कास्मैटिक्स, भवननिर्माण, जवाहरात, विज्ञापन एवं प्रचार इत्यादि व्यवसायों में सफल होते हैं। इनको कण्ठ सम्बन्धी रोग होने की सम्भावना होती है। इनके लिए सूर्य, बुध शुभ तथा शुक्र, बृहस्पति एवं चन्द्र अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय २५, २८, ३६ एवं ४२वें वर्ष में होता है।

मिथुन लग्न—जातक का कद लम्बा किन्तु दुबला, सुन्दर नेत्र, छोटी नाक होती है। यह व्यक्ति प्रसन्नचित्त, चपल, तीक्ष्ण बुद्धि, मधुर एवं स्पष्टवक्ता, शीघ्र गतिवान, दूरदर्शी, मेधावी, यात्रा एवं परिवर्तन प्रेमी, खेलों का शौकीन, साहित्य-कला सौन्दर्य में रुचि रखने वाला होता है। मिथुन लग्न वाले व्यक्तियों में बुद्धि तथा भाव तत्व दोनों ही प्रबल रूप में होते हैं। बड़े होकर पत्र-व्यवहार, सम्पादन, लेखन, प्रचार-प्रसार, अध्यापन, एकाउन्टस, संगीत, यात्रा, क्रय-विक्रय सम्बन्धी व्यवसाय में सफल होते हैं। इनको फेफड़े तथा स्नायु-सम्बन्धी रोग होने की सम्भावना रहती है। इनकी भाग्योन्नति २२, ३२, ३५, ३६, ४२वें वर्ष में होती है। इनके शुक्र शुभ, चन्द्रमा अशुभ, मंगल, सूर्य, अरिष्टकारक होते हैं।

कर्क लग्न—जातक का मध्यम कद, गौर वर्ण, सुन्दर मुख, सुगठित शरीर होता है। इस लग्न के व्यक्ति बुद्धिमान, गतिशील, अस्थिर स्वभाव वाले, उदार, विशाल हृदय, कल्पनाशील, परिश्रमी, भावुक मन वाले, विलासी, सम्पत्तिवान, समयानुसार काम करने वाले होते हैं। बड़े होकर यह राज्याधिकारी, डाक्टर, नेता, मंत्री, प्राध्यापक, नाविक तथा जलोत्पन्न वस्तुओं के व्यवसायी बनते हैं। इनको उदर, हृदय, मूत्राशय-सम्बन्धी रोग होने की संभावना रहती है। इनके लिए मंगल शुभ, शुक्र एवं बुध अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, २४, २५, २८ एवं ३२वें वर्ष में होता है।

सिंह लग्न—जातक की चौड़ी छाती, बली भुजाएं एवं दृढ़ हड्डी तथा पुष्ट, शरीर, प्रभावशाली एवं आकर्षक व्यक्तित्व होता है। यह लोग नेतृत्व की चाह करने वाले प्रशासनिक अधिकारों का पूर्ण सदुपयोग करने में सफल होते हैं। इनका रहन-सहन आडम्बरपूर्ण तथा रईस मिजाज होता है। बड़े होकर यह व्यक्ति अभिनेता, प्रशासक, सैनिक, वकील, व्यापारी, वन-सम्बन्धी व्यवसाय करते हैं। इनको ज्वर एवं मस्तिष्क पीड़ा आदि रोग हो सकते हैं। इनके लिए सूर्य एवं मंगल शुभ, बुध एवं शुक्र अशुभ, राहु केतु मारक स्थान में स्थित होने से मृत्युकारक होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, २४, २६, २८, ३२वें वर्ष में होता है।

कन्या लग्न—जातक का छोटा कद, कोमल शरीर तथा छोटे बाजू होते हैं। इनका स्त्री स्वभाव होता है तथा यह लज्जाशील, मधुरभाषी, विचारशील, धैर्यवान, बुद्धिवाले, गणितज्ञ, तार्किक एवं साहित्य प्रेमी होते हैं। कन्या लग्न वाले व्यक्तियों की स्मरणशक्ति तीव्र होती है तथा यह सभी कार्य गुप्त रखते हैं। इनमें आत्म विश्वास की कमी रहती है। बड़े होकर यह व्यक्ति गणितज्ञ, पुस्तक विक्रेता, सचिव, दलाल, साहित्यिक, अध्यापक, ज्योतिषी अथवा मनोवैज्ञानिक बन सकते हैं। व्यापार की अपेक्षा इनको नौकरी में अधिक लाभ हो सकता है। इनको पेट की बीमारियां लग सकती हैं। इनके लिए बुध, शुक्र शुभ, चन्द्रमा, मंगल, बृहस्पति अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, २५, ३२, ३३, ३५, ३६वें वर्ष में होता है।

तुला लग्न—जातक दुबला किन्तु लम्बा, सुन्दर प्रशान्तचित्त तथा तीक्ष्ण बुद्धिवाला होता है। न्याय एवं शान्तिप्रिय, मध्यस्थता का कार्य करने में निपुण, सत्यवक्ता, धार्मिक, सुधारवादी, दार्शनिक, साधु स्वभाव, लोकप्रिय, बच्चों का विशेष स्नेही, स्त्री-कला-नृत्य संगीत प्रेमी, प्रतिष्ठित होता है। इस लग्न के व्यक्ति न्यायाधीश, वकील, परामर्शदाता, साहित्य प्रेमी, कवि, नीतिज्ञ तथा व्यापारी बनते हैं। इनको गुर्दा, मूत्रस्थली एवं कमर सम्बन्धी रोगों की सम्भावना रहती है। इनके लिए शनि योगकारक, बुध, शुक्र शुभ, सूर्य, मंगल, बृहस्पति अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय २४, २५, ३२, ३३, ३५ वर्ष में होता है।

वृश्चिक लग्न—जातक सुन्दर, परिश्रमी, आत्मविश्वासी, साहसी, शंकालु, स्वेच्छाचारी, आतंककारी, नीतिज्ञ, गूढ़ विद्याओं का ज्ञात होता है। ऐसे व्यक्ति मितव्ययी एवं संग्रह करने में चतुर होते हैं। यदि लग्न पाप दुष्ट हो तो जातक झगड़ालु, असंयमी, कुतिचारी, निर्दयी, अपराधी तथा गुप्त रूप से दुष्कर्म करने वाला होता है। बड़े होकर यह व्यक्ति पुलिस अधिकारी, राजनीतिज्ञ, ठग, इंजीनियर, खनिज विशेषज्ञ, दन्त विशेषज्ञ बनते हैं। इनको छाती, कण्ठ अथवा गर्मी या वायु सम्बन्धी एवं बवासीर आदि गुप्त रोग होने की सम्भावना रहती है। इनके लिए सूर्य, चन्द्रमा, मंगल, बृहस्पति शुभ, बुध, शुक्र अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय २२, २४, २८, ३२वें वर्ष में होता है।

धनु लग्न—बड़े कान, लम्बी गर्दन, बली तथा स्थूल शरीर धनु लग्न की विशेषता है। यह व्यक्ति स्वाभिमानी, निस्वार्थी, साधु स्वभाव, न्यायप्रिय, मेधावी, धनवान्, उदार, गम्भीर, विवेकशील, तार्किक, कुलभूषण, संवेदनशील, विश्वासपात्र, उत्तेजित अवस्था में अत्यन्त क्रुद्ध एवं स्पष्टवक्ता, निष्कपट, त्यागी, आदर्शवादी, अवसर का लाभ उठाने वाले होते हैं। इन्हें केवल प्रेम और शान्ति से वशीभूत किया जा सकता है। यदि लग्न पाप पीड़ित हो तो जातक दंभी, आडम्बरपूर्ण एवं कठोर स्वभाव का होता है। इस लग्न के व्यक्ति बड़े होकर प्रोफेसर, अध्याक, राजनीतिज्ञ, दार्शनिक, परामर्शदाता, उपदेशक, वकील, बैंकर तथा सफल व्यवसायी बनते हैं। इनको फेफड़े तथा वायु सम्बन्धी रोग होने की संभावना रहती है। इनके लिए सूर्य, बुध, बृहस्पति शुभ तथा चन्द्रमा शनि अशुभ फलदायक होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, ३२वें वर्ष में होता है।

मकर लग्न—जातक का लम्बा कद, सुन्दर नेत्र, सेवाभावी, धैर्यवान, गम्भीर, मननशील, महत्वाकांक्षी, उद्योगी, संयमी, परिश्रमी एवं कार्यशील, उदासीन, दार्शनिक, आस्तिक, गृहस्थ जीवन से असंतुष्ट, आत्मप्रशंसा में विश्वास न करने वाला होता है। यह व्यक्ति बड़े होकर अधिकारी, कृषि अथवा भूमि से उत्पन्न वस्तुओं सम्बन्धी व्यवसाय अथवा कार्यालयों में सफलता प्राप्त करते हैं। इनको जोड़ों का दर्द तथा अन्य वायु जनित रोग होने की संभावना रहती है। इनका भाग्योदय २५, ३३, ३५, ३६, ४२वें वर्ष में होता है।

कुम्भ लग्न—जातक का मध्यम कद, मांसल होंठ, आकर्षक व्यक्तित्व होता है। यह लोग तीव्र बुद्धि, दयालु, मिलनसार, प्रभावशाली, अनेक मित्रों से युक्त, स्वच्छ हृदय तथा विशाल दृष्टिकोण वाले, क्रान्तिकारी, विचारक, रोचकवक्ता एवं साहित्य में रुचि रखने वाले होते हैं। अगर शनि शत्रु राशिस्थ अथवा नीच हो तो जातक दम्भी, कामी, लांछन प्राप्त करने वाला, उद्दण्ड एवं निर्लज्ज होता है। बड़े होकर यह लोग प्राध्यापक, सुधारक, इंजीनियर, मुद्रण, रेडियो, बिजली, यात्रा, वायुयान एवं तकनीकी कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। इनको सिर अथवा पेट दर्द, वायुरोग, उदर पीड़ा एवं कोष्ठ बद्धता इत्यादि रोग हो सकते हैं। इनके लिए शुक्र शुभ तथा गुरु एवं चन्द्र अशुभ फलदायक है। इनका भाग्योदय २५, २८, ३६, ४२वें वर्ष में होता है।

मीन लग्न—जातक का छोटा कद, स्थूल शरीर, शान्त एवं विनम्र स्वभाव होता है। यह लोग धर्मपरायण, रूढ़िवादी, आस्तिक, परोपकारी, लज्जाशील, महत्वाकांक्षी, सुनिश्चित एवं सुसंस्कृत बहुकुटुम्बी, सद्‌गृहस्थी होते हैं। बड़े होकर यह लोग समाज सुधारक, आध्यात्मवादी, चलचित्र व्यवसाय, पुरातत्व वस्तुओं के व्यापारी, काव्य एवं हास्य व्यंग्य लेखक, कलाकार, औषधी विषयक, जल परिवहन सम्बन्धी कार्यों में सफल होते हैं। इन्हें छूतछात की बीमारियां होने का डर रहता है। इनके लिए मंगल शुभ, सूर्य, शुक्र, शनि, बुध अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय १२, १६, २८, ३३वें वर्ष में होता है।

नूतन वेध सिद्ध वर्ष प्रवेश सारिणी

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	३	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटी	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५
पल	१	२४	४७	१०	३३	५६	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	६०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५
घटी	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३
पल	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३२	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२
घटी	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०
पल	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

प्राचीनमान वर्ष प्रवेश सारिणी

वर्ष	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
वार	०१	०२	०३	०५	०६	०७	०१	०३	०४	०५	०६	०१	०२	०३	०४	०६	०७	०१	०२	०४	०५	०६	०७	०२	०३	०४	०५	०७	०१	०२
घड़ी	१५	३१	४६	०२	१७	३३	४८	०४	१९	३५	५०	०६	२१	३७	५२	०८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	०१	३३	०४	३६	०७	३९	१०	४२	१३	४५
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००
वर्ष	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	०४	०५	०६	०७	०२	०३	०४	०५	०७	०१	०२	०३	०५	०६	०७	०१	०३	०४	०५	०६	०१	०२	०३	०४	०६	०७	०१	०३	०४	०५
घड़ी	०१	१६	३१	४७	०३	१८	३४	४९	०५	२१	३६	५२	०७	२३	३८	५४	०९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	००	१५	३१
पल	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	००	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००
वर्ष	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
वार	०६	०१	०२	०३	०४	०६	०७	०१	०२	०४	०५	०६	०७	०२	०३	०४	०५	०७	०१	०२	०३	०५	०६	०७	०१	०३	०४	०५	०७	०१
घड़ी	४७	०२	१८	३३	४९	०४	२०	३५	५१	०६	२२	३७	५३	०८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१२	२८	४४	५९	१५	३०	४६	०१	१७
पल	०१	३३	०४	३६	०७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	००	३१	०३	३४	०६	३९	०९	४०	१२	४३	१५
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००

वर्ष फल साधन

जिस सम्वत् का वर्ष फल बनाना हो, उस सम्वत् से जन्म का सम्वत् घटाने से जो शेष हो वह गत वर्ष जानो। ऊपर दी गई सारिणी में गतवर्षांक के नीचे के वारादि अंकों में जन्म के वार और इष्ट के घटी पल जोड़ने से वर्ष प्रवेश का वार और इष्ट घटी पल हो जाते हैं। इस इष्ट के अनुसार लग्न सारिणी से लग्न बना लेना वह वर्ष लग्न होगा। तदन्तर वर्ष प्रवेश के इष्ट घटी पल के समय पर जो ग्रहों की इष्ट वर्ष के पंचांग में स्थिति होगी उसके अनुसार वर्ष कुण्डली में ग्रहों को स्थापित करें।

मुन्था—गत वर्षों में जन्म लग्न का अंक जोड़ो तदन्तर १२ से भाग देने पर जो शेष बचे उस राशि में मुन्था रखें।

त्रिपताका चक्र—वर्ष प्रवेश के वर्षों को ९ से भाग दें जो शेष बचे जन्म राशि से उतने घर में चन्द्रमा लगावें। शेष ग्रहों के लिए प्रवेश के वर्षों को ४ से भाग देवें जो शेष बचे वर्ष कुण्डली में (जन्म कुण्डली में जिस राशि में ग्रह स्थित हो उससे) उतने घर छोड़कर बाकी ग्रह लगावें। राहु केतु उल्टे गिनें। वर्ष लग्न को त्रिपताका के मध्य में रखकर क्रमशः अंक लिखें। माना वर्ष लग्न कर्क है। त्रिपताका चक्र निम्नवत है।

दशा—गत वर्षों में जन्म नक्षत्र संख्या जोड़ कर उसमें २ घटायें तदन्तर ९ का भाग देने से जो शेष बचे सो इस तरह दशा जानो—१ बचे तो सूर्य, २ बचे तो चन्द्रमा, ३ बचे तो मंगल, ४ बचे तो राहु, ५ बचे तो बृहस्पति, ६ से शनि, ७ से बुध, ८ से केतु, ९ से शुक्र की दशा होगी। दशा दिन नीचे दिए गए हैं:—
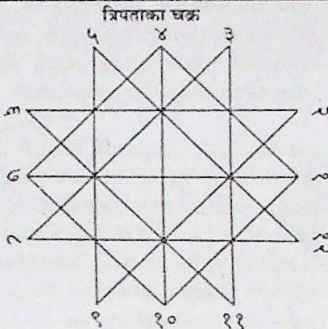
मुद्दा दशा

सूर्य	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	ग्रह
१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१	२१	३०	दिन

त्रिराशिपति—वर्ष लग्न की जो राशि हो उस राशि के सामने नीचे दिए गए चक्र में देखो। दिन में वर्ष प्रवेश हो तो दिनपति के सामने राशि के नीचे जो ग्रह लिखा है, रात्रि में हो तो रात्रिपति के सामने राशि के नीचे जो ग्रह लिखा है, वह त्रिराशिपति होगा:—

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
दिनपति	सू.	शु.	श.	शु.	बु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	बृ.	चं.
रात्रिपति	बु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	बृ.	चं.

दृष्टि ज्ञान—वर्ष एवं कुण्डली में जो ग्रह जिस भाव में स्थित हो वह उस भाव से पांचवें, नवें भाव को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि तथा तीसरे, ग्यारहवें, भाव को गुप्तमित्र दृष्टि से देखता है। ग्रह अपने स्थान से पहले और सातवें भाव को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा चतुर्थ-दशम भाव को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखते हैं।

वर्ष कुण्डली में शुभाशुभ योग

शुभ योगः-

वर्ष लग्न वर्ष लग्न का स्वामी तीसरे, छठे, दसवें घर में बलयुक्त हो तो सुख और मन में प्रसन्नता होती है, धन प्राप्ति, शत्रु नाश तथा अरिष्टनाश होता है।

जिस वर्ष में लग्न और दशम भाव का स्वामी एक ही हो तो उस वर्ष में सब अरिष्ट दूर होकर धन की प्राप्ति हो तथा अधिकारियों एवं मित्रों से यश और सुख मिले।

यदि गुरु, बुध, शुक्र, इनमें से कोई एक ग्रह भी केन्द्र में स्थित हो, नीच का न हो और शत्रु के साथ न हो, सौम्य ग्रह से युक्त हो तो सम्पूर्ण अरिष्ट दूर होते हैं।

जो ग्रह जन्म कुण्डली में नीच का हो परन्तु वर्ष कुण्डली में वही ग्रह अष्टम वा मित्रभाव में हो तो अनेक सुख धन देने वाला होता है, मित्र का आगमन करने वाला तथा वर्ष में सम्पूर्ण अरिष्ट दूर करता है।

यदि मुंथापति १, ३, ४, ७, १०, ११ स्थान में स्थित हो तो जातक को यश-मान मिलता है।

यदि वर्षपति केन्द्र व त्रिकोण में स्थित हो और सौम्य ग्रह से युक्त हो तो सम्पूर्ण वर्ष में शुभ हो तथा शत्रु नाश, धनधान्य तथा यश का लाभ हो।

यदि जन्म लग्नेश वर्ष कुण्डली में केन्द्र अथवा त्रिकोण में स्थित हो तो सब अरिष्ट योग का नाश और धर्म-कर्म की प्राप्ति करता है।

यदि जन्म लग्न और वर्ष लग्न एक ही हो जाए तो उस वर्ष में कर्म का उदय हो और जातक का बाहुबल बढ़े तथा यश-सम्मान मिले।

यदि छठे, आठवें भाव का स्वामी बारहवें भाव में स्थित हो अथवा शनि एवं क्रूर ग्रहों से युक्त हो तो उस वर्ष का अरिष्ट दूर होता है। तथा अपने वर्ग का अरिष्ट होता है।

यदि मुंथा से सूर्य व मंगल पंचम स्थान में पड़े हों तो उस वर्ष में क्षेम, आरोग्य और सब अरिष्ट नाश होते हैं।

यदि वर्ष लग्नेश सप्तम भाव में हों और सप्तमेश लग्न में हो तो उस वर्ष अर्थ की सिद्धि होकर अरिष्ट दूर होता है।

यदि सूर्य नवम अथवा दशम भाव में शुभ ग्रहों से युक्त हो तो धन का लाभ तथा अरिष्ट दूर होता है।

सन्तान योगः-

गुरु जन्म कुण्डली में जिस राशि में हो, वर्ष में वह राशि यदि पंचम भाव में हो अथवा उस भाव में वर्षपति या बुध वा मंगल हो तो पुत्र की प्राप्ति हो।

यदि चन्द्र मुंथा सहित पंचम भाव में हो और पंचमेश भी पंचम भाव में हो अथवा पंचमेश बलवान हो तो उस वर्ष पुत्र हो।

नेत्र रोगः-

शुक्र लग्न में अथवा बारहवें सूर्य, मंगल सहित हो तो वर्ष में नेत्र रोग होता है।

यदि पाप ग्रह द्वितीय, द्वादश लग्न व सप्तम भाव में हो और इन शुभ ग्रहों की दृष्टि न हो ते अंध रोग होगा।

नौकरी से निलम्बित होने का योगः-

वर्ष कुण्डली में दशम स्थान का स्वामी नीच होकर अष्टम स्थान में पड़े या कर्म स्थान में पाप ग्रह स्थित हो तो जातक नौकरी से अपदस्थ होता है और सुख का नाश होता है। वर्ष कुण्डली में अष्टम भाव का मालिक दशम स्थान में स्थित हो और दशमेश अष्टम भाव में क्रूर ग्रह युक्त अथवा वीक्षित हो तो भी नौकरी छूटने का डर रहता है तथा धन का नाश होता है।

अशुभ योगः-

यदि मुंथापति वर्ष लग्नेश के साथ अष्टम भाव में स्थित हो तो मृत्यु तुल्य कष्ट देता है, जननेन्द्रिय पीड़ा, रुधिर प्रकोप, कंठावरोध उत्पन्न करता है।

यदि राहु सप्तम भाव में मंगल, चन्द्रमा और सप्तमेश सहित स्थित हो तो वर्ष में स्त्री को मृत्यु-तुल्य कष्ट देते हैं।

चतुर्थ भाव का स्वामी यदि छठे, आठवें, बारहवें भाव में पाप ग्रह युक्त हो, लग्न और चतुर्थ भाव क्रूर ग्रह युक्त अथवा वीक्षित हो तो उस वर्ष में माता का क्षय, अनेक रोग होते हैं।

मुंथापति यदि अष्टम भाव में हो और मुंथा छठे घर में हो तो स्त्री के अगं में पीड़ा, उदर में गुल्मादि रोग तथा अरिष्ट हो।

यदि सप्तमेश, शनि के साथ बारहवें भाव में स्थित हो तो उस वर्ष में कलत्र पीड़ा करे, लोकापवाद, स्वजनों में वैर, सन्तान पीड़ा, मन में व्यग्रता हो।

यदि अष्टमेश, छठे भाव में स्थित हो और चन्द्रमा क्रूर ग्रह युक्त हो अथवा क्रूर ग्रह उसे देखते हों और उस पर बृहस्पति की दृष्टि न हो तो मनुष्य यमलोक को गमन करता है।

यदि अष्टमेश केन्द्र में हो, लग्नेश बारहवें या छठे भाव में हो, चन्द्रमा पाप युक्त अष्टम में हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट होता है।

यदि सूर्य सप्तम भाव में हो और शनि उसके साथ हो, वा रन्ध्रेश शनि युक्त हो तो उस वर्ष में सम्पूर्ण धन का नाश हो।

यदि चन्द्रमा केतु युक्त होकर अष्टम भाव में हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट हो तथा स्त्री का वियोग हो।

यदि गुरु, चन्द्रमा सहित अष्टम भाव में स्थित हो और शनि सहित मुंथा हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट हो।

वर्ष कुण्डली में यदि शनि मेष अथवा वृश्चिक में हो और मंगल सप्तम स्थान में पाप ग्रह से युक्त हो तो कलत्र नाश और धन हानि हो।

यदि सप्तम स्थान में पाप ग्रह हो, अष्टम में शुक्र और चन्द्र हो तो वर्ष में रोग से पीड़ा हो।

छठे, आठवें लग्नेश हो और मंगल, चन्द्रमा अष्टम भाव में हो तो उस वर्ष विष अथवा दुर्घटना से पीड़ा हो।

यदि लग्न में पाप ग्रह के साथ अष्टमेश स्थित हो और लग्नेश चन्द्र सहित अष्टम भाव में स्थित हो तो उस वर्ष रोग शोकादि से शरीर क्षय हो।

यदि अष्टम भाव में गुरु पापयुक्त हो, चन्द्रमा बारहवें शनि युक्त हो तो उस वर्ष राज्याधिकारियों से दंड अथवा पीड़ा हो।

यदि मुंथा अष्टम हो, अष्टमेश रवि मंगल से युक्त हो तो मनुष्य का कफ पित्त रोगों से शरीर नष्ट हो।

चतुर्थ भाव में शनि, दशम भाव में मंगल हो, द्वितीयेश नीच राशि का होकर अस्त हो गया हो तो माता-पिता का अवश्य क्षय हो।

दूसरे, बारहवें, पहले, सातवें भाव में पाप ग्रह हो और शुभ ग्रहों की उन पर दृष्टि न हो तो जातक अवश्य अन्धा हो जाता है।

अष्टमेश लग्न में हो और लग्नेश अष्टम भाव में हो तो उस वर्ष में अरिष्ट हो, धन, स्त्री, कुटुम्ब में कष्ट हो।

वर्ष लग्नपति तथा अष्टमेश चतुर्थ अथवा अष्टम भाव में हो, उसी स्थान में मुंथा हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट हो। लग्न, सप्तम, अष्टम में यदि पाप ग्रह हो तो उस वर्ष में चोर, अग्नि, शस्त्र से भय हो।

ग्रह-शील-चक्र

ग्रह चिन्ह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
पर्याय	हेलि	ग्लौ, शीत रश्मि	आर, वक्र भू-सुत	ज्ञ, इंदु-पुत्र विद्, बोधन	जीव, अंगि सुरगुरुइज्य	भृगु, भृगुसुत सितदे, गुरु	कोण, मद सूर्य-पुत्र	तम, अगु, असुर	शिखी
शुभ, पाप	उग्र	शुभ, क्षीण चन्द्र पाप	क्रूर	शुभ, पाप युक्त पाप	शुभ	शुभ	अति पाप	पाप	पाप
देवता	अग्नि	वरुण	स्कन्द	विष्णु	इन्द्र	इन्द्राणी	ब्रह्मा	वायु	आकाश
काल-पुरुष अंग	आत्मा	मन	सत्व, शौर्य	वाणी	ज्ञान-सुख	काम-सुख	दुःख	मृति	स्थिति
पुरुषादि लिंग	पुरुष	स्त्री	पुरुष	नपुंसक	पुरुष	स्त्री	नपुंसक	पुरुष	पुरुष
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्रिय	वैश्य, शूद्र	ब्राह्मण	ब्राह्मण	अंत्यज	शुद्र	संकर
आकार	चतुरस्र	वर्तुल	चतुष्कोण	वृत्त	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
स्वभाव	स्थिर	चंचल	उग्र	मिश्र	मृदु	लघु	अतितीक्ष्ण	....	......
स्थान	पर्वत	जलचर	पर्वत, वनचर	विद्वानों से युक्तग्रा. चर	विद्वानों से युक्तग्रा. चर	जलचर	पर्वत, वनचर	पर्वत, वनचर	पर्वत, वनचर
काल	अयन	क्षण मुहूर्त	दिन	ऋतु	मास	पक्ष	वर्ष	....	......
दिशा, कोण	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	अग्नि	पश्चिम	नैऋत्य	सर्वदिशा
ग्रह-शांति में दिशा	मध्य	अग्नि	दक्षिण	ईशान	उत्तर	पूर्व	पश्चिम	नैऋत्य	वायव्य
राजादि पदवी	राजा	राजरानी	सेनापति	युवराज	मंत्री	गुप्त मंत्री	प्रेष्य दूत	सेवक	परिचारक
वय-वर्ष अवस्था	प्रौढ़ (५०)	युवा	तरुण	कुमार	युवा(३०)	किशोर	वृद्ध(१००)	अतिवृद्ध	अतिवृद्ध
रंग	पाटल	गौर	रक्तगौर	दूर्वाश्याम	गौर-पीत	श्वेत-श्याम	नील	कृष्ण	धूम्र
ह्रस्वदीर्घ	ह्रस्व	ह्रस्व	ह्रस्व	ह्रस्व	दीर्घ	ह्रस्व	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ
विद्या	वैद्यक	ज्योतिष	शस्त्र	शिल्प	व्याकरण	संगीत	यावनी वि.	गारुड़ी	गुप्त-तंत्र
भाग्योदय-वर्ष	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४८

ग्रह चिन्ह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
नशा व गोचर फल काल	प्रथम भाग	अन्त्य	प्रथम भाग	सर्वदा	मध्य	मध्य	अन्त्य	......	......
कारक	पिता	माता	बन्धु, पितृव्य	मामा, बुद्धि वाणी	पुत्र, बुद्धि ज्ञान, धर्म	स्त्री	दूत, भृत्य दारिद्रय	दादा, शत्रु	नाना
कारक भाव	१,९,१०	४	३, ६	४, १०	२,५,९,१०	७	६,८,१०	.....	......
हर्ष-स्थान	९	३	६	१	११	५	१२	......	......
तत्व	अग्नि	जल	अग्नि	पृथ्वी	आका.तेज	जल	वायु	जल-वायु	तेज
गुण	सत्व	सत्व	तामस	राजस	सत्व	राजस	तामस	अति तामस	किंचित तामस
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	मिश्रण	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
रस	तिक्त	क्षार	कटु	मिश्र	मधुर	अम्ल, खट्टा	कशायकसे	तीखा	नीरस फीका
धातु	सुवर्ण	रौप्य	लोहा	यशद	बंग	ताम्र	नाग	पञ्चधातु	अष्टधातु
वस्त्र	मोटा	नवीन	अग्नि-दग्ध	आर्द्र	मध्यम	दृढ़	मलिन	चित्र-विचित्र	जीर्ण-शीर्ण
काल-बल	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रातः	प्रातः	अपराह्न	संध्या	संध्या	संध्या
पाद	चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंगअपद	अपद	अपद
भूमि	पशुभूमि	जलभूमि	दग्ध	श्मशान	सुरालय	जलभूमि	उत्कट	ऊषर	ऊषर
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	सन्धि	विवर	विवर
शरीर-धातु	अस्थि	रुधिर	मज्जमांस	चर्म त्वचा	मेद	वीर्य-ओज	स्नायु	......	रस
पित्तादि प्रकृति	पित्त	श्लेष्मा	पित्त	समधातु	समधातु	कफ	वात	वात	वात
रोग	नेत्र रोग	नेत्र-पीड़ा	रक्त	त्रिदोष	ज्वर	वीर्य-रोग	वातव्याधि	अस्थि-रोग	अस्थि-रोग
ऋतु	ग्रीष्म	वर्षा	ग्रीष्म	शरद	हेमन्त	वसन्त	शिशिर	शिशिर	शिशिर
दृष्टि	ऊर्ध्व	सम	ऊर्ध्व	तिर्यक	सम	तिर्यक	अधो	अधो	अधो

अंग्रेजी जन्म दिनांक के अनुसार महत्वपूर्ण वर्ष

जनवरी १, १०, १९, २८ को जन्मे व्यक्तियों के लिए १०, १९, २८, ३७, ४६, ५५, ६४, ७३वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ४, १३, २२, ३१, ४०, ४९, ५८, ६७, ७६वें वर्ष भी महत्ववूर्ण होते हैं। इनका १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से लगाव होता है। **जनवरी २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७०वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनका २, ११, १६, २०, २५, २९ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से स्नेह होता है। **जनवरी ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के ३, ८, १२, १७, २१, २६, ३०, ३५, ३९, ४४, ४८, ५३, ५७, ६२, ६६वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनका ३, १२, २१, ३० तारीख को जन्मे लोगों से लगाव होता है। **जनवरी ४, १३, २२, ३१** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख में जन्मे व्यक्तियों से लगाव होगा। **जनवरी ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७ तथा १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ५, १४, २३ तिथि को जन्मे व्यक्तियों से आकर्षण होता है। **जनवरी ६, १५, २४** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६९ विशिष्ट होते हैं तथा ६, १५, २४ तारीख में जन्मे व्यक्तियों से लगाव होता है। **जनवरी ७, १६, २५** में जन्मे व्यक्तियों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्व के होते हैं। २, ७, १६, २०, २५, २९ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से इनका लगाव होता है। **जनवरी ८, १७, २६** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनका ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ तारीखों में जन्मे व्यक्तियों से लगाव होता है। **जनवरी ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, ८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१, ९०वें वर्ष उत्कर्ष के होते हैं तथा ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २७, ३० तारीख में जन्मे लोगों से आकर्षण होता है।

फरवरी १, १०, १९, २८ को जन्मे व्यक्तियों के १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं और १, ३, ४, १०, १२, १३, १९, २१, २२, २८, ३०, ३१ तारीखों में जन्मे व्यक्तियों से इनका लगाव होता है। **फरवरी २, ११, २०, २९** में जन्मे व्यक्तियों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षण अनुभव करते हैं। **फरवरी ३, १२, २१** को जन्मे व्यक्तियों के ३, १२, ३०, ३९, ४८, ५७, ६६, ७५वें वर्ष उत्कृष्ट होते हैं। ३, १२, २१, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति इनका लगाव होता है। **फरवरी ४, १३, २२** को जन्मे लोगों के मुख्य वर्ष १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३ और ७६ हैं। १, ४, ८, १०, १३, १७, १९, २२, २६, २८, ३१ तारीख को जन्मे लोगों से गहरा आकर्षण होगा। **फरवरी ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७ वर्ष महत्वपूर्ण हैं। दिनांक ५, १४, २३ को जन्मे व्यक्तियों से गहरा लगाव होगा। **फरवरी ६, १५, २४** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६८, ८७वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ६, १५, २४, तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **फरवरी ७, १६, २५** को जन्मे व्यक्तियों के लिए जीवन के २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२,५६, ६१, ६५ तथा ७० वर्ष महत्वपूर्ण होंगे। इनके लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ में उत्पन्न लोग विशेष आकर्षण का कारण होते हैं। **फरवरी ८, १७, २६** इनके लिए ४, ८, १३,१७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ तारीख में जन्मे लोगों से इनका गहरा लगाव होता है। **फरवरी ९, १८, २७** ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ इनके जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष होते हैं तथा ९, १८ तारीख को जन्मे लोगों का ८, ९, १७, १८, २६, २७ तारीख वालों की ओर तथा २७ को जन्मे लोगों का ३, ९, १२, १८, २१, २७ तारीख में जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है।

मार्च १, १०, १९, २८ में जन्मे लोगों के जीवन के १, ३, ४, १०, १२, १३, १९, २१, २२, २८, ३०, ३१, ३७, ३९, ४०, ४८, ४९, ५०, ५७, ५८, ६४, ६६, ६७, ७३ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख में जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **मार्च २, ११, २०, २९** में जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष २, ११, २०, २९, ३८, ४७, ५६, ६५, ७४ तथा ७, १६, २५, ३४, ४३, ५२, ६१, ७० हैं तथा २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ तारीख में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ३, १२, २१, ३०** में जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ३, १२, २१, ३०, ३९, ४८, ५७, ६६, ७५ होते हैं तथा तारीख ३, ६, ९, १२, १५, २१, २४, २७, ३० में जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ४, १३, २२, ३१** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष १, ४, १०, १३, १९, २३, २८, ३१, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३ हैं और १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख में पैदा हुए लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७ होते हैं और ३, १२, २१, ३० तारीख में जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **मार्च ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के महत्वपूर्ण वर्ष ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६० तथा ७८ होते हैं तथा ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ तारीखों में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **मार्च ८, १७, २६** में जन्मे लोगों के लिए ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६७, ७१, ७६ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ३, ४, ८, १२, १३, १७, २१, २२, २६, ३०, ३१ तारीख में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **मार्च ९, १८, २७** में जन्मे लोगों के जीवन के ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० तथा १, १०, १९, २८ मार्च में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है।

अप्रैल १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ९, १०, १८, १९, २७, २८, ३६, ३७, ४५, ४६, ५४, ६४, ७२, ७३ होते हैं तथा १, ४, ८, ९, १०, १३, १७, १८, १९, २२, २६, २७, २८, ३१ तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण लखते हैं। **अप्रैल २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के २, ७, ९, ११, १६, १८, २०, २५, २७, २९, ३४, ३६, ३८, ४३, ४५, ५२, ५४, ६१, ६३, ७०, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **अप्रैल ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के महत्वपूर्ण वर्ष ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९, ४२, ४५, ४८, ५१, ५४, ५७, ६०, ६३, ६६, ६९ होते हैं तथा ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **अप्रैल ४, १३, २२** में जन्मे लोगों को जीवन के ४, ८, १३, १९, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६९ वर्ष विशेष महत्व के होते हैं तथा ४, ८, १३, २२, २६ तथा ३१ तारीख में जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **अप्रैल ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५४, ५९, ६३, ६८, ७२ हैं। इनका ५, १४, २३ तारीख को जन्मे व्यक्तियों विशेष आकर्षण होता है। **अप्रैल ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के लिए जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५४, ५९, ६३, ६८, ७२ होते हैं तथा ५, १४, २३ तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अप्रैल ७, १६, २५** जन्मदिन वाले लोगों के लिए ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ तारीख को

जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **अप्रैल ८, १७, २६** जन्म तिथि वाले लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ४, ८, १३, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७६ होते हैं। ये ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ तारीख में जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **अप्रैल ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष १, ९, १०, १८, १९, २७, २८ होते हैं। १, ९, १०, १८, १९, २७, २८ तारीख को जन्मे लोगों से लगाव होता है।

मई १, १०, १९, २८ तारीख वालों के लिए १, २, १०, ११, १५, १९, २१, २४, २८, २९, ३३, ३७, ३८, ४२, ४६, ४७, ५१, ५५, ५६, ६०, ६४, ६५, ६९ वर्ष महत्व के होते हैं। इनका १, २, ६ मूलांक वाली तारीखों को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **मई २, ११, २०, २९** जन्म तिथि वाले लोगों के भाग्यशाली वर्ष २, ६, ७, ११, १५, १६, २०, २४, २५, २९, ३३, ३८, ४२, ५१, ५२, ५६, ६०, ६१, ६५, ६९ होते हैं। तारीख १, २, ६, ७, १०, ११, १५, १६, १९, २०, २४, २५, २८, २९ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **मई ३, १२, २१, ३०** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३०, ३३, ३९, ४२, ४८, ५१, ५७, ६०, ६६, ६९ वर्ष उत्कर्ष वाले होते हैं। ये ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० तारीख को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **मई ४, १३, २२, ३१** जन्म दिन वालों के महत्वपूर्ण वर्ष ४, ६, १३, १५, २२, २४, ३१, ४०, ४२, ४९, ५१, ५८, ६०, ६७, ६९ होते हैं। किसी भी माह की ४, ६, १३, १५, २२, २४, ३१ ता. को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **मई ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के लिए भाग्यशाली वर्ष ५, ६, १४, १५, २३, २४, ३२, ३३, ४१, ४२, ५०, ५१, ५९, ६०, ६८, ६९, ७७ होते हैं। तारीख ५, ६, १४, १५, २३, २४ को जन्मे लोगों के प्रति खास लगाव होता है। **मई ६, १५, २४** इनके भाग्यशाली वर्ष २, ६, १५, २०, २४, २९, ३३, ३८, ४२, ५१, ५६, ६०, ६५, ६९, ७८ होते हैं। २, ३, ६ मूलांक वाली तारीखों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **मई ७, १६, २५** को जन्मे व्यक्तियों को जीवन के २, ६, ७, ११, १५, १६, २०, २४, २५, २९, ३४, ३८, ४२, ४३, ४७, ५१, ५६, ६१, ६९वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। किसी माह की १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, ३१ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **मई ८, १७, २६** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ४, ८, १३ १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१, ८० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं और ४, ८, १३, १७, २२, २६ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष आकर्षण होता है। **मई ९, १८, २७** को जन्मे व्यक्तियों के विशेष महत्वपूर्ण वर्ष ६, ९, १५, १८, २४, २, ३३, ३६, ४२, ४५, ५१, ५४, ६०, ६३, ६९, ७२ होते हैं और ६, ९, १५, १८, २४, २७ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है।

जून १, १०, १९, २८ जन्मतिथि के लोगों के महत्वपूर्ण वर्ष १, ४, ५, १०, १३, १४, १९, २२, २३, २८, ३१, ३२, ३७, ४०, ४१, ४६, ५०, ५५, ५८, ५९, ६४, ६८, ७३ होते हैं तथा १, ४, ५, १०, १३, १४, १९, २२, २३, २८, ३१ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष आकर्षण होता है। **जून २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के २, ४, ५, ११, १३, १४, २०, २२, २३, २९, ३१, ३२, ३८, ४०, ४१, ४७, ४९, ५०, ५६, ५८, ५९, ६६, ६७, ६८ वर्ष महत्वपूर्ण होंगे। **जून ३, १२, २१, ३०** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ३, ५, १२, १४, २१, २३, ३०, ३२, ३९, ४१, ४८, ५०, ५७, ५९, ६६, ६८, ७५ होते हैं। ये ३, ५, १२, १४, २१, २३, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति आकर्षण रखते हैं। **जून ४, १३, २२** को जन्मे व्यक्तियों के लिए जीवन के ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३१, ३२, ४०, ४९, ५०, ५९, ६७ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। ता. ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **जून ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ६९ तथा ७७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ता. ५, १४, २३ को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **जून ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, ६, १४, १५, २३, २४, ३२, ३३, ४१, ४२, ५०, ५१, ५९, ६०, ६८, ७८ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। ता. ५, ६, १४, १५, २३, २४ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **जून ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ जन्मतिथि वाले लोगों से विशेष लगाव होता है। **जून ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ६२, ६७ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०,२५, २९ जन्मतिथि वाले लोगों से विशेष लगाव होता है। **जून ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५४, ५९, ६३, ६८ विशेष महत्व के होते हैं। दि. ५, ९, १४, १८, २३, २७ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षित होते हैं।

जूलाई १, १०, १९, २८ जन्म तिथि वालों को १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१, ३४, ३७, ३८, ४०, ४३, ४७, ४९, ५२, ५५, ५६, ५८, ६१, ६४ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५. २८, २९, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **जुलाई २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के वर्ष २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० अच्छे होते हैं। दि. १, २, ७, १०, ११, १६, १९, २०, २५, २८, २९ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **जुलाई ३, १२, २१, ३०** जन्मतिथि वालों को ३, १२, १६, २०, २१, २५, ३०, ३४, ३९, ४३, ४८, ५२, ५७, ६१ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. २, ३, ७ ११, १२, १६, २०, २१, २५, २९, ३० को जन्मे व्यक्तियों को ...

५८, ६२, ६७, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **जुलाई ५, १४, २३** को जन्मे लोगों को ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७, ८६ वर्ष महत्व के होते हैं तथा ५, १४, २३ तारीख को जन्मे लोगों से लगाव होता है। **जुलाई ६, १५, २४** के लोगों के जीवन के २, ६, ७, ११, १५, १६, २०, २४, २५, २९, ३३, ३४, ३८, ४२, ४३, ४७, ५१, ५२, ५६, ६०, ६१, ६५, ६९, ७० वर्ष विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३० को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **जुलाई ७, १६, २५** वाले जन्म दिन के लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० तथा ७९वें वर्ष विशेष महत्व के होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **जुलाई ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के लिए ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं. **जुलाई ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए १, ९, १०, १८, १९, २७, २८, ३६, ४५, ४६, ५४, ५५, ६३, ६४, ७२वें वर्ष अति महत्वपूर्ण होते हैं तथा ८, ९, २७ तारीखों में जन्मे लोगों के प्रति विशेष अकर्षण होता है।

अगस्त १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के लिए १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३, ७६ महत्वपूर्ण वर्ष होते हैं। ये दि. १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **अगस्त २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनके दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **अगस्त ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के लिए १, ३, १०, १२, १९, २१, २८, ३०,३७, ३९, ४६, ४८, ५५, ५७, ६४, ६६ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। **अगस्त ४, १३, २२, ३१** को जन्मे लोगों के लिए १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३८, ४०, ४९, ५५, ५८, ६४, ७३ वर्ष विशेष महत्व के होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष रूप से आकर्षित होते हैं। **अगस्त ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के लिए ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८ वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं तथा ५, १४, २३ तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अगस्त ६, १५, २४** वाले लोगों को १, ६, १०, १५, १९, २४, २८, ३३, ३७, ४२, ४६, ५१, ५५, ६०, ६४, ६९ वर्ष महत्व के होते हैं। दि. १, ४, १०, १३, १९, २२, २८ को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **अगस्त ७, १६, २३** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७०, ७४ वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। अगस्त ८, १७, २६ को जन्मे लोगों के लिए ४, ८, १३, २२ ...

३१, ४०, ४९, ५८, ६७, ७६ विशेष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ता. में जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। अगस्त ९, १८, २७ को जन्मे लोगों के लिए ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. १, ९, १०, १८, १९, २७, २८ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण का अनुभव करते हैं।

सितम्बर १, ९, १०, १९, २८ को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के १, १०, १९, २८, ३७, ४६, ५५, ६४, ७३ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा दि. १, २, ४, ७, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **सितं. २, ११, २०, २९** जन्मदिन वालों को २, ११, २०, २९, ३८, ४७, ५६, ६५, ७४ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा दि. २, ७, ११, १६, २०, २५ और २७ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **सितं. ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के ३, १२, २१, ३०, ४८, ५७, ६६, ७५ वर्ष महत्व के होते हैं। ३, ५, ६ मूलांक वाली तिथियों में जन्मे लोगों के प्रति आकर्षण का अनुभव करते हैं। सितं. ४, १३, २२ को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६ को जन्मे लोगों से आकर्षण रखते हैं। **सितं. ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ५, १४, २३ को जन्मे लोगों के प्रति आकर्षण का अनुभव करते हैं। **सितं. ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, ६, १४, १५, २३, २४, ३२, ३३, ४१, ४२, ५०, ५१, ५९, ६० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ५, ६, २३, २४, २५ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **सितं. ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५ विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **सितं. ८, १७, २६** तिथि को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **सितं. ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, ६, ९ के क्रम में जन्मे लोगों से इनका विशेष लगाव होता है।

अक्टू. १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के जीवन के १, ६, ८, १०, १५, १७, १९, २४, २६, २८, ३३, ३५, ३७, ४२, ४४, ५१, ५३, ५५, ६०, ६२, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. १, ४, ६, ८, १०, १३, १५, १७, १९, २२, २४,२६, २८, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति आकर्षित होते हैं। **अक्टू. २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के लिए ३, ... भाग्यशाली होते हैं। दि. ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ४, १३, २२, ३१** को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१, ६७, ८० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७, ८६ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ता. ५, ६, ८, १४, १५, १७, २३, २४ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के लिए ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६९ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक ६, १५, २४ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **अक्टू. ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के जीवन के उत्कर्ष वर्ष २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **अक्टू. ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के उत्कर्ष के ८, १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१ वर्ष होते हैं। दिनांक ८, १७, २६ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ होते हैं। दि. ६, १५, १८, २४, २७ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है।

नवम्बर १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के लिए १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३ विशेष महत्व के होते हैं। दिनांक १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **नवम्बर २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष २, ७, ११, १६, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० होते हैं। दिनांक २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **नवम्बर ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के लिए ३, ९, १२, १८, २१, २७, ३०, ३६, ४८, ५४, ५७, ६३, ६६, ७२, ७५ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, १२, १८, २१, २७, ३० को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **नवम्बर ४, १३, २२** को जन्मे लोगों के जीवन के वर्ष ४, ८, १३, १७, १८, २२, २६, २७, ३१, ३५, ३६, ४०, ४४, ४५, ४९, ५३, ५४, ५८, ६२, ६३, ६७ और ७१ महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, ९, १३, १७, १८, २२, २६, २७ को जन्मे लोगों के प्रति बहुत ही लगाव होता है। **नवं. ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५८, ६३, ६८, ७२ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ५, ९, १४, १८, २३, २७ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति बहुत आकर्षित होते हैं। **नवम्बर ६, १५, २४** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ६, ९, १५, १८, २४, २७, ३३, ३६, ४२, ४५, ५१, ५४, ६०, ६३, ६९ वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ६, ९, १५, १८, २४, २७ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **नवम्बर ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के जीवन के २, ७, ११, १६, १८, २०, २५, २७, २९, ३४, ३६, ३८, ४३, ४५, ४७, ५२, ५४, ५६, ६१, ६३, ६५, ७०, ७२ वर्ष विशेष महत्व के होते हैं। इन लोगों का दिनांक २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **नवम्बर ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१, ७६ वर्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षित होते हैं। **नवं. ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२ वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक ९, १८, २७ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है।

दिसम्बर १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष १, ७, १०, १६, १९, २४, २८, ३४, ३७, ४३, ४६, ५२, ५५, ६१, ६४, ७० होते हैं तथा १, ३, १०, १२, १९ २१, २८, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **दिसम्बर २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के लिए २, ३, ७, ११, १२, १६, २१, २५, २९, ३०, ३४, ३८, ३९, ४३, ४७, ४८, ५२, ५७, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ३, ७, ११, १२, १६, २०, २१, २५, २९, ३० को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **दिसम्बर ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के जीवन के ३, १२, २१, ३०, ३९, ४८, ५७,६६, ७५ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३० को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **दि. ४, १३, २२, ३१** को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१,३५, ४०, ४४,४९, ५२, ५८, ६२, ६७, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. १, ३, ४, ८, १०, १२, १३, १७, १९, २१, २२, २६, २८, ३० को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **दिसं. ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक ३, ६, १?, १४, २१, २३ को जन्मे लोगों के प्रति बहुत आकर्षित हो?े हैं। **दिसम्बर ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के लिए ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३०, ३३, ३९, ४२, ४८, ५१, ५७, ६०, ६६ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०** को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षित होते हैं। **दिसम्बर ७, १६, २५** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के २, ७, ११, १६, २०, २५, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर २, ७, ११, १६, २०, २५, २९** को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **दिसम्बर ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के लिए ८, १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१, ८० वर्ष विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१** को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **दिसम्बर ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०** को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है।

विंशोत्तरी दशा गणित

ज्योतिषियों को फल कथन करने के लिए दशा गणित करने की आवश्यकता होती है। दशा तथा गोचर की सहायता से ही भविष्य कथन किया जाता है, इसके लिए जन्म समय पर किस ग्रह की कौन सी दशा चल रही है और उसकी कितनी अवधि समाप्त हो गई है तथा कितनी भोग्य रहती है। इसका यदि ठीक गणित नहीं किया गया तो भविष्य कथन भी अशुद्ध रहेगा, इसलिए यह आवश्यक है कि दशा का भोग्य ठीक निकाला जाए। परन्तु देखा गया है कि एक ही व्यक्ति की एक ही समय स्थान की एक से अधिक ज्योतिषियों द्वारा बनाई गई जन्मपत्री में दशा का भोग्य काल बहुधा एक जैसा नहीं मिलता। अधिकांश ज्योतिषीगण दशा का भुक्त भोग्य काल भयात भभोग के द्वारा निकालते हैं। भयात भभोग अर्थात् नक्षत्र का मान और जन्म समय तक नक्षत्र का कितना अंश व्यतीत हो गया है, इसको भयात भभोग कहते हैं। पंचांगों में नक्षत्र का मान घड़ी पलों में दिया रहता है और पंचांग जिस स्थान विशेष के अक्षांश पर बना होता है, नक्षत्र का घड़ी पलों का मान भी उसी स्थान के लिए होता है। अब ज्योतिषी को चाहिए कि जन्मपत्री बनाते समय वह तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण आदि सभी मानों को स्थानीय मान में परिवर्तित करके ही गणित करें, परन्तु अधिकांश ज्योतिषी ऐसा नहीं करते। इस कारण गणित में अन्तर रहता है। भयात भभोग से चन्द्रस्पष्ट की विधि हम यहां पर दे रहे हैं।

आजकल स्तरीय पंचांग चित्रा पक्षीय केतकी दृक् गणित पद्धति से बनाये जाते हैं। इनका गणित शुद्ध व सही माना जाता है, परन्तु अभी भी कुछ पंचांग पुरानी पद्धति से ही चिपके हुए हैं। पुरानी पद्धति से गणित करने पर काफी अन्तर आता है। २०-२५ वर्ष पहले के तो प्राय: सभी पंचांग पुरानी पद्धति पर ही बने हुए मिलते हैं। आजकल कुछ पंचांगों में तिथि नक्षत्र आदि का मान घंटे-मिनटों में भी दिया जाता है। यह घंटे-मिनटों का समय भारतीय स्टैण्डर्ड समय में होने से भारत के सभी स्थानों के लिए एक सा होता है और भयात भभोग यदि घड़ी पलों के स्थान पर इन घंटे-मिनटों के आधार पर बनाया जाए तो दशा गणित भारत के सभी स्थानों के लिए एक जैसा तथा सही आयेगा। जहां नक्षत्रादि का मान घड़ी पलों में दिया हो वहां उसे स्थानीय मान में परिवर्तित करके ही गणित करना चाहिए। पंचांग परिवर्तन पद्धति इस पंचांग में पृष्ठ ९८ पर दी हुई है। आर्यभट्ट पंचांग में तिथ्यादि का मान घंटे-मिनटों में भी दिया जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय वेधशाला ग्रीनविच से प्रतिदिन शून्यकाल के ग्रहस्पष्ट प्रसारित किये जाते हैं। यही ५-३० प्रात:काल के समय के ग्रहस्पष्ट भारत के लिए होते हैं। ग्रीनविच से भारत के समय का अन्तर साढ़े पांच घंटे का है। भारत के प्राय: सभी स्तरीय पंचांगों में यही ग्रहस्पष्ट दिये जाते हैं। आजकल कम्प्यूटरों से जन्मपत्री गणित भी इन्हीं पर आधारित होता है। प्राय: सभी प्रौढ़ ज्योतिषीगण दशा का भुक्त भोग्य भयात भभोग के स्थान पर चन्द्रमा के स्पष्ट राशि अंशों से निकालते हैं और कम्प्यूटर भी इसी पद्धति पर गणित करता है। इस प्रकार निकाली गई दशायें ठीक होती हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर चन्द्रस्पष्ट से विंशोत्तरी दशा का भोग्य निकालने से सहायता करने वाली एक विस्तृत सारिणी आर्यभट्ट पंचांग में सम्मिलित की गई है। इसकी सहयता से गणित शीघ्रता से व सरलता से हो जाता है, इसको उदाहरण देकर समझाते हैं।

चन्द्र स्पष्ट

जन्मपत्री बनाते समय सभी ग्रहों के जन्म समय का स्पष्ट किया जाता है, दशा गणित के लिए चन्द्रमा का स्पष्ट करना आवश्यक होता है। पंचांग में प्रतिदिन का प्रात: ५-३० का चन्द्रस्पष्ट दिया रहता है। प्रात: ५-३० से जन्म समय तक कितने घंटे-मिनट बीत चुके हैं, यह जानने के लिए जन्म समय में से ५-३० घटाना होता है। दोपहर बारह बजे के बाद के घंटों में १२ जोड़कर और रात के बारह बजे के बाद के घंटों में २४ जोड़कर लिखते हैं। फिर उसमें से ५-३० घटाने से ५-३० प्रात: से जन्म समय तक की अवधि घंटे-मिनटों में प्राप्त हो जाती है। मान लो जन्म समय किसी भी महीने की १५ तारीख को ९-४५ रात्रि का है तो २१-४५ में से ५-३० घटाने पर १६ घंटा १५ मिनट अर्थात् ९७५ मि. भुक्त अवधि हुई। अब चन्द्रमा की एक दिन अर्थात् २४ घंटे या १४४० मिनट की गति ज्ञात की। १६ तारीख को ५-३० प्रात: के चन्द्रस्पष्ट में से १५ तारीख का चन्द्रस्पष्ट घटाने से चन्द्रमा की एक दिन की गति ज्ञात की जा सकती है।

	राशि	अंश	कला
१६ तारीख का चन्द्रस्पष्ट ५-३० प्रात:	६	२१	५४
१५ तारीख का चन्द्रस्पष्ट ५-३० प्रात:	६	१०	०२
२४ घंटे की गति	०	११	५२

११ अंश ५२ कला अर्थात् ७१२ कला

१४४० मिनट में चन्द्रमा की गति— ७१२ कला

तो ९७५ मिनट में चन्द्रमा की गति $\frac{७१२\times९७५}{१४४०}$

=६९४२००÷१४४०=४८२ कला =८ अंश २ कला

	राशि	अंश	कला
१५ तारीख ५-३० प्रात: का चन्द्रस्पष्ट	६	१०	०२
प्रात: ५-३० से रात्रि ९-४५ तक की गति	०	८	०२
१५ तारीख ९-४५ जन्म समय पर चन्द्रस्पष्ट	६	१८	०४

चन्द्रस्पष्ट की एक और सरल विधि निम्न प्रकार से भी है—

	राशि	अंश	कला
२४ घंटे की गति	०	११	५२
१२ घंटे की गति (२ से भाग किया)	०	५	५६
४ घंटे की गीत (३ से भाग किया)	०	१	५९
०-१५ घंटे की गति (१६ से भाग किया)	०	०	०७
१६-१५ घंटे की गति	०	८	०२
	+६	१०	०२
	६	१८	०४

चन्द्रमा की २४ घंटे की गति जन्म समय पर चन्द्रमा जिस राशि में हो उसी राशि में लेना चाहिए। यदि प्रात: ५-३० और जन्म समय के मध्य चन्द्रमा ने राशि बदल दी हो तो चन्द्रमा की गति उसी राशि की लेनी चाहिए। चन्द्रमा की गति प्रत्येक राशि में भिन्न होती है। चन्द्रमा एक राशि में सवा दो दिन रहता है, जिस दिन आगे-पीछे की तारीखों में चन्द्रमा जन्म की राशि में हो उनका ही अन्तर लेकर दैनिक गति ज्ञात करनी चाहिए।

क्रमांक १

चन्द्र स्पष्ट

सर्वर्क्ष	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४
	०	६	९	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३८	४१	४५	४८	५	५६	५९	३	७	१०
गति	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	४६
सर्वर्क्ष	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५
	१४	१८	२१	२५	२९	३२	३७	४०	४४	४८	५१	५५	५९	३	६	११	१४	१७	२१	२५
गति	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
सर्वर्क्ष	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६
	२९	३३	३६	४०	४४	४८	१२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४०
गति	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
सर्वर्क्ष	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८
	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४१	४५	५०	५४	५८	२	६
गति	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	४६
सर्वर्क्ष	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९
	११	१५	१९	२३	२८	३२	३६	४०	४५	४९	५४	५८	०	७	११	१६	२०	२४	२९	३३
गति	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
सर्वर्क्ष	५९	५९	५९	५९	५९	५९	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६१
	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४१	४५	५०	५५	५९	४
गति	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
सर्वर्क्ष	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६२	६२	६२	६२	६२	६२	६२	६२	६२
	८	१३	१७	२२	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५६	१	६	१०	१५	२०	२५	३०	३५	३९
गति	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	४६
सर्वर्क्ष	६२	६२	६२	६२	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६४	६४
	४४	४९	५४	५९	४	९	१४	१९	२४	२९	३४	३९	४४	४९	५४	०	५	१	१५	२०
गति	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
सर्वर्क्ष	६४	६४	६४	६४	६४	६४	६४	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६६
	२६	३१	३६	४१	४६	५२	५७	३	८	१३	१८	२४	२९	३४	४०	४५	५२	५६	१	७
गति	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
सर्वर्क्ष	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६८	+
	१२	१८	२३	२९	३४	४०	४६	५२	५९	५	११	१८	२३	३०	३७	४३	५०	५७	३	+
गति	१२	१२	१२	१२	१२	१२	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	+
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	+

चन्द्र स्पष्ट सारणी विधि- (१) भयात भभोग निकालना-६०।० में गत नक्षत्र के घटी-पल घटा देवें तथा वर्तमान नक्षत्र के घटी पल जोड़ देवें यह भभोग होगा, तथा ६।० में से घटाये अंकों के घटी पलों में इष्ट घटिका जोड़े तो भयात होगा। (२) भभोग के घटी पल अंकों को चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम १ में देखें, उसमें भभोग घटीपल अंक तुल्य या समकक्ष अङ्क के नीचे जो गति दी है, उससे भयात घटी पलों में गुणा करें; ६० के भाग से अंशात्मक ३ अंक लेवें, इनको गत नक्षत्र सारणी (चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम २) के अंकों में जोड़ देवें तो स्पष्ट चन्द्रमा होगा। (३) गति स्पष्ट विधि-चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम १ से प्राप्त जो गति है उसकी केवल कला को ६० से गुणा कर गुणनफल में गति के विकलांक जोड़ देवें यह चन्द्र स्पष्ट गति मध्यम मानेन स्पष्ट रहेगी।

क्रमांक २

चन्द्र स्पष्ट साधक सारणी

अश्विन	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्ले
०	०	१	१	२	२	३	३	४
१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०
२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०
मघा	**पू.फा.**	**उ.फा.**	**हस्त**	**चित्रा**	**स्वाति**	**विशाखा**	**अनुराधा**	**ज्येष्ठा**
४	४	५	५	६	६	७	७	८
१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०
२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०
मूल	**पू.षा.**	**उ.षा.**	**श्रवण**	**धनिष्ठा**	**शतभिषा**	**पू.भा.**	**उ.भा.**	**रेवती**
८	८	९	९	१०	१०	११	११	०
१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०
२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०

उदाहरण-यथा भभोग ६५।५० के नीचे दी गई चन्द्र गति १२।०९ को और भभात् १९।०३ को गुणा किया (१२।०९)×(१९।०३)=२३१°।२७'।२७" या ३°।५१'।२७" इनको गत नक्षत्र विशाखा का मान सारिणी से लेकर युक्त किया।

गुणनफल	=	३।५१।२७
गत नक्षत्र विशाखा का मान	=	७।०३।२०।००
चन्द्र स्पष्ट प्राप्त हुआ	=	७।०७।११।२७

चन्द्र गति १२।०९ में केवल अंश १२ को ६० से गुणा कर कला जोड़ दिया।

१२×६०=७२०+९=७२९ कला चंद्र गति हुई। गणितागत एवं इस विधि द्वारा चन्द्र स्पष्ट में विशेष अंश कलादि अंतरांश नहीं होने से जन्मपत्रादि हेतु यह सामग्री उपयुक्त तथा शीघ्र ही काम करने में सक्षम है। अब चंद्र स्पष्टता हेतु श्रम विशेष की आवश्यकता नहीं रही।

आपका चन्द्र स्पष्ट ६-१८-४ है, इससे विंशोत्तरी दशा का ज्ञान किस प्रकार होगा, यह समझाते हैं। चन्द्रमा तुला राशि में है इसलिए सारिणी के तीसरे कोष्ठक में जिसके ऊपर मिथुन, तुला व कुम्भ लिखा है वह देखना होगा। चन्द्रमा जिस राशि में हो उसी राशि से सम्बन्धित कोष्ठक को देखना चाहिए। प्रथम कोष्ठक में अंश कला दिए गए हैं। इसमें १८ अंश के सामने तुला राशि वाले तीसरे कोष्ठक में राहु की महादशा के २ वर्ष ८ मास १२ दिन भोग्य रहते हैं। हमारे उदाहरण का चन्द्रमा स्पष्ट ६-१८-०४ है। अब ४ कला के लिए हमें पूरक सारिणी में राहु दशा के अन्तर्गत ४ कला के सामने देखने पर ज्ञात हुआ कि ४ कला पर ३२ दिन का अन्तर आता है। जैसे-२ चन्द्रमा के अंश कला बढ़ते जाते हैं, दशा का भुक्त काल बढ़ता जाता है और भोग्य काल कम होता जाता है, अतएव २-८-१२ में से ०-१-२ घटा दिया। तो ६-१८-०४ स्पष्ट चन्द्र पर राहु की भोग्य दशा २-७-१० अर्थात् २ वर्ष ७ मास १० दिन निकली।

चन्द्रमा के राशि अंशों से विंशोत्तरी दशा का भोग्य बोधक सारिणी

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
०	०	केतु	७	—	—	सूर्य	४	६	—	मंगल	३	६	—	गुरु	४	—	—
०	१०		६	१०	२९		४	५	३		३	४	२९		३	९	१८
०	२०		६	९	२७		४	४	६		३	३	२७		३	७	६
०	३०		६	८	२६		४	३	९		३	२	२६		३	४	२४
०	४०		६	७	२४		४	२	१२		३	१	२४		३	२	१२
०	५०		६	६	२३		४	१	१५		३	—	२३		३	—	—
१	०		६	५	२१		४	—	१८		२	११	२१		२	९	१८
१	१०		६	५	२०		३	११	२१		२	१०	२०		२	७	६
१	२०		६	३	१८		३	१०	२४		२	९	१८		२	४	२४
१	३०		६	२	१७		३	९	२७		२	८	१७		२	२	१२
१	४०		६	१	१५		३	९	—		२	७	१५		२	—	—
१	५०		६	—	१४		३	८	३		२	६	१४		१	९	१८
२	०		५	११	१२		३	७	६		२	५	१२		१	७	६
२	१०		५	१०	११		३	६	९		२	४	११		१	४	२४
२	२०		५	९	९		३	५	१२		२	३	९		१	२	१२
२	३०		५	८	८		३	४	१५		२	२	८		१	—	—
२	४०		५	७	६		३	३	१८		२	१	६		—	९	१८
२	५०		५	६	५		३	२	२१		२	—	५		—	७	६
३	०		५	५	३		३	१	२४		१	११	३		—	४	२४
३	१०		५	४	२		३	—	२७		१	१०	२		—	२	१२
३	२०		५	३	—		३	—	—		१	९	०	शनि	१९	०	०
३	३०		[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]
३	४०	केतु	५	—	२७	सूर्य	२	१०	६	मंगल	१	६	२७	शनि	१८	६	९
३	५०		४	११	२६		२	९	९		१	५	२६		१८	३	१३
४	०		४	१०	२४		२	८	१२		१	४	२४		१८	०	१८
४	१०		४	९	२३		२	७	१५		१	३	२३		१७	९	२२
४	२०		४	८	२१		२	६	१८		१	२	२१		१७	६	२७
४	३०		४	७	२०		२	५	२१		१	१	२०		१७	४	१
४	४०		४	६	१८		२	४	२४		१	—	१८		१७	१	६
४	५०		४	५	१७		२	३	२७		—	१०	१७		१६	१०	१०
५	०		४	४	१५		२	३	—		—	१०	१५		१६	७	१५
५	१०		४	३	१४		२	२	३		—	९	१४		१६	४	१९
५	२०		४	२	१२		२	१	६		—	८	१२		१६	१	२४
५	३०		४	१	११		२	—	९		—	७	११		१५	१०	२८
५	४०		४	—	९		१	११	१२		—	६	९		१५	८	३
५	५०		३	११	८		१	१०	१५		—	५	८		१५	५	७
६	०		३	१०	६		१	९	१८		—	४	६		१५	२	१२
६	१०		३	९	५		१	८	२१		—	३	५		१४	११	१६
६	२०		३	८	३		१	७	२४		—	२	३		१४	८	२१
६	३०		३	७	२		१	६	२७		—	१	१		१४	५	२५
६	४०		३	६	—		१	६	—	राहु	१८	—	—		१४	३	—
६	५०		३	४	२९		१	५	३		१७	९	९		१४	—	४
७	०		३	३	२७		१	४	६		१७	६	१८		१३	९	९
७	१०		३	२	२६		१	३	९		१७	३	२७		१३	६	१३
७	२०		३	१	२४		१	२	१२		१७	१	६		१३	३	१८
७	३०		३	—	२३		१	१	१५		१६	१०	१५		१३	—	२२
७	४०		२	११	२१		१	०	१८		१६	७	२४		१२	९	२७
७	५०		२	१०	२०		—	११	२१		१६	५	३		१२	६	१
८	०		२	९	८		—	१०	२४		१६	२	१२		१२	४	६
८	१०		२	८	१७		—	९	२७		१५	११	२१		१२	१	१०
८	२०		२	७	१५		—	९	—		१५	९	—		११	१०	१५
८	३०		२	६	१४		—	८	३		१५	६	९		११	७	१९
८	४०		२	५	१२		—	७	६		१५	३	१८		११	४	२४
८	५०		२	४	११		—	६	९		१५	—	२७		११	१	२८
९	०		२	३	९		—	५	१२		१४	१०	६		१०	११	३
९	१०		[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
घटी	पल	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
९	२०	केतु	२	१	६	सूर्य	—	३	१८	राहु	१४	४	२४	शनि	१०	५	१२
९	३०		२	—	५		—	२	२१		१४	२	३		१०	२	१६
९	४०		१	११	३		—	१	२४		१३	११	१२		९	११	२१
९	५०		१	१०	२		—	—	२७		१३	८	२१		९	८	२५
१०	०		१	९	—	चन्द्र	१०	—	—		१३	६	—		९	६	—
१०	१०		१	७	२९		९	१०	१५		१३	३	९		९	३	४
१०	२०		१	६	२७		९	९	—		१३	—	१८		९	—	९
१०	३०		१	५	२६		९	७	१५		१२	९	२७		८	९	१३
१०	४०		१	४	२४		९	६	—		१२	७	६		८	६	१८
१०	५०		१	३	२३		९	४	१५		१२	४	१५		८	३	२२
११	०		१	२	२१		९	३	—		१२	१	२४		८	०	२७
११	१०		१	१	२०		९	१	१५		११	११	३		७	१०	१
११	२०		१	—	१८		९	—	—		११	८	१२		७	७	६
११	३०		—	११	१७		८	१०	१५		११	५	२१		७	४	१०
११	४०		—	१०	१५		८	९	—		११	३	—		७	१	१५
११	५०		—	९	१४		८	७	१५		११	—	९		६	१०	१९
१२	०		—	८	१२		८	६	—		१०	९	१८		६	७	२४
१२	१०		—	७	११		८	४	१५		१०	६	२७		६	४	२८
१२	२०		—	६	९		८	३	—		१०	४	६		६	२	३
१२	३०		—	५	८		८	१	१५		१०	१	१५		५	११	७
१२	४०		—	४	६		८	—	—		९	१०	२४		५	८	१२
१२	५०		—	३	५		७	१०	१५		९	८	३		५	५	१६
१३	०		—	२	३		७	९	—		९	५	१२		५	२	२१
१३	१०		—	१	१		७	७	१५		९	२	२१		४	११	२५
१३	२०	शुक्र	२०	—	—		७	६	—		९	—	—		४	९	—
१३	३०		१९	९	—		७	४	१५		८	१०	९		४	६	४
१३	४०		१९	६	—		७	३	—		८	६	१८		४	३	९
१३	५०		१९	३	—		७	१	१५		८	३	२७		४	—	१३
१४	०		१९	—	—		७	—	—		८	१	६		३	९	१८
१४	१०		१८	९	—		६	१०	१५		७	१०	१५		३	६	२२
१४	२०		१८	६	—		६	९	—		७	७	२४		३	३	२७
१४	३०		१८	३	—		६	७	१५		७	५	३		३	१	१
१४	४०		१८	—	—		६	६	—		७	२	१२		२	१०	६
१४	५०		१७	९	—		६	४	१५		६	११	२१		२	७	१०
१५	०		१७	६	—		६	३	—		६	९	—		२	४	१५

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
घटी	पल	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
१५	१०		१७	३	—	चन्द्र	६	१	१५	राहु	६	६	९	शनि	२	१	१९
१५	२०	शुक्र	१७	—	—		६	—	—		६	३	१८		१	१०	२४
१५	३०		१६	९	—		५	१०	१५		६	१	२७		१	७	२८
१५	४०		१६	६	—		५	९	—		५	१०	६		१	५	३
१५	५०		१६	३	—		५	७	१५		५	७	१५		१	२	७
१६	०		१६	—	—		५	६	—		५	४	२४		—	११	१२
१६	१०		१५	९	—		५	४	१५		५	२	३		—	८	१६
१६	२०		१५	६	—		५	३	—		४	११	१२		—	५	२१
१६	३०		१५	३	—		५	१	१५		४	८	२१		—	२	२६
१६	४०		१५	—	—		५	—	—		४	६	—	बुध	१७	—	—
१६	५०		१४	९	—		४	१०	१५		४	३	९		१६	९	१३
१७	०		१४	६	—		४	९	—		४	—	१८		१६	६	२७
१७	१०		१४	३	—		४	७	१५		३	९	२७		१६	४	१०
१७	२०		१४	—	—		४	६	—		३	७	६		१६	१	२४
१७	३०		१३	९	—		४	४	१५		३	४	१५		१५	११	७
१७	४०		१३	६	—		४	३	—		३	१	२४		१५	८	२१
१७	५०		१३	३	—		४	१	१५		२	११	३		१५	६	४
१८	०		१३	—	—		४	—	—		२	८	१२		१५	३	१८
१८	१०		१२	९	—		३	१०	१५		२	५	२१		१५	१	१
१८	२०		१२	६	—		३	९	—		२	३	—		१४	१०	१५
१८	३०		१२	३	—		३	७	१५		२	—	९		१४	७	२८
१८	४०		१२	—	—		३	६	—		१	९	१८		१४	५	१२
१८	५०		११	९	—		३	४	१५		१	६	२७		१४	२	२५
१९	०		११	६	—		३	३	—		१	४	६		१४	—	९
१९	१०		११	३	—		३	१	१५		१	१	१५		१३	१०	२२
१९	२०		११	—	—		३	—	—		—	१०	२४		१३	७	६
१९	३०		१०	९	—		२	१०	१५		—	८	३		१३	४	१९
१९	४०		१०	६	—		२	९	—		—	५	१२		१३	२	३
१९	५०		१०	३	—		२	७	१५		—	२	२१		१२	११	१६
२०	०		१०	—	—		२	६	—	गुरु	१६	—	—		१२	९	—
२०	१०		९	९	—		२	४	१५		१५	९	१८		१२	६	१३
२०	२०		९	६	—		२	३	—		१५	७	६		१२	३	२७
२०	३०		९	३	—		२	१	१५		१५	४	२४		१२	१	१०
२०	४०		९	—	—		२	—	—		१५	२	१२		११	१०	२४
२०	५०		८	९	—		१	१०	१५		१५	—	—		११	८	७

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
२१	०	शुक्र	८	६	—	चन्द्र	१	९	—	गुरु	१४	९	१८	बुध	११	५	२१
२१	१०		८	३	—		१	७	१५		१४	७	६		११	३	४
२१	२०		८	—	—		१	६	—		१४	४	२४		११	०	१८
२१	३०		७	९	—		१	४	१५		१४	२	१२		१०	१०	१
२१	४०		७	६	—		१	३	—		१४	—	—		१०	७	१५
२१	५०		७	३	—		१	१	१५		१३	९	१८		१०	४	२८
२२	०		७	—	—		१	—	—		१३	७	६		१०	२	१२
२२	१०		६	९	—		—	१०	१५		१३	४	२४		९	११	२५
२२	२०		६	६	—		—	९	—		१३	२	१२		९	९	९
२२	३०		६	३	—		—	७	१५		१३	—	—		९	६	२२
२२	४०		६	—	—		—	६	—		१२	९	१८		९	४	६
२२	५०		५	९	—		—	४	१५		१२	७	६		९	१	१९
२३	०		५	६	—		—	३	—		१२	४	२४		८	११	३
२३	१०		५	३	—		—	१	१५		१२	२	१२		८	८	१६
२३	२०		५	—	—	मंगल	७	—	—		१२	—	—		८	६	—
२३	३०		४	९	—		६	१०	२९		११	९	१८		८	३	१३
२३	४०		४	६	—		६	९	२७		११	७	६		८	०	२७
२३	५०		४	३	—		६	८	२६		११	४	२४		७	१०	१०
२४	०		४	—	—		६	७	२४		११	२	१२		७	७	२४
२४	१०		३	९	—		६	६	२३		११	—	—		७	५	७
२४	२०		३	६	—		६	५	२१		१०	९	१८		७	२	२१
२४	३०		३	३	—		६	४	२०		१०	७	६		७	०	४
२४	४०		३	—	—		६	३	१८		१०	४	२४		६	९	१८
२४	५०		२	९	—		६	२	१७		१०	२	१२		६	७	१
२५	०		२	६	—		६	१	१५		१०	—	—		६	४	१५
२५	१०		२	३	—		६	—	१४		९	९	१८		६	१	२८
२५	२०		२	—	—		५	११	१२		९	७	६		५	११	१२
२५	३०		१	९	—		५	१०	११		९	४	२४		५	८	२५
२५	४०		१	६	—		५	९	९		९	२	१२		५	६	९
२५	५०		१	३	—		५	८	८		९	—	—		५	३	२२
२६	०		१	—	—		५	७	६		८	९	१८		५	१	६
२६	१०		—	९	—		५	६	५		८	७	६		४	११	१९
२६	२०		—	६	—		५	५	३		८	४	२४		४	८	३
२६	३०		—	३	—		५	४	२		८	२	१२		४	५	१६
२६	४०	सूर्य	६	—	—		५	३	—		८	—	—		४	३	—

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
२६	५०	सूर्य	५	११	३	मंगल	५	१	२९	गुरु	७	९	१८	बुध	४	—	१३
२७	०		५	१०	६		५	—	२७		७	७	६		३	९	२७
२७	१०		५	९	९		४	११	२६		७	४	२४		३	७	१०
२७	२०		५	८	१२		४	१०	२४		७	२	१२		३	४	२४
२७	३०		५	७	१५		४	९	२३		७	—	—		३	२	७
२७	४०		५	६	१८		४	८	२१		६	९	१८		२	११	२१
२७	५०		५	५	२१		४	७	२०		६	७	६		२	९	४
२८	०		५	४	२४		४	६	१८		६	४	२४		२	६	१८
२८	१०		५	३	२७		४	५	१७		६	२	१२		२	४	१
२८	२०		५	३	—		४	४	१५		६	—	—		२	१	१५
२८	३०		५	२	३		४	३	१४		५	९	१८		१	१०	२८
२८	४०		५	१	६		४	२	१२		५	७	६		१	८	१२
२८	५०		५	—	९		४	१	११		५	४	२४		१	५	२५
२९	०		४	११	१२		४	—	९		५	२	१२		१	३	९
२९	१०		४	१०	१५		३	११	८		५	—	—		१	—	२२
२९	२०		४	९	१८		३	१०	६		४	९	१८		—	१०	६
२९	३०		४	८	२१		३	९	५		४	७	६		—	७	१९
२९	४०		४	७	२४		३	८	३		४	४	२४		—	५	३
२९	५०		४	६	२७		३	७	२		४	२	१२		—	२	१७
३०	०		४	६	—		३	६	—		४	—	—		—	—	—

चन्द्र स्पष्ट से विंशोत्तरी दशा भोग्य बोधक पूरक सारिणी

कला	केतु ७ वर्ष		शुक्र २० वर्ष		सूर्य ६ वर्ष		चन्द्रमा १० वर्ष		मंगल ७ वर्ष		राहु १८ वर्ष		गुरु १६ वर्ष		शनि १९ वर्ष		बुध १७ वर्ष	
	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन
१	०	३	०	९	०	३	०	५	०	३	०	८	०	७	०	९	०	८
२	०	६	०	१८	०	५	०	९	०	६	०	१६	०	१४	०	१७	०	१५
३	०	९	०	२७	०	८	०	१४	०	९	०	२४	०	२२	०	२६	०	२३
४	०	१३	१	६	०	११	०	१८	०	१३	१	२	०	२९	१	४	१	१
५	०	१६	१	१५	०	१४	०	२३	०	१६	१	११	१	६	१	१३	१	८
६	०	१९	१	२४	०	१६	०	२७	०	१९	१	१९	१	१३	१	२१	१	१६
७	०	२२	२	३	०	१९	१	२	०	२२	१	२७	१	२०	२	०	१	२४
८	०	२५	२	१२	२	२२	१	६	०	२५	२	५	१	२८	२	८	२	१
९	०	२८	२	२१	०	२४	१	११	०	२८	२	१३	२	५	२	१७	२	६
१०	१	१	३	०	०	२७	१	१५	१	१	२	२१	२	१२	२	२५	२	१७

आर्यभट्ट पञ्चाङ्गम्

विंशोत्तरी दशा पद्धति

ज्योतिष शास्त्र में भविष्य कथन के लिये अनेक प्रकार की दशाओं का

१४१

भौम (मंगल) महादशा ७ वर्ष

भौम अन्तर दशा   भौम-भौम प्रत्यन्तर दशा

विंशोत्तरी दशा पद्धति

ज्योतिष शास्त्र में भविष्य कथन के लिये अनेक प्रकार की दशाओं का वर्णन है। महर्षि पाराशर ने ही लगभग ४२ प्रकार की दशाओं का वर्णन किया है। इनमें केवल तीन प्रकार की दशायें ही आजकल प्रयोग में लाई जाती हैं। विंशोत्तरी दशा, अष्टोत्तरी दशा और योगिनी दशा। योगिनी दशा पद्धति में सभी ग्रहों की दशा की एक आवृत्ति ३६ वर्षों में होती है, अष्टोत्तरी में यह अवधि १०८ वर्ष है और विंशोत्तरी दशा पद्धति में १२० वर्ष। अष्टोत्तरी दशा दक्षिण भारत महाराष्ट्र आदि में, योगिनी दशा उत्तर भारत में विशेष रूप से प्रचलित है, विंशोत्तरी दशा पद्धति सर्वत्र सर्वाधिक प्रचलित है। मनुष्य की आयु १२० वर्ष मानकर यह दशा पद्धति बनाई गई है, यह तर्क भी दिया जाता है। परन्तु सूर्यादि नव ग्रहों की दशा अवधि की वर्ष संख्या तथा उनका क्रम वैज्ञानिक आधार पर किया गया है। इसका विस्तार में विवेचन हमारी पुस्तक ज्योतिष शिक्षा मध्यमा फलित में किया गया है।

ग्रहों की महादशा की अवधि पूर्ण वर्षों में होती है। यथा सूर्य ६, चन्द्रमा १०, मंगल ७, राहु १८, गुरु १६, शनि १९, बुध १७, केतु ७ और शुक्र २० वर्ष। किसी ग्रह की महादशा में पूर्ण अवधि तक उस ग्रह का प्रभाव तो रहता ही है। उस महादशा अवधि में सभी ग्रहों की अन्तर दशायें भी उसी क्रम से चलती हैं। यथा शुक्र की महादशा में प्रथम तीन वर्ष चार मास शुक्र की ही अन्तर दशा रहती है। अब यह ४० मास की अवधि में भी शुक्र का प्रभाव तो सर्वोपरि होता ही है अन्य सभी ग्रहों की प्रत्यन्तर दशायें भी चलती रहती हैं। इन्हीं प्रत्यन्तर दशाओं का ज्ञान कराने के लिए हम अपने पाठकों के लाभार्थ यह सारिणियां दे रहे हैं। इनका गणित कहीं-कहीं पलों तक भी दिया जाता है। परन्तु घड़ियों तक ही सीमित रखा है। शास्त्रों में प्रत्यन्तर दशा के भी सूक्ष्म दशा तथा प्राण दशा में भाग-विभाग किये गये हैं परन्तु व्यवहार में प्रत्यन्तर दशा तक का ही अधिक प्रचलन है। आजकल कम्प्यूटर से बनी जन्मपत्रियों में तो इसे दिनों तारीखों तक ही सीमित रखा गया है। घण्टों मिनटों सैकिण्डों अर्थात् घटी-पलों तक का गणित विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है। जन्म समय पर दशा का भुक्त भोग्य अर्थात् किस ग्रह की कितनी दशा भोग्य है, किस ग्रह की कौन सी अन्तर दशा का कौन सा प्रत्यन्तर कितना भोग्य है। यह गणित चन्द्रमा के स्पष्ट राशि अंशों से करना चाहिए। यह सारिणी इस पंचांग के पृष्ठ १३८ पर दी हुई है।

विंशोत्तरी महादशा चक्र

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
वर्ष	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०

सूर्य महादशा ६ वर्ष

सूर्य की अन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मास	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

सूर्य-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	५	९	६	१६	१४	१७	१५	६	१८
घ.	२४	०	२८	१२	२४	६	१८	१८	०

सूर्य-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	०	०	०	०	०	१	०
दिन	१५	१०	२७	२४	२८	२५	१०	०	९
घ.	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०	०

सूर्य-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	७	१८	१६	१९	१७	७	२१	६	१०
घ.	२१	५४	४८	५७	५१	२१	०	१८	३०

सूर्य-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	१	१	१	१	०	१	०	०	०
दिन	१८	१३	२१	१५	१८	२४	१६	२७	१८
घ.	३६	१२	१८	५६	५४	०	१२	०	५४

सूर्य-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	१	१	१	०	१	०	०	०	१
दिन	८	१५	२०	१६	१८	१४	२४	१६	१३
घ.	२४	३६	४८	४८	०	२४	०	४८	१२

सूर्य-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	१	१	०	१	०	०	०	१	१
दिन	२४	१८	१९	२७	१७	२८	१९	२१	१५
घ.	९	२७	५७	०	६	३०	५७	१८	३६

सूर्य-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	१	०	१	०	०	०	१	१	१
दिन	१३	१७	२१	१५	२५	१७	१५	१०	१८
घ.	२१	५१	०	१८	३०	५१	५४	४८	२७

सूर्य-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	७	२१	६	१०	७	१८	१६	१९	१७
घ.	२१	०	१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१

सूर्य-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	२	०	१	०	१	१	१	१	०
दिन	०	१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्रमा महादशा १० वर्ष

चन्द्र अन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
मास	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	१	१	१	१	०	१	०
दिन	२५	१७	१५	१०	१७	१२	१७	२०	१५
घ.	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०	०

चन्द्र-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	०	१	०	०	१	०	०
दिन	१२	१	२८	३	२९	१२	५	१०	१७
घ.	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०	३०

चन्द्र-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	२	२	२	२	१	३	०	१	१
दिन	२१	१२	२५	१६	१	०	२७	१५	१
घ.	०	०	३०	३०	३०	३०	०	०	०

चन्द्र-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	२	२	२	०	२	०	१	०	२
दिन	४	१६	८	२८	२०	२४	१०	२८	१२
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	३	२	१	३	०	१	१	२	२
दिन	०	२०	३	५	२८	१७	३	२५	१६
घ.	१५	४५	१५	०	३०	३०	१५	३०	०

चन्द्र-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	२	०	२	०	१	०	२	२	२
दिन	१२	२९	२५	२५	१२	२९	१६	८	२०
घ.	४५	४५	०	०	३०	४५	३०	०	४५

चन्द्र-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	१	०	०	०	१	०	१	०
दिन	१२	५	१०	१७	१२	१	२८	३	२९
घ.	१५	०	३०	३०	१५	३०	०	१५	४५

चन्द्र-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	३	१	१	१	३	२	३	२	१
दिन	१०	०	२०	५	०	२०	५	२५	५
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	१
दिन	९	१५	१०	२७	२४	२८	२५	१०	०
घ.	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०

भौम (मंगल) महादशा ७ वर्ष

भौम अन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
मास	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

भौम-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२२	१९	२३	२०	८	२४	७	१२
घ.	३४	४	३६	१६	५०	३४	३०	२१	१५

भौम-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	१	१	१	१	०	२	०	१	०
दिन	२६	२०	२९	२३	२२	३	१८	१	२२
घ.	४२	२४	५१	३३	३	०	५४	३०	३

भौम-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	१	१	१	०	२	०	०	०	१
दिन	१४	२३	१७	१९	२६	१६	२८	१९	२०
घ.	४८	१२	३६	३६	०	४८	०	३६	२४

भौम-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	२	१	०	२	०	१	०	१	१
दिन	३	२६	२३	६	१९	३	२३	२९	२३
घ.	१०	३१	१७	३०	५७	१५	१७	५१	१२

भौम-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	१	०	१	०	०	०	१	१	१
दिन	२०	२०	२९	१७	२९	२०	२३	१७	२६
घ.	३४	५०	३०	५१	४५	५०	३३	३६	३१

भौम-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२४	७	१२	८	२२	१९	२३	२०
घ.	३५	३०	२१	१५	३५	३	३६	१६	४९

भौम-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	२	०	१	०	२	१	२	१	०
दिन	१०	२१	५	२४	३	२६	६	२९	२४
घ.	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

भौम-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२१
घ.	१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१	२१	०

भौम-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	१	०	१	०	०	१	०
दिन	१७	१२	१	२८	३	२९	१२	५	१०
घ.	३०	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०

राहु महादशा १८ वर्ष

राहु अन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
मास	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

राहु-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	४	४	५	४	१	५	१	२	१
दिन	२५	९	३	१७	२६	१२	१८	२१	२६
घ.	४८	३६	५४	४२	४२	०	३६	०	४२

राहु-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	३	४	४	१	४	१	२	१	४
दिन	२५	१६	२	२०	२४	१३	१२	२०	९
घ.	१२	४८	२४	२४	०	१२	०	२४	३६

राहु-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	५	४	१	५	१	२	१	५	४
दिन	१२	२५	२९	२१	२१	२५	२९	३	१६
घ.	२७	२१	५१	०	१८	३०	५१	५४	४८

राहु-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	५	१	२	१	४	४	४
दिन	१०	२३	३	१५	१६	२३	१७	२	२५
घ.	३	३३	०	५४	३०	३३	४२	२४	२१

राहु-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	२	०	१	०	१	१	१	१
दिन	२२	३	१८	१	२९	२६	२०	२९	२३
घ.	३	०	५४	३०	३	४२	२४	५१	३३

राहु-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	६	१	३	२	५	४	५	५	२
दिन	०	२४	०	३	१२	२४	२१	३	३
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

राहु-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१६	२७	१८	१८	१३	२१	१५	१८	२४
घ.	१२	०	५४	३६	१२	१८	५४	५४	०

राहु-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	१	२	२	२	२	१	३	०
दिन	१५	१	२९	१२	२५	१६	१	०	२७
घ.	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०

राहु-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	१	१	०	२	०	१
दिन	२२	२६	२०	२९	२३	२२	३	१८	१
घ.	३	४२	२४	५१	३३	३	०	५४	३०

गुरु (वृहस्पति) महादशा १६ वर्ष

गुरु अन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
मास	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

गुरु-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	३	४	३	१	४	१	२	१	३
दिन	१२	१	१८	१४	८	८	४	१४	२५
घटी	२४	३६	४८	४८	०	२४	०	४८	१२

गुरु-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	४	४	१	५	१	२	१	४	४
दिन	२४	९	२३	२	१५	१६	२३	१६	१
घटी	२४	१२	१२	०	३६	०	१२	४८	३६

गुरु-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	३	१	४	१	२	१	४	३	४
दिन	२५	१७	१६	१०	८	१७	२	१८	९
घटी	३६	३६	०	४८	०	३६	२४	४८	१२

गुरु-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	१	०	०	०	१	१	१	१
दिन	१९	२६	१६	२८	१०	२०	१४	२३	१७
घटी	३६	०	४८	०	३६	२४	४८	१२	३६

गुरु-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	५	१	२	१	४	४	५	४	१
दिन	१०	१८	२०	२६	२४	८	२	१६	२६
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गुरु-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१४	२४	१६	१३	८	१५	१०	१६	१८
घटी	२४	०	४८	१२	२४	३६	४८	४८	०

गुरु-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	०	२	२	२	२	०	२	०
दिन	१०	२८	१२	४	१६	८	२८	२०	२४
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गुरु-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	१	१	०	१	०	०
दिन	१९	२०	१४	२३	१७	१९	२६	१६	२८
घ.	६	२४	४८	१२	३६	३६	०	४८	०

गुरु-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	४	३	४	४	१	४	१	२	१
दिन	९	२५	१६	२	२०	२४	१३	१२	२०
घ.	३६	१२	४८	२४	२४	०	१२	०	२४

शनि महादशा १९ वर्ष

शनि अन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
मास	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

शनि-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	५	५	२	६	१	३	२	५	४
दिन	२१	३	३	०	२४	०	३	१२	२४
घ.	२८	२५	११	३०	९	१५	११	२७	२४

शनि-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	५	१	२	१	४	४	५
दिन	२७	२६	११	२८	२०	२६	२५	९	३
घ.	१६	३२	३४	२०	४०	३२	२१	२२	२५

शनि-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	२	०	१	०	१	१	२	१
दिन	२३	६	१९	३	२३	२९	२३	३	२६
घ.	२०	३०	४०	५५	२०	५१	१२	४०	३२

शनि-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	६	१	३	२	५	५	६	५	२
दिन	१०	२७	५	६	२१	२	०	११	६
घटी	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

शनि-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१७	२८	१९	२१	१५	२४	१८	१९	२७
घटी	६	३०	५७	१८	३६	९	२७	५७	०

शनि-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	१	२	२	३	२	१	३	०
दिन	१७	३	२५	१६	०	२०	३	५	२८
घटी	३०	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०

शनि-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	२	१	०	२	०	१
दिन	२३	२९	२३	३	२६	२३	६	१९	३
घटी	१७	५१	१२	१०	३१	१७	३०	५७	१५

शनि-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	५	४	५	४	१	५	१	२	१
दिन	३	१६	१२	२५	२९	२१	२१	२५	२९
घटी	५४	४८	२७	२१	५१	०	१८	३०	५१

शनि-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	४	४	४	१	५	१	२	१	४
दिन	१	२४	९	२३	२	१५	१६	२३	१६
घटी	३६	२४	१२	१२	०	३६	०	१२	४८

बुध महादशा १७ वर्ष

बुध अन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
मास	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

बुध-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	४	१	२	१	४	३	४
दिन	२	२०	२४	१३	१२	२०	१०	२५	१७
घटी	४९	३५	३०	२१	१५	३५	३	३६	१६

बुध-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	१	०	०	०	१	१	१	१
दिन	२०	२९	१७	२९	२०	२३	१७	२६	२०
घटी	५०	३०	५१	४५	५०	३३	३६	३१	३४

बुध-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	५	१	२	१	५	४	५	४	१
दिन	२०	२१	२५	२९	३	१६	११	२३	२९
घटी	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

बुध-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१५	२५	१७	१५	१०	१८	१३	१७	२१
घटी	१८	३०	५१	५४	४८	२७	२१	५१	०

बुध-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	०	२	२	२	२	०	२	०
दिन	१२	२९	१६	८	२०	१२	२९	२५	२५
घटी	३०	४५	३०	०	४५	१५	४५	०	३०

बुध-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	१	१	०	१	०	०
दिन	२०	२३	१७	२६	२०	२०	२९	१७	२९
घटी	५०	३३	३६	३१	३४	५०	३०	५१	४५

बुध-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	४	४	४	४	१	५	१	२	१
दिन	१७	२	२५	१०	२३	३	१५	१६	२३
घटी	४२	२४	२१	३	३३	०	५४	३०	३३

बुध-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	३	४	३	१	४	१	२	१	४
दिन	१८	९	२५	१७	१६	१०	८	१७	२
घटी	४८	१२	३६	३६	०	४८	०	३६	२४

बुध-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	५	४	१	५	१	२	१	४	४
दिन	३	१७	२६	११	१८	२०	२६	२५	९
घटी	२५	१६	३२	३०	२७	४५	३२	२१	१२

केतु महादशा ७ वर्ष

केतु अन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
मास	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

केतु-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२४	७	१२	८	२२	१९	२३	२०
घटी	३५	३०	२१	४५	३५	३	३६	१६	४९

केतु-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	२	०	१	०	२	१	२	१	०
दिन	१०	२१	५	२४	३	२६	६	२९	२४
घटी	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

केतु-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२१
घटी	१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१	२१	०

केतु-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	१	०	१	०	०	१	०
दिन	१७	१२	१	२८	३	२९	१२	५	१०
घटी	३०	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०

केतु-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२२	१९	२३	२०	८	२४	७	१२
घटी	३५	३	३६	१६	४९	३५	३०	२१	४५

केतु-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	१	१	१	१	०	२	०	१	०
दिन	२६	२०	२९	२३	२२	३	१८	१	२२
घ.	४२	२४	५१	३३	३	०	५४	३०	३

केतु-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	१	१	१	०	१	०	०	०	१
दिन	१४	२३	१७	१९	२६	१६	२८	१९	२०
घ.	४८	१२	३६	३६	०	४८	०	३६	२४

केतु-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	२	१	०	२	०	१	०	१	१
दिन	३	२६	२३	६	१९	३	२३	२९	२३
घ.	२०	३१	१७	३०	५७	१५	१७	५१	१२

केतु-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	१	०	१	०	०	०	१	१	१
दिन	२०	२०	२९	१७	२९	२०	२३	१७	२६
घ.	३४	५०	३०	५१	४५	५०	३३	३६	३१

शुक्र महादशा २० वर्ष

शुक्र अन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
मास	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	६	२	३	२	६	५	६	५	२
दिन	२०	०	१०	१०	०	१०	१०	२०	१०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	१	०	१	१	१	१	०	२
दिन	१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	१	३	२	३	२	१	३	१
दिन	२०	५	०	२०	५	२५	५	१०	०
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	२	१	२	१	०	२	०	१
दिन	२४	३	२६	६	२९	२४	१०	२१	५
घ.	३०	०	०	३०	३०	३०	०	०	०

शुक्र-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	५	४	५	५	२	६	१	३	२
दिन	१२	२४	२१	३	३	०	२४	०	३
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	४	५	४	१	५	१	२	१	४
दिन	८	२	१६	२६	१०	१८	२०	२६	२४
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	६	५	२	६	१	३	२	५	५
दिन	०	११	६	१०	२७	५	६	२१	२
घ.	३०	३०	३०	०	०	०	३०	०	०

शुक्र-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	५	१	२	१	५	४	५
दिन	२४	२९	२०	२१	२५	२९	३	१६	११
घ.	३०	३०	०	०	०	३०	०	०	३०

शुक्र-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	२	०	१	०	२	१	२	१
दिन	२४	१०	२१	५	२४	३	२६	६	२९
घ.	३०	०	०	०	३०	०	०	३०	३०

ग्रह दशा फल

143

तथा दीप्तादि अवस्था के भेद से भी फल में विशेषता होती है, यथा-दीप्त, स्वस्थ हर्षित और शान्त अवस्था वाले ग्रहों की दशा

ग्रह दशा फल

ग्रह दो प्रकार के हैं एक शुभ और दूसरा अशुभ। अतः प्रथम शुभ और अशुभ ग्रहों का सामान्यतः किस तरह का फल मिलता है यह ध्यान में लाना चाहिए।

शुभ ग्रह दशा फल—आरोग्य, धनवृद्धि, शत्रु पराजय, इष्ट कार्य की सिद्धि, ऐश्वर्य आदि सुख।

अशुभ ग्रह दशा फल—लोकोपवाद, विश्वासघात, द्रव्य हानि, रोग, आप्तवर्ग के सदस्यों की मृत्यु, वियोग और कार्य में हानि आदि।

ग्रह दशा का फल निश्चित करने से पूर्व प्रथम उस ग्रह की स्थिति का विचार नीचे लिखे अनुसार करना चाहिए।

१. ग्रह किस भाव वा राशि में हैं, उच्च अथवा नीच और शुभ अथवा अशुभ भाव में हैं।
२. ग्रह शुभ वा अशुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट हैं अथवा नहीं।
३. महादशा के ग्रह से अन्तर्दशा का ग्रह किस स्थान में है और दोनों परस्पर शुभ योग करते हैं अथवा अशुभ फलदायी हैं।
४. महादशा का स्वामी और अन्तर्दशा का स्वामी परस्पर शत्रु हैं या मित्र और गोचर ग्रह, शत्रु फलदायी हैं अथवा अशुभ फलदायी हैं।

महादशा का स्वामी और अन्तर्दशा का स्वामी परस्पर शत्रु हों तो अधिक अशुभ, मित्र हों तो शुभ, सम हों तो साधारण फल मिलता है। इसी प्रकार जन्म दशा का स्वामी और गोचर ग्रह दोनों अनुकूल हों तो शुभ फल, प्रतिकूल हों तो अशुभ फल और एक अनुकूल दूसरा प्रतिकूल हो तो मध्यम फल मिलता है।

इस तरह प्रत्येक विषय अर्थात् भाग्योदय काल, विद्या, उद्योग व्यापार, नौकरी, धन लाभ आदि का विचार करने से योग्य फल मिल सकता है।

ग्रहों की दशा अन्तर्दशा आदि का फल कहते समय यदि गोचर में शुभ ग्रहों की दृष्टि महादशा, अन्तर्दशा और प्रत्यन्तर्दशा के स्वामियों पर हो तो कुछ अशुभ फलों का नष्ट होना सम्भव है। इसके विपरीत यदि अशुभ ग्रह से इन दशाओं के स्वामी युक्त वा दृष्ट हों अशुभ फल अधिक बढ़ेगा।

इस तरह किसी भी ग्रह का शुभ या अशुभ फल कुंडली के ग्रहों पर से ध्यान में आ सकता है।

१, ४, ७, १० यह केन्द्र स्थान हैं, ५, ९ यह त्रिकोण, ३, ६, ११ यह त्रिषड़ाय स्थान कहलाते हैं और २, ८, १२ आपोक्लिम स्थान कहलाते हैं।

कई आचार्यों के मत से—४, ७, १० केन्द्र, १, ५, ९ त्रिकोण और शेष स्थान ऊपरवत कहे हैं।

दशा फल कहने से पहले ग्रहों के शुभाशुभत्व में विशेषता देखनी चाहिए। ग्रहों में शुभाशुभत्व दो प्रकार से देखना चाहिए। एक तो स्वाभाविक, दूसरा तात्कालिक।

स्वाभाविक शुभाशुभ—सू.मं. शनि नैसर्गिक क्रूर तथा गुरु शुभ नैसर्गिक पूर्ण बली चन्द्रमा शुभ, क्षीण बली पापी होता है तथा राहु केतु सहचर्य से फलप्रद हैं।

और तात्कालिक शुभाशुभ इस प्रकार कहा है, त्रिकोण का स्वामी हो तो शुभ फलदायक होता है और यदि त्रिषड़ाय का स्वामी हो तो पाप फलदायक होता है।

इससे सिद्ध हुआ कि स्वभाविक पाप ग्रह भी त्रिकोणपति हो तो शुभ होता है तथा स्वभाविक शुभ ग्रह यदि त्रिकोणपति हो तो अत्यन्त शुभदायक होता है। इसी प्रकार स्वभाविक शुभ भी यदि त्रिषड़ायपति हो तो पाप फलदायक होता है। तथा स्वभाविक पाप ग्रह त्रिषड़ायपति हो तो अत्यन्त पाप फलदायक होता है।

इसी प्रकार यदि शुभ ग्रह (गुरु, शुक्र, बुध पूर्ण चन्द्र) केन्द्र के अधिपति हों तो प्राणियों को शुभाशुभ फल नहीं देते तथा पाप ग्रह (क्षीणचन्द्र, पापयुत बुध, रवि, शनि, मंगल) यदि केन्द्र के स्वामी हों तो अपने स्वभावानुसार पाप फल नहीं देते। अतः केन्द्र के स्वामी होने से शुभ ग्रह में पापत्व और पापग्रह में शुभत्व आ जाता है। इस से यह स्पष्ट है कि केन्द्राधिप न शुभ फल देता है और न अशुभ फल देता है।

लग्न से द्वादशेष तथा द्वितीयेष दूसरे ग्रहों के साहचर्य से तथा अपने स्थानान्तर (अन्य स्थानों) के अनुसार ही शुभ अथवा अशुभ दशा फल को देते हैं। इससे सिद्ध है कि व्ययेश और धनेष स्वभावानुसार शुभाशुभ फल नहीं देते। जिस प्रकार शुभ या अशुभ स्थान में रहते हैं, तथा जिस प्रकार के शुभ या अशुभ भावेश के साथ रहते हैं, अथवा जिस दूसरे स्थान के स्वामी हों वह राशि जैसी शुभ या अशुभ भाव में हो तदनुसार ही शुभ या अशुभ फल देते हैं। भावार्थ यह है कि द्वितीयेश आदि के साथ जो ग्रह रहता है वह तदनुसार ही फल देता है। यदि बहुत ग्रह साथ में हों तो उनमें जो बली हो तदनुरूप ही फल देता है।

दीप्तादि अवस्था के भेद से भी फल में विशेषता होती है. यथा-दीप्त, स्वस्थ हर्षित और शान्त अवस्था बलि ग्रहों की दशा शुभ और अन्य अवस्था वालों की दशा अशुभ है।

शुभ ग्रहों का केन्द्राधिपत्य दोष जो कहा गया है वह गुरु और शुक्र का बलवान होता है। तथा शुभ ग्रहों के मारकत्व (सप्तमेशत्व) होने पर भी गुरु शुक्र में ही विशेषकर मारकत्व दोष होता है। इन दोनों में न्यून दोष बुध में और बुध से न्यून चन्द्रमा में होता है। अष्टमेष यदि त्रिकोणपति हो तो शुभ फलदायक और यदि त्रिषड़ायपति हो तो अत्यन्त अशुभ फलदायक होगा।

इसी प्रकार यदि पाप ग्रह केन्द्र पति हो तो उसका स्वभाविक पापत्व मात्र नष्ट होता है। अतः केन्द्रपति होकर यदि त्रिकोणपति भी हो जावे तो उसमें शुभत्व आ जाता है। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि स्वभाविक पाप ग्रह यदि केन्द्रपति होकर त्रिषड़ायपति हो तो पापकारक हो जाता है।

प्रबल होने पर भी राहु और केतु जिस भाव में और जिस-जिस भावेश के साथ रहते हैं उसी के अनुसार शुभ या अशुभ फल देते हैं। जैसे कहा है—

यद्यद्भावगतै वाऽपि यद्यदभावेश संयुतै। ततत्फलानि प्रबलौ प्रदर्शितातमौ ग्रहौ॥

योग—केन्द्रेश और त्रिकोणेश में परस्पर सम्बन्ध हो किसी अन्य भाव के स्वामी से यह वास न हो तो विशेषकर शुभ लाभदायक होते हैं।

ग्रहों की दीप्तादि अवस्था

ग्रह अपनी उच्चराशि में हो तो दीप्त अपनी राशि में स्वस्थ, मित्र राशि में हर्षित, शुभ राशि में शान्त, नीच राशि में दीन, शत्रु राशि में पीड़ित, उदय राशि में शक्त, अस्तंगत राशि में लुप्त अवस्था होती है।

ग्रहावस्था फल—दीप्त अवस्था सुस्वरूप, कांतिमान्, बुद्धिमान तीनों में जाने वाला और शत्रु का नाश करने वाला। **स्वस्थ अवस्था**—विजयी, राजपूजित, कीर्तिमान, सदा प्रसन्न, मलकीयत कराने वाला व ज्योतिषी। **हर्षित अवस्था**—धर्मात्मा, सदाचारी। **शान्त अवस्था**—तेजस्वी, शान्त, बंधनमुक्त। **दीन अवस्था**—बुद्धिहीन, पर स्त्री आसक्त। **पीड़ित अवस्था**—चिंता युक्त, मानसिक दुःख, रोगी। **शक्त अवस्था**—निरोगी, सुन्दर, मधुर भाषी, प्रशंसनीय। **लुप्त अवस्था**—अधर्मी, रोगी, शत्रु पीड़ित।

नोट—जन्म समय के ग्रहों की अवस्था के अनुसार प्रत्येक मनुष्य को आजन्म सुख या दुःख मिलता है।

ग्रहों की शान्ति हेतु सप्तवार व्रत विधि

यदि किसी जातक की जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रह की स्थिति हो अथवा अशुभ ग्रह की दशा अन्तर्दशा चल रही हो तो निम्नलिखित विधि अनुसार अनिष्ट ग्रह की शान्ति हेतु व्रत रखने से कल्याण होगा।

रविवार के व्रत की विधि— समस्त कामनाओं की सिद्धि नेत्र रोग और कुष्ठादि चर्म व्याधियों के नाश एवं आयु व सौभाग्य की वृद्धि के लिए रविवार का व्रत किया जाता है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारम्भ करके एक वर्ष पर्यन्त अथवा कम से कम बारह व्रत करें। व्रत के दिन केवल गेहूं की रोटी अथवा गुड़ से बना दलिया घी शक्कर के साथ भक्षण करें। भोजन से पूर्व स्नानान्तर शुद्ध वस्त्र धारण करके **"ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः"** बीज मन्त्र का पाठ पांच माला करें। फिर रविवार कथा पढ़ें। तत्पश्चात् सूर्य को गन्धाक्षत, लाल फूल, दूर्वायुक्त जल से निम्न मंत्र पढ़ते हुए अर्घ्य दें। **नमः सहस्त्रकिरण सर्वव्याधि विनाशन। गृहाणार्घ्य मया दत्तं संज्ञया सहितो रवे॥** फिर प्रदक्षिणा करके लाल चन्दन का तिलक लगाएं। अन्तिम रविवार को हवन के पश्चात् ब्राह्मण दम्पत्ति को भोजन कराकर यथाशक्ति लाल वस्त्र फल पुष्पादि एवं दक्षिणा से प्रसन्न करें।

सोमवार के व्रत की विधि— यह व्रत श्रावण, चैत्र, बैशाख, कार्तिक या मार्गशीर्ष के महीनों के शुक्ल पक्ष के प्रथम सोमवार से प्रारम्भ करें। इस व्रत को पांच वर्ष, चौदह वर्ष अथवा सोलह सोमवार पर्यन्त श्रद्धा के साथ विधिपूर्वक करें। चैत्र शुक्लाष्टमी तिथि आर्द्रा नक्षत्र सोमवार को अथवा श्रावण मास के प्रथम सोमवार को प्रारम्भ करने का विशेष महात्म्य है। व्रतारम्भ करने वाले स्त्री पुरुष को चाहिए कि प्रातःकाल जल में कुछ काले तिल डालकर स्नान करें। स्नानान्तर **"ॐ नमः शिवाय"** आदि शिव मन्त्रों द्वारा तथा श्वेत फूलों, सफेद चन्दन, पंचामृत, अक्षत, सुपारी, फल, गंगाजल, बिल्व पत्रादि से शिव-पार्वती का पूजन करें और पूजनोपरान्त ब्राह्मण को दान दक्षिणा देकर स्वयं भोजन करें। भोजन एक समय नमकरहित होना चाहिये। व्रत का उद्यापन भी उपरोक्त महीनों में करना श्रेयस्कर होता है। उद्यापन में दशमांश जप का हवन करके सफेद पदार्थ, दूध, दही, क्षीर, चांदी सफेद फलों का दान करना चाहिए। यह व्रत करने से मानसिक शान्ति, धन पुत्रादि सुखों की प्राप्ति होती है। सर्व प्रकार के कष्टों की निवृत्ति होती है।

मंगलवार के व्रत की विधि— सर्वप्रकार के सुखों, रक्त विकार, शत्रुदमन, स्वास्थ्य रक्षा, पुत्र प्राप्ति के लिए मंगलवार का व्रत उत्तम है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारम्भ करके २१ सप्ताह तक अथवा यथा शक्ति जीवन पर्यन्त रखें। इस व्रत में गेहूं और गुड़ सहित भोजन करें। भोजन नमक रहित एक समय ही करना चाहिए। इस व्रत से मंगल ग्रह के अरिष्ट दोष भी शान्त हो जाते हैं। व्रत में श्री हनुमान जी की लाल पुष्पों, फलों, ताम्र वर्तन व नारियल द्वारा पूजा व दान करना चाहिए तथा श्री हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। भौम ग्रह की शान्ति के लिए **'ॐ क्रां, क्रीं, क्रौं सः भौमाय नमः'** की ५ मालाएं करनी चाहिए और गुड़, पीले लड्डुओं व लाल वस्त्र दान करना चाहिए।

बुधवार के व्रत की विधि— बुधवार का व्रत बुध ग्रह की शान्ति तथा धन, बुद्धि, विद्या और व्यापार में वृद्धि हेतु किया जाता है। यह व्रत विशाखा नक्षत्र कालीन बुधवार को प्रारम्भ करके सात अथवा हर बुधवार का करें। व्रत के दिन स्नानोपरान्त हरे वस्त्र पहिनकर श्री विष्णु सहस्रनाम का पाठ तथा ग्रह शान्ति के लिए बीजमंत्र **'ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः'** का पाठ करना चाहिए। इस दिन एक समय नमक रहित भोजन, घी, मूंग अथवा मूंग की दाल से बने मिष्ठान्न का दान करें तथा स्वयं भी इन्हीं वस्तुओं का भक्षण करें। अन्तिम बुधवार मधुसर्पी, दधि और घृत के साथ हवन करें और हरे वस्त्र, दो फल और मूंग का दान करें। गाय को हरा घास डालें।

बृहस्पतिवार के व्रत की विधि— यह व्रत गुरु ग्रह की शान्ति तथा वैवाहिक सुखों, विद्या, पुत्र संतान एवं धन प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम गुरुवार को अनुराधा नक्षत्र हो उस दिन से प्रारम्भ करें। यह व्रत १३ मास अथवा सात मास तक रख सकते हैं। व्रत के दिन स्नानोपरान्त पीले वस्त्र, पीला यज्ञोपवीत धारण करके बृहस्पति की पूजा स्वयं अथवा श्रेष्ठ ब्राह्मण द्वारा करवानी चाहिए। पादुका, उपानह, छाता, कमण्डलु रखें, पीले रंग के पुष्प, चने की दाल, पीले कपड़े, पीला चन्दन, हल्दी व पीले चावल, लड्डू आदि का भोग लगाना चाहिए। दान करके ही स्वयं एक समय भोजन करें। नमक का प्रयोग न करें। इस दिन केले के वृक्ष का पूजन शुभ होता है। गुरु शान्ति के लिए **'ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः'** मंत्र की ५ माला का जाप करें। उद्यापन में दशमांश भाग का २८ समिधा व मधु सर्पी, घृत, दधि के साथ हवन करना चाहिए।

शुक्रवार के व्रत की विधि— यह व्रत धन, विवाह, संतानादि भौतिक सुखों को देने वाला है। श्रावण मास के प्रथम शुक्रवार को प्रारम्भ करने से विशेष रूप से लक्ष्मी की कृपा रहती है। व्रत के दिन स्नानोपरान्त सफेद वस्त्र धारण करके श्री लक्ष्मी देवी की धूप, दीप, श्वेत चन्दन, चावल, श्वेत पुष्प, चीनी, सुपारी से पूजा करके बच्चों में श्वेत मिठाई, क्षीर, फलादि बांट दें। ग्रह शान्ति के लिए **'ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः'** की तीन माला का पाठ करें। स्वयं भी एक समय क्षीरादि श्वेत वस्तुओं का सेवन करें। नमक न प्रयोग करें। उद्यापनोपरान्त हवनादि के पश्चात् ब्राह्मण बालकों को क्षीर चावलादि से युक्त भोजन कराने तथा श्वेत वस्त्र, खाण्ड, चावल, चाँदी, फलादि सफेद पदार्थों का दान करें।

शनिवार के व्रत की विधि— यह व्रत शनि ग्रह की अरिष्ट शान्ति तथा जीर्ण रोग, शत्रुभय, आर्थिक संकट, मानसिक संताप का निवारण करता है, धन धान्य और व्यापार में वृद्धि करता है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के शनिवार विशेषकर श्रावण मास लौह निर्मित शनि की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराकर धूप गंध, नीले पुष्प, फल और नैवेद्य आदि से पूजन करें और **'ॐ शं शनैश्चराय नमः'** मंत्र की तीन माला का जाप करें, व्रत के दिन नीले वस्त्र धारण करें। एक वर्तन में शुद्ध जल, काले तिल, नीले पुष्प, लौंग, तेल, गंगाजल, दूध डालकर पश्चिम दिशा की ओर अभिमुख होकर पीपल वृक्ष की जड़ में डाल दें। तत्पश्चात् शिवोपासना करें। १९ शनिवार करने के बाद उद्यापन के समय शनि स्त्रोत का पाठ जूते, जुराब, नीले रंग का वस्त्र, काले माश, चाकू और तेल से निर्मित वस्तुओं का दान किसी वृद्ध ब्राह्मण को दें और स्वयं भी उड़दादि तथा तैल निर्मित पदार्थों का सेवन करें।

राहु की शान्ति के लिए भी शनिवार का व्रत उपरोक्त विधि अनुसार करें। और दान में नारियल, भूरा कम्बल या वस्त्र दें तथा पक्षियों को बाजरा डालना चाहिए। राहु के बीज मंत्र का पाठ करना श्रेयकर होता है।

केतु ग्रह की शान्ति हेतु— केतु के बीज मंत्र **'ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः'** की पांच माला का जाप तथा पूजा मंगलवार के व्रत जैसे करनी चाहिए।

सप्तधान्य (सतनजा)— १ काले माश (उड़द), २. मूंग, गेहूं, चने, जौ, चावल, कंगनी।

अष्टगंध— अगर, तगर, कस्तूरी, कुंकुम, कपूर, चन्दन, लौंग और गोरोचन।

ग्रहा:	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्य:	स्थानांतर	भयं	श्री:	मानभंग	दैत्य	विजय:	मार्ग:गमन	पीड़ा:	सुक नाश	सिद्धि:	धनलाभ	द्रव्यनाश
चन्द्र:	धनलाभ	सन्तोष	सुखं	रोग:	ज्ञानवृ.	धनलाभ	स्त्रीलाभ	रोग:	धर्मलाभ	सौख्यं	धनलाभ	धनहानि
भौम:	शत्रुभय	धनहानि	धनलाभ	शत्रुभी:	पुत्रकष्ट	धनलाभ	स्त्रीकष्ट	शत्रुभय	शत्रुपीड़ा	शोक	धनलाभ	धनहानि
बुध:	सुख	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुखं	स्थानलाभ	पीड़ा	धनलाभ	पीड़ा	सौख्यं	धनलाभ	धनहानि
गुरु:	भयं	धनलाभ	क्लेश	धनलाभ	सुखं	शोक:	राजमान्य	पीड़ा	सौख्यं	दैन्यं	धनलाभ	पीड़ा
शुक्र:	शत्रुनाश	धनलाभ	सौख्यं	धनलाभ	पुत्रलाभ:	शत्रुभय	शोक:	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुख:	धनलाभ	धनलाभ
शनि:	भयं	धनहानि	ऐश्वर्य	शत्रु भी:	पुत्र कष्टं	धनलाभ	दोष:	पीड़ा	धर्मनाश	दौर्मन	धनलाभ	धनलाभ
राहु:	हानि:	धनहानि	धनलाभ	वैरं	शोक:	श्री:	कलह:	मृत्यु	दु:खं	वैरं	सुखं	शोक:
केतु:	रोग:	वैर	सुखं	भयं	सुखं	धनलाभ	कलह:	रोग:	पाप	शोक:	कीर्ति:	शत्रुभय

अथ वर्षकुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रह फलम्

ग्रहा:	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्य:	चिन्ता	नृपभी:	धनलाभ	हानि:	कष्टम्	शत्रुना.	पीड़ा	कष्टम्	धर्म नाश	सुखं	धनलाभ	पीड़ा
चन्द्र:	पीड़ा	धनलाभ	हर्ष:	शत्रुनाश	सुखम्	पीड़ा	कष्टम्	दु:खम्	भाग्योदय	विजय:	धनलाभ	व्यग्र:
भौम:	प्रणा:	धननाश	जय:	व्यसनं	दुर्मति	शत्रुना.	स्त्रीकष्ट	पीड़ा	पुण्योदय	राज्य लाभ	धनलाभ	विरोध
बुध:	सौख्यम्	धनलाभ	सुखम्	द्रव्यलाभ	पुत्रलाभ	कलह	धनलाभ	व्यग्रता	सुखम्	मान लाभ	सुखलाभं	रोग:
गुरु:	सुखम्	धनलाभ	जय:	वाह.लाभ	पुत्र: प्राप्ति	कष्टम्	सुखम्	रोग:	धर्म लाभ	राज्य लाभ	धन लाभ	शोक:
शुक्र:	मानप्रा.	धनप्राप्ति	कीर्तिला	सुख लाभ	धनलाभ	शभु भी:	स्त्रीसुख	कष्टम्	धर्मोदय	मान लाभ	क्षेम लाभ	व्यय
शनि:	बातार्ति	पीड़ा	धनलाभ	दु:खम्	पुत्रपीड़ा	जय:	स्त्रीकष्ट	रोग:	भाग्य हानि	धनहानि	धन लाभ	चिन्ता
राहु:	शिरोर्ति	राजभी:	सुखम्	दु:खम्	बुद्धिनाश	शत्रुना.	रोगभी:	कष्टम्	धर्म हानि	विजय:	सुलाभं	व्याधि
केतु:	चिन्ता	क्लेश:	आरोग्य	राजभी:	दुर्बुद्धि:	सुखम्	क्लेश:	पीड़ा	भाग्य नाश	धन लाभ	लाभ:	शोक:
मुंथा	सुखम्	यशोऽर्थ:	पुष्टि:	दु:खम्	सुखाप्ति:	कष्टम्	व्यसनं	दुखम्	भाग्योदय	राज्य प्राप्ति	लाभ:	कष्टम्

अथ पुरुषजन्म कुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रह फलम्

ग्रहा:	तनु: १	धनं २	भ्रात: ३	सुखं ४	पुत्र: ५	शत्रु: ६	स्त्री ७	मृत्यु: ८	धर्म: ९	कर्म: १०	लाभ: ११	व्यय: १२
सूर्य:	शूर:	धनी	सुखी	दुखी	अपुत्र:	बली	स्त्रीजित्	अल्पायु:	सुखी	शूर:	धनी	पतित:
चन्द्र:	जड़:	कुटुम्बी	क्रूर:	सुशील:	पुत्रवान्	अल्पायु:	ईर्ष्यालु:	रोगी	सुभग:	धीर:	ख्यात:	हीनांग
भौम:	व्रणी:	कुटिल:	विक्रमी	पीड़ित:	अपुत्र:	शत्रुजित्	स्त्रीपीड़ा	रोगी	पापात्मा	सुखी	धनाढ्या	पतित:
बुध:	विद्वान्	धनी	दुर्जन:	सुखी	मंत्री	दु:शील	धर्मज्ञ:	गुणी	पुत्रवान्	विक्रमी	धनी	जड़:
गुरु:	चिरायु:	धनी	कृपण:	सुखी	प्रतापी	कामी	प्रसिद्ध:	अल्पायु:	पुत्रवान्	सुकृति:	धनी	दरिद्र:
शुक्र:	सुखी	धनी	पापी	सुखी	धीमान्	रोगी	क्रोधी	नीच:	प्रतापी	सुमति:	धनाढ्य:	खल:
शनि:	रोगी	वक्ता	विक्रमी	दु:खी	दरिद्र:	सुखी	दु:खी	नेत्ररोगी	सुखी	पराक्रमी	धनी	दु:खी
राहु:	रोगी	विरोधी	विक्रमी	दु:खी	दुर्भग:	बली	अशुचि:	गतायु:	दैन्यं	मानी	ख्यात:	पतित:
केतु:	अल्पायु:	धर्म हानि	शूर:	दु:खी	अपुत्र:	बली	दारहा	क्लेशी	पापी	अधर्मी	धनी	दुर्जन:

अथ स्त्रीजन्म कुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रह फलम्

ग्रहा:	तनु: १	धनं २	भ्राता ३	सुखं ४	पुत्र: ५	शत्रु: ६	पति ७	मृत्यु: ८	धर्म: ९	कर्म १०	लाभ: ११	व्यय: १२
सूर्य:	सक्रोधा	निर्धना	सुपुत्रा	सपीड़ा	अपुत्रा	धनाढ्या	दु:खार्ता	विधवा	धर्मिष्ठा	सती	सधना	सक्रोधा
चन्द्र:	अल्पायु:	सधना	सुखिनी	दुर्भगा	सुपुत्रा	रोगिणी	पति प्रीति	दु:खार्ता	सुखिनी	धन्या	गुणिनी	हीनांगी
भौम:	दु:खार्ता	बन्ध्या	अभ्रातृ	दु:खिनी	अपुत्रा	नीरोगा	विधवा	कुलटा	दु:खिनी	कुपुत्रा	सुधर्मा	दुष्टा
बुध:	सुभगा	धनाढ्या	सुखिनी	सुगृहा	सुबुद्धि:	सक्रोधा	सती	कृतघ्ना	सुधर्मा	सुधर्मा	सुलाभा	कृशांगी
गुरु:	सती	सधना	भ्रातृम.	सुखिनी	साध्वी	सापदा	सुकीर्ति	रोगिणी	पुत्राढ्या	सुभगा	सुरूपा	सद्व्यया
शुक्र:	सुखिनी	सहर्षा	धनाढ्या	सुकीर्ति	सुसुता	दरिद्रा	पतिप्रि.	प्रमत्ता	सुपुण्या	सुकर्मा	सुपुत्रा	सद्व्यया
शनि:	बन्ध्या	निर्धना	दक्षा	हृद्रोगा	अपुत्रा	सुगुणा	विधवा	दु:खार्ता	बन्ध्या	पापा	सुलाभा	मूढ़ा
राहु:	अपुत्रा	दरिद्रा	धनाढ्या	रोगार्ता	अपुत्रा	धनाढ्या	दु:खार्ता	क्लेशिनी	बन्ध्या	कुकर्मा	सुभगा	खला
केतु:	दु:खार्ता	शोकार्ता	रोगाढ्या	मातृहीना	विपुत्रा	धनाढ्या	विधवा	सदु:खा	शोकार्ता	पापा	सुभगा	सरोगा

फलित में परमोपयोगी ग्रह-दृष्ट्यादि विवरण-चक्र

ग्रह और उनके चिह्न	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
ग्रहों की एक-पाद दृष्टि	३-१०	३-१०	३-१०	३-१०	३-१०	३-१०	०	३-१०	३-१०
दो-पाद दृष्टि	५-९	५-९	५-९	५-९	०	५-९	५-९	५-९	५-९
तीन-पाद दृष्टि	४-८	४-८	०	४-८	४-८	४-८	४-८	४-८	४-८
सम्पूर्ण दृष्टि	७	७	४-७-८	७	५-७-९	७	३-७-१०	७	७
नक्षत्र-दृष्टि	५-१५	१५	७-८-१०-१५	९-१२-१५	१०-१५-१९	९-१२-१५	३-५-१५-१९	९-१५	९-१५
मित्र-ग्रह	चं.मं.गु.	र.बु.	र.चं.गु.	र.शु.रा.	र.चं.मं.	बु.श.रा.	बु.शु.रा.	बु.शु.श.	बु.
सम-ग्रह	बु.	मं.गु.शु.श.	शु.श.	मं.गु.श.	श.रा.	मं.गु.	मं.	गु.	×
शत्रु-ग्रह	शु.श.रा.	रा.	बु.रा.	चं.	बु.शु.	र.चं.	र.चं.मं.	र.चं.मं.	×
बलवत्तम भाव	दशम	चतुर्थ	दशम	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	सप्तम	×	×
कारक भाव	१-९-१०	४	३-६	४-१०	२-५-९-१०-११	७	६-८-१०-१२	×	×
उच्चराशि एवं परमोच्चांश	मेष १०°	वृषभ ३°	मकर २८°	कन्या १५°	कर्क ५°	मीन २७°	तुला २०°	मिथु.१५°	धनु१५°
नीचराशि एवं परम नीचांश	तुला १०°	वृश्चिक ३°	कर्क २८°	मीन १५°	मकर ५°	कन्या २७°	मेष २०°	धनु १५°	मिथुन १५°
मूल त्रिकोण राशि, अंश	सिंह २०°	ष४°से ३०°	मेष १८	कं.१६°से२०°	धनु१३°	तुला१०°	कुम्भ २०°	कर्क	मकर
स्वगृह- (राशि)	सिंह	कर्क	मेष वृश्चिक	मि., कन्या	धनु, मीन	वृष, तुला	म. कुम्भ	कन्या	मीन
हर्ष-स्थान	९	३	६	१	११	५	१२	×	×
शत्रु-राशियां	२-६-७-१०-११	६	३-६-६-७	४	२-३-	४-५	१-४-५-८	१-४-५-८	×
स्वगृह से सप्तम (अस्त) राशि	११	१०	२-७	९-१२	३-६	१-८	४-५	१२	६
विंशो. दशा-नक्षत्र व वर्ष	कृ., उ.षा., उ.फा. ६	रो., ह., श्र. १०	मृ., चि., ध. ७	आश्लेषा, ज्ये. रे. १७	पुन. वि., पू. भा. १६	म.पू.फा., पू.षा. २०	पुष्य, अनु., उ.भा. १९	आर्द्रा, स्वा., शत. १८	अश्विनी, भ. मू. ७
ग्रहों के भाग्योदयकारी वर्ष	२२	२४	२८	२	१६	२५	३६	४२	४२
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्यु	नैऋत्यु
कुण्डली-भाव-दिशा	१	५-६	१०	४	२-३	११-१२	७	८-९	८-९
राशि चक्र-परिभ्रमण वर्ष	१	०-०-७४	१-९	०-२	११-९	०-६	२९-५	१८-६	१८-६
मध्यम राशि-भ्रमण-काल	१ मास	२१ दिन	१॥ मास	२५ दिन	१३ मास	२८ दिन	३० मास	१८ मास	१८ मास
नक्षत्र-चार-दिन	१३	१	२०	१०	१७३	१२	४००	२४०	२४०
नक्षत्र-पाद (नवांश) चार-दिन	३½	½	५	२½	४३	३	१००	६०	६०
मध्यम दिनगति, कला, विकला	५९'-८"	७९०'-३५"	३१'-२७"	५९'-८"	४'-५९"	५९'-८"	२'-०"	३'-११"	३'-११"
शीघ्र गति, कला, विकला	६०'-४"	८२३'-४८"	३९'-१"	१०४'-४६"	१२'-२२"	७३'-४३"	५'-२७"	×	×
परमशीघ्र गति (अतिचारी)	६१'	८५७'	४६'-११"	११३'-३२"-	१४'-४"	७५'-४२"	७'-४५"	×	×
अतिचार-दिन (स्थूल)	×	×	१५	१०	४५	१०	१८०	×	×
सन् ८३ का मध्यम शर (विक्षेप) नव्य मत	×	५°-८'-४३".४३	१°५०'-५९".४	७°-०'-१५".९	१°-१८'-१४".४	३°-२३'-४०".१	२°-२९'-२१".३	×	×
गोचर से निंद्य	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२
गोचर से पूज्य	१-२-५-७-९	२-५-९	१-२-५-७-९	१-३-५-७-९	१-३-६-१०	५-६-७-१०	१-२-५-७-९	१-२-५-७-९	१-२-५-७-९
गोचर से शुद्ध	३-६-१०-११	१-३-६-७-१०-११	३-६-१०-११-	२-६-१०-११	२-५-७-९-११	१-२-३-९-११	३-६-१०-११	३-६-१०-११	३-६-१०-११
अनुक्रम से वेध स्थान	९-१२-४-५ शनि वर्जित	५-९-१२-२-४-८ बुध वर्जित	१२-९-१०-५	५-१-८-१२ चन्द्र वर्जित	१२-४-३-१०-८	८-७-१-११-३	१२-९-१०-५ सूर्य वर्जित	१२-९-१०-५	१२-९-१०-५

टिप्पणी — चन्द्रमा शुक्लपक्ष में २,५,९वें स्थानों में भी शुभ होता है, यदि क्रमशः ६,८,४ स्थान में बुध के सिवा अन्य ग्रह न हों। ...

१. मूंग
२. हरितवस्त्र
३. सुवर्ण
४. कांस्य
५. मृगमद
६. आज्य
७. पंचरत्न
८. दासी
९. हस्तिदंत

ईशान्यांबाणाकारमंडल अं. ४ मगधदेश आत्रेयसगोत्र पीतवर्ण कन्यामिथुन को स्वामी जप ४०००

१. [illegible]
२. श्वेताश्व
३. धनु
४. हीरा
५. रौप्य
६. सुवर्ण
७. तंदुल
८. सुगंध
९. धृत

शुक्र

पूर्वे पचकोणमंडल वृषतुलाक स्वामी भोजकूट देश भार्गवसगोत्र श्वेतवर्ण जप १६०००

१. [illegible]
२. तंदुल
३. कर्पूर
४. मौक्तिक
५. श्वेतवस्त्र
६. वृषभ
७. रौप्य
८. घृतकुंभ
९. शंख

चंद्र
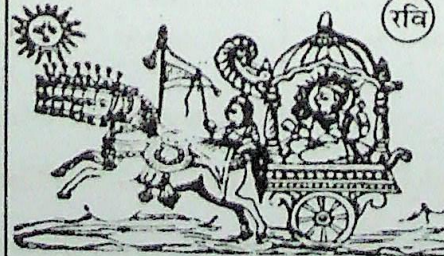
आग्नेयां चतुरस्त्रमंडल अं. ४ यमुनातीर देश आत्रेयसगोत्र श्वेतवर्ण कर्कको स्वामी जप १६०००

१. अश्व
२. शर्करा
३. हलद
४. पीतधान्य
५. पीतवस्त्र
६. पुष्पराग
७. लवण
८. कांचन

गुरु

उ. दाधचतुरस्त्रमंडल अगुल ६ सिंधुदशाद्भव आंगिरसगोत्र पी. व. धनु मीन का स्वामी जप १९०००

१. माणिक
२. गेहूं
३. धेनु
४. कुसुंभ
५. गुड़
६. ताम्र
७. रक्तवस्त्र
८. रक्तपुष्प
९. सुवर्ण

रवि

मध्यवतुलमंडल अ. १२ कलिंगदशाद्भव काश्यपस गोत्र रक्तवर्ण सिंह को स्वामी जप ७०००

१. प्रस्त्रल
२. गेहूं
३. मसूर
४. ताम्रवस्त्र
५. गुड़
६. सुवर्ण
७. ताम्र
८. कणेर
९. वृषभ

मंगल

द. त्रिकोणमंडल अं. ३ अवंतीदेशद्भव भारद्वाजसगोत्र रक्तवर्ण वृश्चिकमेषे को स्वा. जप १००००

१. वैडूर्य
२. तिल
३. कंबल
४. कस्तूरी
५. शस्त्र
६. कृष्णवस्त्र
७. तैल
८. कृष्णपुष्प
९. छाग
१०. लाहपात्र

केतु

वाय. ध्वजाकारमंडल केतु अंगलु ६ अवंतिदेश जैमिनिसगोत्र धूम्रवर्ण जप १७०००

१. माष
२. तिल
३. तैल
४. कुलित्थ
५. महिषी
६. लोह
७. कृष्णागौ
८. इंद्रनील
९. श्यामवस्त्र

शनि

प. धनुर कारमंडल अं. २ सौराष्ट्र देश काश्यपस गोत्र मकरकुंभको स्वा. कृ. व. जप २३०००

१. गोमेदरत्न
२. अश्व
३. नीलवस्त्र
४. कंबल
५. तिल
६. तैल
७. लोह
८. अंभ्रक

राहु

नैर्ऋत्या शूर्पाकारमंडल अं. १२ काश्मीरदेश पठानसगोत्र कष्णवर्ण जप १८०००

ग्रहाः	गोचराद्येर्दशाक्रमाद्यैर्ग्रहकृतानिष्टफलशमनार्थं प्रत्येकग्रहाणां दानपदार्थाः											जप सं.	जपनीय मंत्राः	समय	समिधः
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूं	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तपुष्प	केसर	मूंगा	रक्त गौ	रक्तचंदन	७०००	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	सु. उ.	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दही	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	शंख	कपूर	श्वेत बैल	श्वेतचंदन	११०००	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः	संध्या	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तकनेर	केसर	कस्तूरी	रक्त बैल	रक्तचंदन	१००००	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	घ. २	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खांड	घी	हरावस्त्र	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कपूर	शस्त्र	फल	९०००	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	घ. ५	अपामार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दालचणे	खांड	घी	पीतवस्त्र	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतफल	१९०००	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः	संध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दूध	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वेत घोड़ा	श्वेतचंदन	१६०००	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	सू. उ.	उदुम्बर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णवस्त्र	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्ण गौ	भैंस	उपानह	२३०००	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	संध्या	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	नीलवस्त्र	कृष्णपुष्प	खड़ग	कंबल	घोड़ा	शूर्प	१८०००	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	रात्रौ	दूर्वा
केतु	लसनी	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तधान्य	तेल	धूम्रवस्त्र	धूम्रपुष्प	नारियल	केबल	बकरा	शस्त्र	१७०००	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	रात्रौ	कुशा
मुन्था	मोती	सुवर्ण	कांसी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	कपूर	मिसरी	श्वेतचंदन	हाथीदांत	मुंथेशवत्	मुन्थेश मन्त्र	मुन्थेशकाले	

अथ ग्रहाणां विंशोत्तरी महादशायामन्तर्दशाज्ञानाय चक्रमिदम्

सूर्य दशा वर्ष ६				चन्द्र दशा वर्ष १०				भौम दशा वर्ष ७			
कृ. उ.फा. उ.षा. तन्मध्येऽन्तरम्				रो. ह. श्रवण तन्मध्येऽन्तरम्				मृ. चि. ध. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
र	०	३	१८	चं	०	१०	०	मं	०	४	२७
चं	०	६	०	मं	०	७	०	रा	१	०	१८
मं	०	४	६	रा	१	६	०	बृ	०	११	६
रा	०	१०	२४	बृ	१	४	०	श	१	१	९
बृ	०	९	१८	श	१	७	०	बु	०	११	२७
श	०	११	१२	बु	१	५	०	के	०	४	२७
बु	०	१०	६	के	०	७	०	शु	१	२	०
के	०	४	६	शु	१	८	०	र	०	४	६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

राहु दशा वर्ष १८				गुरु दशा वर्ष १६				शनि दशा वर्ष १९			
आर्द्रा स्वा. श. तन्मध्येऽन्तरम्				पुन. वि. पू.भा. तन्मध्येऽन्तरम्				पु. अनु. उ.भा. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
रा	२	८	१२	बृ	२	१	१८	श	३	०	३
बृ	२	४	२४	श	२	६	१२	बु	२	८	९
श	२	१०	६	बु	२	३	६	के	१	१	९
बु	२	६	१८	के	०	११	६	शु	३	२	०
के	१	०	१८	शु	२	८	०	र	०	११	१२
शु	३	०	०	र	०	९	१८	चं	१	७	०
र	०	१०	२४	चं	१	४	०	मं	१	१	९
चं	१	६	०	मं	०	११	६	रा	२	१०	६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

बुध दशा वर्ष १७				केतु दशा वर्ष ७				शुक्र दशा वर्ष २०			
अश्ले. ज्ये. रे. तन्मध्येऽन्तरम्				म. मू. अश्वि . तन्मध्येऽन्तरम्				पू.फा. पू.षा. भ. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
बु	२	४	२७	के	०	४	२७	शु.	३	४	०
के	०	११	२७	शु	१	२	०	र	१	०	०
शु	२	५०	०	र	०	४	६	चं	१	८	०
र	०	१०	६	चं	०	७	०	मं	१	२	०
चं	१	५	०	मं	०	४	२७	रा	३	०	०
मं	०	११	२७	रा	१	०	१८	बृ	२	८	०
रा	२	६	१८	बृ	०	११	६	श	३	२	०
बृ	२	३	६	श	१	१	९	बु	२	१०	०
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

जन्म राशि से ग्रहों के गोचर-फल

भाव	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु

जन्म राशि से ग्रहों के गोचर-फल

भाव	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहू	केतु
प्रथम	स्थान नाश: पन्था:	अन्नलाभ: पुष्टि:	भयं, पीड़ा च	बन्धनं	अरिष्टादि भयं	शत्रु नाश: सुखम्	पीड़ा भयं सर्वनाश:	कष्टम् हानि:	हानि रोगभयं
द्वितीय	हानि: भयं	धनलाभ: सुखं	धन नाश:	धन लाभ:	धनादि लाभ:	अर्थ लाभ: सुखं	धन हानि: शोक:	व्यञ्च नै:स्वं	वित्तनाश: वैरी भयं
तृतीय	सुखं श्रीप्राप्ति:	द्रव्याप्ति: सुखं	श्रीप्राप्ति: सुखम्	शत्रुतो भयम्	रोगाप्ति: भयम्	अर्थ लाभ: सुखं	अर्थ लाभ: सुखं	धन प्राप्ति नैरूज्यं	वृद्धि: सुखलाभ:
चतुर्थ	माननाश: रोगभयं	रोगदानार्थ सिद्धि:	कष्टम्	वित्तलाभ: सुखं	धन हानि व्ययम्	धनागम:	शत्रुवृद्धि: पीड़ा भयं	शोकश्च वैरं	पीड़ा च भीति:
पंचम्	हानि दैन्यं	कार्यनाश:	धन नाश: रुग्भयं	रुक् शोकश्च	लाभ: सुखंच	पुत्र लाभ:	धनुपुत्रयोर्नाश:	हानि: शोकश्च	शोक, अर्थनाश:
षष्ठ	रिपुनाश: सुखं	वित्तलाभ:	सुखम् अर्थलाभ:	अलाभ: स्थिति	रोग: शोकाश्च	शत्रु वृद्धि, पीडाच	सुखं वित्तलाभ:	लक्ष्मीप्राप्ति: सुखं	धन लाभ: सुखं
सप्तम्	गमनं धनहानि:	द्रव्य प्राप्ति: सुखम्	धन नाश:	विग्रह पीड़ा भयं	सम्मान सुखं च	शोक: अतिभयं	दोष पीड़ाभयं	कलह: हानि:	दुर्गति: पीड़ा च
अष्टम्	रोगाप्ति: भयम्	मृत्यु क्लेशभयम्	पापवृद्धि भयम्	धनान्नादि लाभ:	मत्युभयं पीड़ा च	विपत्ति: धनक्षय:	शत्रु वृद्धि रोग:	मृत्यु भयं	हानि, पीड़ाभयं
नवम्	पापवृद्धि: कान्तिक्षय	राजभयम्	रोगभयम्	धननाश: रूग्भयम्	सुख सम्मानम्	सुखं लाभ:	पापं धननाश:	पाप कर्मरति:	पापदैन्यञ्च
दशम्	सौख्यं कर्मसिद्धि:	शुभम् सुखम्	शोक:	सुख सुखभोग:	दैन्यम्	धर्म लाभ:	वैमत्यम्	वैरी सुखं	शोकश्च भयं
एकादश	वित्ताप्ति: सुखं	विविधार्थ लाभ:	लाभ: सुखप्राप्ति:	शुभ अर्थागम:	सौख्य प्राप्ति:	दुखं धनागम:	सुख वित्तलाभ:	वित्तलाभ: सुखं	अर्थलाभ: सुयशो
द्वादश	द्रव्यनाश: पीड़ा	रोग: धन नाश:	रोग: शोकश्च	शोक: धन नाश:	देहे पीड़ा भयं	धनागम:	क्लेशम् अनर्थश्च	पीड़ा च हानि:	वैरश्च पीड़ा

घात चक्र

(प्रवास, राज्याधिकारी से मिलने, यात्रा आदि में घात चक्र वर्ज्य करें लेकिन विवाहादि मंगल कार्यों में नहीं)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
घात मास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद
तिथि	१।६।११	५।१०।१५	२।७।१२	२।७।१२	३।८।१३	५।१०।१५
वार	रवि	शनि	सोम	बुध	शनि	शनि
नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनुराधा	मूल	श्रवण
योग	विष्कुम्भ	शुक्ल	परिघ	व्याघात	धृति	शूल
करण	बव	शकुनि	चतुष्पद	नाग	बव	कौलव
लग्न	मेष	मिथुन	कन्या	मकर	वृष	सिंह
प्रहर	१	४	३	१	१	१
चन्द्र (पु.)	मेष	कन्या	कुम्भ	सिंह	मकर	मिथुन
चन्द्र (स्त्री)	मेष	धनु	धनु	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
घात मास	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
तिथि	४।९।१४	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	३।८।१३	५।१०।१५
वार	बृहस्पति	शुक्र	शुक्र	मंगल	बृहस्पति	शुक्र
नक्षत्र	शतभिषा	रेवती	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
योग	शूल	व्यतिपात	वरीयान	वैधृति	गण्ड	वैधृति
करण	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनि	किंस्तुघ्न	चतुष्पद
लग्न	मीन	मिथुन	सिंह	वृश्चिक	मेष	कर्क
प्रहर	४	१	१	४	३	४
चन्द्र (पु.)	धनु	वृषभ	मीन	सिंह	धनु	कुम्भ
चन्द्र (स्त्री)	मीन	धनु	कन्या	वृश्चिक	मिथुन	कुम्भ

मुहूर्तादि कार्येषु शुभाशुभ समय विचार

सूर्यादि वारों में कृत्य

रविवार में कृत्य— राजाभिषेकोत्सवयान-सेवा-गोवह्निमन्त्रौषधिशस्त्रकर्म।
सुवर्णताम्रौर्णिकचर्मकाष्ठसंग्रामपण्यादिखौ विदध्यात्॥

राज्याभिषेक, उत्सव (गाना बजाना), नई सवारी (वायुयान आदि) पर चढ़ना, यात्रा, नौकरी, गाय, बैल आदि पशु क्रय-विक्रय, अग्नि सम्बन्धी कर्म (हवन यज्ञादि), मन्त्रोपदेश, औषधि निर्माण और सेवन, अस्त्र-शस्त्र व्यवहार (युद्धादि), सोना, तांबा, ऊन-काष्ठ सम्बन्धी कार्य, युद्ध और व्यापार सम्बन्धी सब कार्य रविवार में करने चाहिए।

सोमवार में कृत्य— शंखाब्जमुक्तारजतेक्षुभोज्य स्त्रीवृक्ष कृष्यम्बु विभूषणानि।
गीतक्रतुक्षीर विकारशृङ्गी पुष्पाक्षरारम्भणमिन्दुवारे॥

शंख आदि जलोत्पन्न वस्तु, मुक्ता, चांदी, ऊखरस से उत्पन्न गुड़, चीनी आदि भोज्य पदार्थ, स्त्री-प्रसंग, वृक्ष (बीज) रोपणादि, कृषि कर्म, जल सम्बन्धी कार्य (नहर निकालना, तालाब, कुआं बनाना आदि) वस्त्राभूषण धारण, गीत-नृत्य, यज्ञादि कर्म, दूध, दही, घृत, बर्फ सम्बन्धी, पशु सम्बन्धी, पुष्प तथा अक्षरारम्भ (विद्याध्ययन) सम्बन्धी सभी कार्य सोमवार में करने चाहिए।

मंगलवार में कृत्य— भेदानृतस्तेयविषाग्निशस्त्रवधानि-धाताहवशाठ्यदम्भात्।
सेनानिवेशाकरधातुहेम प्रबालकार्यादि कुजे हि कुर्यात्॥

चुगलखोरी, चोरी, विष सम्बन्धी, अग्नि सम्बन्धी, शस्त्रघात, बन्धन, संग्राम (लड़ाई शुरू), शठता, दम्भ-पाखण्ड, सेना सम्बन्धी, खान धातु सोना तथा मूंगा आदि सम्बन्धी सभी कार्य मंगलवार में करने चाहिए।

बुधवार में कृत्य— नैपुण्य-पण्याध्ययनं कलाश्च-शिल्पादि सेवालिपिलेखनानि।
धातुक्रिया काञ्चनयुक्तिसन्धि-व्यायामवादाश्च बुधेविधेयाः॥

ट्रेनिंग, व्यापार, अध्ययन, कला कौशल, शिल्प, खेलकूद, चित्रकारी, धातु सम्बन्धी सोना, कांसा, पीतल आदि, सन्धि समझौता, व्यायाम, वाद-विवाद, नौकरी प्रवेशादि कार्य बुधवार में करने चाहिए।

गुरुवार में कृत्य— धर्मक्रिया पौष्टिककर्म यज्ञ-माङ्गल्यहेमाम्बरवेश्मयात्राः।
रथाश्वभैषज्यविभूषणाद्यं कार्यं विदध्यात् सुरमन्त्रिणोऽह्नि॥

धर्मानुष्ठानादि कर्म, पौष्टिक (स्वास्थ्य), यज्ञ, विद्याध्ययन, मंगलोत्सव, सोना सम्बन्धी गृहकर्म, वस्त्राभूषण, यात्रा, रथ, घोड़ा, गाड़ी, कार, मोटर, वायुयान आदि सवारी सम्बन्धी कार्य, औषधि-आभूषण का निर्माण व प्रयोग सभी शुभ काम गुरुवार में करने चाहिए।

शुक्रवार में कृत्य— स्त्रीगीतशय्यामणिरत्नगन्धं वस्त्रोत्सवालंकरणादि कर्म।
भूषण्यगोकोश-कृषिक्रियाश्च सिद्ध्यन्तिशुक्रस्यदिने समस्तम्॥

स्त्री सम्बन्धी, शय्या, मणि, रत्न, सुगन्ध,वस्त्र, उत्सव, आभूषण, भूमि, व्यापार, गोसम्बन्धी, कृषि कर्म, जमीन, जायदाद तथा भण्डार (संग्रह) से सम्बन्धित सभी कार्य शुक्रवार में करने चाहिए।

शनिवार में कृत्य— लोहाश्मसीसत्रपुरस्त्रदास्य पापानृतस्तेयविषासवाद्यम्।
गृह प्रवेशो द्विपबन्ध-दीक्षा-स्थिरं च कर्मार्कसुतेहि कुर्यात्॥

लोहा, पत्थर, सीसा, रांगा सम्बन्धी कर्म, अस्त्र-शस्त्र, नौकरी या नौकर रखना, पाप कर्म, चोरी, मिथ्यालाप, विषाक्त कर्म, आसव निर्माण व प्रयोग, गृह प्रवेश, हाथी को बांधना, अन्य पशु को सिखाना, दीक्षा (मन्त्र ग्रहण) आदि स्थिर कर्म शनिवार में करने चाहिए।

समस्त शुभ कार्यों में त्याज्य

१. जन्म नक्षत्र, जन्म तिथि, जन्म मास, श्राद्ध दिवस (माता-पिता का मृत्यु दिन), चित्त भंग, रोग या कोई उत्पादित। २. क्षय तिथि, वृद्धि तिथि, क्षय मास, अधिक मास, क्षय वर्ष, दग्धा तिथि, अमावस्या। ३. विष्कुम्भ योग की प्रथम पांच घटिकायें, परिघि योग का पूर्वार्द्ध, शूल योग की प्रम ७ घटिकायें, गण्ड और अतिगण्ड की ६ घटिकायें एवं व्याघात योग की प्रथम आठ घटिकाएं, हर्षण और वज्र योग की नौ घटिकाएं, व्यतिपात और वैधृति योग समस्त शुभ कार्यों में त्याज्य हैं। मतान्तर से विषकुम्भ की तीन, शूल की पांच, गण्ड और अतिगण्ड की सात, व्याघात व वज्र की ९ घटिकाएं शुभ कार्यों में त्याज्य हैं। ४. महापात का समय में भी कार्य न करें। ५. तिथि, नक्षत्र और लग्न इन तीनों प्रकार का गण्डान्त समय। ६. भद्रा (विष्टीकरण)। ७. तिथि नक्षत्र तथा दिन के परस्पर बने कई दुष्ट योग जैसे सप्तमी+अश्विनी+मंगल, पंचमी+हस्त+रवि, छठ+मृगशिर+सोम, अष्टमी+अनुराधा+बुध, नौमी+पुष्य+गुरु, दशमी+रेवती+शुक्र, एकादशी+रोहिणी+शनि आदि योगों को शुभ कार्य में त्याज्य करना चाहिए। ८. पाप ग्रह युक्त, पाप भुक्त और पाप ग्रह विद्ध नक्षत्र एवं नक्षत्रों की विष संज्ञक घटिकायें। ९. पाप ग्रह युक्त चन्द्र, पाप युक्त लग्न का नवांश। १०. जन्म राशि, जन्म लग्न से अष्टम लग्न। दुष्ट स्थान ४, ८, १२ का चन्द्र, क्षीण चन्द्र वर्जित है। ११. लग्नेश ६, ८, १२ न हो, जन्मेश और लग्नेश अस्त नहीं हो, पाप ग्रहों का कर्तरी योग भी वर्जित है। १३. मासान्त दिन, सभी नक्षत्रों के आदि की २ घटिका, तिथि के अन्त की एक घटी और लग्न के अन्त की आधी घड़ी शुभ कार्यों में वर्जित करें। १४. जिस नक्षत्र में ग्रहण या पापी ग्रहों का युद्ध हुआ हो वह नक्षत्र शुभ कार्यों में ६ महीने तक नहीं लेना चाहिए (ग्रहों के एक राशि अंश कलादि सम होने पर ग्रह युद्ध कहा है)। १५. ग्रहण के पहले ३ दिन और बाद के ६ दिन वर्जित, ग्रहण नक्षत्र वर्जित, ग्रहण खग्रास हो तो वह नक्षत्र ६ मास, आधे में ३ मास, चौथाई ग्रहण में १ मास, उदयोदय और अस्तास्त में ३ दिन पहले और ३ दिन पीछे कोई शुभ कार्य न करें। १६. गुरु-शुक्र का अस्त, बाल्य, वृद्धत्व, गुर्वादित्य समय भी शुभ कार्यों में त्याज्य कहे हैं। बाल्य और वृद्धत्व के ३ दिन वर्जनीय हैं। १७. कृष्ण पक्ष १४ का चन्द्र वार्द्धिक्य, अमावस का अस्त, शुक्ल एकम् के बाल्य चन्द्र के समय में भी शुभ काम न करें।

सामान्य रूप से दिन शुद्धि

१. दोनों पक्षों की २, ३, ४, ७, १०, १२, १५, कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तथा शुक्ला की १३ तिथि शुभ हैं। परन्तु तिथि-क्षय-वृद्धि त्याज्य हैं। २. शुभवार-सोम, बुध, गुरु और शुक्र शुभ हैं। ३. बव, बालव, कौलव, तैतिल, गर और वणिज करण शुभ हैं। ४. अश्विनी,

रोहिणी, मृगशिर, पुनर्वसु, तीनों उत्तरा, हस्त, चि[illegible] स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा और रेवती नक्षत्र शुभ हैं। ५. योगों का वर्णन किया है उनका शुभ कार्यों में त्याज्य करना चाहिए। ६. तारा-जन्म नक्षत्र से इष्टकालीन नक्षत्र तक की संख्या को ९ से भाग दें। शेष १, २, ४, ६, ८ या ० रहे तारा शुद्ध जानो यदि ३, ५, ७ शेष रहे तो तारा अशुभ जानो। शुक्ल पक्ष में चन्द्र बल व कृष्ण पक्ष में तारा बल विशेष महत्व रखता है। ७. चन्द्र बल-क्षीण-वार्द्धक्य, अस्त, बाल्य, पाप ग्रह युक्त विशेष रूप से शुभ कार्यों में वर्जित करें। राशि अनुसार जन्म राशि १, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११वीं राशि का चन्द्र शुभ होता है। ४, ८, १२ राशि का चन्द्रमा हर प्रकार से नेष्ट माना गया है। मुहूर्त प्रकाश में लिखा है—यदि लग्न शुभ ग्रहों और संपूर्ण गुणों से युक्त हो परन्तु १२, ८, ६ भाव में चन्द्र हो तो अशुभ ही जानो। लग्न में गुरु-शुक्र तथा चन्द्र अपनी उच्च राशि ४ या नीच राशि ८ अथवा मित्र राशि या शत्रु के घर में हो और सम्पूर्ण गुणों सहित लग्न हो परन्तु पाप ग्रह युक्त चन्द्रमा हो तो दोष कारक ही होता है। इसलिए चन्द्र को सभी प्रकार से देखना चाहिए। ८. पाप ग्रह १२, ८, १ इन जगह में तथा ६ में शुभ ग्रह और पाप ग्रह केन्द्र १, ४, ७, १० त्रिकोण ९, ५ में अशुभ होते हैं और सौम्य ग्रह केन्द्र व त्रिकोण में और पाप ग्रह ३, ६, ११ भावों में और सम्पूर्ण ग्रह ११ भाव में श्रेष्ठ होते हैं। यदि केन्द्र या त्रिकोण में स्थित पाप ग्रहों पर बुध, बृहस्पति या शुक्र की पूर्ण दृष्टि हो। यदि केन्द्र या त्रिकोण में स्थित बुध शुक्र या गुरु की दृष्टि पाप ग्रहों पर हो तो पाप ग्रहों का फल शुभ हो जाता है। **विशेष**—चर लग्न, चर नवाँश तथा राशि स्थित चन्द्रमा ये तीनों चर शुभ कार्यों में वर्जित करें। शास्त्रों में लिखा है कि तिथि का १ गुण, नक्षत्र का ४, वार का ८, करण का १६, योग का ३२, तारा का ६०, चन्द्रमा का १०० और लग्न का १ करोड़ गुण होता है। अत: गुण व दोष इन दोनों के तारतम्य से विद्वानों को विचार कर मुहूर्त करना चाहिए। क्योंकि गुण सैकड़ों दोषों का विनाश करता है तो कहीं पर एक दोष ही असंख्य गुणों को नष्ट करता है। इसलिए शुभ-अशुभ का न्यूनाधिक देखकर ही मुहूर्त्त विचारने चाहिए।

हमारे नित्य दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण लिखा-पढ़ी, राजकीय या व्यापारिक कन्ट्रैक्ट, भेंट-मुलाकात, आवेदन या नवीन टेण्डर, नवीन मुलाकात द्वारा कार्य सिद्धि, नवीन विषय पर लेखन कार्य प्रारम्भ आदि अनेकानेक महत्वपूर्ण कार्य हमारे दैनिक जीवन में आते हैं जिसके लिए हम शुभ मुहूर्त चाहते हैं। पर यथा शीघ्र सर्वाङ्ग शुद्ध मुहूर्त्त की प्रतीक्षा में अधिक दिन तक नहीं रुक सकते अत: हम अपने प्रिय पाठकों के लिए वार-तिथि-नक्षत्र-योग अनुसार सुयोग व कुयोग मुहूर्त्तों की सारिणी दे रहे हैं। इस सारिणी की सहायता से सरलतापूर्वक शीघ्र ही शुभा-शुभ काल ज्ञात करके अपना कार्य आरम्भ कर सकते हैं।

योग	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग तिथि	[illegible]	[illegible]	[illegible]१३	२-७-१२	५-१०-१५	१-६-११	४-९-१४
दग्धा तिथि	१२	११	५	३	६	८	९
हुताशन तिथि	१२	६	७	८	९	१०	११
विषाख्या तिथि	४	६	७	२	८	९	७
अधम तिथि	७, १२	११	१०	१, ९	८	७	६
वर्जित तिथि नक्षत्र	५ हस्त	६ मृग	७ अश्विनी	८ अनु.	९ पुष्य	१० रेवती	११ रोहि.
मृत्यु योग तिथि	१-६-११	२-७-१२	१-६-११	३-८-१३	४-९-१४	२-७-१२	५-१०-१५
क्रकच तिथि	१२	११	१०	९	८	७	६
उत्पात नक्षत्र	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.
मृत्यु योग नक्षत्र	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिर	आश्लेषा	हस्त
काण योग	ज्येष्ठा	अभिजित्	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा
दग्धा योग	भरणी	चित्रा	उ.षा.	धनिष्ठा	उ.फा.	ज्येष्ठा	रेवती
यम घंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
मुसल योग	अभिजित्	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा
काल दण्ड	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित्	पू.भा.
वज्र	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उत्तराषाढ़	शतभिषा	अश्विनी	मृग.
राक्षस योग	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिर	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.
ध्वांक्ष	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित्	पू.भा.	भरणी
धूम्र	कृत्तिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाति	मूल	श्रवण	उ.भा.
गद	श्रवण	उ.भा.	कृत्तिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाति	मूल
आनन्द	अश्विनी	मृगशिर	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा
श्रीवत्स	पुष्य	उ.फा.	विशाखा	पूर्वाषाढ़	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी
सौम्य	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी
छत्र	पू.फा.	स्वाति	मूल	श्रवण	[illegible].भा.	कृत्तिका	पुनर्वसु
शुभ	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.	विशाखा
अमृत	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिर	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा
मित्र	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य
सिद्ध योग	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृत्तिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाति
अमृत सिद्धि	हस्त	श्रवण	अश्विनी	अनुराधा	पुष्य	रेवती	रोहिणी
सर्वार्थ सिद्धि	हस्त, मूल ३ उ., पु., अश्विन	श्र.रो.मृ. पुष्य, अनुराधा	अश्विनी उ.भा., कृत्ति., अश्ले.	रोहिणी अनु., हस्त कृत्ति., मृग.	रेव., अनु., अश्वि., पुन. पुष्य	रेव. अनु., अश्वि., पुन., श्रव.	श्रवण रोहिणी स्वाति
दुष्ट तिथि	१, ३, ७	२-११	३-९-१२	७-९-११	—	—	११-१३

सर्वार्थ सिद्धि के साथ दुष्ट तिथि पड़ जाये तो ये योग दूषित हो जाता है। ऐसे ही अमृत सिद्धि में लिखा है। यदि यमदंष्ट्रा राक्षस आदि कुयोग में साथ ही कोई सुयोग सर्वार्थ आदि भी पड़े तो बुरे के बजाय शुभ फल देगा। अत: कार्यारम्भ शुभ रहता है। वैसे तत्कालीन लग्न शुद्धि कुयोगों का नाश कर सुयोग को अपना शुभ फल प्रदान करने की शक्ति रखती है।

विविध मुहूर्त्त विचार

भारतीय संस्कृति में संस्कारों को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है। जन्म से मनुष्य शूद्र होता है भले ही वह किसी भी जाति में जन्म ले, जब तक वह संस्कारित नहीं किया जाता शूद्र ही बना रहता है। पूर्व में चालीस संस्कारों का प्रचलन था, किन्तु आज समयाभाव के कारण इनकी संख्या में कमी आई है। गर्भाधान से लेकर अन्त्येष्टि तक सोलह संस्कार माने गये हैं। इनमें से भी कुछ मुख्य संस्कारों की ही मान्यता आज प्रचलित है।

गर्भाधान— सभी संस्कारों में गर्भाधान संस्कार का विशेष महत्व है क्योंकि भावी सन्तान के संस्कारों की आधारशिला इसी संस्कार पर निर्भर करती है। यह सर्वविदित तथ्य है कि सन्तानोत्पत्ति माता-पिता के पारस्परिक संयोग से होती है। अत: इन दोनों के चेतन-अचेतन मन तथा देह की पवित्रता आवश्यक मानी गई है। जैसे सुसमय में बीजवपन से सस्य में पुष्टता होती है उसी प्रकार सुसमय में गर्भाधान से सन्तान गुणी एवं दीर्घजीवी उत्पन्न होती है।

रजोदर्शन होने के चार दिन पश्चात्, समरात्रि काल में पुत्रोत्पत्ति एवं विषम रात्रि में कन्या सन्तति उत्पन्न होती है। गण्डान्त, रवि, चन्द्रग्रहण, ७वीं तारा, मूल, अश्विनी, भरणी, मघा, रेवती नक्षत्रों, व्यतिपात, वैधृति योग, अमावस्या माता-पिता की मृत्यु तिथि, क्षयतिथि, बुधवार-शनिवार, को छोकर अन्य तिथि-वार नक्षत्र-योग में तथा केन्द्र स्थान (१-४-७-१०) और त्रिकोण (५-९) में शुभ ग्रह हों तथा ३-६-११वें स्थान में पाप ग्रह हों तब प्रसन्नचित्त होकर रात्रिकाल में गर्भाधान-कृत्य करें। विवाह और गर्भाधान में स्त्री के चन्द्रबल को प्रधानता दें।

पुंसवन— गर्भाधान के पश्चात् पुंसवन संस्कार किया जाता है ताकि गर्भस्थ शिशु का शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। इस संस्कार में मलमास, गुरु शुक्रास्त प्रभृति निषिद्ध योग बाधक नहीं होते, जो दिन-नक्षत्र शुभ हो उसी दिन कर लेना चाहिये। यह संस्कार गर्भ के दूसरे व तीसरे मास में किया जाता है। शास्त्रकारों का मत है कि पुंसवन संस्कार के लिए पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, मृगशिरा, मूल, श्रवण आदि नक्षत्र शुभ रहते हैं।

पारस्कर गृह्यसूत्र के अनुसार यह संस्कार तब करना चाहिये जब चन्द्रमा पुरुष नक्षत्र से युक्त हो।

सीमन्तोनयन— यह तीसरा संस्कार है तथा गर्भ के छठे या आठवें मास में किया जाता है। सीमन्तोन्नयन का शब्दार्थ होता है "शिर की मांग" लेकिन इसका भावार्थ है सौभाग्य सम्पन्न होना। इस संस्कार से गर्भवती के मन में आने वाली सन्तान के प्रति प्रेम तथा कर्त्तव्य की निष्ठा का समावेश होता है। पारस्कर गृह्य सूत्र में कहा है कि— **"प्रथम गर्भेमासे षष्ठेऽष्टमेवा"** तथा **"पुंसवनवत्"** कहकर यह स्पष्ट कर दिया है पुंसवन संस्कार में कहे गये मुहूर्त्त में इसे करें।

आश्लायन गृह्य सूत्र के अनुसार जब चन्द्रमा शुक्ल पक्ष में पुमान् नक्षत्र से युक्त हो तब करना चाहिये साथ ही इन्होंने गर्भ के चौथे मास में इसे करने का निर्देश किया है, लेकिन अधिक मत छठे और आठवें मास में करने को मिलते हैं।

मेधा-जनन संस्कार— शिशु के जन्म लेने के उपरान्त यह संस्कार किया जाता है ताकि आगे चलकर वह यशस्वी और बुद्धिमान हो। जब बच्चा जन्म ले चुके तो नालछेदन से पूर्व दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में स्वर्ण भस्म शहद और गौघृत लगा कर नीचे लिखे मन्त्रों को बोलकर बच्चे को शहद चटा दें। चार मंत्र हैं प्रत्येक को एक बार बोल कर चटाना चाहिये। *मन्त्र—* **ॐ भूस्त्वीयदधामि, ॐ भुवस्त्वीयदधामि, ॐ स्वस्त्वीय दधामि, ॐ भूर्भुव: स्व: सर्वस्त्वीय दधामि।**

स्तन पान मुहूर्त्त— रिक्ता, तिथि, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति योग को त्याग कर शुभ तिथि-वार में पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, श्रवण, रेवती नक्षत्र में स्तन पान करना शुभ है।

प्रसूता स्नान का मुहूर्त्त— उत्तरा तीनों, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, रेवती, हस्त, अनुराधा, पूर्वाफाल्गुनी, धनिष्ठा, अश्विनी इन नक्षत्रों में रवि, मंगल एवं बृहस्पति वारों में रिक्ता तिथि एवं अमावस्या को छोड़कर अन्य तिथियों में प्रसूति स्नान प्रशस्त है।

जातकर्म— मेधा-जनन संस्कार से पूर्व यह संस्कार किया जाता है। नाल काटने पर सूतक लग जाता है और सूतक में जातकर्म करने का निषेध है। इस समय तिथ्यादि शुद्धि देखने की आवश्यकता नहीं होती, यदि किसी कारणवश पिता जन्म समय उपस्थित न हो तो जन्म के ११वें या १२वें दिन शुभ मुहूर्त्त में जातकर्म करना प्रशस्त है।

नामकरण संस्कार— जातकर्म संस्कार के पश्चात् नामकरण संस्कार किया जाता है लेकिन आज के युग में समयाभाव के कारण नामकरण के साथ ही जातकर्म करने का प्रचलन है। नामकरण संस्कार मूलत: दश दिन पश्चात् हो जाना चाहिये लेकिन इसके बारे में आचार्यों के भिन्न-भिन्न मत हैं। पाराशर स्मृति के अनुसार—

जाते विप्रो दशाहेन द्वादशाहेन भूमिप:। वैश्य पंच दशाहेन शूद्रो मासेन शुद्ध्यति॥

अर्थात् ब्राह्मण के लिए सूतक दस दिन, क्षत्रिय के लिए बारह दिन, वैश्य के लिए पंद्रह दिन तथा शूद्र के लिए एक मास तक रहता है। कुलाचार के अनुसार सूतक के अन्त होने के दूसरे दिन नामकरण करें। चिर-क्षिप्र-ध्रुव और मृदु नक्षत्रों में रवि, सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्रवारों में, रिक्तामा को छोड़कर अन्य तिथियों में लग्न शुद्धि और चन्द्र-तारा का बल देखकर नामकरण करना प्रशस्त है।

निष्क्रमण संस्कार— घर से बाहर निकालने को निष्क्रमण कहते हैं। यह संस्कार तब किया जाता है जब बच्चे को घर से बाहर ले जाना होता है। जब माता अपने पिता के यहां जाये या माता-पिता को कहीं अन्यत्र जाना हो तो बच्चे को भी ले जाना अनिवार्य रहता है। इसलिए नामकरण संस्कार के पश्चात् निष्क्रमण किया जाता है। जन्म से चतुर्थ मास में यात्रा में विहित तिथियों में निष्क्रमण करना प्रशस्त है। यदि अत्यधिक शीघ्रता करनी पड़ जाये तो जन्म से बारहवें दिन यह संस्कार करें।

भूम्युपवेशन संस्कार— भूम्युपवेशन का अर्थ है भूमि पर बिठाना। प्रथम बार जब बच्चे को भूमि पर बिठना होता है। तब यह संस्कार किया जाता है। इसे जन्म से पांचवें महीने में करना चाहिये। भगवान् वराह और पृथ्वी का पूजन करके रिक्ता अमावस्या तिथि को छोड़कर अन्य तिथियों में शुभ ग्रह के बार में लड़के को कटिसूत्र धारण कराकर, ध्रुव, मृदु, लघु संज्ञक नक्षत्र में तथा मंगल बच्चे के लिए विशेष शुभ हो तब यह संस्कार करना उचित है।

इस समय बालक की आजीविकाज्ञानार्थ विद्या, कृषि, युद्ध व सेवा-सम्बन्धी पदार्थ उसके सामने रखें बालक जिस को पहले ग्रहण करे उसी के अनुसार उसकी जीविका जानें। बच्चे को भूमि पर बिठा तथा हाथ में पकड़े रह कर बालक का पिता, चाचा, दादा और नीचे लिखे मन्त्र से प्रार्थना करें—

रक्षैनं वसुधेदेवि सदा सर्वगतं शुभे।
आयु प्रमाणं लिखितं निक्षिपस्व हरिप्रिये॥

अन्न प्राशन— देह की पुष्टि-शक्ति और स्वास्थ्य के लिए यह संस्कार किया जाता है। तैत्तरीय उपनिषद् में "प्राणो वै अन्नम" अर्थात् अन्न ही प्राण है कहा गया है। बालक के जन्म से छठे, आठवें, दशवें आदि सम मासों में यदि कन्या हो तो पांचवें, सातवें आदि विषम मास में, रिक्ता-नन्दा और क्षयतिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में, शनि, मङ्गल को छोड़कर अन्य वारों में, पुन., पु., हस्त, रो., चि., मृ., अनु., अश्वि., स्वा., तीनों उत्तरा., ध., म. और रेवती नक्षत्रों में, वृष, मिथुन, कन्या, मीन लग्न में अन्न प्राशन प्रशस्त है।

कर्ण वेध— जहां कर्ण वेध श्रवण शक्ति की वृद्धि में सहायक होता है वहीं आन्त उतरने (हानियां) जैसी भयानक व्याधि से बचाता है। यह संस्कार जन्म से बारहवें या सोलहवें दिन,

हरिशयन, १ आषाढ़ शुक्ल ११ से कार्तिक शुक्ल ११ तक ... ६, ८, १०वें मास में, ३, ५वें विषम वर्षों में, जन्म नक्षत्र और रिक्ता तिथि को त्याग कर अन्य तिथियों में, अश्वि., पुन., पु., ह., श्र., अनु., ध., रे., स्वा., मृ., चित्रा आदि नक्षत्रों में, चं., बु., गु., शु. वारों में, मे., वृश्चि., म., कु. लग्नों एवं नवांश को छोड़कर अन्य लग्नों में, चन्द्र तारा की शुद्धि देखकर कर्ण बेध करना शुभ है। लड़के का प्रथम दाहिना और लड़की का बायां करना प्रशस्त है।

मुण्डन संस्कार—जीवन के आरम्भ काल में जो बाल जन्म के साथ उत्पन्न होते है वे पशुता के सूचक माने गयें हैं। इन्हें कटाने से जहां वह पशुता समाप्त होती है वहीं मानवीं गुणों की प्रखरता के साथ बुद्धि और ज्ञान की भी वृद्धि होती है। जन्म से तीसरे, पांचवें आदि विषम वर्षों में चैत्र को छोड़कर उत्तरायण समय में २, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३ इन तिथियों में, सो., बु., गु., शु. आदि वारों में जन्म नक्षत्र को छोड़ कर मृ., चि., रे., ज्ये., श्र., ध., शत., स्वा., पु., ह., अश्वि., पुष्य इन नक्षत्रों में लग्न शुद्धि देखकर अपराह्न से पूर्व मुण्डन संस्कार प्रशस्त हैं।

अन्यमत से प्रथम, द्वितीय वर्ष भी विहित हैं तथा ब्राह्मण के लिए रविवार, क्षत्रिय के लिए मंगलवार, वैश्य तथा शूद्र के लिए शनिवार भी प्रशस्त हैं तथा याम्यायन (दक्षिणायन) में मार्गशीर्ष भी श्रेष्ठ हैं।

उपनयन संस्कार—मानवजीवन में इस संस्कार का अत्यन्त महत्व है क्योंकि इसके पश्चात् मानव की भौतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। गर्भाधान से आठवें वर्ष ब्राह्मण का, ग्यारहवें वर्ष वैश्य का उपनयन संस्कार हो जाना चाहिये। इसके पश्चात् उपरोक्त काल के दूने काल में निन्द्य माना गया है अर्थात् ब्राह्मण के सोलहवें, क्षत्रिय के बाईसवें और वैश्य का चौबीसवें। इसलिए विहित वर्ष में हरिशयन से पूर्व उत्तरायण के सूर्य में शुक्ल पक्ष में २, ३, ५, १०, ११, १२ तिथियों में, क्षिप्र, ध्रुव, चर, मृदु संज्ञक, श्ले., मू., आ., तीनों पूर्वा नक्षत्रों में सो., बु., गु., शु., वारों में वृ., मि., सिं., क., तुला, धनु और मीन लग्न में, चन्द्र, तारा, रवि, गुरु की शुद्धि देखकर उपनयन संस्कार करना श्रेष्ठ है।

विशेष—ज्येष्ठ शुक्ल २, आषाढ़ शुक्ल दशमी, पौष शुक्ल ११, और माघ शुक्ल १२ उपनयन संस्कार में निषिद्ध मानी गई हैं।

अक्षरारम्भ मुहूर्त—जन्म से पाँचवें वर्ष में गणपति, विष्णु, सरस्वती और लक्ष्मी की पूजा करके कुम्भ के सूर्य को छोड़ कर उत्तरायण में २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ इन तिथियों में, मृ., आ., पुन., पु., श्ले., ह., चि., स्वा., ध., शत., अश्वि., मू., तीनों पूर्वा और उत्तरा, रो, रे, इन नक्षत्रों में रवि, गु., शु. वारों में, लग्न, चन्द्र, तारा बल विचार कर अक्षरारम्भ श्रेष्ठ माना गया है। वारों में सो., बु., मध्यम माने गये हैं।

विद्यारम्भ मुहूर्त—शिशिर, बसन्त एवं ग्रीष्म ऋतु में कुम्भ (कुम्भ के सूर्य को छोड़कर) रवि, बुध, गुरु और शुक्रवार, २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ इन तिथियों में मृ., आ., पुन., ह., चि., स्वा., श्र., ध., शत., अश्वि., मूल, तीनों पूर्वा, पु. और श्लेषा इन नक्षत्रों में केन्द्र स्थान एवं त्रिकोण स्थान में शुभग्रह हों ३, ६, ११ स्थानों में पापग्रह हों, आठवां स्थान खाली हो तो विद्यारम्भ शुभ है।

जल पूजन के मुहूर्त—अधिक मास, चैत्र, पौष, गुरु, शुक्रास्त काल, मास पूर्ति होने पर ४, ९, १४ तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में, बु., सो., गुरुवार में श्र., पुन., पु., मृ., ह., मू., अनु. इन नक्षत्रों में प्रसूता का जल पूजन करना शुभ है।

नित्यक्षौर का मुहूर्त—शनि, रवि और मंगलवार को छोड़कर अन्य वारों में, मघा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा, कृत्तिका इन नक्षत्रों में ४, ९, १४, ६ ८ अमावस्या को छोड़कर अन्य तिथियों, रात्रिकाल, सन्ध्या, भद्रा, गण्डान्त काल और भोजन तथा स्नान के पश्चात् क्षौर करना वर्जित है।

दाह कर्म में, सूतकान्त में, जेल से छूटने पर, यज्ञ में, दीक्षा लेने में, राजा और ब्राह्मण की आज्ञा से क्षौर कर्म में मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं है।

विवाह मुहूर्त विचार

विवाहे दस दोष

मुहूर्त ग्रन्थों में विवाह के अनेक दोष बतलाये गये हैं लेकिन इनमें प्रमुखता मात्र दश दोषों की है। इनकी शुद्धि होने पर अन्य दोष प्रभावहीन हो जाते हैं। वे दश दोष हैं—(१) लत्ता (२) पात (३) युति (४) वेध (५) यामित्र (६) वाण (७) एकार्गल (८) उपग्रह (९) क्रान्तिसाम्य (१०) दग्धातिथि। पंचांग में जो विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं वे इनका विचार करके दिये गये हैं। जहां कोई दोष नहीं है वहां सीधी रेखा और जहां दोष है वहां (ऽ) टेढ़ी रेखा बनाई गई है। इन दस दोषों का विचार इस प्रकार किया जाता है—

१. लत्ता—सूर्य, मंगल, वृहस्पति और शनैश्चर जिस नक्षत्र में हों क्रम से उससे अगले १२, ३, ६ और ८वें नक्षत्र को लत्ता से दूषित करते हैं। यह अग्र लत्ता दोष माना गया है। चन्द्र, बुध, शुक्र और राहु जिस नक्षत्र में हो क्रम से उससे पीछे के २२, ७, ५ और ९वें नक्षत्र को लत्तित करते हैं। यह पृष्ठ लत्ता दोष माना गया है। जैसे मंगल भरणी में हो और विवाह नक्षत्र रोहिणी हो तो यह मंगल का लत्ता दोषयुक्त साहा कहा जाएगा। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का लत्ता दोष का ज्ञान करें।

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	ग्रहाः
१२	२२	३	७	६	५	८	९	वि.नक्षत्र
सम्मुख	पृष्ठ	सम्मुख	पृष्ठ	सम्मुख	पृष्ठ	सम्मुख	पृष्ठ	दिशा
धननाश	भय	मृत्यु	भय	बन्धुनाश	कार्यनाश	कुलनाश	मृत्यु	फल

२. पात—साध्य, हर्षण, शूल, गण्ड, वैधृति और व्यतीपात इन योगों का अन्त जिन नक्षत्रों में होता है वे पात दोषयुक्त माने जाते हैं।

पात दोष चक्र

रो.	मृ.	म	उ.फा.	ह	स्वा	अनु.	मूल	उ.षा.	उ.भा.	रे	नक्षत्र
आर्द्रा	मृग.	अश्वि.	कृत्ति.	भर.	कृत्ति.	अनु	रोहि.	भर.	भर.	अश्वि.	पातदूषित नक्षत्र
पुन.	आर्द्रा	मृग.	आर्द्रा	मृग.	श्रव.	आर्द्रा	ज्ये	पुन.	शत.	ज्ये	
शत.	ज्ये.	ज्ये.	विशा.	शत.	धनि	उ.षा.	धनि	शत.	विशा.	धनि	
पू.फा.	धनि	पुष्य	पू.फा	पू.भा	पु.	पू.भा	आ	वि	उ.फा	म	
चित्रा	मघा	हस्त	उ.भा	स्वा.	हस्त	पू.षा	भर.	अनु	पू.फा	पू.फा	
मूल	हस्त	रेव.	पू.भा	भर.	रेव.	पू.फा	उ.भा	उ.षा	भर.	स्वा	

३. युति—जब विवाह के नक्षत्र में कोई ग्रह हो तो उसे ग्रह की युति युक्त दोष माना जाता है। ग्रहों की विवाह नक्षत्रों में युति धन नाशक, मृत्युदायक और भयप्रद कही गई है, विशेषतया शुक्र की युति वर्जित है। चन्द्र यदि स्वक्षेत्री, मित्र गृही व उच्च का हो तो युति दोष (चन्द्र का) नहीं माना जाता उल्टे इसे शुभ कहा गया है।

४. वेध— पंचशलाका चक्र में यदि विवाह के नक्षत्र के सम्मुख नक्षत्र में कोई ग्रह पड़े तो वेध दोष माना जाता है। शुभ ग्रह के वेध से स्वल्प और पाप ग्रह के वेध से अधिक दोष माना जाता है। नीचे वेध दोष चक्र दिया है इसमें ऊपर लिखे नक्षत्र में विवाह हो और नीचे लिखे नक्षत्र में ग्रह हो तो वेध होता है यह विवाह काल में वर्जित है।

वेध दोष चक्र

रो	मृ	म	उ.फा	ह	स्वा	अनु	मू.	उ.षा	उ.भा	रे	वि.नक्षत्र
अश्वि	उ.षा	श्र	रे	उ.भा	श	भ	पुन	मृ	ह	उ.षा.	वेध नक्षत्र

५. यामित्र— विवाह लग्न या चन्द्र से सप्तम में कोई ग्रह हो तो यामित्र दोष होता है। यदि लग्न और सप्तमस्थ ग्रह का अन्तर ठीक ६ राशि (अंश कलादि तक) तक हो तो पूर्ण यामित्र दोष अन्यथा अल्पदोष कहा गया है।

यामित्र दोष चक्र

रो	मृ	म	उ.फा	ह	स्वा	अनु	भ	उ.षा	उ.भा	रे	वि.नक्षत्र
अनु	ज्ये	ध	पू.भा	उ.भा	अ	कृ	मृ	पुन	उ.फा	ह	ग्रह नक्षत्र

६. बाण— किसी राशि में सूर्य के (स्पष्ट सूर्य के) भुक्तांश ८, १७ और २६ हों तो रोगबाण, २, ११, २० और २९ हों तो अग्निबाण, ४, १३, २२ हों तो राजबाण, ६, १५, २४ हों तो चोरबाण तथा १, १०, १९ और २८ हों तो मृत्यु बाण दोष माना जाता है। विवाह में मृत्यु बाण, यात्रा में चोरबाण, सेवा कर्म में (नौकरी करने में) राजबाण, गृहारम्भ में अग्निबाण और उपनयन में रोगबाण त्याज्य कहे गये हैं।

७. एकार्गल— विवाह के दिन विष्कुम्भ, वज्र, परिघ, अतिगण्ड, शूल, व्याघात, वैधृति और व्यतिपात इनमें से कोई योग हो तथा सूर्य नक्षत्र से (इसमें अभिजित के सहित गणना करें) चन्द्र विषम नक्षत्र में हो तो एकार्गल दोष होता है।

८. उपग्रह— विवाह के दिन सूर्य नक्षत्र से चन्द्रमा ५, ७, ८, १०, १४, १५, १८, १९, २१, २२, २३, २४ और २५वें नक्षत्र में हो तो उपग्रह दोष होता है। कुरू और वाह्यक क्षेत्र में विशेष दोषावह है।

९. क्रान्तिसाम्य— जब मेष और सिंह, वृषभ और मकर, मिथुन और धनु कर्क और वृश्चिक, कन्या और मीन तथा तुला और कुम्भ इन दोनों राशियों में से एक पर सूर्य तथा दूसरी पर चन्द्र हो तो क्रान्तिसाम्य दोष होता है। यह स्थूल क्रान्तिसाम्य है। सूक्ष्म क्रान्तिसाम्य ही सर्वत्र वर्जित माना गया है।

१०. दग्धा तिथि— जब सूर्य धनु-मीन, वृष, कुम्भ, मेष-कर्क, मिथुन-कन्या, सिंह-वृश्चिक, तुला-मकर इन दोनों राशियों में से किसी राशि में सूर्य हो तो क्रम से २, ४, ६, ८, १०, १२ तिथियां दग्धा मानी गई हैं।

दग्धा तिथि चक्र

मेष कर्क	वृषभ कुम्भ	मिथुन कन्या	सिंह वृश्चिक	तुला मकर	धनु मीन	सूर्यराशि
६	४	८	१०	१२	२	तिथि

लत्तादि दोष परिहार— लत्ता उज्जैन क्षेत्र में सौराष्ट्र में, पात कुरुक्षेत्र, भठिण्डा, फिरोजपुर जिले में, एकार्गल जम्मू-कश्मीर में, वेध सब जगहों में, उपग्रह कुरुक्षेत्र, आगरा व अवध, बंगाल, जगन्नाथपुरी (कलिंग में) त्याज्य हैं। लग्न यदि सूर्य और चन्द्र के बल से बली हो तो एकार्गल, उपग्रह, लत्ता तथा पात दोष का परिहार हो जाता है।

विवाह समय के विहित मास, तिथि, नक्षत्र और लग्नादि

विवाह के लिए वृश्चिक, मकर, कुम्भ, मेष, वृषभ और मिथुन के सूर्य (मिथुन का सूर्य हरिशयनी एकादशी से त्याज्य माना गया है) रिक्ता और अमावस्या को छोड़कर अन्य तिथि, रोहिणी, मृगशिर, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, उ.षा., उत्तराभाद्रपद और रेवती (कुछ आचार्यों के मत से अश्विनी, चित्रा, श्रवण और धनिष्ठा भी विवाह नक्षत्र विहित माने गये हैं)। विवाह लग्न में मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मीन का नवांश प्रशस्त कहा गया है।

वाग्दान विचार (वरवरण मुहूर्त्त)— रिक्ता अमावस्या तिथि को छोड़कर अन्य तिथियों में, शुभवार में तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, रोहिणी और कृत्तिका इन नक्षत्रों में लग्न और चन्द्रबल देखकर लड़की का भाई या पुरोहित पूर्वाभिमुख बैठे वर के मस्तक पर केशरादि का तिलक करें, पूजन करे तथा वर के मुख में मीठा या पान देकर गोद में वस्त्र, नारियल और द्रव्यादि दें।

विवाह के पूर्व कन्या का नाम बदलना— आजकल कन्या का नाम विवाह से पूर्व बदलने का नियम चल पड़ा है। इसके पीछे कारण है कि कन्या का जन्म नाम मालूम न होना, वैसे भी प्रायः लोग जन्म नाम को बदल कर दूसरा नाम रख लेते हैं। यदि विवाह से पूर्व कन्या का नाम बदलना हो तो ध्यान रखें कि बोलता नाम बदला जा सकता है जन्म नाम नहीं।

विवाह विचार में विशेष— दो सगी बहनों का दो सगे भाइयों के साथ विवाह न करें। दो सगी बहनों या भाइयों का तथा सगे बहन-भाई का विवाह ६ मास के भीतर न करें। आवश्यकता में लड़की के विवाह के बाद लड़के का विवाह हो सकता है। जुड़वां भाई-बहन का विवाह करने में भी कोई हानि नहीं। विवाह के पश्चात् ६ मास तक मुण्डन, यज्ञोपवीत आदि संस्कार न करें। यदि संवत् बदल जाये तो ६ मास के भीतर किया जा सकता है। सगाई के पश्चात् वर या कन्या की तीन पीढ़ी में मृत्यु होने पर १ मास तक विवाह न करें। अत्यावश्यकता में सूतक समाप्त होने पर शान्ति करा कर विवाह करें। सबसे बड़े लड़के और सबसे बड़ी लड़की का विवाह ज्येष्ठ मास में न करें। जन्म नक्षत्र और जन्म तिथि में भी विवाह शुभ नहीं होता। अत्यावश्यक हो कि ज्येष्ठ लड़के और लड़की का विवाह ज्येष्ठ में करना पड़े तो सूर्य के कृत्तिका नक्षत्र में रहते कदापि न करें। अन्य नक्षत्रों में शान्ति कराकर किया जा सकता है।

त्रिबल शुद्धि

श्रेष्ठ गुरु— जब गुरु जन्म राशि से २।५।७।९।११वें हो।
पूज्य गुरु— जब गुरु जन्म राशि से १।३।६।१०वें हो।
नेष्ट गुरु— जब गुरु जन्म राशि से ४।८।१२ वें हो।
परिहार— जब गुरु स्वराशिस्थ (धनु-मीन) या उच्च में हो तो नेष्ट भी श्रेष्ठ माना गया है।
श्रेष्ठ रवि— यदि सूर्य जन्म राशि से ३।६।१०।११वें हो।
पूज्य रवि— यदि सूर्य जन्म राशि से २।५।९।१२।७वें हो।

नेष्ट रवि— यदि सूर्य जन्म राशि से ४।८।१२वें हो।

श्रेष्ठ चन्द्र— जन्म राशि से १।२।३।५।६।७।९।१०।११।१२वां चन्द्र श्रेष्ठ है। विवाह में १२ भी लिया जा सकता है।

नेष्ट चन्द्र— जन्म राशि से ४।८वां चन्द्र नेष्ट है।

गोधूलिका लग्न— हेमन्त ऋतु में सायंकाल जब सूर्य का बिम्ब लाल होकर पश्चिम में अस्त होने वाला होता है तब, ग्रीष्म में जब सूर्य आधा अस्त हो जाता है तब, वर्षा ऋतु में जब सूर्य सम्पूर्ण अस्त हो जाता है तब गोधूलि कही जाती है। वारों में जब गुरुवार को सूर्यास्त होने पर और शनिवार को सूर्य अस्त होने से पूर्व गोधूलि लग्न होती है। विवाह काल में यदि गोधूलि लग्न हो तथा लग्न, षष्ट और अष्टम् में चन्द्र हो तो कन्या के लिए अशुभ, लग्न, सप्तम, अष्टम इन स्थानों में मंगल हो तो वर के लिए अशुभ रहता है। लग्न से दूसरे, तीसरे और ग्यारहवें चन्द्र हो तो शुभ होता है।

वधु प्रवेश मुहूर्त्त— विवाह के पीछे १६ दिनों के भीतर सम दिन में अर्थात् २, ४, ६, ८, १०वें आदि दिनों में या ५, ७, ९वें विषम दिनों में वधु प्रवेश शुभ होता है, इसके बाद १, ३, ५, ७, ९, ११वें मास में, १, ३, ५वें वर्ष में वधु प्रवेश शुभ होता है। ५ वर्ष के पश्चात् कभी भी शुभ दिन देखकर वधु प्रवेश कराया जा सकता है।

द्विरागमन मुहूर्त्त— विवाह से विषम वर्षों में द्विरागमन शुभ है। कुम्भ, वृश्चिक और मेष में सूर्य हो, चन्द्र, गुरु और सूर्य बली हों तथा शुभ दिनों में, कन्या, तुला, वृष, मिथुन और मीन लग्न में तथा लघु, चर, ध्रुवसंज्ञक और मूल नक्षत्र में द्विरागमन शुभ है। शुक्र के सन्मुख और दक्षिण रहने पर नवविवाहिता, गर्भवती तथा बच्चे वाली स्त्री का पति घर जाना अशुभ है। रेवती में मृगशिर नक्षत्र तक चन्द्रमा के रहने से दक्षिण और सन्मुख शुक्र का दोष नहीं होता क्योंकि तब शुक्र अन्ध होता है।

नूतन वधू द्वारा पाकारम्भ— कृत्तिका, मृगशिर, पुष्य, ज्येष्ठा, विशाखा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों में शुभ तिथि में, रवि, मंगल छोड़कर अन्य वारों में, स्थिर लग्न में तथा लग्न से ४, ८, १२वें कोई ग्रह न हो तो नवोढ़ा से पाकारम्भ कराना श्रेष्ठ रहता है।

धार्मिक कृत्य मुहूर्त्त— व्रत-अनुष्ठान, पुराण कथा, भागवत श्रवण, देव पूजन, रामायण कथा श्रवण इत्यादि कृत्तिका, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिर, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तथा रेवती नक्षत्रों में, १, ४, ९, १४ तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मंगलवार, शनिवार को छोड़कर अन्य वारों में करना शुभ है। जिस विशिष्ट व्रत-अनुष्ठान के लिए विशिष्ट तिथि नक्षत्रादि निश्चित है, वह उसी समय करना चाहिए।

विवाहे मेलापक विचार

विवाह सामाजिक आवश्यकता है, यह संस्कार वासना पूर्ति के लिए नहीं वरन गृहस्थ धर्म के निर्वाह के लिए किया जाता है। इस विषय में विद्वानों का मत है—

दाम्पत्य जीवनोद्देश्यो महान सेवामयस्था।
समाज देश विश्वेभ्यो दिव्यात्मानं समर्पयेत्॥

विवाह में लत्ता आदि दस दोष मुख्य माने गये हैं, इनमें अल्प दोष हो तो विवाह हो सकता है ऐसी शास्त्राज्ञा है, लेकिन जहां वर पक्ष और कन्या पक्ष दोनों में परस्पर सन्तोष हो जाये तो विहित नक्षत्रों में विवाह हो सकता है—

मनसश्चक्षुषोर्यस्मिन वरे यस्यां च योषिति।
सन्तोषो जायते तत्र नाव्यत् किञ्चिद् विचिन्तयेत्॥

वर और कन्या की कुण्डली हो तो दोनों के ग्रह मेलापक और नक्षत्र मेलापक शुद्धि देखनी चाहिये।

नक्षत्र मेलापक

इसमें वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकुट और नाड़ी ये आठ कूट होते हैं।

१. **वर्ण**— वर कन्या के वर्ण राशि चक्र से ज्ञात करने चाहियें। यदि दोनों के समान वर्ण हों या वर का कन्या से श्रेष्ठ वर्ण हो शुभ अन्यथा अशुभ समझना चाहिये। वर्ण का एक गुण होता है।

२. **वश्य**— राशि चक्र से वर-कन्या के वश्य ज्ञात कर देखना चाहिये कि दोनों का एक वश्य है तब दो गुण, एक का द्विपद (मानव) और दूसरे का चतुष्पदया कीट है तो शून्य गुण बाकी में एक गुण जानें।

३. **तारा**— वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक तथा कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिन कर दोनों संख्याओं को पृथक-पृथक लिख कर ९ का भाग दें १, २, ४, ६ अथवा शून्य शेष रहने पर शुभ अन्यथा अशुभ जानें। दोनों से तारा शुभ हो तो श्रेष्ठ, एक से शुभ हो तो मध्यम और दोनों से अशुभ हो तो निन्द्य समझना चाहिये। हमने यहां पर बिना तारा जाने सीधे वर-कन्या के जन्म नक्षत्र से तारा गुण की सारिणी दी है। अतः वर-कन्या के तारा निकालने की इसमें आवश्यकता नहीं है।

४. **योनि**— राशि चक्र से दोनों की योनि ज्ञात करें। दोनों की एक योनि हो या योनि में मैत्री हो व सम हो तो शुभ अन्यथा अशुभ जानें।

५. **ग्रह मैत्री**— राशि चक्र से राशि स्वामी जानें। राशि स्वामी एक हों, दोनों में मैत्री हो या एक-दूसरे के लिये सम हों तो शुभ अन्यथा अशुभ जानें।

६. **गण**— राशि चक्र (अवकहड़ा) से गण ज्ञात करें। दोनों का एक गण हो या एक का देव दूसरे का मनुष्य हो तो शुभ अन्यथा अशुभ जानें।

७. **भकुट**— वर की राशि से कन्या की राशि २, १२, ६, ८, ५, ९ हो तो अशुभ अन्यथा शुभ जानें।

८. **नाड़ी**— अवकहड़ा चक्र से दोनों की नाड़ी ज्ञात करें, यदि दोनों की एक ही नाड़ी हो तो अशुभ यदि भिन्न-२ नाड़ी हो तो शुभ समझना चाहिये।

इन आठों कूटों के शुभ होने पर ३६ गुण मिलते हैं। शास्त्राज्ञा है कि मेलापक में गुण १८ से अधिक हों तो विवाह शुभ रहते हैं। यदि ग्रह मेलापक ठीक हो तो इससे कम गुण भी ग्राह्य हैं।

ग्रह मेलापक

लग्न, चतुर्थ, सप्तम्, अष्टम्, द्वादश में पापी ग्रह (मंगल, शनि, राहु, सूर्य आदि) हों तो जातक का दाम्पत्य जीवन सुखी नहीं रहता ऐसी ज्योतिष शास्त्र की मान्यता है। इनमें मंगल विशेषतया अधिक हानिकारक होता है इसलिए इस प्रकार की ग्रह स्थिति वालों को मंगली कहा जाता है। दक्षिण भारत में द्वितीय भाव से भी इन ग्रहों की स्थिति वाले जातक को मंगली कहा जाता है। चूंकि सप्तम स्थान से द्वितीय भाव आठवें पड़ता है और आठवां भाव मृत्यु का है अतः सहचर या सहचरी की आयु का विचार इसी भाव से किया जाता है। यहां हम इस दोष का परिहार दे रहे हैं ताकि ग्रह मेलापक में सुभीता रहे।

यदि वर और कन्या दोनों की कुण्डली में उक्त स्थानों में मंगल आदि पाप ग्रह पड़े हों तो विवाह शुभ, लड़के व लड़की की कुण्डली में उक्त स्थानों में पाप ग्रह की संख्या देखें यदि लड़के की कुण्डली में लड़की की कुण्डली से पाप ग्रह संख्या बराबर हो या अधिक हो तो विवाह शुभ अन्यथा अशुभ प्रद जानें। सप्तमेश स्वराशिस्थ हो, उच्च का हो अथवा अभिमित्र के गृह में हो तो मंगली दोष का परिहार हो जाता है।

वर और कन्या के नक्षत्र एवं ग्रह मेलापक देख कर नक्षत्र मेलापक चक्र से वर और कन्या के नक्षत्र के सामने के कोष्ठक में गुणयोग देखें। यदि योग २७ से अधिक हो तो मिलान अत्युत्तम समझें, यदि २७ से कम २० तक गुण मिलें तो उत्तम और १८ तक गुण मिलें तो मध्यम जानें। यदि १८ से कम गुण मिलें तो निंद्य है। यदि ग्रह मेलापक उत्तम हो तो १२ से १८ तक भी गुण मिलें तो विवाह करना शास्त्र सम्मत है।

मंगलीदोष

सभी प्रकार के ज्ञान एवं भारतीय शास्त्रों की उत्पत्ति भारतीय दर्शन से मानी गई है। भारतीय दर्शन जीवन और जगत् के रहस्यों का अनुसंधान और सन्तोष जनक सिद्धान्तों के आधार पर उनकी व्याख्या करता आया है। ज्ञान, दर्शन का स्वरूप और उस की सीमा है। मनुष्य स्वभाव से ही जिज्ञासु प्राणी है और अपनी इसी प्रवृत्ति के कारण किंवा अदम्य जिज्ञासा की प्रेरणा से, वह सदैव दार्शनिक समस्याओं का समाधान

खोजने में लगा रहता है। भारतीय दर्शन आत्मा को अजर-अमर मानता है और कर्मानुसार (कर्मों के अनादि प्रवाह-प्रारब्ध के कारण) देह परिवर्तन को इसका स्वाभाविक गुण मानता है। प्राणी मात्र की देह में रहने वाला यह अविनाशी आत्मतत्व, स्वतंत्र, रूपहीन, नित्य एवं चैतन्य है। यह कर्म बन्धन के ही कारण विनाशशील और परतन्त्र दीख पड़ता है। संसार के इस निगूढ़ तत्व को समझने के लिए ज्योतिष एक दिव्य चक्षु है। इसीलिए इसे वेदांग में गिना जाता है। वेद के अंगों में यह छठा अंग है। ज्योतिष के तेजस् को देख कर ही इसे चाक्षुष प्रत्यक्ष कहा जाता है। ज्योतिष के तीन स्कन्ध हैं जिन में फलित भी एक है। फलित स्कन्ध से ही सामान्य व्यक्ति अधिक प्रभावित होता है। फलित के कारण ही वह ज्योतिषी को सम्मान की दृष्टि से देखता है। वह नहीं जानता कि उस की जन्म पत्रिका में कहां गणितीय त्रुटि है, क्योंकि यह विषय उस की पकड़ से बाहर है। वह तो फलित के प्रति आसक्ति रखता है और उसी से प्रभावित होता है। लोक श्रद्धा ही इस विषय को जीवित रखे हुए है। आज की सबसे बड़ी बिडम्बना यह है कि ज्योतिषी को जीविका के लिए संघर्ष भी करना है और लोग श्रद्धा को अनुकण्ठ बनाये रखने के लिए अनुशीलन भी।

ज्योतिषशास्त्र और ज्योतिषी स्वतन्त्र भारत में इतनी दयनीय अवस्था में आ पहुंचे कि सभी कुछ उन्हें स्वयं करना है और समाज में इस विद्या के प्रति आस्था को सजीव बनाये रखना है। सामन्त तो रहे नहीं, श्रेष्ठी भी नहीं रहे, धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र में यह विज्ञान प्रचार और प्रोपेगंडा में ही सिमट कर रह गया। सभी लोग जानते हैं कि ज्योतिषी होना तो दूर रहा नक्षत्रों की श्रेणी में भी जो नहीं आते वे अपने आप को विश्व विख्यात भविष्यवक्ता कहते नहीं अघाते। ऐसे लोगों द्वारा भविष्यवाणी करने से जो स्थिति बनती है वह ज्योतिष पर आक्षेप लगाती है। ऐसे व्यक्ति अपनी अज्ञानता को छिपाने के लिए अनेक नाटक रचते हैं। उनकी नाट्य कला से उनको भले ही लाभ हो लेकिन इससे ज्योतिष शास्त्र की अपकीर्ति होती है, वह अविश्वसनीय बनता है और लोगों को उसे अन्धविश्वास (सुपरस्टीशन) कहने का अवसर मिलता है।

ऐसे ही मंगली दोष के विषय में अनेक भ्रान्तियां समाज में प्रचलित हैं। प्राचीन काल से ही भारत में कुण्डली मिलान की प्रथा है। विवाह से पूर्व वर तथा कन्या से ग्रहों का मेलापक पर निर्णय लिया जाता है कि आगामी जीवन दोनों का सुखमय रहेगा या दुखमय। विवाह मेलापक के लिए यूं तो अनेकानेक बातों को ध्यान में रखा जाता है लेकिन जितना महत्त्व मंगली दोष को दिया जाता है इतना अन्य किसी दोष को नहीं।

मंगली दोष का निर्णय करने के लिए वर-कन्या के प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भावों को लिया जाता है, दक्षिण भारत में द्वितीय भाव को और मिला लेते हैं। इन भावों में कोई भी क्रूर किंवा पापी ग्रह (मंगल, शनि, सूर्य, राहु, केतु) स्थित हो तो मंगली दोष मान लिया जाता है। चूंकि मंगल वैवाहिक सुख को बिगाड़ने में अपना विशिष्ट स्थान रखता है इसलिए इसी ग्रह के नाम पर इस दोष को मंगली दोष कहा जाता है। प्रायः सर्वत्र ही यह मत प्रचलित है। यहां हम मंगली दोष कब-कितना हो सकता है इस पर विचार करते हैं। ग्रहों की ९ अवस्थाएं मानी जाती हैं, उच्च राशि, मूल, त्रिकोण, स्वराशि, अधिमित्र राशि, मित्र राशि, सम राशि, शत्रु राशि, अधिशत्रु राशि और नीच राशि। अब शंका उठती है कि इन नवों अवस्थाओं में स्थित ग्रह क्या समान फल कर सकता है। इसका उत्तर है नहीं। दूसरी बात क्या सभी ज्योतिर्विद इन नवों अवस्थाओं में स्थित ग्रह को समझकर मंगली दोष का निर्णय करते हैं इसका उत्तर भी नहीं है, क्योंकि उपरोक्त तथ्य को समझकर मंगली दोष का निर्णय किया जाता तो मंगली दोष को इतना भयंकर नहीं समझा जाता जितना कि आज माना जा रहा है। मंगली दोष का भयावह रूप दर्शाने के लिए किसने कब यह श्लोक रच डाला ज्ञात नहीं है-

लग्नेव्यये च पाताले, जामित्रे चाऽष्टमे कुजे।
कन्याभर्तुर्विनाशाय, भर्तुः कन्या विनाशकः॥

अर्थात् कुण्डली में १, ४, ७, ८, १२वें स्थान में मंगल हो तो क्या कन्या भर्ता का और भर्ता कन्या का नाश करते हैं। अगर हम इसकी शब्दावली पर ध्यान दें तो यह श्लोक किसी ऋषि प्रणीत प्रतीत नहीं होता। विवाह से पूर्व कन्या संज्ञा ठीक है लेकिन भर्ता शब्द यहां अनुचित है क्योंकि विवाह से पूर्व लड़के की संज्ञा वर है भर्ता तो विवाह पश्चात् बनेगा। दूसरे जब भर्ता हो गया तो भार्या आना चाहिए कन्या कहां से आया। अतः यह स्वतः प्रमाणित है कि यह श्लोक क्षेपक है आप्त वाक्य नहीं। कितने खेद का विषय है कि ऐसे अनार्थ श्लोकों को मान्यता देकर ज्योतिर्विद जहां अच्छे से अच्छे सम्बन्धों को अनादृत कर देते हैं वहीं ज्योतिष शास्त्र की प्रतिष्ठा को भी आघात पहुँचाते हैं। ज्योतिष जगत् में फैली इन विसंगतियों के कारण जन-साधारण की आस्था इस शास्त्र के प्रति लुप्त होती है और कभी-कभी माता-पिता अपने बच्चों की नकली कुण्डलियां बनवाकर विवाह सम्बन्ध कर देते हैं।

प्रथम भाव तन है, चतुर्थ सुख-स्थान, सप्तम भाव कामोपयोग को जतलाने वाला है। अष्टम भाव जीवन साथी कुटुम्ब को बतलाता है और द्वादश भाव शय्या सुख का निर्देशक स्थान है। यहां स्थित होकर मंगल उस भाव को दूषित करता ही है साथ ही दृष्टि दोष से दूसरे स्थानों को भी बिगाड़ता है, जैसे लग्न में स्थित मंगल की चतुर्थ, सप्तम और अष्टम स्थान पर ही दृष्टि रखता है, द्वादश में होकर भी सप्तम स्थान पर दृष्टि डालता है। चूंकि सप्तम स्थान से द्वादश में होकर भी सप्तम स्थान पर दृष्टि डालता है। चूंकि सप्तम स्थान से जीवन साथी के सुख का निर्णय किया जाता है और उसका पाप प्रभाव में रहना जीवन साथी के सुख का निर्णय किया जाता है और उसका पाप प्रभाव में रहना इस सुख से न्यूनता लाता है। इसलिए मंगलीक दोष का विचार बड़ी सूक्ष्मता से करना चाहिए। यदि हम सुदर्शन पद्धति का आश्रय लें तो अधिक सत्वता के निकट पहुंच सकते हैं। जैसे लग्न से मंगली दोष मानते हैं वैसे ही चन्द्र से भी देखें तथा शुक्र से भी। शुक्र चूंकि भोग कारक ग्रह है और इससे बना मंगली दोष अधिक बाधाकारक देखा गया है। कुछ लोगों की मान्यता है कि वर और कन्या दोनों मंगली हों तो वैवाहिक सुख नहीं बिगड़ता लेकिन मैंने कई ऐसे जोड़े देखे हैं जिनका दाम्पत्य सुख नगण्य सा ही है। कुछ लोग मानते हैं कि मंगल-शनि आदि ग्रह यदि कारक हों तो बुरा फल नहीं करते ऐसा भी अकाट्य सत्य नहीं है। वृष लग्न की कुण्डली में शनि सर्वाधिक कारक ग्रह है लेकिन दूसरे, आठवें और दसवें स्थान का शनि विवाह विच्छेद कराने में सक्षम होता है। अब तक हमने मंगली योग पर विचार किया अब उसके परिहार पर विचार करते हैं। अर्थात् मंगली दोष किन स्थितियों में अपना फल नहीं दे पाता।

१. सप्तमेश स्वराशिस्थ हो, उच्च का हो, मित्र राशिस्थ होकर स्वस्थान को देखता हो। २. सप्तमेश पर वृहस्पति या शुक्र की पूर्ण दृष्टि हो तो मंगली दोष समाप्त हो जाता है। ३. सप्तम भाव को बली शुक्र या वृहस्पति देखते हों तो मंगली दोष का प्रभाव नगण्य सा ही रहता है। ४. नीचस्थ या त्रिकस्थ होकर भी सप्तमेश सप्तम भाव को देखें तो मंगली दोष क्षीण हो जाता है।

बेड़ा जातक में एक श्लोक आता है:-

त्यक्तार्के विधवारेऽत्र पापेक्ष्यार्को चिरा प्रिया।
सौम्यैर्धन्या प्रियाऽस्तस्थैः क्रूरैः रण्डा च मिश्रितैः॥

अर्थात् स्त्री की कुण्डली में लग्न से सप्तम सूर्य हो तो पति द्वारा वह स्त्री त्याग दी जाती है या दाम्पत्य सुख से वंचित कर दी जाती है। मंगल हो तो विधवा होती है। शनि हो तो देर से विवाह हो तथा लम्बे समय बाद पति की प्रिया बने। शुभ ग्रह हो तो उत्तम भाग्य वाली, पापग्रह हो तो विधवा, पाप और शुभ दोनों हो तो मिश्रित फल मिलता है। कुण्डली के मात्र सप्तम स्थान में पापग्रह देखकर विधवा कह देना युक्ति-युक्त नहीं है। कुण्डली का सूक्ष्मातिसूक्ष्म अध्ययन करने के पश्चात् ही कोई निर्णय लेना चाहिए क्योंकि इस निर्णय पर ही दो प्राणियों के वैवाहिक सुख बनाना और बिगाड़ना निर्भर करता है। अनुभव में आया है कि सप्तम और अष्टम स्थान का पापग्रह जितना पीड़ा कारक है इतना अन्य स्थान का नहीं। मैं स्वयं मंगली हूँ मेरी पत्नी मंगली नहीं है इतने पर भी पिछले ४२ वर्षों से हम सानन्द साथ रह रहे हैं। इससे मेरा यह आशय बिलकुल नहीं है कि कुण्डली में मंगली दोष को अनदेखा कर दिया जाये बल्कि इतना ही है कि जहां मंगली दोष देखे वहां उसके परिहार और अन्य शुभ योगों को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। मंगल से अमंगल की कल्पना से समाज में जो भयावह-प्रभाव उत्पन्न हो गया है। उसी भय को समाप्त करने के लिए लघु लेख की रचना की गई है। आशा है जन-साधारण इससे लाभान्वित होंगे।

वर्ण के गुण

	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

वश्य के गुण

	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्पद	२	१	१	०	१
मानव	१	२	१	०	१
जलचर	१	१	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

जन्म कुण्डली मिलान में ३६ गुण हैं। १८ गुण से ऊपर मिलने पर शुभ, २७ गुण से ऊपर अत्यंत शुभ मानते हैं। अन्य बातें भी विचार करते हैं।

तारागुण चक्र (३)

	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

तारा देखने की रीति— कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक व वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देने से जो शेष बचे, वह तारा जानिए।

नैसर्गिक ग्रह-मैत्री चक्र

ग्रह	मित्र	सम	शत्रु
सूर्य	चं.मं.बृ.	बुध	शु.श.
चन्द्र	सू.बु.	मं.बृ.शु.श.	०
मंगल	सू.चं.बृ.	शु.श.	बुध
बुध	सू.शु.	मं.बृ.श.	चन्द्र
बृहस्पति	सू.चं.मं.	शनि	बु.शु.
शुक्र	बु.श.	मं.बृ.	सू.चं.
शनि	बु.शु.	बृह.	सू.चं.मं.

योनिगुण चक्र (४)

	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा.	मा.	मू.	गौ	म.	व्या.	मृ.	वा.	न.	सि.
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	३	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	२	३	३	१	३	३	२	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	२	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	१	०	२	२	१
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	२	२	१	२	२	२	२
मूषक	३	२	२	२	१	०	४	२	२	२	२	२	२	१
गौ	३	२	३	२	१	२	२	४	३	०	२	२	३	१
महिष	०	३	३	२	२	२	२	३	४	१	२	२	२	३
व्याघ्र	१	२	१	२	१	१	२	०	१	४	१	१	२	२
मृग	३	३	३	२	०	३	२	३	२	१	४	२	२	२
वानर	२	३	०	२	२	२	२	२	२	१	२	४	२	३
नकुल	२	२	३	०	२	२	२	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	१	२	१	१	१	२	२	२	२	४

भकूटगुण चक्र (७)

	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी
मेष	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृष	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मिथुन	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
कर्क	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिंह	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कन्या	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तुला	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृश्चिक	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
धनु	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
मकर	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कुम्भ	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०
मीन	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७

ग्रह मैत्री के गुण चक्र

	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चन्द्र	५	५	४	१	४	॥	॥
मंगल	५	४	५	॥	५	३	॥
बुध	४	१		५	॥	५	४
गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

गण मैत्री के गुण ६

	दे.	म.	रा.
देवता	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	०	०	६

नाड़ीगुण चक्र-८

	आदि	मध्य	अन्त्य
आदि	०	८	८
मध्य	८	०	८
अन्त्य	८	८	०

कुंडली में मंगलादि का विचार १, ४, ७, ८ व १२वें स्थान में मंगल होने से मंगली, वर की कुण्डली में हो तो स्त्री की ओर स्त्री की में हो तो पति को अनिष्ट, यदि दोनों की कुण्डली में हो तो दोष नहीं। इसी प्रकार इन स्थानों में शनि, राहु, केतु व सूर्य का भी विचार करते हैं। यह सब पाप ग्रह मंगल के परिहार हैं। चन्द्र कुंडली से भी इन स्थानों में मंगल आदि का विचार किया जाता है।

वर-वधू गुण मेलापक सारणी

ऊर्ध्वाधरस्थाम्यपि भानि पुंसां पार्श्व द्वयस्थानि तथा वधू नाम्। संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वे शुभं तत्सस्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या ↓	वर →	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धन			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र चरण	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन. ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू.फा ४	उ.फा १	उ.फा ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि. १	अनु. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू.षा ४	उ.षा १	उ.षा. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू.भा ३	पू.भा १	उ.भा. ४	रे. ४
मेष	अ. ४	२८ ३	३३ ०	२८॥	१८॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ +५	२५ +५	१५॥ ३.५	११ ३.६	९ २.३.६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२५॥ -६	१४ ३.६	१३॥ ३.५	२५ +५	२३॥ +५	२५	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३.४	२४॥ +४	२६॥ +४
	भ. ४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०.४.१	२१॥ -४	१४॥ ३४	१८ ३	२६	२७	३१॥	२३॥ ३	२५॥ १	२० १५-	१८ २.५	२५ +५	२१॥ ६	२० ६	४ १.३.६	१३॥ १.३	२९॥	२१॥ १	१७॥ -१६	१७॥ ३.६	१९॥ -१६	२० -१.५	१८ ३.५	२६ +५	२७॥	२६	१० १३२	१० १.३.२	२० -१	२४ -२	२२॥ २४+	१७॥ +३.४	२६॥ +४
	कृ. १	२७॥	२९ १	२८ ३	१८ ३.४	१० १.३.४.०	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३.५	२० १.५	२० १.५	१५॥ १.६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३.६	१९॥ -६	२५॥ -६	२४॥ +५	१८ १.२.५	१२ ३.१.५	१३॥ १३	११॥ २.३	२५	२५	२७	१९ १	१७॥ १.४	११॥ १.४	११॥ ३.४
वृष	कृ. ३	१८॥ -४	२० १.४	१९ ३.४	२८ ३	२० ०.१.३	२६॥	१७॥ +४	१७॥ १.४	१८॥ +४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १.५	२१ +५	२३॥ +५	२२॥ -६	१०॥ ३.६	१४॥ ३.६	२०॥ ३	२४॥	३०॥	२० ६	१३॥ १.२.६	७॥ १.३.६	१२ १.३.५	१० ३.५.२	२३॥ +५	२९॥	३१॥	२३॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
	रो. ४	२३॥ -४	२३॥ ४	११ ३४१	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२५॥ ०४	२३॥ +४	२२॥ +४	२६	२७	२२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२६ +५	२६ +५	२० १५-	१९ १६	१५॥ ३.६	९॥ ३१६	१५॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१४ १६	१९॥ ६	१९॥ ३६२	१६ ३५२	१७ ३५	२० १५-	२४॥ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	१९ ३
	मृ. २	२३॥ -४	१४॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३५	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ +४	२६	१९ १	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ +५	२६ +५	१३ ३५	१२ ३६	२५ -६	१८॥ -६	२४॥	२१॥ ३	२४॥	१५ ६	१० ३६	१७ २६	२१॥ +२५	२५ +५	१३ ३५	१९ ३	२७	२९॥	२६	१८ ३	२७
मिथुन	मृ. २	२७	१८ ०३	२२	१९॥ +४	२७ +४	२० ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	१९ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३	१४ ३५	२७ +५	२०॥ +५	१४ ६	११ ३६	१४ ६	२३	१८ ३	२५ +२	२० -२६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ +५	२३॥ +५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
	आ. ४	१९ ३	२७	२१ १	१८॥ १४+	२४॥ +४	२६ +४	३४	२८ ३	२५ ०३	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२३॥ १	२९॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२७ १	२० -१५	२७ +५	२० १५+	१३॥ १६	१७ २६	५ १३६२	१६ १३	२८	२८	२३ -६	२३ -६	१७॥ -१६	१९ +१५	१२ १३५	१७ ३५	१९ ३	२६॥	२६॥
	पुन. ३	२० ३	२७	२३	२०॥ +४	२२॥ +४	२३॥ +४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ ३४-	२२॥ ०४	१७ -४	२२॥ +२	२६॥ +२	२१॥ ३	२४॥ ३	२५॥ ३	२७॥	२०॥ +५	२८ +५	२२ +५	१५॥ ६	२१॥ ६	७ ३६	१४ ३	२७	२७	२२ -६	२३ -६	१७॥ -६	१८॥ +५	१४ ३५	१६ ३५	१८ ३	२८	२७॥
कर्क	पुन. १	२२॥ ३	२९॥	२५॥	२२	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ २४	२०॥ २४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२०॥ +५	२६ +५	११॥ ३५	८ ३६	२१ -६	२१ -६	२६	२७	२१	१२॥ ६	८ ३६	१० ३६	१६ ३५	२६ +५	२५॥ +५
	पु. ४	३०॥	२१॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	१८ ४	२१॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ +४	१५॥ ३४	२३॥ +४	२६	२७	१२ ३	११॥ ३	२६॥	२१	१९ -५	१८ ३५	२१ -५	१७	११ २३६	२१ ६	२६	२५ -२	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	अश्ले.४	२६	२४॥ १	२२॥ ३	१९ ३	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५ ३४२	१५॥ १४२	१८॥ १४	२१ १	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० -५	२६ -५	२२॥ ६	१६ १६	८ ३१६	१३ १३	१३ ३	२६	१७॥ ६	१९॥ ६	११॥ १६	१७॥ १५-	२१ १५	१३ ३५
सिंह	म. ४	२० +५	२० १५	१६॥ ३५	१७॥ ३	९॥ ३१	१७॥	२१॥	२२॥ १	२०॥ -२	१६॥ २४+	१९॥ +४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ +४	२१॥ ४	२४॥	११॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२५ +५	१९ १५	८॥ १३५	३॥ ३१६	४॥ ३६	१८॥ ६	२४॥	२५॥	१८॥ १	१८॥ १६-	१९॥ १६-	१३ ३६
	पू.फा.४	२६ +५	१८ ३५	२० १५-	२१ १	२३॥	१५॥ ३	१९॥ ३	२८॥	२६॥ -२	२२॥ २४+	१७॥ +३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	२५ ०	२४ ०४	२२ +४	७॥ १३४	१०॥ १३	२५॥	१८॥ १	२४॥ -१	२३॥ ३	२५॥ -१	१९ १५+	१७ ३५	२४ +५	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१० १३	१९॥ १	२४॥	२४॥ -६	१७॥ ३६	२५॥ -६
	उ.फा.१	१६॥ ३५	२६ +५	२० १५-	२१ १	२६	२४॥	२८॥	२०॥ ३	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ +४	१९॥ १४-	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १४२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३१॥	१७॥ १३	९॥ १३५	२५ +५	२५ +५	२० ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	११॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ -६	२५॥ -६
कन्या	उ.फा.३	१३ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ १५+	२६ +५	२४॥ +५	३१॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२ १	१७॥ १४	२५ +४	१८ ३४	२८ ३	२७ ०३	२४॥ १२+	१६॥ १२४-	२५॥ +४	१६॥ १२४	१८ १२	२७	१३ १३	१४ १३	२९॥	२९॥	२४॥ +५	२४॥ +५	१६ १५+	१६॥ -६	१०॥ ३१६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
	ह.४	१० २३६	२० ६	१७॥ ६	२२ +५	२५ +५	२६ +५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ +४	२२॥ +४	१६ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ +४	१८॥ +४	२०	२६	१३ ३	१५ ३	२७	२८॥	२३॥ +५	२४॥ +५	१८॥ +५	१९ ६	८॥ ३६२	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
	चि. २	१३ ६	५ १३६	११ ६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	११ ३	२६ १	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ +४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	२० ३४	१९ ०४	२६॥ +४	२८	११ ३	२५	२७	१४ १३	२२ १	१७ १५	१८॥ +५	१५॥ ३५	१६ ३६	२४ -६	१६॥ १६	१९॥ १	१०॥ १३२	१९॥

वर्णवश्य आदि के संयोग से निर्मित यह गुण-दोष सारणी जिसमें ऊपर की पंक्ति में वर के नक्षत्र, खड़ी लाइन में कन्या के नक्षत्र लिखे हैं और सम्पात कोष्ठकों के ऊपरी भाग में गुण संख्या तथा नीचे महादोषों के चिन्ह दिए हैं। चिन्हों का अभिप्राय है। एक नाड़ी दोष की जगह (३), गण महा दोष (मनुष्य राक्षस) के स्थान में (१), भकूट महादोष (षडाष्टक) में (६), नव पंचम में (५) द्विर्द्वादश में (४) और योनी में (२) लिखे हैं।

वर-वधू गुण मेलापक सारणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्व द्वयस्थानि तथा वधू नाम्। संपात कोष्ठे शुभयोगुणैक्यं सर्वं शुभं तत्सस्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या ↓	वर →	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
	नक्षत्र चरण	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन. ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू.फा ४	उ.फा १	उ.फा ३	ह. ४	चि. २
तुला	चि.२	२२॥	१४॥ १३	२८॥	२३॥ +६	२० १६	१२ ३६	१३ ३५	२१ १५	१९॥ +५	२०॥	११॥	२६॥	२५॥	११॥ १३	१७॥ १२	१७॥ १२४	२० +४	२१ ३४
	स्वा.४	२७॥ +२	२१॥	१७॥ ३	१२॥ ३६	१५॥ ३६	२६ -६	२७ +५	२६ +५	२८ +५	२९	२७॥	१४॥ ३	१३॥ ३	२५॥	२५॥	२५॥ +४	२७॥ +४	२१ +४
	वि.३	२२॥	२२॥ १	२०॥ ३	१५॥ ३६	१०॥ १३६	१८॥ -६	११॥ +५	२० १५	२१ +५	२२	२१	१८॥ ३	१७॥ ३	११॥ १	१७॥ १२	१७॥ १६२	१८॥ +४	२७॥ +४
वृश्चिक	वि.१	१६॥ +६	१६॥ १६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१४॥ १३	२२॥	१२ ६	१२॥ १६	१३॥ ६	१९ -५	१८ -५	१५॥ -५	२१॥ ३	२३॥ १	२१॥ १२	१७ १२	१८	२७
	अनु.४	२४॥ -६	१५॥ ३६	१९॥ -६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	१० ३६	१५ २६	२०॥ ६	२६ -५	१८ ३५	२१ -५	२४॥	२०॥	२१॥	२५	२६	११ ३
	ज्ये.४	१२ ३६	१८॥ १६	२४॥ -६	२१॥	२२॥ १	२२॥	१२ ६	२ ३१६२	५ ६३	१०॥ ५३	२० +५	२६ -५	३१	२३॥ १	२६॥ १३	१२ १३	१२ ३	२४ ०
धनु	मू.४	१२ ३५	२० १५	२४॥ +५	१९॥ ६	१३ १६	१३ ६	२१	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२५ +५	१९ १५	९॥ १५३	१३ ३१	१३ ३	२७
	पू.षा.४	२६ +५	१८ ३५	१८ -१२५	१२॥ १६२	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२७	२३ ६	१३ २३६	१७ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ +५	२८॥	२७	१३ १३
	उ.षा.१	२४॥ +५	२६ +५	१२ १३५	६॥ १३६	१०॥ २३६	१७ २६	२५ +२	२७	२८	२३ ६	२३ ६	९ १६३	८॥ १५३	२४ +५	२५ +५	२८॥	२८॥	२१ १
मकर	उ.षा.३	२७	२८॥	१४॥ १३	१२ १३५	१६ २३५	२२॥ २५+	२० २६+	२२ -६	२२ -६	२८	२८	१४ १३	४॥ १३६	२० ६	२१ ६	२४॥ +५	२४॥ ११	१७ १५
	श्र.४	२७	२६	१३॥ ३२	११ ३५२	१६ ३५	२५ +५	२२॥ -६	२१ -६	२२ -६	२८	२६ +२	१५ ३	६॥ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ +५	२४॥ +५	१९॥ ५
	ध.२	२०	११ १३२	२६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१६॥ १६	१५ -६	२१	१३ ३	२७	१९॥ ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१५॥ १५	१७॥ +५	१५॥ ३५
कुम्भ	ध.२	२०	११ १३२	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	१९ १५	१७॥ +५	१२॥ ६	४॥ ३६	१८॥ ६	२६॥	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	११ +६	१७ ३६
	श.४	१५ ३	२१ १	२८	३२॥	२५॥ १	२७	२० +५	१२ १३५	१३ ३५	६॥ ३६	१४॥ ६	२०॥ ६	२६॥	२०॥ १	१२॥ १३	११॥ १३६	८॥ २३६	२५ ६
	पू.भा.३	१८ ३	२५ +२	२० -१	२४॥ -१	३१॥	३१॥	२४ +५	१७ ३५	१८ ३५	१२ ३६	२० ६	१२॥ १६	१९॥ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ ३६+	१७॥ १६
मीन	पू.भा.१	१४॥ ३४	२१॥ +२४	१६॥ -१४	१९ १	२६	२६	२५॥	१८ ३	१८ ३	१७ ३५	२५ ५	१७॥ १५	१७॥ -१६	२३॥ +६	१४॥ +३६	१६॥ ३	१६॥ ३	१४॥ +१
	उ.भा.४	२४॥ +४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२७ ५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ -१६	१६॥ ३६	२५॥ +६	२७॥	२६॥	९॥ १३२
	रे.४	२५ +४	२४॥ +४	११॥ ३४	१४ ३	१७ ३	२६	२५॥	२४॥	२६॥	२५॥ ५	२७ ५	१४ ३५	१३ ३६	२३॥ +६	२३॥ +६	२५॥	२६॥	१९॥

कन्या ↓	वर →	तुला			वृश्चिक			धन			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र चरण	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि. १	अनु. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू.षा ४	उ.षा १	उ.षा. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू.भा ३	पू.भा १	उ.भा. ४	रे. ४
तुला	चि.२	२८ ३	२७ ०	३४॥	२३॥ ४	६॥ ३४	२०॥ ४	२७	१४ १३	२२ १	२५ ०१	२६॥	२३॥ ३	१८ ३५	२६ +५	१८॥ १५	१२॥ १६	३॥ १३६२	१२॥ ६
	स्वा.४	२८	२८	२० ०३	९ ०३४	२१॥ ४	१६॥ ४	२३	२७	१९ ३	२२ ३	२३ ३	२६॥	२१ +५	२० ५२+	२५ +५	१९ ६	१९॥ ६	१२॥ ३६
	वि.३	३४॥	१९ ३	२८ ३	१७ ३४	१६ ०४	२०॥ ४	२७	२२ १	१४ १३	१७ १३	१७ ३	३०	२४॥ +५	२६ +५	२० १५	१४ १६	१३ १६२	४॥ ३६
वृश्चिक	वि.१	२२॥ ४	७ ३४	१६ ३४	२८ ३	२७ ०	३१॥	२१॥ +४	१६॥ ४१	८॥ १३४	१२ १३	१२ ३	२५	२४	२५॥	१९॥ १	१९ १५	१८ १५	९॥ ३२५
	अनु.४	६॥ ३४	२१॥ ४	१६ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१५॥ २४+	१३॥ ३४	२१॥ +४	२५	२६	१२ ३	११ ३	२१	२४॥	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	ज्ये.४	१९॥ ४	१४॥	१९॥ ४	३१॥	३०	२८ ३	१४ ०२३४	१६॥ १४	१६॥ १४	२० १	२०	२५	२४	१८ ३	१० १३	९॥ १३५	२१ १५	२१ +५
धनु	मू.४	२६	२१	२६	२२॥ +४	१५॥ +२४	१५ ३६२	२८ ३	२८ ०१	२६॥ १	१५ १४	१५ ४	२० ४	२८॥	२१॥ ३	१४॥ १३	१६ १३	२५ १	२६॥
	पू.षा.४	१३ १३	२७	२१ १	१७॥ १४-	१५॥ ३४	१७॥ १४-	२८ +१	२८ ३	३४ ०	२२॥ ०४	२३ ४	६ १३४	१४॥ १३	२३॥ १	२८॥	३०	२३ ३	३१
	उ.षा.१	२१ १	१९ ३	१३ १३	९॥ १३४	२३॥ +४	१७॥ -१४	२६॥ -१	३४	२८ ३	१६॥ ३४	१४॥ ३४०	१५ १४	२३॥ १	२३॥ १	२९॥	३१	३१	२३ ३
मकर	उ.षा.३	२४ -१	२२ ३	१६ १३	१३ ३१	२७	२१ १	१६ १४	२३॥ ४	१७॥ ३४	२८ ३	२६ ३०	२६॥ +१	१७ १४+	१७ १४+	२३ +४	३०॥	३०॥	२२॥ ३
	श्र.४	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	१४॥ ३४	२५ ३	२८ ३	२८ ०	१८॥ ०४	१८ +४	२१ +४	२८॥	२९॥	२२॥ ३
	ध.२	२२॥ ३	२४॥	२९	२६	१२ ३	२६	२१ ४	७ ३४१	१६ ४१	२६॥ १	२७	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ४०	१९ १४	२६॥ १	१५॥ १३	२२॥ +२
कुम्भ	ध.२	१८ ३५	२० -५	२४॥ -५	२५	११ ३	२५	२९॥	१५॥ १३	२४॥ १	१८ १४	१८॥ +४	१९॥ +४	२८ ३	३३ ०	२८॥ १	१८ १४	७ १३४	१४ ४२
	श.४	२६ +५	१९ +५	२६ +५	२६॥	२१	१९ ३	२२॥ ३	२४॥ १	२४॥ १	१८ १४	१८॥ +४	२४॥ +४	३३	२८ ३	१९ ०	८॥ ०	१७ १४	१६ ४
	पू.भा.३	१८॥ १५	२६ +५	२० +१५	२०॥ १	२६॥	११ १३	१५॥ १३	२९॥	३०॥	२४ +४	२३॥ +४	२० -१४	२८॥ -१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० ४२
मीन	पू.भा.१	११॥ १६	१९ ६	१३ १६	१९ १५-	२५ +५	९॥ १३५	१५ १३	२९	३०	२१॥	२८॥	२५॥ १	१७ १४	७॥ १३४	१६॥ ३४	२८॥ ३	३३ ०	३०॥ +२
	उ.भा.४	२॥ १३६२	१९॥ ६	१२ १६२	१८ १५२	१९ ३५	२१ -१५	२४ ०१	२२ ३	३०	२९॥	२९॥	१४॥ १३	६ १३४	१६ १४	२१॥ ४	३३	२८ ३	३५ ०
	रे.४	१२॥ ६	११॥ ३६	४॥ ३६	१०॥ ३५	२७ +५	२२ +५	२६॥	२९	२१ ३	२०॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१४ ४२	१६ ४	१८ ४२	२९॥ +२	३४	२८ ३

और जहां थोड़ा दोष समझा गया वहां (-) चिन्ह है, जहाँ (स्वामी मैत्री आदि के) दोष का पूरा निर्वाह हैं वहां (+), ऐसा चिन्ह बता दिया है और जिस जगह वर के नक्षत्र से पूर्व वधू का नक्षत्र है (इस का भी महादोष हैं) वहां ० शून्य का चिन्ह हैं और जहां कोई भी महादोष नहीं मिलता वहां केवल गुण ही लिखें है। जैसे कृतिका के प्रथम चरण वर का नक्षत्र और अश्विनी वधू नक्षत्र के सामने सम्पात कोष्ठक में २८॥ गुण ही लिखे हैं।

ताराबल-बोधिनी तालिका

जन्म नक्षत्र	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
जन्मर्क्ष	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
कर्मर्क्ष	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले
आधान	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा
विपत्कर	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धन.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी
	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.
	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.फा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.
प्रत्यरि	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी
	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त
	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण
नैधन (वध)	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा
	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति
	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.
संपत्कर	भरणी	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.
	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा
	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल
क्षेम्य	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.
	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.
	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.
साधक	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहि.	मृग.
	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा
	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.
मैत्र	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.
	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.
	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.
अतिमैत्र	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य.
	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.
	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.

दिन का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

यात्रा मुहूर्त

यात्रा मुहूर्त में चन्द्रमा, योगिनी, कालराहु तथा दिशाशूल का विचार किया जाता है। चन्द्रमा सामने या सीधे हाथ की दिशा में शुभ होता है और राहु, योगिनी तथा दिशाशूल पीठ पीछे या बांये हाथ की तरफ लेना चाहिये।

दिशाशूल ले जावै बांये राहु योगिनी पूठ।
सन्मुख लेवै चन्द्रमा लावै लक्ष्मी लूट ॥

चन्द्रमा मेष, सिंह व धनु का पूर्व में, वृष, कन्या, मकर का दक्षिण में, मिथुन, तुला, कुम्भ का पश्चिम में तथा कर्क, वृश्चिक, मीन का उत्तर दिशा में वास करता है। यात्रा में चन्द्रमा सम्मुख हो तो धन लाभ, सीधे हाथ की तरफ हो तो सुख सम्पदा प्राप्त होती है। बांये हाथ की ओर हो तो धन हानि तथा पीठ पीछे हो तो मृत्यु भय होता है। जैसे यदि आपने पूर्व दिशा की ओर जाना है तो उस दिन चन्द्रमा पूर्व में या दक्षिण में होना चाहिये। अर्थात् मेष, सिंह या धनु का अथवा वृष, कन्या या मकर राशि का होना चाहिए। **सम्मुखे अर्थ लाभाय दक्षिणे सुख सम्पदा। पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥**

दिशाशूल— सोमवार और शनिवार को दिशाशूल पूर्व दिशा में होता है। गुरुवार को दक्षिण में, रविवार व शुक्रवार को पश्चिम दिशा में तथा बुध और मंगल को उत्तर दिशा में होता है। यदि आपको पूर्व दिशा में यात्रा करनी है तो दिशाशूल उत्तर या पश्चिम में होना चाहिये अतएव पूर्व दिशा की यात्रा सोमवार, शुक्रवार तथा गुरुवार को ही की जानी चाहिये।

दिशाशूल चक्रम्
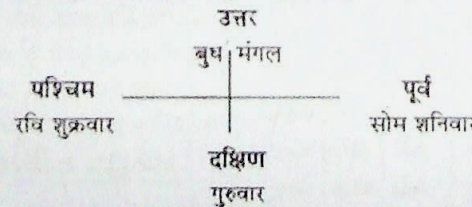
दिशा	चन्द्रमा का वास	दिशाशूल	समय शूल
पूर्व दिशा	मेष, सिंह, धनु	सोम, शनि	प्रातःकाल
दक्षिण दिशा	वृष, कन्या, मकर	गुरु	मध्याह्न
पश्चिम दिशा	मिथुन, तुला, कुम्भ	रवि, शुक्र	सन्ध्या काल
उत्तर दिशा	कर्क, वृश्चिक, मीन	बुध, मंगल	अर्धरात्रि

योगिनी वास— प्रतिपदा तथा नवमी तिथियों को योगिनी का वास पूर्व दिशा में होता है। तृतीया व एकादशी को अग्नि कोण (पूर्व दक्षिण मध्य) में, पंचमी व त्रयोदशी को दक्षिण में, चतुर्थी व द्वादशी को दक्षिण पश्चिम के मध्य नैऋत्य कोण में, षष्ठी व चतुर्दशी को पश्चिम दिशा में, सप्तमी व पूर्णिमा को पश्चिम उत्तर मध्य वायव्य कोण में, द्वितीया व दशमी को उत्तर दिशा में तथा अष्टमी व अमावस्या को उत्तर व पूर्व के मध्य ईशान कोण में होता है। योगिनी यात्रा समय पर सम्मुख या दक्षिण भाग में नहीं होनी चाहिये। इस प्रकार पूर्व दिशा की यात्रा १।९।३।११ व ५।१३ तिथियों को नहीं करनी चाहिये।

कालराहु वास— शनिवार को पूर्व में, शुक्र को अग्नि कोण में, गुरुवार को दक्षिण में, बुधवार को नैऋत्य कोण में, मंगलवार को पश्चिम में, सोमवार को वायव्य कोण में तथा रविवार को उत्तर दिशा में होता है। यात्रा वाले दिन कालराहु का वास सम्मुख या दक्षिण भाग में नहीं होना चाहिये। अतएव पूर्व दिशा की यात्रा शनिवार, शुक्रवार या गुरुवार को नहीं की जा सकती।
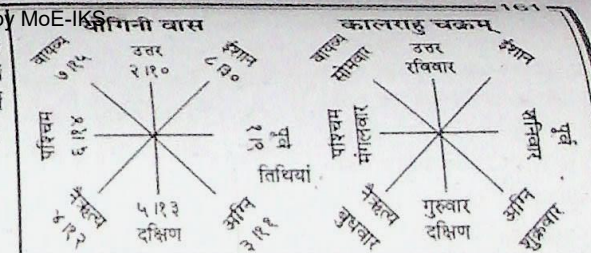
योगिनी वास   **कालराहु चक्रम्**

दिशा	योगिनी वास	कालराहु वास
पूर्व दिशा	१।९ तिथ्य	शनिवार
अग्नि कोण	३।११	शुक्रवार
दक्षिण दिशा	५।१३	गुरुवार
नैऋत्य कोण	४।१२	बुधवार
पश्चिम दिशा	६।१४	मंगलवार
वायव्य कोण	७।१५	सोमवार
उत्तर दिशा	२।१०	रविवार
ईशान कोण	८।३०	—

समय शूल— पूर्व दिशा की यात्रा के लिये प्रातः काल में समय शूल होता है, अर्थात् पूर्व दिशा की यात्रा प्रातःकाल नहीं करनी चाहिये। इसी प्रकार दक्षिण के लिए समयशूल मध्याह्न में, पश्चिम के लिये संध्याकाल में और उत्तर के लिये समय शूल मध्य रात्रि के समय होता है। समय शूल के काल में यात्रा नहीं करनी चाहिये। महत्वपूर्ण यात्रा के लिये तो आवश्यक है कि मुहूर्त में चन्द्रमा, योगिनी, दिशाशूल, कालराहु, समय शूल सभी बातों का ध्यान रखा जाय। परन्तु यदि आपने आवश्यक कार्यवश यात्रा करनी है और उपर्युक्त मुहूर्त तक प्रतीक्षा नहीं कर सकते तो निर्धारित पदार्थ खाकर यात्रा कर सकते हैं। यदि मुहूर्त के दिन के कुछ समय पश्चात् यात्रा करना चाहते हैं तो मुहूर्त समय प्रस्थान कराके इच्छित समय पर यात्रा की जा सकती है। आवश्यक कार्यों में भी जहां तक हो सके अनुकूल चन्द्रमा का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिये। राज्य कार्य सेवा कार्य में मुहूर्त नहीं देखा जाता, केवल शूल पदार्थ खाकर ही यात्रा कर सकते हैं। पूर्ण चन्द्र सम्मुख हो तो अन्य दोष नष्ट हो जाते हैं।

पन्था राहु चक्र

धर्म के नक्षत्र	अश्वि.	पुष्य	ऽश्ले.	वि.	ऽनु.	धनि.	शत.
अर्थ के नक्षत्र	भरणी	पुन.	मघा	स्वा.	ज्ये.	श्रवण	पू.भा.
काम के नक्षत्र	कृत्तिका	आर्द्रा	पू.फा.	चित्रा	मूल	अभि.	उ.भा.
मोक्ष के नक्षत्र	रोहिणी	मृग.	उ.फा.	हस्त	पू.षा.	उ.षा.	रेवती

पन्था विचार— यात्रा से समय सूर्य धर्म नक्षत्र में हो और चन्द्रमा अर्थ या मोक्ष के नक्षत्र में हो तो यात्रा शुभ होगी। सूर्य अर्थ में और चन्द्र धर्म या मोक्ष में तो भी शुभ जाने। सूर्य काम में और चन्द्रमा धर्म, अर्थ या मोक्ष में होने पर भी शुभ होगा। सूर्य मोक्ष में चन्द्रमा धर्म शुभ जानें। इनसे अन्यथा सूर्य-चन्द्र की स्थिति होती अशुभ जानो।

यात्रा में त्याज्य तिथियां

षष्ठी, द्वादशी, अष्टमी, पड़वा (शुक्ल पक्ष की), पूर्णमासी, अमावस्या, चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी ये तिथियां यात्रा में निषिद्ध हैं।

जन्म लग्न तथा राशि से अष्टम यात्रा लग्न में अशुभ है। कुम्भ लग्न और कुम्भ का निवास मीन लग्न यात्रा में वर्जित हैं। केन्द्र १-४-७-१० और त्रिकोण ५-९ स्थान में ग्रह शुभ होते हैं। चन्द्रमा लग्न से ६-८-१२वां अशुभ होता है। दशम में शनि और सप्तम में शुक्र ६-१-९-१२ इन स्थानों में लग्नेश अशुभ होता है। यात्रा में नक्षत्रों की त्याज्य घड़ी-तीनों पूर्वाओं की प्रथम १६ घड़ी, कृत्तिका की प्रथम २१ घड़ी, मघा की ११ घड़ी, भरणी की ७ घड़ी और स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, अश्लेषा इन नक्षत्रों की १४ घड़ी निषिद्ध हैं। यात्रा में भद्रा सर्वथा वर्जित है। पहला, सातवां, पांचवां और तीसरा तारा यात्रा में वर्जित है।

अगर जरूर जाना हो और दिशाशूल दोष हो तो वारों के मुताबिक पदार्थ खाकर जाने से दोष-निवृत्ति हो जाती है। नीचे चक्र में देखें।

चक्रम्

वार	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
खाने के पदार्थ	घृतयुक्त पान	चंदन	गुड़	तिल	दही	राई	तिल

भद्रायां मुखपुच्छ घटीज्ञानम्

४	८	११	१५	३	७	१०	४	मासां तिथीनाम्
१	अ.	उ.	ने.	ई.	द.	वा.	पृ.	मासां तिथीनाम्
५	२	७	४	८	३	६	१	एषुयामेष्वादी
५	५	५	५	५	५	५	५	विष्टेर्मुखघ५कृशु
८	१	६	३	७	२	५	४	चषुयामेष्वन्त्यम्
३	३	३	३	३	३	३	३	घटीत्र्यपुच्छंशुभम्

द्विपुष्कर-त्रिपुष्कर योग ज्ञानार्थ चक्र

(क्रूर) वार	रविवार, मंगलवार, शनिवार
(भद्रा) तिथि	२-७-१२
विषम चरण वाले नक्षत्र	कृति. पुन. उ.फा. विशा. उ.षा. पू.भा.
द्विपाद नक्षत्र योग बनता है।	मृग. चि. धनि. से द्विपुष्कर

त्रिपुष्कर-द्विपुष्कर योग फलम्-वार तिथि विषम चरण वाले नक्षत्रों के योग से त्रिपुष्कर योग होता है। यह योग मृत्यु, विनाश और वृद्धि में त्रिगुण फल देता है।

इसी प्रकार द्विपुष्कर योग के विषय में जानना चाहिए। इन योगों में किसी के यहां मृत्यु हो तो शास्त्रोक्त शान्ति करा लेनी चाहिए।

यात्रा के नक्षत्र

अ. अनु. ज्ये. मू. ह. म. पुन. पु. रे. रो. इन नक्षत्रों में २, ३, ५, ७, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अच्छा शकुन विचार कर अनुकूल और सामने व दाहिने होने पर यात्रा करें। योगिनी बाएं या पीठ पीछे हो तो यात्रा सफल होती है।

यात्रा में शकुन

हाथी, घोड़ा, ब्राह्मण, शराब, मांस, मछली, जल से भरा एक कलश, दही, नेवला, पुत्रवती स्त्री, शृंगार किए स्त्री, कन्या, ममोला, सरसों—ये शकुन हों तो कार्य सिद्ध होगा।

अशुभ शकुन परिहार

यात्रा में पहला अपशकुन हो तो ११ श्वास लेकर, दूसरा अपशकुन हो तो १६ श्वास लेकर और अगर तीसरा अपशकुन हो तो कभी न जाये। अनेक आचार्यों का मत है कि एक कोस जाने पर शुभ-अशुभ शकुनों का फल नहीं होगा।

यात्रा में अपशकुन

बिडाल, युद्ध, विधवा स्त्री, बन्ध्या स्त्री, चमड़ा, सन्यासी, लकड़ियां, छींक, बुरे शब्द, हड्डियां अगर इनमें से कोई यात्रा के समय सामने आवे तो कार्य नष्ट होता है, नई आपत्ति आती है।

यात्रा आदि में शुक्र-विचार

गांव से गांव जाने में, दुर्भिक्ष व विवाह में सम्मुख शुक्र का दोष नहीं होता। शुक्रान्ध—रे., अ., भ. व कृ. के प्रथम चरण तक शुक्र अन्धे रहते हैं। उसमें सम्मुख शुक्र दोष नहीं। शुक्र एवं गुरु, उदय व अस्त के ३ दिन पहले व ३ दिन बाद क्रमशः बाल व वृद्ध रहते हैं। इसमें शुभ कार्य न करें।

गोरखपतरा यात्रा मुहूर्त

पौष	माघ	फाल्गु.	चैत्र	वैशा.	ज्येष्ठ	आषा.	श्राव.	भाद्र.	आश्वि.	कार्ति.	मार्ग.	मासों की तिथियों का फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहुत सुख और अर्थपूर्ण हो, क्लेश न हो
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	भय, जीवहानि, पछतावा हो A सहित घर आवे
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	कामना सिद्धि व अर्थपूर्ण हो B कुशल घर आवे
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश व जीव हानि, कुशल से घर न आवे
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु-लाभ, व्याधि व संकट कटे, मित्र मिलें
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	घर की चिंता, मित्र संकट, कदाचित घर आवे
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	भाग्योदय, मित्र व साधनों की प्राप्ति, रत्न A
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	बहुत बुरा हो, लेन-देन करना नहीं, जीवनाश हो
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	कामना व आशापूर्ण हो, सौभाग्य का उदय हो
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य प्राप्त हो, बहुत दिन लगें किन्तु स-B
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश हो, जीव हानि नहीं, सौभाग्य पावे नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	सिद्धि प्राप्त, मित्र मिलें, विघ्न मिटे, धन लाभ

प्रहर १	प्रहर २	प्रहर ३	प्रहर ४	पूर्व दिशा	दक्षिण दिशा	पश्चि. दिशा	उत्तर दिशा
अर्थ	सुख	शोक	सुख	सुख	क्लेश	भीति	द्र-लाभ
भय	क्लेश	सुख	सुख	शून्य	नेष्ट	दारिद्र	समता
लाभ	सुख	सुख	हानि	क्लेश	दुख	इष्टला	धन प्रा.
क्लेश	लाभ	क्लेश	विना	लाभ	सुख	मंगल	श्री.प्रा.
संकट	क्लेश	भाग्य	सुख	लाभ	द्रव्य	धन	सुख
संकट	क्लेश	भय	अर्थ	भीति	लाभ	मृत्यु	अर्थ
विना	लाभ	सुख	सुख	लाभ	कष्ट	द्रव्यला.	सुख
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	कष्ट	सुख	क्लेश	सुख
लाभ	भाग्य	मित्र	मित्र	सुख	लाभ	का.सि.	कष्ट
लाभ	संपूर्ण	मरण	कुशल	क्लेश	कष्ट	अर्थ	श्री.प्रा.
मरण	अर्थ	कुशल	मरण	मृत्यु	लाभ	द्र.लाभ	शून्य
मरण	सुख	सुख	सुख	शून्य	सुख	मृत्यु	अतिक.

योगिनी फल

पृष्ठे सुख की दायिनी। सन्मुख हरती प्रान॥
दाहिनी दुःख की दायिनी। कौशिक योगिनी जान।

नोट-युद्ध, यात्रा में बायें और सन्मुख योगिनी त्याज्य है।

टिप्पणी-आग्नेया पूर्वद्विज्ञेया दक्षिणादिक च नैऋता वायवी पश्चिमादिक स्यादशानी च तथोत्तरा। अग्नेय को पूर्व में, नैऋत्य को दक्षिण, वायव्य को पश्चिम और ईशान को उत्तर दिशा में जानकर चन्द्र निवास व दिशाशूल जानना चाहिये।

अथ गृहारंभ-द्वारशाखा-गृह प्रवेश मुहूर्त ... स्थानों में शुभ और ३६८१२ में पाप ग्रह हों तो नूतनगृह में प्रवेश शुभ होता है। पुरातन गृहप्रवेश में श्रा., का., मार्ग., मासेषु ह. अश्वि., पुष्य, — 163

अथ गृहारंभ-द्वारशाखा-गृह प्रवेश कूपादि मुहूर्ताः

भूमि सुप्तज्ञानम्

संक्रांतिमिति दिन पांचवें ५ सप्तम ७ नवमें ९ जोय। दश १० इक्कीस २१ चौबीसवें षट दिन पृथ्वी सोय॥

आवश्यके त्याज्य घटिका

पंचमेवाण ५ घट्याश्चसप्तमेरुद्र ११ संज्ञका। नवमे ऋषव७श्चैवदशमे चषट् ६ नाड़िका: एक विशेयम् १४श्चैव चतुर्विंशेदश १० नाड़िकाघटिका वर्ज्यनीयाश्च भूमीकर्मणिसर्वदा।

काकिणी विचार

अवर्ग (१) कवर्ग (२) चवर्ग (३) टवर्ग (४) तवर्ग (५) पवर्ग (६) यवर्ग (७) शवर्ग (८) इन आठ प्रकार के वर्गों में से मनुष्य का नाम जिस वर्ग की संख्या में हो उस संख्या को २ से गुणाकर ग्राम के वर्ग की संख्या को मिलाकर ८ का भाग दें तो मनुष्य की काकिणी होगी। इसी तरह ग्राम का नाम जिस वर्ग संख्या में हो उसकी द्विगुण कर अपने नाम की वर्ग संख्या को युक्त कर ८ का भाग दें तो ग्राम की काकिणी होगी। इसमें से जिसकी काकिणी अधिक हो वह दूसरे का ऋणी होता है, अर्थात् मनुष्य की काकिणी से ग्राम की काकिणी सदा अधिक होनी चाहिए। ग्राम के निवास को जान कर गृहारम्भ के मुहूर्त का विचार करें।

गृहारम्भ मासे नक्षत्रादि विचार

वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, माघ, फाल्गुन महीने गृहारम्भ में श्रेष्ठ कहे हैं। भाद्रपद और कार्तिक मास मध्यम हैं। २।३।५।१०।११।१२।१३ इन तिथियों में, चं.बु.शु.श. वारों में, रो. मृ. पुन. ह. चि. स्वा. अनु. उत्तरा ३ ध.श.रे. नक्षत्रों में, २।३।५।६।८।९।११।१२ लग्नों में अग्निवाण और भूमिशयन से रहित दिनों में लग्न से केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ और ३।६।११ स्थानों से पापग्रह तथा अष्टम स्थान शुद्ध होने पर गृहारम्भ मुहूर्त शुभ होता है।

गृहारम्भ मुहूर्त के दिन सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र से अभिजित नक्षत्र सहित दिन का नक्षत्र जितनी संख्या पर आवे नीचे लिखे चक्र के अनुसार उतनी संख्या पर जो अंक हो, उसका फल जान लें।

सूर्यभात वृषवास्तु चक्र

अग्रपादे पृष्ठपाद			पृष्ठे	द.कु.	पुच्छे	वामकुक्षौ	मुखे
३	४	४	३	४	३	४	३
दाह	नाक	स्थिर	श्री	नाभ	नाश	नेष्ट	पीड़ा

द्वारशाखा स्थापन मुहूर्तः

अश्वि. रो. मृ. पुष्य हस्त स्वा.श्रव. उत्तरा ३ इन नक्षत्रों में शुभ तिथि शुभ वारों में द्वारशाखा देहली (दलीज) स्थापन करना शुभ है।

सूर्य भात् देहली चक्र

शिरसि	कोण	शाखाया	देहल्यां	मध्य	स्थानानि
४	८	८	३	४	नक्षत्राणि
लक्ष्मी	उद्वेग	देहसौख्य	मृत्यु	सौख्य	फलम्

जलाशय देवालय प्रतिष्ठा

अश्वि. मृग. पु. पुष्य चित्रा स्वाति अनुराधा अभि. श्रवण धनिष्ठा शत. रेवती एषुभेषु. २।३।५।६।७।१०।११।१२।१३।१५ एषु तिथिषु भौमवार बिना उत्तरायणे गुरु, चन्द्र, शुक्र दृश्ये: शुभे लग्ने वा स्थिर लग्ने प्रतिष्ठा कार्या। तत्स्वामी नक्षत्रे तिथि मुहूर्त-लग्ने वा स्थिर लग्ने। कुम्भे ब्रह्मा। कन्यायां विष्णु। मिथुने रुद्र:। सिंहे सूर्य: मिथुन कन्या धनु मीनेषु देव्य:। मेष कर्क तुला मकरेषु योगिनी। वृष सिंह वृश्चिक कुम्भेषु सर्व देवानां प्रतिष्ठा कार्या।

कूप चक्र

नक्षत्र वारो तिथि संयुक्ता वेदाहतं तद् गणकेनकार्यम्। एकावशिष्टं च जलहिनागे द्वाभ्यां च शेषं सलिलं च स्वर्गे। त्रिशून्य शेषे भुवसंस्थितं च भूसंस्थितं सुष्ठु वदन्ति विज्ञा:।

इशान्ये पुष्टि: पूर्वे ऐश्वर्य्यम् आग्नेये पुत्रनाश:
उत्तरे सुखम् मध्येऽर्थनाश: दक्षिणे स्त्रीनाश
वायव्ये शत्रुभयम् पचिमे धनलाभ: नैऋत्ये स्वामीनाश

गृह की जिस दिशा में कूप लगाया जावे उस का फल ऊपर लिखे चक्र से जान लें। जैसे घर की उत्तर दिशा में सुख इत्यादि।

सूर्यभात्कूप जल विचारः

३	३	३	३	३	३	३	३	३
स्वादु	खंडित	स्वादु	क्षय	स्वादु	क्षार	शिक्षा	मिष्ठ	क्षार
जल	जल	जल	जल	जल	जल	जल	जल	जल

राहु मुख ज्ञानम्

देवालय प्रारम्भ में मीनादि से तीन-तीन राशिपर्यन्त सूर्य की स्थितिवश में ईशाणादि विपरीत विदिशा के क्रम से राहु का मुख होता है। इसी तरह गेहविधि में सिंहादि तीन-तीन राशि की स्थिति वश ऊपर कहे हुए क्रम से राहु का मुख कहा है मुख की विदिशा से जो पृष्ठ की विदिशा हो उस में खात करना शुभ है।

खात चक्रम्

इशान्ये	वायव्ये	नैऋत्ये	आग्नेये	राहोर्मुखम्
१२।१।२	३।४।५	६।७।८	९।१०।११	देवालये
५।६।७	८।९।१०	११।१२।१	२।३।४	गेहविधौ
१०।११।१२	१।२।३	४।५।६	७।८।९	जलाशये
आग्नेय	ईशाने	वायव्ये	नैऋत्ये	कोणा:
खात: शुभ	खात: शुभ	खात: शुभ	खात: शुभ	खात: शुभ

नूतन गृह प्रवेश

वै. ज्ये. माघ फाल्गुन महीनों में रा. रे., ति. अनु. उत्तरा ३ नक्षत्रों में २।३।४।५।६।७।८।९।१०।११।१२।१३।१४।१५ तिथियों में चं. बु., बृ. शु. श. वारों में अपने जन्म ग्न वा जन्म राशि से आठवां लग्न न हो। उपचय लग्न में वा स्वजन्मलग्नात् एते उपचंया ३।६।१०।११ स्थिर लग्न में से ४।८ स्थान शुद्ध होने पर पर्व-रहित दिन में लग्न से १२५७९१० [illegible]भ और ३।६।११ में पाप ग्रह हों तो नूतनगृह में प्रवेश शुभ होतत है। पुरातन गृहप्रवेश में श्रा., का., मार्ग., मासेषु ह. अश्वि., पुष्य, मृग., श्र., ध., एषुभेषु चापि शुभ:। आवश्यके गुरु शुक्रास्त न विचारणीयम्।

सूर्य भात्प्रवेश समय कुम्भ चक्र

मुख	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	गर्भ	गुदे	कंठे
१	४	४	४	४	४	३	३
अग्निदाह	उद्वेग	लाभ	कीर्ति:	कलह	नाश	स्थिर	स्थिर

दुकान खोलने का मुहूर्त्त

वाणिज्य कर्म— अनु., तीनों उत्तरा, पुष्य, रेवती, रोहि., मृगशिरा, हस्त, चित्रा, अश्वि. नक्षत्रों में रिक्ता तिथि छोड़कर शुभवार में वाणिज्य कर्म शुभ है।

बहीखाता पत्रारम्भ मुहूर्त्त— अश्विनी, रोहिणी, चित्रा, अनुराधा, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, श्रण, रेवती शुभ है। ४, ९, १४, ३० रहित तिथि रवि, सोम, बुध, गुरु, शनिवार शुभ मुहूर्त्त चर एवं द्विस्वभाव लग्न में ८, १२ घर पाप रहित तथा केन्द्र कोण में शुभ ग्रह हों।

मशीनरी चालू करना— आश्लेषा, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, पुष्य, ज्येष्ठा, पुनर्वसु, रेवती नक्षत्र शुभ है।

मुकद्दमा दायर करना— ४, ९, १४ तिथि, मंगलवार, शनिवार, कृत्तिका, आर्द्रा, धनि., आश्ले., मघा, ज्येष्ठा, मूल, विशा., तीनों पूर्वा हों, भद्रा हो तो उत्तम है।

ऋण लेने का मुहूर्त्त— अश्विनी, स्वाति, पुनर्वसु, विशाखा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा में चर लग्न में ऋण लेना शुभ है। मंगल के दिन, वृद्धि योग में, सूर्य संक्रांति के दिन, धनिष्ठा आदि पंचकों में, हस्त, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर योगों में ऋण नहीं लेना। रविवार को ऋण ले तो कभी मुक्ति नहीं मिलती। मंगलवार को ऋण वापस करना अच्छा है।

हट्ट चक्र

नक्षत्र	२	२	४	४	३	४	४	४
फल	सौख्य	विक्रयनाश	धननाशे	सुख	श्रेष्ठ	क्षोभ	हानि	शुभ

नौकरी का मुहूर्त्त

अ. मृ. पुष्य, ह. चि. अनु. रेवती एषु मेषुरिक्ता रहित तिथिषु सु.बु.बृ.शु. वारेषुशुभ लग्ने १०, ११ स्थान में सूर्य भौम वा स्वामी सेवक की राशिश और योनि से मित्रता हो।

हल प्रवाहनम्— अ.रो.मृ.पुन.पु. उत्तरा ३, ह.चि.स्वा. अनु.मू.श्र.ध.श.रे. एषुमेषु २।३।५।७।१०।१२।१३ तिथिषु चन्द्र बुध बृह. शुक्रवारेषु २।३।१।८।९।१२ लग्नेषु व्यतिपात पूर्वे रहित काले शुभस्यात्।

सूर्य भात हल चक्रम्

३	३	३	५	३	५	३	३	नक्षत्र
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	फलम्

अथ बीज बीजने का मुहूर्त

अ. रो. मृ. पुन. पुष्य म. उत्तरा ३. ह. चि. स्वा. अनु. मूल. धनि. रेवती एषुमेषु चन्द्र बुध वृह शुक्र वारेषु २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ एषु तिथिषु शुभेलग्ने शुभस्यात्।

राहु भात बीज वापन चक्रम्

८	३	१	३	१	३	१	३	४	नक्षत्र
अशु	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	फलम्

अथ खेती काटने का मुहूर्त

भ.कृ.मृ.आर्द्रा. पुष्य.श्ले. मघा, पूर्वा ३, उत्तरा ३, हस्त, चित्रा, स्वा., ज्येष्ठा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा एषुमेषु शुभवासरे, शुभ लग्ने शुभं स्वात्।

अथ खेतों से अन्न निकालने का मुहूर्त

रोहिणी, मघा, पू.फा., उ.फा. अनु., ज्येष्ठा, मूल, श्रवण एषुमेषु चन्द्र बुध, बृह, शुक्र, वारेषु २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १३, १५ तिथिषु शुभलग्ने कण मर्दन स्यात्।

अथ अन्न घर लाने का मुहूर्त

अश्विन, रोहिणी, मृग., पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनि., रेवती एषुमेषु चन्द्र, बुध, बृह., शुक्र वारेषु २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५ तिथिषु शुभे लग्ने शुभस्यात्।

अथ नवान्न भक्षणम्

अश्वि., रोहिणी, मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनि., शत., रेवती एषुमेषु शुभवारेषु १, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३, तिथिषु शुभलग्ने शुभस्यात्।

अथ अन्न बेचने का मुहूर्त

कृत्तिका, रोहिणी, तीनों उत्तरा, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल एषुमेषु २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३ तिथिषु, शुभवासरे शुभस्यलग्ने शुभस्यात्।

अथ अन्न खरीदने का मुहूर्त

रोहिणी, ध., शत., तीनों उत्तरा एषुमेषु चन्द्र, बुध, बृह., शुक्र वारेषु २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३ तिथिषु शुभे लग्ने शुभंस्यात्।

अथ बीज संग्रह मुहूर्त

हस्त, चित्रा, स्वाति, पुन., रोहिणी, मृग., श्रवण, धनि. एषुमेषु २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३, १५ एषु तिथिषु चन्द्र, बुध, बृह., शुक्र वारेषुशुभे लग्नेशु शुभंस्यात्।

अथ लता औषधि लगाने का मुहूर्त

अश्वि., रोहिणी, मृग., आर्द्रा, पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, विशाखा एषुमेषु चं.बु.बृ.शु. वारेषु शुभ तिथौ शुभलग्ने शुभंस्यात्।

अथ अर्जी देने का मुहूर्त

भरणी, मूल, आर्द्रा, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा एषुमेषु शनि, मंगल वारे ४, ९, १४ तिथौ क्रूर चन्द्रे सति शुभंस्यात्।

अथ होलाष्टकम्

शुक्लाऽष्टमी समारभ्य फाल्गुनस्य दिनाष्टकम्
विपाशैरावती तीरे शतुद्राश्य त्रिपुष्करे।
विवाहादि शुभे नेष्टं होलिका प्राग दिनाष्टकम्॥

अथ होम अग्नि वासः

शुक्लादि तिथि वर्तमान वार दोनों को जोड़ कर एक और मिलाओ ४ का भाग दो यदि ३ या चार बचे तो अग्नि का वास पृथ्वी पर जानना होम में सुख होता है। यदि १ या दो बचे तो अग्नि का वास वर्ग वा पाताल में होता है होम में प्राण और धन का नाश करता है।

अथ ग्रहों के मुख में आहुति

सूर्य के नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिने प्रथम इसे सूर्य मुख में, इसी तरह सब ग्रहों के मुख में आहुति जाननी।

सूर्य	बुध	शुक्र	शनि	चन्द्र	मंगल	बृह.	राहु	केतु	ग्रह
३	३	३	३	३	३	३	३	३	नक्षत्र
शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	फल

अथ ग्रहायां होमयेंसमिधः। अर्क-पलाशः खदिरस्त्वपामर्गो ऽर्थपिप्पलः॥ औदुम्बरः शमी दूर्वाकुशाच्चसमिधः क्रमादिति॥ सन्तानप्रदमंत्रौ। देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जगतपते। देही मे तनयं कृष्णत्वामहं शरणंगतः। कौशल्याशुशुभेतेन पुत्रेणामिततेजसा। यथावरेहणदेवाननामदितर्वजपाणिना॥ सपादलक्ष जपः तिल पायसधृतंदशांशहवनं। तद् शांततर्पणम्। दद्शांश ब्राह्मण भोजनम्।

यात्रायां द्वादशराशिगत चन्द्रफलम् आद्यचन्द्रःश्रियं कुर्याद्द्वितीये धनधान्यदः। तृतीये राजसन्मानं चतुर्थेकलहा गमः॥१॥ पंचमे ज्ञानवृद्धिश्च षष्ठे सम्पत्तिरुत्तमा॥ सप्तमे सुखकृच्चन्द्रो ह्यष्टम मरणं भवेत् (कष्टं वा)। ९वें भाग्यवृद्धिश्च दशमे सुखसबः। एकादशे सर्वलाभोद्वादशं चाशुभावहः॥ आवश्यकं द्वादशगतेऽपि यात्रा कार्यानिष्टचन्द्रदानतु। दधि तण्डुलश्वेतघृतरजतमुक्तादयः॥

कदा द्वादशस्वस्थश्चन्द्रमाशुभवः॥ आधाने-सम्प्रदाने च विवाहे राजविग्रह॥ पाणिग्रहे प्रयाणे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः। अभिषेके निषेके च गृहे पुंसवनादिषु। यात्रा युद्धे विवाहे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः।

अथ सर्वेषां श्राद्धानां कालविभावगः पूर्वार्द्धदैविकं श्राद्धमपरान्हे तु पार्षणम्। एकोदिष्टं तु मध्यान्हे प्रातवृद्धिनिमित्तके शुक्लपक्षस्य पूर्वान्हे श्राद्धंकुर्याद्विचक्षणः॥ कृष्णपक्षेऽपराहे च रौहणं न तुलच्छयेत्॥ क्षयाहे विशेषः। न ज्ञायते मृताहश्चेत्यमीते प्रोषिते सति। मासश्चैत्प्रतिविज्ञात-स्तछशस्यान्मतेऽहनि। श्राद्धविघ्न निर्णयः। श्राद्धविघ्नं समुत्पन्ने ह्यविज्ञाते मुतेऽहनि। एकादश्यां तु कर्तव्य कृष्णपक्षे विशेषतः॥ इति॥

गयाश्राद्धकालः॥ मीने मेषेस्थिते सूर्य कन्यायां कार्म के घटे दुर्लभं त्रिषु लोकेषु गयायां पिण्डपातनम्। मकरे वर्तमाने च ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः दुर्लभत्रि.। गयायासर्वकालेपुपिण्डं दद्याद्विचक्षणः। अधिमासे जन्मदिने अस्ते चगुरुशुक्रयोः॥ न त्यक्तव्यं गया श्राद्ध सिंहस्थे च बृहस्पतौ।

ऋण देना या धन व्यापार में लगाना— स्वाती, पुनर्वसु, चित्रा, अनुराधा, मृगशिरा, रेवती, विशाखा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अश्विनी, इन नक्षत्रों में, चर, लग्न में और १, ५, ८ स्थानों में कोई ग्रह न हो तो तब द्रव्य को ऋण में देना रोजगार में लगाना शुभ है। मतान्तर से १, १२, ६ तिथि छोड़कर अन्य तिथियों में, तीनों उत्तरा और रोहिणी अन्य नक्षत्रों में शनिवार छोड़कर अन्य वार में कर्ज देना चाहिए।

बंटवारे का मुहूर्त— अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ लग्न में बंटवारा करना शुभ रहता है।

वसीयतनामा एवं उत्तराधिकार देने का मुहूर्त— चैत्र मास छोड़कर उत्तरायण में अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराभाद्रपद, उत्तराषाढ़ा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण एवं रेवती नक्षत्रों में रिक्ता तिथि (४, ९, १४) छोड़कर अन्य तिथियों में मंगलवार छोड़कर अन्य वारों में गुरु, शुक्र, चन्द्र के उदय रहते शुभ लग्न में वसीयतनामा अथवा राज्याभिषेक करना शुभ होता है।

मंत्री अथवा उच्चाधिकारी से मिलने का मुहूर्त— तीनों उत्तरा, श्रवण, धनिष्ठा, मृगशिर, पुष्य, अनुराधा, रोहिणी, रेवती, अश्विनी, चित्रा, हस्त ये नक्षत्र रविवार सहित शुभ दिनों में तथा गोचरोक्त सूर्य बली हो तो मुलाकात करना शुभ है।

मन्त्री पद की शपथ लेना— उत्तरायण में, गुरु, शुक्र, चन्द्र ग्रहों के उदित रहते और मंगल, सूर्य तात्कालिक लग्न का स्वामी, तात्कालिक दशा का स्वामी, जन्म लग्नेश इन ग्रहों के बली रहते शुभ है। चैत्र मास, मलमास और ४, ९, १४ तिथि मंगलवार तथा रात्रि में अशुभ है इसलिए वर्जित है। ज्येष्ठा, श्रवण, हस्त, अश्विनी, पुष्य, मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा में और ३, ५, ६, ७, ८, ११ राशि की लग्न में या जातक की जन्म लग्न, जन्म राशि से ३, ६, ११वें शुभ राशि के लग्न में रहने और शपथकालिक लग्न से ३, ६, ११वें स्थान में पाप ग्रह हों या केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह हों तब शपथ ग्रहण करना शुभ है।

देव-प्रतिष्ठा का मुहूर्त— विभिन्न देवताओं की (चैत्र को छोड़कर उत्तरायण सूर्य में) प्रतिष्ठा तथा जलाशय, नाग आदि की प्रतिष्ठा, अश्वि., रो., मृग., पुन., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., श्रवण, धनि., शत., रेवती नक्षत्रों में मंगलवार को छोड़कर अन्य वारों में, शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३ तिथियों में गुरु शुक्रोदय पंचांग शुद्धि, चन्द्र तारा शुद्धि देख कर करना चाहिए।

प्रेत क्रिया मुहूर्त— अश्विनी, पुष्य, हस्त, आश्लेषा, मूल, ज्येष्ठा, श्रवण, आर्द्रा और स्वामी नक्षत्र में प्रेत क्रिया करना उचित है, यदि मरणकाल में किसी कारणवश न की गई हों। धनिष्ठा नक्षत्र का उत्तरार्ध, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद रेवती इन साढ़े चार नक्षत्रों में प्रेत का दाह वर्जित है।

विभिन्न प्रकार के उपयोगी मुहूर्त

नाम मुहूर्त	तिथि	वार	नक्षत्र-मास-लग्नादि शुद्धिकरण
सीमन्तोन्नयन मुहूर्त	१, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३	रवि गुरु मंगल	मृग., पुष्य, मूल, श्र., पुन, हस्त मतान्तर से तीनों उत्तरा, रोहिणी, रेवती। मासेश्वर केबली रहते गर्भाधान से ८ या ६ मास में, केन्द्र व त्रिकोण के शुभ ग्रहों के रहते ३, ६, ११ स्थान में क्रूर ग्रह और पुरुष ग्रह लग्न या नवांश में शुभ होता है।
पुंसवन मुहूर्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३	मंगल गुरु शु. रवि	श्रव., रोहि., पुष्य, उत्तम। मृग., पुन., हस्त, रेवती, मूल और तीनों उत्तरा मध्य है। गर्भाधान से तीरे मास में पुरुष संज्ञक लग्न में, लग्न से १, ४, ५, ७, ९, १० इन स्थानों में शुभ ग्रह हो। चन्द्रमा १।६।८।१२वें न हो, पाप ग्रह ३।६।११वें शुभ होंगे।
सूतिका स्नान	१, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३	सू. मं. गुरु	रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिर, हस्त,स्वाति, अश्विनी अनुराधा। पंचम में कोई ग्रह न हो, केन्द्र १।४।१०।७ में शुभ ग्रह हो।
नामकरण	१, २, ३, ५, ७, १०, १३	चन्द्र बुध गु. शु.	अश्विन, रोहिणी, मृग., पुन., पुष्य, तीनों उत्तरा,हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, अभि., श्रवण, दनि, शत, रेवती। लग्न से १।५।७।९।१० स्थानों में शुभ ग्रह हो। ३।६।११ में पाप ग्रह शुभ, ८।१२ में सभी ग्रह अशुभ।
स्तनपान	शुभ	शु. भु. चं. गु.	अश्विन, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।
कर्ण वेध	१, २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १३, १५	चंद्र बुध गु. शु.	अश्वि., पुन., पुष्य, मृग., हस्त, चित्रा, अनु., श्रव., धनि और रेवती लग्न २।३।४।६।७।९।१२ यदि गुरु तो विशेष उत्तम, शुभ ग्रह १।३।४।५।७।९।१०।११ में उत्तम। पाप ग्रह ३।६।११ में शुभ, ८वें कोई ग्रह न हो।
मुण्डन	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३	चंद्र बुध गु. शु.	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्ये., श्रवण, धनि., शत. रेवती। लग्न २।३।४।६।७।९।१२ शुभ ग्रह १।२।४।५।७।८।१०वें हो। पाप ग्रह ३।६।११ में शुभ ८वें कोई ग्रह न हो, जन्म से विषम वर्ष शुभ।
विद्यारम्भ	५, ६, २, ३, ११, १२, १०	र. गु. शु.	अश्विनी, मृग., आर्द्रा, पुन., पुष्य, अश्ले, तीनों पूर्वा, हस्त, चित्रा, स्वाति, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा।
यज्ञोपवीत	शु. प. २, ३, ५, १०, ११, १२ कृ. पक्ष की १, २, ३, ५	सू. चं. बुध गुरु शुक्र	अश्विनी, रोहिणी, आर्द्रा, पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., मूल, श्रवण, धनि., शत., रेवती, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा नक्षत्र शुभ। लग्नेश ६।८ में अशुभ, शुभ ग्रह १।४।७।५।९।१०वें स्थान में शुभ, पाप ग्रह ३।६।११वें में शुभ पुरुष १।४।८वें में सभी पाप ग्रह अशुभ होंगे।
जल पूजा कुआं पूजा	शुभ	चं. बु. गुरु	मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., मूल, श्रवण नक्षत्र श्रेष्ठ। रिक्ता तिथि, गुरु, शुक्रास्त, बाल वृद्ध, चैत्र, पौष व मलमास, श्राद्ध पक्ष, मासान्त आदि वर्ज्य करें।
सगाई/वाग्दान	शुभ	शुभ	तीनों पूर्वा, तीनों उ., कृ., रो., मृग., मघा, ह., स्वा., अनु., मूल, श्रव., धनि., रेव.
द्विरागमन (गौना) (मुकलावा)	शुभ	चन्द्र बुध गुरु शुक्र	तीनों उत्तरा, अश्वि., रोहि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., मूल, श्रव., धनि., शत., रेवती। विवाह के बाद विषम वर्षों में, मेष वृश्चिक और कुम्भ के सूर्य में। २।३।६।७।१२ लग्न में शुभ, लग्न से १।२।३।५।७।१०।११वें शुभग्रह और ३।६।११वें भाव में पाप ग्रह शुभ होते हैं।
पुनर्विवाह	शुभ	सू. म. गु. शु.	अश्वि., हस्त, चित्रा, स्वा., विशाखा, अनु., धनि.। लग्न २।५।८।११, लग्न से १।२।३।५।७।१०।११ में शुभ ग्रह हो और ३।६।११ में पाप ग्रह होते हैं।
गन्धर्व विवाह	शुभ	सू. म. शनि	अश्वि., कृत्तिका, आर्द्रा, पुन., अश्ले., ज्ये., धनि., शत. नक्षत्र शुभ गुरु शुक्रास्त एवं मासादि दोषेधि नास्ति।
बीज बोने का मुहूर्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३, १५	चं. बु. गु. शु.	अश्वि., रोहि., मृग., पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति अनु., मूल, धनि., रेवती सम्मुख चन्द्रमा शुभ होता है।
फसल काटने का मुहूर्त	२,३,५,६,७,८,१०, ११,१२,१३,१५	सू. चं. बु. गु. शु.	भर., कृति., मृग., आर्द्रा, पुष्य, अश्ले., मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वा., ज्ये., मूल, पूर्वाषाढ़, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद। लग्न २।५।८।११ शुभ होता है।
कुआं व ट्यूबेल	शुभ	बु. गु. शु. चं.	रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, अनुराधा, पूर्वाषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।
दुकान	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३	सू. च. बु. गु. शु. श.	अश्वि., रोहि., मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनु., रेवती। कुम्भ लग्न को छोड़, चन्द्र शुक्र लग्न में रहते, १२, ८, पाप ग्रहों के न रहते, २, १०, ११वें शुभ ग्रहों के रहते दुकान खोलना श्रेष्ठ है।
बड़े-बड़े व्यापार करना	२, ३, ५, ७, ११, १३	बु. गु. शु.	पुष्य, हस्त चित्रा और तीनों उत्तरा। कुम्भ लग्न को छोड़, चन्द्र शुक्र लग्न में रहते ८, १२वें पाप ग्रह न हो। २, १०, ११वें शुभ ग्रह हो।
ऋण का लेन देन करना			रवि, मंगलवार, संक्रांति दिन, वृद्धि योग, द्विपुष्कर व त्रिपुष्कर योग और हस्त नक्षत्र के दिन कभी ऋण न लें। अगर ले लिया जाये तो उस ऋण से मुक्ति न मिले और बुधवार के दिन कभी द्रव्य न दिया जाये।
बही खाता	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५	सू. चं. बु. गु. श.	मृगशिर, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, रेवती। चर तथा द्विस्वभाव लग्न श्रेष्ठ है।
क्रय खरीदना	शुभ	शुभ	शुक्ल पक्ष की ११ से कृष्ण पक्ष की ५ तक की तिथियों में अश्विनी, चित्रा, स्वाति, श्रवण, शतभिषा, रेवती नक्षत्र शुभ होते हैं।
विक्रय बेचना	शुभ	शुभ	भरणी, कृत्तिका, अश्लेषा, तीनों पूर्वा, विशाखा नक्षत्र। शुक्ल पक्ष की ११ से कृष्ण पक्ष की ५ तक कुम्भ लग्न को छोड़कर बेचना शुभ होता है।
नौकरी करने का मुहूर्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३	सू. बु. गु. शु.	अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, रेवती नक्षत्र शुभ होते हैं।
कार्य सीखना	२, ३, ५, ७, ८, १०, १२, १३, १५	च. बु. गु. शु.	अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, स्वाति, अनुराधा, अभिजित, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।
दत्तक (पुत्र गोद लेना)	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५	सू. मं. गु. शु.	अश्विनी, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, धनिष्ठा नक्षत्र; स्थिर लग्न २।५।८।११ शुभ हैं।
गृह निर्माण	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५	चन्द्र बुध गु. शु. शनि	रोहि., मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनु., धनि., शत., रेवती नक्षत्र शुभ हैं। बैशाख, श्रावण, पौष, माघ, फाल्गुन श्रेष्ठ हैं। लग्न २।३।५।६।८।९।११।१२ शुभ। शुभ ग्रह लग्न से १।४।७।१०।५।९ इन स्थानों में एवं पाप ग्रह ३।६।११ शुभ होते हैं। ८।१२ में कोई ग्रह नहीं लेना चाहिए।
नूतन गृह प्रवेश	२, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३	चन्द्र बुध गु. शु. शनि	रोहि., मृग., चित्रा, अनु., रेवती, तीनों उत्तरा नक्षत्र ५ हैं। लग्न २।५।८।११ उत्तम हैं ३।६।९।१२ मध्यम हैं। लग्न से १।२।३।५ ७।९।१०।११ स्थानों में शुभ ग्रह शुभ होते हैं। ३।६।११ स्थानों में पाप ग्रह शुभ होते हैं। ८।४ मे कोई ग्रह नहीं होना चाहिए। माघ, फाल्गुन, बैशाख, ज्येष्ठ मास में प्रवेश उत्तम होता है।
जीर्ण गृह प्रवेश	२, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३	चन्द्र बुध गु. शु.	रोहि., मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा, स्वाति, अनु. धनि., शत., रेवती नक्षत्र शुभ हैं। वैशाख, ज्येष्ठ, श्रावण, कार्तिक, मार्गशीर्ष, माघ, फाल्गुन मास श्रेष्ठ होते हैं। लग्न शुद्धि अवश्यक करें।
मन्त्र सिद्धि मुहूर्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५	सू. चं. बु. गु. शु.	अश्विन, मृगशिर, उ.फा., हस्त, विशाखा, श्रवण नक्षत्र शुभ हैं।
मुकदमा दायर करना	३, ५, ८, १०, १३, १५	र. बु. गुरु शुक्र	भरणी, आर्द्रा, श्ले, मघा, तीनों पूर्वा, ज्येष्ठा, मूल नक्षत्र शुभ होते हैं। लग्न ३।६।७।८।११ शुभ होते हैं। सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्रमा १।४।७।१० स्थान में पाप ग्रह ३।६।११ स्थान में शुभ होते हैं परन्तु ८वें कोई ग्रह न हो।
वाहन लेना	शुभ	चं. बु. गु. शु.	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनु., श्रवण, धनि., शत, रेवती नक्षत्र शुभ हैं। लग्न शुद्धि आवश्यक है। सूर्य नक्षत्र से दिन के नक्षत्र तक गणना करें। १ से ९ तक नेष्ट, १० से १५ श्रेष्ठ, १६ से २४ नेष्ट, २५ से २७ श्रेष्ठ होते हैं। लग्न से ८।१२ कोई ग्रह हो।
सर्वारम्भ मुहूर्त	शुभ	शुभ	लग्न से १२।८ स्थान शुद्ध हो अर्थात् कोई ग्रह न हो तथा जन्म लग्न व जन्मराशि से ३।६।१०।११ स्थान में हो तो सभी प्रकार कार्य प्रारम्भ करना शुभ होता है।

सर्व कार्य-सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त्त

सर्व कार्य-सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त्त पूर्ण फलदायक और अचूक माने गए हैं। सात ग्रहों के सात होरा हैं जो दिन-रात के २४ घण्टों में घूमकर मनुष्य को कार्य-सिद्धि के लिए अशुभ समय में भी सुसमय सुअवसर प्रदान करते हैं। सूर्य का होरा राज-सेवा के लिए उत्तम है, प्रवास के लिए शुक्र का होरा, ज्ञानार्जन के लिए बुध का होरा, सर्वकार्य सिद्धि के लिए चन्द्रमा का होरा, द्रव्य-संग्रह के लिए शनि का, विवाह के लिए गुरु का तथा युद्ध, कलह और विवाद के लिए मंगल का होरा उत्तम होता है। प्रत्येक होरा १ घण्टे का होता है। जिस दिन जो वार होता है, उस वार के (सूर्योदय के समय) १ घण्टा तक उसी वार का होरा रहता है। उसके बाद १ घण्टे का दूसरा होरा उस वार के छठे वार का होता है। इसी प्रकार दूसरे होरे के वार से छठे वार का होरा तीसरे घण्टे तक रहता है। इस क्रम से २४ घण्टे में २४ होरा बीतने पर अगले वार के सूर्योदय-समय उसी (अगले) वार का होरा आ जाता है। जिस कार्य की सिद्धि के लिए ऊपर जो होरा श्रेष्ठ लिख आए हैं, किसी भी दिन उस होरा के १ घण्टे-मुहूर्त में वह कार्य करेंगे तो सफलता आपके हाथ रहेगी। प्रत्येक वार २४ घण्टों का होरा चक्र नीचे भी दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए मान लीजिए, आज गुरुवार है और आज ही आपको कहीं प्रवास करना (जाना) है। ऊपर प्रवास के लिए शुक्र का होरा श्रेष्ठ लिख आए हैं, अतः मालूम करना है कि आज गुरुवार के दिन शुक्र का होरा किस-किस समय रहेगा। चक्र में गुरुवार के सामने खाने में देखा तो चौथे, ग्यारहवें घण्टे में शुक्र का होरा मिला।

वार	हो. १	हो. २	हो. ३	हो. ४	हो. ५	हो. ६	हो. ७	हो. ८	हो. ९	हो. १०	हो. ११	हो. १२	हो. १३	हो. १४	हो. १५	हो. १६	हो. १७	हो. १८	हो. १९	हो. २०	हो. २१	हो. २२	हो. २३	हो. २४
र.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.
चं	चं	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.
मं.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.
बु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.
गु.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.
शु.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.
श.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.

बिना सारिणी के किसी वार को अभीष्ट होरा निकालने का नियम:— किसी भी वार का प्रथम होरा वारेश (उसी बार) से प्रारम्भ होता है। उस वार से विपरीत क्रम से वारों को एक-एक के अन्तर से गिनें। जैसे, बुधवार को प्रथम होरा बुध का, तत्पश्चात् विपरीत क्रम से मंगल को छोड़कर सोम (चन्द्र) का होरा होगा एवं रवि को छोड़कर शनि का होरा होगा। इसी क्रम से आगे शेष २१ होरा उस दिन व्यतीत होंगे।

किस होरा में कौन सा कार्य करें?

रवि की होरा— राज्याभिषेक, प्रशासनिक कार्य, नवीन पद-ग्रहण, राज-दर्शन, राज्यसेवा, औषधि का निर्माण, स्वर्ण-ताम्रादि कार्य, यज्ञ-यागादि, मन्त्रोपदेश, गाय-बैल एवं वाहन का क्रय उत्सव।

चन्द्र (सोम) की होरा— कृषि सम्बन्धी कार्य, नवीन वस्त्र अथवा मोती रत्न, आभूषण धारण, नवीन योजना, परिकल्पना, कला सीखना, बाग-बगीचा लगाना, वृक्षारोपण, चांदी की वस्तुओं का निर्माण।

मंगल की होरा— वाद-विवाद, मुकद्दमा, जासूसी कार्य, छल करना, असद् कार्य, ऋण देना, युद्ध-नीति, साहस कृत्य, खनन कार्य, स्वर्ण-ताम्रादि कार्य, शल्य-क्रिया (आपरेशन), व्यायाम।

बुध की होरा— साहित्यारम्भ, पठन-पाठन, शिक्षा-दीक्षा, लेखन, प्रकाशन, अध्ययन, शिल्पकला, मैत्री, क्रीड़ा, धान्य-संग्रह, चातुर्य, बही-खाता, हिसाब-किताब, लोक-सम्पर्क, पत्र व्यवहार।

गुरु की होरा— धार्मिक कार्य, विवाह, ग्रह-शान्ति, यज्ञ-हवन, दान-पुण्य, मांगलिक कार्य, देवार्चन, देव-प्रतिष्ठा, न्यायिक कार्य, नवीन वस्त्राभूषण धारण, विद्याभ्यास, वाहन क्रय-विक्रय, तीर्थाटन।

शुक्र की होरा— नृत्य-संगीत, स्त्री-प्रसंग, प्रेम-व्यवहार, प्रियजन-समागम, उत्सव, वस्त्र व अलंकार धारण, लक्ष्मी-पूजन, व्यापारिक कार्य, कृषि-कार्य, ऐश्वर्यवर्द्धक कार्य, फिल्म-निर्माण।

शनि की होरा— गृह-प्रवेश, नौकर-चाकर रखना, सेवा विषयक कार्य, मशीनरी कल-पुर्जों के कार्य, असत्य भाषण, छल-कपट, अर्क-निष्कासन, विसर्जन, धन-संग्रह, पद-ग्रहण।

नामाक्षरों से वर्ग बोधक चक्र (स्ववर्ग से पंचम वर्ग बैरी होता है।)

अ इ उ ए	क ख ग घ ङ	च छ ज झ ञ	ट ठ ड ढ ण	त थ द ध न	प फ ब भ म	य र ल व	श ष स ह
गरुड़	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेढ़ा

कर्म-योग

करा‍ग्रे वसते लक्ष्मी: कर मध्ये सरस्वती। कर पृष्ठे तु गोविन्द: प्रभाते कर दर्शनम्॥

हाथों के अगले भाग में लक्ष्मी, मध्ये में सरस्वती और पृष्ट पर गोविन्द का निवास है अतः प्रातः काल में इन का दर्शन करना चाहिए। इस का भावार्थ है कर्म करके ही जीव पुरुषार्थ चतुष्टय (धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष) पा सकता है।

शिववास ज्ञान

वर्तमान तिथि को दो से गुणा कर पांच जोड़ें। फिर सात का भाग देवें। शेष १ रहे तो कैलाश में श्रेष्ठ। २ से गौरी पार्श्व में श्रेष्ठ। ३ से वृषारूढ़ श्रेष्ठ। ४ से सभा में सामान्य। ५ से ज्ञान वेला में श्रेष्ठ। ६ से क्रीड़ा में नेष्ट, ० से श्मशान में मृत्यु।

गृह-भूमि विचार (गृहवास्तु)
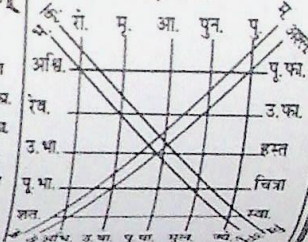
शुभाशुभ भूमि विचार—जिस भूमि पर मकान बनाना है, उस भूमि में सूर्यास्त समय एक हाथ चौकोर और एक हाथ गहरा गड्ढा खोद कर जल भर दें। प्रातः यदि जल रहे तो शुभ, नहीं रहे तो मध्यम, गड्ढा फट जाय तो अशुभ भूमि समझें।

नींव खोदने में पत्थर आदि मिलने का फल—नींव खोदने में पहले पत्थर, ईंट, धन, ताँबा आदि मिलने से सुख लाभ। कपाल, हड्डी, कोयला, केशादि मिलने से कष्ट होता है।

मण्डलेश का निर्णय—गृह-स्वामी के हाथ से लम्बाई-चौड़ाई नाप कर दोनों के योग को दूना करके ८ से भाग देने पर शेष १ में इन्द्र, २ में विष्णु, ३ में यम, ४ में वायु, ५ में कुबेर, ६ में शिव, ७ में ब्रह्मा, ८ शेष में गणेश मण्डलेश होते हैं।

दूसरा प्रकार—लम्बाई-चौड़ाई के योग में ९ से भाग देने पर शेष १ में दाता, २ में भूपति, ३ में नपुंसक, ४ में चोर, ५ में विलक्षण, ६ में भोगी, ७ में धनाढ्य, ८ में दरिद्र एवं ९ में कुबेर मण्डलेश होता है।

चन्द्र-सूर्य-वेध-विचार—चन्द्रवेधी ग्रह होना चाहिए और सूर्यवेधी जलाशय होना चाहिए। हृदया वाटिका सूर्यवेधी और चन्द्रवेधी दोनों शुभ मानी जाती हैं। पूर्व-पश्चिम लम्बा मकान सूर्यवेधी होता है और उत्तर-दक्षिण लम्बा मकान चन्द्रवेधी होता है। मकान चन्द्रवेधी शुभ होता है। चन्द्रवेधी मकान में धन और कुल की वृद्धि होती है। सूर्यवेधी मकान धन, कुल का नाशक होता है। बाग-बगीचा सूर्यवेधी और चन्द्रवेधी दोनों प्रशस्त माना गया है। देवालय मन्दिर के लिए सूर्यवेधी और चन्द्रवेधी का विचार नहीं होता।

शिलान्यास—पहले दक्षिण-पूर्व के कोण में नींव के अन्दर पूजा करके शिला की स्थापना करनी चाहिए, बाकी ४ शिलाओं को स्तम्भ-शिला के चारों तरफ स्थापित करना चाहिए।

राशि-द्वार का निर्णय—ब्राह्मण वर्ण, (कर्क, वृश्चिक, मीन राशि वालों) को पूर्व दिशा का, क्षत्रिय वर्ण (मेष, सिंह, धनु राशि वालों) को उत्तर दिशा का, वैश्य वर्ण (वृष, कन्या, मकर, राशि वालों) को दक्षिण दिशा का और शूद्र वर्ण (मिथुन, तुला, कुम्भ राशि वालों) को उत्तर दिशा का द्वारा शुभ होता है।

गृह-द्वार का निर्णय—मकान के जिस भाग में द्वार करना हो, उस भाग के ९ भाग करके पाँच भाग दक्षिण और तीन भाग उत्तर में छोड़कर शेष भाग में द्वार बनाना चाहिए। वाम, दक्षिण का अर्थ मकान से निकलते समय का लेना चाहिए।

देव-मन्दिर के पास मकान बनाने का निषेध—ब्रह्मा के मंदिर के बगल में तथा विष्णु, सूर्य, शिव-मंदिर के सामने, जैन मंदिर के पीछे, देवी-मन्दिर के किसी भी भाग में गृह बनाना शुभ नहीं होता है।

दरवाजों (किंवाड़ों) का फल—कपाट (दरवाजा) स्वयं खुलता है तो उन्माद, स्वयं बन्द हो तो कुल नाश, प्रमाण से अधिक हो तो राज-भय, प्रमाण से कम चोर-भय, कष्ट हो। द्वार के ऊपर द्वार नहीं रखना। किवाड़ पतले अशुभ, विशेष मोटे होने से क्षुधाभय, टेढ़े होने से गृह-स्वामी को कष्ट, अन्दर की तरफ टेढ़े से स्वामी को मृत्युकारक, बाहर की तरफ टेढ़े होने से विदेश-वास, दूसरी दिशा में चोर-भय करता है।

लड़का होगा या लड़की

गर्भिणी के नाम के अक्षरों को तिगुना करें। उसमें घोड़ा के अक्षर, देश के अक्षर, वर्तमान तिथि जोड़ें। जोड़कर जो संख्या आवे उसमें ८ का भाग दें। यदि विषम अंक बचे तो लड़का, यदि सम अंक बचे तो लड़की होगी। ऐसा जानना चाहिए।

जन्म-कुण्डली जीवित की है या मृत की

जन्म-लग्न के अंक, प्रश्न-लग्न के अंक और जन्म-लग्न से आठवें भाव के अंक, इन तीनों का जोड़ करें। जो संख्या आवे उसमें जन्म-लग्नेश को गुणा करें। गुणनफल में अष्टमेश का भाग दें यदि सम बचे तो मृत की और विषम अंक बचे तो जीवित की जाननी चाहिए।

लड़कियों की कुण्डलियों में आवश्यक विचार

योग नं. (१) अश्ले. नक्षत्र तिथि २, शनिवार। नं. (२) तिथि ७, शतभिषा नक्षत्र, मंगलवार। (३) तिथि १३, कृत्तिका नक्षत्र, रविवार—इन योगों में पैदा हुई कन्या विषकन्या कहलाती है।

ग्रह-गति से वैधव्य (विषकन्या) योग

१. जिस कन्या की जन्म-कुण्डली में ९ में मंगल, १ में शनि, ५ में सूर्य हों।

स्त्री के बांझ होने का योग

१—जिस स्त्री के जन्म लग्न से आठवें सूर्य-चन्द्रमा अपनी राशि के हों।

२—जिस स्त्री की कुण्डली में १, ८, १०, ११ राशियों में चन्द्रमा शुक्र के साथ हो और पाप ग्रहों से देखा गया हो।

३—जिस स्त्री के सातवें सूर्य व राहु हों और शनि की पूर्ण दृष्टि हो तो बालक पैदा होकर मर जाते हैं।

४—जिस स्त्री के जन्म लग्न से आठवें चन्द्रमा और बुध अपनी राशि के हों तो स्त्री के ही एक प्रसव होता है।

अथ पक्षी शकुन-विचार

प्रश्न कर्त्ता अपने मन में विचार करके इस चिड़िया पर जो 'श्री' लिखी हैं उनमें से किसी एक पर उंगली धरें। उसका फल नीचे लिखे अनुसार समझना चाहिए—

चोंच दुःख पंखे मरण, कंठे मिलन समाज।
उदर सुभोजन पूंछ धन, मस्तक पावै राज॥
शुभ लक्षण पांवन परै, घर में मङ्गलचार।
प्रश्नोत्तर के समय यह बुधजन करें विचार॥

पुरुष की मृत्यु पहले होगी या स्त्री की

पुरुष और स्त्री के नाम के अक्षर गिनकर दुगुने करें और दोनों के नाम में जो मात्रा हों उसको चौगुनी करें। फिर अक्षरों की दुगुनी-की हुई संख्या तथा मात्राओं की चौगुनी की हुई संख्या, दोनों का जोड़ करें। जोड़कर जो संख्या आवे उसमें ३ का भाग दें। यदि शेष ०, १ रहे तो पुरुष की, यदि शेष २ रहे तो स्त्री की मृत्यु पहले होगी।

हस्त रेखायें बोलती हैं

भारत में "तमसो मा ज्योतिर्गमय" की उद्घोषणा करने वाले ऋषि प्रकाश के सत्य और उसकी व्यापकता से परिचित रहे थे। इसलिये उन्होंने अभिवाज्य काल को पहचान कर उसको अपने जीवन से अच्छिन्न रखने के लिए क्रिया के भेद किये। यह विषय व्याकरण का रहा पर ज्योतिष की मीमांसा करते समय वे प्रकाश के प्रभाव और परिणामों का सूक्ष्म निरीक्षण करते रहे। परिणामत: जिस प्रकार वे व्यक्ति के बाह्य रूपाकार का आंकलन कर सके उसी तरह उसके आन्तरिक अतएव गुणात्मक स्वरूप का भी मूल्यांकन करने में समर्थ हो सके।

महर्षियों की यह साधना और निरीक्षण पद्धति केवल व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रही, पर्यावरण, ऋतु, भूगर्भ और धारित्री की प्रकृति का अध्ययन भी उसकी सीमा में आया। पराशर, गर्ग, भृगु, वराह जैसे स्वनामधन्य मनीषियों ने इस विषय को व्यापक और मानवोपयोगी बनाने में लोकोत्तर योगदान दिया। धरती मानव के आवास के लिए उपयुक्त है, धरती की गंध, रूप, रंग से उसके सम्पर्क में आने पर हमारी देह एवं विचारधारा में जैव रासायनिक परिवर्तन किस तरह के होंगे, उनका हमारे पर अनुकूल प्रभाव होगा या प्रतिकूल आदि विषय ज्योतिष शास्त्र से ही सम्बन्ध हैं।

ज्योतिष की एक शाखा है सामुद्रिक। सामुद्रिक शब्द व्यक्ति के रूप आकार में प्रसृत चिह्नों एवं संयोजनों को समझने का बोधक किस प्रकार बना-यह शब्द शास्त्र के विवेचन की बात है। हम मात्र इतना जानते हैं कि सामुद्रिक के नाम से जाना गया शास्त्र ज्योतिष की एक शाखा है। यह शास्त्र व्यक्ति की रूपरेखा को आधार बनाकर उसकी स्थिति एवं भविष्यत् का उपदेश करता है। इसमें मनुष्य के व्यक्तित्व, मुखमण्डल, नासिका, ललाट आदि के संघटन को देखकर भविष्य ज्ञान किया जाता है।

हमारे काव्य शास्त्र में पुरुषों एवं स्त्रियों की सुन्दरता के लिये जो उपमायें दी गई हैं। वे सामुद्रिक शास्त्र की मान्यताओं की ही पुष्टि करती हैं। कमलपत्र के समान आयत विशाल आँखें, लाल कमल के सदृश्य सुकोमल अरुण हाथ और पदतल व्यक्ति के सुन्दर स्वास्थ्य के ही सूचक नहीं हैं (क्योंकि लाल रंग सन्तुलित रक्त प्रवाह का ही सूचक है) बल्कि उनकी कोमलता व्यक्ति के सम्पन्न स्तर की सूचक रहती है। बिहारी की रत्नारी आंखें मुखमण्डल को सुन्दर ही नहीं बनाती बल्कि उसके कामी होने की सूचना भी देती हैं। क्योंकि ज्योतिष के अनुसार आंखो में उभार कुण्डली में मंगल की सुदृढ़ स्थिति एवं नेत्र स्थान से सीधे सम्बन्ध के कारण होता है तथा इनमें रंग और चमक चन्द्रमा और शुक्र के कारण होती है। जहाँ इन ग्रहों का संयोजन किंवा युति हुई वहीं व्यक्ति आकृति से मोहक एवं व्यवहार में कामी हो गया। सामुद्रिक शास्त्र के ये बाहरी चिन्ह व्यक्ति की ग्रह स्थिति के जन्म कालिक समीकरण को स्पष्ट करते हैं और उस स्थिति को जान लेने के पश्चात् भविष्यत् को जान लेना कोई अगम्य बात नहीं रहती। अन्तर मात्र इतना है कि सामुद्रिक शास्त्र ग्रहों की चर्चा नहीं करता वह संयोजन और संघटनों का ही फलित बतलाता है।

भारत में आकृति विज्ञान किंवा सामुद्रिक शास्त्र का प्रचार प्राचीन समय से रहा है। बाल्मीकि ने श्रीराम को अजान बाहु और अरविन्द दलायताक्ष अर्थात घुटनों तक लम्बे हाथ और कमल पत्र जैसी विशाल आंखों वाला कहा है और सामुद्रिक शास्त्र के इस कथन की पुष्टि की है। जिस व्यक्ति के हाथ घुटनों तक लम्बे हों वह सम्राट होता है। पैरों के तलवों की रेखायें, ललाट पर पड़ने वाली वलियों तथा नासिका आदि को देखकर व्यक्ति के स्तर एवं भावी जीवन को पढ़ने की परम्परा अति प्राचीन है। हाथों की रेखायें भी भविष्यत् ज्ञान का माध्यम रही हैं।

हाथ का रूप और आकार हमारे जन्म लग्न की भांति भविष्यत् कथन का आधार बनता है। अर्थात् व्यक्ति के हाथ का सामान्य आकार और रूप उसकी प्रकृति और चरित्र की सूचना देता है तो रेखायें और उन पर बने चिन्ह दशा-अन्तर्दशा में घटने वाली घटनाओं को दर्शाते हैं। पर्वत यह निश्चित करते हैं कि व्यक्ति में कौन से गुण या अवगुण विद्यमान हैं तथा वह कौन सी आजीविका अपनायेगा। इसके साथ ही व्यक्ति के वर्ग विशेष में रहने की सूचना भी इन्हीं के माध्यम से मिलती है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि पर्वतों के सूक्ष्म निरीक्षण-परीक्षण करने के पशचत् एक कुशल रेखाविद् यह निश्चित कर लेता है कि सम्बद्ध व्यक्ति का हाथ किस वर्ग का है। प्रत्येक हाथ का वर्ग किंवा श्रेणी उसके मूल्य को दर्शाती है। यह सब कुछ ऐसा ही है जैसे एक मूर्तिकार विभिन्न मुखाकृतियों के प्रतिरूप मूर्तियां बनाता है और उनको श्रेणीबद्ध कर उनका मूल्य निश्चित करता है।

हस्त सामुद्रिक में अंगुलियों का आकार प्रकार और इन पर अंकित चिन्ह भी विशेष महत्व रखते हैं जैसे अंगुलियां वर्गाकार और छोटी हों व्यक्ति के संकीर्ण विचार युक्त होने की सूचना देती हैं। लम्बी वर्गाकार अंगुलियां व्यक्ति की मानसिक सबलता और तार्किक होने का संकेत देती हैं। अंगूठा व्यक्ति के हाथ में महत्वपूर्ण अंग है क्योंकि इस की सहायता के बिना अंगुलियां कुछ भी नहीं कर सकतीं। व्यक्ति का समग्र व्यक्तित्व अंगूठे में छिपा है। अंगूठे का मस्तिष्क से गहरा सम्बन्ध है, इस तथ्य की पुष्टि वैज्ञानिक भी करते हैं।

मस्तिष्क मानव देह का केन्द्रिय अंग है जो सारी देह के क्रिया कलापों का संचालन करता है। मस्तिष्क को गतिशील रखने में अनेक ज्ञानतन्तु अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। मस्तिष्क और हृदय में हो रहे रासायनिक अमलों का प्रतिरूप मानव की हथेली पर अंकित रेखायें हैं। हम जब किसी के मन और मस्तिष्क के भावों को पढ़ना चाहें तो हमें उसके करतल की रेखाओं को देखना-समझना होगा। अगली पंक्तियों में रेखा के आकार-प्रकार एवं इस पर बने चिन्हों के अनुसार व्यक्ति के जीवन में कैसी घटनायें होंगी इस पर प्रकाश डाला जा रहा है। आशा है पाठक वृन्द लाभान्वित होंगे।

आई०ए०एस० अधिकारी—यदि बुध की उंगली अर्थात् कनिष्ठिका लम्बी हो और उसका सिरा अनामिका के प्रथम पौर के आधे हिस्से को भी पार कर चुका हो और सूर्य रेखा उच्चकोटि की हो तो जातक आई०ए०एस० अधिकारी अथवा उच्च पदाधिकारी बनता है।

न्यायाधीश होने का योग—यदि गुरु पर्वत अधिक विकसित हो और उस पर क्रास का चिन्ह हो, तर्जनी अंगुली अनामिका से बड़ी हो, कनिष्ठिका का सिरा अनामिका के प्रथम पौर के मध्य भाग तक पहुँच गया हो तो जातक न्यायाधीश होता है।

व्यवसायी होने का योग—यदि बुध पर्वत उभरा हुआ हो और निर्दोष हो, मस्तिष्क रेखा सीधी हो और बुध पर्वत तक जाती हो तो जातक सफल व्यापारी होता है।

पुलिस अधिकारी—मंगल पर्वत उभरा हुआ हो तथा उस पर उज्वल तारे का चिन्ह हो और शरीर हृष्ट-पुष्ट हो तथा भाग्य रेखा निर्दोष हो तो जातक सफल पुलिस अधिकारी बनता है।

इंजीनियर होने का योग—यदि शनि पर्वत विकसित हो और निर्दोष भाग्य रेखा शनि पर्वत पर आती हो, बुध पर्वत पर तीन चार खड़ी रेखा हों और सभी उंगलियां लम्बाई लिए हुए हों तो जातक इंजीनियर होता है।

डॉक्टर होने का योग—यदि बुध पर्वत और मंगल पर्वत ... पूर्ण रूप से विकसित हों, कनिष्ठिका का सिरा अनामिका के ... तो विवाह नहीं होता। **शराबी होने का योग**—चन्द्र पर्वत अधिक उठा हो तो प्राणी मद्य सेवी होता है।

डॉक्टर होने का योग— यदि बुध पर्वत और मंगल पर्वत पूर्ण रूप से विकसित हों, कनिष्ठिका का सिरा अनामिका के ऊपरी पोर के मध्य तक जाता हो, बुध पर्वत पर तीन खड़ी रेखाएं हों तो जातक डॉक्टर होता है। अगर मंगल की बजाय बृहस्पति पर्वत विकसित हो तो जातक सफल वैद्य होता है।

शिक्षक होने का योग—बृहस्पति पर्वत उभरा हुआ हो और उस पर क्रास का चिन्ह हो तथा इसके साथ ही सूर्य रेखा, भाग्य रेखा, निर्दोष हो तथा तर्जनी उंगली अनामिका से बड़ी हो तो व्यक्ति शिक्षक होता है।

अभिनेता-अभिनेत्री योग—अनामिका उंगली विशेष लम्बी हो और ऊपर से नोकदार हो, सूर्य रेखा पर नक्षत्र का चिन्ह हो, सभी उंगलियां कोमल और ढलवी हों, भाग्य रेखा पूरी लम्बाई लिए हुए हो तो जातक सफल अभिनेता या अभिनेत्री होती है।

साहित्यकार—हथेली में चन्द्र पर्वत और गुरु पर्वत उभरे हुए हों, अनामिका तर्जनी से लम्बी हो, सूर्य रेखा तथा बुध पर्वत निर्दोष हों तो जातक सफल साहित्यकार बनता है। अगर चन्द्र पर्वत से धनुषाकार रेखा बुध पर्वत की ओर आती हो तो जातक श्रेष्ठ कवि बनता है।

विवाह में अड़चन—(१) यदि विवाह रेखा कई स्थानों पर कटती हो, (२) चन्द्र पर्वत पर आड़ी तिरछी रेखाएं बनी हों।

अनमेल विवाह का योग—(१) यदि विवाह रेखा सूर्य रेखा को काटती हो तो अनमेल विवाह होता है, (२) यदि शुक्र पर्वत अधिक विकसित हो तब भी।

सुखहीन विवाह का योग—(१) यदि भाग्य रेखा पर क्रास हो, (२) विवाह रेखा पर द्वीप का चिन्ह हो, (३) शुक्र पर्वत कम उभरा हुआ हो।

तलाक होने के योग—(१)विवाह रेखा के अन्त में रेखाओं का गुच्छा हो, (२) यदि मंगल क्षेत्र से चलकर कोई रेखा विवाह रेखा को काटे तो पति-पत्नी पृथक् रहते हैं, (३) यदि विवाह रेखा से निकल कर एक शाखा मस्तिष्क रेखा से मिलती हो, (४) शुक्र पर्वत से प्रभाव रेखा जीवन रेखा को काटती हुई विवाह रेखा से मिलती है अथवा विवाह रेखा को काटती है तो तलाक होता है, (५) अविवाहित रहने का योगः- विवाह रेखा ऊपर अर्थात् कनिष्ठिका उंगली की ओर झुकी हो तो विवाह नहीं होता।

हस्त रेखा और रोग

- यदि चन्द्र पर्वत अत्यधिक उठा हुआ हो तो जातक को नजला जुकाम रहता है।
- यदि चन्द्र पर्वत जरूरत से ज्यादा उभरा हुआ हो और उस पर एक से अधिक क्रास अथवा बिन्दु हो तो जलोदर रोग होता है।
- यदि मस्तिष्क रेखा कई जगह से टूटी हुई हो तो जातक की स्मरण शक्ति कम होती है।
- यदि मस्तिष्क रेखा जरूरत से ज्यादा चौड़ी हो तथा उस पर काला धब्बा हो तो जातक को मस्तिष्क रोग होता है।
- यदि जीवन रेखा अंत में कई शाखाओं में बंट जाती हो तो वायु रोग होता है।
- यदि दोनों हाथों में मंगल रेखा पर शाखाएं निकली हों अथवा जीवन रेखा के प्रारम्भ में तारे का चिन्ह हो तो जातक को कैंसर रोग होने का भय होता है।
- यदि मंगल पर्वत पर तीन या तीन से अधिक बारीक-बारीक रेखाएं दिखाई दें तो जातक को गुप्तांगों के रोग रहते हैं।
- अगर स्वास्थ्य रेखा दूषित हो और हृदय रेखा जंजीरदार हो तो जातक को हृदय रोग होने का भय है।

अन्य अशुभ योग-

बाल्यावस्था में माता-पिता की मृत्यु—भाग्य रेखा के शुरू में त्रिकोण या द्वीप हो तो माता-पिता में से किसी एक की मृत्यु होती है।

हत्यारा होने का योग—मंगल का पर्वत उठा हो, उस पर तारे का चिन्ह हो। शनि के नीचे-मस्तक रेखा पर नीले रंग की रेखा हो।

विदेश में मृत्यु—जीवन रेखा अंत में दो शाखाओं में बंट जाए और उसमें से एक शाखा चन्द्र स्थान पर जाए तो विदेश में मृत्यु होती है।

मुकद्दमेबाजी में जायदाद और धन नाश होना—दोनों हाथों में मंगल पर्वत का काला धब्बा, तिल या अन्य चिन्ह हो तो मुकद्दमेबाजी में जायदाद बर्बाद होती है।

शराबी होने का योग—चन्द्र पर्वत अधिक उठा हो तो प्राणी मद्य सेवी होता है।

अकाल मृत्यु का योग—(१) जीवन रेखा कटी हुई हो, हृदय रेखा शनि पर्वत को स्पर्श करती हो तो जातक की अकाल मृत्यु होने का भय होता है, (२) जीवन रेखा दोनों हाथों में छोटी हो अथवा टूटी हुई हो, मस्तिष्क रेखा तथा हृदय रेखा बुध पर्वत के नीचे आपस में मिली हो तो अकाल मृत्यु होती है।

हथेली पर तिलः-

- यदि लाल रंग का तिल मस्तिष्क रेखा के ऊपर हो तो जातक के लिए सिर पर चोट लगने का खतरा रहता है।
- शनि पर्वत पर काला तिल जातक के प्रणय सम्बन्धों में निराशा लाता है। पति-पत्नी के आपसी झगड़े के कारण उनमें से एक को आत्महत्या करनी पड़ती है।
- चन्द्र पर्वत पर काला तिल पानी में डूबने से मृत्यु का होना। जातक को प्रेमी अथवा प्रेमिका धोखा देती है।
- हृदय रेखा पर गहरे काले रंग का तिल हो तो जातक को हृदय रोग होने की सम्भावना रहती है।
- जिस व्यक्ति के बुध पर्वत पर काला तिल हो, वह व्यक्ति ठग, कपटी तथा धूर्त होता है। ऐसे व्यक्ति से व्यापार में भागीदारी नहीं करनी चाहिए।
- बृहस्पति के पर्वत पर काला तिल हो तो विवाह में बाधा आती है।
- शुक्र पर्वत पर काला तिल जातक को अत्यधिक भोगी बनाता है जिससे वीर्य दूषित हो जाता है।
- जीवन रेखा पर काला तिल हो तो दिमाग पर चोट लगने का डर रहता है तथा शत्रु द्वारा आघात लगने का भी खतरा रहता है।
- भाग्य रेखा पर काला तिल भाग्योदय में बिलम्ब तथा संघर्ष का सूचक है।
- यदि सूर्य रेखा पर काला तिल हो तो जातक को असफलता का सामना करना पड़ता है तथा धन हानि होती है।
- यदि अंगूठे के मूल में काला तिल हो तो जातक के प्रथम सन्तान की मृत्यु हो अथवा गर्भ-क्षय हो।

मुखाकृति से भविष्य ज्ञान

वर्गाकार मुखाकृति—वर्गाकार मुखाकृति वाले व्यक्ति पृथ्वी तत्व प्रधान व्यक्ति होते हैं। ऐसे व्यक्तियों की मुखाकृति की तस्वीर लेकर अगर चारों ओर लाइन लगा कर चतुष्कोण खींचा जाए तो इनका चेहरा चतुष्कोण में पूरा फिट आ जाएगा। यह जातक स्वस्थ सुडौल एवं शक्तिसम्पन्न होते हैं। इनमें उद्योगशीलता, व्यावहारिकता तथा संचय करने की प्रवृत्ति एवं गुण पाए जाते हैं। यह लोग भौतिक साधनों से सम्पन्न सुखी समृद्ध होते हैं। यह लोग सिद्धान्तों पर चलने वाले होते हैं और दूसरे के प्रभाव में आकर आसानी से अपने सिद्धान्त नहीं बदलते। अगर इनके चेहरे में, पृथ्वी तत्व की अत्यधिक मात्रा हो तो यह व्यक्ति हठी, अदूरदर्शी, आलसी, विलासी होते हैं तथा अपनी अकर्मण्यता के कारण बाद में दुखी होते हैं।

वर्गाकार मुखाकृति वाली स्त्रियों का शरीर स्थूल होता है। इनकी चाल धीमी तथा मतवाली होती है। ऐसी स्त्रियां कर्मठ, व्यवहारकुशल तथा मनमौजी होती हैं। अगर इनकी मुखाकृति में पृथ्वी तत्व अत्यधिक मात्रा में हो तो यह स्वभाव तथा चरित्र की दृष्टि से दुर्बल होती हैं।

वृत्ताकार मुखाकृति—वृत्ताकार मुखाकृति वाले जल तत्व प्रधान होते हैं। यदि इनके चेहरे का चित्र लेकर एक गोले में फिट किया जाए तो उनमें यह लगभग फिट हो जाता है। ऐसे जातक के गाल भरे हुए मांसल एवं स्निग्ध होते हैं। इनका शरीर स्थूल तथा उदर लम्बा होता है। यह लोग भावुक, कल्पनाशील, प्रसन्नचित्त, सहृदय, स्वप्नदर्शी मिलनसार एवं संवेदनशील होते हैं। यह लोग आराम पसंद जीवन बिताना पसन्द करते हैं तथा संघर्ष से दूर भागते हैं। जिनके चेहरे पर जल तत्व का अत्यधिक प्रभाव हो वह निराशावादी और अकर्मण्य होते हैं।

गोल चेहरे वाली औरतें श्रृंगारप्रिय हावभाव वाली, बुद्धिमती तथा पतिव्रता, उदार हृदय, स्नेही तथा चंचल होती हैं। अगर जल तत्व का अत्यधिक प्रभाव हो तो यह दुर्बल, निराश एवं रोगग्रस्त होती हैं।

सूच्याकार मुखाकृति—सूच्याकार मुखाकृति वाले व्यक्ति अग्नि तत्व प्रधान होते हैं। अगर इनके चेहरे की तस्वीर चतुष्कोण में फिट की जाए तो ललाट वाला ऊपर का भाग चौड़ा होगा और नीचे का ठोड़ी वाला भाग संकरा होगा अथवा यूं कहा जा सकता है कि इनके चेहरे की आकृति बाल्टी की आकृति जैसी होगी। कोनों में गोलाई नहीं होगी। ऊपर का भाग विस्तृत होने के कारण यह लोग बुद्धिमान, चिंतक, दूरदर्शी, साहसी, स्वस्थ एवं समृद्ध, स्पष्ट वक्ता, अभिमानी, नेतृत्वप्रिय एवं हठी होते हैं। यह लोग शक्ति में विश्वास करते हैं और अगर कहीं वाद-विवाद में उलझ जाएं तो पीछे नहीं हटते। यह लोग रचनात्मक एवं ध्वंसात्मक दोनों प्रकार के कार्य करते हैं। अगर चेहरे पर अग्नि तत्व का अधिक प्रभाव हो तो जातक अत्यन्त क्रोधी, हिंसात्मक एवं पाशविक वृत्ति वाला होगा।

सूच्याकार मुखाकृति वाली स्त्रियां स्वाधीनताप्रिय, असहिष्णु एवं वाचाल होती हैं। गृहस्थ जीवन में यह औरतें सफल नहीं होतीं क्योंकि जरा-सी बात पर इनको क्रोध आ जाता है। हां, नौकरी, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में यह स्त्रियां उन्नति कर सकती हैं।

अंडाकार मुखाकृति—अंडाकार मुखाकृति वायु तत्व प्रधान मुखाकृति होती है। इनका ललाट विशाल एवं उन्नत तथा हनु और कपोल एक विशेष प्रकार मुड़ी उतार होते हैं। जातक सामान्य कद के, पुष्ट शरीर एवं उभरे स्निग्ध गालों वाले, आकर्षक और लुभावने होते हैं। यह व्यक्ति आशावादी, स्वच्छन्द, साहसी होते हैं तथा हर बात तर्क से करते हैं। यह हमेशा ज्ञान की जिज्ञासा, आनन्द की खोज, शान्ति की चाह रखते हुए प्रगति की राह पर चलते हैं। अगर चेहरे का नीचे का भाग पुष्ट हो तो यह व्यक्ति प्रेम और सौन्दर्य की इच्छा, काम पिपासा तथा व्यर्थ आचरण की कामना रखते हैं।

यदि इन व्यक्तियों का चेहरा उल्टे अण्डे की तरह हो अर्थात् इनका ललाट का भाग संकुचित हो और नीचे का भाग विस्तृत हो तो ऐसे व्यक्तियों की बुद्धि इतनी विकसित नहीं होती। यह लोग हास्य एवं व्यंगप्रिय, मनमौजी, उथले स्वभाव के होते हैं। चेहरे के नीचे के भाग में वायु तत्व की प्रधानता जातक को असत्यवादी, अस्वस्थ एवं चिड़चिड़ा बनाती है।

अंडाकार मुखाकृति वाली स्त्रियां सामान्य होती हैं परन्तु थोड़े प्रयत्न से अच्छा जीवन साथी सिद्ध हो सकती हैं।

उल्टे घड़े समान मुखाकृति—ऐसे जातक को देखकर ऐसा लगता है जैसे शरीर पर गर्दन सहित उल्टा घड़ा रखा हो। इनमें आकाश तत्व की प्रधानता होती है। इनके चेहरे पर अद्‌भुत कांति तथा आंखों में विशेष तेज होता है। यह लोग उदार हृदय, महत्वाकांक्षी, स्वाभिमानी एवं आदर्शयुक्त, एकान्तप्रिय, सौम्य, तेजस्वी, आध्यात्मवादी, आत्मबली एवं असाधारण प्रवृति के व्यक्ति होते हैं। यह अपने क्षेत्र में उच्च पद पर होते हैं तथा लोगों का तथा समाज का जिसमें भला हो, ऐसा कार्य करते हैं।

अध्ययन के लिए चेहरे को तीन भागों में बांटा जाता है:—

(१) ललाट क्षेत्र (२) नासिका क्षेत्र तथा (३) मुख क्षेत्र।

ललाट क्षेत्र का विकास व्यक्ति की मानसिक, बौद्धिक एवं सात्विक शक्ति का सूचक है। नासिका क्षेत्र मनुष्य की भौतिक, व्यावहारिक एवं राजसी प्रवृत्तियों का सूचक है। मुख क्षेत्र जातक की जैविक, वासनात्मक एवं तामसिक इच्छाओं का सूचक है।

जिस जातक का ललाट एवं नासिका क्षेत्र उन्नत, विकसित तथा विस्तृत होता है वह बुद्धिमान, ज्ञानवान, विचारशील, व्यवहारिक, चतुर तथा साहसी होता है तथा जीवन में सफल होता है। यश, धन, सुख तीनों को प्राप्त करके जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है।

जिस जातक के ललाट एवं मुख क्षेत्र विकसित, उन्नत एवं विस्तृत हों वह गम्भीर, धीमा, चतुर, चालाक, धूर्त, कामी, दम्भी, विचारवान, समय और स्थिति को पहचानने वाला होता है। यह व्यक्ति अधिक स्वार्थी होता है और जरूरत पड़ने पर असत्य एवं अन्याय का भी सहारा लेता है।

जिस जातक के नासिका क्षेत्र एवं मुख क्षेत्र विस्तृत, उन्नत, विकसित हों, विशेषकर मुख क्षेत्र नासिका क्षेत्र से अधिक विकसित एवं उन्नत हो ऐसा व्यक्ति कामी, वासनायुक्त, असभ्य, मन्दबुद्धि, हिंसक होगा। यदि नासिका क्षेत्र, मुख क्षेत्र से अधिक विकसित हो तो जातक उत्तेजित, आक्रामक, द्रुतगामी, स्पष्टवक्ता, मनमौजी, संरक्षक एवं न्यायप्रिय होगा।

स्त्रियों के तिलादि एवं हस्त रेखा का विचार

स्त्रियों की हस्त रेखा विचार

यदि किसी स्त्री के हाथ में बुध क्षेत्र पर छोटी-छोटी

स्त्रियों के तिलादि एवं हस्त रेखा का विचार

भारतीय सामुद्रिक शास्त्र के विद्वानों ने स्त्री शरीर पर पाये जाने वाले तिलों के सम्बन्ध में अनेक तथ्यों का विश्लेषण किया है। इनमें कुछ मुख्य बातों का उल्लेख करते हैं—

यदि किसी स्त्री के भौंहों के मध्य भाग में तिल चिह्न हो तो उसे राज्य प्राप्ति का लक्षण समझना चाहिए। यदि स्त्री के बायें कपोल पर लाल रंग का तिल हो तो वह मिष्ठान्न भोजन प्राप्त करने वाली होती है।

यदि किसी स्त्री के हृदय स्थान पर तिल हो तो उसे सौभाग्य सूचक समझना चाहिये। यदि दायें स्तन पर लाल रंग का तिल हो तो ऐसी स्त्री तीन कन्या तथा दो पुत्रों को जन्म देती है। यदि बायें स्तन पर लाल रंग का तिल हो तो स्त्री पहले बच्चे को जन्म देने के बाद विधवा हो जाती है।

यदि किसी स्त्री की नाभि के निचले भाग में तिल का चिह्न हो तो उसे शुभ समझना चाहिये। यदि गुप्त स्थान में तिल हो तो वह दारिद्रय कारक होता है। हाथ, कान, कपोल, कंठ अथवा बाईं ओर के किसी अंग में तिल हो तो ऐसी स्त्री अपने प्रथम गर्भ से पुत्र को जन्म देती है।

जिस स्त्री के बायें गाल पर लाल रंग का तिल हो तो, सदैव समधुर श्रेष्ठ भोजन प्राप्त करती है।

जिस स्त्री के ललाट पर काले रंग का चमकीला तिल हो तो वह पांच पुत्रों की माता तथा सौभाग्यवती होती है। ऐसी स्त्री स्वभाव से धार्मिक तथा दयालु प्रकृति की होती है।

मस्सा विचार

जिस स्त्री के कृण्ठ, होंठ, दायें हाथ अथवा बायें कान पर मस्सा हो तो उसके पुत्र उच्च पद प्राप्त करते हैं।

जिस स्त्री के बायें गाल पर लाल रंग का मस्सा हो, तो वह सदैव विभिन्न प्रकार के भोजन प्राप्त करती है। जिस स्त्री की दोनों भौहों के मध्य भाग में मस्सा हो तो वह स्वयं सर्विस के ऊंचे पद को प्राप्त करती है।

नख विचार

बन्धूक पुष्प के समान लाल रंग के तथा ऊंचे उठे हुए नखों वाली स्त्री, ऐश्वर्य शालिनी होती है। टेढ़े, खुरदरे विवर्ण, श्वेत तथा चमकतेदार नाखून होने से स्त्री दरिद्रा होती है। जिन स्त्रियों के नखों पर स्वेत रंग के बिन्दु होते हैं, वे प्राय: व्यभिचारिणी होती हैं। चिकने सुन्दर रंग के अरुणाभायुक्त, बैडूर्य अथवा मोती के समान चमकदार तथा श्वेत बिन्दु युक्त चिह्न सुख देने वाले होते हैं।

चपटी, मोटी, रूखी तथा जिनके पुष्टभाग पर रोम हों, ऐसी अंगुलियां अशुभ होती हैं। अत्यन्त छोटी, पतली, गहरे लाल रंग की तथा विरल अंगुलियां रोग देने वाली होती हैं। यदि अंगुलियों में तीन से अधिक पर्व हों तो उस स्त्री को दु:ख प्राप्त होता है।

यदि अंगुलियां गोलाई लिए हुए हों, उनके पर्व बराबर हों वे आगे से पतली कोमल त्वचा युक्त तथा गांठ रहित हों तो ऐसी स्त्री सुख भोगने वाली होती है।

यदि अंगुलियां बहुत छोटी हों तथा दोनों हाथों से अंजुलि बनाने पर उनके बीच में छेद रहें तो ऐसी स्त्री अपने पति के घर को खाली कर देती है। अर्थात् वह धन का संचय करने वाली नहीं होती, खर्चीली होती है।

स्त्रियों के हाथ में गोल, सीधा तथा गोल नाखून वाला कोमल अंगूठा शुभ होता है। जिस स्त्री के अंगूठे अथवा अंगुलियों में यव का चिह्न हो तथा उस यव (जौ) चिह्न के ऊपर तथा नीचे की रेखा बराबर हो तो ऐसी स्त्री धन-धान्य से अत्यधिक सम्पन्न तथा सुख भोगने वाली होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ का अंगूठा चौड़ा फैला हुआ हो तो वह विधवा होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ का अंगूठा लंबा हो तो वह भाग्य हीन होती है।

स्त्रियों की हस्त रेखा विचार

यदि किसी स्त्री के हाथ में बुध क्षेत्र पर छोटी-छोटी कई खड़ी रेखायें हों तो वह बहुत बातूनी होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ में बुध का पर्वत सूर्य की ओर झुका हुआ हो तो उसे वैधव्य का कष्ट भोगना पड़ता है। उसका पति दुराचारी तथा व्यसनी होता है।

यदि किसी स्त्री के दायें हाथ में भाग्य रेखा के दाईं और अथवा बायें हाथ में भाग्य रेखा के बाईं ओर चतुष्कोण में नक्षत्र चिह्न हो तथा हृदय रेखा टूटी हुई हो तो उसका किसी पुरुष अथवा अपने पति से अत्यधिक प्रेम होता है।

यदि किसी स्त्री के हाथ की तर्जनी उंगली के द्वितीय पर्व पर नक्षत्र चिह्न हो तथा उसके दोनों ओर एक-एक खड़ी रेखा भी हो तो ऐसी स्त्री पतिव्रता होती है।

यदि किसी स्त्री के हाथ में भाग्य रेखा का उदय चन्द्र पर्वत से हुआ हो वह स्पष्ट रूप से आगे बढ़ती हुई शनि के पर्वत पर चली गई हो तो ऐसी स्त्री विवाह के बाद अपने पति के अधीन रहती है। यदि स्त्री के दायें हाथ में भी ऐसी ही रेखा हो तो उसको उन्नति तथा भाग्योदय में सहायता प्राप्त होती है।

यदि स्त्री के हाथ में भाग्य रेखा चन्द्र पर्वत से उत्पन्न होकर गुरु पर्वत पर गई हो तो वह धनी पुरुष की पत्नी होती है तथा उसे सुख, यश एवं विदेश गमन आदि से लाभ प्राप्त होते रहते हैं।

यदि विवाह रेखा में से एक शाखा हृदय-रेखा की ओर लटकी हुई हो परन्तु हृदय रेखा से मिली न हो तो ऐसी स्त्री का पति शराबी होता है और उसके नशे में अपनी पत्नी को दु:ख देता है। स्त्री के हाथ और पाँव की उंगलियां यदि टेढ़ी-बांकी हों तो वैधव्य अथवा हीनता का लक्षण समझना चाहिए। हृदय-रेखा श्रृंखलाकार होकर बीच में शनि क्षेत्र की ओर झुकी हुई हो तो ऐसी रेखा वाली स्त्रियों को पुरुषों की परवाह नहीं रहती।

प्रश्न विचार

जिस भाव सम्बन्धी विषय का विचार करना हो उस भाव का स्वामी कार्येश कहलाता है, और लग्न का स्वामी लग्नेश कहलाता है। अगर प्रश्न लग्न में निम्नलिखित योग हों तो कार्यसिद्धि होती है—

१. लग्न का स्वामी कार्यभाव में हो और कार्येश लग्न में हो।
२. लग्न का स्वामी लग्न में हो और कार्यभाव का स्वामी कार्यभाव में हो।
३. यदि लग्न का स्वामी और कार्यभाव का स्वामी दोनों ही लग्न में हों।
४. लग्नेश और कार्येश दोनों कार्यभाव में हों।

इन चारों योगों में से कोई एक योग हो तथा लग्नेश और कार्येश इन दोनों पर चन्द्रमा की दृष्टि हो और चन्द्रमा को भी लग्नेश कार्येश देखे तो कार्य सिद्धि जाननी चाहिए। यदि चन्द्रमा मित्रक्षेत्री हो तो और भी अधिक शुभ जानना चाहिए।

यदि लग्नेश कार्येश के ऊपर चन्द्रमा की दृषिट न हो तथा अन्य शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो प्रश्न सम्बन्धी कार्य से भिन्न कोई नवीन शुभ प्रयोजन उत्पन्न हो।

लग्नेश लग्न को और कार्येश कार्य भाव को देखता है तो कार्यसिद्धि होगी। यह कार्यसिद्धि तब होगी जब चन्द्रमा कार्यभाव पर आएगा।

धन लाभ कब होगा

१. लग्न का स्वामी लेने वाला होता है और ग्यारहवें स्थान का स्वामी देने वाला होता है। जब लग्नेश और एकादशेश का योग होता है और चन्द्रमा लाभ भाव को देखता है तो लाभ होता है।
२. यदि लग्नेश छठे, आठवें, बारहवें घर में हो तो धन का नाश होता है।

गर्भ सम्बन्धी प्रश्न

१. यदि पंचम भाव का स्वामी पंचम भाव को न देखता हो और पाप ग्रह पंचम भाव में स्थित हो या पंचम भाव को देखता हो तो गर्भपात हो जाएगा।
२. यदि पंचम भाव का स्वामी पंचम भाव को देखता हो तो प्रसव होता है।
३. यदि प्रश्नकाल में जिस किसी चार स्थानों में दो-दो ग्रह हों तो एक साथ दो सन्तानों का प्रसव होता है।
४. प्रश्न लग्न से शुक्र जितने संख्यक स्थान में स्थित हो उतने महीने पर्यन्त गर्भ की स्थिति कहना और शुक्र यदि दसवें, ग्यारहवें, बारहवें भाव में हो तो पंचम भाव से लेकर शुक्र के स्थान तक गिनकर मास संख्या जानी जाती है।

यदि गर्भिणी स्त्री पिता के घर में हो तो पिता से धारित नाम और पति के घर में हो तो ससुराल का नाम ग्रहण करके जो अक्षर संख्या हो उसमें पति की नामाक्षर संख्या मिलाने फिर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर प्रश्न पूछने के दिन तक जो तिथि हो यहां तक गिनकर जोड़ दें, योगांक में तीन का भाग दें, एक शेष बचे तो पुत्र, दो बचें तो कन्या, शून्य बचे तो गर्भ नहीं है या गर्भ गिर जाएगा अथवा उत्पन्न होने पर भी उस गर्भ की सन्तति का नाश होगा, ऐसा कहना चाहिए।

सन्तान सम्बन्धी प्रश्न

- पंचम भाव में बुध या शुक्र हो तो जातक को कन्या रत्न की प्राप्ति सम्भव है।
- ग्यारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक को कन्या रत्न की प्राप्ति होगी।
- लग्नेश की पंचम भाव में स्थिति और पंचमेश तथा बृहस्पति का बलवान् होना भी सन्तति कारक योग बनाता है।
- शुभ ग्रह दृष्ट लग्नेश और पंचमेश का केन्द्रस्थ होना सन्तान योग बनाता है।
- यदि पाँचवें भाव में सूर्य, मंगल और राहु तीनों ही हों तो सन्तान देर से होगी।
- यदि पांचवें भाव में केतु हो तो सन्तान की प्राप्ति में देर होगी।
- यदि प्रश्न कुण्डली में चौथे भाव में पाप ग्रह और पाँचवे भाव में बृहस्पति हो तो सन्तानाभाव का योग है।
- यदि तीसरे और आठवें भाव में शनि हो तो सन्तान नहीं होगी।
- यदि दूसरे, पांचवें या दशम भाव में मंगल हो तो पुत्रहीन योग बनता है।
- यदि पांचवें भाव में शनि और राहु के साथ सूर्य हो तो सन्तान उत्पन्न होते ही नष्ट हो जाती है।

भूमि, मकान सम्बन्धी प्रश्न

- यदि चतुर्थ भाव में शनि द्वारा दृष्ट राहु स्थित हो तो बटवारे में भूमि मकान आदि की प्राप्ति होती है।
- यदि चतुर्थेश द्वितीय अथवा ग्यारहवें भाव में हो तो भूमि आदि का प्रचुर लाभ होता है।
- यदि चतुर्थ भाव शुभ ग्रहों से युक्त अथवा दृष्ट हो तो जातक को घर, भूमि की प्राप्ति होती है।
- यदि बृहस्पति और शुक्र से दृष्ट चतुर्थेश त्रिकोण अथवा केन्द्र में हो तो जातक अपने परिश्रम से भूमि, मकान, खेत आदि प्राप्त करता है।
- यदि चतुर्थेश और दशमेश में राशि परिवर्तन योग हो तो जातक को घर, भूमि, खेती, बगीचा आदि की प्राप्ति शीघ्र होती है।

मुकदमें में जीत हार

१. यदि प्रश्न समय पाप ग्रह लग्न में बैठा है तो वादी जीते और यदि वही पाप ग्रह नीच राशि में, सूर्य के सानिध्य से अस्त या शत्रुग्रह के राशि में हो तो वादी नहीं जीतेगा अर्थात् उसकी हार होगी।
२. यदि सप्तम भाव में बली पापग्रह हो तो शत्रु की विजय हो।
३. यदि लग्न और सप्तम भाव में बराबर पापग्रह हों और वह बराबर बली हों तो मुकद्दमा अथवा लड़ाई देर तक चले और अन्त में दोनों घरों में जो ग्रह अधिक बली होगा उस भाव वाला जीतेगा— प्रश्न लग्न वाला पापग्रह अधिक बली होगा तो वादी की जीत होगी। अगर सप्तम भाव स्थित पाप ग्रह अधिक बली होगा तो प्रतिवादी की जीत होगी।

विवाह में, शत्रु को मारने में, युद्ध में, संकट (आवश्यक विवाद यात्रादि) में भी पापग्रह लग्न में हों तो विजय होती है और प्रश्न लग्न पर पापग्रह की दृष्टि हो तो पराजय होती है।

प्रवासी सम्बन्धी प्रश्न

अगर कोई प्रश्न करे कि अमुक पुरुष विदेश गया है, घर नहीं पहुँचा, बंधा हुआ है या मर गया है?

१. यदि प्रश्न लग्न में पापग्रह हो तो वह मारा नहीं गया है और बन्धन में भी नहीं है अर्थात कुशल से है, ऐसा कहना।
२. प्रश्न लग्न से सप्तम या अष्टम भाव में यदि पापग्रह, अथवा लग्न और सप्तम इन दोनों में पापग्रह हों तो मरण व बन्धन कहना।

यदि प्रश्नकाल में चर राशि अर्थात् मेष, कर्क, तुला और मकर इनमें से कोई राशि लग्न में हो तथा चर राशि का नवांश भी लग्न में हो और लग्न से चौथे भाव में चन्द्रमा हो तो विदेशी अपने घर पहुँच गया ऐसा कहना।

प्रवासी का आगमन

१. प्रश्नकाल में केन्द्र से द्वितीय स्थानों (दूसरे, पाँचवें, आठवें, ग्यारहवें) में ग्रह प्राप्त हो तो विदेश गए व्यक्ति का आगमन कहना। अगर दूसरे, पाँचवें, आठवें और ग्यारहवें भाव में ग्रह न हों तो गोचर में जब इन भावों में ग्रह आने की सम्भावना हो तो प्रवासी तब लौट कर आएगा ऐसा कहना।
२. सातवें केन्द्र को छोड़कर अन्य केन्द्र भाव (१, ४, १०) से द्वितीय भाव (२, ५, ११) में चन्द्रमा हो तो विशेष रूप से आगमन कहना।

रोगी के जीवन मरण का विचार

१. यदि प्रश्न लग्न से सप्तम, द्वादश और दूसरे भाव में पापग्रह हों और लग्न, छठे, आठवें भाव में चन्द्रमा हो तो शीघ्र मृत्यु करने वाला योग होता है अथवा चन्द्रमा के दोनो तरफ यदि पापग्रह हों तो भी शीघ्र मृत्यु कारक योग होता है।
२. लग्न में सूर्य और सातवें भाव में चन्द्रमा हो तो भी मृत्यु योग होता है।

अगर जीवन-मरण प्रश्न का न होकर अन्य विषय सम्बन्धी हो तो मृत्यु योग नहीं कहना, खाली कठिनाईयां आएंगी ऐसा कहना।

बन्धन एवं दण्ड विषयक प्रश्न विचार

१. दूसरे-बारहवें अथवा पांचवें-नवें भाव में पाप ग्रह हो तो जातक को कारावास दण्ड भोगना पड़ेगा।
२. चौथे भाव में मंगल और दसवें भाव में शनि हो तो लम्बे कारावास या मृत्युदण्ड का सूचक है।
३. यदि नवम भाव में शुक्र, शनि और सूर्य तीनों एक साथ बैठें हों तो किसी घृणित अपराध में दण्ड भुगतना होगा।
४. यदि लग्नेश और षष्ठेश राहु, केतु से युक्त या दृष्ट होकर केन्द्र अथवा त्रिकोण में बैठे हों तो कठोर कारावास का दण्ड मिलेगा।

अमुक वस्तु खरीदने में लाभ रहेगा

प्रश्नलग्न का स्वामी खरीदने वाला और ग्यारहवें भाव का स्वामी बेचने वाला होता है। यदि लग्न का स्वामी लग्न को पूर्ण दृष्टि से देखता हो तो उस वस्तु को खरीदने से प्रश्नकर्ता को लाभ होता है। लग्न का [illegible]

जिस ग्रहकर लग्न को जितनी दृष्टि से देखता हो, उतना ही लाभ होगा। अर्थात एक चरण दृष्टि से देखता हो तो सवाया लाभ, दो चरण दृष्टि से देखता हो तो ड्योढ़ा लाभ, ऐसा जानना।

आमुक वस्तु बेचने में लाभ रहेगा

प्रश्नकाल में प्रश्न लग्न से एकादश भाव बलवान हो तो खरीदी हुई वस्तु बेचने में लाभ होगा, अर्थात् एकादश भाव का स्वामी एकादश भाव में हो या एकादश भाव को पूर्ण दृष्टि से देखता हो तो लाभ होगा, ऐसा कहना।

अमुक वस्तु सस्ती रहेगी या महंगी

१. ऐसे प्रश्न में जिस ग्रह से लग्न बलयुक्त होता है वह ग्रह जितने मास तक उस प्रश्न लग्न से अशुभदायक नहीं होता तब तक वह वस्तु सस्ती रहती है।

२. यदि लग्न में पापग्रह हो अथवा लग्न पर एवं लग्नेश पापग्रहों से युक्त एवं दुष्ट हो तो वस्तु महंगी होती है। परन्तु कब तक महंगी रहेगी? इतने दिन में वह प्रश्न लग्न गोचर में शुभत्व को प्राप्त हो तब तक महंगी उसके बाद सस्ती होगी जब लग्न शुभयुक्त और शुभदृष्ट होगा।

३. क्रय-विक्रय के प्रश्न लग्न बलवान् हों तो वस्तु सस्ती और लग्न निर्बल हो तो वस्तु महंगी होती है। लग्न शुभ ग्रह और स्वामी से देखा जाता हो तथा केन्द्र (१, ४, ७, १०) में शुभ ग्रह स्थित हो तो लग्न बलवान होती है। इसके विपरीत अर्थात् पाप ग्रह से दृष्ट, केन्द्र में पाप ग्रह हों तो निर्बल कहलाता है।

अमुक स्थान में गढ़ा धन है या नहीं

१. प्रश्न कुण्डली में चौथे भाव का स्वामी चौथे भाव को देखता हो तो धन है ऐसा कहना। यदि चतुर्थ स्थान पर पापग्रह की भी दृष्टि हो तो धन है परन्तु प्राप्ति नहीं होगी।

२. चौथे भाव में कोई भी ग्रह हो तो धन उत्तम पात्र में है ऐसा जानना। यदि चौथा यानि चतुर्थ भाव पर चतुर्थेश की दृष्टि न हो तो भी यदि चन्द्रमा चतुर्थ स्थान में हो तो धन है, ऐसा कहना।

नष्ट वस्तु प्रश्न

प्रश्न, तिथि, वार, नक्षत्र, लग्न तीनों एकत्र कर उनको पांच से भाग देने से शेष १ रहे तो वस्तु पृथ्वी में है। २ बचे तो जल में है मिलेगी नहीं। ३ बचे तो आकाश में है मिलेगी नहीं। ४ बचे तो राजा ले गया। ५ बचे तो वायुगत हुई शोक जानो।

अथवा तेजी मंदी जानने का सुगम प्रकार

तिथि, वार, नक्षत्र, योग, सूर्य संक्रांति, राशि और धान्य इनके ध्रुवांकों की संख्या को जोड़कर ७ से गुणा कर ३ का भाग देने से एक शेष बचे तो भाव उस पदार्थ का समान रहेगा। २ शेष रहे तो सस्ता और ३ अर्थात् ० शेष रहे तो महंगा रहेगा।

नक्षत्र	ध्रुवा	योग	ध्रुवा	वस्तु	ध्रुवा
अश्विनी	१७	विष्कुम्भ	१३	धान्य	७७
भरणी	५	प्रीति	१२	कनक	१००
कृतिका	३२	आयुष्मान	४७	ज्वार	१३३
रोहिणी	१४	सौभाग्य	५९	मूंग	४१
मृगशिर	४	शोभन	३६	चणा	३५
आर्द्रा	१३	अतिगंड	४७	झोना	७५
पुनर्वसु	२८	सुकर्मा	१८	तोरी	७७
पुष्य	३६	धृति	४४	तेल	३९
अश्लेषा	३६	शूल	१३	घृत	९९
मघा	१५	गंड	२५	खाण्ड	९९
पूर्वाफाल्गुनी	३	वृद्धि	१७	गुड़	४७
उत्तराफाल्गुनी	३१	ध्रुव	२२	शक्कर	१०१
हस्त	१८	व्याघात	२५	कपास	१२९
चित्रा	२५	हर्षण	२५	रुई	४४
स्वाति	१४	वज्र	१४	कांस्य	३७
विशाखा	२४	सिद्धि	२२	वस्त्र	१०९
अनुराधा	२९	व्यतीपात	१३	स्वर्ण	९६
ज्येष्ठा	३७	वरीयान	३९	हल्दी	७३
मूल	१८	परिधि	१५	चंदन	१८७
पूर्वाषाढ़	७३	शिव	१३	चांदी	८१
उत्तराषाढ़	३०	सिद्धि	१९	मिर्च	६८
श्रवण	२५	साध्य	१२	पित्तल	९९
धनिष्ठा	२३	शुभ	२५	जौ	५०७
शतभिषा	२४	शुक्ल	२२	कस्तू.	१३४
पूर्वाभाद्रपद	९	ब्रह्म	१३		
उत्तराभाद्रपद	४१	ऐन्द्र	२७		
रेवती	२८	वैधृति	२६		

वार	ध्रुवा
रविवार	२१
सोमवार	१५
मंगलवार	१२
बुधवार	१२
गुरुवार	१३
शुक्रवार	१४
शनिवार	००

राशि	ध्रुवा
मेष	३
वृष	२२
मिथुन	२२
कर्क	२५
सिंह	१९
कन्या	१७
तुला	२०
वृश्चिक	१३
धन	१६
मकर	१९
कुम्भ	२३
मीन	१४

तिथि	ध्रुवा
१	१
२	२
३	३
४	४
५	५
६	६
७	७
८	८
९	९
१०	१०
११	११
१२	१२
१३	१३
१४	१४
१५	१५

मेष—सोना, चांदी, केवल, गेहूं, जौ, मसूर।
वृष—वस्त्र, पुष्प, सरसों, गेहूं, यव, चावल, महिष, बैल
मिथुन—रुई, कपास, कमलकंद, बाजरा, जुवार, मुनक्का
कर्क—केला, धान, जायफल, तमालपत्र, दालचीनी, चाय, चीनी
सिंह—शाली, षटरस, मृगछाल, गुड़, खांड
कन्या—ज्वार, बाजरा, कुलथी, मूंग, गेहूं, अलसी
तुला—उड़द, गेहूं, नारियल, सरसों, मटर, हरड़
वृश्चिक—गुड़, खांड, नागरपान, लोहा, शक्कर
धनु—रस, घोड़ा, लवण, चित्र, वस्त्र, शस्त्र, कंदफल
मकर—कनीर, सकुट, मजीठ, जमींकन्द
कुंभ—रस, पोस्त, रत्न, रंगदार वस्तुएं
मीन—सीप, मोती, समुद्र झाग, हीरा, पंसारियों की दवाएं

षट् सप्तमगो हानि वृद्धशुक्रः करोति शेषेषु उपचयसंस्थाः क्रूराः शुभदाः शेषेषु हानिकराः इति। जिस वस्तु की तेजी या मंदा देखना हो उस वस्तु की चक्र में राशि कौन सी ऐसा प्रथम देखना। फिर उस राशि में कनसा ग्रह कहां है ऐसा देखना। जिस वस्तु की राशि से बृहस्पति ४।१०।२।११।७।९।५ इतनी राशि पर हो तो वस्तु को मंदा करता है और १।३।६।८।१२ इतनी पर गुरु हो तो तेजी करता है। ऐसा हो २।११।१०।५।८ पर बुध हो तो मंदा करता है और १।३।४।६।७।९।१२ इन स्थानों पर होवे तो तेजी करता है। शुक्र ६।७ पर सर्वदा तेजी करता है और १।२।३।४।५।८।९।१०।११।१२ पर शुक्र सर्वदा मंदा करता है। मंगल, शनि, केतु, सूर्य, क्षीण चन्द्रग्रह ३।६।१०।११ मंदा करते हैं और १।२।४।५।७।८।९ पर तेजी करता है। पूर्ण चन्द्रमा का फल गुरु सदृश देखना। ऐसा मंदा तेजी का फल जानना चाहिए।

नक्षत्रों के पदार्थ—चांदी आदि धातुओं के कारक मंगल, सूर्य हैं। पुनर्वसु, पुष्य, उ.फा., चित्रा, ज्ये., श्रवण, धनि., पू.भा. उ.भा. नक्षत्र हैं। रुई—पुनर्वसु, मूला, रोहि., उ.भा., तेल पदार्थ—आर्द्रा, पुष्य, स्वाति, कृत्तिका, शत., मघा। धान्य—(मक्की, गुवार), उ.भा. पू.षा. श्ले, रोहिणी, कृत्तिका, स्वा., भर। गुड़—मघा, ज्ये., उ.भा.। गुवार—पुष्य, पू.भा.। मटर—श्ले., उ.फा.। सिल्क—पुन., म.। बिनौला—मूल। खिल—उ.भा.। ऊपर के नक्षत्रों में शुभ ग्रह के गमन से नक्षत्र पदार्थों में मंदा का असर रहेगा और अशुभ ग्रहों के गमन से तेजी का असर पड़ेगा।

स्वप्न विचार

जीव की तीन अवस्थायें कही गई हैं-जागृत, सुषुप्ति और स्वप्न। पूर्ण बोध युक्त रहकर क्रियाशील होने को जागृत, सोने अर्थात् निद्रावस्था को सुषुप्ति तथा सोने और जागने (सुषुप्ति एवं जागृत) के बीच की अवस्था स्वप्न कहलाती है। स्वप्न के मुख्यत: सात भेद हैं। बहुत लम्बे तथा बहुत छोटे स्वप्न प्राय: निष्फल होते हैं। स्वप्न का फल कब मिलेगा। इसके बारे में शास्त्रकारों का मत है कि रात्रि के प्रथम प्रहर में देखे गए स्वप्न का फल एक वर्ष पश्चात्, दूसरे प्रहर में देखे गये का छ: मास में, तीसरे प्रहर में देखे गये का तीन मास में, चौथे प्रहर में देखे गये का एक मास में, अरुणोदय अर्थात् सूर्योदय से कुछ काल पूर्व में देखे गये स्वप्न का फल एक सप्ताह में मिल जाता है।

स्वप्न	फल
आकाश में उड़ना	लम्बी यात्रा, पदोन्नति हो
आकाश से गिरना	कष्ट मिले, अवनति हो
अनाज भरना	धन लाभ हो
आग देखना	धन प्राप्ति हो
आग उठाना	कष्ट मिले
अनाज बेचना	हानि हो
अंगूठी पहनना	सुन्दर स्त्री मिले
आम खाना	लाभ मिले
आंधी देखना	यात्रा में कष्ट, चिन्ता
अनार खाना	अधिक धन लाभ हो
ऊंट देखना	लाभ, उन्नति हो
ऊंट से गिरना	अवनति हो
हंसना	कठिनाई आवे
रोना	अच्छा समाचार मिले
शत्रु के साथ खाना	समझौता हो
अपने को मृत देखना	चिन्तामुक्ति, हर्ष मिले
अपने को बूढ़ा देखना	सम्मान मिले
बाल कटाना	व्यापार में हानि
हाथ, पैर धोना	चिन्ता मुक्ति
मां का आलिंगन करना	सौभाग्य प्राप्ति
गर्भवती का आलिंगन	कष्ट, हानि
सफेद मांस देखना	लाभ मिले
काला मांस देखना	सन्तान को कष्ट
अपना कटा पैर देखना	यात्रा में विघ्न हो
स्वयं को जलते देखना	बदनामी हो
सफेद वस्त्र पहनना	लाभ मिले
काले वस्त्र पहनना	हानि चिन्ता
पीले वस्त्र पहनना	दमा रोग हो
लाल वस्त्र पहनना	शुभ , प्रशंसा मिले
वस्त्र फटे देखना	चिन्ता से मुक्ति मिले
बर्फ गिरती देखना	आयु वृद्धि हो

स्वप्न	फल
सूखा वृक्ष देखना	लाभ मिले
दूध देखना	शत्रु नष्ट हो
शराब फैंकना	मन को शान्ति मिले
शराब पीना	कष्ट मिले
कई प्रकार की शराब मिलाते देखना	झगड़े, फसाद में फंसे, अपवाद फैले
जल पीना	सौभाग्य सूचक
अपने को नंगा देखना	सम्पत्ति की हानि
अपने को गंदगी के ढेर पर बैठे देखना	कठिनाइयों का सामना करना पड़े
सांपों को पांवों से रौंदना	शत्रु का नाश हो
मिठाई खाना	विपत्ती आये
तलवार लिए व्यक्ति देखना	किसी से झगड़ा हो
बिच्छू काटे	बीमारी हो
अण्डे खाना	व्यर्थ का झगड़ा हो
कुत्ता भौंकता दिखे	शत्रुओं का नाश हो
चूहा दिखाई दे	शुभ है, लाभ हो
बर्रे (भिड़, ततैया) दिखें	शत्रु परास्त हों
मरा बैल देखना	सूखा पड़े
सुरमा लगाना	रोग हो
सूर्य देखना	उच्चाधिकारी से मिलना
बादल देखना	उन्नति हो
थूक देखना	परेशानी हो
थूकना	खर्चा बढ़े
भैंस देखना	मुसीबत आये
हंस देखना	प्रतिष्ठा बढ़े
भेड़िया देखना	राजभय हो
अपने बाल सफेद देखना	आयु बढ़े
मल (टट्टी) खाना	धन मिले
मल त्यागना	व्यय बढ़े
कोई फल दे	पुत्र हो, लाभ हो

स्वप्न	फल
फूल देखना	प्रेमी से मिलन हो
पकवान खाना	प्रसन्नता हो
पान खाना	स्त्री संग हो
पिंजड़ा देखना	कारागार मिले
तीतर देखना	अच्छा समाचार मिले
हरा वन देखना	अच्छा समाचार मिले
सूखा वन देखना	चिन्ता हो
तालाब भरा देखना	दूसरे से धन मिले
मुर्दा देखना	स्वास्थ्य लाभ हो
स्त्री से सहवास करना	धन प्राप्ति हो
चन्द्रमा देखना	प्रतिष्ठा मिले
ग्रहण देखना	आफत आये
तेल पीना	रोग हो
खाना बनाना	बच्चे बीमार हों
तिल खाना	बदनामी हो
घोड़े पर चढ़ना	व्यापार में लाभ
घोड़े से गिरना	व्यापार में हानि
बांहे कटी देखना	भाई की मृत्यु हो
सुअर देखना	आयु कम हो
बुलबुल देखना	विद्वानों से मिलन हो
चित्र देखना	राज्य से लाभ
जुआ खेलना	आर्थिक तंगी
कुएं में गिरना	परेशानी हो
कुत्ता काटे	शत्रुभय हो
सफेद सांप काटे	लाभ हो
काला सांप काटे	हानि हो
लाल सांप काटे	शौर्यपूर्ण कार्य करे
पीला सांप काटे	रोग हो
बरात देखना	रोगी हो
रीछ देखना	अच्छा समाचार मिले
विष खाना	चिन्ता, शोक हो
सोना पाना	हानि हो
सांप पकड़ना	शत्रु का नाश हो
सांप मारना	कष्ट से राहत मिले
चीता देखना	असफलता मिले
विद्यालय से भागना	सफलता मिले
ढोलक बजाना (स्त्री)	शीघ्र विवाह हो
ढोलक बजाना (पुरुष)	कठिनाई आये
हस्ताक्षर करना	धन हानि हो
स्याही देखना	इच्छाएं पूरी हों
बिल्ली देखना	हानि, भय

स्वप्न	फल
चूहा काटे	दुर्घटना से बचाव
रथ पर सवारी करना	उच्च पद मिले
जिह्वा (जीभ) कटी देखना	मन्त्री पद मिले
वमन (उलटी) पीना	राज्य पद मिले
जीभ पर लिखना	विद्या प्राप्ति हो
नगर व ग्राम को घेरना	मुखिया पद मिले
गले में मोती का हार पहनना	राज्य पद मिले
कानों में कुण्डल पहनना	राज्य पद मिले
मुकुट धारण करना	राज्य पद मिले
लिङ्ग कटा देखना	स्त्री की प्राप्ति हो
वीर्य पान करना	धन मिले
मूत्र पान करना	धन मिले
रक्त पान करना	धन मिले
शरीर से रक्त निकलना	धन मिले
अपना सिर काटना	धन मिले
गुदा से जल पीना	धन मिले
घर जलता देखना	धन मिले
इन्द्र धनुष देखना	धन मिले
शिव मंदिर देखना	धन मिले
धुंआ पीना	लक्ष्मी मिले
अग्नि खाना	लक्ष्मी मिले
मोती, मूंगा, कौड़ी देखना	धन प्राप्ति हो
चावल खाना	धन प्राप्ति हो
मूंग खाना	धन प्राप्ति हो
सूखे मेवे देखना	धन प्राप्ति हो
इलायची, लौंग इत्यादि खाते देखना	धन मिले
गन्ना चूसना	लक्ष्मी बढ़े
कुंकुम लगाना	कष्ट निवृत्ति हो
देवों, देवता देखना	कष्ट निवृत्ति हो
सुगन्धित पदार्थ देह पर लगाना	सम्मान मिले
झाग वाला दूध पीना	सम्मान मिले
फल खाना व देखना	सम्मान मिले
बादलों, तारों को छूना	सम्मान मिले
मक्खी, मच्छर काटें	स्त्री लाभ मिले
हाथ में वीणा लेना	स्त्री लाभ मिले
अगम्य स्त्रियों से कामुक क्रीड़ा करना	स्त्री लाभ मिले
गेहूँ, जौ, सरसों देखना	विद्या लाभ हो
भगवान विष्णु देखना	विद्या लाभ हो

स्वप्न	फल
सरस्वती देखना	विद्या लाभ हो
जूते फटे देखना	सन्तति नाश हो
सूअर पर बैठी स्त्री पकड़ें	मृत्यु हो
सिंह, मगरमच्छ पकड़ें	कारागार मिले
गधे पर सवार होना	मृत्यु हो
लाल वस्त्र वाली स्त्री से रमन करना	मृत्यु हो
अपना विवाह देखना	मृत्यु हो
कौवे, गीध, नोचते देखना	मृत्यु हो
कौवे, गीध सिर पर बैठे	मृत्यु हो
पिशाच, प्रेतों के साथ मदिरा पीना	मृत्यु हो
सूर्य अस्त होते देखना	मृत्यु हो
कान में सर्प घुसना	भयंकर पीड़ा हो
अपना मांस खाना	अङ्ग-भङ्ग हो
स्त्री का स्तन पान करना	मृत्यु हो
शमशान में मदिरा पीना	मृत्यु हो
पर्वत की गुफा में जाना	आपत्तियां आएं
दांतों का गिरना	धन हानि हो
नाक-कान कटना	धन हानि हो
जलमुर्गी, उल्लू देखना	धन हानि हो
हिरण, बकरा देखना	धन हानि हो
जूते चोरी चले जाना	स्त्री वियोग हो
दोनों हाथ कटे देखना	माता-पिता की मृत्यु
छिपकली देखना	दुर्भाग्य सूचक
दर्पण में मुख देखना	सन्तान प्राप्त हो
सोने, चांदी की टट्टी करना	दश माह में मृत्यु हो
अचानक मोटा होना	आठ माह में मृत्यु हो
अचानक पतला होना	आठ माह में मृत्यु हो
अपने को कीचड़ में फंसे	शीघ्र मृत्यु हो
केंचुए देखना	गुप्त शत्रु हों
हाथों में दस्ताने पहनना	सम्मान मिले
बकरी देखना	धन लाभ हो
ओले गिरते देखना	दु:ख, कष्ट मिले
टोपी फटना	मानहानि हो
टोपी सिर से गिरना	मानहानि हो
स्वर्ग में जाना	यश-गौरव मिले
नर्क में जाना	दु:ख क्लेश हो
सीढ़ी पर चढ़ना	उन्नति हो
शहतूत का पेड़ देखना	धन-सम्पत्ति बढ़े

छिपकली (कोढ़किरली) पतन फल

वर्षा ज्ञान सारणी

छिपकली (कोढ़किरली) पतन फल

अङ्ग	फल	अङ्ग	फल
सिर	राज्यलाभ	नीचे का होंठ	धन नाश
नाक की नोक	व्याधि	हृदय	धन लाभ
बायीं बांह	राज भय	उदर	भूषण लाभ
दाहिनी बांह	राजा समान सुख	कन्धा	विजय
ललाट	बन्धु मिलन	स्तन	दुर्भाग्य सूचक
गुल्फ	कारावास	नाभी	बहुत धन मिले
जानु	शुभ लाभ	नाखुन	धान्य लाभ
नेत्र	धनागम	दाहिने अंगुष्ठ	धन लाभ
भौंह	राज्याधिकार प्राप्ति	बायें अंगुष्ठ	हानि, दुःख
वाम मणिबंध	बदनामी	बायां पैर	नाश
दक्षिण मणिबंध	धन लाभ	दायां पैर	यात्रा
कपोल	स्त्री सुख	जंघा	शुभ लाभ
कण्ठ	शत्रु नाश	पादमध्य	स्त्री नाश
बायें कान	बहुलाभ	पादान्ते	मृत्यु
दायें कान	आयु वृद्धि	केशान्ते	मरण तुल्य कष्ट
मुख	मिष्ठान्न भोजन	पीठ पीछे	बुद्धि नाश
ऊपर का होंठ	ऐश्वर्य प्राप्ति	कटि प्रदेश	वाहन लाभ

अङ्ग स्फुरण विचार

सिर	यात्रा हो	बायीं भौंह	आदर, सम्मान
बायां माथा	प्रसन्नता	बायां कान	परेशानी
दायां माथा	कष्ट, यात्रा	दायां कान	पदोन्नति
दायीं आंख	खुशी होगी	गर्दन	लाभ, स्त्री सुख
बायीं आंख	स्त्री वियोग	जीभ	झगड़ा
भौंह के मध्य	प्रेम मिलन	नाक	खुशी हो
बायीं पलक	दुःख कष्ट	पेट	खुशखबरी मिले
दायीं पलक	सुख आनन्द	पीठ	बुरा समाचार मिले
दाहिनी कपोल	लाभ	अण्डकोष	भोगानन्द मिले
बायां कपोल	हानि, व्यय	दायीं बगल	ऐश्वर्य बढ़े
दायीं भौंह	पुत्र सुख	बायीं बगल	पद घटे

योगासनों का अभ्यास

१. साधना करते समय शरीर को चुस्त रखना चाहिए। किसी समय भी ढीलापन व आलस्य नहीं आने देना चाहिए। २. हर एक साधना के पश्चात् शव आसन करना चाहिए। ३. अपने आप को हर समय स्वस्थ और बलवान् मनन करना चाहिए। ४. साधना करते, खाते-पीते तथा चलते समय हर हालत में रीढ़ की हड्डी को सीधा रखना। ५. प्रत्येक आसन का अपना विशेष गुण व प्रभाव होता है। अतः यह आवश्यक है कि साधक अपनी प्रकृति व्यवसाय, आयु व ऋतु के अनुसार आसनों को करें। ६. रोगी साधक को चाहिए कि पूर्ण आरोग्यता प्राप्त होने तक ब्रह्मचर्य का पालन अवश्य करें। चक्रासन से मोटापा कम होता है व अनेक बीमारियों का ईलाज भी होता है जैसे:—१. यह कमर दर्द व गुर्दे के रोगों के लिए लाभकारी है। २. हर्नियां व नलों के रोगों से छुटकारा दिलाता है। ३. चक्रासन से पेट के वायु- विकार दूर होते हैं। ४. चक्रासन से पाचन शक्ति बढ़ती है।

वर्षा ज्ञान

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
१५	५०	४२	३९	३४	२९	३०	२८	२४	२१	१६	१५	१२

सूर्य के रोहिणी नक्षत्र पर रहते नीचे लिखे दिनों में जहां कहीं थोड़ी सी वर्षा हो तो इतने दिनों तक वहां वर्षा न होवे जैसे रोहिणी में सूर्य प्रवेश के प्रथम दिन में थोड़ी सी वर्षा हो तो उस दिन से ७२ दिन तक वर्षा की खैंच रहती है। सूर्य रोहिणी पर रहे उन दिनों से गर्मी ज्यादा पड़े तो आगे वर्षा श्रेष्ठ, राजाओं में विग्रह, थोड़ी वर्षा से संवत् नष्ट, यदि अधिक वर्षा हो जावे और नदियों में वर्षा का जल भी चल पड़े तो अशुभ फल नष्ट होकर वर्षा अच्छी होती है। उन दिनों में बिजली वर्षा की कमी। अधिक दिन की बिजली में शुभ, बादल की दिशा में वर्षा की कमी, निर्मल दिशा में वर्षा अधिक होती है।

वर्षा ज्ञान ज्ञान सारणी से वर्षा जानने की रीति दिसम्बर, जनवरी, फरवरी, मार्च इन चारों मासों की तारीखों में जिन जिन तारीखों में जहाँ वर्षा होती है। उसके हिसाब से वर्षा होती है। उसके हिसाब से ही वर्षा ऋतु में जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर इन चार मासों में वहां वर्षा प्रायः हुआ करती है। प्राचीन ज्योतिष के दृष्टि विज्ञान के सिद्धान्त से आधुनिक समय के अनुसार भारत में १२ दिसम्बर के बाद ही शीतकाल में वर्षा साधारण रूप से होने का नियम है। जैसे मान लो कि शीतकाल में लुधियाना से १९ दिसम्बर को वर्षा हुई है तो वर्षा ऋतु में वहां-वहां जुलाई को वर्षा होगी। इसी प्रकार मान लिया कि शीतकाल में १५ जनवरी को देहली में वर्षा हुई है तो ऊपर की वर्षा ज्ञान सारणी यह पता देगी कि वर्षा ऋतु में वहां २९ जुलाई को वर्षा होगी। इसी प्रकार जैसे कि २२ फरवरी को शीतकाल में वर्षा हुई तो वहां ५ सितम्बर को वर्षा होगी। वर्षा ज्ञान के लिए शीतकाल में होने वाली वर्षा की तारीख चार टाईम सहित नोट करके देखने से वर्षा ऋतु की वर्षा का ज्ञान ठीक हो सकता है। विशेष सुगमता लिए मेघगर्भ तथा ग्रहों के रस नाड़ी चक्रादि का विचार करना चाहिए।

चक्रासन की विधि

भूमि पर सीधे लेट जाइये। और 3 बार 1:4:2 के अनुपात से पूरक कुम्भक व रेचक करना चाहिए। फिर दोनों हथेलियों को दोनों कन्धों के पास भूमि पर टेक लीजिए। पैरों को सिकोड़ कर श्वास की गति समान रखते हुए हाथों और पावों के बल कमर को धीरे-धीरे इस प्रकार उठायें कि वह गोलाकार हो जावे। जितनी देर हाथ व पैर सुख पूर्वक शरीर का भार सहन कर सकें इस आसन को करना चाहिए । पुनः धीरे-धीरे पूर्वावस्था में आ जाना चाहिए। यह आसन एक मिन्ट से शुरू करके तीन मिन्ट तक किया जा सकता है। जो इस तरह नहीं कर सकते उन्हें स्टूल का सहारा लेना चाहिए। योग के हर आसन जहां तक सम्भव हो अनुभवी योगाचार्य की देखरेख में ही करने चाहिए।

वर्षा ज्ञान सारणी

दिसम्बर	जून	जनवरी	जुलाई	फरवरी	अगस्त	मार्च	सितम्बर	अप्रैल	अक्टूबर
१	१४	१	१५	१	१५	१	१५	१	१५
२	१५	२	१६	२	१६	२	१६	२	१६
३	१६	३	१७	३	१७	३	१७	३	१७
४	१७	४	१८	४	१८	४	१८	४	१८
५	१८	५	१९	५	१९	५	१९	५	१९
६	१९	६	२०	६	२०	६	२०	६	२०
७	२०	७	२१	७	२१	७	२१	७	२१
८	२१	८	२२	८	२२	८	२२	८	२२
९	२२	९	२३	९	२३	९	२३	९	२३
१०	२३	१०	२४	१०	२४	१०	२४	१०	२४
११	२४	११	२५	११	२५	११	२५	११	२५
१२	९५	१२	२६	१२	२६	१२	२६	१२	२६
१३	२६	१३	२७	१३	२७	१३	२७	१३	२७
१४	२७	१४	२८	१४	२८	१४	२८	१४	२८
१५	२८	१५	२९	१५	२९	१५	२९	१५	२९
१६	२९	१६	३०	१६	३०	१६	३०	१६	३०
१७	३०	१७	३१	१७	३१	१७	O१	१७	३१
१८	J१	१८	A१	१८	S१	१८	२	१८	N१
१९	२	१९	२	१९	२	१९	३	१९	२
२०	३	२०	३	२०	३	२०	४	२०	३
२१	४	२१	४	२१	४	२१	५	२१	४
२२	५	२२	५	२२	५	२२	६	२२	५
२३	६	२३	६	२३	६	२३	७	२३	६
२४	७	२४	७	२४	७	२४	८	२४	७
२५	८	२५	८	२५	८	२५	९	२५	८
२६	९	२६	९	२६	९	२६	१०	२६	९
२७	१०	२७	१०	२७	१०	२७	११	२७	१०
२८	११	२८	११	२८	११	२८	१२	२८	११
२९	१२	२९	१२		१२	२९	१३	२९	१२
३०	१३	३०	१३		१३	३०	१४	३०	१३
३१	१४	३१	१४		१४	३१	१५		१४

अशौच व्यवस्था

अशौच दो प्रकार का होता है—(१) जननाशौच जिसे सूतक और (२) मरणाशौच जिसे पातक कहते हैं।

गर्भस्त्रावादि अशौच व्यवस्था

चार मास तक गर्भ के गिरने को 'गर्भस्त्राव' कहते हैं। पांचवे और छठे मास में 'गर्भपात' और इस के उपरान्त 'प्रसव' कहलाता है। तीन मास के भीतर किसी भी मास में गर्भ के गिराने से गर्भिणी को तीन दिन का और चौथे महीने में चार दिन का अशौच रहता है, पिता आदि सपिण्ड केवल स्नान मात्र से शुद्ध हो जाते हैं। पांचवें और छठे महीने में गर्भपात हो तो क्रम से ५ और ६ दिन का गर्भिणी को अशौच रहता है, पितादि सपिण्ड को ३ दिन का 'सूतक' होता है। गर्भस्त्राव और गर्भपात में चारों वर्णों को एकसा ही होता है।

जननाशौच व्यवस्था

सात महीने से लेकर किसी भी महीने में जन्म हो तो माता-पितादि सपिण्डों को अपने-अपने वर्ण के अनुसार पूरा अशौच (सूतक) होता है। जैसे ब्राह्मण को १० दिन, क्षत्रिय को १२ दिन, वैश्य को १५ दिन और शूद्र को एक मास का सूतक रहता है, किन्तु माता को सूतक निकालने के बाद भी पुत्र जन्मा हो तो २० दिन और कन्या उत्पन्न होने से १ मास तक धर्म कार्य करने का अधिकार नहीं होता। नाल-छेदन से पीछे सूतक हो जाने के कारण जात कर्म का अधिकार नहीं होता।

जननाशौच दान भोजन निर्णय

जननाशौच में पहले तथा छठे-दसवें दिन दान, पति ग्रह का दोष नहीं है। केवल अन्न भोजन का ही निषेध है।

मृतौत्पत्ति में विचार

यदि मरा हुआ बालक उत्पन्न हो तो पितादि सपिण्डों को अपने-२ वर्ण के अनुसार पूरा अशौच (सूतक) होता है। बालक जन्म लेकर नाल-छेदन से पूर्व ही मर जाय तो माता को १० दिन का सूतक और पितादि सपिण्डों को ३ दिन का जननाशौच (सूतक) होता है। नाल-छेदन के बाद १० दिन के भीतर अर्थात् नाम संस्कार से पूर्व बालक की मृत्यु हो जाये हो पितादि सपिण्डों को पूर्ण जननाशौच (सूतक) रहता है। पातक में देवकर्म और पितृकर्म का अधिकार नहीं रहता।

मृताशौच व्यवस्था

नामकरण अर्थात १० दिन के बाद ६ महीने के भीतर अर्थात् दांत आने से पहले बालक के मरने पर माता और पिता को ३ दिन का मृताशौच (पातक) होता है किन्तु सपिण्ड स्नानमात्र से शुद्ध हो जाते हैं। कन्या मरने पर पिता को एक दिन का पातक लगता है। स्मरण रखना चाहिए ७वें महीने से अर्थाथ् दांत निकलने के पीछे ३ वर्ष तक अर्थात् चूड़ाकरण संस्कार न होने पर बालक के मरने पर माता-पिता को ३ दिन सपिण्डों को १ दिन तक पातक हो जाता है, और ३ वर्ष तक मुण्डन-संस्कार हो गया हो तो बालक को जलाना चाहिए।

कन्या अशौच व्यवस्था

सगाई होने से पहले कन्या मरने पर तीन पुरुषों तक १ दिन का पातक होता है, सगाई हो जाने के बाद और विवाह से पहले कन्या मरने पर पिताकुल के और पतिकुल को ७ पुरुषों तक ३ दिन का पातक रहता है। यदि विवाह हुंई कन्या पिता के घर में मर जाये व प्रसूता हो तो माता पिता और सहोदर भाइयों को ३ दिन का पातक, चाचा आदि को १ दिन का अशौच होता है। परन्तु पतिकुल में पूर्ण अशौच होता है। विवाहित कन्या को १० दिन के भीतर माता पिता की मृत्यु की खबर मिले तो ३ दिन का पातक, १० दिन के बाद सुने तो १ दिन का।

मातामह मातामही दौहित्र मरण पर विचार

नाना मरे तो दौहित्र को ३ दिन, नानी मरने पर १॥ दिन का पातक होता है। यज्ञोपवीत संस्कार हुए दौहित्र के मरने पर नाना की ३ दिन, बिना यज्ञोपवीत के १॥ दिन का पातक होता है।

सास ससुर तथा जामातृ मरण पर अशौच विचार

सास और ससुर यदि मर जायें तो जामातृ पास होने से ३ दिन, बिना समीप होने से १॥ दिन का पातक लगता है। जमाई के मरने से १ दिन का पातक होता है।

बन्धुत्रय विचार

भूआ, मासी और मामी के पुत्रों को आत्मबांधव कहते हैं। पिता की भूआ, मासी और मामी के पुत्रों को पितृबांधव कहते हैं। माता की भूआ, मासी और मामी के पुत्रों को मातृबांधव कहते हैं। इन तीन प्रकार के बांधवों में से किसी की मृत्यु हो जाये तो ३ दिन का पातक होता है। इनकी बहिन मरे तो १॥ दिन का पातक होता है, और विवाहित कन्या मरने पर १ दिन का पातक होता है।

अशौच-सम्पात पर निर्णय

१० दिन के अशौच में यदि ५ दिन के भीतर दूसरा १० दिन का अशौच हो जावे तो पहले के अशौच की समाप्ति पर दूसरे अशौच की भी समाप्ति हो जाती है। ५ दिन के बाद ९ दिन के भीतर हो तो पिछले के साथ शुद्धि हो जाती है। यदि १० वें दिन की रात्रि में दूसरा अशौच हो जाय तो दो दिन अशौच और बढ़ जाता है। जननाशौच में मृताशौच अथवा मृतशौच में जननाशौच हो जावे तो मृताशौच के साथ शुद्धि होती है।

प्रथमाब्दे निषिद्ध कार्याणि

प्रथमाब्दे निषिद्धानि महातीर्थस्य गमनपुपवासव्रतानि च अब्दमध्यये न कुर्वीत महागुरुनिपातने। प्रभोतौ पितरौ यस्य दहस्तस्याशुचिर्भवेत्। नदेयंनापिवैपिच्यं पूर्णो न वत्सरः। प्रथमाब्दे गयाश्राद्धनिषेध उक्तः—तीर्थ श्राद्धं गयाश्राद्ध श्राद्धमञ्च पैत्रिकम्। अब्दमध्ये न कुर्वीतमहा गुरु विपत्तिषु। गयाश्राद्धं मृतानां तु पूर्णे त्वब्दे प्रशास्यते शुक्रस्यास्तमने चैव देवेज्यस्य तथैव च। प्रेतकार्य न दुष्येत प्रथम वत्सरं बिना॥ गयायां सर्वकालेषुपिंडंदद्याद्विचक्षण अधिमासे जन्मदिने, अस्ते च गुरुशुक्रयोः। गोदावर्योगयायां च श्री शैले ग्रहणाद्वये। सुरासुरगुरूणां च मौढ्यदोषो न विद्यते॥

गंगायामस्थिनिक्षेपने विचार

अस्तगते गुरौ शके तथैव चाधिमास के। गंगायास्थिनिक्षेप न कुर्यादिति गौतमः॥ दशाहाभ्यन्तरे न दोषः॥

श्री भैरव भविष्यज्ञान प्रश्नावली

श्री भैरव भविष्यज्ञान प्रश्नावली को सिद्ध यंत्र ३२(बत्तीसा) के आधार पर तैयार किया गया है। निम्नांकित किसी भी इच्छित प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए इसे प्रयोग में लाया जा सकता है। इस प्रश्नावली में मुख्य-मुख्य बत्तीस प्रश्न दिये गये हैं। कोई भी पाठक साधारण (धन अथवा ऋण) गणित द्वारा अपने प्रश्न का उत्तर पा सकता है। व्यर्थ में किंवा सत्यता की परख करने में प्रश्नावली का उत्तर सही नहीं आयेगा। तीन प्रश्न (एक बार में) से अधिक प्रश्नों के उत्तर भी संदेह पूर्ण होंगे, अत: उपर्युक्त बातों का ध्यान रखना आवश्यक ही नहीं परमावश्यक है।

प्रश्नावली में उत्तर जानने की विधि यह है कि दिये बत्तीसा यंत्र के किसी भी कोष्ठक में प्रच्छक (प्रश्न पूछने वाला) अपने दाहिने (दक्षिण) हाथ की मध्यमा अंगुली रखने से पूर्व "ॐ नमो भैरवाय" मन्त्र को तीन बार जप लें। आगे प्रश्न क्रम संख्या और जिस अंक पर अंगुली रखी है दोनों का योग कर लें तथा इस योग में से १ घटा दें, शेष जो संख्या बचे उसे संख्या वाले प्रश्न के सामने देवता का नाम देख लें। जिस देवता का नाम लिखा है उसके नीचे यन्त्र कोष्ठक संख्या के आगे उत्तर देख लें-

मान लो कोई प्रश्न पूछना चाहता है कि मेरा विवाह होगा या नहीं तो यह प्रश्न संख्या हुई १२ (बारह) और प्रश्न कर्ता ने यंत्र में १५ के अंक पर अंगुली रखी। अत: यन्त्र के कोष्ठक की संख्या है १५ (पन्द्रह) दोनों का योग आया २७ (सत्ताईस)। इसमें से १ (एक) घटाया तो शेष रहे २६ (छब्बीस) २६वीं संख्या का देवता है केतु, अत: केतु के नीचे १५वीं संख्या का उत्तर आया अर्थात् विवाह उपाय से होगा।

जब प्रश्न संख्या और यंत्र संख्या कोष्ठक संख्या का योग एक घटाने से भी ३२ से अधिक आये तो इसमें से ३२ घटा कर तब उपर्युक्त विधि से उत्तर देखना चाहिये जैसे प्रच्छक का प्रश्न है मुझे पत्नी कैसे स्वभाव की मिलेगी। प्रश्न संख्या है २९ यन्त्र के कोष्ठक (जिसमें अंगुली रखी है) की संख्या है १५ इनका योग किया तो आया ४४ इसमें १ ऋण किया शेष रहा ४३ यह बत्तीस की संख्या से अधिक है अत: इसमें से ३२ की संख्या घटाई शेष रहे ११ अब पूर्व विधि से ११ की संख्या का देवता देखा तो ज्ञात हुआ "इन्द्र" और देवता इन्द्र के नीचे १५वीं संख्या का उत्तर मिला "पत्नी मधुर स्वभाव की मिलेगी" इसी प्रकार सभी प्रश्नों के उत्तर ज्ञात कर लें।

३२ बत्तीसा यंत्र

८	१५	२	७
६	३	१२	११
१४	९	८	१
४	५	१०	१३

प्र. सं.	प्रश्न	अधिपति देवता
१.	मुझे सन्तान सुख मिलेगा या नहीं?	श्री भैरव
२.	मेरी मुकदमे में हार होगी अथवा जीत?	शिव
३.	मेरा भाग्योदय कब होगा?	कृष्ण
४.	मुझे नौकरी मिलेगी या नहीं?	राम
५.	मुझे उन्नति के अवसर मिलेंगे या नहीं?	सीता
६.	खेती से मुझे लाभ मिलेगा या हानि?	राधा
७.	मैं अपना मकान बना सकूँगा या नहीं?	लक्ष्मी
८.	क्या मुझे परीक्षा में सफलता मिलेगी?	विष्णु
९.	मेरे लिए विद्या प्राप्ति के योग हैं अथवा नहीं?	नारायण
१०.	मैं इस जीवन में सफलता पा सकूंगा या नहीं?	दामोदर
११.	क्या मुझे भूमिगत धन की प्राप्ति सम्भव है?	इन्द्र
१२.	मेरा विवाह होगा अथवा नहीं?	गणेश
१३.	अमुक रोगी रोग मुक्त होगा या नहीं?	अग्नि
१४.	मेरे स्वप्न का फल कैसा?	वायु
१५.	क्या मेरा स्थानान्तरण हो जायेगा?	वरुण
१६.	मुझे व्यापार में लाभ मिलेगा अथवा हानि?	यम
१७.	क्या मेरी चिन्ता दूर हो जायेगी?	कुबेर
१८.	मित्र के साथ मित्रता कैसी रहेगी?	सूर्य
१९.	मुझे कर्ज मिलेगा या नहीं?	चन्द्र
२०.	मेरी खोई हुई वस्तु मिलेगी अथवा नहीं?	मंगल
२१.	प्रवासी (परदेश गया हुआ) कब लौटेगा?	बुध
२२.	क्या मुझे यात्रा से लाभ मिलेगा?	बृहस्पति
२३.	मेरे भाईयों से कैसे निभेगी?	शुक्र
२४.	क्या मैं कुंआ बनवा सकूंगा?	शनि
२५.	मेरे लिए यह वर्ष कैसा है?	राहु
२६.	मेरा आज का दिन कैसा बीतेगा?	केतु
२७.	अमुक स्त्री को पुत्रोत्पन्न होगा या पुत्री?	मित्र
२८.	क्या मेरी इच्छा पूर्ण होगी?	पृथ्वी
२९.	मुझे पत्नी कैसे स्वभाव की मिलेगी?	काल
३०.	क्या मेरा सम्बन्धी धोखा देगा?	शेष
३१.	प्रेमिका/प्रेमी का प्रेम शुद्ध है या नहीं?	यक्ष
३२.	मैं तीर्थ यात्रा करुंगा अथवा नहीं?	तक्षक

१. श्री भैरव

१. सन्तान सुख मिलेगा।
२. तीर्थ यात्रा में विघ्न पड़ेगा।
३. प्रेमी-प्रेमिका का प्रेम शुद्ध है।
४. सम्बन्धी धोखा दे सकता है। होशियार।
५. पत्नी उग्र स्वभाव की मिलेगी।
६. इच्छा पूरी होने में अभी देर है।
७. पुत्रोत्पत्ति का हर्ष होगा।
८. यह दिन शुभ नहीं है।
९. वर्तमान वर्ष मध्यम रहेगा।
१०. कुआं बनना अभी सम्भव नहीं है।
११. भाईयों से प्रेम बना रहेगा।
१२. यात्रा में हानि होने की आशंका अधिक है।
१३. प्रवासी शीघ्र लौटेगा।
१४. खोई वस्तु शीघ्र मिल जायेगी।
१५. कर्ज मिलने में कठिनाई झेलनी पड़ेगी।

२. शिव

१. मुकदमे में जीत होगी
२. सन्तान सुख गृह देवता की पूजा से मिलेगा।
३. तीर्थ यात्रा की इच्छा पूर्ण हो जायेगी।
४. प्रेमी/प्रेमिका प्रेम नहीं करता/करती।
५. संबन्धी धोखा देगा, सावधान।
६. पत्नी सरल स्वभाव की मिलेगी।
७. अभी इच्छा पूरी नहीं होगी।
८. कन्या सन्तान उत्पन्न होगी।
९. आज का दिन शुभ रहेगा।
१०. यह साल उत्तम नहीं है।
११. कुआं बनवाने की इच्छा पूर्ण होगी।
१२. भाईयों में अनबन रहेगी।
१३ यात्रा लाभकारी रहेगी।
१४. प्रवासी निकट भविष्य में लौटने का इच्छुक नहीं है।
१५. नष्ट वस्तु (खोई) नहीं मिलेगी।

३. कृष्ण

१. आपका भाग्योदय शीघ्र होगा।
२. आप मुकदमे मे जीतें इसमें संदेह है।
३. सन्तान सुख मिलेगा किन्तु उपाय से।
४. तीर्थ यात्रा की इच्छा पुरी नहीं होगी।
५. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम गुप्त है।
६. संबंधी धोखा नहीं देगा।
७. पत्नी उत्तम स्वभाव की मिलेगी।
८. निकट भविष्य में इच्छा पूर्ण नहीं होगी।
९. कन्या सन्तान जन्म लेगी।
१०. आज का दिन मानसिक परेशानी वाला रहेगा।
११. वर्ष अत्याधिक लाभप्रद रहेगा।
१२. कुआं नहीं बनवा सकोगे।
१३. भाईयों से तकरार होने का भय है।
१४. यात्रा से लाभ मिलना कठिन है।
१५. चिन्ता न करें, प्रवासी कुछ दिनों में लौट आयेगा।

४. राम

१. नौकरी शीघ्र मिल जायेगी।
२. भाग्योदय होने में अभी देरी है।
३. आप मुकद्दमा हार जायेंगे।
४. सन्तान प्राप्ति की इच्छा पूरी हो जायेगी।
५. तीर्थ यात्रा होने में संदेह है।
६. प्रेमी/प्रेमिका प्रेम करता/करती है।
७. संबंधी धोखा दे सकता है सावधान रहें।
८. पत्नी के स्वभाव से मेल खा जायेगा।
९. इच्छा अवश्य पूरी होगी।
१०. पुत्र सन्तान का जन्म होगा।
११. यह दिन शुभ ही बीतेगा।
१२. यह वर्ष कष्टमय बीतेगा।
१३. कुआं बनवाने की इच्छा पूरी हो जायेगी।
१४. भाईयों से अनबन रहेगी।
१५. यात्रा करना लाभप्रद रहेगा।

५. सीता

१. उन्नति मिलने का समय आ गया है।
२. नौकरी मिलेगी किन्तु अत्याधिक प्रयत्न से।
३. भाग्योदय होने में अभी देरी है।
४. चिन्ता न करें मुकद्मा जीत जाओगे।
५. सन्तान सुख के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ करायें।
६. तीर्थ यात्रा पर अवश्य जाओगे।
७. प्रेमी/प्रेमिका का दिखावटी प्रेम है।
८. संबंधी गुप्त चाल चलेगा सावधानी से रहें।
९. पत्नी उत्तम स्वभाव वाली मिलेगी।
१०. इच्छा पूरी हो इसमें संदेह है।
११. कन्या सन्तान जन्म लेगी।

१२. आज का दिन विशेष शुभ नहीं है।
१३. वर्ष आप के लिए चुनौतियों भरा होगा।
१४. कुंआ बनवाने की इच्छा पूरी होने में देरी होगी।
१५. भाईयों से मेल मिलाप रहेगा।

६. राधा

१. खेती से लाभ मिलेगा।
२. उन्नति में अभी देरी है धैर्य रखें।
३. नौकरी नहीं मिलेगी।
४. भाग्योदय शीघ्र होगा।
५. मुकद्दमा जीत लो ऐसी सम्भावना कम हो है।
६. सन्तान सुख अभी देर में मिलेगा।
७. तीर्थ यात्रा पर जाना सम्भव नहीं हो सकेगा।
८. प्रेमी प्रेमिका मात्र दिखावा करता/करती है।
९. संबंधी धोखा नहीं देगा।
१०. पत्नी का स्वभाव अच्छा नहीं होगा।
११. इच्छा पूरी होने में सन्देह है।
१२. पुत्र सन्तान जन्म लेगी।
१३. यह दिन उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा।
१४. यह वर्ष श्रेष्ठतम रहेगा।
१५. कुंआ बन जायेगा।

७. लक्ष्मी

१. मकान की इच्छा पूरी हो जायेगी।
२. खेती से लाभ कम मिलेगा।
३. प्रमोशन हो जाये ऐसा सम्भव नहीं दिखता।
४. नौकरी अधक प्रयत्न करने पर मिलेगी।
५. निकट भविष्य में ही भाग्योदय होने वाला है।
६. मुकदमे में जीतना कठिन है।
७. सन्तान सुख मिल जायेगा।
८. तीर्थ यात्रा पर जाने में विघ्न-बाधाओं का सामना करना पड़ेगा।
९. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम शुद्ध नहीं है।
१०. संबंधी धोखा देने से नहीं चूकेगा।
११. पत्नी चिड़चिड़े स्वभाव की मिलेगी।
१२. इच्छा पूरी हो जायेगी।
१३. कन्या रत्न उत्पन्न होने की सम्भावना प्रबल है।
१४. आज का दिन अच्छा नहीं है।
१५. यह वर्ष मध्यम फलप्रद रहेगा।

८. विष्णु

१. परीक्षा में सफलता मिलेगी।
२. मकान निकट भविष्य में नहीं बना पाओगे।
३. खेती मत करो लाभ की आशा कम है।
४. प्रमोशन शीघ्र ही मिलने वाला है।
५. नौकरी [illegible] में अभी देरी है।
[illegible]

७. मुकदमे में जीत जाओगे।
८. संतान सुख के लिए संतान गोपाल का अनुष्ठान करें।
९. तीर्थ यात्रा सकुशल होगी।
१०. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम छल है।
११. संबंधी धोखा दे ऐसा नहीं दिख रहा।
१२. पत्नी का स्वभाव अच्छा होगा।
१३. इच्छा पूरी होने में संदेह है।
१४. पुत्र सन्तान जन्म ले ऐसे योग हैं।
१५. यह दिन शुभ रहेगा।

९. नारायण

१. विद्या प्राप्त कर लोगे, विश्वास करो।
२. परीक्षा में पास हो जाओ इसमें संदेह है।
३. मकान नहीं बन सकेगा।
४. खेती करने से लाभ मिलेगा।
५. प्रमोशन अभी मिलना सम्भव नहीं है।
६. नौकरी शीघ्र मिल जायेगी।
७. भाग्योदय शीघ्र ही होने वाला है।
८. मुकदमा जीतने में संदेह है।
९. सन्तान सुख अभी देरी से मिलेगा धैर्य रखें।
१०. तीर्थ यात्रा पर जाने का अवसर नहीं मिलेगा।
११. प्रेम का चक्कर हानिकारक है। सावधान रहें।
१२. संबंधी धोखा अवश्य देगा सावधान।
१३. पत्नी अच्छे स्वभाव की नहीं मिलेगी।
१४. इच्छा पूरी होने में संदेह है।
१५. कन्या सन्तान का जन्म होगा।

१०. दामोदर

१. जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।
२. अल्प विद्या प्राप्ति के योग हैं।
३. परीक्षा में असफलता हाथ लगेगी।
४. मकान बनाने की इच्छा पूरी नहीं होगी।
५. खेती से अल्प लाभ की आशा रखें।
६. प्रमोशन के योग बन रहे हैं।
७. नौकरी मिलने में अभी देरी है।
८. भाग्योदय निकट भविष्य में हो जायेगा।
९. मुकदमे में जीत निश्चित है।
१०. सन्तान सुख थोड़ा देरी से मिलेगा।
११. तीर्थ यात्रा पर जाने की इच्छा पूरी नहीं होगी।
१२. प्रेमी/प्रेमिका मन से प्रेम करता/करती है।
१३. संबंधी धोखा नहीं देगा।
१४. पत्नी मधुर स्वभाव की मिलेगी।
१५. इच्छा पूर्ण हो जायेगी।

११. इन्द्र

१. भूमिगत धन की प्राप्ति हो जायेगी।
[illegible]

३. विद्या पूर्णतया प्राप्त कर लो इसमें संदेह है।
४. परीक्षा उत्तीर्ण कर लोगे।
५. मकान अभी नहीं बन सकेगा।
६. खेती से लाभ नहीं होगा।
७. प्रमोशन हो इसमें संदेह है।
८. नौकरी अभी नहीं मिलेगी।
९. भाग्योदय शीघ्र हो जायेगा।
१०. मुकदमे में जीत जाने का अवसर क्षीण है।
११. सन्तान सुख मिलेगा। लेकिन उपाय से।
१२. तीर्थ यात्रा पर जाना सम्भव नहीं हो सकेगा।
१३. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम झूठा है, बच कर रहें।
१४. संबंधी धोखा देने की योजना बना रहा है।
१५. पत्नी अति नम्र और स्नेहशील होगी।

१२. गणेश

१. विवाह हो जायेगा चिन्ता न करें।
२. भूमिगत धन की प्राप्ति सम्भव नहीं है।
३. जीवन में सफलता मिल जायेगी।
४. विद्या प्राप्त कर लोगे।
५. परीक्षा में उत्तीर्ण होने के चांस नहीं हैं।
६. मकान अभी देर से बनेगा।
७. खेती से लाभ मिलेगा।
८. उन्नति (प्रमोशन) अभी नहीं होगी, देर है।
९. नौकरी मिल जायेगी।
१०. भाग्य का सितारा चमकने वाला है।
११. ऐसे आसार हैं कि मुकद्दमा हार जाओगे।
१२. संतान सुख मिल जायेगा।
१३. तीर्थ यात्रा को नहीं जा सकोगे।
१४. प्रेमी/प्रेमिका का शुद्ध प्रेम नहीं है।
१५. संबंधी गुप्त रूप से सहायता करेगा।

१३. अग्नि

१. बीमार अच्छा हो जायेगा।
२. विवाह होने के आसार नहीं हैं।
३. गड़ा धन मिलेगा, गृह देवता की पूजा करें।
४. जीवन में सफलता मिलेगी।
५. विद्या प्राप्त कर लोगे।
६. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाओगे।
७. मकान शीघ्र ही बन जायेगा।
८. खेती से लाभ मिलेगा।
९. फिलहाल तरक्की मिलना कठिन है।
१०. नौकरी मिलने के आसार नहीं हैं।
११. भाग्योदय शीघ्र होगा।
१२. मुकद्दमा जीतना कठिन है।
१३. सन्तान सुख मिल जायेगा।
१४. तीर्थयात्रा करने की इच्छा पूर्ण होगी।

१४. वायु

१. स्वप्न का फल उत्तम फलप्रद है।
२. रोगी के रोगमुक्त होने में अभी देरी है।
३. विवाह संबंध के लिए उपाय करना।
४. भूमिगत धन मिलने की सम्भावना है।
५. जीवन में सफलता मिलने में संदेह है।
६. विद्या प्राप्त हो जायेगी शिवार्चन करें।
७. परीक्षा में उत्तीर्ण होना कठिन है।
८. मकान बनाने में कठिनाइयां आयेंगी।
९. खेती से लाभ होने की आशा है।
१०. प्रमोशन होने में अभी समय लगेगा।
११. नौकरी निकट भविष्य में नहीं मिलेगी।
१२. भाग्योदय शीघ्र ही होने वाला है।
१३. मुकदमे में जीत निश्चित मिलेगी।
१४. सन्तान सुख पाने के लिए सन्तान गोपाल का अनुष्ठान करें।
१५. तीर्थयात्रा नहीं हो सकेगी।

१५. वरुण

१. तबादला शीघ्र ही हो जायेगा।
२. स्वप्न का फल अच्छा नहीं है।
३. बीमार के ठीक होने के आसार नहीं हैं।
४. विवाह हो जायेगा चिन्ता न करें।
५. गड़ा धन मिल जायेगा लेकिन उपाय से।
६. जीवन में अधिक सफलता मिले आशा कम है।
७. विद्या प्राप्ति में विघ्न आयेंगे।
८. परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए शिवार्चन करें।
९. मकान बन जायेगा।
१०. खेती से विशेष लाभ की आशा रखना निर्मूल है।
११. उन्नति शीघ्र मिल जायेगी।
१२. नौकरी निकट भविष्य में मिल जायेगी।
१३. भाग्योदय अभी नहीं हो रहा देर लगेगी।
१४. मुकद्दमा जीतना कठिन है।
१५. संतान सुख भाग्य में नहीं है।

१६. यम

१. व्यापार में लाभ मिलेगा, परन्तु सावधानी आवश्यक है।
२. तबादले के योग बन रहे हैं।
३. स्वप्न का फल अच्छा है।
४. बीमार अच्छा हो जायेगा।
५. विवाह के लिए कुमार मन्त्र का सवा लाख जप करें।
६. गड़ा धन मिल जायेगा।
७. जीवन में सफलता नहीं मिलेगी।
८. उच्चशिक्षा प्राप्ति के लिए गणपति मन्त्र जपें।
९. परीक्षा में पास हो जाओगे।

११. खेती से लाभ हो इसमें संदेह है।
१२. प्रमोशन कठिनाई से मिलेगा।
१३. नौकरी मिलने में संदेह है।
१४. भाग्योदय शीघ्र होने वाला है।
१५. मुकदमे में जीत निश्चित है।

१७. कुबेर

१. चिन्ता अभी देर से मिटेगी।
२. व्यापार में लाभ मिलेगा।
३. स्थानांतरण अभी नहीं होगा।
४. स्वप्न शुभ फलप्रद है।
५. बीमार के अच्छा होने की संभावना कम है।
६. विवाह होने की संभावना नहीं है।
७. गड़े धन प्राप्ति के लिए आसुरी सिद्धि करें।
८. जीवन में सफलता मिल जायेगी।
९. विद्या से लाभ नहीं मिलेगा।
१०. उत्तीर्ण होने के लिए हनुमत् उपासना करें।
११. मकान अभी नहीं बन सकेगा।
१२. खेती से लाभ नहीं मिलेगा।
१३. तरक्की मिल जाये ऐसा योग नहीं है।
१४. नौकरी शीघ्र मिल जायेगी।
१५. भाग्योदय होने के लिए स्वर्णाकर्षण भैरव मन्त्र का जप करें।

१८. सूर्य

१. मित्र धोखा दे सकता है सावधान रहें।
२. चिन्ता शीघ्र मिट जायेगी।
३. व्यापार से लाभ नहीं रहेगा।
४. तबादला हो जायेगा।
५. स्वप्न का फल उत्तम नहीं है।
६. रोगी रोग मुक्त हो जायेगा।
७. विवाह शीघ्र हो जायेगा।
८. गड़ा धन भाग्य में नहीं है।
९. जीवन में सफलता प्राप्त करने की सम्भावना नहीं है।
१०. विद्या प्राप्ति नहीं हो सकेगी।
११. परीक्षा में पास होने में संदेह है, मन लगाकर पढ़ो।
१२. मकान शीघ्र बन जायेगा।
१३. खेती से लाभ मिलेगा।
१४. प्रमोशन के योग प्रयत्न साध्य हैं।
१५. नौकरी देर से मिलेगी।

१९. चन्द्र

१. कर्ज मिलने में विघ्न-बाधाएं आयेंगी।
२. मित्र कपट करेगा सावधानी अपेक्षित है।
३. चिन्ता मिट जायगी, ईश्वराधना करें।
४. व्यापार से लाभ रहेगा।

७. रोगी स्वास्थ्य लाभ कर लेगा।
८. विजय के लिए विष्णु मन्त्र का अनुष्ठान करें।
९. गड़ा धन पितृ पूजन करने से मिलेगा।
१०. जीवन में सफलता नहीं मिलेगी।
११. विद्या प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा।
१२. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाओगे।
१३. मकान बन जाये इसमें सन्देह है।
१४. खेती से अधिक लाभ नहीं मिलेगा।
१५. उन्नति होने के योग क्षीण हैं।

२०. मंगल

१. खोई वस्तु मिल जायेगी प्रयत्न करें।
२. कर्जा मिल जायेगा।
३. मित्र के साथ निभ जाये ऐसा नहीं लगता।
४. चिन्ता शीघ्र दूर हो जायेगी।
५. व्यापार में हानि होने के योग हैं।
६. ट्रांसफर नहीं हो सकेगा।
७. स्वप्न का फल उत्तम है।
८. बीमार के अच्छे होने की सम्भावना नहीं है।
९. विवाह अभी देर से होगा।
१०. गड़ा धन मिलने में सन्देह है।
११. जीवन में सफलता कष्ट से मिलेगी।
१२. विद्या प्राप्त कर लोगे।
१३. पास होना कठिन है।
१४. मकान अभी नहीं बन सकेगा।
१५. खेती से लाभ रहेगा।

२१. बुध

१. प्रवासी लौट कर आ रहा है।
२. खोई वस्तु मिल जायेगी।
३. कर्जा इस समय नहीं मिलेगा।
४. मित्र के साथ मित्रता बनी रहेगी।
५. चिन्ता अभी दूर नहीं होगी।
६. व्यापार से लाभ मिलेगा।
७. तबादला हो जायेगा।
८. स्वप्न का फल मध्यम है।
९. बीमार अच्छा हो जायेगा।
१०. विवाह हो जायेगा।
११. गड़ा धन मिल जायेगा।
१२. जीवन में सफलता प्राप्त करना असम्भव है।
१३. विद्या प्राप्ति का योग नहीं है।
१४. उत्तीर्ण होने के लिए परिश्रम एवं हनुमत मन्त्र जपें।
१५. मकान नहीं बन सकेगा।

२२. बृहस्पति

१. यात्रा लाभदायक रहेगी।

३. खोई वस्तु नहीं मिलेगी।
४. कर्जा विलम्ब से मिलेगा।
५. मित्र के साथ नहीं निभ सकेगी।
६. चिन्ता दूर हो जायेगी।
७. व्यापार में लाभ मिलना कठिन है।
८. तबादला हो जायेगा आश्वस्त रहें।
९. स्वप्न का फल अशुभ है।
१०. बीमार अच्छा नहीं होगा।
११. गड़ा धन मिलना सम्भव नहीं है।
१२. विवाह होना सम्भव नहीं है।
१३. जीवन में श्रेष्ठ सफलता प्राप्त कर लोगे।
१४. विद्या प्राप्ति के योग नहीं हैं।
१५. परीक्षा में पास हो जाओगे चिन्ता न करो।

२३. शुक्र

१. भाईयों से अनबन रहेगी।
२. यात्रा से लाभ कम मिलेगा।
३. परदेशी (बाहर गया हुआ) शीघ्र लौट जायेगा।
४. खोई हुई वस्तु बहुत जल्दी मिल जायेगी।
५. कर्जा नहीं मिलेगा।
६. मित्र के साथ अच्छा मेल-मिलाप रहेगा।
७. चिन्ता अभी नहीं मिटेगी।
८. व्यापार से लाभ मिलेगा।
९. तबादला के योग बन रहे हैं।
१०. स्वप्न का फल शुभ है।
११. रोगी रोग मुक्त हो जायेगा।
१२. विवाह के लिए उपाय करो।
१३. भूमिगत धन शीघ्र मिलेगा।
१४. जीवन में सफलता पाना कठिन है।
१५. विद्या प्राप्ति के लिए गायत्री उपासना करें।

२४. शनि

१. कुंआ बनवाने की इच्छा पूरी होगी।
२. भाईयों से बन जाएगी।
३. यात्रा लाभकारी रहेगी।
४ प्रवासी निकट भविष्य में लौटने का विचार नहीं कर रहा।
५. खोई वस्तु प्रयत्न करने पर मिल सकती है।
६. कर्ज मिल जाएगा।
७. मित्र से अनबन होने की सम्भावना है।
८. चिन्ता मिट जाएगी, श्री बटुक भैरवार्चन करें।
९. व्यापार में लाभ मिलने की आशा क्षीण है।
१०. तबादला प्रयत्न करने पर हो सकता है।
११. स्वप्न का फल अच्छा नहीं है।
१२. बीमार का स्वास्थ्य लाभ लेना असम्भव ही है।

१४. गड़ा धन नहीं मिलेगा।
१५. जीवन में अच्छी सफलता मिलेगी।

२५. राहु

१ यह वर्ष मध्यम रहेगा।
२. कुंआ बन जाएगा।
३. भाईयों से नहीं बनेगी।
४. यात्रा से लाभ मिलेगा।
५. परदेशी शीघ्र ही लौट आएगा।
६. नष्ट वस्तु मिल जाएगी।
७. कर्ज मिल जाएगा।
८. मित्र धोखा देगा सावधान।
९. चिन्ता मिट जाएगी।
१०. व्यापार में लाभ होगा।
११. तबादला हो जाएगा।
१२. स्वप्न का फल शुभ है।
१३. बीमार के अच्छा होने में संदेह है।
१४. विवाह हो जाएगा लेकिन उपाय से।
१५. गड़ा धन इष्ट देव के पूजन से मिलेगा।

२६. केतु

१. यह दिन शुभ नहीं है।
२. यह वर्ष अच्छा रहेगा।
३. कुंआ नहीं बन सकेगा।
४. भाईयों के साथ प्रेम रहेगा।
५. यात्रा से कोई लाभ नहीं मिलेगा।
६. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा बीमार है।
७. खोई वस्तु मिलने में संदेह है।
८. कर्ज देरी से मिलेगा।
९. मित्र कपटी है अतः उसका त्याग करें।
१०. चिन्ता अभी नहीं मिटेगी।
११. व्यापार से लाभ की सम्भावना नहीं है।
१२. तबादला नहीं होगा।
१३. स्वप्न का फल शुभ नहीं है।
१४. रोगी रोग मुक्त हो जायेगा।
१५. विवाह उपाय से होना सम्भव है।

२७. मित्र

१. पुत्र सन्तान का जन्म होगा।
२. यह दिन शुभ है।
३. यह वर्ष उत्तम रहेगा।
४. कुंआ बन जाएगा व्यर्थ चिन्ता न करें।
५. भाईयों से बिगाड़ रहेगा।
६. यात्रा से लाभ मध्यम रहेगा।
७. प्रवासी आने के लिए चल चुका है।

९. कर्ज कठिनाई से मिलेगा।
१०. मित्र के साथ अच्छी पट जायेगी।
११. चिन्ता मिट जाएगी।
१२. व्यापार से लाभ नहीं मिलेगा।
१३. तबादला हो जाएगा।
१४. स्वप्न का फल उत्तम है।
१५. रोगी के स्वस्थ होने में संदेह है।

२८. पृथ्वी

१. इच्छा पूरी होने में देरी है।
२. कन्या रत्न की प्राप्ति होगी।
३. यह दिन मध्यम रहेगा।
४. यह वर्ष उत्तम रहेगा।
५. कुंआ बनने में बाधाएं हैं।
६. भाइयों से मिलाप रहेगा।
७. यात्रा में लाभ मिलेगा।
८. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा है।
९. खोई वस्तु मिलने में संदेह है।
१०. कर्ज नहीं मिलेगा।
११. मित्र के साथ बनने की संभावना नहीं है।
१२. चिन्ता बढ़ सकती है।
१३. व्यापार में लाभ मिलना कठिन है।
१४. तबादले की सम्भावना क्षीण है।
१५. स्वप्न का फल अच्छा नहीं है।

२९. काल

१. पत्नी सरल स्वभाव की मिलेगी।
२. इच्छा पूरी होगी।
३. पुत्रोत्पत्ति का हर्ष होगा।
४. यह दिन शुभ है।
५. यह वर्ष अशुभ रहेगा।
६. कुंआ बन जाएगा।
७. भाईयों से अनबन रहेगी।
८. यात्रा में लाभ प्राप्त करना असम्भव है।
९. परदेशी निकट भविष्य में नहीं लौट रहा है।
१०. खोई वस्तु शीघ्र नहीं मिलेगी।
११. कर्ज देर से मिलेगा।
१२. मित्र के साथ नहीं बनेगी।
१३. चिन्ता शीघ्र दूर होगी।
१४. व्यापार से लाभ नहीं मिलेगा।
१५. तबादला हो जाएगा।

३०. शेष

१. सम्बन्धी धोखा नहीं देगा।
२. पत्नी उग्र स्वभाव की मिलेगी।

४. कन्या सन्तान का जन्म होगा।
५. यह दिन मध्यम रहेगा।
६. यह वर्ष उत्तम रहेगा।
७. कुआं बनने में आकस्मिक बाधा आएगी।
८. भाईयों से बनना मुश्किल है।
९. यात्रा से लाभ नहीं मिलेगा।
१०. परदेशी शीघ्र लौट कर आने वाला है।
११. खोई वस्तु मिलना कठिन है।
१२. कर्ज अभी नहीं मिलेगा।
१३. मित्र के साथ मेल-जोल रहेगा।
१४. चिन्ता अभी दूर नहीं होगी।
१५. व्यापार से लाभ मिलेगा।

३१. यक्ष

१. प्रेमी-प्रेमिका का प्रेम गुप्त है।
२. सम्बन्धी से धोखे की आशा नहीं है।
३. पत्नी का स्वभाव सरल होगा।
४. इच्छा देरी से पूरी होगी।
५. पुत्रोत्पत्ति होगी।
६. दिन शुभ रहेगा।
७. यह वर्ष मध्यम शुभप्रद है।
८. कुआं निर्माण की इच्छा पूरी होगी।
९. भाइयों से साधारण मेल रहेगा।
१०. यात्रा से लाभ मिलेगा।
११. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा।
१२. खोई वस्तु मिल जायेगी।
१३. कर्ज मिल जायेगा।
१४. मित्र के साथ नहीं निभेगी।
१५. चिन्ता शीघ्र मिट जायेगी।

३२. तक्षक

१. तीर्थ यात्रा अभी नहीं हो सकेगी।
२. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम शुद्ध है।
३. सम्बन्धी धोखा दे सकता है।
४. पत्नी अच्छे स्वभाव की नहीं होगी।
५. इच्छा पूरी होने में देरी है।
६. कन्या सन्तान का जन्म होगा।
७. दिन शुभ रहेगा।
८. यह वर्ष अरिष्टप्रद होगा।
९. कुंआ देर से बनेगा।
१०. भाईयों से मेल कम रहेगा।
११. यात्रा से लाभ नहीं होगा।
१२. प्रवासी नहीं लौटेगा।
१३. खोई वस्तु मिलना सम्भव नहीं है।
१४. कर्ज मिलने में सन्देह है।
१५. मित्र का साथ कम रहेगा।

मंत्रों द्वारा कामना सिद्धि प्रयोग

पुत्र प्राप्ति के लिये:- ''ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रूं पुत्र करू स्वाहा'' इस द्वादशक्षर मंत्र का आम के वृक्ष पर बैठकर एकाग्र मन से जो एक वर्ष तक निरंतर जप करता है, उसको अवश्य ही पुत्र की प्राप्ति होती है, ऐसा भगवान शंकर जी ने कहा है।

पत्नी की प्राप्ति के लिए:- पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम्। तारिणीं दुर्गसंसारसागरस्य कुलाद्भवाम्॥ (दुर्गा सप्तसती) इस मंत्र का सवा लाख जप स्वयं करने से शीघ्र पत्नी की प्राप्ति (विवाह) हो जाता है और 'पत्नी मनोरमां देहि.' इस मंत्र के सम्पुट से दुर्गा के 100 पाठ अर्थात् शतचण्डी कराने से शीघ्र विवाह हो जाता है। स देवि नित्यं परितप्यमानस्त्वामेव सीतेत्यभिभाषमाणः। दृढ़व्रतो राजसुतो महात्मा तवैव लाभाय कृतप्रयत्नः॥ (बाल्मीकीय रामायण, सुंदरकांड 36/46) इस यंत्र का सवा लाख जप करने और इसी मंत्र के सम्पुटित बाल्मीकीय रामायण के सुदंर कांड का कम से कम 1 पाठ स्वयं अथवा ब्राह्मण से कराने पर शीघ्र विवाह हो जाता है।

वर प्राप्ति के लिये:- हे, गौरि! शकड़राधंगिड़्! तथा त्वं शड़करप्रियाता। तथा मां कुरु कल्याणि! कान्त कान्तां सुदुर्लभाम्॥ भगवती पार्वतीजी का पूजन करके उपर्युक्त मंत्र का प्रतिदिन 5 माला जप करने से शीघ्र पति (वर की) की प्राप्ति हो जाती है। पार्वती जी का पूजन कर जो कन्या श्री रामचरित मानस के बालकाण्ड के 234 दोहे के बाद 'जय जय गिरिराज किशोरी' से 'मंजुल मंगल मूल बाम अंग फरकन लगे' यहां तक 236 दोहों का प्रतिदिन श्रद्धा विश्वास पूर्वक पाठ करती है, उसका शीघ्र विवाह हो जाता है। **कात्यायनि महामाये महायोगिनीधीश्वरी। नन्दगोपसुतं देवि पतिं में कुरु ते नमः॥** (श्री मद्भागवत 10/ 22/ 4) कात्यायनि देवी अथवा पार्वती देवी की फोटो सामने रखकर जो कन्या उसका पूजन कर उपर्युक्त मंत्र की 1 माला जप प्रतिदिन करती है, उसका विवाह शीघ्र हो जाता है। **ऊँ देवेन्द्रामणि नमस्तुभ्यं देवन्द्रप्रियभामिनी। विवाहं भाग्यमारोग्यं शीघ्रलाभं च देहि मे॥** उपर्युक्त मंत्र का 108 बार कन्या को जप करना चाहिए। जप करने की विधि यह है कि तुलसी के पौधे का पूजन करके उसके सामने तुलसी की माला पर 108 बार जप पूर्ण होने पर तुलसी के पौधे की 12 बार परिक्रमा करनी चाहिए। प्रत्येक परिक्रमा में दुग्ध और जल से भगवान् सूर्यनारायण को अर्घ्य देते हुए 'ऊँ देवेंद्राणि नमस्तुभ्यम्' मंत्र को भी [illegible] ही 12 बार देना चाहिए। जो कन्या उपर्युक्त विधि से जप और सूर्य को अर्घ्य प्रदान करती है, उसको बहुत शीघ्र वर की प्राप्ति हो जाती है। **ऊँ शं शंकराय सकल जन्मर्जितपापविध्वंसनाय। पुरुषार्थचतुष्टयलाभाय च पतिं देहि कुरू कुरू स्वाहा॥** उपर्युक्त मंत्र का जप तीन माला तुलसी की माला पर करने से कन्या का विवाह शीघ्र हो जाता है। जप की विधि यह है कि भगवान् शंकर और अन्न पूर्णा की फोटो सामने रखकर उसका प्रतिदिन पूजन करके धूप बत्ती जलाकर जप करे। जप जहां किया जाय, वहां मिट्टी के गमले में अथवा टीन में केले के स्तंभ को रखकर उसको मौजी (नाला) से 9 अथवा 11 बार लपेट कर उस केले के वृक्ष की पूजा प्रतिदिन करनी चाहिए और जप के बाद केले के स्तंभ की 4 बार अथवा 9 बार परिक्रमा करनी चाहिए। जो कन्या उपर्युक्त अनुष्ठान नित्य करती है उसका शीघ्र विवाह हो जाता है।

ज्वर से मुक्त होने के लिए:- ऊँ भस्मायुधाय विद्महे **एकदंष्ट्राय धीमहि। तन्नो ज्वरः प्रचोद्यात॥** इस मंत्र की उत्पत्ति संहारोत्पत्ति क्रम से 7 दिन तक जप स्वयं करने से अथवा 21 दिन तक दूसरे विद्वान् से जप कराने से सभी प्रकार का ज्वर ठीक हो जाता है। दंष्ट्राकरालानि च ते मुखानि दृष्टैव कालानलसन्निभानि। दिशो न जाने न लभे च शर्म प्रसीद देवेश जगन्निवास॥ (श्रीमद्भागवद् गीता 11/25) इस मंत्र का उत्पत्ति संहारोत्पति क्रम से 7 दिन तक जप स्वयं करने से अथवा 21 दिन तक दूसरे विद्वान से जप कराने से सभी प्रकार का ज्वर ठीक हो जाता है।

लक्ष्मी प्राप्ति के लिए:- ऊँ श्रीं श्रियै नमः स्वाहा। इस मंत्र से बाल्मीकीय रामायण के सुदंरकाण्ड के प्रत्येक श्लोक से घी की आहुति अग्नि में देनी चाहिए। अनन्तर सर्ग की समाप्ति पर 'ऊँ रामभद्र महेष्वास रघुवीर नृपोत्तम। भो दशास्यान्तकास्माकं रक्षां देहि श्रियं च ते।' इस मंत्र का पाठ करना चाहिए। 'ऊँ श्रीं श्रियै नमः महां श्रियं देहि देहि दापय दापय स्वाहा।' इससे बाल्मीकि रामायण के सुदंरकांड के प्रत्येक श्लोक से घी की आहुति देनी चाहिए। **विधिः-** इस अनुष्ठान का प्रारम्भ दीपावली की रात्रि को दीपक जलाने के बाद करना चाहिए। 8 दिनों तक प्रतिदिन सात सर्ग का और 9 वें दिन बारह सर्ग का पाठ करके नौ दिन में पाठ पूरा करना चाहिए। अथवा प्रतिदिन सात, पांच, तीन या एक सर्ग का पाठ करके अड़सठ दिनों में [illegible] का 7, 3 अथवा 1 पाठ पूर्ण करना चाहिए।

भूत प्रेत बाधा की निवृत्ति के लिए:- **स्थाने हृषिकेश तव प्रकीर्त्या जगत्प्रहृष्यत्यनु च। रक्षांसि भतानि दिशो द्रवन्ति सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसंघा॥** (गीता 11/36) इस मंत्र का सवा लाख जप करके सर्वप्रथम सिद्ध करना आवश्यक है। पश्चात् उपर्युक्त मंत्र काम करता है। भूत-प्रेत आवेश होने पर मिट्टी के किसी शुद्ध पात्र में गंगाजल लेकर अथवा कूप का जल लेकर 7 बार उपर्युक्त मंत्र को बोलकर उसमें दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली को फिरा (घुमा) दें। फिर उस जल में से थोड़ा सा रोगी को पिला देना चाहिए। बा हुआ जल रोगी के समस्त अंगों पर छिड़क देना चाहिए। जब तक रोगी की भूत-प्रेत बाधा शांत न हो, तब तक प्रतिदिन दो बार प्रातः और सायंकाल इस प्रयोग को करना चाहिए।

मस्तक पीड़ा की निवृत्ति के लिए :- ऊँ नमो आंदेश गुरु को बाल में कपाल, कपाल में भेजी, भेजी में कीड़ा करे पीड़ा, सोने का शाला का रूप का हथोड़ा, ईश्चर गढ़े गौरिया तोड़े इनका श्राप श्री महादेव तोड़े शब्द सांचा पिण्ड काचा फुरो मंत्र ईश्वर वाचा। अपने बाएं हाथ में 7 बार थोड़ी-थोड़ी पवित्र राख (भस्म) को लेकर दाहिने हाथ से ढककर उपर्युक्त मंत्र को 7 बार पढ़कर दर्द वाले मस्तक पर लगाने से दर्द दूर हो जाता है।

मित्रता के लिए:- ऊँ दमयन्तीनलाभ्यां च नमस्कारं करोभ्यहम। अभिवादी भवेदत्र कलिदोष प्रशान्तिदः॥1॥ ऐकतत्यं भवेदेषां ब्राह्मणानां पृथधियाम्। निर्बैरिता च जायेत संवादाग्ने प्रसीद में ॥2॥ उपर्युक्त दोनों मंत्रों से अलग-अलग पायस (खीर) में घृत डालकर हवन करने से शत्रुता हटकर मित्रता हो जाती है। यह अनुष्ठान कम से कम 61 दिन का है।

शत्रुता कराने के लिए:- ऊँ महाभैरवाय श्मशान- अमुको-विद्वेषं कुरु फट्। इस मंत्र का 41 दिन तक 108 बार जप करने से प्रेमियों का प्रेम हटकर परस्पर शत्रुता हो जाती है। मंत्र में जिन जगहों पर अमुक-अमुक शब्द लिखा है, उस स्थान पर प्रेमियों का नाम लिखना चाहिए जिसकी शत्रुता करानी हो।

शूल निवृत्ति के लिए:- **ऊँ मीढुष्टम शिवतम शिवो नः सुमना भवः। परमे वृक्षऽआयुधं कृत्तिंवसानऽआचार पिनाकं विभ्रदागहि॥** (शुक्ल यजुर्वेद 16/51) इस मंत्र का पाठ अथवा जाप करने से मनुष्य के दर्द दूर हो जाते हैं।

[illegible]

गर्भिणी स्त्री को जल पिलाने से उसको सुख से प्रसव होगा।

पति को वश में करने के लिए:- ॐ नमो महायक्षिणि पतिं में वश्यं कुरू कुरू स्वाहा। इस मंत्र को दीपावली अथवा ग्रहण के दिन 108 बार जप करके सिद्ध कर लें। पश्चात् 31 दिन 108 बार जप करने से स्त्री का पति उसके वश में हो जाता है।

जलती अग्नि शीतल हो:- ॐ नमो कोरा करावा जल सा भरिया, ले गौरा के सिर पर धरिया, ईश्वर ले गौरा नहाय, ई जलती अग्नि शीतल हो जाय। शब्द सांचा पिंड काचा फुरो मंत्र ईश्वरो वाचा॥ इस मंत्र को ग्रहण या दीपावली में जगा लेवें। **विधि:-** कुंए के सन्निकट से सात कंकड़ी लेकर प्रत्येक पर सात बार मंत्र पढ़कर अग्नि की ओर फैंके।

नजर झाड़ने का मंत्र:- गुरु चरणे दिया मन, श्रीहरी मोक्ष कारन, देव दानव दैत्यानी लाई, नरसिंह वरा आसी सब उड़ाई, आलाली पालाली चोटी चोटी हुंकारे फुंकारे उड़ाय, माटी शलिकेर पांव देख टुकरियाजय अमुकार अंगे डाइनेर दृष्टि पलाय कार अक्षावीर नरसिंह आज्ञा। दीपावली में सिद्ध करके इस मंत्र को झाड़ने का विधान है।

सर्प विषनाशक मंत्र औषधि:- गरुड़ास्य मंत्र ॐ सुपर्णोसि गरुत्मांस्त्रिवृतो शिरो गायंत्र चक्षुर्बृहद्रयन्तरेवक्षी। सोम गरुत्मांस्त्रिवृतो शिरो गायंत्र चक्षुर्बृहद्रयन्तरेवक्षी। सोम आत्माछन्दास्यंकानि यजूंषिपनाम। साम ते तनुर्वामदेव्यं यज्ञयज्ञियम्पुच्छन्धिष्ठायाऽशम्या सपुर्णोसि गरुश्रमन्दिवं गच्छ स्वः पत ॐ। इसे ग्रहण में सिद्ध कर नीम की टहनी या अपामार्गा से झाड़े का विधान है। दधि मधु नवनीता, पीप्पली शृंगवेरं, मीरचमपि कूटो प्रतिहंन्सा सुकेशी। यदि दसति सर्पो, तक्षको वासुकी वा, यमस दनगतानां नास्ति मृत्युर्नराणम्॥ गाय के ताजे दूध से निकाला जाता मक्खन, गाय का दही, शहद, पीपल, अदरक, मिर्च और कूट बराबर मात्रा में मिलाकर सांप से डसे हुए व्यक्ति को पिला देने से विष उतर जाएगा।

चिन्ता निवारण लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र:- ॐ ह्रीं कमले कमल वालेय प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

स्थायी धनस्थिति मंत्र:- ॐ ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः।

प्रसव समये जल मंत्र:- आकाश टले पवन राम लक्ष्मण दुई लाचा सुन की कर कोका कोकी रिक्ता कुण्डली बसिया बाहिर हव असिया सिद्ध गुरु कालिका चराडीर वरे शीघ्र करिया भूमे पड़े। **विधि:-** ताजा शुद्ध जल को सात बार मंत्र पढ़कर परोसने के पश्चात् पिलाने का विधान है।

मृत्युंजय मंत्र:- ॐ हौ ॐ जूं सः भूर्भव स्वः त्र्यम्बकं यजामहे स्वरो जूं सः हौं ॐ। पुरोणोक्तमृत्युंजय मंत्र- मृत्युंजयाय रुद्राय नीलकण्ठाय शम्भवे। अमृतेशाय शर्वाय महादेवाय ते नमः।

धनधान्य पूर्ण कर अन्नपूर्णा मंत्र:- ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवती माहेश्वरी अन्नपूर्णे स्वाहा क्लीं श्रीं ह्रीं ॐ। इस मंत्र के प्रभाव से धन धान्य पूर्ण रहता है। दो लक्ष जप, तिल, लाल धान की लाई, खीर, दाख, गोघृत से हवन करना चाहिए। दो लक्ष का पुरश्चरण क्षेत्र के भीतर यंत्र या ताबीज गाड़ देते हैं, उससे धान्य बढ़ता है।

सर्वसिद्धि हनुमानजी का अष्टादशाक्षर मंत्र:- ॐ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा। खीर, दाख, उखरस, पला, पीपल, शैर की लकड़ी से हवन एक लक्ष का पुरश्चरण। भेद यह है कि कामना के लिए अनुकूल हवन वस्तु होनी चाहिए।

बिच्छु झाड़ने का मंत्र:- ॐ छः फट् स्वाहा। जल अभिमंत्रित करके देना। आदित्यरथ वेगेन विष्णुबाणबलेन च तार्क्ष्य पक्षनिपातेन भूम्यां गच्छ महाविष॥ **विधि:** राई से उतारना।

आंख झाड़ने का मंत्र:- शर्यातिंच संकन्यांच च्यवनं शुक्रमश्विनौ। संध्ययो: स्मरतां नित्यं तस्य चक्षुर्न नश्यति॥ मंत्र पढ़कर जल से धुलवायें।

ज्वर झाड़ना:- 1. ॐ नमो नरहरे रोगापहारिणे ज्वरं नाशय नाशय सुखमारोग्यं कुय स्वाहा। इस मंत्र को सात बार पढ़कर झाड़ें तो ज्वर न रहे। 2. ॐ नमों अजैपालकी दुहाई जो ज्वर रहे तो महादेव की दुहाई फुरो मंत्र ईश्वरों वाचा। इस मंत्र को दीपावली की रात्रि में सात बार पढ़कर तथा धूप दीप देकर सिद्ध कर लेना चाहिए।२

अन्तर तिजारा चौथिया का मंत्र:- ॐ लंकायाम तीरे कुमुदी नाम वानरः। तस्य स्मरणमात्रेण ज्वरो याति दिशोदश॥ से पीपल के पत्ते पर लिखकर डोर से बांध देवे।

यात्रा में स्मरण करने का मंत्र:- यः स्मरेततुलसी सीता रामं सौमित्रिणा सह। कार्य कृत्वा रिपूंजित्वा क्षेमेणायाति वै नरः॥ थोड़ा सा दही खाकर यात्रा आरंभ करें और चंदन तिलक से सदा पूर्ण रहें।

बीमारी दूर भगाने के लिए:- गांव में पशुओं की बीमारी न आवे इसके लिए गुरु पुष्य हस्तार्क अथवा उत्तम पर्व में मिट्टी के बड़े सकोरे के भीतर मंत्र लिखकर गोशाला में लटका दें तो बीमारी नहीं होगी। मंत्र:- अर्जुनः फाल्गुनो जिष्णुः किरीटी श्वेतवाहनः। बीभत्सुविजयी पार्थ सव्यसाची धनंजयः। कपिध्वजो गुड़ाकेशो गांडीव कृष्णसारथिः। एतान्यर्जुननामानि गवां गोष्ठे च यो लिखेत्। न तत्र पशुरोगादि शुभं शीघ्र प्रजायते।

झाड़ फूंक शाबर मंत्र -सिरपीड़ा दूर करने के लिए:- लंका में बैठ के माथ हिलावै हनुमंत। सो देखिके राक्षसगण पराय मन में॥ गई उर विषाद देवी थिथर दरशाय। 'अमुक' के नहीं कछु पीर नहिं कछु भार। आदेश कामाख्या हरिदासी चण्डी की दोहाई॥ सिर के पीड़ा से पीड़ित व्यक्ति को दक्षिण की ओर मुख करके बैठा दें। सिर को हाथ से पकड़कर मंत्रोच्चारण करते हुए झाड़ें। 'अमुक' के स्थान पर रोगी का नाम ले लें।

आधासीसी दूर करने के लिए:- 1. बन में ब्याई कच्चे वनफल खाय। हाँक मारी हनुमंत ने इस पिंड से आधा सीसी उत्तर जाय॥ 2. ॐ नमों बन में ब्याई बानरी, उछल वृक्ष पै जाय। कूद-कूद शाखानरी, कच्चे वनफल खाय। आधा तोड़े आधा फोड़े. आधा देय गिरायं। हंकारत हनुमान जी, आधासीसी जाय॥ किसी एक मंत्र का उच्चारण करते हुए भस्म से झाड़ें।

नेत्र रोग शमन करने के लिए:- ॐ नमों वने बिआई बानरी जहां-हजां हनुमंत आँखि पीड़ा कषवरी गिहिया थनै लाई चरिउ जाइ। भस्मन्तन गुरु की शक्ति मेरी भक्ति फुरो मंत्र ईश्वरोवाचा॥ आंख पर हाथ फेरते हुए सात बार मंत्र पढ़कर मंत्र फूंके। व्यथा मिट जाएगी॥

कर्णमूल पीड़ा दूर करने के लिये:- वनरा गांठि वावरी तो डांटे हनुमान कंठ। बिलारी बाघी थनैजी कर्णमूल सम जाइ॥ श्री रामचन्द्र की बानी पानी पथ होई जाइ॥ विभुति से सात बार झाड़ने से कर्णरोग नष्ट होता है।

बिच्छू का विष झाड़ने के लिए:- 1. पर्वत ऊपर सुरही गाइ। कारी गाइ की चमरी पूछी तेकरे गोबरे बिछी बिआइ। बिछी तोरे कर अठारह जाति। छ कारी छ पीअरी छ भूमाधारी छ रत्नपवारी। छ कुं हुं कुं हुं छारि। उतरू का बिछी हाड-हाड पोर-पोर ते। कस मारे लीलकंठ गरमोर महादेव की दुहाई गौरा पार्वती की दुहाई अनीत टेहरी शंडार बन छाइ उतरहिं बीडी हनुमंत की आज्ञा दुहाई हनुमंत की। 2. ॐ हरमर्कटमर्कटाय स्वाहा॥ मंगलवार को एक लाख जप तथा दशांश हवन करने से सिद्धि होती है।

अंड वृद्धि रोग दूर करने के लिए:- ॐ नमो आदेश गुरु को जैसे के लेहु रामचन्द्र कबूत ओई करहु राध बिनि कबूत पवनपूत हनुमंत धाउ हर-हर रावन कूट मिरावन श्रवइ अण्ड खेतहि श्रवइ अण्ड-अण्ड विहण्ड खेतहि श्रवइ बाजं गर्भ हि श्रवइ स्त्री षीलहि श्रवइ शाप हर हर जंबीर हर जंबीर हर हर हर॥ मंत्र पढ़कर फूले हुए अण्डकोश को हल्के हाथ से मलें तथा अभिमंत्रित जल पिलायें तो अण्डवृद्धि शांत हो जाती है। मिट्टी दे। आंगन और बरामदों में सिर्फ उड़द के दाने ही बिखेरना चाहिए। मात्र इतनी ही क्रिया से ग्रह दोष सदा के लिए दूर हो जाता है।

यंत्र-मंत्र-तंत्र एक साधना एवं सफलता

विश्वासम् फलमदायकम्। भद्धारूपेण कर्म साधनम्॥ गुरुत्व गुरु ग्राह्य मंत्रम्। आज्ञानुसारेण साधना सफलम्॥

साधक को आवश्यकतानुसार अपने जीवन में तंत्र साहित्य का प्रयोग मंत्र-यंत्र के रूप में करना हो तो भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। हां उसमें अपने भाव समर्पित होना नितान्त आवश्यक है। तंत्र में शक्ति का योगदान, मंत्र में गुरु का योगदान तथा यंत्र में बुद्धि सरस्वती का योगदान प्राप्त करके अपना कदम रखा जाय या शाबर तंत्र की सामान्य प्रक्रिया को भी यदि अपनाया जाय तो कोई भी यंत्र-मंत्र-तंत्र में विफलता का आना संभव नहीं है। अवश्य सफलता प्राप्त होती है। जरूरत है साधना के नियमों-उपनियमों एवं सीमांकन की। शिव+शक्ति=साधना का आधार। इसीलिए **सत्यम्-शिवम्-सुन्दरम्** की उक्ति चरितार्थ होती है।

आईये जन हिताय-सुखाय-लाभाय कुछ सरल यंत्रों एवं मंत्रों की जानकारी सर्व कल्याण की भावना से परीक्षित यंत्रों की जानकारी आप भी प्रयोग करके देखें। तथा अपनी मंजिल प्राप्त होने पर हमें जरूर संकेत डाक द्वारा/फोन द्वारा बतायें। जिससे विश्वास, श्रद्धा भावना एवं कर्म का सटीक प्रमाण मिल सके। स्वयं करें, फिर लिखें। अनुभव की पाठशाला में जीवन पर्यन्त पढ़ना पड़ता है। यंत्र इस प्रकार है:-

मनोकामना पूर्ण करने के लिए-विधि- इस यंत्र को हल्दी के रस से कागज पर या भोजपत्र के ऊपर लिखें तथा इस यंत्र के नीचे अपना मनोरथ लिख दें। फिर इसका पलीता बनाकर रविवार के दिन जला दें। इस तरह सात रविवार तक प्रयोग करने से तथा साथ ही मंत्र का नित्य हल्दी की माला से जप करें तो शीघ्र ही मनोरथ पूर्ण होगा। मंत्र-ॐ ह्रीं ह्रां सः॥ सूर्य का पूजन भी करें। अवश्य ही लाभ होगा। प्रत्येक मनोरथ की पूर्ति अलग-अलग करें।

८	१५	२	[illegible]
६	३	२	११
१०	२	८	१
४	५	१०	१३

व्यापार में लाभ प्राप्ति के लिए यंत्र-विधि- इस यंत्र को केसर की स्याही से नदी का जल डालकर चमेली की कलम से भोजपत्र के ऊपर शुक्रवार के दिन २१००० यंत्र लिखकर (२४ घंटों में) फिर २१००० आटे की गोलियां बनाकर मछलियों को खिलाने पर यह यंत्र सिद्ध होगा। तब इस सिद्ध यंत्र को भोजपत्र या चांदी में या सोने की पतरी पर लगायें तो दिन-प्रतिदिन लाभ होगा।

५०	५७	२	[illegible]
६	३	५२	५२
५६	५१	८	५१
४	५	५२	५५

बूरी नजर दूर करने का यंत्र-विधि- हल्दी के द्वारा पीले रंग से रंगे सूती कपड़े पर यंत्र लिखकर पोटली सी बनाकर अजवायन डालकर काले धागे से बच्चे के गले में बांधने से बुरी नजर दूर होती है। अथवा इस यंत्र को बुधवार के दिन हल्दी से भोजपत्र पर लिखकर बालक के गले में बांधने से नजर दोष का निवारण होता है।

१४८	१३	१३८	६
२	१४६	१३	१३९
६३	७	१४०	९
३०	१३४	९	[illegible]

गर्भ धारण के लिए यंत्र-विधि- इस ताबीज (यंत्र) को भोजपत्र के ऊपर केसर से रविवार को लिखकर स्त्री के गले में शुभ समय में बांधे तो गर्भ धारण होगा। रजस्वला समय को त्यागना है। तथा गौरी शंकर की पूजा स्त्री २१ दिन तक करें। अवश्य लाभ होगा।

३४२	३४९	२	[illegible]
६	३	३४६	३४१
४४८	३४३	८	१
४	५	३४४	३४८

प्रत्येक कार्य में सफलता के लिए यंत्र-विधि- इस यंत्र को भोजपत्र के ऊपर रविपुष्य / गुरुपुष्य / सर्वार्थ सिद्धि योग में शुभ की होरा में केसर की स्याही से अनार की कलम से लिखें। तथा अपने पास रखें तो लाभ होगा। गुरु मंत्र जपें।

विद्या प्राप्ति के लिए यंत्र-विधि- इस यंत्र को सरस्वती मंत्र से सिद्ध करके अपनी भुजा पर बांधे तो लाभ होगा। यंत्र केसर से भोजपत्र के ऊपर गुरु पुष्य, रवि हस्त बसंत पंचमी को तैयार करें। अनार की कलम से तथा ५१ दिन तक सरस्वती उपासना करें, लाभ होगा।

११	१	८
४	७	९
५	१२	३
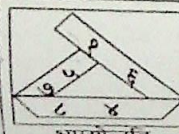
भाग्योन्नति

भाग्योन्नतिः- इस यंत्र को गुरुवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन भोजपत्र पर केशर से 625 यंत्र लिखें। जितने दिनों में संख्या दस हजार पूरी हो जाय, उतने दिनों तक प्रतिदिन यंत्रों को लिख-लिखकर नदी के जल में प्रवाहित करते रहें, तो भाग्य ...

परीक्षा में सफलताः- परीक्षा आरंभ होने से 15 दिन पूर्व इस यंत्र को केसर द्वारा भोजपत्र के ऊपर लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 101 यंत्र लिखकर नदी के जल में प्रवाहित कर दें। सोलहवें दिन एक यंत्र को यथा विधि पूजकर ताबीज में भरकर अपनी दांई भुजा अथवा गले में धारण कर लें और परीक्षा देने जायें तो उसमें सफलता मिलती है।

२	१	२	७
६	३	६	५
८	३	८	१
४	५	४	७

परीक्षा में सफलता

या हाफज	३३३	३३८	३३१
या हाफज	३२२	३३४	३३६
९९	३३७	३३०	३३५
कैदी का नाम मां का नाम	९९	या हाफज	या हाफज

बंधन मुक्ति

बंधन मुक्तिः- इस यंत्र को रविवार के दिन कागज या भोजपत्र के ऊपर चंदन से लिखकर एक जंगली कबूतर के गले में बांधकर कबूतर को छोड़ दें। इस यंत्र में जिस स्थान पर कैदी का नाम लिखा है, वहां 'कैदी के नाम' का तथा जहां 'मां का नाम' लिखा है वहां कैदी की मां का नाम लिखना चाहिए। बड़ा प्रभावकारी यंत्र है।

कारावास मुक्तिः- इस चक्र को पुए के ऊपर घी से लिखकर बीच में देवदत्त के स्थान पर उस व्यक्ति का नाम लिखें जो जेल में पड़ा हो। गंध, पुष्प आदि से यंत्र वाले पुए का पूजन करके, वह पुआ उस कैदी व्यक्ति को खिला दें। इस यंत्र के प्रभाव से वह कैदी व्यक्ति तीन अथवा सात दिन के भीतर ही कैद से छूट जाता है। यह भी बड़ा प्रभावकारी यंत्र है।

ह्रीं
ह्रीं देवदत्त ह्रीं
ह्रीं

कारावास मुक्ति

गये हुए व्यक्ति का लौटनाः- घर से लड़का, लड़की, स्त्री, पुरुष, भाई, बहिन, सेवक अथवा अन्य व्यक्ति रूठकर या किसी भी कारण से चुपचाप बाहर चला गया हो और न आ रहा हो तो उसे वापिस बुलाने के लिए इस यंत्र को रविवार के दिन भोजपत्र पर चंदन से लिखकर चरखे पर बांध दें और कुंवारी कन्या के हाथ से उल्टा चरखा चलवाकर सूत कतवायें तो गया हुआ व्यक्ति वापिस लौट आता है।

क्रोध शमनः- इस यंत्र को लोहे के कांटे से गोरोचन द्वारा ताड़ पत्र पर सोमवार के दिन लिखें। मध्य में 'देवदत्त' के स्थान पर उस व्यक्ति का नाम लिखना चाहिए जिसका क्रोध शांत करना हो फिर यंत्र को कुम्हार की मिट्टी में रखकर 7 दिन तक पूजन करें। अंत में ब्राह्मण को भोजन करावें। इसके प्रभाव से शत्रु मित्र अथवा अन्य व्यक्ति का क्रोध दूर हो जाता है।

देवदत्त

क्रोध शमन

११	१	८
४	७	९
५	१२	३

विद्या प्राप्ति

विद्या प्राप्तिः- इस यंत्र को गुरुवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 225 यंत्र केशर द्वारा भोजपत्र पर लिखें और उन यंत्रों को उसी दिन पूजन करके नदी के जल में प्रवाहित कर दें। 15 दिन तक इसी प्रकार निरंतर करता रहे तो साधक को इच्छित विद्या की प्राप्ति होती है।

६ १० ४
१०
९ ४ ८
१
आजीविका प्राप्ति

आजीविका प्राप्तिः- इस यंत्र को मंगलवार अथवा गुरुवार के दिन से लिखना प्रारंभ करें। प्रतिदिन 201 यंत्र अष्टगंध से भोजपत्र पर लिखें। जब 5 हजार लिखे जा चुके हों तो उन्हें किसी नदी के जल में प्रवाहित कर दें। इसके प्रभाव से आजीविका (नौकरी आदि) की प्राप्ति होती है।

भागे हुए व्यक्ति को बुलाने का यंत्रः- खोए या भागे हुए व्यक्ति के पहने हुए, बिना धुले हुए वस्त्र पर गुरु से इस यंत्र को बनायें और पत्थर की सिर के नीचे दबा कर रख दें। व्यक्ति के वापस आने तक रोज सांयकाल इसके ऊपर दीप जलाकर रखें। ऐसा करने से व्यक्ति आ जाता है। शीघ्र न लौटे तो पत्थर को कोड़े से मारें। इस तरह वह व्यक्ति जीवित होगा तो लौट आवेगा। नहीं तो समाचार तो मिल ही जाएगा।

८	१	६
३	५	७
४	९	२

भागे व्यक्ति को बुलाना

राजदण्ड से मुक्तिः- इस यंत्र को कपूर कुंकुम से एक बड़े भोजपत्र पर लिखकर बीच में 'देवदत्त' के स्थान पर साध्य व्यक्ति का नाम लिखें। फिर यंत्र का गंध, पुष्प आदि से पूजन कर, गिलोह के ताबीज में भरकर कंठ अथवा भुजा में धारण करें तो इसके प्रभाव से राजदण्ड अथवा बंदन (कैद भय से) दूर हो जाता है। यदि किसी ने किसी को जबरदस्ती रोक रखा हो तो छुटकारा मिल जाता है।

देवदत्त
राजदंड से मुक्ति

शत्रु विजयः- इस यंत्र को शमशान के कोयले द्वारा शत्रु के वस्त्र पर लिखकर उसे धूप, दीप दें। तत्पश्चात् उस वस्त्र को जमीन में गाड़ दें या किसी नदी में बहा दें तो शत्रु पर विजय प्राप्त होती है। इस यंत्र के प्रभाव से शत्रु देश छोड़कर चला जाता है अथवा क्षमा मांगकर शत्रुता छोड़ देता है।

हं.	तं.	तं.	हं.
तं.	हं.	तं.	तं.
हं.	तं.	हं.	हं.
हं.	हं.	हं.	तं.

शत्रु विजय

खोई हुई वस्तु का मिलनाः- इस यंत्र को कनेर के वृक्ष की छाया में बैठकर बकरे की हड्डी से पृथ्वी पर 108 बार लिखें। तत्पश्चात् भगवान् शिव का यथाविधि पूजन करें तो इसके प्रभाव से खोई वस्तु मिल जाती है। इस यंत्र को मंगलवार या शनिवार के दिन लिखना चाहिए।

हं.	हं.	हं.	हं.
ईं.	ईं.	ईं.	ईं.
जं.	जं.	जं.	जं.
ह्रीं.	ह्रीं.	ह्रीं.	ह्रीं.

खोई हुई वस्तु का मिलना

पुत्री का विवाहः- इस यंत्र को सोमवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 225 यंत्र भोजपत्र पर अष्टगंध की स्याही से लिखें। जब तक पांच हजार यंत्र लिखे जा चुकें, तब सबको एकत्र कर, धूप दीप देकर नदी के जल में प्रवाहित कर दें। इस यंत्र के प्रभाव से पुत्री का विवाह आनन्दपूर्वक हो जाता है और उसके लिए चिन्ता नहीं करनी पड़ती।

पुत्री का विवाह

पारिवारिक सुखः- इस यंत्र को शुक्ल पक्ष के पुष्य नक्षत्र वाले दिन से प्रतिदिन 101 की संख्या में लिखना प्रारंभ करें। यंत्र को भोजपत्र पर केशर द्वारा लिखना चाहिए। जब 5000 की संख्या पूरी हो जाय तब से यंत्रों का पूजन कर उन्हें नदी के जल में विसर्जित कर दें। इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख प्राप्त होता है।

पारिवारिक सुख

यश प्राप्तिः- इस यंत्र को रविवार के दिन प्रातःकाल 5 बजे से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 101 यंत्र भोजपत्र पर केशर या गोरोचन से लिखें। जब 2400 यंत्र लिखे जा चुकें, तब उन्हें किसी नदी या समुद्र के जल में प्रवाहित कर दें तो इसके प्रभाव से यश और संतान की प्रासि होती है।

यश प्राप्ति

सम्मान प्राप्तिः- यंत्र को केसर अथवा अष्टगंध द्वारा भोजपत्र पर सवा लाख की संख्या में लिखें। लिखने का प्रारंभ शुक्ल पक्ष के गुरुवार अथवा पूर्णिमा के दिन करना चाहिए। निश्चित संख्या में लेखन कार्य पूरा हो जाने पर यंत्र लेखक को सर्वत्र सम्मान की प्राप्ति होती है। यंत्र लिखते समय धूप दीप भी जलानी चाहिए।

दं.	दं.	दं.	दं.
वं.	वं.	वं.	वं.
सं.	सं.	सं.	सं.
अं.	अं.	अं.	अं.
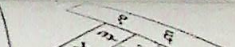
सम्मान प्राप्ति

संतान सुखः- इस यंत्र को रविवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 201 यंत्र लिखें। जब 2500 यंत्र पूरे हो जायें, तब उनका पूजन करके नदी में प्रवाहित कर दें। इस यंत्र के प्रभाव से संतान का सुख प्राप्त होता है तथा बिगड़ी हुई संतान सुधर जाती है।

६	११	३
४	७	९
१०	२	८

संतान सुख

स्थानांतरणः- इस यंत्र को मंगलवार के दिन से प्रतिदिन 101 की संख्या में लिखना आरंभ करें। सफेद कागज या भोजपत्र पर केशर से यंत्र लिखने चाहिए। जब 2400 यंत्र लिख जायें, तब उन्हें किसी नदी के जल में प्रवाहित कर दें तो साधक व्यक्ति का स्थानांतरण उसके इच्छित स्थान पर हो जाता है।

स्थानान्तरण

आत्म रक्षाः- इस यंत्र को शुक्ल पक्ष के पुष्य नक्षत्र वाले दिन अष्टगंध से भोजपत्र पर लिखकर यथाविधि धूप दीप आदि से पूजा कर त्रिलोहर के ताबीज में भरकर अपनी दांई भुजा अथवा कंठ में धारण करें तो आत्म रक्षा होती है। ऐसे व्यक्ति को कहीं भय नहीं होता।

आत्म रक्षा

धन प्राप्तिः- इस यंत्र को गुरुवार के दिन से केशर द्वारा भोजपत्र पर लिखना प्रारंभ करें। प्रतिदिन 125 यंत्र लिखें, जब 5000 यंत्र लिख जायें, तब उन्हें जल में प्रवाहित कर दें तथा एक यंत्र को चांदी के ताबीज में भरकर अपनी दांई भुजा में धारण करें, तो धन की प्राप्ति होती है।

धन प्राप्ति

शत्रु विनाश :- शत्रु का उच्चाटन करने तथा शत्रु से छुटकारा पाने के लिए इस यंत्र को लोहे की कलम से तांबे के यंत्र (ताम्र पत्र) पर लिखकर गंध पुष्पादि से पूजन करें तथा जिस शत्रु का विनाश करना हो, उसका ध्यान करें तो यंत्र के प्रभाव से शत्रु का उच्चाटन होता है। वह उस स्थान को छोड़कर दूर चला जाता है तथा शत्रुता करने का कभी नाम भी नहीं लेता।

लं.	लं.	लं.	लं.
लं.	लं.	लं.	लं.
लं.	लं.	लं.	लं.
लं.	लं.	लं.	लं.

शत्रु विनाश

सर्वकामना सिद्ध, इक्कीसा यंत्रः- इस इक्कीसा यंत्र को शुभ मुहुर्त में भोजपत्र पर अनार की कलम व अष्टगंध की स्याही से लिखकर भुजा में बांधे। इससे सभी कार्य निर्विघ्न पूर्ण होकर सर्वकार्य सिद्ध होते हैं। ❖

४	१२	५
८	७	६
९	२	१०

इक्कीसा यंत्र

रमल अरबी ज्योतिष बताएगा धन लाभ कब और कैसे?

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में यह द्वितीय घर का सवाल है। जबकि रमल ज्योतिष शास्त्र में 16 घर होते हैं और यह सभी घर जीवन की समस्त स्थावर और जंगम साथ ही भूत-भविष्य-वर्तमान बातों से सम्बन्धित रखते हैं। प्रश्नकर्ता इसी नियत से प्रश्न करे कि मुझे या अमुक व्यक्ति को धन लाभ और धन से सम्बन्धित शान्ति कब कैसे प्राप्त होगी? यदि प्रस्तार यानी कि जायचे के द्वितीय घर में शुभ शकल हो और गवाहन भी शुभ हो साथ ही नजर-ए-मिकारना हो तो उसे धन लाभ और धन से सम्बन्धित प्राप्ति शीघ्र आसानी से होती है। यह स्थिति जीवन के आधे से अधिक समय तक रहेगी। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में महान अशुभ शकल हो तो धन लाभ व शान्ति प्राप्ति नहीं होती है। यदि शकल साबित हो तो देरी और परेशानी विशेष के बाद ही धन की प्राप्ति होती है। साथ ही जितना और जो चाहते हैं प्राप्ति का योग नहीं होना पाया जाता है। यदि प्रस्तार के प्रथम घर में शकल लहियान जो कि गुरु ग्रह की शकल है साथ ही शकुन पंक्ति की प्रथम घर की मालिक भी है। नुस्तुल खारिज यह भी गुरु ग्रह की शकल है और दो बिन्दुओं को विद्यमान रखने वाली है तो धन की बाबत् भाग्य का उत्थान का प्रतीक होना पाया जाता है। लेकिन अन्तिम समय तक टिकाऊ नहीं होना दिखाई देता है। यदि शकल अतवे खारिज, कब्जुल खारिज प्रथम घर हो तो प्रश्नकर्ता का भाग्य कमजोरी की स्थिति में स्थायी तौर पर पाया जाता है। जिससे धन लाभ प्राप्ति का योग नहीं बनता है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में अँकिश शकल हो जो कि शनि ग्रह की शकल है और एक बिन्दु वाली शकल है। भाग्य की भाग्यहीनता के कारण भाग्य निर्बल है व आगामी समय में भी यह स्थिति रहेगी। अत: कभी किसी स्थिति में धन लाभ व स्थायी सम्पत्ति की प्राप्ति का योग नहीं होना दिखाई देता है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में व चतुर्थ घर में उक्ला शकल हो जो कि शनि ग्रह की महान अशुभ शकल है, साथ ही नजर-ए-मिकारना और नजर-ए-तसरीक रखती हो तो दफीना यानी कि खजाना (गढ़ा धन) प्राप्ति होती है। जिसमें स्वर्ण मुद्राएं या स्वर्ण के आभूषण की प्राप्ति होती है। मगर शर्त है कि सारी शकलें बलावल के अनुसार शुभ दाखिल होना अवश्य चाहिए। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में कब्जुल दाखिल शकल हो या अतवे दाखिल शकल हो इनकी नजर गवाहन घर पर बराबर पड़े साथ ही नजर-ए-तररीर की दृष्टि होती है। प्रश्नकर्ता को आजीवन धन की कमी का सामना नहीं करना पडेगा। साथ किसी ना किसी कार्य और बात द्वारा स्थायी तौर पर धन की प्राप्ति, एकत्रित धन और स्थायी सम्पत्ति का योग भी नहीं पाया जाता है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में महान अशुभ शकलें और उन महान अशुभ शकलों की दृष्टि हो तो जातक जीवन भर हर वक्त दरिद्रता की स्थिति में बना रहेगा। वह दाने-दाने को मुंहताज रहेगा। अन्य कोई व्यक्ति मदद को तैयार नहीं होगा।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में बिना कुण्डली के भविष्य कथन जाना जाता है। इस शास्त्र में किसी प्रकार की जन्म कुण्डली की आवश्यकता कभी किसी स्थिति में नहीं होती है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रश्नकर्ता के हाथ पर पासे जिसे अरबी भाषा में "कुरा" कहते हैं। इन पासों को किसी शुद्ध पवित्र स्थान पर डलवाए जाते हैं। इन पासों से प्राप्त शकलों (आकृतियों) के मुताबिक जो शकल आती है। उससे रमल ज्योतिष शास्त्र में प्रश्नकर्ता का नाम, माता-पिता का नाम, वार, दिन, तिथि और तो और पंचाग की आवश्यकता नहीं होती है। यह सारी स्थिति प्रश्नकर्ता द्वारा विद्वान् रमलाचार्य के समक्ष होने पर होती है। यदि प्रश्नकर्ता रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के विद्वान् के समक्ष ना हो तो प्रश्नकर्ता को "प्रश्न-फार्म" के माध्यम से अमुक धन से सम्बन्धित या अन्य किसी सवाल के जबाव मय समाधान के फलादेश किया जा सकता है।

डॉ० नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)

रमल अरबी ज्योतिष शास्त्र बताएगा सन्तान सुख कब?

रमल (अरबी ज्योतिष)शास्त्र में बिना कुण्डली के यानी कि ज्योतिष शास्त्र के पासे जिसे अरबी भाषा में "कुरा" कहते हैं। यदि स्त्री प्रश्नकर्ता हो तो सबसे अच्छा रहता है। यदि किसी कारणवश स्त्री प्रश्नकर्ता ना हो तो उसके पति के द्वारा उक्त प्रश्न पासे के द्वारा किया जा सकता है। यदि ये महाशय भी ना हो तो माता-पिता के द्वारा भी पासे डाले जा सकते हैं। उन पासों के मुताबिक बनाए गये प्रस्तार (जायचे)के अनुसार मार्ग दर्शन व समाधान प्राप्त होता है। रमल (अरबी ज्योतिष)शास्त्र में इस प्रश्न के अतिरिक्त किसी भी प्रश्न में जातक का नाम, माता-पिता का नाम, जन्म-तिथि, वार, घड़ी और तो और पंचाग की आवश्यकता नहीं होती है। मात्र पासे द्वारा ही प्रश्न करवाकर उक्त प्रश्न का सन्तान सुख और कैसे ही बाबत् मार्ग दर्शन व समाधान प्राप्त किया जा सकता है। यह सारी कार्य प्रणाली जातक के रमलाचार्य के सम्मुख होती है। मगर रमल ज्योतिष का विद्वान् ना होने की स्थिति में "प्रश्न-फार्म" के माध्यम से भी उक्त कार्य को सम्पादित किया जा सकता है। यह दोनों कार्य प्रणाली एक ही हैं मगर गणितीय स्थिति अलग-अलग अवश्य है। जो कि प्रत्येक कार्य बात में विभिन्न समयानुसार आती रहती है।

रमल (अरबी ज्योतिप)शास्त्र में प्रस्तार (जायचे)के प्रथम, पांचवे, छठे घर में यदि शुभ शकलें हों और साक्षी घर भी शुभ हो साथ ही नजर-ए-मिकारना भी हो व निकटवर्ती व दूरवर्ती साक्षी शुभ हो तो सन्तान विशेष सुन्दर, सुशील, भाग्यशाली और परिवारजनों की भाग्यहीनता को नष्ट करने वाली, रंग साफ गोरा होती है। यदि इसके विपरीत हो और नजर-ए-तसदीर की दृष्टि हो तो सन्तान परिवार की [illegible] भाग्यहीनता में तब्दीली करने में सहायक होती है। शिशु का रंग कुरूप होता है। यदि प्रश्नकर्ता के प्रस्तार में शकल जमात लग्न पर दृष्टि रखती हो तो सन्तान विकलांग होती है। यदि पंचम घर में अशुभ शकलें हों व छठे घर में किसी प्रकार से अशुभ शकल हो तो सन्तान के अतिरिक्त स्त्री की किसी दुष्ट आत्मा की नजर यानी कि छाया (साया) होना स्पष्ट रूप से होना पाया दिखाई देती है। जिससे प्रश्नकर्ता स्त्री को शारीरिक-मानसिक-आर्थिक और पारिवारिक साथ ही दाम्पत्य जीवन में बराबर परेशानी व टकराव रहने का योग स्थायी तौर पर कायम होता है। प्रश्नकर्ता को सन्तान सुख के अतिरिक्त मन का उदासीनता व तनाव ग्रस्त स्थिति भी होना पायी जाती है। साथ ही जीवन बराबर असन्तुष्ट और टकरावमय, जिससे शोकाकुल की स्थिति में स्थायी तौर पर होना दिखाई देती है। यदि प्रस्तार के [illegible]

फरह हो यह शकलें तुला राशि की है व स्त्री संज्ञक से सम्बन्धित रखती हैं, साथ ही मुनकलिब शकल है। यह स्थिति में प्रश्नकर्ता को सन्तान सुख विशेष ही परेशानी के साथ वृद्ध अवस्था में होगी। यदि प्रस्तार में अधिकांशतः शकलें इज्जतमा और जमात हो तो पुरुष के वीर्य में सन्तानोत्पत्ती के शुक्राणु की कमी होने के कारण सन्तान सुख प्राप्ति का योग नहीं होता है। यदि उसी प्रस्तार के दशम् घर में महान अशुभ शकलें कब्जुल खारिज, अतबे खारिज हो व मिकाराना की दृष्टिपात हो तो प्रश्नकर्ता को इस वास्ते चिकित्सक द्वारा दी जाने वाली दवाओं से लाभ और वांछित शान्ति का योग भी नहीं होना पाया जाता है।

यदि प्रश्नकर्ता के प्रस्तार के छठे घर में इज्जतमा व जमात शकल हो जो कि बुध ग्रह की साबित शकलें हैं। जो कि उक्त जातक को किसी प्रेत-आत्मा (मसान) की दृष्टिता नजर (छाया) का स्पष्ट रूप से संकेत देती है। जिससे गर्भधान में परेशानी व गर्भपात का बराबर भय, साथ ही गर्भपात से होने वाली बीमारियों की आशंका बराबर बनी रहती है। जिससे शिशु सन्तान को तो हानि होती है। यदि प्रस्तान के अष्टम घर में उक्ला शकल हो जो कि शनि ग्रह की महान शकल है। माता को भी जीवनकाल की बाबत मृत्यु योग बनाती है। प्रश्नकर्ता को इन समस्त स्थिति द्वारा मार्ग दर्शन होने के बावजूद यह जानना आवश्यक है कि वर्तमान में किस ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) बराबर चल रही है। जिससे उक्त सन्तान सुख को बाबत लाभ-हानि द्वारा समाधान हो सके। इस वास्ते जातक रमल सिद्धयंत्र धारण करें अथवा उस ग्रह के वास्ते नग या ग्रह शान्ति विधि-विधान द्वारा कराने से लाभ व शान्ति प्राप्ति होती है।

रमल अरबी ज्योतिष बताएगा किस माह में होगा विवाह?

भारतीय संस्कृति में शुभ-विवाह 16 संस्कारों में से एक मुख्य है। भारतीय संस्कृति के अतिरिक्त अन्य पाश्चात्य संस्कारों एवं अन्य संस्कृति में भी शुभ-विवाह सृष्टि के संचालन का एक अद्‌भुत अद्वितीय संस्कार है। यह संस्कार दो व्यक्तियों का अनमोल मिलन तो है ही, साथ ही दो परिवारों का महान पवित्र व आत्मिक मिलन और सम्बन्ध भी है। वैदिक पुरातन आर्ष परम्परा से वैदिक विवाह आठ प्रकार के होते हैं। ब्रह्म विवाह, दैव विवाह, आदर्श विवाह, प्रजापत्य विवाह, गान्धर्व विवाह, आसुर विवाह, राक्षस विवाह और अन्तिम पैशाच विवाह। उपरोक्त विवाहों के कुछ अंश यहां पर दिये जा रहे हैं।

ब्रह्म विवाह-वह विवाह है जिसमें वर कन्या दोनों यथावत् ब्रह्मचर्य से पूर्व विद्वान् धार्मिक और सुशील हो, उनका परस्पर प्रसन्नता से विवाह होना ही ब्रह्म विवाह कहलाता है। दैव विवाह-वह विवाह है विस्तृत यज्ञ करने में ऋत्विक कर्म करते हुए जामाता (दामाद) को अलंकार युक्त कन्या का देना, दैव विवाह कहलाता है। आदर्श विवाह-वे विवाह है जो वर से कुछ लेकर विवाह हो, यह विवाह आदर्श विवाह कहलाता है। प्रजापत्य विवाह-वे विवाह है जो कि दोनों का विवाह धर्म की वृद्धि के अर्थ होना ही प्रजापत्य विवाह की श्रेणी में आता है। गान्धर्व विवाह-वह विवाह है जो कि अनियम, असंयम किसी कारण से दोनों की इच्छा पूर्वक वर-कन्या का परस्पर संयोग होना ही गान्धर्व विवाह कहलाता है। आसुर विवाह-वह विवाह है वर कन्या को कुछ देके विवाह होना ही आसुर विवाह की श्रेणी में आता है। राक्षस विवाह-वह विवाह है जो कि लड़ाई करके बलात्कार अर्थात् छीन, झपटकर, कपट के रूप में कन्या को ग्रहण किया जाता है। ये विवाह राक्षस की श्रेणी में आता है। पैशाच विवाह-ये विवाह वह है जो कि शयन के दौरान या मद्यपान कराके, पागल कन्या से बलात्कार कर ले जाना ही पैशाच विवाह की श्रेणी में आता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक विद्वान् रमलाचार्य के सम्मुख अमुक सवाल जातक के द्वारा, उनके माता-पिता, भाई-बहिन या निकटतम रिश्तेदारों के द्वारा किया जाता है कि किस माह (महीने) में मेरा या मेरे अमुक व्यक्ति का शुभ-विवाह होगा? इस वास्ते जातक द्वारा पासे जिसे अरबी भाषा में "कुरा" कहते हैं। एक शुद्ध पवित्र स्थान पर डलवाए जाते हैं। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में जातक की जन्म कुण्डली और न ही पंचाग की जरूरत होती है। मात्र पासों के अनुसार प्रस्तार यानी कि जायचा बनाया जाता है। यदि जातक विद्वान् के समक्ष ना हो तो "प्रश्न-फार्म" के द्वारा भी उक्त कार्य को सम्पादित किया जा सकता है। इन दोनों कार्य प्रणाली का परिणाम एक ही आता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के सोपान चक्र के प्रथम, सप्तम्, तेरह बिन्दु लें साथ ही नजर-ए-मिकरना व निकटवर्ती दृष्टि भी बराबर हो और बलावल भी होना आवश्यक है। निम्न सारणी के अनुसार शुभ-विवाह अमुक माह (महीने) में या सम्बन्ध होने का योग बनता है।

क्र.	शकल	माह
1-	लहियान	मार्गशीर्ष
2-	कब्जुल दाखिल	श्रावण
3-	कब्जुल खारिज	माघ
4-	जमात	भाद्रपद
5-	फरह	कार्तिक
6-	उक्ला	पौष
7-	अंकित	पौष
8-	हुमरा	चैत्र
9-	ब्याज	आषाढ़
10-	नुस्तुल खारिज	श्रावण
11-	नुस्तुल दाखिल	मार्गशीर्ष
12-	अतबे खारिज	अश्विनी
13-	नकी	फाल्गुन
14-	अतबे दाखिल	बैसाख
15-	इज्जतमा	ज्येष्ठ
16-	तरीक	आषाढ़

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार के लग्न स्थान में शुभ शकल हो, साथ ही नजर-ए-तरवीर की दृष्टि हो तो वैवाहिक जीवन शारीरिक-मानसिक-आर्थिक व पारिवारिक सम्पन्नता की ओर होना दिखाई देता है। यदि प्रस्तार के लग्न घर में नजर-ए-तरवीर की पूर्ण दृष्टि ना हो तो परिवार में बराबर प्रत्येक कार्य व बात के वास्ते स्नेहकारी का नहीं होना पाया जाता है। ससुराल पक्ष से बराबर समय-समय पर लाभ का योग कायम नहीं होना भी नजर आता है। इस वास्ते समय रहते हुए, रमल सिद्ध यन्त्र विधि-विधान से धारण करने पर अमुक कार्य में वांछित लाभ व उचित समय कार्य की सिद्धी का योग बनता है।

डॉ० नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)
3, महल खास, किला, भरतपुर (राजस्थान)
94142 68172, 838698 1718, (05644) 22 3216
Website- www.ramalarabicastrology.com
E-mail- narendrabhaiya9@gmail.com

रमल ज्योतिष में बिना कुण्डली के जाने सुखी दाम्पत्य जीवन के सूत्र

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र एवं आध्यात्मिक शास्त्रों के मुताबिक आदिकाल से ही मानव जाति अपने जीवन को सुखी, सुन्दर आनन्दित और सुरक्षित बनाए रखने के वास्ते हमेशा प्रयत्नशील रहा है। इसी प्रयास के अन्तर्गत ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेदिक शास्त्र व आध्यात्मिक ज्ञान का आविष्कार हुआ है। तथा समय-समय पर शोधकर्ताओं द्वारा अनेकानेक शोध भी होते आ रहे हैं। ग्रहों का प्रभाव प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मानव जीवन पर बराबर पड़ रहा है। इसको मानव अपने आप में बराबर भुगत भी रहा है। वैज्ञानिक परीक्षणों द्वारा यह स्पष्ट हो चुका है कि चन्द्रमा का ज्वार-भाटे से सीधा सम्बन्ध है। शरीर की रचना में अधिकांशतः भाग में जल की मात्रा है। चन्द्रमा के प्रभाव से जब समुद्र में ज्वार-भाटा आता है। इसी विचार में हमारे ऋषि-मुनियों ने चन्द्रमा को रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रमुख माना है।

प्रायः देखने में आया है कि घर से गायब हो जाने से सम्बन्धित समस्याएं तथा मानसिक द्वन्द्व व अन्य मानसिक परेशानी की बावत् परेशानी वैवाहिक जीवन में विशेष उतार-चढ़ाव और आत्म-हत्या आदि पूर्ण चन्द्रमा-पूर्णमासी, क्षीण चन्द्रमा-अमावस्या के समय लगभग अधिक घटित होती है। संसार में जलवायु बाढ़, जल ग्रस्तता, भूकम्प आदि अधिकांशतः इन्हीं समय होती हैं।

माता के गर्भ से उत्पन्न शिशु जब इस दुनिया में आता है। तब ब्रह्माण्डीय ग्रहों के प्रभाव उस पर आकर समस्त शुभ-अशुभ फल देना प्रारम्भ कर देते हैं। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक प्रत्येक नौ ग्रह किसी विशेष कारक शरीर के अंग, व्यवसाय, क्षैत्र, कार्य प्रणाली इत्यादि को प्रभावित करते हैं। जैसे रवि ग्रह-आत्मा व पिता का, चन्द्रमा ग्रह-अन्तरात्मा और विचार धारा और किसी विशेष कार्य प्रणाली पर तथा माता का, मंगल ग्रह-शक्ति, शौर्य और वीरता तथा वीरता पूर्ण वार्ता की क्रियाओं का, बुध ग्रह-बुद्धि, विवेक और ज्ञान, धार्मिक आध्यात्मिक क्षैत्र-शान्ति प्रमुख, रवि ग्रह-क्रिया और पति अथवा पत्नि का, शनि ग्रह- आयु (वय) व मृत्यु व मृत्यु कार्य का कारक होता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक यानी कि जायचे के 16 घर होते हैं। प्रस्तार के चार घर गवाहन यानी कि साक्षी घर के होते हैं। जो केन्द्र के घर होते हैं। यही उम्हान्त घरों के भी होते हैं। बाकी 12 घर के अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतीक होते हैं। जैसे प्रथम घर व्यक्ति के रंग-रूप, स्वभाव, वैचारिक, भाग्य की उन्नति व अवनति, द्वितीय घर मनुष्य के धन, आजीविका, व्यापारिक स्थिति, क्रय-विक्रय, तेजी-मंदी का, पुत्रों की कला, तृतीय घर निकटवर्ती व्यक्तियों के आने-जाने, मित्रता इत्यादि। चौथा सुख-समृद्धि, अचल सम्पत्ति, भूमि, पांचवा घर-पुत्र-पुत्री, धर्म भाई, पेय पदार्थ, व्यभिचार, छटा घर-निकटतम व्यक्ति, नौकर-दास, नौकरी, बीमारी, सातवां घर-रवि ग्रह तथा राहू ग्रह से सम्बन्धित होता है साथ ही वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव, तनाव और तलाक व शुभ-अशुभ साथ ही ससुराल पक्ष को भी प्रभावित करता है। इसी प्रकार से अन्य घर भी प्रत्येक बातों से निर्धारित होते हैं।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के द्वारा मानव को सुखी अथवा दुःखी वैवाहिक जीवन के प्रस्तार को बारीकी से अध्ययन कर तथा रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के गणित के मार्गदर्शन मय समाधान सहित मालूम किया जा सकता है। सुखी वैवाहिक जीवन के मतभेद तनाव, दाम्पत्य जीवन की समस्याएं, शुभ-विवाह पूर्व व उपरान्त धन की प्राप्ति या नहीं। सन्तान सुख शीघ्र या देरी से, ससुराल पक्ष से लाभ व शान्ति की प्राप्ति या नहीं अन्य बातों की जानकारी भी की जा सकती है।

यदि रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार के सातवें घर में क्रूर ग्रह हो और नजर-ए-तसदीक या तालीम की तो वैवाहिक जीवन में अनेकानेक प्रकार की समस्याएं दिन-प्रतिदिन बराबर रहेंगी। साथ ही प्रतिकूलता (अशुभता) भी बराबर कायम रहेगी। यह सारी स्थिति जीवन की स्थिति की जानकारी मय समाधान सहित प्रश्नकर्ता द्वारा पासे डलवाकर की जाती है। पासे को अरबी भाषा में "कुरा" के नाम से जाना जाता है। यह क्रिया रमलाचार्य के सम्मुख होने पर ही होती है। यदि प्रश्नकर्ता विद्वान रमलाचार्य के समक्ष ना हो तो एक नवीन शोध विषय "प्रश्न फार्म" के द्वारा भी यह कार्य किया जा सकता है। इन दोनों कार्य प्रणाली से प्राप्त फलादेश एक समान ही आता है। मगर रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र की गणितीय पद्धति भिन्न अवश्य है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र द्वारा प्रश्न नहीं पूछने पर और भारतीय ज्योतिष में कुण्डली के सही मिलान ना किए जाने पर अथवा दोनों या दोनों के अतिरिक्त अन्य किसी भी ज्योतिष शास्त्र के द्वारा जानकारी नहीं किए जाने पर आज समाज में प्रायः तलाक, पति-पत्नि में टकराव, मान-प्रतिष्ठा में हानि, ससुराल पक्ष द्वारा निरन्तर लाभ ना होने पर दाम्पत्य जीवन में निरन्तर कभी तथा कई परेशानियों का समय-समय पर सामना करना पड़ता है। यदि प्रस्तार के चौथे घर में अशुभ ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) हो या पाप ग्रहों से सम्बन्धित स्थिति हो तो दीर्घायु (वय) में कमी आ जाती है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मतानुसार पिछले जीवन के कर्मों के फल लगभग 36 वर्ष की आयु तक कायम रहते हैं। यदि रवि ग्रह किसी प्रकार से ताजीक पंक्ति के अनुसार अशुभ स्थिति में हो तो मृत्यु का कारण अग्नि हो सकती है। ये बुरे प्रभाव के द्वारा समय-समय पर प्रभाव कम और अधिक होता रहता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक जीवन के सुख-समृद्धि के वास्ते जिस ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) हो उस ग्रह का रत्न रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के शुभ-मुहूर्त में विधि-विधान द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा करवाकर जातक को उचित समय पर धारण करना चाहिए या उस ग्रह का रमल ज्योतिष शास्त्र का अधिष्ठाता मन्त्र जाप करना अथवा करवाना चाहिए या रमल सिद्ध यंत्र जातक को उचित समय पर धारण करने से लाभ वांछित प्राप्त होता है।

डॉ० नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)
3, महल खास, किला, भरतपुर (राजस्थान)
94142 68172, 838698 1718, (05644) 22 3216
Website- www.ramalarabicastrology.com
E-mail- narendrabhaiya9@gmail.com

रमल अरबी ज्योतिष बिना कुण्डली के बताएगा रत्न कैसे पहनें?

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक रत्न मुख्य रूप से नौ प्रकार के होते हैं। वेदों में ऋग्वेद द्वारा रत्नों के अग्नि तत्व का जिक्र आता है। गरुड़ पुराण, अग्नि पुराण और वृहद् संहिता में रत्नों की व्याख्या दैवी महाशक्ति के रूप में ज्योतिष शास्त्र के अतिरिक्त कई तरह की चिकित्सा पद्धति के वास्ते भी की गयी है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रश्नकर्त्ता की जन्म कुण्डली की आवश्यकता कदापि नहीं होती है। प्रश्नकर्त्ता द्वारा किए गये प्रश्न के द्वारा बनाए गये प्रस्तार (जायचे) द्वारा किया जाता है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक बारीकी से अध्ययन करें कि जातक को वर्तमान में किस ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) चल रही है। उस ग्रह से वांछित लाभ व शांति प्राप्त करने के वास्ते प्रश्नकर्ता के हाथ पर पासे जिसे अरबी भाषा में कुरा कहते हैं, इन्हें एक विशेष सथान पर डलवाए जाते हैं। यह सारी कार्य प्रणाली प्रश्नकर्ता के समक्ष होने पर होती है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रश्नकर्ता की जन्म कुण्डली नाम, माता-पिता का नाम, तिथि, वार, यहां तक कि पंचांग की आवश्यकता नहीं होती है। प्रश्नकर्ता का मन व किए जाने वाले प्रश्न की बावत् भावनापूर्ण आस्था की ओर होना चाहिए। क्योंकि किसी भी ज्योतिष शास्त्र में श्रद्धा व विश्वास का होना आवश्यक है। यदि प्रश्नकर्ता रमलाचार्य के समक्ष न हो तो रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में नवीन शोध विषय द्वारा प्राप्त की गयी विधि प्रश्न-फार्म या वाट्सएप्प के माध्यम से भी शीघ्र यह कार्य किया जा सकता है। इन प्रणाली द्वारा प्राप्त समाधान मय फलादेश के एक ही आता है। मगर गणितीय पद्धति पूर्णतः भिन्न अवश्य होती है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में 16 शकलों (आकृतियों) पर नौ ग्रहों पर निम्न प्रकार से विभाजित किया गया है। जिसके नाम हिन्दी व उर्दू में निम्न प्रकार से यहां वर्णित हैं।

नाम ग्रह	शक्ल	नाम ग्रह	शक्ल
1-रवि (शम्स)		2-चन्द्रमा (कमर)	
3-मंगल (जैनख)		4-बुध (मुश्तरी)	
5-गुरु (मरीख)		6-शुक्र (जोहरा)	
7-शनि (रास)		8-राहु (अतारू)	
9-केतु (जुहल)			

नौ प्रकार के रत्नों एवं उसके प्रतिनिधि ग्रहों का विवरण निम्न प्रकार है।

1. **माणिक**–इसका प्रतिनिधित्व रवि (शम्स) ग्रह है यानि कि सूर्य ग्रह है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में रवि ग्रह की दो शुभ शकलें कब्जुल दाखिल, नुस्तुल खारिज है। रत्न माणिक का रंग गुलाबी होता है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक जिस जातक को रवि ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) वर्तमान में चल रही हो, उन्हें रत्न धारण करना चाहिए। इस रत्न को अनामिका उंगली में सोने या तांबे की अंगूठी में मढ़वाकर धारण करना चाहिए। इसको धारण करने से नेत्र रोग, हृदय रोग, हड्डियों की कमजोरी में लाभ प्राप्त होता है। इसे वैद्य, हकीम भस्म बनाकर रोगी को नियमित नियमानुसार सेवन करने की सलाह देते हैं। इसको सूर्य के सामने रखने में लाल रंग की किरणें निकलती हैं। इस रत्न को रविवार के दिन रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के शुभ मुहूर्त में धारण करना चाहिए।

2. **मोती**–इसका प्रतिनिधित्व ग्रह चन्द्रमा (कमर) है। चन्द्रमा ग्रह दो शकलें ब्याज व तरीक होती हैं। चन्द्रमणि और मोती एक से गुणों के धारणकर्ता हैं। फिर भी बारीकी से देखें तो एक जैसे तो नहीं हो सकते हैं। चन्द्रमणि पत्थर है पर मोती रत्न है। रत्न महंगे होने की स्थिति में चन्द्रमणि पहनी जाती है। जिसका असर मोती जैसा नहीं होता है। मगर अपना असर अवश्य करता है। इसको भी अनामिका उंगली में चांदी में जड़वाकर धारण करना चाहिए। विद्वान् वैद्य-हकीम औषधि के रूप में मोती रत्न को भस्म मिलाकर देते हैं। मगर चन्द्रमणि को कदापि नहीं। इसे सोमवार के दिन रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र द्वारा धारण करना चाहिए। इसके धारण करने से मानसिक अशांति, मन का उचाटना, मन में विभिन्न प्रकार की बात का आना, साथ ही सुन्दरता में व अन्य कार्यों में लाभ अभिष्ट होता है। जिस मनुष्य को चन्द्रमा ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) चल रही हो, उसे यह रत्न धारण करना चाहिए।

3. **मूंगा**–इसका प्रतिनिधित्व मंगल (जैनख) ग्रह होता है। मंगल ग्रह की दो शकलें हुमरा और नकी हैं। यह स्वयं लाल रंग का कीड़ा होता है। साथ ही लकड़ीनुमा एक लाल रंग की लकड़ी भी बनता है। इसका जन्म समुद्र में होता है। वैज्ञानिक इसे आइसिस नौबोल्ज नाम का लेसेदार कीड़ा के नाम से जानते हैं। इसके तत्व कैल्शियम के होते हैं। मूंगा रत्न का रंग लाल व सिन्दूरी रंग का होता है। इस रत्न को धारण करने से चर्म रोग, रक्त विकार, रक्तचाप, पट्ठों की कमजोरी, पुराना जुकाम तक ठीक हो जाता है। इस रत्न को अनामिका उंगली में स्वर्ण या तांबा की अंगूठी में मढ़वाकर धारण करना चाहिए। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक जिस जातक को मांगलिक की स्थिति हो, उसे अवश्य ही विधि-विधान से मंगलवार को धारण करना चाहिए। जिससे कि मांगलिक स्थिति में लाभ और शांति प्राप्त हो सके। जातक को मांगलिक स्थिति शुभ-विवाह से पूर्व और बाद में भी प्रभावित करती है। रमल (अरबी ज्योतिष) विद्या के शुभ-मुहूर्त में विधि-विधान द्वारा पहनाने से लाभ व शांति प्राप्त होती है।

4. **पन्ना**–यह बुध (मुश्तरी) ग्रह को प्रतिनिधित्व करता है। इनकी दो शकलें-जमात और इज्जतमा हैं। इस रत्न को संस्कृत में मरकत कहते हैं। हिन्दी में पन्ना, अंग्रेजी में इमरल्ड, उर्दू में जमर्रुद के नाम से जाना जाता है। यह चार प्रकार की गैसों से बना है। आक्सीजन, बैरीजिलम, एल्युमिनियम और सीलिका। बुध ग्रह व्यापार का अधिष्ठाता ग्रह है। व्यापार को आर्थिक लाभार्थ प्रदान करने वाला साथ ही ख्याति, लाभ तथा शांति प्रदान भी करता है। पन्ना को धारण करने से हर्निया, फेफड़ों में रोग, दमा रोग, मिर्गी, मानसिक बीमारी और पागलपन को दूर करने में सहायक है। यह रत्न हरे रंग का कुछ पारदर्शी जैसा होता है। इस रत्न को कनिष्का उंगली में स्वर्ण या तांबा धातु की अंगूठी में जड़वाकर धारण किया जाता है। इस रत्न का बुधवार को रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के अनुसार धारण किया जाता है।

5. **पुखराज**–इसका प्रतिनिधित्व गुरु (मरीख) यानि कि वृहस्पति ग्रह है। गुरु ग्रह की दो शुभ शक्लें-लहियान एवं नुस्तुल दाखिल हैं। यह रत्न असली कुछ पारदर्शी जैसा होता है। इसे कसौटी पर रगड़ने से रंग निखरता है। यह तीन रंगों में पाया जाता है। सफेद, बसन्ती और हल्के पीले रंग का होता है। जहरीले किसी कीड़े ने डंक मार दिया हो तो असली पुखराज को घाव पर रगड़ने से जहर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यह रत्न फ्लोरिन और एल्यूमिनियम से बनता है। जब नमी हवायें ग्रेनाइट और प्रेमनाइट नाम की शिलाओं से टकराती हैं, तब पुखराज रत्न बनता है। पुखराज रत्न धारण करने से तिल्ली रोग, पीलिया, जिगर की सूजन तन्त्र के दोष की बीमारियों में लाभ प्राप्त होता है। जिस व्यक्ति को रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के अनुसार गुरु ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) हो, उसे शुभ मुहूर्त में पहनना चाहिए। इस रत्न को तर्जनी उंगली में स्वर्ण अथवा तांबा धातु में जड़वाकर धारण किया जाता है। यह रत्न शुभ-विवाह के शीघ्र व आसानी से तथा दाम्पत्य जीवन में मधुरता स्नेहकारी के वास्ते विशेषकर धारण किया जाता है। साथ ही आध्यात्मिक अध्ययन और प्रत्येक कार्य में उज्जवलता, ख्याति, लाभ व शांति के वास्ते नियमानुसार धारण किया जाता है। रत्न पुखराज की प्राण-प्रतिष्ठा कराकर गुरुवार को धारण करने का विधान है। यदि गुरु-पुष्य योग में इसे धारण एक रमल विशेष शुभ-मुहूर्त में पहना जाये तो अति उत्तम व वांछित लाभ व शांति अमुक कार्य की बावत् प्राप्त होगा।

6. हीरा–इसका प्रतिनिधित्व शुक्र (जोहरा) ग्रह है। शुक्र ग्रह की दो शक्लें-फरह व अतबे दाखिल हैं। यह रत्न रोडेशिया, ब्राजील, बेल्जियम और भारत में मिलता है। हीरा रत्न तीन प्रकार का होता है। नर हीरा, नारी हीरा और नपुंसक हीरा। जो हीरा चमकदार और हल्का होता है। वह नर हीरा कहलाता है। जो रत्न चपटा हो, वह नारी हीरा कहलाता है। जो रत्न गोल हो व चमक रहित एवं छोटा हो तथा नारी हीरा हो, वह नपुंसक हीरा कहलाता है। यह सफेद व चमकदार होता है। इस रत्न को संतान व संतान सुख के वास्ते भी धारण किया जाता है। हीरा नग को अनामिका उंगली में शुक्रवार को विधि-विधान से धारण करना होता है।

7. नीलम–इसका प्रतिनिधित्व शनि (रास) ग्रह है। इसकी दो अशुभ शक्लें-उक्ला व ओंकिश हैं। यह रत्न कुछ सफेद रंग लिए हुए यानि कि हल्का पीला और नीले रंग का होता है। असली नीलम हल्के रंग का होता है। साथ ही पारदर्शी होता है। एक साधारण नीलम को घुमाकर देखने से केवल नीली झलक दिखाई देती है। किसी भी दागी रत्न को नहीं पहनना चाहिए। विशेषकर नीलम रत्न को। दागी नीलम रत्न पहनने से झगड़ा हो सकता है। इल्जाम लग सकता है। व मुकद्दमा कायम हो सकता है। जातक को मानसिक परेशानी हो सकती है। यह रत्न वायु प्रकोप के कारण होने वाली बीमारियों, जोड़ों का दर्द आदि रोगों में लाभकारी होता है। इस रत्न को मध्यमा उंगली में धारण करने का विधान है। रमल शास्त्र के मुताबिक जिनको शनि ग्रह की प्रतिकूलता हो, उन्हें नीलम धारण करना चाहिए। इसे शुभ मुहूर्त में शनिवार को धारण करना चाहिए। इस रत्न को चांदी या पंच धातु में पहना जाता है।

8. गोमेद–इसका प्रतिनिधित्व राहु (अतारू) ग्रह है। इस ग्रह की एक ही कब्जुल खारिज शकल होती है। यह रत्न तीन रंगों में पाया जाता है। एक गौ मूत्र, द्वितीय काला व अंतिम कत्थई रंग का सिलौनी होता है। यह समुद्र के अंदर जो चट्टानें पानी के अंदर घुल-मिलकर नीचे तह में बैठ जाती हैं। वह गोमेद रत्न बन जाता है। यह रत्न श्रीलंका जिसे सिलौन कहते हैं, यह सबसे अच्छा माना जाता है। इस रत्न को धारण करने से चर्मरोग, मिर्गी, पांडू रोग दूर होते हैं। मनोबल बढ़ाने में, मानसिक भटकन को दूर करने में काम आता है। इस रत्न को मध्यमा उंगली में धारण किया जाता है।

9. लहसुनियां–इसका प्रतिनिधित्व केतु (जुहल) ग्रह है। इस ग्रह की एक शकल अतबे खारिज होती है। इसको संस्कृत में विडाल्याक्ष कहते हैं। हिन्दी और उर्दू में लहसुनियां कहते हैं। अंग्रेजी में कैट्स आई कहते हैं। इस रत्न का रंग बिल्ली की आंख की भांति होता है। असली लहसुनियां को हिलाने से सफेद रंग की झलक पड़ती है। इसे मध्यमा उंगली में रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के अनुसार शुभ मुहूर्त में शनिवार को धारण करना चाहिए।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र द्वारा याचक को अमुक रत्नों द्वारा लाभ और शांति होगी। मगर लाभार्थ तब ही अच्छा होगा जब वर्तमान में किस ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) कहां-कहां पर है। यह स्थिति रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के द्वारा सही गणना कर की गयी होगी। साथ ही रत्न कितने वजन (भार) का धारण करना चाहिए। इस बात का तय प्रश्न करने पर ही होती है। किसी भी रत्न को रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के उसी शुभ-मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा कराकर पूर्ण विधि-विधान द्वारा ही धारण करना चाहिए। रत्न कोई भी खण्डित कदापि नहीं पहनना चाहिए। यदि किसी कारणवश जातक रत्न धारण नहीं करना चाहता है तो रमल सिद्धयंत्र विधि-विधान से धारण करना शास्त्रानुसार विधान है। ऐसा पूर्व मूर्धन रमल ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों का मत है।

लेखक : कु. गीतिका रानी (पुत्री)
डॉ. नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)
3, महल खास, किला-भरतपुर (राजस्थान)
Ph : 8386981718, 9414268172, 05644-223216

विवाह एवं सप्तम भाव

लेखक :
डॉ. कमल प्रकाश अग्रवाल

भारतीय संस्कृति के सोलह संस्कारों में से प्रमुख विवाह संस्कार दो नये जीवन साथियों में सहसंबंध स्थापित करता है। पति और पत्नी परिवार के आधार स्तंभ हैं। दोनों के जीवन की सफलता, समृद्धि और सौभाग्य के लिए दोनों में अधिकाधिक प्रेम, मानसिक, शारीरिक और वैचारिक स्तर पर समानता होनी चाहिए। ज्योतिष में विवाह का विचार करते समय जन्मांग में प्रमुखतः सप्तम, द्वितीय, पंचम और द्वादश भावों पर विचार किया जाता है। सप्तम भाव या जाया भाव से वैवाहिक सुख, उच्च कुल के विवाह, विवाह और उसका समय, प्रेम-विवाह, तलाक और कामसुख की संतुष्टि का विवेचन किया जाता है। विवाह कब होगा? इस प्रश्न का विवेचन सप्तमाधिपति की प्रकृति पर निर्भर होता है।

यदि बुध सप्तमाधिपति हो तो विवाह अतिशीघ्र, 18 से 22 वर्ष की आयु के बीच सम्पन्न हो जाता है। इसके पश्चात् क्रमशः मंगल, शुक्र, चन्द्र, गुरु, सूर्य और शनि को समझना चाहिए। दूसरे शब्दों में यदि शनि सप्तमाधिपति हो तो विवाह में बहुत विलम्ब हो जाता है और विवाह 28 से 30 वर्ष की आयु के बाद जाकर सम्पन्न होता है।

विवाह काल

१. यदि सप्तमेश और लग्नेश 33 अंश के भीतर हों तो विवाह छोटी उम्र में हो। २. दशमेश की महादशा और अष्टमेश की अंतर्दशा में विवाह होना चाहिए। ३. शुक्र के साथ सप्तमेश हो और उसकी दशा में लग्न आवे। ४. शुक्र और चन्द्रमा में जो बली हो, उस बली ग्रह की महादशा में जब वृहस्पति का गोचर होता है। ५. सप्तमस्य ग्रह पर दृष्टि डालने वाले ग्रह की दशा में विवाह होवे। ६. जब लग्नेश गोचर के अनुसार सातवें पर की राशि में जाता हो। ७. सप्तमस्य व सप्तमेश से कोई भाव न बैठता हो तो द्वितीयेश जिस राशि में बैठा हो, उस राशि के स्वामी की दशा व अंतर्दशा में विवाह होवे। ८. लग्नेश जिस नवांश में हो, उसका अधिपति जिस राशि में हो, उस राशि से दूसरे स्थान में जब गोचर का चन्द्रमा और वृहस्पति आता है, तो विवाह होना संभव है। ९. सप्तमस्य राशि में जो संख्या राशि है, जैसे-कन्या 6, तुला 7, उसमें 8 जोड़ दो तो उसी वर्ष में विवाह हो। १०. वृहस्पति और चन्द्रमा जातक के केन्द्र में आ जाते हैं, धनु लग्न वालों के तब संभव होगा।

लग्न, द्वितीय और सप्तम और शुक्र के पीड़ित होने से विवाह में देरी से होता है। इसके विपरीत सप्तमेश बलवान होकर केन्द्र व त्रिकोणगत हो तो बचपन में विवाह हो जाता है।

अनैतिक विवाह

1. शुक्र सप्तमेश होकर पापग्रह के साथ हो अथवा शुक्र कन्या का होकर शत्रु नवांश को हो, तो स्त्री कुमार्गी होवे और पड़ोसियों के घर ज्यादा जावें।

2. शनि सप्तमेश हो और नीच नवांश में हो अथवा पापग्रह के साथ शत्रु नवांश में हो तो स्त्री अनैतिक होती है।

3. शुक्र शनि के द्वारा दृष्ट हो तथा वे एक-दूसरे के घरों में हो तो परिजनों में किसी संबंधी के साथ उसका अनैतिक संबंध हो।

4. कुण्डली में सूर्य से आगे शुक्र और मंगल हो तो पुरुष अपनी चचेरी बहनों से और स्त्री अपने चाचाओं से छिपा अनैतिक सम्बन्ध रखें।

5. राहु व केतु सप्तम भाव में पापग्रह के साथ हो और क्रूर नवांश में हो तो वह स्त्री अपने पति को विष देवे।

सप्तम भाव में कौन सा ग्रह स्थित है। उसकी उपस्थिति मंगलकारी होगी या अनिष्टकारक। इसका विवेचन भी अति महत्वपूर्ण होता है। सप्तम भाव में सूर्य की उपस्थिति को विद्वानों ने मध्यम माना है। ऐसे व्यक्ति की पत्नी अधिकांशतः रोगग्रस्त रहती है। अन्य स्त्रियों से संबंधों की संभावना रहती है। यदि सूर्य सिंह राशि में स्थित होने से स्वगृही हो तो मनुष्य पूर्णतः चरित्रवान होता है। चन्द्र के सप्तम भाव में स्थित होने पर जातक को अपना जीवन साथी बहुत ही सुन्दर प्राप्त होता है। यदि चन्द्रमा वृष या कर्क राशि में हो तो विवाह पूर्णतः सफल माना जाता है और ऐसे जातक का भाग्योदय अधिकांशतः विवाह के पश्चात् होता है। सप्तम भाव में

मंगल की उपस्थिति मांगलिक योग तो प्रदान करती है, यह वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति उत्पन्न करता है। ऐसे जातक का स्वभाव उग्र होने के कारण विवाह-विच्छेद या तलाक की बहुत अधिक संभावना रहती है। सप्तम भावस्थ मंगल व्यक्ति अपने से छोटी आयु की स्त्रियों से संबंध स्थापित करता है। यदि सप्तमस्थ मंगल के साथ शुक्र की युति हो तो ऐसे व्यक्ति चारित्रिक दृष्टि से विवादास्पद होते हैं। जायाभाव का मंगल समय से पूर्व जीवन साथी के प्राण हर लेता है। परन्तु यदि मंगल मकर राशि में हो जैसा कि कर्कलग्न में ही संभव है या मंगल गुरु द्वारा दृष्ट हो तो अशुभ फल प्राप्त नहीं होते। सप्तम भाव में बुध की स्थिति को सभी आचार्यों ने शुभ और मांगलिक माना है। उसका जीवन साथी प्रखर, बुद्धिमान और ज्ञानी होता है। परन्तु बुध का वायु तत्व प्रधान होने के कारण उसकी वाणी कर्कश होती है। ऐसी पत्नी पति की आदर्श प्रेरणा स्रोत बनकर पति को सफलता के चरम-शिखर तक पहुंचाती है। बुध को ज्योतिष शास्त्र में नपुंसक ग्रह माना गया है। अतः सप्तम भावस्थ बुध कामशक्ति में न्यूनता लाता है। सप्तम भावस्थ बुध का पापग्रहों से युक्त होना या पाप ग्रहों द्वारा दृष्ट होना अमंगलकारी माना गया है। भाग्यशाली व्यक्तियों के ही सप्तम भाव में वृहस्पति स्थित होता है। ऐसे जातक का जीवन साथी सुन्दर और चरित्रवान होता है। पत्नी पक्ष से स्थायी सम्पति और योग्य पुत्र प्राप्त होते हैं। यदि मकर लग्न हो और सप्तम भाव में गुरु हो तो कालिदास कृत उत्तरकालामृत के अनुसार अतीव शुभदायक हंस योग घटित होता है। सप्तम गुरु जातक का विशेष लगाव अपने पूर्व पक्ष से इंगित करता है अर्थात् विवाह के पश्चात् भी पत्नी का झुकाव अपने मायके के पक्ष से और पति का अपने माता-पिता से रहता है। शुक्र स्वयं पुरुष के विवाह के कारण ग्रह है। सप्तमस्थ शुक्र दाम्पत्य जीवन में कुछ असामान्य अवश्य कर देता है। शुक्र भोगप्रिय और सौन्दर्य का ग्रह है। अतः अत्यंत सुन्दर और लावण्यमयी पत्नी प्राप्त होती है। शुक्र कामवासना को संवर्धित कर यौन जीवन को पूर्णतः सफल बनाता है। शुक्र चरित्र को छोड़कर अधिकांशतः शुभ फल ही देता है। यदि सप्तम भाव में शुक्र के साथ गुरु स्थित हो तो मणिकांचन का संयोग होता है। ऐसे जातक का वैवाहिक जीवन पर्णतः सफल होता है। शुक्र-मंगल, शुक्र-राहु, शुक्र-शनि की युति श्रेयस्कर नहीं मानी गयी है।

मदन भाव में शनि की उपस्थिति जातक को रहस्यमयी व्यक्तित्व प्रदान करती है। और जातक के विवाह में निश्चित रूप से विलंब होता है। ऐसे जातक का विवाह अपने से अधिक आयु की स्त्री या पुरुष से होता है। या जीवन साथी विधुर या विधवा हो सकती है। फलदीपिका के अनुसार ऐसी कन्या का विवाह 37वें वर्ष में होता है। यदि शनि इस भाव में तुला, मकर या कुंभ के हों तो शश योग बनता है जो व्यक्ति को जीवन में महत्वपूर्ण उच्च पद देता है। राहु और केतु छाया ग्रह हैं और यदि कोई भी एक ग्रह सप्तम भाव में हो तो दूसरा निश्चित रूप से लग्न में होगा। ऐसे शुभ फल की आशा करना व्यर्थ है। सप्तमस्थ राहु हो तो दो विवाह होते हैं और केतु स्थित हो तो निर्धन ससुराल मिलती है। और स्त्री के मासिक धर्म में काफी अनियमितताएं होती हैं। यदि राहु पर गुरु की दृष्टि या प्रभाव हो तो अशुभ फलों में कमी आ जाती है। परन्तु सप्तमस्थ केतु तो किसी भी दृष्टि से शुभ नहीं होता। वृहस्पति कन्या की कुंडली में उसका पति होता है और यह मेरा स्वयं का अनुभव है कि यदि गुरु उच्च का हो या स्वगृही हो और पाप ग्रहों के प्रभाव से मुक्त हो तो ऐसी कन्या का वैवाहिक जीवन पूर्णतः सौभाग्यशाली होता है। उसे पति के जीवन में कोई कष्ट या दुःख नहीं मिलता। इसी प्रकार पुरुषों की कुंडली में शुक्र का कारक ग्रह के रूप में विवेचन करना चाहिए।

विवाह प्रतिबन्धक योग

1. सप्तमेश बारहवें भाव में हो।
2. छठे, आठवें व बारहवें पर के स्वामी सातवें में हों।
3. शुक्र-बुध के साथ सप्तम भाव में रहने से विवाह न होवे। शुभ ग्रह की दृष्टि होने पर अधिक उम्र में विवाह होवे।
4. शुक्र और मंगल दोनों सप्तम भाव में हों या शुक्र किसी पापग्रह के साथ होकर पांच, सात और नवम भाव में बैठा हो।
5. लग्न में, सप्तम में और द्वादश भाव में पापग्रह बैठे हों और पंचमस्थ चन्द्रमा निर्बल हो तो विवाह न हो। अन्य योग से हो भी जाए तो स्त्री बन्ध्या रहे।

गोचर से विवाह

विवाह कब होगा? इस प्रश्न को हल करने के लिए जातिका की कुण्डली में सूर्य और शुक्र की स्थिति को देखना चाहिए। सरल विधि यह भी है-

1. लग्नेश और सप्तमेश की राशि, अंश और कला को आपस में जोड़कर 12 का भाग दो। उस भागफल में जो भी राशि शेष रहे, उस पर से जब गोचर का वृहस्पति आवे और सप्तम में भ्रमण करे तो विवाह हो।
2. जन्म-राशि के स्वामी की राशि, अंश और कलादि को अष्टमेश के राशि, अंश, कलादि में जोड़कर 12 से भाग दो। जो भी शेष आये, उस पर से गोचर का वृहस्पति भ्रमण करें।
3. शुक्र एवं चन्द्रमा में से बलवान ग्रह की महादशा में जब गोचर के वृहस्पति की वही स्थिति हो तो विवाह होवे।
4. लग्नेश गोचर के अनुसार सप्तमेश की राशि में जब भ्रमण करे तो अंतर्दशा में विवाह हो (बली ग्रह की महादशा की)।
5. सप्तमेश जिस राशि व नवांश में हो, उन दोनों के स्वामियों में जो बली हो, उसकी दशा-अंतर्दशा में जब गोचर का वृहस्पति सप्तमेश जिस राशि में भ्रमण करे, तभी विवाह होवे।

विवाह में विलम्ब

1. शनि की दृष्टि सूर्य अथवा चन्द्रमा पर हो या उनके साथ हो तथा शुक्र द्वारा प्रभावित हो तो विवाह देरी से होवे।
2. यदि शनि और चन्द्रमा लग्न और सप्तम भाव के स्वामी होकर एक-दूसरे को देख रहे हों, तो भी विलम्ब होवे। जो कर्क व मकर लग्न वालों के लिए ही संभव है।
3. लग्न से शनि पंचम, सप्ताम व दशम में हो तो भी देरी हो सकती है। पुरुष की कुंडली में सप्तम में शनि विवाह में देरी का कारण नहीं बनता।
4. यदि शुक्र, सूर्य व चन्द्रमा की राशि में (कर्क-सिंह में) हो और सूर्य और चन्द्रमा उससे दूसरे व 12वें भाव में हो तो विवाह न होवे। (शुक्र-चन्द्र, शत्रु, चन्द्र सूर्य, शुक्र के शत्रु हैं)
5. यदि सप्तमेश शुक्र हो और उसके साथ सूर्य और चन्द्रमा स्थित हों तो शुक्र अधिक पापी हो जाता है।
6. राहु और शुक्र लग्न में होने में भी देरी होती है।
7. यदि सप्तमेश व नवमेश अष्टमस्थ हों या अष्टमस्थ ग्रह के नक्षत्र में हो तो विवाह विलम्ब से हो।
8. किसी जातिका की कुण्डली में गुरु व शनि से शुक्र सप्तम में हो या सप्तमेश सप्तमस्थ हो तो भी देरी होवे।
9. यदि शुक्र, बुध तथा शनि शत्रु व नीच राशि में नवांश में हो तो विवाह दुःसमय रहे।

नोट—उपर्युक्त बिन्दु कन्या की कुण्डली से देखने चाहिए।

द्वितीय भाव सातवें से अष्टमस्थ होने के कारण विवाह के आदि और अंत की सूचना देता है। इसी प्रकार पंचम भाव विवाह के सामाजिक पक्ष, संतान सुख को इंगित करता है। अतः पंचम भाव पर भी दृष्टि डालनी चाहिए। पंचमस्थ सूर्य प्रथम संतान की निश्चित हानि करता है। चन्द्र अधिक कन्याएं देता है। मंगल बाधक होता है जबकि गुरु अतीव शुभ फलदायक और निश्चित रूप से पुत्रदायक होता है। यहां शनि की उपस्थिति विशेष विचारणीय है क्योंकि शनि यहां से विवाह भाव को भी देखता है। इसके अतिरिक्त मांगलिक योग को तो विशेष रूप से देखना चाहिए। क्योंकि अधिकांशतः मांगलिक योग भयकारक अधिक है। परन्तु कई विशिष्ट स्थितियों में शनि और गुरु अधिकांशतः इसे निष्फल कर देते हैं। पंचम भाव आज के युग में प्रेम-विवाह या गंधर्व-विवाह का भी प्रतिनिधित्व करता है। पंचम और सप्तम के स्वामियों में परस्पर घनिष्ठ संबंध प्रेम-विवाह कराता है। फलित ज्योतिष के अनुसार विवाह के लिए नवांश कुंडली पर भी विचार करना चाहिए। इसके अतिरिक्त मेलापक प्रक्रिया में वैसे सभी गुण महत्वपूर्ण हैं। परन्तु नाड़ी दोष विशेष विचारणीय है।

लेखक-डॉ. कमल प्रकाश अग्रवाल
श्रीधाम, विल्ला नं. 2, चन्दौसी ग्रीन
ग्राम-देवरखेरा, पोस्ट-चन्दौसी-244412
मो. 9412140444, 9927311629

श्रम एवं सौभाग्य की प्रतीक : लक्ष्मी

लेखक :
वरुण चक्रपाणि

लक्ष्मी श्रम से जुड़ी है। अत: लक्ष्मी निष्क्रिय लोगों से दूर रहती है। लक्ष्मी को उद्यमी और श्रमशील लोगों का सानिध्य ही प्रिय है। पुराणों के अनुसार देवताओं ने अहंकार के कारण लक्ष्मी का तिरस्कार किया। असुरों ने अपनी लक्ष्मी विलासिता और निकम्मेपन के कारण दूर कर दी। लक्ष्मी परेशान होकर समुद्र में चली गयी। पुन: सबने निश्चय कर समुद्र का मंथन किया और घोर श्रम के बाद लक्ष्मी का धरती पर पुन: आगमन हुआ। लक्ष्मी के साथ समुद्र से विपुल सम्पदा, रत्न, मणि, औषधि, अमृत, विष, वाहन, अप्सरा आदि की प्राप्ति हुई।

लक्ष्मी के समुद्र से उत्पन्न होने के कारण समुद्र उनका पितृ गृह भी है। समुद्र में ही विष्णु का निवास है। वहां पर लक्ष्मी विष्णु के पैर दबाती है। वास्तव में देखा जाये तो जहां पौरुष और उद्यम होगा, श्रम और कर्म के प्रति निष्ठा, दृढ़ता होगी। उसके पांवों में लक्ष्मी को रहना ही पड़ेगा। जो सत्कार्यों एवं सत्यता के साथ कार्य करता है तो उसके यहां लक्ष्मी दोनों हाथों से स्वर्ण की वर्षा करती है। लक्ष्मी के साथ दो सफेद हाथी सौभाग्य के प्रतीक हैं। लक्ष्मी के अनेकों रूपों में पूजा होती है। पत्नी के रूप में गृहलक्ष्मी, धरती के रूप में भूलक्ष्मी, राजाश्रय के प्राप्त होने वाली राज्यलक्ष्मी, धन-धान्य आदि के रूप में प्राप्त होने वाली धनलक्ष्मी। इसी प्रकार पशुलक्ष्मी, सौभाग्य लक्ष्मी, श्री लक्ष्मी, कीर्ति लक्ष्मी, यश लक्ष्मी आदि हैं।

युगों-युगों से पुरुष समाज में श्री सम्पन्न कहाने के लिए कंचन और यश का भूखा है। जहां एक ओर श्रीपति बनने की होड़ है तो दूसरी ओर कर्तव्यहीन, दारिद्रयता, ईर्ष्या, असफलता के कारण मनुष्य का पतन भी होता है। कारण दृढ़ संकल्प शक्ति का अभाव और कर्मण्यता है। वही राष्ट्र, परिवार या समाज सम्पूर्ण उन्नति कर सकता है। जिसमें दुर्गुणों का अभाव हो, विवेकशील व व्यसनहीन हो। रचनात्मक विचारधारा व कर्तव्य परायण व्यक्ति लक्ष्मीपति कहलाता है।

जैन साहित्य में भगवान महावीर की माता को स्वप्न में एक ऐसी देवी का दर्शन हुआ जो जल के बीच कमल पर बैठी थी। जिनको सफेद हाथी स्नान करा रहे थे। गजलक्ष्मी का यही रूप हमारे यहां प्रचलित है। चीनी बौद्ध ग्रन्थों में लक्ष्मी को कुबेर के मुख्य पार्षद मणिभद्र की पुत्री बतलाया गया है। जापान की बौद्ध कथा में लक्ष्मी को हारीति की पुत्री कहा गया है। धम्मपद अट्ठ कथा में लक्ष्मी को पूर्व दिशा में लोकपाल धतरट्ठ की पुत्री बतलाया गया है।

इस प्रकार लक्ष्मी के जन्म के बारे में अनेकों कथायें प्रचलित हैं। जो लक्ष्मी के विशाल प्रभाव क्षेत्र तथा लोकप्रियता को प्रमाणित करती है। इन कथाओं में नायिका का स्वरूप भले ही कुछ रहा हो लेकिन वर्तमान में धन और श्रम की देवी का लक्ष्मी नाम ही सर्वव्यापक है। इसके अतिरिक्त लक्ष्मी के नाम हरिप्रिया (हरि की प्रेमिका), जलधिजा (समुद्र की पत्नी), चंचला (एक जगह न ठहरने वाली या चंचल मनवाली), लोकमाता (दुनिया की माँ), हिरण्य वर्णा (स्वर्ण के रंग के समान) जैसे हजारों नाम हैं। इनको तांत्रिक साहित्य में लक्ष्मी सहस्त्रनाम से जाना जाता है। श्रीयंत्र एक तांत्रिक चमत्कारपूर्ण रेखागणित की जटिल पहेली है जिसका सम्मोहन करने के लिए विशेष प्रयोग है। जिनका पूजन कूर्म स्फटिक शिला में होता है।

एक पुराण कथा के अनुसार विश्व को मोह में डालने के लिए विष्णु ने संसार को दो भागों में बांट दिया। पहले अधर्म और अलक्ष्मी, दूसरे में धर्म तथा लक्ष्मी। अलक्ष्मी पहले उत्पन्न होने के कारण ज्येष्ठा कहलायी। अकर्मण्य और मत्सर की भावना के कारण अलक्ष्मी कहलायी। वैदिक मंत्रों की प्रार्थना के अनुसार किसी ऋषि ने अलक्ष्मी को दुत्कारते हुए कहा था कि "हे कुरूप, कानी, कलहप्रिया अलक्ष्मी तू पहाड़ पर चली जा।" यहां पहाड़ से अभिप्राय जनहीन, दुर्गम, उजड़े वन प्रदेश तथा रेतीले मरुस्थल मैदान हैं जहां अलक्ष्मी अट्टहास करती डोल रही है। भूख ही सारे पाप-बुद्धि का कारण बताया है। भूख और दरिद्रता ही अलक्ष्मी है।

समृद्धि की सीधी पहचान है, जहां भोजन बहुतायत हो कि खाने वाले भी भोजन से कम पड़ जाये, वह समृद्धि है। संसार के सभी प्राणियों का भरण-पोषण करने के कारण ही लोकमाता कहा गया है। लक्ष्मी की पूजा विधि वैदिक श्रीसूक्त में उन्हें विभूति, उन्नति, कांति, कीर्ति, विनम्रता, प्रसन्नता, उत्कर्ष, समृद्धि आदि कहकर नमस्कार किया गया है। पुराणों में लक्ष्मी का कहना है जो अपनी सम्पत्ति में से दूसरों को हिस्सा देता है, प्रिय वचन बोलता है, ज्ञानियों, वृद्धों की सेवा करता है, जो बढ़-बढ़कर नहीं बोलता है, ऐसे पुरुष के यहां मैं सदा निवास करती हूं। जो माता-पिता, गुरु-असहाय का भरण-पोषण नहीं करता, संग्रह करके स्वयं भक्षण करता है, उसके यहां नहीं जाती।

विष्णु के साथ गरुड पर बैठी लक्ष्मी के साथ गरुड के पंजों में सर्प का पकड़े होना। मनुष्य ने विरोधी शक्तियों के प्रतीक स्वरूप सदा इन दो जीवों का उपयोग किया है। यहां पर वे न केवल एक दूसरे के विरोधी हैं बल्कि पूरक भी हैं। आकाश एवं सूर्य का प्रतीक गरुड़ है। जल तथा पृथ्वी तत्व का प्रतीक सर्प है। एक-दूसरे के विरोधी तत्व होते हुए भी पूरक हैं। क्योंकि इनके बिना पृथ्वी पर जीवन चक्र कायम नहीं रह सकता।

लक्ष्मी पूजा के लिए मुख्य पर्व दीपावली है। दीपावली शरद ऋतु में कार्तिक माह में सूर्य की तुला राशि में आने पर मनाया जाता है। पर्व कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल दूज तक पांच दिनों तक मनाया जाता है। इस पर्व में कुम्हार, कृषक, हलवाई, आतिशबाज, लघु-कुटीर उद्योग के उत्पादन से लेकर रजत-स्वर्ण के जवाहरात तक के सामान की खरीद होती है। इसी पर्व की विविधता, एकता का प्रतीक है। भारतीय जनमानस में प्रचलित है-पहला सुख निरोगी काया, दूसरा सुख घर में माया। इस दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सम्वर्द्धन के लिए औषधि का एकत्रित करना इस पर्व की विशेषता है। इसके अतिरिक्त घर में सजावट करना तथा घर के टूटे-फूटे बर्तनों को भी बदलना। एक दिन का विशेष महत्व है। सायं को यमराज के लिए अकाल मृत्युनाश के लिए दीपक का दान भी दिया जाता है। धनतेरस पर आयुर्वेद के संस्थापक धन्वन्तरि का जन्मोत्सव मनाया जाता है। जिनसे आयु और यौवन का स्थायित्व ही मांगा जाता है।

नरक चतुर्दशी दीपावली का अगला पर्व है जो कि तिथि को प्राग्ज्योतिषपुर (गोहाटी) के एक असुर का विनाश करने के उपरांत उसकी स्मृति में मनाने की प्रथा है। वास्तव में स्नान में अपामार्ग या औंधा (बूटी) को कूट कर पानी में डालकर अभ्यंग स्नान (सम्पूर्ण शरीर) के रोम-रोम को स्वच्छता करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। इसके अतिरिक्त घर को अंतिम रूप से स्वच्छ साफ करके अलक्ष्मी को दूर करते हैं।

अमावस्या या दीपावली इस दिन ज्योतिष की गणनानुसार सबसे बड़ी अंधकारमय रात्रि होती है। अत: अधिक से अधिक ज्योति जलाना ही उद्देश्य है तथा शक्ति पूजा (काली, दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी) एवं ब्रह्मांड में स्थित अदृश्य शक्तियों (योगिनियों) की पूजा का विशेष पर्व है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य (आत्मा), चन्द्र (मन) एक राशि तुला लग्न में दोनों की स्थिति दीपावली पर होती है। इसी तुला लग्न में किया गया जप, यज्ञ अनंत गुणा शक्तिवर्द्धक होता है। मानसिक दृढ़ता भी प्राप्त होती है। सच में अंधकार पर प्रकाश की विजय का ही पर्व है।

चौथे दिन गोवर्धन की पूजा होती है। वास्तव में इस पर्व का उद्देश्य कृषकों के जीवन से अधिक है। गाय के गोबर को खाद रूपी धन माना जाता है। साथ में मयूर पंख, तृण, कपास, तुलसी का पूजन, भू-पूजन, पशु-पूजन आदि से कृषकों का ही विशेष पर्व है। साथ में मिश्रित सब्जियों और मिश्रित अन्न का मिश्रण करके प्रसाद रूप में खाना विभिन्नता में एकता के साथ विभिन्न विटामिनों का एक साथ प्रयोग कर स्वास्थ्य के सम्वर्द्धन का ही सफलतम प्रयोग है।

पांचवे दिन भैया दूज का पर्व भाई-बहन के असीमित स्नेह का पर्व है। इस दिन भाई-बहन यमुना में स्नान कर सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करते हैं।

लक्ष्मी की तीन गति हैं। दान, भोग और संचय। मनुष्य को जिससे सुख मिले वह लक्ष्मी है। सुख मन की समृद्धि है। वस्तु से सुख कभी नहीं मिलता। अत: हमारे लक्ष्मी की अनुपगामिनी (स्थायी) गति की मांग की गई है। श्री सूक्त में लक्ष्मी के आवाहन के लिए अग्नि की प्रसन्नता तथा उपासना करने का ही विधान बताया गया है। साथ में लक्ष्मी को काम (सृजन) की माता भी माना गया है जो प्राकृतिक नियमों की अवहेलना करके जीना चाहते हैं तब लक्ष्मी का स्वरूप उलूक वाहन बन जाता है जो स्वास्थ्य एवं समाज दोनों को ही घातक है। विभिन्न कामनाओं, मन की गतियों को साधने के लिए लक्ष्मी की विशेष रूपों में विविध भाँति से उपासना का प्रावधान अनादिकाल से प्रचलन में है। इसी कारण "कराग्रे बसते लक्ष्मी" अर्थात् कर के अग्रभाग उंगलियों में कर्म के रूप में लक्ष्मी स्थायी निवास है।

लेखक : वरुण चक्रपाणि
श्रीधाम, विल्ला नं. 2, चन्दौसी रोड
ग्राम-देवरखेड़ा, पोस्ट-चन्दौसी-244412
मो. 9412140444; 9927311629

कुण्डली में धन योग

कुण्डली में धन योग

लेखक : डॉ. कमल प्रकाश अग्रवाल

संसार को वैभव एवं श्री सम्पन्न बनाने वाली प्रमुख शक्ति धन है। वेदों में भी एक वेद अथर्ववेद है जिसमें अर्थ उपार्जन संबंधी मंत्र दिये हैं। अर्थ से तात्पर्य है जीवन, प्राण-शरीर की रक्षा के लिये कर्म द्वारा नदी, वृक्ष, खनिज, प्रकाश, ध्वनि, वायु, अणु आदि का दोहन तथा उनके उपयोगी मंत्र का प्रयोग। अथर्ववेद में नक्षत्र आदि का भी ज्ञान है। देवासुर संग्राम व्यक्ति के महत्वाकांक्षाओं का युद्ध है। पृथ्वी के अतिरिक्त समुद्र द्वारा मंथन करके औषधि, अमृत, विष, मणि, रत्न, शंख, कल्पवृक्ष, गाय, ऐरावत हाथी, अश्व आदि की प्राप्ति की थी। त्रिपुर संग्राम अंतरिक्ष में स्थित तीन उपग्रह का युद्ध था। यज्ञों की कामना के लिए श्री सूक्त और विल्व वृक्ष की उत्पत्ति की। पुत्र व संतान की कामना के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ किये गये।

वर्तमान संदर्भ में राजा, गज, राज्य आदि के अर्थ बदल गये हैं। जैसे राजा का स्थान जिलाधीश, मंडलाधीश, मुख्यमंत्री, सुखी सम्पन्न व्यक्ति आदि हैं। गज का अर्थ मर्सडीज गाड़ी, अश्व का अर्थ कार, राज्य का अर्थ पंचायत प्रमुख, क्षेत्राधिकारी आदि है। किसी से कहना है कि जातक राज्य में नौकरी करेगा तो सामने वाला व्यक्ति कहेगा कि किस विभाग में तथा किस पद में, तब इसके लिए ज्योतिष में सूक्ष्म से सूक्ष्म गणना करना होगा। सूर्य का पूर्ण बली होना राजकीय सेवा से संबंध है। यदि आजीविका प्रधान ग्रह बुध हो तो व्यापार में सफलता मिलती है। निम्न राशि के ग्रह संबंधित ग्रह के प्रभाव वाली जगह नौकरी करा देते हैं। तथा उच्च ग्रह वहां के उद्योगपति बन जाते हैं।

धन योगों के लिये कुण्डली में 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 एवं 11 (आयेश) भाव व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, व्यवसाय, नौकरी, दिशा, समय, ऐश्वर्य आदि निर्णय करते हैं। द्वितीय भाव जातक की आर्थिक स्थिति को विशेष रूप से स्पष्ट करता है। लेकिन द्वितीय भाव का स्वामी, भाव पर दृष्टि, द्वितीय में ग्रह व राशि, इसके अतिरिक्त एकादश भाव से आय का निश्चय किया जाता है। सप्तम भाव से जातक की दैनिक आमदनी तथा साझेदारी, नवम से भाग्यशाली व भाग्यहीन, दशम से पद एवं आकस्मिक लाभ के लिए चतुर्थ, पंचम तथा अष्टम भाव से स्थिति जानी जाती है। चतुर्थ से जातक की पैतृक संपत्ति, पंचम से सट्टा-लॉटरी या विदेश द्वारा आय जानकारी की जाती है। अष्टम भाव से रिश्वत, सट्टा, धन का लाभ, परस्त्री आदि से धन लाभ की गणना की जाती है। लग्न में जिन ग्रहों की स्थिति अथवा दृष्टि हो उसका प्रभाव भी दृष्टिगोचर होगा। राशि तथा ग्रहों का बलाबल भी फलादेश में अंतर ला देता है। ग्रह के उच्च नीच चक्रम से ग्रह की दशा फल तथा ग्रह दृष्टि चक्रम से आयेश तथा धनेश पर विशेष दृष्टियां देखना चाहिये।

धनेश जिस राशि में होगा, उसी दिशा से लाभ होगा एवं भाग्योदय होगा। उस राशि में कोई ग्रह बैठा हो तो ग्रह की संबंधित दिशा से लाभ होगा। इसके अतिरिक्त फिर नक्षत्र आदि से विंशोत्तरी दशा फिर अंतर्दशा चक्रम से जातक की दशा-अंतर्दशा ज्ञात करके ही फल पर विचार करना चाहिए।

ग्रहों का विशेष वर्ष

सूर्य का 22वां, चन्द्र का 24वां, मंगल का 28वां, बुध का 32वां, वृहस्पति का 16वां, शुक्र का 25वां, शनि का 36वां, राहु का 42वां, केतु का 48वां वर्ष विशेष होता है।

भाग्योदय काल

रवि भाग्येश 22वां वर्ष, चन्द्र का 24वां, मंगल का 28वां, बुध का 32वां, वृहस्पति का 16वां, शुक्र का 25वां, शनि का 36वां, राहु-केतु से 42वां वर्ष में भाग्योदय समझना चाहिये।

राशि स्वभाव से आजीविका विचार

यदि कुण्डली में चार राशि (मेष, कर्क, तुला, मकर) में ग्रह अधिक हों तो स्वतंत्र व्यवसाय, अन्वेषक, नेता तथा महत्वाकांक्षी होता है। जिस व्यवसाय में चतुराई, सद्व्यवहार, विनम्रता, युक्ति, कौशल आदि की आवश्यकता पड़ती हो वे सिद्धीदायी होते हैं।

यदि कुंडली में स्थिर राशि (वृष, सिंह, वृश्चिक, कुंभ) में ग्रह अधिक हों तो जातक धैर्यवान, शांत, स्थिर, सहनशील तथा दृढ़ विचारों का होता है। चिकित्सा कार्य, सरकारी नौकरी आदि में सफल होने के लिए उपरोक्त गुण वाले व्यक्ति विशेष सफल होते हैं।

यदि कुंडली में द्विस्वभाव गत राशियां (मिथुन, कन्या, धनु, मीन) में ग्रह अधिक हों तो ऐसे व्यक्ति व्यवसाय की अपेक्षा, एकाउन्टेंट, कमीशन-एजेंसी, दलाली, ट्यूशन, बीमा-एजेंट आदि के कार्यों तथा इनसे संबंधित जगह पर नौकरी से लाभ होता है।

यदि तीनों प्रकार की राशियों में से दो में बराबर की संख्या में ग्रह हों तथा तीसरी प्रकार राशि में कम ग्रह हों तो अधिक ग्रह वाली राशियों के बलाबल को देखकर जातक के व्यवसाय तथा नौकरी का निर्णय करना चाहिये।

राशि एवं ग्रह के तत्वों से आजीविका विचार

अग्नि तत्व की राशियां (मेष, सिंह, धनु), भूमि तत्व की राशियां (वृष, कन्या, मकर), वायु तत्व की राशियां (मिथुन, तुला, कुंभ), जल तत्व की राशियां (कर्क, वृश्चिक, मीन) हैं। उक्त राशियों में जो प्रबल हो, उसी के तत्व से संबंधित व्यवसाय अथवा नौकरी आदि करता है। लेकिन ग्रह के तत्वों का भी विचार आवश्यक है। अग्नि तत्व (सूर्य-मंगल), भूमि तत्व (बुध), वायु तत्व (शनि), जल तत्व (चन्द्र-शुक्र), आकाश तत्व (गुरु) का संबंध है। कुंडली में आजीविका देने वाले ग्रह किस तत्व का है और वह किस तत्व वाली राशि में बैठा है। इसके अतिरिक्त लग्न, लग्नेश, दशम भाव से संबंधित तत्व की राशियों को आधार मानकर व्यवसाय की स्थिति बतानी चाहिये।

अग्नि तत्व प्रधान राशि वाले व्यक्ति बौद्धिक, मानसिक चमत्कार आदि प्रदर्शित करने में सक्षम होते हैं। ऐसे व्यक्ति साहसी, कर्मठ और प्रतिभाशाली होते हैं।

पृथ्वी तत्व की प्रधानता वाले शारीरिक श्रम वाले कार्य-कृषि, भूमि, भवन निर्माण आदि क्षेत्रों में सफल होते हैं।

जल तत्व की प्रधानता वाले व्यक्ति चंचल होते हैं। ऐसे व्यक्ति व्यवसाय बदलते रहते हैं। जातक विदेश यात्रा, जलयान, तेल, द्रव्य पदार्थ आदि के व्यवसाय में सफल होते हैं।

वायु तत्व प्रधान व्यक्ति कलाकार, साहित्यकार, संवाददाता, बैंकिंग, प्रकाशक, परामर्शदाता, एजेन्ट आदि व्यवसाय में सफल होते हैं।

पृथ्वी तत्व प्रधान धन के देवता-कुबेर, जल तत्व प्रधान कोष के देवता-वरुण, अग्नि तत्व प्रधान धन के रक्षक-बटुक भैरव, वायु तत्व प्रधान शनि देवता की तंत्र, मंत्र, उपासना आदि से तत्वों का अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

लग्न, चन्द्र-लग्न, सूर्य-लग्न इन तीनों में से जो सबसे अधिक बलशाली हो उसके दशम स्थान में स्थित विभिन्न ग्रहों द्वारा व उनके स्त्रोतों से धन लाभ होता है। जैसे-सूर्य-पैतृक संपत्ति, चन्द्र-माता द्वारा, मंगल-शत्रु द्वारा, बुध-मित्र द्वारा, गुरु-भाई द्वारा, शुक्र-स्त्री द्वारा, शनि-सेवक द्वारा धन की प्राप्ति होती है।

यदि दशम में कोई ग्रह न हो तो दशमेश के नवांशेश द्वारा धन प्राप्ति के संबंध में विचारना चाहिए। जैसे-दशमेश के नवांशेश में सूर्य हो तो चिकित्सा, युद्ध, ठेकेदारी आदि। चन्द्रमा हो तो जलीय पदार्थ, वस्त्र आदि के व्यवसाय। मंगल हो तो धातु, शस्त्र, मशीनरी आदि। बुध हो तो लेखन, शिल्प, व्याख्यान। गुरु हो तो धार्मिक अथवा न्याय संबंधी कार्य। शुक्र हो तो पशु, वाहन, स्त्री आदि। शनि हो तो मजदूर, मजदूरी, श्रम आदि ग्रहों का फल जानना चाहिये।

महासागर योग–लग्न में बुध, चतुर्थ में गुरु, सप्तम में शुक्र, दशम में चन्द्रमा, तृतीय में राहु, षष्टम में मंगल, एकादश में शनि हो तो महासागर योग होता है। इसमें व्यक्ति मंत्री, राज्यपाल, राजदूत, सांसद आदि होते हैं।

लक्ष्मी प्राप्ति योग–पंचम-नवम भाव तथा इनके भावेश से ही लक्ष्मी योग बनता है। विश्व विख्यात कार निर्माता हेनरी फोर्ड के पंचम का स्वामी गुरु तथा नवम का स्वामी तृतीय भाव में स्थित है। एवं गुरु की चन्द्रमा पर गुरु से पाचवें भाव में स्थित होने के कारण दृष्टि है। इस कारण लक्ष्मीयोग बन रहा है।

महिला चिकित्सक–कर्क लग्न जल राशि है इसके स्वामी चन्द्र उच्च के आयेश हैं। नवें घर का स्वामी दशम (आजीविका) में है। मंगल जो दशम घर का स्वामी भी है उसे पूर्णरूपेण देख रहा है। शनि सप्तम अपने घर को देख रहा है। सूर्य आयेश को भी देख रहा है जो कि राजकीय चिकित्सक बनने का प्रतीक है।

लेखन द्वारा धन प्राप्ति–दशम का स्वामी बुध भाग्य स्थान पर है। दशम में सूर्य हैं, व्ययेश कर्म भाव में हैं, सूर्य से दशम में गुरु हैं। गुरु से लेखन, बुध से गणित, सूर्य से ज्योतिष, मंगल से वैद्यक, केतु से तंत्र, शनि योग, चन्द्र से कामकला का संबंध है। अत: जातक उपरोक्त से संबंधित लेखन कार्य से जुड़ा रहेगा। इनकी राशि में जल तत्व राशि का प्रभाव ज्यादा होने के कारण शुक्र की दशा में किसी स्त्री के सहयोग से या स्त्री के धन से विदेश व्यापार भी कर सकते हैं।

पाठशाला के संस्थापक–कर्मभाव में गुरु स्वराशि का शैक्षिक व्यवसाय का द्योतक है। नवम का स्वामी शनि, आयेश का स्वामी मंगल, धनेश चन्द्रमा का लग्न में होना व्यक्ति का स्वयं का जीविकोपार्जन का प्रतीक है।

महिला सम्पादिका एवं लेखक–विद्या के घर में स्थित चन्द्र राहु के सामने आयेश अपने स्वामी सहित चार ग्रहों के साथ बैठा है। कर्म भाव का स्वामी बुध लेखन प्रतिभा को बताने वाला भी आयेश है। इसी कारण इसकी समस्त आय का साधन लेखन है।

कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियों के जीवन में ग्रहों, राशियों, लग्नों इत्यादि का प्रभाव निम्न प्रकार है-

भारत के प्रमुख उद्योगपति **सर जमशेद जी टाटा**–कर्क लग्न कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को प्राप्त होती है। उच्च का शुक्र भाग्य स्थान पर, भाग्येश गुरु की इस पर दृष्टि है जो कि सौभाग्यदायी है। भाग्येश में राहु संघर्षशील बनाता है। दशमेश मंगल पराक्रम भाव में स्थित होकर भाग्येश को अधिक संघर्षमय बनाता है।

महात्मा गांधी–धनेश में शनि-केतु की युति, वृश्चिक राशि में होने से इनका जीवन मितव्ययी हुआ। भाग्येश बुध शुक्र के साथ लग्न में है। बुध-मंगल-शुक्र तीनों ग्रह लग्न में प्रतिस्पर्धात्मक व्यवसाय भी बनाते हैं।

महाराजा जयाजीराव सिन्धिया–लग्न का स्वामी कर्मेश होकर दशम में शनि उच्च का बैठा है। षष्टम् में मंगल योद्धा भी बनाता है। लग्न में सूर्य अहंकारी, शुक्र शान-शौकत वाला तथा बुध प्रतिभाशाली बनाता है। जो किसी राजा का ही हो सकता है। सप्तम में चन्द्र स्वराशि बहुत भोगवादी बनाता है।

क्रूर महत्वाकांक्षी हैदर अली–धनेश में सूर्य, शनि, गुरु, बुध, चन्द्र लग्नेश होकर लुटेरे से राजा बना। चतुर्थेश शुक्र का धनेश होने के कारण एक प्रमुख नगर बसाने में सफलता मिली।

प्रतिभाशाली टीपू सुल्तान–पंचम में चन्द्र ने प्रतिभाशाली बनाया। पंचमेश मंगल पराक्रम भाव में होने से युद्ध प्रिय बनाया। दशमेश शुक्र पर मंगल की 8वीं दृष्टि है। आयेश भी कर्मेश है। लेकिन षष्टेश गुरु ने अपनी दशा में युद्ध में धराशायी कर दिया।

वीर योद्धा महाराणा प्रताप–महान पराक्रमी, दुर्जेय योद्धा, शासक, देशभक्त का जन्म वृश्चिक लग्न में हुआ। पराक्रम भाव में शनि की राशि में सूर्य, शनि के कारण दु:ख व अपमान झेलना पड़ा। भाग्य स्थान में चन्द्र-राहु की युति जहां कठोर संघर्षशील बनाती है, वहां पराक्रम भाव में गुरु पर दृष्टि होने से संतान को भी मरणशील बना रही है। आज भी घुमन्तु जीवन जीने वाली कई जातियां अपने को महाराणा का वंशज बताती हैं। लग्नेश मंगल मृत्यु के घर में होने से अपने बंधुओं से विश्वासघात बताता है।

छत्रपति वीर शिवाजी–भारत को हिन्दू राष्ट्र का सपना देखने वाले, महान योद्धा, दुर्जेय सेनानी तथा विदेशी मुस्लिम शासकों से स्वतंत्र कराने का सपना देखने वाले शिवाजी महाराज का लग्न अधिपति सूर्य, सप्तम में गुरु व सूर्य से द्रष्ट है। गुरु की लग्न पर दृष्टि महान कृपा करके अपमृत्यु से बचाती है। सप्तमेश शनि पराक्रम भाव में उच्च का होकर बैठा है। दशम का स्वामी शुक्र भाग्य स्थान पर राजसी स्तर के वैभव प्रदान करता है। राहु-मंगल का योग युद्ध की छापामार तरीके से आय का द्योतक है।

रावण–सिंह लग्न में सूर्य और गुरु का होना यह स्पष्ट करता है कि रावण बहुत ही सुन्दर, तेजस्वी एवं गौरवर्ण काया का व्यक्ति होगा। द्वितीय भाव में आयेश, धनेश बुध है। जिस कारण वह अपार सम्पत्ति एवं धन का स्वामी हुआ। पंचमेश का गुरु सूर्य के साथ लग्न में है एवं द्वितीय भाव के कन्या का बुध है। अत: वह महान विद्वान, अनेक भाषाओं का पंडित, आत्मविश्वास का व्यक्ति रहा। सूर्य का लग्न में होना अहंकारी प्रवृत्ति का बोध कराता है। भाग्य भाव में मेष का राहु उस पर उच्च के शनि की पूर्ण दृष्टि के साथ है। जिस कारण राजनीति का भी वह प्रकांड विद्वान हुआ। पराक्रम भाव तृतीय भाव में उच्च का शनि एवं केतु है। उसे अपने ही भाई का विरोध सहना पड़ा। तृतीय भाव का स्वामी शुक्र दशम भाव में है। वह बहुत ही भोगी एवं विलासी व्यक्ति भी रहा। अनेक तरह की शक्तियों के स्वामी रावण के पतन का कारण छठे भाव की चन्द्र-मंगल की युति थी। चन्द्र नारी का बोध कराता है। सिंह लग्न का मंगल शत्रु भाव की वृद्धि करता है। मंगल छठे भाव में उच्च राशि मकर में होने के कारण रावण की हत्या हुई।

कुबेर–कुबेर की कुंडली का लग्न वृषभ है। जिसका स्वामी शुक्र है। जो स्वयं सुख, वैभव एवं सम्पत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। तीन अन्य ग्रहों के साथ विपुल सम्पत्ति योग बनाकर तृतीय भाव में शुक्र बैठा है। तृतीय भाव का स्वामी चन्द्रमा है, जो कुडली के लिहाज से चतुर्थ भाव है। जो पुन: सुख, सम्पत्ति व शांति को दर्शाता है। कुंडली का कारक शनि नवम भाव में स्थित होकर एकादश, तृतीय एवं षष्ठ भाव को देखता है। एकादश भाव में अप्रभावित राहु कामना, लाभ, इच्छापूर्ति में अपनी प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उच्चस्तरीय राजयोग, धनयोग कुंडली को विलक्षण बना देते हैं। इतनी विलक्षणताओं से युक्त कुंडली नि:संदेह कुबेर की ही हो सकती है।

धन के तीन उपयोग हैं-भोग, संचय एवं दान। इसमें दान तो कुछ ही व्यक्ति कर पाते हैं। जैसे पुराणों के अनुसार नव सम्वत् चलाने से पहले प्रजा का समस्त ऋण राजकोष से चुकाया जाता था। तीर्थों में जाकर पुष्कल दान करके स्वयं भी वैरागी हो जाते थे। अब कोई दिखाई नहीं देता। पुराणों में इस प्रकार की कथाओं में राजा हरिश्चन्द्र, शांतिदेव, मोरध्वज, राजा शिवि, किसी तपस्वी ने अपना भोजन के सर्वस्व त्याग के बाद जमीन पर गिरे अन्न-कणों, नेवले का शरीर स्वर्णमय हो जाना, जो धर्मराज युधिष्ठर के राजसूय यज्ञ के सामने फीका पड़ गया था। महाभारत इस प्रकार की कथाओं से भरा-पड़ा है।

धन का संबंध व्यक्ति के प्रारब्ध कर्मों से है, जो स्वप्न और पुनर्जन्म में विश्वास रखते हैं उन्हें आसानी से यह बात समझ आ जावेगी कि प्रारब्ध कर्म क्या होते हैं? और कर्मफल से ग्रह कैसे उच्च-नीच के बनते हैं। अत: समस्त विश्व कर्म प्रधान है। हमें भाग्यवादी नहीं, कर्मवादी बनना चाहिये। कर्म से ही भाग्य बनता है।

लेखक-डॉ. कमल प्रकाश अग्रवाल
श्रीधाम, विल्ला नं. 2, चन्दौसी ग्रीन
ग्राम-देवरखेरा, पोस्ट-चन्दौसी-244412
मो. 9412140444, 9927311629

भारत के सुप्रसिद्ध विद्वान् लेखक (व्यापारिक मंदा-तेजी व अन्य लेख)

नोट-व्यापार में किसी प्रकार की लाभ-हानि की जिम्मेदारी लेखक व प्रकाशक की नहीं होगी। अतः अपनी समझ से व्यापार करें।

E-mail : dharmsondiaries@gmail.com

अक्टूबर–धनागमन में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। विरोधी पराजित होंगे। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। सफलता से मन उत्साहित रहेगा। पद-प्रतिष्ठा-प्रभाव में वृद्धि होगी। प्रशासन तथा प्रशासनिक कर्मियों से सहायता मिलेगी। तार्किक क्षमता का लाभ मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। बहुमूल्य उपहार मिलेंगे। व्यवसायिक बाधायें समाप्त होंगी। धातुओं के व्यापार तथा यात्राओं से लाभ मिलेगा। 18 से 26 के मध्य व्यर्थ विवादों से बचें। अपमानजनक स्थितियों के प्रति सचेत रहें। शुभ दिवस-02, 08, 12, 15, 17, 20, 22, 25 हैं। अशुभ दिवस-04, 06, 27, 29, 31 हैं।

नवंबर–11 नवम्बर तक आय वृद्धि से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संचित धन की स्थिति संतोषजनक रहेगी। दाम्पत्य जीवन के विवाद समाप्त होंगे। मतभेदों का समाधान। यात्राओं, व्यवसाय से अपेक्षित लाभ। ता. 11 से मासान्त तक परिश्रम के अनुरूप परिणाम नहीं मिलेगा। सुख एवं धन की हानि होगी। कार्यों में अवरोध से वाणी में कठोरता आयेगी। मानसिक तथा शारीरिक दुर्बलता रहेगी। पित्तजनित व्याधियों से पीड़ित होंगे। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति में बाधा आयेगी। शिक्षा में बाधा से मन चिन्तित रहेगा। बुद्धि चातुर्य काम नहीं करेगा। शुभ दिवस-02, 04, 07, 11, 16, 19, 23, 29। अशुभ दिवस-09, 14, 21, 25, 27।

दिसंबर–ता. 27 तक मिथ्या अपवाद का भय रहेगा। मन संतप्त रहेगा। कार्यों में विघ्न बाधायें आयेंगी। यात्रायें निरस्त होंगी। सम्बन्धियों तथा सहोदरों से वैमनस्य रहेगा। रोग पीड़ित होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु की हानि होगी। प्रशासकीय कारणों से संकट में पड़ेंगे। मन अशांत रहेगा। आत्मविश्वास गिरेगा। इसके बाद वाक्चातुर्य का लाभ मिलेगा। पदोन्नति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यवसायिक सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सामाजिक कार्यों में समय देंगे। किसी के दुर्व्यवहार से मन अशान्त रहेगा। शुभ दिवस-01, 04, 06, 09, 14, 16, 18, 21, 27, 29, 31 हैं। अशुभ दिवस-11, 22, 25 हैं।

वृष-ई, उ, ए, ओ, वा, वि, वू, वे, वो

वृष

स्वामी-शुक्र नग-हीरा शुभ

जनवरी २०२२–अकारण ही धन तथा पुण्य की हानि होगी। मिथ्या अपवाद तथा अपमान से प्रतिष्ठा गिरेगी। आय में कमी आयेगी। मन अशांत रहेगा। आत्मविश्वास कमजोर होगा। किसी प्रियजन से अलग रहना होगा। 16 जनवरी में किंचित शुभ फल होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। ऐक्सीडेन्ट्स से बचाव होगा। लोन चुकता करने में सफलता मिलेगी। 16 जनवरी से मासान्त तक प्रत्येक कार्य में रुकावट तथा बाधायें आयेंगी। किसी धारदार वस्तु से चोट लगेगी। पारिवारिक जीवन तथा सुख बाधित होगा। स्थान परिवर्तन का योग रहेगा। शुभ दिन-01, 08, 12, 17, 22, 24, अशुभ दिन-03, 05, 10, 15, 20, 27, 29, 31 हैं।

फरवरी–धन हानि होगी। स्वास्थ्य बिगड़ेगा। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों के साथ वैचारिक मतभेदों से हानि होगी। कार्यों में असफलता का सामना करना पड़ेगा। पद-अवनति का भय रहेगा। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। पारिवारिक सुख बाधित होगा। पद-प्रतिष्ठा तथा मान-सम्मान में कमी आयेगी। आर्थिक स्थिति निर्बल रहेगी। शारीरिक निर्बलता अनुभव करेंगे। भोगोपभोग की वस्तुओं से हानि होगी। यात्राओं में कष्ट होगा। कई यात्रायें निरस्त होंगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के खोने का भय रहेगा। प्रशासकीय कारणों से संकट में पड़ेंगे। आर्थिक दंड का भय रहेगा। शुभ दिन-04, 06, 09, 14, 16, 18, 21, अशुभ दिन-02, 11, 23, 25, 27 हैं।

मार्च–14 मार्च तक नेगोसियेशन तथा साक्षात्कारों में सफल रहेंगे। पदोन्नति होगी। व्यवसायिक सफलता मिलेगी। मान, प्रतिष्ठा मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। दाम्पत्य जीवन [illegible] 15 मार्च में किसी के दुर्व्यवहार से कष्ट होगा। मन अशान्त रहेगा। आर्थिक हानि होगी। आध्यात्मिक अथवा मांगलिक कार्य स्थगित होगा। 16 मार्च से मासान्त तक वरिष्ठों से मतभेद रहेंगे। प्रशासकीय सहयोग नहीं मिलेगा। रोग ग्रस्त होंगे। प्रतिष्ठा, मान-सम्मान विपरीत रूप से प्रभावित होगा। सन्तान के विषय में चिन्ता बनेगी। विरोध बढ़ेगा। महिलाओं के कारण कलह की स्थिति बनेगी। खानपान बिगड़ेगा। शुभ दिन-03, 06, 08, 13, 18, 20, 22, 24, 28, अशुभ दिन-01, 11, 15, 26, 31।

अप्रैल–ता. 07 तक स्वास्थ्य खराब रहेगा। कार्यों में अपेक्षित सफलता न मिलने से मन खिन्न रहेगा। विदेश अथवा सुदूर स्थान की यात्रा होगी। 08 से 12 अप्रैल के मध्य वार्तालाप से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। पदोन्नति सम्बन्धी वाद-विवाद समाप्त होंगे। 14 से 24 अप्रैल तक घर-परिवार का सुख रहेगा। यात्राओं में सफलता मिलेगी। कार्यों में सन्तुष्टि रहेगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा। 25 अप्रैल से मासान्त तक दाम्पत्य-जीवन में असंतोष बनेगा। प्रेम सम्बन्धों में मतभेद होगा। ब्रेकअप की सम्भावना बनेगी। महिलाओं के कारण हानि होगी। हृदय रोग की आशंका रहेगी। नौकरी तथा रोजगार में विघ्न-बाधायें आयेंगी। पदोवनति की आशंका रहेगी। शुभ दिन-02, 04, 12, 14, 16, 18, 23, 25, 29, अशुभ दिन-07, 09, 20, 27 हैं।

मई–शारीरिक पीड़ा कष्ट एवं भानसिक व्यथा समाप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आर्थिक उन्नति होगी। मान-सम्मान मिलेगा। भूमि-भवन के कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्राओं में लाभ होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों, मुकद्दमों में अनुकूल परिणाम मिलेंगे। खोई हुई वस्तु अथवा उधार दिया गया धन वापस प्राप्त होगा। दुर्घटनाओं से आकस्मिक रूप से बचाव होगा। सफेद वस्तुओं का व्यापार लाभ देगा। कुछ कार्यों में सफलता के उपरान्त भी आर्थिक हानि होगी। नये अनुबंधों के क्रियान्वयन में अवरोध आयेंगे। शुभ दिन-02, 09, 12, 14, 16, 20, 27, 29, अशुभ दिन-04, 07, 18, 22, 24, 31 हैं।

जून–धन हानि के प्रति सावधानी अपेक्षित रहेगी। अति प्रिय एवं निकटस्थ व्यक्तियों से धोखा मिल सकता है। स्वभाव की कठोरता से मुक्ति पाने का प्रयास करें। 18 जून से मास के अन्त तक शिक्षा तथा अध्ययन में सफलता मिलेगी। अविवाहितों का विवाह योग रहेगा। योग्य व्यक्तियों को सन्तान प्राप्ति का योग रहेगा। तरल पदार्थों, सुगन्धित द्रव्यों, शृंगारिक वस्तुओं तथा सौन्दर्य प्रसाधनों के माध्यम से आय होगी। व्यापार में उन्नति होगी। व्यय पर नियन्त्रण बनेगा। सुख ऐश्वर्य बढ़ेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। सन्तान के कार्यों से मिले मान-सम्मान की प्रसन्नता रहेगी। शुभ दिन-06, 08, 10, 12, 16, 20, 23, 25, 28 हैं। अशुभ दिन-03, 14, 18, 30 हैं।

जुलाई–अत्यधिक वाचालता तथा वाक्चातुर्य से हानि होगी। सम्बन्धियों के कारण आर्थिक हानि का योग रहेगा। मन चिन्तित रहेगा। सम्मानित व्यक्तियों से मतभेद होंगे। प्रशासकीय कारणों से मन व्यथित रहेगा। बन्धन तथा आरोपों का भय रहेगा। सन्तान के विषय में मन चिंताग्रस्त होगा। विरोधी स्वर मुखर होंगे। 14 तथा 15 जुलाई अपेक्षाकृत शुभ रहेगी। 16 जुलाई में महिलावर्ग से हानि होगी। प्रेमी युगलों के लिये समय प्रतिकूल रहेगा। 17 जुलाई से मास के अन्त तक मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक उलझनें समाप्त होंगी। विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। शुभ दिन-03, 05, 08, 10.12, 14, 16, 22, 25, 30, अशुभ दिन-18, 20, 28 हैं।

अगस्त–आर्थिक संतुलन बिगड़ेगा। विद्वत्जनों से वैचारिक मतभेद होंगे। महिलाओं से मनमुटाव होगा। स्थाई सम्पत्ति की हानि होगी। पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। शासकीय कारणों से प्रताड़ित होंगे। आपरेशन अथवा चोट लगने का भय बनेगा। मन खिन्न रहेगा। 17 से 30 अगस्त के मध्य मानसिक तथा शारीरिक कष्टों का निवारण होगा। भू-सम्पत्ति सम्बन्धित विघ्न-बाधायें समाप्त होंगी। दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवन साथी तथा संतान का सुख सहयोग मिलेगा। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में [illegible]

10, 19, 26, 31 हैं। अशुभ दिन- 01, 08, 12, 14, 16, 21, 24, 29 हैं।

बढ़ेगा। आरोपों से छुटकारा मिलेगा। स्वास्थ्य में

शुभ दिवस-02, 04, 16, 27, 29, अशुभ दिवस-07, 09, 12, 14, 18, 20, 23, 25 हैं।

10, 19, 26, 31 हैं। अशुभ दिन- 01, 08, 12, 14, 16, 21, 24, 29 हैं।

सितंबर—मन किसी के प्रति आसक्त होगा। व्यय बढ़ने से आर्थिक स्थिति निर्बल रहेगी। भ्रम की स्थिति बनने से मन व्यग्र रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक शक्ति का ह्रास होगा। मित्रों एवं हितैषियों से असुविधा होगी। सन्तान सुख में कमी आयेगी। चिन्ता बढ़ेगी। परिवार से मतभेद होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों से वाद-विवाद होंगे। पद तथा अधिकारों में कमी आयेगी। यात्राओं में दुर्घटना का भय बनेगा। विरोधी बढ़ेंगे। प्रेमी युगलों में झगड़ा होगा। विभागीय परीक्षाओं में असफलता मिलेगी। मनोरंजक गतिविधियों के लिये समय का अभाव रहेगा। शुभ दिन-02, 06, 15, 23, 29 हैं। अशुभ दिन-04, 09, 11, 13, 18, 20, 25, 27 हैं।

अक्टूबर—परिश्रम के अनुरूप सफलता का अभाव रहेगा। स्वभाव में कठोरता आयेगी। राजकीय भय बनेगा। चोरी अथवा अग्निकांड से धन सम्पत्ति की हानि होगी। पित्तजनित व्याधियों से कष्ट रहेगा। विरोधी मुखर होंगे। 18 से 25 अक्तूबर के मध्य विरोध समाप्त प्रायः रहेगा। मामले, मुकद्दमों में अनुकूल परिणाम होंगे। इच्छित कार्यों में वांछित सफलता मिलेगी। सहयोगियों से वैचारिक समानता रहेगी। दाम्पत्य जीवन का आनन्द मिलेगा। सफल यात्रायें होंगी। 26 अक्तूबर से मासान्त तक कार्यों में आर्थिक हानि होगी। मान-सम्मान में गिरावट आयेगी। विरोधी मुखर होंगे। शिक्षण में अरुचि रहेगी। शुभ दिन-04, 20, 25, 27, 29, 31 हैं। अशुभ दिन-02, 06, 08, 10, 12, 15, 17, 22 हैं।

नवंबर—आर्थिक कठिनाईयां बनी रहेंगी। जीवन-यापन के लिये कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। आजीविका परिश्रम से प्राप्त होगी। जीवन साथी के रोगग्रस्त होने की सम्भावना रहेगी। स्वयं भी जननेन्द्रिय सम्बन्धी रोग से पीड़ित होंगे। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। महिलाओं के कारण हानि तथा अपमान की स्थिति बनेगी। 13 नवम्बर में स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या रहेगी। चोट लगने का योग रहेगा। दाम्पत्य सुख में बाधा आयेगी। उपद्रवों से मन खिन्न रहेगा। 14 नवंबर से सुधार होगा। विवादों-मतभेदों का सम्मानजनक समाधान होगा। व्यवसायिक लाभ होगा। शुभ दिन-02, 09, 11, 16, 21, 23, 27 हैं। अशुभ दिन-04, 07, 14, 19, 25, 29 हैं।

दिसंबर—04 दिसं. तक आय के नये साधन बनेंगे। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। कार्यों में मनोवांछित सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। ता. 5 से 28 के मध्य राजकीय दंड का भुगतान करना होगा। आर्थिक संकट बनेगा। सुखोपभोग तथा विलासिता की सामग्री में कमी आयेगी। शिक्षा बाधित होगी। यात्राओं में हानि होगी। सम्बन्धियों तथा सहोदरों से वैमनस्य रहेगा। मास के अन्त में बहुमूल्य उपहार मिलेगा। प्रशासकीय माध्यम से भाग्योन्नति होगी। लम्बी दूरी की यात्रायें होंगी। आर्थिक स्थिति संतोषजनक बनेगी। मन तथा शरीर ऊर्जावान रहेगा। शुभ दिन-06, 14, 18, 25 हैं। अशुभ दिन-01, 04, 09, 11, 16, 21, 23, 27, 29, 31 हैं।

मिथुन-क, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

मिथुन

स्वामी-बुध नग-पन्ना शुभ

जनवरी २०२२—15 जनवरी तक प्रशासनिक भय की स्थिति बनेगी। किन्हीं कारणों से राजकीय दंड का भुगतान करना होगा। दाम्पत्य जीवन में अवरोध आयेगा। व्यय बढ़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। शरीर में कमजोरी रहेगी। 16 जनवरी से मास के अन्त तक स्वास्थ्य में सुधार होगा। स्वजनों का सहयोग मिलेगा। व्यय में कमी आयेगी। पारिवारिक सुख सहयोग रहेगा। व्यवसायिक लाभ होगा। घर-परिवार के साथ समय आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा। विद्यार्थियों की शिक्षा में प्रगति होगी। इण्टरव्यूज में सफलता मिलेगी। शुभ दिवस-05, 08, 15, 20, 22, 27, अशुभ दिवस-01, 03, 10, 12, 17, 24, 29, 31 हैं। ... का योग रहेगा। धन लाभ होगा। ... बढ़ेगा। आरोपों से छुटकारा मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक शांति मिलेगी। अकारण भय समाप्त होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। प्रयत्नों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। 26 फरवरी से मास के अन्त तक प्रत्येक कार्य में अवरोध आयेगा। रोग पीडित होंगे। किसी धारदार वस्तु से चोट लगेगी। स्थान परिवर्तन होगा। पारिवारिक सुख में कमी रहेगी। व्यर्थ व्यय होगा। शिक्षा में अवरोध बनेगा। परीक्षा तथा साक्षात्कारों में वांछित सफलता का अभाव रहेगा। शुभ दिवस-02, 04, 11, 16, 18, 23, अशुभ दिवस-06, 09, 14, 21, 25, 27 हैं।

मार्च—14 मार्च तक यात्राओं में असुविधा होगी। खानपान बिगड़ेगा। कार्यों में विघ्न-बाधाओं से मन चिंतित रहेगा। स्थापित सिस्टम में कमियां निकालने की प्रवृति से वैमनस्य बढ़ेगा। 15 से 23 मार्च तक वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। प्रतिष्ठित कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न होंगे। पदोन्नति होगी। पारिवारिक सुख-समृद्धि बढ़ेगी। 24 से 30 मार्च तक वाचालता से हानि होगी। विरोध बढ़ेगा। पदोन्नति अथवा कार्य परिवर्तन में अवरोध आयेगा। सामाजिक कार्यों में समय व्यर्थ होगा। किसी के दुर्व्यवहार से मन अशान्त रहेगा। मासान्त में बहुमूल्य उपहार मिलेगा। शुभ दिवस-01, 03, 11, 15, 20, 31, अशुभ दिवस-06, 08, 13, 18, 22, 24, 26, 28 हैं।

अप्रैल—13 अप्रैल तक कार्यों पर सुचारू रूप से ध्यान नहीं दे पायेंगे। स्वभाव में जड़ता आयेगी। शरीर निर्बल रहेगा। व्यर्थ विवादों में समय व्यतीत करेंगे। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। आर्थिक स्थिति निर्बल रहेगी। सन्तान के विषय में चिन्तित रहेंगे। अनिष्ट का भय रहेगा। भ्रष्ट अधिकारियों का सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। 14 से 26 अप्रैल के मध्य रोगों से छुटकारा मिलेगा। कार्यों में प्रगति होगी। विवाद समाप्त होंगे। आर्थिक लाभ होगा। विद्यार्थियों की शिक्षा में प्रगति होगी। परीक्षाओं में सफलता। 27 अप्रैल से मासान्त तक पिता ... शुभ दिवस-02, 04, 10, 27, 29, अशुभ दिवस-07, 09, 12, 14, 18, 20, 23, 25 हैं।

मई—16 मई तक घर-परिवार का सुख रहेगा। सफल यात्रायें होंगी। कार्य सन्तुष्टि रहेगी। प्रशासनिक सहयोग मिलेगा। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। रोग मुक्त रहेंगे। 17 से 22 मई के मध्य जंक फूड से स्वास्थ्य खराब होगा। रोजी-रोजगार तथा कार्यस्थल पर परिस्थितियों में परिवर्तन होगा। कार्यों में बाधायें आने से मन खिन्न रहेगा। विदेश अथवा सुदूर स्थान की यात्रा होगी। 23 मई से मासांत तक आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। दाम्पत्य-जीवन का सुख रहेगा। प्रेम-सम्बन्धों में सफलता मिलेगी। मित्रों तथा सहकर्मियों का सहयोग रहेगा। शुभ दिवस-02, 14, 18, 24, 27, 29, अशुभ दिवस-04, 07, 09, 12, 16, 20, 22, 31 हैं।

जून—उदर विकार होगा। शारीरिक अवस्था के अनुरूप थकावट, नेत्र रोग, रक्तचाप अथवा हृदय रोग के कारण स्वास्थ्य बिगड़ेगा। परिवार से दूर किसी सुदूर स्थान पर रहने से पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। निरर्थक यात्राओं में थकावट से कष्ट रहेगा। नये अनुबंधों के क्रियान्वयन में बाधायें बनेंगी। भूमि-भवन से हानि। अतः भूमि-भवन से लाभ के लिये अभी इस विषय के विचार को निरस्त रखें। मुकद्दमों में इच्छित परिणाम नहीं मिलेंगे। सुख ऐश्वर्य में कमी आयेगी। सहोदरों से मतभेद होंगे। किसी भी नगण्य सी बात पर उत्तेजित होने की प्रवृति रहेगी। शुभ दिवस-10, 14, 23, 25, अशुभ दिवस-03, 06, 08, 12, 16, 18, 20, 28, 30 हैं।

जुलाई—मास में प्रथम दो सप्ताहों में कष्ट फल अधिक होंगे। झगड़े-झंझट बढ़ेंगे। स्पैकुलेशन तथा इन्वेस्टमेन्ट में हानि होगी। सन्तान को घर से दूर रहना होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। अविवाहितों के विवाह में विलम्ब होगा। विद्यार्थी अध्ययन में पिछड़ेंगे। अतिप्रिय व्यापार-व्यवसाय में अवनति होगी। अतिप्रिय एवं निकटस्थ व्यक्तियों से धोखा होगा। 17 जुलाई से वाक्चातुर्य का लाभ मिलेगा। बहुमूल्य उपहार मिलेंगे। शिक्षा में प्रगति होगी। सुखोपभोग की वस्तुओं का संग्रह होगा। प्रतिष्ठित एवं

सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। शुभ दिवस-08, 12, 20, 22, 28, अशुभ दिवस-03, 05, 10, 14, 16, 18, 25, 30 हैं।

अगस्त–प्रथम सप्ताह में सन्तान के विषय में चिन्ताग्रस्त रहेंगे। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। परिश्रम तथा साहस में कमी। अध्ययन से अरुचि रहेगी। द्वितीय सप्ताह में व्यय पर नियन्त्रण रख पायेंगे। घर-परिवार का सुख मिलेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। मतभेद समाप्त होंगे। तीसरे सप्ताह में मन में उमंग तथा प्रसन्नता का अभाव रहेगा। प्रेमी युगलों के लिये समय अनुकूल नहीं है। धैर्यपूर्वक कार्य करने पर सफलता मिलेगी। चतुर्थ सप्ताह में विभिन्न माध्यमों से लाभ मिलेगा। भूमि-भवन के कार्यों से लाभान्वित होंगे। स्थाई सम्पत्ति बढ़ेगी। शुभ दिवस-04, 10, 14, 16, 19, 24, 31 तथा अशुभ दिवस-01, 06, 08, 12, 21, 26, 29 हैं।

सितंबर–तीसरे सप्ताह तक असुविधाजनक यात्रायें होंगी। झगड़े-झंझटों के कारण सुख-शांति का अभाव रहेगा। समय कुसमय का खानपान होगा। सहयोगियों से मतभेद होंगे। स्वभाव की जिद्द, अहम तथा मनमानी से हानि होगी। शरीर थका-थका रहेगा। चतुर्थ सप्ताह से मित्रों तथा परिवार के सहयोग से इच्छित सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में सुख रहेगा। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। सामान्य जनों से सम्पर्क बढ़ेगा। शरीर तथा मन प्रफुल्लित रहेगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। सुख, वैभव तथा ऐश्वर्य प्राप्ति होगा। शुभ दिवस-11, 13, 15, 25, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 06, 09, 18, 20, 23, 29 हैं।

अक्टूबर–तीसरे सप्ताह के अन्त तक आपरेशन अथवा चोट लगने का भय बनेगा। पारिवारिक मतभेद बढ़ेंगे। जीवन साथी का स्वास्थ्य निर्बल रहेगा। अग्नि से हानि होगी। कार्यों में असफलता की आशंका रहेगी। यात्राओं में कष्ट होगा। पद तथा अधिकारों में कमी आयेगी। प्रेमी युगलों में झगड़ा होगा। विभागीय परीक्षाओं में विलम्ब होगा। चतुर्थ सप्ताह से आकस्मिक रूप से झगड़े-झंझटों से बचाव होगा। मानसिक तथा शारीरिक कष्ट समाप्त होंगे। योजनाबद्ध कार्य करने से सफलता मिलेगी। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में प्रगति होगी। शुभ दिवस-08, 10, 12, 25 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 06, 15, 17, 20, 22, 27, 29, 31 हैं।

नवंबर–दूसरे सप्ताह तक वाद-विवाद तथा कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। विरोधी पक्ष परास्त होगा। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। घर-परिवार का सुख मिलेगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंगे। साझेदारों से वैचारिक साम्यता बढ़ेगी। अन्जानी-अनचाही विपत्ति से छुटकारा मिलेगा। लेखन, संगीत, वाद्यकला में ख्याति प्राप्त होगी। सन्तान के कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। मन प्रसन्न रहेगा। 16 नवम्बर से मासान्त के मध्य स्वास्थ्य खराब होगा। प्रशासनिक कारणों से मानसिक तनाव बढ़ेगा। कार्यों में अपेक्षित प्रगति तथा सफलता का अभाव रहेगा। शुभ दिवस-07, 09, 19, 21, 29 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 11, 14, 16, 23, 25, 27 हैं।

दिसंबर–आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। मतभेदों का सम्मानजनक समाधान मिलेगा। प्रत्येक कार्य में अपेक्षित सहयोग मिलेगा। यात्राओं तथा व्यवसाय से लाभ होगा। बहुमूल्य उपहार मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। 16 दिसम्बर के बाद सन्तान को किसी रोग से पीड़ा होगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति के लिये मन चिन्तित रहेगा। व्यवसायिक बाधायें आयेंगी। थका देने वाली यात्राओं में कष्ट होगा। बुद्धि चातुर्य काम नहीं करेगा। खानपान बिगड़ेगा। सुखोपभोग तथा विलासिता में कमी रहेगी। शुभ दिवस-01, 06, 18, 29, 31 हैं। अशुभ दिवस-04, 09, 11, 14, 16, 21, 23, 25, 27 हैं।

कर्क-ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
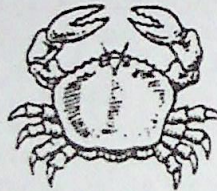
स्वामी-चन्द्र नग-मोती शुभ

जनवरी २०२२–प्रथम दो सप्ताह तक परिवारजनों एवं मित्रों से मतभेद एवं विवाद रहेगा। जीवन साथी से वैमनस्य रहेगा। सन्तान रोग पीड़ित होगी। कार्यों में व्यवसायिक बाधायें आयेंगी। अपच, उदर विकार तथा कब्ज आदि रोगों से पीड़ित होंगे। 16 जनवरी से मास के अंत तक आय के नवीन साधन बनेंगे। उत्तम धनागम होगा। बहुमूल्य धातुयें क्रय होंगी। रोगों से छुटकारा मिलेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। भूमि-भवन से अचानक लाभ मिलेगा। विवादों का अन्त होगा। मन प्रसन्न रहेगा। शुभ दिवस-08, 10, 24 हैं। अशुभ दिवस-01, 03, 05, 12, 15, 17, 20, 22, 27, 29, 31 हैं।

फरवरी–26 फरवरी तक सामान्य दाम्पत्य सुख मिलेगा। कफजन्य बीमारियों से पीड़ित होंगे। विरोधियों से विवाद होगा। शासन-प्रशासन से भय की स्थिति बनेगी। राजकीय दंड का भुगतान करना होगा। व्यय बढ़ेगा। भाई अथवा सन्तान से वैचारिक मतभेद होंगे। स्वभाव में कुछ न कर पाने की विवशता से आक्रोश रहेगा। मास के अन्त में परिश्रम के अनुरूप परिणाम प्राप्त होंगे। आर्थिक कठिनाईयां समाप्त होंगी। जीवनयापन सुगम बनेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। उपहार मिलेगा। घर-परिवार का सुख रहेगा। वैवाहिक अड़चनें दूर होंगी। योग्य दम्पत्ति, सन्तान सुख प्राप्त करेंगे। शुभ दिवस-04, 06, 21, अशुभ दिवस-02, 09, 11, 14, 16, 18, 23, 25, 27 हैं।

मार्च–06 से 23 मार्च तक सन्तान के दायित्वों की पूर्ति के लिये मन चिन्तित रहेगा। लिक्विड कैश में कमी आयेगी। बुद्धि चातुर्य काम नहीं करेगा। आत्मविश्वास गिरेगा। खानपान बिगड़ेगा। मन में अन्जाना भय रहेगा। प्रयत्नों में असफलता से निराशा पनपेगी। किसी प्रियजन से अलग रहना होगा। 24 से 31 मार्च के मध्य विघ्न-बाधायें समाप्त होंगी। कार्य-व्यवहार सुचारु रूप से चलेगा। लाभकारी यात्रायें होंगी। सफलता मिलेगी। सम्बन्धियों तथा सहोदरों का सहयोग मिलेगा। सुखोपभोग की सामग्री क्रय करेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शिक्षा में रुचि रहेगी। शुभ दिवस-06, 08, 18, 22, 24, अशुभ दिवस-01, 03, 11, 13, 15, 20, 26, 28, 31 हैं।

अप्रैल–मास के प्रथम सप्ताह में रोग पीड़ित होंगे। कार्य व्यवसाय में रुकावट बनती दिखाई पड़ेगी। ई.एम.आई. चुकाने में कठिनाई अनुभव करेंगे। चोट लगेगी। स्थान परिवर्तन होगा। परिवार सुख में कमी रहेगी। द्वितीय तथा तृतीय सप्ताह में इण्टरव्यूज में सफल होंगे। पद मिलेगा, प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसायिक सफलता मिलेगी। भूमि-भवन से अचानक लाभ मिलेगा। घर-परिवार का सुख रहेगा। सामाजिक कार्यों में किसी के दुर्व्यवहार से कष्ट होगा। मिथ्या आरोप लगेंगे। मन अशान्त रहेगा। खानपान विगड़ेगा। चतुर्थ सप्ताह में यात्रायें निरस्त होंगी। शुभ दिवस-02, 04, 07, 09, 14, 18, 20, 29, अशुभ दिवस-12, 16, 23, 25, 27 हैं।

मई–मास के तीसरे सप्ताह तक कार्यों पर सुचारु रूप से ध्यान देने से सफलता मिलेगी। वरिष्ठों का अनुग्रह मिलेगा। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। आर्थिक उन्नति होगी। परिवार में मांगलिक उत्सव होंगे। प्रशासकीय सहयोग मिलेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। 23 मई से मासान्त तक महिलाओं के कारण कलह एवं कष्ट की स्थिति बनेगी। मानसिक व्यथा एवं शारीरिक पीड़ा का कारण बनेगा। शरीर में निर्बलता आयेगी। धन हानि होगी। विरोध एवं विरोधी प्रभावी होंगे। शुभ दिवस-02, 04, 07, 12, 16, 18, 27, 29, 31, अशुभ दिवस-09, 14, 20, 22, 24 हैं।

जून–26 जून सफल यात्रायें होंगी। घर-परिवार का सुख रहेगा। व्यवसायिक सन्तुष्टि रहेगी। बन्धु-बान्धवों तथा मित्रों के सहयोग से सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। व्यय पर नियन्त्रण बनेगा। रोग मुक्त होंगे। महिलाओं के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा। प्रेम-सम्बन्धों में सफलता मिलेगी। मित्रों तथा सहकर्मियों का सहयोग रहेगा। 27 जून से मासान्त तक अपौष्टिक भोजन से स्वास्थ्य खराब होगा। कार्यस्थल पर कठिन परिस्थितियों से सामना होगा। अवांछित मार्ग को अपनाकर मुसीबत मोल लेंगे। सुदूर स्थान की यात्रा होगी। शुभ दिवस-03, 12, 14, 23, 25, 28, 30, अशुभ दिवस-06, 08, 10, 16, 18, 20 हैं।

कार्यों में सफलता मिलेगी। पदोन्नति सम्बन्धी विरोध तथा वाद-विवाद समाप्त होंगे। स्थानान्तरण तथा यात्रायें निरस्त होंगी। दुर्घटनाओं से बचाव होगा। खोई हुई वस्तु प्राप्त होगी। विद्यार्थियों की शिक्षा में प्रगति होगी। परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। भय दूर होने से मानसिक शांति मिलेगी। ऐश्वर्य साधनों में कमी आयेगी। श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ होगा। शुभ दिवस-10, 12, 14, 22, 25, 28, अशुभ दिवस-03, 05, 08, 16, 18, 20, 30 हैं।

अगस्त–16 अगस्त तक प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सानिध्य मिलेगा। व्यवसायिक उन्नति होगी। विरोध समाप्त होगा। साक्षात्कार तथा नेगोशियेशन्स में सफलता मिलेगी। उपहार प्राप्त होंगे। शिक्षा में प्रगति होगी। अविवाहितों का विवाह योग बनेगा। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों मे इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। भूमि-भवन से लाभ के लिये उत्तम समय है। 17 अगस्त से मासांत तक निकटस्थ व्यक्तियो से धोखा मिलेगा। मन भयग्रस्त रहेगा। अपव्यय होगा। स्वभाव की कठोरता से हानि होगी। कार्यस्थल पर सावधानी पूर्वक कार्य करें। शुभ दिवस-01, 06, 08, 10, 19, 21, 24, 26। अशुभ दिवस-04, 12, 14, 16, 29, 31।

सितंबर–16 सितम्बर तक प्रशासकीय लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। उपहार प्राप्त करेंगे। 17 सितम्बर से मास के अन्त तक अधीनस्थों तथा सहायकों से प्रबल विरोध रहेगा। धन हानि होगी। स्वास्थ्य गिरेगा। महिला वर्ग से हानि होगी। प्रेमी युगलों के लिये समय अनुकूल नहीं है। भाग्योन्नति में अवरोध रहेगा। सुख सौभाग्य में कमी अनुभव होगी। भाग्योदय में रुकावट रहेगी। कार्यों में सफलता के लिये धैर्य पूर्वक प्रयास करें। शुभ दिवस-02, 04, 06, 09, 13, 15, 18, 20, 23, 29। अशुभ दिवस-11, 25, 27।

अक्टूबर–मास में व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। मतभेद समाप्त होंगे। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सन्तान के कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। शरीर तथा मन प्रफुल्लित रहेगा। स्वभाव में जिद तथा अहम बढ़ेगा। मनमाने व्यवहार से हानि होगी। शुभ दिवस-02, 04, 10, 12, 15, 17, 22, 27, 29, 31। अशुभ दिवस-06, 08, 20, 25।

नवंबर–आकस्मिक झगड़े-झंझटों से बचाव होगा। योजनाबद्ध कार्य करने से सफलता मिलेगी। अधिकार क्षेत्र बढ़ेगा। आय के नये मार्ग बनेंगे। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भूमि-भवन से लाभ होगा। वार्तालाप से प्रशासनिक अधिकारियों को संतुष्ट करने में सफल होंगे। भ्रम की स्थिति का निवारण होगा। मन की चंचलता समाप्त होगी। विवादों में मनोनुकूल परिणाम मिलेंगे। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। योग्य व्यक्तियों को सन्तान प्राप्ति का योग रहेगा। शुभ दिवस-07, 09, 11, 23, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 14, 16, 19, 21, 25, 29 हैं।

दिसंबर–27 दिसम्बर तक कला क्षेत्र में ख्याति प्राप्त करेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। साझेदारों का सहयोग मिलेगा। वैचारिक साम्यता बढ़ेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों मे अनुकूल परिणाम होंगे। विरोधी परास्त होंगे। सन्तान के कार्यों से प्रसन्नता होगी। दाम्पत्य जीवन का आनन्द रहेगा। यात्राओं में सफलता मिलेगी। 28 से 30 दिसम्बर के मध्य पारिवारिक मनमुटाव तथा वैचारिक मतभेद बनेंगे। मासांत में लग्जरी वस्तुयें क्रय करेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शुभ दिवस-04, 09, 18, 21, 23, 25, 29, 31 हैं। अशुभ दिवस-01, 06, 11, 14, 16, 27 हैं।

सिंह-टा, टी, टू, टे, मा, मी, मू, मे, मो

सिंह

स्वामी-सूर्य नग-माणिक शुभ

जनवरी २०२२–वर्ष के प्रारम्भ के दो सप्ताहों में प्रतिष्ठित व्यक्तियों से परिचय होगा। ... बढ़ेगा। पाचन सम्बन्धी रोगों से स्वास्थ्य खराब होगा। कार्यों में अपेक्षित सफलता का अभाव रहेगा। सन्तान की बीमारी से अथवा सन्तान के कारण कष्ट होगा। आर्थिक संकट बनेगा। अनुचित इच्छाओं तथा आकांक्षाओं के विचार बनेंगे। अवैधानिक कार्यों में रुचि लेने से हानि उठायेंगे। शुभ दिवस-01, 05, 10, 12, 17, 24, 27, 29, अशुभ दिवस-03, 08, 15, 20, 22, 31।

फरवरी–25 फरवरी तक व्यवसायिक क्षेत्र में असुविधा आयेगी। मतभेद होंगे। जीवन साथी से वैमनस्य रहेगा। सन्तान रोग पीड़ित होगी। यात्राओं में कष्ट रहेगा। धन तथा मान हानि से मन व्यथित रहेगा। 26 फरवरी में कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। विरोध समाप्त प्रायः रहेगा। विवादों का अन्त होगा। मान-प्रतिष्ठा तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। 27 तथा 28 फरवरी में परिस्थितियों के वशीभूत होकर समझौतों के लिये विवश होना पड़ेगा। यात्राओं में दुर्घटनाओं का भय रहेगा। शुभ दिवस-02, 06, 09, 14, 21, 23, 25, 27, अशुभ दिवस-04, 11, 16, 18 हैं।

मार्च–शरीर निस्तेज रहेगा। शिथिलता बढ़ेगी। व्यय अधिक होगा। यात्राओं तथा व्यवसाय में अपेक्षित लाभ से असन्तोष रहेगा। मन खिन्न होगा। राजकीय दंड लगेगा। प्रशासन से भय की स्थिति बनेगी। आर्थिक संकट बनेगा। बुद्धि-चातुर्य काम नहीं करेगा। मास के अन्त में आर्थिक कठिनाईयों का समाधान मिलेगा। परिश्रम के अनुरूप परिणाम प्राप्त होगा। रोग से छुटकारा मिलेगा। उपहार प्राप्त करेंगे। महिलाओं के माध्यम से लाभ मिलेगा। अतिरिक्त कार्यभार मिलेगा। स्थान परिवर्तन होगा। शुभ दिवस-01, 06, 08, 13, 15, 20, 22, 26, अशुभ दिवस: 03, 11, 18, 24, 28, 31।

अप्रैल–24 अप्रैल मिथ्या आरोपों से मन संतप्त रहेगा। वैचारिक मतभेद बढ़ेंगे। कामकाज में अवरोध बनेंगे। महत्वाकांक्षी कार्यों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। छिद्रान्वेषण की प्रवृति रहेगी। भाग्योदय ... सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सामाजिक कार्यों में किसी के दुर्व्यवहार से मन अशान्त होगा। विद्यार्थियों की शिक्षा में रुचि रहेगी। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में सफलता मिलेगी। नेगोशियेशन में फेवर मिलेगा। शुभ दिवस-02, 04, 12, 16, 18, 23, अशुभ दिवस-07, 09, 14, 20, 25, 27, 29 हैं।

मई–16 मई तक प्रतिष्ठित कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न होंगे। पदोन्नति का योग बनेगा। पारिवारिक सुख-समृद्धि बढ़ेगी। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। 17 मई से मासान्त तक ई.एम.आई. रिपेमेन्ट में कठिनाई आयेगी। कार्यों में अवरोध बनेंगे। भोगोपभोग की वस्तुओं से हानि होगी। चोट लगेगी। स्थान परिवर्तन होगा। बहुमूल्य वस्तु के खोने का भय रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य स्थगित होगा। प्रशासकीय कारणों से संकट में पड़ेंगे। रोग पीड़ित होंगे। पारिवारिक जीवन बाधित होगा। यात्रायें निरस्त होंगी। शुभ दिवस-02, 04, 09, 14, 18, 20, 29, 31, अशुभ दिवस-07, 12, 16, 22, 24, 27 हैं।

जून–प्रशासकीय कारणों से संकट में पड़ेंगे। रोग पीड़ित होंगे। पारिवारिक जीवन बाधित होगा। यात्रायें निरस्त होंगी। दूषित विचार बनेंगे। वरिष्ठों से मतभेद होंगे। प्रशासकीय सहयोग नहीं मिलेगा। मान-प्रतिष्ठा विपरीत रूप से प्रभावित होगी। शरीर निर्बल रहेगा। कार्यों पर सुचारु रूप से ध्यान नहीं दे पायेंगे। महिलाओं के कारण कलह एवं कष्ट की स्थिति बनेगी। अपमानजनक स्थिति बनेगी। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। आर्थिक हानि होगी। शुभ दिवस-03, 06, 10, 14, 16, 25, 28, 30, अशुभ दिवस-08, 12, 18, 20, 23 हैं।

जुलाई–16 जुलाई तक शुभ कार्यों में प्रवृति रहेगी। भूमि-भवन का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यवसाय तथा अन्य कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ मिलेगा। पदोन्नति होगी। प्रेम सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। 16 जुलाई से मासान्त तक व्यर्थ के वाद-विवादों में फसेंगे।

धनागम में कमी रहेगी। पारिवारिक सुख शांति भंग होगी। सन्तान के विषय में चिन्ता बनेगी। पारिवारिक सम्बन्धों में तनाव रहेगा। स्थान परिवर्तन होगा। सुदूर स्थान की यात्रा होगी। व्यवसायिक कठिनाईयां बनेंगी। शुभ दिवस-03, 12, 14, 20, 22, 30, अशुभ दिवस-05, 08, 10, 16, 18, 25, 28 हैं।

अगस्त–पहले सप्ताह में बैंक बाईटिंग से दूर रहें। झगड़े झंझट रहेंगे। अपव्यय होगा। बन्धन भय बनेगा। बातचीत में अभद्रता आयेगी। दुर्जनों से मेलजोल बढ़ेगा। दूसरे सप्ताह में नया सहयोग क्रियान्वित होगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। चोट लगने का भय रहेगा। कपड़े के व्यापार से हानि होगी। तीसरे सप्ताह में कार्यों में सफलता मिलेगी। लाभकारी यात्रायें होंगी। आर्थिक उन्नति होगी। मान-सम्मान मिलेगा। 21 अगस्त से मास के अन्त तक वाचालता तथा वाक्चातुर्य के साथ सम्बन्ध बनाये रखने के चक्कर में आर्थिक हानि होगी। बहुमूल्य वस्तु से हाथ धो बैठेंगे। शुभ दिवस-06, 10, 16, 24, 26, 31। अशुभ दिवस-01, 04, 08, 12, 14, 19, 21, 29।

सितंबर–तनाव समाप्त होगा। सरदर्द तथा नेत्र पीड़ा से छुटकारा मिलेगा। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मेल-मिलाप बढ़ेगा। विचारों में सात्विकता रहेगी। कृषि तथा वाणिज्य दोनों ही से लाभ प्राप्त करेंगे। 24 सितम्बर से मास के अन्त तक प्रशासकीय कारणों से मन व्यथित रहेगा। सन्तान सम्बन्धी चिन्तायें बनी रहेंगी। शरीर रोग ग्रस्त होगा। आर्थिक हानि होगी। शिक्षा तथा अध्ययन में मन नहीं लगेगा। कम्पीटीशन बढ़ेगा। शुभ दिवस-02, 04, 06, 13, 20, 23, 25, 27, 29 हैं। अशुभ दिवस-09, 11, 15, 18 हैं।

अक्टूबर–25 अक्तूबर तक धैर्यपूर्वक कार्य करेंगे। आर्थिक कठिनाई से बचे रहेंगे। रोजी-रोजगार तथा कार्यालय की उलझनें समाप्त होंगी। व्यवसायिक लाभ मिलेगा। परन्तु भूमि-भवन से लाभ में विलम्ब होगा। स्वास्थ्य गिरेगा। चले आ रहे मुकद्मों में इच्छित परिणाम नहीं मिलेंगे। महिलावर्ग से हानि होगी। प्रेमी युगलों के लिये समय अनुकूल नहीं है। 26 अक्तूबर से मासान्त तक विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। पारिवारिक उलझनें समाप्त होंगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा।

मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम तथा साहस का परिणाम मिलेगा। शुभ दिवस-02, 04, 08, 10, 12, 20, 27, 31 हैं। अशुभ दिवस-06, 15, 17, 22, 25, 29 हैं।

नवंबर–द्वितीय सप्ताह तक वांछित कार्यों में प्रगति होगी। मनोकामनायें पूर्ण होंगी। जीवन साथी का सहयोग रहेगा। सुख, वैभव तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी। आर्थिक लाभ मिलेगा। शरीर तथा मन प्रफुल्लित रहेगा। स्वभाव की जिद् तथा अहम से बचें, अधिक लाभ में रहेंगे। तीसरे सप्ताह से मासांत तक अपौष्टिक भोजन से स्वास्थ्य खराब होगा। मातृतुल्य महिलाओं से मनमुटाव होगा। व्यय बढ़ेगा। स्थाई सम्पत्ति की हानि होगी। किसी कार्यवश विदेश अथवा सुदूर स्थान की कष्टपूर्ण यात्रा होगी। शुभ दिवस-07, 09, 14, 16, 21, 23, 25, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 11, 19, 29 हैं।

दिसंबर–मास के द्वितीय सप्ताह तक अधिकार क्षेत्र बढ़ेगा। आय के नये मार्ग बनेंगे। विभिन्न स्त्रोतों से आय के कारण आर्थिक स्थिति सबल रहेगी। सन्तान सुख मिलेगा। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में अनुकूलता रहेगी। तीसरे तथा चौथे सप्ताह में विरोधी परास्त होंगे। अपव्यय होगा। मन व्यग्र रहेगा। यात्राओं में दुर्घटना का भय बनेगा। अधिकारियों से वाद-विवाद होंगे। विद्यार्थियों को परीक्षाओं में वांछित सफलता मिलेगी। किसी क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे। जॉब अपोरचुनिटी मिलेगी। मासांत घर-परिवार से अलग रहेंगे। शुभ दिवस-04, 06, 11, 18, 21, 23, 31। अशुभ दिवस-01, 09, 14, 16, 25, 27, 29।

कन्या-टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

कन्या

स्वामी-बुध नग-पन्ना शुभ

जनवरी २०२२–दूसरे सप्ताह तक मन में किसी के प्रति आकर्षण रहेगा। व्यग्रता बढ़ेगी। अपव्यय करेंगे। मित्रों से असुविधा होगी। अधिकारियों से विवाद होगा। यात्राओं में दुर्घटना का भय रहेगा। 16 जन. से मासांत तक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विधिसम्मत कार्य सम्पन्न करने में रुचि बनेगी। सुखोपभोग की वस्तुओं का संग्रह होगा। भूमि-भवन अथवा स्थाई सम्पत्ति अर्जित करेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा। नये स्थान पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। पदोन्नति तथा अधिकार सम्पन्नता का सुख रहेगा। शुभ दिवस-01, 08, 12, 15, 27, 29, अशुभ दिवस-03, 05, 10, 17, 20, 22, 24, 31 हैं।

फरवरी–पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। मानसिक तनाव रहेगा। कार्य-व्यवसाय में अवरोध बनेंगे। पाचन-सम्बन्धी रोगों से स्वास्थ्य खराब होगा। अनुचित इच्छाओं तथा आकांक्षाओं के विचार बनेंगे। अवैधानिक तथा असामाजिक कार्यों से हानि होगी। सन्तान के सम्बन्ध में चिन्तित रहेंगे। मास के अन्तिम दिनों में स्थिति में सुधार होगा। अतिरिक्त अधिकार मिलेंगे। आय के नवीन साधन बनेंगे। प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफल होंगे। सन्तान प्राप्ति का योग बनेगा। शुभ दिवस-04, 09, 11, 23, 25, अशुभ दिवस-02, 06, 14, 16, 18, 21, 27।

मार्च–लेखन अथवा कला क्षेत्र में ख्याति मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक उन्नति होगी। अध्ययन-अध्यापन में रुचि रहेगी। तीसरे सप्ताह से व्यवसायिक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। मन तथा शरीर थका-थका रहेगा। यात्रायें होंगी। व्यवसायिक मतभेद होंगे। विवादों में फसेंगे। मास के अन्त में कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। साझेदारों के साथ वैचारिक साम्यता बढ़ेगी। सन्तान के कार्यों से मन प्रसन्न रहेगा। अन्जानी-अनचाही विपत्ति से छुटकारा मिलेगा। शुभ दिवस-03, 08, 11, 20, 22, 24, अशुभ दिवस-01, 06, 13, 15, 18, 26, 28, 31 हैं।

अप्रैल–शुभ कार्य के लिये यात्रा होगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से परिचय होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में अनुकूल परिणाम होंगे। साझेदारों के साथ वैचारिक साम्यता रहेगी। सन्तान के कार्यों से प्रसन्नता मिलेगी। अन्जानी-अनचाही विपत्ति से छुटकारा मिलेगा। शेयर-मार्केट अथवा गेम्बलिंग से हानि होगी। केश फ्लो बिगड़ेगा। स्नेह सम्बन्धों तथा पार्टनरशिप के लिये समय अनुकूल रहेगा। 14 अप्रैल से मास के अन्त तक कफजन्य बीमारियों से पीड़ित होंगे। छिद्रान्वेषण की प्रवृति से मिथ्या आरोप लगेंगे। शुभ दिवस-02, 04, 07, 16, 18, 20, 29, अशुभ दिवस-09, 12, 14, 23, 25, 27।

मई–मिथ्या अपवादों से छुटकारा मिलेगा। प्रयत्नों में सफलता प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। मानसिक शांति मिलेगी। स्वास्थ्य सुधरेगा। वरिष्ठों तथा मित्रों का सहयोग रहेगा। तीसरे सप्ताह में जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट रहेगी। मानसिक तथा शारीरिक कष्ट होगा। चतुर्थ सप्ताह से सुखोपभोग में समय व्यतीत होगा। कष्ट मुक्त रहेंगे। विद्यार्थियों की शिक्षा में प्रगति होगी। प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। आर्थिक उन्नति होगी। सुखोपभोग में समय व्यतीत होगा। शुभ दिवस-02, 04, 12, 14, 16, 18, 22, 27, 29, 31, अशुभ दिवस-07, 09, 20, 24 हैं।

जून–प्रतिष्ठित कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न होगा। पदोन्नति होगी। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। पारिवारिक सुख-समृद्धि बढ़ेगी। उत्तम स्वास्थ्य का सुख मिलेगा। तीसरे सप्ताह में भोगोपभोग की वस्तुओं से हानि होगी। रोग ग्रस्त होंगे। प्रशासकीय कारणों से संकट में पड़ेंगे। यात्रायें निरस्त होंगी। मास के अन्त में सफलता मिलने का उत्साह रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। लोन चुकता होगा। ऐक्सीडेन्ट्स से बचाव होगा। घर-परिवार का सुख रहेगा। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में अनुकूलता रहेगी। शुभ दिवस-08, 10, 12, 14, 16, 18, 23, 25, 28, अशुभ दिवस-03, 06, 20, 30 हैं।

जुलाई–साक्षात्कारों में सफलता मिलेगी। पद प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यवसायिक उन्नति होगी। सामाजिक कार्यों में समय देंगे। परन्तु खानपान बिगड़ेगा। किसी के दुर्व्यवहार से मन अशान्त रहेगा। शरीर में निर्बलता आयेगी। महिलाओं के कारण पारिवारिक सुख में न्यूनता रहेगी। तीसरे सप्ताह से वरिष्ठों का अनुग्रह रहेगा। विभागीय सहयोग मिलेगा। रोगों से छुटकारा

रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक कार्य सम्पन्न होंगे। अधिकार क्षेत्र बढ़ेगा। शुभ दिवस-03, 05, 08, 10, 12, 14, 20, 25, 28, 30, अशुभ दिवस-16, 18, 22।

अगस्त–वार्तालाप से अनेक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसायिक वाद-विवाद समाप्त होंगे। विभागीय सहयोग मिलेगा। सम्मानजनक स्थिति बनेगी। स्वास्थ्य सुख रहेगा। विद्यार्थी शिक्षा में प्रगति करेंगे। परीक्षाओं में सफल होंगे। प्रेम-सम्बन्धी प्रकरणों में प्रगति होगी। तीसरे सप्ताह में कार्यों पर समुचित ध्यान नहीं दे पायेंगे। रोजगार हानि होगी। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। सुदूर स्थान की यात्रा होगी। 21 अगस्त से नवीन प्रोजेक्ट पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। सुखद परिवर्तन का अनुभव होगा। शुभ दिवस-04, 16, 21, 24, 31 हैं। अशुभ दिवस-01, 06, 08, 10, 12, 14, 19, 26, 29 हैं।

सितंबर–मास के प्रारम्भ के तीन सप्ताहों में आर्थिक उन्नति होगी; मान-सम्मान प्राप्त करेंगे। कार्यों में सफलता का सुख रहेगा। शारीरिक कष्ट एवं मानसिक व्यथा समाप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक सुख मिलेगा। परस्पर सम्बन्धों में सुधार होगा। लाभकारी यात्रायें होंगी। चतुर्थ सप्ताह में व्यापार से अपेक्षित लाभ में कमी रहेगी। सन्तान सुख में कमी रहेगी। अविवाहितों के विवाह में विलम्ब रहेगा। शिक्षा तथा अध्ययन में अधिक परिश्रम की आवश्यकता होगी। मन में सदाचार की भावना बनेगी। शुभ दिवस-02, 13, 20, 27, 29 हैं। अशुभ दिवस-04, 06, 09, 11, 15, 18, 23, 25 हैं।

अक्टूबर–16 अक्तूबर तक जॉब सैटिस्फेक्शन रहेगा। विदेश अथवा सुदूर स्थान की यात्रा निरस्त होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में कार्यकारी स्थितियां बनेंगी। कार्य करने का आनन्द मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। तीसरे सप्ताह में निकटस्थ व्यक्तियों से धोखा मिलेगा। मन व्यथित रहेगा। शिक्षा तथा अध्ययन में मन नहीं लगेगा। स्वभाव की कठोरता से विरोध बढ़ेगा। चतुर्थ सप्ताह में वाक्चातुर्य से लाभ मिलेगा। शिक्षा में प्रगति होगी। कम्पीटीशन योग रहेगा। शुभ दिवस-10, 17, 20, 25, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 06, 08, 12, 15, 22, 29, 31 हैं।

नवंबर–पदोन्नति होगी। वर्क प्रेशर रहेगा। कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। केरीहोम सेलरी कम रहेगी। आर्थिक कठिनाई अनुभव करेंगे। व्यवसायिक उलझनें बनेंगी। शारीरिक निर्बलता से कार्यों पर ध्यान नहीं दे पायेंगे। परिश्रम से बचने का प्रयास रहेगा। मित्रों के सहयोग से विरोध समाप्त होगा। मासान्त में उच्चाधिकारियों के सम्पर्क में आयेंगे। विभागीय सहायता मिलेगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। सद्व्यवहार से कठिनाईयों का समाधान कर पाने में सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शुभ दिवस-07, 11, 14, 21, 23 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 09, 16, 19, 25, 27, 29 हैं।

दिसंबर–आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भूमि-भवन के कार्यों में सफलता मिलेगी। स्थाई सम्पत्ति बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन का सुख रहेगा। शरीर तथा मन प्रफुल्लित रहेगा। 16 दिसम्बर से स्वभाव की जिद तथा अहम् से हानि होगी। व्यसनों से लगाव बढ़ेगा। यात्राओं में असुविधा होगी। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में असन्तोष रहेगा। मास के अन्त में अतिरिक्त अधिकार मिलेंगे। कार्य-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। प्रेमी-युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफल होंगे। शुभ दिवस-04, 09, 11, 18, 21, 31 हैं। अशुभ दिवस-01, 06, 14, 16, 23, 25, 27, 29 हैं।

तुला-रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

स्वामी-शुक्र नग-हीरा शुभ

जनवरी २०२२–परिश्रम के अनुरूप फल न मिल पाने से मन चिन्तित रहेगा। कार्यों की ... कारण सुख-शांति का अभाव रहेगा। मानसिक, शारीरिक तथा कुसमय के खानपान से स्वास्थ्य खराब होगा। यात्राओं में असुविधा होगी। भू-सम्पत्ति क्रय करने में अड़चनें आयेंगी। दाम्पत्य जीवन में मतभेद बढ़ेंगे। तार्किक क्षमता वाद-विवाद में परिवर्तित हो जायेगी। आत्मविश्वास डगमगायेगा। प्रशासनिक कर्मियों का कोपभाजन होंगे। मानहानि होगी। धातुओं के व्यापार से हानि होगी। शुभ दिवस-01, 12, 17, 20, 27, 29, अशुभ दिवस-03, 05, 08, 10, 15, 22, 24, 31 हैं।

फरवरी–26 फरवरी तक सामान्य सफलता मिलेगी। मित्रों तथा परिवारजनों का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा साथ ही व्यर्थ व्यय भी बढ़ने से मन में असंतोष रहेगा। प्रबल विरोध के चलते स्वयं को मानसिक रूप से असहाय अनुभव करेंगे। वाद-विवाद बढ़ेंगे। मन में प्रतिशोध का भाव जागृत होगा। अवैधानिक कार्यों की ओर झुकेंगे। दुर्घटना का भय बनेगा। भूमि-भवन तथा स्थाई सम्पत्ति सम्बन्धी समस्यायें उत्पन्न होंगी। स्थान परिवर्तन होगा। स्वभाव की जिद्द, अहम तथा मनमाने रवैये से हानि होगी। महिलाओं के माध्यम से लाभ मिलेगा। शुभ दिवस-09, 14, 16, 18, 23, 25 है। अशुभ दिवस-02, 04, 06, 11, 18, 21, 27 हैं।

मार्च–23 मार्च तक प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में प्रगति का अभाव रहेगा। आकस्मिक रूप से किसी झगड़े-झंझट में फसेंगे। कार्यों में अपेक्षित सफलता की कमी रहेगी। प्रशासनिक कारणों से हानि होगी। 24 से 30 मार्च के मध्य कला तथा शिक्षा क्षेत्र में ख्याति मिलेगी। सन्तोषजनक प्रगति होगी। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। मनोरंजन की सामग्री क्रय करेंगे। मास के अन्त में प्रेमी युगलों में विवाद होगा। विभागीय परीक्षायें स्थगित होंगी। पदोन्नति में विलम्ब होगा। शुभ दिवस-08, 13, 24, 26, अशुभ दिवस-01, 03, 06, 11, 15, 18, 20, 22, 28, 31 हैं।

अप्रैल–13 अप्रैल तक यात्राओं में कष्ट होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में विपरीत परिणाम प्राप्त होंगे। शार्ट-सर्किट तथा अग्निकांडों से हानि का भय रहेगा। वैचारिक साम्यता से साझेदारों का सहयोग मिलेगा। व्यवसायिक बाधायें समाप्त होंगी। अन्जानी विपत्ति से छुटकारा मिलेगा। मतभेद एवं विवाद समाप्त होंगे। विवाहितों का सन्तान योग रहेगा। 29 तथा 30 अप्रैल में स्वास्थ्य गिरेगा। व्यवसायिक समस्यायें बनेंगी। मन सात्विक कार्यों की ओर अग्रसर होगा। शुभ दिवस-02, 07, 20, 23, 29, अशुभ दिवस-04, 09, 12, 14, 16, 18, 25, 27 हैं।

मई–15 मई तक पूर्व में किये गये कार्यों का परिणाम मिलेगा। कफजन्य बीमारियों से पीड़ित होंगे। व्यय अधिक होगा। प्रशासकीय कारणों से भय की स्थिति बनेगी। दाम्पत्य सुख में बाधा आयेगी। 16 मई से स्वास्थ्य लाभ होगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। आय के नवीन साधन बनेंगे। आर्थिक कठिनाईयां समाप्त होंगी। धातुओं के व्यवसाय से लाभ होगा। कोर्ट-कचहरी के मामले पक्ष में निर्णीत होंगे। विवादों का अन्त होगा। किसी स्थान पर सम्मानित होंगे। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महिलाओं के माध्यम से लाभ मिलेगा। शुभ दिवस-04, 16, 18, 20, 31, अशुभ दिवस-02, 07, 10, 12, 14, 22, 24, 27, 29 हैं।

जून–26 जून तक मिथ्या आरोपों से छुटकारा मिलेगा। कार्य सम्पन्न करने के लिये किये गये प्रयत्नों में सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य सुधरेगा। अकारण भय का निवारण होगा। किसी प्रियजन से सम्पर्क होगा। वरिष्ठों, मित्रों तथा सहोदरों का सहयोग रहेगा। शिक्षा में प्रगति रहेगी। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में सफल होंगे। 27 जून से व्यर्थ व्यय होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। आंख अथवा पेट के रोगों से कष्ट रहेगा। परिवार के सदस्यों से वैचारिक मतभेद होंगे। शुभ दिवस-14, 16, 28, अशुभ दिवस-03, 06, 08, 10, 12, 18, 20, 23, 25, 30 हैं।

जुलाई–11 जुलाई तक कार्यों में विलम्ब होगा। छिद्रान्वेषण की प्रवृति से झूठे आरोपों से घिरेंगे। 12 जुलाई में स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक लाभ होगा। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। 13 से 16 जुलाई के बीच बहुमूल्य वस्तु के

खोने की आशंका रहेगी। विभागीय कारणों से संकट में पड़ेंगे। व्यर्थ वाद-विवादों से बच सके तो लाभ होगा। 17 जुलाई के बाद वाक्‌चातुर्य से विरोध समाप्त होगा। व्यवसायिक सफलता मिलेगी। पदोन्नति होगी। पारिवारिक सुख रहेगा। सामाजिक कार्यों में समय देंगे। परन्तु किसी के दुर्व्यवहार से मन अशान्त रहेगा। शुभ दिवस-12, 14, 18, 20, 25, अशुभ दिवस-03, 05, 08, 10, 16, 22, 28, 30।

अगस्त–आर्थिक उन्नति होगी। विरोध समाप्त होगा। महिलाओं के माध्यम से लाभ होगा। सन्तान के सम्बन्ध में चिन्तित रहेंगे। 10 से 16 अगस्त के मध्य कैश फ्लो बिगड़ेगा। ऋण चुकता करने में कठिनाई आयेगी। स्थान परिवर्तन का योग होने से पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। चोट लगने का भय रहेगा। 17 अगस्त से मास के अन्त तक पदोन्नति सम्बन्धी विवाद समाप्त होंगे। व्यवसायिक उन्नति होगी। सीनीयर्स का अनुग्रह रहेगा। विभागीय सहयोग मिलेगा। इण्टरव्यूज तथा नेगोशियेशन में अनुकूल परिणामों की प्रसन्नता रहेगी। परिवार में मांगलिक उत्सव होगा। शुभ दिवस-01, 04, 08, 10, 12, 14, 21, 29, 31 हैं। अशुभ दिवस-06, 16, 19, 24, 26।

सितंबर–व्यवसायिक स्थिति कठिन बनेगी। कार्यों में अवरोध आयेगा। यात्रा में किसी वस्तु की चोरी होगी। स्थान परिवर्तन होगा। व्यय बढ़ेगा। नौकरी-पेशा वर्ग में टर्मिनेशन सस्पेन्शन का भय रहेगा। आंखों तथा उदर सम्बन्धी रोगों से कष्ट रहेगा। चोट लगेगी। सफेद वस्तुओं के कारोबार में हानि होगी। मास के अन्तिम सप्ताह में शुभ परिणाम मिलेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सुख ऐश्वर्य के साधन बनेंगे। नया सहयोग क्रियान्वित होगा। नये मित्र बनेंगे। किसी नये स्थान पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। घर-परिवार का सुख रहेगा। शुभ दिवस-06, 11, 18, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 09, 13, 15, 20, 23, 25, 29 हैं।

अक्टूबर–25 अक्तूबर तक व्यवसायिक तथा आर्थिक उन्नति होगी। सुगन्धित द्रव्यों के व्यवसायी लाभ में रहेंगे। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन होगा। मान-सम्मान मिलेगा। शारीरिक निर्बलता दूर होगी। यात्राओं से लाभ मिलेगा। सम्बन्धों में मधुरता आयेगी। मन भोग विलास की ओर आकर्षित होगा। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ मिलेगा। अविवाहितों का विवाह का योग बनेगा। शिक्षा तथा अध्ययन में प्रगति का सन्तोष रहेगा। 26 अक्तूबर के बाद व्यर्थ व्यय के कारण परिवार से विरोध होगा। बातचीत में अभद्र भाषा का प्रयोग करेंगे। सम्बन्ध खराब होंगे। झगड़े-झंझट बढ़ेंगे। जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। शुभ दिवस-02, 04, 08, 15, 25, 29, 31। अशुभ दिवस-06, 10, 12, 17, 20, 22, 27।

नवंबर–13 नवम्बर तक प्रशासकीय लाभ तथा अनुग्रह मिलने का उत्साह रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। शिक्षा तथा अध्ययन में रुचि रहेगी। बहुमूल्य वस्तुयें प्राप्त करेंगे। विरोधी परास्त होंगे। स्वास्थ में सुधार होगा। एक्सीडेंट्स से बचाव होगा। लोन फ्री होंगे। 13 से 15 नवम्बर के मध्य सम्बन्धियों के कारण आर्थिक हानि का योग रहेगा। बहुमूल्य वस्तु खोने से मन चिंतित रहेगा। मतभेद होंगे। वाचालता तथा वाक्‌चातुर्य से हानि होगी। शिक्षा में असंतोषजनक प्रगति होगी। 16 नवम्बर से मासान्त तक मानसिक तनाव से मुक्त होंगे। कृषि तथा वाणिज्य दोनों ही से लाभ प्राप्त करेंगे। शुभ दिवस-04, 07, 11, 21, 23, 25, 27। अशुभ दिवस-02, 09, 14, 16, 19, 29।

दिसंबर–15 दिसम्बर तक विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। परिश्रम तथा साहस से कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यय पर नियन्त्रण बनेगा। आर्थिक कठिनाई से बचे रहेंगे। नवीन कार्य प्रारम्भ होगा। सद्व्यवहार से परिस्थितियां अनुकूल बनेंगी परन्तु अधीनस्थों तथा सहायकों के कार्यों से कष्ट होगा। शासकीय कारणों से प्रताड़ित होंगे। 16 दिसम्बर से मास के अन्त तक उच्चाधिकारियों के सम्पर्क में आयेंगे। विभागीय उलझनें समाप्त होंगी। दूसरे के विचारों को यथायोग्य समाहित कर कार्य करने पर लाभ मिलेगा। भूमि-भवन के कार्यों में सफलता मिलेगी। शुभ दिवस-01, 06, 09, 18, 23, 25, 29 हैं। अशुभ दिवस-04, 11, 14, 16, 21, 27, [illegible] हैं।

वृश्चिक-तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

वृश्चिक

स्वामी-मंगल नग-मूंगा शुभ

जनवरी २०२२–मास पर्यन्त स्वस्थ रहेंगे। तनाव समाप्त होगा। दुर्बलता दूर होगी। परिश्रम के अनुरूप परिणाम प्राप्त होंगे। उच्चाधिकारियों के सम्पर्क में आयेंगे। विभागीय भय समाप्त होगा। खोई वस्तु तथा उधार दिया गया पैसा वापस मिलेगा। पुत्र तथा मित्रों के माध्यम से धन लाभ होगा। विरोधियों पर नियन्त्रण रहेगा। नया अभिगम प्रारम्भ होगा। किसी नये स्थान पर कार्यभार सभांलने का अवसर प्राप्त होगा। अपने सद्व्यवहार से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। घर परिवार का सुख मिलेगा। विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होंगे। शुभ दिवस-01, 03, 10, 12, 15, 22, 27, 29, 31, अशुभ दिवस-05, 08, 17, 20, 24 हैं।

फरवरी–26 फरवरी तक कार्यों की असफलता से मन निराश रहेगा। परिवार में झगड़े-झंझट होंगे। यात्राओं में असुविधा होगी। भू-सम्पत्ति के मामलों में अवरोध आयेंगे। तर्क-वितर्क विवादों में परिवर्तित होंगे। प्रशासन तथा प्रशासनिक कर्मियों का कोपभाजन होंगे। आत्मविश्वास गिरेगा। मानहानि होगी। धातुओं के व्यापार में किसी बहुमूल्य धातु के कारण हानि होगी। भाग्योदय में रुकावट रहेगी। मास के अन्त में रोजी रोजगार तथा कार्यालय की उलझनें समाप्त होंगी। व्यवसायिक लाभ मिलेगा। आर्थिक कठिनाई दूर होगी। शुभ दिवस-06, 09, 11, 18, 21, 23, 27, अशुभ दिवस-02, 04, 14, 16, 25 हैं।

मार्च–भूमि-भवन के कार्यों में सफलता मिलेगी। स्थाई सम्पत्ति का विस्तार होगा। विभिन्न माध्यमों से लाभ होगा। [illegible] बढ़ेगा। व्यर्थ व्यय पर नियन्त्रण कर पाने में सफल रहेंगे। भ्रम की स्थिति का निवारण होगा। विभागीय अधिकारियों को संतुष्ट करने का प्रयास अच्छे परिणाम देगा। उच्च पदस्थ व्यक्तियों का अनुग्रह रहेगा। पारिवारिक जीवन का सुख मिलेगा। आत्मविश्वास से व्यक्तित्व में प्रखरता आयेगी। यात्राओं में दुर्घटना से बचाव होगा। उत्तम स्वास्थ्य का सुख रहेगा। विद्यार्थी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। प्रेम-सम्बन्धों में प्रगति होगी। शुभ दिवस-06, 08, 26, 28, अशुभ दिवस-01, 03, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 24, 31 हैं।

अप्रैल–13 अप्रैल तक स्थाई सम्पत्ति सम्बन्धी समस्याओं का समाधान मिलेगा। विधि-सम्मत कार्य होंगे। वैभवी वस्तुओं का संग्रह होगा। स्थान परिवर्तन स्थगित होगा। शैक्षणिक कार्यों में प्रगति होगी। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में सफल रहेंगे। मन एडवेंचरस कार्यों की ओर आकर्षित होगा। प्रशासकीय लाभ मिलेगा। 14 से 24 अप्रैल के मध्य कार्यों में अपेक्षित सफलता में कमी रहेगी। 25 अप्रैल से मास के अन्त तक योग्य व्यक्तियों को सन्तान प्राप्ति का योग रहेगा। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पदोन्नति का अवसर आयेगा। शुभ दिवस-04, 07, 09, 12, 23, 25, अशुभ दिवस-02, 14, 16, 18, 20, 27, 29 हैं।

मई–यात्राओं में कष्ट रहेगा। समय-कुसमय का भोजन होगा। व्यवसायिक बाधायें बनेंगी। सन्तान रोग पीड़ित होगी। मन में अनुचित विचार बनेंगे। असामाजिक कार्यों की ओर अग्रसर होंगे। आर्थिक स्थिति कठिन होगी। जीवन साथी से वैमनस्य रहेगा। पारिवारिक मतभेद बनेंगे। 23 मई से ग्रह गोचर में परिवर्तन के साथ ही इच्छित कार्यों में सफलता मिलेगी। साझेदारों के साथ वैचारिक साम्यता बढ़ेगी। वाद-विवाद तथा कोर्ट-कचहरी के मामले पक्ष में निर्णित होंगे। सन्तान के कार्यों से प्रसन्नता मिलेगी। अन्जानी- अनचाही विपत्ति से छुटकारा मिलेगा। शुभ दिवस-02, 07, 09, 20, 22, अशुभ दिवस-04, 12, 14, 16, 18, 24, 27, 29, 31 हैं।

जून–उच्च रक्तचाप अथवा कफजन्य बीमारियों से पीड़ित होंगे। पूर्व में किये गये नियम विरुद्ध कार्यों के कारण मुसीबत में पड़ेंगे। शासन-प्रशासन का भय रहेगा। राजकीय दंड लगेगा। दाम्पत्य जीवन में साथी से विरोध होगा। अपमानजनक स्थिति बनेगी। 18 जून से आय के नवीन विकल्प बनेंगे। धनागम बढ़ेगा। आर्थिक कठिनाईयां समाप्त होंगी। रोगों से छुटकारा मिलेगा। उपहार मिलेगा। महिलाओं के माध्यम से लाभ होगा। विवादों का अन्त होगा। परिवार में आनन्दोत्सव होंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शुभ दिवस-03, 06, 16, 18, 30, अशुभ दिवस-08, 10, 12, 14, 20, 23, 25, 28 हैं।

जुलाई–11 जुलाई तक सन्तान सुख बाधित रहेगा। करीहोम आय कम रहेगी। कार्यों में असफलता से विपक्ष को मुखर होने का अवसर मिलेगा। बुद्धि चातुर्य काम नहीं करेगा। खानपान बिगड़ेगा। मन में चिन्ता बढ़ेगी। 12 से 15 जुलाई के मध्य साक्षात्कारों तथा नेगोशियंसन्स में सफल होंगे। नौकरी मिलेगी परन्तु आर्थिक संकट बना रहेगा। शिक्षा में अवरोध बनेगा। 16 जुलाई से आरोपों से छुटकारा मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी प्रियजन के सम्पर्क में आयेंगे। 17 जुलाई से मासान्त तक यात्राओं में असुविधा होगी। छिद्रान्वेषण से वैमनस्य बढ़ेगा। प्रेम-सम्बन्धों में विवाद होगा। शुभ दिवस-03, 14, 16, 22, 28, 30, अशुभ दिवस-05, 08, 10, 12, 18, 20, 25 हैं।

अगस्त–06 अगस्त तक वाचालता से हानि होगी। व्यर्थ समय नष्ट करेंगे। परिवार सुख में कमी रहेगी। किसी के दुर्व्यवहार से मन अशान्त रहेगा। 07 से 20 अगस्त तक भाग्योन्नति होगी। अपेक्षा से अधिक सफलता मिलेगी। शरीर स्वस्थ्य रहेगा। भोगोपभोग की वस्तुयें क्रय करेंगे। भाईयों में स्नेह रहेगा। लम्बी दूरी की यात्रायें होंगी। आकांक्षाओं तथा इच्छाओं की पूर्ति होगी। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य मिलेगा। 21 अगस्त से मासान्त तक सन्तान के विषय में चिन्तित रहेंगे। व्यय बढ़ेगा। शरीर में कमजोरी रहेगी। शुभ दिवस-10, 12, 19, 24, 26, 31 हैं। अशुभ दिवस-01, 04, 06, 08, 14, 16, 21, 29 हैं।

सितंबर–मास में वरिष्ठों का अनुग्रह प्राप्त होगा। विभागीय सहयोग मिलेगा। व्यवसाय एवं अन्य कार्यों में सफलता मिलेगी। पद-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान प्राप्त होगा। धन लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। नये व्यवसायिक अनुबंध होंगे। पारिवारिक मांगलिक उत्सव से मन प्रसन्न रहेगा। मन कर्म में सात्विकता आयेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। प्रेम-सम्बन्धों में प्रगति होगी। नये अनुबंध होंगे। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में अनुमानित परिणाम मिलेंगे। नवीन स्थान पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। शुभ दिवस-06, 09, 11, 15, 20, 23। अशुभ दिवस-02, 04; 13, 18, 25, 27, 29।

अक्टूबर–मास में अरिष्ट फल अधिक अनुभव होंगे। स्थान परिवर्तन होगा। सुदूर स्थान की यात्रा होगी। नये मित्र बनेंगे। किसी वस्तु की चोरी अथवा खोने का भय रहेगा। कार्य में रुकावट तथा बाधायें बनती दिखाई पड़ेंगी। नौकरी-पेशा वर्ग में टर्मिनेशन, सस्पेन्शन तथा स्वरोजगार कर रहे व्यक्तियों को रोजगार हानि का सामना करना पड़ेगा। किसी नये प्रोजेक्ट पर कार्य करेंगे। धारदार वस्तु से चोट लगेगी। पारिवारिक सुख में कमी आयेगी। भोग-विलास के साधनों पर अधिक व्यय करेंगे। साधारण आर्थिक लाभ मिलेगा। ई.एम.आई. चुकाने में देरी होगी। शिक्षा में विघ्न रहेगा। क्रियेटिविटी में कमी आयेगी। शुभ दिवस-06, 12, 17, 20 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 08, 10, 15, 22, 25।

नवंबर–13 नवम्बर तक विरोधी मुखर रहेंगे। धन प्राप्ति में बाधा आयेगी। मन भोग विलास से हटेगा। अविवाहितों के विवाह में देरी होगी। सौन्दर्य प्रसाधनों से हानि होगी। शिक्षा तथा अध्ययन में प्रगति का अभाव रहेगा। बैंक बाईटिंग से दूर रहने से अपेक्षाकृत लाभ में रहेंगे। अभद्र भाषा से हानि होगी। झगड़े-झंझट बढ़ेंगे। 16 नवम्बर से सम्बन्धों में सुधार होगा। पारिवारिक सुख मिलेगा। मानसिक व्यथा समाप्त होगी। स्वास्थ्य लाभ होगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। लाभकारी यात्रायें होंगी। आर्थिक लाभ मिलेगा। शुभ दिवस-02, 14, 29 हैं। अशुभ दिवस-04, 07, 09, 11, 16, 19, 21, 23, 25, 27 हैं।

दिसंबर–05 दिसम्बर तक अत्याधिक वाक्चातुर्य से बचें। शिक्षा में धीमी प्रगति से असंतोष होगा। 06 से 28 दिसम्बर के मध्य प्रशासकीय लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। बहुमूल्य उपहार मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। विचारों में सात्विकता आयेगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। व्यवसायिक लाभ मिलेगा। इसके बाद विभागीय कारणों से प्रताड़ित होंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मतभेद होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के खोने से मन चिंतित रहेगा परन्तु आर्थिक कठिनाई से बचे रहेंगे। शुभ दिवस-06, 09, 11, 23, 25, 27, 29 हैं। अशुभ दिवस-01, 04, 14, 16, 18, 21, 31 हैं।

धनु-ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

स्वामी-गुरु नग-पुखराज शुभ

जनवरी २०२२–स्वास्थ्य लाभ होगा। आपरेशन अथवा चोट लगने की आशंका दूर होगी। अग्निकांड अथवा फूड प्वाईजनिंग से बचाव होगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। बन्धु-बान्धवों का सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। असामाजिक तत्वों से पीछा छूटेगा। कार्यों में सफलता का सुख रहेगा। यात्राओं से लाभ मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साक्षात्कारों में सफल होंगे। नया अनुबंध मिलेगा। अविवाहितों का विवाह का योग। प्रेम-प्रकरणों में प्रगति। शुभ दिवस-01, 05, 08, 12, 15, 17, 20, 27, 29, 31, अशुभ दिवस-03, 10, 22, 24।

फरवरी–परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। सभी कार्यों में सफल होंगे। स्वभाव तथा वाणी में नम्रता रहेगी। दुर्जनों से पीछा छूटेगा। राजकीय भय समाप्त होगा। चोरी अथवा अग्निकांड से बचेंगे। उच्चाधिकारियों से सम्पर्क बनेंगे। मान, सम्मान तथा प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। पुत्र तथा मित्रों के माध्यम से धन लाभ होगा। किसी नये स्थान पर कार्यभार संभालने का अवसर प्राप्त होगा। अपने सद्व्यवहार से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। मानसिक दृढ़ता रहेगी। अविवाहितों का विवाह योग रहेगा। शुभ दिवस-02, 04, 09, 11, 14, 16, 25, 27. अशुभ दिवस-06, 18, 21, 23 हैं।

मार्च–मानसिक तथा शारीरिक व्यथायें समाप्त होंगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनेगी। सुख-ऐश्वर्य रहेगा। व्यसनों से बचेंगे। सुविधापूर्ण यात्राओं से लाभ होगा। भू-सम्पत्ति के मामलों में लाभ मिलेगा। दाम्पत्य-जीवन का सुख रहेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा। मान-सम्मान मिलेगा। सहयोगियों के अनुभव तथा समर्पण से सफलता मिलेगी। नया सहयोग क्रियान्वित होगा। प्रतिष्ठित कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न होंगे। पदोन्नति होगी। सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। महिलाओं का सहयोग मिलेगा तथा उनके माध्यम से लाभ मिलेगा। शुभ दिवस-01, 03, 08, 11, 13, 15, 18, 20, अशुभ दिवस-06, 22, 24, 26, 28, 31।

अप्रैल–धनागमन प्रभावित होगा। स्वास्थ्य निर्बल रहेगा। विरोधी प्रभावी होंगे, उनका वर्चस्व बढ़ेगा। परिश्रम के अनुरुप फल न मिल पाने की निराशा रहेगी। कार्यों की असफलता से मन खिन्न रहेगा। उत्साह तथा उमंग का अभाव रहेगा। मान, पद तथा प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रशासन तथा प्रशासनिक कर्मियों का कोपभाजन होंगे। तार्किक क्षमता, वाद-विवाद में परिवर्तित हो जायेगी। आत्म विश्वास डगमगायेगा। धातुओं के व्यापार में किसी बहुमूल्य धातु के कारण हानि होगी। मन व्यग्र रहेगा। शुभ दिवस-02, 07, 09, 14, 16, 23, अशुभ दिवस-04, 12, 18, 20, 25, 27, 29।

मई–पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। ऐश्वर्य तथा दैनिक उपभोग की वस्तुओं का संग्रह होगा। भूमि-भवन तथा स्थाई सम्पत्ति सम्बन्धी समस्यायें बढ़ेंगी। माता अथवा मातृतुल्य महिलाओं को कष्टों से छुटकारा मिलेगा। मान-सम्मान,

प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विधि सम्मत कार्य सम्पन्न करने में रुचि बनेगी। स्थान परिवर्तन स्थगित होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि अनुभव करेंगे। रोगों से छुटकारा मिलेगा। देश के अन्दर ही लम्बी दूरी की यात्रायें करेंगे। शुभ दिवस-04, 12, 14, 16, 24, 31, अशुभ दिवस-02, 07, 09, 18, 20, 22, 27, 29 हैं।

जून–मतभेद समाप्त होंगे। वाद-विवादों का अन्त होगा। जीवन साथी से सम्बन्धों में प्रगाढ़ता आयेगी। सन्तान सुख मिलेगा। कार्यों में सफलता का सुख रहेगा। व्यवसायिक उन्नति होगी। लम्बी यात्राओं में लाभ मिलेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। धन तथा मान सम्मान बढ़ेगा। 27 जून से सन्तान की बीमारी से अथवा सन्तान के कारण कष्ट होगा। अनुचित इच्छाओं तथा आकांक्षाओं के विचार बनेंगे। अवैधानिक तथा असमाजिक कार्यों में रुचि होगी। गौरव, मान तथा प्रतिष्ठा में कमी आयेगी। शुभ दिवस-06, 08, 12, 20, 28, अशुभ दिवस-03, 10, 14, 16, 18, 23, 25, 30 हैं।

जुलाई–स्वयं के किये गये कार्यों का शुभ परिणाम मिलेगा। विवाद समाप्त होंगे। विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। उच्च रक्तचाप, ज्वर अथवा खांसी आदि कफजन्य बीमारियों से छुटकारा मिलेगा। अपच दूर होगा। शासन-प्रशासन का सहयोग मिलेगा। राजकीय पुरस्कार मिलेगा। भाग्योन्नति का सुख रहेगा। दाम्पत्य-जीवन का सुख रहेगा। भय तथा अपमान की स्थिति समाप्त होगी। व्यय पर नियन्त्रण बनेगा। बहुमूल्य उपहार मिलेगा। देश के अन्दर लम्बी दूरी की यात्रायें करेंगे। शुभ दिवस-03, 05, 14, 28, अशुभ दिवस-08, 10, 12, 16, 18, 20, 22, 25, 30 हैं।

अगस्त–आय के नवीन साधनों से अपेक्षित लाभ नहीं होगा। बहुमूल्य धातुओं की हानि होगी। आनन्द उत्सवों में बाधा आयेगी। रोग ग्रस्त होंगे। कार्यों में विलम्ब होने तथा प्रगति के अभाव से मन खिन्न रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में विपरीत परिणाम मिलेंगे। विरोधियों का वर्चस्व बढ़ेगा। मन अज्ञात कारणों से भयग्रस्त रहेगा। प्रयत्नों में असफलता से मन निराश तथा खिन्न रहेगा। आत्मविश्वास गिरेगा। किसी प्रियजन से अलग रहना होगा। वरिष्ठों, मित्रों तथा सहोदरों से विरोध होगा। मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। यात्राओं में असुविधा तथा हानि होगी। शुभ दिवस-01, 04, 12, 14, 24, 26 हैं। शुभ दिवस-06, 08, 10, 16, 19, 21, 29, 31 हैं।

सितंबर–धन लाभ होगा। उत्तम स्वास्थ्य सुख रहेगा। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। सज्जनों के माध्यम से लाभ होगा। किसी प्रतिष्ठित कार्य के सफलता पूर्वक सम्पन्न होने का आनन्द रहेगा। पद तथा अधिकार मिलेंगे। अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। बहुमूल्य वस्तुयें प्राप्त होंगी। सन्तान के कार्यों से प्रसन्नता रहेगी। स्थान परिवर्तन स्थगित होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि अनुभव करेंगे। भूमि-भवन तथा स्थाई सम्पत्ति के कार्यों में प्रगति होगी। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफल होंगे। शुभ दिवस-06, 11, 18, 20, 23, 25, 29 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 09, 13, 15, 27 हैं।

अक्टूबर–सुखोपभोग में कमी आयेगी। परिवारजनों विशेषकर जीवन साथी से मनोमालिन्य रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। स्वजनों से मानसिक तथा शारीरिक कष्ट होगा। भाई से विग्रह तथा सन्तान से वैचारिक मतभेद से नपुंसक क्रोध जन्मेगा। नेत्र तथा उदर रोगों से पीड़ा होगी। 17 अक्टूबर के बाद आर्थिक लाभ मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान में वृद्धि होगी। वरिष्ठों का अनुग्रह प्राप्त होगा। घर में किसी आध्यात्मिक अथवा मांगलिक उत्सव से मन प्रसन्न रहेगा। स्वभाव में सात्विकता रहेगी। प्रशासनिक सहयोग मिलेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। शुभ दिवस-08, 10, 17, 22, 25, 31। अशुभ दिवस-02, 04, 06, 12, 15, 20, 27, 29 हैं।

नवंबर–पारिवारिक सम्बन्धों में तनाव रहेगा। स्थान परिवर्तन होगा। सुदूर स्थान की यात्रा होगी। कार्य स्थल पर, रोजी रोजगार में कठिन परिस्थितियां उत्पन्न होंगी। नौकरी-पेशा वर्ग में सस्पेन्शन तथा स्वरोजगार कर रहे व्यक्तियों को रोजगार हानि का सामना करना पड़ेगा। प्रशासनिक भय रहेगा। व्यय बढ़ेगा। सम्बन्ध खराब होंगे। अपमानजनक स्थितियां बनेंगी। आंखों तथा उदर सम्बन्धी रोगों से कष्ट रहेगा। पठन-पाठन, अध्ययन-अध्यापन से अरुचि रहेगी। इण्टरव्यूज में असफलता से मन खिन्न रहेगा। शुभ दिवस-11, 14, 16, 19, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 04, 07, 09, 21, 23, 25, 29 हैं।

दिसंबर–शारीरिक पीड़ा, कष्ट एवं मानसिक व्यथा समाप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। रक्तचाप अथवा हृदय रोग का भय समाप्त होगा। पारिवारिक उलझनें दूर होंगी। घर-परिवार का सुख रहेगा। सज्जनों, मित्रों तथा सम्बन्धियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यों में सफल होंगे। यात्राओं से लाभ होगा। स्वभाव में विनम्रता आयेगी। बहुमूल्य उपहार प्राप्त करेंगे। किसी नये स्थान पर कार्यभार संभालने का अवसर प्राप्त होगा। अपने सद्व्यवहार से परिस्थितियों को अनुकूल करने में सफलता मिलेगी। शुभ दिवस-01, 09, 11, 14, 25, 29। अशुभ दिवस-04, 06, 16, 18, 21, 23, 27, 31।

मकर-भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

मकर

स्वामी-शनि नग-नीलम शुभ

जनवरी २०२२–शारीरिक पीड़ा, कष्ट एवं मानसिक व्यथा समाप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। रक्तचाप अथवा हृदय रोग की सम्भावना समाप्त होगी। पारिवारिक उलझनें दूर होंगी। घर-परिवार का सुख रहेगा। सज्जनों, मित्रों तथा सम्बन्धियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यों में सफल होंगे। यात्राओं से लाभ होगा। स्वभाव में विनम्रता आयेगी। 16 जनवरी से व्यय बढ़ेगा। किसी कारणवश घर से दूर रहना होगा। नेत्र-रोग से पीड़ित होंगे। पारिवारिक झगड़े-झंझटों से परेशान रहेंगे। मान-सम्मान की हानि होगी। दाम्पत्य जीवन में मतभेद बनेंगे । परीक्षाओं में सफलता के लिये अतिरिक्त परिश्रम की आवश्यकता होगी। शुभ दिवस-05, 17, 20, 24, 27, अशुभ दिवस-01, 03, 08, 10, 12, 15, 22, 29, 31 हैं।

फरवरी–दुर्जन तथा निम्नस्तरीय व्यक्तियों से मेल-मिलाप बढ़ेगा। स्वयं के विचारों में धूर्तता का समावेश होगा। कृषि तथा वाणिज्य दोनों ही में हानि होगी अतः विचारपूर्वक कार्य करें। धन हानि के प्रति सावधान रहें। अतिप्रिय एवं निकटस्थ व्यक्तियों से धोखा मिल सकता है। अपने स्वभाव की कठोरता से मुक्ति पाने का प्रयास करें। 26 फरवरी से आपरेशन अथवा चोट लगने का भय दूर होगा। असामाजिक तत्वों से पीछा छूटेगा। कार्यों में सफलता का सुख रहेगा। यात्राओं से लाभ मिलेगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। बन्धु-बान्धवों का सहयोग मिलेगा। शिक्षा तथा अध्ययन में सफलता मिलेगी। अविवाहितों के विवाह का योग बनेगा। विवाहित दम्पत्तियों को सन्तान सुख मिलेगा। शुभ दिवस-02, 14, 16, 21, 23, अशुभ दिवस-04, 06, 09, 11, 18, 25, 27 हैं।

मार्च–बहुमूल्य वस्तुयें तथा उपहार प्राप्त करेंगे। सभी प्रकार के आनन्द रहेंगे। सुखोपभोग की वस्तुओं का संग्रह होगा। प्रतिष्ठित एवं सम्मानित व्यक्तियों के सानिध्य में रहेंगे। वाक्चातुर्य से लाभ मिलेगा। शिक्षा में प्रगति होगी। 15 मार्च से किसी नये स्थान पर कार्यभार संभालने का अवसर हाथ से निकलेगा। अपने व्यवहार से कार्यों की हानि करेंगे। उच्चाधिकारियों से मतभेद बनेंगे। विरोध बढ़ेगा। परिश्रम तथा साहस में कमी आयेगी। मासान्त में योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ मिलेगा' मतभेदों का समाधान होगा। अकस्मात् आर्थिक लाभ प्राप्त करेंगे। शिक्षा तथा अध्ययन में रुचि रहेगी। नेगोशियेशन तथा साक्षात्कारों में सफल होंगे। शुभ दिवस-01, 13, 15, 22, 24, 26, 28, 31, अशुभ दिवस-03, 06, 08, 11, 18, 20 हैं।

अप्रैल–13 अप्रैल तक परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। प्रायः ही सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वभाव तथा वाणी में नम्रता रहेगी। दुर्जनों से पीछा छूटेगा। राजकीय भय समाप्त

होगा। चोरी अथवा अग्निकांड से बचेंगे। मानसिक तथा शारीरिक दोनों ही प्रकार की दृढ़ता रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। 14 अप्रैल के बाद आकस्मिक रूप से किसी विवाद में फसेंगे। घर परिवार से अलग रहने का योग बनेगा। गर्मी के कारण शरीर में शिथिलता आयेगी। योजनाओं के अनुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलेगी। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में असफलता मिलेगी। शासकीय सहायता में विलम्ब होगा। शुभ दिवस-04, 07, 09, 12, 16,18, 20, 23, 25, 27, अशुभ दिवस-02, 14, 29 हैं।

मई–अपव्यय नियन्त्रण करने में सफल होंगे। चित्त की चंचलता समाप्त होगी। भ्रम की स्थिति का निवारण होगा। शारीरिक तथा मानसिक शक्ति में दृढ़ता परिलक्षित होगी। मित्रों एवं हितैषियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सुख रहेगा। विरोधी पक्ष पर प्रभाव स्थापित करने में सफलता मिलेगी। वार्तालाप से प्रशासनिक अधिकारियों को संतुष्ट करने में सफल रहेंगे। आत्मविश्वास से व्यक्तित्व में प्रखरता आयेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। भूमि-भवन से लाभ के लिये उत्तम समय है। यात्राओं से लाभ होगा। शुभ दिवस-02, 04, 07, 09, 14, 16, 18, अशुभ दिवस-12, 20, 22, 24, 27, 29, 31 हैं।

जून–योग्य व्यक्तियों को सन्तान प्राप्ति होगी। पद तथा अधिकार मिलेगा। विभिन्न स्रोतों से आय के कारण आर्थिक स्थिति सबल रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। राजसी भोजन तथा भोग विलास की वस्तुओं में रुचि होगी। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफल होंगे। मनोरंजनों में समय व्यतीत करेंगे। विधि सम्मत कार्य सम्पन्न करने में रुचि बनेगी। स्थान परिवर्तन स्थगित होगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। भूमि-भवन तथा स्थाई सम्पत्ति सम्बन्धी समस्यायें आयेंगी। शुभ दिवस-03, 06, 10, 12, 14, 16, 18, 20, 23, 30, अशुभ दिवस-08, 25, 28 हैं।

जुलाई–अध्ययन से मन हटेगा, पढ़ाई में अरुचि रहेगी। कार्यों में असफलता से मन खिन्न रहेगा। आर्थिक अवनति होगी। सामाजिक मान-सम्मान में कमी आयेगी। विरोधी स्वर मुखर होंगे। वाद-विवाद में विरोधी पक्ष को सफलता मिलेगी। इच्छा के विपरीत, परिस्थितियों के वशीभूत होकर समझौतों के लिये विवश होना पड़ेगा। सहयोगियों तथा साझेदारों से मनमुटाव तथा झगड़े होंगे। वैचारिक मतभेद बढ़ेंगे। सन्तान से अथवा सन्तान के कारण कष्ट होगा। किसी अन्जानी-अनचाही विपत्ति का सामना करना पड़ेगा। यात्राओं में दुर्घटनाओं का भय रहेगा। विभागीय परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में सफलता के लिये अधिक प्रयास करने होंगे। शुभ दिवस-03, 05, 08, 12, 14, 18, 20, 22, 25, 28, अशुभ दिवस-10, 16, 30 हैं।

अगस्त–संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ होगा। आय के नये साधन बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे। कार्यों में सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक तथा सामाजिक स्थिति में सुधार होगा। बुद्धि चातुर्य देखते ही बनेगा। महिला वर्ग का सहयोग मिलेगा। विग्रही तथा झंझटी कार्यों में विघ्न बाधाओं का समाधान होगा। लाभकारी यात्रायें होंगी। मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा मिलेगी। सन्तोषजनक आजीविका प्राप्त होगी। किसी स्थान पर सम्मानित होंगे। इण्टरव्यूज में सफल होंगे। नवीन पद मिलेगा। शुभ दिवस-01,08, 10, 14, 19, 31। अशुभ दिवस-04, 06, 12, 16, 21, 24, 26,29।

सितंबर–17 सितम्बर तक मिथ्या अपवाद तथा अपमान से मन आशंकित रहेगा। धन तथा पुण्य की हानि होगी। प्रयत्नों में असफलता से मन निराश तथा खिन्न रहेगा। आत्मविश्वास गिरेगा। किसी प्रियजन से अलग रहना होगा। वरिष्ठों, मित्रों तथा सहोदरों से विरोध होगा। 18 सितम्बर के बाद परिवर्तन का योग बनेगा। भोगोपभोग की वस्तुयें क्रय करेंगे। बहुमूल्य उपहार मिलेंगे। चिरस्थाई लाभ प्राप्त करेंगे। भाग्योन्नति का सुख रहेगा। भाईयों से स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा। मित्रों से लाभ मिलेगा। देश के अन्दर ही लम्बी दूरी की यात्रायें करेंगे। शिक्षा में प्रगति होगी। परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में सफलता मिलेगी। शुभ दिवस-02, 04, 11, 15, 29 हैं। अशुभ दिवस-06, 09, 13,18, 20, 23, 25, 27 हैं।

अक्टूबर–आय के नवीन साधनों से धनागमन उत्तम रहेगा। बहुमूल्य धातुओं से लाभ होगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। कार्यों की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में मनोनुकूल निर्णय होंगे। विरोधियों पर प्रभाव स्थापित करने में सफल रहेंगे। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। सज्जनों के माध्यम से लाभ होगा। किसी प्रतिष्ठित कार्य के पूर्ण होने पर पदोन्नति का रास्ता साफ होगा। पारिवारिक सुख-समृद्धि रहेगी। 26 अक्तूबर से मिथ्या अपवादों से ग्रस्त होंगे। किसी का दुर्व्यवहार कष्ट देगा। मन अशान्त रहेगा। खानपान बिगड़ेगा। शुभ दिवस-02, 08, 12, 17, 22, 29, 31। अशुभ दिवस-04, 06, 10, 15, 20, 25, 27।

नवंबर–आर्थिक स्थिति में गिरावट आयेगी। आय में कमी रहेगी। समय कुसमय का भोजन अपच तथा पाचन सम्बन्धी रोगों को जन्म देगा। विरोधी पक्ष प्रबल होगा। अनुचित इच्छाओं तथा आकांक्षाओं के विचार बनेंगे। अवैधानिक तथा असामाजिक कार्यों में रुचि होगी। मान-प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। सन्तान की बीमारी से अथवा सन्तान के कारण कष्ट होगा। सन्तान से वैचारिक मतभेदों के कारण विग्रह तथा झंझटों का वातावरण बनेगा। मानसिक कष्ट रहेगा। आध्यात्मिक अथवा मांगलिक उत्सव निरस्त होने से मन उदास रहेगा। मन में कुविचार आयेंगे। आंतरिक भय रहेगा। शुभ दिवस-04, 07, 09, 11, 14, 23, 25 हैं। अशुभ दिवस-02, 16, 19, 21, 27, 29 हैं।

दिसंबर–कार्यों में प्रगति होगी परन्तु आर्थिक लाभ में विलम्ब रहेगा। कोई बहुप्रतीक्षित महत्वाकांक्षी तथा महत्वपूर्ण वस्तु प्राप्त होगी। नया अनुबंध मिलने अथवा नया प्रोजेक्ट शुरू होने में अवांछित देरी होगी। भोग-विलास के साधनों में कमी आयेगी। सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ होगा। अविवाहितों का विवाह का योग बनेगा। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ होगा। शिक्षा तथा अध्ययन में सफलता मिलेगी। सभी प्रकार के आमोद-प्रमोद तथा विलासिता के साधन प्राप्त होंगे। मन सात्विक विचारों तथा सत्यता की ओर अग्रसर होगा। व्यवसायिक उन्नति होगी। सौन्दर्य प्रसाधनों के माध्यम से आय होगी। शुभ दिवस-06, 11, 21, 23, 29 हैं। अशुभ दिवस-01, 04, 09, 14, 16, 18, 25, 27, 31 हैं।

कुम्भ-गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

कुम्भ

स्वामी-शनि   नग-नीलम   शुभ

जनवरी २०२२–पारिवारिक तथा प्रेम सम्बन्धों में मधुरता आयेगी। पारिवारिक सुख रहेगा। पद तथा अधिकार मिलेगा। सुदूर स्थान की यात्रा निरस्त होगी। कार्य स्थल पर व्यवसायिक परिस्थितियां बदलेंगी। नौकरी-पेशा वर्ग में तथा स्वरोजगार कर रहे व्यक्तियों को नई अपोरचुनिटीज मिलेगी। सम्मानजनक स्थितियां बनेंगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। आर्थिक उन्नति होगी। आंखों तथा उदर सम्बन्धी रोगों से मुक्ति मिलेगी। मुकद्दमों में विजय प्राप्त होगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। भूमि-भवन से लाभ के लिये उत्तम समय है। भवन के किराये में वृद्धि से आय बढ़ेगी। साक्षात्कारों में सफल रहेंगे। नवीन स्थान पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। शुभ दिवस-01, 03, 05, 15, 17, 20, 29, 31, अशुभ दिवस-08, 10, 12, 22, 24, 27 हैं।

फरवरी–शारीरिक पीड़ा, कष्ट, एवं मानसिक व्यथा समाप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक उलझनें दूर होंगी। घर-परिवार का सुख रहेगा। आर्थिक मामलों में राहत रहेगी। कार्यों में सफल होंगे। लाभदायक यात्रायें होंगी। स्वभाव में विनम्रता रहेगी। दाम्पत्य जीवन के मतभेद समाप्त होंगे। सन्तान सुख मिलेगा। शुभकार्यों में प्रगति होगी। कोई महत्वाकांक्षी तथा महत्वपूर्ण अनुबंध मिलेगा परन्तु नया प्रोजेक्ट शुरू होने में अवांछित देरी होगी। भोग-विलास से मन हटेगा। वस्त्रों अथवा सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ होगा। गायन, वादन, शिक्षा तथा

अध्ययन में रुचि रहेगी। शुभ दिवस-02, 11, 14, 16, 25, 27, अशुभ दिवस-04, 06, 09, 18, 21, 23 हैं।

मार्च–बातचीत में अभद्रता रहेगी। आपसी सम्बन्ध खराब होंगे। झगड़े-झंझट बढ़ेंगे। दुर्जन तथा निम्नस्तरीय व्यक्तियों से मेल-मिलाप बढ़ेगा। 24 मार्च से मासान्त तक धन-धान्यादि का लाभ मिलेगा। बहुमूल्य वस्तुयें मिलेंगी। सुखोपभोग की वस्तुओं का संग्रह होगा। प्रतिष्ठित एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। वाक्चातुर्य से लाभ मिलेगा। अविवाहितों का विवाह योग बनेगा। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ होगा। शिक्षा तथा अध्ययन में सफलता मिलेगी। मन सात्विक विचारों तथा सत्यता की ओर अग्रसर होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति होगी। तरल पदार्थों तथा सौन्दर्य प्रसाधनों के व्यापार से लाभ मिलेगा। शुभ दिवस-01, 06, 11, 13, 15, 18, 24, 28, 31, अशुभ दिवस-03, 08, 20, 22, 26 हैं।

अप्रैल–शरीर स्वस्थ रहेगा। उच्च रक्तचाप, रक्तविकार, बवासीर अथवा ताप से छुटकारा मिलेगा। शल्य क्रिया अथवा चोट लगने की आशंका समाप्त होगी। अग्निकांड अथवा फूड प्वाईजनिंग से बचाव होगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। असामाजिक तत्वों से पीछा छूटेगा। कार्यों में सफलता का सुख रहेगा। यात्राओं से लाभ मिलेगा। सज्जनों तथा उच्चाधिकारियों से सम्पर्क बनेंगे। मित्रों के मध्य मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। पुत्र तथा मित्रों के माध्यम से धन लाभ होगा। विरोधी पराजित होंगे। किसी नये स्थान पर कार्यभार संभालने का अवसर प्राप्त होगा। अपने सद्व्यवहार से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। उन्नति का अवसर मिलेगा। शुभ दिवस-02, 09, 12, 14, 20, 25, 27, 29, अशुभ दिवस-04, 07, 16, 18, 23 हैं।

मई–15 मई तक मानसिक तथा शारीरिक व्यथाओं से पीड़ित रहेंगे। सुख-शांति का अभाव रहेगा। समय-कुसमय का खानपान होगा। व्यसनों से लगाव बढ़ेगा। यात्राओं में असुविधा होगी। भू-सम्पत्ति के मामलों में अड़चनें रहेंगी। 17 मई से परिस्थितियां बदलेंगी। मानसिक दृढ़ता से कार्य सफल होंगे। दुर्जनों से पीछा छूटेगा। राजकीय भय समाप्त होगा। चोरी अथवा अग्निकांड से बचेंगे। 23 मई से मासान्त तक परिश्रम में कमी आयेगी। आर्थिक कठिनाई से बचे रहेंगे। व्यवसायिक विवाद समाप्त होंगे। शासकीय सहायता में विलम्ब होगा। धार्मिक कार्यों से विरक्ति रहेगी। शुभ दिवस-07, 09, 12, 18, 22, 24, 27, अशुभ दिवस-02, 04, 14, 16, 20, 29, 31 हैं।

जून–भ्रम की स्थिति बनेगी। मित्रों एव हितैपियों से असुविधा रहेगी। स्वयं तथा सन्तान का स्वास्थ्य विपरीत रूप से प्रभावित होगा अधिकारियों से वाद-विवाद होंगे। यात्राओं में दुर्घटना का भय रहेगा। 18 जून से स्वभाविक जिद्द तथा अहंकार पर नियन्त्रण कर पाने में सफलता मिलेगी। दूसरे के विचारों को यथायोग्य समाहित कर कार्य करने पर लाभ मिलेगा। स्वभाव की नम्रता से बाधाओं तथा अवरोधों को पार करने में सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में मतभेद होंगे। वाद-विवादों के कारण जीवन साथी का सहयोग प्राप्त नहीं होगा। सामान्य जनों से दूरी बढ़ेगी। मित्रों तथा परिवारजनों का असहयोग रहेगा। शुभ दिवस-03, 06, 08, 14, 20, 23, अशुभ दिवस-10, 12, 16, 18, 25, 28, 30 हैं।

जुलाई–गर्मी के कारण शरीर में शिथिलता रहेगी। योजनाओं के अनुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलेगी। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में असफल रहेंगे। 13 जुलाई से सन्तान के प्रति दायित्वों का निर्वाह कर पायेंगे। योग्य व्यक्तियों को सन्तान प्राप्ति का योग। पदाधिकार मिलेगा। विभिन्न स्रोतों से आय के कारण आर्थिक स्थिति सबल बनेगी। विरोध समाप्त होगा। भोग विलास की वस्तुओं में रुचि बनेगी। प्रेमी युगलों में प्रगाढ़ता आयेगी। विभागीय परीक्षाओं में सफलता। मनोरंजनों में समय व्यतीत होगा। 17 जुलाई से अध्ययन से अरुचि रहेगी। सामाजिक मान-सम्मान में कमी आयेगी। मन खिन्न रहेगा। शुभ दिवस-03, 05, 12, 18, 20, 22, 30, अशुभ दिवस-08, 10, 14, 16, 25, 28 हैं।

अगस्त–संचित धन की स्थिति संतोषजनक होगी। प्रशासनिक लाभ मिलेगा। विवाद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। मन तथा शरीर ऊर्जान्वित रहेंगे। कार्य-व्यवहार में अपेक्षित सहयोग मिलेगा। यात्राओं से व्यवसायिक लाभ होगा। मन प्रसन्न रहेगा। सन्तोषजनक आजीविका प्राप्त होगी। किसी स्थान पर सम्मानित होंगे। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। महिला वर्ग का सहयोग मिलेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। भूमि-भवन से लाभ के लिये उत्तम समय है। नये अभिगमों पर कार्य होगा। नई अपोरचुनिटीज मिलेगी। शुभ दिवस-01, 04, 06, 12, 14, 16, 19, 24, 26, 29, 31 हैं। अशुभ दिवस-08, 10, 21 हैं।

सितंबर–पूर्व में किये गये कार्यों का शुभ परिणाम मिलेगा। विवाद समाप्त होंगे। उच्च रक्तचाप, ज्वर अथवा खांसी आदि कफजन्य बीमारियों से छुटकारा मिलेगा। अपच दूर होगा। शासन-प्रशासन का सहयोग मिलेगा। राजकीय पुरुस्कार मिलेगा। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। भय तथा अपमान की स्थिति समाप्त होगी। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। 24 सितम्बर से मास के अन्त तक सुख एवं धन की हानि होगी। सभी प्रकार कार्यों में व्यवधान आयेंगे। सुखोपभोग तथा विलासिता की सामग्री का अभाव रहेगा। आर्थिक संकट बनेगा। पढ़ाई में अरुचि रहेगी। विभागीय साक्षात्कारों में विलम्ब होगा। शुभ दिवस-02, 04, 09, 11, 13, 20, 25, 29 हैं। अशुभ दिवस-06, 15, 18, 23, 27 हैं।

अक्टूबर–16 अक्तूबर तक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। रोग मुक्त होंगे। विरोधी पक्ष परास्त होगा। अनुचित इच्छाओं, आकांक्षाओं तथा विचारों से छुटकारा मिलेगा। विधि सम्मत कार्यों में समय देंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-प्रतिष्ठा, गौरव बढ़ेगा। सन्तान सुख रहेगा। सन्तान के कार्यों से प्रसन्नता रहेगी। विग्रह तथा झंझट समाप्त होंगे। मानसिक शांति मिलेगी। 17 अक्तूबर से मिथ्या अपवाद का भय रहेगा। मन संतप्त रहेगा। समस्त कार्यों में विघ्न बाधायें आयेंगी। यात्राओं में असुविधा तथा हानि होगी। सम्बन्धियों तथा सहोदरों से वैमनस्य रहेगा। छिद्रान्वेषण की प्रवृति रहेगी। शुभ दिवस-02, 06, 08, 10, 20, 22, 27, 29। अशुभ दिवस-04, 12, 15, 17, 25, 31।

नवंबर–मानसिक व्यथा एवं शारीरिक पीड़ा समाप्त होगी। आर्थिक लाभ मिलेगा। विरोध एवं विरोधियों से छुटकारा मिलेगा। मतभेद समाप्त होंगे। पदोन्नति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यवसायिक सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सामाजिक कार्यों में समय देंगे। मिथ्या अफ्वाद से खानपान बिगड़ेगा। किसी के दुर्व्यवहार से कष्ट होगा। वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। सज्जनों के माध्यम से लाभ होगा। किसी प्रतिष्ठित कार्य के सफलता पूर्वक सम्पन्न होने का आनन्द रहेगा। पारिवारिक सुख समृद्धि रहेगी। पद-प्रतिष्ठा तथा मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभ दिवस-04, 07, 11, 14, 16, 23, 25, 27, 29। अशुभ दिवस-02, 09, 19, 21 हैं।

दिसंबर–पारिवारिक सुख-शांति तथा मैत्रीपूर्ण वातावरण भंग होगा। मतभेद रहेंगे। विवाद बढ़ेंगे। धन हानि होगी। स्वास्थ्य निर्बल रहेगा। यश तथा मान-सम्मान की हानि होगी। सन्तान प्राप्ति में विलम्ब रहेगा। नियम विरुद्ध कार्यों में प्रवृति रहेगी। प्रेम-सम्बन्धों में प्रगति का अभाव रहेगा। मित्रों तथा सहकर्मियों से सहयोग की अपेक्षा न करें। मास के अन्त में नये मित्र बनेंगे। कोई नया सहयोग क्रियान्वित होगा। धन, वाहन तथा भोग-विलास के साधन प्राप्त होंगे। श्रृंगारिक वस्तुओं के व्यापार से हानि होगी। योग्य व्यक्तियों को सन्तान लाभ होगा। अशुभ कार्यों में प्रवृति रहेगी। शुभ दिवस-01, 04, 09, 11, 14, 21, 23, 27। अशुभ दिवस-06, 16, 18, 25, 29, 31।

मीन-दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, च, ची

मीन

स्वामी-गुरु नग-पुखराज शुभ

जनवरी २०२२–पारिवारिक सुख मिलेगा। व्यवसाय एवं अन्य कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम सम्बन्धों में प्रगति होगी। अविवाहितों के विवाह का योग

बनेगा। 14 जनवरी से आध्यात्मिक अथवा मांगलिक उत्सव निरस्त होने से मन उदास रहेगा। कुविचार आयेंगे। प्रशासकीय भय रहेगा। अपौष्टिक पदार्थों-जंक फूड आदि के सेवन से स्वास्थ्य खराब होगा। रोजी रोजगार तथा कार्यस्थल पर कठिन परिस्थितियां बनेंगी। अवांछित मार्ग अपनाकर मुसीबत मोल लेंगे। किसी कार्यवश विदेश अथवा सुदूर स्थान की यात्रा होगी। नये प्रोजेक्ट निरस्त होंगे। अविवाहितों के विवाह में विलम्ब होगा। शुभ दिवस-01, 03, 05, 08, 17, 20, 22, 29, 31, अशुभ दिवस-10, 12, 15, 24, 27।

फरवरी–26 फरवरी तक पारिवारिक सम्बन्धों में मधुरता आयेगी। स्थान लाभ होगा। सुदूर स्थान की यात्रा निरस्त होगी। कार्य स्थल पर, रोजी रोजगार में कठिन कार्यकारी परिस्थितियां बनी रहेंगी। नौकरी-पेशा वर्ग में तथा स्वरोजगार कर रहे व्यक्तियों को नई अपोरचुनिटीज मिलेगी। प्रशासनिक सहयोग मिलेगा। व्यय पर नियन्त्रण से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सम्मानजनक स्थितियां बनेंगी। रोग मुक्त रहेंगे। 26 फरवरी से भूमि-भवन के कार्यों में हानि होगी। धनागमन प्रभावित होगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। चले आ रहे मुकदमों में विपरीत परिणाम होंगे। सहोदरों के कारण हानि होगी। शुभ दिवस-02, 04, 14, 16, 18, 25, 27, अशुभ दिवस-06, 09, 11, 21, 23 हैं।

मार्च–24 मार्च तक समय कुसमय भोजन से उदर विकार होगा। स्वास्थ्य बिगड़ेगा। शारीरिक अवस्था के अनुरूप थकावट, नेत्र रोग, रक्तचाप, हृदय रोग का भय बनेगा। पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। किसी सुदूर स्थान पर रहना होगा। सज्जनों, मित्रों तथा सम्बन्धियों से विग्रह-विवाद होंगे। धन-हानि होगी। मान-सम्मान में कमी आयेगी। कार्यों में अवरोध बनेंगे। निरर्थक यात्राओं में थकावट से कष्ट रहेगा। नगण्य सी बातों पर उत्तेजित होने की प्रवृति रहेगी। 24 मार्च से आर्थिक उन्नति होगी। बन्धन मुक्त होंगे। पारिवारिक मतभेद समाप्त होंगे। बातचीत में सौम्यता आयेगी। सम्बन्धों में सुधार होगा। शुभ दिवस-03, 15, 20, 26, 31, अशुभ दिवस-01, 06, 08, 11, 13, 18, 22, 24, 28 हैं।

अप्रैल–पहले सप्ताह में व्यय अधिक रहेगा। किसी कारणवश घर से दूर रहना होगा। रोग पीड़ित होंगे। मान-सम्मान की हानि होगी। दाम्पत्य जीवन में मतभेद बनेंगे। सन्तान के विषय में चिन्ता रहेगी। द्वितीय सप्ताह में स्थिति में सुधार होगा। वाक्‌चातुर्य से लाभ मिलेगा। शिक्षा में सन्तोषजनक प्रगति होगी। तीसरे सप्ताह से मासान्त तक परिश्रम तथा साहस में कमी रहेगी। आय के साधन कम होंगे। व्यर्थ व्यय करेंगे। निकटस्थ व्यक्तियों से धोखा होगा। निम्नस्तरीय व्यक्तियों से मेल-मिलाप बढ़ेगा। स्वयं के विचारों में धूर्तता आयेगी। पारिवारिक कलह बढ़ेगी। शुभ दिवस-02, 12, 16, 23, 27, 29, अशुभ दिवस-04, 07, 09, 14, 18, 20, 25 हैं।

मई–रोग मुक्त होंगे। सुख तथा आनन्द का वातावरण बनेगा। सज्जनों के सम्पर्क में आयेंगे। सम्मान तथा प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। पुत्र तथा मित्रों के माध्यम से धन लाभ मिलेगा। विरोध समाप्त होगा। नये स्थान पर कार्यभार सभांलने का अवसर मिलेगा। अपने सद्व्यवहार से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। चोट लगने की आशंका दूर होगी। कार्यों में सफलता का सुख रहेगा। यात्राओं से लाभ मिलेगा। मन प्रसन्न तथा शरीर स्वस्थ रहेगा। असामाजिक तत्वों से पीछा छूटेगा। पारिवारिक सुख शांति रहेगी। शुभ दिवस-02, 09, 14, 20, 24, 27, 29, अशुभ दिवस-04, 07, 12, 16, 18, 22, 31 हैं।

जून–27 जून तक परिश्रम तथा साहस में कमी आयेगी। सहोदरों, आधीनस्थों तथा सहायकों से मतभेद होंगे। मान-सम्मान की हानि होगी। धन लाभ मिलने से आर्थिक कठिनाई से बचेंगे। रोजी, रोजगार तथा कार्यालय के विवाद समाप्त होंगे। व्यवसायिक लाभ मिलेगा। विरोधी मुखर होंगे। भाग्योदय में अवरोध आयेगा। शासकीय सहायता में विलम्ब होगा। 27 जून से परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। प्रायः ही सभी कार्य में सफलता मिलेगी। स्वभाव तथा वाणी में नम्रता रहेगी। दुर्जनों से पीछा छूटेगा। राजकीय भय समाप्त होगा। चोरी अथवा अग्निकांड से बचेंगे। शुभ दिवस-06, 10, 16, 20, 23, 25, अशुभ दिवस-03, 08, 12, 14, 18, 28, 30 हैं।

जुलाई–16 जुलाई तक परिवार में वात्सल्य एवं प्रेम का वातावरण रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भूमि-भवन के कार्यों में सफलता मिलेगी। भद्रपुरुषों के सम्पर्क में आयेंगे। 15 तथा 16 जुलाई मन में किसी के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। अपव्यय करेंगे। हितैषियों से असुविधा होगी। विवाद होंगे। यात्राओं में दुर्घटना का भय रहेगा। 17 जुलाई से मासान्त तक विवादों से छुटकारा मिलेगा। जीवन साथी तथा संतान से मतैक्य रहेगा। योजनाओं के अनुरूप कार्यों में सफल होंगे। प्रेम-प्रकरण तथा वार्ताओं में प्रगति होगी। परीक्षाओं में अपेक्षित परिणाम प्राप्त होंगे। शुभ दिवस-03, 08, 14, 20, अशुभ दिवस-05, 10, 12, 16, 18, 22, 25, 28, 30।

अगस्त-पहले सप्ताह में कार्यों में असफलता से मन खिन्न रहेगा। आर्थिक अवनति होगी। सामाजिक मान-सम्मान में कमी आयेगी। विरोधी स्वर मुखर होंगे। द्वितीय सप्ताह में अड़चनों का व्यवहारिक समाधान होगा। सफल होने का उत्साह रहेगा। उपहार मिलेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी। तीसरे सप्ताह से मासान्त तक तर्क-वितर्क से विवाद होंगे। आत्मविश्वास गिरेगा। किसी बहुमूल्य धातु के कारण हानि होगी। प्रशासनिक अड़चनें आयेंगी। यात्राओं तथा व्यवसाय से अपेक्षित लाभ नहीं होगा। मन चिंताग्रस्त रहेगा। उत्साह तथा उमंग का अभाव रहेगा। शुभ दिवस-04, 10, 16, 21, 31। अशुभ दिवस-01, 06, 08, 12, 14, 19, 24, 26, 29 हैं।

सितंबर–आर्थिक कठिनाईयां समाप्त होंगी। जीवन-यापन सुगम बनेगा। सन्तोषजनक आजीविका मिलेगी। किसी स्थान पर सम्मानित होंगे। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। वाँछित लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। महिला वर्ग का सहयोग मिलेगा। मतभेद समाप्त होंगे। वाद-विवादों का अन्त होगा। जीवन साथी से सम्बन्धों में प्रगाढ़ता आयेगी। सन्तान सुख रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसायिक उन्नति होगी। लम्बी दूरी की यात्राओं से लाभ मिलेगा। रोग मुक्त रहेंगे। नया अनुबंध होगा। शुभ दिवस-02, 11, 13, 18, 23, 27 हैं। अशुभ दिवस-04, 06, 09, 15, 20, 25, 29 हैं।

अक्टूबर–17 अक्तूबर तक स्थान परिवर्तन होगा। भूमि-भवन तथा स्थाई सम्पत्ति सम्बन्धी समस्यायें बनेंगी। किन्हीं कारणों से राजकीय दंड का भुगतान करना होगा। दाम्पत्य जीवन में बाधा आयेगी। भय तथा अपमान की स्थिति बनेगी। व्यय बढ़ेगा। तीसरे सप्ताह में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सुखोपभोग तथा विलासिता की सामग्री क्रय होगी। चतुर्थ सप्ताह से सन्तान योग में विलम्ब रहेगा। आय के साधन सीमित होंगे। विरोधी मुखर होंगे। असफलता से मन खिन्न तथा अशांत रहेगा। आर्थिक तथा सामाजिक स्थिति खराब होगी। बुद्धि चातुर्य काम नहीं करेगी। शुभ दिवस-04, 08, 10, 20, 22, 25, 31 हैं। अशुभ दिवस-02, 06, 12, 15, 17, 27, 29 हैं।

नवंबर–ता. 13 तक भाग्योन्नति का योग। भाईयों का स्नेह तथा सहयोग रहेगा। मित्रों से लाभ मिलेगा। देश के अन्दर लम्बी दूरी की यात्रायें होंगी। बहुमूल्य वस्तुयें मिलेंगी। अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। 14 नवम्बर से मन अज्ञात कारणों से भयग्रस्त रहेगा। प्रयत्नों में असफलता से निराशा तथा खिन्नता रहेगी। आत्मविश्वास गिरेगा। किसी प्रियजन से अलग रहना होगा। स्वास्थ्य खराब होगा। प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रशासन तथा प्रशासनिक कर्मियों का कोपभाजन होंगे। तर्क-वितर्क से हानि होगी। शुभ दिवस-04, 07, 16, 21, 27 हैं। अशुभ दिवस-02, 09, 11, 14, 19, 23, 25, 29 हैं।

दिसंबर–15 दिसम्बर तक वाक्‌चातुर्य से व्यवसायिक सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। पद तथा अधिकार मिलेगा। मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। सामाजिक कार्यों में मिथ्या अपवाद के शिकार होंगे। किसी के दुर्व्यवहार से कष्ट होगा। मन अशान्त रहेगा। 16 से 30 दिसम्बर तक किसी प्रतिष्ठित कार्य में असफलता का खेद रहेगा। नया अनुबन्ध हाथ से निकलेगा। पदावनति का भय रहेगा। पारिवारिक सुख-समृद्धि में न्यूनता बनेगी। नियम विरुद्ध कार्यों में प्रवृति रहेगी। वर्ष का अन्त शुभ फलों से होगा। खोई प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। शुभ दिवस-01, 04, 11, 14, 18, 23, 25, 27, 29, 31 हैं। अशुभ दिवस-06, 09, 16, 21 हैं।

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
04 अग.	7	गुरु	स्वाति	तुला	कर्क	मीन	6	1110011010	24:08 से 29:07 तक वृष (चं.), मिथुन, कर्क (सू.मं.श.)
05 अग.	8	शुक्र	स्वाति	तुला	कर्क	मीन	8	1110011111	**भद्रा 16:36 तक,** 16:36 से 18:37 तक धनु (शु.), मकर (सू.बु.शु.श.)
10 अग.	13	बुध	उ.षा.	धनु	कर्क	मीन	8	1111110011	09:39 से 10:57 तक कन्या (मं.गु.)
10 अग.	13	बुध	उ.षा.	धनु	कर्क	मीन	9	1111111011	10:57 से 14:16 तक तुला (मं.रा.के.), वृश्चिक (मं.)
10 अग.	14	बुध	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	8	1110011111	15:35 से 17:39 तक धनु (शु.), मकर (सू.चं.बु.शु.श.), कुंभ (बु.शु.श.)
10 अग.	14	बुध	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	8	1110011111	17:39 से 20:48 तक धनु (शु.), मकर (सू.चं.बु.शु.श.), कुंभ (बु.शु.श.)
10 अग.	14	बुध	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	7	1110011110	20:48 से 22:13 तक मीन
10 अग.	14	बुध	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	6	1110011010	22:13 से 25:44 तक मेष (रा.के.), वृष (मं.शु.)
10 अग.	14	बुध	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	8	1011111110	25:44 से 27:59 तक मिथुन (चं.)
10 अग.	14	बुध	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	9	1011111111	27:59 से 29:48 तक कर्क (सू.चं.श.)
11 अग.	14	गुरु	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	10	1111111111	05:48 से 06:53 तक कर्क (सू.चं.श.), सिंह (चं.मं.गु.)
11 अग.	14	गुरु	उ.षा.	मकर	कर्क	मीन	8	1111110011	08:36 से 10:39 तक कन्या (गु.), **भद्रा 10:39 से 20:51 तक**
11 अग.	15	गुरु	श्रवण	मकर	कर्क	मीन	7	1110011110	20:51 से 28:07 तक मीन, मेष (रा.के.), वृष (मं.शु.), मिथुन (चं.), कर्क (सू.चं.श.)
									भाद्रपद कृष्ण पक्ष संवत् 2079 वि.
14 अग.	4	रवि	उ.भा.	मीन	कर्क	मीन	7	1110011110	**भद्रा 11:40 से 22:36 तक,** 22:36 से 25:28 तक मेष (रा.के.), वृष (मं.शु.)
14 अग.	4	रवि	उ.भा.	मीन	कर्क	मीन	8	1011111110	27:43 से 29:25 तक मिथुन, कर्क (सू.श.)
20 अग.	9	शनि	रोहि.	वृष	सिंह	मीन	10	1111111111	05:53 से 10:17 तक सिंह (सू.मं.गु.), कन्या (गु.)
20 अग.	9	शनि	रोहि.	वृष	सिंह	मीन	8	1111110011	10:17 से 12:37 तक तुला (चं.मं.रा.के.)
20 अग.	9	शनि	रोहि.	वृष	सिंह	मीन	9	1111111011	12:37 से 20:09 तक वृश्चिक (चं.मं.), धनु (चं.शु.), मकर (बु.शु.श.), कुंभ (सू.बु.शु.श.)
20 अग.	9	शनि	रोहि.	वृष	सिंह	मीन	8	1110011111	20:09 से 21:41 तक मीन, मेष (रा.के.)
20 अग.	9	शनि	रोहि.	वृष	सिंह	मीन	7	1110011110	23:09 से 25:09 तक वृष (चं.मं.शु.), मिथुन
20 अग.	10	शनि	रोहि.	वृष	सिंह	मीन	6	1110011010	27:19 से 29:40 तक कर्क (श.)
20 अग.	10	शनि	मृग.	वृष	सिंह	मीन	9	1011111111	29:40 से 29:53 तक सिंह (सू.मं.गु.)
									भाद्रपद शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.
28 अग.	2	रवि	उ.फा.	सिंह	सिंह	मीन	8	1110011111	21:56 से 22:38 तक मेष (रा.के.)
28 अग.	2	रवि	उ.फा.	सिंह	सिंह	मीन	7	1110011110	22:38 से 26:48 तक वृष (मं.शु.), मिथुन
28 अग.	2	रवि	उ.फा.	सिंह	सिंह	मीन	6	1110011010	26:48 से 29:08 तक कर्क (श.)
28 अग.	2	रवि	उ.फा.	कन्या	सिंह	मीन	9	1011111111	29:08 से 29:58 तक सिंह (सू.मं.गु.)
29 अग.	2	सोम	उ.फा.	कन्या	सिंह	मीन	10	1111111111	05:58 से 09:42 तक सिंह (सू.मं.गु.), कन्या (चं.गु.)
29 अग.	2	सोम	उ.फा.	कन्या	सिंह	मीन	8	1111110011	09:42 से 14:20 तक तुला (मं.रा.के.), वृश्चिक (मं.)

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
29 अग.	2	सोम	उ.फा.	कन्या	सिंह	मीन	9	1111111011	14:20 से 16:24 तक धनु (शु.)
29 अग.	3	सोम	उ.फा.	कन्या	सिंह	मीन	9	1111111011	16:24 से 19:34 तक मकर (शु.श.), कुंभ (सू.चं.बु.शु.श.)
29 अग.	3	सोम	उ.फा.	कन्या	सिंह	मीन	8	1110011111	19:34 से 24:29 तक मीन (चं.बु.), मेष (चं.रा.के.), वृष (मं.शु.)
29 अग.	3	सोम	हस्त	कन्या	सिंह	मीन	7	1110011110	24:29 से 25:02 तक मिथुन
29 अग.	3	सोम	हस्त	कन्या	सिंह	मीन	6	1110011010	26:44 से 29:17 तक कर्क (श.), सिंह (सू.मं.गु.)
30 अग.	4	मंगल	हस्त	कन्या	सिंह	मीन	9	1111111011	15:33 से 18:02 तक धनु (शु.), मकर (शु.श.)
30 अग.	4	मंगल	हस्त	कन्या	सिंह	मीन	8	1110011111	18:02 से 22:30 तक कुंभ (सू.चं.बु.शु.श.), मीन (चं.बु.), मेष (चं.रा.के.)
30 अग.	4	मंगल	हस्त	कन्या	सिंह	मीन	7	1110011110	22:30 से 24:25 तक वृष (मं.शु.)
30 अग.	4	मंगल	चित्रा	कन्या	सिंह	मीन	6	1110011010	24:25 से 27:18 तक मिथुन, कर्क (श.), **भद्रा 27:31 से**
31 अग.	5	बुध	चित्रा	तुला	सिंह	मीन	8	1110011111	**भद्रा 15:23 तक,** 17:49 से 19:26 तक मकर (शु.श.), कुंभ (सू.बु.शु.श.), **13:54 से 17:49 तक क्रांति साम्य**
31 अग.	5	बुध	चित्रा	तुला	सिंह	मीन	7	1110011110	19:26 से 22:47 तक मीन (चं.बु.शु.), मेष (चं.रा.के.), वृष (चं.मं.)
31 अग.	5	बुध	स्वाति	तुला	सिंह	मीन	8	1011111110	24:22 से 26:36 तक मिथुन (शु.)
31 अग.	5	बुध	स्वाति	तुला	सिंह	मीन	9	1011111111	26:36 से 29:59 तक कर्क (श.), सिंह (सू.मं.गु.)
01 सितं.	5	गुरु	स्वाति	तुला	सिंह	मीन	9	1111111011	05:59 से 11:50 तक सिंह (सू.मं.गु.), कन्या (गु.), तुला (चं.मं.रा.के.)
01 सितं.	5	गुरु	स्वाति	तुला	सिंह	मीन	8	1101011111	11:50 से 16:12 तक वृश्चिक (मं.), धनु
01 सितं.	6	गुरु	स्वाति	तुला	सिंह	मीन	8	1101011111	16:12 से 20:47 तक मकर (शु.श.), कुंभ (सू.बु.शु.श.), मीन (चं.बु.शु.)
01 सितं.	6	गुरु	स्वाति	तुला	सिंह	मीन	6	1010110011	20:47 से 24:12 तक मेष (चं.रा.के.), वृष (चं.मं.)
04 सितं.	9	रवि	मूल	धनु	सिंह	मीन	8	1111011011	22:31 से 30:01 तक वृष (चं.मं.), मिथुन (चं.शु.), कर्क (चं.श.), सिंह (सू.मं.गु.)
05 सितं.	9	सोम	मूल	धनु	सिंह	मीन	9	1111111011	06:01 से 09:14 तक सिंह (सू.मं.गु.), कन्या (गु.)
05 सितं.	9	सोम	मूल	धनु	सिंह	मीन	8	1101011111	09:14 से 19:06 तक तुला (मं.रा.के.), वृश्चिक (मं.), धनु (चं.), मकर (शु.श.), कुंभ (सू.बु.शु.श.)
05 सितं.	9	सोम	मूल	धनु	सिंह	मीन	6	1010110011	19:06 से 20:05 तक (बु.शु.)
06 सितं.	12	मंगल	उ.षा.	मकर	सिंह	मीन	8	1111011011	**16:32 से 27:05 तक भद्रा**, 27:05 से 30:02 तक कर्क (चं.श.), सिंह (सू.चं.मं.गु.)
07 सितं.	12	बुध	उ.षा.	मकर	सिंह	मीन	9	1111111011	06:02 से 11:26 तक सिंह (सू.चं.मं.गु.), कन्या (गु.), तुला (मं.रा.के.)
07 सितं.	12	बुध	उ.षा.	मकर	सिंह	मीन	8	1101011111	11:26 से 16:00 तक वृश्चिक (मं.), धनु, मकर (चं.शु.श.)
07 सितं.	12	बुध	श्रवण	मकर	सिंह	मीन	8	1101011111	17:31 से 18:58 तक कुंभ (सू.बु.शु.श.)
07 सितं.	12	बुध	श्रवण	मकर	सिंह	मीन	6	1101010011	18:58 से 21:27 तक मीन (बु.शु.), मेष (रा.के.), **25:15 से 27:39 तक अतिगण्ड योग की छ झाड़ी वर्जित**
07 सितं.	13	बुध	श्रवण	मकर	सिंह	मीन	8	1111011011	27:39 से 30:03 तक कर्क (चं.श.), सिंह (सू.चं.मं.गु.)
08 सितं.	13	गुरु	श्रवण	मकर	सिंह	मीन	9	1111111011	06:03 से 11:22 तक सिंह (सू.चं.मं.गु.), कन्या (गु.), तुला (मं.रा.के.)
08 सितं.	13	गुरु	श्रवण	मकर	सिंह	मीन	8	1101011111	11:22 से 13:46 तक वृश्चिक (मं.), धनु

आश्विन शुक्ल पक्ष संवत् 2079 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरु	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)
26 सितं.	2	सोम	हस्त	कन्या	कन्या	मीन	8	1111011011	27:09 से 30:12 तक कर्क (शु.श.), सिंह (मं.गु.), कन्या (सू.चं.गु.), **04:50 से 08:36 तक क्रांति साम्य**

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
16 अप्रै.22*	वैशा.	कृ. 1	शनि	चित्रा	24:25 से 26:44 तक
16 "	"	कृ. 1	शनि	चित्रा	27:56 से 29:54 तक
22 "*	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	20:14 से 25:52 तक
22 "	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	26:33 से 28:13 तक
22 "	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	29:26 से 29:48 तक
23 "*	"	कृ. 7	शनि	उषा.	05:48 से 06:27 तक
23 "	"	कृ. 8	शनि	उषा.	07:01 से 17:26 तक
23 "	"	कृ. 8	शनि	उषा.	18:05 से 18:53 तक
27 "	"	कृ.12	बुध	उभा.	17:05 से 17:36 तक
28 "	"	कृ.13	गुरु	रेव.	17:40 से 21:23 तक
28 "	"	कृ.13	गुरु	रेव.	22:24 से 24:27 तक
02 मई*	"	शु. 2	सोम	रोहि.	24:33 से 29:19 तक
04 "*	"	शु. 3	बुध	मृग	05:38 से 07:33 तक
11 "	"	शु.10	बुध	उफा.	19:28 से 19:32 तक
11 "	"	शु.11	बुध	उफा.	21:32 से 25:32 तक
11 "	"	शु.11	बुध	उफा.	26:46 से 29:33 तक
12 "	"	शु.11	गुरु	उफा.	05:33 से 07:18 तक
16 "*	ज्ये.	कृ. 1	सोम	अनु.	16:23 से 20:06 तक
16 "	"	कृ. 1	सोम	अनु.	21:13 से 29:30 तक
20 "*	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	05:28 से 06:54 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	07:10 से 08:45 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	09:25 से 11:24 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	11:45 से 17:29 तक
20 "	"	कृ. 6	शुक्र	उषा.	18:39 से 25:18 तक
26 "	"	कृ.11	गुरु	रेव.	05:25 से 10:55 तक
26 "	"	कृ.12	गुरु	रेव.	11:22 से 22:14 तक
26 "	"	कृ.12	गुरु	रेव.	22:37 से 23:18 तक
30 "*	"	शु. 1	सोम	रोहि.	17:00 से 29:24 तक
01 जून*	"	शु. 2	बुध	मृग	05:24 से 08:32 तक
01 "	"	शु. 2	बुध	मृग	08:38 से 13:00 तक

* कलश दोष

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
08 "	"	शु. 8	बुध	उफा.	05:23 से 08:31 तक
10 "	"	शु.10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 07:26 तक
10 "	"	शु.11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 16:07 तक
10 "	"	शु.11	शुक्र	चित्रा	17:16 से 18:42 तक
18 जन.23	माघ	कृ.11	बुध	अनु.	07:15 से 16:03 तक
21 "*	"	शु. 1	शनि	उषा.	26:23 से 30:29 तक
25 "*	"	शु. 5	बुध	उभा.	20:05 से 23:26 तक
25 "	"	शु. 5	बुध	उभा.	23:52 से 31:13 तक
26 "*	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:13 से 10:28 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	11:09 से 15:29 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	16:54 से 18:56 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	रेव.	19:15 से 21:43 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	रेव.	23:48 से 31:12 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 09:11 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	09:40 से 13:21 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	14:36 से 17:48 तक
30 "	"	शु.10	सोम	रोहि.	22:15 से 22:59 तक
30 "	"	शु.10	सोम	रोहि.	23:33 से 31:10 तक
10 फर.*	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	चित्रा	24:17 से 31:03 तक
11 "*	"	कृ. 5	शनि	चित्रा	07:03 से 09:08 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	10:06 से 13:03 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	19:22 से 21:31 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	22:45 से 25:40 तक

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
16 अप्रै.*	वैशा.	कृ. 1	शनि	चित्रा	24:25 से 26:44 तक
16 "	"	कृ. 1	शनि	चित्रा	27:56 से 29:54 तक
22 "*	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	20:14 से 25:52 तक
22 "	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	26:33 से 28:13 तक
22 "	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	29:26 से 29:48 तक

क्रांति साम्य होने से अशुभ

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
23 "*	"	कृ. 7	शनि	उषा.	05:48 से 06:27 तक
23 "	"	कृ. 8	शनि	उषा.	07:01 से 17:26 तक
23 "	"	कृ. 8	शनि	उषा.	18:05 से 18:53 तक
27 "	"	कृ.12	बुध	उभा.	17:05 से 17:36 तक
28 "	"	कृ.13	गुरु	रेव.	17:40 से 21:23 तक
28 "	"	कृ.13	गुरु	रेव.	22:24 से 24:27 तक
02 मई*	"	शु. 2	सोम	रोहि.	24:33 से 29:19 तक
04 "*	"	शु. 3	बुध	मृग	05:38 से 07:33 तक
07 "	"	शु. 6	शनि	पुष्य	12:18 से 14:57 तक
07 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	17:10 से 19:57 तक
07 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	22:21 से 28:02 तक
07 मई	वैशा.	शु. 7	शनि	पुष्य	28:27 से 29:35 तक
11 "	"	शु.10	बुध	उफा.	19:28 से 19:32 तक
11 "	"	शु.11	बुध	उफा.	21:32 से 25:32 तक
11 "	"	शु.11	बुध	उफा.	26:46 से 29:33 तक
12 "	"	शु.11	गुरु	उफा.	05:33 से 07:18 तक
12 "	"	शु.12	गुरु	उफा.	19:02 से 19:30 तक
13 "	"	शु.13	शुक्र	चित्रा	18:48 से 28:30 तक
16 "*	ज्ये.	कृ. 1	सोम	अनु.	16:23 से 20:06 तक
16 "	"	कृ. 1	सोम	अनु.	21:13 से 29:30 तक
20 "*	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	05:28 से 06:54 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	07:10 से 08:45 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	09:25 से 11:24 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	11:45 से 17:29 तक
20 "	"	कृ. 6	शुक्र	उषा.	18:39 से 25:18 तक
21 "*	"	कृ. 7	शनि	धनि.	27:59 से 29:27 तक
25 "	"	कृ.11	बुध	उभा.	10:33 से 14:52 तक
25 "	"	कृ.11	बुध	उभा.	15:59 से 22:39 तक
25 "	"	कृ.11	बुध	उभा.	22:41 से 22:44 तक
25 "	"	कृ.11	बुध	रेव.	23:19 से 29:25 तक
26 "	"	कृ.11	गुरु	रेव.	05:25 से 10:55 तक
26 "	"	कृ.12	गुरु	रेव.	11:22 से 22:14 तक
26 "	"	कृ.12	गुरु	रेव.	22:37 से 23:18 तक
30 "*	"	शु. 1	सोम	रोहि.	17:00 से 29:24 तक
01 जून*	"	शु. 2	बुध	मृग	05:24 से 08:32 तक
01 "	"	शु. 2	बुध	मृग	08:38 से 13:00 तक
03 "*	"	शु. 5	शुक्र	पुष्य	26:42 से 29:23 तक
04 "*	"	शु. 5	शनि	पुष्य	05:23 से 05:38 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	06:11 से 15:50 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	17:40 से 21:55 तक
08 "	"	शु. 8	बुध	उफा.	05:23 से 08:31 तक
10 "	"	शु.10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 07:26 तक
10 "	"	शु.11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 16:07 तक
10 "	"	शु.11	शुक्र	चित्रा	17:16 से 18:42 तक
11 "	"	शु.12	शनि	स्वा.	10:10 से 16:40 तक
11 "	"	शु.12	शनि	स्वा.	17:12 से 20:46 तक
11 "	"	शु.12	शनि	स्वा.	21:35 से 26:05 तक
01 जुला.*	आषा.	शु. 2	शुक्र	पुष्य	05:27 से 10:46 तक
14 "*	श्राव.	कृ. 1	गुरु	उषा.	09:39 से 20:17 तक

आर्यभट्ट पंचांगम्
दिनांक मास पक्ष.ति. वार नक्षत्र शुद्धि समय (स्टै.टा.)

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
15 जुला.*	श्राव.	कृ. 3	शुक्र	धनि.	17:31 से 27:00
18 "*	"	कृ. 6	सोम	उभा.	12:23 से 15:25
18 "	"	कृ. 6	सोम	उभा.	17:49 से 29:35
20 "*	"	कृ. 7	बुध	रेव.	05:36 से 07:36
20 "	"	कृ. 8	बुध	रेव.	07:46 से 12:02
23 "	"	कृ. 11	शनि	रोहि.	19:03 से 29:38
25 "	"	कृ. 12	सोम	मृग.	05:38 से 15:03 तक
25 "	"	कृ. 13	सोम	मृग.	18:39 से 25:05 तक
28 "*	"	शु. 1	गुरु	पुष्य	23:25 से 29:41 तक
29 "*	"	शु. 1	शुक्र	पुष्य	05:41 से 09:47 तक
01 अग.*	"	शु. 5	सोम	उफा.	29:13 से 29:43 तक
03 "	"	शु. 6	बुध	चित्रा	18:24 से 29:41 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	05:44 से 06:40 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	06:47 से 16:33 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	18:02 से 18:47 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	स्वा.	19:45 से 29:07 तक
05 "	"	शु. 8	शुक्र	स्वा.	16:36 से 18:37 तक
06 "	"	शु. 10	शनि	अनु.	26:11 से 29:20 तक
10 "	"	शु. 13	बुध	उषा.	09:39 से 14:16 तक
11 "*	"	शु. 15	गुरु	धनि.	28:07 से 29:49 तक
12 "*	"	शु. 15	शुक्र	धनि.	05:49 से 07:06 तक
29 "*	भाद्र.	शु. 2	सोम	उफा.	05:58 से 15:21 तक
29 "	"	शु. 3	मंगल	उफा.	16:24 से 23:04 तक
31 "*	"	शु. 5	बुध	चित्रा	17:49 से 22:47 तक
31 "	"	शु. 5	बुध	स्वा.	24:22 से 27:09 तक
31 "	"	शु. 5	बुध	स्वा.	28:56 से 29:59 तक
01 सितं.*	"	शु. 5	गुरु	स्वा.	05:59 से 14:49 तक
29 "*	आश्वि.	शु. 5	गुरु	अनु.	29:13 से 30:14 तक
30 "*	"	शु. 5	शुक्र	अनु.	06:14 से 11:24 तक
30 "	"	शु. 5	शुक्र	अनु.	12:14 से 22:32 तक
30 "	"	शु. 5	शुक्र	अनु.	24:38 से 28:18 तक
10 अक्टू.	*कार्ति.	कृ. 1	सोम	रेव.	06:19 से 13:58 तक
14 "*	"	कृ. 5	शुक्र	रोहि.	13:56 से 15:57 तक
14 "	"	कृ. 5	शुक्र	रोहि.	16:33 से 20:47 तक
14 "	"	कृ. 5	शुक्र	मृग.	21:29 से 28:53 तक
15 "*	"	कृ. 6	शनि	मृग.	06:22 से 10:01 तक
15 "	"	कृ. 6	शनि	मृग.	11:15 से 14:23 तक
22 "	"	कृ. 12	शनि	उफा.	13:50 से 15:05 तक
22 "	"	कृ. 12	शनि	उफा.	16:01 से 17:11 तक
22 "	"	कृ. 12	शनि	उफा.	17:26 से 18:03 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
22 अक्टू.	कार्ति.	कृ. 13	शनि	उफा.	19:02 से 20:05 तक
22 "	"	कृ. 13	शनि	उफा.	20:57 से 30:08 तक
26 "*	"	शु. 1	बुध	स्वा.	06:29 से 10:07 तक
26 "	"	शु. 1	बुध	स्वा.	10:32 से 13:24 तक
27 "*	"	शु. 2	गुरु	अनु.	12:10 से 12:45 तक
27 "	"	शु. 3	गुरु	अनु.	14:14 से 23:41 तक
27 "	"	शु. 3	गुरु	अनु.	25:12 से 28:32 तक
27 "	"	शु. 3	गुरु	अनु.	29:46 से 30:30 तक
28 "*	"	शु. 3	शुक्र	अनु.	06:30 से 10:34 तक
31 "	"	शु. 7	सोम	उषा.	06:33 से 11:24 तक
31 "	"	शु. 7	सोम	उषा.	12:16 से 14:19 तक
31 "	"	शु. 7	सोम	उषा.	15:26 से 16:12 तक
31 "	"	शु. 7	सोम	उषा.	18:12 से 25:12 तक
02 नवं.	"	शु. 10	बुध	धनि.	21:10 से 25:43 तक
02 "	"	शु. 10	बुध	शत.	27:06 से 30:35 तक
03 "	"	शु. 10	गुरु	शत.	06:35 से 07:48 तक
03 "	"	शु. 10	गुरु	शत.	10:00 से 19:30 तक
03 "	"	शु. 11	गुरु	शत.	20:10 से 20:45 तक
03 "	"	शु. 11	गुरु	शत.	22:25 से 24:48 तक
04 "	"	शु. 12	शुक्र	उभा.	24:12 से 27:15 तक
04 "	"	शु. 12	शुक्र	उभा.	29:15 से 29:35 तक
05 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	06:36 से 17:07 तक
05 "	"	शु. 13	शनि	उभा.	18:07 से 23:56 तक
05 "	"	शु. 13	शनि	रेव.	24:37 से 25:22 तक
05 "	"	शु. 13	शनि	रेव.	26:34 से 28:45 तक
05 "	"	शु. 13	शनि	रेव.	29:11 से 30:37 तक
10 "*	मार्ग.	कृ. 2	गुरु	रोहि.	09:14 से 18:33 तक
10 "	"	कृ. 3	गुरु	रोहि.	19:42 से 21:12 तक
10 "	"	कृ. 3	गुरु	रोहि.	21:57 से 29:08 तक
11 "*	"	कृ. 3	शुक्र	मृग.	06:41 से 07:22 तक
14 "*	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	13:15 से 14:08 तक
14 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	14:31 से 23:41 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	10:30 से 11:02 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	11:02 से 12:44 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	12:44 से 14:11 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	14:11 से 15:36 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	15:36 से 17:11 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	17:11 से 19:07 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	19:07 से 21:22 तक
19 "	"	कृ. 11	शनि	उफा.	21:22 से 22:42 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
19 नवं.	मार्ग.	कृ. 11	शनि	उफा.	23:42 से 24:14 तक
21 "	"	कृ. 12	सोम	चित्रा	06:49 से 08:50 तक
21 "	"	कृ. 12	सोम	चित्रा	08:50 से 10:07 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	10:54 से 12:30 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	12:36 से 14:03 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	14:03 से 15:28 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	15:28 से 17:04 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	17:04 से 18:59 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	18:59 से 21:06 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	21:14 से 21:34 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	23:34 से 24:14 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	स्वा.	25:51 से 28:08 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	स्वा.	28:08 से 30:27 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	स्वा.	30:27 से 30:49 तक
23 "*	"	शु. 1	बुध	अनु.	28:27 से 28:32 तक
23 "	"	शु. 1	बुध	अनु.	30:19 से 30:51 तक
24 "*	"	शु. 1	गुरु	अनु.	06:51 से 08:38 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	08:38 से 10:42 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	10:42 से 12:19 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	12:24 से 13:41 तक
24 "*	"	शु. 1	गुरु	अनु.	13:52 से 15:05 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	15:17 से 16:52 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	16:52 से 18:47 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	18:47 से 19:37 तक
28 "*	"	शु. 5	सोम	उषा.	06:54 से 08:22 तक
28 "	"	शु. 5	सोम	उषा.	08:22 से 10:26 तक
28 "	"	शु. 5	सोम	उषा.	10:26 से 10:29 तक
30 "	"	शु. 7	बुध	धनि.	06:56 से 07:11 तक
30 "	"	शु. 7	बुध	शत.	08:14 से 08:59 तक
30 "	"	शु. 8	बुध	शत.	20:06 से 20:38 तक
30 "	"	शु. 8	बुध	शत.	20:38 से 22:59 तक
30 "	"	शु. 8	बुध	शत.	22:59 से 25:16 तक
30 "	"	शु. 8	बुध	शत.	25:16 से 27:32 तक
30 "	"	शु. 8	बुध	शत.	27:32 से 29:52 तक
30 "	"	शु. 8	बुध	शत.	29:52 से 30:12 तक
01 दिसं.	"	शु. 10	गुरु	उभा.	30:15 से 30:57 तक
02 "	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	06:57 से 07:29 तक
02 "	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	08:06 से 17:53 तक
02 "	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	18:16 से 29:40 तक
02 "	"	शु. 11	शुक्र	उभा.	29:44 से 29:45 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
07 दिसं.*	मार्ग.	शु. 15	बुध	रोहि.	20:47 से 26:54 तक
07 "	"	शु. 15	बुध	रोहि.	27:05 से 31:02 तक
08 "*	"	शु. 15	गुरु	रोहि.	07:02 से 09:38 तक
24 "*	पौष	शु. 2	शनि	उषा.	22:15 से 27:31 तक
24 "	"	शु. 2	शनि	उषा.	28:17 से 29:09 तक
26 "*	"	शु. 5	सोम	धनि.	25:38 से 27:30 तक
26 "	"	शु. 5	सोम	धनि.	28:10 से 31:13 तक
28 "	"	शु. 6	बुध	शत.	07:13 से 09:44 तक
28 "	"	शु. 6	बुध	शत.	10:11 से 12:46 तक
29 "	"	शु. 7	गुरु	उभा.	11:45 से 12:08 तक
29 "	"	शु. 7	गुरु	उभा.	12:59 से 15:02 तक
29 "	"	शु. 7	गुरु	उभा.	16:30 से 19:17 तक
29 "	"	शु. 8	गुरु	उभा.	30:50 से 31:14 तक
30 "	"	शु. 8	शुक्र	उभा.	07:14 से 09:45 तक
12 जन.23*	माघ	कृ. 5	गुरु	उफा.	14:24 से 16:37 तक
12 "	"	कृ. 6	गुरु	उफा.	17:49 से 21:00 तक
12 "	"	कृ. 6	गुरु	उफा.	22:27 से 26:26 तक
12 "	"	कृ. 6	गुरु	उफा.	27:03 से 29:31 तक
13 "*	"	कृ. 6	शुक्र	उफा.	07:15 से 12:44 तक
13 "	"	कृ. 6	शुक्र	उफा.	15:08 से 16:35 तक
16 "	"	कृ. 6	शुक्र	उफा.	अल्पावधियोग
18 "	"	कृ. 11	बुध	अनु.	07:15 से 16:03 तक
21 "*	"	शु. 1	शनि	उषा.	26:23 से 30:29 तक
23 "*	"	शु. 3	सोम	शत.	25:27 से 28:59 तक
25 "*	"	शु. 5	बुध	उभा.	20:05 से 23:26 तक
25 "	"	शु. 5	बुध	उभा.	23:52 से 31:13 तक
26 "*	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:13 से 10:28 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	11:09 से 15:29 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	16:54 से 18:56 तक
		कलश दोष समाप्त			
26 "	"	शु. 6	गुरु	रेव.	19:15 से 21:43 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	रेव.	23:48 से 31:12 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 09:11 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	09:40 से 13:21 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	14:36 से 17:48 तक
30 "	"	शु. 10	सोम	रोहि.	22:15 से 22:59 तक
30 "	"	शु. 10	सोम	रोहि.	23:33 से 31:10 तक
10 फर.*	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	चित्रा	24:17 से 31:03 तक
11 "*	"	कृ. 5	शनि	चित्रा	07:03 से 09:08 तक
11 फर.	फाल्गु.	कृ. 6	शनि	चित्रा	10:06 से 13:03 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	13:37 से 16:21 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	18:45 से 21:31 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	22:45 से 25:40 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	स्वा.	27:23 से 31:02 तक
17 "	"	कृ. 12	शुक्र	उषा.	20:28 से 23:36 तक
20 "*	"	शु. 1	सोम	शत.	12:36 से 22:48 तक
20 "	"	शु. 1	सोम	शत.	24:29 से 25:59 तक
20 "	"	शु. 1	सोम	शत.	26:48 से 30:55 तक
22 "*	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:54 से 16:37 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	17:28 से 23:46 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	24:18 से 27:25 तक
23 "*	"	शु. 5	गुरु	रेव.	25:34 से 26:56 तक
27 "	"	शु. 8	सोम	रोहि.	17:23 से 26:22 तक
01 मार्च	"	शु. 10	बुध	मृग	06:47 से 09:33 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुष्य	15:43 से 16:15 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुष्य	16:53 से 18:44 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुष्य	19:10 से 22:28 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुष्य	23:46 से 30:44 तक
04 "	"	शु. 12	शनि	पुष्य	06:44 से 11:44 तक
04 "	"	शु. 13	शनि	पुष्य	12:14 से 18:41 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
04 जून	ज्ये.	शु. 5	शनि	पुष्य	05:23 से 15:20 तक
08 "	"	शु. 8	बुध	उफा.	05:23 से 08:31 तक
10 "	"	शु. 10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 08:02 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 14:56 तक
11 "	"	शु. 12	शनि	स्वा.	10:10 से 14:53 तक
19 "	आषा.	कृ. 6	रवि	शत.	05:56 से 16:41 तक
15 जन.23	माघ	कृ. 8	रवि	चित्रा	07:15 से 13:27 तक
18 "	"	कृ. 11	बुध	अनु.	07:15 से 13:16 तक
22 "	"	शु. 1	रवि	श्रव.	07:14 से 13:00 तक
26 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:13 से 11:09 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	11:09 से 14:40 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 09:40 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	09:40 से 13:21 तक
28 "	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:12 से 08:43 तक
03 फर.	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	07:09 से 14:08 तक
05 "	"	शु. 15	रवि	पुष्य	10:45 से 12:13 तक
10 "	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	हस्त	07:59 से 13:41 तक
11 "	"	कृ. 5	शनि	चित्रा	07:03 से 09:08 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	10:06 से 13:03 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:54 से 15:08 तक
09 मार्च	चैत्र	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:38 से 14:09 तक
13 "	"	कृ. 6	सोम	अनु.	08:21 से 11:39 तक

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
17 अप्रै.	वैशा.	कृ. 1	रवि	चित्रा	05:54 से 07:16 तक
23 "	"	कृ. 7	शनि	उषा.	05:48 से 15:49 तक
04 मई	"	शु. 3	बुध	मृग.	05:38 से 07:33 तक
06 "	"	शु. 5	शुक्र	पुन.	09:20 से 12:40 तक
06 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	12:40 से 14:58 तक
07 "	"	शु. 6	शनि	पुन.	05:36 से 12:36 तक
07 "	"	शु. 6	शनि	पुष्य	12:36 से 14:54 तक
08 "	"	शु. 7	रवि	पुष्य	05:35 से 14:50 तक
12 "	"	शु. 11	गुरु	उफा.	05:33 से 07:18 तक
20 "	ज्ये.	कृ. 5	शुक्र	उषा.	05:28 से 16:19 तक
26 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:25 से 11:22 तक
26 "	"	कृ. 12	गुरु	रेव.	11:22 से 15:55 तक
27 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:25 से 11:48 तक
27 "	"	कृ. 13	शुक्र	अश्वि.	13:35 से 15:51 तक
01 जून	"	शु. 2	बुध	मृग.	05:24 से 13:00 तक

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
03 अप्रै.	चैत्र	शु. 2	रवि	अश्वि.	10:15 से 12:37 तक
06 "	"	शु. 5	बुध	रोहि.	06:06 से 10:03 तक
06 "	"	शु. 5	बुध	रोहि.	12:18 से 14:38 तक
11 "	"	शु. 10	[illegible]	आश्ले.	07:15 से 12:18 तक
21 "	वैशा.	कृ. 5	गुरु	मूल	05:50 से 07:09 तक
21 "	"	कृ. 5	गुरु	मूल	09:04 से 11:13 तक
04 मई	"	शु. 3	बुध	मृग.	05:38 से 07:33 तक
05 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	10:01 से 10:24 तक
05 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	12:44 से 15:02 तक
06 "	"	शु. 5	शुक्र	आर्द्रा	05:37 से 10:20 तक
12 "	"	शु. 11	गुरु	उफा.	05:46 से 07:18 तक
13 "	"	शु. 12	शुक्र	हस्त	05:42 से 13:03 तक
18 "	ज्ये.	कृ. 3	बुध	मूल	08:57 से 09:33 तक
18 "	"	कृ. 3	बुध	मूल	11:53 से 13:18 तक

आर्यभट्ट पंचांगम्

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
20 मई	ज्ये.	कृ. 5	शुक्र	उषा.	07:10 से 08:45 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	09:25 से 11:45 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	08:45 से 09:25 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	14:03 से 16:19 तक
10 जून	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	05:23 से 08:02 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 14:56 तक
16 "	आषा.	कृ. 2	गुरु	पूषा.	05:24 से 07:39 तक
16 "	"	कृ. 3	गुरु	पूषा.	09:59 से 12:37 तक
25 जन.23	माघ	शु. 5	बुध	पूभा	12:34 से 14:29 तक
26 "	"	शु. 5	गुरु	उभा	07:13 से 10:28 तक
08 फर.	फाल्गु.	कृ. 3	बुध	पूफा.	07:25 से 08:53 तक
08 "	"	कृ. 3	बुध	पूफा.	10:18 से 13:49 तक
10 "	"	कृ. 5	शुक्र	हस्त	11:45 से 13:41 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उ.भा.	07:41 से 09:23 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उ.भा.	10:58 से 15:08 तक
09 मार्च	चैत्र	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:59 से 08:24 तक
09 "	"	कृ. 2	गुरु	हस्त	09:59 से 14:09 तक

अक्षरारंभ मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
21 अप्रै.	वैशा.	कृ. 5	गुरु	मूल	05:50 से 20:33 तक
22 "	"	कृ. 6	शुक्र	पूषा.	05:49 से 07:05 तक
22 "	"	कृ. 6	शुक्र	पूषा.	07:05 से 08:43 तक
25 "	"	कृ. 10	सोम	धनि.	05:46 से 14:13 तक
27 "	"	कृ. 12	बुध	पूभा.	05:44 से 17:36 तक
04 मई	"	शु. 3	बुध	मृग.	05:38 से 07:33 तक
05 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	10:01 से 19:37 तक
06 "	"	शु. 5	शुक्र	आर्द्रा	05:37 से 19:06 तक
11 "	"	शु. 10	बुध	पू.फा.	05:33 से 19:14 तक
12 "	"	शु. 11	गुरु	उफा.	05:33 से 07:18 तक
12 "	"	शु. 12	गुरु	उफा.	19:02 से 19:10 तक
13 "	"	शु. 12	शुक्र	हस्त	05:32 से 17:27 तक
18 "	ज्ये.	कृ. 3	बुध	मूल	08:57 से 13:18 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	05:28 से 17:29 तक
25 "	"	कृ. 11	बुध	उभा.	10:33 से 20:37 तक
26 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:25 से 11:22 तक
26 "	"	कृ. 12	गुरु	रेव.	11:22 से 20:33 तक
27 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:25 से 11:48 तक
01 जून	"	शु. 2	बुध	मृग.	05:24 से 20:10 तक
02 "	"	शु. 3	गुरु	आर्द्रा	05:24 से 20:06 तक
05 जून	ज्ये.	शु. 6	रवि	आश्ले.	07:55 से 19:54 तक
10 "	"	शु. 10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 08:02 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 18:42 तक
15 "	आषा.	कृ. 2	बुध	मूल	13:32 से 15:33 तक
15 "	"	कृ. 2	बुध	पूषा.	16:56 से 21:19 तक
16 "	"	कृ. 2	गुरु	पूषा.	05:23 से 09:45 तक
16 "	"	कृ. 3	गुरु	पूषा.	09:59 से 19:56 तक
19 "	"	कृ. 6	रवि	शत.	05:24 से 21:03 तक
18 जन.23	माघ	कृ. 11	बुध	अनु.	07:15 से 16:03 तक
25 "	"	शु. 5	बुध	पूभा.	12:34 से 18:15 तक
26 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:13 से 10:28 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	11:09 से 18:56 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 09:11 तक
02 फर.	"	शु. 12	गुरु	आर्द्रा	13:24 से 16:26 तक
08 "	फाल्गु.	कृ. 3	बुध	पू.फा.	07:05 से 16:30 तक
10 "	"	कृ. 5	शुक्र	हस्त	07:59 से 16:44 तक
12 "	"	कृ. 6	रवि	स्वा.	07:02 से 09:46 तक
16 "	"	कृ. 11	गुरु	मूल	06:59 से 07:02 तक
16 "	"	कृ. 11	गुरु	मूल	08:14 से 20:09 तक
17 "	"	कृ. 12	शुक्र	पूषा.	06:58 से 20:05 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:54 से 19:46 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:52 से 18:47 तक
01 मार्च	"	शु. 10	बुध	मृग.	06:47 से 09:33 तक
01 "	"	शु. 10	बुध	आर्द्रा	10:30 से 17:27 तक
02 "	"	शु. 11	गुरु	आर्द्रा	06:46 से 19:14 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुन.	09:11 से 16:53 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुष्य	16:53 से 18:44 तक
09 "	चैत्र	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:38 से 18:47 तक
10 "	"	कृ. 3	शुक्र	चित्रा	06:37 से 09:22 तक
12 "	"	कृ. 5	रवि	स्वा.	06:35 से 08:00 तक
13 "	"	कृ. 6	सोम	अनु.	08:21 से 18:31 तक

गृहारंभ (नींव रखना) मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
23 अप्रै.	वैशा.	कृ. 7	शनि	उषा.	05:48 से 07:01 तक
23 "	"	कृ. 8	शनि	उषा.	07:01 से 18:53 तक
04 मई	"	शु. 3	बुध	मृग.	05:38 से 07:33 तक
12 "	"	शु. 11	गुरु	उफा.	05:33 से 07:18 तक
01 जून	ज्ये.	शु. 2	बुध	मृग.	05:24 से 13:00 तक
10 "	"	शु. 10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 08:02 तक
10 जून	ज्ये.	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 18:42 तक
11 "	"	शु. 12	शनि	स्वा.	10:10 से 19:31 तक
18 जुला.	श्राव.	कृ. 6	सोम	उभा.	12:23 से 15:25 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	उभा.	17:49 से 20:16 तक
20 "	"	कृ. 7	बुध	रेव.	05:36 से 07:46 तक
20 "	"	कृ. 8	बुध	रेव.	07:46 से 12:02 तक
23 "	"	कृ. 11	शनि	रोहि.	19:03 से 20:32 तक
25 "	"	कृ. 12	सोम	मृग.	05:38 से 15:03 तक
25 "	"	कृ. 13	सोम	मृग.	18:39 से 20:24 तक
03 अग.	"	शु. 6	बुध	हस्त	05:44 से 09:37 तक
03 "	"	शु. 6	बुध	चित्रा	18:24 से 19:49 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	05:44 से 18:47 तक
10 "	"	शु. 13	बुध	उषा.	09:39 से 14:16 तक
29 "	भाद्र.	शु. 3	सोम	उफा.	18:12 से 19:34 तक
31 "	"	शु. 5	बुध	चित्रा	17:49 से 19:26 तक
10 सितं.	"	शु. 15	शनि	शत	06:04 से 08:55 तक
12 "	आश्वि.	कृ. 2	सोम	उभा.	06:05 से 08:47 तक
12 "	"	कृ. 2	सोम	रेव.	08:47 से 13:25 तक
12 "	"	कृ. 3	सोम	रेव.	13:25 से 18:39 तक
02 दिसं.	मार्ग.	शु. 10	शुक्र	उभा.	06:57 से 17:53 तक
08 "	"	शु. 15	गुरु	रोहि.	07:02 से 09:47 तक
08 "	पौष	कृ. 1	गुरु	रोहि.	09:47 से 12:57 तक
08 "	"	कृ. 1	गुरु	मृग.	12:57 से 17:52 तक
09 "	"	कृ. 1	शुक्र	मृग.	07:02 से 12:53 तक
09 "	"	कृ. 2	शुक्र	मृग.	12:53 से 14:59 तक
18 जन.23	माघ	कृ. 11	बुध	अनु.	07:15 से 17:22 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 09:40 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	09:40 से 17:48 तक
10 फर.	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	हस्त	07:59 से 16:44 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:54 से 19:46 तक
27 "	"	शु. 6	सोम	रोहि.	17:23 से 19:26 तक

व्यापारारंभ मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
16 अप्रै.	चैत्र	शु. 15	शनि	चित्रा	13:28 से 20:01 तक
17 "	वैशा.	कृ. 1	रवि	चित्रा	05:54 से 07:16 तक
23 "	"	कृ. 7	शनि	उषा.	05:48 से 06:27 तक
23 "	"	कृ. 8	शनि	उषा.	07:01 से 18:53 तक
27 "	"	कृ. 12	बुध	उभा.	17:05 से 17:36 तक
28 "	"	कृ. 13	गुरु	रेव.	17:40 से 20:05 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
04 मई	वैशा.	शु. 3	बुध	मृग.	05:38 से 06:18 तक
07 "	"	शु. 6	शनि	पुष्य	12:36 से 17:10 तक
07 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	17:10 से 19:57 तक
08 "	"	शु. 7	रवि	पुष्य	05:35 से 14:57 तक
11 "	"	शु. 10	बुध	उफा.	19:28 से 19:32 तक
12 "	"	शु. 11	गुरु	उफा.	05:33 से 19:10 तक
13 "	"	शु. 12	शुक्र	हस्त	05:32 से 19:06 तक
16 "	ज्ये.	कृ. 1	सोम	अनु.	16:23 से 18:54 तक
20 "	"	कृ. 5	शुक्र	उषा.	05:28 से 18:39 तक
20 "	"	कृ. 6	शुक्र	उषा.	18:39 से 20:57 तक
25 "	"	कृ. 11	बुध	उभा.	10:33 से 20:37 तक
26 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:25 से 11:22 तक
26 "	"	कृ. 12	गुरु	रेव.	11:22 से 20:33 तक
27 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:25 से 13:35 तक
27 "	"	कृ. 13	शुक्र	अश्वि.	13:35 से 20:30 तक
30 "	"	शु. 1	सोम	रोहि.	17:00 से 20:18 तक
01 जून	"	शु. 2	बुध	मृग.	05:24 से 13:00 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	05:23 से 08:26 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	10:46 से 19:58 तक
08 "	"	शु. 8	बुध	उफा.	05:23 से 08:31 तक
10 "	"	शु. 10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 08:02 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 18:42 तक
16 "	आषा.	कृ. 3	गुरु	उषा.	12:37 से 19:56 तक
22 "	"	कृ. 10	बुध	रेव.	20:46 से 22:34 तक
23 "	"	कृ. 10	गुरु	अश्वि.	07:20 से 09:09 तक
24 "	"	कृ. 11	शुक्र	अश्वि.	05:25 से 08:04 तक
26 "	"	कृ. 13	रवि	रोहि.	13:06 से 19:09 तक
01 जुला.	"	शु. 2	शुक्र	पुष्य	05:27 से 13:34 तक
01 "	"	शु. 3	शुक्र	पुष्य	13:34 से 20:16 तक
06 "	"	शु. 7	बुध	उफा.	05:29 से 10:58 तक
07 "	"	शु. 8	गुरु	हस्त	07:44 से 10:54 तक
07 "	"	शु. 8	गुरु	चित्रा	13:10 से 19:29 तक
10 "	"	शु. 12	रवि	अनु.	14:14 से 19:41 तक
11 "	"	शु. 12	सोम	अनु.	05:31 से 07:50 तक
14 "	श्राव.	कृ. 1	गुरु	उषा.	09:39 से 19:25 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	उभा.	12:23 से 19:09 तक
20 "	"	कृ. 7	बुध	रेव.	05:36 से 07:36 तक
20 "	"	कृ. 8	बुध	रेव.	07:46 से 12:02 तक
20 "	"	कृ. 8	बुध	अश्वि.	13:38 से 19:01 तक
21 जुला.	श्राव.	कृ. 8	गुरु	अश्वि.	05:36 से 08:12 तक
23 "	"	कृ. 11	शनि	रोहि.	19:03 से 20:32 तक
24 "	"	कृ. 11	रवि	रोहि.	05:38 से 14:23 तक
24 "	"	कृ. 12	रवि	रोहि.	14:23 से 20:28 तक
25 "	"	कृ. 12	सोम	मृग.	05:38 से 15:03 तक
25 "	"	कृ. 13	सोम	मृग.	18:39 से 20:24 तक
29 "	"	शु. 1	शुक्र	पुष्य	07:10 से 09:47 तक
03 अग.	"	शु. 6	बुध	हस्त	05:44 से 09:08 तक
03 "	"	शु. 6	बुध	हस्त	11:24 से 19:49 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	05:44 से 11:20 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	13:40 से 18:47 तक
07 "	"	शु. 10	रवि	अनु.	05:46 से 16:30 तक
10 "	"	शु. 13	बुध	उषा.	09:39 से 14:16 तक
21 "	भाद्र.	कृ. 10	रवि	मृग.	05:53 से 14:21 तक
22 "	"	कृ. 11	सोम	मृग.	05:54 से 07:41 तक
25 "	"	कृ. 13	गुरु	पुष्य	05:55 से 10:38 तक
29 "	"	शु. 2	सोम	उफा.	05:58 से 07:26 तक
29 "	"	शु. 2	सोम	उफा.	09:42 से 16:24 तक
29 "	"	शु. 3	सोम	उफा.	16:24 से 18:06 तक
31 "	"	शु. 5	बुध	चित्रा	17:49 से 17:58 तक
07 सितं.	"	शु. 12	बुध	उषा.	06:02 से 15:49 तक
26 "	आश्वि.	शु. 1	सोम	हस्त	08:36 से 19:09 तक
24 नवं.	मार्ग.	शु. 1	गुरु	अनु.	08:38 से 19:37 तक
27 "	"	शु. 5	रवि	उषा.	16:26 से 18:36 तक
28 "	"	शु. 5	सोम	उषा.	06:54 से 10:26 तक
02 दिसं.	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	06:57 से 11:53 तक
02 "	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	14:45 से 18:16 तक
04 "	"	शु. 12	रवि	अश्वि.	07:04 से 11:45 तक
04 "	"	शु. 12	रवि	अश्वि.	13:12 से 20:23 तक
08 "	"	शु. 15	गुरु	रोहि.	07:02 से 09:47 तक
08 "	पौष	कृ. 1	गुरु	रोहि.	09:47 से 11:29 तक
08 "	"	कृ. 1	गुरु	मृग.	12:57 से 15:57 तक
08 "	"	कृ. 1	गुरु	मृग.	17:52 से 20:07 तक
09 "	"	कृ. 1	शुक्र	मृग.	07:02 से 11:25 तक
09 "	"	कृ. 2	शुक्र	मृग.	12:53 से 14:59 तक
12 "	"	कृ. 5	सोम	पुष्य	18:49 से 19:51 तक
15 जन.23	माघ	कृ. 8	रवि	चित्रा	07:15 से 09:00 तक
15 "	"	कृ. 8	रवि	चित्रा	10:27 से 19:11 तक
18 "	"	कृ. 11	बुध	अनु.	07:15 से 08:48 तक
18 जन.23	माघ	कृ. 11	बुध	अनु.	10:15 से 17:22 तक
26 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:13 से 08:17 तक
26 "	"	शु. 6	गुरु	उभा.	11:09 से 19:15 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 08:13 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	11:05 से 17:48 तक
28 "	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:12 से 08:09 तक
05 फर.	"	शु. 15	रवि	पुष्य	10:45 से 12:13 तक
10 "	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	हस्त	08:45 से 18:44 तक
11 "	"	कृ. 5	शनि	चित्रा	07:03 से 07:14 तक
11 "	"	कृ. 5	शनि	चित्रा	08:41 से 10:06 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	10:06 से 11:41 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	11:41 से 13:03 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	13:37 से 15:51 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	15:51 से 16:21 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	18:45 से 20:29 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	09:23 से 22:02 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	07:50 से 09:15 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	10:50 से 12:46 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	12:46 से 12:56 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	15:00 से 17:21 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	17:21 से 19:38 तक
09 मार्च	चैत्र	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:59 से 18:47 तक
10 "	"	कृ. 3	शुक्र	चित्रा	06:55 से 09:22 तक
13 "	"	कृ. 6	सोम	विशा.	08:21 से 18:31 तक

मुण्डन संस्कार मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय
25 अप्रै.	वैशा.	कृ. 10	सोम	धनि.	06:53 से 11:03 तक
25 "	"	कृ. 10	सोम	धनि.	11:03 से 13:24 तक
28 "	"	कृ. 13	गुरु	रेव.	17:40 से 20:05 तक
04 मई	"	शु. 3	बुध	मृग.	06:18 से 07:33 तक
06 "	"	शु. 5	शुक्र	पुन.	09:20 से 12:40 तक
06 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	14:58 से 19:06 तक
13 "	"	शु. 13	शुक्र	हस्त	17:27 से 19:06 तक
18 "	ज्ये.	कृ. 3	बुध	ज्ये.	05:29 से 07:21 तक
26 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:25 से 10:55 तक
27 "	"	कृ. 13	शुक्र	अश्वि.	13:35 से 18:11 तक
01 जून	"	शु. 2	बुध	मृग.	05:24 से 10:58 तक
02 "	"	शु. 3	गुरु	पुन.	16:04 से 17:47 तक
10 "	"	शु. 10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 08:02 तक

आर्यभट्ट पंचांगम्

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
10 जून	ज्ये.	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 10:23 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	12:40 से 17:16 तक
19 जन.23	माघ	कृ. 13	गुरु	ज्ये.	13:18 से 14:30 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	09:40 से 11:05 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	12:40 से 17:48 तक
03 फर.	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	09:13 से 10:37 तक
03 "	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	12:13 से 13:01 तक
03 "	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	14:08 से 16:23 तक
03 "	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	16:23 से 18:43 तक
10 "	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	हस्त	08:45 से 10:10 तक
10 "	"	कृ. 5	शुक्र	हस्त	11:45 से 13:41 तक
10 "	"	कृ. 5	शुक्र	हस्त	13:41 से 15:55 तक
10 "	"	कृ. 5	शुक्र	हस्त	15:55 से 16:44 तक
15 "	"	कृ. 10	बुध	ज्ये.	08:25 से 09:50 तक
15 "	"	कृ. 10	बुध	ज्ये.	11:25 से 13:21 तक
15 "	"	कृ. 10	बुध	ज्ये.	13:21 से 15:36 तक
15 "	"	कृ. 10	बुध	ज्ये.	15:36 से 17:56 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	07:50 से 09:15 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	10:50 से 12:46 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	12:46 से 12:56 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	15:00 से 17:21 तक
01 मार्च	"	शु. 10	बुध	मृग.	07:30 से 08:55 तक
02 "	"	शु. 11	गुरु	पुन.	12:43 से 16:57 तक
09 "	चैत्र	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:59 से 08:24 तक
09 "	"	कृ. 2	गुरु	हस्त	09:59 से 11:55 तक
09 "	"	कृ. 2	गुरु	हस्त	11:55 से 16:29 तक
10 "	"	कृ. 3	शुक्र	चित्रा	06:55 से 08:20 तक

द्विरागमन मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
20 अप्रै.	वैशा.	कृ. 5	बुध	मूल	24:29 से 28:09 तक
21 "	"	कृ. 5	गुरु	मूल	05:50 से 11:19 तक
21 "	"	कृ. 6	गुरु	मूल	11:19 से 21:51 तक
22 "	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	20:14 से 28:01 तक
27 "	"	कृ. 12	बुध	उभा.	17:05 से 17:36 तक
28 "	"	कृ. 13	गुरु	रेव.	17:40 से 24:27 तक
02 मई	"	शु. 2	सोम	रोहि.	24:33 से 28:47 तक
06 "	"	शु. 5	शुक्र	पुन.	09:20 से 12:40 तक
06 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	12:40 से 19:06 तक
06 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	21:06 से 28:31 तक
11 मई	वैशा.	शु. 10	बुध	उफा.	19:28 से 21:32 तक
11 "	"	शु. 11	बुध	उफा.	21:32 से 28:11 तक
12 "	"	शु. 11	गुरु	उफा.	05:33 से 07:18 तक
12 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	19:30 से 27:44 तक
25 नवं.	मार्ग.	शु. 2	शुक्र	मूल	18:09 से 23:18 तक
25 "	"	शु. 3	शुक्र	मूल	23:18 से 28:58 तक
28 "	"	शु. 5	सोम	श्रव.	10:29 से 13:36 तक
28 "	"	शु. 6	सोम	श्रव.	13:36 से 30:00 तक
02 दिसं.	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	06:57 से 29:40 तक
07 "	"	शु. 15	बुध	रोहि.	20:47 से 29:24 तक
08 "	"	शु. 15	गुरु	रोहि.	07:02 से 29:20 तक
09 "	पौष	कृ. 1	शुक्र	मृग.	07:02 से 12:53 तक
09 "	"	कृ. 2	शुक्र	मृग.	12:53 से 14:59 तक
16 फर.	फाल्गु.	कृ. 11	गुरु	मूल	06:59 से 07:02 तक
16 "	"	कृ. 11	गुरु	मूल	08:14 से 22:53 तक
17 "	"	कृ. 12	शुक्र	उषा.	20:28 से 23:44 तक
22 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:54 से 27:25 तक
27 "	"	शु. 8	सोम	रोहि.	17:23 से 26:22 तक
01 मार्च	"	शु. 10	बुध	मृग.	06:47 से 09:51 तक
02 "	"	शु. 11	गुरु	पुन.	12:43 से 19:55 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुन.	09:11 से 16:53 तक
03 "	"	शु. 12	शुक्र	पुष्य	16:53 से 29:51 तक
08 "	चैत्र.	कृ. 1	बुध	उफा.	06:39 से 08:53 तक
08 "	"	कृ. 2	बुध	उफा.	19:43 से 29:31 तक
09 "	"	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:38 से 21:03 तक
09 "	"	कृ. 3	गुरु	हस्त	21:03 से 29:27 तक

वाहन क्रय मुहूर्त्ताः सं. 2079

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
02 अप्रै.	चैत्र	शु. 1	शनि	रेव.	06:11 से 08:30 तक
06 "	"	शु. 6	बुध	रोहि.	19:39 से 21:31 तक
07 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	06:05 से 07:16 तक
07 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	08:04 से 09:09 तक
07 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	09:59 से 15:16 तक
07 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	12:14 से 15:16 तक
07 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	16:52 से 20:33 तक
09 "	"	शु. 8	शनि	पुन.	12:17 से 21:20 तक
11 "	"	शु. 10	सोम	पुष्य	06:00 से 06:51 तक
16 "	"	शु. 15	शनि	हस्त	13:28 से 20:01 तक
23 "	वैशा.	कृ. 8	शनि	उषा.	18:53 से 20:25 तक
25 अप्रै.	वैशा.	कृ. 10	सोम	धनि.	05:46 से 14:13 तक
28 "	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	17:40 से 20:05 तक
04 मई	"	शु. 3	बुध	मृग.	05:38 से 07:33 तक
06 "	"	शु. 5	शुक्र	पुन.	09:20 से 12:33 तक
06 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	12:40 से 16:53 तक
06 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	17:14 से 19:06 तक
07 "	"	शु. 6	शनि	पुन.	05:36 से 12:18 तक
07 "	"	शु. 6	शनि	पुष्य	12:36 से 14:57 तक
07 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	17:10 से 19:57 तक
12 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	19:30 से 21:29 तक
13 "	"	शु. 12	शुक्र	हस्त	05:32 से 06:15 तक
13 "	"	शु. 12	शुक्र	हस्त	07:38 से 15:40 तक
13 "	"	शु. 12	शुक्र	हस्त	16:47 से 17:27 तक
13 "	"	शु. 13	शुक्र	चित्रा	19:06 से 21:25 तक
14 "	"	शु. 13	शनि	चित्रा	05:31 से 06:12 तक
14 "	"	शु. 13	शनि	चित्रा	07:34 से 12:58 तक
16 "	ज्ये.	कृ. 1	सोम	अनु.	16:23 से 20:06 तक
21 "	"	कृ. 6	शनि	श्रव.	05:28 से 08:11 तक
21 "	"	कृ. 6	शनि	श्रव.	09:21 से 14:59 तक
26 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:25 से 10:55 तक
26 "	"	कृ. 12	गुरु	रेव.	11:22 से 20:33 तक
27 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:25 से 11:48 तक
27 "	"	कृ. 13	शुक्र	अश्वि.	13:35 से 20:30 तक
01 जून	"	शु. 2	बुध	मृग.	05:24 से 08:32 तक
01 "	"	शु. 2	बुध	मृग.	08:38 से 13:00 तक
02 "	"	शु. 3	गुरु	पुन.	16:04 से 22:10 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	05:23 से 05:38 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	06:11 से 15:50 तक
04 "	"	शु. 5	शनि	पुष्य	17:40 से 21:55 तक
10 "	"	शु. 10	शुक्र	चित्रा	05:23 से 07:26 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	08:02 से 16:07 तक
10 "	"	शु. 11	शुक्र	चित्रा	17:16 से 18:42 तक
11 "	"	शु. 12	शनि	स्वा.	10:10 से 16:40 तक
11 "	"	शु. 12	शनि	स्वा.	17:12 से 20:46 तक
18 "	आषा.	कृ. 5	शनि	धनि.	15:01 से 18:43 तक
18 "	"	कृ. 5	शनि	धनि.	19:03 से 21:07 तक
23 "	"	कृ. 10	गुरु	अश्वि.	07:20 से 09:09 तक
24 "	"	कृ. 11	शुक्र	अश्वि.	05:25 से 08:04 तक
30 "	"	शु. 1	गुरु	पुन.	05:26 से 09:50 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
30 जून	आषा.	शु. 2	गुरु	पुन.	13:26 से 13:38 तक
30 "	"	शु. 2	गुरु	पुन.	13:38 से 18:23 तक
30 "	"	शु. 2	गुरु	पुन.	20:20 से 22:02 तक
01 जुला.	"	शु. 2	शुक्र	पुष्य	05:27 से 10:46 तक
01 "	"	शु. 2	शुक्र	पुष्य	11:18 से 13:10 तक
01 "	"	शु. 3	शुक्र	पुष्य	13:34 से 21:58 तक
07 "	"	शु. 8	गुरु	हस्त	07:44 से 10:38 तक
07 "	"	शु. 8	गुरु	हस्त	10:54 से 12:19 तक
07 "	"	शु. 8	शुक्र	चित्रा	13:10 से 19:29 तक
08 "	"	शु. 10	शनि	स्वा.	18:26 से 21:31 तक
09 "	"	शु. 10	शनि	स्वा.	05:30 से 05:38 तक
09 "	"	शु. 10	शनि	स्वा.	06:08 से 06:48 तक
09 "	"	शु. 10	शनि	स्वा.	08:29 से 11:25 तक
11 "	"	शु. 12	सोम	अनु.	05:31 से 07:50 तक
14 "	श्राव.	कृ. 2	शुक्र	श्रव.	20:18 से 21:07 तक
15 "	"	कृ. 2	शुक्र	श्रव.	05:33 से 06:26 तक
15 "	"	कृ. 2	शुक्र	श्रव.	08:05 से 16:40 तक
15 "	"	कृ. 3	शुक्र	श्रव.	17:17 से 17:31 तक
15 "	"	कृ. 3	शनि	धनि.	19:21 से 21:03 तक
20 "	"	कृ. 7	बुध	रेव.	05:36 से 07:36 तक
20 "	"	कृ. 8	बुध	रेव.	07:46 से 10:49 तक
20 "	"	कृ. 8	गुरु	अश्वि.	13:38 से 19:48 तक
21 "	"	कृ. 8	गुरु	अश्वि.	05:36 से 08:12 तक
25 "	"	कृ. 12	सोम	मृग.	05:38 से 11:32 तक
25 "	"	कृ. 12	सोम	मृग.	12:00 से 15:03 तक
25 "	"	कृ. 13	सोम	मृग.	18:39 से 20:24 तक
29 "	"	शु. 1	शुक्र	पुष्य	05:41 से 09:47 तक
03 अग.	"	शु. 6	बुध	हस्त	05:44 से 09:37 तक
03 "	"	शु. 6	बुध	हस्त	11:24 से 17:46 तक
03 "	"	शु. 6	बुध	हस्त	18:06 से 18:24 तक
03 "	"	शु. 6	गुरु	चित्रा	19:49 से 21:16 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	05:44 से 06:40 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	06:47 से 16:33 तक
04 "	"	शु. 7	गुरु	चित्रा	18:02 से 18:47 तक
04 "	"	शु. 7	शुक्र	स्वा.	19:45 से 21:12 तक
05 "	"	शु. 8	शुक्र	स्वा.	16:36 से 18:37 तक
12 "	"	शु. 15	शुक्र	धनि.	05:49 से 07:06 तक
12 अग.	भाद्र	कृ. 1	शुक्र	धनि.	08:32 से 11:33 तक
12 "	"	कृ. 1	शुक्र	धनि.	13:08 से 14:49 तक
12 "	"	कृ. 1	शुक्र	धनि.	15:27 से 17:24 तक
12 "	"	कृ. 1	शुक्र	धनि.	17:31 से 20:41 तक
13 "	"	कृ. 2	शनि	शत.	05:49 से 07:49 तक
13 "	"	कृ. 2	शनि	शत.	10:13 से 14:17 तक
13 "	"	कृ. 2	शनि	शत.	15:23 से 20:37 तक
17 "	"	कृ. 6	बुध	अश्वि.	05:51 से 07:23 तक
17 "	"	कृ. 6	बुध	अश्वि.	08:13 से 08:15 तक
17 "	"	कृ. 6	बुध	अश्वि.	10:29 से 20:21 तक
22 "	"	कृ. 11	सोम	मृग.	05:54 से 07:41 तक
25 "	"	कृ. 13	गुरु	पुष्य	05:55 से 10:38 तक
31 "	"	शु. 5	बुध	चित्रा	15:23 से 16:18 तक
31 "	"	शु. 5	बुध	चित्रा	17:58 से 20:51 तक
01 सितं.	"	शु. 5	गुरु	स्वा.	05:59 से 14:49 तक
01 "	"	शु. 6	गुरु	स्वा.	16:12 से 20:47 तक
07 "	"	शु. 12	बुध	श्रव.	16:00 से 20:23 तक
08 "	"	शु. 13	गुरु	श्रव.	06:03 से 10:34 तक
08 "	"	शु. 13	गुरु	श्रव.	11:22 से 13:46 तक
08 "	"	शु. 13	गुरु	धनि.	15:45 से 20:19 तक
26 "	आश्वि.	शु. 1	सोम	हस्त	06:11 से 08:04 तक
26 "	"	शु. 1	सोम	हस्त	10:11 से 15:20 तक
26 "	"	शु. 1	सोम	हस्त	16:16 से 20:44 तक
अक्तूबर मासे मुहूर्ताभाव।					
21 नवं.	मार्ग.	कृ. 12	सोम	चित्रा	06:49 से 10:07 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	10:54 से 12:30 तक
21 "	"	कृ. 13	सोम	चित्रा	12:36 से 18:59 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	06:51 से 12:19 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	12:24 से 13:41 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	13:52 से 15:05 तक
24 "	"	शु. 1	गुरु	अनु.	15:17 से 18:47 तक
28 "	"	शु. 5	सोम	श्रव.	10:29 से 18:04 तक
30 "	"	शु. 7	बुध	धनि.	06:56 से 07:11 तक
30 "	"	शु. 7	बुध	शत.	08:14 से 08:59 तक
08 दिसं.	पौष	कृ. 1	गुरु	मृग.	12:33 से 20:07 तक
09 "	"	कृ. 1	शुक्र	मृग.	07:02 से 11:34 तक
09 "	"	कृ. 2	शुक्र	मृग.	12:53 से 14:59 तक
10 दिसं.	पौष	कृ. 3	शनि	पुन.	17:42 से 19:59 तक
19 "	"	कृ. 11	सोम	चित्रा	07:47 से 10:31 तक
19 "	"	कृ. 11	सोम	स्वा.	10:46 से 15:09 तक
19 "	"	कृ. 11	सोम	स्वा.	15:14 से 19:24 तक
21 "	"	कृ. 13	बुध	अनु.	08:33 से 11:36 तक
21 "	"	कृ. 13	बुध	अनु.	12:06 से 19:16 तक
28 "	"	शु. 6	बुध	शत.	07:13 से 09:44 तक
28 "	"	शु. 6	बुध	शत.	10:11 से 12:46 तक
31 "	"	शु. 10	शनि	अश्वि.	18:33 से 18:36 तक
07 जन.23	माघ	कृ. 1	शनि	पुन.	07:15 से 08:54 तक
13 "	"	कृ. 6	शुक्र	हस्त	16:35 से 18:18 तक
14 "	"	कृ. 7	शनि	हस्त	07:15 से 12:33 तक
14 "	"	कृ. 7	शनि	हस्त	13:31 से 18:14 तक
18 "	"	कृ. 11	बुध	अनु.	07:15 से 16:03 तक
27 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:12 से 09:11 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	09:40 से 13:21 तक
27 "	"	शु. 7	शुक्र	रेव.	14:36 से 17:48 तक
28 "	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:12 से 08:43 तक
03 फर.	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	07:09 से 13:01 तक
03 "	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	14:08 से 18:58 तक
10 "	फाल्गु.	कृ. 5	शुक्र	हस्त	07:59 से 16:44 तक
10 "	"	कृ. 5	शुक्र	हस्त	18:44 से 20:33 तक
11 "	"	कृ. 5	शनि	चित्रा	07:03 से 09:08 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	10:06 से 13:03 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	13:37 से 16:21 तक
11 "	"	कृ. 6	शनि	चित्रा	18:45 से 20:29 तक
20 "	"	शु. 1	सोम	शत.	12:36 से 19:54 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:52 से 12:56 तक
24 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	15:00 से 18:47 तक
09 मार्च	चैत्र	कृ. 2	गुरु	हस्त	06:38 से 08:21 तक
09 "	"	कृ. 2	गुरु	हस्त	08:24 से 20:54 तक
10 "	"	कृ. 3	शुक्र	चित्रा	06:37 से 09:22 तक
13 "	"	कृ. 6	सोम	अनु.	08:21 से 09:48 तक
13 "	"	कृ. 6	सोम	अनु.	11:39 से 17:09 तक
13 "	"	कृ. 6	सोम	अनु.	18:21 से 20:47 तक
18 "	"	कृ. 11	शनि	श्रव.	06:28 से 11:14 तक
18 "	"	कृ. 12	शनि	श्रव.	11:19 से 14:53 तक
18 "	"	कृ. 12	शनि	श्रव.	15:54 से 20:28 तक

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—अप्रैल सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
अप्रै.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	अप्रै.
1	06:41	19:08	06:21	18:48	06:24	18:53	06:21	18:50	06:28	18:56	06:07	18:35	06:40	19:06	05:10	17:37	1
2	07:14	20:02	06:54	19:42	06:53	19:52	06:52	19:47	07:00	19:53	06:39	19:32	07:16	19:59	05:41	18:34	2
3	07:48	20:58	07:27	20:38	07:23	20:51	07:22	20:46	07:31	20:50	07:10	20:29	07:52	20:52	06:12	19:31	3
4	08:22	21:54	08:01	21:34	07:53	21:52	07:54	21:45	08:03	21:48	07:43	21:27	08:28	21:46	06:44	20:30	4
5	08:57	22:51	08:37	22:31	08:24	22:54	08:26	22:45	08:37	22:47	08:16	22:26	09:06	22:41	07:17	21:30	5
6	09:35	23:49	09:15	23:29	08:58	23:54	09:01	23:45	09:13	23:46	08:53	23:25	09:46	23:36	07:53	22:29	6
7	10:17	24:00	09:57	24:00	09:37	24:00	09:41	24:00	09:54	24:00	09:33	24:00	10:30	24:00	08:33	23:26	7
8	11:05	00:44	10:44	00:24	10:23	00:52	10:27	00:42	10:41	00:42	10:20	00:21	11:18	00:30	09:19	24:00	8
9	11:58	01:35	11:37	01:15	11:17	01:43	11:21	01:33	11:34	01:33	11:13	01:12	12:10	01:21	10:12	00:17	9
10	12:55	02:20	12:34	02:01	12:16	02:26	12:20	02:17	12:32	02:18	12:11	01:57	13:06	02:08	11:10	01:02	10
11	13:54	03:01	13:33	02:42	13:19	03:03	13:22	02:55	13:33	02:57	13:12	02:36	14:03	02:51	12:11	01:41	11
12	14:52	03:39	14:32	03:19	14:22	03:37	14:23	03:30	14:33	03:33	14:13	03:12	14:59	03:31	13:13	02:17	12
13	15:50	04:15	15:30	03:55	15:25	04:09	15:24	04:03	15:33	04:07	15:12	03:47	15:54	04:09	14:13	02:50	13
14	16:48	04:50	16:27	04:30	16:26	04:40	16:25	04:35	16:33	04:40	16:12	04:20	16:49	04:47	15:13	03:23	14
15	17:45	05:25	17:25	05:05	17:29	05:11	17:26	05:07	17:33	05:13	17:11	04:53	17:45	05:24	16:13	03:56	15
16	18:45	06:01	18:25	05:41	18:33	05:42	18:29	05:40	18:34	05:47	18:13	05:27	18:42	06:02	17:15	04:29	16
17	19:48	06:38	19:27	06:18	19:40	06:15	19:35	06:14	19:39	06:22	19:18	06:02	19:42	06:42	18:20	05:04	17
18	20:55	07:18	20:34	06:58	20:52	06:50	20:45	06:50	20:48	07:00	20:27	06:39	20:46	07:24	19:30	05:40	18
19	22:05	08:01	21:45	07:40	22:08	07:27	22:00	07:30	22:01	07:41	21:40	07:20	21:54	08:09	20:43	06:20	19
20	23:17	08:49	22:57	08:28	23:24	08:10	23:14	08:14	23:15	08:26	22:53	08:05	23:03	09:00	21:57	07:05	20
21	24:00	09:43	24:00	09:22	24:00	09:01	24:00	09:06	24:00	09:19	24:00	08:58	24:00	09:56	23:05	07:57	21
22	00:23	10:46	00:03	10:25	00:32	10:03	00:21	10:08	00:22	10:21	00:01	10:00	00:09	10:59	24:00	08:59	22
23	01:21	11:54	01:01	11:33	01:28	11:14	01:18	11:18	01:19	11:31	00:58	11:09	01:08	12:05	00:02	10:08	23
24	02:10	13:02	01:50	12:41	02:13	12:27	02:04	12:30	02:06	12:41	01:45	12:20	01:59	13:11	00:50	11:19	24
25	02:53	14:07	02:33	13:47	02:51	13:37	02:44	13:38	02:47	13:49	02:26	13:27	02:45	14:14	01:30	12:27	25
26	03:32	15:08	03:12	14:47	03:25	14:43	03:19	14:42	03:23	14:51	03:03	14:30	03:26	15:12	02:06	13:31	26
27	04:07	16:05	03:47	15:45	03:56	15:44	03:52	15:43	03:57	15:50	03:36	15:29	04:04	16:06	02:40	14:31	27
28	04:41	17:00	04:21	16:39	04:26	16:43	04:23	16:40	04:29	16:47	04:08	16:26	04:40	16:59	03:11	15:28	28
29	05:14	17:54	04:54	17:33	04:55	17:41	04:53	17:37	05:00	17:43	04:39	17:22	05:15	17:51	03:42	16:24	29
30	05:47	18:48	05:27	18:28	05:24	18:40	05:23	18:35	05:31	18:39	05:10	18:18	05:50	18:43	04:13	17:21	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—मई सन् 2022 ई.

ता. मई	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता. मई
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	
1	06:20	19:44	06:00	19:24	05:53	19:40	05:53	19:34	06:03	19:37	05:42	19:16	06:26	19:36	04:44	18:19	1
2	06:55	20:41	06:35	20:21	06:23	20:42	06:25	20:34	06:36	20:36	06:15	20:15	07:03	20:31	05:16	19:19	2
3	07:32	21:39	07:12	21:19	06:56	21:44	06:59	21:35	07:11	21:36	06:50	21:15	07:42	21:27	05:51	20:19	3
4	08:12	22:36	07:52	22:16	07:33	22:43	07:37	22:33	07:49	22:34	07:29	22:13	08:24	22:22	06:29	21:17	4
5	08:58	23:29	08:37	23:09	08:16	23:37	08:21	23:27	08:34	23:27	08:13	23:06	09:11	23:15	07:12	22:11	5
6	09:48	24:00	09:28	23:56	09:06	24:00	09:11	24:00	09:24	24:00	09:03	23:53	10:01	24:00	08:03	22:58	6
7	10:44	00:16	10:23	24:00	10:04	00:23	10:08	00:13	10:20	00:14	09:59	24:00	10:56	00:03	08:59	23:39	7
8	11:41	00:58	11:21	00:38	11:05	01:02	11:08	00:53	11:20	00:55	10:59	00:34	11:51	00:46	09:58	24:00	8
9	12:39	01:36	12:18	01:16	12:07	01:36	12:09	01:29	12:19	01:31	11:58	01:10	12:47	01:27	10:58	00:15	9
10	13:36	02:12	13:15	01:52	13:08	02:07	13:09	02:01	13:18	02:05	12:57	01:44	13:41	02:05	11:58	00:48	10
11	14:32	02:46	14:11	02:26	14:09	02:38	14:08	02:33	14:16	02:37	13:55	02:16	14:35	02:41	12:56	01:20	11
12	15:28	03:20	15:08	03:00	15:09	03:07	15:07	03:03	15:14	03:09	14:53	02:49	15:29	03:17	13:55	01:52	12
13	16:26	03:55	16:06	03:35	16:12	03:38	16:08	03:35	16:14	03:42	15:53	03:21	16:24	03:54	14:55	02:24	13
14	17:27	04:31	17:07	04:10	17:17	04:09	17:12	04:08	17:17	04:16	16:56	03:55	17:23	04:33	15:58	02:57	14
15	18:33	05:09	18:13	04:49	18:28	04:43	18:22	04:43	18:25	04:52	18:04	04:32	18:26	05:14	17:07	03:33	15
16	19:44	05:51	19:23	05:31	19:44	05:20	19:36	05:22	19:39	05:32	19:17	05:11	19:34	05:59	18:20	04:12	16
17	20:58	06:38	20:38	06:17	21:03	06:02	20:54	06:05	20:55	06:16	20:34	05:56	20:45	06:48	19:37	04:56	17
18	22:09	07:31	21:49	07:10	22:18	06:50	22:08	06:55	22:08	07:07	21:47	06:47	21:55	07:44	20:51	05:46	18
19	23:13	08:33	22:53	08:12	23:21	07:50	23:11	07:55	23:11	08:08	22:50	07:47	23:00	08:46	21:55	06:46	19
20	24:00	09:42	23:47	09:21	24:00	09:01	24:00	09:05	24:00	09:18	23:43	08:57	23:55	09:54	22:47	07:55	20
21	00:07	10:53	24:00	10:32	00:11	10:16	00:02	10:19	00:04	10:31	24:00	10:10	24:00	11:03	23:31	09:09	21
22	00:53	12:00	00:33	11:40	00:53	11:29	00:45	11:31	00:48	11:41	00:27	11:20	00:44	12:08	24:00	10:20	22
23	01:33	13:03	01:14	12:43	01:28	12:37	01:22	12:37	01:26	12:46	01:05	12:25	01:27	13:08	00:09	11:25	23
24	02:10	14:01	01:50	13:41	02:00	13:39	01:55	13:38	02:00	13:46	01:40	13:25	02:06	14:03	00:43	12:26	24
25	02:44	14:56	02:24	14:35	02:30	14:38	02:26	14:36	02:32	14:42	02:12	14:22	02:42	14:56	01:15	13:23	25
26	03:16	15:49	02:56	15:29	02:59	15:35	02:56	15:32	03:03	15:38	02:43	15:17	03:17	15:47	01:45	14:19	26
27	03:49	16:42	03:29	16:22	03:27	16:33	03:26	16:28	03:34	16:33	03:13	16:12	03:51	16:38	02:15	15:14	27
28	04:21	17:37	04:01	17:17	03:56	17:32	03:56	17:26	04:04	17:29	03:44	17:08	04:26	17:30	02:46	16:11	28
29	04:55	18:33	04:35	18:13	04:25	18:32	04:26	18:25	04:36	18:28	04:16	18:07	05:02	18:24	03:17	17:10	29
30	05:31	19:31	05:11	19:11	04:57	19:34	04:59	19:26	05:10	19:27	04:50	19:06	05:40	19:20	03:51	18:10	30
31	06:10	20:29	05:50	20:09	05:32	20:35	05:36	20:26	05:48	20:26	05:27	20:05	06:21	20:15	04:27	19:09	31

आर्यभट्ट पंचांगम्

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—जून सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
जून	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	जून
1	06:54	21:23	06:33	21:03	06:12	21:32	06:17	21:21	06:30	21:22	06:09	21:01	07:06	21:09	05:09	20:05	1
2	07:43	22:13	07:22	21:53	07:00	22:20	07:05	22:10	07:18	22:11	06:57	21:50	07:56	21:59	05:57	20:55	2
3	08:36	22:56	08:16	22:37	07:56	23:02	08:00	22:52	08:13	22:54	07:52	22:33	08:49	22:44	06:51	21:37	3
4	09:33	23:35	09:12	23:16	08:55	23:37	08:59	23:29	09:11	23:31	08:50	23:10	09:44	23:25	07:49	22:15	4
5	10:30	24:00	10:10	23:51	09:57	24:00	09:59	24:00	10:10	24:00	09:49	23:44	10:39	24:00	08:49	22:48	5
6	11:26	00:11	11:06	24:00	10:57	00:08	10:58	00:02	11:08	00:05	10:47	24:00	11:33	00:03	09:47	23:20	6
7	12:21	00:45	12:01	00:25	11:56	00:38	11:56	00:33	12:05	00:37	11:44	00:16	12:25	00:39	10:45	23:50	7
8	13:15	01:18	12:55	00:58	12:55	01:07	12:53	01:02	13:01	01:08	12:40	00:47	13:17	01:14	11:41	24:00	8
9	14:11	01:51	13:50	01:31	13:54	01:36	13:51	01:33	13:58	01:39	13:37	01:18	14:10	01:49	12:39	00:21	9
10	15:08	02:25	14:48	02:05	14:56	02:05	14:52	02:03	14:57	02:11	14:36	01:50	15:05	02:26	13:38	00:53	10
11	16:10	03:01	15:50	02:41	16:03	02:37	15:57	02:37	16:01	02:45	15:40	02:24	16:04	03:04	14:43	01:26	11
12	17:18	03:40	16:58	03:20	17:15	03:12	17:08	03:13	17:11	03:22	16:50	03:02	17:09	03:46	15:53	02:03	12
13	18:31	04:24	18:11	04:04	18:34	03:51	18:25	03:53	18:27	04:04	18:06	03:43	18:20	04:33	17:09	02:44	13
14	19:46	05:15	19:26	04:54	19:53	04:36	19:43	04:40	19:44	04:52	19:22	04:31	19:32	05:26	18:26	03:31	14
15	20:56	06:13	20:36	05:53	21:04	05:31	20:54	05:36	20:54	05:49	20:33	05:28	20:42	06:26	19:37	04:27	15
16	21:56	07:21	21:36	07:00	22:02	06:39	21:52	06:44	21:53	06:57	21:32	06:36	21:43	07:34	20:37	05:34	16
17	22:47	08:35	22:27	08:14	22:48	07:56	22:40	08:00	22:42	08:12	22:21	07:51	22:37	08:46	21:26	06:49	17
18	23:31	09:47	23:11	09:26	23:27	09:13	23:21	09:15	23:24	09:26	23:04	09:05	23:24	09:55	22:07	08:05	18
19	24:00	10:54	23:50	10:33	24:00	10:26	23:57	10:26	24:00	10:36	23:41	10:15	24:00	10:59	22:44	09:15	19
20	00:10	11:55	24:00	11:35	00:02	11:32	24:00	11:31	00:01	11:39	24:00	11:18	00:05	11:58	23:17	10:19	20
21	00:46	12:52	00:26	12:31	00:33	12:33	00:29	12:31	00:35	12:38	00:14	12:17	00:43	12:52	23:49	11:18	21
22	01:19	13:46	00:59	13:25	01:02	13:31	01:00	13:28	01:06	13:34	00:46	13:13	01:19	13:44	24:00	12:15	22
23	01:51	14:39	01:31	14:19	01:31	14:28	01:29	14:24	01:37	14:29	01:16	14:08	01:53	14:35	00:19	13:10	23
24	02:24	15:33	02:04	15:13	01:59	15:26	01:59	15:20	02:07	15:24	01:47	15:03	02:28	15:27	00:49	14:06	24
25	02:57	16:28	02:37	16:08	02:28	16:26	02:29	16:19	02:39	16:22	02:18	16:01	03:03	16:20	01:20	15:04	25
26	03:32	17:25	03:11	17:05	02:59	17:27	03:01	17:18	03:12	17:20	02:51	16:59	03:40	17:14	01:52	16:03	26
27	04:09	18:22	03:49	18:02	03:32	18:28	03:36	18:18	03:48	18:20	03:27	17:58	04:20	18:10	02:27	17:03	27
28	04:51	19:18	04:31	18:58	04:11	19:26	04:15	19:16	04:28	19:16	04:07	18:55	05:03	19:04	03:07	18:00	28
29	05:38	20:09	05:18	19:50	04:56	20:17	05:01	20:07	05:14	20:08	04:53	19:47	05:51	19:55	03:53	18:52	29
30	06:31	20:55	06:10	20:35	05:50	21:01	05:54	20:52	06:07	20:53	05:46	20:32	06:44	20:42	04:45	19:36	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–जुलाई सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
जुला.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	जुला.
1	07:27	21:35	07:07	21:16	06:49	21:38	06:52	21:30	07:05	21:32	06:44	21:11	07:39	21:25	05:43	20:15	1
2	08:25	22:12	08:04	21:52	07:50	22:11	07:52	22:04	08:04	22:06	07:43	21:46	08:34	22:03	06:43	20:50	2
3	09:21	22:46	09:01	22:27	08:51	22:41	08:52	22:35	09:02	22:39	08:41	22:18	09:28	22:40	07:41	21:22	3
4	10:16	23:19	09:55	22:59	09:50	23:09	09:50	23:05	09:59	23:10	09:38	22:49	10:20	23:15	08:39	21:52	4
5	11:09	23:51	10:49	23:31	10:47	23:37	10:46	23:34	10:54	23:40	10:33	23:19	11:12	23:49	09:34	22:22	5
6	12:02	24:00	11:42	24:00	11:44	24:00	11:42	24:00	11:49	24:00	11:28	23:50	12:02	24:00	10:30	22:52	6
7	12:57	00:23	12:37	00:03	12:43	00:06	12:39	00:03	12:45	00:10	12:24	24:00	12:55	00:23	11:26	23:24	7
8	13:54	00:57	13:34	00:37	13:45	00:35	13:40	00:34	13:45	00:42	13:24	00:21	13:50	00:59	12:26	23:57	8
9	14:57	01:33	14:37	01:13	14:53	01:07	14:46	01:07	14:50	01:16	14:29	00:56	14:50	01:38	13:31	24:00	9
10	16:06	02:14	15:46	01:54	16:06	01:43	15:59	01:44	16:01	01:55	15:40	01:34	15:56	02:21	14:43	00:35	10
11	17:19	03:00	16:59	02:39	17:25	02:24	17:15	02:26	17:16	02:38	16:55	02:17	17:07	03:10	15:59	01:17	11
12	18:32	03:53	18:12	03:32	18:40	03:13	18:30	03:17	18:30	03:30	18:09	03:09	18:18	04:06	17:13	02:08	12
13	19:37	04:56	19:17	04:36	19:45	04:14	19:35	04:19	19:36	04:32	19:14	04:11	19:24	05:10	18:19	03:09	13
14	20:34	06:08	20:14	05:48	20:37	05:28	20:28	05:32	20:30	05:45	20:09	05:24	20:22	06:21	19:13	04:22	14
15	21:22	07:23	21:02	07:03	21:20	06:48	21:13	06:50	21:16	07:02	20:55	06:41	21:13	07:33	19:59	05:40	15
16	22:05	08:35	21:45	08:15	21:58	08:05	21:53	08:06	21:57	08:16	21:36	07:55	21:59	08:42	20:39	06:55	16
17	22:43	09:41	22:23	09:21	22:32	09:16	22:28	09:16	22:33	09:25	22:12	09:04	22:40	09:45	21:15	08:04	17
18	23:19	10:42	22:59	10:21	23:03	10:21	23:00	10:20	23:06	10:27	22:46	10:06	23:17	10:43	21:49	09:07	18
19	23:52	11:39	23:32	11:18	23:33	11:22	23:31	11:19	23:38	11:26	23:18	11:05	23:53	11:38	22:20	10:07	19
20	24:00	12:33	24:00	12:13	24:00	12:21	24:00	12:17	24:00	12:23	23:49	12:02	24:00	12:30	22:51	11:04	20
21	00:25	13:28	00:05	13:07	00:02	13:20	00:01	13:14	00:09	13:19	24:00	12:58	00:28	13:22	23:21	12:01	21
22	00:58	14:23	00:38	14:03	00:31	14:19	00:31	14:13	00:40	14:16	00:20	13:55	01:04	14:15	23:53	12:58	22
23	01:32	15:19	01:12	14:59	01:01	15:20	01:02	15:12	01:13	15:14	00:52	14:53	01:40	15:09	24:00	13:57	23
24	02:09	16:17	01:49	15:57	01:33	16:21	01:36	16:12	01:48	16:13	01:27	15:52	02:19	16:04	00:27	14:56	24
25	02:49	17:13	02:29	16:53	02:10	17:20	02:14	17:10	02:26	17:11	02:06	16:50	03:01	16:59	01:05	15:54	25
26	03:35	18:05	03:14	17:46	02:53	18:14	02:57	18:04	03:10	18:04	02:50	17:43	03:48	17:52	01:49	16:48	26
27	04:26	18:53	04:05	18:33	03:44	19:00	03:48	18:50	04:02	18:51	03:41	18:30	04:39	18:40	02:40	17:35	27
28	05:21	19:35	05:01	19:15	04:42	19:39	04:46	19:30	04:58	19:32	04:37	19:11	05:33	19:24	03:37	18:15	28
29	06:19	20:13	05:59	19:53	05:43	20:13	05:46	20:05	05:58	20:08	05:37	19:47	06:29	20:04	04:36	18:52	29
30	07:17	20:48	06:56	20:29	06:45	20:44	06:46	20:38	06:57	20:41	06:36	20:20	07:24	20:41	05:36	19:24	30
31	08:12	21:22	07:52	21:02	07:45	21:13	07:45	21:08	07:55	21:13	07:34	20:52	08:17	21:17	06:34	19:56	31

आर्यभट्ट पंचांगम्

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—अगस्त सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
अग.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	अग.
1	09:06	21:54	08:46	21:34	08:43	21:41	08:42	21:37	08:50	21:43	08:29	21:22	09:09	21:51	07:30	20:26	1
2	09:59	22:26	09:39	22:06	09:40	22:09	09:38	22:06	09:45	22:13	09:24	21:53	10:00	22:25	08:26	20:55	2
3	10:52	22:58	10:32	22:38	10:37	22:38	10:34	22:36	10:40	22:44	10:19	22:23	10:51	23:00	09:21	21:26	3
4	11:47	23:33	11:27	23:12	11:37	23:08	11:32	23:07	11:37	23:16	11:16	22:56	11:44	23:37	10:19	21:57	4
5	12:46	24:00	12:26	23:50	12:40	23:41	12:34	23:41	12:38	23:51	12:17	23:31	12:40	24:00	11:20	22:32	5
6	13:51	00:10	13:30	24:00	13:49	24:00	13:42	24:00	13:45	24:00	13:24	24:00	13:42	00:16	12:26	23:10	6
7	15:00	00:51	14:40	00:31	15:04	00:17	14:55	00:19	14:56	00:31	14:35	00:10	14:48	01:01	13:38	23:55	7
8	16:11	01:39	15:51	01:19	16:19	01:00	16:09	01:04	16:10	01:16	15:48	00:56	15:58	01:51	14:52	24:00	8
9	17:19	02:36	16:59	02:15	17:28	01:54	17:17	01:58	17:18	02:12	16:56	01:51	17:05	02:49	16:01	00:50	9
10	18:18	03:43	17:58	03:22	18:24	03:00	18:15	03:05	18:16	03:18	17:55	02:57	18:05	03:56	16:59	01:56	10
11	19:09	04:56	18:49	04:35	19:11	04:18	19:03	04:21	19:05	04:34	18:44	04:12	18:59	05:07	17:48	03:11	11
12	19:55	06:10	19:35	05:49	19:51	05:37	19:44	05:39	19:48	05:50	19:27	05:29	19:47	06:18	18:31	04:28	12
13	20:35	07:20	20:16	06:59	20:27	06:52	20:22	06:53	20:26	07:02	20:06	06:41	20:31	07:25	19:09	05:41	13
14	21:13	08:24	20:53	08:04	21:00	08:02	20:56	08:01	21:02	08:09	20:41	07:48	21:11	08:27	19:44	06:49	14
15	21:49	09:24	21:29	09:04	21:31	09:06	21:29	09:04	21:35	09:11	21:15	08:50	21:49	09:25	20:17	07:51	15
16	22:23	10:22	22:03	10:02	22:01	10:08	22:00	10:04	22:08	10:10	21:47	09:49	22:25	10:20	20:49	08:51	16
17	22:57	11:18	22:37	10:58	22:31	11:09	22:31	11:04	22:40	11:08	22:19	10:48	23:02	11:13	21:21	09:50	17
18	23:31	12:14	23:11	11:54	23:01	12:09	23:02	12:03	23:12	12:07	22:52	11:46	23:38	12:07	21:53	10:49	18
19	24:00	13:12	23:47	12:52	23:33	13:11	23:35	13:03	23:47	13:06	23:26	12:45	24:00	13:02	22:27	11:48	19
20	00:07	14:09	24:00	13:50	24:00	14:13	24:00	14:04	24:00	14:06	24:00	13:45	00:17	13:58	23:03	12:49	20
21	00:46	15:07	00:26	14:47	00:08	15:14	00:11	15:04	00:24	15:05	00:03	14:44	00:58	14:53	23:45	13:48	21
22	01:30	16:01	01:09	15:41	00:49	16:09	00:53	15:59	01:06	16:00	00:45	15:39	01:43	15:47	24:00	14:43	22
23	02:19	16:50	01:59	16:30	01:37	16:58	01:42	16:48	01:55	16:48	01:34	16:27	02:32	16:36	00:33	15:32	23
24	03:14	17:34	02:53	17:14	02:33	17:39	02:37	17:30	02:50	17:31	02:29	17:10	03:26	17:21	01:28	16:15	24
25	04:11	18:13	03:51	17:53	03:34	18:14	03:37	18:06	03:49	18:08	03:28	17:48	04:22	18:03	02:28	16:52	25
26	05:09	18:49	04:49	18:29	04:36	18:46	04:38	18:39	04:49	18:43	04:28	18:22	05:18	18:41	03:28	17:26	26
27	06:06	19:23	05:46	19:03	05:37	19:16	05:38	19:10	05:48	19:15	05:27	18:54	06:12	19:17	04:27	17:58	27
28	07:01	19:56	06:41	19:36	06:37	19:45	06:36	19:40	06:45	19:46	06:24	19:25	07:05	19:53	05:25	18:28	28
29	07:55	20:28	07:35	20:08	07:35	20:13	07:33	20:10	07:41	20:16	07:20	19:56	07:57	20:27	06:21	18:59	29
30	08:49	21:01	08:29	20:41	08:33	20:42	08:30	20:40	08:36	20:47	08:15	20:26	08:48	21:02	07:17	19:29	30
31	09:44	21:35	09:23	21:14	09:32	21:11	09:27	21:10	09:33	21:19	09:12	20:58	09:41	21:38	08:14	20:00	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–सितम्बर सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
सितं.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	सितं.
1	10:41	22:10	10:21	21:50	10:34	21:42	10:28	21:43	10:33	21:53	10:12	21:32	10:36	22:16	09:14	20:33	1
2	11:43	22:50	11:23	22:29	11:40	22:17	11:34	22:19	11:37	22:30	11:16	22:09	11:35	22:58	10:18	21:10	2
3	12:50	23:34	12:30	23:13	12:52	22:56	12:44	22:59	12:46	23:11	12:24	22:51	12:39	23:45	11:27	21:51	3
4	13:59	24:00	13:39	24:00	14:06	23:43	13:56	23:48	13:57	24:00	13:36	23:40	13:46	24:00	12:39	22:39	4
5	15:07	00:25	14:47	00:04	15:16	24:00	15:05	24:00	15:05	00:01	14:44	24:00	14:52	00:38	13:48	23:39	5
6	16:07	01:26	15:47	01:05	16:15	00:43	16:05	00:47	16:05	01:01	15:44	00:40	15:53	01:39	14:49	24:00	6
7	16:59	02:35	16:39	02:14	17:03	01:54	16:54	01:58	16:56	02:11	16:35	01:50	16:48	02:47	15:39	00:49	7
8	17:45	03:47	17:25	03:27	17:44	03:11	17:37	03:14	17:40	03:26	17:19	03:05	17:37	03:57	16:23	02:04	8
9	18:27	04:58	18:07	04:37	18:21	04:27	18:15	04:29	18:19	04:39	17:58	04:18	18:21	05:05	17:02	03:17	9
10	19:06	06:04	18:46	05:44	18:55	05:39	18:50	05:38	18:56	05:47	18:35	05:26	19:02	06:08	17:38	04:27	10
11	19:42	07:06	19:22	06:46	19:27	06:46	19:24	06:44	19:30	06:52	19:09	06:31	19:41	07:07	18:12	05:32	11
12	20:18	08:05	19:58	07:45	19:58	07:50	19:56	07:46	20:03	07:53	19:43	07:32	20:19	08:04	18:45	06:34	12
13	20:52	09:03	20:32	08:43	20:28	08:52	20:28	08:47	20:36	08:53	20:16	08:32	20:56	09:00	19:17	07:34	13
14	21:27	10:01	21:07	09:41	20:59	09:54	20:59	09:48	21:09	09:53	20:49	09:32	21:34	09:55	19:50	08:34	14
15	22:03	10:59	21:43	10:39	21:30	10:57	21:32	10:50	21:43	10:53	21:23	10:32	22:12	10:51	20:23	09:35	15
16	22:42	11:59	22:21	11:39	22:04	12:01	22:08	11:53	22:20	11:54	21:59	11:33	22:53	11:48	20:59	10:37	16
17	23:24	12:58	23:03	12:38	22:43	13:04	22:47	12:54	23:00	12:55	22:40	12:34	23:37	12:45	21:39	11:38	17
18	24:00	13:54	23:51	13:34	23:29	14:03	23:34	13:52	23:47	13:53	23:26	13:32	24:00	13:40	22:25	12:36	18
19	00:11	14:45	24:00	14:26	24:00	14:54	24:00	14:44	24:00	14:44	24:00	14:23	00:25	14:31	23:18	13:28	19
20	01:04	15:31	00:43	15:11	00:22	15:37	00:27	15:28	00:40	15:29	00:19	15:08	01:17	15:18	24:00	14:12	20
21	02:01	16:11	01:40	15:51	01:22	16:14	01:25	16:06	01:38	16:07	01:17	15:47	02:12	16:00	00:16	14:51	21
22	02:59	16:48	02:38	16:28	02:24	16:47	02:26	16:40	02:38	16:42	02:17	16:22	03:08	16:39	01:17	15:26	22
23	03:57	17:23	03:36	17:03	03:26	17:17	03:27	17:11	03:37	17:15	03:16	16:54	04:04	17:16	02:17	15:58	23
24	04:53	17:56	04:32	17:36	04:26	17:46	04:26	17:42	04:35	17:46	04:14	17:26	04:57	17:52	03:15	16:29	24
25	05:47	18:29	05:27	18:09	05:25	18:15	05:24	18:11	05:32	18:17	05:11	17:57	05:50	18:27	04:12	17:00	25
26	06:42	19:02	06:21	18:42	06:24	18:44	06:21	18:41	06:28	18:48	06:07	18:28	06:42	19:02	05:09	17:30	26
27	07:37	19:35	07:17	19:15	07:23	19:13	07:20	19:12	07:26	19:20	07:05	19:00	07:35	19:38	06:07	18:02	27
28	08:35	20:11	08:15	19:51	08:26	19:45	08:21	19:45	08:25	19:54	08:04	19:33	08:30	20:16	07:07	18:35	28
29	09:36	20:50	09:16	20:29	09:32	20:18	09:25	20:20	09:29	20:30	09:08	20:09	09:29	20:57	08:11	19:10	29
30	10:42	21:32	10:22	21:12	10:43	20:56	10:35	20:59	10:37	21:10	10:16	20:50	10:32	21:43	09:19	19:50	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—अक्टूबर सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
अक्टू.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	अक्टू.
1	11:51	22:21	11:31	22:00	11:57	21:40	11:48	21:44	11:49	21:57	11:27	21:36	11:38	22:33	10:31	20:36	1
2	12:59	23:17	12:39	22:57	13:08	22:34	12:58	22:39	12:58	22:53	12:37	22:32	12:45	23:31	11:41	21:30	2
3	14:01	24:00	13:42	24:00	14:10	23:41	14:00	23:45	14:00	23:59	13:39	23:38	13:47	24:00	12:44	22:36	3
4	14:55	00:23	14:35	00:02	15:00	24:00	14:51	24:00	14:52	24:00	14:31	24:00	14:42	00:36	13:36	23:48	4
5	15:41	01:33	15:21	01:12	15:42	00:55	15:34	00:58	15:36	01:11	15:16	00:50	15:31	01:44	14:20	24:00	5
6	16:23	02:43	16:03	02:22	16:18	02:10	16:12	02:12	16:16	02:23	15:55	02:01	16:16	02:51	14:59	01:01	6
7	17:01	03:49	16:41	03:28	16:52	03:21	16:47	03:21	16:52	03:31	16:31	03:10	16:57	03:54	15:35	02:10	7
8	17:38	04:51	17:18	04:30	17:24	04:28	17:20	04:27	17:26	04:35	17:06	04:14	17:36	04:53	16:09	03:15	8
9	18:13	05:50	17:53	05:29	17:55	05:32	17:52	05:29	17:59	05:37	17:39	05:15	18:13	05:50	16:41	04:17	9
10	18:47	06:48	18:27	06:27	18:25	06:34	18:24	06:30	18:32	06:36	18:11	06:15	18:50	06:45	17:14	05:17	10
11	19:22	07:45	19:02	07:25	18:56	07:37	18:56	07:31	19:05	07:36	18:44	07:15	19:27	07:41	17:46	06:18	11
12	19:58	08:44	19:38	08:24	19:27	08:40	19:29	08:34	19:39	08:37	19:18	08:16	20:06	08:37	18:19	07:19	12
13	20:36	09:44	20:16	09:24	20:00	09:45	20:03	09:37	20:15	09:39	19:54	09:18	20:46	09:34	18:55	08:21	13
14	21:17	10:45	20:57	10:25	20:37	10:50	20:41	10:41	20:54	10:42	20:33	10:21	21:29	10:33	19:33	09:25	14
15	22:03	11:44	21:42	11:24	21:20	11:52	21:25	11:42	21:38	11:42	21:17	11:21	22:16	11:30	20:17	10:25	15
16	22:54	12:38	22:33	12:18	22:11	12:47	22:16	12:37	22:29	12:37	22:08	12:16	23:07	12:23	21:07	11:21	16
17	23:49	13:26	23:29	13:06	23:08	13:34	23:13	13:24	23:26	13:24	23:05	13:03	24:00	13:12	22:04	12:08	17
18	24:00	14:08	24:00	13:48	24:00	14:13	24:00	14:04	24:00	14:05	24:00	13:44	00:02	13:56	23:03	12:49	18
19	00:47	14:46	00:26	14:26	00:10	14:46	00:13	14:39	00:25	14:41	00:04	14:20	00:57	14:36	24:00	13:25	19
20	01:44	15:20	01:24	15:01	01:12	15:17	01:13	15:10	01:24	15:14	01:03	14:53	01:52	15:13	00:03	13:57	20
21	02:40	15:54	02:20	15:34	02:12	15:46	02:13	15:41	02:22	15:45	02:01	15:25	02:46	15:49	01:02	14:28	21
22	03:35	16:26	03:15	16:06	03:11	16:14	03:11	16:10	03:19	16:16	02:58	15:55	03:39	16:23	01:59	14:59	22
23	04:30	16:59	04:09	16:39	04:10	16:43	04:08	16:40	04:15	16:47	03:55	16:26	04:31	16:58	02:56	15:29	23
24	05:25	17:33	05:04	17:13	05:09	17:12	05:06	17:11	05:12	17:18	04:52	16:58	05:23	17:34	03:53	16:00	24
25	06:22	18:08	06:02	17:48	06:11	17:43	06:07	17:43	06:12	17:52	05:51	17:31	06:18	18:12	04:53	16:33	25
26	07:23	18:46	07:03	18:26	07:17	18:17	07:11	18:18	07:15	18:28	06:54	18:07	07:17	18:53	05:57	17:08	26
27	08:29	19:28	08:09	19:08	08:28	18:54	08:21	18:56	08:24	19:07	08:02	18:47	08:20	19:38	07:05	17:47	27
28	09:39	20:16	09:19	19:55	09:44	19:36	09:35	19:40	09:36	19:53	09:15	19:32	09:28	20:28	08:18	18:31	28
29	10:50	21:11	10:30	20:50	10:59	20:28	10:48	20:33	10:49	20:46	10:28	20:25	10:36	21:24	09:31	19:24	29
30	11:56	22:15	11:36	21:54	12:05	21:32	11:55	21:37	11:55	21:50	11:34	21:29	11:41	22:28	10:38	20:27	30
31	12:52	23:24	12:33	23:04	12:59	22:45	12:50	22:49	12:50	23:01	12:29	22:40	12:39	23:36	11:34	21:39	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—नवम्बर सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
नवं.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	नवं.
1	13:41	24:00	13:21	24:00	13:43	24:00	13:35	24:00	13:37	24:00	13:16	23:52	13:30	24:00	12:20	22:52	1
2	14:23	00:34	14:03	00:13	14:20	24:00	14:14	00:02	14:17	00:13	13:56	24:00	14:15	00:43	13:00	24:00	2
3	15:01	01:40	14:42	01:20	14:54	01:11	14:49	01:12	14:53	01:22	14:32	01:01	14:56	01:47	13:36	00:01	3
4	15:37	02:42	15:17	02:22	15:25	02:18	15:21	02:17	15:27	02:26	15:06	02:05	15:34	02:46	14:09	01:06	4
5	16:12	03:41	15:52	03:20	15:55	03:21	15:53	03:19	15:59	03:27	15:39	03:06	16:11	03:42	14:41	02:07	5
6	16:46	04:37	16:26	04:17	16:25	04:22	16:23	04:19	16:31	04:25	16:10	04:04	16:47	04:36	15:13	03:06	6
7	17:20	05:34	16:59	05:14	16:55	05:23	16:54	05:18	17:03	05:24	16:43	05:03	17:24	05:30	15:44	04:05	7
8	17:55	06:31	17:34	06:11	17:25	06:25	17:26	06:19	17:36	06:23	17:16	06:02	18:01	06:25	16:17	05:05	8
9	18:31	07:31	18:11	07:10	17:58	07:29	18:00	07:22	18:11	07:25	17:50	07:04	18:40	07:22	16:51	06:07	9
10	19:11	08:31	18:50	08:11	18:33	08:34	18:36	08:26	18:48	08:27	18:28	08:06	19:22	08:20	17:28	07:10	10
11	19:55	09:32	19:34	09:12	19:13	09:39	19:17	09:29	19:31	09:30	19:10	09:08	20:08	09:18	18:09	08:13	11
12	20:44	10:28	20:23	10:09	20:01	10:38	20:06	10:27	20:19	10:27	19:58	10:06	20:57	10:14	18:57	09:11	12
13	21:38	11:19	21:17	11:00	20:56	11:28	21:01	11:18	21:14	11:18	20:53	10:57	21:51	11:05	19:52	10:02	13
14	22:35	12:04	22:15	11:44	21:56	12:10	22:00	12:00	22:12	12:01	21:52	11:40	22:47	11:51	20:51	10:45	14
15	23:33	12:43	23:12	12:23	22:58	12:45	23:00	12:37	23:12	12:39	22:51	12:18	23:42	12:32	21:51	11:22	15
16	24:00	13:18	24:00	12:58	23:58	13:16	23:59	13:09	24:00	13:12	23:49	12:51	24:00	13:09	22:49	11:56	16
17	00:28	13:51	00:08	13:31	24:00	13:45	24:00	13:39	00:10	13:43	24:00	13:23	00:35	13:45	23:46	12:27	17
18	01:23	14:23	01:02	14:03	00:57	14:13	00:57	14:09	01:06	14:14	00:45	13:53	01:27	14:19	24:00	12:56	18
19	02:16	14:55	01:56	14:35	01:55	14:41	01:53	14:38	02:01	14:44	01:40	14:23	02:18	14:53	00:41	13:26	19
20	03:10	15:28	02:50	15:08	02:52	15:09	02:50	15:07	02:57	15:14	02:36	14:54	03:10	15:28	01:37	13:56	20
21	04:05	16:02	03:45	15:42	03:52	15:39	03:48	15:38	03:54	15:46	03:33	15:26	04:03	16:05	02:35	14:28	21
22	05:04	16:39	04:44	16:18	04:56	16:12	04:51	16:12	04:55	16:21	04:34	16:01	04:59	16:44	03:37	15:02	22
23	06:09	17:20	05:49	16:59	06:05	16:47	05:59	16:49	06:02	17:00	05:41	16:39	06:01	17:28	04:43	15:40	23
24	07:19	18:06	06:59	17:45	07:21	17:28	07:12	17:31	07:14	17:43	06:53	17:23	07:08	18:16	05:56	16:22	24
25	08:32	18:59	08:12	18:38	08:39	18:17	08:29	18:21	08:30	18:35	08:09	18:14	08:19	19:12	07:12	17:13	25
26	09:43	20:02	09:23	19:41	09:52	19:18	09:42	19:23	09:42	19:37	09:21	19:16	09:28	20:15	08:25	18:14	26
27	10:45	21:12	10:25	20:51	10:53	20:31	10:43	20:35	10:44	20:48	10:22	20:27	10:31	21:25	09:27	19:26	27
28	11:38	22:25	11:18	22:04	11:42	21:49	11:33	21:51	11:34	22:03	11:13	21:42	11:26	22:34	10:18	20:41	28
29	12:23	23:34	12:03	23:13	12:22	23:03	12:15	23:04	12:17	23:14	11:57	22:53	12:14	23:41	11:01	21:53	29
30	13:03	24:00	12:43	24:00	12:57	24:00	12:51	24:00	12:55	24:00	12:35	23:59	12:57	24:00	11:38	23:00	30

आर्यभट्ट पंचांगम्

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–दिसम्बर सन् 2022 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
दिसं.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	दिसं.
1	13:40	00:37	13:20	00:17	13:29	00:12	13:25	00:12	13:30	00:21	13:09	24:00	13:36	00:42	12:12	24:00	1
2	14:14	01:36	13:54	01:16	13:59	01:16	13:56	01:14	14:02	01:22	13:42	01:01	14:13	01:38	12:45	00:02	2
3	14:48	02:33	14:28	02:12	14:28	02:16	14:26	02:13	14:34	02:20	14:13	01:59	14:49	02:32	13:16	01:01	3
4	15:21	03:28	15:01	03:08	14:57	03:16	14:57	03:12	15:05	03:17	14:44	02:56	15:24	03:25	13:46	01:59	4
5	15:55	04:24	15:34	04:04	15:27	04:16	15:27	04:11	15:37	04:15	15:16	03:54	16:00	04:18	14:18	02:57	5
6	16:30	05:21	16:10	05:01	15:58	05:18	16:00	05:12	16:10	05:15	15:50	04:54	16:38	05:14	14:51	03:57	6
7	17:08	06:21	16:48	06:01	16:31	06:22	16:34	06:14	16:46	06:16	16:25	05:55	17:18	06:10	15:26	04:59	7
8	17:50	07:21	17:29	07:01	17:09	07:27	17:13	07:17	17:26	07:18	17:05	06:57	18:02	07:09	16:05	06:01	8
9	18:37	08:19	18:16	08:00	17:54	08:28	17:59	08:18	18:12	08:18	17:51	07:57	18:50	08:05	16:51	07:02	9
10	19:29	09:13	19:09	08:53	18:47	09:22	18:51	09:12	19:05	09:12	18:44	08:51	19:43	08:58	17:43	07:56	10
11	20:26	09:59	20:05	09:40	19:46	10:07	19:50	09:57	20:02	09:58	19:42	09:37	20:38	09:46	18:41	08:42	11
12	21:23	10:40	21:03	10:20	20:47	10:44	20:50	10:35	21:02	10:37	20:41	10:16	21:33	10:29	19:40	09:21	12
13	22:19	11:16	21:59	10:57	21:48	11:16	21:49	11:09	22:00	11:11	21:39	10:51	22:27	11:07	20:39	09:55	13
14	23:13	11:50	22:53	11:30	22:46	11:45	22:46	11:39	22:56	11:43	22:35	11:22	23:19	11:43	21:35	10:26	14
15	24:00	12:22	23:45	12:02	23:43	12:13	23:42	12:08	23:50	12:13	23:29	11:52	24:00	12:17	22:30	10:56	15
16	00:06	12:53	24:00	12:33	24:00	12:40	24:00	12:36	24:00	12:42	24:00	12:21	00:09	12:50	23:24	11:25	16
17	00:58	13:24	00:37	13:04	00:39	13:07	00:36	13:05	00:44	13:11	00:23	12:51	00:58	13:23	24:00	11:54	17
18	01:51	13:56	01:30	13:36	01:36	13:36	01:32	13:34	01:39	13:42	01:18	13:21	01:49	13:58	00:19	12:23	18
19	02:46	14:31	02:26	14:10	02:35	14:06	02:31	14:05	02:36	14:14	02:15	13:54	02:42	14:35	01:17	12:55	19
20	03:47	15:09	03:26	14:48	03:41	14:39	03:35	14:40	03:39	14:50	03:17	14:29	03:40	15:15	02:20	13:30	20
21	04:53	15:52	04:33	15:31	04:52	15:17	04:45	15:19	04:48	15:31	04:26	15:10	04:44	16:01	03:29	14:10	21
22	06:05	16:42	05:45	16:21	06:10	16:01	06:01	16:05	06:02	16:18	05:41	15:57	05:53	16:54	04:44	14:57	22
23	07:19	17:41	06:59	17:20	07:28	16:58	07:18	17:02	07:18	17:16	06:57	16:55	07:05	17:54	06:01	15:54	23
24	08:28	18:50	08:08	18:29	08:37	18:08	08:27	18:12	08:27	18:26	08:06	18:05	08:13	19:03	07:10	17:03	24
25	09:26	20:05	09:07	19:44	09:32	19:27	09:23	19:30	09:24	19:43	09:03	19:22	09:14	20:16	08:07	18:20	25
26	10:16	21:19	09:57	20:58	10:17	20:46	10:09	20:48	10:12	20:59	09:51	20:38	10:06	21:27	08:55	19:37	26
27	11:00	22:27	10:40	22:07	10:56	22:00	10:50	22:00	10:53	22:10	10:32	21:49	10:53	22:32	09:36	20:49	27
28	11:40	23:30	11:20	23:09	11:30	23:08	11:25	23:06	11:30	23:14	11:10	22:54	11:35	23:32	10:13	21:54	28
29	12:16	24:00	11:56	24:00	12:02	24:00	11:58	24:00	12:04	24:00	11:44	23:54	12:14	24:00	10:47	22:55	29
30	12:50	00:28	12:30	00:08	12:32	00:10	12:30	00:08	12:37	00:15	12:16	24:00	12:50	00:28	11:19	23:54	30
31	13:23	01:24	13:03	01:04	13:01	01:11	13:00	01:07	13:08	01:13	12:47	00:52	13:26	01:22	11:50	24:00	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–जनवरी सन् 2023 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
जन.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	जन.
1	13:57	02:20	13:37	02:00	13:30	02:11	13:30	02:06	13:40	02:11	13:19	01:50	14:02	02:15	12:21	00:52	1
2	14:31	03:16	14:11	02:56	14:00	03:12	14:02	03:06	14:12	03:09	13:51	02:48	14:39	03:09	12:53	01:51	2
3	15:08	04:15	14:47	03:55	14:32	04:15	14:35	04:07	14:47	04:10	14:26	03:48	15:17	04:05	13:26	02:52	3
4	15:48	05:14	15:27	04:54	15:08	05:19	15:12	05:10	15:25	05:11	15:04	04:50	16:00	05:02	14:04	03:54	4
5	16:32	06:13	16:12	05:53	15:50	06:21	15:55	06:11	16:08	06:11	15:47	05:50	16:46	05:59	14:47	04:54	5
6	17:23	07:08	17:02	06:48	16:40	07:17	16:45	07:07	16:59	07:07	16:38	06:46	17:37	06:53	15:37	05:50	6
7	18:19	07:56	17:58	07:37	17:38	08:04	17:42	07:54	17:55	07:55	17:34	07:34	18:31	07:43	16:33	06:39	7
8	19:16	08:39	18:56	08:19	18:39	08:44	18:42	08:35	18:54	08:36	18:33	08:15	19:27	08:27	17:33	07:20	8
9	20:13	09:16	19:52	08:57	19:40	09:17	19:42	09:09	19:53	09:12	19:32	08:51	20:21	09:06	18:32	07:56	9
10	21:08	09:51	20:47	09:31	20:39	09:47	20:40	09:41	20:49	09:44	20:29	09:23	21:14	09:43	19:29	08:28	10
11	22:00	10:23	21:40	10:03	21:36	10:15	21:35	10:10	21:44	10:14	21:23	09:54	22:04	10:17	20:24	08:57	11
12	22:51	10:53	22:31	10:34	22:31	10:42	22:29	10:38	22:37	10:43	22:16	10:23	22:53	10:50	21:17	09:26	12
13	23:42	11:24	23:22	11:04	23:26	11:09	23:23	11:06	23:30	11:12	23:09	10:51	23:42	11:23	22:10	09:54	13
14	24:00	11:55	24:00	11:35	24:00	11:35	24:00	11:33	24:00	11:41	24:00	11:20	24:00	11:55	23:05	10:23	14
15	00:35	12:27	00:15	12:07	00:23	12:04	00:18	12:03	00:24	12:11	00:03	11:50	00:32	12:30	24:00	10:52	15
16	01:31	13:02	01:11	12:41	01:23	12:34	01:18	12:34	01:22	12:44	01:01	12:23	01:26	13:07	00:04	11:25	16
17	02:32	13:41	02:12	13:20	02:29	13:08	02:23	13:10	02:26	13:21	02:05	13:00	02:24	13:49	01:07	12:01	17
18	03:40	14:26	03:20	14:05	03:43	13:48	03:34	13:51	03:36	14:03	03:15	13:43	03:29	14:37	02:18	12:42	18
19	04:53	15:19	04:33	14:58	05:00	14:37	04:50	14:41	04:51	14:55	04:29	14:34	04:39	15:32	03:33	13:33	19
20	06:04	16:23	05:44	16:02	06:14	15:39	06:03	15:44	06:03	15:58	05:42	15:37	05:49	16:37	04:46	14:35	20
21	07:08	17:37	06:48	17:16	07:16	16:56	07:06	17:00	07:06	17:13	06:45	16:52	06:54	17:49	05:49	15:50	21
22	08:02	18:53	07:42	18:32	08:06	18:18	07:57	18:20	07:59	18:32	07:38	18:11	07:51	19:03	06:42	17:10	22
23	08:50	20:06	08:30	19:46	08:48	19:37	08:41	19:38	08:44	19:48	08:23	19:27	08:41	20:13	07:27	18:26	23
24	09:33	21:14	09:13	20:54	09:25	20:50	09:20	20:49	09:24	20:58	09:03	20:37	09:27	21:18	08:07	19:37	24
25	10:12	22:16	09:52	21:56	10:00	21:57	09:55	21:55	10:01	22:02	09:40	21:41	10:09	22:17	08:43	20:43	25
26	10:48	23:15	10:28	22:55	10:31	23:01	10:29	22:57	10:35	23:03	10:15	22:42	10:47	23:14	09:17	21:44	26
27	11:23	24:00	11:03	23:53	11:02	24:00	11:00	23:58	11:08	24:00	10:47	23:42	11:25	24:00	09:50	22:44	27
28	11:57	00:13	11:37	24:00	11:32	00:02	11:31	24:00	11:40	00:03	11:20	24:00	12:01	00:09	10:21	23:44	28
29	12:31	01:10	12:11	00:50	12:02	01:04	12:03	00:59	12:13	01:02	11:52	00:41	12:38	01:04	10:54	24:00	29
30	13:08	02:09	12:47	01:49	12:33	02:08	12:36	02:00	12:47	02:03	12:26	01:42	13:17	02:00	11:27	00:45	30
31	13:46	03:08	13:26	02:48	13:08	03:12	13:11	03:03	13:24	03:05	13:03	02:44	13:58	02:57	12:03	01:47	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—फरवरी सन् 2023 ई.

ता. फर.	अहमदाबाद उदय	अहमदाबाद अस्त	भोपाल उदय	भोपाल अस्त	चड़ीगढ़ उदय	चड़ीगढ़ अस्त	दिल्ली उदय	दिल्ली अस्त	जयपुर उदय	जयपुर अस्त	लखनऊ उदय	लखनऊ अस्त	मुम्बई उदय	मुम्बई अस्त	डिब्रूगढ़ उदय	डिब्रूगढ़ अस्त	ता. फर.
1	14।29	04।07	14।09	03।48	13।48	04।15	13।52	04।05	14।05	04।05	13।45	03।44	14।43	03।54	12।44	02।49	1
2	15।18	05।03	14।58	04।44	14।35	05।13	14।40	05।02	14।54	05।02	14।33	04।41	15।32	04।49	13।32	03।46	2
3	16।12	05।54	15।52	05।34	15।31	06।03	15।35	05।52	15।48	05।53	15।27	05।32	16।25	05।40	14।26	04।37	3
4	17।10	06।38	16।49	06।18	16।31	06।44	16।35	06।35	16।47	06।36	16।26	06।15	17।21	06।25	15।25	05।20	4
5	18।07	07।17	17।47	06।57	17।33	07।19	17।35	07।11	17।47	07।13	17।26	06।52	18।16	07।06	16।25	05।57	5
6	19।03	07।52	18।43	07।32	18।33	07।50	18।34	07।43	18।44	07।46	18।23	07।25	19।10	07।44	17।24	06।30	6
7	19।56	08।25	19।36	08।05	19।31	08।19	19।31	08।13	19।40	08।17	19।19	07।56	20।01	08।19	18।20	07।00	7
8	20।48	08।56	20।28	08।36	20।26	08।46	20।25	08।41	20।33	08।46	20।12	08।26	20।50	08।52	19।13	07।29	8
9	21।39	09।26	21।19	09।07	21।21	09।12	21।19	09।09	21।26	09।15	21।05	08।54	21।39	09।25	20।07	07।58	9
10	22।30	09।57	22।10	09।37	22।17	09।39	22।13	09।37	22।19	09।44	21।58	09।23	22।28	09।57	21।00	08।26	10
11	23।24	10।28	23।04	10।08	23।15	10।06	23।10	10।05	23।15	10।13	22।54	09।52	23।19	10।30	21।56	08।54	11
12	24।00	11।01	24।00	10।40	24।00	10।34	24।00	10।35	24।00	10।44	23।53	10।23	24।00	11।05	22।56	09।25	12
13	00।22	11।37	00।02	11।16	00।17	11।06	00।11	11।07	00।14	11।17	24।00	10।57	00।15	11।44	24।00	09।58	13
14	01।25	12।17	01।05	11।57	01।25	11।41	01।17	11।44	01।20	11।56	00।59	11।35	01।15	12।27	00।02	10।35	14
15	02।33	13।04	02।13	12।44	02।39	12।24	02।29	12।28	02।31	12।41	02।09	12।20	02।21	13।17	01।13	11।19	15
16	03।44	14।01	03।24	13।41	03।53	13।18	03।42	13।23	03।42	13।36	03।21	13।15	03।29	14।15	02।25	12।14	16
17	04।49	15।09	04।29	14।48	04।59	14।26	04।48	14।31	04।48	14।45	04।27	14।23	04।35	15।23	03।31	13।22	17
18	05।46	16।24	05।26	16।03	05।52	15।45	05।43	15।49	05।44	16।01	05।23	15।40	05।33	16।35	04।27	14।39	18
19	06।36	17।39	06।16	17।18	06।37	17।06	06।29	17।08	06।31	17।19	06।10	16।58	06।26	17।47	05।15	15।57	19
20	07।21	18।50	07।01	18।29	07।16	18।23	07।10	18।23	07।14	18।32	06।53	18।11	07।14	18।55	05।56	17।11	20
21	08।02	19।56	07।42	19।35	07।52	19।34	07।47	19।33	07।52	19।41	07।32	19।20	07।58	19।58	06।35	18।20	21
22	08।40	20।58	08।20	20।38	08।26	20।41	08।22	20।38	08।29	20।45	08।08	20।24	08।39	20।58	07।11	19।26	22
23	09।17	21।58	08।57	21।38	08।58	21।46	08।56	21।42	09।03	21।48	08।43	21।26	09।18	21।55	07।45	20।28	23
24	09।53	22।58	09।32	22।38	09।29	22।50	09।28	22।45	09।37	22।49	09।16	22।28	09।56	22।52	08।18	21।31	24
25	10।28	23।58	10।08	23।38	10।00	23।55	10।01	23।48	10।10	23।52	09।50	23।30	10।34	23।50	08।51	22।33	25
26	11।04	24।00	10।44	24।00	10।32	24।00	10।34	24।00	10।44	24।00	10।24	24।00	11।13	24।00	09।25	23।37	26
27	11।43	00।59	11।22	00।39	11।05	01।01	11।09	00।53	11।21	00।55	11।00	00।34	11।54	00।48	10।00	24।00	27
28	12।25	02।00	12।04	01।40	11।44	02।06	11।48	01।57	12।01	01।57	11।40	01।36	12।38	01।47	10।40	00।40	28

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–मार्च सन् 2023 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
मार्च	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	मार्च
1	13:12	02:58	12:52	02:38	12:29	03:07	12:34	02:57	12:47	02:57	12:27	02:36	13:26	02:43	11:26	01:40	1
2	14:05	03:50	13:44	03:30	13:22	04:00	13:27	03:49	13:41	03:49	13:20	03:28	14:19	03:36	12:19	02:33	2
3	15:02	04:36	14:41	04:17	14:22	04:44	14:26	04:34	14:39	04:34	14:18	04:14	15:14	04:23	13:17	03:18	3
4	16:00	05:17	15:39	04:57	15:24	05:20	15:27	05:12	15:39	05:13	15:18	04:52	16:10	05:05	14:17	03:57	4
5	16:57	05:53	16:36	05:33	16:25	05:52	16:27	05:45	16:37	05:48	16:16	05:27	17:04	05:44	15:16	04:31	5
6	17:51	06:26	17:31	06:07	17:24	06:22	17:24	06:16	17:34	06:19	17:13	05:59	17:56	06:19	16:14	05:03	6
7	18:44	06:58	18:24	06:38	18:21	06:49	18:20	06:45	18:28	06:49	18:07	06:29	18:47	06:54	17:09	05:32	7
8	19:36	07:29	19:15	07:09	19:17	07:16	19:15	07:13	19:22	07:18	19:01	06:58	19:36	07:27	18:03	06:01	8
9	20:27	08:00	20:07	07:40	20:13	07:43	20:09	07:40	20:15	07:47	19:54	07:26	20:26	07:59	18:57	06:29	9
10	21:20	08:31	21:00	08:11	21:10	08:10	21:05	08:08	21:11	08:16	20:50	07:56	21:17	08:33	19:52	06:58	10
11	22:17	09:03	21:57	08:43	22:11	08:38	22:05	08:38	22:09	08:47	21:48	08:26	22:10	09:07	20:51	07:28	11
12	23:18	09:38	22:58	09:17	23:17	09:08	23:09	09:09	23:12	09:19	22:51	08:58	23:09	09:44	21:54	08:00	12
13	24:00	10:16	24:00	09:55	24:00	09:41	24:00	09:44	24:00	09:55	23:59	09:34	24:00	10:25	23:02	08:35	13
14	00:24	10:59	00:03	10:39	00:28	10:20	00:19	10:23	00:20	10:36	24:00	10:15	00:12	11:11	24:00	09:15	14
15	01:32	11:51	01:12	11:30	01:40	11:07	01:30	11:12	01:30	11:26	01:09	11:05	01:18	12:04	00:13	10:04	15
16	02:38	12:52	02:18	12:31	02:48	12:08	02:37	12:13	02:37	12:27	02:16	12:06	02:23	13:06	01:20	11:04	16
17	03:36	14:02	03:16	13:41	03:44	13:21	03:34	13:25	03:34	13:38	03:13	13:17	03:22	14:14	02:18	12:16	17
18	04:26	15:15	04:06	14:54	04:30	14:40	04:21	14:42	04:23	14:54	04:02	14:33	04:15	15:25	03:06	13:32	18
19	05:11	16:26	04:51	16:06	05:09	15:57	05:02	15:57	05:05	16:08	04:44	15:46	05:03	16:33	03:48	14:46	19
20	05:53	17:34	05:33	17:13	05:45	17:09	05:40	17:08	05:44	17:17	05:23	16:56	05:47	17:37	04:27	15:57	20
21	06:31	18:37	06:11	18:17	06:19	18:18	06:15	18:16	06:21	18:23	06:00	18:02	06:29	18:38	05:03	17:03	21
22	07:09	19:39	06:49	19:18	06:52	19:24	06:49	19:21	06:56	19:27	06:35	19:06	07:08	19:37	05:38	18:07	22
23	07:45	20:40	07:25	20:19	07:24	20:30	07:23	20:25	07:30	20:30	07:10	20:09	07:47	20:35	06:12	19:11	23
24	08:22	21:41	08:01	21:21	07:56	21:36	07:56	21:30	08:05	21:34	07:44	21:12	08:26	21:34	06:46	20:15	24
25	08:58	22:44	08:38	22:23	08:28	22:44	08:29	22:36	08:39	22:38	08:19	22:17	09:06	22:34	07:20	21:20	25
26	09:37	23:47	09:16	23:27	09:01	23:52	09:04	23:42	09:15	23:44	08:55	23:22	09:47	23:34	07:55	22:26	26
27	10:18	24:00	09:58	24:00	09:38	24:00	09:42	24:00	09:55	24:00	09:34	24:00	10:30	24:00	08:34	23:30	27
28	11:04	00:48	10:43	00:28	10:21	00:56	10:26	00:46	10:39	00:46	10:19	00:25	11:18	00:34	09:18	24:00	28
29	11:56	01:44	11:35	01:24	11:12	01:54	11:17	01:43	11:31	01:43	11:10	01:22	12:10	01:29	10:09	00:27	29
30	12:52	02:32	12:31	02:13	12:10	02:41	12:15	02:31	12:28	02:31	12:07	02:10	13:05	02:18	11:06	01:15	30
31	13:50	03:15	13:30	02:55	13:12	03:20	13:16	03:11	13:28	03:12	13:07	02:51	14:01	03:02	12:06	01:56	31

शर क्रांति—अप्रैल सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
अप्रै.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	अप्रै.
1	04।26।54	-03।38।54	-00।10।41	-01।12।46	-16।10।35	-01।17।55	02।27।07	-01।00।27	-04।22।39	00।52।05	-12।20।36	-00।56।42	-15।03।21	1
2	04।50।03	-07।43।58	05।40।21	-01।13।27	-15।56।57	-01।10।04	03।21।50	-01।00।33	-04।17।12	00।46।28	-12।04।39	-00।56।51	-15।01।42	2
3	05।13।06	-01।41।53	11।10।34	-01।14।09	-15।43।10	-01।01।44	04।17।06	-01।00।39	-04।11।45	00।40।55	-11।48।18	-00।56।59	-15।00।05	3
4	05।36।04	-00।36।09	16।06।59	-01।14।51	-15।29।15	-00।52।56	05।12।49	-01।00।45	-04।06।19	00।35।26	-11।31।33	-00।57।07	-14।58।28	4
5	05।58।56	00।30।04	20।18।11	-01।15।32	-15।15।11	-00।43।41	06।08।50	-01।00।51	-04।00।54	00।30।03	-11।14।24	-00।57।16	-14।56।53	5
6	06।21।42	01।34।01	23।34।03	-01।16।13	-15।00।58	-00।34।00	07।05।01	-01।00।57	-03।55।30	00।24।44	-10।56।52	-00।57।24	-14।55।18	6
7	06।44।22	02।33।20	25।46।08	-01।16।54	-14।46।37	-00।23।57	08।01।12	-01।01।03	-03।50।07	00।19।30	-10।38।57	-00।57।33	-14।53।45	7
8	07।06।54	03।25।56	26।48।08	-01।17।35	-14।32।09	-00।13।33	08।57।14	-01।01।09	-03।44।44	00।14।22	-10।20।40	-00।57।42	-14।52।14	8
9	07।29।19	04।09।56	26।36।36	-01।18।15	-14।17।32	-00।02।52	09।52।53	-01।01।16	-03।39।23	00।09।18	-10।02।01	-00।57।50	-14।50।43	9
10	07।51।36	04।43।33	25।11।22	-01।18।55	-14।02।48	00।08।02	10।47।59	-01।01।22	-03।34।03	00।04।20	-09।43।01	-00।57।59	-14।49।14	10
11	08।13।45	05।05।03	22।35।33	-01।19।35	-13।47।56	00।19।07	11।42।18	-01।01।29	-03।28।44	-00।00।32	-09।23।40	-00।58।08	-14।47।46	11
12	08।35।45	05।12।49	18।55।08	-01।20।15	-13।32।56	00।30।19	12।35।38	-01।01।36	-03।23।26	-00।05।20	-09।03।58	-00।58।17	-14।46।20	12
13	08।57।38	05।05।32	14।18।21	-01।20।54	-13।17।50	00।41।31	13।27।46	-01।01।43	-03।18।09	-00।10।02	-08।43।57	-00।58।26	-14।44।54	13
14	09।19।20	04।42।17	08।55।30	-01।21।33	-13।02।36	00।52।41	14।18।29	-01।01।50	-03।12।53	-00।14।39	-08।23।36	-00।58।35	-14।43।31	14
15	09।40।54	04।03।01	02।59।07	-01।22।12	-12।47।16	01।03।42	15।07।34	-01।01।57	-03।07।39	-00।19।10	-08।02।56	-00।58।44	-14।42।08	15
16	10।02।18	03।08।44	-03।15।26	-01।22।50	-12।31।48	01।14।30	15।54।51	-01।02।05	-03।02।26	-00।23।36	-07।41।59	-00।58।53	-14।40।47	16
17	10।23।32	02।01।53	-09।29।25	-01।23।29	-12।16।14	01।25।00	16।40।09	-01।02।12	-02।57।14	-00।27।56	-07।20।43	-00।59।03	-14।39।28	17
18	10।44।36	00।46।16	-15।20।28	-01।24।07	-12।00।34	01।35।07	17।23।18	-01।02।20	-02।52।03	-00।32।11	-06।59।10	-00।59।12	-14।38।10	18
19	11।05।29	-00।33।08	-20।23।24	-01।24।44	-11।44।47	01।44।47	18।04।12	-01।02।27	-02।46।54	-00।36।19	-06।37।20	-00।59।21	-14।36।53	19
20	11।26।11	-01।50।48	-24।12।34	-01।25।22	-11।28।55	01।53।54	18।42।44	-01।02।35	-02।41।46	-00।40।22	-06।15।14	-00।59।31	-14।35।38	20
21	11।46।42	-03।01।16	-26।26।17	-01।25।59	-11।12।56	02।02।25	19।18।48	-01।02।43	-02।36।39	-00।44।19	-05।52।53	-00।59।40	-14।34।25	21
22	12।07।02	-03।59।48	-26।52।12	-01।26।35	-10।56।52	02।10।17	19।52।22	-01।02।51	-02।31।34	-00।48।10	-05।30।16	-00।59।50	-14।33।13	22
23	12।27।09	-04।42।53	-25।31।01	-01।27।12	-10।40।43	02।17।24	20।23।23	-01।02।59	-02।26।30	-00।51।56	-05।07।26	-01।00।00	-14।32।02	23
24	12।47।05	-05।08।22	-22।35।22	-01।27।48	-10।24।28	02।23।45	20।51।50	-01।03।08	-02।21।28	-00।55।35	-04।44।21	-01।00।10	-14।30।53	24
25	13।06।48	-05।15।27	-18।25।01	-01।28।23	-10।08।08	02।29।16	21।17।42	-01।03।16	-02।16।27	-00।59।08	-04।21।04	-01।00।19	-14।29।46	25
26	13।26।18	-05।04।33	-13।21।40	-01।28।59	-09।51।43	02।33।55	21।41।00	-01।03।25	-02।11।28	-01।02।36	-03।57।34	-01।00।29	-14।28।41	26
27	13।45।35	-04।37।10	-07।45।33	-01।29।33	-09।35।13	02।37।38	22।01।45	-01।03।33	-02।06।31	-01।05।57	-03।33।52	-01।00।39	-14।27।37	27
28	14।04।38	-03।55।33	-01।54।34	-01।30।08	-09।18।39	02।40।24	22।19।59	-01।03।42	-02।01।35	-01।09।12	-03।09।58	-01।00।49	-14।26।34	28
29	14।23।27	-03।02।37	03।55।38	-01।30।42	-09।02।00	02।42।11	22।35।42	-01।03।51	-01।56।41	-01।12।21	-02।45।55	-01।00।59	-14।25।34	29
30	14।42।02	-02।01।34	09।30।59	-01।31।16	-08।45।17	02।42।57	22।48।57	-01।04।00	-01।51।49	-01।15।24	-02।21।41	-01।01।09	-14।24।35	30

शर क्रांति—मई सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
मई	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	मई
1	15।00।23	-00।55।45	14।38।25	-01।31।49	-08।28।31	02।42।39	22।59।47	-01।04।09	-01।46।59	-01।18।21	-01।57।18	-01।01।19	-14।23।37	1
2	15।18।29	00।11।35	19।05।41	-01।32।23	-08।11।40	02।41।17	23।08।13	-01।04।19	-01।42।10	-01।21।12	-01।32।46	-01।01।30	-14।22।42	2
3	15।36।19	01।17।32	22।41।26	-01।32।55	-07।54।46	02।38।48	23।14।18	-01।04।28	-01।37।23	-01।23।57	-01।08।06	-01।01।40	-14।21।48	3
4	15।53।54	02।19।25	25।15।47	-01।33।27	-07।37।49	02।35।13	23।18।03	-01।04।38	-01।32।38	-01।26।36	-00।43।19	-01।01।50	-14।20।56	4
5	16।11।13	03।14।57	26।41।11	-01।33।59	-07।20।48	02।30।28	23।19।31	-01।04।48	-01।27।56	-01।29।08	-00।18।25	-01।02।00	-14।20।06	5
6	16।28।16	04।02।07	26।53।20	-01।34।30	-07।03।45	02।24।35	23।18।44	-01।04।57	-01।23।15	-01।31।35	00।06।34	-01।02।11	-14।19।18	6
7	16।45।02	04।39।08	25।51।48	-01।35।01	-06।46।39	02।17।33	23।15।44	-01।05।07	-01।18।36	-01।33।55	00।31।39	-01।02।21	-14।18।31	7
8	17।01।32	05।04।26	23।39।45	-01।35।32	-06।29।29	02।09।21	23।10।34	-01।05।17	-01।13।59	-01।36।09	00।56।50	-01।02।32	-14।17।46	8
9	17।17।44	05।16।35	20।23।08	-01।36।02	-06।12।18	02।00।01	23।03।17	-01।05।28	-01।09।25	-01।38।17	01।22।04	-01।02।42	-14।17।04	9
10	17।33।39	05।14।23	16।09।41	-01।36।31	-05।55।04	01।49।34	22।53।56	-01।05।38	-01।04।52	-01।40।19	01।47।22	-01।02।53	-14।16।23	10
11	17।49।16	04।56।55	11।08।17	-01।37।00	-05।37।48	01।38।01	22।42।34	-01।05।49	-01।00।22	-01।42।14	02।12।43	-01।03।04	-14।15।43	11
12	18।04।36	04।23।47	05।29।05	-01।37।29	-05।20।30	01।25।25	22।29।17	-01।05।59	-00।55।54	-01।44।04	02।38।07	-01।03।14	-14।15।06	12
13	18।19।36	03।35।16	-00।35।46	-01।37।57	-05।03।10	01।11।50	22।14।09	-01।06।10	-00।51।28	-01।45।47	03।03।32	-01।03।25	-14।14।31	13
14	18।34।19	02।32।51	-06।50।55	-01।38।25	-04।45।49	00।57।20	21।57।17	-01।06।21	-00।47।05	-01।47।25	03।28।59	-01।03।36	-14।13।57	14
15	18।48।42	01।19।20	-12।56।27	-01।38।52	-04।28।26	00।42।00	21।38।49	-01।06।32	-00।42।43	-01।48।56	03।54।25	-01।03।47	-14।13।25	15
16	19।02।47	-00।00।54	-18।27।27	-01।39।19	-04।11।01	00।25।57	21।18।55	-01।06।43	-00।38।24	-01।50।21	04।19।52	-01।03।57	-14।12।55	16
17	19।16।32	-01।22।17	-22।55।15	-01।39।45	-03।53।36	00।09।19	20।57।44	-01।06।54	-00।34।08	-01।51।41	04।45।18	-01।04।08	-14।12।28	17
18	19।29।58	-02।38।35	-25।51।53	-01।40।10	-03।36।09	-00।07।46	20।35।29	-01।07।06	-00।29।34	-01।52।54	05।10।42	-01।04।19	-14।12।02	18
19	19।43।03	-03।43।56	-26।57।22	-01।40।35	-03।18।42	-00।25।12	20।12।23	-01।07।17	-00।25।42	-01।54।02	05।36।04	-01।04।30	-14।11।38	19
20	19।55।49	-04।33।42	-26।06।41	-01।41।00	-03।01।14	-00।42।47	19।48।41	-01।07।29	-00।21।33	-01।55।03	06।01।24	-01।04।41	-14।11।16	20
21	20।08।14	-05।05।00	-23।31।06	-01।41।24	-02।43।46	-01।00।22	19।24।39	-01।07।41	-00।17।26	-01।55।59	06।26।40	-01।04।52	-14।10।55	21
22	20।20।19	-05।16।51	-19।32।33	-01।41।47	-02।26।17	-01।17।47	19।00।32	-01।07।53	-00।13।22	-01।56।49	06।51।52	-01।05।03	-14।10।37	22
23	20।32।02	-05।09।50	-14।36।01	-01।42।10	-02।08।49	-01।34।52	18।36।38	-01।08।05	-00।09।21	-01।57।33	07।16।59	-01।05।14	-14।10।21	23
24	20।43।25	-04।45।43	-09।04।19	-01।42।33	-01।51।20	-01।51।29	18।13।13	-01।08।17	-00।05।22	-01।58।11	07।42।00	-01।05।25	-14।10।07	24
25	20।54।26	-04।07।01	-03।16।20	-01।42।55	-01।33।52	-02।07।28	17।50।34	-01।08।29	-00।01।26	-01।58।44	08।06।55	-01।05।36	-14।09।55	25
26	21।05।06	-03।16।40	02।32।30	-01।43।16	-01।16।24	-02।22।42	17।28।56	-01।08।42	00।02।27	-01।59।11	08।31।44	-01।05।47	-14।09।44	26
27	21।15।24	-02।17।47	08।09।03	-01।43।37	-00।58।57	-02।37।04	17।08।33	-01।08।54	00।06।17	-01।59।33	08।56।25	-01।05।59	-14।09।36	27
28	21।25।20	-01।13।31	13।21।21	-01।43।57	-00।41।31	-02।50।27	16।49।39	-01।09।07	00।10।05	-01।59।49	09।20।57	-01।06।10	-14।09।30	28
29	21।34।54	-00।06।56	17।57।47	-01।44।16	-00।24।06	-03।02।48	16।32।25	-01।09।20	00।13।50	-01।59।59	09।45।21	-01।06।21	-14।09।26	29
30	21।44।05	00।59।05	21।47।02	-01।44।35	-00।06।43	-03।14।01	16।17।00	-01।09।33	00।17।32	-02।00।04	10।09।35	-01।06।32	-14।09।23	30
31	21।52।54	02।01।51	24।38।30	-01।44।54	00।10।39	-03।24।05	16।03।32	-01।09।46	00।21।11	-02।00।04	10।33।38	-01।06।43	-14।09।23	31

शर क्रांति—जून सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
जून	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	जून
1	22 01 19	02 58 57	26 23 19	-01 45 11	00 27 59	-03 32 58	15 52 07	-01 09 59	00 24 47	-01 59 58	10 57 31	-01 06 54	-14 09 25	1
2	22 09 22	03 48 13	26 55 47	-01 45 29	00 45 18	-03 40 39	15 42 48	-01 10 13	00 28 21	-01 59 47	11 21 11	-01 07 06	-14 09 29	2
3	22 17 01	04 27 45	26 14 21	-01 45 45	01 02 35	-03 47 08	15 35 39	-01 10 26	00 31 51	-01 59 31	11 44 40	-01 07 17	-14 09 34	3
4	22 24 17	04 55 58	24 21 45	-01 46 01	01 19 50	-03 52 25	15 30 40	-01 10 40	00 35 17	-01 59 10	12 07 55	-01 07 28	-14 09 42	4
5	22 31 10	05 11 32	21 24 13	-01 46 16	01 37 02	-03 56 33	15 27 51	-01 10 53	00 38 41	-01 58 44	12 30 56	-01 07 39	-14 09 52	5
6	22 37 39	05 13 27	17 29 59	-01 46 31	01 54 12	-03 59 32	15 27 10	-01 11 07	00 42 02	-01 58 12	12 53 43	-01 07 50	-14 10 04	6
7	22 43 44	05 01 01	12 48 13	-01 46 45	02 11 19	-04 01 24	15 28 34	-01 11 21	00 45 19	-01 57 36	13 16 14	-01 08 02	-14 10 17	7
8	22 49 24	04 33 51	07 28 23	-01 46 58	02 28 24	-04 02 12	15 31 59	-01 11 35	00 48 33	-01 56 55	13 38 30	-01 08 13	-14 10 33	8
9	22 54 41	03 52 08	01 40 46	-01 47 11	02 45 25	-04 01 59	15 37 22	-01 11 50	00 51 44	-01 56 10	14 00 29	-01 08 24	-14 10 51	9
10	22 59 34	02 56 41	-04 22 33	-01 47 23	03 02 24	-04 00 46	15 44 37	-01 12 04	00 54 52	-01 55 19	14 22 11	-01 08 35	-14 11 10	10
11	23 04 02	01 49 22	-10 26 09	-01 47 35	03 19 19	-03 58 37	15 53 39	-01 12 19	00 57 56	-01 54 24	14 43 35	-01 08 46	-14 11 32	11
12	23 08 06	00 33 18	-16 09 30	-01 47 45	03 36 11	-03 55 33	16 04 22	-01 12 33	01 00 57	-01 53 24	15 04 40	-01 08 57	-14 11 55	12
13	23 11 46	-00 46 55	-21 06 20	-01 47 55	03 53 00	-03 51 39	16 16 39	-01 12 48	01 03 54	-01 52 20	15 25 26	-01 09 09	-14 12 21	13
14	23 15 01	-02 05 31	-24 46 29	-01 48 05	04 09 44	-03 46 56	16 30 25	-01 13 03	01 06 48	-01 51 12	15 45 52	-01 09 20	-14 12 48	14
15	23 17 51	-03 16 09	-26 42 08	-01 48 14	04 26 26	-03 41 26	16 45 33	-01 13 18	01 09 38	-01 49 59	16 05 57	-01 09 31	-14 13 17	15
16	23 20 17	-04 12 56	-26 37 19	-01 48 22	04 43 03	-03 35 13	17 01 55	-01 13 33	01 12 25	-01 48 42	16 25 41	-01 09 42	-14 13 48	16
17	23 22 18	-04 51 33	-24 34 47	-01 48 29	04 59 36	-03 28 20	17 19 26	-01 13 48	01 15 09	-01 47 21	16 45 03	-01 09 53	-14 14 21	17
18	23 23 54	-05 09 52	-20 54 16	-01 48 36	05 16 04	-03 20 47	17 37 57	-01 14 03	01 17 48	-01 45 56	17 04 03	-01 10 04	-14 14 56	18
19	23 25 06	-05 07 57	-16 03 45	-01 48 42	05 32 29	-03 12 39	17 57 22	-01 14 19	01 20 25	-01 44 27	17 22 39	-01 10 15	-14 15 33	19
20	23 25 53	-04 47 37	-10 30 52	-01 48 47	05 48 49	-03 03 56	18 17 32	-01 14 34	01 22 57	-01 42 54	17 40 50	-01 10 26	-14 16 12	20
21	23 26 14	-04 11 45	-04 38 34	-01 48 51	06 05 04	-02 54 42	18 38 21	-01 14 50	01 25 26	-01 41 17	17 58 37	-01 10 36	-14 16 52	21
22	23 26 12	-03 23 42	01 15 24	-01 48 55	06 21 14	-02 44 59	18 59 40	-01 15 06	01 27 51	-01 39 37	18 15 59	-01 10 47	-14 17 34	22
23	23 25 44	-02 26 51	06 57 12	-01 48 58	06 37 19	-02 34 50	19 21 20	-01 15 22	01 30 12	-01 37 53	18 32 55	-01 10 58	-14 18 18	23
24	23 24 52	-01 24 24	12 15 19	-01 49 01	06 53 19	-02 24 16	19 43 15	-01 15 38	01 32 30	-01 36 06	18 49 23	-01 11 09	-14 19 04	24
25	23 23 34	-00 19 22	16 59 10	-01 49 02	07 09 13	-02 13 20	20 05 13	-01 15 54	01 34 43	-01 34 16	19 05 25	-01 11 19	-14 19 51	25
26	23 21 52	00 45 29	20 58 21	-01 49 03	07 25 02	-02 02 04	20 27 07	-01 16 10	01 36 53	-01 32 22	19 20 58	-01 11 30	-14 20 41	26
27	23 19 46	01 47 39	24 02 43	-01 49 04	07 40 45	-01 50 32	20 48 47	-01 16 26	01 38 58	-01 30 25	19 36 03	-01 11 41	-14 21 32	27
28	23 17 15	02 44 43	26 03 04	-01 49 03	07 56 23	-01 38 46	21 10 02	-01 16 43	01 41 00	-01 28 25	19 50 38	-01 11 51	-14 22 24	28
29	23 14 19	03 34 32	26 52 31	-01 49 02	08 11 54	-01 26 49	21 30 42	-01 16 59	01 42 58	-01 26 22	20 04 43	-01 12 02	-14 23 19	29
30	23 10 59	04 15 06	26 28 04	-01 49 00	08 27 19	-01 14 44	21 50 36	-01 17 16	01 44 51	-01 24 16	20 18 18	-01 12 12	-14 24 15	30

शर क्रांति–जुलाई सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
जुला.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	जुला.
1	23 07 14	04 44 44	24 51 16	-01 48 57	08 42 38	-01 02 35	22 09 33	-01 17 33	01 46 41	-01 22 07	20 31 22	-01 12 22	-14 25 13	1
2	23 03 05	05 02 04	22 07 53	-01 48 54	08 57 51	-00 50 24	22 27 21	-01 17 49	01 48 26	-01 19 56	20 43 54	-01 12 33	-14 26 12	2
3	22 58 32	05 06 09	18 26 32	-01 48 49	09 12 57	-00 38 15	22 43 48	-01 18 06	01 50 07	-01 17 42	20 55 54	-01 12 43	-14 27 13	3
4	22 53 35	04 56 25	13 57 13	-01 48 44	09 27 56	-00 26 12	22 58 43	-01 18 23	01 51 44	-01 15 26	21 07 20	-01 12 53	-14 28 15	4
5	22 48 14	04 32 47	08 50 15	-01 48 38	09 42 48	-00 14 19	23 11 53	-01 18 40	01 53 17	-01 13 07	21 18 14	-01 13 03	-14 29 19	5
6	22 42 29	03 55 35	03 15 58	-01 48 32	09 57 34	-00 02 41	23 23 07	-01 18 57	01 54 46	-01 10 46	21 28 34	-01 13 13	-14 30 24	6
7	22 36 21	03 05 40	-02 34 39	-01 48 25	10 12 13	00 08 39	23 32 14	-01 19 15	01 56 10	-01 08 23	21 38 19	-01 13 23	-14 31 31	7
8	22 29 49	02 04 33	-08 28 55	-01 48 16	10 26 44	00 19 37	23 39 03	-01 19 32	01 57 30	-01 05 59	21 47 30	-01 13 32	-14 32 39	8
9	22 22 54	00 54 36	-14 10 41	-01 48 07	10 41 09	00 30 09	23 43 27	-01 19 49	01 58 46	-01 03 32	21 56 05	-01 13 42	-14 33 48	9
10	22 15 36	-00 20 45	-19 18 56	-01 47 58	10 55 26	00 40 11	23 45 18	-01 20 06	01 59 57	-01 01 03	22 04 05	-01 13 52	-14 34 59	10
11	22 07 55	-01 36 54	-23 27 21	-01 47 47	11 09 35	00 49 39	23 44 29	-01 20 24	02 01 04	-00 58 33	22 11 29	-01 14 01	-14 36 11	11
12	21 59 51	-02 48 18	-26 07 07	-01 47 36	11 23 38	00 58 31	23 40 57	-01 20 41	02 02 07	-00 56 01	22 18 16	-01 14 10	-14 37 25	12
13	21 51 24	-03 49 01	-26 54 17	-01 47 24	11 37 32	01 06 43	23 34 39	-01 20 59	02 03 05	-00 53 28	22 24 26	-01 14 20	-14 38 39	13
14	21 42 35	-04 33 42	-25 39 22	-01 47 11	11 51 19	01 14 13	23 25 36	-01 21 16	02 03 59	-00 50 53	22 29 59	-01 14 29	-14 39 55	14
15	21 33 24	-04 58 42	-22 32 15	-01 46 57	12 04 59	01 20 59	23 13 50	-01 21 34	02 04 48	-00 48 17	22 34 55	-01 14 38	-14 41 12	15
16	21 23 51	-05 02 43	-17 57 49	-01 46 42	12 18 30	01 27 00	22 59 24	-01 21 52	02 05 33	-00 45 40	22 39 12	-01 14 47	-14 42 30	16
17	21 13 56	-04 46 47	-12 26 32	-01 46 27	12 31 53	01 32 15	22 42 22	-01 22 09	02 06 14	-00 43 02	22 42 52	-01 14 56	-14 43 49	17
18	21 03 39	-04 13 42	-06 26 34	-01 46 11	12 45 09	01 36 43	22 22 52	-01 22 27	02 06 50	-00 40 23	22 45 53	-01 15 05	-14 45 10	18
19	20 53 01	-03 27 12	-00 20 31	-01 45 54	12 58 16	01 40 26	22 01 01	-01 22 45	02 07 22	-00 37 43	22 48 16	-01 15 13	-14 46 31	19
20	20 42 02	-02 31 14	05 34 29	-01 45 36	13 11 15	01 43 23	21 36 57	-01 23 03	02 07 49	-00 35 02	22 49 59	-01 15 22	-14 47 53	20
21	20 30 41	-01 29 28	11 05 23	-01 45 17	13 24 05	01 45 35	21 10 48	-01 23 20	02 08 11	-00 32 21	22 51 04	-01 15 30	-14 49 16	21
22	20 19 01	-00 25 08	16 01 24	-01 44 58	13 36 48	01 47 02	20 42 43	-01 23 38	02 08 29	-00 29 40	22 51 30	-01 15 38	-14 50 40	22
23	20 06 59	00 38 57	20 12 48	-01 44 37	13 49 21	01 47 48	20 12 52	-01 23 56	02 08 42	-00 26 58	22 51 16	-01 15 46	-14 52 05	23
24	19 54 38	01 40 21	23 30 18	-01 44 16	14 01 46	01 47 51	19 41 23	-01 24 14	02 08 51	-00 24 16	22 50 23	-01 15 55	-14 53 31	24
25	19 41 56	02 36 52	25 45 15	-01 43 54	14 14 02	01 47 16	19 08 25	-01 24 31	02 08 55	-00 21 34	22 48 50	-01 16 02	-14 54 58	25
26	19 28 55	03 26 25	26 50 36	-01 43 31	14 26 09	01 46 01	18 34 06	-01 24 49	02 08 54	-00 18 51	22 46 38	-01 16 10	-14 56 25	26
27	19 15 34	04 07 07	26 42 20	-01 43 08	14 38 08	01 44 11	17 58 35	-01 25 07	02 08 49	-00 16 09	22 43 47	-01 16 18	-14 57 53	27
28	19 01 55	04 37 12	25 20 35	-01 42 43	14 49 57	01 41 45	17 21 59	-01 25 25	02 08 39	-00 13 27	22 40 16	-01 16 25	-14 59 22	28
29	18 47 56	04 55 14	22 49 53	-01 42 18	15 01 38	01 38 47	16 44 25	-01 25 42	02 08 24	-00 10 45	22 36 05	-01 16 33	-15 00 51	29
30	18 33 39	05 00 07	19 18 18	-01 41 51	15 13 09	01 35 17	16 06 01	-01 26 00	02 08 05	-00 08 04	22 31 16	-01 16 40	-15 02 21	30
31	18 19 04	04 51 18	14 56 09	-01 41 24	15 24 31	01 31 16	15 26 52	-01 26 17	02 07 41	-00 05 23	22 25 47	-01 16 47	-15 03 51	31

शर क्रांति–अगस्त सन् 2022 ई.

शर क्रांति—अगस्त सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
अग.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	अग.
1	18।04।10	04।28।45	09।54।36	-01।40।56	15।35।44	01।26।48	14।47।05	-01।26।35	02।07।12	-00।02।43	22।19।39	-01।16।54	-15।05।22	1
2	17।48।59	03।53।02	04।25।09	-01।40।27	15।46।48	01।21।52	14।06।46	-01।26।52	02।06।39	-00।00।04	22।12।52	-01।17।01	-15।06।53	2
3	17।33।31	03।05।15	-01।20।35	-01।39।57	15।57।42	01।16।31	13।25।59	-01।27।10	02।06।01	00।02।34	22।05।26	-01।17।07	-15।08।24	3
4	17।17।46	02।07।05	-07।10।11	-01।39।26	16।08।27	01।10।46	12।44।51	-01।27।27	02।05।19	00।05।12	21।57।22	-01।17।14	-15।09।56	4
5	17।01।44	01।00।52	-12।49।16	-01।38।54	16।19।03	01।04।38	12।03।24	-01।27।44	02।04।32	00।07।48	21।48।39	-01।17।20	-15।11।28	5
6	16।45।25	-00।10।23	-18।00।21	-01।38।22	16।29।30	00।58।09	11।21।45	-01।28।01	02।03।41	00।10।24	21।39।18	-01।17।26	-15।13।00	6
7	16।28।50	-01।22।56	-22।21।50	-01।37।48	16।39।47	00।51।19	10।39।56	-01।28।18	02।02।45	00।12।58	21।29।20	-01।17।32	-15।14।33	7
8	16।12।00	-02।32।12	-25।28।46	-01।37।14	16।49।55	00।44।11	09।58।03	-01।28।35	02।01।44	00।15।31	21।18।45	-01।17।38	-15।16।05	8
9	15।54।54	-03।33।09	-26।56।54	-01।36।38	16।59।54	00।36।45	09।16।08	-01।28।52	02।00।39	00।18।03	21।07।32	-01।17।44	-15।17।38	9
10	15।37।33	-04।20।42	-26।30।05	-01।36।02	17।09।43	00।29।02	08।34।15	-01।29।09	01।59।30	00।20।33	20।55।42	-01।17।49	-15।19।10	10
11	15।19।56	-04।50।36	-24।07।26	-01।35।25	17।19।23	00।21।04	07।52।28	-01।29।25	01।58।16	00।23।01	20।43।16	-01।17।55	-15।20।43	11
12	15।02।06	-05।00।14	-20।04।40	-01।34।46	17।28।54	00।12।52	07।10।50	-01।29।42	01।56।58	00।25।28	20।30।15	-01।18।00	-15।22।16	12
13	14।44।00	-04।49।13	-14।48।26	-01।34।07	17।38।15	00।04।26	06।29।24	-01।29।58	01।55।36	00।27।53	20।16।37	-01।18।05	-15।23।48	13
14	14।25।41	-04।19।26	-08।48।18	-01।33।27	17।47।28	-00।04।11	05।48।13	-01।30।14	01।54।09	00।30।16	20।02।25	-01।18।10	-15।25।20	14
15	14।07।08	-03।34।21	-02।31।09	-01।32।46	17।56।30	-00।13।01	05।07।20	-01।30।30	01।52।38	00।32।37	19।47।38	-01।18।15	-15।26।53	15
16	13।48।21	-02।38।16	03।41।12	-01।32।03	18।05।24	-00।22।01	04।26।49	-01।30।46	01।51।03	00।34।56	19।32।16	-01।18।19	-15।28।24	16
17	13।29।22	-01।35।29	09।31।56	-01।31।20	18।14।08	-00।31।10	03।46।42	-01।31।01	01।49।23	00।37।12	19।16।21	-01।18।24	-15।29।56	17
18	13।10।09	-00।29।52	14।47।55	-01।30।36	18।22।43	-00।40।28	03।07।03	-01।31।17	01।47।40	00।39।27	18।59।53	-01।18।28	-15।31।27	18
19	12।50।44	00।35।21	19।18।29	-01।29।51	18।31।08	-00।49।53	02।27।55	-01।31।32	01।45।52	00।41।39	18।42।52	-01।18।32	-15।32।58	19
20	12।31।06	01।37।35	22।54।20	-01।29।05	18।39।24	-00।59।24	01।49।20	-01।31।47	01।44।00	00।43।49	18।25।19	-01।18।36	-15।34।29	20
21	12।11।17	02।34।38	25।27।20	-01।28।18	18।47।32	-01।09।01	01।11।22	-01।32।01	01।42।05	00।45।56	18।07।15	-01।18।40	-15।35।59	21
22	11।51।16	03।24।34	26।50।51	-01।27।30	18।55।29	-01।18।42	00।34।05	-01।32।16	01।40।05	00।48।00	17।48।39	-01।18।43	-15।37।28	22
23	11।31।03	04।05।42	27।00।42	-01।26।40	19।03।18	-01।28।26	-00।02।27	-01।32।30	01।38।01	00।50।02	17।29।33	-01।18।47	-15।38।57	23
24	11।10।40	04।36।22	25।56।14	-01।25।50	19।10।57	-01।38।12	-00।38।12	-01।32।44	01।35।54	00।52।02	17।09।58	-01।18।50	-15।40।26	24
25	10।50।05	04।55।08	23।40।41	-01।24।59	19।18।28	-01।47।59	-01।13।04	-01।32।58	01।33।43	00।53।58	16।49।53	-01।18।53	-15।41।54	25
26	10।29।21	05।00।49	20।20।56	-01।24।06	19।25।49	-01।57।46	-01।47।01	-01।33।11	01।31।28	00।55।52	16।29।20	-01।18।56	-15।43।21	26
27	10।08।26	04।52।40	16।06।27	-01।23।13	19।33।01	-02।07।30	-02।19।57	-01।33।24	01।29।10	00।57।42	16।08।18	-01।18।59	-15।44।47	27
28	09।47।22	04।30।31	11।08।23	-01।22।18	19।40।05	-02।17।12	-02।51।47	-01।33।37	01।26।48	00।59।30	15।46।50	-01।19।02	-15।46।13	28
29	09।26।09	03।54।51	05।38।48	-01।21।22	19।46।59	-02।26।48	-03।22।26	-01।33।50	01।24।23	01।01।14	15।24।55	-01।19।04	-15।47।38	29
30	09।04।46	03।06।52	-00।09।36	-01।20।26	19।53।45	-02।36।18	-03।51।48	-01।34।02	01।21।54	01।02।56	15।02।33	-01।19।07	-15।49।01	30
31	08।43।15	02।08।32	-06।03।19	-01।19।28	20।00।22	-02।45।38	-04।19।47	-01।34।14	01।19।23	01।04।34	14।39।47	-01।19।09	-15।50।25	31

शर क्रांति–सितम्बर सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
सितं.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	सितं.
1	08 21 36	01 02 25	-11 47 29	-01 18 29	20 06 51	-02 54 48	-04 46 16	-01 34 26	01 16 48	01 06 09	14 16 36	-01 19 11	-15 51 47	1
2	07 59 48	-00 08 15	-17 05 08	-01 17 28	20 13 11	-03 03 45	-05 11 07	-01 34 37	01 14 10	01 07 41	13 53 01	-01 19 13	-15 53 08	2
3	07 37 54	-01 19 49	-21 36 42	-01 16 27	20 19 22	-03 12 24	-05 34 13	-01 34 48	01 11 30	01 09 09	13 29 03	-01 19 14	-15 54 28	3
4	07 15 51	-02 28 05	-25 00 23	-01 15 24	20 25 26	-03 20 45	-05 55 25	-01 34 58	01 08 46	01 10 34	13 04 43	-01 19 16	-15 55 47	4
5	06 53 42	-03 28 41	-26 54 38	-01 14 20	20 31 21	-03 28 43	-06 14 34	-01 35 09	01 06 01	01 11 55	12 40 00	-01 19 17	-15 57 05	5
6	06 31 26	-04 17 15	-27 03 09	-01 13 15	20 37 09	-03 36 13	-06 31 28	-01 35 19	01 03 12	01 13 13	12 14 57	-01 19 19	-15 58 22	6
7	06 09 04	-04 49 53	-25 20 35	-01 12 09	20 42 48	-03 43 13	-06 45 58	-01 35 28	01 00 21	01 14 27	11 49 33	-01 19 20	-15 59 37	7
8	05 46 36	-05 03 44	-21 55 21	-01 11 01	20 48 20	-03 49 35	-06 57 51	-01 35 37	00 57 28	01 15 38	11 23 49	-01 19 21	-16 00 52	8
9	05 24 02	-04 57 33	-17 07 11	-01 09 52	20 53 44	-03 55 16	-07 06 55	-01 35 46	00 54 33	01 16 45	10 57 46	-01 19 21	-16 02 05	9
10	05 01 23	-04 31 59	-11 21 50	-01 08 42	20 59 01	-04 00 09	-07 12 57	-01 35 54	00 51 35	01 17 48	10 31 25	-01 19 22	-16 03 17	10
11	04 38 39	-03 49 32	-05 05 43	-01 07 31	21 04 10	-04 04 07	-07 15 44	-01 36 02	00 48 36	01 18 48	10 04 46	-01 19 23	-16 04 28	11
12	04 15 50	-02 54 06	01 17 09	-01 06 18	21 09 12	-04 07 02	-07 15 03	-01 36 10	00 45 34	01 19 43	09 37 50	-01 19 23	-16 05 37	12
13	03 52 56	-01 50 07	07 26 30	-01 05 04	21 14 07	-04 08 48	-07 10 42	-01 36 17	00 42 31	01 20 35	09 10 38	-01 19 23	-16 06 45	13
14	03 29 58	-00 42 03	13 05 44	-01 03 48	21 18 55	-04 09 14	-07 02 30	-01 36 24	00 39 27	01 21 24	08 43 10	-01 19 23	-16 07 52	14
15	03 06 56	00 26 14	18 01 21	-01 02 31	21 23 37	-04 08 14	-06 50 17	-01 36 30	00 36 21	01 22 08	08 15 27	-01 19 23	-16 08 57	15
16	02 43 51	01 31 33	22 02 17	-01 01 13	21 28 11	-04 05 39	-06 33 57	-01 36 36	00 33 14	01 22 48	07 47 30	-01 19 23	-16 10 01	16
17	02 20 43	02 31 22	24 59 34	-00 59 53	21 32 40	-04 01 22	-06 13 28	-01 36 41	00 30 05	01 23 25	07 19 20	-01 19 23	-16 11 03	17
18	01 57 31	03 23 42	26 46 21	-00 58 32	21 37 02	-03 55 15	-05 48 54	-01 36 46	00 26 56	01 23 58	06 50 57	-01 19 22	-16 12 04	18
19	01 34 17	04 06 54	27 18 33	-00 57 10	21 41 17	-03 47 15	-05 20 24	-01 36 51	00 23 45	01 24 27	06 22 22	-01 19 22	-16 13 04	19
20	01 11 01	04 39 31	26 35 23	-00 55 46	21 45 27	-03 37 19	-04 48 15	-01 36 55	00 20 34	01 24 51	05 53 36	-01 19 21	-16 14 02	20
21	00 47 43	05 00 13	24 39 33	-00 54 20	21 49 31	-03 25 28	-04 12 52	-01 36 58	00 17 22	01 25 12	05 24 39	-01 19 20	-16 14 58	21
22	00 24 23	05 07 55	21 36 58	-00 52 53	21 53 29	-03 11 46	-03 34 50	-01 37 02	00 14 10	01 25 29	04 55 32	-01 19 19	-16 15 53	22
23	00 01 02	05 01 45	17 35 55	-00 51 25	21 57 22	-02 56 20	-02 54 50	-01 37 04	00 10 58	01 25 42	04 26 16	-01 19 18	-16 16 46	23
24	-00 22 19	04 41 16	12 46 26	-00 49 54	22 01 09	-02 39 22	-02 13 39	-01 37 07	00 07 45	01 25 51	03 56 52	-01 19 17	-16 17 37	24
25	-00 45 41	04 06 41	07 19 47	-00 48 23	22 04 52	-02 21 07	-01 32 11	-01 37 08	00 04 32	01 25 56	03 27 21	-01 19 16	-16 18 27	25
26	-01 09 03	03 18 56	01 28 31	-00 46 49	22 08 29	-02 01 53	-00 51 20	-01 37 10	00 01 20	01 25 58	02 57 42	-01 19 14	-16 19 15	26
27	-01 32 26	02 19 50	-04 33 16	-00 45 14	22 12 02	-01 41 57	-00 12 01	-01 37 11	-00 01 52	01 25 55	02 27 57	-01 19 13	-16 20 02	27
28	-01 55 47	01 12 06	-10 29 40	-00 43 38	22 15 30	-01 21 42	00 24 52	-01 37 11	-00 05 04	01 25 48	01 58 07	-01 19 11	-16 20 46	28
29	-02 19 08	-00 00 45	-16 02 25	-00 41 59	22 18 54	-01 01 27	00 58 35	-01 37 11	-00 08 15	01 25 37	01 28 12	-01 19 09	-16 21 29	29
30	-02 42 27	-01 14 37	-20 51 01	-00 40 19	22 22 14	-00 41 30	01 28 26	-01 37 11	-00 11 25	01 25 23	00 58 14	-01 19 08	-16 22 11	30

शर क्रांति—अक्टूबर सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
अक्टू.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	अक्टू.
1	-03।05।45	-02।25।04	-24।33।34	-00।38।37	22।25।31	-00।22।09	01।53।52	-01।37।10	-00।14।35	01।25।04	00।28।12	-01।19।06	-16।22।50	1
2	-03।29।00	-03।27।40	-26।49।18	-00।36।53	22।28।43	-00।03।38	02।14।30	-01।37।08	-00।17।43	01।24।42	-00।01।51	-01।19।04	-16।23।28	2
3	-03।52।13	-04।18।17	-27।22।50	-00।35।08	22।31।52	00।13।49	02।30।02	-01।37।06	-00।20।51	01।24।16	-00।31।57	-01।19।02	-16।24।04	3
4	-04।15।23	-04।53।26	-26।08।47	-00।33।20	22।34।58	00।30।04	02।40।22	-01।37।04	-00।23।57	01।23।46	-01।02।04	-01।18।59	-16।24।38	4
5	-04।38।31	-05।10।37	-23।13।42	-00।31।31	22।38।01	00।45।01	02।45।28	-01।37।01	-00।27।01	01।23।12	-01।32।11	-01।18।57	-16।25।10	5
6	-05।01।34	-05।08।35	-18।53।55	-00।29।40	22।41।01	00।58।35	02।45।25	-01।36।58	-00।30।04	01।22।34	-02।02।18	-01।18।55	-16।25।40	6
7	-05।24।34	-04।47।30	-13।31।17	-00।27।47	22।43।59	01।10।42	02।40।24	-01।36।54	-00।33।05	01।21।53	-02।32।23	-01।18।52	-16।26।09	7
8	-05।47।29	-04।09।05	-07।29।04	-00।25।52	22।46।54	01।21।23	02।30।39	-01।36।50	-00।36।04	01।21।08	-03।02।26	-01।18।50	-16।26।35	8
9	-06।10।20	-03।16।22	-01।09।37	-00।23।55	22।49।47	01।30।38	02।16।27	-01।36।45	-00।39।01	01।20।19	-03।32।27	-01।18।47	-16।27।00	9
10	-06।33।07	-02।13।18	05।06।43	-00।21।56	22।52।38	01।38।29	01।58।08	-01।36।40	-00।41।56	01।19।27	-04।02।24	-01।18।44	-16।27।23	10
11	-06।55।47	-01।04।14	11।01।51	-00।19।55	22।55।27	01।45।00	01।36।05	-01।36।35	-00।44।49	01।18।31	-04।32।17	-01।18।41	-16।27।44	11
12	-07।18।23	00।06।36	16।19।53	-00।17।52	22।58।15	01।50।15	01।10।39	-01।36।29	-00।47।39	01।17।31	-05।02।05	-01।18।39	-16।28।03	12
13	-07।40।52	01।15।29	20।47।09	-00।15।48	23।01।01	01।54।17	00।42।12	-01।36।23	-00।50।27	01।16।28	-05।31।47	-01।18।36	-16।28।20	13
14	-08।03।15	02।19।20	24।12।18	-00।13।40	23।03।46	01।57।12	00।11।06	-01।36।16	-00।53।12	01।15।21	-06।01।22	-01।18।33	-16।28।36	14
15	-08।25।32	03।15।44	26।26।48	-00।11।31	23।06।30	01।59।03	-00।22।18	-01।36।09	-00।55।54	01।14।11	-06।30।51	-01।18।30	-16।28।49	15
16	-08।47।41	04।02।49	27।25।33	-00।09।20	23।09।13	01।59।57	-00।57।40	-01।36।01	-00।58।34	01।12।58	-07।00।11	-01।18।27	-16।29।01	16
17	-09।09।43	04।39।06	27।07।24	-00।07।07	23।11।56	01।59।58	-01।34।43	-01।35।54	-01।01।10	01।11।41	-07।29।23	-01।18।23	-16।29।10	17
18	-09।31।38	05।03।24	25।35।01	-00।04।51	23।14।38	01।59।10	-02।13।09	-01।35।45	-01।03।43	01।10।21	-07।58।25	-01।18।20	-16।29।18	18
19	-09।53।24	05।14।45	22।54।14	-00।02।33	23।17।19	01।57।38	-02।52।43	-01।35।37	-01।06।13	01।08।58	-08।27।17	-01।18।17	-16।29।24	19
20	-10।15।01	05।12।24	19।12।55	-00।00।13	23।20।00	01।55।25	-03।33।10	-01।35।28	-01।08।40	01।07।32	-08।55।58	-01।18।14	-16।29।28	20
21	-10।36।30	04।55।49	14।40।04	00।02।08	23।22।41	01।52।37	-04।14।19	-01।35।18	-01।11।03	01।06।02	-09।24।27	-01।18।10	-16।29।29	21
22	-10।57।49	04।24।56	09।25।30	00।04।32	23।25।22	01।49।16	-04।55।57	-01।35।08	-01।13।23	01।04।30	-09।52।43	-01।18।07	-16।29।29	22
23	-11।18।59	03।40।13	03।40।05	00।06।58	23।28।03	01।45।27	-05।37।56	-01।34।58	-01।15।39	01।02।54	-10।20।46	-01।18।04	-16।29।27	23
24	-11।39।59	02।42।57	-02।23।32	00।09।27	23।30।45	01।41।11	-06।20।05	-01।34।48	-01।17।51	01।01।16	-10।48।34	-01।18।00	-16।29।23	24
25	-12।00।47	01।35।25	-08।30।10	00।11।58	23।33।26	01।36।32	-07।02।17	-01।34।37	-01।20।00	00।59।35	-11।16।08	-01।17।57	-16।29।17	25
26	-12।21।25	00।20।58	-14।21।09	00।14।31	23।36।08	01।31।33	-07।44।26	-01।34।26	-01।22।04	00।57।51	-11।43।25	-01।17।53	-16।29।10	26
27	-12।41।52	-00।56।05	-19।34।19	00।17।06	23।38।50	01।26।15	-08।26।25	-01।34।14	-01।24।04	00।56।05	-12।10।26	-01।17।49	-16।29।00	27
28	-13।02।06	-02।10।47	-23।45।04	00।19।43	23।41।32	01।20।42	-09।08।09	-01।34।03	-01।26।01	00।54।16	-12।37।09	-01।17।46	-16।28।48	28
29	-13।22।09	-03।18।02	-26।29।35	00।22।23	23।44।15	01।14।55	-09।49।33	-01।33।51	-01।27।52	00।52।25	-13।03।35	-01।17।42	-16।28।34	29
30	-13।41।58	-04।13।12	-27।30।02	00।25।04	23।46।58	01।08।56	-10।30।32	-01।33।38	-01।29।40	00।50।31	-13।29।41	-01।17।39	-16।28।19	30
31	-14।01।35	-04।52।34	-26।40।01	00।27।48	23।49।42	01।02।46	-11।11।04	-01।33।26	-01।31।23	00।48।34	-13।55।27	-01।17।35	-16।28।01	31

शर क्रांति—नवम्बर सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
नवं.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	नवं.
1	-14 20 58	-05 13 43	-24 06 24	00 30 33	23 52 26	00 56 28	-11 51 04	-01 33 13	-01 33 02	00 46 36	-14 20 52	-01 17 31	-16 27 41	1
2	-14 40 07	-05 15 38	-20 06 20	00 33 21	23 55 10	00 50 02	-12 30 30	-01 33 00	-01 34 37	00 44 35	-14 45 56	-01 17 28	-16 27 20	2
3	-14 59 02	-04 58 43	-15 01 44	00 36 10	23 57 54	00 43 31	-13 09 19	-01 32 46	-01 36 07	00 42 32	-15 10 38	-01 17 24	-16 26 56	3
4	-15 17 42	-04 24 34	-09 14 48	00 39 01	24 00 38	00 36 54	-13 47 28	-01 32 32	-01 37 32	00 40 27	-15 34 56	-01 17 20	-16 26 31	4
5	-15 36 07	-03 35 49	-03 06 04	00 41 54	24 03 22	00 30 14	-14 24 56	-01 32 19	-01 38 52	00 38 20	-15 58 50	-01 17 16	-16 26 04	5
6	-15 54 17	-02 35 53	03 06 00	00 44 49	24 06 05	00 23 31	-15 01 40	-01 32 05	-01 40 08	00 36 12	-16 22 20	-01 17 13	-16 25 35	6
7	-16 12 11	-01 28 37	09 04 37	00 47 45	24 08 48	00 16 47	-15 37 38	-01 31 50	-01 41 19	00 34 01	-16 45 24	-01 17 09	-16 25 04	7
8	-16 29 48	-00 17 58	14 34 07	00 50 42	24 11 30	00 10 01	-16 12 49	-01 31 36	-01 42 26	00 31 49	-17 08 02	-01 17 05	-16 24 31	8
9	-16 47 09	00 52 14	19 19 53	00 53 42	24 14 12	00 03 16	-16 47 11	-01 31 21	-01 43 27	00 29 36	-17 30 13	-01 17 02	-16 23 56	9
10	-17 04 13	01 58 39	23 08 45	00 56 42	24 16 52	-00 03 27	-17 20 42	-01 31 06	-01 44 24	00 27 21	-17 51 56	-01 16 58	-16 23 19	10
11	-17 20 59	02 58 26	25 49 47	00 59 43	24 19 30	-00 10 10	-17 53 21	-01 30 51	-01 45 16	00 25 04	-18 13 11	-01 16 54	-16 22 41	11
12	-17 37 27	03 49 20	27 15 37	01 02 46	24 22 06	-00 16 50	-18 25 07	-01 30 36	-01 46 03	00 22 46	-18 33 56	-01 16 51	-16 22 00	12
13	-17 53 38	04 29 37	27 23 26	01 05 49	24 24 41	-00 23 27	-18 55 58	-01 30 21	-01 46 46	00 20 27	-18 54 11	-01 16 47	-16 21 18	13
14	-18 09 29	04 58 00	26 15 12	01 08 53	24 27 12	-00 30 00	-19 25 52	-01 30 05	-01 47 23	00 18 07	-19 13 55	-01 16 43	-16 20 34	14
15	-18 25 02	05 13 35	23 56 51	01 11 58	24 29 41	-00 36 29	-19 54 49	-01 29 49	-01 47 55	00 15 46	-19 33 07	-01 16 40	-16 19 48	15
16	-18 40 16	05 15 45	20 36 43	01 15 03	24 32 07	-00 42 52	-20 22 46	-01 29 34	-01 48 23	00 13 24	-19 51 47	-01 16 36	-16 19 00	16
17	-18 55 09	05 04 08	16 24 03	01 18 08	24 34 28	-00 49 10	-20 49 43	-01 29 18	-01 48 45	00 11 02	-20 09 53	-01 16 32	-16 18 11	17
18	-19 09 43	04 38 39	11 28 10	01 21 13	24 36 46	-00 55 21	-21 15 39	-01 29 02	-01 49 02	00 08 38	-20 27 26	-01 16 29	-16 17 19	18
19	-19 23 56	03 59 33	05 58 29	01 24 18	24 38 59	-01 01 25	-21 40 31	-01 28 45	-01 49 15	00 06 14	-20 44 24	-01 16 25	-16 16 26	19
20	-19 37 48	03 07 38	00 05 14	01 27 22	24 41 08	-01 07 22	-22 04 19	-01 28 29	-01 49 22	00 03 50	-21 00 47	-01 16 22	-16 15 31	20
21	-19 51 19	02 04 24	-05 59 14	01 30 26	24 43 10	-01 13 10	-22 27 01	-01 28 13	-01 49 24	00 01 25	-21 16 34	-01 16 18	-16 14 34	21
22	-20 04 28	00 52 24	-11 59 03	01 33 29	24 45 08	-01 18 49	-22 48 37	-01 27 56	-01 49 21	-00 01 00	-21 31 44	-01 16 15	-16 13 36	22
23	-20 17 16	-00 24 40	-17 33 25	01 36 30	24 46 59	-01 24 19	-23 09 03	-01 27 40	-01 49 14	-00 03 25	-21 46 17	-01 16 11	-16 12 35	23
24	-20 29 40	-01 42 00	-22 16 42	01 39 31	24 48 44	-01 29 38	-23 28 21	-01 27 23	-01 49 01	-00 05 51	-22 00 12	-01 16 08	-16 11 33	24
25	-20 41 43	-02 54 02	-25 40 43	01 42 30	24 50 21	-01 34 46	-23 46 26	-01 27 07	-01 48 43	-00 08 16	-22 13 28	-01 16 05	-16 10 29	25
26	-20 53 21	-03 55 10	-27 20 49	01 45 27	24 51 52	-01 39 42	-24 03 20	-01 26 50	-01 48 20	-00 10 41	-22 26 06	-01 16 01	-16 09 24	26
27	-21 04 37	-04 40 41	-27 03 58	01 48 22	24 53 16	-01 44 25	-24 18 59	-01 26 34	-01 47 52	-00 13 07	-22 38 03	-01 15 58	-16 08 16	27
28	-21 15 29	-05 07 23	-24 53 49	01 51 15	24 54 31	-01 48 56	-24 33 24	-01 26 17	-01 47 19	-00 15 31	-22 49 20	-01 15 55	-16 07 07	28
29	-21 25 56	-05 14 01	-21 08 25	01 54 05	24 55 39	-01 53 12	-24 46 31	-01 26 00	-01 46 41	-00 17 56	-22 59 57	-01 15 51	-16 05 57	29
30	-21 36 00	-05 01 05	-16 12 55	01 56 52	24 56 39	-01 57 13	-24 58 21	-01 25 43	-01 45 58	-00 20 20	-23 09 52	-01 15 48	-16 04 44	30

शर क्रांति—दिसम्बर सन् 2022 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
दिसं.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	दिसं.
1	-21 45 38	-04 30 33	-10 32 32	01 59 37	24 57 31	-02 00 57	-25 08 52	-01 25 26	-01 45 10	-00 22 43	-23 19 06	-01 15 45	-16 03 30	1
2	-21 54 52	-03 45 17	-04 29 12	02 02 18	24 58 14	-02 04 25	25 18 02	-01 25 10	-01 44 17	-00 25 06	-23 27 37	-01 15 42	-16 02 15	2
3	-22 03 40	-02 48 44	01 38 50	02 04 56	24 58 49	-02 07 35	25 25 50	-01 24 53	-01 43 19	-00 27 28	-23 35 25	-01 15 39	-16 00 57	3
4	-22 12 03	-01 44 30	07 36 05	02 07 30	24 59 16	-02 10 25	-25 32 16	-01 24 36	-01 42 16	-00 29 48	-23 42 31	-01 15 36	-15 59 38	4
5	-22 20 00	-00 36 15	13 08 31	02 10 01	24 59 34	-02 12 55	-25 37 17	-01 24 19	-01 41 09	-00 32 08	-23 48 53	-01 15 33	-15 58 18	5
6	-22 27 31	00 32 33	18 02 47	02 12 27	24 59 45	-02 15 03	-25 40 54	-01 24 03	-01 39 57	-00 34 27	-23 54 32	-01 15 30	-15 56 56	6
7	-22 34 35	01 38 41	22 06 00	02 14 50	24 59 47	-02 16 47	-25 43 05	-01 23 46	-01 38 40	-00 36 44	-23 59 27	-01 15 28	-15 55 32	7
8	-22 41 14	02 39 16	25 06 22	02 17 08	24 59 41	-02 18 07	25 43 49	-01 23 29	-01 37 18	-00 39 01	-24 03 38	-01 15 25	-15 54 07	8
9	-22 47 25	03 31 52	26 54 34	02 19 22	24 59 28	-02 19 01	-25 43 07	-01 23 12	-01 35 51	-00 41 15	-24 07 04	-01 15 22	-15 52 40	9
10	-22 53 10	04 14 29	27 25 26	02 21 31	24 59 07	-02 19 27	-25 40 57	-01 22 56	-01 34 20	-00 43 29	-24 09 46	-01 15 20	-15 51 12	10
11	-22 58 28	04 45 36	26 39 00	02 23 36	24 58 39	-02 19 22	-25 37 19	-01 22 39	-01 32 45	-00 45 40	-24 11 43	-01 15 17	-15 49 42	11
12	-23 03 18	05 04 12	24 40 20	02 25 36	24 58 04	-02 18 46	-25 32 14	-01 22 23	-01 31 04	-00 47 50	-24 12 55	-01 15 15	-15 48 11	12
13	-23 07 41	05 09 39	21 37 58	02 27 31	24 57 23	-02 17 35	-25 25 43	-01 22 06	-01 29 19	-00 49 58	-24 13 22	-01 15 12	-15 46 38	13
14	-23 11 37	05 01 46	17 42 02	02 29 21	24 56 36	-02 15 48	-25 17 46	-01 21 50	-01 27 30	-00 52 04	-24 13 05	-01 15 10	-15 45 04	14
15	-23 15 05	04 40 40	13 02 43	02 31 07	24 55 44	-02 13 21	-25 08 25	-01 21 33	-01 25 36	-00 54 09	-24 12 02	-01 15 08	-15 43 28	15
16	-23 18 05	04 06 44	07 49 38	02 32 47	24 54 46	-02 10 13	-24 57 41	-01 21 17	-01 23 37	-00 56 11	-24 10 14	-01 15 05	-15 41 51	16
17	-23 20 37	03 20 43	02 12 07	02 34 23	24 53 44	-02 06 20	-24 45 39	-01 21 01	-01 21 35	-00 58 11	-24 07 42	-01 15 03	-15 40 13	17
18	-23 22 42	02 23 45	-03 39 51	02 35 53	24 52 38	-02 01 39	-24 32 20	-01 20 45	-01 19 27	-01 00 08	-24 04 24	-01 15 01	-15 38 33	18
19	-23 24 18	01 17 39	-09 34 06	02 37 19	24 51 28	-01 56 07	24 17 51	-01 20 29	-01 17 16	-01 02 04	-24 00 22	-01 14 59	-15 36 52	19
20	-23 25 26	00 05 04	-15 14 24	02 38 40	24 50 15	-01 49 41	-24 02 15	-01 20 13	-01 15 00	-01 03 57	-23 55 36	-01 14 57	-15 35 09	20
21	-23 26 06	-01 10 11	-20 18 57	02 39 55	24 49 01	-01 42 17	-23 45 40	-01 19 57	-01 12 39	-01 05 47	-23 50 05	-01 14 55	-15 33 25	21
22	-23 26 17	-02 23 14	-24 20 19	02 41 06	24 47 44	-01 33 52	-23 28 14	-01 19 41	-01 10 15	-01 07 35	-23 43 50	-01 14 53	-15 31 40	22
23	-23 26 00	-03 28 21	-26 49 01	02 42 12	24 46 26	-01 24 23	-23 10 05	-01 19 25	-01 07 46	-01 09 20	-23 36 52	-01 14 52	-15 29 53	23
24	-23 25 15	-04 19 54	-27 21 47	02 43 14	24 45 07	-01 13 46	-22 51 24	-01 19 09	-01 05 13	-01 11 02	-23 29 09	-01 14 50	-15 28 05	24
25	-23 24 02	-04 53 15	-25 51 16	02 44 11	24 43 48	-01 01 59	-22 32 24	-01 18 54	-01 02 36	-01 12 42	-23 20 44	-01 14 48	-15 26 16	25
26	-23 22 21	-05 05 50	-22 29 41	02 45 03	24 42 30	-00 49 00	-22 13 17	-01 18 38	-00 59 55	-01 14 19	-23 11 36	-01 14 47	-15 24 25	26
27	-23 20 11	-04 57 26	-17 43 08	02 45 51	24 41 13	-00 34 49	-21 54 18	-01 18 23	-00 57 10	-01 15 52	-23 01 45	-01 14 46	-15 22 33	27
28	-23 17 33	-04 30 00	-12 01 47	02 46 34	24 39 57	-00 19 28	21 35 43	-01 18 08	-00 54 21	-01 17 23	-22 51 13	-01 14 44	-15 20 40	28
29	-23 14 27	-03 46 51	-05 52 51	02 47 14	24 38 43	-00 02 58	-21 17 45	-01 17 53	-00 51 28	-01 18 50	-22 39 59	-01 14 43	-15 18 46	29
30	-23 10 54	-02 52 00	00 21 47	02 47 49	24 37 31	00 14 33	-21 00 42	-01 17 37	-00 48 32	-01 20 14	-22 28 04	-01 14 42	-15 16 51	30
31	-23 06 52	-01 49 28	06 25 09	02 48 21	24 36 22	00 32 58	-20 44 48	-01 17 23	-00 45 31	-01 21 35	-22 15 28	-01 14 41	-15 14 54	31

शर क्रांति–जनवरी सन् 2023 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
जन.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	जन.
1	-23 02 23	-00 43 02	12 03 27	02 48 48	24 35 16	00 52 02	-20 30 14	-01 17 08	-00 42 27	-01 22 52	-22 02 12	-01 14 40	-15 12 57	1
2	-22 57 26	00 23 56	17 04 35	02 49 12	24 34 14	01 11 28	-20 17 12	-01 16 53	-00 39 19	-01 24 07	-21 48 17	-01 14 39	-15 10 58	2
3	-22 52 02	01 28 30	21 17 09	02 49 33	24 33 15	01 30 55	-20 05 49	-01 16 38	-00 36 07	-01 25 17	-21 33 43	-01 14 38	-15 08 58	3
4	-22 46 10	02 27 59	24 30 18	02 49 50	24 32 20	01 49 58	-19 56 08	-01 16 24	-00 32 52	-01 26 24	-21 18 31	-01 14 37	-15 06 57	4
5	-22 39 51	03 20 08	26 34 38	02 50 04	24 31 30	02 08 10	-19 48 12	-01 16 10	-00 29 33	-01 27 28	-21 02 41	-01 14 37	-15 04 55	5
6	-22 33 06	04 02 57	27 23 42	02 50 15	24 30 44	02 25 04	-19 41 57	-01 15 56	-00 26 10	-01 28 27	-20 46 14	-01 14 36	-15 02 52	6
7	-22 25 54	04 34 47	26 55 35	02 50 23	24 30 03	02 40 14	-19 37 21	-01 15 41	-00 22 45	-01 29 23	-20 29 11	-01 14 36	-15 00 48	7
8	-22 18 15	04 54 28	25 13 29	02 50 27	24 29 27	02 53 18	-19 34 20	-01 15 27	-00 19 15	-01 30 16	-20 11 32	-01 14 35	-14 58 43	8
9	-22 10 10	05 01 15	22 25 03	02 50 30	24 28 55	03 04 01	-19 32 48	-01 15 14	-00 15 43	-01 31 04	-19 53 18	-01 14 35	-14 56 37	9
10	-22 01 39	04 54 53	18 40 35	02 50 29	24 28 29	03 12 14	-19 32 41	-01 15 00	-00 12 07	-01 31 48	-19 34 29	-01 14 35	-14 54 30	10
11	-21 52 42	04 35 35	14 11 12	02 50 26	24 28 08	03 17 54	-19 33 54	-01 14 46	-00 08 28	-01 32 29	-19 15 07	-01 14 34	-14 52 22	11
12	-21 43 19	04 03 59	09 07 44	02 50 21	24 27 53	03 21 05	-19 36 23	-01 14 33	-00 04 46	-01 33 06	-18 55 11	-01 14 34	-14 50 13	12
13	-21 33 31	03 21 03	03 40 17	02 50 13	24 27 42	03 21 58	-19 40 02	-01 14 20	-00 01 00	-01 33 38	-18 34 44	-01 14 35	-14 48 03	13
14	-21 23 18	02 28 06	-02 01 17	02 50 03	24 27 37	03 20 45	-19 44 44	-01 14 06	00 02 47	-01 34 07	-18 13 45	-01 14 35	-14 45 53	14
15	-21 12 41	01 26 48	-07 46 24	02 49 51	24 27 37	03 17 40	-19 50 24	-01 13 53	00 06 39	-01 34 31	-17 52 15	-01 14 35	-14 43 41	15
16	-21 01 38	00 19 21	-13 22 14	02 49 37	24 27 43	03 12 59	-19 56 53	-01 13 41	00 10 33	-01 34 51	-17 30 15	-01 14 35	-14 41 29	16
17	-20 50 12	-00 51 18	-18 31 59	02 49 21	24 27 54	03 06 57	-20 04 03	-01 13 28	00 14 31	-01 35 07	-17 07 46	-01 14 36	-14 39 16	17
18	-20 38 22	-02 01 25	-22 53 36	02 49 04	24 28 10	02 59 48	-20 11 44	-01 13 15	00 18 32	-01 35 19	-16 44 49	-01 14 36	-14 37 02	18
19	-20 26 08	-03 06 20	-26 00 17	02 48 44	24 28 32	02 51 44	-20 19 49	-01 13 03	00 22 35	-01 35 27	-16 21 23	-01 14 37	-14 34 47	19
20	-20 13 31	-04 00 44	-27 24 55	02 48 23	24 28 58	02 42 58	-20 28 06	-01 12 50	00 26 41	-01 35 31	-15 57 31	-01 14 38	-14 32 31	20
21	-20 00 31	-04 39 27	-26 49 04	02 48 01	24 29 30	02 33 38	-20 36 29	-01 12 38	00 30 50	-01 35 30	-15 33 12	-01 14 38	-14 30 15	21
22	-19 47 09	-04 58 28	-24 11 42	02 47 37	24 30 07	02 23 53	-20 44 48	-01 12 26	00 35 02	-01 35 25	-15 08 29	-01 14 39	-14 27 58	22
23	-19 33 24	-04 55 51	-19 50 45	02 47 12	24 30 48	02 13 50	-20 52 55	-01 12 14	00 39 17	-01 35 15	-14 43 20	-01 14 40	-14 25 41	23
24	-19 19 18	-04 32 21	-14 15 52	02 46 46	24 31 35	02 03 35	-21 00 44	-01 12 02	00 43 34	-01 35 02	-14 17 48	-01 14 42	-14 23 22	24
25	-19 04 51	-03 50 58	-07 59 08	02 46 18	24 32 26	01 53 12	-21 08 06	-01 11 51	00 47 54	-01 34 44	-13 51 53	-01 14 43	-14 21 03	25
26	-18 50 02	-02 56 08	-01 28 43	02 45 50	24 33 21	01 42 46	-21 14 58	-01 11 39	00 52 16	-01 34 21	-13 25 35	-01 14 44	-14 18 44	26
27	-18 34 53	-01 52 42	04 53 04	02 45 20	24 34 20	01 32 21	-21 21 12	-01 11 28	00 56 41	-01 33 54	-12 58 57	-01 14 45	-14 16 24	27
28	-18 19 24	-00 45 14	10 49 18	02 44 50	24 35 24	01 21 57	-21 26 44	-01 11 16	01 01 08	-01 33 23	-12 31 57	-01 14 47	-14 14 03	28
29	-18 03 35	00 22 24	16 06 39	02 44 18	24 36 31	01 11 39	-21 31 30	-01 11 05	01 05 37	-01 32 48	-12 04 38	-01 14 49	-14 11 42	29
30	-17 47 26	01 27 07	20 34 00	02 43 46	24 37 42	01 01 29	-21 35 25	-01 10 54	01 10 09	-01 32 08	-11 37 00	-01 14 50	-14 09 20	30
31	-17 30 59	02 26 23	24 01 33	02 43 13	24 38 57	00 51 26	-21 38 27	-01 10 44	01 14 43	-01 31 24	-11 09 04	-01 14 52	-14 06 58	31

शर क्रांति–फरवरी सन् 2023 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
फर.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	फर.
1	-17।14।13	03।18।06	26।20।55	02।42।39	24।40।15	00।41।34	-21।40।31	-01।10।33	01।19।20	-01।30।36	-10।40।50	-01।14।54	-14।04।35	1
2	-16।57।09	04।00।34	27।26।01	02।42।05	24।41।36	00।31।52	-21।41।36	-01।10।22	01।23।58	-01।29।43	-10।12।20	-01।14।56	-14।02।12	2
3	-16।39।47	04।32।17	27।14।19	02।41।30	24।42।59	00।22।23	-21।41।39	-01।10।12	01।28।39	-01।28।46	-09।43।34	-01।14।58	-13।59।48	3
4	-16।22।08	04।52।06	25।47।41	02।40।55	24।44।25	00।13।06	-21।40।38	-01।10।02	01।33।21	-01।27।44	-09।14।33	-01।15।01	-13।57।24	4
5	-16।04।11	04।59।09	23।12।21	02।40।19	24।45।54	00।04।02	-21।38।30	-01।09।52	01।38।06	-01।26।38	-08।45।18	-01।15।03	-13।55।00	5
6	-15।45।58	04।53।04	19।37।40	02।39।42	24।47।24	-00।04।46	-21।35।14	-01।09।42	01।42।53	-01।25।28	-08।15।49	-01।15।05	-13।52।35	6
7	-15।27।29	04।33।58	15।14।44	02।39।05	24।48।57	-00।13।21	-21।30।49	-01।09।32	01।47।41	-01।24।14	-07।46।07	-01।15।08	-13।50।10	7
8	-15।08।44	04।02।29	10।15।01	02।38।28	24।50।31	-00।21।40	-21।25।14	-01।09।22	01।52।32	-01।22।55	-07।16।14	-01।15।11	-13।47।44	8
9	-14।49।44	03।19।44	04।49।44	02।37।50	24।52।06	-00।29।44	-21।18।26	-01।09।13	01।57।24	-01।21।33	-06।46।09	-01।15।13	-13।45।19	9
10	-14।30।28	02।27।16	-00।50।08	02।37।12	24।53।43	-00।37।33	-21।10।26	-01।09।03	02।02।18	-01।20।06	-06।15।54	-01।15।16	-13।42।53	10
11	-14।10।58	01।27।03	-06।33।32	02।36।33	24।55।21	-00।45।05	-21।01।12	-01।08।54	02।07।14	-01।18।35	-05।45।29	-01।15।19	-13।40।26	11
12	-13।51।14	00।21।23	-12।08।13	02।35।55	24।56।59	-00।52।20	-20।50।44	-01।08।45	02।12।11	-01।16।59	-05।14।55	-01।15।22	-13।38।00	12
13	-13।31।16	-00।46।55	-17।19।40	02।35।15	24।58।38	-00।59।19	-20।39।00	-01।08।36	02।17।11	-01।15।20	-04।44।13	-01।15।25	-13।35।33	13
14	-13।11।05	-01।54।38	-21।49।49	02।34।36	25।00।18	-01।06।00	-20।26।01	-01।08।27	02।22।12	-01।13।37	-04।13।23	-01।15।29	-13।33।06	14
15	-12।50।40	-02।57।54	-25।16।46	02।33।57	25।01।57	-01।12।23	-20।11।46	-01।08।18	02।27।14	-01।11।50	-03।42।26	-01।15।32	-13।30।39	15
16	-12।30।03	-03।52।26	-27।16।38	02।33।17	25।03।37	-01।18।29	-19।56।14	-01।08।10	02।32।18	-01।09।58	-03।11।24	-01।15।36	-13।28।12	16
17	-12।09।14	-04।33।42	-27।28।43	02।32।37	25।05।16	-01।24।16	-19।39।25	-01।08।02	02।37।24	-01।08।03	-02।40।16	-01।15।39	-13।25।45	17
18	-11।48।13	-04।57।33	-25।43।12	02।31।57	25।06।55	-01।29।44	-19।21।18	-01।07।53	02।42।31	-01।06।04	-02।09।04	-01।15।43	-13।23।18	18
19	-11।27।01	-05।01।00	-22।06।17	02।31।17	25।08।33	-01।34।53	-19।01।55	-01।07।45	02।47।39	-01।04।02	-01।37।48	-01।15।47	-13।20।50	19
20	-11।05।38	-04।43।08	-16।58।59	02।30।36	25।10।10	-01।39।43	-18।41।13	-01।07।37	02।52।49	-01।01।55	-01।06।29	-01।15।51	-13।18।23	20
21	-10।44।05	-04।05।27	-10।50।36	02।29।56	25।11।46	-01।44।13	-18।19।13	-01।07।29	02।58।00	-00।59।45	-00।35।07	-01।15।55	-13।15।56	21
22	-10।22।21	-03।11।40	-04।11।46	02।29।15	25।13।21	-01।48।23	-17।55।56	-01।07।22	03।03।12	-00।57।31	-00।03।45	-01।15।59	-13।13।28	22
23	-10।00।28	-02।06।49	02।30।04	02।28।35	25।14।54	-01।52।11	-17।31।20	-01।07।14	03।08।26	-00।55।14	00।27।38	-01।16।03	-13।11।01	23
24	-09।38।26	-00।56।16	08।52।21	02।27।54	25।16।26	-01।55।39	-17।05।25	-01।07।06	03।13।41	-00।52।54	00।59।02	-01।16।07	-13।08।34	24
25	-09।16।15	00।15।06	14।37।21	02।27।13	25।17।56	-01।58।45	-16।38।13	-01।06।59	03।18।56	-00।50।29	01।30।24	-01।16।12	-13।06।07	25
26	-08।53।56	01।23।24	19।31।12	02।26।33	25।19।23	-02।01।30	-16।09।42	-01।06।52	03।24।13	-00।48।02	02।01।46	-01।16।16	-13।03।40	26
27	-08।31।30	02।25।36	23।22।57	02।25।52	25।20।48	-02।03।51	-15।39।53	-01।06।45	03।29।31	-00।45।31	02।33।05	-01।16।21	-13।01।13	27
28	-08।08।55	03।19।31	26।04।13	02।25।11	25।22।11	-02।05।49	-15।08।46	-01।06।38	03।34।50	-00।42।58	03।04।21	-01।16।26	-12।58।46	28

शर क्रांति—मार्च सन् 2023 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
मार्च	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	मार्च
1	-07:46:14	04:03:32	27:29:25	02:24:30	25:23:31	-02:07:24	-14:36:20	-01:06:31	03:40:10	-00:40:21	03:35:34	-01:16:31	-12:56:20	1
2	-07:23:26	04:36:25	27:36:24	02:23:50	25:24:48	-02:08:35	-14:02:36	-01:06:25	03:45:31	-00:37:41	04:06:42	-01:16:36	-12:53:54	2
3	-07:00:32	04:57:12	26:27:02	02:23:09	25:26:02	-02:09:21	-13:27:35	-01:06:18	03:50:53	-00:34:58	04:37:45	-01:16:41	-12:51:28	3
4	-06:37:31	05:05:11	24:06:55	02:22:29	25:27:13	-02:09:41	-12:51:16	-01:06:12	03:56:15	-00:32:12	05:08:42	-01:16:46	-12:49:02	4
5	-06:14:26	04:59:56	20:44:34	02:21:48	25:28:21	-02:09:35	-12:13:39	-01:06:06	04:01:38	-00:29:23	05:39:32	-01:16:52	-12:46:37	5
6	-05:51:15	04:41:27	16:30:14	02:21:08	25:29:24	-02:09:03	-11:34:45	-01:06:00	04:07:02	-00:26:32	06:10:15	-01:16:57	-12:44:12	6
7	-05:28:00	04:10:11	11:34:58	02:20:27	25:30:24	-02:08:04	-10:54:35	-01:05:54	04:12:27	-00:23:38	06:40:50	-01:17:03	-12:41:48	7
8	-05:04:40	03:27:09	06:10:08	02:19:47	25:31:20	-02:06:36	-10:13:08	-01:05:48	04:17:53	-00:20:42	07:11:16	-01:17:08	-12:39:23	8
9	-04:41:16	02:33:53	00:27:15	02:19:06	25:32:12	-02:04:41	-09:30:27	-01:05:42	04:23:18	-00:17:43	07:41:33	-01:17:14	-12:37:00	9
10	-04:17:48	01:32:29	-05:21:35	02:18:26	25:33:00	-02:02:16	-08:46:30	-01:05:37	04:28:45	-00:14:42	08:11:40	-01:17:20	-12:34:36	10
11	-03:54:17	00:25:33	-11:03:17	02:17:46	25:33:43	-01:59:21	-08:01:20	-01:05:31	04:34:12	-00:11:39	08:41:35	-01:17:26	-12:32:13	11
12	-03:30:43	-00:43:52	-16:23:01	02:17:06	25:34:22	-01:55:56	-07:14:57	-01:05:26	04:39:40	-00:08:34	09:11:20	-01:17:32	-12:29:51	12
13	-03:07:07	-01:52:23	-21:03:30	02:16:26	25:34:56	-01:52:00	-06:27:24	-01:05:21	04:45:08	-00:05:27	09:40:51	-01:17:38	-12:27:29	13
14	-02:43:28	-02:56:18	-24:45:00	02:15:46	25:35:25	-01:47:32	-05:38:41	-01:05:16	04:50:37	-00:02:18	10:10:10	-01:17:44	-12:25:07	14
15	-02:19:47	-03:51:43	-27:06:33	02:15:06	25:35:50	-01:42:33	-04:48:52	-01:05:11	04:56:05	00:00:52	10:39:15	-01:17:51	-12:22:46	15
16	-01:56:05	-04:34:46	-27:49:38	02:14:26	25:36:09	-01:37:01	-03:57:58	-01:05:06	05:01:35	00:04:05	11:08:06	-01:17:57	-12:20:26	16
17	-01:32:22	-05:01:51	-26:43:23	02:13:46	25:36:23	-01:30:56	-03:06:04	-01:05:01	05:07:05	00:07:19	11:36:41	-01:18:04	-12:18:06	17
18	-01:08:38	-05:10:10	-23:48:54	02:13:07	25:36:31	-01:24:19	-02:13:11	-01:04:57	05:12:35	00:10:34	12:05:01	-01:18:11	-12:15:47	18
19	-00:44:54	-04:58:11	-19:19:44	02:12:27	25:36:34	-01:17:09	-01:19:26	-01:04:52	05:18:05	00:13:51	12:33:04	-01:18:18	-12:13:29	19
20	-00:21:10	-04:26:12	-13:38:20	02:11:48	25:36:31	-01:09:26	-00:24:53	-01:04:48	05:23:35	00:17:09	13:00:50	-01:18:25	-12:11:11	20
21	00:02:33	-03:36:32	-07:11:20	02:11:08	25:36:23	-01:01:12	00:30:22	-01:04:44	05:29:06	00:20:28	13:28:17	-01:18:32	-12:08:54	21
22	00:26:16	-02:33:13	-00:25:38	02:10:29	25:36:09	-00:52:26	01:26:12	-01:04:40	05:34:37	00:23:48	13:55:26	-01:18:39	-12:06:38	22
23	00:49:58	-01:21:25	06:13:50	02:09:50	25:35:48	-00:43:09	02:22:30	-01:04:36	05:40:08	00:27:09	14:22:16	-01:18:46	-12:04:22	23
24	01:13:38	-00:06:30	12:25:23	02:09:11	25:35:22	-00:33:24	03:19:06	-01:04:32	05:45:39	00:30:31	14:48:45	-01:18:54	-12:02:07	24
25	01:37:16	01:06:40	17:50:46	02:08:32	25:34:50	-00:23:12	04:15:51	-01:04:29	05:51:10	00:33:53	15:14:53	-01:19:01	-11:59:54	25
26	02:00:52	02:14:12	22:15:17	02:07:53	25:34:11	-00:12:34	05:12:34	-01:04:25	05:56:40	00:37:16	15:40:39	-01:19:09	-11:57:41	26
27	02:24:25	03:13:11	25:27:52	02:07:15	25:33:25	-00:01:35	06:09:01	-01:04:22	06:02:11	00:40:39	16:06:04	-01:19:16	-11:55:28	27
28	02:47:55	04:01:39	27:21:27	02:06:36	25:32:34	00:09:42	07:05:02	-01:04:19	06:07:42	00:44:02	16:31:05	-01:19:24	-11:53:17	28
29	03:11:22	04:38:18	27:53:31	02:05:58	25:31:35	00:21:15	08:00:22	-01:04:15	06:13:13	00:47:25	16:55:42	-01:19:32	-11:51:07	29
30	03:34:44	05:02:17	27:06:02	02:05:20	25:30:30	00:32:59	08:54:48	-01:04:12	06:18:43	00:50:49	17:19:55	-01:19:40	-11:48:57	30
31	03:58:03	05:13:05	25:04:58	02:04:41	25:29:18	00:44:49	09:48:04	-01:04:09	06:24:13	00:54:12	17:43:42	-01:19:48	-11:46:49	31

व्यापार भविष्य वैज्ञानिक अनुसंधान पर सम्वत् 2079 वि.

लेखक-
पी.सी. जैन पोरसा वाले

(नोट-व्यापार में लाभ-हानि की जिम्मेदारी लेखक और प्रकाशक की किसी प्रकार से नहीं होगी। अत: स्व-विवेक से व्यापार करें।)

20 दिसंबर 2021, पौष मास में 5 सोमवार होने पर एवं 2 जनवरी 2022 रविवारी पौष अमावस्या को मूल नक्षत्र होने से-रवी फसल में पैदावार अच्छी होने की आशा है। 8 फर. 2022 से 21 मार्च 2022 तक 1550 रुपये की तेजी आ सकती है। 21 मार्च से 8 अप्रैल 2022 तक चांदी में 2425 रुपये की मंदी। 8 से 15 अप्रैल 2022 तक 1225 रुपये की तेजी बन सकती है। 15 से 28 अप्रैल 2022 तक 100 रुपये की मंदी। 28 अप्रैल से 2 मई 2022 तक 1110 रुपये की तेजी चल सकती है। 2 से 16 मई 2022 तक चांदी में 1275 की मंदी आने की संभावना है।

18 जनवरी 2022, माघ मास में 5 मंगलवार होने से-19 दिसंबर 2021 से 30 जन. 2022 तक शुक्र वक्री रहेगा। 15-20 दिन में सोयाबीन तेल-बिनौला-सरसों-मूंगफली तेल, चना, धनियां में अच्छी मंदी चलने की संभावना है। शेयर्स मार्केट में अच्छी तेजी चल सकती है।

17 फरवरी 2022, फाल्गुन मास में पांच गुरुवार होने से एवं गुरु अस्त होने व मार्केट राशि में मंगल होने से-अभी शनि मकर राशि में, 25 फर. 2022 से गुरु पश्चिम में अस्त तथा फर. 2022 मंगल मकर राशि में होने से चांदी, मूंगफली में अच्छी तेजी चल सकती है। 14 से 28 फरवरी 2022 तक गेहूं में 12 रुपये की मंदी तो 28 फर. से 11 मार्च 2022 तक गेहूं में 11 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 11 मार्च से 6 अप्रैल 2022 तक 16 की मंदी तो 6 से 22 अप्रैल 2022 तक 24 रुपये की तेजी चल सकती है। व्यापार में लाभ-हानि की जिम्मेदारी नहीं होगी।

19 मार्च 2022, चैत्र मास में 5 शनिवार होने से-1 अप्रैल 2022 अमावस्या तथा गुरु कुंभ राशि में चल रहे हैं। 2 अप्रैल 2022 नया संवतारंभ एवं रोहिणी वास समुद्र में व माली के घर होने से अच्छी वर्षा होने की आशा है।

17 अप्रैल 2022, वैशाख मास में 5 रविवार होने से-मूंगफली तेल, बिनौला तेल, सरसों में अप्रैल-मई के महीने में अच्छी तेजी चलने की संभावना है। मई एवं जून में चांदी में अच्छी मंदी। 30 अप्रैल को शनि कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। 4 से 13 अप्रैल 2022 तक 10 रुपये की तेजी बन सकती है। 13 से 27 अप्रैल 2022 तक चना में 110 रुपये की मंदी चल सकती है। 27 अप्रैल से 4 मई 2022 तक चना में 310 की तेजी तो 4 से 9 मई 2022 तक 10 रुपये की मंदी आ सकती है। 9 से 15 मई 2022 तक 110 रुपये की तेजी चल सकती है।

16 मई 2022, ज्येष्ठ मास में 5 सोमवार-मंगलवार होने से-चांदी, सोना, गुवार में जोरदार मंदी का झटका लग सकता है। शेयर्स मार्केट में अच्छी मंदी का दौर चल सकता है। 12 अप्रैल 2022 गुरु मीन में, 11 अप्रैल राहु मेष राशि में प्रवेश करेंगे।

15 जून 2022, आषाढ़ मास में 5 बुधवार होने से-7 जून 2022 तक गुंवार में 150 रुपये की तेजी आने की संभावना है। 20 से 30 जून 2022 तक 320 रुपये की मंदी। 30 जून से 11 जुलाई 2022 तक 125 की तेजी तो 11 से 17 जुलाई 2022 तक 125 की मंदी चल सकती है। 17 से 28 जुलाई 2022 तक 150 की तेजी तो 28 जुला. से 2 अग. 2022 तक गुंवार में 100 रुपये की मंदी चलने की संभावना है।

14 जुलाई 2022, श्रावण मास में 5 गुरुवार होने से एवं 13 जुलाई को गुरु पूर्णिमा तथा 28 जुलाई को गुरुवारी हरियाली अमावस्या होने से-ता. 2 से 11 अगस्त 2022 तक गुंवार में 110 रुपये की तेजी तो 11 अगस्त से 5 सितंबर 2022 तक 375 की भयंकर तेजी बन सकती है। 5 से 16 सितंबर 2022 तक गुंवार में 75 की तेजी तो 16 से 21 सितंबर 2022 तक गुंवार में 150 रुपये की मंदी चलने की संभावना है। 21 से 29 सितंबर 2022 तक गुंवार में 275 रुपये की तेजी आने की संभावना है। व्यापार में लाभ-हानि की जिम्मेदारी नहीं होगी।

12 अगस्त 2022, भाद्रपद मास में 5 शुक्रवार होने से-धनियां, हल्दी, गुंवार में अच्छी तेजी आ सकती है। 12 अगस्त को रक्षा बंधन पूर्णिमा है। 5 अगस्त तक मेंथा में 50 रुपये की मंदी तो 10 अगस्त से 16 सितंबर 2022 तक मेंथा में 310 रुपये की तूफानी तेजी चल सकती है। 16 से 26 सितंबर 2022 तक मेंथा में 100 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 11 से 15 अगस्त 2022 तक हल्दी में 275 रुपये की मंदी तो 15 से 24 अगस्त 2022 तक हल्दी में 225 रुपये की तेजी आ सकती है। 24 अगस्त से 9 सितंबर 2022 तक हल्दी में 910 रुपये की मंदी बन सकती है। 9 से 26 सितंबर 2022 तक हल्दी में 675 की तेजी तो 26 से 30 सितंबर 2022 तक 400 की मंदी बन सकती है।

11 सितम्बर 2022, आश्विन मास में 5 रविवार होने से-सोयाबीन, मूंगफली तेल में डेढ़ महीने में अच्छी मंदी चल सकती है। 1 अक्टूबर 2022 शुक्र पूर्व दिशा में अस्त होगा। 18 अक्टू. को शुक्र का तुला राशि में प्रवेश तथा 1 सितं. 2022 गुरुवारी प्रदोष पंचमी है। 28 जुलाई से 9 अगस्त 2022 तक चना में 10 रुपये की मंदी तो 9 से 15 अगस्त 2022 तक चना में 10 रुपये की तेजी आने की संभावना है।

10 अक्टूबर 2022, कार्तिक मास में 5 सोमवार होने से-तेल-तिलहन में अच्छी मंदी, गुंवार में तेजी, चांदी में मंदी आ सकती है। 24 अक्टूबर 2022 को सोमवार की शुभ दीपावली है। 25 अक्टू. 2022 को सूर्यग्रहण है। जिससे धनियां में तेजी आ सकती है।

9 नवंबर 2022, अगहन मास में 5 बुधवार तथा पांच ही गुरुवार होने से-धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। महंगाई कम होने से राहत मिलेगी। ज्वार, बाजरा, गेहूं, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोठ आदि में मंदा होगा। चांदी में यदि अब तक तेजी रही तो मंदा होगा अन्यथा मंदा होने पर तेजी आयेगी। 5 नवंबर 2022 को मंगल वक्री होगा।

9 दिसंबर 2022, पौष मास में 5 शुक्रवार होने से-तेलों व गुंवार में मंदी आ सकती है। चांदी, सोना में तेजी की संभावना। 23 दिसंबर 2022 को पौष मास शुक्रवारी अमावस्या से मंहगाई पर रोक लगेगी।

7 जनवरी 2023, माघ मास में 5 शनिवार होने से-9 जनवरी से 21 फरवरी 2023 तक बी.एस.ई. सेन्सेक्स में 1125 प्वाइंट की तेजी आ सकती है। 21 से 28 फरवरी 2023 तक बी. एस.ई. सेन्सेक्स में 225 प्वाइंट की मंदी आने की संभावना है। 28 फरवरी से 13 मार्च 2023 तक 210 प्वाइंट की तेजी तो 13 मार्च से 1 अप्रैल 2023 तक बी.एस.ई. सेन्सेक्स में 650 प्वाइंट की मंदी आ सकती है।

सोयाबीन तेल (0-2-3)-11 जनवरी से 1 फरवरी 2023 तक सोयाबीन तेल, पाम आयल, मूंगफली तेल, सरसों में भयंकर मंदी तो 3 फरवरी से 3 मार्च 2023 तक तेल-तिलहन में घटाबढ़ी से तेजी तो बाद में मंदी। 21 मार्च से 15 अप्रैल 2023 तक तेजी तो 15 मई 2023 तक तिलहन तेलों में भयंकर मंदी नीचे भाव हो सकते हैं।

6 फरवरी 2023, फाल्गुन मास में 5 सोमवार होने से एवं 30 जनवरी 2023 को शनि अस्त होने से तथा 7 मार्च

2023 फाल्गुन मास में मंगलवारी होलिकादहन होने से-12 मार्च 2023 में मिथुन राशि में मंगल का प्रवेश, 9 मई 2023 को कर्क में मंगल का प्रवेश होने से चना, सरसों, अरहर, सोयाबीन तैल में भयंकर तेजी चलने की संभावना है।

8 मार्च 2023, चैत्र मास में 5 बुधवार होने से-21 मार्च 2023 को मंगलवारी चैत्र अमावस्या है। 22 मार्च 2023 को नया संवत् प्रारंभ होगा। अप्रैल 2023 गुरु अस्त होगा।

तांबा तेजी-मंदी की रिपोर्ट

23 से 27 दिसंबर 2021 तांबा में 19 रुपये की मंदी तो 27 दिसंबर से 12 जनवरी 2022 तक 21 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 12 से 27 जनवरी 2022 तक तांबा में 18 की मंदी आ सकती है। 27 जनवरी से 1 फर. 2022 तक तांबा में 10 रुपये की तेजी तो 1 से 13 फरवरी 2022 तक तांबा में 22 रुपये की मंदी आ सकती है। 13 फरवरी से 13 मार्च 2022 तक तांबा में 32 रुपये की भयंकर तेजी चलने की संभावना है। 13 से 19 मार्च 2022 तक 13 की मंदी तो 19 मार्च से 9 अप्रैल 2022 तक 17 रुपये की तेजी आ सकती है। 9 से 17 अप्रैल 2022 तक 15 रुपये की मंदी तो 17 से 26 अप्रैल 2022 तक तांबा में 28 रुपये की तेजी आ सकती है। 26 अप्रैल से 6 जून 2022 तक तांबा में 60 रुपये की झड़पी मंदी चल सकती है। 6 से 11 जून 2022 तक तांबा में 15 रुपये की तेजी बन सकती है। 11 से 20 जून 2022 तक तांबा में 14 की मंदी तो 20 से 27 जून 2022 तक 10 रुपये की तेजी आ सकती है। 27 जून से 3 जुलाई 2022 तक 17 रुपये की मंदी तो 3 जुलाई से 12 अगस्त 2022 तक 44 रुपये की भयंकर तेजी चलने की संभावना है। 12 से 15 अगस्त 2022 तक तांबा में 10 रुपये की मंदी तो 15 से 22 अगस्त 2022 तक तांबा में 14 रुपये की तेजी बन सकती है। 22 अगस्त से 19 सितंबर 2022 तक तांबा में 23 रुपये की मंदी आ सकती है। व्यापार में किसी प्रकार की गारंटी नहीं होगी।

विशेष नोट:

गुरु ग्रह 20 नवंबर 2021 को कुंभ राशि में, 14 अप्रैल 2022 को मीन में तथा 22 अप्रैल 2023 को मेष में प्रवेश करेंगे।

मंगल ग्रह 10 अगस्त, 16 अक्टूबर 2022 को मिथुन में, 29 अक्टूबर 2022 से 12 जनवरी 2023 तक वक्री रहेगा। 12 नवंबर 2022 को वक्र गति से पुनः वृष राशि में, 12 मार्च 2023 को मिथुन में प्रवेश करेंगे। जिससे शेयर्स मार्केट, चांदी मार्केट और तेलहन में भयंकर घटाबढ़ी चलने की संभावना है। 10 मई 2023 को मंगल कर्क राशि में, 1 जुलाई 2023 को सिंह राशि में प्रवेश करने से अरहर, सरसों, धनियां में भयंकर घटाबढ़ी से तेजी आने की संभावना है। 25 दिसंबर 2022 से 19 फरवरी 2023 तक सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल में भयंकर तेजी आ सकती है। 25 मार्च से 15 मई 2022 तक सरसों, मूंगफली तेल, चांदी, सोना में अच्छी तेजी आ सकती है।

2 अक्टूबर 2021 को शुक्र वृश्चिक राशि में, 8 दिसंबर 2021 को मकर में तथा 29 दिसंबर 2021 को वक्र गति से धनु राशि में, 27 फरवरी 2022 को मकर राशि में प्रवेश करने से सोना, चांदी, शेयर्स, तेल-तिलहन में नीचे-ऊंचे भाव होने की संभावना है।

23 मई 2022 को शुक्र मेष राशि में होने से गुंवार में मंदी। 18 जून 2022 वृष में होने से गुंवार में मंदी। 12 जुलाई 2022 को शुक्र मिथुन राशि में, 7 अगस्त 2022 को कर्क में, 1 सितंबर 2022 को सिंह राशि में होने से धनियां, गुंवार में अच्छी तेजी आ सकती है। व्यापार में किसी प्रकार की गारंटी नहीं होगी।

29 अप्रैल 2022 को शनि कुंभ राशि में, 11 जुलाई को वक्र गति से चलते हुये मकर राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे तेलों में भयंकर घटाबढ़ी चल सकती है। 17 जनवरी 2023 को शनि कुंभ राशि में, 29 जनवरी 2025 को मीन राशि में तो 2 जून 2027 को शनि मेष राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे गुंवार एवं छोटी ईलायची, सरसों, मूंगफली तेल में अच्छी तेजी आ सकती है।

16 मार्च 2022 की रात राहु मेष राशि में, 30 नवंबर 2023 को मीन में होने से चांदी, सोना में अच्छी तेजी चलने की संभावना है। 28 मई 2025 को राहु कुंभ राशि में प्रवेश करेगा तो शेयर्स मार्केट में 3 महीने पहले से 6 माह बाद तक जोरदार तेजी चल सकती है। 25 नवंबर 2026 को राहु मकर राशि में होने से गुंवार, छोटी ईलायची में तेजी का तूफान चल सकता है। 20 अप्रैल 2027 को राहु श्रवण नक्षत्र में होने से छोटी ईलायची, गुंवार में भयंकर तेजी आ सकती है। 24 मई 2028 को राहु धनु राशि में होने से चांदी, सोना में भयंकर तेजी का तूफाल चलेगा। 5 जुलाई 2024 को राहु उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र से 8-9 महीने में पीपरमेन्ट, मेंथा में भयंकर तेजी चलने का पूर्वानुमान है।

व्यापारिक दिग्दर्शिका तेजी-मंदी पुस्तक-2022

जनवरी 2022 से जुलाई 2023 तक 19 महीने की तेजी-मंदी की गाईड लाइनें। लेखक श्री पी.सी.जैन पोरसा वाले। पुस्तक मूल्य 550 रु.। VPP नहीं होगी। इस वर्ष तेजी-मंदी लेख में जबरदस्त संशोधन व रिसर्च करके तूफानी चांस लिखे गये हैं। इस पुस्तक में सरसों, सोयाबीन तेल, गुंवार, अरहर, हल्दी, जीरा, सोना-चांदी, शेयर्स मार्केट, रुई के तेजी-मंदी चांस लिखे गये हैं। तेजी-मंदी के स्वप्न फल भी लिखे गए हैं। व्यापार में लाभ-हानि की जिम्मेदारी नहीं होगी। इस साल सन् 2022-23 में सोना-चांदी, सरसों, चना, गुड़, शक्कर, शेयर्स मार्केट में भयंकर घटाबढ़ी चलने की संभावना है। धनियां अभी 55 रुपये प्रति किलो चल रहा है, वो तीन साल के अंदर 200 रुपये से 250 रुपये प्रति किलो के भाव हो सकते हैं। गुंवार-गम 14 जुलाई 2017 को 6880 रुपये, 2 फरवरी 2018 को 10700 भाव, 25 मार्च 2020 को घटकर 4700 के नीचे भाव बने। 10 अगस्त 2020 को 5960 के भाव बन गए। 4 सितंबर 2018 को ब्रेंट क्रूड ऑयल 5114 रुपये प्रति बैरल के भाव थे एवं 6 जनवरी 2020 को 4670 रुपये प्रति बैरल थे। 22 अप्रैल 2020 को 848 रुपये के नीचे भाव बने और 26 अगस्त 2020 को 3255 के भाव हो गए। पुस्तक में इन तेजी-मंदी के लिए ग्रह पोजिशन पुस्तक में प्रस्तुत की गई हैं। 18 मार्च 2020 को चांदी भाव 33580 था वो 7 अग. 2020 को 77949 का टॉप भाव हो गया। 12 अगस्त 2020 को चांदी 60910 के नीचे भाव बने। जो सोना कभी 31500 था वो अगस्त 2020 में 55 से 56 हजार हो गया। सन् 2020 के पंचांग में बड़ी तेजी-मंदी की संभावना पहले ही बता दी गई थी। सन् 2020 में लहसुन 25 रुपये प्रति किलो वाला 124-140 रुपये प्रति किलो हो गया। अक्टूबर 2008 को शेयर्स बी.एस.ई सेन्सेक्स इन्डेक्स 7697 था वो 20 जनवरी 2020 को बढ़कर 42273 के करीब टॉप इंडेक्स बना। वो 24 मार्च 2020 को घटकर 25638 रह गया। वो अभी 38 हजार के करीब भाव चल रहे हैं। सवा तीन साल में कभी भी 99,999 इंडेक्स हो सकता है। सन् 2023 में चांदी-सोना में अच्छी तेजी चलने की संभावना है। छोटी ईलायची पिछले वर्षों में 4000 रुपये प्रति किलो के भाव थे। वो सन् 2021 में 1100 रुपये प्रति किलो के भाव चल रहे हैं। वो 2 या ढाई वर्ष में नीचे में 700 से 900 के भाव होकर सन् 2027-28 में 8000 से 10000 के टॉप भाव हो जायेंगे। सन् 2022-23 में बड़ी ईलायची, धनियां में घटाबढ़ी से अच्छी तेजी चलने की संभावना है। सरसों तेल, सोयाबीन में 12 मई 2021 को 7500 एवं रिफायंड तेल (10 किलो) 1471 रुपये के ऊंचे भाव होकर दो साल में 2022-23 में अच्छी तेजी आयेगी। सरसों 7500 वाली 4100 के नीचे भाव हो सकते हैं। सोयाबीन तेल 1475 वाला 899 के भाव होने का पूर्वानुमान लगा सकते हैं। अतः बाजार रुख देखकर व्यापार करें। व्यापार में लाभ-हानि की जिम्मेदारी कभी नहीं होगी।

पुस्तक मंगाने का नाम व पता-श्रीमति चंपा देवी जैन
C/o पी.सी. जैन पोरसा वाले,
ग्रोबर होस्पीटल के पीछे बारादरी चौराहा,
मुरार-474006 (ग्वालियर)
मो.-8305930896, 8103254349, 9806803495

सन् 2022 ई. का वार्षिक व्यापार भविष्यफल

लेखक-
पं. सुनील व्यास

प्रिय पाठकगण, मैं अपने पिता श्री स्व. ज्योतिष सम्राट डॉ. बसन्त लाल व्यास जी व अपने भाई स्व. श्री अनिल व्यास ज्योतिषाचार्य जी के निर्देशन में प्राप्त की गई इस ज्योतिष विद्या के अनुसार विगत कई वर्षों से तेजी-मंदी का लेख लिख रहा हूं। मुझे आपके मार्गदर्शन में आपका स्नेह आशीर्वाद मिल रहा है। मैं अपने पूर्वजों का अनुसरण करते हुए इस वर्ष भी प्रत्येक मास में आने वाले ग्रह योग, चन्द्रदर्शन, संक्रांति, नक्षत्र व राशियों, ग्रहादि का ध्यान रखते हुए तेजी-मंदी का विवरण लिख रहा हूं। यह विवरण पूर्णतया ग्रह-नक्षत्र का प्रभाव व ग्रह चाल पर आधारित है। जिन्स धातुओं, किराना, तिलहन, दलहन, सोना-चांदी, आलू, लोहा, रुई, शेयर्स मार्केट आदि में आने वाली तेजी-मंदी विवरण तैयार किया गया है। मार्केट में कभी-कभी अफवाहों, उत्पादन-खपत, आयात-निर्यात या अन्य प्राकृतिक कारणों से बाजार का रुख परिवर्तित होता रहता है। अत: व्यापारी गणों को स्वयं विवेक से बाजार रुख देखकर व्यापार करना चाहिए।

जनवरी 2022

यह मास पौष कृष्ण 14 शनिवार से प्रारंभ होकर माघ कृष्ण 14 सोमवार तक रहेगा। मास में पांच सोमवार होने से धान मंदा। ता. 2 रविवार को अमावस्या, मूल नक्षत्र होने से धान्य के भावों में महर्घता हो। ता. 5 शुक्रास्त पश्चिम से सोना, चांदी, गुड़, सूत, कपड़ा, घी, तेल, अलसी, अरण्ड, बिनौला, रुई, मूंगफली में मंदी रहेगी। ता. 8 श्रवणे बुध से 10 दिन में गुड़, खाण्ड, अलसी, चना, चावल, चांदी, सफेद वस्तुओं में तेजी। ता. 11 शुक्रोदय से अनाज सहित प्रमुख पदार्थों में मंदी का योग। ता. 13 को लालवर्ण की वस्तुओं में तेजी बनेगी। ता. 14 मकर संक्रांति से लालमिर्च, लाल चन्दन, गेहूं, जौ, चना, चावल, गुड़, शक्कर में मंदी तो सरसों, अलसी, अरण्ड, मक्का, ज्वार, बाजरा, पोस्ता, ऊन, रेशम, मजीठ, लकड़ी में तेजी। सोना, चांदी में घटाबढ़ी। लोहा, जस्ता, पीतल में तेजी के बाद मंदी। किराना व मेवा में मंदी। गाय, बकरी में मंदी। चना, चावल खरीदकर बैशाख मास में बेचकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ता. 20 शनि अस्त से वस्त्र, रुई, शेयर मार्केट, सोना में मंदी तो सभी प्रकार के अनाज में तेजी। ता. 24 श्रवणे सूर्य से 14 दिन में गेहूं, जौ, चना, चावल, रुई, सूत, सन, सोना, चांदी, खाण्ड, अलसी, सुपारी, लौंग, जायफल, पीपल में तेजी। ता. 30 शुक्र मार्गी से गुड़, नारियल, अलसी तेजी के बाद मंदी।

सोमस्य पंचवारास्यु यत्र मासे भवन्तिहि। धन-धान्य समृद्धि स्यात् सुख भवन्ति सर्वदा॥ पौष बदी कुज द्वितीय जो बरसे जान। अन्न महंगा करे घृत अलसी की हान॥ पौष सुदी एकादशी जो कृतिका में आय। लाल रंग की वस्तुओं में कृष्णा तेजी जाय॥ शुक्रवार दिन सूर्य संक्रमण होय। हाथी, घोड़ा, ऊंट, गुड़ में महंगो होय॥

फरवरी 2022

यह मास माघ कृष्ण 30 मंगलवार सं. 2078 से आरंभ होकर फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 सोमवार तक रहेगा। मास में पांच गुरुवार होने से धान सस्ता हो एवं पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। ता. 2 बुधवारी मावस से दुर्भिक्ष, सोमवारी संक्रांति से धान्य सहित सभी अनाजों में मंदी। ता. 3 पूषायां भौम: से सोना, चांदी, चावल, उड़द, घी, तिल, तेल, सरसों, मूंगफली में तेजी तो गेहूं, आलू में मंदी आयेगी। ता. 6 धनिष्ठायां रवि: से 15 दिन के अंदर सोना, चांदी, मोती, माणिक, जवाहरात, मूंग, मसूर, गेहूं, जौ, चना, चावल, अलसी, रुई में मंदी का रुख रहेगा। ता. 12 कुंभ संक्रांति से दूध व दूध से बने पदार्थों, गेहूं, जौ, चना, नमक, मिर्च में तेजी। मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मोठ, उड़द, सरसों, तिल, तेल, अलसी, राई में मंदी तो दाख, छुहारे, खोपरा, हल्दी, धनियां, खटाई, जीरा, मिर्च सहित अन्य किराने की वस्तुओं, सोना-चांदी, पीतल, जस्ता, तांबा, लोहा, रुई, कपास, सूत, सूती वस्त्र, बिनौला के भाव में घटाबढ़ी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, लकड़ी, कोयला के भाव सम रहेंगे। ऊन, सूत, सन, रेशम तेज होकर मंदी लें। काले रंग के पशुओं में लाभ। ता. 19 शतभिषा के सूर्य 14 दिन में सोना, चांदी, सूत, सन, कपड़ा, तिल, तेल, अरण्ड, खल, हींग, जायफल, दाख, छुहारा, सौंठ, हल्दी, गुड़, गेहूं, अजवायन तेज करेगा। ता. 23 उपायां शुक्र: से गुड़, खाण्ड, सोना, चांदी, अलसी, अरण्डा में मंदी तो अनाज के भावों में तेजी। रुई में घटाबढ़ से मंदी के बाद तेजी। ता. 22 गुरु अस्त से धान में मंदी। ता. 25 शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव। आलू में मंदी। ता. 28 शनि उदय अनाज में मंदी। लोहा, लकड़ी, पाम आयल में तेजी करेगा।

माघ अमावस जल पड़े तो भादो सुखकार। पावस भलि न जानिये जो नहीं माघ तुसार॥ जेहि पखवारे तिथि घटे वाहि में बढ़ जाय। सभी वस्तु सस्ती रहे महंगाई घट जाय॥ चन्द्र फाल्गुन मास में पड़ै पांच वार। प्रजा वृद्धि सुख सम्पदा गावै मंगलाचार॥

मार्च 2022

यह मास फाल्गुन कृष्ण 14 मंगलवार से आरंभ होकर चैत्र कृष्ण 14 गुरुवार सं. 2078 तक तक चलेगा। मास में पांच गुरुवार होने से धान सस्ता हो। यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च वृहस्पते:। विग्रह पश्चिमे देशो खड्ग युद्धश्च जायते॥ अर्थात् पश्चिम देश-प्रदेशों में राज विग्रह व सीमाओं पर युद्ध का योग बन रहा है। ता. 3 पूभा. के बुध से सोना, तांबा, लोहा, गेहूं, जौ, बाजरा, मक्का में मंदी तो रुई में उतार-चढ़ाव। ता. 9 बुधास्त से चौपाये पशुओं में तेजी। ता. 11 श्रवणे शुक्र से सोना, चांदी गुड़, शक्कर, मूंग, मोठ, उड़द, अनाजों में मंदी तो तिल, तेल में तेजी तो रुई गिरकर तेजी ले। ता. 18 पूर्णिमा, उभायां रवि से 15 दिन में चावल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गेहूं, तेलों में तेजी। ता. 14 मीन संक्रांति से गेहूं, जौ, चना पहले तेजी लेकर गिरें। ज्वार, बाजरा, तिल, अलसी, सरसों, राई, कोयला, लकड़ी, पत्थर, गाय, बकरी, घोड़ा, बैल में मंदी। मूंग, अरहर, मसूर, उड़द, रुई, सूत, सोना, चांदी, शेयर्स, गुड़, शक्कर सम रहें। लोहा, जस्ता, तांबा, जीरा, धनियां, हल्दी, अन्य मसाले, किशमिश, बादाम, मुनक्का, छुहारे, मखाने एवं अन्य मेवाओं में घटाबढ़ी रहे। दूध, घी में तेजी। व्यापारी इस संक्रांति में मंदा हुआ माल खरीदकर अगली संक्रांति में बेचें तो अच्छा लाभ होगा। ता. 20 मेष के भानु गेहूं, जौ, चना, मटर, सभी प्रकार के अनाज, घी में तेजी करेगा। सोना, चांदी, शेयर्स में अच्छी तेजी का योग है। गुड़, शक्कर, बारदाना, पाट, पटसन में घटाबढ़ी के बाद तेजी। ऊन, ऊनी वस्त्र, तिल, तेल, सरसों, अलसी, अरण्ड में गिरावट के बाद मंदी। ता. 21 धनिष्ठा के भौम से 20 दिन में राई, जौ, पीपल, सोना, चांदी, तांबा, पीतल, जस्ता, लोहा में तेजी तो गुड़, शक्कर, खाण्ड, घी, रुई, सूत, अनाज में मंदी संभावित है। ता. 26 मकरे भौम से रुई, सोना, चांदी, तांबा, गुड़, घी, तेल, अलसी, अरण्डी, ऊन में तेजी। अनाजों में मंदी। ता. 28 शनि उदय से अनाजों व काले रंग के पदार्थों, पाम आयल, आलू में तेजी।

शुक्ल पड़वा शुक्रवार की भये सुभिक्ष योग बनाय। कृषक वर्ग सुखी रहे ज्योतिषी यह बतलाय॥ कृष्ण पक्ष में तिथि घटै शुक्ल पक्ष में बढ़ जाय। सभी वस्तु मंदी बिकै लोग सुखी हो जाय॥ फाल्गुन कारी दूज दिन निर्मल रहे आकाश। श्रावण भादी जल पड़ै सुधा जाय चौमास॥

अप्रैल 2022

यह मास चैत्र कृष्ण 30 शुक्रवार सं. 2078 से प्रारंभ होकर वैशाख कृष्ण 30 शनिवार सं. 2079 तक चलेगा। ता. 1 शुक्रवारी अमावस से अतिवृष्टि, खेती को नुकसान हो। ता. 6 शतभिषा के शुक्र से गेहूं, गुड़, खाण्ड, चावल, घी, सरसों, रुई, सोना, चांदी में तेजी का योग बनता है। ता. 8 मेष के अश्विन से मूंग, मोती, जवाहरात, सोना, चांदी, हीरा अन्य धातुओं व गेहूं, चना, मक्का, बाजरा, तिल-तिलहन, सरसों, रुई, कपास, घी, गुड़ में मंदी। चीनी में तेजी। पशुओं में तेजी। ता. 14 मेष संक्रांति से गेहूं, जौ, चना, चावल, बाजरा में मंदी। ता. 18 भाद्रपद के शुक्र से रुई, ऊनी वस्त्रों में तेजी तो शेयर्स, आलू, लोहा में घटाबढ़ी तो अनाजों में मंदी। ता. 22 कृतिका के बुध से 8 दिनों में चांदी, अफीम में अच्छी घटाबढ़ी के बाद मंदी। रुई, अनाजों के भावों में तेजी। पाम ऑयल, रिफायंड, सोयाबीन में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। ता. 24 से 15 दिनों के अंदर रुई गिरकर तेजी ले। प्रमुख

वस्तुओं में घटाबढ़ी की लाईन चलेगी। गेहूं, जौ, चना, चावल, मटर, कपास, सूत, तिल, तिल तेल, मूंगफली में तेजी रहेगी। ता. 27 मीन के शुक्र से चांदी में मंदी के बाद अच्छी तेजी। अनाज, सरसों, तेल, तिलहन, सोयाबीन, सोया, अलसी, अरण्डी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, शुगर में मंदी रहेगी। ता. 30 अमावस्या से चावल, मोती, चांदी, कपूर, नमक, खाण्ड, रुई, कपास, सफेद रंग की वस्तुओं में मंदी। फलों में तेजी। आलू तेजी लेकर मंदी ले।

क्रूर पाप के मध्य में रवि के राहु संग। अनहोनी होवे तभी होय किसी से जंग॥ चैत्र सुदी में चतुर्थी तक जो वर्षे दिन चार। वर्षा ऋतु में जानिये वर्षा हो भली प्रकार॥ बैशाखी पड़वा प्रथम दिन बादल निकसे भानु। उत्तम सम्वत् यही है उत्तम पहचानु॥

मई 2022

यह मास वैशाख शुक्ल पक्ष 1 रविवार से ज्येष्ठ शुक्ल 1 मंगलवार तक रहेगा। मास में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। **एक मासे रवेर्वारा: पंचनस्यु शुभावहा:।** पांच सोमवार होने से धान में मंदी रहेगी। सोमवारी अमावस्या से सुभिक्ष, वर्षा अधिक हो, धान्य में बढ़ोतरी, प्रजा में सुख होगा। ता. 3 पूभा. के मंगल से तिल तेल, मूंगफली, अरण्डा, अलसी, नारियल, सुपारी, रुई, कपास, सोना, चांदी में तेजी रहेगी। मूंग, मसूर, मोंठ, अरहर, चना, चावल, शेयर मार्केट में तेजी की लाईन निकलेगी। ता. 10 बुध वक्री से सभी प्रकार के अनाजों, तांबा, लोहा, पीतल, जस्ता, जिंक, कॉपर के भावों में अच्छी तेजी। ता. 14 वृष संक्रांति से गेहूं, जौ, चना, चावल, धान, फल, मेवा, किशमिश, बादाम, छुहारे, मुनक्का, काजू, रुई, सूत, ऊनी वस्त्र, सूती वस्त्र, गुड़, खाण्ड, घी, तेल, मजीठ, कुमकुम, हल्दी, धनियां, जीरा, मिर्च, खटाई, राई, हींग में तेजी। रसीले पदार्थ में तेजी। कृतिका के रवि से 15 दिन में घी, रुई, सोना, चांदी, अलसी, अरण्डी, गेहूं, जौ, मूंग, मोंठ, मसूर, सरसों, तिल, तिलहन, राई में तेजी रहेगी। ता. 17 मीन भौम से रुई, घास, काष्ठ, लकड़ी से निर्मित वस्तुओं में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी, पहले मंदी आकर फिर तेजी। चौपाये पशुओं में तेजी। ता. 30 सोमवती अमावस्या से वर्षा अधिक हो। धान की पैदावार में वृद्धि। प्रजा में सुख-सुविधा की वृद्धि होगी।

बैशाखी सातै दिन श्रवण धनिष्ठा आय। काली वस्तुयें तेज हों सस्ती सफेद सुहाय॥ बैशाखी पड़वा प्रथम दिन बादल निकले भानु। उत्तम संवत् की यही है उत्तम पहचानु। बैशाख सुदी में जब सूरज हो अस्त। पुरवा पवन चले यदि तो करो संग्रह धान समस्त॥

जून 2022

यह मास ज्येष्ठ शुक्ला 2 बुधवार से प्रारंभ होकर आषाढ़ शुक्ला 1 गुरुवार तक रहेगा। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त एवं मंगलवारी होने से दुर्भिक्ष हो, वर्षा अधिक होगी। मास में पांच बुधवार से रसीली वस्तुओं का अभाव रहेगा। ता. 3 बुधोदय से अन्न में तेजी रहेगी। ता. 5 शनि वक्री व चन्द्रमा के धनु राशि में होने से तिल, तेल, तिलहन, सरसों, अलसी, मूंगफली, अरण्डी, धान, चावल का संग्रह कर चौथे मास में बेचने से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ता. 15 मिथुन संक्रांति मोती, शंख, सीप में तेजी। रेशम, पाट, पटसन, सरसों, आयरन, सोना में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी। उड़द, चना, चावल, मसूर में उतार-चढ़ाव। आलू में तेजी। सोयाबीन, अरण्डी, मूंगफली में तेजी। ता. 18 बुध के शुक्र से रुई, कपास में मंदी। सोना-चांदी में घटाबढ़ी से मंदी के बाद तेजी। अनाजों में गिरावट आयेगी। ता. 26 रोहिणी के शुक्र से 12 दिनों में सोना, चांदी धातुएं, अलसी, अरण्डी, सोयाबीन, भांग, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाण्ड, छुहारा, सुपारी, ऊन, नारियल में मंदी तो अफीम में तेजी। ता. 28 मृगशिरा के बुध रुई में 8 दिन में तेजी करेगा। चांदी में उतार-चढ़ाव में तेजी होकर गिरावट। गेहूं, तिल, सरसों, उड़द, मूंग, मोंठ, मसूर, लोबीया में मंदी का योग। ता. 29 अमावस्या आर्द्रा युक्त होने से रुई, कपास, तिल, तेल तेज। खांडसारी, जूट, पाट, किराना, सिमेन्ट, दवाईयां, सुपारी, चांदी, सोना, शेयर्स मार्केट में तेजी एवं मंदी का भी मास में मिला-जुला असर रहेगा।

ज्येष्ठ सुदी द्वितीय-तृतीय में जो आवे आर्द्रा नक्षत्र। वर्षे तो वर्षे नमी दरसे दुख दुर्भिक्ष॥ चन्द्रदर्शन मुहूर्त तीस का मानो प्रभाव तेज। घृत तेल लवण रस कपूर सभी हो जाये तेज॥ ज्येष्ठ अमावस रजनी बादल जोय। चौमासा सूखा रहे भारी गड़बड़ होय॥

जुलाई 2022

यह मास आषाढ़ शुक्ल 2 शुक्रवार से आरंभ होकर श्रावण शुक्ल 3 रविवार तक चलेगा। ता. 2 मिथुने बुध से 15 दिन में रुई, सोना, चांदी में मंदी। सरसों में घटाबढ़ी। पशुओं के भावों में तेजी। आलू में मंदी। ता. 7 मृगे शुक्र से गेहूं, चना, चावल, ज्वार में 12 दिन में मंदी का योग। गुड़, खांड, शक्कर, शेयर्स, सोना में उतार-चढ़ाव के बाद तेजी। ता. 12 पुनर्वसु के बुध से चांदी में मंदी। रुई, कपास, सूत, सन, पाट, पटसन में 8 दिन मंदी रहे। ता. 16 कर्क संक्रांति से गेहूं, जौ, चना, चावल में तेजी। सोना, चांदी, तांबा, पीतल, आयरन आदि धातुओं में मंदी। इस समय तेजी होने पर पूर्व में खरीदा धान बेचकर लाभ लें। ता. 18 आर्द्रा का शुक्र गेहूं, जौ, चना, बाजरा के भाव में अचानक मंदी। ता. 24 आश्लेषा के बुध तिल, तेल, तिलहन, सरसों, गुड़, खांड, चीनी, उड़द, मूंग, मसूर, मोंठ, अरहर, मूंगफली में तेजी करेगा। शेयर्स मार्केट, सोना, चांदी में घटाबढ़ी। ता. 28 हरियाली मावस से सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मंदी। आलू में सुधार। रियल इस्टेट कम्पनी के शेयर्स व प्रमुख कंपनियों के शेयर्स में अचानक बिकवाली से मंदी बन सकता है। ता. 30 सुपारी, लौंग, गुग्गल, हींग, ऊन, ऊनी वस्त्र, सोना, चांदी में तेजी। रुई में मंदी का झटका। सूत, सन, शेयर्स, पाट, पटसन, चपड़ा, लाख, पारा, चौपाये पशुओं में तेजी।

पड़वा आठैं पूर्णिमा जो बुधवारी आय। सभी वस्तु की न्यूनता महंगी भाव बिकाय॥ पौष माघ बैशाख का श्रावण या आषाढ़। दुखदायी बुध उदय अस्त होय सुख बाढ़॥ श्रावण कृष्ण चौथ दिन जल बरसै तो ठीक। निर्मल दिन बादल रहित मांगे मिले न भीख॥

अगस्त 2022

यह मास श्रावण शुक्ला 4 सोमवार से प्रारंभ होकर भाद्रपद शुक्ला 4 बुधवार तक चलेगा। मास में पांच सोमवार से अच्छी वर्षा से कृषि उत्पादन अच्छा। धन-धान्य की वृद्धि हो। व्यापारिक वस्तुओं में अच्छी घटाबढ़ी का रुख रहे। **सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि। धन-धान्य समृद्धि स्यात् सुखम भवति सर्वदा॥** ता. 3 आश्लेषा के रवि से 14 दिन में सोना, चांदी, रुई, बिनौला, गेहूं, चावल, उड़द, चना, गुड़, शक्कर, घी, तिल, तेल, सरसों, अरण्ड, अलसी, मिर्च, मजीठ, नील, कॉपर, कपास, कॉटन, ऊनी व रेशमी वस्त्र, गमग्वार, अमचूर, जीरा, ईलायची में घटाबढ़ी से तेजी निकल सकती है। ता. 6 कर्क शुक्र से रुई में मंदी। अलसी, अरण्डी, तेल, घी, शक्कर में तेजी। चांदी, गेहूं, चना, मटर, तिलहन, खल, कालीमिर्च, शेयर्स, चावल, चना, पटसन, लालमिर्च में घटाबढ़ी। ता. 12 पूर्णिमा से इस्पात, सिमेन्ट, शेयर्स, कॉपर, जिंक, आलू, तेल, तेलवाना, धातुओं में तेजी। ता. 17 सिंह संक्रांति से अनाजों में मंदी। धान्य, घास, रसीली वस्तुओं के भाव मध्यम रहे। सोना, चांदी, रुई, इस्पात के भावों में मंदी रहेगी। ता. 20 आश्लेषा के शुक्र सफेद रंग की वस्तुओं में अस्थिरता लायेगी। जिंक व धातुओं में घटाबढ़ी। रुई में आंशिक मंदी। तुआर, चावल में मंदी। चांदी में घटाबढ़ी। गेहूं, जौ, चना, गुड़, खाण्ड, हल्दी में तेजी। ता. 23 कन्या के शुक्र से चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी। गेहूं, जौ, चना, ग्वार, गम, खाण्ड, घास, ऊन, ऊनी-रेशमी वस्त्रों में तेजी। चावल में अच्छी तेजी। सुगन्धित वस्तुओं के भाव में गिरावट। ता. 27 शनिवारी अमावस्या से तेल, तिलहन में तेजी। निकिल, जिंक, इस्पात, सोना, चांदी में उतार-चढ़ाव। ता. 30 पूफायां रवि से जीरा, हल्दी, मिर्च, गेरू, सोना, गुड़, सरसों, तिल, तिलहन, दालवाना, घी, गेहूं, ज्वार, चावल, ऊनी कपड़ा, रुई, सूत में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी।

श्रावण में सूरयो चलो भाद्रपद में परवाई। आश्विन में अघूणां पवन कार्तिक साख सुवाई॥ श्रावण शुक्ला सप्तमी जो बरसे जलधार। सुख सम्पत्ति सर्वदा बढ़े राजी सब संसार॥ जिस पखवारे तिथि बढ़े वाहि में घट जाय। सभी वस्तु मंदी रहै महंगाई हट जाय॥

सितम्बर 2022

यह मास भाद्रपद शुक्ल 5 गुरुवार से प्रारंभ होकर आश्विन शुक्ल 5 शुक्रवार तक रहेगा। मास में पांच गुरुवार होने से धन-धान्य सस्ता रहने का योग बन रहा है। यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पते। विग्रह पश्चिमे देशे खड्गयुद्धञ्च जायते॥ के योग से

पश्चिमी देश व प्रदेशों में राजविग्रह का योग है। ... आसार बनते हैं। ता. 9 बुधास्त से रुई, कपास के भावों में मंदी। चांदी में तेजी का रुख रहे। ता. 10 बुध वक्री से शक्कर, चावल, घी, सोयाबीन, अलसी, अरण्डी में पहले तेजी के बाद मंदी। दूध पाउडर, सिल्वर, निकिल, पीतल, जस्ता, तांबा में तेजी या घटाबढ़ी चल सकती है। ता. 13 पूफा. के रवि-मंगल से जीरा, हल्दी पाउडर, कालीमिर्च, धनियां, सोना, गुड़, खाण्ड, सरसों, तिल, तेल, घी, वनस्पति घी, गेहूं, ज्वार, चावल, ऊनी वस्त्रों, रुई, सूत में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी। बारदाना, सोयाबीन में तेजी। ता. 17 कन्या संक्रांति शनिवारी से सभी प्रकार की वस्तुओं को नुकसान होने से प्रजा में कष्ट बढ़े। धान्य भाव तेज रहेंगे। गेहूं, चावल, चना, ग्वार, मक्का, गुड़, खांड, सोना, चांदी में तेजी। सरसों, तिल, तिलहन, घी, आयल, पाम आयल, क्रूड आयल में घटाबढ़ी। शेयर्स मार्केट में तेजी। सभी प्रमुख शेयरों में तेजी की धारणा बनेगी। ता. 21 उफा. के शुक्र से गेहूं, अन्य अनाजों, रुई में 12 दिन में अच्छी तेजी बनेगी। सोना, चांदी, मूंगफली, लालमिर्च, इलायची, सुपारी, हींग, जीरा, कपूर, मजीठ, छुहारा, मौठ, मसूर में घटाबढ़ी। ता. 29 बुधोदय से धान्य के भावों में मंदी चलेगी। अन्य सभी धातुओं में 15 दिन में अच्छी तेजी चलेगी।

भाद्रपद शुक्ला पंचमी स्वाती नक्षत्र होय। संवत् नीका सुख भरा मन में डर न रहे कोय॥ लोक महाजन प्रसन्न हो करें व्यापार। प्रजा में सद्भाव बढ़कर देखो व्यवहार॥ आश्विन में संध्या समय जो बादल घन होय। जो तुम अब जान लो निश्चय वर्षा होय॥

अक्टूबर 2022

यह मास आश्विन शुक्ल 6 शनिवार से आरंभ होकर कार्तिक शुक्ला 7 सोमवार तक रहेगा। मास में पांच शनिवार होने से महंगाई में बढ़ोतरी होगी। **शनिवारा यदा पंच जायन्ते पाताल कम्पते फणी। ईशान देश भंगश्च वह्निदाहो महर्घता॥** के अनुसार प्राकृतिक आपदा, अग्निकांड, आतंकी घटना का योग बनता है। ता. 2 बुध मार्गी से रुई में मंदी के बाद तेजी। चांदी घटाबढ़ी से तेजी ले। काष्ठ में तेजी। 8 दिनों में गेहूं, जौ, चना, चावल, मक्का, मोठ, बाजरा में तेजी। रेशम, अलसी, अरण्डी, सोयाबीन तेल, तिलहन, मूंगफली, बिनौला, कपूर, चन्दन, शेयर्स, कॉपर, जिंक, आयरन, आलू में मंदी। सोना में तेजी। ता. 4 कपास में मंदी। ता. 9 पूर्णिमा शुभ फलदायक है। ता. 13 चित्रा के शुक्र से सोना, चांदी, अनाजों के भाव सम रहेंगे। बुधास्त से रुई, कपास, ऊनी वस्त्रों में मंदी। चांदी में तेजी। गमग्वार, तिलहन, कॉपर, जिंक, मूंग, मोठ, मसूर, अरहर में उतार-चढ़ाव। ता. 17 तुला संक्रांति से दक्षिण की वायु चले। धान में मंदी। रसकस, घी, हल्दी, जीरा, धनियां, सौंफ, मैथी, इलायची, मिर्च में तेजी। गेहूं, जौ, चना, तिलहन, तेल, सोना, चांदी, सूत, सफेद वस्त्रों में तेजी। उड़द, मूंग, मोठ, मक्का, लोबिया, बाजरा में मंदी। लौंग, जायफल, नारियल, खोपरा, गुग्गल के भाव सम रहें। चौपाये पशुओं में तेजी रहेगी। ता. 25 अमावस्या व सूर्यग्रहण के प्रभाव से घी, सभी अनाजों में मंदी। रुई, गुड़, मूंग, गेहूं, चावल आदि अनाजों का संग्रह कर दो माह पश्चात् व साढ़े चार माह के बीच बेचने से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कृष्ण पक्ष की तिथि बढ़ै शुक्ल पक्ष में घट जाय। एक वस्तु क्या घटे सभी वस्तु घट जाय॥ कार्तिक शुक्ल एकादशी कहिये देव उठान। तिजनी घड़िया हो गयी आधा सेरा धान॥ कार्तिक शुक्ल द्वादशी निर्मल रजनी होय। पूनों भरणी देख तो सुख में सुख अवलोय॥

नवम्बर 2022

इस मास का आरंभ कार्तिक शुक्ल 8 मंगलवार से मार्गशीर्ष शुक्ल 7 बुधवार तक रहेगा। मास में पांच मंगलवार होने से-**यत्र मासे मही सूनोर्जायन्ते पंचवासराः। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्रभंगस्तदा भवेत्॥** के अनुसार किसी प्रमुख व्यक्ति का देहावसान व दैहिक, दैविक, भौतिक संताप दुख का कारण बनेंगे। ता. 3 विशाखा के शुक्र से रुई, ऊन, ऊनी वस्त्र, चांदी, गेहूं, जौ, चना, बाजरा, मक्का, मोठ में मंदी चलेगी। ता. 7 विशाखा के बुध अनाज के भावों में मंदी करेगा। रुई के भाव में गिरावट। ता. 8 पूर्णिमा चन्द्रग्रहण से रुई, सुपारी, अलसी, अरण्डी, मूंगफली, सोयाबीन में तेजी। राई, मैथी, जस्ता का संग्रह कर चार मास बाद बेचने पर अच्छा लाभ मिलेगा। अन्न में तेजी रहेगी। ता. 9 प्रतिपदा बुधवार यदि कृष्ण पक्ष प्रतिपदा बुधवार को हो तो दुर्भिक्ष रहे तथा अनाज के भावों में तेजी बनती है। ता. 11 वृश्चिक के शुक्र से रुई, शेयर्स, चांदी, अफीम, भांग व अन्य नशीली वस्तुओं में पहले मंदी के बाद तेजी। गुड़, खांड, शक्कर में उतार-चढ़ाव। गेहूं, जौ, चना, मटर, मूंग, मोठ, ग्वार, गम, बाजरा, मक्का आदि अनाजों में तेजी। अलसी, अरण्डी, सिमेन्ट, आयरन, इस्पात में तेजी रहेगी। ता. 16 वृश्चिक संक्रांति बुधवारी होने से रसकस, घी में तेजी। रुई, वस्त्र में मंदी। चांदी, चावल, गुड़, खांड, लौंग, सूत, कपास मे मंदी। जायफल, गुग्गल, सुपारी, खोपरा, लाल चंदन, लालमिर्च व अन्य लाल रंग वाली वस्तुओं, नारियल में अच्छी तेजी। चना, जौ, जस्ता, रांगा, शीशा, रेशम, लकड़ी के भाव सम रहेंगे। ता. 19 अनुराधा के रवि से जौ, चना, चावल, धान, शेयर्स, ग्वार गम, सोना, चांदी, पीतल, तांबा, स्टील, लोहा, जस्ता, धातुओं में तेजी। गेहूं, अलसी, मिर्च में तेजी के बाद भाव गिरकर मंदी ले। ता. 26 शुक्रोदय से सभी प्रमुख वस्तुओं, धातुओं, तिलहन, दलहन में अच्छी तेजी।

जेहि पखवारे तिथि बढ़ै वाहि में घट जाय। सभी वस्तु मंदी बिकें महंगाई हट जाय॥ अगहन शुक्ल तिथि घटे, बढ़ै कृष्ण पक्ष तास। ऐसा हो रुख पौष में छत्र भंग जल नाश। वृश्चिक गत् जब सूर्य हो ऊन वस्त्र सम भाव। लालद्रव्य मंदे बिकें तो खरीददार लाव॥

दिसम्बर 2022

यह मास मार्गशीर्ष शुक्ल 8 गुरुवार से आरंभ होकर पौष शुक्ला 9 शनिवार तक रहेगा। मास में पांच गुरुवार से पश्चिमी राज्यों में विद्रोह व राज निग्रह का योग बनेगा। **यत्र मासे जायन्ते पंचवारा च वृहस्पतेः। विग्रह पश्चिम देशे खड्ग युद्धश्च जायते॥** ता. 2 ज्येष्ठा के रवि से वस्त्र, सोना, चांदी, चावल, गेहूं, जौ, चना, अलसी, सरसों, अरण्डी, हींग, जीरा, मैंथी, कस्तूरी, गुग्गल, पारा, लौंग, गुड़, खांड में तेजी। रुई गिरकर तेजी ले। ता. 5 बुधोदय से गेहूं, रुई, कपास में सुधार। चांदी में मंदी। सोना में आंशिक तेजी। ता. 11 पूषायां रविः से तिल, तेल, सरसों, बिनौला, गुड़, खांड, गुग्गल, चपड़ा, कपूर, रार, मजीठ, ऊनी वस्त्र, ऊन, सूत, सन, चांदी में तेजी। ता. 16 धनु संक्रांति से गेहूं, जौ, चना, मटर, ज्वार, बाजरा, कपास के भाव सम। सोना, चांदी, सूत, सन, पाट, जूट में तेजी। गेरू, नमक, लाल चन्दन, लालमिर्च, लोहा, जस्ता, पीतल, तांबा, रांगा, गुड़, शक्कर, अलसी, अरण्डी में उतार-चढ़ाव में तेजी के बाद गिरे। सरसों, क्रूड आयल, पाम आयल में उतार-चढ़ाव। ता. 26 उषायां शुक्रः से सोना, चांदी, पारा, जस्ता, शेयर्स मार्केट में मंदी। अलसी, अरण्ड में गिरावट। गेहूं, जौ, ज्वार, मक्का, बाजरा, चावल, चना में तेजी। रुई में घटाबढ़ी में सुधार। ता. 29 वक्री बुध से शक्कर, चावल, घी, तिलहन, तेल, सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल में तेजी के बाद गिरे। ता. 31 धनु के बुध से रुई, कपास, वस्त्र, सूत, चांदी में गिरावट।

पौष बदी कुज द्वितीया जो बरसै जान। अन्न भाव महंगा करे घृत अलसी की हानि॥ कारी सातै पौष में बरसै आधी रात। पावस ऋतु नीकी रहे चिड़ियां मल-मल नहात॥ जो तिथि घटबढ़ हो नहीं साधारण फल जोय। कृष्ण घटे तो शुभ फले श्वेत महा भय होय॥

विशेष–यह लेख ग्रहों की विभिन्न पोजिशनों को आधार बनाकर लिखा गया है। अतः व्यापारी भाईयों को बाजार का रुख का भी ख्याल रखना आवश्यक है। लाभ-हानि में हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। यह लेख सूक्ष्म रूप से लिखा गाया है। पूरी मास रिपोर्ट प्रतिदिन की जानकारी जानने के लिए आप प्रत्येक वस्तु की मासिक रिपोर्ट हमारी संस्था से मंगाकर लाभ उठा सकते हैं। व्यापार भविष्य फल, तेजी-मंदी गाइड, मासिक चांस व विशेष चांस भी आप मंगा सकते हैं। शेयर्स मार्केट, सोना-चांदी, शेयर्स, जिंक, कॉपर, अलसी, आलू, लहसुन, गेहूं, जौ, चना, चावल, कपास, रुई, सरसों, मूंग, मोठ, मसूर, अरहर, अन्य दलहन व तिलहनों, किराना मार्केट की दैनिक लाईनें व दैनिक तेजी-मंदी रिपोर्ट मंगाकर लाभ प्राप्त करें। एक वस्तु एक मास की रिपोर्ट 500/-, अर्द्धवार्षिक 3000/-रु. व वार्षिक 6000/-रु. है। तेजी-मंदी सट्टा पुस्तक 251/-रु. + डाक खर्च। राशियों का पृथक भविष्यफल 251/-रु.। व्यापार में आ रही बाधा-अड़चनों तथा व्यापार वृद्धि यंत्र 501/-रु. तथा अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। स्पेशल मासिक रिपोर्ट 1000/-रु. एक वस्तु एक मास। उचित मार्ग दर्शन हेतु सम्पर्क करें। नोट-फोन पर संपर्क शाम 7 बजे के बाद करें।

लेखक-सुनील कुमार अनिल कुमार व्यास
श्री अम्बा ज्योतिष पीठ, राया (मथुरा), उ.प्र.-281204
सम्पर्क सूत्र-9719822007, 9720686322

सन् 2022 ई. में ग्रहों का शेयर्स मार्केट पर प्रभाव

जनवरी 2022–ता. 1 जन. नववर्ष की शुभकामनाएं। ता. 3 दोपहर बाद अधिक बिकवाली से बाजार रुख में परिवर्तन। ता. 6 संस्थागत व विदेशी निवेशकों के समर्थन में सभी प्रमुख शेयरों में तेजी। ता. 10 म्यूचुअल फंड, साफ्टवेयर, फार्मा तथा ऑटो साफ्टवेयर में अच्छी तेजी। ता. 12 चलती लाईन बदलेगी। भाव मंदी ले सकते हैं। ता. 14 दूरसंचार, मीडिया, सूचना, प्रोद्योगिकी, बैंकिंग शेयरों में अधिक बिकवाली से मंदी। ता. 17 भारी उतार-चढ़ाव में रहे। रुख देखकर कार्य करें। ता. 19 भावों में तेजी का उछाल। ता. 21 बजाज, होण्डा, टिस्को, टेल्को, पावर, ब्लूचिप, दवायें, आयरन, सिमेन्ट के भावों में तेजी। ता. 24-25 बाजार में अचानक मंदी का झटका। ता. 27 भावों में मंदी रहेगी।

फरवरी–ता. 1 इन्फोसिस, विप्रो, रैनबैक्सी, सनफार्मा, बैंकिंग, मीडिया, शेयरों की बिकवाली से तेजी। ता. 3 भावों में गिरावट। ता. 7 भावों में मंदी। ता. 9 भावों में उठापटक अधिक, संभलकर काम करें। ता. 14 बाजारों में सुधार होगा। ता. 16 अफवाहों से चलती लाईन में परिवर्तन। ता. 18 साफ्टवेयर, फार्मा, मीडिया, सिमेन्ट, दवा, रबर के शेयरों में मजबूती, अन्य में मंदी। ता. 21 मार्केट एकतरफा चले। दोपहर बाद चलती लाईन में परिवर्तन। ता. 23 भावों में मंदी। ता. 26 भावों में अच्छी तेजी। ता. 28 बाजार कभी तेजी या मंदी में चलता रहेगा। अतः रुख देखकर कार्य करें।

मार्च–ता. 1 भावों में तेजी। सभी मुख्य शेयरों में सुधार। ता. 7 बाजार में एकतरफा लाईन चलेगी। तेजी हो तो तेजी, मंदी हो तो मंदी भाव चले। ता. 10 धातु, सिमेन्ट, लघु उद्योग के शेयरों में उतार-चढ़ाव रहेगा। ता. 14 भावों में दोपहर बाद परिवर्तन हो। ता. 16 भावों में घटाबढ़ी के बाद तेजी। ता. 21 ऑटो, फार्मा, वित्तीय संस्थानों, टिस्को, टेल्को, प्रमुख शेयरों में बिकवाली से मंदी। ता. 23 बाजार में मंदी का रुख रहेगा। ता. 24 को बाजार खुलते ही तेजी बाद में गिरावट। ता. 28 भावों में मंदी। ता. 30 भावों में उतार-चढ़ाव से मार्केट में दबाव बनेगा। चलती लाईन में परिवर्तन। मास में 40 प्रतिशत मंदी व 6 प्रतिशत तेजी चलेगी।

अप्रैल–ता. 2 संवत् 2079 प्रारंभ। ता. 3 भावों में अच्छी तेजी। सभी प्रमुख शेयरों में उछाल। ता. 5 सिमेन्ट, ऑटो मोबाईल, इंजीनियरिंग, गैस, पेट्रोलियम, विद्युत शेयरों में तेजी। ता. 8 भावों में मंदी। ता. 13 भावों में घटाबढ़ी में मंदी। ता. 15 अधिक बिकवाली से तेजी। ता. 18 साफ्टवेयर, फार्मा, दवा, रबर, दूरसंचार के शेयरों में अचानक बिकवाली से मंदी का झटका। ता. 25 भावों में सुधार। ता. 27 म्यूचुअल फंड, स्मॉल इंडस्ट्रीज, आई.टी. कंपनी के शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक रहे। ता. 29 भावों में तेजी का रुख। दोपहर में घटाबढ़ी चले।

मई–ता. 3 बाजार मंदी में खुलकर दोपहर में तेजी। बंद के समय मंदी में रहे। ता. 6 चल रही मंदी में सुधार। ता. 10 रिलायंस, इण्डिको, टाटा, स्टील, ऑटो सैक्टरों, अम्बूजा सिमेन्ट सहित प्रमुख शेयरों में तेजी। ता. 12 भावों में तेजी रहेगी। ता. 14 भावों में मंदी। सभी शेयरों में गिरावट। ता. 15 भावों में सुधार। ता. 18 भावों में गिरावट। ता. 22-23 सभी प्रमुख शेयरों में उछाल। ता. 26 भाव मंदी में रहकर बंद के समय तेजी। ता. 30 भावों में उतार-चढ़ाव रहे। आयरन शेयरों में मंदी।

जून–ता. 3 भावों में मंदी रहेगी। ता. 6 मुनाफा वसूली में प्रमुख शेयर्स धराशायी होंगे। ता. 9 सभी प्रमुख शेयरों में अच्छी तेजी। ता. 13 बाजार में मंदी का रुख रहेगा। ता. 15 भावों में गिरावट। ता. 17-18 मोबाईल, बैंक, पेट्रो-रसायन, गैस कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी। ता. 20 भावों में तेजी को ब्रेक। ता. 25 किसी अप्रत्याशित घटना से प्रमुख शेयरों सहित सभी शेयरों में मंदी को बल। ता. 27 भावों में सुधार। परन्तु उतार-चढ़ाव लगा रहे। अतः रुख देखकर कार्य करें। ता. 30 भावों में तेजी रहेगी।

जुलाई–ता. 1 बाजार तेजी में खुले। परन्तु घटाबढ़ी से शाम को गिरे। ता. 5 ब्लूचिप, साफ्टवेयर, दूरसंचार, मीडिया, बैंक, फार्मा में अच्छी तेजी। ता. 6 भावों में मंदी के झटके। ता. 11 भावों में घटाबढ़ी बाद तेजी को बल। ता. 13 साफ्टवेयर, फार्मा, दवा, फाईनेन्स, रियल इस्टेट व प्रमुख शेयरों में तेजी का झटका। ता. 15 बाजार तेजी के साथ खुले। ता. 19 भावों में अच्छी तेजी। ता. 23 भावों में उतार-चढ़ाव से तेजी। शाम को मंदी। ता. 25 भाव तेज रहे। ता. 30-31 बाजार में उतार-चढ़ाव व्यापक रहे।

अगस्त–ता. 1 भावों में तेजी रहे। ता. 5 बाजार मंदी में रहे। फार्मा, पेट्रो-रसायन, धातुओं के शेयरों में मंदी। ता. 9 भावों में उतार-चढ़ाव में मंदी। ता. 12 भाव तेजी का मान करें। ता. 15 अग. चलती लाइन में परिवर्तन। बाजार आंधी की तरह गिरे। ता. 17 भावों में सुधार। ता. 19 भावों में मंदी का दौर चलेगा। ता. 23 भावों में मंदी। ता. 25 भाव तेजी ले। आयरन में मंदी। ता. 30 भावों में तेजी, दोपहर में घटाबढ़ी।

सितंबर–ता. 2 अधिक बिकवाली से सभी प्रमुख शेयरों में मंदी का झटका। ता. 7 भावों में सुधार। ता. 9 सभी शेयरों में तेजी। ता. 12 भारी इंजीनियरिंग, पावर, गैस, रसायन, टेक्नॉलोजी, इस्पात में तेजी। ता. 14 साफ्टवेयर, फार्मा, रिलायंस, रैनबैक्सी, रियल इस्टेट, बैंक के शेयरों में उछाल। ता. 19 प्रमुख शेयरों में तेजी का उछाल। ता. 22 चलती लाईन परिवर्तन ले। मंदी हो तो तेजी, तेजी हो तो मंदी चले। ता. 23 भावों में सुधार। ता. 26 अधिक बिकवाली से भाव गिरें। ता. 30 बाजार [illegible]

अक्टूबर–ता. 4 बाजार में बिकवाली का दबाव तेजी में खुलकर गिरे। ता. 6 भावों में अच्छी तेजी। ता. 10 भावों में दोपहर बाद गिरावट। ता. 13-14 एस.बी.आई, आई.सी.आई.सी.आई, एच.डी.एफ.सी. आदि बैंकों सहित अन्य प्रमुख शेयरों में उछाल। ता. 18 भावों में उतार-चढ़ाव में मंदी। ता. 20 प्रमुख शेयर्स तेजी के बाद गिरे। ता. 23-24 फार्मा, वस्त्र, दवा, टायर्स, सिमेन्ट, बैंक, साफ्टवेयर, धातुओं के शेयरों में तेजी। ता. 26 भाव में मंदी फिर दोपहर बाद तेजी। ता. 31 घटाबढ़ी अधिक, मंदी में बंद हो।

नवम्बर–ता. 1 भावों में अच्छी तेजी। ता. 3 भावों में दोपहर बाद परिवर्तन। ता. 8 स्टॉक एक्सचेंज, विप्रो, सत्यम, रिलायंस समूह, ऑटो सैक्टर के शेयरों में उछाल। अन्य में मंदी। ता. 11 भावों में घटाबढ़ी के बाद शाम को तेजी। ता. 14 घटाबढ़ी। ता. 16-17 सभी प्रमुख कंपनियों व आयरन शेयर्स में उछाल। ता. 21 भाव गिरें। ता. 24 भावों में दोपहर को मंदी के झटके। ता. 28 भावों में मुनाफा वसूली के कारण चलती लाईन परिवर्तन लें।

दिसम्बर–ता. 2 भावों में तेजी। ता. 8 घटाबढ़ी से बाजार में तेजी। ता. 12 चलती लाईन में परिवर्तन। ता. 15 में मंदी। ता. 16-17 साफ्टवेयर, धातुवाना, रियल इस्टेट, टायर्स, दूरसंचार, बैंक, मीडिया के शेयरों में अच्छी तेजी। ता. 21 भावों में गिरावट। धातुवाना, आयरन सहित प्रमुख शेयरों में गिरावट। ता. 23 सभी प्रमुख शेयरों में उतार-चढ़ाव। ता. 27 भावों में अच्छी तेजी का झटका। ता. 31 प्रमुख शेयर्स तेजी का मान करें।

शेयर्स में तेजी के अचूक चांस

1. शनि वक्री हो तो तेजी। 2. बुध वक्री से तेजी। 3. जिस दिन ऐन्द्र, व्यतिपात व वैधृति योग होता है उस दिन भी तेजी आती है। 4. सोम, गुरु अमावस्या से मंदी। भौम, शनिवासरी अमावस्या से तेजी। 5. सोम को तेजी हो तो भौम को मंदी। यदि सोम को मंदी हो तो भौम को तेजी।

विशेष–शेयर बाजार की यह जानकारी पूर्णतः ग्रहों की चाल के आधार पर है। जो 90% से 98% तक सत्य होती है। परन्तु कुछ ऐसे भी अन्य घटनाक्रम व ग्रह हैं जिनका असर शेयर्स मार्केट पर पड़ता है। जैसे-राजनीति की हलचल, देश का घटनाक्रम व दलाल व शेयर्स ब्रोकर का भविष्य। अतः जिस दिन शेयर्स दलाल व सटोरियों को मार्केट शूट नहीं कर रही हो तो वह जन्मपत्रिका अवश्य दिखायें। हमारे यहां मासिक रिपोर्ट भी पाठकों की मांग के अनुसार तैयार की जाती है। एक मास की रिपोर्ट 600/-, अर्द्धवार्षिक 3500/-रु. व वार्षिक 7000/-रु. है। फोन पर 1001/-रु. प्रति मास। डाक खर्च 50/-रु. पृथक है। फोन सुबह 10 से 12 बजे एवं सायं 8 से 9 बजे तक करें।

सम्पर्क करें–सुनील कुमार अनिल कुमार व्यास

चन्द्रदर्शन का व्यापार पर प्रभाव सन् 2022-23 ई.

लेखक-
अनिल कुमार व्यास

प्रस्तुत लेख चन्द्रदर्शन पर आधारित है। प्रमुख जिन्सों, धातुओं की तेजी-मंदी से संबंधित सूक्ष्म आंकलन पाठकगणों एवं व्यापारी वर्ग के लाभ की कामना के साथ मैं अपने स्वर्गीय पिताश्री डॉ. बसन्त लाल व्यास (ज्योतिष सम्राट, स्वर्ण रजत पदक प्राप्त) एवं अपने बड़े भाई स्वर्गीय अनिल कुमार व्यास (ज्योतिष आचार्य) की प्रेरणा व उनके बताये गये पथ पर आगे चलने का प्रयास करते हुये लिख रहा हूं। आशा है कि व्यापारी गण के लिये मेरा यह मार्गदर्शन कुछ लाभ दिलाये तो मैं अपने इस परिश्रम को सफल मानूंगा। कई कारणों से बाजार की दिशा भी प्रभावित होती रहती है। अतः कभी-कभी इस फलादेश में कुछ अंतर आ जाये तो व्यापारी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये। ऐसे समय स्व-विवेक से काम करके हानि से बच सकते हैं।

चैत्र मास

इस मास 2 अप्रैल सन् 2022 शनिवार चैत्र मास का चन्द्रदर्शन चैत्र शुक्ल पक्ष । सं. 2079 को हो रहा है। यह चन्द्र दर्शन मेष राशि के अंतर्गत रेवती नक्षत्र में हो रहा है। यह 30 मुहूर्ती है। मेष राशि अंतर्गत इसकी दक्षिण नोंक ऊंची होगी। जिससे प्रत्येक वस्तुओं में तेजी होगी। तुषार धान्य में वृद्धि। अनाज में मंदी। सरसों, अलसी, सोयाबीन, मूंगफली, क्रूड आयल, पाम आयल में तेजी। रुई, सूत, सूती वस्त्रों, चांदी, सोना, सरसों में तेजी। अनाज, तुआर, धान, चावल, सरसों, अलसी, सोयाबीन, तिलहन, दलहन, गुड़, खांड, घी, रिफायंड, सोना, चांदी, मूंग, मोंठ, अरहर, चना, बादाम, मुनक्का, किशमिश, काजू आदि व्यापारिक वस्तुओं में उतार-चढ़ाव के बाद तेजी। रुई में पहले मंदी उसके बाद तेजी। गेहूं, जौ, बाजरा, चावल, चना में मंदी। शेयर्स बाजार में उतार-चढ़ाव। मास के मध्य अच्छी तेजी के आसार। अन्य व्यापारिक वस्तुएं महंगी होंगी।

वैशाख मास

इस मास वैशाख मास का नवीन चन्द्रदर्शन 2 मई 2022 को वैशाख शुक्ल पक्ष 2 सोमवार को वृष राशि के अंतर्गत कृतिका नक्षत्र में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ति है। वृष राशि के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से सभी प्रकार के धान्य, मूंग, उड़द, मोंठ, मसूर, तिल तेल में तेजी। शृंगोन्नति से दक्षिण नोंक ऊंची हो तो प्रत्येक वस्तु में तेजी की धारणा बनती है। यदि रात को चन्द्रमा पर कुण्डल (मंडल) हो तो अनाज का संग्रह कर आगे बेचने पर लाभ होता है। चन्द्रदर्शन सोमवार का होने से वस्त्र, रुई, सूत, सोना में तेजी। चांदी, रुई में उतार-चढ़ाव, धारणा तेजी की ओर। गेहूं, जौ, चना, मक्का, ज्वार, बाजरा, ग्वार गम में मंदी। मिर्च, लौंग, लाल वस्तुओं चन्दन, कपूर, कस्तुरी, तांबा, जस्ता धातुओं में मास के मध्य में गिरावट का रुख रहेगा। सोमवारी अमावस्या से धान्य में उत्पत्ति एवं प्रजा में खुशहाली का वातावरण बनेगा।

ज्येष्ठ मास

ज्येष्ठ मास का नवीन चन्द्रदर्शन 31 मई 2022 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष । मंगलवार को रोहिणी नक्षत्र के अंतर्गत मिथुन राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ति होगा। शृंगोन्नति से यह चन्द्रदर्शन शूल के समान सींग वाला होने से प्रत्येक वस्तुओं में तेजी को बल देता है। अन्न, गेहूं, जौ, चना, बाजरा, मक्का, ग्वार, तुआर, अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख रहेगा। रुई में पहले मंदी बाद तेजी को बल मिलेगा। सोना, चांदी, जिंक, कॉपर, स्टील, आयरन व अन्य धातु में उतार-चढ़ाव। गुड़, सरसों, तिल तेल, मूंगफली में तेजी। रसीली वस्तुओं में कमी आयेगी। रसकस, घी में मंदी। शेयर्स, पाट, पटसन, हैशियन, बारदाना, कपास, चावल, सब्जी में मास के मध्य तेजी। मक्का, मोंठ, मसूर, लोबिया, उड़द, मटर के भाव गिरकर तेजी लें या पूर्व में जिस वस्तु में भाव मंदे हों वह सुधार कर तेजी की ओर अग्रसर हो। आलू में आंशिक तेजी रहेगी। लाल रंग की वस्तुओं में तेजी।

आषाढ़ मास

इस मास का चन्द्रदर्शन 30 जून 2022 आषाढ़ शुक्ल पक्ष । गुरुवार को पुनर्वसु नक्षत्र अंतर्गत कर्क राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती है। पुनर्वसु नक्षत्र में होने के कारण प्रायः सभी व्यापारिक वस्तुओं के भावों में मंदी रहेगी। कर्क राशि अंतर्गत चन्द्रमा के उदित समय दोनों शृंग बराबर हों तो प्रत्येक व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी लाकर बाद में भाव समान हो जाते हैं। पुनर्वसु नक्षत्र होने के कारण चन्द्रमा पर मण्डल हो तो पश्चिम क्षेत्र में अतिवृष्टि से जन मानस परेशान रहेगा। गुरुवार को चन्द्रदर्शन होने से रुई, सूत, सूती-रेशमी-ऊनी वस्त्र, सरसों, तिलहन, तेल, घी में तेजी बनेगी। सोना, चांदी, जस्ता, पारा, खांड, शक्कर, गुड़ में मंदी। घी, गुड़, शक्कर, चीनी, सरसों में तेजी। शेयर, आयरन, आलू, पाट, पटसन, जिंक, कॉपर, बारदाना, कपास के भाव गिरकर तेजी लेंगे। ज्वार, बाजरा, मक्का, मोंठ, मूंग, मसूर, मटर, दलहन के भावों में आंशिक सुधार। मासांत तक मजीठ, तिलहन, दलहन में घटाबढ़ी। कालीमिर्च, पीलीमिर्च, हल्दी, धनियां, लौंग, ईलायची के भावों में सुधार होगा।

श्रावण मास

मास का चन्द्रदर्शन 30 जुलाई श्रावण शुक्ल 2 शनिवार को सिंह राशि, आश्लेषा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ति है। चन्द्रदर्शन के समय इसके दोनों शृंग बराबर रहेंगे। इससे प्रत्येक वस्तु में घटाबढ़ी रहेगी। वर्षा सर्वत्र अच्छी रहेगी। मास में पांच शनिवार होने से महंगाई मास के मध्य में बढ़ सकती है। शेयर्स मार्केट व सोना, चांदी, जिंक, कॉपर, क्रूड आयल, पाम आयल के भावों में घटाबढ़ी के बाद अच्छी तेजी का वातावरण बनेगा। रुई, सूत व सूती वस्त्रों, मूंगफली, सभी खाद्य पदार्थों व सामग्री में तेजी। फसल की पैदावार कम होगी। अलसी, तिल, तेल, अरण्डी, दाख, मिर्च, गुड़, शक्कर, सरसों, तिल तेल, लाल वस्तुओं, राई आदि में तेजी चलेगी। जिन वस्तुओं में सोमवार को अचानक तेजी आये तो यह चाल मंगलवार दोपहर तक चलेगी। दोपहर बाद भाव परिवर्तन लेगा। सोना, चांदी, पीतल, कांसा, केशर, जावित्री, कालीमिर्च, सेंधा नमक, जायफल के भावों में तेजी रहेगी। शेयर्स मार्केट मासान्त तक अधिक बिकवाली से औंधे मुंह गिर जायेंगे।

भाद्रपद मास

इस मास में भाद्रपद मास का नवीन चन्द्रदर्शन 28 अगस्त रविवार को कन्या राशि अंतर्गत पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। कन्या राशि के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से चौपाये पशुओं के व्यापारियों को हानि उठानी पड़ेगी। उदित समय इसके दोनों शृंग शूल के समान सींग वाला होगा, जिससे प्रत्येक वस्तुओं में तेजी का वातावरण बनेगा। सोना, चांदी, पारा, शीशा, स्टील, आयरन, पीतल में उतार-चढ़ाव रहेगा। मास में मध्यम तेजी की चाल चलेगी। गेहूं, मटर, चना, जौ, बाजरा, मक्का के भाव गिरकर तेजी की ओर रुख करेंगे। ज्वार, अरहर, जौ, चना, मूंग, मोंठ, सरसों का संग्रह कर अगले मास बेचकर अच्छा लाभ ले सकते हैं। यदि मंगलवार के भाव से बुधवार को मंदा हो तो गुरुवार को एक बार बाजार मंदा होकर पुनः तेज होगा। तेल, सोना, चांदी में ऐवरेज में मंदी तथा रुई में घटाबढ़ी से मंदी होगी। मास के मध्य में जूट, तेजपात, सुपारी, नारियल, धनियां, मिर्च,

लौंग, हींग, दालचीनी, गुड़, शक्कर, खांड, खल, चुनी, जौ, चना, चावल, धान, गेहूं, चोकर, शेयर्स, आलू में मंदी रहेगी। अन्य सभी वस्तुओं में उतार-चढ़ाव का रुख रहेगा।

आश्विन मास

इस मास में आश्विन मास का चन्द्रदर्शन 27 सितंबर मंगलवार को चित्रा नक्षत्र के अंतर्गत तुला राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। चन्द्रदर्शन के समय चन्द्रमा के दोनों शृंग बराबर होंगे। जिससे बाजार में घटाबढ़ी के बाद भावों में तेजी के बाद भाव सामान्य हो जायेंगे। इस मास में वर्षा अच्छी होगी। मास में पांच रविवार होने से धान्य के भाव सम रहेंगे। चांदी, रुई में घटाबढ़ी के बाद तेजी बनेगी। चन्द्रदर्शन मंगलवार को होने से गेहूं, जौ, बाजरा, मक्का, चना, ग्वार, तुआर तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी। रुई में पहले मंदी के बाद तेजी आयेगी। घी, तेल, डालडा, रिफायंड, सोयाबीन, अलसी, सरसों, मूंगफली के भावों में तेजी रहेगी। प्रजा में सुख-समृद्धि की वृद्धि होगी। रविवारी अमावस्या से सभी प्रकार के रस पदार्थों में तेजी आयेगी। चित्रा नक्षत्र से रुई, कपास, ऊन, ऊनी वस्त्रों, मूंग, मसूर, मटर, अरहर, चना, आलू में तेजी रहेगी। गेहूं, जौ, चावल, ग्वारगम, सोना, चांदी, शेयर्स के भावों में मंदी। मासांत में 17 अक्टूबर सोमवार को तुला संक्रांति होने से दक्षिण की पवन चलेगी। धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे रहेंगे। रसीले पदार्थ, घी, किराना वस्तुओं में तेजी।

कार्तिक मास

मास का चन्द्रदर्शन 27 अक्टूबर कार्तिक शु. 2 गुरुवार को विशाखा नक्षत्र, वृश्चिक राशि के अंतर्गत हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। मास में पांच मंगलवार होने से देश में अप्रत्याशित घटनाएं घट सकती हैं। पूर्णिमा भरणी नक्षत्र युक्त होने से शुभ फल कारक है। चन्द्रर्शन वृश्चिक राशि में होने से उदित समय इसकी उत्तरी नोंक ऊंची होने ने प्रत्येक व्यापारिक वस्तुओं में मंदी का रुख रहेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल, स्टील, कांसा के भावों में घटाबढ़ी से तेजी का रुख रहे। रुई, सूत, शेयर्स, पाट, कपासिया, कपास, पटसन, हैशियन, सूरजमुखी में तेजी। कृषक वर्ग में लाभ की प्राप्ति होगी। उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। विशाखा नक्षत्र के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से गेहूं, बाजरा, मूंग, ज्वार, उड़द, गुड़, खाण्ड, सरसों, अलसी में तेजी का रुख रहेगा। गुरुवार से रुई, सूत तथा सूती-रेशमी-ऊनी वस्त्रों, सरसों, अरण्डी, मूंगफली, सोयाबीन, तेल, घी में तेजी रहेगी। सोना, चांदी, खांड, गुड़ में मंदी। आलू में मंदी का झटका।

मार्गशीर्ष मास

मास का नवीन चन्द्रदर्शन 25 नवंबर शुक्रवार, मार्गशीर्ष शुक्ला 2 को ज्येष्ठा नक्षत्र व धनु राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती रहेगा। चन्द्रदर्शन ज्येष्ठा नक्षत्र में होने से गेहूं, चना, बाजरा, मक्का, मोठ, चावल, आलू में मंदी चलेगी। गुड़, शक्कर में उतार-चढ़ाव रहेगा। धनु राशि से धान्य के भावों में मंदी चलेगी। शुक्रवार में चन्द्रदर्शन से सरसों, तिल, तेल, गेहूं, चावल, उड़द, चना, मटर, अरहर में मंदी। ऊन तथा ऊनी वस्त्रों में मंदी। रुई, चांदी, शेयर्स में घटाबढ़ी के बाद तेजी की चाल निकलेगी। नमक, मोती, माणिक, हीरा, जवाहरात, दालचीनी, गुग्गल, लौंग, इलायची, जायफल, कपूर, ईत्र, पीपरमेन्ट, जावित्री, किराना की वस्तुएं उतार-चढ़ाव के बाद मंदी में रह सकती हैं। व्यापार में उतार-चढ़ाव से व्यापारी वर्ग में परेशानी व बेचैनी के हालात् उत्पन्न हो सकते हैं। अतः व्यापारी वर्ग को स्व-विवेक से बाजार का रुख देखते हुए काम करना चाहिए।

पौष मास

इस मास में पौष मास का चन्द्रदर्शन 25 दिसंबर 2022 रविवार, पौष शुक्ल 2 को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र अंतर्गत मकर राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती है। उदित समय चन्द्रमा के दोनों शृंग शूल के समान होने से प्रत्येक वस्तुओं में घटाबढ़ी के बाद भाव स्थिर होंगे। उत्तराषाढ़ा नक्षत्र अंतर्गत चन्द्रदर्शन होने से अफीम, गोला, किशमिश, छुहारे, अखरोट, बादाम, मुनक्का, दालचीनी, जीरा, हल्दी, मिर्च, अजवायन, धनियां, लौंग, सुपारी, गोला, नारियल, मेंथी, अन्य किराना वस्तुओं में मंदी के बाद तेजी रहेगी। घी, तेल, मसूर, मोंठ, मूंग, मटर, अन्य दालों, सोना, चांदी, आयरन, जिंक, कॉपर, पीतल, स्टील के भावों में मंदी उपरांत मासांत तक तेजी बनेगी। घोड़ा, खच्चर, गधा, अन्य चौपाये पशुओं में मंदी। सोना, चांदी, तेल में मंदी। रुई, कपास, चावल में घटाबढ़ी चलकर मंदी। मंदी में जिन्सों का स्टॉक कर आगे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। किसी वस्तु में यदि गुरुवार को तेजी होकर शुक्रवार को 12 बजे बाद मंदी आती है, तो उस वस्तु में शनिवार को तेजी अवश्य आयेगी।

माघ मास

माघ मास का नवीन चन्द्रदर्शन 23 जनवरी 2023 सोमवार, माघ शुक्ल 2, धनिष्ठा नक्षत्र अंतर्गत कुंभ राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। चन्द्रदर्शन के समय इसकी दोनों शृंग समान होने से प्रत्येक वस्तु में उतार-चढ़ाव के बाद भाव सम होंगे। सोमवार को चन्द्रदर्शन से वस्त्र, रुई, सूत, सोना, रंग में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी से मंदी रहेगी। गेहूं, जौ, चना, मक्का, बाजरा, चावल में मंदी। धनिष्ठा नक्षत्र के अंतर्गत चन्द्रदर्शन से सोना, चांदी आदि धातुओं में तेजी रहेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई में मंदी। अन्न में मास के मध्य में उतार-चढ़ाव रहेगा। आलू में तेजी के बाद मंदी रहेगी। सोना, चांदी, गोला, मिश्री, खाण्ड, शक्कर, गुड़, उड़द, मूंग, मसूर, मौंठ में मंदी रहेगी। पांच रविवार नेष्टप्रद एवं शुभ फलप्रद है। कुंभ की संक्रांति सोमवारी होने से दक्षिण की वायु चले। धान्यादि, सभी वस्तुओं के भावों में मंदी का रुख रहेगा। रसकस, रसीली वस्तुओं, हींग, जीरा, हल्दी, धनियां, सौंफ, मिर्च, अन्य किराने की वस्तुओं में तेजी रहेगी। लोक-महाजन में प्रसन्नता होगी।

फाल्गुन मास

फाल्गुन मास का नवीन चन्द्रदर्शन 21 फरवरी 2023 मंगलवार को शतभिषा नक्षत्र अंतर्गत मीन राशि में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। मास में पांच मंगलवार होने से देश व प्रदेशों में लड़ाई-झगड़े, प्रदर्शन, आंदोलन, अग्निकांड आदि का जोर रहेगा। चन्द्रदर्शन मंगलवार को होने से गेहूं, जौ, बाजरा, ग्वार, मक्का तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख रहेगा। रुई में पहले मंदी, उसके बाद तेजी का रुख बनेगा। सोना, चांदी, हीरा, पन्ना, मोती, आभूषणों में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। गुड़, सरसों, तिल, तेल, सोयाबीन, मूंगफली में तेजी बनेगी। शतभिषा नक्षत्र से ऊन, ऊनी वस्त्रों में मंदी। रुई, कपास, गुड़ में तेजी चलेगी। मीन राशिगत चन्द्रदर्शन से रुई में मास के मध्य मंदी पश्चात् तेजी का रुख बनेगा। सभी प्रकार के अनाजों में मंदी रहेगी। यदि किसी मंगलवार को किसी वस्तु में तेजी हो तो वह बुधवार दोपहर तक चलेगी। इसके बाद मंदी बनेगी।

चन्द्रदर्शन व शृंगोन्नत फल ! मास के अंतर्गत प्राप्त होता है। यह तेजी-मंदी ग्रह-चाल-नक्षत्र-वार के अनुसार लिखा गया है। बाजार रुख राजनैतिक चाल पर भी निर्भर रहता है। अतः सावधानी अति आवश्यक है। व्यापारी गण बाजार रुख देखकर भी कार्य करें, तो लाभ मिले। विशेष तेजी-मंदी के लिए प्रत्येक मास का प्रत्येक जिन्स का चांस मंगाकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। एक वस्तु एक मास 500/-, एक वस्तु अर्द्धवार्षिक 3000/-रु. व एक वस्तु एक वर्ष 6000/-रु. एवं डाक खर्च 50/-रु. पृथक है।

सुनील कुमार अनिल कुमार व्यास
श्री अम्बा ज्योतिष पीठ (रजि.),
राया (मथुरा), उ.प्र.-281204
सम्पर्क सूत्र-9719822007, 9720686322

सन् 2022-23 में शेयर्स बाजार की दशा-दिशा-धारणा

लेखक-
पं. टुनटुन शास्त्री

शेयर बाजार के रग-रग में सट्टावृति एवं इनकी धारणा में सदैव जोखिम की आशंका बनी रहती है। यह अर्थव्यवस्था की उस राष्ट्र की आर्थिक हालातों की माप भी होती है। कोरोना वायरस के प्रकोप से विश्व अर्थव्यवस्था की रफ्तार में भी काफी प्रभाव पड़ा है। इसके कुप्रभाव की धारणा भविष्य में क्या होगी? यह संभावनाएं अभी भविष्य के गर्भ में छिपी हुई हैं। गत् दिनों कोविड-19 की सेकेण्ड वेव के अंत तक जापान की ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने संभावना व्यक्त की है कि भारत में इस महामारी की दूसरी लहर आर्थिक नहीं बल्कि मानवीय संकट है। और इसका सबसे बुरा दौर बीतने का अनुमान है। नोमुरा ने अपनी रिपोर्ट में संभावना व्यक्त की है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान वृद्धि दर इसका फसल गत साल की तुलना में बहुत कम होगा। मार्च तिमाही की तुलना में जून तिमाही में अर्थव्यवस्था में केवल 3.8 प्रतिशत संकुचन होगा। उन्होंने आगे यह भी बताया कि लॉकडाउन इस बार अधिक बारीक है। और इसमें उपभोक्ताओं और व्यवसायियों का ध्यान रखा गया है। वर्तमान में टीकाकरण की गति थोड़ी धीमी है। जुलाई के बाद इसकी गति बढ़ेगी। सन् 2021 के अंत तक 75 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण पूरा हो सकता है। और तीसरी तिमाही में घरेलू खपत में इजाफा होगा। 2021-22 के लिए अपने 10.8 प्रतिशत जी.डी.पी. वृद्धि का अनुमान को बरकरार रखता है।

जनवरी 2022-यह मास शनिवार ज्येष्ठा नक्षत्र, वृश्चिक राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सूर्य-शुक्र की युति धनु में, बुध-शनि की मकर में, गुरु कुंभ में, राहु वृष में, केतु-मंगल वृश्चिक में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 14 को सूर्य बुध-शनि के साथ प्रतियुति करेगा। इसी तारीख को बुध वक्री होगा। ता. 16 को मंगल धनु राशि में प्रवेश कर शुक्र के साथ युति करेगा। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 17 को पश्चिम में अस्त होंगे। ता. 29 को यह पूर्व में उदय हो जायेंगे। फलत: मास के प्रारंभ में कुछ अनहोनी घटनाचक्र या बाजार से संबंधित प्रतिकूल अफवाहों के कारण अधिकांश ब्लूचिप सेक्टरों के शेयरों में बार-बारी से बिकवाली स्थिति बन सकती है। जिससे ता. 3 से 7 तक बाजार की धारणा भारी मंदी की ओर संकेत दे रही है। ता. 10 से 12 तक इस्पात, पावर, विद्युत, रियल इस्टेट, भारी इंजीनियरिंग, सोना, चांदी, कॉपर, सीमेन्ट, ऑटो मोबाईल कंपनियों के शेयरों में दबाव की स्थिति बनने से सूचकांक में गिरावट आ सकती है। ता. 13 से 14 तक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में व्यापक समर्थन मिल सकता है। ता. 17 से 21 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो विद्युत, पावर, पेट्रोरसायन, गैस, धातुओं के साथ-साथ सीमेन्ट, रियल इस्टेट, होटल, ट्यूरिज्म, शुगर, चाय, शराब, सिगरेट कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 24 से 25 तक ब्लूचिप अधिकांश सेक्टरों के शेयरों में समर्थन मिल सकता है। ता. 26 से 28 तक कोई अप्रिय घटनाचक्र या अन्य कारणों से साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में घटबढ़ जारी रह सकती है। जिससे धारणा मंदी की ओर रहनी चाहिए। ता. 31 को बिकवाली की आशंका प्रतीत हो रही है।

फरवरी-यह मास मंगलवार, श्रवण नक्षत्र, मकर राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सूर्य-बुध-शनि मकर राशि में, गुरु कुंभ में, शुक्र-मंगल धनु राशि में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 4 को बुध मार्गी, ता. 12 को सूर्य कुंभ राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति करेगा। ता. 26 को मंगल मकर राशि में प्रवेश कर बुध-शनि के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 27 को यह मंगल-बुध-शनि के साथ प्रतियुति करेगा। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलेंगे। ता. 19 को शनि पश्चिम में अस्त होंगे। फलत: मासारंभ में प्राकृतिक उत्पात या युद्ध की आशंका के काले बादल मंडराते रहेंगे। इन आशंकाओं के बीच बाजार की धारणा अस्थिर और अशांत वातावरण में चलना चाहिए। ता. 1 से 4 तक ब्लूचिप विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली की आशंका से बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ता. 7 से 8 व्यापक घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर। ता. 9 से 11 स्थितियां सामान्य रही तो साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो ता. 14 से 18 तक विद्युत, पावर, पेट्रोरसायन, ऑटोमोबाईल, सीमेन्ट, ईस्पात, फार्मा एव वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिलने से शेयर बाजार के सूचकांक में आश्चर्य जनक सुधार संभावित है। ता. 21 से 22 तक घटबढ़, धारणा कुछ सुधार की ओर होनी चाहिए। ता. 23 से 25 तक अचानक ऑटोमोबाईल, सीमेन्ट, ईस्पात, भारी इंजीनियरिंग, पेट्रोरसायन कंपनियों के शेयरों में व्यापक घटबढ़, धारणा मंदी ओर भी जा सकती है। यदि ऐसा होता है तो ता. 28 को सामान्य से भारी मंदी की धारणा।

मार्च-यह मास मंगलवार, धनिष्ठा नक्षत्र, मकर राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-गुरु की युति कुभ में, राहु वृष में मंगल-बुध-शुक्र-शनि की प्रतियुति मकर में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 6 को बुध-सूर्य-गुरु के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 14 को सूर्य मीन में, ता. 24 को बुध सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 31 को शुक्र कुंभ में प्रवेश कर गुरु के साथ युति करेगा। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 21 को पूर्व में अस्त हो जायेंगे। फलत: मासारंभ में कोई अनहोनी घटना चक्र या वित्तीय संस्थाओं में कोई अप्रिय घटना के कारण विदेशी निवेशकों के साथ-साथ संस्थागत निवेशकों की अचानक बिकवाली तेज हो सकती है। जिससे ता. 1 से 4 तक ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, छोटे-बड़े वाहन, रियल इस्टेट, सीमेन्ट, विद्युत, पावर, पेट्रोरसायन कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली की आशंका अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 7 को घटबढ़। ता. 8 से 11 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो दूरसंचार, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में सामान्य से भारी समर्थन मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो ता. 14 से 18 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों में समर्थन मिलने से सूचकांक में सुधार जारी रह सकता है। ता. 21 को सुधार। ता. 22 को व्यापक घटबढ़। ता. 23 से 25 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में सामान्य समर्थन मिल सकता है। ता. 28 से 31 तक ब्लूचिप अधिकांश सेक्टरों के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली की हालात बनने से बाजार आंधी की तरह गिर सकते हैं। अत: सावधानी अपेक्षित है।

अप्रैल-यह मास शुक्रवार, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, मीन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध मीन में, मंगल-शुक्र-शनि मकर में, गुरु कुंभ में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 7 को मंगल कुंभ में प्रवेश कर शुक्र के साथ युति करेगा। ता. 8 को बुध मेष में, ता. 13 को गुरु मीन में, ता. 14 को सूर्य-बुध राहु के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 24 को बुध वृष में, ता. 27 को शुक्र मीन में प्रवेश कर गुरु के साथ युति करेगा। ता. 29 को शनि कुंभ में प्रवेश कर मंगल के साथ युति करेगा। मास के प्रारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलकर ता. 15 को पश्चिम में उदय होंगे। फलत: मासारंभ में व्यापक घटबढ़ चलती रहेगी। ता. 4 को घटबढ़। ता. 5 से 8 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों को छोड़कर अन्य सेक्टरों में सामान्य समर्थन मिल सकता है। ता. 11 से 15 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, पावर, विद्युत, पेट्रोरसायन, रियल इस्टेट, सोना, चांदी, कॉपर, होटल, ट्यूरिज्म, शुगर, टेक्सटाईल्स कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 18 को घटबढ़। ता. 19

से 22 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में घटबढ़ पूर्ण सुधार जारी रह सकता है। हालांकि अस्थिरता का पलड़ा भारी महसूस हो रहा है। ता. 25 से 29 तक अधिकांश सेक्टरों के ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली की हालात बनने से शेयर बाजार के सूचकांक में भारी गिरावट की आशंका अधिक प्रतीत हो रही है। ऐसे तो इस संवेदनशील बाजार में कब क्या धारणा बज जाय? यह संभावनाएं भविष्य के गर्भ में छुपी रहती है।

मई–यह मास रविवार, भरणी नक्षत्र, वृष राशि में प्रारंभ हो रहा है। ता. 15 को सूर्य वृष राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेंगे। ता. 17 को मंगल जलीय राशि मीन में प्रवेश कर गुरु-शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 23 को शुक्र मंगल की राशि मेष में प्रवेश कर राहु के साथ युति करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 10 को वक्री होंगे। ता. 13 वक्र अवस्था में ही पश्चिम में अस्त हो जायेंगे। ता. 31 को बुध पूर्व में उदय होंगे। फलतः मासारंभ में ता. 2 से 6 तक स्थितिया सामान्य रहीं तो दूरसंचार, मीडिया, सूचना प्राद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरो में सामान्य से भारी समर्थन मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो ता. 9 से 13 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों के साथ-साथ विद्युत, पावर, गैस, पेट्रोरसायन, सोना, चांदी, कॉपर के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 16 को घटबढ़। ता. 17 से 20 तक कोई अप्रिय घटना चक्र के कारण साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बिकवाली के दबाव से बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ता. 23 से 27 तक राजनैतिक घटना चक्र, प्राकृतिक उत्पात एवं युद्ध की आशंकाओं से अधिकांश ब्लूचिप विशेषकर साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर जाएं तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।। इस समय विश्व के तमाम विकाशशील राष्ट्रों के स्टॉक मार्केट में भी एक ठहराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ता. 30 से 31 तक अचानक ईस्पात, ऑटोमोबाईल, भारी इंजीनियरिंग, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है।

जून–यह मास बुधवार, मृगशिरा नक्षत्र, मिथुन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में ता. 3 को मार्गी होंगे। ता. 4 को शनि वक्री, ता. 15 को सूर्य मिथुन राशि में तथा ता. 18 को शुक्र वृष राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेंगे। ता. 27 को मंगल अश्विनी नक्षत्र मेष राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति करेंगे। फलतः मासारंभ में सब कुछ सामान्य रहा तो ता. 1 से 3 तक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो ता. 6 से 10 तक ईस्पात, सीमेन्ट, पावर, विद्युत, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 13 से 15 तक अस्थिर सुधार। ता. 16 से 17 तक अचानक बिकवाली से बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ता. 20 से 24 तक ब्लूचिप अधिकांश सेक्टरों के शेयरों में व्यापक घटबढ़ जारी रह सकती है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। जिससे अधिकतर अहितकर भी हो सकते हैं। अतः बाजार की दशा-दिशा-धारणा देखते हुए काम करें। शेयर बाजार एक संवेदनशील बाजार है। अतः इसमें अटकल बाजी का खेल सर्वथा हानिप्रद होता है। ता. 27 से 30 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ऑटोमोबाईल, सीमेन्ट, ईस्पात, साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में सामान्य समर्थन मिल सकता है। फिर भी धारणा देखकर काम करें।

जुलाई–यह मास शुक्रवार, पुष्य नक्षत्र, उत्पात नामयोग, कर्क राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में ता. 2 को बुध मिथुन में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 12 को शनि मकर में, ता. 13 को शुक्र सूर्य-बुध के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 16 को सूर्य कर्क में, इसी तारीख को बुध सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 29 को गुरु वक्री तथा ता. 31 को बुध मघा नक्षत्र, सिंह राशि में प्रवेश करेगा। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 5 को पूर्व में अस्त होंगे। ता. 28 को बुध पश्चिम में उदय होंगे। फलतः मास के प्रारंभ में ता. 1 को अधिकांश सेक्टरों में समर्थन से सुधार। यदि ऐसा होता है तो ता. 4 से 8 तक ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, पावर, विद्युत, सोना, चांदी, कॉपर पर आधारित उद्योगों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 11 से 13 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार। जबकि ता. 14 से 15 तक अचानक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में अचानक बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकते हैं। ता. 18 से 22 तक विशेषकर वित्तीय संस्थाओं, फार्मा, रियल इस्टेट, सोना, चांदी, कॉपर, होटल, लॉज, ट्यूरिज्म, पेट्रोरसायन सेक्टरों में बिकवाली की आशंका अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 25 से 29 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ऑटोमोबाईल, छोटे-बड़े वाहन, टेक्सटाईल्स, शुगर, पेट्रोरसायन, विद्युत, पावर, सीमेन्ट, सिगरेट, शराब के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है।

अगस्त–यह मास सोमवार, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, कन्या राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य कर्क राशि में, ता. 6 शुक्र सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 10 को मंगल वृष में प्रवेश करेगा। ता. 17 को सूर्य अपनी राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेंगे। ता. 20 को बुध कन्या में प्रवेश करेंगे। ता. 31 को शुक्र सूर्य के साथ युति करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध पश्चिम में उदित अवस्था में चलते रहेंगे। फलतः मास में मौसम का उपद्रव हो सकता है। सूर्य-शुक्र की युति से भविष्य में भारत शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनेगा। मास के प्रारंभ में ता. 1 से 5 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा, बैंक, ऑटोमोबाईल, भारी इंजीनियरिंग, ईस्पात, सीमेन्ट कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 8 से 10 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों में घटबढ़, पूर्ण सुधार। ता. 11 से 12 तक अचानक ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली से बाजार आंधी के आम का तरह गिर सकते हैं। ता. 15 से 18 तक प्रतिकूल अफवाहों से बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रह सकती है। ता. 19 को नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप-स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में कुछ समर्थन मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो ता. 22 को घटबढ़। ता. 23 से 26 तक दूरसंचार, मीडिया, फार्मा, बैंक, विद्युत, पावर, सोना, चांदी, कॉपर, ईस्पात, सीमेन्ट, रियल इस्टेट, होटल, ट्यूरिज्म के शेयरों में सुधार। ता. 29 से 31 तक शुगर, चाय, कॉफी, सिगरेट, शराब, टेक्सटाईल्स, पावर, विद्युत, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में सामान्य से भारी समर्थन मिल सकता है।

सितम्बर–यह मास गुरुवार, स्वाती नक्षत्र, तुला राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-शुक्र की युति सिंह में, ता. 10 को बुध वक्री, ता. 17 को सूर्य बुध के साथ युति करेगा। ता. 24 को शुक्र सूर्य-बुध के साथ प्रतियुति करेगा। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में वक्र चाल चलते हुए ता. 16 को पश्चिम में अस्त होंगे। ता. 30 को बुध पुनः पूर्व में उदय हो जायेंगे। फलतः मासारंभ में कोई अनहोनी घटना चक्र से बाजार में स्थिरता का अभाव रहेगा। ता. 1 से 2 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 5 से 7 तक अधिकांश सेक्टरों के शेयरों में घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर जा सकती है। ता. 8 से 9 तक अचानक बिकवाली से अधिकांश ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकता है। अतः सावधानी अपेक्षित है। ता. 12 से 14 तक अस्थिरता का पलड़ा भारी महसूस हो रहा है। ता. 15 से 16 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के साथ-साथ ऑटोमोबाईल, सीमेन्ट, ईस्पात, विद्युत, पावर एवं धातुओं के शेयरों में सामान्य से भारी समर्थन मिल सकता है। ता. 19 को घटबढ़। ता. 20 से 23 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो छोटे-बड़े वाहन, भारी इंजीनियरिंग, विद्युत, पावर, पेट्रोरसायन, साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना एवं प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 26 से 28 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों में समर्थन की संभावना अधिक प्रतीत हो रही हैं। ता. 29 से 30 तक व्यापक घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर रहनी चाहिए।

अक्टूबर–यह मास शनिवार, ज्येष्ठा नक्षत्र, धनु राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति कन्या में, शनि मकर में, गुरु मीन में, राहु मेष में, मंगल वृष राशि में भ्रमणशील रहेंगे। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 2 को मार्गी होंगे। ता. 20 को मार्गी अवस्था में ही पूर्व में अस्त हो जायेंगे। ता. 16 को मंगल मिथुन में, ता. 17 को सूर्य तुला में, ता. 18 को शुक्र सूर्य के साथ युति करेंगे। ता. 23 को शनि मार्गी होंगे। ता. 26 को बुध-सूर्य शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 31 को मंगल वक्री होंगे। फलतः मास के प्रारंभ में ता. 3 से 7 तक गलत अफवाह या अंतर्राष्ट्रीय हालातों के कारण विश्व के अधिकांश बाजारों में अचानक खामोशी तबाही का मंजर उत्पन्न कर सकता है। ता. 10 से 12 तक मंदी की लम्बी लाईन चल सकती है। ता. 13 से 14 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में सामान्य से भारी सुधार की संभावना बन सकती है। ता. 17 से 21 तक साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, विद्युत, पावर, फार्मा, बैंक तथा धातुओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 24 से 26 तक सामान्य सुधार। ता. 27 से 28 तक घटबढ़। ता. 31 को व्यापक मंदी की धारणा।

नवम्बर–यह मास मंगलवार, श्रवण नक्षत्र, मकर राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य, बुध, शुक्र, केतु की प्रतियुति होने के साथ-साथ ता. 11 को शुक्र वृश्चिक में, ता. 13 को मंगल वृष में, इसी तारीख को बुध शुक्र के साथ युति करेगा। ता. 16 को सूर्य-बुध शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 24 को गुरु मार्गी होंगे। मासारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलते रहेंगे। फलतः इस ग्रह संयोग के कारण बाजार में अस्थिरता का पलड़ा भारी रहेगा। विदेशी निवेश कम होगी तथा विदेशी निवेशकों के बिकवाली से सूचकांक में गिरावट की आशंका अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 1 से 4 तक ब्लूचिप विशेषकर साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बिकवाली का सिलसिला जारी रह सकता है। ता. 7 से 8 तक व्यापक घटबढ़, धारणा मंदी की ओर जा सकती है। ता. 9 से 11 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, पेट्रोरसायन, पावर, विद्युत एवं धातुओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 14 से 18 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों में विदेशी निवेशकों के साथ-साथ संस्थागत निवेशकों के समर्थन से सूचकांक में सुधार संभावित है। ता. 21 से 22 तक सामान्य सुधार। ता. 23 से 25 तक व्यापक घटबढ़। ता. 28 से 30 तक अधिकांश ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से गिरावट बन सकती है।

दिसम्बर–यह मास गुरुवार, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, मीन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति वृश्चिक में होने के साथ ही ता. 3 को बुध धनु में, ता. 5 को शुक्र बुध के साथ युति करेंगे। ता. 16 को सूर्य-शुक्र बुध के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 27 को बुध मकर में प्रवेश कर शनि के साथ युति, ता. 29 को शुक्र-बुध शनि के साथ प्रतियुति करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलते हुए ता. 2 को पश्चिम में उदय होंगे। फलतः मासारंभ में ता. 1 से 2 तक व्यापक घटबढ़। ता. 5 से 6 तक घटबढ़। ता. 7 से 9 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, बैंक, विद्युत, सोना, चांदी, कॉपर पर आधारित उद्योगों के शेयरों में समर्थन मिल सकता है। ता. 12 से 16 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरो मे बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 19 सुधार। ता. 20 से 23 तक घटबढ़ जारी। ता. 26 से 30 तक ब्लूचिप अन्य सेक्टरों के शेयरों में राजनैतिक घटना चक्र या युद्ध की आशंका, प्राकृतिक उत्पात के कारण बाजार में भारी बिकवाली की आशंका अधिक प्रतीत हो रही है।

जनवरी 2023–यह मास रविवार, अश्विनी नक्षत्र, सिद्धिनाम योग, मेष राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सूर्य धनु में, बुध-शुक्र-शनि मकर में, गुरु मीन में, मंगल वृष में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 13 को मंगल मार्गी होंगे। ता. 14 को सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर शुक्र के साथ युति करेंगे। ता. 17 को शनि कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। ता. 18 को बुध मार्गी होंगे। ता. 22 को शुक्र शनि के साथ युति करेंगे। मासारंभ में बुध ता. 1 को पश्चिम में अस्त हो जायेंगे। ता. 13 को बुध पूर्व में उदय होंगे। फलतः ता. 2 को घटबढ़। ता. 3 से 6 तक स्थितिया सामान्य रहीं तो ईस्पात, सीमेन्ट, रियल इस्टेट, ऑटोमोबाईल, भारी इंजीनियरिंग, विद्युत, पावर तथा धातुओं के शेयरों में सामान्य समर्थन मिल सकता है। ता. 9 को घटबढ़। ता. 10 से 13 तक ब्लूचिप उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 16 को सुधार। ता. 17 से 20 तक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, बैंकों के शेयरों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 23 से 27 तक उपरोक्त सेक्टरों, ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली की स्थिति बन सकती है। ता. 30 से 31 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप-स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरो में समर्थन मिल सकता है। फिर भी धारणा देखकर काम करें।

फरवरी–यह मास बुधवार, मृगशिरा नक्षत्र, मिथुन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सूर्य मकर में, शनि-शुक्र कुंभ में, गुरु मीन में, मंगल वृष में, केतु तुला में, बुध धनु राशि में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 6 को बुध सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 13 को सूर्य कुंभ राशि में प्रवेश कर शनि के साथ युति तथा शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 15 को शुक्र गुरु के साथ युति करेंगे। ता. 27 को बुध-सूर्य शनि के साथ प्रतियुति करेंगे। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में रहेंगे। फलतः ता. 1 से 3 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो सुधार संभावित है। ता. 6 से 10 तक दूरसंचार, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में समर्थन मिल सकता है। ता. 13 को घटबढ़। ता. 14 से 17 तक अधिकांश सेक्टरों के शेयरों में घटबढ़ जारी रह सकती है। जिससे बाजार में स्थिरता का अभाव दिखेगा। ता. 20 से 24 तक कई अनहोनी घटना चक्र अथवा सरकार की दिशा-निर्देशों के कारण अचानक बिकवाली लम्बी लाईन में चल सकती है। जबकि ता. 27 से 28 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप-स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। जिससे शेयर बाजार के सूचकांक में आश्चर्य जनक तरीकों से ग्राफ ऊपर उठना चाहिए।

मार्च–यह मास बुधवार, मृगशिरा नक्षत्र, मिथुन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शनि कुंभ में, गुरु-शुक्र मीन में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 11 को मेष में शुक्र प्रवेश कर राहु के साथ युति करेंगे। ता. 12 को मंगल मिथुन में प्रवेश करेंगे। ता. 14 को सूर्य मीन राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति करेंगे। ता. 16 को बुध-सूर्य गुरु के साथ प्रतियुति, ता. 31 को बुध-शुक्र राहु के साथ प्रतियुति करेंगे। मासारंभ में ता. 1 को बुध पूर्व में अस्त हो जायेंगे। ता. 30 को बुध पश्चिम में उदय हो जायेंगे। फलतः ता. 1 से 3 तक सामान्य सुधार की धारणा अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 6 से 10 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, टेक्सटाईल्स, शुगर, पावर, विद्युत तथा धातुओ के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 13 से 17 तक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में घटबढ़ जारी रहेगी। जिसमें स्थिरता की अभाव रहेगा। ता. 20 से 24 तक उपरोक्त सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली की लम्बी लाईन चल सकती है। ता. 27 से 31 तक ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, पावर, विद्युत तथा धातुओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है।

लेखक-प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. दुनदुन शास्त्री
ग्राम-करौन्दी, पोस्ट-सराव (नटवार), जिला-रोहतास -802218
मो.-9801873719 (Whatsapp), 9431486216

सन् 2022-23 में व्यापारिक जिन्स धातुओं की दशा-दिशा-धारणा

लेखक-
पं. टुनटुन शास्त्री

व्यापार एक सामान्य गणित प्रक्रिया है, जिसमें सफलता प्राप्त करने के लिए एक योजना है। जिसे चरणबद्ध ढंग से सुनियोजित तरीकों से पूरा किया जाता है। समय रहते इसमें उपर्युक्त ढंग से निवेश किया जाए तो सफलता अवश्य ही मिलेगी।

जनवरी 2022—यह मास शनिवार, पौष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि, ज्येष्ठा नक्षत्र, धनु राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में बुध-सूर्य की युति धनु में, शनि-शुक्र की युति मकर में, गुरु कुंभ में, राहु वृष में, मंगल-केतु वृश्चिक में भ्रमणशील रहेंगे। जिससे मास के प्रारंभ में रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकल, ईस्पात में घटबढ़ पूर्ण सुधार। जबकि गेहूं, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, ज्वार, बाजरा, मंडुआ, चावल आदि अनाजों में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी। ता. 6 को शुक्र पश्चिम में अस्त होने से दूध पाउडर, घृत, गुड़, खाण्ड में सुधार। रुई, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना तथा सोना, चांदी, तिल, कॉपर, गमग्वार, चावल में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 12 को शुक्र पूर्व में उदय होने से रुई, कपास, कॉटन के भावों में सुधार। सिल्वर में घटबढ़। अनाजों मे एक मास तक मंदी की धारणा चलकर बाद में सुधार होता है। सोना, कॉपर, पीतल, हींग, पारा, केशर में मंदी। ता. 14 को सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर बुध-शनि के साथ प्रतियुति करेंगे। जिससे घृत, दूध पाउडर, समस्त तेल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, चीनी, चाय, कॉफी, किशमिश, छुहारा, रुई, कपास, कॉटन, कालीमिर्च, लालमिर्च, हल्दी, जीरा, धनियां, जायफल, दालचीनी में कुछ तेजी की धारणा बन सकती है। जबकि सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, गेहूं, जौ, चना, तुअर आदि में घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर जा सकती है। ता. 16 को मंगल धनु राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना में अस्थिर सुधार। जबकि सोना, चांदी, कॉपर, सरसों, सोयाबीन, घृत, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, गमग्वार, हल्दी, लालमिर्च, कालीमिर्च, धनियां, जीरा, लौंग, इलायची, ईमली, आमचूर में तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 29 को शुक्र मार्गी होने से मासान्त तक रुई में घटबढ़, धारणा मंदी की ओर जा सकती है। जबकि सोना, चांदी, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी में तेजी। चावल, गुड़, खाण्ड, घृत का संग्रह भविष्य में लाभकारी हो सकते हैं।

फरवरी—यह मास मंगलवार, माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि, श्रवण नक्षत्र, मकर राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में पंचक प्रारंभ हो रही हैं। मासारंभ में सूर्य-बुध-शनि की प्रतियुति मकर में तथा मंगल-शुक्र की युति धनु राशि में होने से सोना, कॉपर, हल्दी, लालमिर्च, कालीमिर्च, जायफल, लौंग, ईलायची, गेहूं, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, ज्वार, बाजरा, गमग्वार, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना में तेजी। ता. 4 को बुध मार्गी होने से अचानक चलते रुखों में परिवर्तन हो सकते हैं। रुई, सिल्वर में घटबढ़ पूर्ण सुधार। एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, मसूर, मटर, लालमिर्च, हल्दी, जायफल, दालचीनी, मेंथी, गमग्वार, ईमली, आमचूर, मजीठ, सोना, कॉपर में तेजी की धारणा। जबकि अधिकांश तेल-तेलहन, गुड़, खांड, कपूर, चन्दन, अगर आदि सुगन्धित वस्तुओं में मंदी की धारणा। ता. 12 को सूर्य शत्रु शनि की राशि कुंभ में प्रवेश तथा गुरु के साथ युति होने से चावल, रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, पोस्ता, मखाना, काजू, इसबगोल, अन्य सफेद जिन्स, लवण, दूध पाउडर, घृत, उड़द, मूंग, मोंठ, तिल, कुछ तेल-तेलवाना में अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। परन्तु इस ग्रह संयोग में गुरु के साथ युति होने से इसमें मंदी की जगह तेजी की धारणा बन सकती है। जबकि गुड़, खांड, चीनी, किशमिश, छुआरा एवं किराना की कुछ जिन्सों में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 26 को मंगल अपनी ऊंच्च राशि मकर में प्रवेश कर शनि, बुध के साथ प्रतियुति करेंगे। ता. 27 को शुक्र भी मकर राशि में प्रवेश करेंगे। अर्थात् मंगल-शुक्र-शनि की प्रतियुति होने से अचानक सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, ग्वारसीड, हल्दी, धनियां, जीरा, लालमिर्च, कालीमिर्च, लौंग, ईलायची, दालचीनी, गुड़, खांड, किशमिश, छुहारा, घृत एवं डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, ऊनी-रेशमी वस्त्रों में तेजी की धारणा मासांत तक चल सकती है।

मार्च—यह मास मंगलवार, फाल्गुन कृष्ण पक्ष 14, धनिष्ठा नक्षत्र, कुंभ राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में पंचक भी प्रारंभ हो रही हैं। जिससे गैर बासमती चावल, स्वाक में तेजी जबकि सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, रुई, कपास, कॉटन में अस्थिरता पूर्ण धारणा बन सकती है। ता. 6 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश कर सूर्य, गुरु के साथ प्रतियुति करेंगे। जिससे व्यापार जगत में कुछ अलोकप्रिय निर्णयों के कारण आयात-निर्यात भी प्रभावित हो सकता है। फिर भी ग्रह संयोगानुसार सिल्वर, रुई, कपास, कॉटन में घटबढ़ जारी रह सकती है। दूध पाउडर, घृत, कुछ तेल-तेलवाना, गुड़, खांड में तेजी तथा किराना जिन्सों के साथ-साथ अनाजों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 14 को सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे समस्त तेल-तेलवाना, गुड़, खांड, चीनी, चाय, कॉफी, किशमिश, छुहारा, अखरोट, बादाम, मखाना, काजू, रुई, सोना, कॉपर, चना, तुअर, उड़द, चावल आदि अनाजों में तेजी। जबकि सिल्वर में मंदी की धारणा बन सकती है। गमग्वार, किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 24 को बुध सूर्य के साथ युति होने से रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, गुड़, खांड, चीनी में कुछ मंदी बन सकती है। जबकि सोना, चांदी, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च, गमग्वार में घटबढ़। ता. 30 को शुक्र कुंभ राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति करेंगे। जिससे रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, पोस्ता, मखाना, सिंघारा, सिल्वर, जिंक, निकल, गुड़, खांड, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा तथा स्वेत जिन्स-धातुओं में मंदी की धारणा बन सकती है। जबकि सोना, कॉपर, गमग्वार एवं किराना की प्रमुख जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। अतः सावधानी अपेक्षित है।

अप्रैल—यह मास शुक्रवार, चैत्र कृष्ण पक्ष 30, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र, मीन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सूर्य-बुध की युति मीन में, मंगल-शनि की युति मकर में तथा गुरु-शुक्र की युति कुंभ राशि में होने से लालमिर्च, कुसुम्भा, मजीठ, केशर, रक्त चंदन, मेंथी, गमग्वार, लवण, दालचीनी, जायफल, जावित्री के साथ-साथ लालवर्ण की जिन्सों में तेजी। गुड़, खांड, तेल-तेलवाना, घृत, सिल्वर में कुछ मंदी। ता. 7 को मंगल कुंभ राशि में प्रवेश कर गुरु-शुक्र के साथ प्रतियुति होने से रुई, कपास, कॉटन, सिल्वर, जिंक, निकल, पोस्ता, मखाना, काजू, अखरोट, बादाम में व्यापक घटबढ़। गेहूं, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा, मंडुआ आदि अनाजों के साथ-साथ गुड़, खांड, किशमिश, छुहारा, मुनक्का, सोना, कॉपर, गमग्वार, हल्दी, लालमिर्च, मेंथी में तेजी की धारणा। ता. 8 को बुध मेष राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे गेहूं, ज्वार, बाजरा, मंडुआ, जौ, चना, तुअर, उड़द, मसूर, अलसी में तेजी। जबकि दूध, घृत, गुड़, खांड, शक्कर, सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, अन्य तेल-तेलवाना में मंदी की धारणा। सोना, कॉपर एवं किराना जिन्सों में घटबढ़। सिल्वर में व्यापक मंदी की धारणा। ता. 12 को राहु-केतु के स्थान परिवर्तन से गुड़, खांड, गेहूं, जौ, चना, तुअर आदि अनाजों में तेजी बन सकती है। ता. 13 को गुरु मीन राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे घृत, सरसों आदि तेल-तेलवाना में मंदी की लम्बी लाईन बन सकती है। गेहूं, चना, तुअर, गुड़, खांड, चीनी, उड़द, मोंठ,

सुपारी, खोपरा, अखरोट, बादाम, चिरौंजी, अंजीर, सुपारी तथा श्वेत जिंस धातुओं में तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 14 को सूर्य अपनी ऊच्च राशि मेष में प्रवेश करेंगे। जिससे अलसी, अरण्ड, मैंथोल, तिल, अन्य तेल-तेलवाना, सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकल, ईस्पात, लौह उपकरण, रक्त चंदन, गमग्वार, लालमिर्च, मेंथी, लौंग, ईलायची, दालचीनी, खोपरा, सुपारी, हींग, पाट-पटसन, कॉटन, सर्व अनाजों में तेजी की धारणा। ता. 24 को बुध वृष राशि में प्रवेश करने से दो सप्ताह के अंदर रुई में घटबढ़ चलकर स्थिरता। ऐसे तो प्रायः सभी जिन्स-धातुओं में धाटबढ़ जारी रह सकती है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। ता. 27 को शुक्र मीन राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति होने से सरसों, सोयाबीन आदि तेल-तिलहन, गुड़, खांड, सोना, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च में घटबढ़। जबकि सिल्वर, निकल, पोस्ता, मखाना, काजू में अच्छी तेजी। ता. 29 को शनि कुंभ राशि में प्रवेश कर मंगल के साथ युति होने से समस्त तेल-तेलहन, रुई, सिल्वर एवं अनाजों में तेजी। किराना जिन्सों में भी सामान्य से भारी सुधार की धारणा बन सकती है।

मई–यह मास रविवार, वैशाख शुक्ल पक्ष 1, भरणी नक्षत्र, वृष राशि में प्रारंभ हो रहा है। सूर्य-राहु की युति, मंगल-शनि की युति तथा शुक्र-गुरु की युति होने से ता. 1 से 9 तक सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, ग्वारसीड, लालमिर्च, कालीमिर्च, हल्दी, जीरा, धनियां, लौंग, ईलायची, दालचीनी, जायफल, जावित्री, मजीठ, अजवायन, सौंफ, मगज, तरबूज, किशमिश, अखरोट, बादाम, चिरौंजी, पोस्ता, मखाना, काजू, अंजीर, अफीम, अन्य मादक पदार्थों में घटबढ़ पूर्ण सुधार जारी रहेगा। ता. 10 को बुध वक्री होने से 3 सप्ताह के अंदर दूध पाउडर, घृत, गुड़, खांड, किशमिश, छुहारा में तेजी। जबकि गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी, जीरा, धनियां, ईमली, आमचूर में कुछ मंदी की धारणा। ता. 15 को सूर्य वृष राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति होने से सोना, चांदी, कॉपर, मेटल बर्तन, गुड़, खांड, चीनी, रुई, कपास, कॉटन, बादाम, सुपारी, नारियल, खोपरा, सरसों, सोयाबीन आदि तेल-तेलवाना के साथ-साथ दूध पाउडर, घृत में भी तेजी। अन्न का उत्पादन अधिक होने की अफवाहों से गेहूं, जौ, चना, तुअर, मटर, चावल, ज्वार, बाजरा में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 17 को मंगल जलीय राशि मीन में प्रवेश कर गुरु, शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। जिससे व्यापार जगत में अफवाहों पर आधारित दशा-दिशा-धारणा सुधार के संकेत दे रहे हैं। विशेष रूप से सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, मजीठ, मेंथी, ईमली, हल्दी, धनियां, जीरा, काष्ठ एवं लकड़ी से निर्मित वस्तुओं, पशुचारा, जलावन, आमचूर तेज हो सकते हैं। जबकि सिल्वर, जिंक, निकल, ईस्पात, कालीमिर्च, दालचीनी, जायफल एवं दाल-दालवाना के साथ-साथ खाद्य तेलों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 23 को शुक्र अश्विनी नक्षत्र, मेष राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति करेंगे। जिससे मासान्त तक सोना, चांदी, कॉपर में भड़कती तेजी तथा सर्व अनाजों के साथ-साथ घृत, गुड़, खांड में तेजी बन सकती है। तेल-तेलवाना में मंदी।

जून–यह मास बुधवार, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 2, मृगशिरा नक्षत्र, मिथुन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सूर्य-बुध की युति वृष में, मंगल-गुरु की युति मीन में तथा शुक्र-राहु की युति मेष में होने से सोना, कॉपर, गमग्वार, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च, लौंग, ईलायची, दाल-दालवाना में अस्थिर सुधार। ता. 4 को बुध मार्गी होने से एवं शुक्र भरणी नक्षत्र में प्रवेश करने से रुई, सिल्वर में घटबढ़। एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ आदि अनाजों के साथ-साथ सोना, कॉपर, गमग्वार, हल्दी, मेंथी, लालमिर्च, मजीठ, ईमली में तेजी की धारणा बन सकती है। जबकि सरसों, सोयाबीन आदि तेल-तेलवाना में कुछ मंदी। ता. 6 को शनि वक्री होने से ता. 14 तक रुई, कपास में घटबढ़। धारणा मंदी की ओर रहनी चाहिए। दो मास के अंदर समस्त तेल-तेलवाना, उड़द, कालीमिर्च, हींग, लहसुन, प्याज, हल्दी में मंदी की धारणा भी बन सकती है। अफवाहों पर आधारित अनाजों में सामान्य तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 15 को सूर्य मिथुन राशि में तथा शुक्र कृतिका नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। जिससे पाट, पटसन, बारदाना, हैशियन, ऊनी-रेशमी वस्त्र, कॉटन, रुई, कपास, सरसों, सोयाबीन आदि तेल-तेलवाना, ईस्पात, लौह उपकरण, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, गुड़, खांड, किशमिश, छुहारा, चीनी, मुनक्का, घृत, मूंग, उड़द, चना, तुअर, चावल, ज्वार, बाजरा आदि अनाजों में तेजी। जबकि सोना, चांदी, कॉपर, कन्द-मूल, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी, अन्य किराना जिन्सों में भी तेजी की धारणा। ता. 18 को शुक्र वृष राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेंगे। जिससे ता. 26 तक रुई, कपास, कॉटन में मंदी की लम्बी लाईन बन सकती है। इसके साथ ही पोस्ता, मखाना, काजू, सिंघारा, ईसबगोल, दूध पाउडर, साबुदाना, चावल, चीनी में भी अच्छी मंदी की धारणा। सोना, चांदी, कॉपर तथा किराना जिन्सों में घटबढ़, धारणा अस्थिर सुधार की ओर रहनी चाहिए। साथ ही अनाजों में मंदी की धारणा। ता. 27 को मंगल अश्विनी नक्षत्र, मेष राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति होने से मासांत तक रुई, कपास, कॉटन, घृत, समस्त तेल-तेलवाना, नारियल, सुपारी, अखरोट, बादाम, किशमिश, गुड़, खांड, चीनी में तेजी। जबकि सोना, चांदी, कॉपर में भड़कती तेजी की धारणा बन सकती है। जो एक चांस हो सकता है। अनाजों के साथ-साथ दाल-दलहनों में मंदी की धारणा बन सकती है।

जुलाई–यह मास शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल पक्ष 2, पुष्य नक्षत्र, उत्पात नाम योग, कर्क राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में मंगल-राहु की युति मेष में, बुध-शुक्र की युति वृष में होने से हीरा, जवाहरात आदि रत्न, सोना, कॉपर, सिल्वर, जिंक, लैड, निकल, ईस्पात, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, हल्दी में सामान्य से भारी सुधार। ता. 2 को बुध अपनी राशि मिथुन में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति करेंगे। जिससे दो सप्ताह के अंदर सोना, चांदी, कॉपर में सामान्य से भारी मंदी की धारणा बन सकती है। समस्त तेल-तेलवाना में घटबढ़ तथा चतुष्पदों में तेजी। ता. 12 को शनि धनिष्ठा नक्षत्र, मकर राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे सोना, चांदी, कॉपर, रुई, कपास, कॉटन, गेहूं, चना, तुअर, सरसों, सोयाबीन आदि तेल-तेलवाना एवं सर्व अनाजों के साथ-साथ अधिकांश किराना जिन्सों तथा हाथी-घोड़े, ऊंट, बैल, भैंस, बकरा, अन्य दुधारू पशु भी तेज होते हैं। ता. 13 को शुक्र मिथुन राशि में प्रवेश कर सूर्य-बुध के साथ प्रतियुति होने से अफवाहों पर आधारित रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, अरण्डी, मैंथोल, अन्य खाद, तेल-तेलवाना, तुअर, ग्वार, लालमिर्च, हल्दी, धनियां, जीरा आदि किराना जिन्सों में सामान्य से भारी मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 16 को सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इसी तारीख को बुध भी इसी राशि में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति करेंगे। जिससे ता. 28 तक रुई, कपास, कॉटन, अखरोट, बादाम, काजू, मखाना, चिरौंजी, सुपारी, किशमिश, छुहारा, गुड़, खांड, चीनी, समस्त तेल-तेलवाना, सोना, चांदी, कॉपर में तेजी। जबकि गेहूं, जौ, चना, तुअर, उड़द, चावल तथा किराना जिन्सों में कुछ मंदी। ता. 29 को गुरु वक्री होने से रुई, कपास, कॉटन में भारी तेजी। जो एक चांस हो सकता है। लवण, गुड़, खांड, चीनी, घृत, कुछ तेल-तेलवाना एवं पीतल के बर्तन में तेजी। ता. 31 को बुध सिंह राशि में प्रवेश करने से सोना, चांदी, कॉपर, रुई, कपास, कॉटन, ऊनी-रेशमी वस्त्र, देवदारु, ईमली, आमचूर एवं किराने की कुछ जिन्सों में तेजी की धारणा। जबकि गुड़, खांड में मंदी की धारणा बन सकती है।

अगस्त–यह मास सोमवार, श्रावण शुक्ल पक्ष 4, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र, परिधनाम योग, सिंह राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में मंगल-राहु की युति जारी रहने से सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी, जीरा, धनियां, लौंग, ईलायची, दालचीनी, चना, तुअर, गेहूं, मंडुआ आदि अनाजों में तेजी जारी रहेगी। ता. 6 को शुक्र जलीय राशि कर्क में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति होने से खरीफ उत्पादन की संभावनाओं से चावल, गेहूं, चना, जौ, मटर, तुअर, उड़द, ज्वार, बाजरा, मंडुआ, मक्का आदि अनाजों में मंदी। जबकि रुई में अस्थिर सुधार। सरसों, सोयाबीन, अरण्ड, मैंथोल, अन्य तेल-तेलवाना, घृत, गुड़, खांड, चीनी, चाय, कॉफी

में तेजी। सोना, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, [illegible] में अस्थिर सुधार। जबकि सिल्वर में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 10 को मंगल शत्रु शुक्र की राशि वृष में प्रवेश करेंगे। जिससे एक मास के अंदर लाल वस्त्र, रक्त चंदन, अन्य लालवर्ण की जिन्स धातुओं, सर्व प्रकार के अनाज, रुई, कपास, कॉटन, कपूर, केशर, खाद्य तेल, सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, ग्वारसीड, लालमिर्च, कालीमिर्च, हल्दी, जीरा, धनियां, लौंग, मेंथी में तेजी। ता. 17 को सूर्य सिंह राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति होने से सोना, चांदी, कॉपर आदि धातुओं, रुई, गुड़, खांड, चीनी, समस्त तेल-तेलवाना, गमग्वार, ईमली, लालमिर्च, हल्दी, मेंथी तथा रक्तवर्ण की जिंस धातुओं में तेजी। ता. 20 को बुध कन्या राशि में प्रवेश करने से रुई, सिल्वर, पोस्ता, मखाना में मंदी। गेहूं, जौ, चना, तुअर, गुड़, खांड, हल्दी, जीरा, धनियां में तेजी बन सकती है। अन्य किराना जिन्सों में भी तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 31 को शुक्र सिंह राशि में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति होने से सोना, कॉपर में भड़कती तेजी जबकि गेहूं, जौ, चना, चन्दन, मजीठ, लालमिर्च, घृत, रसकस पदार्थ में तेजी। सिल्वर में घटबढ़, धारणा मंदी की ओर जा सकती है।

सितम्बर–यह मास गुरुवार, भाद्रपद शुक्ल पक्ष 5, स्वाती नक्षत्र, तुला राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-शुक्र की युति होने से ता. 9 तक हीरा, जवाहरात, सोना, कॉपर, हल्दी, लालमिर्च, कालीमिर्च, ईमली, ग्वार में तेजी। सिल्वर, कॉटन, तेल-तेलवाना एवं अनाजों में घटबढ़। ता. 10 को बुध वक्री होने से ता. 16 तक चलते रुखों में परिवर्तन तथा सप्ताह के अंदर घृत, गुड़, खांड, चीनी में तेजी जबकि गेहूं, जौ, चना आदि अनाजों के साथ-साथ गमग्वार, हल्दी, लालमिर्च, सोना, कॉपर में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 17 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति होने से ता. 23 तक खोपरा, नारियल, सुपारी, पोस्ता, मखाना, अखरोट, बादाम, रुई, काजू, समस्त तेल-तेलवाना, मजीठ, लालमिर्च, मेंथी, हल्दी, गमग्वार, ग्वारसीड, ईमली, किशमिश, छुहारा सोना, कॉपर में तेजी जबकि सिल्वर के साथ-साथ जीरा, धनियां, सौंफ, अजवायन, मगज, तरबूज में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 24 को शुक्र कन्या राशि में प्रवेश कर शुक्र-बुध-सूर्य के साथ प्रतियुति से कहीं अनावृष्टि तो कहीं अतिवृष्टि का योग है। व्यापार जगत में सिल्वर में अस्थिर सुधार। गेहूं आदि सर्व अनाज, गुड़, खांड, किशमिश, पशुचारा, ऊनी-रेशमी वस्त्र, चावल में विशेष तेजी। जबकि सोना, कॉपर, गमग्वार एवं किराना की प्रमुख जिन्सों में घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर रहनी चाहिए।

अक्टूबर–यह मास शनिवार, आश्विन शुक्ल पक्ष 6, ज्येष्ठा नक्षत्र, धनु राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति कन्या राशि में जारी रहते हुए ता. 2 को बुध मार्गी [illegible] एवं अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अधिकांश भू-भागों में मौसम का उपद्रव भी संभावित है। जबकि रुई, सिल्वर में घटबढ़। एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, मटर, मसूर, ज्वार, बाजरा, मंडुआ, चावल में तेजी बन सकती है। सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, मेंथी, हल्दी में अस्थिर सुधार। समस्त तेल-तेलवाना, धनियां, जीरा, गुड़, खांड, चन्दम तथा सुगन्धित जिन्सों में मंदी की धारणा। ता. 16 को मंगल मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे गुड़, खांड, चीनी, किशमिश, छुहारा, रुई, अलसी, अफीम, सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी तथा अन्य लालवर्ण की जिन्स धातुओं में भड़कती तेजी। जबकि सिल्वर में घटबढ़। ता. 17 को सूर्य तुला में, ता. 18 को शुक्र-सूर्य की युति होने से रुई, सिल्वर, मखाना, पोस्ता, काजू, अखरोट, बादाम, घृत, दूध पाउडर में मंदी जबकि गेहूं, जौ, चना, सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी, सुपारी में कुछ तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 23 को शनि मार्गी होने से व्यापार जगत में भारी उलट-फेर की संभावना है। दो मास के अंदर समस्त तेल-तेलवाना, हींग, मिर्च, उड़द, हल्दी, लहसुन, प्याज, अदरख में तेजी। ता. 31 को मंगल वक्री होने से सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, ईमली, लालमिर्च, अलसी, गेहूं, चना, लालवर्ण की जिंस-धातुओं में व्यापक तेजी की धारणा बन सकती है। किराना की अन्य जिन्सो में तेजी की धारणा। जबकि सिल्वर, जिंक, लैड, पोस्ता, मखाना, काजू, घृत, दूध पाउडर में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है।

नवम्बर–यह मास मंगलवार, कार्तिक शुक्ल पक्ष 8, श्रवण नक्षत्र, शूलनाम योग, मकर राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शुक्र-केतु की प्रतियुति तुला राशि में होने से सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकल, ईस्पात, सरियां, ऐंगल, लालमिर्च, कालीमिर्च, हल्दी, जीरा, धनियां, लौंग, ईलायची, जायफल, जटामासी, गमग्वार, ग्वारसीड, ईमली, किशमिश, छुहारा, गेहूं, चना, तुअर में सामान्य से भारी सुधार। ता. 11 को शुक्र वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे रुई, सिल्वर, अफीम में घटबढ़। गेहूं, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा आदि अनाजों में तेजी एवं गुड़, खांड, किशमिश, छुहारा, अलसी में अस्थिर सुधार। ता. 13 को मंगल वृष राशि में प्रवेश करने से अचानक व्यापार जगत में कोई अनहोनी घटनाक्रम या सरकार की नीतियों के कारण एक मास के अंदर लालवर्ण की जिन्स धातुओं के साथ-साथ रुई, कपास, कॉटन, कुसुम्भा, रक्त चंदन, केशर, कस्तूरी, समस्त तेल-तेलवाना, सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी में तेजी। विशेषकर सोना , कॉपर के मूल्यों के साथ-साथ गमग्वार एवं लालमिर्च में विशेष धारणा बन सकती है। इसी तारीख को बुध मंगल के साथ युति होने से हीरा, [illegible], सोना, चांदी आदि धातुओं के साथ-साथ गेहूं, जौ, चना, तुअर, सरसों, सोयाबीन, रुई, कपास, घृत, गुड़, खांड में घटबढ़। ता. 16 को सूर्य वृश्चिक राशि में प्रवेश कर बुध-शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। फलत: सोना, चांदी, कॉपर, ऊनी-रेशमी वस्त्रों में तेजी। जबकि रक्त वर्ण जिन्सों में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 24 को गुरु मार्गी होने से मासान्त तक रुई में अस्थिर सुधार। जबकि सिल्वर में मंदी। तेल-तेलवाना, गुड़, चावल में तेजी।

दिसम्बर–यह मास गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 8, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र, हर्षण नामयोग, मीन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति वृश्चिक में होने से सोना, चांदी, कॉपर के साथ-साथ डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, कालीमिर्च, लौंग, ईलायची, हल्दी, जीरा, धनियां, लहसुन, प्याज, अदरख, किशमिश, छुहारा, गुड़, खांड एवं अन्य मेवों में सुधार। ता. 3 को बुध धनु राशि में प्रवेश करने से रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, सिल्वर, पोस्ता, मखाना, काजू, दूध पाउडर, चावल, चीनी में कुछ मंदी। सोना, कॉपर, किराना जिन्सों में सुधार। अत: इसमें तेजी का सौदा लाभकारी हो सकता है। ता. 5 को शुक्र मूल नक्षत्र धनु राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेंगे। जिससे अचानक मौसम का उपद्रव हो सकता है। जबकि गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज्वार-बाजरा आदि अनाज, सोना, चांदी, कॉपर आदि धातुओं के साथ-साथ ऊनी-रेशमी वस्त्र में भी तेजी की धारणा बन सकती है। अन्य जिन्सों में घटबढ़, धारणा सुधार की ओर रहनी चाहिए। ता. 16 को सूर्य मूल नक्षत्र, धनु राशि में प्रवेश करेंगे तथा बुध-शुक्र के साथ प्रतियुति करेंगे। जिससे रुई, कपास, कॉटन, समस्त तेल-तेलवाना, सोना, चांदी, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च, गमग्वार में तेजी। ता. 27 को बुध मकर राशि में प्रवेश करने से सर्व धातुओं में तेजी तथा सर्व अनाजों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 29 को शुक्र बुध के साथ युति होने से मासांत तक भांग, अफीम, गुड़, खांड, चीनी, दूध पाउडर, घृत, किशमिश, छुहारा, गेहूं, चना, तुअर आदि अनाजों के साथ-साथ रुई, सिल्वर में घटबढ़। सोना, कॉपर, हल्दी, लालमिर्च, जायफल, जावित्री, मेंथी, ईमली, ग्वार में सामान्य सुधार की संभावना बन सकती है।

जनवरी 2023–यह मास रविवार, पौष शुक्ल पक्ष 10, अश्विनी नक्षत्र, सिंहनाम योग, मेष राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में बुध-शुक्र-शनि की प्रतियुति मकर में होने से किराना जिन्सों के साथ-साथ सोना, चांदी, कॉपर में सामान्य सुधार। जबकि पाट-पटसन, बारदाना एवं दाल-दलहनों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 13 को मंगल मार्गी होने से चलते रुखों में अचानक परिवर्तन आ सकता है। 3 दिन पीछे रुई, कपास, कॉटन, बिनौला, मखाना, पोस्ता, काजू, दूध पाउडर में सामान्य से भारी

मंदी की धारणा बन सकती है। समस्त तेल-तेलवाना, वन-औषधि, सिल्वर, जिंक, निकल में तेजी। जबकि गमग्वार, लालमिर्च, मजीठ, हल्दी, मेथी, लौंग, इलायची में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 14 को सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे तथा शुक्र-शनि के साथ प्रतियुति करेंगे। फलतः दूध, घृत, समस्त तेल-तेलवाना, गुड़, खांड, चीनी, रुई में तेजी तथा सर्व अनाजों में मंदी की धारणा बन सकती है। धातुओं के साथ-साथ किराना जिन्सों में कुछ अस्थिरता संभावित है। ता. 17 को शनि कुंभ राशि मे प्रवेश करने से समस्त तेल-तेलवाना, रुई, सिल्वर एवं अनाजों में तेजी। व्यापार जगत में कायदा-कानून कठोर हो सकता है। जिससे व्यापारिक वस्तुओं में स्थिरता का अभाव रहेगा। ता. 18 को बुध मार्गी होने से रुई, सिल्वर में घटबढ़ तथा एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर आदि अनाजों में तेजी। साथ ही सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च भी तेज हो सकते हैं। जबकि तेल-तेलवाना में कुछ मंदी बन सकती है। ता. 22 को शुक्र कुंभ राशि में प्रवेश कर शनि के साथ युति होने से रुई, सिल्वर, गुड़, खाड, गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोठ, ज्वार-बाजरा तथा श्वेत जिन्स-धातुओं में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 30 को शनि अस्त होने से रुई, कॉटन, सोना, कॉपर में मंदी की धारणा। जबकि अनाजों के साथ-साथ दलहनों में तेजी की धारणा बन सकती है।

फरवरी–यह मास बुधवार, माघ शुक्ल पक्ष 11, मृगशिरा नक्षत्र, ऐन्द्र नामयोग, मिथुन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मास के प्रारंभ में शुक्र-शनि की युति कुंभ में होने से सोना, चांदी, कॉपर, ईस्पात, सरियां, ऐंगल, हल्दी, जीरा, धनियां, गमग्वर, लालमिर्च, कालीमिर्च में अस्थिरता संभावित है। ता. 7 को बुध मकर राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकल आदि धातुओं के साथ-साथ रुई, कपास, कॉटन, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च में तेजी। सर्व प्रकार के अनाजों के साथ-साथ तेल-तेलवाना में घटबढ़। ता. 13 को सूर्य शत्रु शनि की राशि कुंभ में प्रवेश कर शुक्र-शनि के साथ प्रतियुति करेंगे। फलतः दूध, घृत, तेल-तेलवाना में तेजी। गेहूं, ज्वार-बाजरा, तुअर, मूंग, मोठ, उड़द, गुड़, खांड, चीनी में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 15 को शुक्र मीन राशि में प्रवेश करने से अनाज, तेल-तेलवाना, गुड़, खांड में मंदी जबकि रुई, सिल्वर में घटबढ़। ता. 27 को बुध-सूर्य-शनि की प्रतियुति होने से रुई, सिल्वर में घटबढ़। घृत, तेल-तिलहन, गुड़, खाड में तेजी तथा अनाजों के साथ-साथ किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है।

मार्च–यह मास बुधवार, फाल्गुन शुक्ल पक्ष 10, मृगशिरा नक्षत्र, मिथुन राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में सभी व्यापारिक जिन्स धातुओं में घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर रहनी चाहिए। ता. 5 को शनि पूर्व में उदय होने से समस्त तेल-तेलवाना में मंदी। ईस्पात, जस्ता, शीशा, रांगा, काले पदार्थ, पशुचारा, लहसुन, प्याज, अदरख, चावल, गुड़, खांड में तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 12 को मंगल मिथुन राशि में तथा शुक्र मेष राशि में प्रवेश करने से गुड़, खांड, अफीम, भांग, सोना, कॉपर, लालमिर्च, ईमली, गमग्वार, मजीठ तथा रक्तवर्ण की जिन्स धातुओं में सामान्य से भारी तेजी की धारणा बन सकती है। ग्वार भी तेज हो। सर्व अनाजों में भी तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 14 को सूर्य मीन राशि में प्रवेश तथा ता. 16 को बुध के साथ युति से समस्त तेल-तेलवाना, गुड़, खांड, रुई, सोना, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च में तेजी। सर्व अनाजों में अस्थिर सुधार। गमग्वार, ग्वारसीड में भी सुधार की धारणा बन सकती है। ता. 31 को बुध अश्विनी नक्षत्र, मेष राशि में प्रवेश कर शुक्र-राहु के साथ प्रतियुति करेंगे। जिससे हीरा, जवाहरात, सोना, चांदी, गेहूं, चना, तुअर आदि अनाजों के साथ-साथ तेल-तेलवाना, रुई, कपास, घृत, गुड़, खांड में मंदी की धारणा बन सकती है।

उल्लिखित फलाफल ग्रहीय गणना पर आधारित है। इसमें कभी-कभी जोखिम भी हो सकता है। अतः स्व-विवेक से ही तेजी-मंदी का विचार करें। यदि आप चाहें तो किसी भी जिंस धातुओं की तेजी-मंदी की विस्तृत स्पेशल रिपोर्ट के साथ-साथ बाजार धारणाओं के अचूक चांसों की जानकारी लिखित रिपोर्ट के साथ मोबाईल-9801873719 पर दैनिक ऑपशन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जिसका सेवा शुल्क वार्षिक ही स्वीकार होता है। साधारण सेवा शुल्क (12 माह) 20500/-, मध्यम 25500/-, स्पेशल 30500/-, सर्वोत्कृष्ट 35500/- रुपया निर्धारित है। रियायत दर कमोडिटी ट्रेडिंग व्यापार भविष्य उत्कृष्ट रिपोर्ट तथा संयुक्त रूप से शेयर बाजार रिपोर्ट 55500/-रुपया में प्राप्त की जा सकती है। जन्म-पत्रिका विचार साधारण सेवा शुल्क-5500/-तथा उत्कृष्ट सेवा शुल्क 11000/-रु. निर्धारित है।

लेखक-**प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. टुनटुन शास्त्री**

जिन्स धातुओं, किराना, तेलहन-दलहन, सोना-चांदी तेजी-मंदी 2022 ई.

सोना-चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, ईस्पात की दशा-दिशा-धारणा

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बीते कुछ माह के दौरान सोना 278 डॉलर प्रति औंश यानि 14.18 प्रतिशत टूटा है। भारत में भी सोने के भाव में 7600 रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा की गिरावट परिलक्षित हुई है। चांदी भी घरेलू वायदा बाजार में 6000 रुपये प्रति किलो फिसली है। सोने-चांदी में गिरावट जारी रहने की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोना जल्द ही 1800 डॉलर प्रति औंश के स्तर छू जाय तो आश्चर्य नहीं मानना चाहिए। चांदी भी 26 डॉलर से 26.50 डॉलर प्रति औंश आ सकती है। जिसका कुप्रभाव भारतीय बाजार में देखने को मिल सकता है।

जनवरी 2022–मासारंभ में सूर्य-बुध की युति धनु में, शनि-शुक्र की युति मकर में तथा मंगल-केतु की युति वृश्चिक में होने से अफवाहों पर आधारित सोना, चांदी, कॉपर, जिंक अन्य धातुओं में ता. 13 तक सुधार। ता. 14 को सूर्य मकर में प्रवेश कर बुध-शनि के साथ प्रतियुति से ता. 15 तक अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अचानक मंदी की धारणा। ता. 16 को मंगल मूल नक्षत्र धनु में प्रवेश कर शुक्र के साथ युति होने से तेजी की लम्बी लाईन बन सकती है। ता. 29 को शुक्र मार्गी से मासांत तक तेजी की धारणा। ग्रहीय गणनानुसार मास में तेजी का पलड़ा भारी है।

फरवरी–मासारंभ में सूर्य-बुध-शनि की प्रतियुति तथा मंगल-शुक्र की युति जारी रहने से सोना, चांदी धातुओं में सुधार। ता. 4 को बुध मार्गी होने से ता. 11 तक जहां चांदी, जिंक, निकल में घटबढ़ वहीं सोना में अस्थिर सुधार। ता. 12 को सूर्य [illegible] में अस्थिरता की धारणा बन सकती है। इसमें किसी न किसी कारण से गिरावट का सिलसिला लम्बी लाईन में चल सकता है। ता. 26 को मंगल अपनी उच्च राशि मकर में प्रवेश कर बुध-शनि के साथ प्रतियुति करने तथा ता. 27 को शुक्र के साथ प्रतियुति होने से सोना, चांदी, कॉपर में सुधार।

मार्च–मासारंभ में सूर्य-गुरु कुंभ में, मंगल-बुध-शुक्र-शनि मकर में भ्रमणशील रहने से ता. 5 तक अस्थिर सुधार। ता. 6 को बुध-सूर्य-गुरु की प्रतियुति से ता. 13 तक सिल्वर में घटबढ़। सोना, कॉपर में खामोशी। ता. 14 को सूर्य मीन राशि में प्रवेश करने से ता. 23 तक सोना, कॉपर में सुधार जबकि सिल्वर में कुछ मंदी। ता. 24 को बुध सूर्य के साथ युति होने से ता. 30 तक सोना, चांदी में व्यापक घटबढ़, धारणा मंदी की ओर। ता. 31 को शुक्र कुंभ राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति होने से सिल्वर में मंदी। सोना, कॉपर में घटबढ़।

अप्रैल–मास के प्रारंभ में बुध-सूर्य की युति मीन में मंगल-शनि मकर में तथा गुरु-शुक्र की युति कुंभ राशि में होने से ता. 6 तक सभी धातुओं में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 7 को मंगल कुंभ राशि में प्रवेश कर शुक्र-गुरु के साथ प्रतियुति से सिल्वर में घटबढ़। जबकि सोना, कॉपर में सामान्य तेजी। ता. 8 को बुध मेष राशि में प्रवेश करने से ता. 12 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 14 को सूर्य अपनी उच्च राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति होने से ता. 23 तक सोना, चांदी, कॉपर में सामान्य से भारी तेजी। जो एक अचूक चांस भी हो सकता है। ता. 24 को बुध वृष राशि में प्रवेश करने से ता. 26 तक घटबढ़। ता. 27 को शुक्र मीन राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति से सिल्वर में अस्थिर सुधार। जबकि सोना, कॉपर में घटबढ़। ता. 29 को शनि कुंभ राशि में प्रवेश कर मंगल के साथ युति होने से सिल्वर में सुधार। जबकि सोना, कॉपर में घटबढ़।

मई–मासारंभ में राहु-सूर्य मेष में, मंगल-शनि कुंभ में तथा गुरु-शुक्र की युति मीन राशि में होने से सिल्वर में अस्थिर सुधार। जबकि सोना, कॉपर में घटबढ़। ता. 10 को बुध वक्री होने से ता. 14 तक सिल्वर में अस्थिर सुधार जबकि सोना, कॉपर में मंदी। ता. 15 को सूर्य वृष राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति होने से सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, ईस्पात में सामान्य सुधार। ता. 17 को मंगल मीन राशि में प्रवेश कर गुरु-शुक्र के साथ प्रतियुति होने से ता. 22 तक सोना, कॉपर, जिंक में सामान्य से भारी सुधार। जबकि सिल्वर में घटबढ़। ता. 23 को शुक्र मेष राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति होने से ता. 31 तक सभी धातुओं में अच्छी तेजी की धारणा बन सकती है।

जून–मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध वृष में, गुरु-मंगल मीन में तथा राहु-शुक्र की युति मेष राशि में होने से ता. 3 तक धातुओं में सुधार जारी रह सकता है। ता. 4 को बुध मार्गी होने से सोना, कॉपर में सुधार जबकि सिल्वर में घटबढ़। ता. 6 को शनि वक्री होने से ता. 14 तक सोना, कॉपर में व्यापक मंदी। जबकि सिल्वर में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 15 को सूर्य मिथुन में प्रवेश करने से अस्थिर सुधार। ता. 18 को शुक्र वृष राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति होने से ता. 26 तक अस्थिर सुधार। ता. 27 को मंगल अश्विनी नक्षत्र, मेष राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति होने से मासांत तक तेजी की धारणा भड़कती लाईन में बन सकती है।

जुलाई–मास के प्रारंभ में सुधार जारी। ता. 2 से 11 तक व्यापक घटबढ़ जारी रहेगी। धारणा दोतरफा भी हो सकती है। ता. 12 को शनि मकर राशि में प्रवेश करने से कुछ सुधार संभावित है। ता. 13 को शुक्र-बुध-सूर्य की प्रतियुति होने से घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 16 को बुध-सूर्य की युति कर्क में होने से ता. 28 तक [illegible] ता. 31 तक सोना, कॉपर में सुधार सभावित। जबकि सिल्वर में घटबढ़ जारी रह सकती है।

अगस्त–मासारंभ में ता. 5 तक सुधार जारी। ता. 6 को शुक्र सूर्य के साथ युति होने से ता. 9 तक समभाव। ता. 10 को मंगल वृष राशि में प्रवेश करने से ता. 16 तक सभी धातुओं में सामान्य से भारी सुधार। ता. 17 को सूर्य-बुध की युति से सुधार जारी। ता. 20 को बुध कन्या राशि में प्रवेश करने से ता. 30 तक सिल्वर में मंदी. अन्य धातुओं में समभाव। ता. 31 को शुक्र-सूर्य की युति से सोना, कॉपर में सुधार। कुल मिलाकर माह में तेजी का पलड़ा भारी रह सकती है।

सितम्बर–मासारंभ से ता. 9 तक सोना, कॉपर में सुधार। सिल्वर में घटबढ़। ता. 10 को बुध वक्री होने से ता. 16 तक सिल्वर में घटबढ़। सोना, कॉपर में मंदी। ता. 17 को सूर्य-बुध की युति होने से ता. 23 तक सिल्वर में मंदी। सोना, कॉपर में घटबढ़। ता. 24 को शुक्र-सूर्य-बुध की प्रतियुति होने से ता. 30 तक सिल्वर में अस्थिर सुधार। सोना, कॉपर में स्थिरता। अतः सावधानी अपेक्षित है।

अक्टूबर–मासारभ में बुध मार्गी हाने से ता. 15 तक सोना, कॉपर में सुधार, सिल्वर में घटबढ़। ता. 16 को मंगल मिथुन में प्रवेश से सोना, कॉपर में सामान्य से भारी सुधार जबकि सिल्वर में घटबढ़ जारी। ता. 17 को सूर्य तुला में, ता. 18 को शुक्र-सूर्य के साथ युति होने से सिल्वर में मंदी। ता. 22 तक सोना, कॉपर में सुधार। ता. 23 को शनि मार्गी होने से ता. 25 तक सुधार। ता. 26 को बुध-शुक्र-सूर्य की प्रतियुति होने से ता. 30 तक सोना, कॉपर में सुधार। जबकि सिल्वर में मंदी। ता. 31 को मंगल वक्री होने से सामान्य से भारी सुधार की धारणा बन सकती है। जो लक्ष्मी चांस भी हो सकता है।

नवंबर–मास के प्रारंभ में सूर्य-बुध-शुक्र-केतु की प्रतियुति जारी रहने से बाजार में व्यापक सुधार की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 11 को शुक्र वृश्चिक राशि में प्रवेश करने से सिल्वर में घटबढ़। सोना, कॉपर में अस्थिरता। ता. 13 को मंगल वृष राशि में प्रवेश एवं बुध-शुक्र की युति से सामान्य सुधार। ता. 16 को सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति से ता. 23 तक सामान्य से भारी सुधार संभावित है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में तेजी की धारणा। ता. 24 को गुरु मार्गी होने से रुखों में परिवर्तन। यह परिवर्तन मंदी की ओर जा सकता है।

दिसम्बर–मास के प्रारंभ में ता. 2 तक मंदी जारी रहेगी। ता. 5 को शुक्र धनु राशि में प्रवेश करने से ता. 15 तक सुधार। ता. 16 को शुक्र-सूर्य-बुध की प्रतियुति से ता. 26 तक सुधार। ता. 27 से 30 तक सुधार जारी रह सकता है।

सरसों, सोयाबीन, अलसी, मूंगफली, तिल, अरण्डी, मैंथोल, सूर्यमुखी की तेजी-मंदी

गत् दिनों विदेशी बाजारों में तेजी का रुख और मण्डियों में कम आवक की वजह से सरसों के मूल्य बढ़ने के कारण स्थानीय तेल-तिलहन बाजारों में लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत हो गये। भारत में खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए इनके आयात शुल्क को कम करने के बाद विदेशों से इन तेलों के भाव उसी अनुपात में बढ़ा दिये गये। जिससे यहां मजबूती का रुख कायम हो गया और स्थानीय कारोबार में इसका सीधा असर दिखाई दिया। आगे उत्पादन बढ़ाकर तेलों के मूल्यों में नियंत्रण का प्रयास जारी है जिससे भविष्य में तेजी की संभावना एवं मंदी की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है। सन् 2021-22 के उत्पादन-खपत, मांग, आयात-निर्यात आदि बातों को देखें तो आने वाले समय में खाद्य तेलों के मूल्यों में गिरावट का पलड़ा अधिक प्रतीत हो रहा है।

जनवरी 2022–मासारंभ में समस्त तेल-तेलवाना में अस्थिर सुधार की धारणा अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 14 को व्यापक घटबढ़, जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। ता. 16 को अस्थिर सुधार की धारणा लम्बी लाईन में चल सकती है। ता. 29 को शुक्र मार्गी होने से ता. 31 तक व्यापक घटबढ़।

फरवरी–ता. 1 से 3 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 4 से 11 तक अचानक तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 12 से 25 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार। परन्तु यह धारणा सामान्य स्तर में होना चाहिए। ता. 26 को मंगल, ता. 27 को शुक्र मकर राशि में युति होने से मासांत तक सामान्य तेजी की धारणा बन सकती है।

मार्च–ता. 1 से 5 तक सामान्य सुधार जारी रहेगा। ता. 6 से 13 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार। ता. 14 से 23 तक सामान्य तेजी की धारणा। ता. 24 से 30 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 31 को घटबढ़ जारी रह सकती है। मेरे समझ से ता. 24 के बाद मंदी की शुरूआत हो सकती है।

अप्रैल–ता. 1 से 6 तक बाजार में मंदी की धारणा जारी रह सकती है। ता. 7 को अस्थिरता। ता. 8 से 12 तक मंदी की गंभीर लाईन बन सकती है। ता. 14 से 23 तक सामान्य सुधार। ता. 24 से 30 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार जारी रह सकती है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी।

मई–ता. 1 से 9 तक सामान्य से भारी सुधार की धारणा बन सकती है। ता. 10 से 14 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 15 को कुछ सुधार। ता. 17 से 22 तक घटबढ़ जारी। ता. 23 से 31 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है।

जून–ता. 1 से 3 तक मंदी। ता. 4 को कुछ सुधार। ता. 6 से 14 तक सामान्य से भारी सुधार की धारणा। ता. 15 से 17 तक कुछ सुधार। ता. 18 से 26 तक समभाव की स्थिति बनी रह सकती है। ता. 27 से 30 तक सामान्य से भारी तेजी की धारणा बन सकती है।

जुलाई–मासारंभ में सुधार जारी रहेगा। ता. 2 से 11 तक घटबढ़ जारी। ता. 12 को कुछ सुधार संभावित है। ता. 13 से 15 तक व्यापक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 16 से 28 तक अस्थिर सुधार। ता. 29 को गुरु वक्री होने से अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 31 को अस्थिरता पूर्ण धारणा बनी रह सकती है।

अगस्त–ता. 1 से 5 तक अस्थिरता बनी रहेगी। ता. 6 से 9 तक कुछ तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 10 से 16 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 17 को तेजी। ता. 20 से 30 तक समभाव। ता. 31 को घटबढ़।

सितम्बर–ता. 1 से 9 तक अस्थिता। ता. 10 को व्यापक मंदी की धारणा बन सकती है। यदि ऐसा होता है तो यह धारणा ता. 16 तक चल सकती है। ता. 17 से 23 तक कुछ तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 24 से 30 तक घटबढ़ जारी, धारणा पकड़ में नहीं आयेगी।

अक्टूबर–ता. 1 से 15 तक सुधार जारी रहेगी। ता. 16 से 22 तक सामान्य सुधार। ता. 23 को शनि वक्री होने से अचानक रुखों में परिवर्तन हो सकता है। ता. 26 से 30 तक सामान्य से भारी मंदी। ता. 31 को मंगल वक्री होने से सामान्य से भारी तेजी की धारणा बन सकती है।

नवंबर–ता. 1 सये 10 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 11 से 12 तक घटबढ़। ता. 13 से 15 तक सुधार की धारणा बन सकती है। ता. 16 से 23 तक समभाव की स्थिति। ता. 24 से 30 तक तेजी की धारणा बन सकती है।

दिसंबर–मासारंभ में ता. 1 से 3 तक सुधार। ता. 5 से 15 तक समभाव की स्थिति बन सकती है। ता. 16 से 26 तक तेजी की धारणा। ता. 27 से 29 तक घटबढ़। ता. 30 को समभाव की स्थिति बन सकती है।

रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, हैशियन की तेजी-मंदी

जनवरी 2022–ता. 1 से 13 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 14 से 15 तक अस्थिर सुधार। ता. 16 से 28 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार संभावित है। ता. 29 से 31 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है।

फरवरी–मासारंभ में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 4 से 11 तक उपरोक्त जिन्स में घटबढ़ पूर्ण सुधार। ता. 12 से 25 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 26 से मासांत तक सुधार का पलड़ा भारी रह सकता है।

मार्च–ता. 1 से 5 तक सुधार। ता. 6 से 13 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 14 से 23 तक सामान्य से भारी तेजी। ता. 24 से 30 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 31 को सामान्य से भारी मंदी की धारणा बन सकती है।

अप्रैल–ता. 1 से 6 तक मंदी। ता. 7 से 11 तक व्यापक घटबढ़ की धारणा चल सकती है। ता. 13 को सुधार। ता. 14 से 23 तक सामान्य से भारी सुधार की संभावना। ता. 24 से 30 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार जारी रह सकता है।

मई–ता. 1 से 9 तक सुधार। ता. 10 से ता. 14 तक चलते रुखों में परिवर्तन हो सकता है। ता. 15 को सुधार। ता. 17 से 22 तक तेजी की धारणा। ता. 23 से 31 तक घटबढ़ जारी रह सकती है।

जून–ता. 1 से 5 तक सुधार। ता. 6 से 14 तक रुखों मे परिवर्तन होकर घटबढ़ पूर्ण धारणा चल सकती है। ता. 15 से 26 तक तेजी। हालांकि ता. 18 से 26 तक धारणा अस्थिर भी हो सकती है। ता. 27 से 30 तक तेजी।

जुलाई–मासारंभ में सुधार जारी रहेगा। परन्तु ता. 2 से 11 तक मंदी की धारणा भी बन सकती है। ता. 12 से 15 तक कुछ तेजी। ता. 16 से 28 तक सुधार। ता. 29 को गुरु वक्री होने से मासांत तक मंदी की धारणा बन सकती है।

अगस्त–ता. 1 से 5 तक घटबढ़। ता. 6 से 9 तक घटबढ़ चलकर धारणा सुधार की ओर जा सकती है। ता. 10 से 16 तक सामान्य से भारी सुधार। ता. 17 से 19 तक सुधार। ता. 20 से 30 तक मंदी। ता. 31 को घटबढ़ जारी रह सकती है।

सितंबर–ता. 1 से 9 तक घटबढ़। ता. 10 से 16 तक मंदी। ता. 17 से 23 तक तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 24 से 30 तक घटबढ़ जारी रह सकती है।

अक्टूबर–ता. 1 से 15 तक सुधार जारी रहेगी। ता. 16 से 22 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार जारी रहेगी। ता. 23 से 25 तक शनि मार्गी चाल चलने से घटबढ़ पूर्ण सुधार। ता. 26 से 31 तक सामान्य से भारी सुधार हो सकता है।

नवंबर–ता. 1 से 10 तक सुधार जारी रहेगी। ता. 11 से 12 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार। ता. 13 से 23 तक सुधार संभावित है। ता. 24 से 30 तक गुरु मार्गी होने से मंदी की धारणा।

दिसंबर–मासारंभ में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 5 से 15 तक घटबढ़। ता. 16 से 28 तक सुधार संभावित है। ता. 29 से 31 तक घटबढ़ की धारणा बन सकती है।

हल्दी, जीरा, धनियां, कालीमिर्च, लालमिर्च लौंग, ईलायची में तेजी-मंदी

जनवरी 2022–मासारंभ में अधिकांश किराना जिन्सों में सुधार की धारणा बन सकती है। ता. 14 को मंदी। ता. 16 से 28 तक लालमिर्च, मेथी, लौंग, हल्दी, जावित्री, दालचीनी में स्थिरता। जबकि अन्य जिन्सों में घटबढ़। ता. 29 को सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है।

फरवरी–ता. 1 से 3 तक धनियां, जीरा, अजवायन, सौंफ में घटबढ़। जबकि हल्दी, लालमिर्च, कालीमिर्च, दालचीनी, जायफल, बड़ी ईलायची में सुधार। ता. 4 से 11 तक हल्दी, लालमिर्च, कालीमिर्च, जायफल, दालचीनी में सुधार। अन्य जिन्सों में घटबढ़। ता. 12 को सभी जिन्सों में अस्थिर सुधार। ता. 26 से 27 तक अधिकांश जिन्सों में सामान्य से भारी तेजी।

मार्च–मासारंभ में सुधार जारी। ता. 6 से 13 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 14 से 23 तक अधिकांश जिन्सों में सुधार की धारणा बन सकती है। ता. 24 से 30 तक घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 31 को घटबढ़ पूर्ण सुधार।

अप्रैल–मासारंभ में ता. 6 तक अधिकांश जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 7 से 12 तक कालीमिर्च, लालमिर्च, हल्दी में सुधार। अन्य जिन्सों में अस्थिरता। ता. 13 से 23 तक अधिकांश जिन्सों में सामान्य से भारी सुधार। ता. 24 से 26 तक घटबढ़। ता. 27 से 30 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है।

मई–ता. 1 से 14 तक हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च में मंदी। ता. 15 को सामान्य सुधार। ता. 17 से 22 तक सामान्य से भारी सुधार। ता. 23 से 31 तक घटबढ़ जारी रह सकती है। इस माह में मंदी का पलड़ा भारी रह सकता है।

जून–ता. 1 से 3 तक मंदी जारी रहेगी। ता. 4 से 14 तक अधिकांश किराना जिन्सों में तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 15 से 17 तक सुधार। ता. 18 से 26 तक अस्थिर सुधार। ता. 27 से 30 सामान्य से भारी सुधार की धारणा बन सकती है।

जुलाई–ता. 1 से 11 तक मंदी। ता. 12 को अस्थिर सुधार। ता. 13 को मंदी। ता. 16 से 28 तक सामान्य सुधार। ता. 29 से 30 तक सुधार। ता. 31 को सुधार संभावित है।

अगस्त–ता. 1 से 5 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 6 से 9 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 10 से 16 तक सामान्य से भारी सुधार। ता. 17 से 19 तक सुधार जारी रहेगी। ता. 20 से 30 तक अधिकांश जिन्सों में तेजी। विशेषकर हल्दी, लालमिर्च, कालीमिर्च, जायफल, जावित्री में अधिक सुधार। ता. 31 को सभी जिन्सों में सुधार होगा।

सितंबर–ता. 1 से 9 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 10 से 16 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 17 से 23 तक सुधार संभावित है। ता. 24 से 30 तक सुधार।

अक्टूबर–ता. 1 से 15 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 16 से 22 तक निर्यात मांग पर आधारित सामान्य से भारी सुधार। ता. 23 से 25 तक रुखों में परिवर्तन हो सकता है। ता. 26 से 31 तक भारी सुधार संभावित प्रतीत हो रहा है।

नवंबर–ता. 1 से 10 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 11 से 12 तक घटबढ़। ता. 13 से 23 तक सुधार संभावित है। ता. 24 से 30 तक अधिकांश जिन्सों में घटबढ़ संभावित है।

दिसंबर–ता. 1 से 15 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 16 से 30 तक सुधार की लम्बी लाईन बन सकती है।

गुड़, चीनी, खाण्ड, किशमिश, छुहारा, शहद् की तेजी-मंदी

जनवरी 2022–ता. 1 से 13 तक घटबढ़। ता. 14 को सुधार की धारणा बन सकती है। ता. 16 से 29 तक घटबढ़, धारणा अस्थिरता की ओर रहनी चाहिए। ता. 29 से 31 तक सामान्य सुधार हो सकता है।

फरवरी–ता. 1 से 3 तक सुधार जारी रहेगी। ता. 4 से 11 तक सुधार संभावित है। ता. 12 से 25 तक कुछ मंदी। ता. 26 से मासांत तक सामान्य से भारी सुधार की संभावना।

मार्च–ता. 1 से 5 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 6 से 13 तक सुधार जारी रह सकता है। ता. 14 से 23 तक सुधार। ता. 24 से 30 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 31 को व्यापक मंदी की धारणा बन सकती है।

अप्रैल–ता. 1 से 6 तक गिरावट जारी रहेगी। ता. 7 से 12 तक अचानक तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 13 से 26 तक सामान्य सुधार। ता. 27 से 30 तक कुछ मंदी की धारणा।

मई–ता. 1 से 9 तक गिरावट जारी रह सकती है। ता. 10 से 16 तक रुखों में परिवर्तन होकर धारणा तेजी की ओर। ता. 17 से 22 तक घटबढ़। ता. 23 से 31 तक अस्थिर सुधार।

जून–ता. 1 से 3 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 4 से 5 तक सुधार। ता. 6 से 14 तक चलते रुखों में परिवर्तन। ता. 15 से 26 तक अस्थिर सुधार। ता. 27 से 30 तक व्यापक तेजी।

जुलाई–मासारंभ में सुधार जारी रहेगी। ता. 2 से 11 तक समभाव की स्थिति बन सकती है। ता. 12 से 13 तक घटबढ़। ता. 16 से 28 तक सुधार। ता. 29 से 31 तक सुधार संभावित।

अगस्त–ता. 1 से 5 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 6 से 9 तक सुधार। ता. 10 से 16 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार। ता. 17 से 19 तक सुधार। ता. 20 से 30 तक अच्छी तेजी बन सकती है। ता. 31 अस्थिर सुधार।

सितंबर–ता. 1 से 9 तक घटबढ़। ता. 10 से 23 तक अस्थिर सुधार। ता. 24 से 30 तक सुधार संभावित है।

अक्टूबर–ता. 1 से 15 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 16 से 18 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 19 से 22 तक सुधार। ता. 23 को शनि मार्गी से चलते रुखों में परिवर्तन हो सकता है। ता. 26 से 30 तक अच्छी तेजी। ता. 31 को तेजी की धारणा।

नवंबर–ता. 1 से 10 तक सुधार जारी रहेगी। ता. 11 से 15 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 16 से 23 तक घटबढ़ जारी। रह सकती है। ता. 24 से 30 तक सुधार जारी रह सकता है।

दिसंबर–ता. 1 से 2 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 3 से 15 तक कुछ धारणा अस्थिर हो सकती है। ता. 16 से 26 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 27 से 31 तक घटबढ़ पूर्ण सुधार। मेरे समझ से इसका स्टॉक सामान्य लाभकारी हो सकता है।

गेहूं, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, चावल, ज्वार-बाजरा, मसूर तेजी-मंदी

जनवरी 2022–ता. 1 से 13 तक अधिकांश जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 14 को घटबढ़, धारणा मंदी की ओर जा सकती है। ता. 16 से 28 तक सामान्य तेजी की धारणा बन सकती है। ता. 29 से 31 तक घटबढ़ जारी रह सकती है।

फरवरी–ता. 1 से 3 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 4 से 11 तक सुधार। ता. 12 से 25 तक अचानक मंदी। ता. 26 से मासांत तक व्यापक घटबढ़, धारणा अस्थिर।

मार्च–मासारंभ में सुधार जारी रहेगी। ता. 6 से 13 तक खामोशी बनी रह सकती है। ता. 14 से 23 तक सुधार। ता. 24 से 30 तक घटबढ़ जारी। ता. 31 को अचानक मंदी।

अप्रैल–ता. 1 से 6 तक अधिकांश अनाजों में मंदी की धारणा। ता. 7 को सुधार। ता. 8 से 12 तक मंदी। ता. 13 को घटबढ़। ता. 14 से 23 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 24 से 26 तक सुधार। ता. 27 से 30 तक कुछ मंदी की धारणा।

मई–ता. 1 से 9 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 10 से 14 तक मंदी। ता. 15 से 16 तक घटबढ़, धारणा मंदी की ओर जा सकती है। ता. 17 से 22 तक घटबढ़ जारी। ता. 23 से 31 तक अधिकांश अनाजों में तेजी की धारणा बन सकती है।

जून–मासारंभ में सुधार जारी रहेगा। ता. 6 को शनि वक्री से रुखों में परिवर्तन, धारणा तेजी की ओर रहनी चाहिए। ता. 15 को सुधार। ता. 18 से 26 तक घटबढ़, धारणा अस्थिर हो सकती है। ता. 27 से 30 तक सामान्य से भारी सुधार संभावित है।

जुलाई–ता. 1 से 11 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 12 से 28 तक घटबढ़, धारणा कुछ अस्थिरता की ओर रहनी चाहिए। ता. 29 से 31 तक मंदी की धारणा बन सकती है।

अगस्त–मासारंभ में घटबढ़। ता. 6 से 9 तक मंदी। ता. 10 से 16 तक तेजी की धारणा। ता. 17 को घटबढ़। ता. 20 से 30 तक अच्छी तेजी। ता. 31 को सुधार संभावित है।

सितंबर–ता. 1 से 9 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 10 से 16 तक सामान्य से भारी मंदी की धारणा। ता. 17 से 23 तक घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 24 से 30 तक तेजी की धारणा।

अक्टूबर–ता. 1 से 15 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 16 को कुछ सुधार। जबकि ता. 17 से 22 तक सुधार जारी रह सकता है। ता. 23 से 30 तक सामान्य सुधार। ता. 31 को सामान्य से भारी सुधार की संभावना प्रतीत हो रही है।

नवंबर–ता. 1 से 10 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 11 से 15 तक सुधार जारी रह सकता है। ता. 16 से 23 तक घटबढ़। ता. 24 से 30 तक सुधार जारी रहेगा।

दिसंबर–मासारंभ में सुधार जारी रहेगा। ता. 3 से 15 तक व्यापक सुधार। ता. 16 से 26 तक घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 27 से 31 तक अस्थिर सुधार जारी रह सकता है।

यह विवेचना ग्रहीय चाल पर आधारित है। अतः इसमें कभी-कभी उत्पादन-खपत, मांग-आपूर्ति, बकाया स्टॉक, प्राकृतिक वातावरण, सरकार की नीतियों के कारण उपरोक्त धारणाओं में परिवर्तन भी हो सकते हैं। अतः तेजी-मंदी का विचार स्व-विवेक से ही करना चाहिए। इसमें कभी-कभी जोखिम भी हो सकता है।

लेखक-प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. टुनटुन शास्त्री
ग्राम-करौन्दी, पोस्ट-सरांव (नटवार), जिला-रोहतास -802218
मो.-9801873719 (Whatsapp), 9431486216
E-mail : tuntunshatri@gmail.com

व्यापारिक भविष्यफल प्रकाश सन् 2022 ई.

लेखक: राम अवतार गुप्ता

जनवरी—2022

मास में तेजी की प्रमुख तारीखें-5, 10, 13, 19, 24, 28 जनवरी। **मन्दी की प्रमुख तारीखें**-3, 7, 18, 20, 21, 26 जनवरी हैं।

यह नवीन वर्ष 2022 ई. का शुभारंभ पौष बदी 14, शनिवार से हुआ है। रविवारी मावस से—**पौषी मावस के दिना भौम सूर शनिवार। भय उपजै महंगे बिकै ज्वार बाजरा गुवार॥** उपरोक्त सावणी फसल का माल तेज होगा। तिलहन, सरसों, खल, बिनौला, अनाज खरीदकर फागुन तक बेचने से अच्छा लाभ तथा माघ्र फागुन में गुड़, चीनी का स्टॉक करके आगे श्रावण-भादवा में बेचने से लाभ होगा। शते गुरु पीली वस्तुओं हल्दी, सुपारी आदि तथा अनाजों में अच्छा मंदा तो प्रजा में सुख-शांति रहे। गुरुवारी चौथ रुई में तेजी के झटके लायेगी। ता. 5 जनवरी शुक्रास्त होगा तथा ता. 11 जनवरी शुक्रोदय पूर्व में होगा। एक सप्ताह के अंदर उदयास्त होने से—**अस्त उदय सप्ताह में अगर शुक्र हो जाऐ। भ्रांत अशांत प्रजा रहे दुख नितांत अधिकाऐ॥** घी, तेल, सोना, चांदी, रुई, कपास, पाट, बारदाना, कालीमिर्च आदि में तेजी का संचार करेगा तथा एक मास में गेहूं, चावल में अच्छी तेजी। ता. 13 सुदी 11 कृतिका युक्त होने से—**पौष सुदी एकादशी जो कृतिका नक्षत्र। लाल वस्तुओं में रहे, खूब लाभ सर्वत्र॥** लाल वर्ण की वस्तुओं का स्टॉक अच्छा लाभ देगा। सोना होली तक प्रायः तेज रहेगा। ता. 14 जनवरी संक्रांति मकर लाल वर्ण की वस्तुओं अनाजों, किराने की वस्तुओं में मंदी लायेगी। यहां सूर्य+बुध+शनि का राशि योग—**शनि, बुध, सूरज साथ जब एक राशि इक सेज। जौ, गेहूं, चावल, चना, मटर, ज्वार, बाजरा तेज॥** उपरोक्त वस्तुओं में, किराना मिर्च मसालों में तीन सप्ताह के अंदर भारी तेजी संभव। सुदी 13 शनिवारी को वर्षा हो तो—**पौष सुदी तेरस दिना भौम शुक्र शनिवार। वर्षे तो भरलो सभी गेहूं के भण्डार॥** ता. 17 जनवरी सोमवारी पूनम घी का स्टॉक करके फागुन में बेचने की राय देती है। चांदी शेयर्स, गुड़, तेलों, रुई में अच्छी मंदी के झटके तो चना में अच्छी तेजी के झटके लायेगी।

माघ बदी पक्ष—मास में 5 मंगलवार तथा 5 बुधवार होने से मूल पदार्थ आलू आदि दालें, घी, तेलों, तिलहन में अच्छी तेजी तो अनाज, पीले वर्ण की वस्तुओं में भारी मंदी। सोना, चांदी, रुई में भारी घटाबढ़ी चलेगी। ता. 20 जनवरी श्रवणे 4 शनि—अनाज, तिलहन, गुड़, अरहर, दालें आदि में अच्छी तेजी कारक। 24 जनवरी से सूर्य भी श्रवण में आकर शनि के साथ नक्षत्र योग से उपरोक्त वस्तुओं, अनाजों आदि में अच्छी तेजी ला सकेगा। **श्रवण नक्षत्र पर हो कोई ग्रह क्रूर। अन्न भाव महंगा रहे, गेहूं तेज जरूर॥** ता. 30 जनवरी शुक्र मार्गी से तीन से पांच दिन तक धातुओं सोना, चांदी, रुई, सरसों, तिलहन, कालीमिर्च, धान, चावल आदि में प्रथम मंदी लाकर तेज करेगा।

फरवरी—2022

तेजी की प्रमुख ता.-1, 4, 8, 15, 22, 28 फरवरी। **मन्दी की प्रमुख ता.**-2, 3, 10, 17, 18 फरवरी।

ता. 1 मंगलवारी अमावस्या शनि अंगारक योग युक्त होने से सर्व प्रमुख वस्तुओं में एक सप्ताह के अंदर काफी उतार-चढ़ाव होंगे। **माघी मावस पूर्णिमा जो मंगल शनिवार। शोक लोक में परस्पर राजाओं में तकरार॥**

माघ सुदी पक्ष—प्रतिपदा बुधवारी से सर्व मूल पदार्थ, रुई, गुड़, तिलहन, खाण्ड, सोना आदि में घटबढ़ से अच्छी तेजी तो चांदी, पीले वर्ण की वस्तुएं तथा सुपारी, गुवार तथा अन्य प्रमुख वस्तुओं में अच्छी मंदी की आशा है। **मास माघ की प्रतिपदा वार होय बुधवार। तीन मास तेजी रहे, भावी वर्ष बिगार॥** ता. 5 बसंत पंचमी शनिवारी अकाल सूचक तथा प्रमुख वस्तुओं में तेजी की सूचना देती है। सुदी 7 सोमवारी दुर्भिक्षकारी है—**माघ सुदी सातै पड़ै, शनि रवि चन्दावार। विग्रह भय दुर्भिक्ष से दुख पावै संसार॥** यहां से गुरु दो मास तक अतिचारी गति से चलेगा। इस दौरान बाजारों में काफी उठापटक रहेगी। अतः वस्तुओं की खरीद बेचान करते रहें, लाभ होगा। ता. 9 अष्टमी की वृद्धि अच्छी वर्षा कारक है। आगे फागुन मास में गेहूं आदि की फसलों में कीड़ा आदि लगने से नुकशान की आशंका। ता. 10 सुदी 9 रोहिणी युक्त होने से रुई, कपास, रेशम, कालीमिर्च आदि में भारी मंदी के झटके ला सकती है। ता. 12 शनिवारी कुंभ संक्रांति 15 मुहूर्ति अनाज, मिर्च, दालें, तिलहन, सावणी फसल का माल, प्रमुख किराना तेज करेगी। **शनिवारी संक्रांति से तिलहन तेज अनाज। होय युद्ध भय रोग से जग में अमित अकाज॥** ता. 16 बुधवारी पूनम अश्लेषा युक्त होने से अनाज, दालों में अच्छी तेजी के झटके तो सोना, केसर, हल्दी, पीले वर्ण की वस्तुओं में अच्छी मंदी के झटके संभव। माघ मास के शकुन—**माघ सुदी एकमै, बादल बिजली होय। तेल और सरसों सबै, दिन-दिन महंगो होय॥ माघ सुदी जो सप्तमी बादल मेघ करन्त। तो आषाढ़ में भड्डरी, घनो मेघ बरसन्त॥**

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष—ता. 17 फरवरी एकम् गुरुवारी से तीन दिन के अंदर सर्व प्रमुख वस्तुओं में अच्छी मंदी के झटके तथा एक सप्ताह के अंदर कहीं प्राकृतिक कारणों से फसलों को नुकशान संभव। ता. 19 शते सूर्य से सोना, धातुएं, रुई, सूत, हल्दी, तिलहन, घी, चांदी, गुड़ तेज करेगा। ता. 22 छट मंगलवारी स्वाती युक्त तेजी सूचक तथा 2-3 मासों में सर्व प्रमुख बाजारों में अच्छी तेजी का वातावरण बना सकती है। **यदि स्वाती नक्षत्र तो तीन मास दुर्भिक्ष।** परन्तु यहां गुरु अस्त फागुन में अच्छी मंदी कारक भी है। यथा—**फाल्गुन में गुरु अस्त हो अथवा वक्री चाल। मंदी कारक योग है, मंदा हो सब माल॥** ता. 26 मकरे भौम प्रवेश शनि+शुक्र के साथ युति से प्रमुख वस्तुओं में तेजी होगी। डेढ़ मास के अंदर कहीं कोई बड़ा अग्निकांड दुर्भिक्ष आदि का भय रहेगा। यथाफल—**शुक्र भौम शनि जिस समय रहे इक ठौर। अग्निकांड दुर्भिक्ष भय महंगाई का जोर॥**

मार्च—2022

तेजी की प्रमुख ता.—1, 2, 7, 8, 14, 15, 23, 25, 28 मार्च। **मन्दी की प्रमुख ता.**—3, 4, 10, 17, 21, 24, 31 हैं।

ता. 1 मार्च महाशिवरात्रि व्रत। यदि आज पश्चिमी वायु चले तो आगे तेजी चलेगी। ता. 2 बुधवारी मावस किराना तेज करेगी। यहां सूर्य+गुरु+चन्द्र योग यथाफल—**चन्द सूर गुरु तीन का एक राशि पर वास। कपड़ा, जौ, अरण्ड, मूंग में लाभ सातवें मास॥** पूर्वा भाद्रपद गुरु सोना, चांदी, रुई, अनाज, दालें आदि तेज करेगा।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष—चन्द्रदर्शन+पूर्णिमा शुक्रवारी होने से अनाज, रुई, कपास, धातुएं, मिर्च, मसाले, किराना सामान आदि पक्ष में घटबढ़ से मंदा। होली को पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रमुख वस्तुओं में आगे एक बार भारी मंदी का वातावरण बना सकता है। ता. 6 कुंभे बुध एक मास के अंदर घी, तेल, गुड़ में तेजी तो चांदी, अनाजों में मंदी के झटके तो मिर्च, मसाले, किराना में अच्छी मंदी का वातावरण बना देगा। ता. 7 मार्च मकर में मंगल+शुक्र+शनि योग यथाफल—**किसी राशि पर शुक्र शनि भौम सहित ग्रह तीन। राष्ट्र भंग दुर्भिक्ष भय, प्रजा प्रपीड़ित दीन॥** महादुर्भिक्षकारी योग है। एक-डेढ़ मास में अनाज, गुवार, मटर, सोना, चांदी, रुई, बारदाना, कालीमिर्च, सर्व प्रमुख शेयरों में घटबढ़ से अच्छी तेजी का वातावरण बन सकेगा। ता. 10 सुदी 8 रोहिणी युक्त से—**कुंभ मीन के अन्तरे, अष्टमी रोहिणी होय। भारी से भारी तेजी अन्न में होय॥** यहां प्रथम 10-20 दिन मंदा चलकर फिर धीरे-धीरे बाजार तेज होकर अच्छी तेजी आती है। एक सप्ताह के अंदर सोना, चांदी में अच्छी मंदी के

झटके तो रुई, खल, बिनौला मंदा तो दालों, गुवार, घी, चीनी, चना, तांबा, पीतल, मूल पदार्थों आलू, प्याज, तम्बाकू आदि नशीले पदार्थ में घटवढ़ से तेजी होकर अच्छी तेजी का वातावरण बनने की आशा रहेगी। ता. 14 मार्च मीने संक्रांति अनाज मंदा करेगी। इस संक्रांति काल में जो व्यापारी मंदा हुआ माल खरीदकर अगली संक्रांति में बेचेगा, वह लाभ में रहेगा।

चैत्र बदी पक्ष–ता. 22 मार्च बदी 5 मंगलवारी होने से-**चैत्र बदी पांचै दिना मंगल या बुधवार। गेहूं अरु घी में तेजी चलै बाजार॥** के अनुसार पक्ष में अनाज, घी, तेलों, चना आदि दालों में तेजी का वातावरण बन सकता है। ता. 24 मार्च गुरु उदय पूर्व में होना वर्षा कारक है। अधिक वर्षा होने पर घोर तेजी। परन्तु उचित वर्षा होने से बाजार मंदा करेगा। परन्तु यहां चावल, सोना, चांदी, सरसों, गुड़ तेज करेगा तो रुई, कालीमिर्च, किराना में अच्छा मंदा दो सप्ताह के अंदर ला सकता है। ता. 29 मार्च धनिष्ठा पर शनि+मंगल योग से बाजार तेज चले। एक मास के अंदर महादुर्भिक्षकारी योग है। फसलों को नुकसान हो। यथाफल-**होय धनिष्ठा नक्षत्र पर शनि मंगल का वास। बादल जल वर्षे नहीं, हो खेती का नाश॥** ता. 31 मार्च कुंभ राशि में शुक्र का प्रवेश होकर गुरु के साथ युति से-**चैत्र मास में रहे गुरु शुक्र इक भोन। घी, तिल, तेल, कपास में मंदी की ही टोन॥ एक राशि में चैत्र में गुरु भृगु करे निवास। सूत, तिल, तेल संग्रहो लाभ दूसरे मास॥** तिलहन, रुई, सूत, तेलों आदि का स्टॉक अगले 2 मास में अच्छा लाभ देगा।

अप्रैल–2022

तेजी की प्रमुख ता.-5, 11, 12, 18, 19, 26 तथा **मन्दी की प्रमुख ता.**-1, 4, 7, 13, 21, 28, 29 हैं।

ता. 1 अप्रैल शुक्रवारी अमावस गुवार, रुई, अरहर, चांदी, घी, तेल, सोना में मंदी कारक तो लालवर्ण की वस्तुएं, अनाज तेज करेगी। मकर में मंगल-शनि का योग-**कर्क मीन कन्या मकर जब शनि मंगल वास। युद्ध विकलता भूमि पर अरु धन धान्य विनाश॥** महीने दो महीने में भारत या भारत से पूर्वी देशों में कहीं युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है तथा अनाज, दालों आदि में अच्छी तेजी समर्थक है।

चैत्र शुक्ल पक्ष–ता. 2 अप्रैल संवत् 2079 का शुभारंभ होगा। संवत् का राजा शनि एवं मंत्री गुरु होंगे। फसल की वस्तुएं मंदी में खरीदकर सावन एवं मार्गशीर्ष में बेचने से लाभ होगा। ता. 7 कुंभे भौम+शुक्र+गुरु का योग-**सूर गुरु मंगल शुक्र का एक नखत पर वास। अन्न भाव मंदा रहे, लाभ तीसरे मास॥** सर्व अनाज स्टॉक करके 2 मास पश्चात् बेचने से लाभ। गुड़, सोना, गुवार, तांबा, बिजली का सामान, मकान, भूमि, प्लॉट, मूंग आदि दालों में एक मास के अंदर अच्छी तेजी ला सकता है। ता. 12 एकादशी मंगलवारी से पक्ष में कभी भी सरसों, खल, बिनौला में अच्छी तेजी संभव। ता. 14 मेष संक्रांति का प्रवेश होकर सूर्य+राहु का राशि योग से-**राहू आवै मेष पर क्रूर ग्रहों के साथ। महंगाई दुर्भिक्ष दुख से हो प्रजा अनाथ॥** ता. 16 शनिवारी पूनम से सभी प्रमुख शेयर्स में विशेष तेजी के झटके तथा बैशाख बदी पक्ष में तिलहन, चना, गुवार, रुई में अच्छी तेजी बन सकती है।

बैशाख कृष्ण पक्ष–ता. 19 अप्रैल अंगारक चतुर्थी लालवर्ण की वस्तुओं, लालमिर्च आदि में अच्छी तेजी के झटके तथा सोना, तांबा, चना, अरहर, दालों में तेजी करेगी। ता. 24 तिथि क्षय देशी घी तेज करेगा। ता. 27 अप्रैल मीन राशि में शुक्र का प्रवेश एवं गुरु के साथ युति से-**एक जगह गुरु शुक्र हो बने युद्ध आसार। अनावृष्टि-अतिवृष्टि से दुख पावै संसार॥** फसलों को नुकशान तथा संसार में कहीं युद्ध की चर्चा चल सकती है। रुई, तिलहन, सोना, चांदी के भावों में गिरावट तथा एक मास के अंदर भारी गिरावट भी संभव है। ता. 29 अप्रैल बदी 14 शुक्रवारी-**बदी चौदस बैशाख में गुरु अथवा भृगुवार। उत्तम उपजेगी फसल मंदा चले बाजार॥** ता. 30 शनिवारी अमावस अनाज, गल्ला माल खरीदने की राय देती है। श्रावण में बेचने से लाभ। चना खरीदकर एक मास में बेचें, लाभ हो। उभायां शुक्र: सफेद वस्तु, रुई, चांदी, मोती आदि में मंदी कारक तो आलू, हरी सब्जियां तेज करेगा।

मई–2022

तेजी की प्रमुख ता.-6, 10, 17, 20, 23, 27 मई। **मन्दी की प्रमुख ता.**-2, 12, 13, 18, 26, 30 मई हैं।

बैशाख शुक्ल पक्ष–वैशाख मास में मंद स्तर की वस्तुएं खरीदना लाभकारी रहे। ता. 3 मई अक्षय तृतीया रोहिणी युक्त सुभिक्षकारी किन्तु मंगलवारी होने से गुड़, गेहूं, अनाज, चना, लालमिर्च, लालवर्ण की वस्तुओं में भारी अथवा जोरदार तेजी के झटके ला सकती है। ता. 5 चौथ गुरुवारी आषाढ़ तक रुई में जनरल लाईन तेज। हर मंदी के झटकों में खरीदकर तेजी में बेचते रहें। ता. 7 छट शनिवारी गेहूं, चावल, अनाज तेज करेगी। एक मास में अच्छी तेजी संभव। ता. 10 मई नौमी मंगलवारी मघा युक्त है। **नोमी रेवती रोहिणी मघा उत्तरा तीन। भौमी हो वैशाख में दुनिया दुखिया दीन॥** दुर्भिक्षकारी है। ता. 14 बुधास्त पश्चिम से सोना, चांदी, रुई, प्रमुख वस्तुओं में मंदी के झटके। रात को वृष संक्रांति शनिवारी 15 मुहूर्ती तिलहन, घी, अनाज, दालें, गुड़, चीनी, रुई, हल्दी, कालीमिर्च आदि किराना में तेजी या अच्छी तेजी ला सकेगी। ता. 16 सोमवारी पूनम रुई, चांदी शेयर्स, गुड़, तेलों में प्रथम मंदी के झटके लाकर बाजार तेज करेगी।

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष–बदी एकम् मंगलवारी-**ज्येष्ठ बदी एकम् पड़ै रवि मंगल बुधवार। संक्रामक रोगों का रहे मास में गर्म बाजार॥** मास में संक्रामक रोगों से प्रजा को कष्ट तथा प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में मूंग, मोठ, चनादि दालें, तिलहन, रुई आदि में तेजी। ता. 23 मई मेषे शुक्र+राहु का योग-**मेष राशि पर होय जब शुक्र राहु संयोग। धान्य भाव महंगा रहे विग्रह पीड़ित लोग॥** उपद्रव, विग्रह आदि से जनता को कष्ट तथा अनाजों में अच्छी तेजी समर्थक तो रुई, कपास में भारी मंदी। यहां भारी मंदी आवे तो खरीदना लाभदायक। आगे उत्तम लाभ होगा। ता. 30 मई सोमवती अमावस एक सप्ताह के अंदर व्यापार की सर्व वस्तुओं के भावों में बाजार नीचे आयेंगे। ज्येष्ठ मास की सोमवती अमावस होने से आगे 4-6 मासों में अनाज, तिलहन, गुड़, चीनी, किराना सामान में धीरे-धीरे जोरदार मंदी लायेगी।

ज्येष्ठ सुदी पक्ष–ता. 31 को एकम् मंगलवारी शनि अंगारक योग से सभी प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में तूफानी तेजी-मंदी चल सकती है। इसका विशेष प्रभाव रुई, रेशम, कालीमिर्च, मूल पदार्थ आलू, हल्दी आदि, गेहूं आदि अनाज तथा तिलहन पर पड़ता है। सोना, चांदी में अच्छी घटवढ़ रहे।

जून–2022

तेजी की प्रमुख ता.-1, 3, 6, 7, 14, 15, 20, 24, 28 हैं। **मन्दी की प्रमुख ता.**-9, 17, 23, 27 जून हैं।

ता. 1 जून सुदी 2 बुधवारी छट रविवारी से पक्ष में घी तेज तथा रुई, कालीमिर्च, रेशम में मंदा। ता. 3 जून बुधोदय से रुई, सोना, चांदी, गुड़, चीनी, गेहूं में तेजी के झटके लायेगा। ता. 4 जून बुध मार्गी तीन दिन प्रमुख वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक करेगा। ता. 5 छट रविवारी पक्ष में अनाजों में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। शनि वक्री से अनाज, तिलहन, मूल पदार्थ, गुड़, उड़द, बिनौला, दालों में तेजी तो सुदी 7 पक्ष में खल-बिनौला, सरसों, खाद्य तेलों में अच्छी तेजी का वातावरण बन सकता है। ता. 8 जून रेवती मंगल सोना, चांदी में विशेष तेजी के झटके लायेगा। ता. 14 जून मंगलवारी पूनम+योग का क्षय से रुई, सोना, चांदी, सरसों, गुवार, मटर, कालीमिर्च, उड़द आदि दालों में अधिक घटवढ़ चलते बाजार आगे तेज होंगे।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष–पक्ष में अनाज, दालें, तिलहन, आलू, प्याज आदि मूल पदार्थ, खाद्य तेल, मिर्च, मसाले, किराना आदि प्रमुख वस्तुएं तेज रहें। ता. 15 मिथुन संक्रांति उपरोक्त वस्तुओं में तेजी समर्थक है। अत: पक्ष में अच्छी तेजी संभव है। संक्रांति समय धनु का चन्द्र होने से सर्व तिलहन पदार्थ, खाद्य तेलों, धान, चावल का स्टॉक करने की राय देता है। चौथे मास बेचने से अच्छा लाभ। ता. 18 वृषे शुक्र एक मास में अनाजों में अच्छी

तेजी आने का संदेश देता है तो रुई, चावल, घी के भाव मंदे करेगा। परन्तु छट रविवारी रुई, कपास में भारी तेजी समर्थक है। ता. 22 जून आर्द्रा सूर्य प्रवेश समय चन्द्रमा जल राशि केन्द्र में होने से धन-धान्य में बढ़ोतरी तथा अच्छी वर्षा कारक है। यथा-**रवि आर्द्रा के समय हो चन्दा केन्द्र त्रिकोण। जल राशि शुभ दृष्टि में बढ़े धन-धान्य जग भोन।।** आर्द्रा सूर्य रुई, गेहूं, चावल, खल, अरण्ड, चना, जौ, चांदी, कपूर, गुड़ के भावों में वृद्धि करेगा। ता. 27 जून बदी 14 सोमवारी यथाफल-**सावी चौदश हो कभी सोमवार समवेत। खेत न उपजे धान्य तृण गाय भैंस केहि हेत।।** यह योग अनाज, गेहूं, चना, घास, चारा, पशु आहार में अच्छी तेजी लाता है। ता. 29 जून बुधवारी मावस आर्द्रा युक्त तीन दिन के अंदर गेहूं, अनाज, दालें, गुड़, चीनी आदि में अच्छी मंदी के झटके ला सकती है।

जुलाई—2022

तेजी की प्रमुख ता.-4, 5, 8, 14, 21, 22, 26 हैं। **मन्दी की प्रमुख ता.**-1, 7, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 28 हैं।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-मास में 5 बुधवार होने से भयंकर तेजी-मंदी चलेगी। व्यापारी वर्ग हैरान-परेशान रहे। अतः सावधानी से काम करें। ता. 2 मिथुन का बुध दो-तीन सप्ताह के अंदर मूंग आदि सर्व दालें, रेशम, रुई, तांबा, तिलहन, गुवार, सोना आदि धातुओं में मंदी समर्थक है। ता. 6 बुधास्त पूर्वे 5 दिन में सोना, चांदी व रुई में भारी तेजी के झटके तो अनाज, घी के भाव में मंदे करेगा। ता. 10 देवशयनी एकादशी रविवारी दुर्भिक्षकारी है। वस्तुओं में तेजी का संचार करेगी। परन्तु बिनौला, गुवार, रुई में अच्छी मंदी के झटके आ सकते हैं। ता. 13 बुधवारी पूनम 14 का क्षय-**पड़वा पाचै चतुर्दशी शुक्ल पक्ष में तीन। बढ़ने पर मंदी करें तेजी हो जब छीन।।** अनाज दालें, तिलहन, किराना में तेजी के झटके तो रुई, धान, चावल में अच्छी मंदी लायेगी।

श्रावण कृष्ण पक्ष-मास में कहीं अतिवृष्टि तथा अनावृष्टि से फसलों को नुकशान तथा प्रजा परेशान रहे। ता. 14 बदी एकम् गुरुवारी-**सावन कृष्ण प्रतिपदा जो होवे गुरुवार। उड़द मूंग तिल तेल का महंगा चले बाजार।।** पक्ष में उपरोक्त वस्तुएं तेज करेगी। ता. 16 जुलाई कर्क संक्रांति 15 मुहूर्ती शनिवारी संक्रांति दुर्भिक्ष, सर्व व्यापारिक वस्तुओं में तेजी समर्थक, आंधी-तूफान का उपद्रव, अनाजों, खाद्य तेलों में भारी तेजी तो धातुओं में मंदी कारक है। यहां से 13वें दिन बुध का उदय मास में भयंका वर्षा कारक है। यहां भरणी में मंगल-राहु का नक्षत्र योग दुर्भिक्ष तथा खेती को नुकशान, तेलों, सर्व खाद्य पदार्थ, अनाज, दालों में अच्छी तेजी कारक तो किराना बाजार में काफी उलट-फेर होगा। **मंगल राहु साथ में इक नक्षत्र इक रास। अनावृष्टि दुर्भिक्ष दुख हो खेती का नाश।** ता. 25 त्रयोदशी मंगलवारी गुड़, खांड खरीदकर एक मास में बेचने से अच्छा लाभ। ता. 28 गुरुवारी अमावस प्रमुख वस्तुओं में मंदी। यथा-**मावस्या गुरुवार या गुरु का मास नक्षत्र। ज्योतिष का सिद्धांत है वर्षा हो सर्वत्र।।**

श्रावण शुक्ल पक्ष-ता. 29 जुलाई गुरु वक्री से 3-5 मासों में रुई, कपास आदि में भयंकर तेजी की आशा है तथा गुरु राशि से शनि 11वें स्थान पर होने से सर्व मूल पदार्थ, खनिज पदार्थों, सर्व प्रमुख वस्तुओं में एकदम अच्छी तेजी का वातावरण बन सकता है। अधिक जानकारी के लिए पुस्तक **स्पेशल रिपोर्ट** मंगवाकर पढ़ें व सम्पर्क करें-मो. 9416110996, 7400300094

अगस्त—2022

तेजी की प्रमुख ता.-2, 4, 5, 11, 17, 19, 31। **मन्दी की प्रमुख ता.**-1, 3, 15, 16, 22, 29 अगस्त हैं।

ता. 1 तीन दिन के अंदर सोना, चांदी, धातुएं, तिलहन, तेलों, अनाज, दालों, प्रमुख शेयर्स, किराना, गुवार आदि में कभी भी जोरदार मंदी के झटके संभव। खरीदना लाभदायक। ता. 3 छट बुधवारी एक मास मे अनाजों में भारी तेजी। ता. 5 कृतिका मंगल तीन सप्ताह के अंदर सोना, चांदी, धातुओं में जोरदार तेजी। अरहर दालों में मंदा तो तेलों, तिलहन, अनाजों में तेजी कारक। रविवारी दशमी एक मास में रुई में भारी तेजी लायेगी। सवा महीने में प्रमुख शेयर्स मार्केट में जोरदार मंदी आ सकती है।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष-मास में पांच शनिवार होने से प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का बोलबाला रहेगा। तेज वस्तुएं बेचकर लाभ लेना चाहिए। ता. 18 अगस्त उफायां बुध से एक सप्ताह में सोना, चांदी में अच्छी मंदी के झटके। अनाज, दालें तेज तो रुई, कालीमिर्च में मंदी के झटके लायेगा। ता. 23 एकादशी वृद्धि से रुई में अच्छी तेजी आयेगी। खरीदने से अच्छा लाभ। ता. 27 शनिवारी मावस चना, घी, तेलों, सोना, चांदी आदि में तेजी या अच्छी तेजी लायेगा।

भादपद शुक्ल पक्ष-पक्ष में घी में विशेष तेजी संभव। ता. 31 अगस्त सिंह शुक्र लालवर्ण की वस्तुओं, लालमिर्च, गुड़, मसूर आदि में मंदी कारक। परन्तु यहां सूर्य+शुक्र का योग पर मंगल की दृष्टि अच्छी तेजी समर्थक है। अनाज सहित प्रमुख वस्तुओं में अच्छी तेजी संभव। यथाफल-**सूर्यदेव भृगु नाथ का एक राशि पर साथ। पकड़ा देती है फसल महंगाई का हाथ।।**

सितम्बर—2022

तेजी की प्रमुख ता.-1, 2, 6, 7, 13, 16, 23, 27, 28 हैं। **मन्दी की प्रमुख ता.**-8, 9, 12, 19, 26 सितं.।

ता. 1 सितं. सुदी पंचमी स्वाती युक्त होने से आगे फसलें कम होंगी। रुई, कपास में भारी तेजी। आगे दो-तीन मासों में भारी तेजी आयेगी। हर घटे भाव पर खरीदकर तेजी में बेचते रहें। लाभ होगा। आगे ता. 8 पंचक में अच्छी तेजी की आशा रहेगी। ता. 9 बुधास्त से सोना, चांदी, रुई में प्रथम मंदी के झटके लाकर बाजार तेज होंगे। ता. 10 शनिवारी पूनम चना में अच्छी तेजी के झटके ने बुध वक्री घोर वर्षा के साथ-साथ व्यापार की सभी वस्तुओं , घी, तेल, तिलहन पदार्थ, मक्का, गुवार, मोटे अनाजों में अच्छी मंदी कारक है।

आश्विन कृष्ण पक्ष-मास में 5 रविवार-**पंचार्क वासरे रोगा।** अर्थात् विभिन्न बीमारियों की उत्पत्ति अधिक। गुड़, खांड, तिलहन, सोना, चांदी आदि अन्य प्रमुख वस्तुओं में तेजी या अच्छी तेजी की आशा तो श्राद्ध पक्ष होने से उपज की कमीवेशी पर सर्व खाद्य वस्तुओं में कोई भी तेजी-मंदी की अच्छी चाल निकलेगी। अतः प्रथम रुख देखकर काम करें। ता. 11 एकम् रविवारी गेहूं में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। तथा गल्ला माल मंदी के झटकों में खरीदकर कार्तिक में बेचने से अच्छा लाभ होगा। ता. 13 मंगलवारी तीज उपरांत अंगारक चतुर्थी-**बदी तीज आसोज में मंगल या शनिवार। अग्निकांड भयभीत जग महंगा चले बाजार।।** अग्निकांड तथा लालवर्ण तेलों, क्रूड ऑयल, पेट्रोलियम पदार्थ, सोना, तांबा आदि में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। ता. 20 दशमी मंगलवारी से गुड़, खाण्ड, चीनी में अच्छी तेजी। ता. 24 सितं. कन्या शुक्र एक मास में प्राकृतिक कारणों से फसलों को नुकशान। रुई की फसल की बर्बादी। अनाजों में अच्छी तेजी तो धातुओं, रस पदार्थों, तेलों में काफी उतार-चढ़ाव होगा। चना में अच्छी तेजी की आशा है। रविवारी मावस आगे 3 से 5 महीने में तिलहन, अनाजों आदि प्रमुख वस्तुओं में खतरनाक तेजी का वातावरण बना सकती है।

आश्विन शुक्ल पक्ष-ता. 28 सितं. शुक्रास्त पूर्वे एक मास में प्राकृतिक प्रकोप से नुकसान। अनाज, धातुओं, दालें, धनियां, बिनौला में तेजी अथवा अच्छी तेजी ला सकती है। ता. 29 बुधोदय पूर्वे-यदि आज वर्षा न हो तो रुई, कालीमिर्च, चावल, खाद्य वस्तुओं में मंदी कारक तो अनाज तेज करेगा।

अक्टूबर—2022

तेजी की प्रमुख ता.-8, 12, 15, 22, 25, 26, 29 हैं। मंदी की प्रमुख ता.-1, 4, 19, 20, 21, 28 हैं।

कार्तिक कृष्ण पक्ष-मास में दो ग्रहण हैं। सोमवारी दीपावली है। दो मास के अंदर स्टॉक निकालने की राय देती है तथा ग्रहण कई वस्तुओं का स्टॉक करने की राय भी देता है। मास में कहीं कोई बड़ा अग्निकांड तथा डेढ़-दो मास के अंदर सोना, चांदी सहित कई वस्तुओं में जोरदार तेजी संभव। ता. 15 बदी 6 शनिवारी गेहूं स्टॉक करने की राय देती है। दो मास में बेचने से अच्छा लाभ। मिथुने मंगल लालवर्ण, सोना, तांबा, लालमिर्च आदि, रुई, अनाजों में तेजी कारक तो मंगल से केतु पांचवें होने

से रुई में भारी मंदी भी संभव है। ता. 17 अक्टू. तुला संक्रांति सोमवारी 45 मुहूर्ती से प्राय: सर्व वस्तुओं, धान, हल्दी, मिर्च, किराना, अनाज, चावल आदि तेलों में मंदा करेगी। यहां सूर्य+शुक्र का राशि योग तेजी कारक भी है। ता. 23 अक्टू. रविवारी तेरस-**कार्तिक लागत त्रयोदशी जो आवे रविवार। तो जौ गेहूं अन्न में चले तेजी बारम्बार॥** अनाजों में अच्छी तेजी कारक है परन्तु यहां शनि मार्गी से तीन से पांच दिन बाजारों में घटाबढ़ी अधिक रहे। जो वस्तुएं तेज हों, वह मंदी तथा जो मंदी थी वह तेज हो जायेंगी। **वक्र चाल चलते हुये शनि मार्गी हो जाऐ। चालू रुख बाजार का एकदम पलटा खाऐ॥** ता. 24 सोमवारी शुभ दीपावली है। आज 17:25 उपरांत अमावस्या का प्रवेश हुआ है। **सोम गुरु की आय दीवाली, जीवे रंक मरे भड़साली।** स्टॉकिस्ट को हानि कारक है। स्टॉक न करके बल्कि दो महीने के अंदर स्टॉक निकाल दें। दीपावली रुई में अच्छी तेजी समर्थक है। ता. 25 मंगलवारी मावस को सूर्य ग्रहण कई वस्तुओं को स्टॉक करने की राय देता है। कई वस्तुओं में भारी तेजी लायेगा।

कार्तिक सुदी पक्ष-इस पक्ष में आलू, प्याज, मूल पदार्थ, रुई, रेशम, धातुएं, तिलहन, गुड़, चीनी, अनाज, किराना, मसालों आदि में तेजी का रुख तो पक्ष में किसी-किसी वस्तु में जोरदार तेजी की आशा रहेगी। ता. 31 मंगल वक्री मिथुन राशि में होने से किराना तथा अन्य प्रमुख वस्तुओं में तेजी का चक्र चलेगा। **जिस राशि पर भ्रमण भौम का जब हो उसमें निश्चय वक्र। वक्री होने पर किराने में चलता तेजी का चक्र॥**

नवम्बर-2022

तेजी की प्रमुख ता.-1, 8, 9, 11, 22, 29 हैं। **मन्दी की प्रमुख ता.**-3, 14, 16, 17, 21, 24, 25, 30 हैं।

ता. 1 नवं. अष्टमी मंगलवारी सभी प्रमुख बाजारों व उपज की वस्तुओं रुई, चना आदि में भारी तेजी समर्थक है। 2-3 सप्ताह के अंदर भारी तेजी संभव है। ता. 8 पूनम भरणी युक्त है-**अश्विनी भरणी का बने पूनम से संयोग। उड़द गुवार जुवार मकई मटर महंगाई अरु रोग॥** उपरोक्त वस्तुओं, सावणी फसल के मालों में आगे अच्छी तेजी लायेगा। आज ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहण है। चांदी, राई, मेंथी, जस्ता का स्टॉक करके चार मास बेचने से अच्छा लाभ। दो-तीन सप्ताह के अंदर अनाज, सुपारी, अलसी, गुड़, सरसों, खल, बिनौला आदि में भारी तेजी।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष-पक्ष में आलू, प्याज, घी, तेल, तिलहन, सावणी फसल का माल, किराना मसाले, अनाज, दालों का बाजार तेज रहे। किसी-किसी वस्तु में पक्ष में भारी तेजी भी संभव है। ता. 12 चौथ शनिवारी पक्ष में गुड़, चीनी में कहीं भारी मंदी के झटके लायेगी। 15-20 दिनों में शेयर्स में भारी मंदी आ सकती है। ता. 15 नवं. अनुराधा का शुक्र सफेद वस्तुओं चांदी, चावल, चीनी, दूध, घी आदि में मंदी कारक। नशीले लालवर्ण की वस्तुओं में 1-2 सप्ताह में घटबढ़ से तेजी का वातावरण बन सकता है। ता. 20 रविवारी एकादशी-**रविवारी एकादशी लागत मंगसिर मास। लाभ देय बैशाख में रुई, सूत, कपास॥** रुई, सूत का स्टॉक बैशाख में बेचने से अच्छा लाभ हो। अनुराधा नक्षत्र में 3 ग्रहों का योग-**एक नक्षत्र होय जब बुध शुक्र और सूर। वर्षा को कमती करे तेजी हो भरपूर॥** प्रमुख वस्तुओं में एक सप्ताह के अंदर अच्छी तेजी के झटके संभव हैं। ता. 23 बुधवारी पूनम एक सप्ताह में अफवाहों से बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव संभव हो सकता है। पक्ष में चतुर्दशी का क्षय-**मंगसिर पहले पाख में कोई तिथि घट जाऐ। झगड़ा और फिसाद नित लोगों में अधिकाऐ॥** जनता में झगड़े, दंगों आदि में बढ़ोतरी होगी। व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का संचार होगा।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-पक्ष में बुध+शुक्र योग से प्रमुख वस्तुओं में प्राय: मंदी का रुख रहेगा। इस दौरान तेजी के झटकों में बेचना लाभकारी रहेगा। ता. 24 नवं. गुरु मार्गी मंदी कारक है। परन्तु 5 दिन पूर्व से सोना, चांदी, तिलहन पदार्थों में अच्छी तेजी के झटके ला सकता है। मार्गी गुरु गुड़, रुई, घी, तेलों, अनाजों में घटाबढ़ी अधिक करेगा। ता. 26 शुक्रोदय पश्चिम रेशमी, सूत, नारियल में भारी तेजी कारक है। मार्गशीर्ष में उदय होने से दुर्भिक्षकारी है। यथा-**उदय अस्त गुरु शुक्र जो होवे मंगसिर मास। भूखे मरते जन करें जाये विदेश निवास॥**

दिसम्बर-2022

तेजी की प्रमुख ता.-6, 13, 14, 21, 27, 29, 30 हैं। **मन्दी की प्रमुख ता.**-1, 7, 9, 12, 16, 19, 22 हैं।

ता. 2 दिसं. एकादशी शनिवारी वर्षा नाशक है। **मंगसिर सुदी एकादशी शनिवार का संग। वर्षा नाशे प्रजा दुख, मंत्री मण्डल भंग॥** एक मास में किसी राज्य का मंत्रीमंडल भंग अथवा परिवर्तन होगा। धनु-बुध सप्ताह दस दिन में आलू, हरी सब्जियां, मूंग, मोठ, मटर, बिनौला तेज तो अनाज, रुई, चांदी मंदी करेगा। ता. 8 गुरुवारी पूनम रुई, सोना, चांदी सहित सर्व वस्तुओं में मंदी के झटके लायेगी।

पौष बदी पक्ष-बदी पक्ष में 3 शुक्रवार से प्राय: सर्व वस्तुओं में मंदा। अच्छा मंदा संभव। ता. 13 पंचमी मंगलवारी लालवर्ण की सभी प्रमुख वस्तुओं, लालमिर्च, मसूर आदि में अच्छी तेजी के झटके ला सकती है। ता. 16 धनु संक्रांति खर्पर योग युक्त से अन्न तेज करेगी। इस संक्रांति काल में कोई माल स्टॉक न करें। बल्कि खरीदते-बेचते रहने से लाभ होगा। ता. 17 दिसं. 9 शनिवारी यथाफल-**पौषी नौमी शनैश्चर का यदि जुरे समाज। आर्दायां रवि तक संग्रह करो अनाज॥** आगे लगभग 21 जून तक अनाज संग्रह करने की राय देती है। ता. 23 शुक्रवारी मावस मूल युक्त धातुएं, रुई, गुड़, गेहूं, सरसों, खल-बिनौला आदि तिलहन पदार्थों में मंदी के झटके लायेगी।

पौष सुदी पक्ष-पक्ष में तिलहन, तेलों, घी, मूंग आदि दालों में तेजी चलने की आशा है। पक्ष में सुदी 3 का क्षय, यथाफल-**किसी मास में तीज या सुदी चौथ घट जाय। ग्राहक मांगे मूंग घी, विक्रेता नट जाय॥** ता. 27 दिसं. सुदी 5 मंगलवारी से पक्ष में अनाज, तिलहन, धातुओं आदि, लालवर्ण की वस्तुओं में तेजी समर्थक है। ता. 28 दिसंबर छट बुधवारी एक मास में अनाजों में अच्छी तेजी कारक। यहां बुध+शुक्र+शनि का राशि योग-**शनि बुध सूरज साथ जब एक राशि इक सेज। जौ, गेहूं, चावल, चना, जुवार, बाजरा तेज॥** यह योग उपरोक्त वस्तुओं में तेजी लायेगा।

नोट-यह लेख ग्रहों की विभिन्न पोजिशनों को आधार बनाकर लिखा गया है। होना न होना ईश्वराधीन है। लाभ-हानि में हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। लेख सूक्ष्म रूप से लिखा गया है। सम्पूर्ण डिटेल जानने के लिऐ हमारे द्वारा प्रकाशित पुस्तक **भविष्यफल प्रकाश २०२२** में लिखा गया है। मंगाकर लाभ उठाऐं। पुस्तक में तेल, सर्व तिलहन पदार्थ, कालीमिर्च, हल्दी आदि किराना बाजार, गुड़, खाण्ड आदि रस पदार्थ, आलू, प्याज, मूल पदार्थ, शाक-सब्जियां, सभी प्रमुख शेयर्स आदि की दैनिक घटती-बढ़ती लाईनें और लाभकारी स्पेशल चांस, माल खरीदने-बेचने की लाभकारी तारीखें। स्टॉक करने के उचित अवसर मासिक विश्लेषण ज्योतिष शास्त्र के आधार पर विश्लेषण एवं पूर्वानुमान से सम्बधित लिखे गये हैं। मंगाकर लाभ उठाऐं। एक प्रति का मूल्य 325 रुपये है। डाक खर्च 25 रुपये है। 350 रूपये का मनी आर्डर भेजकर मंगा सकते हैं। अथवा पेटीएम या गुगल पे से अकाउंट में जमा करें। पुस्तक का पंचवर्षीय शुल्क 1300 रुपये है। कार्यालय द्वारा उपरोक्त सभी प्रमुख वस्तुओं के सुपर स्पेशल रिपोर्ट अलग-अलग विशेष तौर पर विश्लेषण सहित बनाई जाती है तथा तेजी-मंदी का विवरण स्पष्ट तौर पर बताया जाता है। एक वस्तु की एक वर्ष की फीस 4000 रुपये तथा छ: मास की 2000 रुपये है। सोना, चांदी, इन्दौर तेल, वायदा दैनिक टाईम सहित बनाई जाती है। एक मास की फीस 1100 रुपये है। तथा छ: मास की फीस 5500 रुपये एवं एक वर्ष की फीस 11,000 रुपये है। मंगाकर लाभ उठाऐं। अधिक जानकारी के लिऐ सम्पर्क करें।

pay/paytm : Mob. 9416110996 Ramavtar Gupta
google pay: Mob.7400300094 Gaurav Goyal

लेखक: रामअवतार गुप्ता "व्यापार भूषण"
राव उमराव सिंह मार्किट, आर्य समाज रोड
नई सब्जी मण्डी, पो. व जिला-रेवाड़ी-123401 (हरियाणा)
मो.-9416110996, 7400300094

व्यापारिक भविष्यफल वर्ष 2022-2023

लेखक:- प्रवीन कुमार जैन, डा. उमा जैन

गत् अनेक वर्षों से ज्योतिष जगत के सर्वश्रेष्ठ श्री आर्यभट्ट पंचांग में प्रकाशित हमारा कमोडिटी बाजार का ग्रह गोचर आधारित आंकलन सर्वथा सत्य होकर पूर्वाचार्यों के सिद्धांतों की सत्यता एवं सफलता को प्रतिष्ठितता कर रहा है। वास्तव में तो हमारा प्रयास मात्र ज्योतिष की प्रतिष्ठिता को पुनर्स्थापित करना भर रहा है। इस वर्ष इन्हीं पृष्ठों के माध्यम से हम कमोडिटी बाजार की वर्ष 2022-23 की संभावित गतिविधियों का आंकलन प्रस्तुत कर रहे हैं। यह आंकलन पूर्णतया वैदिक ज्योतिष पर आधारित है। हमें वैदिक ज्योतिष में पूर्ण आस्था एवं विश्वास है। इस माध्यम से सदैव ही अत्यन्त सटीक परिणाम हमें प्राप्त हुए हैं। अतः अन्य ज्योतिष विद्याओं के साथ वैदिक ज्योतिष का घालमेल हमने नहीं किया है।

जनवरी मास-02 जन.-किन्हीं स्थानों पर सामान्य वर्षा तथा किसी-किसी स्थान पर बूंदा-बांदी होगी। उत्तम कृषि होगी। 05 जन.-तेज हवाओं अथवा आंधी पाला से खेती को हानि होगी। चने की फसल विशेष रूप से प्रभावित होगी। गुड़, शक्कर, खाण्ड, चावल, चना, गेहूं में तेजी आयेगी। उड़द, मूंग, तिल, तैल, सरसों, अलसी, गुड़, शक्कर, खाण्ड, नमक में मंदा आयेगा। सोना, चांदी, रुई में तेजी आकर मंदा होगा। जलीय जन्तुओं तथा उत्पादों की हानि होगी। 11 जन.-उड़द, मूंग, चावल, गेहूं, गुड़, खाण्ड, देशी शक्कर, कपास, जूट, रुई, सूत, घी, सरसों, चना, बांस, तिल, तैल, चांदी तथा हल्दी में तेजी होगी। 14 जन.-वस्त्र, घी तेल रुई तथा लाल वस्त्रों में तेजी आयेगी। सोमवारी पौषी मकर संक्रांति से सब प्रकार के धान्यों में मंदा आकर बाजार भाव स्थिर होंगे। गुड़ का उत्पादन बढ़ेगा। 16 जन.-गेहूं, जौ, चना आदि सभी प्रकार के अन्नों में, चावल, मूल पदार्थ, भूसा, काष्ठ, अदरक, हल्दी, प्याज, आलू, भूसा एवं अन्य पशु आहारों में, सोना, चांदी, सूत एवं दुधारू पशुओं में, सरसों, बिनोला आदि तिलहनों में तेजी आयेगी। रुई में घटाबढ़ी से तेजी। घी, कपास मंदे होकर तेज होंगे। पशुओं की हानि होगी।

माघ मास-माघ मास का शुभारम्भ मंगलवार, पुष्य नक्षत्र से हुआ है। पांच मंगल तथा पांच बुधवार होने से आतंकवाद की घटनायें घटित होंगी। कृष्ण पक्ष में द्वितीया तथा शुक्ल पक्ष में अष्टमी की वृद्धि तथा कृष्ण पक्ष में चतुर्दशी तथा शुक्ल पक्ष में द्वितीया के क्षय के समग्र प्रभाव से मास में घी तथा मूंग में अच्छी तेजी रहेगी। पुष्य नक्षत्र से रुई में मंदी रहेगी।

23 जन.-कृषि उत्पादन संतोषजनक रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में मंदा आयेगा। 24 जन.-तापमान में गिरावट आयेगी। सभी प्रकार के अन्नों में विशेषकर गेहूं में तेजी बनेगी। उड़द, मूंग, जूट, सूत, कपास, बांस, सरसों, गुड़, खांड, चीनी, रुई, कपास, सन महंगे होंगे। शेयरों में तेजी आयेगी।

फरवरी मास-04 फर.-दुग्ध उत्पादन में गिरावट आने से दूध तथा दुग्ध पदार्थों में कमी आयेगी। अन्न उत्पादन संतोष जनक रहेगा। घास, चारा, धान, तिल, तैल, घी, उड़द, चावल, नमक, बादाम, खोपरा, मूंगफली, शालि, चांदी, सोना में तेजी बनेगी। पशु-पक्षियों की हानि होगी। 06 फर.-सोना, चांदी, तांबा, लोहा, रुई, चावल, कपड़ा, अनाज, जौ, गेहूं, सूत, सन, गुड़, खांड, जूट, तिलहन, अलसी में तेजी चलेगी। 13 फर. -सोना, चांदी आदि धातुओं तथा धान्यों के मूल्य प्रायः ही स्थिर रहेंगे। जौ, चना, गेहूं में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। मूंगा, मोती, पटसन, बारदाना, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गन्ना, मक्का, ज्वार, बाजरा, ऊनी एवं रेशमी वस्त्र, किराने की वस्तुओं तथा मादक पदार्थों में मंदा चलेगा। तिल, तेल सरसों, लाही अलसी में पहले तेजी आकर बाद में मंदा होगा। रुई, सूत, बिनोला, कपास में घटबढ़ चलेगी। नमक में सामान्य तेजी रहेगी। गुड़ तथा लाल रंग के वस्त्रों का उत्पादन बढ़ेगा। कुंभ के सूर्य में शनि से पंचम त्रिकोण स्थान पर राहु का गोचर 'राहु केतु भौम रवि शनि से पंचम स्थान। एकै अथवा अधिक फल दुःख दुर्भिक्ष महान।।' के अनुसार विश्व के लिये कष्टकारी रहेगा।

फाल्गुन मास-फाल्गुन मास का शुभारम्भ गुरुवार मघा नक्षत्र से हुआ है। कृष्ण पक्ष में द्वादशी तिथि के क्षय तथा शुक्ल पक्ष में नवमी तिथि की वृद्धि हुई है। मास में पांच गुरु तथा पांच शुक्र होने से पश्चिमी देशों में विग्रह तथा सशस्त्र युद्ध का योग बनेगा। उत्तम वर्षा होगी। मास का व्यापारिक फल उत्तम रहेगा। घटबढ़ के बीच मंदे का रुख रहेगा। चांदी, रसकस में घटबढ़।

18 फर.-राई जौ, गेहूं, मोठ, चना चावल, मूंग, उड़द मसूर, बाजरा, ज्वार में तेजी रहेगी। गुड़, खांड, शक्कर में मन्दा आयेगा। 19 फर.-गुड़, शक्कर, खाण्ड, चावल, चना, गेहूं में तेजी आयेगी। खेती को पाला, बर्फबारी अथवा ओला वृष्टि से हानि होगी। चने की फसल विशेष रूप से प्रभावित होगी। 19 फर.-सोना, गेहूं, चना, गुड़, खाण्ड, रुई, सूत, कपास, जूट, घी, तिल, छुवारा, सोंठ, हल्दी में तेजी रहेगी। मौसम खुशगवार रहेगा। 22 फर.-मास में अच्छी वर्षा होगी परन्तु आज वर्षा का अभाव ही रहेगा। यदि किसी स्थान पर वर्षा हुई भी तो छिटपुट छींटे पड़ेंगे। दूध तथा दूध से बनी वस्तुओं में कमी आयेगी। अन्न उत्पादन संतोषजनक रहेगा। रुई, धान, तिल, तैल, तैलीय पदार्थों, घी, चावल, बादाम, खोपरा, सरसों, मूंगफली, सोना चांदी, तिल, शालि, उड़द में तेजी बनेगी। राई, सरसों, उड़द, मूंग साधारण तेज रहेंगे। गुड़ में मंदा रहेगा। घी में घटबढ़ चलेगी। 22 फर.-सोना, चांदी, अलसी, सरसों, अरण्डी, रसकस, गुड़, शक्कर, खाण्ड में मंदा आयेगा। रुई तथा अन्न में घटाबढ़ के बाद तेजी चलेगी। 26 फर.-घी, तैल, सोना, चांदी, कपास, अलसी, सरसों तैल, तिल, ऊन, घी, गुड़, खांड, शक्कर तांबा में तेजी चलेगी। सभी प्रकार के धान्यों के मंदा चलेगा। 27 फर.-वातावरण ठंडा रहेगा। पाला पड़ने से कृषि की हानि होकर सभी प्रकार के खाद्यान्नों में तेजी को बल मिलेगा। गुड़, खाण्ड, शक्कर, घी, तेल गेहूं तथा अन्य सभी प्रकार के अन्नों में तेजी आयेगी। रुई, चांदी, सोना, सूत, सन में घटावढ़ी के बाद तेजी का रुख रहेगा।

मार्च मास-01 मार्च-चावल में तेजी बनेगी। सोना, चांदी, पीतल, जस्ता तथा धान्यों में मंदा रहेगा। रुई में घटावढ़ी चलेगी। दुधारु पशुओं में बीमारी का प्रकोप होगा। 02 मार्च-अनावृष्टि का योग बन रहा है। किसी स्थान पर वर्षा होगी। 05 मार्च-चावल, ज्वार, बाजरा, पीपल, गुड़, खाण्ड, देशी शक्कर, सरसों, तिल, तैल, कपास, सूत तेजी में रहेंगे। 06 मार्च-सोना, चांदी आदि धातुओं तथा अन्न के भावों में स्थिरता रहेगी। रुई, घी, तैल, रसकस, गुड़, खाण्ड, शक्कर में घटाबढ़ी के बाद मंदा बनेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल में मंदा आकर तेजी आयेगी। अलसी, सरसों में घटावढ़ी चलेगी। मादक पदार्थ तेज होने के बाद गिरावट में जायेंगे। 10 मार्च-खाद्यान्नों की अनुपलब्धता बढ़ेगी। सोना, चांदी, सन, सूत में तेजी आयेगी। नौकरी पेशा वर्ग कष्ट में रहेगा। 11 मार्च-कपास, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी में तेजी बनेगी। चांदी, सोना, गोला, गुड़, शक्कर, खाण्ड, उड़द, मूंग, मोठ में मंदा आयेगा। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। 12 मार्च-तिल, तैल, गेहूं, जौ, चना, तांबा, पीतल, जस्ता, सोना, चांदी, मादक पदार्थों में तेजी बनेगी। धान्य उत्पादन में कमी होगी। सभी प्रकार के अन्न विशेषकर गेहूं तथा जौ में तेजी आयेगी, अन्य अन्नों में मंदा रहेगा। सोना-चांदी में साधारण तेजी बनेगी। रुई में घटबढ़ चलेगी। 15 मार्च-नमक, तिल, तैल, तिलहन तथा सभी प्रकार के धान्यों तथा रसकसों में तेजी रहेगी। मादक पदार्थों में मंदा रहेगा। 18 मार्च- रुई, गुड़, खांड, शक्कर, गेहूं, कपड़ा, अनाज, नमक में तेजी। सोना, चांदी, लोहा, तांबा का बाजार प्रायः ही स्थिर रहेगा। रुई, सूत में घटावढ़ी चलेगी।

चैत्र मास-मास का शुभारम्भ शनिवार हस्त नक्षत्र से हुआ है। मास में पांच शनिवार होने से उत्तर पूर्वी देशों-प्रदेशों में विग्रह-विवाद होंगे। कृषि की किन्हीं कारणों से हानि होगी। महंगाई बढ़ेगी। लोहा, उड़द, तिल, तैल तथा काली वस्तुओं में तेजी आयेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी।

24 मार्च–मूंग, मोंठ, रुई कपास, चावल, उड़द, अरहर, ज्वार में तेजी बनेगी। गेहूं में घटबढ़ चलेगी। वर्षा होगी। पशु आहारों-घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। रुई, कपास, बिनोला में तेजी बनेगी। सोना, चांदी तेज होकर मंदे होंगे। गेहूं, चना, गुड़, शक्कर, घी, तैल, मूंगफली अरण्डा तथा मादक पदार्थों में मंदा रहेगा। भारवाहक साधनों की दुर्घटनाओं के योग हैं। 26 मार्च–खाद्यान्नों के भावों में अधिक फेरबदल नहीं होने से गुड़, खाण्ड, रुई, धान्य एवं चावल के भाव प्रायः ही स्थिर रहेंगे। चांदी में घटबढ़ चलेगी। पशु-पक्षियों में रोगों का प्रकोप समाप्त होगा। 29 मार्च–गेहूं, गुड़, शक्कर तांबा, पीतल, जस्ता, लोहा, सोना, चांदी, में तेजी बनेगी। रसकसों में मंदा रहेगा। सामान्यजन तथा व्यापारी वर्ग राहत की सांस लेगा। 31 मार्च–जलीय वस्तुओं मोती, रत्न, सुगन्धित पदार्थों का उत्पादन गिरेगा। चावल, सरसों, अलसी, लाख, अरहर, मूंग, उड़द, लहसुन, सब्जी, चपड़ा, चौपाये, फल-फूल महंगे होंगे। चांदी, रुई, गेहूं, जौं, चना, उड़द मूंग, ज्वार, बाजरा, आदि अन्न, सफेद वस्तुओं तथा रसकस में गिरावट आयेगी।

अप्रैल–02 अप्रैल–लाल मिर्च, लौंग, मजीठ, लाल चन्दन तथा लाल रंग की वस्तुओं, गेहूं, गेरू, कुंकुम, कपूर, केसर में तेजी बनेगी। चांदी, गुड़, खांड, घी, तैल, सरसों, तिल तथा तिलहनों में मंदा आयेगा। 06 अप्रैल–तैल, गुड़, शक्कर, खाण्ड, सरसों, अलसी, अरण्डी, रुई, कपास, चावल, सोना, चांदी तथा पशुओं में तेजी चलेगी। घी, तिल, मादक पदार्थों के व्यापारियों तथा उपभोक्ताओं को कष्ट रहेगा। 07 अप्रैल–सभी प्रकार के अन्न, रस, फल, गुड़, शक्कर, खांड मंहगे रहेंगे। चांदी तथा रुई में घटबढ़ चलेगी।

08 अप्रैल–जौ एवं गेहूं की फसलों को रोग तथा कीटों से हानि होने से गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग आदि कृषि उत्पादों में तेजी आयेगी। चांदी आदि धातुओं, मूंगा आदि बहुमूल्य रत्नों तथा चौपाये महंगे होंगे। मोती, तिल, तैल, तिलहन तथा अलसी में मंदा आकर तेजी बनेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, रसकस, घी, रुई, सूत, सन, कपास में मंदा रहेगा। सोना बाजार भाव स्थिर रहेंगे। 12 अप्रैल–गेहूं, जौ, चना आदि अनाजों की तेजी से प्रजा में कष्ट रहेगा। 13 अप्रैल–चावल, गेहूं, शक्कर, नारियल, मठ, कपूर, नमक में तेजी चलेगी। श्वेत रंग की वस्तुओं में मंदा आयेगा। रुई में मंदा आकर छः मास बाद तेजी बनेगी। घी, तैल, तिल में मंदा आकर श्रावण मास में तेजी बनेगी। 14 अप्रैल–रुई, सूत, कपास, घी, तिल, तैल, सुपारी, नारियल, बादाम, सभी प्रकार के फल, गुड़, खांड शक्कर, रसकस, अलसी, अरण्डा, मेथी, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, कपूर, हींग, हिंगुल, सोना, चांदी तेज रहेंगे। गेहूं, चावल, उड़द, मूंग, अरहर, चना, जौ मटर आदि में मंदा आयेगा। 15 अप्रैल–अन्न में घटाबढ़ी चलेगी। रुख तेजी का रहेगा। 16 अप्रैल–रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चूहे, टिड्डी तथा कीटों के प्रकोप के उपरान्त भी कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। गेहूं, चने में तेजी रहेगी। सोना, चांदी में घटबढ़ रहेगी। रुई में तेजी के बाद मंदा आयेगा। अन्य मत से अन्न में गिरावट आयेगी।

बैशाख मास–मास पांच रविवार तथा पांच सोमवार युत है। पक्ष में अष्टमी तिथि का क्षय हुआ है। बैशाख कृष्ण प्रतिपदा में नक्षत्र का मान प्रतिपदा से कम होने से वर्षा में कमी आयेगी। परन्तु शुक्रवारी चतुर्दशी से कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। अश्विनी युत शनिवारी अमावस्या से मध्यम सुख मिलेगा। कष्ट फल अधिक होंगे। सभी धान्यों में तेजी आयेगी। रुई, सूत कपास, चांदी में घटबढ़ चलेगी। मंहगाई पर कुछ नियन्त्रण 'बदि चौदस बैशाख में गुरु अथवा भृगुवार, उत्तम उपजेगी फसल मन्दा चलै बाजार' शुक्रवारी कृष्ण चतुर्दशी से होगा।

18 अप्रैल–सट्टेबाजों को हानि होगी। रुई में 10 से 15 टके की तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना आदि अन्नों में मंदा रहेगा। 22 अप्रैल–अन्न उत्पादन विपरीत रूप से प्रभावित होगा। रुई तथा धान्यों में तेजी बनेगी। चांदी में गिरावट आयेगी। बुद्धिजीवी वर्ग पीड़ित होगा। 25 अप्रैल–गेहूं, जौ, चना, मटर, चावल, तिल, तेल, सूत, कपास तेजी में रहेंगे। चांदी, अलसी, शक्कर, तथा वस्त्रों में मंदा रहेगा। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। 27 अप्रैल--खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी से मंहगाई बढ़ेगी। घी, रुई एवं चांदी में तेजी रहेगी। तैल, तिलहन, अलसी, अरण्डी, गुड़, खाण्ड में मंदा चलेगा। जनसामान्य में सुख शांति रहेगी। रुई 25 दिनों में तेज होगी। 28 अप्रैल– सोना, तांबा, पीतल आदि धातुओं, चावल, गेहूं, जौ, चना, मोंठ, अलसी, तूअर, सरसों, राई, गुड़, खाण्ड, घी, अफीम में तेजी आयेगी। चांदी, रुई में घटबढ़ चलेगी। आज की वर्षा से आगे चलकर वर्षा में कमी आयेगी। 29 अप्रैल–रुई चांदी, शेयर तथा अनाजों में अच्छी तेजी चलेगी। कुंभ राशि से मंगल तथा शनि को गोचर तेजी को बल मिलेगा। 30 अप्रैल–चांदी, मोती, ईख, गुड़, खाण्ड, रुई, कपास, सूत, सन, चावल, नमक, कपूर, गोला, सरसों तथा अन्य तिलहनों में मंदा रहेगा। सोना में अधिक फेरफार नहीं होगा। कृषि को रोग तथा कीटों से शाक-भाजी के उत्पादकों को हानि होगी। गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, फल, अदरक, हल्दी, प्याज, लहसुन आदि कृषि उत्पादों तथा चौपायों में तेजी आयेगी। दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों, घी में घटबढ़ चलेगी। मोती, तिल, तैल में मंदा आकर तेजी बनेगी।

मई–04 मई–रुई, सूत, कपड़ा, अरण्डी, अलसी, सरसों, मूंगफली, खोपरा, तिल, तैल, कपास, कपड़ा, वायविडंग, नमक, गुड़, खाण्ड, शक्कर, नारियल, सुपारी तथा तांबा में तेजी चलेगी। सोना-चांदी रुई में तेजी आकर मंदा होगा। 06 मई–तिल, रुई, सूत, कपास में तेजी रहेगी। सोना, चांदी, तैल, सरसों, चावल, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी के बाद मंदे का रुख बनेगा। अरहर, सन, ऊनी तथा रेशमी कपड़ों में मंदा रहेगा। 11 मई–आज की वर्षा से कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। सफेद फूल, सोना, चांदी, अलसी, गेहूं, जौ, चावल, चना, मूंग, मोंठ, सरसों, राई तेजी में रहेंगे। पॉटरी उद्योगों, ब्यूटी पार्लर के व्यापार में कमी आयेगी।

12 मई–चांदी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई, कपास, चावल, सूत, चन्दन, सन, जवाहरात में मंदा रहेगा। जंगली जानवरों के प्रकोप से जन-धन की हानि होगी। यात्रियों को कष्ट रहेगा। 14 मई–कृषि विपरीत रूप से प्रभावित होगी। रुई तथा धान्यों में तेजी बनेगी। चांदी में गिरावट आयेगी। 15 मई–घी, दूध, दही, अनाज, दुग्ध उत्पादों, सोना, कपड़ा, आयुध तथा मादक पदार्थों में तेजी रहेगी।

ज्येष्ठ मास–मास पांच मंगलवार युत है। कृष्ण पक्ष में द्वितीया का क्षय हुआ है। मंगलवारी ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा से उपद्रव होंगे। एकादशी के रेवती नक्षत्र से खण्ड वृष्टि का योग रहेगा। सोमवारी अमावस्या से सुभिक्ष तथा कुशलता रहेगी। अमावस्या में वृष के चन्द्रमा से व्यापारियों को कष्ट रहेगा। लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

17 मई–सोना, रुई, काष्ठ, अलसी, सुगन्धित वस्तुओं, भूसा, खली तथा पशुओं में तेजी बनेगी। धान्यों में मंदा आयेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। 21 मई–वर्षा में कमी से कम कृषि उत्पादन की आंशका बनेगी। सुगन्धित पदार्थों- चन्दन, कपूर, सोना, चांदी, रुई, गेहूं, जौ, चना में घटाबढ़ी के बाद तेजी बनेगी। 23 मई–गुड़, घी, दूध, चावल, अनाजों तथा पशुओं में तेजी रहेगी। सोना, चांदी, गेहूं, जौ, चना, अन्य सभी प्रकार के धान्यों तथा घी में तेजी बनी रहेगी। गुड़, शक्कर, पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। तैल, तिल, सरसों, अरण्डी, अलसी में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख बनेगा। रुई, कपास, ऊन में मंदा रहेगा। तेज हवाओं से हानि होगी। वर्षा में देरी अवश्य होगी परन्तु वर्षा का प्रमाण उत्तम रहेगा। 23 मई–जौं, तिल, उड़द का उत्पादन कम रहेगा। धान्यों में तेजी चलेगी। सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड, रुई, कपास, सूत, तिल, तैल, सरसों, गेहूं, जौ, चना, मटर, उड़द, मूंग, मोठ, अरहर में मंदा रहेगा। दुधारु पशुओं में रोग होगा। 25 मई–चना, घी, ज्वार, बाजरा, सरसों, राई, तिल, अरण्डा, गुड़, खांड के भावों में तेजी आयेगी। रुई में साधारण तेजी बनेगी। चांदी में मंदा रहेगा।

जून–04 जून–तिलों की फसल खराब होगी। रुई तथा भूसे वाले धान्यों में तेजी आयेगी। तैल, तिल, सरसों, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, श्रीफल, सुपारी, धान्य, तूअर आदि में घटबढ़ रहेगी, रुख मंदे का बनेगा। सोना, चांदी में गिरावट आयेगी। 08 जून–सोना, चांदी, कपास, सन, उड़द, मूंग, मोंठ, बाजरा, अलसी

तथा सभी प्रकार के फलों में तेजी आयेगी। 08 जून–अनुमानों के विपरीत कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। रुई में घटाबढ़ी से तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना, मोठ, मूंग, ज्वार, बाजरा में गिरावट आयेगी। सोना में गिरावट तथा चांदी में अच्छी तेजी का योग है। किसी रोग के प्रकोप के अतिरिक्त सुख-सुभिक्ष रहेगा।

आषाढ़ मास–गुरुवारी द्वितीया से अच्छी वर्षा होगी। किन्हीं स्थानों पर अत्याधिक वर्षा अथवा जल प्लावन से कृषि की हानि।

15 जून–भूसी वाले धान्यों, ज्वार, बाजार, मकई, ग्वार की पैदावार बढ़ेगी। सरसों, उड़द के उत्पादन में कमी आयेगी। आलू, अरवी, अदरक, सोंठ, मूंगफली, हल्दी, प्याज, आलू, अदरक, रुई, कपास, तिलहन, जूट, सरसों, अलसी, तिल, तैल तथा सभी प्रकार के अनाज तेजी में रहेंगे। सोना, चांदी, हींग जीरा, सुपारी, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, चावल, अन्न, सरसों, तिल, तैल में मंदा रहेगा। 18 जून–जौ, गेहूं, चना, मटर आदि में तेजी रहेगी। तिल, सूत, कपास, चांदी, तैल, सरसों, चावल, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी के बाद मंदे का रुख बनेगा। सोना में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख बनेगा। अरहर, सन, ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों में मंदा रहेगा। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। सुभिक्ष रहेगा। 22 जून–सूत, अलसी, सरसों, अरण्डा, चीनी, चावल, जौ, चना, तेजी में रहेंगे। सोने में कुछ घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। 26 जून–चांदी रुई तेजी में चलेगी। सोना, तांबा, नारियल, द्राक्ष, छुवारा, सुपारी, श्रीफल, सरसों, सूत, सन, गुड़, शक्कर, खाण्ड में मंदा रहेगा। 27 जून– सोना, चांदी, रुई, सूत, कपास, मूंगा, मक्का में साधारण तेजी। गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, अरहर, मटर, ज्वार, बाजरा में मंदा आयेगा। गुड़, शक्कर, खांड़ में घटाबढ़ी के बाद मंदा आयेगा। 28 जून–गेहूं, चना, तिल, सरसों, उड़द मंदे होंगे। सरसों, अलसी, बिनोला, तैलों में घटाबढ़ी के बाद मंदा होगा। रुई में तेजी बनेगी। वायु वेग के साथ वर्षा होगी।

जुलाई–02 जुलाई–तैल, तिल, अरण्डी में साधारण तेजी रहेगी। चना, मूंग, मोठ, भारवाहक पशुओं तथा वाहनों में मंदा आयेगा। सरसों एवं तरा में घटबढ़ चलेगी। रुई, चांदी, सोना, सरसों में मंदा आकर घटबढ़ चलेगी। 06 जुलाई– बिनौला, तिल, ज्वार, मूंग, मोठ, मसूर, बाजरा, उड़द, अलसी, सरसों, गुड़, खाण्ड, चावल, नमक, कपड़ा, तिल, कुसुंभा, अरण्डा, नील, सज्जी, मजीठ, माजूफल, केसर, देवदारु, लौंग, नारियल, सफेद वस्तुओं में तेजी आयेगी। किसी स्थान पर अत्यन्त तेज हवाओं के साथ वर्षा होगी। 05 जुलाई–रुई, सूत, कपड़ा, सन, जूट, चांदी में मंदा रहेगा। गेहूं, जौ, चना, तिल, तैल, उड़द, मूंग, मोठ के भावों में तेजी आने के बाद मंदा बनेगा। भाद्रपद मास में तेजी का योग बनेगा। 07 जुलाई–रुई की फसल खराब होगी। चावल, गुड़, खाण्ड, शक्कर तथा सभी प्रकार के धान्यों तथा रसकस में तेजी आयेगी परन्तु गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, घी में मंदा रहेगा। 12 जुलाई–रुई, सूत, कपास, सन, चांदी के भावों में कमी आयेगी। सोना, तांबा, गेहूं आदि सभी अनाजों तथा हाथी, घोड़े, बैलों में तेजी बनेगी। 13 जुलाई–जौ, गेहूं, चना में सामान्य तेजी आयेगी। चांदी, खाण्ड, घी में घटाबढ़ी चलेगी। गुड़ तेज होकर मंदा होगा। अरहर, ग्वार, रुई, बारदाना, पटसन, मूंगफली, कपास, सूत, कपड़ा, सरसों, अरण्डी, तिल, तैल, सरसों में मंदा चलेगा।

श्रावण मास–पांच गुरु तथा पांच शुक्रवार युत मास में चांदी में घटबढ़ चलेगी। गुरुवारी कृष्ण प्रतिपदा से मूंग उड़द, तिल तथा तैल महंगे होंगे। एकादशी के रोहिणी नक्षत्र से सुभिक्ष रहेगा। प्रतिपदा के वैधृति योग तथा आर्द्रा युत श्रावण चतुर्दशी के योग से अन्न का संग्रह सामान्य लाभ देगा। पुष्य नक्षत्र युत अमावस्या तथा कर्क के चन्द्रमा से अच्छी वर्षा होगी। अन्न सस्ते होंगे। संवत् की कर्क तथा मकर संक्रांतियां एक ही दिन शनिवार को होने से अचानक धान्यों में तेजी आयेगी।

16 जुलाई–गेहूं, जौ, चना, चावल, ज्वार, बाजरा, ग्वार, मोठ, मूंग, सरसों, तिल, तैल, घी, नमक में तेजी बनेगी। सोना, चांदी, ईख, गुड़, खाण्ड, शक्कर घटबढ़ में रहेंगे। लोहा, पीतल आदि धातुओं में मंदा रहेगा। 17 जुलाई–सरसों, मूंगफली, तैल, तिल, गुड़, दही, रसकस, मादक पदार्थ, जलवाहन-नौका, मोटरबोट, जलपोत तेज रहेंगे। चांदी में घटाबढ़ी रहेगी। गेहूं, जौ, चना, चावल, मटर, अरहर, रुई, कपड़ा में कुछ मंदा रहेगा। बढ़ती हुई महंगाई से प्रजा पीड़ित होगी। 18 जुलाई–सोना, चांदी, मोती, मूंगा आदि बहुमूल्य नगों, सूत तथा कपड़ा के मूल्यों में गिरावट आयेगी। चांदी, रुई में अचानक मंदा आयेगा। अन्नों के मूल्य गिरेंगे। वैश्विक सम्पत्ति (जी डी पी) बढ़ेगी। 20 जुलाई–सरसों, गुड़, खाण्ड, बाजरा, नारियल, सोंठ, मोम, जूट, सोना, चांदी में तेजी आयेगी। रुई में तेजी आकर मंदा बनेगा। 25 जुलाई– गुड़, खाण्ड, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी, मूंगफली, मूंग, उड़द में तेजी आयेगी। अच्छी वर्षा से भूसी वाले धान्यों का उत्पादन बढ़ेगा। 29 जुलाई–आश्लेषा नक्षत्र के दिन की वर्षा से सभी प्रकार के अन्न की कृषि उत्तम रहेगी। कुछ स्थानों पर धान्यों में तेजी आयेगी। 30 जुलाई–गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर में तेजी बनेगी। रुई, सोना, चांदी, कपास, सूत में मंदा रहेगा।

अगस्त–01 अग.–सोना, तांबा, चांदी, पीतल, खाण्ड, रुई, कपूर, सूत, कपास, कपड़ा इमली, आंवला आदि खट्टे पदार्थों, औषधीय वनस्पतियों तथा देवदारु में तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना, गुड़, खांड, शक्कर, सरसों, ऊन में मंदा रहेगा। रुई, पटसन, शेयर्स में मंदा आकर तेजी बनेगी। वर्षा में कमी से कृषि का भय रहेगा। 03 अग.–किन्हीं स्थानों पर वर्षा के कारण खाद्यान्न खराब अथवा नष्ट होंगे। सोना, चांदी, रुई, बिनोला, चावल, उड़द, शक्कर, ज्वार, घी, तेल, सरसों, अरण्डी, तिल, तैल, द्राक्ष, मिर्च, शेयर मार्केट में तेजी आयेगी। 05 अग.–गेहूं, जौ, चना, तिल, सरसों, अलसी, चांदी, चावल, सूत, कपड़ा में तेजी बनेगी। रुई में मंदा रहेगा। 07 अग.–सभी प्रकार के रसकस, गुड़, खांड, शक्कर, घी, तैल, सूत, सन, बारदाना, गोला में तेजी बनेगी। रुई, जौं, गेहूं, चना में गिरावट के बाद तेजी आयेगी। चांदी में गिरावट रहेगी। महंगाई बढ़ेगी। 09 अग.–रुई, कपास, सूत, सन, रेशम, ऊन में तेजी बनेगी। सभी प्रकार के अन्न एवं अन्न पदार्थों, गुड़, खाण्ड, शक्कर कपूर, शिंगरफ, पारा, हींग, लाख, चमड़ा में मंदा रहेगा। 10 अग.–जौं, गेहूं, चना, उड़द, मूंग, मोठ, सरसों, अरण्डी, तिल, तैल, अलसी, तोरया, कुंकुम, केशर, जूट, बारदाना, गेरू, मजीठ, कपूर, चन्दन, केशर, कपड़ा, कपास तथा लाल रंग की वस्तुओं में तेजी आयेगी।

भाद्रपद मास–पांच शनिवार युत मास में कृषि की हानि से अन्न तथा अन्य प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी। भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा के धनिष्ठा नक्षत्र से खाद्यान्नों की उपलब्धता में बाधा नहीं आयेगी। शनिवारी अमावस तथा सिंह के चन्द्रमा से अन्न, तैलों में तेजी रहेगी।

17 अग.–रत्न, नग, मूंगे, ज्वार, अरंडा, द्राक्ष, मिर्च, बाजरा, तिल, तैल, घी, चांदी, रुई, कपास, सरसों, शक्कर तथा लाल रंग के वर्तन तथा धातुओं, तांबा एवं मादक पदार्थों में तेजी बनेगी। 18 अग.–उड़द, मोठ, अरहर, मसूर एवं मूंग का उत्पादन विपरीत रूप से प्रभावित होकर इनमें साधारण तेजी बनेगी। चांदी तथा अन्न में गिरावट रहेगी। रुई में घटाबढ़ी के बाद गिरावट आयेगी। 20 अग.–कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। अन्नों में घटाबढ़ी से भावों में कुछ तेजी बनेगी। रुई, कपास, चावल, मोठ, चना, जौ, भूसा में मंदा रहेगा। 21 अग.–सोना तथा अन्य धातुओं, गुड़, खाण्ड, शक्कर, हल्दी, गेहूं, जौ, चना में तेजी बनेगी। चांदी, रुई में गिरावट रहेगी। छः मास तक सोना, अच्छी क्वालिटी की खाण्ड में तेजी रहेगी बाद में गिरावट। 27 अग.–रुई, सूत, कपास, कपड़ा, शेयर मार्केट, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रेशम, हींग, मिर्च, सरसों तथा तैलों में तेजी। लकड़ी की तस्करी को प्रश्रय मिलेगा। 30 अग.–फसलों में कीटों का प्रकोप समाप्त होगा। सभी प्रकार के अन्न पदार्थों में गिरावट। अन्य व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी चलेगी। 31 अग.–गेहूं, जौ, चना, मटर, बाजरा, लोहा, जूट, सूत, गुड़, खाण्ड, तैल, तिल, मूंगफली, अरण्डी, सुपारी, ज्वार, ऊनी वस्त्रों, सोना, तांबा, पीतल, चांदी, लाल रंग की वस्तुओं-मजीठ, लाल चन्दन, केसर, कस्तूरी, लाल मिर्च तथा चौपायों में तेजी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। कृषि कीट प्रकोप से सुरक्षित रहेगी। खाद्यान्नों की उपलब्धता सुलभ होगी।

सितम्बर–आश्विन मास–पांच रविवार युत मास में महंगाई बढ़ेगी। कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन के मध्य अविश्वास रहेगा। रविवारी अमावस्या से जी. डी. पी. में गिरावट आयेगी। बैंक रिजर्व में कमी रहेगी। सत्ता शिखर पर आसीन

नेताओं की उलझनें बढ़ेंगी। अन्न संग्रह से तीन गुणा लाभ मिलेगा। उ.फा. नक्षत्र से एक मास तक खाद्यान्नों में मंहगाई रहेगी। किसी-किसी स्थान पर खण्ड वर्षा होगी।

11 सितं.–चावल, चांदी, सोना, रुई, सूत, सन, गेहूं, चना, ज्वार, बाजरा, गेहूं, जौ, उड़द, मूंग, घी आदि में गिरावट आयेगी। 13 सितं.–तिल, चावल, उड़द, नारियल, मूंग, जौं, ज्वार, गुड़, चीनी, जूट, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कत्था में तेजी आयेगी। 17 सितं.–नारियल, तिल, तैल, सरसों, अलसी, तिलहन, कपास, मजीठ, घी में तेजी चलेगी। रुई, सूत, कपड़ा, सुपारी, मेवा, अरण्डा, सोना, चांदी, लोहा, तांबा, पीतल तथा शेयर्स में मंदा आयेगा। 19 सितं.–उड़द, मोठ, अरहर, मसूर एवं मूंग का उत्पादन विपरीत रूप से प्रभावित होने से इनमें साधारण तेजी बनेगी। चांदी तथा अनाजों में गिरावट। रुई में घटाबढ़ी के बाद गिरावट आयेगी। 22 सितं.–सभी प्रकार के अनाजों तथा रुई में तेजी आयेगी। सोना, चांदी में घटबढ़ चलेगी। जल संकट ग्रस्त क्षेत्रों, प्रदेशों तथा देशों में कृषि की हानि होगी। 24 सितं.–कृषि नष्ट होगी। गेहूं, चावल, सोना, गुड़, खाण्ड, ऊनी वस्त्रों, तथा शाल की लकड़ी में तेजी आयेगी। चांदी घटाबढ़ी में आकर तेजी होगी। उत्तम क्वालिटी के चावलों बासमती आदि में विशेष तेजी आयेगी। तिल की खेती की हानि होगी। कपास की खेती की हानि होने से रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। सन तथा बारदाना में मंदा रहेगा। पशुओं के मूल्य बढ़ेंगे। 27 सितं.–चना, घी, सूत, जूट, कपड़ा, धनिया, घास, लकड़ी, नमक, रुई में तेजी आयेगी।

अक्तूबर–02 अक्टू.–सोना में साधारण तेजी बनेगी। चावल, चांदी तथा रुई में मंदा आयेगा। अन्न, गुड़, खाण्ड, शक्कर में घटाबढ़ी रहेगी।

कार्तिक मास–मास पांच सोम तथा पांच मंगलवार युत है। वर्षा में कमी आयेगी। व्यापारिक उन्नति होगी। देश की जी. डी. पी. में सुधार के संकेत मिलने लगेंगे।

11 अक्टू.–सोना, चांदी, रुई, तिल, गुड़, खांड, केसर, कपूर में तेजी आयेगी। 13 अक्टू.–प्रायः ही सभी वस्तुओं के भाव स्थिर रहेंगे। सोना, चांदी तथा धान्यों के मूल्यों में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। रुई में मंदे का ध्यान रख कर कार्य करें। 14 अक्टू.–कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। सभी प्रकार के अनाजों में मंदा चलेगा। अन्य व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी चलेगी। 16 अक्टू.–सभी प्रकार की लाल वस्तुओं में तेजी बनेगी। आकाश में बादल छाये रहेंगे। 17 अक्टू.–सोना तथा अन्न पदार्थों में तेजी बनेगी। फसलों को कीटों से हानि होगी। मादक पदार्थों में मंदा रहेगा। 18 अक्टू.–गुड़, शक्कर, सोना में साधारण तेजी रहेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। रुई में तेजी के बाद गिरावट देखने में आयेगी। अन्न घटाबढ़ी में रहकर मंदे में जायेगा। मादक पदार्थों में एक मास में तेजी आयेगी। 22 अक्टू.–सामान्य वर्षा का योग होने से अन्नों में तेजी आयेगी। रुई में घटाबढ़ी से तेजी बनेगी। चांदी में भी घटाबढ़ी चलेगी। 24 अक्टू.–सोना, चांदी, जूट, सूत, कपड़ा, शक्कर, बिनौला, सुपारी, मिर्च, सरसों, अलसी, राई में तेजी चलेगी। 24 अक्टू.–गुड़, खाण्ड, शक्कर, सरसों, तैल, पशु आहारों एवं भूसी वाले धान्यों में तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना में मंदा रहेगा, अन्य सभी अन्नों में घटाबढ़ी चलेगी। 26 अक्टू.–गेहूं, जौ, चना, घी, गुड़, शक्कर, खाण्ड, बारदाना, रुई, सोना, यूनानी एवं आयुर्वेदिक औषधियों तथा गोला में तेजी आयेगी। चांदी, सरसों, मूंगफली, बिनौला, मिर्च में मंदा रहेगा। 30 अक्टू.–किसी स्थानों पर मंद-मंद वर्षा होने का योग है। रुई में मंदा रहेगा। अन्न के भाव प्रायः ही स्थिर रहेंगे।

नवम्बर–मास में सूर्य, बुध, शुक्र तथा केतु-चार ग्रहों के तुला राशि से गोचर अशुभ घटनायें घटित होंगी। मास की वृश्चिक संक्रांति के समय स्वगृही गुरु की दृष्टि से ग्रीष्म कालीन धान्यों का उत्पादन श्रेष्ठ होगा। सूर्य से आगे बुध तथा शुक्र के गोचर से अच्छी कृषि की पुष्टि हो रही है। परन्तु सूर्य पर मंगल की सप्तम दृष्टि से किन्हीं स्थानों पर कृषि की हानि होकर भावों में तेजी आयेगी। 03 नवं.–पशु आहारों एवं भूसी वाले धान्यों में घटबढ़ रहेगी। व्यापार में लगातार उतार-चढ़ाव तथा अनिश्चितता से व्यापारी वर्ग चिन्ता में रहेगा। गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर, मूंग, सूत, कपास, चांदी, चावल, सोना, सरसों में मंदा रहेगा। रुई में अच्छी गिरावट आयेगी। 06 नवं.–सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड, रसकस, रुई, सूत, कपास, गेहूं, जौ, चना, चावल, सरसों, तिल, मादक पदार्थ, शेयर्स तथा विदेशी करेंसी में तेजी रहेगी। 07 नवं.–खाद्यान्नों का आवंटन समानुपाती नहीं होने एवं एकरूपता में कमी चिंता का कारण बनेगी। रुई, गुड़, खांड, शक्कर तथा धान्यों में मंदा रहेगा।

मार्गशीर्ष मास–मास में पांच बुध तथा पांच गुरुवार होने से विश्व में अशुभ घटनाएं घटित होंगी। तस्करों की गतिविधियां बढ़ेंगी।

11 नवं.–धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। महंगाई कम होने से राहत मिलेगी। ज्वार, बाजरा, गेहूं, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोठ आदि में मंदा होगा। चांदी में यदि अब तक तेजी रही तो मंदा होगा अन्यथा मंदा होने पर तेजी आयेगी। अलसी, रुई, कपास तथा शेयर मार्केट में तेजी बनेगी। गुड़ में घटाबढ़ी चलेगी। मादक पदार्थों में पहले मंदा होकर बाद में तेजी बनेगी। 13 नवं.–जौ, गेहूं, चना, उड़द, मूंग, मोठ, सरसों, अरण्डी, बिनोला, तिल, तैल, घी, अलसी, कपड़ा, कपास, तोरया, कुंकुम, चन्दन, केशर, जूट, बारदाना, गेरू, मजीठ, कपूर, चौपाए पशुओं तथा लाल रंग की वस्तुएं तेजी में रहेंगी। मादक पदार्थों, बाजरा तथा ग्वार में मंदा रहेगा। सोना-चांदी के भाव स्थिर रहेंगे। रुई में घटाबढ़ी चलेगी। 14 नवं.–अनावृष्टि से रुई में तेजी बनेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, दूध, घी, चांदी, चावल, नमक तथा क्षारीय पदार्थों में गिरावट आयेगी। चावल और खांड में 22 दिनों में कुछ मंदा बनेगा। 16 नवं.–ऊन, ऊनी वस्त्रों में तेजी चलेगी। चांदी, तांबा में साधारण तेजी बनेगी। अनाज, सोना, चांदी, रुई, सूत, सन, लाल रंग के पदार्थों में गिरावट रहेगी। खाद्यान्नों का आवंटन एकरूप न होने से चिंता का कारण बनेगा। 20 नवं.–चावल, सूत, मादक पदार्थ, जौ, चना, आदि अनाजों में तेजी बनेगी। सोना में मंदा रहेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। 24 नवं.–गेहूं, जौं, चना, बाजरा, उड़द, मूंग, ग्वार, चावल, गुड़, खाण्ड, धान, शाली, ईख तथा घी में तेजी बनेगी। 25 नवं.–सोना, चांदी, तिल, चावल, तैल, सरसों, हींग, सूत, रुई, खांड में मंदा रहेगा। धान्यों में साधारण तेजी बनेगी।

दिसम्बर–03 दिसं.–गेहूं, जौ, चना, सूत, कपास, कपड़ा, ईख, गुड़, खांड, शक्कर, चावल, अलसी, पारा, हींग, अरण्डा, गूगल, सभी प्रकार के शेयरों तथा मादक पदार्थों में तेजी रहेगी। सोना, चांदी में मंदा आयेगा। रुई, सन तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ रहेगी। घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। 04 दिसं.–रुई, सूत, कपास, कपड़ा, शेयर मार्केट, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रेशम, हींग, मिर्च, सरसों तथा तैलो में तेजी चलेगी। 05 दिसं.–कृषि की अनेक कारणों से क्षति होगी। सभी प्रकार के अनाजों में तेजी आयेगी। गेहूं, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खाण्ड, घी, चांदी, शेयर्स, कपास, कपड़ा, चांदी, तांबा, लोहा महंगे होंगे। सोना, सन, सूत में घटाबढ़ी चलेगी। रुई पहले तेजी होकर बाद में मंदे में जायेगी। व्यापार में अच्छी तेजी-मंदी चलने से व्यापारियों में घबराहट रहेगी।

पौष मास–पांच शुक्रवार युत मास में प्रजा में कुशल क्षेम रहेगी। उत्तम वर्षा से सुभिक्ष, क्षेम रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी, रुख मंदे का रहेगा। रसकसों में भी मंदे का प्रभाव रहेगा। शुक्रवारी अमावस्या से किन्हीं स्थानों पर वर्षा होगी। शनिवारी नवमी में किया धान्य संग्रह आगे चलकर लाभ देगा। व्यापारिक उन्नति होगी। दक्षिणी देशों में जन समुदाय त्रस्त रहेगा।

12 दिसं.–गुड़, शक्कर, खांड, सरसों, अलसी, बिनोला, रुई, कपास महंगे रहेंगे। गेहूं, जौ, चना, मटर, उड़द, मूंग, बाजरा, ग्वार, सोना, चांदी में मंदा चलेगा। 16 दिसं.–सोना, चांदी, चावल, सरसों, मादक द्रव्य, कपास, पाट, बारदाना, सूत, कपड़ा, अलसी तिल, तैल महंगे रहेंगे। चांदी, रुई में तेजी आकर मंदा होगा। उड़द, मूंग, गुड़, शक्कर, खाण्ड, नमक में मंदा रहेगा। जलीय उत्पादों की हानि होगी। 22 दिसं.–कृषि उत्पादन संतोषजनक रहने से धान्यों तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओं में मंदा बनेगा। 23 दिसं.–मूल युत पौषी अमावस्या में मंहगाई पर रोक लगेगी। 27 दिसं.–सोना, चांदी, अलसी, सरसों, अरण्डी, रसकस, गुड़, शक्कर, खाण्ड में मंदा आयेगा। रुई तथा अन्न में घटाबढ़ के बाद

तेजी चलेगी। किसी रोग का प्रकोप बढ़ेगा। 28 दिसं.–गेहूं, जौ, चना के भावों में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। सोना, चांदी तथा रुई में तेजी रहेगी। गुड़, खांड, घी, तैल के भावों में मंदा आयेगा। किसी किसी स्थान पर वर्षा होगी। बाजारों में सामान्य घटबढ़ चलेगी। 29 दिसं.–सभी प्रकार के खाद्यान्नों, गेहूं, गुड़, शक्कर, घी, तेल, सरसों, खाण्ड, ऊनी वस्त्रों में तेजी बनेगी। चांदी, सोना, सूत, सन में घटाबढ़ी होकर तेजी आयेगी। 31 दिसं.–रुई सूत, कपास, कपड़े, मादक पदार्थों, ईख तथा चावल में तेजी चलेगी। चांदी में गिरावट। अन्य व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ रहेगी।

जनवरी २०२३–04 जन.-गुड़, शक्कर, खांड, सरसों, अलसी, विनोला, रुई, कपास में तेजी। गेहूं, जौ, चना, मटर, उड़द, मूंग, बाजरा, ग्वार, सोना, चांदी में मंदा। 06 जन.: कपास, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी में तेजी बनेगी। चांदी, सोना, गोला, गुड़, शक्कर, खाण्ड, उड़द, मूंग, मोठ में मंदा आयेगा। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चौपायों की हानि होगी।

माघ मास: मास पांच शनि तथा पांच रविवार युत है। व्यापारिक उन्नति होगी।

11 जन. : गेहूं, खाण्ड, देशी शक्कर, जूट, सूत, घी, चना, सरसों, तिल, तैल, चांदी, रुई तथा हल्दी में तेजी होगी। 14 जन. : चांदी, सोना, तांबा, सीसा, कसुंभा, मजीठ कतीर, कांसा, पीतल आदि सभी धातुयें, कपड़ा, घी, गुड़, खांड आदि रसकस तथा तेल महंगे रहेंगे। अन्नों में मंदा आकर भाव स्थिर रहेंगे। 17 जन. : मूंग, मोठ, अरहर, ज्वार, सोना, चांदी, रुई, कपास, चावल, उड़द में तेजी बनेगी। गेहूं में घटबढ़ चलेगी। 17 जन. : रुई चांदी, शेयर बाजार तथा अनाजों में तेजी आयेगी। 22 जन. –फल-फूलों में तेजी बनेगी। चांदी, रुई, गेहूं, जौ, चना, उड़द मूंग, ज्वार, बाजरा, आदि अन्न, सफेद वस्तुओं तथा रसकस में गिरावट आयेगी। खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी से महंगाई बढ़ेगी। वर्षाकाल में उत्तम वर्षा होगी। 24 जन.–सभी प्रकार के अन्न, विशेषकर गेहूं में तेजी आयेगी। उड़द, मूंग, जूट, सूत, कपास, बांस, सरसों, गुड़, खांड, चीनी, रुई, कपास, सन, शेयरों में तेजी आयेगी। तापमान में गिरावट रहेगी। 28 जन.–घी, तिल, तैल, गुड़, शक्कर, खाण्ड, सरसों, अलसी, अरण्डी, रुई, कपास, चावल, सोना, चांदी तथा पशुओं में तेजी रहेगी। मादक पदार्थों के व्यापारियों तथा उपभोक्ताओं में असंतोष रहेगा।

फरवरी २०२३–04 फर.-कृषि उत्पादन संतोषजनक रहने से अनाजों तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओं में मंदा बनेगा। पांच सोम तथा पांच मंगलवार युत है। सोमवारी अमावस्या में प्रजा में किसी कारण से भय व्याप्त होगा। देश का रिजर्व बढ़ेगा।

06 फर.–सोना, चांदी, तांबा, लोहा, रुई, चावल, कपड़ा, अनाज, जौ, गेहूं, सूत, सन, गुड़, खांड, जूट, तिलहन, अलसी में तेजी आयेगी। 07 फर.-सोना, चांदी तथा रुई में तेजी रहेगी। गेहूं, जौ, चना के भावों में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। गुड़, खांड, घी, तैल के भावों में मंदा चलेगा। बाजार सामान्य घटबढ़ में रहेंगे। सट्टेबाज हानि उठायेंगे। 13 फर.–कपड़ा, नमक, तिल, सरसों, मूंगफली, अलसी, राई, तैल तथा धान्यों में तेजी आयेगी। पटसन, बारदाना, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गन्ना, मक्का, ज्वार, बाजरा, ऊनी-रेशमी वस्त्र तथा किराने की वस्तुओं में मंदा रहेगा। सोना, चांदी आदि धातुओं के भाव स्थिर रहेंगे। रुई, सूत, बिनोला, कपास में घटबढ़ चलेगी। चने की फसल खराब होगी। 14 फर. –गुड़, शक्कर, खाण्ड, चावल, चना, गेहूं तेजी में रहेंगे। 15 फर. –महंगाई बढ़ेगी, खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी होगी। घी, रुई एवं चादी में तेजी बनेगी। सभी प्रकार के धान्यों, तैल, तिलहन, अलसी, अरण्डी, गुड़, खाण्ड में गिरावट आयेगी। 18 फर. –कृषि की रोग तथा कीटों से हानि होगी। गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, फल, आलू, लहसुन, प्याज, हल्दी अदरक तथा चौपायों में तेजी रहेगी। चांदी, मोती, ईख, गुड़, खाण्ड, रुई, कपास, सूत, सन, चावल, नमक, कपूर, गोला, सरसों तथा अन्य तिलहनों में मंदा आयेगा। सोना बाजार भाव स्थिर रहेंगे। घी में घटबढ़ चलेगी। 20 फर.–सोना, गेहूं, चना, गुड़, खाण्ड, रुई, सूत, कपास, जूट, घी, तिल, छुवारा, सोंठ, हल्दी में तेजी आयेगी। 23 फर.-सोना, चांदी, पीतल, जस्ता तथा धान्यों में मंदा रहेगा। रुई में घटाबढ़ी चलेगी। चावल में तेजी आयेगी। दुधारू पशुओं की हानि होगी। 24 फर.-रुई में अच्छी घटाबढ़ी चलेगी। चांदी में पहले मंदा आकर बाद में तेजी आयेगी। अनाज में मंदा रहेगा। 25 फर.-चांदी में तेजी। उत्तम वर्षा से तिल की फसल खराब होगी। कपास की खेती की हानि होने से रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। 27 फर.-सोना, चांदी आदि धातुओं तथा अन्न के भावों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल में मंदा आकर तेजी आयेगी। रुई, घी, तैल, रसकस, गुड़, खाण्ड, शक्कर में घटाबढ़ी के बाद मंदा बनेगा। अलसी, सरसों में घटाबढ़ी। मादक पदार्थ तेज होने के बाद गिरावट में जायेंगे।

मार्च २०२३–01 मार्च-चांदी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई, कपास, चावल, सूत, चन्दन, सन, जवाहरात में मंदा रहेगा। रुई, चांदी, चावल, खांड के भावों में मंदे के झटके आयेंगे। जंगली जानवरों के प्रकोप से जनधन की हानि होगी। 03 मार्च–खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी आयेगी। सोना, चांदी, सन, सूत तेजी में रहेंगे। अनाजों में कुछ स्थानों पर तेजी रहेगी तथा अन्य स्थानों पर भाव स्थिर रहेंगे। 05 मार्च–चावल, ज्वार, बाजरा, पीपल, गुड़, खाण्ड, देशी शक्कर, सरसों, तिल, तैल, कपास, सूत में तेजी चलेगी। 11 मार्च–अन्न पदार्थों की उपलब्धता में कमी रहेगी। सोना, चांदी, लोहा, तांबा तथा धान्यों में मंदा आयेगा। रुई, सूत में घटाबढ़ी चलेगी। 12 मार्च–सोना, चांदी, गेहूं, जौ, चना, गुड़, खाण्ड, घी, दूध, चावल, रुई, कपास, पशुओं तथा अन्न पदार्थों में तेजी रहेगी। मटर, मूंग, मोठ, अरहर, रुई, कपास, ऊन में मंदा रहेगा। पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। तैल, तिल, सरसों, अरण्डी, अलसी में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख बनेगा। जौं, तिल, उड़द का उत्पादन कम रहेगा। बुद्धिजीवी वर्ग में परस्पर वैमनस्य एवं तीव्र मतभेद बनेंगे। 13 मार्च–सभी प्रकार की लाल वस्तुओं में तेजी बनेगी। आकाश में बादल छाये रहेंगे। 15 मार्च–नमक, तिल, तैल, किराना की वस्तुओं तथा सभी धान्यों में तेजी रहेगी। 16 मार्च–रुई, कपास, बिनोला में तेजी बनेगी। सोना, चांदी तेज होकर मंदे होंगे। गेहूं, चना, गुड़, शक्कर, घी, तैल, मूंगफली अरण्डा, मादक पदार्थों में मंदा आयेगा। भारवाहक साधनों की दुर्घटनाओं से वन्य प्राणियों की हानि होगी। घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। 18 मार्च–सोना, चांदी, कपड़ा, नमक में तेजी आयेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। खाद्यान्नों के भावों में अधिक फेरबदल नही होने से गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई, धान्य एवं चावलों के भावों में समता रहेगी। 23 मार्च–भूसे वाले धान्यों में तेजी आयेगी। तिलों की फसल खराब होगी। तैल, सरसों, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, श्रीफल, सुपारी, धान्य, तूअर आदि में घटबढ़ रहेगी। रुख मंदे का बनेगा। सोना, चांदी में गिरावट आयेगी। 24 मार्च–लाल मिर्च, लौंग, मजीठ, लाल चन्दन तथा लाल रंग की वस्तुओं, गेहूं, गेरू, कुंकुम, कपूर, केसर में तेजी बनेगी। चांदी, गुड़, खांड, घी, तैल, सरसों, तिल तथा तिलहनों में मंदा आयेगा। 27 मार्च–किसी स्थान पर वर्षा होगी। तिल के उत्पादन में कमी आयेगी। भैंसों की हानि होगी। 31 मार्च–जौ एवं गेहूं की फसलों को रोग तथा कीटों से हानि होगी। सोना, चांदी आदि धातुओं, मूंगा आदि बहुमूल्य रत्नों में, गेहूं, जौं, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग चौपायों में तेजी बनेगी। मोती, तिल, तैल, तिलहन तथा अलसी में मंदा आकर तेजी बनेगी। ईख, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रसकस, गोला, तेल, तिल, सरसों, घी, रुई, सूत, सन, कपास में मंदा रहेगा। पशुओं में किसी रोग का प्रकोप होगा। चौपायों के मूल्यो में तेजी आयेगी।

व्यापारिक तथा राजनैतिक गतिविधियों का आंकलन ग्रह गोचर आधारित है। स्थानीय परिस्थितियों, वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि के प्रभाव से उक्त फलों में परिवर्तन अवश्यम्भावी है। अतः बाजार में काम करने, व्यापार करने से पूर्व बाजार का आंकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये प्रस्तुत कर्त्ता, ज्योतिषी, प्रकाशक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं होंगे। किसी भी विवरण के लिये कृपया सी-82, वल्लभ नगर, उमा नगर सोसायटी के सामने, नोविनो तरसाली रोड़, बड़ोदरा (गुजरात), पिन-390009, मो. 09574337962 पर सम्पर्क करें।

लेखक : प्रवीन कुमार जैन एवं डॉ. उमा जैन

शेयर बाजार वर्ष 2022-2023 ई.

लेखक:-
प्रवीन कुमार जैन, डा. उमा जैन

गत वर्ष के शेयर बाजार आंकलन में हमने शेयर बाजार इण्डक्स में नई ऊंचाईयों को छूने की भविष्यवाणी की थी। वैसा ही हुआ। इस वर्ष का शेयर बाजार आंकलन भी उन्हीं ज्योतिषीय सिद्धांतों, मतों एवं परम्परा तथा ग्रह गोचर पर आधारित है जिन की गणना के आधार पर हमारा शेयर बाजार का आंकलन पूर्व में बहुचर्चित, सर्वत्र प्रशंसित तथा सराहनीय रहा है। विभिन्न संचार माध्यमों से दिन-प्रतिदिन अनेक पाठकों ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। इस आलेख में प्रत्येक मंगलवार के लिये शेयर बाजार का आंकलन प्रस्तुत किया गया है। साथ ही कुछ विशिष्ठ कम्पनीज के नामों का उल्लेख भी किया गया है। बाजार के आंकलन में प्रतिशत में बताई गई तेजी-मंदी इन्ट्राडे है, बाजार किसी दिन तेजी में जाने के उपरान्त भी पिछले दिन की तुलना में गिरकर बंद हुआ हो सकता है। कम्पनीज के नाम इन्डीकेटिव हैं, सजेस्टिव नहीं। सन् 2022 में शेयर मार्केट में अच्छी उथल-पुथल चलेगी। 13 अप्रैल तक बैंकिंग, टायर एण्ड ट्यूब इण्डस्ट्रीज के शेयर्स में गिरावट रहेगी।

जनवरी-04 जनवरी-आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.32 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.03 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, ए.सी.सी., डालमिया भारत तथा अवध शुगर एण्ड एनर्जी, डालमिया भारत शुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज, डी. सी. एम. श्रीराम इण्डस्ट्रीज, बनारी अमान शुगर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक, एम. आर. एफ. अपोलो टायर्स, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, बिरला टायर्स के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

11 जनवरी-आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.35 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, श्री बजाज हिन्दुस्तान, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया तथा स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स में गिरावट आयेगी।

18 जनवरी-आज स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 25.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.35 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट के शेयर तेजी में रहेंगे। स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

25 जनवरी-आज स्टॉक मार्केट में 33.00 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 33.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 34.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट के शेयर तेजी में रहेंगे। स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

फरवरी-01 फरवरी-आज के स्टॉक मार्केट में 33.35 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 25.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 41.65 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। ओरियेन्ट सीमेंट, मंगलम सीमेंट, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, डालमिया भारत शुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज, डी. सी. एम. श्रीराम इण्डस्ट्रीज, बनारी अमान शुगर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

08 फरवरी-आज के स्टॉक मार्केट में 33.35 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 33.35 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 33.30 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, उत्तम शुगर मिल्स, मवाना शुगर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., बर्गर किंग इण्डिया, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स में गिरावट आयेगी।

15 फरवरी-आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स में तेजी चलेगी। 33.35 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, उत्तम शुगर मिल्स, मवाना शुगर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

22 फरवरी-आज के स्टॉक मार्केट में 33.35 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 41.65 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। ए. सी. सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, मवाना शुगर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

मार्च-01 मार्च-आज का शेयर मार्केट डल रहेगा। ओपनिंग समय पर 16.67 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 50.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी, भारती एयरटेल के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

08 मार्च-ओपनिंग समय पर 16.67 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 50.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.33 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी, भारती एयरटेल के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, वैलस्पन इण्डिया, आलोक इण्डस्ट्रीज, पेज इण्डस्ट्रीज, गार्डन सिल्क मिल्स, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे। क्लोजिंग समय पर बाजार में मामूली सुधार देखने में आयेगा। जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया के शेयर्स में सुधार होगा।

15 मार्च-आज के स्टॉक मार्केट में 33.32 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष

33.35 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। वैलस्पन इण्डिया, पेज इण्डस्ट्रीज, गार्डन सिल्क मिल्स, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, कोटक महिन्द्रा बैंक, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

22 मार्च–स्टॉक मार्केट गिरावट में रहेगा। ओपनिंग समय पर मात्र 08.33 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.65 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.32 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज के शेयर तेजी में रहेंगे। जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डोरामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन के शेयर्स कमजोर रहेंगे। क्लोजिंग समय पर सामान्य सुधार होकर ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया के शेयर्स में तेजी बनेगी।

29 मार्च–ओपनिंग समय पर प्रतिशत 16.67 शेयर्स तेजी में रहेंगे। 49.98 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.35 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डोरामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

अप्रैल–05 अप्रैल–आज के स्टॉक मार्केट में 25.00 प्रतिशत शेयर्स में तेजी चलेगी। 50.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 25.00 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं. जुबलियेन्ट फूड वर्कस, सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, डी. सी. एम. श्रीराम इण्डस्ट्रीज, बनारी अमान शुगर्स, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

12 अप्रैल–बाजार मंदे में रहेगा। आज के स्टॉक मार्केट में 08.33 प्रतिशत शेयर्स में तेजी चलेगी। 75.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.67 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में तेजी रहेगी। एशियन होटल्स, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

19 अप्रैल–आज के स्टॉक मार्केट में प्रतिशत 25.00 शेयर्स तेजी में रहेंगे। 58.34 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 16.66 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी, भारती एयरटेल के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

26 अप्रैल–ओपनिंग समय पर प्रतिशत 25.00 शेयर्स तेजी में रहेंगे। 58.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 16.67 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो काउन्ट इण्डस्ट्रीज, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, इण्डियन बैंक, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, बर्गर किंग इण्डिया, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, श्री रेणुका शुगर, अवध शुगर एण्ड एनर्जी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

मई–03 मई: आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 50.02 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 08.33 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., बर्गर किंग इण्डिया, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

10 मई–आज के स्टॉक मार्केट में 33.35 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 57.99 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 08.66 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

17 मई–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.32 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 16.68 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं. जुबलियेन्ट फूड वर्कस, प्रीसीयस स्टोन, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, अरविन्द, रेमण्ड, सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा के शेयर तेजी में रहेंगे। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल के शेयर्स कमजोर रहेंगे। क्लोजिंग टाईम पर सीमेन्ट सैक्टर में सुधार होकर तेजी आयेगी।

24 मई–ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 49.70 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 08.65 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, आलोक इण्डस्ट्रीज, पेज इण्डस्ट्रीज, गार्डन सिल्क मिल्स, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., बर्गर किंग इण्डिया, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, गुडरिक ग्रुप, नाटको फार्मा, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

31 मई–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 08.67 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स,

इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, बिरला कार्पोरेशन, द रामको सीमेन्ट, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, सियेट के शेयर तेजी में रहेंगे। त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

जून–07 जून–ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 50.02 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 08.33 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, यूको बैंक के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, फाईजर, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, हिन्दुस्तान कॉपर के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

14 जून–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.67 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 08.33 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), यूको बैंक, यूनियन बैंक आफ इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, गुडरिक ग्रुप, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

21 जून–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 08.33 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., अल्ट्राटेक सीमेन्ट, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, गुडरिक ग्रुप, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, फाईजर, नाटको फार्मा, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

28 जून–आज के स्टाक मार्केट में 33.32 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 58.35 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 08.33 शेयर्स सामान्य कामकाज होगा। इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, उत्तम शुगर मिल्स, मवाना शुगर्स, द्वारकाधीश शुगर इण्डस्ट्रीज, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, सियेट, बिरला टायर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, बर्गर किंग इण्डिया, श्री सीमेंट, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, हिन्दुस्तान कॉपर के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

जुलाई–05 जुलाई–ओपनिंग समय 25.00 पर प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 66.67 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 08.33 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, टिन प्लेट कम्पनी ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

12 जुलाई–ओपनिंग समय पर 33.32 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 58.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 08.33 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., बर्गर किंग इण्डिया, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, गार्डन सिल्क मिल्स, हिम्मतसिंगका शैदे, ए. सी. सी., डालमिया भारत, कोल इण्डिया, हिन्डालको इण्डस्ट्रीज, वेदांता, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी, हिन्दुस्तान कॉपर, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन के शेयर्स कमजोर रहेंगे। क्लोजिंग टाईम पर फर्मास्युटिकल तथा माईनिंग सैक्टर में सुधार देखने में आयेगा।

19 जुलाई–आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.68 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 16.67 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, अरविन्द, रेमण्ड, एम. आर. एफ. अपोलो टायर्स, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, सियेट के शेयर तेजी में रहेंगे। जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

26 जुलाई–आज के स्टॉक मार्केट में 33.32 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 49.98 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 16.70 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, एच. डी. एफ. सी. बैंक, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। श्री सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

अगस्त–02 अगस्त–आज के स्टॉक मार्केट में 25.00 प्रतिशत शेयर्स में तेजी चलेगी। 50.00 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, बैंक आफ बरोदा, बैंक आफ इण्डिया, सियेट के शेयर तेजी में रहेंगे। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, बैलस्पन इण्डिया, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

09 अगस्त–ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.68 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.67 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, श्री रेणुका शुगर, धामपुर शुगर मिल्स के शेयर तेजी में रहेंगे। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा

सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

16 अगस्त–आज के स्टॉक मार्केट में 50.00 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 33.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.67 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी के शेयर तेजी में रहेंगे। टैक्सटाईल्स, टेलीकम्युनिकेशन तथा आटो सैक्टर के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

23 अगस्त–ओपनिंग समय पर 33.32 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.68 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 25.00 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक आफ इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

30 अगस्त–आज के स्टॉक मार्केट में 33.32 प्रतिशत शेयर्स में तेजी रहेगी। 33.36 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.32 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, बिरला टायर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

सितम्बर–06 सितम्बर–आज के स्टॉक मार्केट में 33.32 प्रतिशत शेयर्स में तेजी चलेगी। 41.68 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 25.00 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, बिरला टायर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

13 सितम्बर–आज के स्टॉक मार्केट में 16.67 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 58.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। ए. सी. सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, द रामको सीमेन्ट, सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, बिरला टायर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, बर्गर किंग इण्डिया, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

20 सितम्बर–ओपनिंग समय पर 16.67 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 49.98 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.35 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, बिरला टायर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, गुडरिक ग्रुप, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे। क्लोजिंग समय पर एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस के शेयर्स में सुधार होगा।

27 सितम्बर–आज का स्टॉक मार्केट डल रहेगा। ओपनिंग समय पर 16.67 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष प्रतिशत 50.00 शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। रामको सीमेन्ट, एम. आर. एफ., अपोलो टायर्स, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी, अशोका लैलेण्ड, बजाज ऑटो, आईशर मोटर्स, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

अक्टूबर–04 अक्तूबर–आज के स्टॉक मार्केट में 16.70 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.30 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 50.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए.सी.सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी, अशोका लैलेण्ड, बजाज ऑटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो होंडा, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

11 अक्तूबर–ओपनिंग समय पर 16.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.70 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 41.65 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, एम. आर. एफ. अपोलो टायर्स के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

18 अक्तूबर–ओपनिंग समय पर 16.67 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 49.99 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 33.32 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। एशियन होटल्स, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

25 अक्तूबर–शेयर मार्केट में गिरावट रहेगी। ओपनिंग समय पर 08.33 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 66.67 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। स्टेट बैंक आफ इण्डिया, एच. डी. एफ. सी. बैंक, आई. सी. आई. सी. आई. बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर तेजी में रहेंगे। डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

नवम्बर–01 नवम्बर–आज के स्टॉक मार्केट [illegible] प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 66.67 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। स्टेट बैंक आफ इण्डिया, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक के शेयर तेजी में रहेंगे। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), अवध शुगर एण्ड एनर्जी, डालमिया भारत शुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज, डी. सी. एम. श्रीराम इण्डस्ट्रीज, बनारी अमान शुगर्स, उत्तम शुगर मिल्स, मवाना शुगर्स के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

08 नवम्बर–आज के स्टॉक मार्केट में 08.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 74.67 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.68 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, बिरला टायर्स, बैंक आफ बरोडा, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक के शेयर तेजी में रहेंगे। धामपुर शुगर मिल्स, अवध शुगर एण्ड एनर्जी, आलोक इण्डस्ट्रीज, पेज इण्डस्ट्रीज, द रामको सीमेन्ट, इण्डिया सीमेन्ट के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

15 नवम्बर–ओपनिंग समय पर 43.32 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 40.03 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.65 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., बर्गर किंग इण्डिया, श्री सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, टाटा कम्युनिकेशन, भारती एयरटेल के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

22 नवम्बर–ओपनिंग समय पर 43.36 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 39.97 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.67 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, एम. आर. एफ. अपोलो टायर्स, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, आलोक इण्डस्ट्रीज, पेज इण्डस्ट्रीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर के शेयर तेजी में रहेंगे। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

[illegible] 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.35 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 25.00 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, धामपुर शुगर मिल्स के शेयर तेजी में रहेंगे। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

दिसम्बर–06 दिसम्बर–आज के स्टॉक मार्केट में 50.00 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.34 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.66 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, सियेट, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, अरविन्द, रेमण्ड, वर्धमान टेक्सटाईल, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर के शेयर तेजी में रहेंगे। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, एशियन होटल्स, गुडरिक ग्रुप, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

13 दिसम्बर–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 33.33 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.67 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, श्री सीमेंट, वर्धमान टेक्सटाईल, इण्डो रामा सिन्थैटिक (इण्डिया), सतलज टेक्सटाईल एण्ड इण्डस्ट्रीज, ई. आई.डी. पैरी (इण्डिया), बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी के शेयर तेजी में रहेंगे। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, गुडरिक ग्रुप, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

20 दिसम्बर–आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.69 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.66 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. [illegible] द रामको सीमेन्ट, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, वैलस्पन इण्डिया, आलोक इण्डस्ट्रीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बलरामपुर चीनी, त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक आफ इण्डिया के शेयर तेजी में रहेंगे। वोडाफोन आईडिया, टाटा कम्युनिकेशन, जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, गुडरिक ग्रुप, धुनसेरी टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

27 दिसम्बर–आज के स्टॉक मार्केट में 41.65 प्रतिशत शेयर्स तेजी में रहेंगे। 41.70 प्रतिशत शेयर्स में मंदे का रुख रहेगा। शेष 16.65 प्रतिशत शेयर्स में सामान्य कामकाज होगा। श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेन्ट, अम्बुजा सीमेंट, ए. सी. सी., डालमिया भारत, बिरला कारपोरेशन, प्रिज्म जॉनसन, जे. के. सीमेंट, द रामको सीमेन्ट, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज वैलस्पन इण्डिया, आलोक इण्डस्ट्रीज, ई. आई. डी. पैरी (इण्डिया), श्री रेणुका शुगर, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, एम. आर. एफ. अपोलो टायर्स, जे. के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज के शेयर तेजी में रहेंगे। एशियन होटल्स, इण्डियन होटल्स कं., जुबलियेन्ट फूड वर्कस, ई. आई. एच., ओरियेन्ट होटल, बर्गर किंग इण्डिया, भारती एयरटेल, डिगीस्पाईस टेक्नोलोजी, गुडरिक ग्रुप, जयश्री टी एण्ड इण्डस्ट्रीज, सिप्ला, ल्युपिन, डॉ. रेड्डी लेबोरेटरीज, फाईजर, नाटको फार्मा, अस्ट्राजेनका फार्मा इण्डिया के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

शेयर्स बाजार का उपरोक्त संभावित रुख ग्रह गोचर आधारित है तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के दिया जा रहा है। बाजार स्थानीय परिस्थितियों के अतिरिक्त वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि पर निर्भर करता है। बाजार में काम करने व्यापार करने से पूर्व बाजार का आंकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये प्रस्तुतकर्ता, ज्योतिषी, प्रकाशक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं होंगे। किसी भी विवरण के लिये कृपया सी-82, वल्लभ नगर, उमा नगर सोसायटी के सामने, नोविनो तरसाली रोड, वड़ोदरा (गुजरात), पिन-390009 मो-09574337962 पर सम्पर्क करें।

लेखक : प्रवीन कुमार जैन एवं डॉ. उमा जैन

भारतीय मानसून, प्राकृतिक वातावरण के हालात एवं आकाशीय लक्षण 2022 ई.

जनवरी—मास के प्रारंभ में सूर्य पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 11 को उत्तराषाढ़ा में तथा ता. 24 को श्रवण नक्षत्र में विचरण करेंगे। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 17 को पश्चिम में अस्त होंगे तथा 29 को यह पूर्व में उदय हो जायेंगे। फलतः मास के उत्तरार्द्ध तक शीत लहर के प्रकोप से लगभग सभी भू-भाग प्रभावित रहेंगे। पर्वतीय भू-भागों में हिमपात वर्षा भी होगी। मैदानी इलाकों में भी हिमपात का असर दिखेगा। जिससे आश्चर्य जनक तरीकों से ठंड का ग्राफ नीचे जायेगा। ता. 2, 3, 4, 7, 9, 11, 12 को मौसम व्यतिक्रम रहेगा। मकर की सूर्य संक्रांति चन्द्रमण्डल में पड़ने व बुध वक्री होने से शीत का प्रकोप अपनी पराकाष्ठा पर बना रहेगा। किसी-किसी भू-भागों में वायु वेगात्मक सामान्य से भारी वर्षा और ओला-पाला हो सकता है। ता. 16, 17, 21, 23, 29, 31 को मौसम में बदलाव दिखेगा। समुद्रतटीय भू-भागों में अचानक आंधी-तूफान आदि उपद्रव हो सकते हैं।

फरवरी—मासारंभ में सूर्य श्रवण नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 6 को धनिष्ठा में तथा ता. 19 को शतभिषा में विचरण करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 4 को मार्गी हो जायेंगे। ता. 3 को मंगल पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 21 को यह उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में विचरण करेंगे। जिससे मास के प्रारंभ में शीत लहर का प्रकोप जारी रहेगा। जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र, हिमालय, कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखण्ड, राजस्थान में वायु वेग के साथ वृष्टि, ओला-पाला, हिमपात संभावित है। जबकि मैदानी भू-भागों में ओला-पाला पड़ने से कई क्षेत्रों में खड़ी फसलों का नुकसान हो सकता है। कुंभ की संक्रांति वरुणमंडल में पड़ने एवं मंगल-शुक्र की युती जारी रहने से मौसम में अचानक परिवर्तन हो सकता है। जिससे ठंड के ग्राफ में धीरे-धीरे कमी महसूस होगी। ता. 1, 2, 3, 4, 5 तक मौसम में व्यतिक्रमित रहेगा। जबकि इसके बाद मौसम का मिजाज कुछ परिवर्तित हो सकता है। दक्षिण गुजरात, महाराष्ट्र में तेज गर्मी के बाद अचानक वायु के जोर से उपद्रव हो सकता है।

मार्च—मास के प्रारंभ में सूर्य शतभिषा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 4 को पूर्वाभाद्रपद में, ता. 18 को यह उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में तथा ता. 31 को रेवती नक्षत्र में विचरण करेंगे। मास के प्रारंभ में शुक्र-मंगल-बुध-शनि की प्रतियुति होने के साथ ही बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 21 को पूर्व में अस्त हो जायेंगे। जिससे दिन के तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि के कारण गर्मी क्रमशः बढ़ेगी। रात के तापमान में साधारण वृद्धि होगी। दिन-रात के तापमान में विशेष अंतर होने के कारण बादल वृष्टि की संभावना बढ़ेगी। ता. 3, 4, 5, 7, 9, 11, 12 को आर्द्रता बढ़ेगी। कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में हिमपात और वृष्टि हो सकती है। मीन की संक्रांति वरुणमंडल में पड़ने से यदा-कदा शीत की अनुभूति होगी। साथ ही उत्तर भारत में कहीं-कहीं वायु-वेगात्मक वर्षा हो सकती है। ता. 15, 17, 18, 19, 21, 23, 25, 27, 29, 30 को मौसम परिवर्तित रहेगा। जबकि बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र, गुजरात के समुद्रतटीय भू-भागों में सुनामी अथवा वायु-वेगात्मक तूफान का उपद्रव हो सकता है।

अप्रैल—मासारंभ में सूर्य रेवती नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 14 को अश्विनी नक्षत्र में, ता. 28 को यह भरणी नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। मासारंभ में मंगल धनिष्ठा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 16 को शतभिषा में मासान्त तक रहेंगे। मास के प्रारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलते हुए ता. 15 को पश्चिम में उदय हो जायेंगे। जिससे अचानक गर्मी का प्रकोप क्रमशः बढ़ता जायेगा। पछुआ हवा से लू और तेज हवाओं से पहाड़ी भू-भागों पर भी गर्मी का असर असहनीय रहेगा। दक्षिण भारत के कुछ भू-भागों में सामान्य वर्षा संभावित है। ता. 1, 2, 3, 4, 7, 9, 11 को वायु का संचरण बदला हुआ दिखेगा। ता. 14 को मेष संक्रांति वरुणमंडल में पड़ने से उत्तरार्द्ध में मौसम कुछ खुशगवार रहेगा। दिन में तेज गर्मी किन्तु रात्रि के तापमान में गुलाबी ठंड की अनुभूति होगी। ता. 17, 19, 21, 23, 24, 25, 27, 29 को मौसम परिवर्तित रहेगा। ता. 25 के बाद समुद्रतटीय भू-भागों में वायु वेग के साथ अचानक आंधी-तूफानादि का उपद्रव संभव है। कुछ भू-भागों में प्राकृतिक उत्पात भी संभव है।

मई—मासारंभ में सूर्य भरणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 11 को कृतिका में, ता. 25 को यह रोहिणी नक्षत्र में विचरण करेंगे। मासारंभ में मंगल शतभिषा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 4 को यह पूर्वाभाद्रपद, ता. 21 को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में विचरण करते रहेंगे। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 10 को वक्री हो जायेंगे। ता. 13 को बुध पश्चिम में अस्त होकर ता. 31 को पूर्व में उदय हो जायेंगे। जिससे मासारंभ में मौसम में व्यतिक्रम दिखेगा। तापमान में भी तेजी रहेगी। सम्पूर्ण भारतीय भू-भाग में लू के प्रकोप से जन-जीवन प्रभावित होगा। हवाओं के विपरीत रुख के कारण यदा-कदा सामान्य वर्षा हो सकती है। ता. 1, 2, 3, 6, 7, 9, 11, 12 को मौसम का मिजाज बदला-बदला सा दिखेगा। ता. 15 को वृष की सूर्य संक्रांति महेन्द्र मंडल में पड़ने से लू के प्रकोप में कुछ कमी आयेगी। परन्तु पूर्वा हवाओ के कारण तापमान में कुछ गिरावट दिखेगी। हालांकि हवाओं के विपरीत प्रभाव से मानसून के प्रवेश में गतिरोध बना रह सकता है। दक्षिण भारत के साथ-साथ, कर्नाटक, महाराष्ट्र के समुद्रतटीय क्षेत्रों में मानसून पूर्व वर्षा संभावित है। ता. 21, 22, 23, 25, 27, 29, 30, 31 को मौसम परिवर्तित रहेगा। इस माह कभी भी कई भू-भागों में भूकम्प आदि प्राकृतिक उपद्रव भी संभावित है।

जून—मासारंभ में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 8 को मृगशिरा में, ता. 22 को आर्द्रा नक्षत्र में विचरण करते रहेंगे। मंगल उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 8 को रेवती एवं ता. 27 को अश्विनी में विचरण करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 3 को मार्गी हो जायेंगे। ता. 6 को शनि वक्री होंगे। जिससे मौसम में व्यतिक्रम रहेगा। उत्तर भारत में पश्चिमी हवाओं के साथ पूर्वी हवा भी समय-समय पर चलेगी। जिससे मानसून में गतिरोध बन सकता है। दक्षिण भारत में भी मानसून का प्रवेश बिलम्ब से हो सकता है। केरल में हल्की से भारी वर्षा की संभावना। ता. 15 को मिथुन की संक्रांति वरुणमंडल में पड़ने से उत्तर भारत में मानसून का प्रवेश में कुछ बिलम्ब हो सकता है। कुल मिलाकर मानसून इस वर्ष रास्ते से भटक जायेगा। जिससे अनेक भू-भागों में वर्षा बिलम्ब से होगी। बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, स्वराष्ट्र, गुजरात, महाराष्ट्र में गर्मी का प्रकोप रह-रहकर बना रहेगा। विषाणु जन्य रोग, महामारी की आशंका बनी रहेगी। जिसके प्रतिकार में दवाएं विफल हो सकती हैं।

जुलाई—मासारंभ में सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 6 को यह पुनर्वसु में, ता. 20 को यह पुष्य नक्षत्र में विचरण करते रहेंगे। मंगल अश्विनी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 16 को भरणी नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 1 को गुरु उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में विचरण करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 5 को पूर्व में अस्त हो जायेंगे। ता. 28 को पश्चिम में उदय होंगे। मासारंभ में बुध-सूर्य की युति ता. 13 को शुक्र-बुध-सूर्य की प्रतियुति से मानसून दक्षिण भारत में मजबूत होकर आगे बढ़ेगा। उत्तर भारत में भी वायु-वेग का उपद्रव होगा। जिससे मैदानी भू-भागों में वर्षा का क्रम शुरु हो जायेगा। बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा आदि में मानसून की उपद्रवकारी वर्षा भटके हुए मानसून से होगी। महाराष्ट्र, गुजरात के कुछ भू-भागों में सामान्य से भारी वर्षा हो सकती है। ता. 16 को कर्क की सूर्य संक्रांति अग्निमंडल में पड़ने से वर्षा का क्रम उत्तरार्द्ध के बाद बाधित हो सकता है। तेज हवाओं के कारण बादल बिखर जायेंगे। ता. 19, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 30, 31 को मौसम परिवर्तित रहेगा। कुल मिलाकर कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि से किसान चिन्तित रहेंगे।

अगस्त—मासारंभ में सूर्य पुष्य नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 3 को अश्लेषा नक्षत्र में, ता. 17 को मघा नक्षत्र में विचरण करेंगे। ता. 31 को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में विचरण करेंगे। मंगल भरणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 5 को कृतिका एवं ता. 27 को रोहिणी में विचरण करेंगे। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 6 को शुक्र-सूर्य के साथ प्रतियुति से अधिकांश भू-भागों में मौसम का क्रम कुछ बाधित रहेगा। फिर भी वर्षा की स्थिति सामान्य रहेगी। औसत दृष्टि से आंकड़ा व्यवस्थित रहेगा। ता. 1, 3, 4, 5, 7, 9, 10, 11, 13 को गरज-तरज के साथ कहीं-कहीं अतिवृष्टि होगी। ता. 17 को सिंह की सूर्य संक्रांति वायुमंडल में पड़ने से मेघ संचार में वायु के प्रकोप के कारण व्यतिक्रम उत्पन्न होगा। इस कारण उत्तरार्द्ध में वर्षा का क्रम बाधित हो सकता है। ता. 18, 19, 21, 22, 23, 24, 27, 28, 29 को मौसम में बदलाव दिखेगा। कुल मिलाकर कहीं अतिवृष्टि, कहीं अनावृष्टि की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है।

सितम्बर—मास के आरंभ में सूर्य पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 13 को यह उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र तथा ता. 27 को यह हस्त नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। मास के प्रारंभ में मंगल रोहिणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 24 को मृगशिरा नक्षत्र में मासांत तक विचरण करेंगे। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 10 को वक्र होकर ता. 16 को यह पश्चिम में अस्त होंगे। ता. 30 को पुनः पूर्व में उदय होंगे। मानसून एक बार फिर अधिकांश भू-भागों में उपद्रव कारी बन सकता है। तापमान में गिरावट का प्रभाव आर्द्रता बढ़ने से परेशान करेगा। उत्तर भारत के अधिकांश भू-भागों में वायु वेगात्मक वर्षा होगी। पश्चिमी समुद्रतटीय क्षेत्रों में सुनामी, वायु वेगात्मक आंधी-तूफान से परेशानी हो सकती है। इस उपद्रव में व्यापक जन-धन की हानि भी संभावित है। ता. 1, 3, 5, 7, 9, 11, 12 को मौसम उपद्रव का योग है। ता. 17 को कन्या की सूर्य संक्रांति अग्निमंडल में पड़ रही है। जिससे मानसून भारतीय परिक्षेत्र से बाहर निकल जायेगा। गर्मी-उमस से जन-जीवन प्रभावित होगा। ता. 19, 20, 21, 23, 25, 26, 27, 29, 30 को मौसम में बदलाव दिखेगा। अधिकांश ग्रह कन्या राशि में प्रतियुति होने से कोई विषाणु जन्य रोग से जन-जीवन को परेशानी हो सकती है।

अक्टूबर—सूर्य मास के प्रारंभ में हस्त नक्षत्र में विचरण करते हुए यह ता. 11 को चित्रा नक्षत्र में, ता. 24 को यह स्वाती नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। मास में मंगल मृगशिरा नक्षत्र में विचरण करेंगे। शुक्र उत्तरफाल्गुनी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 14 को यह हस्त में तथा ता. 22 को चित्रा एवं ता. 30 को स्वाती नक्षत्र मे विचरण करेंगे। मासारभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 2 को मार्गी तथा ता. 20 को पूर्व में अस्त होंगे। फलतः मास के प्रारंभ में रात के तापमान में गिरावट दिखेगी। दिन और रात के तापमान में अंतर एवं आर्द्रता बढ़ने से रोगों का प्रकोप बढ़ेगा। ज्वर, खांसी, सर्दी, जुकाम आदि रोगों का उपद्रव भी संभावित है। दक्षिण भारत के अधिकांश भू-भागों मे सामान्य से भारी वर्षा हो सकती है। पर्वतीय भू-भागों मे अचानक शीत का प्रकोप बढ़ जायेगा। ता. 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10, 11, 12, 14 को मौसम में बदलाव दिखेगा। ता. 17 को सूर्य की तुला संक्रांति वायुमंडल में पड़ने से मौसम का मिजाज एकबार फिर बिगड़ सकता है। मौसम का उपद्रव खड़ी फसलों को नुकसान भी पहुंचा सकता है। तेज हवाओं के चलते दिन के तापमान में गिरावट दिखेगी। पहाड़ी एवं समुद्रतटीय भू-भागों में एकबार फिर मौसम का उपद्रव व्यापक जन-धन की हानि पहुंचा सकता है।

नवम्बर—मासारंभ में सूर्य स्वाती नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 6 को विशाखा में, ता. 20 को अनुराधा में विचरण करेंगे। ता. 1 को बुध स्वाती नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 7 को विशाखा में, ता. 16 को अनुराधा में, ता. 24 को ज्येष्ठा में विचरण करेंगे। मास के प्रारंभ में बुध अस्त अवस्था में रहेंगे। ता. 24 को गुरु मार्गी होंगे। फलतः मास के प्रारंभ में गुलाबी ठंड का असर दिखने लगेगा। हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों, कश्मीर, लद्दाख में अचानक हिमपात होंगे। तराई वाले क्षेत्रों में गरज-तरज के साथ वर्षा हो सकती है। उत्तर भारत के मैदानी भू-भागों में ठंड बढ़ेगी। 1, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13 को कहीं-कहीं खंडवृष्टि तो पर्वतीय भू-भागों में हिमपात हो सकता है। ता. 16 को वृश्चिक की सूर्य संक्रांति चन्द्रमंडल में पड़ने एवं सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति से ठंड का असर उत्तर व पश्चिम भारत में शीघ्र बढ़ेगा। दक्षिण भारत विदर्भ, स्वराष्ट्र एवं कोंकण के भू-भागों में बादल वृष्टि का उपद्रव हो सकता है। ता. 17, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29 को मौसम व्यतिक्रमित रहेगा। कुछ भू-भागों में ज्वालामुखी, ग्लेशियर घटना या अन्य प्राकृतिक उत्पात भी हो सकता है। जिससे जन-धन की हानि भी हो सकती है।

दिसम्बर—मास के प्रारंभ में सूर्य अनुराधा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 3 को ज्येष्ठा में, ता. 16 को मूल नक्षत्र में, ता. 29 को पूर्वाषाढ़ा में भ्रमणशील रहेंगे। मास के प्रारंभ में बुध ज्येष्ठा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 3 को मूल नक्षत्र में, ता. 12 को पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में, ता. 22 को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में विचरण करते रहेंगे। मासारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलते हुए ता. 2 को पश्चिम में उदय हो जायेंगे। ता. 3 को बुध धनु में, ता. 5 को शुक्र बुध के साथ युति करेगा। ता. 16 को सूर्य-शुक्र-बुध की प्रतियुति से मौसम का उपद्रव जारी रहेगा। पर्वतीय भू-भागों में वर्षा, ओला का जोर बढ़ेगा। जिससे कोहरे का जोर भी बढ़ता जायेगा। मैदानी भू-भागों से लेकर पर्वतीय भू-भागों तक मौसम का मिजाज बदलेगा। जिससे मास में ठंड का तीव्र प्रकोप जारी रहेगा। पश्चिमी भारत में वायु के जोर से तापमान सामान्य से नीचे रहेगा। मास में धनु की सूर्य संक्रांति वायुमंडल में पड़ने से पर्वतीय भू-भागों में हिमपात पहले की अपेक्षा अधिक होगा। समुद्रतटीय भू-भागों में भी आंधी-तूफान, सुनामी का प्रकोप बढ़ सकता है। ता. 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10, 11, 13, 14, 15 को मौसम का उपद्रव हो सकता है। माह में रह-रहकर अधिकांश भू-भागों में शीत लहर, खंडवृष्टि, ओलावृष्टि की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है। मौसमी बीमारियों, सर्दी-जुकाम,, बुखार से जन-जीवन कष्टप्रद हो सकता है। पशु-पक्षी को भी कष्ट हो सकता है।